

GOVERNOR'S CAMP,
UTTAR PRADESH.

Lucknow,

April 12, 1962.

I have great pleasure in testifying to the excellence of the work of publication of Sanskrit Series which the famous *'Chowkhamba'* of Varanasi has been doing during the last seventy years. Many eminent scholars of Sanskrit and Indology in India and abroad have commended this noble endeavour in glowing terms. This selfless venture, motivated by pure love of the heritage of Sanskrit learning in the country, was undertaken by *Shri Haridas Gupta* as long ago as 1892 and is being carried on with devotion and enthusiasm by his son *Shri Jaya Krishna Das Gupta.* The Series has over a thousand publications in Sanskrit, Hindi and English to its credit, and recently it has undertaken the stupendous work of publishing **'Sabda Kalpadruma'** and the **'Vachaspatyam',** both Sanskrit lexicons, which are invaluable additions to any library or centre of learning and culture.

All this noble work has so far been carried on by the family without any assistance from Government. But under present condition, it is difficult to carry on this work without public patronage and Government assistance. There is absolutely no doubt about the value of these publications for the preservation and promotion of Indian culture and learning. I hope the Publishers of this Series will receive every encouragement at the hands of the public as also of the State and Central Governments. I wish the Series every success.

B. Ramakrishna Rao

(B. Ramakrishna Rao)
Governor of Uttar Pradesh.

स्थानाभाव से अनेक सम्मतियों में से केवल एक सम्मति
दिग्दर्शन मात्र के लिये प्रकाशित की जा रही है।

'चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला कार्यालय' के संस्थापक स्वर्गीय **बाबू हरिदासजी गुप्त** तथा वर्तमान संचालक **बा० जयकृष्णदासजी गुप्त** एक साधारण पारिवारिक गृहस्थ होते हुए भी आज पचासों वर्ष से प्राचीन से प्राचीन दुष्प्राप्य संस्कृत ग्रन्थों का उद्धारकार्यरूपी प्रकाशन करते चले आ रहे हैं यह सभी विद्यानुरागी सज्जनों को विदित है और इसके लिये इनकी जितनी भी प्रशंसा की जाय थोड़ी है।

यों तो स्कूली पुस्तक व्यवसायियों की सभी जगह भरमार है परन्तु प्राचीन से प्राचीन ग्रन्थ जो किसी भी परीक्षा आदि में निर्धारित न हों और न जिनके प्रकाशन से अधिक लाभ की कोई संभावना ही हो उन ग्रन्थों का प्रकाशन कार्य इनके ही द्वारा अथवा भारतवर्ष की इनी-गिनी राजसंस्थाओं तथा गवर्नमेंट द्वारा होता है। मगर इनमें भी **'गुप्त'** महोदय की जैसी सच्ची लगन के साथ अनेक प्रकार की आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हुये प्रकाशन कार्य को निरन्तर चलानेवाला किसी को नहीं पाया। काशी की **'पंडित'** तथा **'विजयनगर'** ग्रन्थमाला इन्हीं कारणों से अल्प समय में स्थगित हो गई।

गुप्त महोदय के निःस्वार्थ प्रेम तथा अटूट परिश्रम के फलस्वरूप ही हम लोगों को संस्कृत साहित्य, दर्शन आदि विविध विषयों के सैकड़ों ग्रन्थ जो लुप्तप्राय थे, देखने को मिल रहे हैं। इनके कार्य की प्रशंसा के लिये इनके द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ ही पर्याप्त प्रमाण है।

मगर इतनी बात तो माननी ही होगी कि इस संस्था को जिस प्रकार की सहानुभूति मिलनी चाहिये, नहीं मिली, यह अत्यन्त खेद का विषय है। अस्तु, संस्कृतानुरागी सभी आचार्यों, साधु-महन्तों, विद्वानों तथा राजा-महाराजा एवं धनीमानी दानी सज्जनों, अध्यापकों तथा सभी गवर्नमेंट व सार्वजनिक संस्थाओं का पूर्ण कर्तव्य है कि वे अब भी इनके द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों को अधिकाधिक मात्रा में खरीद कर तथा अन्य प्रकार से भी इनकी सहायता करें जिससे ये और भी उत्साह तथा प्रेम के साथ अधिक से अधिक ग्रन्थों का प्रकाशन कर सुरभारती की सेवा करते रहें।

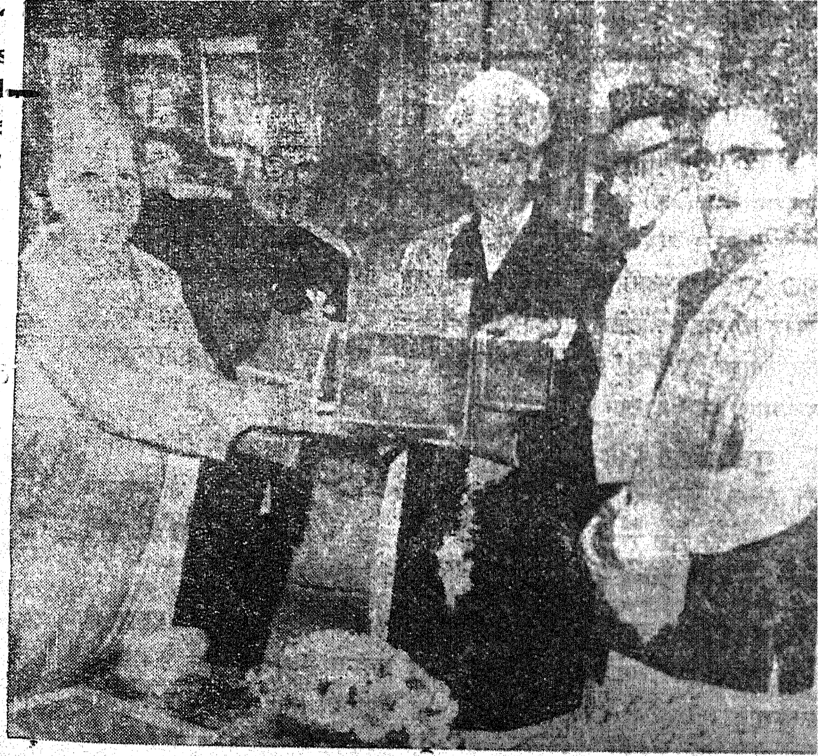
म० म० पण्डित गोपीनाथ कविराज,
एम० ए० डी० लिट्०,
सुपरिंटेण्डेण्ट आफ संस्कृत स्टडीज़, उत्तरप्रदेश।

संवत् २०१४

Presentation Ceremony

of

SHABDA-KALPADRUM

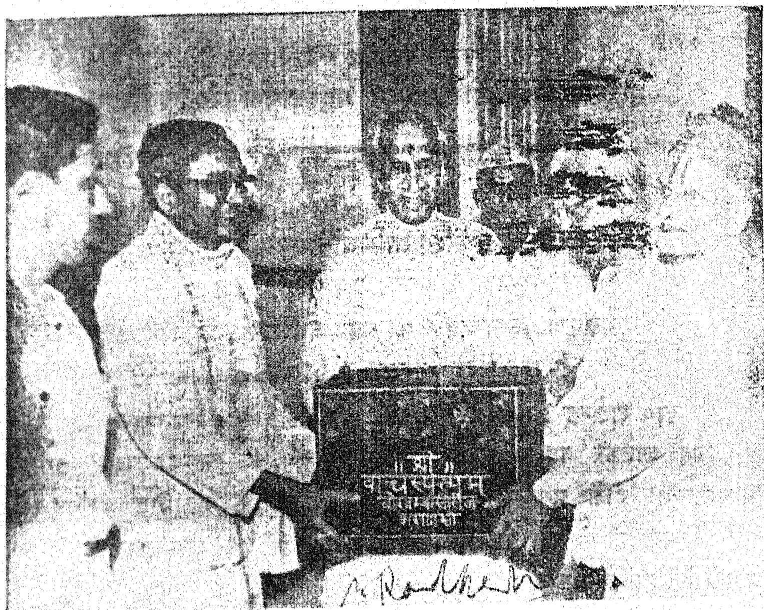


The President remarked that the 'Chowkhamba' Publications have made immortal contribution in the field of Sanskrit, and therefore their endeavour deserves highest appreciation.

Presentation Ceremony

Of

VACHASPATYAM



Dr. S. Radhakrishnan, *President of India remarked that it is a remarkable achievement of the publishers. It is a monumental and appreciable work and such works were needed for the propagation of Sanskrit. President further appreciated the bold step taken by the publishers and appreciated the work done by the 'Chowkhamba Series' during the past 70 years. He advised 'Chowkhamba' to publish more and more books in Sanskrit to enrich the literature.*

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः ९३)

राजा राधाकान्तदेव विरचितः

शब्दकल्पद्रुमः

(बृहन् संस्कृताभिधानग्रन्थः)

आकार-डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या ३२१८

संपूर्ण ग्रन्थ १–५ भाग तृतीय संस्करण १५०–००

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः ९४)

तर्कवाचस्पति श्रीतारानाथ भट्टाचार्येण संकलितं

वाचस्पत्यम्

(बृहन् संस्कृताभिधानग्रन्थः)

आकार-डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या ५५००,

संपूर्ण ग्रन्थ कपड़े की पक्की ६ जिल्दों में

रियायती मूल्य २७५–००

डा० राजेन्द्र प्रसाद जी, प्रथम राष्ट्रपति, भारतीय गणतन्त्र :

'यह जानकर वास्तव में बड़ी प्रसन्नता हुई कि 'शब्दकल्पद्रुम' तथा 'वाचस्पत्यम्' दोनों ग्रन्थ संपूर्ण 'चौखम्बा सीरीज' में प्रकाशित हो गए। इससे निश्चय ही संस्कृत साहित्य समृद्ध हुआ है। ऐसे शुभ कार्य के लिए आपको मेरे हार्दिक धन्यवाद !'

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः १०१)

शब्दस्तोममहानिधिः

श्री तारानाथ-तर्कवाचस्पति-भट्टाचार्य-विरचितः

आकार-डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या ५३२

प्रायः एक शताब्दी से दुर्लभ यह ग्रन्थरत्न संस्कृत का उत्तम कोशग्रन्थ है। इसमें संस्कृत के प्रायः सभी शब्दों के पर्यायों के साथ आवश्यक व्युत्पत्ति-विवरण-धातु-प्रत्यय, विग्रहवाक्यादि, प्रयोगस्थल आदि—भी दिए गए हैं। विवरण संक्षिप्त होने से बहुसंख्यक शब्दों का समावेश हो गया है। संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार कार्य में इस कोश का प्रथम स्थान है। मूल्य ४५–००

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः ९९)

ऋग्वेद संहिता

सायणभाष्य सहित

सम्पादक : **भट्ट मोक्ष मूलर**

आकार-डिमाई ४ पेजी पृष्ठ संख्या ३६०० भाग १–४ मूल्य १४०–००

ऋग्वेद का प्रस्तुत संस्करण अब तक के छपे अन्य संस्करणों की अपेक्षा सर्वाधिक प्रामाणिक माना गया है। इसके प्रख्यात सम्पादक ने अपने जीवन का अधिकांश समय इसे पूर्ण करने में ही व्यतीत किया जिसके कारण यह संस्करण आज भी अद्वितीय माना जाता है। इसके बाद छपे सभी अन्य संस्करण प्रायः पूर्णतया इसी पर आधारित हैं। इधर अनेक वर्षों से यह सर्वथा दुष्प्राप्य था। अतः चार भागों में छपे मूल संस्करण के आधार पर फोटो आफ सेट पद्धति से इसका नवीन संस्करण अत्युत्तम विदेशी (जर्मनी) टिकाऊ कागज पर मुद्रित कराकर इस संस्था द्वारा प्रस्तुत किया गया है। जिससे इसकी दुष्प्राप्यता दूर होकर प्रत्येक वैदिक विद्वान् इसे सुलभ मूल्य में प्राप्त कर अपनी आकांक्षा पूर्ण कर सके।

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः ९६)

श्रीशुक्लयजुर्वेदे

शतपथब्राह्मणम्

श्रीमत्सायणाचार्यहरिस्वामिद्विवेदगङ्गकृत-

भाष्येभ्यः सारमुद्धृत्य

डा० अल्बेर्तेन वेबेरेण शोधितम्

संपूर्ण ग्रन्थ डिमाई ४ पेजी पृष्ठ संख्या १२१०

मूल्य रु० १००–००

(The Chowkhamba Sanskrit Studies Vol. XIII)

ENGLISH–SANSKRIT DICTIONARY

By

Monier Williams

Sturdy & Cloth-bound-Big Size, Double Demy octavo pp. 850.

Price : Library Edition Rs. 75–00. Cheap Edition Rs. 32–00

हमारे सन् १९६६-६८ के कतिपय प्रमुख प्रकाशन :—

1 A Critical Study of the Philosophy of Ramanuja : By Dr. Anima Sen Gupta. 20—00

2 A Manual of Buddhism : In its Modern Development. Translated from Singhalese Mss. By R. Spence Hardy. 30—00

3 Agni Puranam : A prose English Translation with Annotations : By Manmatha Nath Dutt. 2 Vols. 60—00

4 Hymns of The Atharvaveda (Translated into English with a Popular Commentary) By Ralph T. H. Griffith. 2 Vols. 40–00

5 The Hunas in India : By Dr. Upendra Thakur. 25—00

6 Three Lectures on the Vedanta Philosophy : By F. Maxmuller. 7—50

7 Trade And Commerce in Ancient India : By Dr. Balram Srivastava. With A Foreword By Dr. A. L. Basham. With Plates. 30–00

८ **अग्निपुराणम्** । आलोचनात्मक विशद हिन्दी भूमिका, परिशिष्ट सहित । सम्पादक—आचार्य बलदेव उपाध्याय २०—००

९ **अमरुशतकम्** । अमरुक विरचित । अर्जुन वर्म देव प्रणीत 'रसिक संजीविनी' संस्कृत तथा श्री प्रद्युम्न पाण्डेय कृत हिन्दी व्याख्या सहित ३—५०

१० **कामकुञ्जलता** । पंडितराज श्री ढुण्ढिराज शास्त्री सम्पादित २०—००

११ **हिन्दी काव्यालङ्कार** । रुद्रट विरचित । (नमिसाधु कृत-संस्कृत टीका सहित) व्याख्याकार-श्री रामदेव शुक्ल १०—००

१२ **कृतितत्त्वसंग्रहः** । पं० तूफानी शर्मा ८—००

१३ **गदनिग्रह** । शोढल विरचित । श्री इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग १५—००

१४ **गौतमधर्मसूत्राणि** । हरदत्त विरचित 'मिताक्षरा' संस्कृत वृत्ति तथा श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी व्याख्या सहित १०—००

१५ **चन्द्रकला नाटिका** । विश्वनाथ कविराज प्रणीत । श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री कृत 'प्रभावली'-हिन्दीव्याख्या सहित ६—५०

१६ **चैतन्यचन्द्रोदय नाम नाटकम्** । कवि कर्णपूर विरचित । श्री रामचन्द्र मिश्र कृत हिन्दी व्याख्या सहित ७—००

१७ **चौखम्बा-चिकित्सा-विज्ञान-कोश** । सम्पादक—डा० गंगासहाय पाण्डेय । २०—००

१८ **त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम्** । स्वामी सनातनदेव जी महाराज कृत 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित १२—००

१९ **देववाणी प्रवेशिका** । (सचित्र) १-२ भाग । श्री अनसूया प्रसाद भट्ट । ३—२०

२० **हिन्दी नलचम्पू** । (चण्डपाल प्रणीत **'प्रकाश'** व्याख्या सहित) व्याख्याकार-श्री कैलासपति त्रिपाठी । प्रथम उच्छ्वास २—०० १—२ उच्छ्वास ३—०० सम्पूर्ण ११—००

२१ **नारीजागरण-नाटकम्** । पं० गोपाल शास्त्री दर्शनकेसरी ४—००
२२ **निबन्धादर्शः** । संपादक म० म० पं० श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदः २—५०
२३ **प्रबन्धरत्नाकरः** । डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल १६—५०
२४ **हिन्दी ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य** । व्याख्याकार—स्वामी हनुमानदास षट्शास्त्री
१—२ भाग सम्पूर्ण ३०—००
२५ **हिन्दी ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (चतुःसूत्री)** । व्याख्याकार—आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि ५—००
२६ **हिन्दी भामिनीविलास** । पंडितराज जगन्नाथ विरचित । व्याख्याकार—श्री राधेश्याम मिश्र । **अन्योक्ति विलास** मात्र ४—०० संपूर्ण १०—००
२७ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । विज्ञानेश्वर कृत 'मिताक्षरा' संस्कृत तथा डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । **आचाराध्याय** मात्र ४—००
संपूर्ण २०—००
२८ **राजमार्तण्डः** । भोजराज विरचित । हिन्दी टीका सहित २—५०
२९ **हिन्दी वक्रोक्तिजीवित** । व्याख्याकार—श्री राधेश्याम मिश्र १५—००
३० **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः** । डॉ० महेशतिवारी कृत हिन्दी टीका सहित ६—००
३१ **विद्यापरिणयनम्** । आनन्दराय मखि विरचित । श्री रामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ४—५०
३२ **हिन्दी वैशेषिकदर्शन** । (**प्रशस्तपाद** भाष्य सहित) व्याख्याकार—पंडितराज श्री ढुण्ढिराज शास्त्री १५—००
३३ **व्याकरणमहाभाष्यम्** । कैयट विरचित 'प्रदीप' संस्कृत तथा श्री मधुसूदन प्रसाद मिश्र कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । प्रथम आह्निक पस्पशाह्निक २—००
१—४ आह्निक ८—०० १—५ आह्निक १०—००
३४ **शब्दकल्पद्रुमः** । राजा राधाकान्तदेव बहादुर विरचित । तृतीय संस्करण १—५ भाग सम्पूर्ण १५०—००
३५ **शब्दस्तोममहानिधिः** । तारानाथ तर्कवाचस्पति भट्टाचार्य विरचित ४५—००
३६ **शुकसप्ततिः** । श्री रमाकान्त त्रिपाठी विरचित 'विनोदिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १०—००
३७ **शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम्** (वाजसनेयि-प्रातिशाख्यम्) कात्यायन प्रणीत । श्रीमती इन्दु रस्तोगी कृत आंग्लानुवाद सहित १०—००
३८ **समयमातृका** । क्षेमेन्द्रकृत । डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी कृत हिन्दी व्याख्या सहित ४—००
३९ **सिद्धान्तनिदानम्** । गणनाथसेन कृत । १-२ भाग १४—००
४० **सूक्तिमञ्जरी** । आचार्य बलदेव उपाध्याय ८—००
४१ **हनुमन्नाटकम्** । पं० जगदीश मिश्र कृत 'विभा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६—५०

४२ **औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्य-शास्त्र पर प्रभाव।** डॉ० चन्द्रहंस पाठक २५—००
४३ **कृष्णभक्ति-काव्य में सखीभाव।** डॉ० शरणबिहारी गोस्वामी २५—००
४४ **सचित्र क्रियात्मक औषधि परिचय विज्ञान।** श्री विश्वनाथ द्विवेदी १२—००
४५ **त्रिदोषविज्ञान।** श्री उपेन्द्रनाथदास ४—००
४६ **पुरुषार्थ।** भारतरत्न डॉ० भगवानदास १२—५०
४७ **प्रत्यक्ष शारीर।** गणनाथ सेन कृत। हिन्दी। १-२ भाग २५—००
४८ **भारतीय इतिहास के स्रोत, सिक्के।** ई० जे० रैपसन। अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय १२—००
४९ **भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधिसिद्धान्त।** श्री राजवंश सहाय 'हीरा' १५—००
५० **महाकविशूद्रक** (शूद्रक और मृच्छकटिक) डॉ० रमाशंकर तिवारी १२—५०
५१ **महाभारतकोश।** डॉ० रामकुमार राय। १-२ भाग ४०—००
५२ **मूल संस्कृत उद्धरण** (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) प्रो० जे मूइर। हिन्दी अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय। १-४ भाग ८०—००
५३ **राजतरंगिणी कोश।** डॉ० रामकुमार राय १५—००
५४ **लौकिक संस्कृत साहित्य।** ए० बी० कीथ। अनुवादक-श्री चारुचन्द्र शास्त्री ७—५०
५५ **लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।** डॉ० गौरीनाथ शास्त्री। अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय ९—००
५६ **विष्णुपुराण का भारत।** डॉ० सर्वानन्द पाठक २०—००
५७ **वेदकालीनसमाज।** डॉ० शिवदत्त ज्ञानी २५—००
५८ **वेदार्थ-चन्द्रिका।** डॉ० मुंशीराम शर्मा ६—००
५९ **वैदिक योग सूत्र।** श्री हरिशंकर जोशी २०—००
६० **व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास।** श्री रमाकान्त मिश्र ४—००
६१ **शल्यप्रदीपिका।** डॉ० मुकुन्द स्वरूप वर्मा १५—००
६२ **शृङ्गाररस का शास्त्रीय विवेचन।** डॉ० इन्द्रपाल सिंह १०—००
६३ **संस्कृत के विद्वान और पण्डित।** श्री रामचन्द्र मालवीय १—७५
६४ **साहित्यशास्त्रसार।** श्री हंसराज अग्रवाल-श्रुतिकान्त जी ४—५०
६५ **स्मृतियाँ और कृतियाँ।** श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ४—००
६६ **स्वतन्त्रकलाशास्त्र।** डॉ० कान्तिचन्द्र पाण्डेय। प्रथम भाग—भारतीय ३५—००
६७ **हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका।** डॉ० शम्भुनाथ सिंह ७—५०
६८ **हेमचन्द्राचार्य जीवन चरित्र।** डॉ० जी० बूह्लर। अनुवादक श्री कस्तूरमल बांठिया ७—००

THE CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES

(Started in 1935)

Vol. I. ABHINAVAGUPTA : An Historical and Philosophical Study by Dr. Kanti Chandra Pandey, M. A., Ph. D., D. Litt., M. O. L., Shastri, With a Foreword by Dr. Ganganath Jha. Second Edition, Revised and Enlarged. 1963. 45–00

Vol. II. COMPARATIVE ÆSTHETICS :
Vol. I. INDIAN ÆSTHETICS : By Dr. Kanti Chandra Pandey, M. A., Ph. D., D. Litt., M. O. L., Shastri. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. Second Edition. Revised and Enlarged. 1959. 30–00

Vol. IV. COMPARATIVE ÆSTHETICS :
Vol. II. WESTERN ÆSTHETICS: By Dr. Kanti Chandra Pandey, M. A., Ph. D., D. Litt., M. O. L., Shastri, 1956. 30–00

Vol. III. YUGANADDHA : The Tantric View of Life by Dr. Herbert V. Guenther, Ph. D. Second Revised Edition. In the Press

Vol. V. VEDĀNTA DEŚIKA : A Study of His Life, Works and Philosophy : By Dr. Satya Vrata Sinha, M. A., Ph. D., D. Litt. 1958. 20–00

Vol. VI. LIGHTS ON VEDĀNTA : A Comparative Study of the various views of Post-Sankarities, with special emphasis on Suresvara's doctrines by Dr. Veermani Prasad Upadhyaya, M. A., B. L., D. Litt., With a Foreword by Dr. B. N. Jha. 1959. 15–00

Vol. VII. THE FALL OF THE MOGUL EMPIRE : By Sidney J. Owen, M. A. Reprint. 1960. 8–00

Vol. VIII. HISTORY OF INDIAN LITERATURE : By Alberchet Weber. Translated from the Second German Edition by John Mann, M. A., and Theodor Zachariae, Ph. D. Reprint. 1961. 25–00

Vol. IX. MEGHADŪTA OR CLOUD MESSENGER : A Poem in the Sanskrit Language by Kalidas. Translated into English Verse, with notes and Illustrations by H. H. Wilson, M. A., F. R. S., etc., Reprint. 1961. 7-50

Vol. X. SARVA-DARŚANA-SAṂGRAHA : or Review of the different systems of Hindu Philosophy by Madhava Acharya. Translated by E. B. Cowell, M. A. and A. E. Gough, M. A. Reprint. 1961. 15-00

Vol. XI. AN INTRODUCTION TO THE GRAMMAR OF THE SANSKRIT LANGUAGE : For the use of Early Students by H. H. Wilson, M. A., F. R. S. etc., Reprint. 1961. 20-00

Vol. XII. SAKUNTALA : or the Lost Ring. A Sanskrit Drama, in Seven Acts, by Kalidasa. The Deva-Nagari Recension of the Text Edition with Literal English Translation of all the metrical passages, schemes of the metres and Notes, Critical and Explanatory, by Monier Williams, M. A., D. C. L. Reprint. 1961. 15-00

Vol. XIII. ENGLISH-SANKSRIT DICTIONARY : By Sir M. Monier Williams, M. A., K. C. I. E. Reprint. 1965.

Library Edition. 75-00

Cheap Edition. 32-00

Vol. XIV. LAWS & PRACTICE OF SANSKRIT DRAMA : (An Investigation into the canons of Sanskrit Dramaturgy and their application to some principal plays in Sanskrit) By Prof. Surendra Nath Shastri, M. A., D. Phil, L. L. B. Vol. I. 1963. 25-00

Vols. II-VI. In the Press.

Vol. XV. HISTORY OF ANCIENT SANSKRIT LITERATURE : By F. Max Muller. Reprint. 25-00

Vol. XVI. THE SIX SYSTEMS OF INDIAN PHILOSOPHY : By The Right Hon. Prof. Max Muller. Reprint. 1962. 15-00

Vol. XVII. EPISTEMOLOGY OF THE BHATTA SCHOOL OF PURVA MIMANSA : By Dr. Govardhan P. Bhatt, M. A., Ph. D. 1962. 20-00

Vol. XVIII. DRAMAS : Or A Complete Account of the Dramatic Literature of The Hindus : By H. H. Wilson. Reprint. 1962. 4-00

Vol. XIX. THE PURĀṆA TEXT OF THE DYNASTIES OF THE KALI AGE : With Introduction and Notes by F.E. Pargiter, M. A. Reprint. 1962. 20-00

Vol. XX. THE ATHARVA-VEDA PRĀTIŚĀKHYA or SAUNAKĪYA CATURĀDHYĀYIKĀ : Text, Translation and Notes by William D. Whitney. Reprint. 1962. 20-00

Vol. XXI. A PRACTICAL GRAMMAR OF THE SANSKRIT LANGUAGE : Arranged with reference to the classical Languages of Europe for the use of English Students by Monier Williams, M.A. Reprint. 1962. 20-00

Vol. XXII. VAISESHIKA PHILOSOPHY : According to the Dasapadartha-Sastra. Chinese Text with Illustration, Translation and Notes by H.UI. Edited by F.W. Thomas. Reprint. 1962. 16-00

Vol. XXIII. HISTORICAL AND LITERARY INSCRIPTIONS :By Dr. Rajabali Pandeya, M.A.,D.Litt., 1962. 15-00

Vol. XXIV. VISNUDHVAJA or QUTB MANĀR : By Dr. D. S. Triveda, M.A., Ph.D. With a Foreword by Sir C.P. Ramaswami Aiyar. Introduction by Sri Birbal Singh. 1962. 5-00

Vol. XXV. RELIGIONS OF INDIA : By A. Barth. Authorised English Translation by Rev. J. Wood. Reprint. 1963. 15-00

Vol. XXVI. BUDDHIST PHILOSOPHY IN INDIA AND CEYLON : By A. B. Keith. Reprint. 1963. 15-00

Vol. XXVII. MYTHOLOGY OF THE ĀRYAN NATIONS : By The Rev. Sir George W. Cox, Bart., M. A. Reprint. 1963. 30-00

Vol. XXVIII. HYMNS OF THE SĀMA-VEDA : Translated into English with a popular Commentary by Ralph T. H. Griffith, M. A., C. I. E. Reprint. 1963. 20-00

Vol. XXIX. VĀLMIKI RĀMĀYANA : Translated into English Verse by Ralph T. H. Griffith, M. A., C. I. E. With a Memoir by M. N. Venkataswami, M. R. A. S. Reprint. 1963. 25–00

Vol. XXX. SUSHRUTA SAMHITĀ : Based on original Sanskrit Text, English Translation, with a full and comprehensive Introduction, additional texts, different readings, notes, comparative views, index, glossary and plates. Translated and edited by Kaviraj Kunjalal Bhishagratna M. R. A. S. In three Volumes. Reprint. 1963. 60–00

Vol. XXXI. UNIVERSAL HISTORY OF MUSIC : Compiled from Diverse Sources. Together with various original Notes on Hindu Music by Raja Sir Sourindra Mohan Tagore. Reprint. 1963. 20–00

Vol. XXXII. STUDIES IN VEDIC INTERPRETATION : (On the Lines of Sri Aurobindo) By A. B. Purani. 1963. 20–00

Vol. XXXIII. ON THE ORIGIN OF THE INDIAN BRAHMA ALPHABET : By Georg Bühler. Second Revised Edition of Indian Studies, No. III. Together with two Appendices on the origin of the Kharosthi Alphabet and of the so-called Letter Numerals of the Brahmi, with three Plates. Reprint. 1963. 10–00

Vol. XXXIV. SAMKHYA APHORISMS OF KAPILA : With Illustrative Extracts from the Commentaries. Translated by James R. Ballantyne, LL. D. Reprint. 1963. 20–00

Vol. XXXV. HYMNS OF THE ṚGVEDA : Translated into English with a popular Commentary by Ralph T. H. Griffith, M. A., C. I. E. Complete in 2 Vols. Reprint. 1963. 40–00

Vol. XXXVI. INDIAN WISDOM : or Examples of the Religious, Philosophical and Ethical Doctrines of the Hindus : With a brief History of the chief Departments of Sanskrit Literature and Some Account of the Past and Present Condition of India, Moral and Intellectual, by Monier Williams, M. A. Reprint. 1963. 30–00

Vol. XXXVII. A FUNCTIONAL ANALYSIS OF INDIAN THOUGHT AND ITS SOCIAL MARGINS : By Swami Agehananda Bharati. 1964. 15–00

Vol. XXXVIII. THE VRATYAS IN ANCIENT INDIA : By Radha Krishna Choudhary, M. A. 1964. 15–00

Vol. XXXIX. THE SOCIO-RELIGIOUS CONDITION OF NORTH INDIA : (700–1200 A. D.) Based on Archæological Sources by Dr. Vasudeva Upadhyay, M. A., Ph. D. 1964. 25–00

Vol. XL. SURGICAL ETHICS IN AYURVEDA : By Dr. G. D. Singhal M. S., F. R. C. S. & Pt. Damodar Sharma Gaur, A. M. S. 1963. 5–00

Vol. XLI. STUDIES IN THE DEVELOPMENT OF ORNAMENTS AND JEWELLERY IN PROTO-HISTORIC INDIA : By Dr. Rai Govind Chandra, M. A. 1964. 75–00

Vol. XLII. AGNI-PURANA : A STUDY : By Dr. S. D. GYANI, M. A. 1964. 25–00

Vol. XLIII. STUDIES IN JAINISM AND BUDDHISM IN MITHILA : By Dr. Upendra Thakur, M. A., D. Phil. 1964. 15–00

Vol. XLIV. WOMEN IN ANCIENT INDIA : Moral and Literary Studies by Clarisse Bader. Translated by Mary E. R. Martin. Reprint. 1964. 20–00

Vol. XLV. BUDDHISM : In its Connection with Brahmanism and Hinduism and in its Contrast with Christianity by Sir M. Monier-Williams, K. C. I. E. Reprint. 1964. 35–00

Vol. XLVI. AN INTRODUCTION TO BUDDHIST ESOTERISM : By Dr. Benoytosh Bhattacharyya, M. A., Ph. D. Reprint. 1964. 30–00

Vol. XLVII. CONCEPT OF POETIC BLEMISHES IN SANSKRIT POETICS : By Dr. Bechan Jha, M.A.,D.Litt. 1965. 15–00

Vol. XLVIII. PANINI : His Place in Sanskrit Literature, An Investigation of some Literary and Chronological Questions which may be settled by a study of his work. By Theodor Goldstucker. First Indian Edition edited by Dr. Surendra Nath Shastri, M. A., D. Phil., L.L. B., F. R. A. S. 1965. 16–0

Vol. XLIX. HINDU MUSIC FROM VARIOUS AUTHORS : Compiled by Raja Sir Sourindro Mohun Tagore. Reprint. 1965. 25–00

Vol. L. TRIPURA RAHASYA : (Jñānakhaṇḍa) English Translation and a Comparative Study of the Process of Individuation by A. U. Vasavada, M. A., D.Litt. 1965. 15–00

Vol. LI. INDO-ARYAN LETERATURE AND CULTURE (Origins) : By Nagendranath Ghose, M. A., B.L. Advocate, High Court, Calcutta. Reprint. 1965. 20–00

Vol. LII. THE BHAKTI CULT IN ANCIENT INDIA : By M. M. Dr. Bhagabat Kumar Goswami, Shastri, M. A., Ph. D. Professor, Hooghly College. Reprint. 1965. 25–00

Vol. LIII. NALOPAKHYANAM : Story of Nala. An Episode of the Maha-Bharata. The Sanskrit Text, with a Copious Vocabulary and An Improved Version of Dean Milonan's Translation by Monier Williams, M.A.,D.C.L. Indian Edition. 1965. 25–00

Vol. LIV. AGNI PURANAM—Edited with a Prose English Translation by Manmatha Nath Dutt (Shastri), M. A., M. R. A. S. 2 Vols. Reprint. 1967. 60–00

Vol. LV. A CRITICAL STUDY OF THE PHILOSOPHY OF RAMANUJA : By Dr. Anima Sen Gupta. 1967. 20–00

Vol. LVI. A MANUAL OF BUDDHISM, In its Modern Development. Translated from Singhalese Mss. By R. Spence Hardy. Reprint. 1967. 30–00

Vol. LVII. THREE LECTURES ON THE VEDANTA PHILOSOPHY : By F. Max Muller. Reprint. 1967. 7–50

Vol. LVIII. THE HUNAS IN INDIA : By Upendra Thakur. With A Foreword by D. C. Sircar. 1967. 25–00

Vol. LIX. TRADE AND COMMERCE IN ANCIENT INDIA : By Sri Balaram Srivastava. With a Foreword by Dr. A. L. Basham. 1968. 30-00

THE STUDENT'S GUIDE TO SANSKRIT COMPOSITION : A Treatise on Sanskrit Syntax for the use of Schools and Colleges by Vāman Shivarām Āpte. 4–75

CHOWKHAMBĀ RĀSHṬRABHĀSHĀ SERIES

A Collection of Serious Studies in Hindi on Various Branches of Indian Learning. Edited by Various Scholars. Work Nos. 1–4. 1967. 85–00

No. 1. **SVATANTRAKALĀ SĀSTRA** (Science and Philosophy of Independent Arts) by Dr. Kantichandra Pandey. Vol. I. Bharatiya. 35–00

2. **VISHNUPURĀNA KĀ BHĀRATA** (India as Depicted in the Vishnupurana) by Dr. Sarvananda Pathak. 20–00

3. **VAIDIKA YOGASUTRA** (An Abstract Yoga Philosophy or Metaphysics as in the Vedic Literature) with Hindi Commentary by Pt. Harisankar Joshi. 20–00

4. **S'ṚIṄGĀRA RASA KĀ S'ASTRĪYA VIVECHANA** (A Critical Discussion of the Sentiment of Love) by Dr. Indrapala Singh. 10–00

VIDYĀBHAWAN RĀSHṬRABHĀSHĀ GRANTHAMĀLĀ

This Series is published, keeping a two-fold object in view viz., popularising various branches of Indian thought by publishing authentic translations of, and critical studies on Sanskrit works in Hindi, and enriching the Hindi Literature by publishing Hindi translations of valuable works in other Indian and foreign languages and thereby bringing within the easy reach of Hindi knowing public, the store of human knowledge to which they have no access. Works Nos. 1–114 Price Rs. 1097–00 have hitherto been published and new titles are added at frequent intervals. A few important titles are quoted below to enable the readers to realize the vastness of the scope of this series :

1 **KĀDAMBARI : EKA SĀNSKRITIK ADHYAYAN** (A Cultural Study of the Kādambari of Bāṇabhaṭṭa) by Dr. V. S. Agrawal. (V. R. G. 14) 15–00

2 **HINDU SANSKĀRA** (Socio-Religious Study of the Hindus' Sacraments) by Dr. Raj Bali Pandeya. (V. R. G. 12) 16–00

3 **PRĀKRIT SĀHITYA KĀ ITIHĀS** (History of Prākrit Literature) by Dr. Jagadish Chandra Jain, M.A., Ph.D. (V. R. G. 42) 20–00

4 **VEDIC INDEX** (Index of Vedic Names and Subjects by A. A. Macdonell and A.B. Keith) Hindi Translation by Prof. Ram Kumar Rai, M. A. 2 Vols. (V. R. G. 46) 40–00

5 **KAUTILĪYA ARTHASĀSTRA** (Arthasāstra of Kautilya) Hindi Translation by Sri Vachaspati Sastri Gairola. (V. R. G. 58) 10–00

6 **VYĀVAHĀRIKA MANOVIJNĀNA** (Applied Psychology) by Dr. Ramkumar Rai.(V. R. G. 64) 8–00

7 **JAINA ĀGAMA SĀHITYA ME BHĀRATĪYA SAMĀJA** by Dr. Jagadish Chandra Jain. (V.R.G. 93) 25–00

8 **BHĀRATĪYA ITIHĀSA KE SROTA : SIKKE.** (Sources of Indian History : Coins. By E. J. Rapson). Hindi Translation by Dr. Ramkumar Rai. (V. R. G. 100) 12–00

9 **SANSKRIT BHĀSHĀ** (Sanskrit Language) by T. Burrow. Hindi Translation by Dr. Bhola Sankar Vyasa. (V. R. G. 81) 30–00

10 **SANSKRIT SĀHITYA KĀ ITIHĀSA** (History of Sanskrit Literature) by Shri Vachaspati Gairola. (V. R. G. 28) 20–00

11 **MADHYAKĀLIN SĀHITYA ME AVATĀRVĀD** (Theory of Incarnation in Medieval Indian Literature : An Interpretation) by Dr. Kapildeo Pandey. (V.R.G. 60)30–00

12 **MOOLA SANSKRIT UDDHARANA** (Original Sanskrit Texts by J. Muir) Hindi Translation by Ram Kumar Rai. Vol. I–IV. (V. R. G. 67) 80–00

13 **CHĀRVĀKA DARSHAN KĪ SHĀSTRĪYA SAMĪKSHĀ** (A Critical Study of Charvak Philosophy) by Dr. Sarvananda Pathak. (V. R. G. 76) 12–50

14 **SOMESHWAR KRIT MĀNASOLLĀSA : EKA SĀNSKRITIK ADHYAYAN** (Mānsollāsa of Somesvara : A Cultural Study) by Dr. Shiva Shekhar Mishra. (V. R. G. 99) 25–00

15 **LAUKIKA SANSKRIT SAHITYA KĀ SAMKSHIPTA ITIHĀSA** (A Concise History of Classical Sanskrit Literature by Gauri Nath Shastri) Hindi Translation by Dr. Ram Rumar Kai. (V. R. G. 114) 9–00

MITHILĀ IN THE AGE OF VIDYĀPATI

(C. 1330–1525 A. D. : A Study in Cultural History)

Prof. Radhakrishna Choudhary

Prof. Choudhary, the author of the present work can surely claim an unprecedented originality in his skill of reconstructing the cultural history of a nation from its literary records. With this Particular angle of vision he has made a thorough study of the poems of Vidyāpati. The readers will find, with interest and admiration, in the present volume a very detailed description of every-day life of the Maithila people of the middle ages; their food habits, dresses, religious beliefs and superstitions, joys and sorrows of the womenfolk, social institutions, customs and manners etc. etc., as depicted by Vidyāpati. This study is as interesting as a novel, being at the same time authentic with references to the original sources.

Shortly

HISTORY OF MUSLIM RULE IN TIRHUT

(1206–1765 A. D.)

Prof. Radhakrishna Choudhary

The broad outlines of the central administration of Muslim rulers of India are now not unknown to us, but we really know very little of the detailed political and social history of the *provinces* during that period and of the interesting tale of changes of power which took place very frequently. It is certainly interesting to note that Mithilā was the only country in North-eastern India having an independent Hindu kingdom, though sorrounded on all sides, by muslim powers. Prof. Choudhary has laboured much to record the obscured history of muslim rule in Tirhut. His statements are factual, not conjectural and based on rare but trustworthy materials, his jugdements are unprejudiced and rational, and his diction is lucid and combined with literary flavour.

Shortly

KAUTILYA'S POLITICAL IDEAS AND INSTITUTIONS

(A Study in Ancient Indian Polity)

Prof. Radhakrishna Choudhary

The *Arthashastra* of Kautilya represents a difinite stage in the history of Indian political thought. Inspite of so much importance, Arthashastra of Kautilya is a very difficult work, and more so to the average readers. Even good translations prepared by renowned scholars are of little help to understand it. Taking these difficulties into consideration and noticing the ever increasing interest in its study of the educated public, the author has prepared this beautiful treatise which will make the ordinary readers acquainted with the political ideas of the great Indian thinker. Shortly

A COMPARATIVE STUDY OF THE CONCEPTS OF SPACE AND TIME IN INDIAN THOUGHT

Dr. Kumar Kishore Mandal

Time and Space are two fundamental data of science and philosophy. There is of course, grave difference of opinion among philosophers regarding the reality of these two entities. The arguments and counter-arguments put forward by the exponents of various schools of thought really form a labyrinth from which it is difficult to come out. The learned author has endeavoured to give a survey of their arguments and conclusions and the present work is the outcome of his hard labour of intensive study of original texts carried on for several years. The speciality of his work lies in the fact that it gives a survey of the views and the opinions of different philosophers beginning from the dawn of the first speculation in the Vedic period down to the recentest theories of scientific philosophers. Rs. 15-00

THE DHVANI THEORY IN SANSKRIT POETICS

Prof. Mukunda Madhav Sarma

It can safely be said that the science of poetics reached its culmination in the theory of Dhvani (resonance) first so nicely propounded by the celebrated Indian Rhetorician ANANDA-VARDHANA and then so magnificently explained and elaborated by his successor ABHINAVA GUPTA. The theories forwarded by other Ālaṅkārikas to refute the former are also not less interesting and intelligent. The learned author of the present work, has very ably brought into the compass of one single handy volume written in lucid beautiful English, authenticated with apt quotations from the original sources and their faithful expositions, all the essence of such a vast literature developed in this wide country, by her most intelligent writers, during several centuries. Rs. 20–00

SRI AUROBINDO AND THE THEORIES OF EVOLUTION

(A Critical and Comparative Study)

Dr. Rama Sankar Srivastava

This monograph is an excellent exposition of Sri Aurobindo's theory and principles of Divine evolutionism. By clear, connected and comprehensive account of Sri Aurobindo's philosophy of evolution, and by a comparison with Samkhya, Advaita Vedanta and Kashmir Saivism the author has shown how far the former has made a distinct improvement over them. The learned author has very ably shown that the biological theories of the western authorities like Darwin, Spencer, Lamarck etc., explain but little of the many sided directions of evolution-process. He gives a clear and critical account of Sri Aurobindo's integral theory of evolution and throws light on many other problems connected with it.

Shortly

A CRITICAL STUDY OF THE BHĀGAVATA PURĀṆA

With Special Reference to Bhakti

Dr. T. S. Rukmani

The Bhāgavata Purāṇa is the most famous among the Purāṇas and its influence on the religion of the people is profound. It enjoys its privileged position in the Indian mind as a gospel of *Bhakti,* and it has been responsible for the rise of many sects of Vaiṣṇavas. But such an important work has not been properly studied by modern scholars and its intrinsic value has never been placed before the reading public. Our authoress, in this learned work, endeavours to present a comprehensive study on the Bhāgavata Purāṇa with special reference to Bhakti, and discusses very ably the development of this particular way of religious life through the vast Indian scriptures. Shortly

CONCEPTS OF AGNI IN AYURVEDA

With

Special reference to Agnibala Parikṣā

Dr. Bhagavan Das

The concepts of 'Agni' i.e., the latent heat in the human physique occupies a very important place in the medical literature in India. The ancient authors and their compilers of medical treatises of India had never failed to judge 'Agni' with all its importance and bearings on the system of diagonizing the various diseases and their remedy. Their discussions at places go far beyond the limited scope of medical science and become philosophical. The present author, critically examines the concepts in the back ground of Indian philosophies who accept Agni as one of the primary elements of the universe, and in the light of modern scientific researches as well. He explains his subject matter very exhaustively with the help of many diagrams and charts. Shortly

KĀLIDĀSA KOṢA

Prof. S. C. Banerji

This interesting work is a cyclopaedic Index of all the Zoological, Botanical, Geographical and other terms used by Kālidāsa. The author has spared no pain to select, arrange and explain those terms noting the references to the places of their occurrence in Kālidāsa's works. In every case he gives their technical names (Latin names) as used by modern scientists and quotes modern authorities as well. In this handy volume the interested reader may find how many Sanskrit names of lotus or water lily have been used by Kālidāsa, what is the botanical name of *Kurabaka* or the zoological term for *cakora* etc. etc. Such an informative and interesting work must be consulted by every student of Sanskrit literature. Shortly

THE POLITICAL AND SOCIO-RELIGIOUS CONDITION OF BIHAR

(185 B. C. to 319 A. D.)

Dr. Hari Kishore Prasad

Our knowledge of the history of the period between the fall of the Mauryan Empire and the rise of the Imperial Guptas, is of a very limited character. Naturally, a detailed and comprehensive history of Bihar for the period did not exist. The learned author of the present work has, therefore, endeavoured to present before the students of history a connected record of that period. His thinking is independent and he has very ably discussed knotty problems as the relation of Pusyamitra Śunga with the Buddhists, whether Pusyamitra was a Śunga, etc., etc. He has reconstructed for the first time the history of the revival and development of Brahmanical religion in the period. Every student of Indian history will be much benifitted from this work. Shorly

HYMNS OF THE ATHARVAVEDA

(Translated into English with a Popular Commentary)

By

Ralph T. H. Griffith

While the Ṛgveda contains the ancient most religious writings of mankind and reveals various aspects of the life and culture of Aryan people, the Atharvaveda contains interesting and important records regarding the popular beliefs, folk-religion and elements of ancient thinking in medical science.

The present work is an attempt to bring within the easy reach of English knowing readers who are not much accustomed with Vedic Sanskrit, a faithful English translation of the Atharvaveda, mostly based on the commentary of Sayanacharya.

2 Vols. Complete. Rs. 40–00

A HISTORY OF VEDIC LITERATURE

By

Prof. S. N. Sharma Shastri, M. A., M. O. L.

The History of Vedic Literature forms a part of the Sanskrit M. A. Syllabus in almost all universities; but unfortunately our students have so long been compelled to consult works of foreign scholars like, Weber, Winternitz, Macdonell etc. Their treatment of the subject is either too general or too exhaustive, besides their views may not always be palatable to Indian minds.

The present work is an attempt to place at the disposal of the students and teachers alike, a brief but authentic work from the pen of an Indian scholar, which, though refers to all important views of previous authorities, can be deemed to be an indepedent original contribution in the field. Shortly

THE ARCHAEOLOGY OF KUMAON

(Including Dehradun)

Dr. K. P. Nautiyal

Physically, Kumaon occupies the extreme north-west corner of Northern India. This part of our mother land, though not much known to the rest, is one whole political and cultural entity. Unfortunately, the history of this region, not being properly and laboriously studied by able historians, remains nothing more than a pack of disjointed facts; the actual records are sporadic and the early part of the history is yet a vexed problem. The learned author of this work has, however, spared no pain to examine all available materials and to exploit every possible sources to reconstruct the political and cultural history, as well as to offer a systematic and scientific study of the archaeology of this region. His treatment of the subject is based on first hand knowledge of epigraphic and architectural materials.

Shortly

A STUDY OF HINDU ART AND ARCHITECTURE

With Special Reference to Terminology

Lalit Kumar Sukla

Much has been studied and written in both East and West on the monuments of Art and Architecture still existent in India, but very little has been done to study the theoretical principles on which such a great tradition of practical art was based. The present author endeavours here to present a systematic study of such theoretical records, on the basis of his original researches into the most difficult treatises as "Māna Sāra," "Samarāṅgaṇa Sūtradhāra," "Aparājita Pṛcchā," etc. The present work which explains almost every technical term used in those works, can be deemed as an Encyclopaedia of Ancient Indian Art and Architecture.

Shortly

(Chow. Sans. Studies Vol. LIV)

AGNI PURANAM

(A Prose English Translation)

By

Manmatha Nath Dutta Shastri.

Agnipurāṇa occupies an important place among the extant Purāṇas, nay, among the most popular works in the Sanskrit language, exceptionally for its scientific tracts. Besides, 'it possesses an antiquity far beyond the reach of historical computation.' It can very will be called an Encyclopaedia of Hinduism for the great variety of matter of which it is composed.

Such an important work was translated into English by the celebrated translator M. N. Dutta to facilitate its study by readers not much accustomed with Sanskrit.

The present edition is the only one ever published in English. This reprint in particular, contains a detailed biography of the translator, a comprehensive Index both of which features were absent in the original edition. 2 Vols. 60–00

PURANA PANCALAKSANA

Edited By

W. Kirfel.

Rendred into Devanāgarī Script with an English Translation of the German Introduction

By

Dr. Suryakant

The present work is the result of a long and endearing research work of a renowned German scholar in the vast literature of the Purāṇas. The original edition being printed in Roman characters, and the exhaustive scholarly Introduction being in German language, such an important work could not be much utilised by most of the Indian Scholars. So the present editor has prepared this Devanāgarī edition which will be, it is hoped, of imense help to Indian scholars engaged in research works in the Puranic literature. Shortly

INTRODUCTION
TO
ARCHAEOLOGICAL REMAINS IN MADHYA PRADESH

(in Hindi)

[मध्यप्रदेश के पुरातत्त्व की रूपरेखा]

By

Dr. Moreswar G. Dikshit, Ph. D.,

The central region of India, now known as Madhya Pradesh, has been more or less ignored as unimportant by historians and archaelogists. So the archaeological and other remains of this province has never been properly studied in the wider perspective of Indian History.

The learned author of the present treatise has given a chronological description of those remains in a brief but exhaustive manner, collecting materials from a very wide field of his study. Not only in Hindi or other vernaculars of India, but even in European languages, this work will find very little match for it. 6-00

PAÑCADAS'Ī

of

Śrīmad Vidyāraṇya Muni

With a Sanskrit Commentary of

S'ri Rāmakṛṣṇa

The importance of the celebrated work "PAÑCADAŚĪ" in the study of Advaita Vedanta can not be too emphasised. The present edition contains a critical Text, a lucid and valuable Commentary which explains every intricate place of the original with copicus citations from the scriptural and other philosophical works, an important gloss, defferent readings, an exhaustive Introduction and Indices. 6-50

BOOKS ON INDOLOGY

*1 **A Functional Analysis of Indian Thought and Its Social Margins.** By Swami Agehananda Bharati of Syracuse University, New-York. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXVII) **15-00**

2 Abanindranath Tagore (Golden Jubilee Number) PaperEd. 16-00, Cloth Ed. 21-00

3 Abanindranath Tagore : His Life and Arts. By Dr. Rai Govind Chand. 18-00

4 Abdul Ghaffar Khan (Faith is a Battle) by D. G. Tendulkar. 60-00

*5 **Abhijnanasakuntala** with Kisorakeli & Ruchira Sanskrit & Hindi Commentaries. Edited with Introduction and critical Notes in Hindi by N. Kantanath Sastri Telanga, M. A., Professor, Banaras Hindu University. **7-00**

*6 **Abhijnanasakuntala** : A Sanskrit Drama in Seven Acts, by Kalidasa. The Devanagari Recension of the Text, edited with literal Translation of all the metrical passages, schemes of the metres and Notes, Critical and Explanatory, by Monier Williams, M. A., D. C. L. Third Edition. (Chow. Sans. Studies. Vol. XII) **15-00**

7 Abhijnana Sakuntala with original Text, Commentaries, critical and explanatory Notes, English translation by S. Roy. 12-50

8 Abhijnana Sakuntala with English notes & Translation. 7-00

9 Abhijnana Sakuntala (A New Version) written by L. Binyon. 2-00

10 Abhijnana Sakuntala with the Commentary of Raghavabhatta, various readings, Introduction, literal Translation, exhaustive Notes and Appendices. Edited by M. R. Kale with some supplementary notes by Suresh Upadhyaya. 9-90

11 Abhijnana Sakuntala with English translation by A. B. Gajendragadkar. 8-50

12 Abhijnana Sakuntala with English notes and Translation by C. S. Rama Sastri. 7-00

13 Abhijnana-Sakuntala of Kalidasa. Edited with an Exhaustive Introduction, Translation and Critical and Explanatory Notes by C. R. Devadhar. 5-50

14 Abhijnana Sakuntala with Introduction and English Translation by S. Rangachar. 6-25

15 Abhijnana Sakuntala. English translation only. 1-25

*16 **Abhinavagupta.** (An Historical and Philosophical Study). By Dr. Kanti Chandra Pandey. Revised & Enlarged Second Edition. (Chow. Sans. Studies Vol. I) **45-00**

17 Abhinaya Prakasika by Natanakalanidhi Gopinath. With Illustrations. 15-00

18 Abhiras : Their History and Culture by Bhagwan Singh Suryavanshi. Foreword by Dr. Jyotindra M. Mehta. 12-00

19 Abhisamayalankara. Introduction and Translation from original text with Sanskrit Tibetan Index. Edited by Edward Conze. 41-67

20 Abhisekanatakam (A Play in Six Acts). With Introduction, Translation, Notes, etc. By Vidyaratna S. Rangachar. 4-00

21 Abnormal Psychology. A Clinical Approach to Psychological Deviants by James D. Page. 21-88

22 Abraham Lincoln by Lord Charnwood. 2-50

23 Academic and Legal Deposit Libraries. An Examination Guide Book by Donald Davinson. 18-00

24 Acharya Prafulla Chandra Ray : Birth Centenary Souvenir Volume. With 25 Illustrations. 15-00

25 Account of the Districts of Bihar and Patna in 1811-12 by Francis Buchanan. 2 Vols. 12-00

26 Account of the District of Purnea in 1809-10 by Francis Buchanan. 10-00

27 Acharya-Puspanjali Volume. Edited by B. C. Law. 30-00

28 Acts of the 6th Triennial Congress of the International Federation for Modern Languages and Literatures. Proceedings of the Oxford Congress of 1954, which was devoted to literature and science. 36-00

29 Adam Mickiewicz in World Literature : A Symposium. Edited by Waclaw Lednicki. 48-75

30 Aditi and other Deities in the Veda by M. P. Pandit. 3-00

31 Adjectives and Substantives as a Single Class in the 'Parts of Speech' by S. D. Joshi. 1-50

32 Administration and Organisation of School Libraries in India by G. L. Trehan. With an Introduction by T. R. Sharma. 15-00

33 Administration of Education in India. Ed. by Dr. S. N. Mukerji. With a Foreword by Dr. K. L. Srimali. 30-00

34 Administration of Justice under the East India Company in Bengal, Bihar and Orissa. With an Introduction by Dean Roscoe Pound by Atul Chandra Patra. 10-00

35 Administrative Problems in the Indian Museums by Dr. S. T. Satya Murti. 1-50

36 Administrative System of Delhi Sultanae (1206-1413 A. D.) by U. N. Day. 7-50

37 Adrift on the Ganga by Satyanarayan Sinha. Ordinary Ed. 2-50

38 Adrift on the Ganga by Satyanarayan Sinha. Library Ed. 6-00

39 Administrative System of the East India Company in Bengal 1714-1786. Vols. I-II. Political and Judicial. By Niranjan Dhar. 32-00

40 Advaita-Vedanta according to Samkara by M. K. Venkatarama Iyer. Foreword by H. H. Jaya Chamaraja Wadiyar. 18-00

41 Advaita and Visistadvaita. A Study based on Vedanta Desika's Satadusani by S. M. Srinivasachari. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 12-00

42 Advaita Vedanta: The Scientific Religion. By Swami Vivekanand. 0-62

43 Advaitavedante Pratyaksaprama Svarup Vichar by Minati Kar (In Bengali). 10-00

44 Advanced Courses in Yoga Philosophy and Oriental Occultism by Yogi Ramacharaka. 4-70

45 Advanced History of India by R. C. Majumdar, H. C. Roy Chaudhuri and K. Datta. 52-50

46 Advanced History of India (Hindu Period) by Prof. P. T. Srinivasa Iyengar. Revised and edited by Gurty Venkata Rao. Foreword by Sir C. Reddy. 10-50

47 Advanced Studies in Indian Logic and Metaphysics by Sukhalalji Sanghvi. 12-50

48 Advanced Studies in Tamil Prosody (Being a History of Tamil Prosody up to the 10th century A. D.) by Dr. A. Chidambarnath Chettiar. 7-00

49 Advancement of Learning in Independent India. Edited by N. B. Sen. 25–00

50 Advayasiddhi (A Study). Edited with an Introduction by (Miss) Malati J. Shendge. 4–00

51 Advent of a New Life on Earth by Bejoykanta Roy Choudhury. 1–00

52 Advent of Independence by A. K. Majumdar. With a Foreword by K. M. Munshi. 20–00

53 Adventure in Tigerland by James Inglis. 2–00

54 Adventure of Language. A Stimulating New Study for Layman and Scholar of our own and other Languages both written and oral by A Brilliant Linguist. By Michael Girsdansky. 26–25

55 Adventure of the Apocalypse by K. D. Sethna. 5–50

56 Adventures in Religious Life by Swami Yatiswarananda. 4–00

57 Adventures of King Vikrama by Hansa Mehta. 1–25, 7–00

58 Adyar Library Bulletin : Jubilee Volume. Vol. XXV Parts 1–4. 1961. 25–00

59 Aesthetic Paganism in German Literature. From Winckelmann to the Death of Goethe by Henry Hatfield. 47–60

60 Aesthetic Theories of French Artists : From Realism to Surrealism by Charles Edward Gauss. Paper backs Edition. 10–88

61 Æsthetical Necessity in Life by Dr. J. H. Cousin. 2–75

62 Æsthetics and Criticism by Harold Osborne. 22–40

63 Æsthetics as Science of Expression and General Linguistic by Benedetto Croce. Translated from the Italian by Douglas Ainslie. 63–00

64 Æsthetics : Lectures and Essays by Edward Bullough. Edited with an Introduction by Elizabeth M. Wilkinson. O. P.

65 Afghan Dynasties by H. M. Elliot and John Dowson. 6–00

66 Africa : The Dream and the Reality by J. Hanzelka and M. Zikmund. 3 vols. 50–00

67 African Folktales and Sculpture. Folk-tates Selected and Edited with an Introduction by Paul Radin, Sculpture Selected with an Introduction by James Johon Sweeng, Photographs by Eliot Elisofon, Walker Erans and others. 75–00

68 Afro-Asian Attitudes. Selections from Proceedings of Rhodes Seminar. 2-50

69 After a Century and a Quarter : Lonikand then and now. By G. S. Ghurye. With Illustrations. 12-50

70 After Nehru. India's New Image by G.S. Bhargava. 20-00

71 After the War (World War I) by Sri Aurobindo. 0-50

72 Aftermath of Revolt India, 1857-1870 by Thomas R. Metcalf. 60-00

73 Age and Image : A short Survey of Indian Art by Dinkar Kowshik. 12-00

74 Age of Imperial Kanauj. Being the Fourth Volume of History and Culture of the Indian People. Edited by R. C. Majumdar and A. D. Pusalkar. 35-00

75 Age of Imperial Unity. Being the Second Volume of History and Culture of the Indian People. Edited by R. C. Majumdar and A. D. Pusalkar. 35-00

76 Age of Nandas and Mauryas by K. A. Nilkanta Sastri. 20-00

77 Age of the Rigveda by Dr. Narendra Nath Law. 15-00

78 Agnihotra by P. E. Dumont. 32-00

79 Agnihotra by Dr. Satya Prakash. 2-50

*80 **Agni Puranam.** Text Critically edited by Acharya Baldeo Upadhyaya. **20-00**

*81 **Agni Puranam.** A Prose English Translation with Copious Annotations by Manmatha Nath Dutt (Shastri), M. A. 2 Vols. (Chow. Sans. Studies Vol. LIV.) **60-00**

*82 **Agnipurana : A Study** by Dr. S. D. Gyani. (Chow. Sans. Studies Vol. XLII) **25-00**

83 Agra Fort by Muhammad Asoraf Husain. 1-00

84 Agrarian Relations and Early British Rule in India. A Case Study of Ceded and Conquered Provinces (Uttar Pradesh) (1801-1833) by Sulekh Chandra Gupta. Foreword by B. N. Ganguli. 26-00

85 Agrarian System of Moslem India. A Historical Essay with Appendices by W. H. Moreland. 8-00

86 Agrarian Unrest in South-East Asia by Erich H. Jacoby. 17-00

87 Agricultural Labour Conditions in Northern India by A. M. Lorenzo. 11-50

88 Agricultural Production Functions, Costs and Returns in India by C. H. Hanumantha Rao. 12-00

89 Agriculture and Allied Arts in Vedic India by A. K. Yegna Narayan Aiyer. 3-00
90 Agris : A Socio-Economic Survey by Dr. D. N. Kale. 16-50
91 A-In-I Akbari (Abu'L-Fazl Allami). Translated into English by H. Blochmann. Edited by S. L. Goomer. With Plates. 30-00
92 Aldous Huxley. A Study by Sisir Chatterjee. 5-00
93 A-In-I-Akbari by Abu-L-Fazl Allami. Translated from the Original Persian by H. Blochmann. Revised by D. C. Phillot. Vol. I. 25-00
94 Aitareya Upanishad with English Translation by Srisa Chandra Basu. Fasc. I. 2-00
95 Aitareya-Upanishad with Sankaracharya's Bhashya. Translated into English with critical Notes by Bhadkamkar. 1-00
96 Aitareyopanishad with Shankaracharya's Bhashya and its English translation by D. Venkataramiah. 1-50
97 Aitariyopanishad with English translation by Swami Sharvananda. 1-00
98 Ajanta : Colour and Monochrome reproductions of the Ajanta Frescoes based on Photography with a critical Study of the paintings and an authoritative account of the stories depicted therein by Y. Yazdani. Introduction by L. Binyon. Appendices on inscriptions by J. Allan and N. P. Chakravarty. With Plates. Parts. II & IV. 529-20
99 Ajanta, Ellora & Aurangabad Caves by Prof. R. S. Gupta & B. D. Mahajan. 70-00
100 Ajanta : Portfolio. Text by Hermann Goetz. With Six Coloured Plates. 2-50
101 Ajnana. Theory of Ignorance by Malkani, Das and Murti. 15-00
102 Akalanka's Criticism of Dharmakirti's Philosophy. A Study by Dr. Nagin J. Shah. Foreword by Dalsukh Malvania. 30-00
103 Akbar by J. M. Shelat. 10-00
104 Akbar by Nizamu-d Din Ahmad. 2 Parts. 12-00
105 Akbar : The Religious Aspect by R. Krishna Murti. 8-00
106 Akbar-Badauni by H. M. Elliot. 6-00
107 Akbar-Nama of Abu-l Fazl. Translated by Prof. John Dowson. 6-00

123 Alphabetical Index of The Sanskrit Manuscripts in The University Manuscripts Library, Trivandrum. Vols. I–II. (A to MA.) Edited by Suranad Kunjan Pillai. 28–00

124 Alphabetical List of Manuscripts in the Oriental Institute, Baroda. Compiled by R. Nambiyar. 2 vols. 47–00

125 Altar Flowers (A bouquet of Choicest Sanskrit Hymns with English translation). 2–50

126 Altindische Grammatik Von Jakob Wackarnagel und Albert Debrunner. Bande I–II in 4 Parts. 468–50

127 Altindischer Ahnencult. Das Craddha nath den Verschiedenen Schulen mit Benutzung Bandschrift–licher Quellen dargestellt by W. Caland. 58–80

128 Amarakosa in Tibet. Being a new Tibetan version by the great grammarian Si–tu. Edited by Dr. Lokesh Chandra. 30–00

129 Amaravati Hoard of Silver Punch-Marked Coins by Dr. Parmeshwari Lal Gupta. 25–00

130 Amarnath Sehgal. Design and Layout by D. H. Sahiar. 15–00

131 Amarusataka with Sringaradipika of Vemabhupala. Critically edited with an Introduction, English Translation and Appendices by C. R. Devadhar. 6–25

132 Ambapali by Vimala Raina. 12–50

133 Ambedkar : Life and Mission by Dhananjay Keer. 20–00

134 American Architecture and Other Writings by Montogomery Schuyler. Edited by William H. Jordy and Ralph Coe. I–II Vols. With 166 Illustrations. 100–00

135 American Book Industry by Russi Jal Taraporevala. Foreword by E. F. Grether. 35–00

136 American Contribution to the Fourth International Congress of Slavicists Moscow. September 1958. 60–00

137 American Imagination. A Critical Survey of the Arts from The Times Literary Supplement. With a Foreword by Alan Pryce–Jones. 20–00

138 American Justice for Asians by Mary Thangam Behanan. 10–00

139 American Negro Art by Cedric Dover. With over 200 Illustrations. 27–50

140 American Soviet Relations 1921–1933 by Tarun Chandra Bose. 20–00

141 American Studies in Uralic Linguistics. Edited by the Indian University Committee on Uralic Studies. 22–87

142 Amnye Ma-Chhen Range and Adjacent Regions : A Monographic Study by J. F. Rock. With 80 Plates. 108–55

143 Analecta by V. S. Sukthankar (V. S. Sukthankar Vol. II.) 35–00

144 Analysis of Abhisamayalamkara of Maitreya by E. Obermiller. Fasc. I. 15–00

145 Analytical Survey of Bengal Regulations and Acts of Parliament relating to India, up to 1833. By Rai M. N. Gupta Bahadur. With a Foreword by Hon'ble Mr. Justice C. C. Biswas. 6–00

146 Anatomy of a Rururban Community by G. S. Ghurye. 25–00

147 Anatomy of Drama by Marjorie Boulton. 11–20

148 Ancient American Painting by Etta Becker-Donner. Translated by Margaret Shenfield. With 24 Colour Illustrations. 8–93

149 Ancient and Hindu India. The Brahmanic Period by J. Talboys Wheeler. 12–00

150 Ancient Art from Afghanistan (Treasures of the Kabul Museum). Catalogue of the Exhibition presented under the Patronage of His Majesty King Mohammed Zaher Shah by Benjamin Rowland. Foreword by Gordon Bailey Washburn. With many Illustrations. 93–75

151 Ancient Art in Bowdoin College : Descriptive Catalogue of the Warren and other Collections by Kevin Herbert. With 48 Plates. 55–60

152 Ancient Buddhism in Japan. Sutras and Ceremonies in use in the seventh and eighth centuries A. D. and their History in later times by Dr. M. W. De Visser. 2 Vols. 202–50

153 Ancient Chinese Bronzes by William Watson. This is an Account of the Bronzes of Ancient China from the Earliest Time to the Han Dynasty. More then 150 Illustrations. 66–15

154 Ancient Egypt. A Cultural Topography by Hermann Kees. Edited by T. G. H. James. 44–10

155 Ancient Egypt by Roger Lancelyn Green. Drawings by Elizabeth Hammond and Photographs by the Author. 13–13

156 Ancient European Musical Instruments. An Organological Study of the Musical Instruments in the Leslie Lindsey Mason collection at the Museum of Fine Arts, Boston. By Nicholas Bessaraboff. O. P.

157 Ancient Foundations of Economics in India by K.T. Shah. 11-00

158 Ancient Geography of India by A. Cunningham. 25-00

159 Ancient Gods. The History and Diffusion of Religion in the Ancient Near East and the Eastern Mediterranean by E. O. Fames. 52-50

160 Ancient Greek Sculpture of South Italy and Sicily by Ernst Langlotz. Photographs by Max Hirmer. With 188 Illustrations, including 20 Colour plates. 187-50

161 Ancient Greeks by M. I. Finley. 26-25

162 Ancient Historians of India. A Study in the Historical Biographies by Vishwambhar Sharan Pathak. Foreword by A. L. Basham. 15-00

163 Ancient Historical Edicts at Lhasa and the Mu Tsung Khri Gt Sug Lde Brtsan Treaty of A. D. 821-822 from the inscription at Lhasa by H. E. Richardson. 18-90

164 Ancient History of Saurashtra (Being a Study of the Maitrakas of Valabhi V to VIII Centuries A. D.) by Dr. Krishna Kumari J. Virji. With a Foreword by George M. Moraes. 22-50

165 Ancient History of the Near East. From the Earliest Times to the Battle of Salamis by H. R. Hall. With 33 Plates and 14 Maps. 57-75

166 Ancient History of Western Asia, India and Crete by Bedrich Hrozny. Translated by Jindrich Prochazka. 40-00

167 Ancient India by Radha Kumud Mookerji. With a Foreword by Sri Jawaharlal Nehru. 20-00

168 Ancient India by R. C. Majumdar. 20-00

169 Ancient India by Vidyadhar Mahajan. With Illustrations and Maps. 12-00

170 Ancient India : Bulletin of The Archæological Survey of India.

No. 4.	4-00	No. 12.	4-50
No. 5.	2-00	No. 15.	4-50
No. 8.	4-50	No. 16.	4-50

No. 10 and 11 (In one volume). 9-00

No. 18. and 19 (In one volume). 9-00

171 Ancient India : Culture and Thought. By M. L. Bhagi. 12-00

172 Ancient India : History & Culture. By B. G Gokhale. 10-00

173 Ancient India and South-Indian History and Culture by Dr. S. K. Aiyangar. 2 Parts. 35-00

174 Ancient India from the Earliest Times to the First Century A. D. by E. J. Rapson. With Illustrations. 8-00

175 Ancient India : Its Language and Religions by H. Oldenberg. 7-50

176 Ancient Indian Chronology (Illustrating some of the most important Astronomical Methods) by Prabodhchandra Sengupta. 15-00

177 Ancient Indian Colonization in South-East Asia by Dr. R. C. Majumdar. 5-00

178 Ancient Indian Culture : Contacts and Migrations. By K. P. Chattopadhyay. Foreword by Gaurinath Sastri. 10-00

179 Ancient Indian Culture and Civilization by K. C. Chakravarti. 10-00

180 Ancient Indian Education (Brahmanical and Buddhist) by Radha Kumud Mookerji. 35-00

181 Ancient Indian Erotics and Erotic Literature by S. K. De. 8-00

182 Ancient Indian Historical Tradition by F. E. Pargiter. 20-00

183 Ancient Indian History and Culture : An Inaugural Lecture delivered at Dharwar on 22nd August 1957. By Dr. B. A. Saletore. 0-75

184 Ancient Indian History and Culture by S. R. Sharma. 3-00

185 Ancient Indian History and Culture, With Maps and Illustrations by V. D. Rao, B. K. Gokhale and A. L. D. Souza. 7-00

186 Ancient-Indian *Ojas*, Latin *augos* and the Indo-European nouns in *Ex-1-Os* by J. Gonda. 33-75

187 Ancient Indian Political Thought and Institutions by Bhasker Anand Saletore. 30-00

188 Ancient Indian Royal Consecration. The Rajasuya described according to the Yajus texts and annotated by J. C. Heesterman. 30-00

189 Ancient Indian Theatre (An Interpretation of Bharata's Second Adhyaya) by D. R. Mankad. 2-50

190 Ancient Indian Warfare with Special Reference to the Vedic Period by Sarvadaman Singh. With a Foreword by Sir Mortimer Wheeler. 56-52

191 Ancient Indonesian Art by A. J. Bernet Kempers. With 353 Plates. 180-00

192 Ancient Iraq by Georges Roux. Illustrated. 55-13

193 Ancient Jain Hymns. Critically edited with Introduction, Discourses, Notes and Index by Dr. Charlotte Krause. 5-00

194 Ancient Karnatak. Vol. I. History of Tuluva. By Bhasker Anand Saletore. 12-50

195 Ancient NaKhi Kingdom of Southwest China by Joseph F. Rock. 2 vols. 198-75

196 Ancient Peoples of the Punjab : The Udumbaras and the Salvas. By J. Przyluski. 6-00

197 Ancient Psycho-Synthesis Vs. Modern Psycho-Analysis by Dr. Bhagavandas. 4-50

198 Ancient Ruins and Archaeology by L. Sprague de Camp and Catherine C. de Camp. Illustrated. 36-75

199 Ancient Races of Baluchistan, Panjab, and Sind by S. S. Sarkar. 10-00

200 Ancient Russia by George Vernadsky. 48-00

201 Ancient Wisdom by Annie Besant. 6-50

202 Ancient Schools of Vedic Interpretation by Dr. S. K. Gupta (Reprint from the Journal of the Ganganath Jha Research Institute. Vol. XVI, parts. 1-2) 1-50

203 Ancient World. Volume I. Empires and City-States of the Ancient Orient and Greece before 334 B. C. Volume II. The World Empires : Alexander and the Romans after 334 B. C. By Joseph Wardswain. 108-75

204 Anecdotes of Aurangzib. English Translation of Ahkam-I-Alamgiri ascribed to Hamid-ud-din Khan Bahadur. With a Life of Aurangzib and Historical Notes By Jadunath Sarkar. 3-00

205 Anglo-Indians. A Study in the Problems and Processes Involved in Emotional and Cultural Integration by V. R. Gaikwad. Foreword by S. C. Dube. 25-00

206 Anguttara-Nikaya. Edited by R. Morris and E. Hardy. Pali Text Romanised. 6 Vols. 248-33

207 Animal Production in Bihar by M. Fahimuddin. With Maps and Plates. 18-50

208 Annals and Antiquities of Rajasthan or the Central and Western Rajpoot States of India with Maps and Index by James Tod. 2 Vols. 84-00

209 Annals of Oriental Research. University of Madras. O. P.

210 Annals of Rural Bengal by W. W. Hunter. 20-00

211 Annals of the Bhandarkar Oriental Research Institute:-
Vol. VII Two Parts 16-00
" VIII-XXII and XXIV-XXVIII Each Vol. 4 Parts Each Vol. 16-00
" XXIII (Silver Jubilee Number 1917-1942) 21-25
" XXXII and XXXVII Each Vol. 4 Parts. Each Vol. 16-00
" XL-XLVI Each Vol. 4 Parts. Each Vol. 16-00

212 Index to the Annals of the Bhandarkar Oriental Research Institute. Compiled by G. N. Shrigondekar. Vols. I-XXXIII in two parts. (1919-1952) 7-50

213 Annual of Leeds University Oriental Society. Ed. by John Macdonald.
Vol. I. 1958-59. 16-80
Vol. II. 1959-61. 25-20

214 Annual Proceedings of 'The Indian Philosophical Congress'.
Thirty-First Proceeding, Annamalainagar 1956. 10-00
Thirty-Second Proceeding, Srinagar, Kashmir 1957. 10-00
Thirty-Third Proceeding, Ahmedabad 1958. 5-00
Thirty-Fourth Proceeding, Cuttack. 1959. 5-00
Thirty-Fifth Proceeding, Waltair. 1960. 5-00

215 Annual Public Health Report Bombay State 1957. 14-00

216 Annual Report on Indian Epigraphy—
For the year. 1939-40 to 1942-43. 30-00
For the year. 1951-52. 15-00
For the year. 1952-53. 22-00
For the year. 1953-54. 20-00
For the year. 1954-55. 20-00
For the year. 1955-56. 16-00
For the year. 1959-60. 16-00

217 Answer to Job by C. G. Jung. Translated from the German by R. F. C. Hull. 18-90

218 Annual Survey of Psychoanalysis : A Comprehensive Survey of Current Psychoanalytic Theory and Practice. Edited by John Frosch and Nathaniel Ross. Vol. VII. 1956. 105-00

219 Anthology of Canadian Art. Edited by R. H. Hubbard. 35-20

220 Anthology of One Hundred Songs of Rabindranath Tagore in Staff Notation. Vol. I. 25-00

221 Anthology (An) of Sanskrit Court Poetry (Vidyakara's "Subhasita Ratna Kosha"). Translated by Daniel H. H. Ingalls. 112-50

222 Anthrometric Measurements of Maharastra by Irawati Karve. 12–00
223 Anthrometric Measurements of the Marathas by Irawati Karve. 8–00
224 Anthropo-Sociological Papers by G. S. Ghurye. 25–00
225 Athnropological Bibliography of South Asia together with a Directory of recent Anthropological Field Work. Compiled by Elizabath Von Furer-Haimendorj. With a Foreword by Christoph Von Furer Haimendorj. 114–00
226 Anthropology : A Human Science. Selected Papers, 1939–1960. By Margaret Mead. 14–63
227 Anti-Biotic Medicine in Ayurveda by K. Ray. 1–00
228 Antiquarian Remains in Bihar by D. R. Patil. 16–00
229 Antiquities of India, An Account of the History and Culture of Ancient Hindustan by Dr. L. D. Barnett. With Numerous Illustrations and a Map. 27–50
230 Antiquities of Orissa by Rajendralal Mitra. 2 Vols. 70–00
231 Antiquity of Jat Race by Ujagar Singh Mahil. 3–00
232 Anubandhas of Panini by G. V. Devasthali. 20–00
233 Aparokshanubhuti with English Translation by Swami Vimuktananda. 1–50
234 Aphorisms of Sandilya with the Commentary of Swapneswara or the Hindu Doctrine of Faith. Translated by E. B. Cowell. 8–00
235 Aphorisms of Yoga by Bhagwan S. Patanjali. 13–13
236 Appreciation of Art by K. K. Jeswani. With Plates. 5–00
237 Approach to Mysticism by Nolini Kanta Gupta. 1–50
238 Approach to Reality by Anant Ganesh Javadekar. 8–00
239 Apsaras of Khajuraho by Kanwar Lal. With 47 Plates. 30–00
*240 **Apte's Guide to Sanskrit Composition. 4–75**
241 Arabian Poets of Golconda by M. A. Muid Khan. 7–50
242 Arabic Thought and its Place in History by De Lacy O' Leary. 22–40
243 Araji Boji. Stories of King Vikramaditya as Told in Mongolian together with the Unpublished Tibetan Version. Edited by Dr. Raghuvira. 35–00
244 Archaeological Bulletin No. 11 by Dr. P. Sreenivasachar. 35–00
245 Archaeological Excavation by J. P. Droop. 15–75
246 Archaeological Remains, Monuments and Museums by A. Ghosh. With many Plates. 1–2 parts. 12–00

247 Archaeological Research in Indo-China by Olov. R. T. Janse. Vol. II. 159-00

248 Archaeological Survey of Western India : Vol. IV Report on the Buddhist Cave Temples and their Inscriptions. Supplementary on the Cave Temples of India by James Burdges. 75-00

249 Archaeologist At Work : A Source Book in Archaeological Method and Interpretation. Edited by Robert F. Heizer. 63-75

250 Archaeology & Ancient Indian History by Dr. Hirananda. 3-50

251 Archaeology and Indian Universities by H. D. Sankalia. 0-50

252 Archaeology and Society Reconstructing. The Pre-historic Past by Grahame Clark. 20-00

253 Archaeology in India. 0-50

254 Archaeology in the Holy Land by Kathlun M. Kenyon. 44-10

255 Archaeology of Gujrat (including Kathiawar) by H. D. Sankalia. 15-00

256 Archaeology of Karnatak being a brief Survey of the Archaeological Remains of Karnatak by R. S. Panchmukhi. 4-00

257 Archaeology of World Religions. The Background of Primitivism, Zoroastrianism, Hinduism, Jainism, Buddhism, Confucianism, Taoism, Shinto, Islam, and Sikhism. By Jack Finegan. 80-00

258 Archaologische und Epigraphische Klassifikation Koptischer Denkmaler Des Metropolitan Museum of Art, New York und Des Museum of Fine Arts, Boston, Mass Von Maria Cramer. Mit 62 Abbildungen. 33-75

259 Architect and Architecture : Then and Now. With Plates by Srischandra Chatterjee. 1-25

260 Architectural and Sculptural Monuments of India (Bharat). Designed by Madhuri Desai. 6-00

261 Architectural Symbolism of Imperial Rome and the Middle Ages by E. Baldwin Smith. With 175 Illustrations. 60-00

262 Architecture in Britain 1530 to 1830 by John Summerson. 94-00

263 Architecture Nineteenth and Twentieth Centuries by Henry-Russell Hitchcock. 88-20

264 Architecture of the South-West Indian-Spanish-American by Trent Elwood Sanford. With 13 Maps and 115 halftone Illustrations. 33-60

265 Archives in India by Sailen Ghose. Foreword by K. D. Bhargava. 25-00

266 Arctic Home in the Vedas by B. G. Tilak. 8-00

267 Art and Architecture of India : Buddhist Hindu Jain. By Benjamin Rowland. With Plates. 88-20

268 Art and Architecture of the Ancient Orient by Henri Frankfort. 88-20

269 Art and Cities of Islam by R. A. Jairazbhoy. 4-50

270 Art and the Spirit of Man by Rene Huyghe. 324 Illustrations, including 16 in Full Colour. 112-50

271 Art-Culture of India and Egypt by S. M. Ei Mansouri. 12-00

272 Art Experience by Prof. M. Hiriyanna. 6-00

273 Art Heritage of India. Comprising Indian Sculpture and Painting and Ideals of Indian Art by E. B. Havell. Revised Edition with Notes by Pramod Chandra. With 18 Plates in colour and 207 Monochrome Illustrations. 64-00

274 Art-Idea by James Jackson Jarves. Edited by Benjamin Rowland. 29-75

275 Art in East and West : An Introduction through Comparisons by Benjamin Rowland, Jr. With 62 Illustrations. 40-00

276 Art in Museums by Dr. (Mrs.) Grace Marley. 1-00

277 Art in the Nineteenth Century by Werner Hofmann. Translated by Brian Batter Shaw. With 218 Monochrome Reproductions and 16 in Colour. 176-40

278 Art of Buddhism by Dietrich Seckel. With List of Colour Plates, Figures and Maps. 57-75

279 Art of Drama by Ronald Peacock. 26-25

280 Art of India : Stone Sculpture. Introduction by Aschwin Lippe. 33-75

281 Art of India Through the Ages. (Traditions of Indian Sculpture, Painting and Architecture) by Stella Kramrisch. 49-88

282 Art of Indian Asia, Its Mythology and Transformation by Heinrich Zimmer. Completed and edited by Joseph Campbell with Photographs by Eliot Elisofon and others. 2 vols. 150-00

283 Art of Iran by Andre Godard. Translated from the French by Michael Heron. Edited by Michael Rogers. With 185 Plates and 230 Figures. 88-20

284 Art of Kathakali by Gayanacharya Avinash C. Pandeya. With a Foreword by Guru Gopi Nath. Introduction by Vijayadevji Rana. 18-00

285 Art of Life in the Bhagavadgita by H. V. Divatia. 2–50

286 Art of Living. Edited by Prem Nath. 15–00

287 Art of Living. Four Eighteenth-Century Minds: Hume, Horace Walpole, Burke, Benjamin Franklin. By F. L. Lucas. 26–25

288 Art of Love and Sane Sex Living. Based on Ancient precepts and modern teachings. By A. P. Pillay. 12 Illustrations, 92 Plates, 81 Photos specially taken by Dr. S. H. Marathe and 7 by Mr. Verrier Elwin. 15–50

289 Art of Loving by Erich Fromm. 13–13

290 Art of Meditation by Joel S. Goldsmith. 18–90

291 Art of Mughal India. Painting and Precious Objects. With an Introduction, Text and Catalogue Notes by Stuart C. Welch. With many Plates and Figures. 73–15

292 Art of Nagarjunakonda by P. R. Ramchandra Rao. Illustrated. 92–50

293 Art of Nepal by Stella Kramrisch. 67–50

294 Art of Sculpture. The A. W. Mellon Lectures in the Fine Arts 1954 National Gallery of Art, Washington. By Herbert Read. Illustrated with 247 Photographs. 88–20

295 Art of Persuasion in Greece by George Kennedy. 60–00

296 Art of Southern Sung-china. Text and Catalogue by James Cahill. 37–50

297 Art of the Rashtrakutas. Text and descriptive Notes by O. C. Gangoli. Compiled, edited and surveyed by A. Goswami. Photographs by A. Tarafdar, A. L. Syed, T. Kashinath and Venkatesh. 32–00

298 Art of the Stone Age. Forty Thousand Years of Rock Art by Hans Georg Bandi and Others. 57–75

299 Art of Working by R. B. Lal. 6–50

300 Art Treasures of the Berlin State Museums. Introduction by John Russell. Text by the Curatorial Staff. 196 Illustrations including 28 in full Colour. 150–00

301 Arthapada Sutra with an English Translation by Dr. P. V. Bapat. 7–00

302 Arthasamgraha. Text with English Translation by R. D. Karmarkar. 2–75

303 Arthasangraha of Laugakshi Bhaskara with the Commentary of Rameshwara Bhikshu. Critically edited and translated by D. V. Gokhale. 5–00

304 Artibus Asiae : Quarterly of Asian Art and Archaeology for Scholars and Connoisseurs. Near East–India and South-East Asia—Far East—The Migrations. Illustrations of previously unpublished Art objects and documents, recent discoveries, New Studies of other material. Chief Editor : Alfred Salmony. Vol. XVII Part II–IV in one and Vols. XVIII–XXIII Complete. Sold in one Lot. 506–25

305 Articles of Alexander Cunningham : Arranged Subject-wise. 3 Vols. 75–00

306 Articles on the Bhagavadgita by P. D. Gune. 1–25

307 Artist–Potters in England by Muriel Rose. 36–75

308 Artistic Self Expression in Mental Disease : The Shattered Image of Schizophrenics. By J. H. Plokker. With 95 Illustrations. 63-00

309 Arts and Crafts of India and Pakistan. A Pictorial Survey of dancing, music, painting, sculpture, architecture, art–crafts and ritual decorations from the earliest times to the present day by Shanti Swarup. With 6 Coloured Plates, 212 Line Drawings and 515 Half-tone Illustrations. 44–00

310 Arts and Crafts of Travancore by Dr. Stella Kramrisch, Dr. J. H. Cousins and R. Vasudeva Poduval. 20–00

311 Arts of Japan : An Illustrated History by Hugo Munsterberg. 22–13

312 Arts of Japanese Sword by B. W. Robinson. With 100 Pages of Halftone Illustrations, 4 of them being in Colour. 66–15

313 Arya Salisatamba Sutra. Edited with Tibetan Versions, Notes etc., by N. A. Sastry. 9–00

314 Aryan Occupation of Eastern India by Haran Chandra Chakladar. Edited with an Introductory Note by Nirmal Kumar Basu. 12–50

315 A. S. Altekar Memorial Volume (Journal of the Bihar Research Society. Vol. XLV.) 20–00

316 Asanas by Swami Kuvalayanand. With 81 plates. 10–00

317 Ashta Varga Phala and Ashta Varga Dasha. Translated from Original Sanskrit Texts by N. N. Krishna Rau. 7–50

318 Ashtakavarga System of Prediction by B. V. Raman. 7–50

319 Ashtakavarga with Translation in English & Explanatory Notes by C. S. Patel and C. A. S. Aiyar. 10–00

320 Asia by Martin Hurlimann. 289 Pictures in photogravure, 4 colour Plates. Introductory Essay and Historical Notes. 40-00

321 Asia: A Regional and Economic Geography by L. Stamp. Revised and re-set. 9th Edition. 44-00

322 Asia and Western Dominance. A survey of the Vas Co Da Gama Epoch of Asian History 1498-1945. By K. M. Panikkar. 23-63, 33-60

323 Asia East by South. A Cultural Geography by J.E. Spencer. 60-00

324 Asia in the European Age 1498-1955 by Michael Edwardes. 22-00

325 Asia Minor with 160 Pictures in photogravure, 8 Colour Plates and Introduction by Maxim Osward. 40-00

326 Asia Through Asian Eyes. Parables, Poetry, Proverbs, Stories and Epigrams of the Asian Peoples. Compiled by Baldoon Dhingra. With a Foreword by K. M. Panikkar. 17-50

327 Asia's Lands and Peoples: A Geography of one-third the Earth and two-thirds its Peoples. By George B. Cressey. O. P.

328 Asian Studies I. A Collection of Papers on Aspects of Asian History and Civilization. Edited by Balkrishna G. Gokhale. 25-00

329 Asoka by Radhakumud Mookerji 15-00

330 Asoka by J. M. Macphail. 3-00

331 Asoka and the Decline of the Mauryas by Romila Thapar. With Plates and Maps. 20-00

332 Asoka by Vincent A. Smith. 5-00

333 Asoka : Emperor of India. By Hilda Seligman. 4-00

334 Asoka : Kaiser and Missionar. By F. Kern. 35-00

335 Asoka's Edicts by Amulyachandra Sen. 15-00

336 Asokan Inscriptions. Edited by Radhagovinda Basak. 15-00

337 Asokan Inscriptions in India (A Linguistic Study, together with an exhaustive Bibliography). Being the Pandit Bhagwalal Indraji Gold Medal Essay 1943 by M. A. Mehendale. 5-00

338 Aspect of Indian Æsthetics by Jaya Chamaraja Wadiyar Bahadur. 2-25

339 Aspects of Advaita Vedanta by K. Sundararama Aiyar. 2-50

340 Aspects of Ancient Indian Culture by A. L. Basham. 5-00

341 Aspects of Ancient Indian Economic Thought by Rao Bahadur K. V. Rangaswami Aiyangar. 9-00

342 Aspects of Early Assamese Literature by B. Kakati. 12-00

343 Aspects of Early Visnuism by J. Gonda. 47-00

344 Aspects of Economic Change and Policy in India 1800-1960 by V. V. Bhatt. 10-50

345 Aspects of Indian Constitution. Edited by Madan Gopal Gupta. 14-00

346 Aspects of Indian Culture (Tagore Centenary Volume, Part II) Edited by Mahendra Kulasrestha. Foreword by Prof. Humayun Kabir. 18-00

347 Aspects of Indian Constitutional Law. Sir Chimanlal Setalvad Lectures (First Series, 1964) by G. N. Joshi. Foreword by R. V. Sathe. 12-50

348 Aspects of Indian Thought by M. M. Gopinath Kaviraj. 25-00

349 Aspects of Indian History and Civilization by Buddha Prakash. 25-00

350 Aspects of Islamic Civilization As depicted in the Origin-nal Texts. By A. J. Arberry. 50-40

351 Aspects of Language by William J. Entwistle. 66-15

352 Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India by Ram Sharan Sharma. 12-00

353 Aspects of Sanskrit Literature by Sushil Kumar De. 15-00

354 Aspects of Sri Aurobindo by J. Vijayatunga. Foreword by Syama Prasad Mookerjee. 1-25

355 Aspects of the Social and Political System of Manus-mriti by K. V. Rangaswami Aiyangar. (Radha Kumud Mookerji Lectures. 1946.) 12-00

356 Aspectual Function of the Rigvedic Present and Aorist by J. Gonda. 48-00

357 Assamese Drama : An Outline by P. Goswami. 0-90

358 Astasahasrika Prajnaparamita. Translated into English by Edward Conze. 15-00

359 Astrology and Modern Thought by B. V. Raman. 3-00

360 Astrology For All. Astrology without Calculations by Alan Leo. 9-95

361 Astrology for Beginners by B. V. Raman. 3-00

362 Astrology of Annual Readings by Jotirmanishi Balchand Mangaldas Bharadwaj. 2-25

363 Astronomical Method and its Application to the Chronology of Ancient India. Being the Rao Bahadur Bapu Rao Dada Kinkhede Lectures delivered at the Nagpur University on the 13th to 16th Nov. 1940 by Dr. K. L. Daftari 3-00

364 Astronomy by Robert H. Baker. 12-00

365 Asutosh Memorial Volume. 3-75

366 Asvaghosa (Monograph) by B. C. Law. 3-00

367 Aswasastram of Nakul. Text, Tamil Translation and Summary in English. 12-00, 13-00 & 16-00

368 Asya Vamasya Hymn (The Riddle of the Universe) Rigveda 1-164. Sanskrit Text with the Bhasyas of Sayana and Atmananda and with English Translation and Notes by Dr. C. Kunhan Raja. 12-00

369 At The Feet of Mahatma Gandhi by Dr. Rajendra Prasad. Indian Ed. 10-00 Foreign Edition 45-00

370 Atharvan Hymns to Lac (Laksa) by V. B. Sastri. 1-50

371 Atharva-Veda and the Ayur-veda by Dr. V. W. Karambelkar. 16-00

*372 **Atharva-Veda-Praticakhya.** Text, Translation and Notes by W. D. Whitney. (Chow. Sans. Studies Vol. XX.) **20-00**

373 Atharva-Veda Samhita. Translated with a Critical and Exegetical Commentary by W. D. Whitney. 2 Vols. 30-00

374 Atharvaveda Vratyakanda with Srutiprabha Commentary in English by Hon. Sri Sampurnananda. 3-00

375 Atharvavedic Civilization. Its Place in the Indo-Aryan Culture: (A Cultural History of the Indo-Aryans from the Atharva Veda) by Dr. V. W. Karambelkar. 12-50

376 Atisa and Tibet. Life and Works of Dipamkara Srijnana in Relation to the History and Religion of Tibet. With Tibetan Sources translated under Prof. Lama Chimpa by Alaka Chattopadhyaya. 50-00

377 Atmabodha of Shankaracharya. English Translation by S. Nikhilananda. 4-00

378 Atman and Brahman in Vedic Religion by Jaya Chamaraja Wadiyar. 1-00

379 Audumbaras. By Dr. Kalyan Kumar Dasgupta. Foreword by Gaurinath Sastri. With Plates. 4-00

380 Aurangabad Sculptures by Amita Ray. With 25 Plates. 30-00

381 Aurangzeb of Khafi Khan. By H. M. Elliot and edited by John Dowson. 6-00

382 Aurangzib by S. Lane Poole. 5-00

383 Aurobindo by K. R. Srinivasa Iyengar. 10-00

384 Aurobindo on Himself & on the Mother. 12-00

385 Aurobindo's Political Thought (1893-1908) by Prof. Haridas Mukherjee and Prof. Uma Mukherjee. 8-00

386 Aurobindo's Vedic Glossary. Compiled by A. B. Purani. 15-00
387 Australia : A Study of Warm Environments and their effect on British settlement. By Grffith Taylor. 30-00
388 Austria by Sacheverell Sitwell and Toni Schneiders. 194 Photogravure Plates, 7 in Colour. 40-00
389 Author Index of Sanskrit Manuscripts in The Govt. Oriental Manuscripts Library Madras. Ed. by P. P. Subrahmanya Sastri. 1-00
390 Authority and Law in the Ancient Orient by J. A. Wilson, E. A. Speiser, etc., etc. 7-50
391 Authorship of Some of the Hymns of the Rg-Veda by Dr. S. K. Gupta. 1-50
392 Autobiographical (An) Study by Sigmund Freud. Authorized Translation by James Strachey. 15-75
393 Autobiography (Abridged) M. K. Gandhi. 5-75
394 Autobiography of A Yogi by Paramhansa Yogananda. 36-75
395 Autobiography of Pandit Dayananda Sarasvati. Edited by H. P. Blavatsky. 1-00
396 Autobiography of Rajendra Prasad. O. P.
397 Autobiography of Timur and Zafar Nama of Sharafuddin by H. M. Elliot and John Dowson. 6-00
398 Avadanacataka. A Century of Edifying Tales belonging to the Hinayana. Edited by J. S. Speyer. 108-00
399 Avadhuta : Reason and Reverence by Jayachamarajendra Wadiyar. 1-00
400 Avasthatraya or the Unique Method of Vedanta by Y. Subrahmanya Sarma. 0-40
401 Avataras by Annie Besant. 1-00
402 Ayurveda or Hindu System of Medicine by B. V. Raman. 1-00
403 Ayurvedic Flora Medica. Part I (Work on Medicinal Plants) by N. S. Mooss. 12-00
404 Ayurvedic School of Medicine. Theory and Practice by Dr. A. Lakshmipathi. 1-00
405 Ayurvediya Padartha Vijnana by C. G. Kashikar. With English Translation and Preface. 8-00
406 Ayurvediya Sariram with English Translation and Preface by G. V. Purohit. Part I. (Illustrated) 8-00
407 Awakening in Bengal in Early Nineteenth Century (Selected Documents). Ed. by Gautam Chattopadhyaya. Vol. I. 28-00
408 Axionoltics : Valuational Theory of Knowledge by A. C. Javadekar. 10-00

B

409 B. C. Law Commemoration Volume in 2 Parts. Edited by Dr. D. R. Bhandarkar and others. 60-00

410 Babar by Stenley Lane-Poole. 5-00

411 Babar and Humayun by H. M. Elliot and J. Dowson. 6-00

412 Baby Care-A Helpful Guide for Mothers on care of Infants by M. E. Law. 4-50

413 Background of Music by H. Lowery. 10-13

414 Bagchi (P.C.) Memorial Volume. Edited by Sukumar Sen. 15-00

415 Bahadur Shah II and the War of 1857 in Delhi with its unforgettable scenes by Mahdi Husain. 20-00

416 Bahman Shah : The Founder of the Bahmani Kingdom. By Dr. S. A. Q. Husaini. 15-00

417 Bahmani Coins in the Andhra Pradesh Govt. Museum by Md. Abdul Wali Khan. General Editor—Md. Abdul Waheed Khan. 18-00

418 Bahuroopee Gandhi by Anu Bandyopadhyaya. Foreword by Jawaharlal Nehru. 4-00

419 Baji Rao I : The Great Peshwa by C. K. Srinivasan. 9-50

420 Baji Rao II and the East India Company 1796-1818 by Pratul Chandra Gupta. 16-50

421 Balgangadhar Tilak. A Study by D. P. Karmarkar. 6-75

422 Balti Grammar by A. F. C. Read. 11-03

423 Bana by R. D. Karmarkar. 3-00

424 Banabhatta : His life and Literature. By S. V. Dixit. 4-00

425 Banaras. A Study in Urban Geography by R. L. Singh with a Foreword by Prof. L. Dudley Stamp. 12-50

426 Bangal Subha (History of the) (1740-70) by Kalikinkar Dutt. 6-87

427 Bangalore (A Socio-Ecological Study) by K. N. Venkatarayappa. 16-50

428 Bankim Chandra Chatterji by Aurobindo. 1-00

429 Bankim-Tilak-Dayananda by Aurobindo. 1-50

430 Baroda Through the Ages (Being the report of an Excavation conducted in the Baroda Area 1951-52) by B. Subbarao. 18-00

431 Basic Problems of Life (An Introduction to Sociology) by Maneklal Vakil. 1-00

432 Basic Writings of Bertrand Russell 1903-1959. Edited by Rebert E. Egner and Lester E. Denonn. 44-10

433 Basohli Painting by M. S. Randhawa. 35-00

434 Bayeux Tapestry. Edited by Sir Frank Stenton. With 150 Illustrations, 14 in Colour. 63-00

435 Beautiful London. 103 Photographs by Helmut Gernsheim. With an Introduction by James Pope-Hennessy. 21-00

436 Beitraege Zur Vedischen Lexikographie : Neue Woerter in M. Bloomfields Vedic Concordance von Aryendra Sharma. 48-00

437 Beginnings of Indian Philosophy. Selections from the Rig-Veda, Atharva Veda, Upanisads, and Mahabharata. Translated from the Sanskrit with an Introduction, Notes and Glossarial Index by Franklin Edgerton. 47-25

438 Belgium and Poland in International Relations 1830-31 by J. A. Betley. 36-00

439 Bellini and Titian at Ferrara. A study of Styles and Taste by John Walker. With 72 Illustrations, 2 Folding plates. 44-10

440 Bendre. 2-00

441 Bengal in the Reign of Aurangzib (1658-1707) by Dr. Anjali Chatterjee (nee Basu). With a Foreword by Dr. P. Hardy. 20-00

442 Bengal Native Infantry : Its Organisation and Discipline 1796-1852. By Amiya Barat. 25-00

443 Bengal Peasant from Time to Time by Tara Krishna Basu. Foreword by P. C. Mahalanbis. With Maps and Illustrations. 14-00

444 Bengal Vaishnavism and Modern Life by Kanai Lal Dutt and Kshetra M. Purkayastha, 5-00

445 Bengal's Contribution to Sanskrit Literature & Studies in Bengal Vaisnavism by Sushil Kumar De. 12-50

446 Bengali Literature by J. C. Ghosh. 26-25

447 Bengali Literature in the Ninteenth Century (1757-1857) by Sushil Kumar De. In 2 parts (bound in one) Second Revised Edition. 35-00

448 Bengali Religious Lyrics : Sakta. By E. Thompson. 2-00

449 Benjamin Franklin: Philosopher for Human Rights. By Henry Butler Allen. 0-75

450 Bernard Shaw's Philosophy of Life by R. N. Roy. 14-00

451 Bernini Sculptures by R. Wittkower. With Introductory Essay, 120 Plates, over 100 text Illustrations, Catalogue, catalogue raisonne, bibliography. 84-00

452 Bertrand Russell. A Life by H. Gottschalk. Translated from the German by Edward Fitzgerald. 5-25

453 Bertrand Russell on Education. A Comprehensive Treatment Based upon interviews with Russell and research in his writings and the sources of his thought. By Joe Park. 26-25

454 Betrayal of Tibet by J. P. Mitter. 21-00

455 Betrothed : A Novel by Sarat Chandra Chattopadhyaya. Translated from Bengali by Sachindra Lal Ghose. 3-00

456 Beyond the Pleasure Principle by Sigmund Freud. Translated and Newly Edited by James Strachey. 11-03

457 Bhagavada Gita. Translated with Notes by John Devies. 6-00

458 Bhagavad Gita. Text with English Translation, Introduction and Appendices by N. V. Gunaji. 3-00

459 Bhagavad-Gita. Text, Translation of the Text and of the Gloss of Sridhara Swami by Swami Vierswarananda. 7-00

460 Bhagavad Gita. For the first time critically edited by S. K. Belvalkar. 7-50

461 Bhagavad Gita. The Song of God. Translated by Swami Prabhavananda and Christopher Isherwood. 2-75

462 Bhagavad Gita and Modern Life by K. M. Munshi. 2-50

463 Bhagavad Gita. A Simple Paraphrase in English by S. Parthasarathy Iyengar. Introduction by Rajaji. 3-00

464 Bhagavadgita. A Critical Study by M. M. Pt. Umesh Mishra. 15-00

465 Bhagvadgita. Edited and Translated by Dr. S. K. Belvalkar. 12-00

466 Bhagavadgita : English Translation with an Introduction, Critically Expounding the Argument of the Poem, and Index of Proper Names by S. K. Belvalkar. 4-00

467 Bhagavad Gita. English Translation & Commentary by W. D. P. Hill. 7-00

468 Bhagavad Gita (Song Celestial) : Text with English Translation in Poetry and Meghaduta (Cloud Messenger) Text with English Translation in Poetry by Dr. V. S. Agrawala. 4-00

469 Bhagavad Gita with English Translation by Swami Swarupananda. 7-50

470 Bhagavad Gita with an English Translation of the text and of the 'Purushartha Bodhini' Commentary by S. D. Satvalekar. 30-00

471 Bhagavad Gita with English translation by S. Ray.
Chap. II. 3-00, Chaps. X-XI. 3-00 & Chap. XII. 2-00

472 Bhagavad Gita. With the Sanatsujatiya and the Anugita. Translated by Kashinath Trimbak Telang (S. B. E.). 20-00

473 Bhagavad Gita. With Sanskrit text, free Translation into English, a Word-for-Word Translation, an Introduction to Sanskrit Grammar, and a complete Word Index by Annie Besant and Bhagavan Das. 12-00

474 Bhagavad Gita (Sanskrit and Romanised Text, Word to word English, running English Translation with a Critical Introduction) by Dr. Shakuntala Rao Sastri. 10-00

475 Bhagavad Gita. With an Introductory Essay, Sanskrit Text in Roman Script, Translation & Notes. Edited by S. Radhakrishnan. 16-80

476 Bhagavad Gita and Hindu Dharma by Chitale. 10-00

477 Bhagavad Gita with Sankara's commentary in English by A. Mahadeva Sastry. 11-00

478 Bhagavad Gita : Text and Translation by F. T. Brooks. 2-00

479 Bhagavad Gita : Translated by Bengali Baba. 5-00

480 Bhagavad Gita : A Fresh Approach by Dr. P. M. Modi. 40-00

481 Bhagavad Gita in Pictures by Parmananda Mehra. 60-00

482 Bhagavad-Gita or Song of the Lord. Translated from the Sanskrit with Notes, Comments and Introduction by Swami Nikhilananda. Foreword by William Ernest Hocking. 22-50

483 Bhagavad Gita or the Lord's Song (English only). 2-75

484 Bhagavad Gita and the Changing World by Nagaraja Rao. 5-00

485 Bhagavadagita and Upanisads by G. V. Devasthali. 1-50

486 Bhagavad Gita Rahasya. English Translation. 2 vols. By B. G. Tilak. 14-00

487 Bhagavad Gita : An Approach by K. M. Munsi. 0-50

488 Bhagavad Gita. An Exposition by Dr. V. C. Rele. 4-00

489 Bhagavad Gita (A Fresh Study) by Prof. D. D. Vadekar. 2-50

490 Bhagavatam (The Wisdom of God) by Swami Prabhavananda. 3-50

491 Bhagavatam. Translated into English Prose from the original Sanskrit Text Sloka by Sloka by J. M. Sanyal. 5 Vols. 40-00

492 Bhagawan Parashurama by K. M. Munshi. 10-00

493 Bhaja Govindam by Shri Sankaracharya. Translated in English Verse (from Sanskrit Text) with Commentary by M. J. Gordhandas. 2-00

494 Bhaja Govindam of Sankara. Text in Devanagari and Roman with an English Translation and Commentary. By T. M. P. Mahadevan. 2–00

*495 **Bhakti Cult in Ancient India (The)** by M. M. Dr. Bhagavat Kumar Goswami, Shastri, M. A., Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. LII.) **25–00**

496 Bhakti or Devotion by Swami Vivekananda. 1–00

497 Bhakti-Rasamrta-Sindhuh of Sri Rupa Goswami. Sanskrit Text in Devanagari Script with Transliteration in English and English Translation with Comments. Translated by Tridandi Swami Bhakti Hrdaya Bon Maharaj. Vol. I. 32–00

498 Bhakti Yoga by Swami Vivekananda. 1–25

499 Bhalesi Dialect by Siddheshwar Varma. 4–00

500 Bhandarkar Commemoration Volume. 30–00

501 Bharat (India) as Seen and Known by Foreigners by Rao Saheb G. K. Baba Saheb Deshpande. 2–00

502 Bharata–Kaumudi (Studies in Indology in honour of Dr. Radha Kumud Mookerji). 2 Parts. 35–00

503 Bharata Natya and other Dances of Tamil Nad by E. Krishna Iyer. 1–75

504 Bharata Sangraha. Vana and Virata Parvas. English Translation and Notes by V. S. Venkata Raghavachariar. 1–25

505 Bharata Sangraha. Sabha Parva with English Notes and Translation by S. Viswanathan. 1–25

506 Bharata Sangraha. Adi Parva with English Notes and Translation by C. S. Ram Sastri. 1–00

507 Bharata Sangraha. Vana and Virata Parvas with English Notes and Translation by C. S. Ram Sastri. 1–50

508 Bharata Sangraha. Udyoga Parva with English Notes and Translation by S. Viswanathan. 1–25

509 Bharat Sangraha. Drona Parva. With English Translation and Notes by S. Viswanathan. 2–00

510 Bharatanatya and Its Costume by G. S. Ghurye. 4–50

511 Bharatarnava of Nandikeswara. With Translation in English and Tamil. Edited by Sri K. Vasudeva Sastri. 17–00

512 Bhartiya Nritya Kala Mandir (Academy of Indian Traditional Dance) Bulletin No. 2. 5–00

513 Bharatiya Rajaniti Kosa—Kalidasa Khanda (Ancient Indian political ideas and terms in Kalidas) edited by V. Joshi. 10–00

514 Bharatiya Vidya : A Quarterly Research Organ of the Bhavan on All Subjects–Connected with Indian Culture. Edited by An Editorial Committee. Vols. IX–X, Vol. XI Nos. 1–2, Vols. XII–XIV, Vol. XV Nos. 1–3, Vols. XVI–XXV Each Vol. Nos. 1–4. Sold in one Lot. 255–00

515 Bhartrihari's Niti, Sringara & Vairagya Satak with Sanskrit Commentary of Sri Ramchandra Budhendra, English Notes, Translation & Introduction by A. V. Gopalachariar. 7–00

516 Bhasa by A. S. P. Ayyar M. A., I. C. S. 5–50

517 Bhasa Pariccheda with Siddhanta Muktawali. Translated by Swami Madhavananda. 4–00

518 Bhaskarodayam or The Rising Sun. A new Sanskrit Mahanataka on the early life of Visvakavi Rabindra Nath Tagore by Dr. Jatindra Bimal Chaudhuri. With English translation by Dr. Roma Chaudhuri. Foreword By Iswar Chandra Sastri. 12–00

519 Bhattikavya with English translation by S. Roy. Cantos. i, ii and iii each Canto 4–00 Canto x. 6–50 and Cantos xi–xii. 6–50

520 Bhavabhuti by R. D. Karmarkar. 3–00

521 Bhils of Ratanmal. An analysis of the Social Structure of a Western Indian Community by V. V. S. Nath. 12–00

522 Bhils Stupa : or Buddhist Monuments of Central India. Comprising a sketch of the rise, progress and decline of Buddhism, with an account of various groups of Topes around Bhilsa with 33 Plates. By A. Cunningham. 75–00

523 Bhojaprabandha. Edited with Sanskrit Commentary and purport, Hindi and English Translations prose order and vocabulary by Jagdishlal Shastri. 3–75

524 Bhrigu Samhita Paddhati (Self Predictor) by Bhagwan Das Mittal. 12–00

525 Bhrugu Sutras or Effects of 12 Houses. Translated by N. N. Krishna Rau. 4–50

526 Bibliography of Moslem Numismatics. by L. A. Mayer. 36–75

527 Bibliography of Sino–Tibetan Languages. Ed. by Robert Shafer Berkeley. 2 Vols. 126–00

528 Bibliography of Stageable Plays in Indian Languages. 2 Parts. Compiled by C. C. Mehta. 25–00

529 Bibliography of Studies in Indian Epigraphy (1926–50). Edited with an Introduction by Sibadas Chaudhuri. Foreword by B. J. Sandesara. 8–00

530 Bibliography of the Architecture, Arts and Crafts of Islam to 1st Jan. 1960 by K. A. C. Creswell. 252–00

531 Bibliography of the Constitutions and Laws of the American Indians by L. Hargrett. 20–00

532 Bidar : Its History and Monuments by G. Yazdani. 87–50

533 Bihar : A Physical, Economic and Regional Geography by Enayat Ahmad. 20–00

534 Binodini–A Novel by Rabindranath Tagore. Translated by K. R. Kripalani. 5–50

535 Biography and History in Sanskrit Literature by Chandrakant Gajanan Raje. 4–00

536 Biography of Dharmasvamin (Chag lo tsa-ba Chors-jedpal), A Tibetan Monk Pilgrim. Original Tibetan Text deciphered and translated by Dr. George Roerich. With a Historical and Critical Introduction by Dr. A. S. Altekar. 8–00

537 Biography of Kunwar Singh and Amar Singh by Dr. K. K. Datta. 4–00

538 Biography of Sri R. Chandrasekhariah of Mysore Brothers. 0–31

539 Biological Foundations of Language by Eric H. Lenneberg. With Appendices by Noam Chomsky and Otto Marx. 112–13

540 Bipin Chandra Pal and India's struggle for Swaraj. By Prof. Haridas Mukherjee and Prof. Uma Mukherjee. 6–00

541 Birds in the Sun : Beautiful Birds of India. Text by The Rt. Hon. Malcolm Macdonald. Photographs by Christina Loke. Illustrated with 49 Pages of Colour Plates. 47–52

542 Birds of Saurashtra (India) by R. S. Dharma Kumar Singhji. With additional Notes on The Birds of Kutch and Gujerat. 50–00

543 Birds of the World by Hans Hvass. Translated by Gwynne Vevers. Illustrated by Wilhelm Eigener. Over 1100 Birds Illustrated in full Colour. 22–05

544 Birth of Japanese Art by Prof. J. Edward Kidder, Jr. A recognized Authority on Early Japanese Art, who has in this book enabled the English-Speaking reader to examine this rare material in the light of Modern Scholarship. With Numerous Photographs by the well-known photographer Kenishi Ozawa who has travelled extensively with the author throughout Japan to obtain a Series of Unrivalled Photographs to illustrate this book. 132–30

545 Blind in India & Abroad by S. C. Ray. 3-00

546 Blood and Tears by J. M. Deb. 7-50

547 Blue Annals by George N. Roerich. 2 parts. O. P.

548 Blue Blood Turned Red by Subho Tagore. 3-75

549 Blue Mutiny (The). The Indigo Disturbances in Bengal 1859-62. By Blair B. Cling. 45-00

550 Bodh-Gaya by J. Vijayatunga. 0-25

551 Bodhgaya Temple by Tarapada Bhattacharyya. 8-00

552 Bodily Reaction and Examination of Systems of Therapeutics by K. L. Daftari. 5-50

553 Bombay-Karnatak Inscriptions with Introductory Notes in English. Vol. I. Part II, edited by N. Lakshminarayana Rao and others. (South Indian Inscriptions, Vol. XI Part II).. 11-75

554 Bombay Story of the Island City by A. D. Pusalker and V. G. Dighe. 3-50

555 Book of Costume by Millia Davenport. New one volume Edition. 3000 Illustrations. A comprehensive detailed account of costume through the Ages, covering Dress, Jewelary, Ornament, Coiffure and all other elements. 67-20

556 Book of Discipline (The Vinaya Pitaka : Suttavibhanga, Mahavagga & Cullavagga) translated into English by I. B. Horner. 5 Vols. 226-80

557 Book of Indian Eras by A. Cunningham. 25-00

558 Book of Kindred Sayings (Samyutta-Nikaya) translated into English by Rhys Davids and F. L. Woodward. 5 Vols. 126-00

559 Book of Knowledge : A Pictorial Treasury of Reading & Reference for Young and Old. Arranged alphabetically with some six thousand Illustrations, over seven hundred of them in Colour & Gravure. Edited by Gordon Stowell. 8 Vols. 425-00

560 Book of Mirdad. A Light House and A Haven by Mikhail Naimy. 7-50

561 Book of Rugs : Oriental and European by Ignace Schlosser. 84-00

562 Book of the Gradual Sayings (Anguttara-Nikaya) Translated into English by F. L. Woodward and E. M. Hare. 5 Vols. 126-00

563 Brahma Sutra : The Philosophy of Spiritual Life. Translated with an Introduction and Notes by S. Radhakrishnan 44-10

564 Brahma-Sutra Bhasya of Sankaracarya. Translated into English by Swami Gambhirananda. 20-00

565 Brahmasutra Catuhsutri. The First Four Aphorisms of Brahmasutras along with Sankaracarya's Commentary with English Translation, Notes and Index by Pt. Har Dutt Sharma. 8-00

566 Brahma Sutras of Badarayan with the Commentary of Sankaracharya. Edited in the original Sanskrit with English Translation and Notes by S. K. Belvalkar. Chapter II, Quarter I, II. 10-00

567 Brahma-Sūtra Shankara-Bhâshya. Bādarāyaṇa's Brahma-Sūtras with Shankar-chāryā's Commentary. Translated into English by V. M. Apte and K. V. Apte. 45-00

568 Brahma Vaivarta Purana. Translated into English by Rajendra Nath Sen. Parts i, iii & iv. 17-50

569 Brahmavidya (Divine Wisdom) by Dr. Annie Besant. 1-00

570 Brahmavidya : The Adyar Library Bulletin. Vol. I Parts 1-4, Vol. II Part 1, Vol. III Part 4, Vols. IV-X Each Vol. 1-4 Parts, Vol. XI Parts 2-4, Vol. XII Parts 2-4 and Supplement, Vol. XIII-XIV Each Vol. 1-4 Parts, Vol. XV Parts 1, 3-4, Vol. XVI Parts 1 and 3, Vol. XVII Part 4, Vols. XVIII-XXX Each Vol. 1-4 Parts. Sold in One Lot. 520-00

571 Brain of India by Sri Aurobindo. 0-50

572 Brass Industry in Uttar Pradesh : Investigations into the Reorganisation on Scientific Lines of the Brass Industry of Varanasi, Moradabad and Mirzapur by S. S. Khanna. 5-00

573 Breeding Birds of Kashmir by R. S. P. Bates and E. H. N. Lowther. Illustrated with 151 Photographs by the Authors and 5 Coloured plates by D. V. Cowen. 56-25

574 Brief Catalogue of Sanskrit Manuscripts in the Post Graduate Department of Sanskrit, Calcutta University. Compiled by Pt. Amarendra Mohan Tarkatirtha under the Supervision of Prof. Vidhu Shekhara Bhattacharyya Sastri and Prof. Satkari Mookerjee. 5-00

575 Brief Survey of Human History by S. R. Sharma. 12-50

576 Brihadaranyaka Upanisad with the Commentary of Sankaracarya. Translated by Swami Madhavananda. With an Introduction by M. M. Prof. S. Kuppuswami Sastri. 13-00

577 Brihadaranyaka Upanisad with the commentary of Madhavacharya. English Translation by Srish Chandra. 15-00

578 Brhad Devata of Saunka. Text, Englsh Translation and Appendices. By A. A. Macdonell. Indian Ed. 15-00

579 Brihat Jatak (English-translation) by B. Suryanarayan Rao. 12 00

580 Brihat Jatak with English Translation by V. S. Sastry. 8-50

581 Brihath Parashara Hora of Maharshi Parashara. Translated by N. N. Krishna Rau and Vidya Bhushan Chaudhari. 26-25

582 Britain and Chinese Central Asia. The Road to Lhasa 1767 to 1905 by Alastair Lamb. 33-60

583 Britain and Muslim India by K. K. Aziz. A Study of British Public Opinion vis-a-vis the Development of Muslim Nationalism in India, 1857-1947. 44-10

584 British Attitudes Towards India 1784-1858 by George D. Bearce. 43-75

585 British Dominion in India and After by V. B. Kulkarni. 20-00

586 British Foreign Policy and Indian Affairs (1783-1815) by G. S. Misra. 11-00

587 British Paramountcy and Indian Renaissance Parts I-II. Being the 9 and 10 Volumes of History and Culture of the Indian People. Edited by R. C. Majumdar and D. K. Ghose. 70-00

588 British Philosophy in the Mid-Century : A Cambridge Symposium. Edited by C. A. Mace. 42-00

589 British Policy Towards the Pathans and the Pindaris in Central India, 1805-1818. By Biswanath Ghosh. 30-00

590 British Relations with Hyderabad (1798-1843) by Nani Gopal Chaudhuri. 10-00

591 British Relations with the Hill Tribes of Assam since 1858. by Birendra Chandra Chakravarty. 12-00

592 British Rule in India : An Assessment by Ram Gopal. 18-00

593 British Rule in India and After by V. D. Mahajan and Savitri Mahajan. 10-50

594 British Savagery in India by R. S. Vidyarthi. 9-50

595 British Statesman in India by V. B. Kulkarni. 20-00

596 Bronze Images in Patna Museum by S. A. Shere. 4-00

597 Bruchstucke Buddhistischer Verssammlungen : Aus Zentralasiatischen Sanskrithandschriften. I Die Anavataptagatha und die Sthaviranatha by Heinz Bechert. 116-00

598 Bruegel by F. Grossmann. Complete edition of the Paintings. 155 Plates, 11 in Full Colour. 40 pages text. 62-48

599 Buddha (Kamala Lectures) by U. Nu. 3-50

600 Budha (The) The Prophet and the Christ by F. H. Hilliard. 13-13
601 Budha and Five After-Centuries by Sukumar Dutt. 52-00
602 Budha and His Message. The Heart of Enlightenment (Bodhi Chitta) by N. Gangulee. 4-50
603 Budha Jayanti Issue (Brahma Vidya-The Adyar Library Bulletin. Vol. XX, Parts 3-4 December 1956) 8-00
604 Buddha and Caste System by Bhikkhu U. Dhammaratana. 2-00
605 Buddha Jayanti Special Issue of The Journal of the Bihar Research Society, 1956. 2 Vols. 15-00
606 Buddha & the Gospel of Buddhism by A. Coomaraswamy. O. P.
607 Buddha O Bauddha Dharma by Dr. Anukul Chandra Bandyopadhyaya (In Bengali). 6-00
608 Buddhacharita-Cantos I and III with Kannad & Eng. Translations. 5-00
609 Buddhaghosa by B. C. Law. 6-50
610 Buddha's Law Among the Birds. Edited and translated from the Tibetan by E. Conze. 11-03
611 Buddha's Life by Modern Indian Painters. 2-50
612 Buddha's Philosophy. Selections from the Pali Canon and an Introductory Essay by G. F. Allen. 26-25
613 Buddha's Words of Wisdom. The Buddhist's Companion Book. for each day and night of the year. Containing 365 Maxims and Utterances. Attributed to Gotama Buddha Compiled from the Pali Canonical Writings by G. F. Allen. 8-40
614 Buddhism by Annie Besant. 1-40
615 Buddhism by Christmas Humphreys. 5-25, 12-80
616 Buddhism by C. H. S. Ward. Vol I. Hinayana. 12-50
*617 **Buddhism** by Monier Williams. (Chow. Sans. Studies Vol. XLV) **35-00**
618 Buddhism : A 'Mystery Religion' ? by Paul Levy. 14-40
619 Buddhism and Christianity : Some Bridges of Understanding. By Winston L. King. 26-25
620 Buddhism and Christianity in the Light of Hinduism by Arthur Osborne. 12-00
621 Buddhism and Devotion. A Psychological Study by A. B. Buddharakkhita. 1-00
622 Buddhism and Hinduism by Gurusewak Upadhyaya. Foreword by Dr. V. S. Jha. 1-50

623 Buddhism and Korean Culture by Kim Hai Jin. 5–00
624 Buddhism and The Chan School of China by Rev. Yung Hsi. Translated by Dr. Chou Hsiang-Kuang. 2-50
625 Buddhism : As World Religion by Francis Story. 0–25
626 Buddhism: Its Essence and Development by E. Conze. 26–25
627 Buddhism : My Conception of It by Dr. R. L. Soni. 1–00
628 Buddhism : The Religion of Analysis by Nolan Pliny Jacobson. 27–30
629 Buddhism and the Mythology of Evil : A Study in Theravada Buddhism by T. O. Ling. 25–20
630 Buddhism in East Asia : An Outline of Buddhism in the History and Culture of the Peoples of East Asia by Sukumar Dutt. With 27 Plates. 30–00
631 Buddhism in China. A Historical Survey by Kenneth K. S. Ch'en. 100–00
632 Buddhism in Japan. With an Outline of its Origins in India by E. Dale Saunders. 32–50
633 Buddhism in Kashmir and Ladakh by J. N. Ganhar and P. N. Ganhar. 20–00
634 Buddhism in Orissa by N. K. Sahu. 20–00
635 Buddhism or Communism : Which holds the Future of Asia. By Ernst Benz. Translated from the German by Richard and Clara Winston. 31–50
636 Buddhist and Taoist Influences on Chinese Novels. Volume I. The Authorship of the Feng Shen Yen I by Liu Ts'un-Yan. 84–00
637 Buddhist Bible. Edited by Dwight Goddard. 22–50
638 Buddhist Cave Paintings at Tunhuang by Basil Gray. Photographs by J. B. Vincent. With a Preface by Arthur Waley. 132–30
639 Buddhist Himalaya : Travels and Studies in quest of the origins and nature of Tibetan Religion by D. L. Snellgrove. With 74 Illustrations. 36–75
640 Buddhist Hybrid Sanskrit Language and Literature. Ten Public Lectures by Franklin Edgerton. 10–00
641 Buddhist India by Rhys-Davids. 8–00
642 Buddhist in New China. Edited by The Chinese Buddhist Association. 10·00
643 Buddhist Mahayana Texts. Translated by E. B. Cowell, Max Muller and J. Takakusu. (S. B. E.) 20–00

644 Buddhistische Kunst Ostasiens Von Dietrich Seckel. 45-00

645 Buddhist Logic by Th. Stcherbatsky. 2 Vols.
Hague edition. 105-00
Dover Paper Edition. 37-50

646 Buddhist Meditation by Edward Conze. 16-80

647 Buddhist Meditation in the Southern School: Theory and Practice for Westerners. By G. C. Lounsbery. 6-00

648 Buddhist Monks and Monasteries of India : Their History and their contribution to Indian Culture. By Sukumar Dutta. Illustrated. 52-50

*649 **Buddhist Philosophy in India and Ceylon.** By A. B. Keith. (Chow. Sans. Studies. Vol. XXVI) **15-00**

650 Buddhist Suttas. Translated from Pali by T. W. Rhys Davids. (S. B. E.) 20-00

651 Buddhist Text by M. M. Pt. Vidhusekhar Bhattacharya. 2-25

652 Buddhist Texts Through the Ages. Edited by E. Conze and others. London Edition. 26-25

653 Buddhist Texts Through The Ages. Newly translated from the original Pali, Sanskrit, Chinese, Tibetan, Japanese and Apabhramsa. Edited by Edward Conze in collaboration with I. B. Horner, D. Snellgrove, A. Waley. American edition. 56-25

654 Buddhist Thought and Imagery by Max Loehr. With 10 Figures. 4-00

655 Builders of the Mogul Empire by Michael Prawdin. Illustrated. 33-60

656 Building of the Home by B. P. Wadia. 1-50

657 Bulletin of the Deccan College Research Institute. Vols. VII, VIII, IX in 2 parts, X in 4 parts, XI in 2 parts, XII in 2 parts, XIII, XIV in 4 parts, XV in 2 parts, XVI, XVII in 4 parts, XVIII XIX in 2 parts and XX, XXI-XXV. **Each** Volume. 30-00

658 Bulletin of The Government Oriental Manuscripts Library, Madras. Edited by T. Chandrasekharan.
Vol. I. No. 2 only 2-00
Vols. II-IV. (Each Vol. Nos. 1 & 2) 16-00
Vols. V-X. („ Vol. Nos. 1 & 2) 48-00
Vols. XI. Nos. 1 & 2 8-00
Vol. XII-XVII („ Vol. Nos. 1 & 2) 48-00
Vols. I-XVII. Total Price. 122-00

659 Bulletin of The Institute of Traditional Cultures Madras. MCMLVII and MCMLVIII. 13-50

660 Bulletin of the School of Oriental and African Studies, University of London.

Vol. I, Parts. 2 & 3.
Vol. VI, " 3 & 4.
Vol. VIII, " 2,3 & 4.
Vol. IX, Parts. 1-4.
Vol. X, Part. 4.
Vol. XI, Part. 4.
Vol. XIII, Part. 2, 3 & 4.
Vol. XIV-XVII, Each Vol. 3 Parts.
Vol. XVIII Part 2.
Vol. XIX-XXV Each Vol. 3 Parts.
Vol. XXVI Part 1
Vol. XXVII part 3

Sold in one Lot. ...

661 Bulletin on the Religions of India by A. Barth. 5-00

662 Bunch of Old Letters. Written mostly to Jawaharlal Nehru and some written by him. 12-50

663 Bundi Painting by Pramod Chandra. 10-00

664 Burma Through Alien Eyes: Missionary Views of the Burmese in the Nineteenth Century by Helen G. Trager. Foreword by Maung Htin Aung. 18-00

665 Bushman Dictionary by Dorothea F. Bleek. 63-75

666 By-Ways of Cambridge History by F. A. Keynes. 15-75

667 Byzantine Painting. With an Introduction and Notes by Gervase Mathew. 13-13

C

668 Call of Jagadguru. Teaching of His Holiness Sri Jagadguru Sri Chandrasekhara Bharti Swamigal of Sringeri by R. Krishna Swami Aiyar. With a Foreword by Dr. C. P. Rama Swami Aiyar. 4-00

669 Call of the Jagadguru. Discourses of His Holiness Sri Jagadguru Sri Candrasekharendra Saraswati Sripadah of Kanchi Kamakoti Pitham. Compiled by P. Sankaranarayan. With a Foreword by Jaya Chamaraja Wadiyar. 4-00

670 Cambridge History of India:—Indian Edition.

Vol. I-Ancient India. Edited by E. J. Rapson. 40-00

Vol. II. Deal with the period from the downfall of the Caka and Pahlava empire in the middle of the first century A. D. to the Muhammadan conquests. In the Press

Vol. III. Turks and Afghans. Edited by Wolseley Haig. 35-00
Vol. IV. Mughul Period. Edited by Sir Richard Burn. 35-00
Vol. V. British India. Edited by H. H. Dodwell. 30-00
Vol. VI. Indian Empire (1858-1918) Edited by H. H. Dodwell. 30-00

671 Cambridge Shorter History of India by J. Allan etc. Edited by H. H. Dodwell. 18-00

672 Camping and Education. A Source Book for Leaders by Prof. L. K. Govindarajulu and Mrs. Daisy J. Joseph. Illustrated with Drawings by Mr. Md. Badshah and by Photographs. 4-50

673 Campuramayanam, Aranyakanda. Introductions, English and Kannada Translations etc. by Vidyaratna S. Rangachar. 2-75

674 Canakya-Raja-Niti : Maxims on Rajaniti. Compiled from various Collections of Maxims attributed to Canakya. Edited with critical Apparatus by Ludwik Sternbach. 16-00

675 Canakya's Aphorisms in the Hitopadesa (i-iv) by Ludwik Sternbach. 9-37

676 Canda-Kausika of Arya Ksemisvara. With Introduction, full critical Apparatus of Manuscripts, English Translation and Indices. Edited by Sibani Dasgupta. 15-00

677 Canons of Indian Art or A Study on Vastuvidya by Tarapada Bhattacharyya. 30-00

678 Capell and Malone, and Modern Critical Bibliography by Sailendra Kumar Sen. Introduction by Prof. Allardyce Nicoll. 3-00

679 Capitalism, Socialism and Democracy by Joseph A. Schumpeter. 21-00

680 Capitalism, Socialism or Villagism ? by Bharatan Kumarappa. With a Foreword by Mahatma Gandhi. 4-00

681 Capital Market of India by S. L. N. Simha. 17-50

682 Cardinal Doctrines of Hinduism by Puragra Parampanthi. 3-75

683 Caste and Class in India by G. S. Ghurye. 16-00

684 Caste and Communication in an Indian Village by D. N. Majumdar. 20-00

685 Caste and Kinship in Central India. A Village and its Region by Adrian C. Mayer. 36-75

686 Caste and Ritual in a Malwa Village by K. S. Mathur. Foreword by S. C. Dube. Illustrated with Maps and Plates. 26-00

687 Caste, Class and Occupation by G. S. Ghurye 20-00
688 Caste, Culture and Socialism by Swami Vivekananda. 1-50
689 Caste in India by J. H. Hutton. 10-00
690 Caste in Modern India and other Essays by M. N. Srinivas. 13-50
691 Caste Ranking and Community Structure in Five Regions of India and Pakistan by McKim Marriott. Foreword by S. M. Katre. 7-50
692 Caste System of the Hindus by Sourindro Mohun Tagore. 2-00
693 Catalogue du Tanjur Mongol Imprime par Academicien Prof. Dr. Rintchen. 30-00
694 Catalogue of Arabic Manuscripts in the Oriental Institute of Chicago by Miroslav Krek. 10-50
695 Catalogue of Buddhist Sculptures in Patna Museum, Patna by S. A. Shere. 1-75
696 Catalogue of Early Indian Coins in the Asutosh Museum by C. Roy Choudhury and with a Foreword by D. P. Ghosh. Part-I. 10-00
697 Catalogue of Folk Art in the Asutosh Museum. by Mrinal Kanti Pal. With a Foreword by D. P. Ghosh. With 20 plates. Part I 10-00
698 Catalogue of Greek and Roman Sculpture in the Museum of Fine Arts, Boston by L. D. Caskey. 37-50
699 Catalogue of Manuscripts in the Akhila Bharatiya Sanskrit Parishad, Lucknow. Compiled by Shri Daulat Ram Juyal. 40-00
700 Catalogue of Palm-Leaf Manuscripts in the Santinatha Jain Bhandara, Cambay by Muni Punya Vijaya. 2 Parts 42-00
701 Catalogue of Printed Books. Published before 1932 in the Library of the Royal Asiatic Society. 66-15
702 Catalogue of Printed Kannada Works in the Oriental Research Institute, Mysore. 3-12
703 Catalogue of Printed Sanskrit Works in the Govt. Oriental Library, Mysore (1891-1944). Compiled under the Supervision of H. R. Rangaswamy Iyengar. 10-00
704 Catalogue of Sanskrit and Prakrit Manuscripts in Muniraja Sri Punyavijayaji's collection. Compiled by Muniraj Sri Punyavijayaji. Edited by Pt. Ambalal P. Shah. 1-2 Parts. 90-00
705 Catalogue of Sanskrit and Prakrit Manuscripts in the Rajasthan Oriental Research Institute (Jodhpur Collection) Part I and Part II Edited by Padmashri Muni Jinavijaya. (A. B. C.) 129-50

706 Catalogue of Sanskrit Manuscripts in Deccan College Post graduate and Research Institute, Poona.
Vol. I-Veda Manuscripts edited by M. A. Mehendale. 12-00
Vol. II-Kavya Manuscripts edited by N. G. Kalelkar. 12-00
Vol. III-Dharmasastra Manuscripts. Ed. by M. M. Patkar. 12-00

707 Catalouge of South Indian Sanskrit Mss. belonging to the R. A. S. by M. Winternitz with an Appendix by F. W. Thomas. 7-88

708 Catalogue of the Adyar Library. Western Section. 4 Parts. 12-00

709 Catalogue of the Cuneiform Tablets of the Wilberforce Eames Babylonian Collection in the New York Public Library. Tablets of the Time of the Third Dynasty of Ur. By A. Leo Oppenheim. 30-00

710 Catalouge of the Gupta Gold Coins in the Bayana Hoard by A. S. Altekar. 60-00

711 Catalogue of the Ikshvaku Coins in the Andhra Pradesh Government Museum by Dr. R. Subrahmanyam. 3-00

712 Catalogue of the Library of the American Oriental Society. Edited by Elizabeth Strout. 15-00

713 Catalogue of the Mathura Museum Architectural Pieces by Dr. V. S. Agrawala. 24-00

714 Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in the Adyar Library. 2 Parts. 20-00

715 Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in the Osmania University Library. Edited by Dr. Aryendra Sharma, Khanderao Deshpande, D. G. Padhye and Sundara Sharma. 30-00

716 Catalogue of the Tibetan Texts in the Bihar Research Society. Compiled by Gopi Raman Choudhary. Vol. I. (Miscellaneous Series). 15-00

717 Catalogue of the Vijayanagar Coins of the Andhra Pradesh Government Museum by Sri N. Ramesan. 6-00

718 Catalogue of VVRI. Manuscript collection by Vishva Bandhu. Classified Descriptive Tables and Initial & Colophonal Extracts in 2 parts. 80-00

719 Cataloguing Theory and Practice by C. G. Viswanathan. 20-00

720 Catalogus Catalogorum. An Alphabetical Register of Sanskrit Works and Authors by Theodor Aufrecht. 3 Parts in 2 Vols. 270-00

721 Catechism of Hindu Dharma by Srishchandra Basu. 2-50

722 Caurapancasika. An Indian Love Lament of Bilhana Kavi. Critically Edited with Introduction, Notes, Translation and Appendices by S. N. Tadpatrikar. 5–00

723 Cave Paintings of Ajanta by Madan Jeet Singh. 82 Plates and 22 Figures. 176–40

724 Cave-Temples of the Pallavas by K. R. Srinivasan (Architectural Survey of Temples. No. 1) 25–00

725 Cave Temples of Western India. 2–00

726 Central Asia : The Connecting Link between East and West and other Lectures by Prof. Dr. Johannes Nobel. O. P.

727 Central Asiatic Journal. International Periodical for the Languages, Literature, History and Archaeology of Central Asia. Editiorial Board : W. Eberhard, K. Enoki, R. N. Frye, N. Poppe and etc., etc. Editor-in-Chief K. Jahn. Vol. I. Nos. I. and III. Vols. II–X (Each Vol. 4 Nos.). Sold in One Lot. 726–75

728 Central Conception of Buddhism and the Meaning of the Word "Dharma" by Th. Stcherbatsky. 7–50

729 Central Indian Painting with an Introduction and Notes by W. G. Archer. 15–75

730 Central Philosophy of Buddhism. A study of the Madhyamika System by T. R. V. Murti. 22–05, 31–50

731 Central Social Welfare Board by P. D. Kulkarni. Foreword by Durgabai Deshmukh. 12–50

732 Century of Life (The Nitishatak of Bhartrihari freely rendered into English verse) by Aurobindo. 2-50

733 Century of Social Reform in India by S. Natarajan. With a Foreword by P. B Gajendragadkar. 12–50

734 Ceramic Art of China and other Countries of The Far East by William Bowyer Honey. 66–15

735 Ceramic Art of Korea. Edited by Dr. Chewon Kim and G. St. G. M. Gompertz. 88–20

736 Ceylon : Dilemmas of a new Nation by W. Howard Wriggins. 12–50, 50–00

737 Chaitanya Charitamrita by Sri Krishnadasa Kaviraja Goswamin. English Translation. Translated by Nagendra Kumar Ray. Complete in 6 Parts. 60–00

738 Chakra-Dhvaja (The Wheel Flag of India). Being a History and Exposition of the Meaning of the Dharma-Chakra and the Sarnath Lion-Capital by Dr. Vasudeva S. Agrawala. 20–00

739 Chakras. A Monograph by C. W. Leadbeater. 12-00

740 Chalcolithic Chandoli (Report on the Excavations at Chandoli 1960) by Shantaram Bhalchandra Deo and Zainuddin Dawood Ansari. Foreword by S. M. Katre. 35-00

741 Challenge of the Temporal Process, Principal Miller Lectures, 1933 by The Rev. A. G. Hogg. 0-75

742 Chalukyas of Gujrat. A survey of the History and Culture of Gujrat from the middle of the tenth to the end of the thirteenth century by Ashokekumar Majumdar. 30-00

743 Chamaras by Geo. W. Briggs. 3-00

744 Chambers's Twentieth Century Dictionary. Edited by William Geddia. 12-50

745 Champuramayana. Ayodhya kanda with Introduction and English Translation by S. Rangachar. 2-25

746 Champuramayan. Kiskindha Kanda with English translation by S. Rangachar and R. Sreenivasachar. 2-75

747 Chanakya and Chandra Gupta by A. S. P. Ayyar. 4-25

748 Chanakya and the Arthasastra. by Somnath Dhar. 1-50

749 Chandogya Upanisad : Samkhya Point of View by Anima Sen Gupta. 3-00

750 Chandragupta Maurya and His times (Madras University Sir William Meyer Lectures, 1940-41) by Radha Kumud Mookerji. 15-00

751 Chandraloka 5th Mayukha. Alankar Prakaran with English Notes & Translation by C. Sankar Ram Sastri. Edited by S. Viswanathan. 3-00

752 Chandra Vyakaran by Dr. K. C. Chatterjee. 2 Parts 27-00

753 Changeable and the Unchangeable in Religion by Dr. Jwala Prasad Singhal. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 14-00

754 Changing Concept of the Universe. Foreword by B. H. Zaidi. 8-00

755 Character of the Indo-European Moods by J. Gonda. 56-25

756 Charles Dickens : Bleak House. By A Professor of English. 5-00

757 Charles Grant and British Rule in India by Ainslie Thomas Embree. 44-10

758 Charm of Indo-Islamic Architecture. An Introduction to the Northern Phase by John Terry. 11-25

759 Charms of Love by Edward S. Gifford. 22-05

760 Charsada : A Metropolis of the North-West Frontier. Being a Report on the Excavations of 1958 by Mortimer Wheeler. 78-75

761 Charudattam of Bhasa. Critically Edited with Translation into English, Critical and Explanatory Notes, Introduction and Useful Appendices by Dr. P. S. Sane and Prof. S. A. Upadhyaya. With Gujrati Translation of the Sanskrit Text by Prof. B. V. Vyas and with Marathi Translation of the Sanskrit Text by Dr. N. A. Deshpande. 6-00

762 Charudatta with English translation by C. R. Devadhar. 4-00

763 Charudatta with English translation by S. Ray. 6-00

764 Chatterji (Suniti Kumar) Jubilee Volume. (Indian Linguistics). 25-00

765 Chaturanga : A Novel by Rabindranath Tagore. Translated from the Bengali by Asok Mitra. 5-00

*766 **Chaturveda Bhasya Bhumika Samgraha** : A Collection of all available Sayana's Introductions to his Vedic commentaries. Edited by Pt. Baladeva Upadhyaya, M. A. **5-00**

767 Cheiro's Language of the Hand. A Complete Practical Work on the Sciences of Cheirognomy and Cheiromancy. Containing the System and Experience of Cheiro. 8-00

768 Chemical Study of Some Indian Archaeological Antiquities by Satya Prakash and N. S. Rawat. 6-00

769 Chhandasvati Vak (Select Vedic Mantras) with English Translation by Vasudeva S. Agrawala. 1-50

770 Chhandogya-Upanisad-Traduite Et Annotee Par Emile Senart. 10-75

771 Chhandogyopanisad with English translation by Swami Swahananda. 8-50, 9-25

772 Chhandogyopanishad. English translation of text & Shankarbhashya by Dr. G. N. Jha. 8-00

773 Chicago Addresses by Swami Vivekananda. 0-65

774 Chief Currents of Contemporary Philosophy by Dhirendra Mohan Dutta. 12-00

775 Cikshasamuccaya : A Compendium of Buddhistic Teaching. Compiled by Cantideva. Edited by Cecil Bendall. 35-00

776 Children of India. 1-50

777 Children's Museum for India by P. Sahasrabudhe. 1-00

778 China. A short cultural History by C. P. Fitzgerald. 29-40,66-15

779 China and Gandhian India by Dr. Carsun Chang. Ed. by Dr. Kalidas Nag. 6-00

780 China and Tibet in the Early 18th Century. History of the Establishment of Chinese Protectorate in Tibet by L. Petech. 90-00

781 China Invades India. The Story of Invasion against the Background of Chinese History and Sino-Indian Relations edited by V. B. Karnik. 15-50

782 China's First Unifier : A Study of the Chin Dynasty as Seen in the Life of Li Ssu 280-208 B. C. By Derk Bodde. 52-00

783 China's Women Workers. 5-00

784 China-Trade Porcelain by John Goldsmith Phillips. 110-25

785 China : Three Facets of a Giant by Henry G. Schwary. 8-50

796 Chinese Art by Leigh Ashton & Basil Gray. 44-10

787 Chinese Art : Bronze, Jade, Sculpture, Ceramics. Text by Daisylion-Goldschmidt and Jean-Clande Morean-Gobard. Translated by Diana Imber, with a Foreword by George Savage. 428 Pages, 65 Plates in Full Colour, 130 Illustrations in Black and White, all Illustrations with detailed Captions; a Chronolcgical Survey of the Chinese Dynasties; Bibliography. 201-60

788 Chinese Art and Culture by Rene Grousset. Translated from the French by Haakon Chevalier. 44-00

789 Chinese Buddhist Verse. Translated by Richard Robinson. 4-80

790 Chinese Civilization by Marcel Granet. With twelve plates and five maps. 42-00

791 Chinese Decorative Art. A Handbook for Collectors and Connoisseurs by Martin Feddersen. Translated by Arthur Lane. 47-25

792 Chinese English Dictionary. Compiled and Revised by R. H. Mathews. American Edition. 80-00

793 Chinese Language by R. A. D. Forrest. 88-20

794 Chinese Pictorial Art as viewed by The Connoisseur. Notes on the means and methods of traditional Chinese Connoisseurship of Pictorial Art, based upon a Study of the Art of mounting Scrolls in China and Japan by R. H. van Gulik. With 160 plates, and 42 actual samples of Chinese and Japanese paper, in pocket. 350-70

795 Chinese Poems and Pictures on Ahimsa by Dr. Raghuvira. 20-00

796 Cholas with Introductory notes in English. Edited by G. V. Srinivasa Rao. (South-Indian Inscriptions (Texts) Volume XIII). 19-00

797 Chola Temples : Tanjavur, Gangaikonda cholapuram and Darasuram by C. Sivaramamurti. 0-75

798 Christ Answers Youth's Problems by A. J. Appasamy. 0-25

799 Christian and Oriental Philosophy of Art (Formerly titled "Why Exhibit Works of Art ?") by Ananda K. Coomaraswamy. 11-25

800 Christian Approach to the Bhagavadgita by P. S. Mathai. 2-00

801 Christian India. Introduction by Father Trevor Huddleston. Text by F. A. Plattner. Photographs by B. Moosbrugger. 33-60

802 Christianity Explained to Muslims by L. Bevan Jones. 5-00

803 Christianity in a Changing India. An Introduction to the Study of Missions by C. Manshardt. 1-50

804 Christianity in the Indian Crucible by Eddy Asirvatham. 4-00

805 Christianity in the Nonwestern World. Edited by C. W. Forman. 14-63

806 Chronicle of the Early Safawis being the Ahsanut-Tawarikh of Hasan-i-rumlu Vol. I. (Persian Text) Edited by C. N. Seddon. 11-00

Vol. II. (English translation.) by C. N. Seddon. 11-00

807 Chronicles of Ceylon by B. C. Law. 3-00

808 Chronological List of Inscriptions of the Pudukkottai State. Arranged according to Dynasties. 5-60

809 Chronology and History of Nepal (600 B. C.-880 A. D.) by K. P. Jayaswal. O. P.

810 Chronology of Ancient Western Asia and Egypt by P. Van Der Meer. With A Synchronistic Table in Four Sheets, Second Revised Edition. 52-50

*811 **Chronology of India (The)** : From the Earliest Times to the Beginning of the Sixteenth Century. By C. Mabel Duff. **Shortly**

812 Chronology of the Reign of Asoka Moriya. A comparision of the Date of the Asoka Inscription and the date of the Tradition by Dr. P. H. L. Eggermont. 65-25

813 Citations in Sabarbhasya by D. V. Garge. 16-00

814 Cities and Civilization by G. S. Ghurye. 20-00

815 Cities of Ancient India by B. N. Puri. 12-50

816 Cittavisuddhiprakarana of Aryadeva, Sanskrit and Tibetan Text. Edited by Prabhubhai Bhikhabhai Patel. 5-00

817 City in History : Its Origins, Transformations, and Prospects by Lewis Mumford. Illustrated. 84-00

818 Civil Servant in India by Ex-Indian Civil Servants. Edited by Kewal L. Panjabi. 15-00

819 Civil Service in India by A. K. Ghoshal. 10-00

820 Civil Service in India by Naresh Chandra Roy. With a Foreword by Prof. N. K. Sidhanta. 15-00

821 Civil Services, History and Problems (The Rt. Hon'ble Srinivasa Shastri Lectures, 1954-55) by K. M. Panikkar. 3-50

822 Civilian Defence : An Introduction. Edited by T. K. Mahadevan, Adam Roberts and Gene Sharp. 12-00

823 Civilization and Culture of Bali by R. Friederich. Edited by Ernst R. Rost. 12-00

824 Civilization and its Discontents by Sigmund Freud. Translation from the German by Joan Riviere. 13-13

825 Civilization at the Crossroads by Major-General S. L. Bhatia. 1-00

826 Civilization in Transition by C. G. Jung. Translated by R. F. C. Hull. 52-50

827 Civilization of Ancient India by Louis Renou. Translated from the French by Philip Spratt. 14-00

828 Civilization of Rome by Pierre Grimal. Translated by Prof. W. S. Maguinness. This splendid work is accompanied by 229 magnificent Illustrations in Photogravure of every aspect of Roman Life and Culture ; Plans and Maps ; a Chronogical Table from B. C. 800 to 337 A. D. with the main events in the various segments of Roman Life recorded in Parallel ; an historic and Biographical Dictionary ; and a very extensive Bibliography. 77-18

829 Civilization of the Renaissance in Italy by Jacob Burckhardt. Life in Renaissance Italy. 350 pages text. 100 Illustrations. 18-38

830 Civilization, War and Death by Sigmund Freud. Edited by John Rickman. 11-03

831 Classical Accounts of India being a Compilation of the English translations of the accounts left by Herodotus, Megasthenes, Arrian, Strabo, Quintus, Diodorus Siculus, Justin, Plutarch, Frontinus, Nearchus, Apollonius, Pliny, Ptolemy, Aelian and others with Maps, Editorial Notes, Comments, Analysis and Introduction by Dr. R. C. Majumdar. 23-00

832 Classical Age. Being the Third Volume of History and Culture of Indian People. Edited by R. C. Majumdar and A. D. Pusalkar. 35-00

833 Classic Art. An Introduction to the Italian Renaissance by Heinrich Wolfflin. With 200 Illustrations, 10 in full colour. 37-80

834 Classical and Folk Dances of India. 50-00

835 Classical Background of English Literature by J. A. K. Thomson. 22-05

836 Classical Dance Poses of India (Illustrated with 105 dance poses 'Angakaranas') by Gopinath & S. V. Ramana Rao. 5-00

837 Classical Dances and Costumes of India by K. Ambrose. 36-75

838 Classical Dictionary of Hindu Mythology and Religion, Geography, History and Literature by Prof. John Dowson. 29-40

839 Classical Dictionary of Proper names mentioned in Ancient Authors with a Chronological Table by J. Lempriere. 21-00

840 Classical Doctrine of Indian Medicine : Its Origins and its Greek Parallels. By J. Filliozat. Translated from the Original in French by Devraj Chanana. 25-00

841 Classical Drama of India. Studies in its Values for the Literature and Theatre of the World by Henry W. Wells. 16-00

842 Classical Drama of the Orient by Henry W. Wells. 30-00

843 Classical Indian Philosophies : Their synthesis in the Philosophy of Sri Rama Krishna by Satis Chandra Chatterjee. 5-50

844 Classical Indian Sculpture by Chintamani Kar. 9-00

845 Classical Influences on English Poetry by J.A.K. Thomson. 22-05

846 Classical Influences on English Prose by J. A. K. Thomson. 16-80

847 Classical Sanskrit Literature by A. B. Keith. 5-00

848 Classical Tradition in Western Art by Benjamin Rowland, Jr. 229 Illustrations. 93-13

849 Classified Catalogue Code with Additional Rules for Dictionary Catalogue Code. By S. R. Ranganathan, Assisted by A. Neelameghan. 26-00

850 Clinical Papers and Essays on Psycho-Analysis by Karl Abraham. With a Preface by Ernest Jones. Edited by Hilda C. Abraham. Translated by Hilda C. Abraham and D. R. Ellison with the assistance of Hilda Maas and Anna Hackel. 31-50

851 Coconut Palm : A Monograph by K. P. V. Menon and K. M. Pandalai. 18-00

852 Coins by Howard W. A. Linecar. 26–25
853 Coins of Ancient India by A. Cunningham. 25–00
854 Coins of Medieval India by A. Cunningham. 25–00
855 Colas by K. A. Nilakanta Sastri. 17–00
856 Coleridge on Imagination by I. A. Richards. 22–40
857 Collected Poems and Plays of Rabindranath Tagore. 31–50
858 Collected Works of Bu–Ston. Edited by Dr.Lokesh Chandra.
1–8 Parts. **Each** Part. 200–00
859 Collected Works of C. G. Jung. Edited by Sir Herbert Read, Michael Fordham and Gerhard Adler. Translated from the German by R. F. C. Hull.
Vol. I. Psychiatric Studies. 26–25
Vol. III. Psychogenesis of Mental Disease. 33–60
Vol. IV. Freud and Psycho–Analysis. 39–38
Vol. V. Symbols of Transformation. An Analysis of the Prelude to a Case of Schizophrenia. 36–75
Vol. VII. Two Essays on Analytical Psychology. 26–25
Vol. VIII. Structure and Dynamics of the Psyche. 44–10
Vol. IX. Part I. Archetypes and the Collective Unconscious. 42–00
Vol. IX Part II. Aion. Researches into the Phenomenology of the Self. 33–60
Vol. X. Civilization in Transition. 52–50
Vol. XI. Psychology and Religion. West and East. 52–50
Vol. XII Psychology and Alchemy. 28–00
Vol. XIV. Mysterium Coniunctionis. An Inquiry into the Separation and Synthesis of Psychic Opposites in Alchemy. 55–13
Vol. XV. Spirit in Man, Art, and Literature. 33–08
Vol. XVI Practice of Psychotherapy. Essays on the Psychology of the Transference and other Subjects. 31–50
Vol. XVII. Development of Personality. 42–00
860 Collected Works of Mahatma Gandhi. Published by Govt. of India.
Vol. I (1884–1896) 3–00
Vol. II (1896–1897) 3–00
Vol. III (1898–1903) 9–00
Vol. IV (1903–1905) 9–00
Vols. V–IX (1905–Nov. 1909) **Each** Vol. 9–00
Vols. X–XIX (Nov. 1909–April 1921) **Each** Vol. 9–00

861 Collected Works of R. G. Bhandarkar. I–III Vols. 16–00

862 Collection of Kalaka Story. Part I. English version, History, Legends and Miniature Paintings by Sarabhai Manilal Nawab. With 88 Illustrations. In Colour 19 and 69 Monochrome and Part II. Texts, recensions and variations by Pt. Ambalal Premachand Shah. 65–00

863 Collection of the Fragments of Lost Brahmanas by Batakrishna Ghosh. 25–00

864 Colonial Architecture and Sculpture in Peru by Harald E. Wethey. With 325 Illustrations. 93–75

865 Color Therapy : Healing with Color by R. B. Amber. 16–00

*866 **Commic Elements in Sanskrit Drama** (Theory and Parctice) by Dr. L. R. Singh. **Shortly**

867 Common Diseases, Their Causes and Treatment by Irani. 4-50

868 Common Sense about Yoga by Swami Pavitrananda. 1–00

869 Communist Party of India : A Short History by M. R. Masani. With an Introduction by Guy Wint. 10–00

870 Community of Communities by Radhakamal Mukerjee. 15–00

871 Compact Dutch-English, English-Dutch Dictionary. (Cassell) Compiled by Dr. F. P. H. Prick Van Wely. 15–75

872 Compact French-English, English-French Dictionary. (Cassell) by De V. Payen-Payne and C. M. Martin. Revised by Count Alfred de Curzon and reset. 13–13

873 Compact German-English, English-German Dictionary. (Cassell) Compiled by J. Heron Lepper. 6–80

874 Compact Latin-English, English-Latin Dictionary. (Cassell) Compiled by Millicent Inglis Thomas. 13–13

*875 **Comparative Æsthetics :—**

Vol. I. **Indian Æsthetics** by Dr. K. C. Pandeya. (Chow. Sans. Studies Vol. II.) **30–00**

Vol. II. **Western Æsthetics** by Dr. K. C. Pandeya. (Chow. Sans. Studies. Vol. IV.) **30–00**

876 Comparative and Critical Study of Mantra Shastra without text by M. B. Jhavery. 25-00

877 Comparative and Etymological Dictionary of Vedic Interpretation (A Specimen) by Vishva Bandhu. 8–00

878 Comparative Dictionary of the Indo-Aryan Languages by R. L. Turner. Fascs. II–VI, VIII. 189–00

879 Comparative Frequency of Indo-Aryan Sounds (As Initial) by Devraj. **4–25**

880 Comparative Grammar of Middle Indo-Aryan by Sukumar Sen. 12-00

881 Comparative Grammar of the Dravidian or South Indian Family of Languages by Robert Cald Well. Third Edition, Revised and edited by J. L. Wyatt and T. Ram Krishna Pillai. 13-50

*882 **Comparative Grammar of the Gaudian Languages** by A. F. Rudolf Hoernle. **Shortly**

883 Comparative Grammar of the Modern Aryan Languages of India : To Wit, Hindi, Punjabi, Sindhi, Gujarati, Marathi, Oriya and Bengali by John Beams. 50-00

884 Comparative Grammar of the Prakrit Languages by R. Pischel. Translated from the German by Subhadra Jha. (Revised Ed.). 50-00

*885 **Comparative Grammar of the Sanskrit, Zend, Greek, Latin, Lithuanian, Gothic, German and Slavonic Languages** : By Prof. Bopp. Translated from the German by Edward B. Eastwick. 3 Vols. **Shortly**

886 Comparative Philology. A comparision between Semitic and American Languages with a Map and Illustrations by Arnold C. M. Leesberg. 54-00

887 Comparative Phonology of Hindi and Punjabi By Vidya Bhaskar Arun. 25-00

888 Comparative Religion by A. C. Bouquet. 5-25

889 Comparative Religion by Geoffrey Parrinder. 16-80

890 Comparative Studies in Pali and Sanskrit Alankaras. Part I. By Dr. Herambanath Chatterjee, Shastri. 6-00

891 Comparative Study and Racial Analysis of the Human Remains of Indus Valley Civilization with Particular Reference to Harappa by Dr. B. K. Chatterjee and G. D. Kumar. With Plates. 12-00

892 Comparative Study of the Concept of Liberation in Indian Philosophy (A Thesis Approved for the Ph. D. of the University of Jabalpur) by Ashok Kumar Lad. 10-00

*893 **Comparative Study of the Concepts of Space and Time in Indian Thought** by Dr. Kumar Kishore Mandal. **Shortly**

894 Comparative Study of the Ethical Teachings of Kant and The Bhagavadgita by Balbir Singh Gauchhwal. 2-30

895 Comparative Study of the Kathinavastu by Kun Chang. 18-00

896 Comparative Vocabulary of the Gondi Dialects by T. Burrow and S. Bhattacharya. 12-00

897 Comparison of Indian and Western Philosophy and Sanskrit Studies Today by Daniel H. H. Ingalls. 1-15

898 Compendium of Philosophy (Abhidhammattha-Sangaha) translated into English by S. Z. Aung and Rhys Davids. 26-25

899 Complete Works of Swami Vivekananda in Eight Vols. With Index. 52-00

900 Complex Numbers and Functions by T. Estermann. 26-00

901 Comprehensive English-Hindi Dictionary. Compiled by Dr. Hardeva Bahari. 30-00

902 Comprehensive English-Hindi Dictionary of Governmental and Educational Words and Phrases by Dr. Raghuvira. 30-00

903 Comprehensive Personality Theory by R. M. Shah. Foreword by C. S. Patel. 15-00

904 Compromises in the History of Advaitic Thought by M. M. Kuppuswamy Sastry. 1-50

905 Comrades of The Road or Rama and Sita today by L. Winifred Bryce. Introduction by Lady Maharaj Singh. 3-00

906 Concentration. A Practical Course with a Supplement on Meditation by Ernest Wood. 3-00

907 Concept of Comedy (A Re-statement) by Dr. G. S. Amur. Foreword by D. C. Pavate. 7-00

908 Concept of Dharma in the Itihasas and the Puranas by N. Raghunathan. O. P.

909 Concept of Dharma in Valmiki Ramayana by Dr. Benjamin Khan. Foreword by N. K. Devaraja. 20-00

910 Concept of Equality in the Eye of Law by Gopendranath Das. 3-00

911 Concept of Man and the Philosophy of Education in East and West. 0-75

912 Concept of Maya. From the Vedas to the 20th Century by Ruth Reyna. 10-50

913 Concept (The) of Mind in Indian Philosophy by Sarasvati Chennakesavan. 10-00

914 Concept of Perfection in the Teachings of Kant and the Gita by Balbir Singh Gauchhwal. 18-00

915 Concept of Mukti in Advaita Vedanta by A. G. Krishna Warrier. (Madras University Philosophical Series No. 9). 11-25

*916 **Concept of Poetic Blemishes in Sanskrit Poetics** by Dr. Bechan Jha M. A., D. Litt. (Chow. Sans. Studies Vol. XLVII.) **15-00**

917 Concept of Self by Kamala Roy. Foreword by Kalidas Bhattacharya. 20-00

918 Concept of the Secular State and India by Veda Prakash Luthera. 12-50

919 Concept of the United Nations: A Philosophical Analysis by Dr. E. M. Haugh. 1-00

920 Conception of Matter according to Nyaya-Vaisesika Philosophy by Dr. Umesha Misra. 25-00

921 Conception of Spiritual Life in Mahatma Gandhi and Hindi Saints by Prof. Dr. R. D. Ranade. 4-00

922 Concerning Famous Women by Giovanni Boccaccio. Translated with an Introduction and Notes by Guido A. Guarino. 33-60

923 Concise Cambridge History of English Literature. Ed. by G. Sampson. 26-25

924 Concise Dictionary of American Literature. Ed. by Robert Fulton Richards. 33-75

925 Concise Dictionary of the American Language. Edited by Arthur Waldhorn. 33-75

926 Concise Elementary Grammar of Sanskrit Language. With Exercises, Reading Selections and a Glossary by J. Gonda. Translated from the German by Gordon B. Ford. 54-00

927 Concise English Dictionary. (Cassell) Revised Edition. 3-51

928 Concise General Astronomy by Dr. H. S. Aiyar. 6-00

929 Concise Grammar of the Hindi-Language by H.C. Scholberg. 7-50

930 Concise History of Classical Sanskrit Literature by V. Gopala Iyengar. 4-00

931 Concise History of Mauritius by S. Bissoondoyal. 3-00

932 Concise History of the Indian People by H. G. Rawilinson. 5-50

933 Concise Oxford Dictionary of Music by Percy A. Schales. With 125 Pictorial and Musical Illustrations and Diagrams. 24-00

934 Concise Pali - English Dictionary By Aggamahapandita A. P. Buddhadatta Mahathera. 26-25

935 Concordance of Sanskrit Dhatupathas by G. B. Palsule. 12-00

936 Conduct of Royal Servants. Being a Collection of Sanskrit Verses with their translations by B. Bhattacharya. 1-00

957 Contemporary Development of Indian Political Thought by M. A. Buch. 3 Vols. 35-00

958 Contemporary German Literature by Elizabeth Burger. 1-00

959 Contemporary Indian Literature : A Symposium. Second Edition, Revised and Enlarged. 4-50

960 Contemporary India. Edited by Baidyanath Varma. 22-00

961 Contemporary Indian Painters. 5-50

962 Contemporary Indian Philosophers by Binoygopal. 5-25

963 Contemporary Indian Philosophy by S. Radhakrishnan. 44-10

964 Contemporary Indian Philosophy by Rama Shankar Srivastava. With a Foreword by Prof. Paul Arthur Schilpp. 20-00

965 Contemporary Indian Photography by Dr. G. Thomes. 5-25, 13-50

966 Contemporary Indian Political Thought by Dr. O. P. Goyal. 10-00

967 Contemporary Indian Short Stories : Series I. Foreword by Humayun Kabir. 8-00

968 Contemporary Paintings of India. 4-25

969 Contemporary Problems in Religion. Ed. by Harold A. Basilius. 24-50

970 Contemporary Spanish Literature by Esteban Pujals. 1-00

971 Contemporary World Literature (Europe) Italian, Norwegian, Swedish, French, Dutch, German, and Spanish. 7-00

972 Contemporary World Politics by Madan Gopal Gupta. 12-00

973 Contribution of Christianity to Ethics by C. J. Webb. 3-12

974 Contribution of Kashmir to Indian Literature by Raghunath Safaya. 2-60

975 Contribution of Kerala to Sanskrit Literature by K. Kunjunni Raja. 10-25

976 Contribution to a Bibliography of Indian Art and Æsthetics by H. Mitra. 12-00

977 Contribution to the History of the Hindu Drama : Its Origin, Development and Diffusion by Manmohan Ghosh. 6-00

978 Contributions to Indian Economic History. Edited by Tapan Ray Chaudhuri. 3 Parts. 24-00

979 Contributions to Indian Sociology. Edited by Louis Dumont and D. Pocock.

No. I	April	1957	9-00
No. II	Do.	1958	9-00
No. III	July	1959	9-00
No. IV	April	1960	9-00
No. VI			9-00

980 Contributions to Psycho-Analysis 1921-1945 by Melanie Klien. With an Introduction by Ernest Jones. 52-50

981 Contributions to the Economic History of Northern India from the Tenth to the Twelfth Century A. D. By Puspa Niyogi. With a Foreword by Dr. Benoy Chandra Sen. 20-00

982 Conversations of the Dead by Sri Aurobindo. 1-00

983 Conversations with Mr. Nehru by Tibor Mende. 10-50

984 Co-Operation and Indian Agriculture by A. K. Yajna Narayan Aiyer. 9-50

985 Copper Plate Inscriptions of Andhra Pradesh Government Museum Hyderabad. Vol. I. By Sri N. Ramesan. 15-00

986 Corpus Inscriptionum Indicarum. Vol. I. Inscriptions of Asoka. Prepared by Alexander Cunningham. 50-00

987 Corpus Inscriptionum Indicarum. Vol. III. Inscriptions of Early Gupta Kings and their Successors. By John Fleet. With plates. Revised Edition. 175-00

988 Corpus Inscriptionum Indicarum. Vol. IV. (Inscriptions of Kalachuri-Chedi Era). 2 Parts. 175-00

989 Corrected Age Data of the 1931 Indian Census by S. N. Agarwala. 17-50

990 Correspondence with Sri Aurobindo by Nirodbaran. 1-2 Series. 6-50

991 Cosimo Tura by E. Ruhmer. Paintings and Drawings. With 118 Plates, 6 in colour. 66-15

992 Cosmic Art of India : Symbol (Murti), Sentiment (Rasa), and Silence (Yoga) by Radhakamal Mukerjee. With 129 Illustrations. 45-00

993 Cosmography and Geography in Early Indian Literature (Sir William Meyer Endowment Lectures in History 1965-66 University of Madras) by D. C. Sircar. 50-00

994 Cottage Industries and Agriculture in Japan by Chaman Lal. Foreword by Shyama Prasad Mookerjee. 14-50

995 Course in General Linguistics by Ferdinand De Saussure. Edited by Charles Bally and Albert Sechehaye. In Collaboration with Albert Reidlinger. Translated from the French by Wade Baskin. 44-10

996 Cradle of Indian History by C. R. Krishnamacharlu. 3-50

997 Creating of Peace. I—Science and World Peace by Major-General S. L. Bhatia. II—Long House League of the Iroquois by James Truslow Adams. 1-00

998 Creation as Explained in the Tantras by Woodroffe. 1-00

999 Creation of Modern Bihar by Vijay Chandra Prasad Chaudhary. 12-50

1000 Creative Art of Life by K. M. Munshi. 2-50

1001 Creed of Budhha by E. Holmes. 3-88, 7-88

1002 Crescas' Critique of Aristotle. Problems of Aristotle's Psysics in Jewish and Arabic Philosophy by Harry Austryn Walfson. 36-00

1003 Crescent in India by S. R. Sharma. 15-00

1004 Crime and Custom in Savage Society by Bronislaw Malinowski. 14-40

1005 Crisis of Indian Civilisation in the Eighteenth and Early Nineteenth Centuries. The Genesis of Indo-Muslim Civilisation by H. Goetz. 0-94

1006 Critical Bibliography of Religion in America by Nelson R. Burr. Parts I-II in one and III-V in One. 2 Vols. 162-50

1007 Critical Examination of Psycho-Analysis by A. Wohlgemuth. 5-00

1008 Critical Exposition of the Philosophy of Leibniz. With an Appendix of Leading Passages by Bertrand Russell. 22-05

1009 Critical History of English Poetry by Grierson & Smith. 36-75

1010 Critical Interpretation and Investigation of Epithets of Soma by Dr. B. H. Kapadia 5-00

1011 Critical Note in English on the Commentary of Vallabhadeva on the Shisupalvadham by J. D. Zadoo. 0-50

1012 Critical (A) Pali Dictionary begun by V. Trenckner. Revised, Continued and Edited by Dines Andersen and Helmer Smith.

Vol. I Parts I-XI. With a Separate part of Epibgomena to Vol. I 162-50

Vol. II Fase. I A-adi kappika. 25-00

1013 Critical Studies in the Phonetic Observations of Indian Grammarians by Siddheshwar Varma. 20-00

1014 Critical Studies on Katyayana's Suklayajurvedapratisakhya by V. Venkatarama Sharma. 4-50

1015 Critical Study of Bhavabhuti's Maltimadhava by J. M. Ashar. 1-25

1016 Critical Study of Dara Shikuh's Samudra-Sangama by Dr. Roma Chaudhuri. 12-00

1017 Critical Study of Rigveda (I. 137-163) Particularly from the Point of View of Paninian Grammar by Dr. Deo Prakash Patanjal Shastri. 25-00

1018 Critical Study of Some Aspects of Public Administration in Bengal by Naresh Chandra Roy. 1-25

1019 Critical Study of Bhagavadgita by Dr. Umesh Misra. 10-00

*1020 **Critical Study of the Bhagavata Purana.** With Special Reference to Bhakti by Dr. T. S. Rukmani. **Shortly**

1021 Critical Study of the Life and Novels of Bankimchandra by J. Das Gupta. 3-12

1022 Critical Study of the Nivids. Full Text of the Nividadhyaya, a Rgveda Appendix with English Translation. Word-Notes, Alphabetical List of the Mantras, etc. Published for the First Time. by Surendra Prasad Niyogi 10-00

*1023 **Critical Study(A) of the Philosophy of Ramanuja** by Dr. Anima Sen Gupta. (Chow. Sans. Studies Vol. LV.) **20-00**

1024 Critical Study of the Sankhya System by V. V. Sovani. 2-50

1025 Critical Survey of Indian Philosophy by Chandradhar Sharma. 12-00

1026 Critical Word-Index to the Bhagavadgita by Prahlad C. Divanji. 12-00

1027 Critique of Empiricism in Sociology. Edited by Kewal Motwani. 28-00

1028 Critique of Experimental Techniques, Methods and Analysis in the Study of Structure in Speech by C. R. Sankaran and Leon Henri Strong. Foreword by S. M. Katre. 10-00

1029 Critique of Indian Realism. A Study of the Conflict between the Nyaya-Vaisesika and the Buddhist Dignaga School by Dharmendra Nath Shastri. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 35-00

1030 Critique of Madhva Refutation of the Samkara School of Vedanta by K. Narain. 35-00

*1031 **Critique Aesthetic Pleasure (A)** (Rasa Mimansa Viveka by M. M. Gangarama Jadi). Critically edited with a Sanskrit Commentary, English Translation etc., by Dr. Lal Ramayadupal Singh M. A., LL. B., D. Phil. **10-00**

1032 Critique of the Brahmasutra by Dr. P. M. Modi. 2 Parts. 40-00

1033 Critique on the Vivarana School. Studies in some fundamental Advaitist theories by Dr. Bratindra Kumar Sengupta. 12-00

1034 Culavamsa : Being the More Recent Part of the Mahavamsa. Translated by Wilhelm Geiger, and from the German into English by Mrs. C. Mabel Rickmers. 2 Parts. 26-25

1035 Cult of Brahma by Tarapada Bhattacharyya. 8-00

1036 Cult of Desire : An Interpretation of Erotic Sculpture of India by Kanwar Lal. With 126 Plates. 40-00

1037 Cult of Vithoba by G. A. Deleury. 15-00

1038 Cultural Contours of Tribal Bihar by L. P. Vidyarthi. Foreword by N. K. Bose. 22-00

1039 Cultural Foundations of Indian Democracy. Ed. by P. D. Devanandan and M. M. Thomas. 1-50

1040 Cultural Freedom in Asia. The proceedings of a Conference held at Rangoon, Burma on February 17-20, 1955 and convened by the Congress for Cultural Freedom and the Society for the Extension of Democratic Ideals. 17-50

1041 Cultural Frontier of Health in Village India (Case Study of A North Indian Village) by Khwaja Arif Hasan. Foreword by Hugh R. Leavell. 28-00

1042 Cultural Heritage of Bengal. A Biographical and Critical History from the Earliest times closing with a Review of Intellectual Progress under British Rule in India by Romesh Chunder Dutt. 12-00

1043 Cultural Heritage of India :—

Vol. I. (Early Phases, Prehistoric, Vedic and Upanisadic, Jaina & Buddhist.) 35-00

Vol. II. (Itihasas, Puranas, Dharma and Other Sastras) by S. K. De., U. N. Ghoshal, A. D. Pusalker & R. C. Hazra. 35-00

Vol. III. (Philosophies) Edited by Haridas Bhattacharya. 35-00

Vol. IV. (Religions) Edited by Haridas Bhattacharya. 35-00

1044 Cultural Heritage of Kashmir : A Survey of Kashmir's Contribution to Sanskrit Literature by Suresh Chandra Benerji. With a Foreword by Dr. R. C. Majumdar. 12-00

1045 Cultural History from the Matsya Purana by S. G. Kantawala. 20-00

1046 Cultural History of Assam (Early Period) by B. K. Barua. Vol I. 15-00

1047 Cultural History of Education. Reassessing our Educational Traditions by R. F. Butts. 33-75

1048 Cultural History of Gujarat (From Early Times to Pre-British Period) by M. R. Majumdar. Foreword by G. S. Ghurye. With a Map, 89 Art-Plates in Monocrome and 4 in Colour. 75-00

1049 Cultural History of Karnataka (Ancient and Medieval) by A. P. Karmarkar. 5-00

1050 Cultural History of the Modern Age by E. Friedell. 3 Vols. 147-00

1051 Cultural History of Western Education, Its Social and Intellectual Foundations by R. Freeman Butts. 63-75

1052 Cultural Relations between India and Java by A. J. Bernet Kempers. 0-62

1053 Culture and Art of India by Radhakamal Mukerjee. 52-50

1054 Culture and Civilization of Ancient India. In Historical Outline by D. D. Kosambi. With 98 Plates, Maps and Figures. 52-50

1055 Culture and History of the Tamils by K. A. Nilakanta Sastri. 12-00

1056 Culture and Kulture race-Origins or The Past Unveiled. Being lectures delivered at the Calcutta University in 1919. By Herbert Bruce Hannah. 4-70

1057 Culture and Personality by John J. Honigmann. 54-37

1058 Culture of Ceylon in Mediæval Times by Wilhelm Geiger. Edited by Heinz Bechert. 90-00

1059 Culture of Cities by Lewis Mumford. 40-00

1060 Culture of India. As envisaged by Sri Aurobindo. By C. C. Dutta. 2-50

1061 Culture of South-East Asia. The Heritage of India by R. Le May. 33-60

1062 Current International Co-operation. Calcutta University Readership Lectures, 1927 by Manley O. Hudson. 2-50

D

1063 Dacca. A record of its changing fortunes by Ahmad Hasan Dani. 6-75

1064 Dada Nehru by Shila Gujral. Foreword by S. Radha-Krishnan. 2-50

1065 Dadabhai Naoroji : The Grand Old Man of India by R. P. Masani. With a Foreword by Mahatma Gandhi. 2-50, 5-00

1066 Daily Life in Ancient India : From Approximately 200 B. C. to 700 A. D. by Jeannine Auboyer. Translated from the French by Simon Watson Taylor. With 31 Illustrations. 35-00

1067 Daily Life in France Under Napoleon by Jean Robiquet. Translated from the French by Violet M. Macdonald. Illustrated. 33-60

1068 Danastutis of the Rigveda. Translated by Dr. B. H. Kapadia. 6–00

1069 Dance in India. The Origin and History, Foundations, the Art and Science of the Dance in India–classical, Folk and Tribal by Enakshi Bhavnani. Foreword by Kamaladevi Chattopadhyaya. With 8 Illustrations in colour, 415 in Monochrome halftone and over 300 line drawings. 65–00

1070 Dances of England and France. From 1450 to 1600. With their Music and authentic manner of performance by Mabel Dolmetsch. Illustrated. 33–60

1071 Dances of India. With an Appendix on Indian Music by Ragini Devi. 6–00

1072 Dances of Spain and Italy. From 1400 to 1600 by Mabel Dolmetsch. With Music and 8 pages of illustrations. 33–60

1073 Dancing Foot by Mulk Raj Anand. 1–50

1074 Dandanitiprakaranam (Criminal Jurisprudence) of Kesava Pandit (XVIIth Century) Edited by V. S. Bendrey. 4–50

1075 Dara Shikuh–Life and Works by Bikram Jit Hasrat. 12–00

1076 Das Konigtum Im Rig und Atharvaveda. Ein Beitrag Zur-Indogermanischen Kulturgeschichte von Bernfried Schlerath. 51–75

1077 Das Purana Vom Weltgebaude (Bhuvanavinyasa) Die Kosmographischen Traktate der Purana's versuch einer Textgeschichte von Willibald Kirfel. 75–00

1078 Das Srautasutra Des Apastamba. Sechszehntes Bis Vierundzwanzigstes und Einunddreissigstes Buch Aus Dem Sanskrit Ubersetzt von W. Caland. 35–00

1079 Dasakumaracarita of Dandin. With Various Readings, A Literal English Translation, Explanatory and Critical Notes, and an Exhaustive Introduction by M. R. Kale. 15–00

1080 Dasakumaracharita with an Introduction, Translation and Notes in English by V. Satakopan and N. Bhaktavatsalam. 8–00

1081 Dasakumaracharita 1–4 Ucchhvasas with English Notes and Translation by C. S. Ram Sastri. 4–00

1082 Dashakumar Charita Chaps. I–II, with Padachandrika, Introduction, Translation and Notes in English by N. Bhaktavatsalam. 2–75

1083 Dasakumar Charita–Poorvabhag with English Translation. 2–75

1084 Dasakumaracharita Purvapithika with English Notes and Translation by C. Sankara Ram Sastri. 3-00

1085 Dasakumaracharita of Dandin. Edited with literal English Translation and Notes by S. V. Dixit. Ucchvasas. II and III. 3-00

1086 Dasharupaka. The Treatise on Hindu Dramaturgy by Dhananjaya. Translated from the Sanskrit with the Text and an Introduction and Notes by George C. O. Haas. 7-50

1087 Date of Kalidasa (A. D. 200-300) through Chronological Inquiry by D. V. Ketkar. 1-25

1088 Date of Rigveda by D. R. Mankad. 5-00

1089 Date of the Bharat War by Tarakeshwar Bhattacharya. 5-00

1090 Dated Buddha Images of Northern Siam by A. B. Griswold. With fifty-seven plates and twelve figures in the text. 42-50

1091 Dattatreya. The Way and the Goal by Sri J. C. Wadiyer Bahadur. Introduction by Dr. S. Radhakrishnan. 22-05

1092 Dawn of European Civilization by V. Gordon Childe. 33-60

1093 Dawn of Wisdom by Swami Rajeswarananda. 5-00

1094 Dayanand : A Study in Hinduism by Bahadur Mal. 3-25

1095 Dayananda Commemoration Volume. 15-00

1096 De Literature Van Den Samaveda En Het Jaiminigrhya Sutra door W. Caland. 10-00

1097 De Zegelring Van Raksjasa (Wisjakhadatta) Indisch tooneelspel, uit Sanskrit en Prakrit in het Nederlandsch Vertaald door J. Ph. Vogel. 45-00

1098 Death and After ? by Annie Besant. 2-00

1099 Decade of Indo-British Relations 1937-47 by K. P. Bhagat. 25-00

1100 Decline and Fall of the Roman Empire by Edward Gibbon. An Abridgement by D. M. Low. 44-10

1101 Decline of the Kingdom of Magadha (Cir. 455-1000 A.D.) by B. P. Sinha. 20-00

1102 Decoration of Mirrors of the Han Period. A Chronology by A. Bulling. 67-50

1103 Decorative Art (Golden Jubile Issue of the Studio Yearbook 1960-61) International Furnishing and Decoration. Edited by Terence Davis. 33-60

1104 Deer of Great Britain and Ireland : An Account of their History, Status and Distribution by G. Kenneth Whitehead. 100-80

1105 Defence of India : Letters to the Prime Minister and the Home Minister, Govt. of India by Ashutosh Lahiry. 5–75

1106 Degas Sculpture. The Complete Works. 114 Photographs by Leonard Von Matt. With Text, Introduction and Critical Catalogue by John Rewald. Translated from the French by John Coleman and Noel Moulton. 93–75

1107 Deification of Man. Its Methods and Stages according to the Yogavasistha by B. L. Atreya. 1–00

1108 Delhi : A Study in Urban Sociology by A. Bopegamage. 21–50

1109 Delhi in 1857 by N. K. Nigam. 7–50

1110 Delhi Sultanate (History and Culture of Indian People Vol. VI). Edited by R. C. Majumdar and A. D. Pusalker. 35–00

1111 Democratic Hinduism by G. Krishna Sastri. 5–00

1112 Dentistry in Ancient India by K. M. Choksey. Foreword by Dr. N. N. Bery. 5-50

1113 Deoband School and the Demand for Pakistan by Ziyaul-Hasan Faruqi. 14–00

1114 Der Atman in Der Grossen–Wald–Geheimlehre (Brhada-Aranyakaupanisad) Psychologisch Gedeutet von Dr. Jeannette M. Van Gelder. 24–00

1115 Der Ganapatha Zu Den Adhyayas IV und V Der Grammatik Paninis. Versuch Einer Rekonstruktion von Robert Birwe. 108–00

1116 Descriptive Catalogue of Ancient Manuscripts Vol. I. Dharmashastra-Smriti-Purana deposited at State Chandradhari Museum. 14-50

1117 Descriptive Catalogue of Arabic and Persian Manuscripts (Gujarat Vidya Sabha Collection) Compiled and edited by Dr. Chhotubhai Ranchhodji Naik. 2 Parts. 57–00

1118 Descriptive Catalouge of Mss. in Mithila by K. P. Jayaswal and A. Sastri.

Vol. I. Smriti. 5–00

Vol. II. Literature, Prosody and Rhetoric. 3–00

Vol. III. Jyotish. 5–00

Vol. IV. Vedic. 5–00

1119 Descriptive Catalouge of Mss. in the Central Library Baroda. Vol. I. Veda, Vedalaksana and Upanisads. 12–00

1120 Descriptive Catalouge of Manuscripts in the Jain Bhandars at Pattan. Compiled by C. D. Dalal. 20–00

1121 Descriptive Catalogue of Manuscripts in the Kannada Research Institute. 5 Vols. 23–75

1122 Descriptive Catalogue of Non-Persian Sources of Medieval Indian History (Covering Rajasthan and Adjacent Regions). Compiled by Dr. P. Saran. 40-00

1123 Descriptive Catalogue of Pali Manuscripts in the Adyar Library by E. W. Adikaram. 10-00

1124 Descriptive Catalouge of Sanskrit and Pali Mss. in the Adyar Library.
Vol. I. A. Upanisads by F. O. Schrader. 30-00
Vol. I. B. Vedic Manuscripts by K. M. K. Sarma. 40-00
Vol. V. Kavya, Nataka, Alankara by Narhari. 60-00
Vol. VI. Grammar, Prosody, Lexicography by V. Krishnamachari. 40-00
Vol. IX. Mimansa and Advaita Vedanta by „ 50-00
Vol. X. Visistadvaita and other Vedantas. 60-00

1125 Descriptive Catalogue of Sanskrit and Prakrita Manuscripts in the Library of the Bombay Branch of the Royal Asiatic Society, Compiled by H. D. Velankar.
Vol. I. Technical Literature. 5-50
Vol. II. Hindu Literature. 8-50
Vol. III-IV Bound in one Jain and Vernacular Literature. 4-25

1126 Descriptive Catalogue of Sanskrit Manuscripts. Acquired for and deposited in the Government Sanskrit College Library, Sarasvati Bhavana, Banaras, during the year 1791-1964.
Vol. i—Parts i-ii—Vedic & Upanishads 5-31
Vol. ii— „ i-ii—Karmakanda 4-50
Vol. iii—Dharmasastra 4-31
Vol. iv—Purana-Itihasa & Gita 6-25
Vol. v—Parts i-ii—Stotra 14-50
Vol. vi—Tantra 6-00
Vol. vii—Purvottara—Mimansa & Samkhya-Yoga 7-00
Vol. viii—Nyaya—Vaiseshika 8-50
Vol. ix—Jyautisa 7-50
Vol. x—Vyakarana 6-00
Vol. xi—Sahitya 8-50
Vol. xii—Jaina-Bhakti-Sampradhya-Ayurveda, Kamasastra, Silpakala, Sangita, Nitidhanurveda-Panji, Prasasti, Citra, Deslbhasa 8-00

1127 Descriptive Catalogue of Sanskrit Manuscripts (Gujarat Vidya Sabha Collection). Complied and Edited by Prof. Dr. Priyabala Shah. 2 Parts. 85-00

1128 Descriptive Catalogue of Sanskrit Manuscripts in the Collections of the Sanskrit College by Birajmohan Tarka-Vedantatirtha and Jagadish Chandra Tarkatirtha. Vol. I. Parts I–II. 15–00

1129 Descriptive Catalogue of the Government Collections of Manuscripts deposited at the Bhandarkar Oriental Research-Institute.

Vol. i : Vedic Literature Part 1–Samhitas and Brahmanas. 4–50

Vol ii : Grammar : Part i : Vedic & Paniniya. 4–50

Vol. ix : Parts i–iii : Vedanta. 20–75

Vol. xii : Alamkara, Samgita and Natya. 5–62

Vol. xiii : Parts i–iii : Kavya & Stotras etc. 19–12

Vol. xiv : Nataka. 4-50

Vol. xvi : Part i : Vaidyaka. 4–50

Vol. xvii : Parts i–v : Jain Literature and Philosophy. 24–75

Vol. xviii : Part i : Logic, Metaphysics etc., 7–87

Vol. xix : Hymnology Part i : Svetambara works. 6–75

Vol. xix Section I : (Hymnology) Part II. Svetambara and Digambara Works along with appendices I–X 11–25

Vol. xix. Section II (Narratives) Part I : Svetambara Works. 22–50

1130 Descriptive Catalogue of the Marathi Manuscripts in the Govt. Oriental Mss. Library, Madras by T. Chandra Sekharan. 2 Vols. (D. Nos. 1–444) 45–00

1131 Descriptive Catalogue of the Rajasthani-Manuscripts in the collections of the Asiatic Society by V. B. Trivedi. Revised and edited by Sukumar Sen Part I. 7–50

1132 Descriptive Catalogue of the Sanskrit and Prakrita Manuscripts (Bhagvat Singh Ji and H. M. Bhadkamkar collection) in the Library of the University of Bombay. Compiled by G. V. Devasthali. Books I and II. 15–00

1133 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in H. H. The Maharajah's Palace Library, Trivandrum.

Vol. I–Veda, Srauta, Smriti and Purana. 3–00

Vol. II–Purana and Vedanta. 3–00

Vol. III–Vedanta, Mimansa, Vyakarana, Nyaya and Jyotisa. 3–00

Vol. IV–Jyotisa, Vaidyaka, Mantra, Tantra, Silpa and Stuti. 3–00
Vol. V–Stuti, (continued) 3–00
Vol. VI–Stuti, (contd.) Niti, Chandas and Alankara. 3–00
Vol. VII–Bharatasastra, Kamasastra, Nataka, Champu, Akhyayika and Kavya. 3–00
Vol. VIII–Kavya, Kosa and Vividha. 3–00

1134 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in The Curator's Office Library, Trivandrum.
Vol. I–Veda, Srauta, Smriti and Puran. 2–00
Vol. II–Purana (contd.) and Vedanta. 2–00
Vol. III–Vedanta, Mimansa and Vyakaran. 2–00
Vol. IV–Nyaya and Jyotish. 2–00
Vol. V–Jyotisa, Vaidyaka and Mantra. 2–00
Vol. VI–Tantra and Silpa. 2–00
Vol. VII–Stuti, Niti, Chandas, Alankara, Sangitasastra and Kamasastra. 2–00
Vol. VIII–Nataka, Campu and Akhyayika. 2–00
Vol. IX–Kavyas. 2–00
Vol. X–Kosah, Miscellany and Suppliment. 2–00

1135 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in the Government Oriental Library, Mysore. 2 Vols. 6–25

1136 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in The Govt. Oriental Manuscripts Library, Madras. Edited by Renowned Scholars.
Vol. XXVII Supplemental. 3–50
Vol. XXVIII Supplemental. 2–00
Vol. XXIX Supplemental. 1–75
Vol. XXX Supplemental (D. Nos. 16701 to 17200) 4–25
Vol. XXXI Supplemental (D. Nos. 17201 to 17700) 13–00
Vol. XXXII Supplemental (D. Nos. 17701 to 18200) 18–50
Vol. XXXIII Supplemental (D. Nos. 18201 to 18700) 29–00
Vol. XXXIV Supplemental (D. Nos. 18701 to 19200) 25–50
Vol. XXXV Supplemental (D. No. 19201–19700) 30–00

1137 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in The Itchharam Suryaram Desai Collection in the Library of the University of Bombay. Compiled by H. D. Valankar. 25–00

1138 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in The Private Library of H. H. Shri Maharaja Shiv Harisinghji Bahadur of Jammu and Kashmir. Edited by Ramchandra Kak and Harabhatta Shastri. 2–00

1139 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Manuscripts in the Tanjore Mahārāja Serfoji's Sarasvati Mahāl Library, Tanjore. Compiled by P.P.S. Sastri and K. S. Subrahmanya Sastry. Vols. i–iii––Vedas and Vedangas, Vols. iv–v––Vedangas (Continued) and Kalpa–Srauta, Vols. vi–vii––Kavyas, Vol. Viii–Nātakas, Vol. ix–Kosa, Chandas & Alankara, Vol.x–Vyakarana, Vol. xi––Vaisesika, Nyaya, Sankhya & Yoga, Vols. xii–xiii––Purva–Mīmāmsā and Uttaramimamsa, (Advaita), Vol. xiv–Uttaramimamsa (Visistadvaita, Dvaita, Saiva, Caitanya) & Avaidika, Vol. xv–Mahabharata, Gita, Ramayana, Sivarahasya, Mahapuranas, & Upapuranas, Vol. xvi–Natya, Sangita, Kamasastra, Vaidyaka & Jyotisa, Vol. xvii–Grhyasutras, Bhasyas and Prayogas, Vol. xviii–Vrata, Agama & Tantra, Dharmasutra, Bhasya & Prayoga, Vol. xix–General Introduction to Vols. i–xix, Mantra, Stotra, Supplement & Indices to vols. i–xix. Each Vol. 3–00 and Vol. xx–Mantra Sastra. 15–00. Total Price of Vols. i–xx. 72–00

1140 Descriptive Catalogue of the Secret and Political Department Series 1755–1820. Compiled by V. G. Dighe. With an Introduction by P. M. Joshi. 8–25

1141 Descriptive Ethonology of Bengal by Edward Tuite Dalton. O. P.

1142 Descriptive Lists of Stone and Copper-Plate Inscriptions Examined by Kannada Research Institute during the Years 1940–41 to 1942–43. by A. M. Annigeri and B. R. Joshi. 3–25

1143 Desert by A. Starker Leopold and the Editors of Life. 26–00

1144 Design and Craftsmanship of Japan. Stone : Metal : Fibers and Fabrics : Bamboo. Photographs by Takeji Iwamiya. Introductory Essay by Donald Richie. 183 Gravure Illustrations, including 11 in full colour and 1 Fold-out Chart of Japanese Family Crests. 225–00

1145 Destiny of Civilization by Radha Kamal Mukerjee. 17–50

1146 Destiny of the Veda in India by Louis Renou. Edited by Devraj Chanana. 10–00

1147 Devatma Shakti by Vishnu Tirtha. 10–00

1148 Development of Buddhism in Uttar Pradesh by Nalinaksha Dutt & Krishna Datta Vajpai. 8–00

1149 Development of Contemporary Indian Political Thought, 1857–1920 by Dr. M. A. Buch. 3 Vols. 40–00

1150 Development of Education in New India. Containing Contributions from many Experienced and Outstanding Educationists of India on various Aspects of Education and its Development since Independence. Edited by N. B. Sen. 25–00

1151 Development of Hindu Iconography by Jitendra Nath Banerjea. 30–00

1152 Development of Libraries in New India. Edited by N. B. Sen. 30–00

1153 Development of Personality. Being a Critical Study of Current Psychological Concepts and their Bearing on Education by Uday Shanker. With a Foreword by Humayun Kabir. 6–00

1154 Development of Personality by C. G. Jung. Translated from the German by R. F. C. Hull. 42–00

1155 Development of Psychological Thought in India by S. K. Rama Chandra Rao. 15–00

1156 Development of Religion in South India by K. A. Nilakanta Sastri. 8–00

1157 Development of the Indian National Congress. 1892–1909 by Dr. Panseychaya Ghosh. 15–00

1158 Development of the Kharosthi Scripts by Dr. Charu Chandra Das Gupta. With a Foreword by Dr. T. Burrow. 40–00

1159 Development of the Mind. Psychoanalytic Papers on Clinical and Theoretical Problems by Jeanne Lampl-De Groot. Foreword by Anna Freud. 47–25

1160 Developments in Psycho–Analysis by Melanie Klein, Paula Heimann Susan Isaacs and Joan Riviere. Edited by Joan Riviere. With a Preface by Ernest Jones. 36–75

1161 Devi Mahatmya – Glorification of the Goddess. Text with English translation and Illustrations by Vasudeva S. Agrawala. 15–00, 10–00

1162 Dhamma-Cakka–Pavattana Sutta by Sister Vajira. 0–25

1163 Dhammapada. Pali Text in Sanskrit with English Translation by Dr. C. Kunhan Raja. 1-50

1164 Dhammapada : A Collection of Verses : Being one of the Canonical Books of the Buddhists. Translated from Pali by F. Max Muller. (S. B. E.) 20–00

1165 Dhammapada. Translated with Notes by Narada Thera. Introduction by E. J. Thomas. 4-20
1166 Dhammapada. Translated from the Chinese by Samuel Beal. 5-00
1167 Dhammapada with English Translation by Dr. P. L. Vaidya. 4-00
1168 Dhammapada with Introductory Essays, Pali Text, English translation and Notes by S. Radhakrishnan. 10-00
1169 Dhannavada Anantam 1850-1949 A. D. By D. S. Ramachandra Rao. 3-00
1170 Dharma and Life by K. Sundararama Aiyar. Part I. 2-00
1171 Dharma Sutras : A Study in their Origin and Development by Sures Chandra Banerji. 40-00
1172 Dhatu Katha Pakarana and its Commentary. Edited by Edmund Rowland Gooneratne. 28-88
1173 Dhutaguna-Nirdesa (Vimukti-Marga). A Tibetan Text critically edited and translated into English by P. V. Bapat. 25-00
*1174 **Dhvani Theory in Sanskrit Poetics.** By Dr. Mukunda Madhava Sharma. **Shortly**
1175 Dhvani Vicara by N. G. Kalelkar. 5-00
1176 Dhvanyaloka of Anandavardhana (Uddyotas I and II). Edited with an elaborate English Exposition by Sri B. Bhattacharya with a Foreword by Dr. S. K. De. 20-00
1177 Dhvanyaloka or Theory of Suggestion in Poetry (translated into English with notes) by Dr. K. Krishnamoorthy. 14-00
1178 Dhyana by M. P. Pandit. 2-00
1179 Dialogues of the Buddha. Translated from the Pali of the Digha Nikaya by T. W. and C. A. F. Rhys Davids. 3 Parts. 94-50
1180 Diana. A strange Autobiography by Diana Frederics. 3-25
1181 Dictionary of American-English Usage. Based on Fowler's Modern English Usage by Margaret Nicholson. 31-50
1182 Dictionary of Ballet. With Illustrations, line Illustrations in text by G. B. L. Wilson. 14-40
1183 Dictionary of English Grammar by Jagat S. Bright. 3-00
1184 Dictionary of Indian Birds by Dr. Raghuvira and Shri K. N. Dave. 15-00
1185 Dictionany of Indian History by Sachchidananda Bhattacharya. 40-00
1186 Dictionary of Last Word. Compiled by Edward S. Le Comte. 28-00

1187 Dictionary of Latin Literature. Edited by James H. Mantinband. 56–25

1188 Dictionary of Linguistics by Mario A. Pei and Frank Gaynor. 31–50

1189 Dictionary of Magic by Harry E. Wedeck. 22–50

1190 Dictionary of Mind, Matter and Morals by Bertrand Russell. Edited with an Introduction by Lester E. Denonn. 37–50

1191 Dictionary of Modern American Usage by H. W. Horwill. 15–75

1192 Dictionary of Modern English Usage by H. W. Fowler. 26–25

1193 Dictionary of Modern Written Arabic. Edited by J. Milton Cowan. 184–80

1194 Dictionary of Mysticism. Edited by Frank Gaynor. 37–50

1195 Dictionary of Pali Proper Names by G. P. Malalasekera. 2 Vols. 136–50

1196 Dictionary of Philosophy by D. D. Runes. 44–10

1197 Dictionary of Psychology by Howard C. Warren. 44–10

1198 Dictionary of Psychology by Philip Lawrence Harriman. 37–50

1199 Dictionary of Russian Literature by William E. Harkins. 75–00

1200 Dictionary of Sanskrit Grammar by K. V. Abhyankar. 25–00

1201 Dictionary of Selected Synonyms in the Principal Indo–European Language by Carl Darling Buck. Containing more than a thousand Semantic groupings of Word in the principal Indo–European Languages. 250–00

1202 Dictionary of Spanish Literature by Maxim Newmark. 45–00

1203 Dictionary of Statistics by Dr. Raghuvir. 2–00

1204 Dictionary of the Kashmiri Language. Compiled partly from materials left by the late Pt. Isvara Kaula by Sir George A. Grierson assisted by M. M. Mukundarama Sastri. 120–00

1205 Dictionnaire Etymologique Du Proto-Indo-European par Albert Carnoy. 50–00

1206 Die Kaniska Inschript Von Surkh-Kotal. Ein Zeugnin des Jungereu Mithraismus aus Iran von Helmut Humbach. 29–40

1207 Die Politiche Willensbildung in Indien : 1900–1960. Von Dietmar Rothermund. 72–00

1208 Die Sigmatischen Aoriste in Veda von Johanna Narten. 100–80

1209 Differential Fectility in Central India by Edwin D. Driver. 22–50

1210 Digha Nikaya. Edited by T. W. Rhys Davids and J. Estlin Carpenter. Pali Text, Romanized. 3 Vols. 94–50

1211 Dilli–Ki–Lat or Qutub Minar by R. B. Kanwar Sain. 4–00

1212 Diplomacy of India : Indian Foreign Policy in the United Nations by Ross N. Berkes and Mohinder S. Bedi. 32-00

1213 Directional Astrology of the Hindus (Theoretical and Practical) by Rele. 3-00

1214 Directory of Museums in India by C. Sivarama Murti. 5-00

1215 Disciples of Sri Ramakrishna. 6-50

1216 Discourse on Elements (Dhatu-Katha) the Third Book of the Abhidhamma Pitaka. A Translation with Charts and Explanations by U. Narada Mula Patthana Sayadaw. Assisted by Thein Nyun. 66-15

1217 Discourses on Bhagavad Gita by C. Jinarajadasa. 2-00

1218 Discovery of Asia by Kalidas Nag. 30-00

1219 Discovery of India by Pt. Jawaharlal Nehru. 7-00, 15-00

1220 Discovery of the Child. Revised and enlarged edition of the Montessori Method by Maria Montessori. Translated by Mary A. Johnstone. 16-50

1221 Diseases of the Chest by Viswanathan. With 26 Plates. 50-00

1222 Disjecta Membra : Studies in Literature and Life by Rajaratna S. V. Mukerjea. 13-00

1223 Distribution Characteristics of Speech-Elements in Tamil. An Investigation into the Typology of Written Tamil at the Phonemic and Morphemic Levels. By P. C. Ganeshsundaram. 16-00

1224 Distribution of Deformation (A New Method of Structural Analysis by C. V. Kloucker.) Translated from the Czech and German editions by A. H. Waddell-Zalud and F. H. Zalud. 80-00

1225 Diversities : Essays in Economics, Sociology and other Social Problems. By D. P. Mukerji. 15-00

1226 Divine Life by Swami Yatiswarananda. 3-00

1227 Divine Name by Raghava Chaitanya Das. 5-00

1228 Doctrine of Passive Resistance by Sri Aurobindo. 1-50

1229 Doctrine of Srikantha and other Monotheistic Schools of the Vedanta by Dr. (Mrs.) Roma Chaudhury. Vols. I-II. 52-00

1230 Doctrine of the Buddha : The Religion of Reason and Meditation by George Grimm. Edited by M. Keller Grimm and Max Hoppe (First Indian Edition) 20-00

1231 Doctrine of the Jainas. Described after the old Sources by Walther Schubring. Translated from the Revised German Edition by Wolfgang Beurlen. 30-00

1232 Documentary History of Chinese Communism by Conrad Brandt, Benjamin Schwartz and John K. Fairbank. 45-00

1233 Documents on China's Relations with South and South-East-Asia (1949-1962) Edited by G. V. Ambekar and V. D. Divekar. 30-00

1234 Don Quixote As seen by Sancho Panza by Julian Marias. 0-75

1235 Down to Earth : Fundamental Democratic Institutions Re-thought by Syed Mohammad Naqavi. 18-00

1236 Dpag-Bsam-Ljon-Bzan of Sum-pa-mkhan po Ye-ses-dpal Lbyor part. III. Containing a History of Budhism in China and Mongolia, preceded by the Rehu-migor Chronological tables. Edited by Dr. Lokesh Chandra with a Foreword by Prof. G. Tucci and a Preface by Prof. L. Petech. 30-00

1237 Dr. Ambedkar : Life and Mission by Dhananjay Keer. 20-00

1238 Dr. Mirashi Felicitation Volume (A Collection of Forty-two Indological Essays). Ed. by G. T. Deshpande, Ajay Mitra Shastri and V. W. Karambelkar. 40-00

1239 Dr. S. Radhakrishnan Souvenir Volume. Collection of 76 Articles by Scholars of International Fame. 30-00

1240 Drama and Education. An Historical Survey from Ancient Greece to the present day by Philip A. Coggin. 16-80

1241 Drama in Ancient India by S. C. Bhatt. 4-00

1242 Drama in Rural India by G. C. Mathur. 17-00

1243 Drama in Sanskrit Literature by Adya Rangacharya. 20-00

*1244 **Dramas** : Or A Complete Account of the Dramatic Literature of the Hindus by H. H. Wilson. (Chow. Sans. Studies Vol. XVIII) **4-00**

1245 Dramas of Shri Harsha by B. Bose. 5-25

1246 Dramatik Works of Roger Boyle. Earl of Orrery. Edited by William Smith Clark. 2 Vols. 60-00

1247 Drapsa : The Vedic Cycle of Eclipses (A key to unlock the Treasures of the Vedas) by Dr. R. Samashastri. 2-00

1248 Dravida and Kerala in the Art of Travancore by Stella Kramrisch. 35-00

1249 Dravidian Etymological Dictionary by T. Burrow and M. B. Emeneau. 132-30

1250 Dravidian Movement by Robert L. Hardgrave. 10-00

1251 Dravidian Origins and the West (Newly Discovered Ties with the Ancient Cultures and Languages including Basque of the Pre-Indo-European Mediterranean World) by Dr. N. Lahovary. 15-00

1252 Drigdrishyaviveka. Text with English-translation and Notes by Swamy Nikhilananda. 1-00
1253 Drug and Therapeutic. Encyclopaedia of India. Compiled by I. C. Khandelwal. 50-00
1254 Durer and His Times by W. Wætzoldt. New edition with 160 plates, 16 in full colour. 250 pages text. 30-00
1255 Dust Storm and the Hanging Mist. A Study of Birsa Munda and his movement in Chhotanagpur (1874-1901) by Suresh Singh. With a Foreword by Christoph Von Furer-Haimendart. 30-00
1256 Dutaghatotkaca. With Introduction, Notes and Translation by C. R. Devadhar. 2-50
1257 Dutavakya. With introduction, notes and translation by C. R. Devadhar. 2-50
1258 Dutch Chronicle of Mughal India. Translated and edited by Brij Naraian and Sri Ram Sharma. 7-50
1259 Dutch-English, English-Dutch Dictionary. (Cassell) Compiled by Dr. F. P. H. Prick Van Wely. 44-10
1260 Dutch Literature. Writing in a Secret Language by Adriaan Van Der Veen. 1-00
1261 Dwarfs and Jesters in Art by E. Tietze-Conrat. With 90 illustrations. 22-88
1262 Dynamic Brahmin. A Study of the Brahmin's Personality in Indian Culture with Special reference to South India by Balakrishna N. Nair. 15-00
1263 Dynamic Buddha and Static Buddha. A System of Buddhist Practice. Translated by Shoko Watanabe. 9-00
1264 Dynamic University by Zakir Husain. Foreword by M. Mujeeb. 10-00
1265 Dynamics of Faith by K. Mitra. 7-00
1266 Dynamics of Faith by Paul Tillich. 9-98
1267 Dysfunctional Para-Politics and Elite Action in India by Harish Chandra Srivastava. With a Foreword by Prof. Raja Ram Shastri. 10-00

E

1268 Earliest Vinaya & the beginnings of Buddhist Literature by E. Frauwallner. O. P.
1269 Early Arab Geographers by H. M. Elliot & John Dowson. 6-00
1270 Early Aryans in Gujarata by K. M. Munshi. 1-50
1271 Early Bengali Prose : Carey to Vidyasagar. By Sisir Kumar Das. 25-00

1272 Early Bengali Saiva Poetry by A. Bhattacharya. 3-00

1273 Early Buddhist Monachism by Sukumar Dutt. 14-00

1274 Early Buddhist Theory of Knowledge by K. N. Jayatilleke. 73-50

1275 Early Calukyan Temples of Andhra Desa by Dr. M. Rama Rao. General Editor-Mohd. Abdul Waheed Khan. 8-00

1276 Early Chauhan Dynasties (A study of Chauhan Political History, Chauhan Political Institutions and Life in the Chauhan Dominions from C. 800 to 1316. A. D) by Dasharatha Sharma. With a Foreword by Sardar K. M. Panikkar. 20-00

1277 Early Chola Art by S. R. Balasubrahmanyam. With 115 Plates. 60-00

1278 Early Cola Bronzes (850-1014 A. D.) by Douglas Barrett. With 102 Plates. 65-00

1279 Early English Travellers in India : A Study in the Travel Literature of the Elizabethen and Jacobean Periods with Particular Reference to India by Ramchandra Prasad. 25-00

1280 Early Europian Accounts of the Sikhs. Edited and annotated by Ganda Singh. 12-50

1281 Early Greek Philosophy by John Burnet. 36-75

1282 Early Hindu Civilization B. C. 2000 to 320. (Based on Sanskrit Literature) by Romesh Chunder Dutt. 16-00

1283 Early History and Culture of Kashmir by Dr. Sunil Chandra Ray with a Foreword by K. M. Panikkar. 20-00

1284 Early History of India by Vidya Dhar Mahajan. With Illustrations and Maps. 8-00

1285 Early History of India : From 600 B. C. to the Muhammadan Conquest including the Invasion of Alexander the great by Vincent A. Smith. Fourth Edition, Revised by S. M. Edwardes. 25-00

1286 Early History of North India from the fall of the Mauryas to the death of Harsa C. 200 B. C.-A. D. 650 by Sudhakar Chattopadhyaya. 16-00

1287 Early History of Orissa (From Earliest Times upto First Century B. C.) by Dr. Amar Chand Mittal. With a Foreword by Dr. H. K. Mahtab. 21-00

1288 Early History of the Dekkan. Down to the Mahomedan Conquest by R. G. Bhandarkar. 10-00

1289 Early History of the Vaisnav Faith and Movement in Bengal from Sanskrit and Bengali Sources by S. K. De. 30-00

1290 Early History of Vaisali (From the earliest Times to Fall of the Vajjian Republic, Circa 484 B. C.) by Yogendra Mishra. 15-00

1291 Early India and Pakistan to Ashoka. 57 Photographs, 25 Line Drawings and 7 Maps by Sir Mortimer Wheeler. 19-95

1292 Early Indian Culture by B. C. Law. 2-00

1293 Early Indian Monasteries by B. C. Law. 2-00

1294 Early Indian Religious Thought. An Introduction and Essay by P. D. Mehta. 35-00

1295 Early Medieval India by Awadh Bihari Pandey. 10-00

1296 Early Mesopotamian Royal Titles : A Philologic and Historical Analysis by William W. Hallo. 22-50

1297 Early Monastic Buddhism by Nalinaksha Dutt. 15-00

1298 Early Rulers of Khajuraho by Dr. Sisir Kumar Mitra. Foreword by Dr. B. C. Sen. 15-00

1299 Early Samkhya. An essay on its Historical Development according to the texts by E. H. Johnson. 8-93

1300 Early Sculpture of Bengal by S. K. Saraswati. With 62 Plates. 30-00

1301 Early Wooden Temples of Chamba by Hermann Goetz. With 16 Plates, 12 Text Illustrations and one Map. 63-00

1302 Earth by Arthur Beiser and the Editors of Life. 26-00

1303 Earth Before History. Man's origin and the origin of Life by Edmund Perrier. 18-40

1304 East and West by Swami Vivekananda. 1-50

1305 East and West in Religion by S. Radhakrishnan. 11-03

1306 East and West. Some Aspects of Historic Evolution by Constantin Regamey. 1-00

1307 East Asia : The Great Tradition by Edwin O. Reischaner and John K. Fairbank. 68-25

1308 East India Company and the Economy of Bengal from 1704-1740 by Prof. S. Bhattacharya. 26-25

1309 East of Katmandu by T. Weir. A Vivid and Colourful account of Nepal. 21-50

1310 Eastern Bengal Ballads by R. B. Dineshchandra. 4 Vols. 33-75

1311 Eastern Calukyan Coins in the Andhra Pradesh Government Museum by Dr. M. Rama Rao. 3-50

1312 Eastern Calukyan Temples of Andhra Desa by Dr. M. Rama Rao. General Editor–Mohd. Abdul Waheed Khan. 6-50

1313 Eastern Religions and Western Thought by S. Radhakrishnan. 14-00

1314 Eclipse-Cult in the Vedas, Bible and Koran by Dr. R. Shamasastry. 1-00

1315 Economic (An) Introductory Analysis by Paul A. Samuelson. 25-50

1316 Economic Analysis and Policy in underdeveloped Countries by P. T. Bauer. Foreword by Joseph J. Spengler. 7-88

1317 Economic Aspects of the Film Industry in India by Dr. Rikhab Dass Jain. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 35-00

1318 Economic Conditions in the Madras Presidency 1800-1850 by A. Sarada Raju. 11-25

1319 Economic Development by Prof. Benoy Kumar Sarkar. 8-00

1320 Economic Development by Charles P. Kindle Berger. 25-90

1321 Economic Development and Social Change in a South Gujarat Village by V. H. Joshi. 7-50

1322 Economic Development and Social Change in South India by T. S. Epstein. 44-10

1323 Economic Development of Andhra Pradesh (1766-1957) by Dr. A. V. Raman Rao. Foreword by Prof. D. R. Gadgil. 18-75

1324 Economic Development of England by Dr. R. N. Dubey. Revised by Vinod Dubey. 7-50

1325 Economic History of Bengal from Plassey to the Permanent Settlement. Vols. I & II. By Narendra K. Sinha. 30-00

1326 Economic History of India. 1857-1956. Edited by V. B. Singh. Foreword by Radha Kamal Mukerjee. 30-00

1327 Economic History of India. Vol. I. Under Early British Rule 1757-1837. Vol II. In the Victorian Age 1837-1900 by Romesh Dutt. Critical Introduction by Prof. D. R. Gadgil. 2 Vols. (Vols. not to be sold separately) 15-00

1328 Economic History of India in the Victorian Age, from accession of Queen Victoria to commencement of Twentieth Century by R. Dutt. 20-00

1329 Economic History of India under Early British Rule: from the Rise of the British Power in 1757 to accession of Queen Victoria by R. Dutt. 20-00

1330 Economic Life of Northern India A. D. 700-1200 by Lallanji Gopal. Foreword by G. C. Pande. 15-00

1331 Economic Problems in Indian Agriculture by Mahesh Chand. 5-00

1332 Economic Romanticism in the Twentieth Century by D. Vikor. 20-00

1333 Economic Synthesis by Dr. Boris Ischboldin. 30-00

1334 Economic Transition in the Bengal Presidency (1793-1833) by H. R. Ghosal. 25-00

1335 Economic Development in India-1946-1956. A personal retrospect by C. D. Deshmukh. 6-50

1336 Economics Employment by Abba P. Lerner. 19-50

1337 Economics of Indian Rail Transport by Dr. J. Johnson. 25-50

1338 Economics of Protection in India by Prof. V. G. Kale. 1-25

1339 Economy of a South Indian Temple by V. G. Ram Krishna Aiyer. 2-12

1340 Economy of Andhra Pradesh by V. V. Ramanadham. 20-00

1341 Economy of Human Life translated from an Indian Manuscript written by an Ancient Bramin. 1-50

1342 Ectopic Pregnancy by K. M. Masani. 12-00

1343 Edicts of Asoka. Edited and translated by N. A. Nikam and Richard McKeon. 4-00

1344 Edicts of Asoka (Priyadarsin) Text with English translation by Murti & Ayanger. 12-00

1345 Education and Social Amelioration of Women in Pre-Mutiny India by Kalikinkar Datta. O. P.

1346 Education and the Aim of Human Life by Pavitra (P. B. Saint Hilaire). 1-50

1347 Education and the Nation by M. C. Chagla. 10-00

1348 Education and The Social Order by Bertrand Russell. 15-75

1349 Education and Traditional Values by M. Mujeeb. 20-50

1350 Education & World Tragedy by Howard Mumford Jones. 15-00

1351 Education as Investment. Edited by Baljit Singh. 21-00

1352 Education, Culture and the Social Order by K. G. Saiyidain. 12-00

1353 Education in Ancient India by Dr. A. S. Altekar. 10-00

1354 Education in Ancient India by Dr. Veda Mitra. Foreword by Shri L. O. Joshi. 8-00

1355 Education in Changing India by K. L. Shrimali. 22-00

1356 Education in Germany. Personal impressions and experiences by Yamunabai Hirlekar. 4-25

1357 Education in India by K. S. Vakil and S. Natarajan. 14-00

1358 Education in India: To-day and Tomorrow by S. N. Mukerji. 12-50

1359 Education for Fulness: A Study of the Educational thought and Experiment of Rabindranath Tagore by Himangshu Bhushan Mukherjee. 30-00

1360 Education for World Community through Cultural Dynamics by Lawrence K. Frank. 0–75

1361 Education, Scientific Policy and Developing Societies. Edited by A. B. Shah. Foreword by Edward Shils. 28–00

1362 Education Through Art by Herbert Read. 37–80, 16–80

1363 Educational Administration : School Orgaisation and Supervision by J. C. Aggarwal. 12–50

1364 Educational Ideas and Ideals of Emiment Indians by Dr. R. S. Mani. 25–00

1365 Educational Ideas and Ideals of Gandhi and Tagore by Dr. R. S. Mani. 15–00

1366 Educational Philosophy of Mahatma Gandhi by M. S. Patel. 4–00

1367 Educational Planning in India by J. P. Naik. 14–00

1368 Educational Policy of the East India Company in Bengal to 1854 by D. P. Sinha. 26–00

1369 Educational Psychology by Dr. S. S. Mathur. 16–00

1370 Educational Psychology by Prem Pasricha. Foreword by J. M. Mehta. 10–00

1371 Educational Research. An Introduction by J. C. Aggarwal. 12–00

1372 Educational Survey Report of Uttar Pradesh (Rural Areas) 12–00

1373 Edwin Montagu. A Memoir and An Account of His Visits to India by S. D. Weley. With Plates. 26–00

1374 Een Onbekend Indish tooneelstuk (Gopalakelicandrika) Tekst Met Inleding door W. Caland. 12–00

1375 Educatiounal Thought and Practice by V. R. Tanaja. 10–00

1376 Ego and the Id by Sigmund Freud. Translated by Joan Riviere. Revised and Newly edited by James Strachey. 11–03

1377 Ego and the Mechanisms of Defence by Anna Frued. Authorized Translation by Cecil Baines. 26–25

1378 Eight Upanishads with the commentaries of Sankaracharya. Translated by Swami Gambhirananda.
Vol. I : Isa, Kena, Katha and Taittiriya Upanishads. 7–50
Vol. II : Aitareya, Mundaka, Prashna and Mandukya with Gaudapada Karika. 8–50

1379 Eighteen Fifty–Seven : A Pictorial Presentation. 4–00

1380 Eighteen Fifty–Seven by Surendra Nath Sen. With a Foreword by Maulana Abul Kalam Azad. 5–50

1381 Ein Alter Medizinischer Sanskrit Text und Seine Deutung by Johannes Nobel. 7–50

1382 Eine Durch Miniaturen Erlauterte Doctrina Mystica Aus Srinagar Von Fausta Nowotny. 15-00

1383 Elections and Political Consciousness in India : A Study. Edited by S. P. Verma and C. P. Bhambhri. 20-00

1384 Elementar-Grammatik der Sanskrit-Sprache by J. Gonda. 16-80

1385 Elementary Education in India. The Unfinished Business by J. P. Naik. (Dadabhai Naoroji Memorial Lectures 1963.) 16-00

1386 Elementary Psychology by S. M. Mohsin. 12-00

1387 Elements of Early Buddhist Psychology by S. K. Ramachandra Rao. 1-25

1388 Elements of Educational Research by S. P. Sukhia, P. V. Mehrotra and R. N. Mehrotra. 14-00, 18-00

1389 Elements of General Linguistics by Andre Martinet. With a Foreword by L. R. Palmer. Translated by Elisabeth Palmer. 44-10

1390 Elements of Indian Logic. With the Text and English Translation of Tarkasangraha (Buddhikhanda) by B. L. Atreya. 3-00

1391 Elements of Islamic Philosophy. Based on Original Texts by Ali Mahdi Khan. 6-00

1392 Elements of Jainism by Dr. A. C. Sen. 3-50

1393 Elements of Jurisprudence by Sir Thomas Erskine Holland. O. P.

1394 Elements of Logic and Scientific Method (For Pre-University Students) by C. V. Srinivasa Murty. 2-25

1395 Elements of Social Psychology by Hans Raj Bhatia. 21-00

1396 Elements of Social Science (For Pre-University class) by C. V. Srinivasa Murty. 2-50

1397 Elements of South Indian Palaeography by A. C. Burnell. 35-00

1398 Elements of the Science of Language by Irach Jehangir Sorabji Taraporewala. Third Revised Edition. 20-00

1399 Elephant and the Lotus : Essays in Philosophy and Culture by V. S. Naravane. With a Foreword by Professor A. L. Basham. With Illustrations and coloured Plates. 42-00

1400 Elia's Pocket Dictionary : English-Arabic by Elias, A. Elias. 18-00

1401 Elphinstone College Centenary Commemoration Lectures delivered by M. P. Desai, C. D. Deshmukh etc., etc., 4-50

1402 Emerson Reader. Edited by Nissim Ezekiel. 15-00

1403 Emergency and Law with special Reference to India. By N. C. Chatterjee and P. Parameswara Rao. 15–00

1404 Eminent Tibetan Polymaths of Mongolia based on the work of Ye –' ses – thabs – mkhas by Dr. Lokesh Chandra. 25–00

1405 Empire Builder of the Sixteenth Century : A Summary Account of the Political Career of Zahir-Ud-Din Muhammad Surnamed Babur. Being the Allahabad University Lectures for 1915–16 by L. E. Rushbrook Williams. With 16 Illustrations and 7 Maps and Plans. 10–00

1406 Empire of the Columbia : A History of the Pacific North West by Dorothy O. Johansen and Charles M. Gates. 75–00

1407 Empirical Studies in Examinations (A Report on Three Studies) by T. P. Lele, P. M. Patel, N. P. Parikh and S. G. Palkar. 5–00

1408 Encyclopaedia Britannica. 1–24 Vols. with Index and a New Survey of universal knowledge. 1966 Edn. 2500–00

1409 Encyclopaedia of Hindu Architecture by Prasanna Kumar Acharya. (Manasara Series : Vol. VII) 42–00

1410 Encyclopaedia of Indian Physical Culture. Fully Illustrated. Edited by D. C. Majumdar. 40–00

1411 Encyclopaedia of Islam. New Edition, prepared by a number of Leading Orientalists. Edited by An Editorial Committee consisting of H. A. R. Gibb, J. H. Kramers, E. Levi-Provencal, J. Schacht. Assisted by S. M. Stern as Secretary General (Pp. 1 – 320). B. Lewis, Ch. Pellat and J. Schacht. Assisted by C. Dumont and R. M. Savory as Editorial Secretaries (Pp. 321 – 1359) under the Patronage of the International Union of Academies.
Vol. I (A–B) 562–50
Vol. II (C–G) 641–25
Vol. III (fas. 41–42) 58–80

1412 Encyclopaedia of Librarianship. Edited by Thomas Landau. 66–15, 88–20

1413 Encyclopaedia of Literature (Cassell's). Edited by S. H. Steinberg. 2 Vols. 80–00

1414 Encyclopaedia of Religion and Ethics. Edited by James Hastings, with the assistance of John A. Selbie and Louis H. Gray. 13 Vols. 1500–00

1415 Encyclopaedia of Religion and Religions by E. Royston Pike. 36-75

1416 Encyclopedia Americana (International Edition). 1-30 Vols. With Index. 1966 Edition. 1600-00

1417 Encyclopedia of Religious Quotations (Over 10,000 Quotations from 2,500 Authors and Sources). Edited and Compiled by Frank S. Mead. 32-30

1418 Encyclopedia of Religion. Edited by Vergilius Ferm. 75-00

1419 Encyclopedia of the Arts. Edited by Dagobert D. Runes and Harry G. Schrickel. 60-00

1420 End of An Era. Hyderabad Memories by K. M. Munshi. 17-50

1421 Ends and Means by Aldous Huxley. Condensed by N. S. Taparia. 2-50

1422 Enduring Art of Japan by Langdon Warner. 39-00

1423 Enduring Charm of Ajanta. 4-00

1424 England. Photographed by Edwin Smith. Text by Geoffrey Grigson. 192 photogravure Plates, 8 Plates in Colour. 40-00

1425 English-Dutch Dutch-English Dictionary. (Cassell's Compact) Compiled by F. Prick Van Wely. 12-00

1426 English-German German-English Dictionry. A Comprehensive and Strictly Scientific Representation of the Vocabulary of the Modern and Present-Day Language, with Special Regard to Syntax, Style and Idiomatic Usage.

Vol. I English-German. By Dr. Karl Wildhagen. 55-50

Vol II German-English. By Dr. Karl Wildhagen and Dr. Will Heraucourt. 81-00

1427 English Guide to Pali Manual by D. G. Koparkar. 1-25

1428 English Hindustani Vocabulary. 20-00

1429 English Idioms, Phrases, Proverbs, Allusions and Quotations with their Explanations for Indian Students by M. Macmillan. 2 Parts. 4-50

1430 English in India: Its Present and Future by V. K. Gokak. 12-50

1431 English Language. With a Chapter on the History of American English by Prof. John. W. Clark. 6-00

1432 English Literature and the Hebrew Renaissance by Maurice Farbridge. 18-00

1433 English Notes and Translation of K. V. Sastry's Kalidasiya Natak Katha Manjari by C. S. Ram Shastri. 2-50

1434 English Notes and Translation of R. V. Krishnamachariar's Kadambari Sangraha Purvabhaga (Pages 1 to 65) by A. Varadachariar. 3-50

1435 English-Pali Dictionary. Compiled by the Ven. A. P. Buddhadatta Maha Thera. 47-25

1436 English Panjabi Dictionary (Standard) Part I (A-E). Edited by Teja Singh. 8-75

1437 English Religious Drama of the Middle Ages by Craig. 40-00

1438 English-Russian Technical and Scientific Dictionary Edited by Chernuchin. 70-00

*1439 **English Sanskrit Dictionary** : By Sir M. Monier Williams. (Chow. Sans. Studies Vol. XIII) **32-00**
Library Edition. **75-00**

1440 Enternal Greece by Martin Hurlimann and Rex Warner. 90 Large photogravure plates. 36-75

1441 Entretiens 1955 par J. Monchanin, J. Filliozat et A. Bareau. 3-00

1442 Enquiry into the Nature and Function of Art by S. K. Nandi. 10-00

1443 Enquiry (An) into the Relationship of Sanskrit and Tamil by Vaidyaratna P. S. Subrahmanya Sastri. 2-50

1444 Epic of Man. In Paintings, Photographs, Maps and Text. This handsome book Chronicles man's Journey through the darkness of the Prehistoric Past to the first Civilizations. By the Editors of Life. Introduction by the Human Adventure. 80-00

1445 Epic Sources of Sanskrit Literature by Juthika Ghose. 15-00

1446 Epic Stories of the Second World War. Selected with a Preface and Introduction by Guy Ramsey. 12-00

1447 Epics, Myths and Legends of India by P. Thomas. 33-00

1448 Epigraphia Indica and Record of the Archaeological Survey of India.

Vol. V (1898-99) Complete. —
Vol. X (1909-10) Complete. —
Vol. XXX Parts I-VIII O. P.
Vol. XXXI Parts I-VIII O. P.
Vol. XXXII Parts I-VIII **Each Part** 10-00
Vol. XXXIII Parts I-VIII **Each Part** 14-50
Vol. XXXIV Parts I-VIII **Each Part** 14-50
Vol. XXXV Parts I-VIII **Each Part** 14-50
Vol. XXXVI Parts I-VI **Each Part** 8-00

1449 Epigraphia Indica, Arabic and Persian supplement (In continuation of the series Epigraphia Indo-Moslemica) 1951-1952. Edited by Z. A. Desai. 15-00

*1450 **Epistemology of The Bhatta School of Purva Mimansa.** By Dr. G. P. Bhatta M. A., Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. XVII) **20-00**

1451 Epithets in the Rigveda by J. Gonda. 42-00

1452 Epochs in Hindu Legal History by Dr. U. C. Sarkar. 30-00

1453 Equities (Essays) by Lila Ray. 3-00

1454 Eric : A Dramatic Romance by Sri Aurobindo. 4-00

1455 Erklarendes Worterbuch Zum Chinesischen Buddhismus Chinesisch-Sanskrit-Deutsch von Heinrich Hackmann Nach Seinem Handschriftlichen Nachlass uberarbeitet von Johannes Nobel. 6 Vols. 158-40

1456 Erotic Sculpture of India. Text and Photographs by Max-Pol Fouchet. Translated by Brain Rhys. Illustrated with more than 100 Photographs. 42-00

1457 Essays and Reflections by R. D. Ranade. Compiled by B. R. Kulkarni. 5-00

1458 Essays in Applied Psycho-Analysis by Ernest Jones. Vol. I-Miscellaneous Essays. Vol. II-Essays in Folklore, Anthropology and Religion. 73-50

1459 Essays in Economic Development by V. K. R. V. Rao. 22-00

1460 Essays in Linguistics by Joseph H. Greenberg. 9-38

1461 Essays in Philosophy. Presented in Honour of Prof. A. R. Wadia. Edited by S. Radhakrishnan. 15-00

1462 Essays in Philosophy. Presented to Dr. T. M. P. Mahadevan on his Fiftieth Birthday. Contributed by Fifty Two Scholars Eastern and Western. 25-00

1463 Essays in Pre-Columbian Art and Archaeology by Samuel K. Lothrop and Others. With Figures. 93-75

1464 Essays in Sanskrit Criticism by Dr. K. Krishnamoorthy. With a Foreword by Prof. Armando Menezes. 5-00

1465 Essays in Science by Albert Einstein. 20-63

1466 Essays in Zen Buddhism by D. T. Suzuki. I and III Series. 33-60

1467 Essays on Ego Psychology. Selected Problems in Psychoanalytic Theory by Heinz Hartmann. 78-75

1468 Essays on Indian Poetics by Satya Dev Choudhary. 10-00

1469 Essays on Indology by Dr. Satyavrat Sastri. 20-00

1470 Essays on Music by Alfred Einstein. 22-50

1471 Essays on Samkhya and other Systems of Indian Philosophy by Dr. Anima Sen Gupta. 7-50

1472 Essays on Sanskrit Literature (Bearing on Ancient Sanskrit Literature and Indian Culture) by Sadhu Ram. Foreword by B. Ch. Chabra. 10-00

1473 Essays on Sociological Aspects of Political and Economic Development by S. N. Eisenstadt. 15-00

1474 Essays on the Gita by Shri Aurobindo. 12-00

1475 Essays on Wittgenstein's Tractatus. Edited by Irving M. Copi and Robert W. Beard. 52-50

1476 Essence of Quran. Compiled by Vinoba. 3-00, 4-00

1477 Essential Unity of all Religions by Bhagavan Das. 7-50

1478 Essential Documents and Notes on Kashmir Dispute by P. L. Lakhanpal 15-00

1479 Essential Gandhian Anthology edited by Louis Fischer. 31-50

1480 Essentials of English Grammar by Otto Jespersen. 12-08

1481 Essentials of Hinduism by Swami Vivekananda. 0-75

1482 Essentials of Indian Philosophy by Hariyanna. 15-75, 22-05

1483 Essentials of Indian Statecraft : Kautilya's Arthasastra for contemporary Readers by T. N. Rama Swamy. 12-50

1484 Etched Beads in India by M. G. Dikshit. 10-00

1485 Eternal Greece. Text by Rex Warner and 90 Pictures photogravure by Martin Hurlimann. 40-00

1486 Eternal India. The Land, The People, The Masterpieces of Architecture & Sculpture of India, Pakistan, Burma and Ceylon by Alfred Nawrath, 117 Illustrations of which 12 are full-colour. 65-00

1487 Eternal Values for a Changing Society by Swami Ranganathananda. 3-00

1488 Ethical Philosophies of India by I. C. Sharma. Edited and revised by Stanley M. Daugert. 44-10

1489 Ethics : Aristotle and Bhagavadgita by Dr. H. N. Misra. With a Foreword by Dr. R. S. Naulakha. 11-25

1490 Ethics and the History of Philosophy by C. D. Broad. 18-40

1491 Ethics of Butler and the Philosophy of Action in Bhagavadgita according to Madhusudan Saraswati (A Critical and Comparative Study) by Dr. S. S. Sharma. 20-00

1492 Ethics of the Hindus by Dr. Sunil Kumar Maitra. 8-00

1493 Ethiopian Itineraries Circa 1400-1524. Including those collected by Alessandro Zorzi at Venice in the Years 1519-24. Edited by O. G. S. Crawford. 25-20

1494 Ethnology of Ancient India by Robert Shafer. With 2 Maps. 60-00

1495 Etudes sur Le Vocabulaire Du Rgveda Premiere Serie par Louis Renou. 12-00

1496 Etymologies of Yaska by S. Varma and Bhimdev. 25-00

1497 Eugene O' Nell. A study by D. V. K. Raghavacharyulu. 20-00

1498 Europe by Martin Hurlimann. 283 Photogravure plates, 9 plates in Colour with historical notes. Introductory Essay by Raymond Mortimer. 40-00

1499 Europe from 1914 to the Present by Albjerg & Albjerg. 33-75

1500 European Agency Houses in Bengal (1783-1833) by S. B. Singh. 20-00

1501 European Art and the Classical Past by Cornelius Vermeule. With 128 Illustrations. 75-00

1502 European Ceramic Art from the end of the Middle Ages to about 1815. Illustrated Historical Survey by William Bowyer Honey. 132-30

1503 European Free Booters in Moghul India by Lester Hutchinson. 15-00

1504 European Painting and Sculpture by Eric Newton. 14-40

1505 European Sculpture and Painting. Illustrated by Eric Newton. 14-40

1506 European Travellers in India by James Talboys Wheeler and Michael Macmillan. I Series. 6-00

1507 Evening Talks with Sri Aurobindo. Recorded by A. B. Purani. 8-00

1508 Everybody's Guide to Ayurvedic Medicine. A Reperatory of Therapeutic Prescriptions based on the Indigenous Systems of India by J. F. Dastur. 10-00

1509 Everydody's Guide to Nature Cure by H. Benjamin. 26-25

1510 Everyday Astrology (Practical guide to Indian and Western Astrology) by V. A. K. Ayyer. 9-95

1511 Everyday Gardening in India by E. W. Grindal. 5-00

1512 Everyday Life in Ancient India by Padmini Sen Gupta. 2-75

1513 Evolution by Ruth Moore and the Editors of Life. 26-00

1514 Evolution in the Arts and other Theories of Cultural History by Thomas Munro. 75-00

1515 Evolution of Gita by Kumud Ranjan Ray. 5-00

1516 Evolution of Federation in India by Bharati Ray. 16-00

1517 Evolution of Hindu Marriage : With Special Reference to Rituals (C. 1000 B. C.-A. D. 500). By Nilakshi Sengupta. Foreword by A. L. Basham. 16-50

1518 Evolution of India and Pakistan 1858–1947 : Select Documents by C. H. Philips with the co-operation of Prof. H. L. Singh and Dr. B. N. Pandey. 26–25, 94–50

1519 Evolution of Indian Culture (From the earliest times to the present day) by B. N. Luniya. 12–50

1520 Evolution of Law by Nares Chandra Sen Gupta. Third Revised Edition. 8–00

1521 Evolution of Malayalam by A. C. Sekher. 16–00

1522 Evolution of Oriya Language and Script by Kunja Bihari Tripathi. 25–00

1523 Evolution of Provincial Autonomy in India. 1858 to 1950 by P. N. Masaldan. 7–50

1524 Evolution of Reading Materials for new Literates and A Study of their Reading Needs and Interests by Mushtaq Ahmed. 15–00

1525 Evolution of Songs and Lives of Great Musicians by Shripada Bandyopadhyaya. 3–37

1526 Evolution of the Buddha Image by Benjamin Rowland Jr. 52–75

1527 Evolution of Theistic Sects in Ancient India up to the Time of Samkaracarya. By Sudhakar Chattopadhyaya. 12–50

1528 Evolution of the Hindu Temple and other Essays by Vasudeva S. Agrawala. 6–00

1529 Evolution of the Samkhya School of Thought by Dr. Anima Sen-Gupta. 10–00

1530 Evolution on Morals in The Epics (Mahabhārāta and Rāmāyana) by Dhairyabala P. Vora. 18–00

1531 Excavation at Devnimori (A Report of the Excavation conducted from 1960 to 1963) by Dr. R. N. Mehta and Dr. S. N. Chowdhary. Foreword by C. S. Patel. 45–00

1532 Excavation at Shamalaji by Dr. R. N. Mehta and Shri A. J. Patel. 10–00

1533 Excavation at Ur by Sir Leonard Woolley. 26–25

1534 Excavations at Bangarh by Shri K. Goswamy. 6–00

1535 Excavations at Brahmpuri in Kolhapur by Sankalia and Dikshit. 30–00

1536 Excavations at Gozlu Kule Tarsus the Iron Age by Hetty Goldman. Vol. III in two Parts, Texts and Plates. 300–00

1537 Excavations at Kausambi (1957–59) The Defences and the Syenaciti of the Puruṣamedha by G. R. Sharma. 35–00

1538 Excavations at Langhnaj : 1944–63.
Part i–Archaeology by Hasmukh Dhirajlal Sankalia. With Contributions by Dr. G. G. Mujumdar and Dr. K. T. M. Hegde. 35–00
Part ii–The Fauna by Juliet Clutton-Brock. 15–00
Part iii–The Human Remains by Sophie Ehrhardt and Kenneth A. R. Kennedy. 25–00

1539 Excavations at Maheshwar and Navadatoli 1952–53 by Hasmukh Dhirajlal Sankalia, Bendapudi Subbarao and Shantaram Bhalchandra Deo. 35–00

1540 Excavations at Nasik and Jorwe (Report on) 1950–51 by Sankalia and Shantaram Bhalchandra Deo. 45–00

1541 Excavations At Nuzi conducted by The Semitic Museum and The Fogg Art Museum of Harvard University, with the Co-operation of The American School of Oriental Research at Bagdad.
Vol. I. Texts of Varied Contents selected and Copied by Edward Chiera. 36–00
Vol. II. The Archives of Shilwateshub son of The King. Selected and copied by Robert H. Pfeiffer. 36–00
Vol. III. Old Akkadian, Sumerian, and Cappadocian Texts from Nuzi by Theophila James Meck. 36–00
Vol. IV. Miscellaneous Texts from Nuzi part I by Robert H. Pfeiffer and Ernest R. Lacheman. 30–00
Vol. V. Miscellaneous Texts from Nuzi Part II The Palace and Temple Archives by Ernest R. Lacheman. 36–00
Vol. VI. Economic and Social Documents. Selected and Transcribed by Ernest R. Lacheman. 33–00

1542 Excavations at Timbarva. Report of Excavation at Timbarva near Karvan in Baroda District 1953 by R. N. Mehta. 5–00

1543 Excavations in Mayurbhanj by Nirmal Kumar Bose. 7–00

1544 Exhibition of Indian Art : Album. 3–00

1545 Existence, Devotion and Freedom. The Philosophy of Ravidasa by Sangam Lal Pandey. 15–00

1546 Existentialism : A Survey and Ancient Indian Thought by K. Guru Dutt. 3–00

1547 Existentialist Concepts and the Hindu Philosophical Systems by G. Srinivasan. 30–00

1548 Exorcism and the Art of Healing in Ceylon by P. Wirz. 88-20

1549 Expansion of Indo-Aryan Culture during Pallava Rule (as evidenced by inscriptions) by Dr. B. Ch. Chhabra. With 20 Illustrations. 15-00

1550 Expansion of the Armed Forces and Defence Organisation 1939-45 by Sri Nandan Prasad. 30-00

1551 Experimental Physiology (For Medical Students) by D. T. Harris, H. P. Gilding and W. A. M. Smart. 20-00

1552 Experiments in Personality. Edited by H. J. Eysenck. 64-00
Vol. I Psychogenetics and Psychopharmacology.
Vol. II Psychodiagnostics and Psychodynamics.

1553 Exploration in Tibet by Swamy Pranabananda. 12-00

1554 Expositor (Atthasalini) Buddhaghosa's Commentary on the Dhammasangani, The First Book of the Abhidhamma Pitaka. Translated by Pe Maung Tin. Edited & Revised by Mrs. Rhys Davids. 2 Vols. 52-50

F

1555 Face of New India. Some Achievements of Planned Effort. Published by Govt. of India. 18-00

1556 Face of the Ancient Orient by Sabatino Moscati. Translated from the Italian Original. 24-00

1557 Face to Face with Khrushechev by K. A. Abbas. 12-00

1558 Facets of Crime in India by S. Venugopala Rao. 12-50

1559 Facets of Indian Thought by Betty Heimann. 26-25

1560 Fact and Fiction by Bertrand Russell. 18-90

1561 Factional Politics in an Indian State : The Congress Party in Utter Pradesh. By Paul R. Brass. 22-50

1562 Faith and Culture by Bernard Eugene Meland. 13-13

1563 Faith for Living. Selections from Lewis Mumford. Edited by Sisir Kumar Ghose. 1-00

*1564 **Fall of the Mogul Empire (The)** by Sidney J. Owen, M. A. Second Edition (Chow. Sans. Studies Vol. VII). **8-00**

1565 Falsfat Al – Tashri Fi Al – Islam. The Philosophy of Jurisprudence in Islam by S. Mahmassani. Translated by Farhat J. Ziadeh. 50-40

1566 Family and Human Adaptation : Three Lectures by Theodore Lidz. 26-25

1567 Family and Kin by G. S. Ghurye. 20-00

1568 Famous Tales of Ind. by A. S. P. Ayyar. 4–25
1569 Famous Women of India by John J. Pool. 4–00
1570 Far East in the Modern World by Franz H. Michael and George E. Taylor. 94–50
1571 Feast of Unreason by Hector Hawton. 12–00
1572 Federalism and Linguistic States by Naresh Chandra Roy. 20–00
1573 Federal-State Fiscal Relations in India. A study of the Finance Commission and the Techniques of Fiscal Adjustment by K. V. S. Sastri. 10–00
1574 Felicitation Volume (A Collection of Fortytwo Indological Essays) Presented to M. M. Dr. V. V. Mirashi. Edited by G. T. Deshpande, Ajay Mitra Shastri and V. W. Karambelkar. 40–00
1575 Felicitation Volume presented to Professor Sripad Krishna Belvalkar. 30–00
1576 Festivals of India. 1–75
1577 Festschrift (Commemoration Volume) Prof. P. V. Kane. 25–00
1578 Fictions in the Development of the Hindu Law Texts by C. S. Rama Sastry. 4–00
1579 Fight For Kashmir by Dewan Ram Parkash. Foreword by Sheikh Abdulla. 6–00
1580 Fight for Peace. The Long Road to Tashkent. Edited by S. K. Savara. (Chief Editor—S. C. Gogia) Illustrated. 28–50
1581 Film as Art by Rudolf Arnheim. 26–25
1582 Film Seminar Report 1955. Edited by Dr. R. M. Ray. 10–00
1583 Final Contribution to the Problems and Methods of Psycho-Analysis by Sandor Ferenczi. Edited by Michael Balint. Translated by Eric Mosfacher and others. 36–75
1584 Finance of Local Government—England and Wales by J. M. Drummond. 26–25
1585 Financial Intermediaries in India by M. S. Joshi. Foreword by D. T. Lakdawala. 15–00
1586 Finding the Missing Link. An account of recent discoveries throwing new light on the origin of Man. By Robert Broom. 4–80
1587 Fire. A Novel by Sarat Chandra Chattopadhyaya. Translated from the original Novel 'Grihadaha' by Sachindra Lal Ghosh. 4–50
1588 Firoz Shah Shamsi-Siraj' Afif. Translated by H. M. Elliot & John Dowson. 6–00

1589 First Book of Sanskrit Translation (For the Pre-University Class) by V. Gopala Iyengar. 1-25

1590 First Contributions to Psycho-Analysis by Sander Ferenczi. Authorised Translation by Ernest Jones. 31-50

1591 First Five Lives of Annie Besant by Arthur H. Nethercot. 33-60

1592 First Lesson in Sanskrit Prose and Verse by Nerukar and Ranade. 0-50

1593 First Nizam : The Life and Times of Nizamu'l-Mulk Asaf Jah I by Yusuf Husain. 17-50

1594 First Principles of Theosophy by C. Jinarajadasa. 10-00, 12-00

1595 First Sphere. A study in Kierkegaardian Aesthetics by A. G. George. 12-00

1596 First Two Nawabs of Awadh by A. L. Srivastava. Foreword by Sri Jadunath Sarkar. 12-50

1597 Five Approaches to Philosopby by A Jamal Kwaja. With a Foreword by I. T. Ramsey. 12-00

1598 Five Centuries of Religion by G. G. Coulton. Vol. IV Only. 60-90

1599 Five Hundred Questions on the Subjects Requiring Investigation in the Social Condition of the People of India by Rev. James Long. Edited with Bio-Bibliographical Notes by Dr. Mahadeva Prasad Saha. Introduction by Sankar Sen Gupta. 10-50

1600 Five Thousand Indian Designs and Motifs. Ed. by Ajit Mookerjee. 40-00

1601 Five Thousand Years of Indian Architecture. (Govt. of India). 2-00

1602 Flame of White Light by T. V. Kapali Sastry. 7-00

1603 Flight to Soviets by S. Sinha. 2-00

1604 Flood Legend in Sanskrit Literature by Dr. Suryakanta. 15-00

1605 Flora of Pavagadh (Gujarat State, India) by A. R. Chavan and G. M. Oza. Foreword by C. S. Patel. 12-00

1606 Flora of Purandhar or An Enumeration of all the Phanerogamic Plants discovered in Purandhar during the years 1944-1956 by H. Santapau. 15-00

1607 Flower and Bird Painting of the Sung Dynasty. With an Introduction and Notes by Yoshiho Yonezawa. 15-75

1608 Flowering of Indian Art : The Growth and Spread of a Civilization by Radhakamal Mukerjee. 50-00

1609 Folk Art of Bengal. A set of 12 cards. 1-50

1610 Folk Culture Reflected in Names by R. P. Masani. Foreword by S. M. Katre. 15-00

1611 Folk Dance of India by Projesh Banerji. 7-75

1612 Folk Dance of Maharashtra by Dr. A. J. Agrakar. 10-00
1613 Folk Dances of Bihar by Hari Uppal. Part I. 4-00
1614 Folk Dances of India. 2-00, 4-25
1615 Folk Elements in Burmese Buddhism by Maung Htin Aung. 31-25
1616 Folklore Mongol Recueilli par Rintchen-Livre Premier. Textes Khalkha-Mongols en transcription. 58-80
1617 Folklore Mongol Recueilli par Rintchen-Livre Deuxieme. Textes Khalkha Mongols en Transcription. 84-00
1618 Folk Lore Notes Vol. II. Konkan. Compiled from materials collected by A. M. T. Jackson by R. E. Enthoven. 3-50
1619 Folk Paintings of India by Verrier Elwin. 12-50
1620 Folk Songs of India by Hem Barua. O. P.
1621 Folk Tales from Kashmir by S. L. Sadhu. With a Foreword by G. M. Sadiq. With Plates. 12-50
1622 Folk Tales from Rajasthan. Retold by L. N. Birala. Illustrated by Phani Bhushan. 8-50
1623 Folk Toys of India by Ajit Mookerjee. 34-00
1624 Food and Drinks in Ancient India (From earliest times to C. 1200 A. D.) by Om Prakash. With a Foreword by Dr. B. Ch. Chhabra. 30-00
1625 Food and Health. An Introduction to the Science of Nutrition by Barbara Callow. 2-80
1626 Food in India. An analysis of the prospects for self sufficiency 1975-76 by R. P. Sinha. 12-50
1627 Footfalls of Indian History by Sister Nivedita. 3-00
1628 For Thinkers on Education by Swami Ram Krishnananda. 3-00
1629 Foreign Aid and India's Economic Development By V. K. R. V. Rao and Dharm Narain. 12-00
1630 Foreign Enterprise in India : Laws and Policies by Matthew J. Kust. Foreword by H. C. L. Merillat. 35-00
1631 Foreign Influence in Ancient India by R. A. Jairazbhoy. 25-00
1632 Foreign Policy of Warren Hastings by Ram Parkash. 5-00
1633 Formalization of Logic by Rudolf Carnap. 42-00
1634 Formation of Konkani by S. M. Katre. 12-00
1635 Formation of the Maithili Language (Being a thesis accepted for the degree of Doctor of Literature in the University of Patna) by Subhadra Jha. 110-25
1636 Fortified Cities of India by Sidney Toy. 52-50
1637 Fort-William-India House. Correspondence and other contemporary papers relating thereto (Public Series) Vol. V. 1767-1769. Edited by Narendra Krishna Sinha. 25-00

1638 Fo-Sho-Hing-Tsan-King: A Life of Buddha by Asvaghosha Bodhisattva. Translated from Sanskrit into Chinese by Dharmaraksha and from Chinese into English by Samuel Beal. 20-00

1639 Foundation of Hinduism by Jadunath Sinha. 5-00

1640 Foundation of Muslim Rule in India. A History of the Establishment and Progress of the Turkish Sultanate of Delhi 1206-1290 A. D. By A. B. M. Habibullah. With Maps. 17-50

1641 Foundations of Indian Federalism by K. R. Bombwall. 25-00

1642 Foundations of Living Faiths by Haridas Bhattacharya. 6-87

1643 Foundations of Metaphysics in Science by Errol E. Harris. 66-15

1644 Foundations of New India by K. M. Panikkar. 26-25

1645 Founders of Science in Ancient India by Satya Prakash. Foreword by Humayun Kabir. 60-00

1646 Founding of the Kashmir State. A Biography of Maharajah Gulab Singh. 1792-1858 by K. M. Panikkar. 12-00

1647 Fountain Head of Religion. A Comparative Study of the Principal Religions of the World and a Manifestation of their Common Origin from the Vedas by Pt. Ganga Prasad. 5-00, 5-50

1648 Four Chola Temples by S. R. Bala Subrahmanyam. 14-00

1649 Four Hundred Nineteen Illustrations of Indian Music and Dance in Western Indian Style by Vidya Sarabhai Nawab. With Illustrations, in colour 4 and 419 Monochrome. 55-00

1650 Four Mongolian Historical Records. Edited and translated by Prof. Dr. Rinchen. With a Foreword by Dr. Raghuvira. 25-00

1651 Four Painters by Asok Mitra. 8-00

1652 Four Studies in the Language of Veda by J. Gonda. 30-00

1653 Four Studies on the History of Central Asia by V. V. Barthold. Translated from the Russian by V. and T. Minorsky. Vols. I-III. 102-90

1654 Fourteen Lessons in Yogi Philosophy and Oriental Occultism by Yogi Ramacharaka. 4-70

1655 Four Yogas or the Four Paths to Spiritual Enlightenment (in the words of the ancient-Rishis) by Swami Atmanand. 10-00

1656 Freedom and Authority in Education. A Criticism of Modern Cultural and Educational Assumptions by G. H. Bantock. 26-25

1657 Freedom and Culture by Dr. S. Radhakrishnan. 2–00

1658 Freedom and Development (India International Centre) Foreword by C. D. Deshmukh. 8–00

1659 Freedom of Expression and Security. A Comparative Study of the Function of the Supreme Courts of the United States of America and India by A. S. Bedi. 30–00

1660 Free the Food: A Super Revolution. By Gobinda Lall Banerjee. 2–00

1661 French Drawing of the XVI Century. 99 Reproductions. Text and Notes by Jean Adhemar. Edited by Ed. Mermod–Lausanne. 40–00

1662 French-English, English-French Dictionary (Cassell) Edited by E. A. Baker, New Edition, revised by Prof. Manchon. Pronunciation indicated by International Phonetic Alphabet. 24–00

1663 French Impressionists. 50 Plates in full Colour of works by Manet, Monet, Sisley, Pissarro, Cezanne, Degas and Renoir. Introduction by Clive Bell. 28–88

1664 French in India 1767–1816 by S. P. Sen. 25–00

1665 French Language by Alfred Ewert. 47–25

1666 French Painting. A new edition of this Standard work embodies the author's latest researches. With 12 colour plates and 194 in black and white. Colour Jacket by R. H. Wilenski. 35–00

1667 French Paintings and Engravings of the XIXth Century in Czechoslovakia by Vojtech Volavka. 45–00

1668 French (The) Revolution and Napoleon by Leo Gershoy 16–00

1669 Freud and Psychoanalysis by C. G. Jung. Translated by R. F. C. Hull. 39–38

1670 From Bismarck to the World War. A History of German Foreign Policy by Erich Brandenbarg. Translated by Annie Elizabeth Adans. 15–00

1671 From History to Pre – History As Nevasa (1954–56) by H. D. Sankalia, etc., 60–00

1672 From Literature to Religion. An Autobiography by D. S. Sarma. 6–00

1673 From Mind to Super Mind. A Commentary on the Bhagavd Gita by Rohit Mehta. 20–00

1674 From Sterility and Impotency to Fertility and Virility. A Guide to the Causes and Cure of Childlessness by Elliot E. Philipp. 5–00

1675 From Van Eyck to Bruegel by Max J. Friedlander. With 300 Illustrations, 12 in colour. 55-13

1676 Fruit Growing in India. 2nd Edition. 21-00

*1677 **Functional Analysis (A) of Indian Thought and Its Social Margins** by Swami Agehananda Bharati. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXVII) 15-00

1678 Functional Classification of Towns in Gujarat by V. A. Janaki. 4-50

1679 Fundamental Questions of Philosophy by A. C. Ewing. 22-05

1680 Fundamental Statistics in Psychology and Education by J. P. Guilford. 26-88

1681 Fundamental Unity of India by R. K. Mookerji. 2-50

1682 Fundamentals of Language by Roman Jakobson and Morris Halle. 12-00

1683 Fundamentals of Religion by Dr. Nalinikanta Brahma. 8-00

1684 Fundamentals of Vedanta Philosophy (A Realistic Approach) by Swami Pratyagatmananda Saraswati. 15-00

1685 Fundaments of Hindu Astrology by S. Kannan. 6-00

1686 Functional (A) Analysis of Indian Thought and Its Social Margias by Swami Agehanrnda Bharati. 15-00

1687 Further Lights : (The Veda and the Tantra) by T. V. Kapali Sastry. 4-00

1688 Further Milestones in Gujrati Literature by Jhaveri. 5-00

1689 Future of an Illusion by Sigmund Freud. Translated by W. D. Robson Scott. Revised and newly edited by James Strachey. 11-03

1690 Future Poetry by Aurobindo. 10-00, 11-50

G

1691 G. S. Ghurye (Prof.) Felicitaton Volume. Edited by Dr. K. M. Kapadia. 18-00

1692 Gaekwad Cenotaphs by Taramati Gupta. 15-00

1693 Gaekwads and the British : A Study of their Problems (1875-1920). By V. K. Chavda. 20-00

1694 Gafat Documents : Records of A South-Ethiopic Language. Grammar, Text and comparative, vocabulary by Wolf Leslau. 26-25

1695 Gaikwads of Baroda : Maharaja Sayajirao II. A. D. 1821 to A. D. 1830 (Selections from the Baroda Residency Records) Edited With an Introduction by G. B. Pandya. With a Foreword by Shrimati Hansa Mehta. 15-00

1696 Gallant End of Netaji Subhas Chandra Bose by Harin Shah. Foreword by Dr. Hare Krushna Mahtab. (Verdict from Formosa) 7–50

1697 Ganapati–Tattwa an old Javanese Philosophic Text. Critically edited, annotated and translated by Mrs. Dr. Sudarshana Devi. 30–00

1698 Gandharan Art in Pakistan. With 577 Illustrations, photographed by Islay Lyons and 77 pictures from other sources. Introduction and Descriptive Catalogue by Harald Ingholt. 131–25

1699 Gandhara Sculpture from Pakistan Museums. With a Text by Benjamin Rowland Jr. 15–00

1700 Gandhari Dharmapada. Edited with an Introduction and Commentary by John Brough. 84–00

1701 Gandharvas and Kinnaras in Indian Iconography by R. S. Panchamukhi. 3–00

1702 Gandhi. A Prophecy by B. R. Mallik. 5–00, 3–75

1703 Gandhi and Gandhism by Dr. P. Sitarammayya. 2 Vols. 6–00

1704 Gandhi and Nehru by M. Chalapathi Rau. 12–00

1705 Gandhi Is My Star by Shrimati Rameswari Nehru. Edited by Somanath Dhar. 10–00

1706 Gandhi Ji : A Study by Hiren Mukerjee. 7–50

1707 Gandhi On World Affairs by Paul F. Power. 7–50, 15–75

1708 Gandhi Reader. A Source Book of his Life and Writings. Edited by Homer A. Jack. 60–00

1709 Gandhi's Autobiography. Abridged. 2–00

1710 Gandhism for Millions by Y. G. Krishnamurty. 3–00

1711 Gandhism Will Survive by Y. G. Krishnamurty. 3–00

1712 Ganges Delta by Kanan Gopal Bagchi. 2–50

1713 Ganika–Vṛtta–Sangraha or Texts on Courtezans in Classical Sanskrit. Compiled and presented by Ludwik Sternbach. 20–00

1714 Garcin De Tassy : Biographie et Etude Critique De Ses Oeuvres par Sayida Surriya Hussain. 10–00

1715 Garhwal Painting with an Introduction and Notes by W. G. Archer. 15–75

1716 Garland of Letters (Studies in Mantra Shastra) by S. J. Woodroffe. 15–00

1717 Garo Grammar by Robbins Burling. 6–00

1718 Gaudapadà : A Study in Early Advaita by T. M. P. Mahadevan. 11–25

1719 Gaudapada Karika. Edited by R. D. Karmarkar (with a complete translation into English). 5-00

1720 Gautam Buddha : The Incomparable Physician by S. L. Bhatia. 1-00

1721 Gavimath and Palkigundu Inscriptions of Asoka. Edited by R. L. Turner. 14-00

1722 Gaya Mahatmya : Edition critique, Traduction Francaise et Introduction Par Claude Jacques. 20-00

1723 Gayatri. The Daily Religious Practice of the Hindus by I. K. Taimni. 4-00

1724 Gazetteer of Bombay State. Dharwar District (Revised Edition). Revised edition of Volume XXII of the original Gazetteer of the Bombay Presidency relating to Dharwar. 31-00

1725 Gazetteer of Bombay State (Revised Edition) District Series Volume XX. (Revised Edition of Volume XVIII. Parts I, II and III of the Original Gazetteer of the Bombay Presidency Relating to Poona) Poona District. (Under Government Orders) 17-00

1726 Gazetteer of Bombay State (Revised Series) Volume General-A. Botany. Part-I. Medicinal Plants (Under Government Orders) 9-50

General Series-Volume A. Botany. Part II-Timbers (Under Govrnment Orders). 6-25

General Series-Volume A. Botany (Revised Edition) Part III-Miscellaneous Plants. 22-50

1727 Geeta Govind in Basohli School of Indian Painting. Foreword by Dr. Rajendra Prasad and Introduction by R. P. N. Sinha. 12-50

1728 Geeta : The Gospel of the Lord Shrikrishna. Translated from the original Sanskrit by Shri Purohit Swami. With a Preface by Sir Sayaji Rao Gaekwar. 15-75

1729 Gems From Sanskrit Literature. Compiled and translated into English by Dr. Aryendra Sharma and E. V. Vira Raghavacharya. 1-50

1730 Gem Therapy by B. Bhattacharya. 5-00

1731 General Education Reconsidered. Edited by K. Satchidananda Murty. 8-00

1732 General Index to the Names and Subject matter of the Sacred Books of the East. Compiled by M. Winternitz. With a Preface by A. A. Macdonell. (S. B. E.) 20-00

1733 General Linguistics. An Introductory Survey by R.H. Robins. 36–75

1734 General Selection from the Works of Sigmund Freud. Edited by John Rickman. 18–90

1735 Genetic History of the Problems of Philosophy by Murlidhar Banerjee. 4–37

1736 Genius of Tagore. Edited by Mahendra Kulasrestha. Foreward by Prof. Humayun Kabir. 8–00

1737 Geographical Aspect of Kalidasa's Works by Bimala Churn Law. 2–00

1738 Geography of Kalidasa by H. C. Chakladar. 8–00

1739 Geography of Padra Town by V. A. Janaki and Z. A. Syed. With a Foreword by Dr. J. M. Mehta. 26–00

1740 Geography of Rigvedic India (A Physical Geography of Sapta Saindhava) by Manohar Lal Bhargava. 21–00

1741 Geography of the Puranas by S. M. Ali. Foreword by Sampurnanand. With Maps and Diagrams. 30–00

1742 Geology and Mineral resources of India with reference to Gujarat and Bombay State by Dr. D. N. Wadia. 2–00

1743 Geology of India, Pakistan and Burma by R. C. Mehdiratta. 7–50

1744 German–English and English–German Dictionary for Scientists. Edited by O. W. Leibiger and I. S. Liebiger. 85–00

1745 German Language by R. Priebsch and W. E. Collinson. 66–15

1746 Gesture (A) of Co–operation with Krishnaji's (Krishnamurti) Work. 3–00

1747 Ghatakarparkavya. Edited with English translation and Notes by J. B. Chaudhary. 4–00

1748 Ghaznivide, Ghor and Slave Dynasties or Tabakat–I Nasiri of Minhaju–S–Siraj by H. M. Elliot and John Dowson. 6–00

1749 Ghaznivide, Ghor and Slave Dynasties Ufi. Nijami Asir Baizawi and Jawaini by H. M. Elliot. 2 Vols. 12–00

1750 Gilgit Buddhist Manuscripts (Facsimile Edition) edited by Dr. Raghuvira and Dr. Lokesh Chandra. 4 Parts. 120–00

1751 Gilgit Manuscript of the Astadasasahasrika–Prajnaparamita. Chapters 55 to 70 Corresponding to the 5th Abhisamaya. Edited and Translated by Edward Conze. 100–20

1752 Gita and Indian Culture by H. H. Sri Jaya Chamaraja Wadiyar. 3–00

1753 Gita As A Chaitanyte Reads It by T. Swami. 5–00

1754 Gita-Govind by Kanu Desai. Ten pictures of a Mystic and Poetic Interpretation of Radha's Love for Krishna. 5-00

1755 Gita Govind Kavya with English Translation by S. Lakshminarasimha Sastri. 2-75

1756 Gita-Govinda of Sri Jayadev : The Loves of Krishna and Radha. Rendered from the Sanskrit into English and Illustrated by George Keyt. 15-00

1757 Gita : Idea of God or The Religion of Life, Beauty, Love, Truth and Righteousness. Being India's Greatest Contribution to the Permanent and Progressive Thought of all Mankind. Expounded by Brahmachari Gitanand. 6-00

1758 Gita Letters by Avinasananda. 4-00

1759 Gita Rahasya. English Translation by B. G. Tilak. 20-00

1760 Gita's Light in Every Home by R. K. Ramadhyani. 3-00

1761 Gita : The song supreme by Jitendriya Bonnerjee. Introduction by Dr. S. Radhakrishnan. 5-00

1762 Gitanjali by Ravindranath Tagore. 2-00, Cloth 3-50

1763 Gleanings from History and Bibliography of the Nyaya-vaisesika Literature by Gopinath Kaviraj. 10-00

1764 Gleanings from My Researches by Sir U. N. Brahmachari, Kt., Raibahadur. Pages 478 with Tables, Formulae and Plates in 2 Vols. 21-87

1765 Glimpses into Poetic Beauty of the Rigveda by Mahendra Kumar Varma. 8-00

1766 Glimpses of Bengal in the Nineteenth Century by R. C. Majumdar. 6-00

1767 Glimpses of Buddhism by N. Ramesan. 15-00

1768 Glimpses of India by Gyanvati Darbar. Foreword by Sri Y. B. Chavan. With Plates. 12-00

1769 Glimpses of Medieval Indian Culture by Yusuf Husain. 9-50

1770 Glimpses of Mughal Architecture: Introduction with Historical Analysis by Sri Jadunath Sarkar. Text by S. K. Saraswati. Edited, Compiled and Surveyed by A. Goswami. 110-00

1771 Glimpses of World History : Being further Letters to his Daughter, written in Prison, and containing a rambling Account of History for young People by Jawahar Lal Nehru. With 50 Maps by J. F. Horrabin. 36-00

1772 Glimpses of World Religions : Hinduism, Buddhism, Jainism, Taoism and Shintoism etc., etc., 3-00

1773 Glories of India and Indian Culture and Civilization by Dr. Prasanna Kumar Acharya. 15-00

1774 Glorious Hinduism by Dr. Sir Gokul Chand Narang. 15-00

1775 Glorious Thoughts on Education. Being a Treasury of Several Thousand Inspiring and Invaluable Thoughts on Education by Eminent Personalities, Educationists, Scholars, Poets, Writers, Philosophers and Reformers of the East and the West. Edited by N. B. Sen. 25-00

1776 Glorious Thoughts of Ancient India. Being a Treasury of Several Thousand Inspiring and Invaluable Thoughts on Moral, Social, Religious, Spiritual, Legal and Political Topics, classified under Several Hundred Subjects by N. B. Sen. 15-00

1777 Glorious Thoughts of Indian Sages. Being a Treasury of Several Thousand Inspiring and Invaluable Thoughts of the Great Indian Sages classified under Several Hundred Subjects by N. B. Sen. 15-00

1778 Glorious Thoughts of Kalidasa. Being a Treasury of Inspiring and Imperishable Thoughts, Revealing the Wit and Wisdom of the Immortal Poet, Collected from his Complete Works and Classified under Two Hundred Subjects by N. B. Sen. 15-00

1779 Glorious Thoughts of Mahatma Gandhi edited by N. B. Sen. 15-00

1780 Glorious Thoughts of Nehru edited by N. B. Sen. 15-00

1781 Glorious Thoughts of Rabindranath Tagore edited by N. B. Sen. 15-00

1782 Glorious Thoughts of Swami Dayananda. Being a Treasury of Several Thousand Inspiring and Valuable Thoughts of the Great Social Reformer classified under Several Hundred Subjects by N. B. Sen. 15-00

1783 Glorious Thoughts of the Vedas. Being a Treasury of Several Thousand Inspiring and Imperishable Thoughts, collected from all the Four Vedas and classified under Two Hundred Subjects by N. B. Sen. 15-00

1784 Glory that was Gurjar Desa (A. D. 550-1300) by K. M. Munshi. 20-00

1785 Glossary (A) of Buddhist Terms in Four Languages. (English, Chinese, Pali and Sanskrit) Compiled by Lim Teong Aik. —

1786 Glossary of Indian Medicinal Plants by R. N. Chopra, S. L. Nayar and I. C. Chopra. 8-00

1787 Glossary of Logic or Terminology of Logic by Dr. Raghuvir. 1-00

1788 Glossary of Sanskrit Terms in the Life Divine (With two appendices.) 1-25

1789 Glossary of Smṛti Literature by Sures Chandra Banerji. 10-00

1790 Gnana Pradeepika of Jaimini. With English Translation and Notes by S. Kannan 5-00

1791 Gnani Yoga : The yoga of Wisdom by Yogi Rama Charaka. 4-70

1792 Goa : The Problems of Transition (Papers presented to the Seminar Convened at Margao, Goa on November 28-30, 1964). Edited by A. B. Shah. 6-50

1793 Godavari Palaeolithic Industry by Hasmukh D. Sankalia. 12-00

1794 God and Man in the Old Testaments by Leon Roth. 11-03

1795 God in Modern Philosophy by James Collins. 32-00

1796 God-Man. The Life, Journeys and Work of Meher Baba with an Interpretation of his Silence and Spiritual Teaching by C. B. Purdom. 44-10

1797 Gods and Men by G. S. Ghurye. 20-00

1798 Gods and Men. The Origins of Western Culture by Henry Bamford Parkes. 36-00

1799 Gokhale : A Political Biography. A Study of the Services and Political Ideas by D. B. Mathur. Foreword by P. Kodanda Rao. 36-00

1800 Gokhale. My Political Guru by M. K. Gandhi. 1-00

1801 Gokhale : The Man and His Mission. By C. P. Ramaswamy Aiyar, P. H. Patwardhan, P. N. Sapru, D. R. Gadgil and B. N. Ganguli. 6-00

1802 Goladipika by Parmesvara. Edited with Introduction, Translation and Notes by K. V. Sarma. 5-00

1803 Golden Age of Indian Art. Vth-XIIIth Century by P. Rambach and V. de Golish. 31-00

1804 Golden Annals of Lamaism : Being the Original Tibetan Text of the Hor-chos-hbyun of Blo-bzan-rat-mgrin entitled. Edited by Dr. Lokesh Chandra. 30-00

1805 Golden Apocalypse by Romen. 2-50

1806 Golden Flute : Indian Painting and Poetry by N. C. Mehta and Moti Chandra. 13-00

1807 Golden Germ. An Introduction to Indian Symbolism by F. D. K. Basch. 57-00

1808 Gond (The) and Bhumia of Eastern Mandla by Stephen Fuchs. 28-50

1809 Good Freewill and God by Santosh Chandra Sengupta. Foreword by Kalidas Bhattacharya. 10-00

1810 Goods and Bads (Outlines of A Philosophy of Life) by A. G. Widgery. 5-00

1811 Gopalkrishna Gokhale, His Life and Speeches by John. S. Hoyland. 2-50

1812 Goraksasatakam (With introduction, text, English translation, notes etc.,) Critically edited by Swami Kuvalayananda and Dr. S. A. Shukla. 3-75

1813 Gospel of Advaita by Duncan Greenlees. 7-00

1814 Gospel of China by Duncan Greenlees. 3-75

1815 Gospel of Guru-Granth Sahib by Duncan Greenlees. 10-00

1816 Gospel of Hermes by Duncan Greenlees. 5-50, 4-50

1817 Gospel of Islam by Duncan Greenlees. 3-75

1818 Gospel of Israel by Duncan Greenlees. 9-00, 7-00

1819 Gospel of Jesus by Duncan Greenlees. 5-50, 4-50

1820 Gospel of Life Vol. I. An Introduction to the Study of the Bhagavadgita and the Upanishads by F. T. Brooks. 2-00

1821 Gospel of Narada by Duncan Greenlees. 5-50

1822 Gospel of Sri Krishna by Duncan Greenlees. 7-00

1823 Gospel of Sri Ramakrishna. Originally recorded in Bengali, in 5 Vols. by M., a disciple of the Master. Complete translation by Swami Nikhilananda. With authentic photographs associated with the life and background of the Master. Foreword by Aldous Huxley. 25-00, 37-50

1824 Gospel of the Gnostics by Duncan Greenlees. 8-00

1825 Gospel of the Mystic Christ by Duncan Greenlees. 7-50, 6-50

1826 Gospel of the Prophet Mani by Duncan Greenlees. 7-50

1827 Gospel of the Pyramids by Duncan Greenlees. 9-00, 7-50

1828 Gospel of Zarathushtra by Duncan Greenlees. 6-00, 7-50

1829 Gotama Buddha : A Biography by Kenneth J. Saunders. 2-00

1830 Graduated Exercises for Translation into Sanskrit. Second Book (For the Pre-Matriculation Classes of High Schools). By Krishnaji Bhaskar Virkar. 1-00

1831 Graha and Bhava Balas by B. V. Raman. 3-75

1832 Grammaire Sanskrite Elementaire by L. Renou. 20-00

1833 Grammar of Old Marathi by Alfred Master. 68-75

1834 Grammar of Politics by Harold J. Laski. 44-10

1835 Grammar of Textile Design by H. Nisbet. Revised and Enlarged Edition. With 669 Illustrations. 19-00

1836 Grammar of the Arabic Language. Translated from the German of Caspari and edited with numerous additions and corrections by W. Wright. 2 Vols. 76-13

1837 Grammar of the Braj Bhakha by Mirza Khan. Persian Text critically edited from Original Mss., with an Introduction, Translation and Notes, together with the contents of the Tuhfatu-L-Hind by M. Ziauddin. 4-00

1838 Grammar of the Hindi Language by S. H. Kellogg. 42-00

1839 Grammar of the Hindustani or Urdu Language by John T. Platts. 25-00

1840 Grammar of the Kui Language by W. W. Winfield. 3-75

1841 Grammar of the Phoenician Language by Zellig S. Harris. 26-25

1842 Grammar of the Pure and Mixed East Indian Dialects by Herasim Lebedeff. Edited with Notes, biographical Sketch and bibliography of Writings on Lebedeff by Mahadev Prasad Saha. Foreword by Dr. S. K. Chatterji. 20-00

*1843 **Grammar of the Sanskrit Language.** By H. H. Wilson. (Chow. Sans. Studies Vol. XI.) **20-00**

1844 Grammar of the Tibetan Language by H. Bruce Hannah. 9-37

1845 Grammar of Written Mongolian by Nicholas Poppe. 60-00

1846 Grammatical Dictionary of Sanskrit (Vedic) 1-Phonetics by Dr. Surya Kanta Shastri. 50-00

1847 Grammatical Method in Panini : His Treatment of Sanskrit Present Stems by Betty Shefts. 18-75

1848 Grammatical Structure of Dravidian Languages by Jules Bloch (Authorised English translation from the original French) by Ramkrishna Ganesh Harshe. 6-00

1849 Grammatical Word-Index to the Four Vedas. Edited By Vishva Bandhu etc. 2 Parts. 90-00

1850 Grammatik Der Bhasa Indonesia. Mit Chrestomathie und Worterverzeichnis von Hans Kahler. 85-50

1851 Grass Roots Agricultural and Community Development Programme in India by Ram Krishan. 15-00

1852 Great Chinese Travellers : This Unique Anthology Ranging over 3000 years Presents Extraordinary Adventures by which the Chinese Discovered "The rest of the world." Edited and Introduced by Jeannette Mirsky. 31-50

1853 Great Cities of the World. Their Government, Politics and Planning. Edited by William A. Robson. 56-00

1854 Great English-Indian Dictionary by Dr. Raghuvira. 2 Vols. 30-00

1855 Great Indians by Jagat S. Bright. 3–75

1856 Great Indians by S. Radhakrishnan. 1–50

1857 Great Liberation (Maha Nirvana Tantra) Text, Translation & Commentary by S. J. Woodroffe. 25–00

1858 Great Men of Literature. Taken from Adventures in Genius. By Will Durant. 6–00

1859 Great Philosophers by Thomas & Thomas. 2–00

1860 Great Revolution by Ramchandra Jain. 12–00

1861 Great Systems of Yoga by E. Wood. Indian Edition. 5–50

1862 Great Women of India. Edited by Swami Madhavananda and Rameshchandra Majumdar. 20–00

1863 Greater India by Dr. K. D. Nag. 40–00

1864 Greatness of Shiva (Mahimna Stava of Pushpadanta) Text, Translation & Commentary by S. J. Woodroffe. 3–00

1865 Greece in the Bronze Age by Emily Vermeule. With 52 Illustrations. 65–63

1866 Greek Art (A Hand Book of) by Gisela M. A. Righter. 39–38

1867 Greek Civilization from the Iliad to the Parthenon by Andre Bonnard. Translated by A. Lytton Sells. Vol. I. 31–50

1868 Greek Coins. A History of Metallic Currency & Coinage down to the fall of the Hellenistic Kingdoms by Charles Seltman. 68–25

1869 Greek–English Lexicon of the New Testament, being Grimm's Wilke's Clavis Novi Testamenti. Translated, Revised and Enlarged by Prof. Joseph Henry Thayer. 60–00

1870 Greek Medicine in Asia by S. L. Bhatia. 1–00

1871 Greek Particles by J. D. Denniston. 48–00

1872 Greek Philosophy. A Collection of Texts with Notes and Explanations by C. J. De Vogel. Vol. III. The Hellenistic-Roman Period. 101–25

1873 Greek Political Theory by E. Barker. 26–25

1874 Greek Pottery by Arthurlane. With Plates. 48–30

1875 Greek Proverbs for Students of Sanskrit by K. C. Chatterji 3–00

1876 Greek Sculpture. Text and Notes by Reinhard Lullies. Photographs by Max Hirmer. Translated from the German by Michael Bullock. 323 Illustrations, including 11 in full colour. 131–25

1877 Greek Temples, Theatres and Shrines. Texts by Helmut Berve and Gottfried Gruben. Photographs by Max Hirmer. Color and Monochrome Plates. 160 Diagrams in Text, 212 Illustrations including 36 in Color. 225–00

1878 Greek Thinkers : History of Ancient Philosophy by T. Gompersz. 4 Vols. 63-00, 147-00

1879 Greek Way of Life by Dr. Pearl Cleveland Wilson. 1-00

1880 Grihya Sutras. Rules of Vedic Domestic Ceremonies. Translated by Hermann Oldenberg. 2 Vols. (S. B. E.) 40-00

1881 Group Psychology and the Analysis of the Ego by Sigmund Freud. Translated and Newly Edited by James Strachey. 13-13

1882 Group Relations in Village Community by Irawati Karve and Yashwant Bhaskar Damle. 20-00

1883 Growth of Commercial Agriculture in Bengal (1757-1900) by Benoy Chowdhury. Vol. I. 20-00

1884 Growth of Industrial Economics by W. G. Hoffmann. Translated from the German by W. O. Henderson and W. H. Chaloner. 20-00

1885 Guerrilla Warfare by Mao Tse-Tung and Che Guevara. With a Foreword by Captain B. H. Liddell Hart. 20-00

1886 Guhilas of Kiskindha by Dr. D. C. Sircar. Foreword by Gaurinath Shastri. 10-00

1887 Guide (Netti-ppakaranam) According to Kaccana Thera. Translated from the Pali by Bhikkhu Nanamoli. 66-15

1888 Guide for Authors in the Preparation of Manuscripts and Illustrations. Prepared by An Editorial Department. 3-00

1889 Guide for Travellers in India and Pakistan. Compiled by Samson Reuben Walter. With Map of India and Pakistan. 5-87

1890 Guide to Abhigyanshakuntala in Questions and Answers by Deshpande and Kulkarni. 2-00

1891 Guide to Ancient Indian History and Culture in full Questions and Answers (from earliest times to 1000 A. D.) by Prof. D. S. Desai. 2-25

1892 Guide to English Literature. Edited by Boris Ford. 2 Vols. 52-50

1893 Guide to Field Study. Foreword by Dr. Nihar Ranjan Ray. Edited with an Introduction by Sankar Sen Gupta. 16-50

1894 Guide to Modern Thought by C. E. M. Joad. 18-90

1895 Guide to Nagananda in full Questions and Answers by Prof. Deshapande and Kulkarni. 1-50

1896 Guide to Philosophy by C. E. M. Joad 16-88

1897 Guide to Swapnavasawadatta & Meghaduta in full Questions and Answers by Prof. Deshpande and Kulkarni. 2-00

1898 Guide to the Buddhist Caves of Aurangabad by Douglas Barrett. 1-50

1899 Guide to the Buddhist Caves of Elora by R. Sen Gupta. 2–00
1900 Guide to the Communal Problem in India by A. N. Sinha. 5–00
1901 Guide to the Kannada Research Institute Museum by A. M. Annigeri. Foreword by Dr. B. A. Saletore. With Plates. 0–75
1902 Guide to the Karala Caves by Douglas Barrett. 1–25
1903 Guide to the Patna Museum (Stone Sculptures, Bronzes and Terracottas). 1–00
1904 Guide to Tractor Operation and Maintenance by E. G. K. Rao. Foreword by Ramsubhag Singh. 10–00
1905 Guide to Uttararamacharita in full questions and answers by Deshpande and Kulkarni. 2–50
1906 Guide to Vaisali and the Vaisali Museum by Yogendra Mishra and Sitaram Roy. Foreward by J. C. Mathur. With plates. 4–00, 5–00
1907 Guide to Western Architecture by John Gloag. With 279 Illustrations in the Text of which 161 were drawn by Hilton Wright. 66–15
1908 Gujrat and Its Literature from early times to 1852 by K. M. Munshi. 6–00
1909 Gujarati Reference Grammar by George Cardona 40–00
1910 Gupta Art by Dr. V. S. Agrawal. O. P.
1911 Guru Baba Nanak (Prophet of the full Mooon) Founder Master of Sikhism by A Desendant of Guru Nanak, Baba P. L. Bedi. Scriptural Quotations Collected and Translated by Raja Sir Daljit Singh and Sir Jogendra Singh 20–00
1912 Gurudev Tagore. Edited by R. Narsimhan. 3–00
1913 Gypsy Studies by Dr. Jan Kochanowski. 2 Parts. 60–00

H

1914 H. D. Velankar Commemoration Volume : A Volume of Indological Studies by His Students presented to Prof. H. D. Velankar on the occasion of his Seventy-second birthday on 3rd October, 1965. Edited by S.N. Gajendragadkar and S. A. Upadhyaya. Foreword by P. V. Kane. 20–00
1915 H. P. Blavatsky Collected Writings 1886–89 Vols. VII-X. 95–00
1916 Hadis–I–Halila or Confutation of Atheism. Translated by V. M. Chhaganbhai Momin. 0–87
1917 Hadith Literature, Its Origin, Development, Special Features and Criticism by Dr. Muhammad Zubayr Siddiqi. 15–00

1918 Hamsasandesa with English translation. 2-12

1919 Hand Book for Travellers in India and Pakistan, Burma and Ceylon including the Portuguese and French possessions, and the Indian States, with numerous Maps and Plans. Edited by Prcf. L. F. Rushbrook Williams, being a rivision of the Eighteenth Ed. by Sir Arthur C. Lothian. 57-75

1920 Hand Book of Ayurvedic Materia Medica with principles of Phramacology and Therapeutics by H. V. Savnur. Vol. I. 8-00

1921 Hand book of Biblical Chronology. Principles of Time Reckoning in the Ancient World and Problems of Chronology in the Bible by Jack Finegan. 63-75

1922 Hand-book of Chemical Conservation of Museum objects by T. R. Gairola. 8-00

1923 Hand Book of Classical Samskrit Literature by U. Venkata Krishna Rao 3-50

1924 Hand book of English Costume in the Seventeenth Century by C. Willett and Phillis Cunnington. With Illustrations by Barbara Phillipson and Phillis Connington. 52-50

1925 Hand Book of Hygiene and Public Health (Illustrated) For Medical and Public Health Students by Yash Pal Bedi. 13-00

1926 Hand book of Languages and Dialects of India. Compiled and edited by Amal Sarkar. With an Introduction by Y. M. Mulay. 12-00

1927 Hand Book of Literary Criticism by R. Sadasiva Aiyar. 5-00

1928 Hand book of Muhammadan Art by M. S. Dimand. With Illustrations. 48-00

1929 Handbook of Operative Surgery. With Chapters on Instruments, Splints and Bandaging by K. Das. With 252 Illustrations and 14 Plates. 27-50

1930 HandBook of Ornament. A Grammar of art industrial and architectural designing in all its branches for practical as well as theoretical use. By Franz Sales Meyer. With 300 plates and numerous illustrations in the Text. 10-00

1931 Handbook of Physiology. Originally 'Kirkes' and later 'Halliburton's' by R. J. S. McDowall. 57-75

1932 Hand Book of Physiology and Biochemistry (Originally Kirke's and Later Halliburton's) 31-50

1933 Hand Book of S. P. S. Museum, Srinagar by R. C. Kak. 6–37

1934 Hand Book (A) on Staff Notation for Indian Music by Howard Boatwright. 5–00

1935 Handbuch Des Sanskrit Mit Texten und Glossar Eine Einfuhrung In Das Sprachwissenschaftliche Studium Des Altindischen Von Albert Thumb.
I. Teil : Grammatik I. Einleitung und Lautlehre Dritte Stark umgearbeitete Auflage von Richard Hauschild.
II. Teil : Texte und Glossar. 2. erweiterte und vollig neu bearbeitete Auflage von Richard Hauschild.
Price for two Teil. 168–00

1936 Handicrafts and Industrial Arts of India. A Pictorial and Descriptive Survey of Indian Craftsmanship as seen in Masterpieces of Jewellery and Metal Crafts, Arms and Armour, Furniture and Inlay Crafts, Stone and Ivory Carving, etc. With 4 Plates in Colour and 150 Monochrome Plates. Illustrating about 500 Examples of Handicrafts, Specimens of Industrial Art, and Modes of Work by Rustam J. Mehta. 49–00

1937 Happy Married Life in Ancient India by Dr. Veda Mitra. Foreword by Shri L. O. Joshi. 15–00

1938 Harappa Culture and the West by Dr. Heinz Mode. With an Introduction by Dr. Sisir Kumar Mitra. 7–00

1939 Haridasa Sahitya. The Karnatak Mystics and their Songs by B. T. Acharya. 0–75

1940 Harsha (Calcutta University Readership Lectures 1925) by Radha Kumud Mookerjee. 6–00

1941 Harsha and his Three Dramas by Sadashiva Lakshmidhara Katre. 3–00

1942 Harshacharita 3rd Uchchvas with Sankarkavi's Sanskrit Commentary and Introduction and English translation by V. N. Iyer. 1–75

1943 Harshcharita. First Ucchvasa with English Notes and Translation by S. Viswanathan. 3–00

1944 Harshacarita of Banabhatta. Edited with an Introduction and Notes by P. V. Kane. 12–00

1945 Harsa-Carita of Bana. Translated by E. B. Cowell and F. W. Thomas. 12–00

1946 Harvard College Library Department of Printing and Graphic Arts Catalogue of Books and Manuscripts. Part I French 16th Century Books. Vol. I–Abbrege to Holbein 1–291. Vol. II—Homer to Xenophon 292-557 Index. Compiled by Ruth Mortimer under the supervision of Philip Hofer and William A. Jackson. 300–00

1947 Harvard Excavations at Samaria 1908–10 by George Andrew Reisner, Clarence Stanley Fisher and David Gordon Lyon. Vol. I Text, Vol. II Plans and Plates. 240–00

1948 Harvard Studies in Classical Philology. Edited by A Committee of the Classical instructors of Harvard University. Vols. 13, 15–23, 29–31, 37, 43–50, 60, 63–66 and 67–68. 627–00

1949 Hasta Samudrik Shastra (The Science of Indian Palmistry) by K. C. Sen. 7–25

1950 Hastinapura (The Glory of Ancient India) by Amarchand. 2–25

1951 Hatha Yoga. The Report of a Personal Exercise by Theos Bernard. Cheap Edition. 3–75, Library Edition 16–80

1952 Hatha Yoga or The Yogi Philosophy of Physical well-being with Numerous exercises, etc. By Yogi Ramacharaka. 4–70

1953 Hathi-Gumpha Inscription of the Emperor Khara-Vela. (173 B. C–160 B. C.) by Jayaswal. 2 Parts 10–00

1954 Hatthavangallaviharavamsa. Edited by E. Godakumbura. 11–03

1955 Healing from within. A Treatise of the Philosopby and Theory of Nature Cure by Dr. J. M. Jussawalla. 18–00

1956 Health Guide by M. K. Gandhi. Edited by Anand T. Hingorani. 4–00

1957 Health in the Tropics by Irani. 4–50

1958 Health Problems of Mithila by Lakshmikanta. 5–00

1959 Heart of Hindusthan by Dr. S. Radhakrishnan. 1–50

1960 Heat in the Rigveda and Atharva Veda. A General Survey with Particular Attention to some Aspects and Problems by Chauncey J. Blair. 37–50

1961 Heaven and Hell from the Point of view of Psychical Research by H. H. Price. 0–75

1962 Heavens and the Universe by M. V. Rama Krishnan. 5–25

1963 Hellenic Traveller : A Guide to the Ancient sites of Greece and the Aegean by Guy Pentreath. 44–10

1964 Hellenism in Ancient India by Gauranga Nath Banerjee. 20–00

1965 Heritage of Buddha. The Story of Siddhartha Gautama by Celina Luzanne. 20–62

1966 Heritage of Indian Art by V. S. Agrawala. 25–00

1967 Heritage of Indian Art Series—
No. 1. Gupta Temple at Deogarh.
No. 2. Pallava Temple at Tiruttani.
No. 3. Nolamba Temple at Hemavati.
No. 4. Chola Temple at Pullamangai. Price for Nos. 1–4. 10–00

1968 Heritage of Indian Art–Series No. 2.–Mukhalingam Temples by Douglas Barrett and Sirpur and Rajim Temples by Moreshwar G. Dikshit. 12–50

1969 Heritage of Sankara by S. S. Roy. 25–00

1970 Heritage of the Sikhs by Harbans Singh. 25–00

1971 Hero of Tashkent by Kanwar Lal. With Plates. 2–00

1972 Heroines of the Plays of Kalidasa by S. Ramchandra. 1–00

1973 Hevajra Tantra. A Critical Study by D. L. Snellgrove.
Part I. Introduction and Translation.
Part II. Sanskrit and Tibetan Texts. Both Parts. 132–30

1974 Heyapaksha of Yoga or Towards a Constructive Synthesis of Psychological Material in Indian Philosophy by P. V. Pathak. Foreword by S. Radhakrishnan. 35–00

1975 High and Low Blood Pressure by J. C. Thomson. 3–75

1976 High Noon of Empire. India under Curzon by Michael Edwardes. 36–75

1977 High School Library : Its Organization and Administration. By O. G. Viswanathan. 7–50

1978 High School Students in Poona by I. P. Desai. 10–00

1979 Higher Education and Rural India by Dr. S. N. Mukerji. 10–00

1980 Higher Education in South India. University of Madras 1857–1957. 2 Vols. 13–50

1981 Higher Pali Course for Advance Students by A. P. Buddhadatta Thera. 22–05

1982 Higher Sanskrit Grammar by M. R. Kale. 12–50

1983 Highways and Byways of Literary Criticism in Sanskrit by M. M. Kuppuswamy Sastri. 2–25

1984 Highways of God by M. P. Pandit. 5–00

1985 Himalayan Beas Basin. A Study in Habitat, Economy and Society by S. L. Kayastha. 25–00

1986 Himalayan Pilgrimage : David Snellgrove. A Study of Tibetan Religion. With 85 Illustrations and 9 Maps by A Traveller through Western Nepal. 37–80

1987 Himalayan Polyandry, Structure, Functioning and Culture Change : A Field-Study of Jaunsar-Bawar by D. N. Majumdar. 32–00

1988 Himavat Diary Leaves by Nicholas Roerich. 4-50

1989 Himself a True Poem. A Study of Rabindranath Tagore by Hiren Mukerjee. 11-50

1990 Hindi : A Spoken Approach by G. H. Fairbanks and P.B. Pandit. Foreword by S. M. Katre. 6-00

1991 Hindi Literature by Ram Awadh Dwivedi. 5-00

1992 Hindi Semantics by Hardev Bahri. 30-00

1993 Hindoo Holiday. An Indian Journal by J. R. Ackerley. 6-30

1994 Hindu America. Depicting the Imprints of Hindu Culture on the two Americans by Chaman Lal. 3-00

1995 Hindu Architecture in India and Abroad by Prasanna Kumar Acharya. (Manasara Series : Vol. VI) 37-00

1996 Hindu Canons of Iconography and Painting with an anthology of Pratimalaksana and Citra-Laksana as well as an Outline History of Indian Painting, Archaeological and Literary by Dr. D. N. Shukla. 36-00

1997 Hindu Canons of Painting or Citra Laksanam (with an outline History of Indian Painting including literary evidence) by Dr. D. N. Shukla. 9-00, 10-00

1998 Hindu Civilization by Radha Kumud Mookerji. 5-00

1999 Hindu Colonies in the Far East by R. C. Majumdar. 15-00

2000 Hindu Conception of the Deity, as cluminating in Ramanuja by K. Kumarappa. With a Foreword by Dr. Barnett. 15-75

2001 Hindu Culture by K. Guru Dutt. O. P.

2002 Hindu Culture and Personality. A Psycho-Analytic Study by P. Spratt. 32-00

2003 Hindu Culture Economic Development and Economic Planning in India : A Collection of Essays by K. William Kapp. 20-00

2004 Hindu Culture in Greater India by Sadananda. 2-50

2005 Hindu Dharma by M. K. Gandhi. 4-00

2006 Hindu Ethics. Principles of Hindu Religio-Social Regeneration by Babu Govinda Das. 2-00

2007 Hindu History of Kashmir by H. H. Wilson. 10-00

2008 Hindu Horary Astrology. An English translation of "Prasna Tantra" of Tajika Neela Kanteeyam by G. Sri Rama Murthi. 6-50

2009 Hindu Ideal by Sri Ramananda Saraswati Swaminah. O. P.

2010 Hindu Judicial System by S. Varadachariar. 4-00

2011 Hindu Law in its Sources by Dr. Ganganatha Jha. Vol. II. 12-00

2012 Hindu Law of Evidence by Amareswar Thakur. 5-00

2013 Hindu Law Past and Present. Being an account of the controversy which preceded the enactment of the Hindu Code, the text of the Code as enacted and some comments thereon by J. Duncan M. Derrett. 12-00

2014 Hindu Magic by P. C. Sarkar. 2-00

2015 Hindu-Manners, Customs and Ceremonies by J. A. Dubois. Translated and edited with Notes by H. K. Beauchamp. 20-00

2016 Hindu Medicine by Gannath Sen. 1-25

2017 Hindu Medicine by Henry R. Zimmer. 40-00

*2018 **Hindu Music from Various Authors** compiled by Raja Sir Sourindro Mohun Tagore. (Chow. Sans. Studies Vol. XLIX.) **25-00**

2019 Hindu-Muslim Cultural Accord by Dr. Syed Mahmud. 2-50

2020 Hindu-Philosophy by Dhirendra Nath Paul. 5-00

2021 Hindu Philosophy by Theos Bernard. Indian Edition. 3-00

2022 Hindu Philosophy of Conduct being Lectures on the Bhagavadgita by Prof. M. Rangacharya. 3 Vols. 45-00

2023 Hindu Polytheism by Alain Danielou. With plates. 63-00

2024 Hindu Predictive Astrology by B. V. Raman. 10-50

2025 Hindu Psychology : Its Meaning for the West by Swami Akhilananda. 26-25

2026 Hindu Religion, Customs and Manners by P. Thomas. 252 Illustrations. 33-00

2027 Hindu Social Organization : A study in Socio-Psychological and Ideological Foundations by Pandharinath H. Prabhu. 20-00

2028 Hindu Society at Cross Roads by K. M. Panikkar. 4-50

2029 Hindu States of Sumersa by Swami Sankarananda (When India Ruled the West-I) 5-00

2030 Hindu View of Art by Mulk Raj Anand. With an Introductory essay on Art and Reality by Eric Gill. 18-00

2031 Hindu View of Christ by Swami Akhilananda. 6-00

2032 Hindu View of Life by S. Radhakrishnan. 4-73, 11-03

2033 Hindu Woman by Margaret Cormack. Foreword by Lois Barclay Murphy. 10-50

2034 Hindu Woman's Right to Property (Past and Present) by Roop L. Chaudhary. 10-00

2035 Hindu Yogi. Science of Breath by Yogi Ramacharaka. 2-60

2036 Hinduism by Annie Besant. 1-00

2037 Hinduism by M. Monier-Williams. O. P.

2038 Hinduism by R. C. Zaehner. 8–40
2039 Hinduism by Swami Vivekananda. 1–00
2040 Hinduism by A. C. Bouquet. 10–13
2041 Hinduism (An Exposition and Vindication) by Shyam Behari Misra and Shukdeo Behari Misra. 10–00
2042 Hinduism : The Spirit of Hinduism : Its Mythology, Philosophy, Religious and Moral Practices and Beliefs; its Historical Evolution as a Religious Way of Life and its present Role in Indian Society. Edited by Louis Renou. 26–25
2043 Hinduism: Doctrine and Way of Life by C. Rajagopalachari. 3–00
2044 Hinduism and Buddhism by Ananda K. Coomaraswamy. 20–62
2045 Hinduism and Buddhism : An Historical Sketch by Sir Elliot. 3 Vols. 140–00
2046 Hinduism and Economic Growth by Vikas Mishra. 12–50
2047 Hinduism and its Rationalism by M. Hariharan. Foreword by K. S. Ramaswami Sastri. 2–00
2048 Hinduism at a Glance by Swami Nirvedanand. 6–50
2049 Hinduism its meaning for the Liberation of the Spirit by Swami Nikhilananda. 16–80
2050 Hinduism Through the Ages by D. S. Sharma. 2–50
2051 Hindus of the Himalayas by Gerald D. Berreman. 25–00
2052 Hindustan Year-Book and Who's Who 1958 by S. C. Sarkar. 26th year of issue. 6–00
2053 Hints on National Education in India by Sister Nivedita. 2–50
2054 Hiouen-Thsang in India by J. B. Barthelemy Saint Hilaire. Translated from the French by Laura Ensor. 3–00
2055 Hiriyanna Memorial Number. Edited by Dr. H. L. Hariyappa. 20–00
2056 Historian and Character and other Essays by Dom David Knowles. 52–50
2057 Historians of Sind by H.M. Elliot & John Dowson. 3 Vols. 18–00
2058 Historians of South East Asia. (Historical Writing on the Peoples of Asia). Edited by D. G. E. Hall. 52–50
2059 Historians of the Middle East. (Historical Writing on the Peoples of Asia). Edited by Bernard Lewis and P. M. Holt. 52–50
2060 Historical and Cultural Chronology of Gujarat (From Earliest Times to End of the Rastrakuta–Pratihara period : i. e. upto 942 A. D.) With Illustrations and Maps. Edited by Dr. M. A. Majumdar. With a Foreword by Dr. J. M. Mehta. 28–00

*2061 **Historical and Literary Inscriptions :** By Dr. Rajbali Pandeya. (Chow. Sans. Studies Vol. XXIII) **15-00**

2062 Historical Anthology of Music. Vol. I—Oriental, Medieval and Renaissance Music. Vol. II—Baroque, Recoco, and Pre-Classical Music by Archibald T. Davison and Willi Apel. 165-00

2063 Historical Architecture : The Development of Structure and Design by Hugh Braun. 66-15

2064 Historical Atlas of the Muslim Peoples. 26-25, 41-60

2065 Historical Development of Indian Music by Swami Prajnanananda. 30-00

2066 Historical Documents of Karnatak. Edited by R. S. Panchamukhi. Vol. I. 2-00

2067 Historical Geography and Topography of Bihar by Mithila Sharan Pandey. 15-00

2068 Historical Geography of Europe by W. Gordon East. With 58 maps. 44-10

2069 Historical Grammar of Apabhramsa by G. V. Tagare. 21-00

2070 Historical Grammar of Inscriptional Prakrits by Madhukar Anant Mehendale. 21-00

2071 Historical Grammar of Old Kannada (Based entirely on the Kannada Inscriptions of the 8th to 10th Centuries A. D.) by G. S. Gai. 15-00

2072 Historical Inscriptions of Southern India (Collected till 1923) and Outlines of Political History by Robbert Sewell. Edited by S. Krishnaswami Aiyangar. 11-00

2073 Historical Introduction to the Bengal Portion of the Fifth Report by W. K. Firminger. 40-00

2074 Historical Introduction to the Study of Roman Law by H. F. Jolowicz. 84-00

2075 Historical Linguistics and Indo-Aryan Languages by A. M. Ghatage. 8-75

2076 Historical Phonology of Russian by Gordon H. Fairbanks. Foreword by S. M. Katre. 10-00

2077 Historical Records of Baroda by Rai Bahadur B. A. Gupta. 7-50

2078 Historical Studies in the Cult of the goddess Manasa (A Socio-Cultural study) by Pradyot Kumar Maity. With a Foreword by A. L. Basham. With Plates. 36-00

2079 Historical Tamil Reader by P. S. Subrahmanya Sastri. 3-00

2080 History and Administration of the North-Western Provinces (Subsequently called the Agra Province) 1803-1858 by Dharma Bhanu. With a Foreword by Sir Jadunath Sarkar. 15-00

2081 History and Doctrines of the Ajivikas. A Vanished Indian religion by A. L. Basham, with a Foreword by L. D. Barnett. 8 plates, 2 maps, Index and Bibliography. 52–50

2082 History and Historeography (Problem of) by J. Joshi. 3–75

2083 History and Literature of Buddhism by T. W. Rhys Davids. 8–00

2084 History and Origin of Language by A. S. Diamond. 31–50

2085 History and Palaeography of Mauryan Brahmi Script by Chandrika Singh Upasak. 12–00

2086 History Begins at Sumer by Samual Noah Kramer. With 57 Illustrations in Photogravure 27 in line and a Map. 28–00

2087 History of Æsthetics by Bernared Bosanquet. 57–50

2088 History of Ancient India by Dr. H. V. Sreenivasa Murthy. Foreword by H. Barpujari. Illustrated by Debabrata Mukhopadhyay. 10–00

2089 History of Ancient Indian Mathematics by C. N. Srinivas Iengar. 20–00

*2090 **History of Ancient Sanskrit Leterature : By** F. Max Muller. Third Ed. (Chow. Sans. Studies Vol. XV) **25–00**

2091 History of Art. A Survey of the Major Visual Arts from the Dawn of History to the present day by H.W. Jonson. With 79 coloured plates and 848 Illustrations. 138–75

2092 History of Assamese Literature by Birinchi Kumar Barua. 6–00, 8–00

2093 History of Autobiography in Antiquity by Georg Misch. 2 Vols. 36–00

2094 History of Bengali Language and Literature by Dines Chandra Sen. 20–00

2095 History of Bengali Literature by Dr. Sukumar Sen. Foreword by Jawahar Lal Nehru. 8–00

2096 History of Bihar by Prof. Radhakrishna Choudhary. With a Foreword by Dr. R. S. Tripathi. 12–50

2097 History of British Common Wealth by Muir. Vol. I. 26–40

2098 History of British Diplomacy at the Court of the Peshwas (1786–1818) based on English records of Maratta History by R. D. Choksey. 18–00

2099 History of Buddhist Thought by E. J. Thomas. 36–75

2100 History of Central Asia. Bronze Age (2000 B. C.) to Chengiz Khan (1227 A. D.) by Mahapandita Rahula Sankrityayana. Part I. 20–00

2101 History of Chemistry in Ancient and Medieval India. Incorporating the History of Hindu Chemistry by Acharya Praffulla Chandra Ray. Edited by P. Ray. 24–00

2102 History of Chinese Buddhism by Dr. Chou Hsiang-Kuang. 15–00

2103 History of Chinese Culture (from the Earliest Time to the Twelfth Century A. D.) by Chau Hsiang-Kuang. 6–00

2104 History of Christianity in India. From early time to St. Francis Xavier : A. D. 52–1542 by George Mark Moraes. 25–00

2105 History of Civilization by Crane Brinton, John B. Christoper and Robert Lee Wolff. 125–00

2106 History of Dharma Sastra by Dr. P. V. Kane. Vols. IV and Vol. V in Parts 1-2. 115–00

2107 History of Early Medieval Europe 476–911 by Margaret Deanesly. 39–38

2108 History of Economic Thought by Eric Roll. 22–05, 37–80

2109 History of Economic Thought by S. K. Srivastava. 13–50, 15–00

2110 History of Education in Ancient India by E. V. Dadape. 1–00

2111 History of Education in India (Modern Period) by Dr. S. N. Mukerji. 10–00

2112 History of Education in India and Pakistan by F. E. Keay. 3–00

2113 History of Education in India under the Rule of the East India Company by Major B. D. Basu. 3–25

2114 History of English Drama 1660–1900 by Allardyce Nicoll. 4 Vols. 276–15

2115 History of English Language by A. C. Bough. 24–00

2116 History of English Literature by Legouis and Cazamian. 16–50, 31–50

2117 History of English Literature (from Chaucer to Modern times) for Indian Students by Amarnath Johri. 10–00

2118 History of English Literature from Earliest Times to 1916 by Arthur Compton Rickett. 20–00

2119 History of Europe from the Invasions to the XVIth Century by Henri Pirenne. 20–00

2120 History of Europe in the Nineteenth Century by Benedetto Croce. 21–00

2121 History of European Political Philosophy by D. R. Bhandari. 16–00

2122 History of Far Eastern Art by Sherman E. Lee. 716 Illustrations including 60 Color plates, Map and Chart. 187–50

2123 History of Fireworks in India. Between A. D. 1400 and 1900 by Prof. P. K. Gode. 1–50

2124 History of Firuz Shah Tughluq by Jamini Mohan Banerjee. With a Foreword by Dr. Banarsi Prasad Saksena. 20–00

2125 History of French Literature by L. Cazamian. 11–03

2126 History of Ghana by W. E. F. Ward. With Illustrations and Maps. 36–75

2127 History of Ghazni by H. M. Elliot and John Dowson. 2 Parts. 12–00

2128 History of Grammatical Theories in Tamil by Dr. P. S. Subrahmanya Sastri. 8–00

2129 History of Hamlet Criticism 1601–1821 by Paul S. Conklin. 16–80

2130 History of Hindi Literature by F. E. Keay. 2–50

2131 History of Income Tax by B. E. V. Sabine. Foreword by J. R. L. Anderson. 42–00

2132 History of India by K. P. Jayaswal. 15–00

2133 History of India. From the earliest times to the present day. By Michael Edwardes. With 127 Photogravure Illustrations and 21 Maps. 22–00

2134 History of India C. 150 A. D. to 350 A. D. (Naga-vakataka Imperial Period) by K. P. Jayaswal. 2 Parts. (Journal) 15–00

2135 History of India as Told by its own Historians. The Muhammadan Period. Edited from the Posthumous papers of Sir H. M. Elliot by Prof. John Dowson. 2 Vols. 50–00

2136 History of Indian and Eastern Architecture by James Fergusson. Revised and Edited with Additions by James Burgess and R. Phene Spiers. With Numerous Illustrations. 2 Vols. 100–00

2137 History of Indian and Indonesian Art by Ananda K. Coomaraswamy. With 400 Illustrations on Paper 128 Plates and 9 Maps. 22–50

2138 History of Indian Civilization by Radha Kamal Mukerjee. Volume I Ancient and Classical Traditions. 20–00

2139 History of Indian Epistemology by Jwala Prasad. 25–00

*2140 **History of Indian Literature** : By Albercht Weber. Translated from the Second German Edition by John Mann, M. A., and Theodor Zachariale, Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. VIII) **25–00**

2141 History of Indian Literature by M. Winternitz. Vol. I. Part I. Introduction and Veda. Part II. Epics and Puranas. Translated from the original German by Mrs. S. Ketkar and revised by the Author. 40-00

2142 History of Indian Literature by M. Winternitz. Vol. III Fasciculus i Ornate Poetry. Translated from the Original German by Miss H. Kohn. 20-00

2143 History of Indian Literature by M. Winternitz. Vol. III. Part I. Classical Period. English Translation by Subhadra Jha. 25-00

2144 History of Indian Literature by M. Winternitz. Vol III Part II-Scientfiic Literature. English Translation by Subhadra Jha. 20-00

2145 History of Indian Music by Swami Prajnanananda. Vol. I (Ancient Period) with Plates. 10-00

2146 History of Indian Music with Particular Reference to Theory and Practice. By Bhavanrav A. Pingle. 8-00

2147 History of Indian Philosophy by Das Gupta. 5 Vols. 407-40

2148 History of Indian Philosophy by Jadunath Sinha. 2 Vols. 50-00

2149 History of Indian Philosophy by Dr. Umesha Mishra. 2 Vols. 105-00

2150 History of Indian Philosophy. Vol. II. The Creative Period, From the Late-Vedic Period to the Post Upanishadic Thought Ferment by S. K. Belvalkar and R. D. Ranade. 20-00

2151 History of Indian Political Ideas. The Ancient Period and the Period of Transition to the Middle Ages by U. N. Ghoshal. 35-00

2152 History of Indian Public Life by U. N. Ghoshal. Vol. II. Pre-Maurya and the Maurya Periods. 37-50

2153 History of Indian Social and Political Ideas : from Rammohan to Dayanand. By Bimanbehari Majumdar. 30-00

2154 History of Indonesia (Early and Medieval) by B. R. Chatterji. 21-00

2155 History of Israel by Martin Noth. 44-10

2156 History of Italian Literature by Ernest Hatch Wilkins. 48-00

2157 History of Jahangir by Francis Gladwin. Edited with Notes by K. V. Rangaswami Aiyangar. 5-00

2158 History of Jaina Monachism. From Inscriptions and Literature by S. B. Deo. 20-00

2159 History of Kanauj to the Moslem Conquest by R. S. Tripathi. With a Foreword by Dr. L. D. Barnett. 20–00

2160 History of Kerala (1498–1801) by K. M. Panikkar. 8–00

2161 History of Korea by Homer B. Hulbert. Edited by Clarence Norwood Weems. 2 Vols. 110–25

2162 History of Kosala up to the Rise of the Mauryas by Vishuddhanand Pathak. 25–00

2163 History of Ladhak by A. Cunningham. 2 Vols. 50–00

2164 History of Mankind : Cultural and Scientific Development. Vol. I Prehistory and the Beginnings of Civilization by Jacquetta Hawkes and Sir Leonard Woolley. 78–75

2165 History of Mankind : Cultural and Scientific Development by Caroline F. Ware, K. M. Panikkar and J. M. Romein. Vol. VI–Part I, Introduction ; The Development and Application of Scientific Knowledge. Vol. VI–Parts II–IV (Bound in one), The Transformation of Societies ; The Self–Image and Aspirations of the peoples of the World ; Expression. 176–40

2166 History of Medicine by H. E. Sigerist. Vol. I. 62–50

2167 History of Mithila (Circa 3000 B. C.–1556 A. D.) by Upendra Thakur. 17–50

2168 History of Modern Europe 1878–1919 by G. P. Gooch. 12–50

2169 History of Modern Philosophy : A Sketch of the History of Philosophy : From the close of the Renaissance to our own day. By Dr. H. Hoggding. 2 Vols. 20–00, 75–00

2170 History of Modern Philosophy from Nicolas of Cusa to the present time by Richard Falckenberg. Third American from the second German edition. Translated with the author's sanction by A. C. Armstrong. 20–00

2171 History of Muslim Philosophy with a short Accounts of other Disciplines and the Modern Renaissance in Muslim lands edited and introduced by M. M. Sharif. Volume I. 270–00

2172 History of Mysore and the Yadava Dynasty by G. R. Josyer. 8–00

2173 History of Navya–Nyaya in Mithila by Prof. Dineshchandra Bhattacharya. 13–50

2174 History of Nepal. Translated from Parbatiya by Munshi Shew Shanker Singh and Pandit Sri Gunanand with an introductory sketch of the Country and People of Nepal by The editor Daniel Wright. 16–00

2175 History of Nishapur. Edited by Richard N. Frye. (Harvard Oriental Series. Vol. 45) 120-00

2176 History of North-Eastern India : Extending from the Foundation of the Gupta Empire to the Rise of the Pala Dynasty of Bengal (C. A. D. 320-760) by Radhagovinda Basak. 25-00

2177 History of Orissa by Dr. Harekrushna Mahtab. (Up to 1568 A. D. and Up to 1960 A. D.) 2 Vols. 23-00

2178 History of Orissa by W. W. Hunter, Andrew Stirling, John Beames and N. K. Sahu. Edited by N. K. Sahu. 2 Vols. 20-00

2179 History of Oriya Literature by Mayadhar Man Sinha. 6-00

2180 History of Philosophy by Alfred Weber. Translated by Frank Thilly. With Philosophy Scince 1860 by Ralph Barton Perry. 24-00

2181 History of Philosophy by Frank Thilly. Revised by Ledger Wood. Indian edition. 12-50

2182 History of Philosophy by Julian Marias. Translated from the Spanish by Stanley Appelbaum and Clarence Strowbridge. 20-63

2183 History of Philosophy (Hegel's Lectures on). Translated from the German by E. S. Haldane. 3 Vols. 56-00

2184 History of Philosophy. Eastern and Western. Edited by S. Radhakrishnan. 2 Vols. 40-10, 68-25

2185 History of Philosophy. Vol. I. Greek, Roman and Medieval. Vol. II. Renaissance, Enlightenment and Modern by Wilhelm Windelband. 26-25

2186 History of Philosophy of Islam by Dr. T. J. De Boer. Translated by Edward R. Jones. 15-00

2187 History of Political Thought by Raymond G. Gettell. 31-50

2188 History of Religions by Prof. George F. Moore. 2 Vols. 44-00

2189 History of Russian Literature by D. S. Mirsky. Comprising A History of Russian Literature and contemporary Russian Literature in one Volume. Completely revised and brought up to date by Francis J. Whit field. 32-00

2190 History of Russian Philosophy by Zenkovesky. 2 Vols. 67-20

2191 History of Sanskrit College Part II--1858-95 by Gopikamohan Bhattacharyya (In Bengali Language). 2-00

2192 History (A) of Sanskrit Literature by A. B. Keith. 20-00

2193 History of Sanskrit Literature by Arthur A. Macdonell. Ordinary Edition. 5–00 Library Edition. 20–00

2194 History of Sanskrit Literature by Srimati Akshaya Kumari Devi. 10–00

2195 History of Sanskrit Literature by Dr. V. Varadachari. 5–00

2196 History of Sanskrit Literature (Notes on) by S. Roy. 2–50

2197 History of Sanskrit Literature. Classical Period. Edited by S. N. Das Gupta and S. K. De. Vol. I. 30–00

2198 History of Sanskrit Poetics by S. K. De. 35–00

2199 History of Sanskrit Poetics by P. V. Kane. 15–00

2200 History of Scientific Thought with Special Reference to Asia by Dr. H. J. J. Winter. 1–00

2201 History of Shahjahan of Delhi by Banarsi Prasad Saksena. With a Foreword by Lieut–Colonel Sir Wolseley. 13–50

2202 History of South–East Asia by D. G. E. Hall. 63–00

2203 History of South India : From Prehistoric Times to the Fall of Vijayanagar by K. A. Nilakanta Sastri. 15–00

2204 History of Sri Vaisnavas by T. A. Gopinatha Rao. 1–00

2205 History of Suicide in India : An Introduction. By Upendra Thakur. 15–00

2206 History of Tamil Language by T. P. Meenakshisundaran. Foreword by S. M. Katre. 12–00

2207 History of Tamil Literature (A) by Prof. T. P. Meenakshi-Sundaran. 11–25

2208 History of the Americas by John Francis Bannon. Vol. I The Colonial Americas Vol. II The American Nations. 75–00

2209 History of the Arabs from the Earliest times to the present by Philip K. Hitti. 36–75

2210 History of the Banaras Hindu University by S. L. Dar and S. Somaskandan. 25–00

2211 History of the British Constitution (600 A. D. to 1935 A. D.) by T. K. Shahani. 7–50

2212 History of the Candellas of Jejakabhukti by N. S. Bose. 12–00

2213 History of the Dekkan by R. G. Bhandarkar. 10–00

2214 History of the Dvaita School of Vedant and its Literature. From the Earliest Beginnings to the Age of Jayatirtha (C. 1400 A. D.). By Dr. B. N. K. Sharma. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan Vol. I. 17–50, Vol. II. 22–50

2215 History of the Far East in Modern Times by Harold M. Vinacke. 73–50

2216 History of the Freedom Movement in India by R. C. Majumdar. 3 Vols. 55-00

2217 History of the Gahadavala Dynasty by Roma Niyogi. With a Foreword by R. C. Majumdar. O. P.

2218 History of the Greek and Roman Theater by Margarete Bieber. Illustrated. 87-50

2219 History of the Gurjara-Pratiharas by Dr. Baij Nath Puri. 20-00

2220 History of the Khaljis A. D. 1290-1320 by Kishori Saran Lal. 26-00

2221 History of the Law of Primogeniture. With Special Reference to India, Ancient and Modern by Radha Binod Pal. 15-00

2222 History of the Maukharis of Kanauj During the Seventh Century A. D. by B. N. Srivastava. 1-75

2223 History of the Nayaks of Madura by R. Sathyanath Aiyar. 9-00

2224 History of the Political Philosopher by G. Catlin. 24-00

2225 History of the Political Thought by R. G. Gettell. 24-00

2226 History of the Rise of the Mahomedan Power in India till the Year A. D. 1612. Translated from the Original Persian of Mahomed Kasim Ferishta by John Briggs. To which is added, an Account of the Conquest by the Kings of Hydrabad. 4 Volumes. **Each Volume.** 40-00

2227 History of the Sikhs. From the Origin of the Nation to the Battles of the Sutlej by Joseph Davey Cunningham. Edited by H. L. O. Garrett. With additional Notes by R. R. Sethi. 15-00

2228 History of the Sikhs. Translation of the Sikkhann Di Raj Di Vikhia. Translated and edited by Henry Court. 16-00

2229 History of the Sikhs. Volume I. 1469-1839 by Khushwant Singh. With Plates. 40-00

2230 History of the World. Planned and edited by W. N. Weech. With 63 Maps and 32 Pages of Illustrations in Rich Photogravure. 27-50

2231 History of Tipu Sultan being a continuation of the Neshani Hyduri by Mir Husain Ali Khan Kirmani. Translated from Persian by Col. W. Miles. 12-75

2232 History of Western Literature by J. M. Cohen. 22-05

2233 History of Western Philosophy and its Connection with Political and Social Circumstances from the earliest times to the present day by Bertrand Russell. 21-00, 36-75

2234 History of World-Civilization by James Edger Swain. With 57 Illustrations and Maps. 12-50

2235 History of Zen Buddhism by Heinrich Dumoulin. Translated from the German by Paul Peachey. 44-10

2236 Hitopadesa. With Sanskrit Commentary, English Translation and Notes by M. R. Kale. 6-00

2237 Hitopadesh. Edited by P. Peterson. 1-62

2238 Hitopadesa and its Sources by Ludwik Sternbach. 21-00

2239 Hokusai by F. Hiller. First comprehensive publication in England on the Great Japanese Master. 116 Plates, 18 colour Plates. 49-88

2240 Holbein : Selected Drawings at Windsor by K. T. Parker. With 41 Plates. 13-13

2241 Holi Mother Shri Sharada Devi by Swami Gambhirananda. 7-00

2242 Holy Abu by Muni Shri Jayanta Vijayaji. 10-00

2243 Holy Cities of India by Kanwar Lal. Photographs edited by Baldev. 45-00

2244 Holy Mother. Being the Life of Sri Sarada Devi, Wife of Sri Ramakrishna and Helpmate in His mission by Swami Nikhilananda. 33-60

2245 Homage to Khajuraho. Text by Mulkraj Anand, Charles Fabri and Stella Kramrisch. 10-00

2246 Homage to Shastri by Kanwar Lal. With Plates. 2-50

2247 Holy Mother Birth Centenary Souvenir 1853-1953. 8-00

2248 Hora Ratna Mala. A Unique Treatise on the effects of the twelve houses by N. N. Krishna Rau. 7-50

2249 Hora Sara by Prithuyasas (Son of Varahmihira) with English Translation by V. S. Shastri. 6-00

2250 Horizon of Marriage by Radha Kamal Mukerjee. 15-00

2251 House of Shivaji (Studies and Documents on Maratha History : Royal Period) by Judunath Sarkar. 5-00

2252 How Far Guardians Plan Education by Prof. K. P. Chattopadhyay and Dr. P. K. Bose. 1-00

2253 How the British occupied Bengal. A corrected Account of the 1756-65 Events by Ramgopal. 22-00

2254 How to Control Production Costs by Phil Carroll. Foreword by Bruce Wallace. 16-15

2255 How to Judge a Horoscope. Part I. 12-00

2256 How to Read A Page : A Course in Effective Reading with an Introduction to a Hundred Great Words by I. A. Richards. 12-00

2257 How to Read Hands by Mir Bashir. Illustrated. 7–88

2258 How Our Minds Work by C. E. M. Joad. 4–00

2259 Hoysala Vamsa by William Coelho. With a Foreword by Rev. H. Heras. 7–50

2260 Hoysalas : A Medieval Indian Royal Family by J. Duncan M. Derrett. 12–00

2261 Human Knowledge. Its Scope and Limits by Bertrand Russell. 44–10

2262 Human Life and Beyond by S. C. Chakrabarti. 4–00

2263 Human Personality and its Survival of Bodily Death by Frederic W. H. Myers. 2 Vols. 90–00

2264 Human Rights and the United Nations by Raghubir Chakravarti. Foreword by G. D. H. Cole and Introductory note by Norman S. Marsh. 12–50

2265 Human Skeletel Remains from Chalcolithic and Indo-Roman Levels from Nevasa : An Anthropometic and Comparative Analysis by K. A. R. Kennedy and K. C. Malhotra. 25–00

2266 Human Society in Ethics and Politics by Bertrand Russell. 25–20

2267 Humanism : The Greek Ideal and its Survival by Moses Hadas. 12–00

2268 Humanism and Moral Theory. A Psychological and Social Inquiry by R. Osborn. 18–90

2269 Humanist Tradition in Indian Educational Thought by K. G. Saiyidain. 20–00

2270 Humayun in Persia by Sukumar Ray. 5–00

2271 Hume's Concept of Man : An Essay in Philosophical Anthropology by Ram Adhar Mall. 12–00

*2272 **Hūṇas (The) in India** by Dr. Upendra Thakur. (Chow. Sans. Studies Vol LVIII) 25–00

2273 Hundred Beautiful Trees of India. A Descriptive and Pictorial Handbook by Charless McCann. Illustrated. 19–90

2274 Hungry Archaeologist in France. A Travelling Guide to Caves, Graves and Good Living in the Dordogne and Brittany by Glyn Daniel. 31–50

2275 Hunter's Skeches by Ivan Turgenev. 5–50

2276 Hymn to Siva (Sivanandalahari) of Sankara. Text in Devanagari and Roman with an English Translation and Commentary by T. M. P. Mahadevan.

2277 Hymns from the Rigveda. Selected and Metrically T lated by A. A. Macdonell.

2278 Hymns from the Vedas. Original Text and English Translation with Introduction and Notes by Abinash Chandra Bose. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 40–00

*2279 **Hymns of the Atharva Veda**. Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. 2 Vols. (C. S. S.) **40–00**

2280 Hymns of the Atharva Veda. Translated by M. Bloomfield. (S. B. E.) 20–00

*2281 **Hymns of the Rig-Veda :** Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. 2 Vols. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXV) **40–00**

2282 Hymns of the Rig–Veda by Charlotte Manning. 4–00

*2283 **Hymns of the Sam-Veda :** Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXVIII) **20–00**

2284 Hymns of the Tamil Saivite Saints by F. Kingsbury and G. E. Phillips. 1–25, 2–00

2285 Hymns of the Yajur-Veda : Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. 20–00

2286 Hymns to the Goddess by S. J. Woodroffe. 6–00

2287 Hymns to the Mystic Fire by Sri Aurobindo. 15–00

I

2288 Ibn Battuta. Travels in Asia and Africa 1325–54. Translated and selected by H. A. R. Gibb. With an Introduction and Notes. 47–25

2289 Iconography of Southern India by G. Jouvean–Dubreuil. Translated from the French by A. C. Martin. With 78 Plates. 45–00

2290 Icons by Konrad Onasch. English Translation by Marianne von Herzfeld. Revised by Professor Talbot Rice. With Coloured Illustrations. 264–60

2291 Icons in Bronze. An Introduction to Indian Metal Images by Lieut. General D. R. Thapar. 26–50

2292 Idea of God in the Light of Recent Philosophy. The Gifford Lectures delivered in the University of Aberdeen in the Years 1912 and 1913 by A. Seth Pringle–Pattison. 20–00

2293 Idea of Personality by P. N. Shrinivasachari. 2–75

2294 Idea of Sarvodaya by S. K. Ramachandra Rao. 0–75
2295 Idea of the Holy by R. Otto. Translated by J.W. Harvey. 26–25
2296 Ideal and Progress by Sri Aurobindo. 1–00
2297 Ideal City in its Architectural Evolution by Helen Rosenan. 24–00
2298 Ideal Marriage : Its Philosophy and Technique by Th. H. Van De Velde. 8–00
2299 Ideal of the Karmayogin by Sri Aurobindo. 1–50
2300 Idealism in Education by J. Donald Butler. 18–75
2301 IdealistView of Life by S. Radhakrishnan. 9–98, 22–05
2302 Idealistic Thought of India by P. T. Raju. O. P.
2303 Ideals of Life : An Introduction to Ethics and the Humanities, with Readings by Millard Spencer Everett. 29–75
2304 Ideologies of War and Peace in Ancient India by Indra. 20–00
2305 Immediacy, Reason and Existence by R. N. Kaul. 25–00
2306 Immortal India. 12 Colour and 106 Photographic Reproductions of natural beauty Spots, Monuments of India's Past Glory, beautiful Temples, magnificent Tombs and Mosques, Scenic Grandeur and Picturesque Cities, Ancient and Modern by Alfred Nawrath. 34–00
2307 Immortal Khajuraho by Kanwar Lal with 234 Plates. 200–00
2308 Immortality and other Essays by A. G. Widgery. 4–00
2309 Immortality and Salvation in Indian Religions by Helmuth Von Glasenapp. Translated from the German by E. F. J. Payne. 10–00
2310 Immortals of the Bhagavat or Nectar of Immortality and Sri Ramkrishna's Parables by Dilip Kumar Roy. 5–00
2311 Imperial Policy of British in India (1876–80) Birth of Indian Nationalism by Dr. D. N. Choudhuri. 35–00
2312 Impex Reference Catalogue of Indian Books. The List of all Important Indian Books (in English) in Print, giving in one Alphabetical List all necessary details. 50–00
2313 In Days of Great Peace : The highest Yoga as lived by Mouni Sadhu. Foreword by M. Hafiz Syed. 26–25
2314 In Defence of Hinduism by Swami Vivekananda. 0–50
2315 In Defence of Liberalism by K. M. Panikkar. 8–00
2316 In Love With India by Birgitte Valvanne. Translated by Solvi Bateson. 18–90
2317 In Place of Fear by Aneurin Bevan. 2–00
2318 In Search of a Yogi : Himalayan Pilgrimage by Dom Denys Rutledge. 31–50

2319 In Search of Freedom by Jogesh Chandra Chatterji. 25–00

2320 In the Land of Lincoln by H. N. Sinha. 3–50

2321 Inception of Discipline and The Vinaya Nidana. Being a translation and Edition of the Bahiranidana of Buddhaghosa's Samantapasadika, The Vinaya Commentary. By N. A. Jaya Wickrama. 57–75

2322 Incredible India by P. Thomas. With 3 Plates in Colour and 139 Monochrome Illustrations. 47–00

2323 Independence in Interdependence by H. H. Sri Jayachamarajendra Wadiyar Bahadur. 0–75

2324 Index of the Rgveda–Mantras. Edited by Vishva Bandhu. 12–00

2325 Index of the Rgveda–Padapatha. Edited by Vishva Bandhu. 45–00

2326 Index to Articles Published in the Journal of the Bihar Research Society. Vols. I–XLVII (1915–1961) Edited by Shri S. V. Sohoni. Compiled by Shri Gopi Raman Chaudhary. 20–00

2327 Index to Journal of the American Oriental Society. Volumes 21 to 60. Compiled by Edward H. Schafer, Helen E. Fernald, Isidore Dyen and Harold W. Glidden. 18–75

2328 Index to the Annals (B. O. R. I.) compiled by G. N. Shrigondekar Vols. I–XXXIII. in 2 parts. 7–50

2329 Index to the Indian Text of the Kacyapaparivarta by Friedrich Weller. 15–00

2330 Index to the Mahayana-Sutralamkara (Sylvain Levi Edition) by Gadjin M. Nagao. Part I—Sanskrit Tibetan-Chinese. Part II—Tibetan-Sanskrit and Chinese-Sanskrit. 104–00

2331 Index to the Names in the Mahabharata. With short Explanations by S. Sorensen. 73–20

2332 Index to the Publications of the Asiatic Society 1788–1953. Compiled by Sibadas Choudhuri. Vol. I. Parts I-II. 32–00

2333 India : A Historical Survey by K. A. Nilakantha Sastri and G. Srinivasachari. 12–00

2334 India : A Pictorial Survey. An Album containing the Story of India in Picture. 6–50

2335 India. A Reference Annual 1966. Compiled by the Research and Reference Division Ministry of Information and Broadcasting (Govt. of India). 1966. 6–50

2336 India : Five Thousand Years of Indian Art by Hermann Goetz. 57–75

2337 India : Instalment Credit, Extent, Stability, Growth by Kersi D. Doodha. 17–50

2338 India : New Pattern by Lady Hartog. 13–13

2339 India : The many-storeyed house by Irene Vongehr Vincent. Colour Photographs by John B. Vincent. Monochrome photographs by John B. Vincent and the Author. 22–05

2340 India. The Most Dangerous Decades by Selig S. Harrison. 45–00

2341 India : What Can It Teach Us ? By Max Muller. Indian Edition by K. A. Nilakantha Sastry. 10–00

2342 India and Anglo Soviet Relations (1917–47) by Chattar Singh Sarma. 10–50

2343 India and China by Dr. S. Radhakrishnan. 3–75

2344 India and her Neighbours (A Common Man's View) by D. S. Marathe. 3–00

2345 India and Historical Grammar by M. B. Emeneau. 4–50

2346 India and Modern Art by W. G. Archer. 36–75

2347 India and the World by Jawaharlal Nehru, Arnold Toynbee and Earl C. R. Attlee (Azad Memorial Lectures). 12–50

2348 India and Japan : Friends of Fourteen Centuries by Chaman Lal. 20–00

2349 India and New Order by Sris Chandra Chatterjee with 13 Plates. 10–00

2350 India and Pakistan. A General and Regional Geography by O. H. K. Spate. With a Chapter on Ceylon by B. H. Farmer. With a halftone frontispiece, 2 folding and 158 Text maps. 56–00

2351 India and the Indian Ocean. An Essay on the influence of Sea Power on Indian History by K. M. Panikkar. 15–75

2352 India and the Middle East by Dr. Kali Das Nag. 3–00

2353 India and the Neighbouring Territories in the Kitab Nuzhat Al-Musht Aq Fi' Khtiraq Al'-Af Aq of Al-Sharif Al-Idrisi. A Translation, with Commentary of the passages relating to India, Pakistan, Ceylon, parts of Afghanistan and the Andaman, Nicobar and Maldive Island etc., by S. Maqbul Ahmad. With a Foreword by V. Minorsky. 56–25

2354 India and the world : Researches in India's Policies, Contacts and Relationships with other Countries and Peoples of the World by Buddha Prakash. 20–00, 25–00

2355 India Antiqua. A Volume of Oriental studies presented by his friends and pupils to Jean Philippe Vogge. 144-00

2356 India as a Secular State by Donald Eugene Smith. 30-00

2357 India As I See Her by S. R. Sharma. 8-50

2358 India As Known to Panini. A study of the Cultural Material in the Ashtadhyayi. By Dr. V. S. Agrawala. Revised and Enlarged Second Edition. 15-00

2359 India at the Death of Akbar (An Economic Study) by W. H. Moreland. 15-00

2360 India Beyond The Ganges by Anantaprasad Banerji Shastri. 10-00

2361 India Calling by Subhas Chandra Bose. Edited by R. I. Paul. 2-00

2362 India-China Relations by P. C. Chakravarti. 12-00

2363 India for the Indians by Dorothy Jane Ward. 7-60

2364 India in Ceylonese History Society and Culture by M. D. Raghavan. Foreword by Humayun Kabir. With Illustrations. 30-00

2365 India in Classical Greek Writing (Literature) by Dr. B. N. Puri. 35-00

2366 India in Colour. 70 Colour photographs by Suzanne Hausamann. Introduction and Text by Mulk Raj Anand. 94-50

2367 India in the Ramayana Age : A Study of the Social and Cultural Conditions in Ancient India as described in Valmiki's Ramayana by Dr. Shantikumar Nanooram Vyas. With 126 Illustrations and one Map. 35-00

2368 India in the Time of Patanjali by Dr. Baij Nath Puri. 20-00

2369 India in World Affairs 1950-53. A Review of India's Foreign Relations by K. P. Karunakaran. 15-00

2370 India in World Affairs. 1954-56 by M. S. Rajan. 66-00

2371 India of Dharma Sutras by Veda Mitra. Foreword by Shri L. O. Joshi. 25-00

2372 India of Vedic Kalpasutras by Ram Gopal. 45-00

2373 India of Yogis by Dr. Alfonso Caycedo. With Illustrations. 60-00

2374 India on the Eve of the British Conquest. An Analytical History of India 1627-1761 by S. Owen. 8-00

2375 India, Pakistan and China : Economic Growth and Outlook by K. N. Raj. Foreword by D. S Reddi. (Lal Bahadur Shastri Memorial Lectures, 1966) 3-00

2376 India, Pakistan, Ceylon edited by W. Norman Brown. With Illustrations. 42-50

2377 India Since 1526 by V. D. Mahajan. 15-00

2378 India Since 1947. Edited by A. Chakrabarti. 35-00

2379 India That is India by E. Sharpe. 3-15

2380 India Three Thousand Years Ago or the Social State of the Aryas on the Bank of the Indus in the Times of the Vedas. By John Wilson. 5-00

2381 India Through Chinese Eyes by Surendranath Sen. 4-50

2382 India Through the Ages by J. N. Sarkar. 3-00

2383 India Through the Ages by Dr. K. C. Vyas, Prof. D. R. Sardesai and Prof. S. R. Nayak. Illustrated. 6-00

2384 India under the Kushans by B. N. Puri. With 20 Illustrations. 20-00

2385 India We Want (Its Economic Transition) by Surendra J. Patel. Epilogue by Krishna Ahooja. 22-50

2386 India without Illusions by Vivek. 5-00

2387 India without Sentiment by Marion Barwell. 8-00

2388 Indian Administration (A Text Book of) by Prof. L. G. Khedekar. 5-00

*2389 **Indian Æsthetics** by Dr. K. C. Pandey. 2nd Edition. Revised and Enlarged (Chow. Sans. Studies Vol. II) **25-00**

2390 Indian Anthropology. Essays in Memory of D. N. Majumdar. With Illustrations. Edited by T. N. Manan and Gopala Sarana. 26-00

2391 Indian Archaeology by A. Ghosh. 1-00

2392 Indian Archaeology: A Review. Ed. by A. Ghose with many Plates.

For the year 1956-57 6-25 For the year 1957-58 7-50
„ 1958-59 10-00 „ 1959-60 12-00
„ 1960-61 12-00 „ 1961-62 12-00

2393 Indian Archaeology Today by H. D. Sankalia. With Plates. 12-50

2394 Indian Architecture by Percy Brown.

Vol. i Hindu and Buddhist Period. With over 500 Drawings, Photographs and Maps. 35-00

Vol. ii Islamic Period. 100 Plates. 33-00

2395 Indian Arms for Victory by G. W. Tyson. 5-25

2396 Indian Art (A History of Indian Art from the earliest times upto the Third century A. D.) by Vasudeva S. Agrawala. With many Plates. 45-00

2397 Indian Art : A short Introduction by K. Bharatha Iyer. With Illustrations. 17-25

2398 Indian Art and Heritage. Text by O. C. Gangoly. Compiled and edited by A. Goswami. 16-50

2399 Indian Art. Essays by H. G. Rawlinson etc. Edited by Sir Richard Winstedt. With Plates. 15-75

2400 Indian Art of War by Major Alfred David. 4-00

2401 Indian Awakening and Bengal by Nemai Sadhan Bose. 15-00

2402 Indian Banks. Their Portfolios, Profits, and Policy. A Case Study in the Effectiveness of Central Bank Techniques of Monetary Control. By Donald D. Hester. 5-00

2403 Indian Bronzes by C. Sivaram Murti. 20-00

2404 Indian Cameralism by Prof. K. V. Rangaswami Aiyangar. 12-00

2405 Indian Cavalcade by B. Bhattacharya. 6-75

2406 Indian Chronological Tables. 1-25

2407 Indian Chronology (8231 B. C. to 1963 A. D.) by Dr. D. S. Triveda. 5-00

2408 Indian Civilization and Its Antiquity by Mookerji. 1-25, 2-00

2409 Indian Classical Music and The Western Listener by Howard Boatwright. 0-50

2410 Indian Concept of the Beautiful by K. S. Ramaswami Shstri. With a Foreword by C. P. Ramaswami Aiyar. With Plates. 5-50

2411 Indian Conceptions of Immortality by Walter E. Clark. 6-00

2412 Indian Contribution to English Literature by K. R. S. Iyengar. 7-00

2413 Indian (Hindi) Conventional Signs for Topographical Maps of The Survey of India by Dr. Raghuvira and B. G. Tamaskar. 1-00

2414 Indian Costume by G. S. Ghurye. With 412 Plates. 90-00

2415 Indian Cultural Influence in Cambodia by Bijan Raj Chatterji. 12-00

2416 Indian Culture by Hirendranath Datta. 1-87

2417 Indian Culture by S. Abid Husain. 5-00

2418 Indian Currency System (1835-1926) by Sir J. C. Coyajee. 5-62

2419 Indian Democracy in the Asian Background. Report of the Seminar Conference 29th January to 1st February 1960 (Bombay). 7-00

2420 Indian Designs in Cross Stitch by Indira Joshi. 3-00

2421 Indian Drama. Introduction by Dr. Suniti Kumar Chatterji. 2-00

2422 Indian Economic and Development by P. T. Baner. 12–80

2423 Indian Economics. A Comprehensive and Critical Survey by Jathar & Beri. 2 Vols. 18–00

2424 Indian Epigraphical Glossary by D. C. Sircar. 50–00

2425 Indian Epigraphy by D. C. Sircar. 60–00

2426 Indian Fairy Tales. Retold by Mulk Raj Anand. Illustrated by P. S. Goray. 10–00

2427 Indian Film by Erik Barnouw and S. Krishnaswamy. With Illustrations. 25–00

2428 Indian Finance in the Days of the Company by Dr. P. N. Banerjee. 10–00

2429 Indian Handicrafts by Kamaladevi Chattopadhyaya. 20–00

2430 Indian Heritage by Humayun Kabir. 9–00

2431 Indian Heritage : An Anthology of Sanskrit Literature. Selected, translated and with a Foreword by Dr. V. Raghavan. 13–00

2432 Indian Hill Birds by Salim Ali. Illustrated by G. M. Henry. 25–00

2433 Indian History–A Review by Dr. Baij Nath Puri. 6–50

2434 Indian History. A Study in Dynamics by Y. A. Raikar. Foreword by Dr. J. M. Mehta. 5–00

2435 Indian Idealism and Modern Challenges by P. T. Raju. With a Foreword by Dr. A. C. Joshi. 10–00

2436 Indian Materia Medica by Nadkarni 2 Vols. 60–00

2437 Indian Image of Nineteenth Century Europe by Girija K. Mookerjee. 8–00

2438 Indian Influences in Amarican Literature and Thought by John T. Reid. 9–50

2439 Indian Inheritance. Vol. II.—Arts, History and Culture. 2–50

2440 Indian Jewellery, Ornaments and Decorative Designs by Jamila Brij Bhushan. With 3 Colour Plates depicting 10 Designs, 471 line Drawings and over 370 half-tone Illustrations. 40–00

2441 Indian Land Revenue Statistics. 1952–53 and 1953–54. 9–00

2442 Indian Language Problem. A Comparative Study by R. K. Yadav. Foreword by Dr. E. J. King. 15–00

2443 Indian Linguistics (Bulletin of The Linguistic Society of India) Vols I–II, 1931–32, Vols. IV–V 1934–35, Vols. VII–X 1939–49, Vols. XII–XX 1951–59, Vol. XXI. 1960. 315–00

2444 Indian Linguistics : Journal of the Linguistic Society of India. Reprint Edition of Volumes 1-15.

Vol. I (Comprising Volumes 1-4) 1931-1934. 50-00

„ II (Comprising Volumes 5-8) 1935-1944. 50-00

„ III (Comprising Volumes 9-15) 1944-1956. 50-00

2445 Indian Linguistics : Journal of the Lingusitic Society of India.

Vol. 16 (1955-56) (Chatterji Jubilee Volume) 25-00

„ 17 (1957) (Taraporewala Memorial Volume) 25-00

„ 18 (1957) (Bagchi Memorial Volume) 25-00

„ 19-20 (1958-59) (Turner Jubilee Vols. I-II) 50-00

„ 21-24 (1960-1963) 100-00

„ 25 (1964) Baburam Saksena Felicitation Volume) 25-00

„ 26 (1965) (Sukumar Sen Felicitation Volume) 25-00

Vols. 1-26 (1931-1965) 425-00

2446 Indian Literature. Volume I. No. 2 Aprll-Sept. 1958. 1-50

2447 Indian Literature : A Half-Yearly Journal of Sahitya Akademi in English. Containing Scholarly Articles on different branches of Indian Literature.

Vol.		No.		Year
Vol.	I	No.	2	1958
„	II	„	2	1959
„	III	Nos.	1-2	1960
„	IV-Tagore Number			1961
„	V	Nos.	1-2	1962
„	VI	„	1-2	1963
„	VII	„	1-2	1964
„	VIII	„	1-2	1965
„	IX	„	1-2	1966

Sold in one Lot. 31-00

2448 Indian Literature (Short Critical Surveys of 12 major Indian Languages and Literatures) edited by Dr. Nagendra. 18-00

2449 Indian Medicine by Dr. J. Jolly. Translated with Notes by C. G. Kashikar. 20-00

2450 Indian Mental Sculpture by Chintamani Kar. 7-75

2451 Indian Middle Classes: Their Growth in Modern Times by B. B. Misra. 25-00

2452 Indian Miniature of the Moghul School. Text by Lubor Hajek. Photographs by W. and B. Forman. 20-00

2453 Indian Miniature Painting by Maurice Dimond. 12-25

2454 Indian Miniatures. Text by W. G. Archer. Colour Plates in Colaboration with Madanjeet Singh. 100 Illustrations with 50 in colour. 187–50

2455 Indian Miniatures : An Album. With many Coloured Plates. 10–00

2456 Indian Mysticism : Mysticism in Maharashtra by R. D. Ranade. 35–00

2457 Indian National Congress. A Descriptive Bibliography of India's Struggle for Freedom. By Jagdish Saran Sharma. Foreword by U. N. Dhebar and Preface by Shrimannarayan. 40–00

2458 Indian National Movement : An Outline by Nemai Sadhan Bose. 5–00

2459 Indian National Songs. Edited by R. K. Prabhu. Foreword by Indira Gandhi. 10–00

2460 Indian Nationalism (Patriotism, Political Consciousness and National Integration in Ancient India) by Dr. A. B. L. Awasthi. Foreword by K. A. Subrahmania Iyer. Part I. 20–00

2461 Indian Nationalism and Hindu Social Reform by Charles H. Heimsath. 27–50

2462 Indian Nationalism Versus International Communism : Role of Ideology in International Politics by Jayantanuja Bandyopadhyaya. 25–00

3263 Indian Numismatic Chronicle. Edited by Shri S. V. Sohoni. Vol. I Parts I–II. & Vol. II Part I. 10–00

2464 Indian Painting by Percy Brown. Illustrated. 4–00

2465 Indian Painting : Fifteen Colour Plates. Introduction and Notes by W. G. Archer. 28–00

2466 Indian Painting for the British 1770–1880. An Essay by Mildred and W. G. Archer. 40–00

2467 Indian Palaeography by Ahmad Hasan Dani. Foreword by A. L. Basham. 68–25

2468 Indian Palaeography by Dr. R. B. Pandey. 20–00

2469 Indian Paleography. With Plates and Transliteration Tables by G. Buhler. 25–00

2470 Indian Pandits in the Land of Snow by Sarat Chandra Das. With an Introduction by Nirmal Chandra Sinha. 10–00

2471 Indian People through the Ages. Prepared by H. Subramoney Iyer. Drawn by Charles Moorhouse. 12–00

2472 Indian Philosophical Congress Silver Jubilee Volume. 2 Parts. 30–00

2473 Indian Philosophical Studies by M. Hiriyanna. 7–50

2474 Indian Philosophy : A Popular Introduction. By Debiprasad Chattopadhyaya. With a Foreword by Walter Ruben. 15–00

2475 Indian Philosophy by S. Radhakrishnan. 2 Vols. 80–00

2476 Indian Philosophy of Education by Humayan Kabir. 14–00

2477 Indian Place Names in North America by Nils M. Holmer. 4–50

2478 Indian Political Associations and Reform of Legislature (1818–1917) by Bimanbehari Majumdar. 25–00

2479 Indian Politics and Government. A study of the Nationalist Movement and Constitutional Development in India since 1885 by K. R. Bombwall. 8–00

2480 Indian Polity A. D. 1600 to 1948 by Atmakuri Govindacharyulu. 3 Vols. (Telugu Script) 45–00

2481 Indian Prehistory : 1964. Edited by V. N. Misra and M. S. Mate. 20–00

2482 Indian Primitive Art by Ajit Mookerjee. 30–00

2483 Indian Psychology by Jadunath Sinha. Vol. I. Cognition 15–00
Vol. II. Emotion and Will. 20–00

2484 Indian Realism by J. Sinha. 15–75

2485 Indian Revolutionaries in Conference by J. C. Chatterji. 5–00

2486 Indian Sadhus by G. S. Ghurye with the Collaboration of L. N. Chapekar. 25–00

2487 Indian Scientific Nomenclature of Birds of India, Burma and Ceylon by Dr. Raghuvir and Shri K. N. Dave. 15–00

2488 Indian Scientific Nomenclature of the Mammals of India, Burma and Ceylon by Dr. Raghuvira. 10–00

2489 Indian Scientific Technical Publications Exhibition 1960. A Bibliography compiled by The National Library, Calcutta. 25–00

2490 Indian Sculpture by C. Sivaramamurti. With 48 Plates. 25–00

2491 Indian Sculpatecre in Bronze and Stone. With an Introduction by G. Tucci. 66–67

2492 Indian Sculpture in the Philadelphia Museum of Art by Stella Kramrisch. 60–00

2493 Indian Sect of the Jainas by Johann Georg Buhler. Translated from the German. Edited with an Outline of Jaina Mythology by Jas. Burgess. 5–00

2494 Indian Shipping : A History of the Sea-Borne Trade and maritime activity of the Indians from the earliest times by R. K. Mookerji, with an introductory note by Sir Brajendranath Seal. 20-00

2495 Indian Social Problems (Social disorganization and reconstruction) by Gurumukh Ram Madan. Vol. I-Social disorganisation. Foreword by Sushil Chandra. 25-00

2496 Indian Socialism by Sampurnanand. 9-50

2497 Indian Spirit and the World's Future by K. D. Sethna. 4-50

2498 Indian Struggle 1920-42 by Subhas Chandra Bose. 25-00

2499 Indian Studies Abroad (Indian Council for Cultural Relations). 12-50

2500 Indian Studies Past and Present. A Quarterly Journal Vol. II No. I. Oct.-Dec. 1960, Vol. II No. 2. Jan.-March 1961. Edited by Debiprasad Chattopadhyaya. 8-00

2501 Indian Tales by E. Sharpe. 12-50

2502 Indian Temple Sculpture, edited by A. Goswami. With an Introduction by Jawaharlal Nehru : With the Saga of Indian Sculpture by K. M. Munshi : Photographs by L. K. Jha, Sunil Janah, K. L. Kothary, A. L. Syed and A. Tarafdar. 36-00

2503 Indian Temples and Sculpture by Louis Frederic. Introduction by Jean Nandou. With 424 Photogravure illustrations, 24 Maps, Plans and Drawings. 90-00

2504 Indian Textiles by Dr. S. K. Saraswati. 4-50

2505 Indian Theatre by Mulk Raj Anand. 11-03

2506 Indian Theories of Meaning by K. Kunjunni Raja. 20-00

2507 Indian Thought. A Critical Survey by K. Damodaran. 30-00

2508 Indian Thought & its Development by Albert Schweitzer. 22-05

2509 Indian Thought Through the Ages. A Study of Some Dominant Concepts by B. G. Gokhale. 10-00

2510 Indian University by Robert. L. Gaudino. 20-00

2511 Indian Village by Dube. 20-00

2512 Indian Voting Behaviour. Studies of the 1962 General Elections. Edited by Myron Weiner and Rajni Kothari. 15-00

*2513 **Indian Wisdom.** By Monier Williams. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXVI) **30-00**

2514 Indian Womanhood Today by Margaret E. Cousins. 3-75

2515 Indian Women through the Ages. A Historical Survey of the Position of Women and the Institutions of Marriage and Family in India from Remote Antiquity to the Present Day. By P. Thomas. 25-00

2516 Indian Year Book of International Affairs. Edited by various Scholars. For the year 1959. (Vol. VIII) 15–00
For the year 1960–61. (Vol. IX–X) 15–00
For the year 1962. (Vol. XI) 15–00

2517 Indianism and Its Expansion by F. W. Thomas. 1–50

2518 India's Ancient Literature. An Introductory Survey by Kewel Motwani. 1–00

2519 India's Army by Major Jackson. 14 Coloured and 188 black and white Illustrations. 7–00

2520 India's Changing Villages : Human Factors in community Development by S. C. Dube. 20–00

2521 India's Constitution in the Making by Sir Benegal Rau. Edited by B. Shiva Rao. Foreword by Dr. Rajendra Prasad. 25–00

2522 India's Fight for Freedom 1913–37 : An Eyewitness Story by Kanji Dwarkadas. Foreword by Attlee. 35–00

2523 India's Fight for Freedom or the Swadeshi Movement (1905–1906) by Prof. Haridas Mukherjee and Prof. Uma Mukherjee. 7–50

2524 India's Foreign Policy by Dr. M. Ganju. Foreword by Dr. B. V. Keskar. 5–75

2525 India's Foreign Trade : Organisational and Financial Aspects. By Dr. S. K. Verghese. 18–00

2526 India's National Language. A collection of the Articles of Prof. Dr. Raghuvira. 30–00

2527 India's Past. A Survey of her Literatures, Religions, Languages and Antiquities by A. A. Macdonell. 10–00

2528 India's Policy of Recognition of States and Govts. by K. P. Misra. Foreword by Quincy Wright. 16–00

2529 India's Population (Facts, Problem and Policy) by S. Chandrasekhar. 6–00

2530 India's Poverty and Its Solution by Charan Singh. 26–00

2531 India's Quest by J. L. Nehru. Being Letters on Indian History from Glimpses of World History. Maps by J. F. Hoarabin. 12–00

2532 India's Relations with Pakistan. Edited by Editorial Bord (Published in Journal). 20–00

2533 India's Struggle for Freedom. Select Documents and Sources Selected, Annotated, Classified and Edited by Jagdish Saran Sharma. Vols. I–III. **Each Vol.** 45–00

2534 India's Villages by M. N. Srinivas. 10-00

2535 Indica. The Indian Historical Research Institute Silver Jubilee Commemoration Volume. 16-00

2536 Indices to the Rgveda. (The Rsi, the Devata & the Chandas) Edited by Vishva Bandhu. 7-00

2537 Indische Handschriften. Teil 1. Herausgegeben von Walther Schubring. Beschrieben von Klaus L. Janert. Mit 1 Farbigen Tafel und 16 Lichtdrucktafeln. 216-00

2538 Individual in Society. Text Book of Social Psychology by David Krech, Richard S. Crutchfield and Egerton L. Ballachey. 27-40

2539 Individuals and Societies. A Methodological Inquiry by Debiprasad Chattopadhyaya. 16-00

2540 Indo-Aryan and Hindi. Eight Lectures originally delivered in 1940 before the Gujarat Vernacular Society, Ahmedabad by Suniti Kumar Chatterji. Revised and Enlarged. 20-00

*2541 **Indo-Aryan Literature and Culture** (Origins) by Nagendranath Ghose M. A., B. L. (Chow. Sans. Studies Vol. LI.) **20-00**

2542 Indo-Aryans by Rama Prasad Chanda. 10-00

2543 Indo Asian Culture Ed. By Dr. A. C. Sen. Vol. I Nos. 1-3, Vol. II Nos. 3-4, Vol. IV No. 4, Vol. V Nos. 1-4, Vol. VI Nos. 1-2 & 4, Vol. VII Nos. 1-3, Vol. VIII Nos. 3-4, Vol. IX Nos. 1-4, Vol. X Nos. 1-4, Vol. XI Nos. 1-2 & 4, Vol. XII Nos. 1 & 3-4. Sold in one Lot. 60-00

2544 Indo-Asian Studies. 2 Parts edited by Dr. Raghuvira. 60-00

2545 Indo-European and Semitic (A Suggestion for the Ultimate Unity of the Indo-European and Semitic languages) by Surya Kanta Sastri. 2-50

2546 Indo-Greeks by A. K. Narayan. 15-00, 26-00

2547 Indo - Iranian Journal. Editorial Board : L. Alsolorf, H. W. Bailey, D. H. H. Ingalls, S. M. Katre, L. Renou. Editors in Chief : J. W. de Jong and F. B. J. Kuiper. Vols. I-VII (Each Vol. 4 Nos.) 1957-63. 315-00

2548 Indo-Iranica : Melanges Presentes a Georg Morgenstierne a L'occasion De son Soixante Dixieme Anniversaire. 108-00

2549 Indo-Pacific Linguistic Studies. Ed. by G. B. Milner and E. J. A. Henderson. Part I—Historical Linguistics. Part II—Descriptive Linguistics. 225-00

2550 Indo-Scythian Studies : Being Khotanese Texts. Vols. IV–V Edited by H. W. Bailey. 199–50

2551 Indochina. Art in the Melting-Pot of Races by Bernard Philippe Groslier. 57–75

2552 Indological Studies by B. C. Law. Vols. I,III–IV 29–00

2553 Indological Studies in India by Dr. V. Raghavan. 2–00

2554 Indomitable Sardar. A Political Biography of Sardar Vallabhbhai Patel by Kewal L. Panjabi. 15–00

2555 Indonesia : Social and Cultural Revolution by S. Takdir Alisjahbana. 26–25

2556 Indonesia. The Art of an Island Group by Frits A. Wagner. 52–50

2557 Indonesian Society in Transition by F. W. Wertheim. 37–50

3558 Indonesian Women : Struggles and Achievements by Cora Vreede – De Stuers. 31–50

2559 Indonesisch-Deutsches Worterbuch Kamus Bahasa Indonesia-Djerman-Verfabt Von Otto Karow-Irene Hilgers-Hesse. 99–00

2560 Indrajit Kavya of Shri Raghunath–Deva. Edited by N. A. Gore. 1–00

2561 Inductive Reasoning. A Study of Tarka and Its Role in Indian Logic by Sitansusekhar Bagchi. 16–00

2562 Indus Civilization by M. Wheeler. 25–20

2563 Indus Script (Memorandum No. 2) by Sudhansu Kumar Ray. 15–00

2564 Industrial Capital in India (Estimates of Capital emplo yed in manufacturing industries in India in 1938–39) by M. V. Divatia and H. M. Trivedi. 5–00

2565 Industrial Development of Gujrat by V. D. Desai. 5–00

2566 Industrial Finance in India. A study in Investment, Banking and State–Aid to Industry with special refe- rence to India by S. K. Basu. 18–00

2567 Industrial Relations in India by Charles A. Myer. 15–75

2568 Influence of Jesus (First Series of the S. K. Datta Memorial Lectures) by Melville T. Kennedy. 1–50

2569 Information Processing 1962. Proceedings of IFIP Congress organized by the International Federation for Information Processing Munich 27 August–1 Sept. 1962. Edited by Cicely M. Popplewell. 247–50

2570 Inhibitions, Symptoms and Anxiety by Sigmund Freud. Translated by Alix Strachey. Revised and Newly Edited by James Strachey. 15–75

2571 Inquiry Into Meaning a:d Truth by Bertrand Russell. 21-00

2572 Inschriften von Darius, Konig Von Babylon (521-485 v CHR.) Von Den Thontafeln Des Britischen Museums Copirt und Autographirt Von .J. N. Strassmaier. 3 Parts. 45-00

*2573 **Inscriptions of Asoka** by Naresh Prasad Rastogi. **Shortly**

2574 Inscriptions of Asoka by Dr. D. C. Sircar. 1-00

2575 Inscriptions of Kambuja by R. C. Majumdar. 30-00

2576 Inscriptions of the Kalachuri-Chedi Era. Edited by Vasudev Vishnu Mirashi. With 3 Maps and Several Plates. 2 Parts. (Corpus Inscriptionum Indicarum Volume. IV) 175-00

2577 Insects by Peter Farb and the Editors of Life. 26-00

2578 Inspired Talks by Swami Vivekananda. 2-00

2589 Inspired Writings of Hinduism by Theodore Goldstucker. 4-00

2580 Institutes of Asoka by S. K. Sen Gupta. 7-50

2581 Institutes of Vishnu. Translated by Julius Jolly. (S. B.E.) 20-00

2582 Integral Advaitism of Sri Aurobindo by Ram Shankar Misra. 14-00

2583 Integral Yoga. The concept of Harmonious and Creative Living by Haridas Chaudhuri. With a Foreword by Pitirim A. Sorokin. 26-25

2584 Integral Yoga of Sri Aurobindo by Rishabh Chand. 9-00

2585 Integration of the Personality by Carl G. Jung. Translated by Stanley Dell. Illustrated. 33-30

2586 Intellectual Between Tradition and Modernity : The Indian Situation by Edward Shils. 15-75

2587 Intercaste and Inter-Community Marriages in India by C. T. Kannan. 16-00

2588 Intermediate Sanskrit Selections (Bombay University) Edited by Prof. G. V. Devasthali. (1957-58) 4-25
(1968-61) 4-00

2589 Intermediate Sanskrit Selections (Bombay University) Edited by J. M. Ashar. (1946-47) 4-00, (1954-56) 4-00

2590 Intermediate Sanskrit Selections (Karnatak University 1954-55). Edited by S. V. Dixit and S. B. Tophakhane. 2-50

2591 Intermediate Sanskrit Selections No. 1. Edited by J. M. Ashar. 4-00

2592 Internal Market of India (1834-1900) by Tarasankar Banerjee. 20-00

2593 International Bibliography of the History of Religions under the supervision of Prof. C. J. Bleekar. Compiled by Dr. Henriette Boas. Published in connection with numen with the suport of UNESCO and under the auspices of the International Council for Philosophy and Humanistic Studies by the International Association for the Study of the History of Religions.

For the year 1952. 27–00
For the year 1953. 31–50
For the year 1954. 45–00
For the year 1955. 63–00
For the year 1956. 94–50
For the year 1957. 31–50
For the year 1958–59. 22–50
For the year 1960–61. 31–50
For the year 1962. 20–00
For the year 1963. 36–00

2594 International Law and Inter-State Relations in Ancient India by Hiralal Chatterjee. With a Foreword by Prof. K. A. Nilakantha Shastri. 15–00

2595 International Politics by Schuman. 37–50

2596 International Psycho-Analytical Library. Ed. by Ernest Jones and John Dr. Sutherland :—

No. 4. Beyond the Pleasure Principle by Sigmund Freud. A New translation by James Strachey. 11–03

No. 6. Group Psychology and the Analysis of the Ego by Sigmund Freud. Authorized translation by James Strachey. 13–13

No. 12. The Ego and the Id by Sigmund Freud. Authorized translation by Joan Riviere. 11–03

No. 15. The Future of an Illusion by Sigmund Freud. Translated by W. D. Robson-Scott. 11–03

No. 17. Civilization and Its Discontents by Sigmund Freud. Translated by Joan Riviere. 13–13

No. 20—On the Nightmare by Ernest Jones. 36–75

No. 24. New Introductory Lectures on Psycho-Analysis by Sigmund Freud. Authorized translation by W. J. H. Sprott. 22–05

No. 26. An Autobiographical Study by Sigmund Freud. Authorized translation by James Strachey. 15–75

No. 28—Inhibitions, Symptoms and Anxiety by Sigmund Freud. Translated by Alix Strachey. Revised and newly edited by James Strachey. 15-75

No. 30—Ego and the Mechanisms of Defence by Anna Freud. Authorised Translation by Cecil Baines. 26-25

No. 33. Moses and Monotheism by Sigmund Freud. Translated by Katherine Jones. 22-05

No. 34—Contributions to Psycho-Analysis 1921-45 by Melanie Klein. With an Introduction by Ernest Jones. 52-50

No. 35. An Outline of Psycho-Analysis by Sigmund Freud. Authorized translation by James Strachey. 11-03

No. 40-41—Essays in Applied Psycho-Analysis by Ernest Jones. Vol. I. Miscellaneous Essays. Vol. II. Essays in Folklore and Religion. 73-50

No. 42. On Dreams by Sigmund Freud. An entirely new translation by James Strachey. 11-03

No. 43—Developments in Psycho-Analysis by Melanie Klein, Paula Heimann Susan Isaacs and Joan Riviere. Ed. by Joan Riviere. With a preface by Ernest Jones. 36-75

No. 45—First Contributions to Psycho-Analysis by Sandor Ferenczi. Authorised Translation by Ernest Jones. 31-50

No. 48—Final Contributions to the Problems and Methods of Psycho-Analysis by Sandor Ferenczi. Ed. by Michael Balint. Translated by Eric Mosbacher and others. 36-75

No. 49—Clinical Papers and Essays on Psycho-Analysis by Karl Abraham. With a Preface by Ernest Jones. Edited by Hilda C. Abraham. Translated by Hilda C. Abraham and D. R. Ellison. With the assistance of Hilda Maas and Anna Hackel. 31-50

No. 51—Problems of Human Pleasure and Behaviour by Michael Balint. 31-50

No. 52—Selected Contributions to Psycho-Analysis by John Rickman. Compiled by W. Clifford M. Scott. With an Introductory Memoir by Sylvia M. Payne. 31-50

No. 54—Thrills and Regressions by Michael Balint. With a Chapter on Distance in Space and Time by Enid Balint. 22–05

No. 55—Narrative of a Child Analysis. The Conduct of the Psycho-Analysis of children as seen in the Treatment of a Ten year old Boy by Melanie Klein. 78–75

No. 57—Three Essays on the Theory of Sexuality by Sigmund Freud. Translated and Newly Edited by James Strachey. 15–75

No. 59—Psycho-Analysis and Faith. The Letters of Sigmund Freud and Oskar Pfister. Ed. by Heinrich Meng and Ernst L. Freud. Translated by Eric Mosbacher. 22–05

No. 60—Family and Human Adaptation : Three Lectures by Theodore Lidz. 26–25

No. 61—Essays on Ego Psychology. Selected Problems in Psycho-Analytic Theory by Heinz Hartmann. 78–75

No. 65—Psychotic States. A Psycho-Analytical Approach by Herbert A. Rosenfield. 44–10

No. 67—Self and the Object World by Edith Jacobson. 36–75

No. 69—Normality and Pathology in Childhood. Assesments of Development by Anna Freud. 36–75

No. 70—Development of the Mind. Psychoanalytic Papers on Clinical and Theoretical Problems by Jeanne Lampl-De Groot. Foreword by Anna Freud. 47–25

2597 International Short Stories (Second Series) Second World Contest. The Best from 18 Countries and 12 Languages of India. 7–50

2598 International Who's Who. 91–87

2599 Interpretation of Music by Thurston Dart. 10–13

2600 Inter State Relations in Ancient India by T. B. Mukharjee. With a Foreword by Dr. K. K. Datta. 21–00

2601 Interviewing Japan by Adrienne Moore. 3–75

2602 Introducing India by Bagchi and Griffith. 2 Parts. Illustrated. 11–00

2603 Introduction A L'Etude De L'Art De L'Inde Par Jeannine Auboyer. 83–50

2604 Introduction into Lamaism. The Mystical Buddhismof Tibet by R. P. Anuruddha. 8–00

2605 Introduction (An) to Aesthetics by E. F. Carritt. 10-13

2606 Introduction to Agricultural Botany in India by G. V. Chalam and J. Venkateswarlu. Foreword by C. Subramaniam. With many Figures and Plates. Vol. I. 34-00

2607 Introduction to Anglosaxon Architecture and Sculpture by E. A. Fisher. 44-10

2608 Introduction to Archaeology by H. D. Sankalia. 3-00

2609 Introduction to Asia (An) by Jean Herbert. Translated by Manu Banerji. 44-10

2610 Introduction to Ayurveda (Basic Indian Medicine) by Vaidyaratna Chandrashekhar G. Thakkur. Foreword by Pandit. Shiv Sharma. 8-00, 10-00

2611 Introduction to Bharata's Natya-sastra by Adya Rangacharya. 9-50

*2612 **Introduction to Buddhist Esoterism (An)** by B. Bhattacharya. (Chow. Sans. Studies Vol. XLVI) **30-00**

2613 Introduction to Classical (Literary) Mongolian. Introduction, Grammar, Reader, Glossary by Kaare Gronbech and John. R. Krueger. 31-50

2614 Introduction to Colon Classification by C. D. Batty. 18-00

2615 Introduction to Comparative Mysticism by Jacques De Marquette. 6-50

2616 Introduction to Comparative Philology by Dr. P. D. Gune. 12-50

2617 Introduction to Deductive Logic by Hugues Leblance. 43-13

2618 Introduction to Edicts of Asoka (Priyadarsin) by K. V. Ranga Swami Aiyangar. 0-62

2619 Introduction to English Paintings by John Rothenstein. (Completely Revised New Edition). With 46 Illustrations and 4 colour Plates. 31-50

2620 Introduction to European Painting by Dr. Charles Fabri. Foreword by B. H. Zaidi. With 23 Plates. 16-00

2621 Introduction to Experimental Method : For Psychology and Social Sciences by John C. Townsend. 14-65

2622 Introduction to Hindu Symbolism by I. K. Taimni. 3-00

2623 Introduction to Indian Architecture by Charles Fabri. 10-50

2624 Introduction (An) to Indian Education by S. N. Mukerji. 4-00

2625 Introduction to Indian Philosophy by Jadunath Sinha. 8-00

2626 Introduction to Indian Textual Criticism by S. M. Katre. 6-00

2627 Introduction (An) to International Relations from 1919 to present day by Sunil Kumar Sen. 15-00

2628 Introduction to Italian Renaissance Painting by Cecil Gauld. With 260 Plates, 4 in colour. 34-13

2629 Introduction to Kashmir by M. B. Pithawala. 7-50

2630 Introduction to Kayachikitsa by C. Dwarkanath. 20-00

2631 Introduction to Linguistic Science by Edgar H. Sturtevant. 25-00

2632 Introduction to Logic (Inductive and Deductive) by K. V. Belsare. 7-50

2633 Introduction to Mathematical Philosophy by Bertrand Russell. 22-05

2634 Introduction to Medieval Europe 300-1500 by James Westfall Thompson and Edgar Nathaniel Johnson. With Maps and Illustrations. 73-50

2635 Introduction to Modern Architecture. Illustrated by J. M. Richards. 16-80

2636 Introduction to Modern Hindu Law by J. Duncan M. Derrett. 30-00

2637 Introduction to Monetary Theory by Lester V. Chandler. 6-25

2638 Introduction (An) to Musical History by J. A. Westrup. 10-13

2639 Introduction to Pali by A. K. Warder. 99-75

2640 Introduction to Pali by Anomadarshi Barua (Bhikshu). 5-00

2641 Introduction to Pali Literature by S. C. Banerji. 12-00

2642 Introduction to the Pancaratra and the Ahirbudhnya Samhita by F. Otto Schrader. 10-00

2643 Introduction to Parapsychology by Dr. B. L. Atreya. 6-00

2644 Introduction to Philosophy by Jadunath Sinha. 10-00

2645 Introduction to Philosophy. Revised edition by George Thomas White Patrick. 33-60

2646 Introdcuction to Philosophy (Western and Indian) by Dr. K. S. Varma. 4-50

2647 Introduction to Philosopby by Pradip Sengupta. 7-50

2648 Introduction to Plant Physiology by W. O. James. 14-00

2649 Introduction to Politics by Harold J. Laski. 4-81

2650 Introduction to Prakrit by A. C. Woolner. 15-00

2651 Introduction to Psychology by S. Jalota. 3-00

2652 Introduction (An) to Sankara's Theory of Knowledge by N. K. Devaraja. 12-00

2653 Introduction to Sayana's Rig-Bhashya. With Introduction, English Translation and Critical Notes by K. Ray. 7-00

2654 Introduction to Science of Politics with special reference to India by Ghose 7-00

2655 Introduction to Semantics and Formalization of Logic by Rudolf Carnap. 2 Vols. in one. 35-00

2656 Introduction to Social Anthropology by D. N. Majumdar and T. N. Madan. 12-50

2657 Introduction to Social Psychology by William McDougall. 15-75

2658 Introduction to Tantra Shastra (A key to the fuller understading of all Tantrik Literature) by S. J. Woodroffe. 5-00

2659 Introduction to Tantric Buddhism by Shashi Bhushan Das Gupta 8-00

2660 Introduction to Telugu Grammar by A. Master. 5-25

2661 Introduction to the Arts of Japan by Peter C. Swann. 47-25

2662 Introduction to the Bhagavadgita by Y. K. Ramanujacharya. 1-00

2663 Introduction to the Devanagari Script for Students of Sanskrit and Hindi by Hester M. Lambert. 12-50

2664 Introduction to the Devanagari Script for Students of Sanskrit, Hindi, Marathi, Gujrati and Bengali by H. M. Lambert. 28-00

2665 Introduction to the French Poets. Villon to present day by Geoffrey Brereton. 25-00

*2666 **Introduction to the Grammar of the Sanskrit Language (An) :** For the use of Early Students by H. H. Wilson, M. A., F. R. S. etc., Boden Professor of Sanskrit in the University of Oxford. Third Edition. (Chow. Sans. Studies Vol. XI) **20-00**

2667 Introduction to the History and Message of the New Testament by G. H. C. Angus. 1-00

2668 Introduction to the History and Message of the Old Testament by G. H. C. Angus. 1-00

2669 Introduction to the Literature of the New Testament by Prof. James Moffatt. 28-00

2670 Introduction to the Literature of the Old Testament by Prof. S. R. Driver. 28-00

2671 Introduction to the Philosophy of Education by D. J. O' Connor. 8-40

2672 Introduction to the Philosophy of Religion by John Caird. 13-00

2673 Introduction to the Philosophy of Shri Aurobindo by Dr. S. K. Maitra. 2-00

2674 Introduction to the Scandinavian Languages by M. O'C. Walshe. 34-13

2675 Introduction to the Science of Economics with Special reference to India by Sen. 5-50

2676 Introduction to the Spectrography of Speech by Ernst Pulgram. 18–00

2677 Introduction to the Study of English Literature by K. R. Srinivasa Iyengar and Prema Nand Kumar. 12–00

2678 Introduction to the Study of Indian Economics by Dr. P. N. Banerjee. 3–50

2679 Introduction to the Study of Mricchakatika by Devasthali. 3–75

2680 Introduction to the Study of Mudraraksasa by Dr. G. V. Devasthali. 3–25

2681 Introduction to the Study of Public Administration by White. 37–80

2682 Introduction to the Theory of Elliptic Functions and Higher Transcendentals by Dr. Ganesh Prasad. 4–69

2683 Introduction to the Theory of Music by Howard Boatwright. 33-60

2684 Introduction to Vyavahara Kanda of Krtya Kalpataru of Laksmidhara by K. V. Rangaswami Aiyangar. With Index 14–00

2685 Introduction to World Education by J. C. Aggarwal. 15–00

2686 Introduction to Yoga by Annie Besant. 3-00

2687 Introductory Lectures on Psycho–Analysis : A Course of Twenty–Eight Lectures delivered at the University of Vienna by Prof. Sigmund Freud. Authorized English translation by Joan Riviere. 22–05

2688 Introductory Study of Kautilya's Arthashastra (Adhikarana 1—Upto Chapter 21). Edited with an Introduction and Annotated with Trans., Notes, Tika etc. by K. R. Ray. 10–00

2689 Invitation to Linguistics. A Basic Introduction to the Science of Language by Mario Pei. 26–25

2690 Inwardness of British Annexations in India (Sir William Meyer Endowment Lectures, 1948–49) by C. S. Shrinivasachari. 11–25

2691 Irach Jehangir Sorabi Taraporewala Memorial Volume : Completed on the Occasion of the First Anniversary of his death. 25–00

2692 Iranica Antiqva. Sous La Direction De. R. Ghirshman et L. Vanden Berghe. Vols. I–V. 393–75

2693 Ireland : Its Physical, Historical, Social and Economic Geography. 26–00

2694 Iron Age in India by N. R. Banerjee. With a Foreword by Prof. Robert Heine-Geldern. With Plates and Figures including Maps. 35–00

2695 Is There a Contemporary Indian Civilisation by Mulk-Raj Anand. 9-50

2696 Is This Peace. By Dr. S. Radhakrishnan. 1-25

2697 Is Vedanta the Future Religion ? By Swami Vivekananda. 0-50

2698 Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundaka. Mandukya, Aitereya, Taittiriya and Shvetashvatara Upanishads. Text with Translation by Swami Sharvananda. 10-25

2699 Isavasyopanishad with English Translation by Swami Sharvananda. 0-75

2700 Isha Upanishad. Text and Translation by Shri Aurobindo. 3-00

2701 Islam : Essays in the Nature and Growth of a Cultural Tradition by G. E. Von Grunebaum. 26-25

2702 Islamic Occasionalism and its Critique by Averroes and Aquinas by Majid Fakhry. 22-05

2703 Islamic Pottery. From the Ninth to the Fourteenth Centuries A. D. in the Collection of Sir Eldred Hitch Cock. With an Introduction by Arthur Lane. 31-50

2704 Island Shrine of Sri Ranganatha by J. M. Somasundaram. 2-00

2705 Isopanishad. Text, Commentary and Translation by S. J. Woodroffe. 3-00

2706 Isopanishad. With Intro. Text, Eng. Trans. Sankara Bhashya and Crtitical Notes etc. by K. Roy. 3-00

2707 Italian-English, English-Italian Dictionary (Cassell) by Prof. Piero Rebora, Dr. F. M. Guercio and Arthur L. Hayward. 37-80

2708 Italian Literature in the first half of the twentieth Century by Dr. A. F. Magri MacMahon. 1-00

2709 Italy by Martin Hurlimann. 231 Photogravure Plates, 7 Colour Plates. 40-00

2710 Iti-Vuttaka. Pali text (Romanized) Edited by Earnest Windisch. 11-03

J

2711 J. N. Banerjea Volume. A Collection of articles by his Friends and Pupils presented on his retirement. 20-00

2712 Jadunath Sarkar Commemoration Volume. Edited by Hari Ram Gupta. 2 Vols. 50-00

2713 Jaiminisutras. English Translation by B. S. Rao. Adhayas. I-II. 6-00

2714 Jaiminisutras with English Translation by S. K. Kar. Adhyayas. III & IV. 6-00

2715 Jaiminiya-Brahmana of the Ṣamaveda. Critically edited for the first time by Dr. Raghuvira. 30-00

2716 Jaiminiya Brahmana of the Samaveda 11. 1-80 (Gavamayana). Critically edited for the first time by Dr. Lokesh Chandra. 20-00

2717 Jain Miniature Paintings from Western India by Dr. Moti Chandra. 262 Pictures. 250-00

2718 Jain Monastic Jurisprudence by Shantaram Bhalchandra Das. 3-00

2719 Jain Vestiges in Andhra by Sri S. Gopala Krishna Murthy. 14-00

2720 Jaina Bibliography by Chhote Lal Jaina. With Foreword by Dr. Kalidas Nag. 21-00

2721 Jaina Community. A Social Survey by Dr. Vilas Adinath Sangave. 25-00

2722 Jaina Sources of the History of Ancient India (100 B.C.- A. D. 900) by Jyoti Prasad Jain. 20-00

2723 Jaina Sutras. Translated by Hermann Jacobi. 2 Parts. (S. B. E.) 40-00

2724 Jainism by Annie Besant. 0-50

2725 Jainism (The oldest Living Religion) by J. P. Jain. 1-50

2726 Jainism in Bihar by P. C. Roy Choudhury. 5-00

2727 Jainism in Indian History by Dr. Bool Chandra. 0-37

2728 Jainism in Rajasthan by Kailash Chandra Jain. 11-00

2729 Jainism in South India and some Jaina Epigraphs by P. B. Desai. 16-00

2730 James Joyce a Study in Technique by Sisir Chatterjee. 3-00

2731 Janethan Duncon and Varanasi by V. A. Narain. 12-50

2732 Janu's Death and Other Kulapati's Letters (First Series) by K. M. Munshi. 2-00

2733 Japa and Gayatri by M. P. Pandit and Aurobindo. 2-00

2734 Japan and Indian Asia. Their cultural relations in the Past and Present by Prof. Hajime Nakamura. 10-00

2735 Japan in World History by Sir George Sansom. 7-88

2736 Japanese Buddhism by Sir Charles Eliot. With a Memoir of the Author by Sir Harold Parlett. 32-00

2737 Japanese Masters of the Colour Print by F. Hillier. 44-10

2738 Japanese Sculpture of the Tempyo Period. Masterpieces of the Eighth Century by Langdon Warner. Edited and Arranged by James Marshall Plumer. 131-25

2739 Japasutram. The Science of Creative Sound by Swami Pratyagatmananda. With an Introduction by Prof. Charu Chandra Chatterji and an Appendix by P. B. Mukherji. 4-00

2740 Jataka Tales. Selected and Edited with Introduction and Notes by H. T. Francis and E. J. Thomas. 3–00

2741 Jataka Tatva with an English Translation by the Late V. Subrahmanya Sastry. 10–00

2742 Jataka : Together with Its Commentary. Being Tales of the Anterior Births of Gotama Buddha. For the first time edited in the Original Pali by V. Fausboll. 7 Vols. With Index. 290–85

2743 Jatak or Stories of the Buddha's Former Births. Translated under the editorship of E. B. Cowell, 4 Vols, Cloth bound in 2. 88–20

2744 Jatak Parijata. English Translation by V. S. Sastry. 2 Vols. 18–00

2745 Jataka Ashtaka Varga and Ashta Varga Phala of Vararuchi. Translated into English by N. N. Krishna Rau. 15–00

2746 Jatakalankara of Sri Ganesha. With an English Translation by V. Subrahmanya Sastri. 2–50

2747 Jatakalankar with English translation. 2–50

2748 Jataka–Mala (Stories of Buddha's former incarnations by Arya–Cura. Edited by Dr. Hendrik Kern. 48–00

2749 Jatakamala of Aryasura. Edited by Dr. P.L. Vaidya. 10–00, 12–50

2750 Jatakamala of Aryasura : A Selection. With English and Hindi Translation by R.C. Dwivedi and Prof. M. R. Bhat. 8–00

2751 Jatakastava or 'Praise of the Buddha's Former Births' Indo-Scythian (Khotanese) text, English translation, Grammatical notes, and Glossaries by Mork J. Dresden. 22–50

2752 Jataka Tales. Birth Stories of the Buddha. Retold by Ethel Beswick. With a Foreword by Dr. E. Conze. 8–93

2753 Java As Noticed by Arab Geographers by Dr. S. Muhammad Hussain Nainar. 1–12

2754 Jawahar Lal Nehru. A Biography by Frank Moraes. 15–50

2755 Jawahar Lal Nehru. A Descriptive Bibliography by J. S. Sharma. 25–00

2756 Jawaharlal Nehru : A Memorial Album. Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 25–00

2757 Jawaharlal Nehru : An Autobiography. With Musings on Recent Events in India. 7–50

2758 Jawaharlal Nehru : A Pictorial Biography by Michael Edwardes. 15–00

2759 Jawaharlal Nehru's Speeches. Volume One.
Sept. 1946–May, 1949. 12–50
Aug. 1949–Feb. 1953. 5–50
Mar. 1953–Aug. 1957. 6–50

2760 Jesuit Letters and Indian History. A Study of the Nature and Development of the Jesuit Letters from India (1542–1773) and of their value for Indian Historiography by John Correia-Afonso. O. P.

2761 Jewel of Hindi Literature by Prof. S. N. Sharma. 4–50

2762 Jha Commemoration Volume. (Dr. Ganganath Jha) 30–00

2763 Jinakalamali. Transcribed from a Siamese Text and edited by Aggamahapandita A. P. Buddhadatta. 28–88

2764 Jinaratnakosa : An Alphabetical Register of Jaina works and Authors. Vol. I. Works. Edited by Velankar. 12–50

2765 Jinnah and Gandhi : Their Role in India's Quest for Freedom by S. K. Majumdar. 20–00

2766 Jnana Yoga by Swami Vivekananda. 3–25

2767 Jnanamuktavali : Commemoration Volume in Honour of Johannes Nobel on the occasion of his 70th Birthday offered by Pupils and Colleagues. Edited by Claus Vogel. 30–00

2768 Jnaneshvar Charitam. With English translation by Pt. Kshama Row. 4–50

2769 Jottings on Sanskrit Metrics by Sivaprasad Bhattacharya. 5–00

2770 Journal of Economic and Social History of the Orient. Vol. I in 3 Parts Aug. 1957, April Oct. 1958. 63–00

2771 Journal of Oriental Research. Founded by M. M. Prof. S. Kuppuswami.

Vol. I Parts II–IV 1927.
Vol. II " I–IV 1928.
Vol. III Part IV 1929.
Vol. VI–VII (Each Volume 4 Parts) 1932–33.
Vol. VIII. Parts II–V 1934
" IX. " I–IV 1532
" XV–XVII. Each Vol. 4 Parts 1945–48
" XVIII. Parts I, III–IV 1948–49
" XIX. " II–IV 1949–50
" XX–XXIV. Each Vol. 4 Parts 1950–55
" XXVIII–XXXII. Each Vol. 4 Parts 1958–63

Sold in one Lot. 285–00

2772 Journal of The American Oriental Society. Edited by Edward H. Schafer , etc.

Vol. I No. I — Vol. II Complete
Vol. III Nos. I–II — Vol. IV Nos. I–II
Vol. V Nos. I–II — Vol. VI No. II
Vol. VII Complete — Vol. VIII Complete
Vol. IX No. II — Vol. X No. II
Vol. XI Nos. I–II — Vol. XII Complete
Vol. XIII Complete — Vol. XV Complete
Vol. XVI Nos. I–II — Vol. XVII Complete
Vol. XVIII No. I — Vol. XIX No. II
Vol. XX No. II — Vol. XXI No. I
Vol. XXII No. I–II — Vol. XXIII Nos. I–II
Vol. XXIV Nos. I–II — Vol. XXV Nos. I–II
vol. XXVI Nos. I–II — Vol. XXVII Nos. I–II
Vol. XXVIII No. I — Vol. XXIX Complete
Vol. XXXIII Nos. I–IV — Vol. XXXIV Nos. I–IV
Vol. XXXV Nos. I–III — Vol. XXXVI Nos. I–IV
Vol. XXXVII Nos. I, III and IV
Vol. XXXVIII Nos. I–II, IV and V
Vol. XXXIX Nos. I–IV — Vol. XL Nos. II–V
Vol. XLI Nos. III–IV — Vol. XLIII No. IV
Vol. XLIV No. III — Vol. XLV Nos. I, III and IV
Vol. XLVII No. IV — Vol. L Nos. II and IV
Vol. LIII Nos. II–IV — Vol. LIV Nos. II–IV
Vol. LV Nos. I–IV — Vol. LVI Nos. I–IV
Vol. LVII Nos. III–IV — Vol. LVIII Nos. I–IV
Vol. LIX Nos. II–IV — Vol. LX Nos. II–III
Vol. LXI No. IV — Vol. LXII Nos. I–IV
Vol. LXIII Nos. I–IV — Vol. LXIV Nos. I–III
Vol. LXV Nos. I–IV — Vol. LXVI Nos. I–III
Vol. LXVII Nos. I–III — Vol. LXVIII Nos. III–IV
Vol. LXIX No. IV — Vol. LXXII Nos. I–II and IV
Vol. LXXIII Nos. I, III and IV
Vol. LXXIV Nos. I–IV
Vol. LXXV Nos. I–IV — Vol. LXXVI Nos. I–IV
Vol. LXXVII Nos. I–IV — Vol. LXXVIII Nos. I–IV
Vol. LXXIX Nos. I–IV — Vol. LXXX Nos. I–IV

And Supplements to The Journal Nos. 1–3, 5–6 and 8–17. Sold in one Lot. 1500–00

2773 Journal of the Andhra Historical Research Society.

Vol.	IV	Parts	III–IV
„	VI	„	I-IV
„	VII	„	II–IV
„	VIII	„	I–IV
„	IX	„	I–II
„	XXII	Part	IV

Vols. XV–XXX. Each Vol. 4 Parts.
Sold in one Lot. ...

2774 Journal of the Annamalai University. Vol. II, No. 2, 1933; Vol. VI, No. 2. 1937; Vol. VIII. No. 1, 1938; Vol. IX, Nos. 1–2, 1939–40; Vol. X, Nos. 1–3, 1940–41; Vol. XI, No. 1, 1941; Vol. XII, Nos. 2–3, 1943; Vol. XIII, 1944; Vol. XIV, 1949; Vol. XV, 1950; Vol. XVI, 1951; Vol. XVIII, 1953; Vol. XIX, 1954; Vol. XX, Part B-Sciences 1956; Vol. XXI, Part A–Humanities 1957; Vol. XXII Parts A & B (Humanities and Sciences) 1960; Vol. XXIII Part A–Humanities 1961; Vol. XXIII Part B–Sciences 1961 and Vol. XXIV Part A–B (Humanities and Sciences) 1962. Sold in one Lot. 225–00

2775 Journal of the Bihar and Orissa Research Society :—

Vol.	I	Parts	1–2	Year	1915
„	II	„	1–4	„	1916
„	III	„	2–4	„	1917
„	IV	„	1–4	„	1918
„	V	„	3–4	„	1919
„	VIII	„	1–2	„	1922
„	XII	Part	4	„	1926
„	XIII	Parts	2	„	19[illegible]
Vol.	XVI	Parts	2–4	Year	1930
„	XVIII	„	1, 3–4	„	1932
„	XIX	Part	3	„	1933
„	XX	Parts	1–2	„	1934
„	XXI	„	1 and 3	„	1935
„	XXII	„	2–4	„	1936
„	XXIII	„	1–3	„	1937
„	XXVI	Part	4	„	1940

Vols. XXVII–IL Each Vol. 4 Parts. Year 1941–1963

Special Buddha Jayanti Issue. 2 Vols. Index to Articles Published in the Journal of the Bihar Research Society. Vol. I–XLVII (1915–1961). Sold in one Lot. 1000–00

2776 Journal of the Ganganath Jha Research Institute Vol. I, Vol. II Parts 2-3, Vols. V-XXI 1943-1962 (Each Volume 4 Parts). 647-50

2777 Journal of the Music Academy : (A Quarterly) Devoted to the Advancement of the Science and Art of Music, Madras. Edited by T. V. Subba Rao and V. Raghavan. Vols. XXV-XXXVII (Each Vol. in 1-4 Parts). 1954-1966. Sold in one Lot. 104-00

2778 Journal of The United Provinces Historical Society.

Vol. III Part III — Vol. VII Parts I-II
Vol. VI Part I — Vol. IX Part I
Vol. VIII Part I — Vol. XI Parts I-II
Vol. X Part II — Vol. XIII Parts I-II
Vol. XII Parts I-II — Vol. XVIII Parts I-II in one
Vol. XIX Parts I-II in one — Vol. XXII Parts I-II in one
Vol. XX Parts I-II in one — Vol. XXIII Parts I-II in one
Vol. XXIV-XXV in one

New Series, Vol. I Parts I-II in one

Vol. II Parts I-II — Vol. V Part II
Vol. III Parts I-II — Vol. VII Parts I-II in one
Vol. VIII Parts I-II in one — Vol. IX Parts I-II
Vol. X Parts I-II in one — Sold in one Lot. 189-00

2779 Journalism in Modern India. Edited by Roland E. Wolseley. With chapters by Fourteen Co-Authors. Introduction by A. D. Mani. 18-00

2780 Journey Round the World by K. P. S. Menon. 15-00

2781 Judgements on History and Historians by Jacob Burckhardt. Translated by Harry Zohn. With an Introduction by H. R. Trevor--Roper. 18-90

2782 Judicial System of the Marathas by Vithal Trimbak Gune. 20-00

2783 Junior Selections in Sanskrit Prose and Verse (for Junior Classes in High Schools) Ed. by V. R. Nerurkar and N. R. Ranade. 0-62

2784 Juridical Studies in Ancient Indian Law by L. Sternbach. Part. I. 50-00

2785 Juristic Personality of the Hindu Deities by Dr. S. C. Bagchi. 1-25

2786 Justice. A Tragedy in Four Acts by John Galsworthy. 4-20

2787 Justice and Police in Bengal 1765-93. A Study of the Nizamat in Decline by N. Majumdar. 15-00

2788 Juvenile Delinquency and Destitution in Poona by G. N. Ruttonsha. 8-00

K

2789 K. B. Pathak Commemoration Volume. Edited by Dr. S. K. Belvelkar. 10-00
2790 K. N. Dikshit (Rao Bahadur) Memorial Volume. 25-00
2791 K. T. Paul : Christian Leader by H. A. Popley. 1-50
2792 Kabir and the Kabir Panth by G. H. Westcott. 6-00
2793 Kabir Granthavali (Doha) Avec Introduction, Traduction Et Notes Par Charlotte Vaudeville. 8-00
2794 Kadambari (Pages 124-175 Mahashwetavrittanta). Critically edited with Introduction, Translation, Notes and Appendices by Karnik and Gangal. 3-00
2795 Kadambari Kathamukh. With Introduction, Tika and Eng. Taranslation by K. Roy. 6-00
2796 Kadambari Kathamukha (Vol. III A : English notes) by Prof. P. V. Kane and edited by Dr. P. L. Vaidya. 7-25
2797 Kadambari (Peterson's edition, pages 124 to 175) with English translation and Notes by R. D. Karmarkar. 1-75
2798 Kadambari upto the birth of Chandrapeeda with English translation. Part II only. 3-00
2799 Kadambari (Kadambari-Vṛttanta) with English translation. 3-00
2800 Kadambari (Kadambari Pranaya Vrittanta) English translation. 1-80
2801 Kadambari Mahasvetavrittanta with English Translation. 5-50
2802 Kadambari of Banabhatta. Translated by C. M. Ridding. 2-00
2803 Kadambari Sangraha. Purvabhaga (PP. 1-65) Eng. Trans. with Introduction and Notes by V. Gopal Iyengar. 2-50
2804 Kadambari. Sukanashopadesha. With Introduction, Tika, Notes & Eng. Trans. by K. Ray. 3-50
2805 Kadambari. (Pages 125-175 Peterson's Edition) Edited with an Exhaustive Introduction, Lucid English Translation, Critical and Explanatory Notes by J. M. Asher. 2-50
2806 Kadar of Cochin by U. R. Ehrenfels. With plates. 11-25
2807 Kalhana : Poet-Historian of Kashmir by Somnath Dhar. 1-50
2808 Kalidas by K. S. Ramswamy. Parts 1 & 2. 5-50

2809 Kalidasa by R. D. Karmarkar. Foreword by D. C. Pavate. 4-00
2810 Kalidas by Sri Aurobindo. First and Second Series. 4-00
2811 Kalidasa : His Art and Thought by T. G. Mainkar. 10-00
2812 Kalidasa : His Style and His Times by S. A. Sabnis. 25-00
2813 Kalidas. A Study by Prof. G. C. Jhala. 4-25
2814 Kaildas : National Poet of India by Dr. S. S. Bhave. 5-00
2815 Kalidas : The Human Meaning of His Works by Walter Ruben. 6-00
2816 Kalidas-Lexicon by A. Scharpe.
Vol. I-Basic Text of the Works.
Part. I-Abhijnanasakuntala. 30-00
Part. II—Malvikagnimitra and Vikramorvasi. 35-00
Part. III—Kumara Sambhava, Meghaduta, Ritusamhara and Incerta. 35-00
Part IV. Raghuvamsa. 75-00
2817 Kalidasa : A Cultural Study by C. K. Raja. 4-00
2818 Kalidasa in His Own Words by Pitambar Panda. 5-00
2819 Kalidasa's Vision of Kumarasambhava. A study of the Kumara Problem, a key to the Correct Comprehension of Kalidasa's Poem and Philosophy by Suryakanta. 20-00
2820 Kalighat Drawings. From the B. K. Birla Collection. (Formerly Ajit Ghosh Collection) Introduction and Notes by W. G. Archer. 12-00
2821 Kalispel Language. An outline of the grammar with Texts, Translations and Dictionary by Hans Vogt. 22-50
2822 Kalpalata of Pandit Rampratap Shastri with Rasik Bodhini and Prose with English Translation by Dr. Rasikvihari Joshi. 10-00
2823 Kalugumalai and Early Pandyan Rock-Cut Shrines by C. Sivarama Murti. With 34 Plates (Heritage of Indian Art Series. 3) 12-50
2824 Kama Kala. Some Notes on the philosophical basis of Hindu Erotic Sculpture by Mulk Raj Anand. 117-60
2825 Kamakalavilas (Text, Commentary & Translation) by S. J. Woodroffe. 10-00
2826 Kama Kalpa or The Hindu Ritual Love. Based on Ancient Sanskrit Classics, Kamasutra, Anangaranga, Ratirahasya and Modern works by P. Thomas. 34-00
2827 Kama Shilpa. A Study of Indian Sculptures depicting Love in Action by Francies Lesson. 25-00

2828 Kama Sutra of Maharshi Vatsyayana. (A famuos ancient Indian classic). Translation from Sanskrit Text by Acharya Vipin Shastri. 5–00

2829 Kamasutra of Vatsyayana. Classic Hindu Treatise on Love and Social Conduct. Translated by Sir Richard F. Burton and F. F. Arbuthnot. Introductiou by G. D. Khosla. 3–00

2830 Kama Sutra of Vatsyayana. Complete Translation from the original Sanskrit by S. C. Upadhyaya. Foreword by Motichandra. With 16 Line Drawings and 96 Halftone Illustrations. 40–00

2831 Kama Sutra of Vatsyayana. The Best and Brightest Rendering of the Classic Hindu Treatise on Love and Sex based on the Versions of Sanskrit Scholars, English Translators, American Sanskritists and German Indologists by Dr. J. L. Parnoo. 5–00

2832 Kama-Sutra of Vatsayana : The Hindu Art of Love. Translated and edited by Dr. B. N. Basu. Revised by S. L. Ghosh. With a Foreword by Dr. P. C. Bagchi. 4–50

2833 Kamasutra of Vatsyayana. Translated by Sir Richard Burton and F. F. Arbuthnot. Edited with a Preface by W. G. Archer. Introduction by K. M. Panikkar. 44–10

2834 Kamba Ramayana. A Study by V. V. S. Aiyar. 2–50

2835 Kameshwar Singh (Dr.) Memorial Volume. Chief Editor—S. V. Sohoni. (The Journal of the Bihar Research Society) 2 Parts. 40–00

2836 Kamma by Bhikkhu Silacara. 0-62

2837 Kamsavaho of Rama Panivada. Critically edited with Text and Chaya Introduction, Translation and Notes by Dr. A. N. Upadhye. 4–50

2838 Kanarese Literature by E. P. Rice. 1–25, 2–00

2839 Kangra Paintings of The Bhagavata Purana by M. S. Randhawa. 30–00

2840 Kangra Paintings on Love by M. S. Randhawa. Colour Plates 26. Text. Illustrations 89. 50–00

2841 Kangra Painting with an Introduction and Notes by W. G. Archer. 15–75

2842 Kangra Valley Painting. Introduction by M. S. Randhawa. 18–00

2843 Kanhoji Angrey Maratha Admiral. An account of his life and his battles with the English by Manohar Malgonkar. 12–00

2844 Kankhavitarani nama Matikatthakatha. Buddhaghosa's Commentary on the Patimokkha. Edited by Dorothy Maskell. 39-90

2845 Kannada Inscriptions From the Madras Presidency. Edited by R. Shama Sastry with the assistance of N. Lakshminarayan Rao. (South-Indian Inscriptions (Texts) Volume IX Part II. 15-25

2846 Kannada Inscriptions of Andhra Pradesh by Dr. P. Sreenivasachar and P. B. Desai. 10-00

2847 Karachi Through A Hundred Years. The centenary history of the Karachi Chamber of Commerce and Industry 1860-1960 by Herbert Feldman. 18-75

2848 Karakanda-Cariu of Muni-Kanakamara : An Apabhramsa Work. Critically edited with Hindi and English Introductions and Translations, Appendices, Notes, Glossary etc. by Dr. Hiralal Jain. 10-00

2849 Kareikkalammeiyar Par Karavelane. Introduction Par Jean Filliozat. 8-00

2850 Karian Excavations 1955 by Sita Ram Roy (Historical Research Series Vol. V). 4-00

2851 Karkhandari Dialect of Delhi Urdu by Gopi Chand Narang. 7-50

2852 Karma and Rebirth by Christmas Humphreys. 7-88

2853 Karma Yoga by Swami Vivekananda. 1-25

2854 Karnabhara. Ed. with Introduction, Eng. Trans. etc. by S. Rangachar. 1-25

2855 Karnabhara. With Introduction, Notes and Translation by C. R. Devadhar. 2-50

2856 Karnatak Darshan : Volume Presented to Shri R. R. Diwakar on his Sixtieth Birthday (Illustrated) 28-00

2857 Karnatak Inscriptions with Introductory notes in English. Edited by R. S. Panchamukhi. 4 vols. 20-00

2858 Karpuradistotra (Hymn to Kali) Text, two Commentaries and Translation by S. J. Woodroffe. 6-00

2859 Karpuradistotra. Text and Commentary by Vimalananda Svami. With English translation by Arthur Avalon. 4-00

2860 Karpura Manjari of Raja Cekhara. Critically edited in the Original Prakrit by Sten Konow and Translated into English with Notes by Charles Rockwell Lanman. 7-50

2861 Kashmir. 6-50, 10-00

2862 Kashmir : A Study in India-Pakistan Relations by Sisir Gupta. Foreword by S. L. Poplai. 48-00

2863 Kashmir : Its Cultural Heritage by Kaumudi. O. P.

2864 Kashmir Shaivaism. Introduction by F. M. Hassnain. (Govt. of Jammu and Kashmir) 5-00

2865 Kashmir Story by B. L. Sharma. Foreword by Frank Moraes. 18-00

2866 Kashmir Through the Ages (5000 B. C. to 1965 A. D.) by Gwasha Lal Kaul. Foreword by Jia Lal Kilam. With Illustrations. 22-50

2867 Kashmir : V. K. Krishna Menon's Speeches in The Security Council January-February 1957. 2-50

2868 Kashmirian Atharvaveda. Edited with critical notes by Leroy Carr Barret. Books Sixteen & Seventeen. 26-25
Books Nineteen & Twenty. 18-75

2869 Kathakali; The Sacred Dance-Drama of Malabar by K. B. Iyer. 63-00

2870 Katha Upanishad : Sankhya Point of View by Anima Sen Gupta. Foreword by Dr. Sampurnanand. 7-50

2871 Kathopanisad in Pictures by P. S. Mehra. 15-00

2872 Kathopanishad. With Introduction, Text, Translation, Shankarabhashya and Notes etc. By K. Ray. 4-00

2873 Kathopanishad. Text with English translation by Swami Sharvananda. 1-50

2874 Kathopanishad with English translation and Notes by Sri Ganga Prasad. 1-50

2875 Katyayana and Patanjali their Relation to each other and to Panini by F. Kielhorn. 5-00

2876 Kaumudimahotsava. Text with English translation by Sakuntala Rao Sastri. 5-00

2877 Kausitaki and Maitri Upanishad. Translated into English with Text by Srishchandra. 7-50

2878 Kautalya Studies by Sten Konow. 11-25

2879 Kautiliya Arthasastra. By R. P. Kangle.
Vol. I Text 20-00
Vol. II Translation with Notes. 20-00
Vol. III Study 16-00

2880 Kautilya's Artha Sastra (A Short Study in) by Prof. Radhakrishna Choudhary. 2-00

2881 Kautilya's Artha Sastra. Translated by Dr. R. Shama-Sastry. 20-00

2882 Kautilya' Arthasastra. Adhikarana I. Edited by S. Ray. 10-00

*2883 **Kautilya's Political Ideas and Institutions.** by Prof. Radha Krishna Chowdhari. Shortly

2884 Kaviraj Abbinandan Grantha (M. M. Pt. Gopinath Kaviraj) Edited by An Editorial Board. 100-00

2885 Kavitavali of Tulsi Das. Translated with a Critical Introduction by Raymond Allchin. 33-60

2886 Kavyadarsa of Dandin (Text edited with the two Commentaries Introduction, Bengali and English Translations and Notes) Chapter I. By Dr. Satyaranyan Banerjee. 6-50

2887 Kavyadarsa with the Commentary of Jeevananda Vidyasagar Bhattacharya and an Introduction and English translation by V. N. Iyer. 5-50

2888 Kavyadarsha with English notes and Translation of the first Paricchheda (whole) and of the second Pāricchheda up to the end of Rupakachakra by C. S. Rama Sastri. 4-00

2889 Kavyadarsha with Sanskrit Commentary of Premachandra Tarka Vagisha and English translation by K. Ray. 8-50

2890 Kavyalamkar of Bhamaha with the Commentary by Udbhata. With an Appendix by Margherita Taticchi including some fragments of Kalidas's Raghuvamsa by Raniero Gnoli. 50-10

2891 Kavyaprakasa. Edited with a detailed introduction, literal English translation, exhaustive critical and exegetical notes by S. V. Dixit. Ullasas I-III and X. 8-00

2892 Kavyapraksa. Edited with an Introduction, translation into English Notes (Explanatory, Critical, Comparative and Historical) and Appendices by A. B. Gajendragadkar and revised by Dr. S. N. Gajendragadkar. Ullasa I-III and X. 12-50

2893 Kavyaprakasha of Mammata. Text with English Translation, Notes, and Appendices by M. M. Dr. Ganganath Jha. 40-00

2894 Kavyaprakasha Made Easy. Part I. Contains full text of Ullasas I, II, III : Questions, with full answers on them. By J. M. Ashar. 1-50

2895 Kavyaprakasa of Mammata (The Poetic Light). Text with Translation and Sampradayaprakasini of Srividya Cakravartin. Ed. by R. C. Dwivedi. Vol. I (Ullasas I-VI). 12-00

2896 Kavyaprakasha with English translation by Dr. H. D. Sharma. Ullasas I & II. 5-00, Ullasa III. 1-50, and Ullasa X. 7-50

2897 Ken Upanishad with English translation by Aurobindo. 2-50

2898 Kena Upanisad rendered into English with Introduction and Notes based on Sri Sankara's Commentary by T. M. P. Mahadevan. 0-50

2899 Kenopanishad with English translation by Swami Sharvananda. 0-75

2900 Kenopanishad with Intrdouction, Text, English Translation, Sankarabhashya and critical Notes etc. by K. Ray. 3-50

2901 Kenopanishad. Translated by Pt. Ganga Prasad. 0-37

2902 Kerala District Gazetteers by A. Sreedhara Menon.
1. Trivandrum. 18-75, 2. Kozhikode. 18-75
3. Trichur. 13-50

2903 Kevaladvaita in Gujrati Poetry by Dr. Y. T. Tripathi 12-00

2904 Key Monuments of the History of Art. A Visual Survey. Edited by H. W. Janson with Dora Jane Janson. 93-75

2905 Key to Classical Japanese. A List of inflected and uninflected suffixes and particles of the 7th and 8th century by Dr. J. L. Pierson. 45-00

2906 Khajuraho by J. Vijayatunga. 2-75

2907 Khajuraho. A Study in the Cultural Conditions of Chandella Society by Vidya Prakash. With 110 Photographs and 350 Line Drawings. 65-00

2908 Khajuraho. Text and Photographs by Eliky Zannas. With a Historical Introduction by Jeannine Auboyer. 240-00

2909 Khajuraho Sculptures and their Significance by Urmila Agarwal. 25-00

2910 Khan Khanan and Sanskrit Learning by Dr. J. B. Chaudhuri. 10-00

2911 Kharia : Phonology, Grammar and Vocabulary by Hemmige Sriniwasarangachar Biligiri. Foreword by S. M. Katre. 20-00

2912 Khmer Sculpture and the Angkor Civilization by Madeleine Gitean. Translated from the French by Diana Imber. Photographs by Hans Hinz. With 24 Colour Plates and 251 Black and White Plates. 154-35

2913 Khuddaka-Patha together with its Commentary Paramatthajotika 1. Edited by Helmer Smith from a collation by Mabel Hunt. 26-25

2914 Kingdom of Ahmadnagar by Dr. Radhey Shyam. With a Foreword by Dr. Bisheshwar Prasad. 20-00

2915 Kingdom of the Gods by Geoffrey Hodson. Illustrated by Ethelwynne M. Quail. 35-00

2916 Kingdom of the Lost by J. A. Howard Ogdon. 8-40

2917 King's English by H. W. Fowler and F. G. Fowler. 12-00

2918 Kingship and Community in Early India by Charles Drekmeier. 25-00

2919 Kinship Organization in India by Irawati Karve. 15-00, 30-00

2920 Kiratarjuniya with English Notes and Translation by C. Sankara Ram Sastri. Canto I. 1-50, Cantos II-III. 2-75

2921 Kiratarjuniya with English Translation by J. M. Ashar. Cantos. I-II. 1-50

2922 Kiratarjuniya with Exhaustive critical Notes & English Translation by R. G. Asti. Cantos I-II. 1-50

2923 Kiratarjuniya with English notes and Translation by N. Ramadas Ayyangar. Cantos I-III. 3-50

2924 Kiratarjuniya with English translation by S. Roy. Cantos. I-II. **Each Canto** 4-00, Cantos III, XI, XII, XIII & XIV **Each Canto** 4-00, Canto. IV. 2-50

2925 Kiratarjuniyam. Text with Mallinath's Commentary, Prose order of the Slokas, Notes, Translation into English by M. R. Kale. 5-00

2926 Kishangarh Painting by Eric Dickinson and Karl Khandalavala. 28-75

2927 Kitab-I-Nauras by Ibrahim Adil Shah II. Introduction, Notes and Textual Editing by Nazir Ahmad. Foreword by P. K. Gode. 15-00

2928 Knowledge of Actions by Betty Powell. 18-90

2929 Knowledge of God and its Historical Development by Prof. H. M. Gwatkin. 21-00

2930 Knowledge of Man by Martin Buber. Edited with an Introductory Essay by Maurice Friedman. Translated from the German by Maurice Friedman and Ronald Gregor Smith. 29-40

2931 Koka Shastra. Being the Rati Rahasya of Kokkoka and other Medieval Indian Writings of Love. Translated and with an Introduction by Alex Comfort. Preface by W. G. Archer. 31-50

2932 Kol Tribe of Central India by Walter G. Griffiths. With an Introduction by B. S. Guha O. P.

2933 Kolami-A Dravidian Language by M. B. Emeneau. 13-00

2934 Konark. Photographs by Sudhanshu Chowdhury. Introduction and Annotation by Prof. O. C. Gangoly with Plates. 40-00

2935 Kongu Country. Being the History of the Modern districts of Coimbatore and Salem from the earliest times to the coming of the British by M. Arokiaswami. 17-00

2936 Koran Interpreted by Arthur J. Arberry. 114 Suras. 2 vols. 52-50

2937 Kosa Kalpataru of Visvanatha. Edited by Madhukar Mangesh Patkar and K. V. Krishna Moorthy Sharma with Eng. Trans. Fasciculi I-II. 50-00

2938 Krishna Chandra Bhattacharya Memorial Volume. Ed. and Foreword by S. K. Maitra, G. R. Malkani, T. R. V. Murti and Kalidas Bhattacharyya. 12-50

2939 Krishna Karnamrita with English translation. 3-50

2940 Krishnavatara by K. M. Munshi.

Vol. I—Magic Flute. 10-00
,, II—The Wrath of an Emperor. 15-00
,, III—The Five Brothers. 16-50
,, IV—Book of the Bhima. 12-50

2941 Krisi Parasara. Edited and Translated by Girija Prasanna Majumdar and Sures Chandra Banerji. 7-50

2942 Krsna and the Mahabharata War by S. L. Katre. 5-00

2943 Kshemendra Studies together with an English translation of his Kavikanthabharan, Auchityavicarcharca & Suvrittatilaka by Dr. Suryakanta. 12-50

2944 Kudimiyamalai Inscription on Music. Edited by R. Sathyanarayana of Mysore brothers. 6-75

2945 Kuka Movement by Fauja Singh Bajwa. 20-00

2946 Kukas. The Freedom Fighters of the Panjab by M. M. Ahluwala. Foreword by S. Radhakrishnan. With 7 Illustrations. 12-50

2947 Kulacudamani Nigama edited by Arthur Avalon. With an Introduction in English by Aksaya Kumara Maitra. 3-00

2948 Kularnava Tantra. Sanskrit Text by Taranatha Vidyaratna. Introduction in English by Arthur Avalon (Sir John Woodroffe) and Readings in English by M. P. Pandit. 25-00

*2949 **Kumarsambhava.** Text, Punsavani commentary in Sanskrit giving Prose order, Change of Voice, Exhaustive Gramatical & Explanatory Notes, Purport in Sanskrit, Hindi Translation and an Introduction and Critical Notes in Hindi by N. Kantanath Sastri Telanga. **Cantos I & V. 1-50** and **Canto. V. 1-00**

2950 Kumarsambhava. Cantos III & IV with English Translation by Prof. R. S. Asti. 1-50

2951 Kumarsambhava with English Translation. Canto. III. 2-25
Canto. VI. 2-50

2952 Kumarsambhava. Cantos III & IV with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 2-50

2953 Kumarsambhava. Cantos I-VI with English notes and translation by V. Anantacharya. 5-50

2954 Kumarsambhava. Cantos I to V with English translation by R. R. Deshpande. 4-00

2955 Kumarsambhava of Kalidas. Critically edited with copious variants, extracts from commentaries, Griffith's English translation and notes, Pada-Index, etc., by S. R. Sehgal. Cantos I-VII. 25-00

2956 Kumara Sambhavam. Text with English Translation. by H. H. Wilson. 6-00

2957 Kumarsambhava with the Commentary of Mallinath, Analysis, translation etc., by S. Ray. Cantos I-III **Each Canto.** 4-00, Canto. IV 2-50 and Canto V. 6-00

2958 Kumarsambhava. With English translation. Canto. V. 3-00
Canto. VI. 2-50

2959 Kumarsambhava. Cantos I-V. Text with English Translation by R. D. Karmarkar. 5-00

2960 Kumara Sambhava. With Eng. Trans. by C. S. Rama-Sastri. Contos. I-III. 4-00

2961 Kumbha. India's Ageless Festival by Roy and Devi. 2-50

2962 Kunala Legend and an Unpublished Asokavadanamala Manuscript. Edited with Introduction by G. M. Bongard Levin and O. F. Volkova. 6-00

2963 Kundalini. An Occult Experience by G. S. Arundale. 2-50

2964 Kundalini Yoga by Sri Swami Sivanand Saraswati. With Illustrations. 5-00

2965 Kundalini Yoga : A Brief study of Sir John Woodroffe's 'The Serpent Power' by M. P. Pandit. 6-00

2966 Kundamala of Dinnaga. Text and English Translation by Kali Kumar Dutta Sastri. 22-50

2967 Kurzgefasstes Etymologisches Worterbuch des Altindischen. A Concise Etymological Sanskrit Dictionary by Manfred Mayrhofer. 19 Parts. 342-00

2968 Kuttia Kond. Dschungel-Bauern in Orissa. Von Hermann Niggemeyer. With an English Summery. With many Plates. 121-80

L

2969 L' Esclavage Dans L' Inde Ancienne d' apres Les Texts Palis Et Sanskrits par Dev Raj. Avec une preface du Dr. Jean Filliozat. 6-00

2970 L' Inde Classique by L. Renou. 65-00

2971 La Divina Commedia by Dante Alighieri. Edizione di lusso in tre Volumi di 1000 esemplari numerati da la 1000 stampati su carta speciale filigranata di Pescia nel farmato 29 × 42 di pagg. 490 di testo e 100 tavole con 129 miniature a colori tratte dai tre famosi codici: Giraldi, Marcianoe Yates Thompson, appartenenti alla Biblioteca Vaticana, alla Biblioteca Nazionale Marciana di Venezia e al British Museum di Londra. I tre Volumi Rilegati in tutta pelle con impressioni in Oro Sono raccolti da Una Custodia foderata in tutta tela all'esterno e di Seta nell'interno. 4250-00

2972 La Durghatavriti De Saranadeva Traite Grammatical En Sanskrit Du XIIe Siecle Edite Et Traduit par Louis Renou. 2 Vols. in 6 Parts. 87-50

2973 La Grammaire de Panini-Traduite du Sanskrit Avec Des Extraits des Commentaries Indigenes par Louis Renou. Fascicules 1-3. 88-00

2974 La Legende De Skanda. Selon Le Kandapuranam tamoul et Liconographie Par R. Dessigane et P. Z. Pattabiramin. 25-00

2975 La Legende Des Jeux De Civa a Madurai d'apres Les textes et Les peintares Par R. Dessigane, P. Z. Patta biramin et J. Filliozd Fascicule 1: Text, Fassicule 2: Planches. 29-00

2976 La Maha Narayana Upanisad. Edition critique, avec une traduction Francaise, une etude, des notes et, en annexe, La Pranagnihotra Upanisad par Jean Varenne. 2 Parts. 48-00

2977 La Musique Du Cambodge Et du Laos par Alain Danielau. 6-00

2978 La Place De La Particule Negative NA Dans La Phrase En Vieil Indien par J. Gonda. 18-00

2979 La Vie Et L' organisation Des Communautes Bouddhiques Modernes De Ceylon par Andre Bareau. 12-00

2980 La Voie Vers La Connaissance De Dieu (Brahma-Jijnasa) Selon L' Anuvyakhyana De Madhva par Suzanne Siauve. 5-00

2981 Laboratory Manual for Agricultural Chemistry by A. Sankaram. Foreword by D. Viswanath Reddy. 10-00

2982 Labour and Planning. Edited by Radhakamal Mukerjee. Essays in honour of Shri V. V. Giri. Foreword by Zakir Husain. 22-00

2983 Labour Movement in India (Its Past and Present) by G. K. Sharma. 15-00

2984 Labour Problems in Indian History by V. V. Giri. 18-00

2985 Labour Problems in Indian Industry by V. V. Giri. 18-00

2986 Laghu Siddhanta Kaumudi. Part I (Edited with an Original Sanskrit Commentary, English Translation, Copious critical and explanatory Notes & Appendices) by V. V. Mirashi. 5-00

2987 Laghu Siddhanta Kaumudi of Baradaraja. With an original Sanskrit Commentary and necessary English Translation and Bengali Translation by K. Roy. 5-00

2988 Laghu Siddhanta Kaumudi of Varadaraja. With an English Version and Commentary by J. R. Ballantyne. 10-00

2989 Lahandi Phonology by Dr. Hardev Bahri. 20-00

2990 Lajpat Rai : Autobiographical Writings. Edited by Vijaya Chandra Joshi. 12-50

2991 Lala Lajpat Rai. Writings and Speeches : 1888-1928. Edited by Vijaya Chandra Joshi. Foreword by Lal Bahadur. 2 Vols. 50-00

2992 Lal Bahadur. A Political Biography by D. R. Mankekar. With Illustrations. 10-00

2993 Lalit Kala : A Journal of Oriental Art. Chiefly Indian. Edited by Kare Khandalavala and Dr. Moti Chanda.
Nos. 1-2, April 1955-March 1956. 16-00
No. 5, April 1959. 10-00 No. 6, October 1959. 10-00
No. 7, April 1960. 10-00 No. 8, October 1960. 15-00
No. 9, April 1961. 15-00 No. 10, October 1961. 15-00

2994 Lalit Kala Contemporary No. I. June 1962. Illustrated. 10-00
No. II December 1964. 15-00

2995 Lalitasahasranama. English Translation of Bhaskararay's Comm. by A. Sastri. **6-50**

2996 Lalita Sahasranaman. With Introduction and Commentary by Dr. Chaganty Suryanarayana Murthy. 10-00

2997 Lalita Trisati Bhasya of Sri Sankara Bhagavatpada. With an Introduction, Sri Vidya Dipika and English Translation by Dr. Chaganti Suryanarayana Murty. 5-00

2998 Lamps of Light by M. P. Pandit. 5-00

2999 Landmarks in World History (With Maps and Illustrations) C. L. Mariwalla, B. K. Gokhale, A. L. D'sowza and B. M. Malvani. 10-00

3000 Land of a Thousand Buddhas. A Pilgrimage into the Heart of Tibet and the Sacred City of Lhasa by Theos Bernard. With 65 Illustrations. 24-00

3001 Land of the 500 Million : A Geography of China by George B. Cressey. 40-00

3002 Land System and Feudalism in Ancient India. Edited by D. C. Sircar. 7-50

3003 Land Transformation : Philosophy and Technique by P. C. Raheja. 4-00

3004 Lands and Peoples : The World in Color. 7 Vols. 250-00

3005 Language and Reality by W. M. Urban. 57-75

3006 Language and Script Problem in the Panjab by Jayachandra Vidyalankar. 8-00

3007 Language and Scripts of Ancient India by H. K. Bhattacharyya. 10-00

3008 Language as Gesture : Essays in the Craft and Elucidation of Modern Poetry by R. P. Blackmur. 36-75

3009 Language. A Linguistic Introduction to History by J. Vendryes. 28-00

3010 Language by L. Bloomfield. Foreign Edition. 31-50
Indian Edition. 10-00

3011 Language, Form and Idea by T. Benson-Strandness, Herbert Hackett and Harry H. Crosby. 41-25

3012 Language. Its Nature, Origion and Development by Jaspersen. 26-25

3013 Language in Thought and Action. How Men use Words and Words use Men by S. I. Hayakawa. 26-25, 31-50

3014 Language, Meaning and Persons. By Nikunja Vihari Banerjee. 31-50

3015 Language, Mind and Value. Philosophical Essays. By J. N. Findlay. 37-80

3016 Language of Katha Kali by Prem Kumar. 6-00

3017 Language of Modern Music by Donld Mitchell. 8-92, 26-25

3018 Language of Science by Theodore H. Savory. 31-50

3019 Language of the Secret History of the Mongols by John Charles Street. 26-25

3020 Language of the Self by Frithjof Schuon. Translated by Marco Pallis and Macleod Matheson. 15-00

3021 Language Truth and Logic by A. J. Ayer. 15-75

3022 Languages and the Linguistic Problem by Suniti Kumar Chatterji. 0-37

3023 Lankavatara Sutra -A Mahayan text. Translated for the the first time from the original Sanskrit by Daisetz Teitaro Suzuki. 52-50

3024 Last Glimpses of Bapu by Manuben Gandhi. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. With Illustrations. 15-00

3025 Last Message of Shri Krishna by Swami Madhavananda. 4-50

3026 Last of the Annapurnas by M. S. Kohli. Foreword by S. Radhakrishnan. 12-50

3027 Last Peshwa and the English Commissioners 1818-51 by Pratul C. Gupta. 6-00

3028 Last Years of British India by Michael Edwardes. 15-00, 26-25

3029 Later Hindu Civilization A. D. 500 to A. D. 1200. (Based on Sanskrit Literature) by Romesh Chandra Dutt. 14-50

3030 Later Indo-Scythians. (From the Numismatic Chronicles 1893-94) by A. Cunningham. Ed. by Prof. A. K. Narayan. 25-00

3031 Later Kings of Delhi or Tarikh-I Firoz Shahi of Ziau-D-Din Barni. Edited by Prof. John Dowson. 8-00

3032 Later Medieval India : A History of the Mughals by A. B. Pandey. With Maps. 12-00

3033 Later Moghules of Muhammad Hashim, Khafi Khan by Sir H. M. Elliot and edited by Prof. John Dowson. 6-00

3034 Later Poems of Tagore by Sisirkumar. 12-50

3035 Latin Language by L. R. Palmer. 52-50

3036 Laukikanyayaslokah. Edited and Translated by V. Krishnamacharya. 2-00

3037 Law, Liberty and Social Justice by P. B. Gajendragadkar. Foreword by Lal Bahadur Shastri. 14-00

3038 Law of Crimes in India. Vol. I. Principles of Criminal Law by R. C. Nigam. 32-00

3039 Law of Monopolies in British India by P. K. Sen. 20-00

3040 Law of Primogeniture by Radhavinode Pal. 15-00

3041 Law of Success by Nepoleon Hill. 16-00

*3042 **Laws and Practice of Sanskrit Drama** : By Prof. S. N. Shastri, M. A., D. Phil, LL. B. Vol I. (Chow. Sans. Studies Vol. XIV) **25-00**

3043 Laws of Manu. Translated with Extracts from Seven Commentaries by G. Buhler. (S. B. E.) 20-00

3044 Laws of Scientific Hand Reading by William G. Benham. 19-90

3045 Le Gitalankara : L'ouvrage original de Bharata sur la musique. Edition Critique, Traduction Francaise et Introduction Par Alain Davielovet et N. R. Bhatt. 14-25

3046 Le Parler De L'amdo, Etude D'un Dialecte Archaique Du Tibet by George De Roerich. 100-20

3047 Le Prataparudriya De Vidyanatha, avec Le Commentaire Ratnapana de Kumara Svamin, Traduction, Introduction-et Notes Par Pierre Sylvain Filliozat. 25- (0

3048 Le Rituel De La Devotion Krsnaite Par Rasik Vihari Joshi, Preface Par Jean Filliozat. 5-00

3049 Le Symbolisme Cosmique Des Monuments Religieux. Actes De La Conference Internationale Qui AEu Lieu Sous Les Auspices De L' Is. M. E. O., A Rome, Avril-Mai 1955, Avec La Collaboration Du Musee Guimet. Conferences Par R. Bloch, J. Danielou, M. Eliade, M. Griaule, C. Hentze, H. C. Puech, G. Tucci. 25-05

3050 Le Tattvabindu de Vacaspatimisra. Edition Critique Traduction Et Introduction par Madeleine Biardeau. 5-00

3051 Les Legendes Civaites De Kancipuram : Analyse de textes et Iconographie Par R. Dessigane, P. Z. Pattabiramin et Jean Fillozat. 25-00

3052 Leading Ideas of Hinduism. Being Fernley Lecture Delivered in Manchester by Henry Haigh. 3-00

3053 Leaf and the Flame. An Indian Diary by Margaret Parton. 16-80

3054 Learned Tradition in India (Preservation of) by Miss. K. G. Ghurye. 1-50

3055 Lecture on Jurisprudence by K. R. R. Sastry. 6-00

3056 Lectures from Colombo to Almora by Swami Vivekananda. 5-00

3057 Lectures in Linguistics by Oscar Luis Chavarria-Aguilar. 4-00

3058 Lectures on Buddha and Buddhism by Radhagovinda Basak. 10-00

3059 Lectures on Dharmasastra by S. Pathak. 1-50

3060 Lectures on Patanjali's Mahabhashya by Dr. P. S. Subramanya Sastri. Vols. I-VI. 73-00

3061 Lectures on Rigveda by Ghate. Revised and Enlarged by Dr. V. S. Sukthankar. 8-50

3062 Lectures on Shri Guru Granth Sahib delivered by Bhai Jodh Singh. 1-50

3063 Lectures on the Ancient System of Irrigation in Bengal and its Application to Modern Problems by Sir William Willcocks. 1-87

3064 Lectures on the Origin and Growth of Religion by F. Maxmuller. 25-00

3065 Lectures on the Philosophy of religion. Together with a Work on the Proofs of the Existence of God by Georg Wilhelm Friedrich Hegel. Translated from the Second German Edition by the Rev. E. B. Speirs and J. Burdon Sanderson. 3 Vols. 80-00

3066 Lectures on the Science of Language. Delivered at the Royal Institution of Great Britain in April, May and June, 1861 by Max-Muller. 20-00

3067 Legacy of India. Edited by G. T. Garratt. With an Introduction by the Marquess of Zetland. 20-00

3068 Legacy of Islam. Edited by Sir Thomas Arnold and A. Guillaume. 22-40

3069 Legal Aspects of the Kashmir Problem by H. S. Gururaj Rao. Foreword by M. C. Setalvad. 30-00

3070 Legend of The Topes (Thupavamsa) Translated into English for the first time by B. C. Law. 3-00

3071 Legends of Vikramaditya by P. V. Jagadisha Iyyar. 2-50

3072 Leonardo da Vinci : A Psychosexual study of an Infantile Reminiscence by Sigmund Freud. Translated by A. A. Brill. Reprint of the American edition with a Preface by Ernest Jones and four plates. 12-00

3073 Leonardo Da Vinci. A Quincentenary Tribute by O. C. Gangoly. 1-00

3074 Leonardo da Vinci : Fragments at Windsor Castle from the Codex Atlanticus by Carlo Pedretti. With 32 plates. 44-10

3075 Leonardo da Vinci : Landscapes and Plants by L. Goldscheider. 26-25

3076 Leonardo Da Vinci : Life and Work, Paintings and Drawings by Ludwig Goldscheider. With the Leonardo Biography by Vasari 1568. Newly annotated. With 180 Illustrations 40 in full colour. 62-48

3077 Letters from John Chinaman and other Essays. Edited by G. Lowes Dickinson. With an Introduction by E. M. Forster. 7-88

3078 Letters of Sri Aurobindo 2nd to 4th Series. 23-00

3079 Letters of the Right Honourable V. S. Srinivasa Sastri. Edited by T. N. Jagadisan. 16–50

3080 Les Castes by A. M. Hocart. 12–00

3081 Les Duha De Dhola Maru Avec Introduction, Traduction Francaise et Notes Par Charlotte Vaudeville. 10–00

3082 Les Inscriptions d' Asoka. Traduites et Commentees par J. Bloch. 21–50

3083 Les Noms Vediques De Visnu. Dans L' Anuvyakhyana De Madhva (Brahma-Sutra I, I, adhikarana 2 a 12) Texte Avec Traduction Et Notes par Suzanne Siauve. 8–00

3084 Les Relations Exterieures De L' Inde (1) par Jean Filliozat. 5–00

3085 Lexicographical Studies in Jaina Sanskrit by B. J. Sandesara and J. P. Thaker. 15–00

3086 Liberal Arts Dictinoary in English, French, German and Spanish edited by Mario A. Pei and Frank Gaynor. 36–00

3087 Librarianship by B. S. Gujarati. Foreword by Tek Chand. 10–00

3088 Library Manual. For Library Authorities, Librarians and Honorary Library Workers by S. R. Ranganathan. 14–00

3089 Library Organisation by B. S. Gujrati. 10–00

3090 Library Science Today : Ranganathan Festschrift. Volume I–Papers contributed on the 71 st. Birthday of Dr. S. R. Ranganathan (12 August 1962) Edited by P. N. Kaula. With Illustrations. 65–00

3091 Life After Death by Swami Vivekananda. 0–50

3092 Life After Death and How Theosophy Unveils It by C. W. Leadbeater. 2–50

3093 Life and Doctrines of Buddha by Richard Pischel. Translation by B. H. Kapadia. 10–00

3094 Life and Legend of Buddha by J. Barthelemy Saint-Hilaire. Translated from the French by Laura Ensor. 6–00

3095 Life and Letters of Sir Jadunath Sarkar. Edited by Hari Ram Gupta. 2 Vols. 50–00

3096 Life and Sayings of Sri Ramkrishna by F. Max Muller. 5–00

3097 Life and Teaching of Buddha by Alexander Csoma Korosi. 6–00

3098 Life and Teaching of Naropa : Translated from the original Tibetan with a Philosophical Commentary based on the Oral Transmission by Herbert V. Guenther. 66–15

3099 Life and Thought in the Greek and Roman World by M. Cary and T. J. Haarhoff. With 12 Plates and 4 Maps in the Text. 22-05

3100 Life and Thought of Avicenna Abu Ali Al-Husain Ibn Abdallah Ibn Sina by H. J. J. Winter. 1-00

3101 Life and Times of Humayun by Iswari Prasad. 20-00

3102 Life Divine by Sri Aurobindo. 16-00

3103 Life Divine. A Brief Study of Sri Aurobindo by V. Chandrasekharam. 1-00

3104 Life in Ancient India As Depicted in the Jain Canons (with Commentaries). An Administrative, Economic, Social and Geographical Survey of Ancient India Based on the Jain Canons by Jagdish Chandra Jaina. 40-00

3105 Life in Ancient India: Studies in Rigvedic India by Adolf Kaegi. Translated from the German by R. Arrowsmith. 4-00

3106 Life in Medieval France by Joan Evans. With 100 plates, 6 in Colour. 34-13

3107 Life in North-Eastern India in Pre-Mauryan Times (With Special Reference to 600 B. C.-325 B. C.) by Madan Mohan Singh. 25-00

3108 Life of Buddha, as Legend and History by E. J. Thomas. 36-75

3109 Life of Buddha in Frescoes, Mulagandhakuti Vihara, Sarnath. 3-00

3110 Life of Gotama The Buddha. Compiled exclusively from the Pali canon by E. H. Brewster. With an Introductory note by C. A. F. Rhys Davids. 25-20

3111 Life of Mahatma Gandhi by Louis Fischer. 28-80

3112 Life of Ramkrishna by Romain Rolland. 5-50

3113 Life of Sri Aurobindo by A. B. Purani. 12-00

3114 Life of Sri Ramakrishna. Foreword by M. K. Gandhi. 8-00, 10-00

3115 Life of Shri Ramanuja by Swami Rama Krishnananda. 4-00

3116 Life of Swami Vivekananda by His Eastern and Western Disciples. 13-00

3117 Life-Sketch of Pratap Seth and A brief account of the Advaitic System of thought by G. R. Malkani. 3-00

3118 Life World Library France by D. W. Brogan and the Editors of LIFE. 16-00

3119 Light of Asia and Indian Song of Songs Gitagovinda by E. Arnold. 2-00

3120 Light of Asia : or the Great Renunciation. Being the Life and Teaching of Gautam. 6-30

3121 Light on Early Indian Society and Economy by Ram Sharan Sharma. 22-50

3122 Lights on Life-Problems. First and Second Series. Sri Aurobindo's Views on important life-problems. Compiled and arranged from his writings by Kishor Gandhi. 5-00

3123 Lights on The Ancients by T. V. Kapali Sastry. 2-00

3124 Lights on The Fundamentals (Sanskrit Verses with Eng. translation) by T. V. Kapali Sastri. 1-50

3125 Lights on the Tantra by M. P. Pandit. 3-00

3126 Lights on the Upanishads by T. V. Kapali Sastri. 2-00, 3-00

3127 Lights on the Veda by T. V. Kapali Sastri. 3-00

*3128 **Lights on Vedanta :** A comparative study of various views of Post-Sankarites, with special emphasis on Suresvara's doctrines by Dr. Veeramani Prasad Upadhyaya. With a Foreword by Dr. B. N. Jha. (Chow. Sans. Studies Vol. VI) **15-00**

3129 Light on Yoga. Yoga Dipika by B. K. S. Iyengar. Foreword by Yehudi Menuhin. With over 600 Illustrations. 78-75

3130 Lingua Indica Revealed by S. C. Chaudhuri. 10-00

3131 Linguistic Aberrations in Kalidasa's Writings by Tarapada Chowdhury. 4-50

3132 Linguistic Affairs of India by Ram Gopal. 20-00

3133 Linguistic Bibliography. Published by the Permanent International Committee of Linguistic with a grant from the United Nations, Educational, Scientific and Cultural Organization :

For the year		1948	75-60
"	"	1949	75-60
"	"	1950	75-60
"	"	1951	75-60
"	"	1952	75-60
"	"	1953	75-60
"	"	1954	75-60
"	"	1955	75-60
"	"	1956	75-60
"	"	1957	75-60
"	"	1958	75-60
"	"	1959	75-60
"	"	1960	75-60
"	"	1961	75-60
"	"	1962	88-20
"	"	1963	115-50

3134 Linguistic Change: An Introduction to the Historical Study of Language by E. H. Sturtevant. With New Introduction by Eric P. Hamp. 10–13

3135 Linguistic Peculiarities of Jnanesvari by M. G. Panse. 20–00

3136 Linguistic Survey of the Sadar Subdivision of Manbhum and Dhalbhum (Singhbhum) by Bishwa Nath Prasad and Sudhakar Jha Shastri. 4–50

3137 Linguistic Units by C. L. Ebeling. 18–00

3138 Linguistics and English Language Teaching (Proceedings of a Seminar held at the Centre of Advanced Study in Linguistics at Deccan College, Poona) Edited by Prabodh Bechardas Pandit. Foreword by S. M. Katre. 8–00

3139 List (A) of Manuscripts. Edited by Dr. C. K. Raja. 2–00

3140 List of Tirthas. Being an Off-Print from M. M. Dr. P. V. Kane's History of Dharmasastra Vol. IV (Pp–723–827) 3–00

3141 Literary Circle of Mahamatya Vastupala and Its Contribution to Sanskrit Literature by Bhogilal J. Sandesra. 9–50

3142 Literary Criticism by Ramawadh Dwivedi and Vikramaditya Rai. Parts. I–II in one. 16–00

3143 Literary Criticism in Ancient India by Dr. Ramaranjan Mukherji. Popular Edition 35–00, Library Edition 40–00

3144 Literary Evidence For Early Buddhist Art in China by Alexander Coburn Soper. 90–00

3145 Literary History of England by A. C. Baugh. 50–40

3146 Literary History of France, Vol II–The Seventeenth Century, 1600–1715 by P. J. Yarrow. 66–15

3147 Literature of the Victorian Era by Hugh Walker. Indian Edition. 15–00

3148 Literatures of the East–An Appreciation. Edited by Eric. B. Ceadel. 6–80

3149 Living Thought of Gotama the Buddha. Presented by Ananda K. Comaraswamy and I. B. Horner. Indian ed. 2–00

3150 Lo Spirito Dell'amore Nella Letterature Indiana by Monindra Mohan Mulik. 3–50

3151 Local Government in Ancient India by Radha Kumud Mookerji. With a Foreword by the Marquess of Crewe. 15–00

3152 Local Self-Government in Mediaeval Karnataka by G. S. Dikshit. With a Foreword by Prof. S. R. Sharma. 7–00

3153 Location of Industries in India by Tulsi Ram Sharma. Foreword by Dr. Radha Kamal Mukerjee. 10–50

3154 Lodhas of West Bengal. A Socio-Economic Study by Dr. P. K. Bhowmick. With a Foreword by N. K. Bose. With Illustrations. 30-00
3155 Logic : The Theory of Inquiry by John Dewey. 55-13
3156 Logic and Knowledge : Essays 1901-1950 by Bertrand Russell. Ed. by Robert Charles Marsh. 33-60
3157 Logic and Reality in Leibniz's Metaphysics by G. H. R. Parkinson. 36-75
3158 Logic : Deductive and Inductive by Carveth Read. With a Foreword by Susil Kumar Maitra. Part II-Inductive. Annotated Indian Edition. 6-00
3159 Logic of Truth-Functions. An Introduction to Symbolic Logic. By Ram Prasad Das. 15-00
3160 Logic, Value and Reality. An Inquiry into the foundations of Logic by Dr. Birendra Kumar Bhattacharya. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 10-00
3161 Logica Hamburgensis by Joachimi Jung II Edidit Rudolf W. Meyer. ......
3162 Logical Positivism. As a Theory of Meaning by Sachindranath Ganguly. 18-00
3163 Logical Syntax of Language by Rudolf Carnap. 42-00
3164 Lokamanya Tilak. Father of our Freedom Struggle by Dhananjay Keer. 15-00
3165 Look or the Keys to Art. This book was the Idea of Pierre Belves. Text by John Canaday. Captions and Notes by Robert Maillard. Designed by Marcel Jacno. 78-75
3166 Loom of Language by Frederick Bodmer. 33-60
3167 Lord Dalhousie's Administration of the Conquered and Annexed States by M. A. Rahim. 20-00
3168 Lord Mahavira (A Study in Historical Perspectives) by Dr. Bool Chand. 4-50
3169 Lord of the Autumn Moons by Radhakamal Mukerjee. 6-00
3170 Lord Shree Krishna (His Life and Teachings) by Makhan Lal Sen. 3 Vols. 15-00
3171 Louis De La Vallee Poussin Memorial Volume. 35-00
3172 Love of Krishna in Indian Painting and Poetry by W. G. Archer. 31-50
3173 Love Songs of Vidyapati. Edited by W. G. Archer. Illustrated. 31-50
3174 Loving Homage. 10-00

3175 Lu Hsiang-Shan : A Twelfth Century Chinese Idealist Philosopher by Siv-Chi Huang. 15-00
3176 Lumbini by J. Vijayatunga. 0-25
3177 Lyric in Indian Poetry. A Comparative Study in the Evolution of Bengali Lyric forms up to the Seventeenth Century. By Alokeranjan Dasgupta. 10-00

M

3178 M. A. Pali Course by Dr. B. C. Law. 2 Parts. 7-50
3179 M. N. Roy's Memoirs : Sponsored by The Indian Renaissance Institute, Dehradun. 30-00
3180 Maasir-I-Alamgiri A History of the Emperor Aurangzib Alamgir (Reign 1658-1707 A. D.) of Saqi Must' ad Khan. Translated into English and Annotated by Sir Jadunath Sarkar. 87 10-00
3181 Maarthir-ul-Umara. Being Biographies of the Muhammadan and Hindu Officers of the Timurid Soverigns of India from 1500 to about 1780 A. D. By Nawwab Samsam-ud-Daula Shahk Nawaz Khan and Abdulhayy. Compiled by Baini Prasad. 2 Vols. 50-00
3182 Madhavachary's Poorna-Brahma-Philosophy by Sri A. Venkatarao. 7-00
3183 Madhuravijayam of Ganda Devi. Edited with a Historical Introduction by S. Thiruvenkatachari. 9-00
3184 Madhya Bharati. Bulletin of The Institute of Languages and Research, University of Jabalpur. Vol. I No. I July 1962. 5-00
3185 Madhyama Vyayoga. Introduction, Notes and Translation by C. R. Devadhar. 2-50
3186 Madhyamayayoga. An one Act play by Vidyaratna Pt. S. Rangachar. 2-00
3187 Madhyambyayoga and Urubhanga of Bhasa with English translation by Dr. Bhat and Athvale. 3-00
3188 Madhyambyayoga and Urubhanga with Eng. translation by J. M. Ashar. 3-00
3189 Madras Finance by Dr. B. V. Narayanaswami Naidu. 5-75
3190 Magadhas in Ancient India with Map and Index by B. C. Law. 7-88
3191 Maha Dasa and Bukti Phala of Maharshi Parashara. Translated by N. N. Krishna Rau. 2 Vols. 22-50

3192 Mahabharata. A Summary of the Great and Wonderful epic brought out in Lucid and expressive English relating to all important Conversations and Episodes by Kamala Subramaniam. With a Foreword by K. M. Munshi. 30–00

3193 Mahabharat of Krishna-Dwaipayana Vyasa. Translated into English prose from the original Sanskrit text by Pratap Chandra Roy. Vols. I–XII. Complete. 162–00

Vol. I	Adi Parva.	16–00
Vol. II	Sabha Parva and Vana Parva (Part I.)	13–00
Vol. III	Vana Parva (Last Parva) (Part II.)	13–00
Vol. IV	Virata and Udyoga Parva.	16–00
Vol. V	Bhishma Parva.	10–50
Vol. VI	Drona Parva.	15–50
Vol. VII	Karna, Salya, Sauptika and Stree Parvas.	18–00
Vol. VIII	Santi Parva (Part I)	12–50
Vol. IX	Santi Parva (Part II)	12–50
Vol. X	Santi Parva (Part III) and Anusasana Parva (Part I)	12–50
Vol. XI	Anusasana Parva. (Part II.)	12–50
Vol. XII	Aswamedh, Asram vasika, Mahaprasthanika and Swargarohanika Parvas.	10–00

3194 Mahabharata by C. Rajagopalachari. 2–50

Bombay Edition. 8–50

3195 Mahabharata : A Criticism by C. V. Vaidya 10–00

3196 Maharashtra : A Study in Physical and Regional Setting and Resource Development, with 67 Maps and 39 Tables by B. Arunachalam. 6–00

3197 Mahabharata (Abridged) English Translation by C. V. Srinivasa Rao.

Adi Parva and Sabha Parva. 7–50

Vana Parva, Virata Parva and Udyoga Parva. 7–50

From Bhishma Parva to the End. 10–00

3198 Mahabharata condensed in the Poets Own Words by A. M. Shri Nivasachariar. Translated by Dr. V. Raghavan. 3–00

3199 Mahabharata (A Critical Study) by P. N. Mullick. O. P.

3200 Mahabhashya (Pashpashahnika-Section I) With Kaiyata's Pradipa and extracts from Nagesa's Uddyota. English translation and Notes etc. Edited by K. Ray. 5–00

3201 Mahabodhi or the Great Buddhist Temple under the Bodhi Tree at Buddha-Gaya by A. Cunningham. 50–00

3202 Mahadev Govind Ranade. A Biography by T. V. Parvate. 20–00
3203 Mahadev Kolis by G. S. Ghurye. 22–50
3204 Mahamana Malaviyaji. Birth Centenary Commemoration Volume 25th December, 1961. 5–00
3205 Mahamandalesvaras under the Chalukyas of Kalyani by D. Desai. 11–00
3206 Mahamaya : The World as Power : Power as Consciousness (Chit-Shakti) by John Woodroffe and Pramatha Nath Mukhopadhyaya. 10–00
3207 Mahanarayanopanisad. With accented Text, Introduction, Translation, Interpretation in Sanskrit, and critical and explanatory Notes by Swami Vimalananda. 5–00
3208 Mahapandit Rahula Sankrityayan Memorial Volume. 20–00
3209 Maharaja Rajvallabha by Dr. R. C. Majumdar. 2–00
3210 Maharaja Sayajirao III Centenary Commemoration Volume. 8–00
3211 Maharajadhiraj Kameshwara Singh of Darbhanga Memorial Volume. Editor—Shri S. V. Sohoni. (Indian Numismatic Cronicle). 10–00
3212 Maharashtra State Gazetteers. Government of Maharashtra. Ratnagiri District. (Revised Edition) 25–50
3213 Maharashtra State Gazetteers. Govt. of Maharashtra. Kolhapur District. (Revised Edition) 24–95
3214 Maharshi Karve by Ganesh L. Chadavarkar 10–00
3215 Mahatma. Life of Mohan Das Karamchand Gandhi by D. G. Tendulkar. 8 Vols. Complete. 88–00, 120–00
3216 Mahatma Gandhi (A Dialogue in understanding) by P. A. Wadia. 1–75
3217 Mahatma and the Ism by E. M. S. Namboodiripad. 3–75
3218 Mahatma Gandhi : A Descriptive Bibliography by Jagdish Saran Sharma with a Foreward by U. N. Dhebar. 30–00
3219 Mahatma Gandhi by Jawaharlal Nenru with many Plates 25–00
3220 Mahatma Gandhi : An Album with over 500 photographs. 35–00
3221 Mahatma Gandhi : An Essay in Appreciations by R. M. Gray and Manilal C. Parekh. 2–00
3222 Mahatma Gandhi : Essays and Reflections on his life and work. Edited by S. Radhakrishnan. 3–00
3223 Mahatma Gandhi. The Last Phase by Pyarelal. 2 Vols. 40–00
3224 Mahatma Gandhi : The Man who became one with the Universal being by Romain Rolland. Translated by Catherine D. Groth. With an Introduction and Notes by N. N. Chatterjee. 2–75

3225 Mahatma Gandhi's Ideas including selections from his writings by C. F. Andrews. With an Introduction by Horace G. Alexander. 18-90

3226 Mahatma Jotirao Phooley. Father of our Social Revolution by Dhananjay Keer. 15-00

3227 Mahavamsa or the Great Chronicle of Ceylon. Translated into English by Wilhelm Geiger, assisted by Mabel Haynes Bode. With an Addandum by G. C. Mendis. 44-10

3228 Mahavastu. Translated into English by J. J. Jones. 3 Vols. 105-00

3229 Mahavira by Amar Chand. 0-37

3230 Mahavira and His Philosophy of Life by A. N. Upadhye. 1-00

3231 Mahayana Buddhism by Beatrice Lane Suzuki. With an Introduction by Prof. D. T. Suzuki and a Foreword by Christmas Humphreys. 14-18

3232 Mahayanavimsaka of Nagarjuna : Reconstructed Sanskrit Text, Tibetan and Chinese Versions with an English Translation. Edited by Vidhusekhara Bhattacharya. 5-00

3233 Mahayogi by R. R. Diwakar. 2-50

3234 Maimonidesh: The Conciliator of Eastern and Western Thought by Dr. David Baumgardt. 1-00

3235 Main Currents in the Ancient History of Gujarat : by Dr. B. A. Saletore. 5-00

3236 Maitrayaniya Upanishads. English translation by L. B. Cowell. 2-00

3237 Majjima-Nikaya-Pali Text Romanized. Edited by V. Trenckner. 4 Vols. With Index 131-25

3238 Making of Literature. Some principles of criticism examined in the light of Ancient and Modern Theory by R. A. Scott-James. 13-13

3239 Making of The Indian Nation by B. G. Gokhale. 15-50

3240 Malati Madhava with the Commentary of Jagaddhara. Edited with a Literal English Translation, Notes, and Introduction by M. R. Kale. 12-00

3241 Malavikagnimitra. English translation only. 1-37

3242 Malavikagnimitram of Kalidasa. With the Commentary of Katayavema, Various Rendings, Introduction, Translation in English and Critical and explanatory Notes. Edited by M. R. Kale. Revised by Prof. Jayanand L. Dave and Prof. S. A. Upadhyaya. With Gujarati Translation by Prof. B. V. Vyas, and with Marathi Translation by Prof. S. G. Desai. 6-50

3243 Malavikagnimitra with Eng. translation by J. T. Parikh, A. G. Mangrulkar and R. N. Gaidhani. 3-50

3244 Malavikagnimitra. Text with English translation by R. D. Karmarkar. 3-50

3245 Malavikagnimitra. A Sanskrit Play by Kalidas. Text with English Translation. Literally Translated into English Prose by C. H. Tawney. Edited by Prof. Rewa Prasad Dwivedi. Third edition. 4-00

3246 Malavikagnimitram of Kalidasa. Critically edited with Introduction, Translation, Notes and Useful Appendices by C. R. Devadhar. 4-50

3247 Malvikagnimitra with English translation. Parts I-II. 3-00

3248 Malvikagnimitra with English translation and Notes by C. S. Ram Shastri. 3-50

3249 Malvikagnimitra with English translation by J. M. Ashar. 4-00

3250 Malvikagnimitra with English translation by G. H. Godbole. 5-50

3251 Malvikagnimitra with Eng. Notes & Tr. by A. S. K. Rao. 5-50

3252 Malviyaji by B. J. Akkad. 1-25

3253 Mammals of the World by Hans Hvass. Translated by Gwynne Vevers. Illustrated by Wilhelm Eigener. 22-05

3254 Man and Culture. Edited by Raymond Firth. 25-60

3255 Man and Reason by Ram Gopal. 16-00

3256 Man in Buddhism and Christianity by Dr. Bryankdekretser. 3-00

3257 Man in the New World by K. G. Saiyidain. Foreword by B. H. Zaidi 6-50

3258 Man, Reality and Values. Foreword by B. H. Zaidi. 8-50

3259 Manab O Bishwa Jagat by Harry A. Kuljian. (In Bengali). 10-00

3260 Management and Organization By Louis A. Allen. 18-00

3261 Manameyodaya with English translation by N. Bhatta. 4-00

3262 Manasa Vijaya of Vipradasa. A fifteenth century Bengali Text. Edited with a Summarised Translation, Notes and Glossary and with an Introduction on the Literature, Myth and Cults Relating to Manasa by Sukumar Sen. 12-00

*3263 **Manava-Kalpa-Sutra** : Being a Portion of This Ancient Work on Vaidik Rites. Together with the Commentary of Kumarila-Swamin. With a Preface By Theodor Goldstucker. **Shortly**

3264 Manava Srautasutra. Belonging to the Maitrayani Samhita. English translation by Dr. Jeannette M. Van Gelder. 40–00

3265 Mandukya Upanishad with Karika, Sankara's Commentary and Eng. Translation by S. Nikhilananda. 6–00

3266 Mandukyopanisad with English translation and a Summary of Gaudapada's Karika by Swami Sharvananda. 0–75

3267 Mango by S. R. Gangolly. Foreword by Ajit Prasad Jain. 40–00

3268 Manikana : A Navya Nyaya Manual. Edited with English Translation and Notes by Dr. E. R. Sreekrishna Sarma. 10–00

3269 Manjusri–Nama–Sangiti in Mongolian, Tibetan, Sanskrit and Chinese and Sekoddesa in Tibetan and Mongolian. Edited by Dr. Raghuvira. 30–00

3270 Manoratha–Purani. Commentary on the Anguttara Nikaya. Vols. IV–V. With Indexes to Vols. I–V. Edited by Hermann Kopp. 52–50

3271 Mansing in Norway by Ragnvald Iversen. 25–00

3272 Manu. English translation by G. Buhler. (S. B. E) 20–00

3273 Manu Dharma Sastra : A Sociological and Historical Study by Kawal Motwani. Foreword by Ernest Wood. 15–00, 20–00

3274 Manu–Samhita. Chapters I, II & VII with English translation by S. Roy. Chap. I & VII **Each Chapter** 5–00
Chap. II 6–00

3275 Manu-Smriti. Chapters 1, 2. With Manvarthamuktavali of Kulluka, English Commentary of G. Buhler and Vidyadhari Bhashya of Satya Bushan Yogi. Edited by Satya Bushan Yogi. 6–00

3276 Manual of a Mystic. Being a Translation from the Pali and Sinhalese Work entitled—'The Yogavachara's Manual' by F. L. Woodward. Edited with Introductory Essay by Mrs. Rhys Davids. 22–05

3277 Manual of Arms Law by Y. P. Dangwal. Foreword by G. L. Nanda. 25–00

3278 Manual of Classification (A) for Librarians and Bibliographers by W. C. Berwick Sayers. With Illustrations and Bibliography. 55–13

*3279 **Manual of Buddhism (A),** In its Modern Development. Translated from Singhalese Mss. by R. Spence Hardy. (Chow. Sans. Studies Vol. LVI.) **30–00**

*3280 **Manual of Classical Sanskrit Prosody.** By
Prof. S. N. Shastri, M. A., D. Phill, LL. B. **Shortly**

3281 Manual of Ethics by Jadunath Sinha. 12–00

3282 Manual of Ethics by A. K. Trivedi. 5–75

3283 Manual of Hindu Astrology (Correct Casting of Horoscopes) by B. V. Raman. 4–50

3284 Manual of Hindu Ethics by G. A. Chandavarkar. 3–00

3285 Manual of Library Economy by James Duff Brown. Completely Re-written by R. Northwood Lock. 44–10, 66–15

3286 Manual of Pali by C. V. Joshi. 5–50

3287 Manual of Psychology by Jadunath Sinha. 12–00

3288 Manual of Sanskrit Phonetics. In Comparison with the Indogermanic, Mother-Language, for Students of Germanic and Classical Philology by Dr. C. C. Uhlenbeck. 12–50

3289 Manual of Zen Buddhism by D. T. Suzuki. 15–00

3290 Manuscript Illustrations of the Uttaradhyayana Sutra. Reproduced and described by W. Norman Brown. 22–50

3291 Maratha Geopolitics and the Indian Nation by G. S. Singh. Foreword by Dr. K. N. Katju. 27–00

3292 Maratha Rule in the Carnatic by C. K. Srinivasan. Introduction by Surendra Nath Sen and edited by C. S. Srinivasachari. 3–50

3293 Marathas and Panipat. Edited by Hari Ram Gupta. 20–00

3294 Marathi Theatre (Marathi Natya Parishad) 7–50

3295 March of Civilisation by Nalini Kanta Gupta. 1–50

3296 March on Delhi by A. J. Barker. 44–10

3297 Marriage and Faimily Life in Ugaritic Literature by A. Van Selms. 21–00

3298 Marriage and Kinship of the Gangadikara Vokkaligas of Mysore by Mrs. Bhavani Banerjee. 45–00

3299 Marriage and Morals by Bertrand Russell. 13–13

3300 Marriage Regulations Among Certain Castes of Bengal by Mrs. Bala Gangopadhyay. 10–00

3301 Marwar and the Mughal Emperors (A. D. 1526–1748) by Vishweshwar Sarup Bhargava. 15–00

3302 Masacres at Amritsar by Rupert Furneaus. Illustrated. 26–25

3303 Master and the Disciple by D. S. Sarma. 2–00

3304 Master as I saw Him by Sister Nivedita. 5–50

3305 Mastering Your Nerves by A. T. W. Simeons. 4–00

3306 Masterpieces of Greek Coinage. Essay and Commentary by Charles Seltman. 26–25

3307 Masterpieces of Kalpasutra Paintings by S. M. Nawab. With 484 Illustrations, in Colour 180, and 304 Monocrome. 350–00

3308 Masterpieces of Persian Art by Arthur Upham Pope. 66–15

3309 Materials for a History of Tibetan Literature by Dr. Lokesh Chandra. 3 Parts. 90–00

3310 Materials for the Study of Navya–Nyaya Logic by D. H. H. Ingalls. 45–00

3311 Mathematical Representation of Some Paninian Sutras by M. D. Pandit. 1–50

3312 Matsya Puran: A study. (मत्स्यपुराणानुशीलनम्) An exposition of the ancient Purana–Vidya by Vasudeva S. Agrawala. 30–00

3313 Maulana Abul Kalam Azad : The President of the Indian National Congress : A Biographical Memoir. By Mahadev Desai. Foreword by Mahatma Gandhi. 4–50

3314 Maulana Azad's Contribution to Education by K. G. Saiyiadin. 1–50

3315 Maurya and Sunga Art by Nihar Ranjan Ray. 45 Plates. 30–00

3316 Mauryan Polity by V. R. Ramchandra Dikshitar. 16–50

3317 Mauryas and the Mauryan Empire by Ram Krishna. 2–00

3318 Max Muller : The Man and His Ideas. By Johannes H. Voigt. 10–00

3319 Meaning of Art by Herbert Read. 18–90

3320 Meaning of Faith by Harry Emerson Fosdick. 1–25

3321 Meaning of History by Erich Kahler. 31–50

3322 Measurement of Productivity in Indian Industry by R. Balakrishna. 22–50

3323 Mediaeval History of Nepal (C. 750–1480) by Luciano Petech. 83–34

3324 Mediaeval Jainism with special reference to the Vijayanagara Empire by B. A. Saletore. 5–50

3325 Medical Dictionary. Anglo–Hindi by M. Bhattacharya. 10–00

3326 Medicinal Plants of India and Pakistan by J. Dastur. 5–95

3327 Medicine. Edited by Garland and Phillips. 2 Vols. 100–80

3328 Medicine : Essentials for Practitioners and Students by G. E. Beaumont. With 70 Illustrations. 38–40

3329 Medieval and Linguistic Studies. In Honour of Francis Peabody Magoun, Jr. Ed. and Foreword by Jess B. Bessinger and Robert P. Creed. 57–75

3330 Medieval History of the Deccan by S. K. Sinha. Vol. I (Bahmanids). 12–00

3331 Medieval Indian Culture by Ashirbadi Lal Srivastava. 10–00

3332 Medieval Malwa : A Political and Cultural History 1401–1562 by Upendra Nath Day. 30–00

3333 Medieval Nepal by D. R. Regmi. Part I—Early Medieval Period 750–1530 A. D., Part II—A History of the Three Kingdoms 1520–1768 A. D., Part III–Source Materials for the History and Culture of Nepal. 140–00

3334 Meditations on Savitri. 3 Parts. 135–00

3335 Meeting of The East and The West in Sri Aurobindo's Philosophy by S. K. Maitra. 8–50, 9–75

3336 Meghaduta by Nerurkar. 2–50

*3337 **Meghaduta or Cloud Messenger** : A Poem in the Sanskrit Language by Kalidasa. Translated into English Verse, with Notes and Illustrations, by H. H. Wilson, M. A., F. R. S., etc., Boden Professor of Sanskrit in the University of Oxford. Third Edition. (Chow. Sans. Studies Vol. IX) **7–50**

3338 Meghaduta. With the Commentary (Samjivani) of Mallinath. Edited with English translation and Notes by M. R. Kale. 4–50

3339 Meghaduta in Anglo-Bengali by S. Roy. 7–00

3340 Meghasandesa with English Notes and Translation by C. Sankara Rama Sastri. 3–75

3341 Meghasandesha with English notes & Translation by G. J. Somayaji. 3–75

3342 Memoirs of Jahangir by Sir H. M. Elliot. Edited by Prof. John Dowson. 10–00

3343 Memoirs of the Archaeological Survey of India :—

1. An Archaeological Tour in Upper Swat and Adjacent Hill Tracts by Sir Aurel Stein. (No. 42) O. P.
2. Excavation at Agroha, Punjab by H. L. Srivastava. (No. 61) O. P.
3. The Gupta Temple at Deogarh by Pt. Madho Sarup Vats. (No. 70) O. P.

3344 Memoirs of the Life of Constable by C. R. Leslie. Edited by Jonathan Mayne. 350 pages text, 72 Illustrations, 14 in Colour. 13–13

3345 Memories and reflections by Sampurnanand 12–50

3368 Mewar and the Mughal Emperors. (1526–1707 A. D.). By G. N. Sharma. With a Foreword by A. L. Srivastava. 12–50

3369 Mi La Ras Pa'I Rnam Thar Texte Tibetain De La Vie De Milarepa Edite Par J. W. De. Jong. 36–00

3370 Michelangelo. Paintings, Sculptures and Architecture by Ludwig Goldscheider. 62–48

3371 Middle East : A Physical, Social and Regional Geography by W. B. Fisher. 32–37

3372 Middle Indo-Aryan Reader by Suniti Kumar Chatterjee and Sukumar Sen. Part I : Texts and Part II : Notes. 10–00

3373 Middle Kingdom Art in Ancient Egypt. 2300–1590 B. C. By Cyril Aldred. 7–20

3374 Middle Length Saying (Majjhima-Nikaya) Translated into English by I. B. Horner. 3 Vols. 117–60

3375 Milinda's Questions. Translated from the Pali by I. B. Horner. 2 Vols. 132–30

3376 Milindapanha. Edited by K. De. Vreese. 4–50

3377 Milindapanha and Nagasenabhikshusutra. A Comparative Study (Through Pali and Chinese Sources) by Bhikkhu Thich Minh Chau. 6–[illegible]0

3378 Milindapanho. Being Dialogues Between King Milinda and the Buddhist Sage Nagasena. The Pali Text, Edited by V. Trenckner. To which has now been appended a General Index by C. J. Rylands and an Index of Gathas by Mrs. Rhys Davids. 44–10

3379 Milinda-Tika. Ed. By Padmanabh S. Jaini. 22–05

3380 Military History of India by Jadunath Sarkar. 8–00

3381 Military System in Ancient India by Bimal Kanti Majumdar. 10–00

3382 Military System of the Sikhs : During the period 1799–1849 by Fauja Singh Bajwa. 20–00

3383 Milk and Honey by George Mikes. 11–03

3384 Mimamsa : The Vakya-Sastra of Ancient Indian by Dr. G. V. Devasthali. Volume I 17–50

3385 Mimansa : The Secret of the Sacred Books of the Hindus by N. V. Thadani. 30–00

3386 Mimansa Jurisprudence (The Sources of Hindu Law) by A. S. Nataraja Ayyar. 5–00

3387 Mimansa Paribhasha-text with English translation by S. Madhavananda. 2–00

3388 Mind and Its Place in Nature by C. D. Broad. 57–75

3389 Mind of Mr. Nehru by P. K. Karanjia. ......

3390 Mind of Santayana by Richard Butler. 16–80

3391 Minor Anthologies of the Pali Canon. Vol. II. Udana : Verses of Uplift and Itivuttaka by F. L. Woodward. 15–75

3392 Minor Buddhist Texts by G. Tucci. 2 Parts. 192–05

3393 Minor Law-Books. Translated by Julius Jolly. (S. B. E.) 20–00

3394 Minor Readings (Khuddakapatha) The first book of the minor collection (Khuddakanikaya) Translated from the Pali by Bhikkhu Nanamoli. 66–15

3395 Minor Upanishads Vol. I. Amritabindu and Kaivalya-Upanishads with Commentaries. Translated into English by A. Mahadeva Sastri. 2–25

3396 Minor Upanishads. With Original text, Introduction, English rendering and Comments. 1–50

3397 Minor Works of Sri Sankaracharya with Sanskrit text, Translation and Notes by Y. Subrahmanya Sarma. 1–25

3398 Miracles of Fruits by Dr. Ganpati Singh Varma. 5–00

3399 Miraculous and the Mysterious in the Vedic Literature by Dr. B. A. Parab. 6–75

3400 Mirashi Felicitation Volume (A Collection of Forty two Indological Essays) Edited by G. T. Deshpande, Ajay Mitra Shastri and V. W. Karambelkar. 40–00

3401 Mirat–I–Ahmadi. A History of Gujarat in Persian of Ali Muhammad Khan. Edited by S. Nawab Ali. 2 Parts. 30–00

3402 Mirat–I—Ahmadi. A Persian History of Gujarat. (English Translation) Translated from the Persian Original of Ali Muhammad Khan by M.F. Lokhandwala. 45–00

3403 Mirat–I–Ahmadi. Supplement. Persian Text of Ali Muhammad Khan. Edited by S. Nawab Ali. 12–00

3404 Mirat–I–Ahmadi Supplement. Translated from the Persian of Ali Muhammad Khan by Nawab & Seddon. 12–00

3405 Mirat-I-Sikandiri of Shaikh Sikandar Ibn Muhammad Urf Manju Ibn Akbar Edited by S. C. Mishra and M. L. Rehman. 26–00

3406 Mirror of Composition. A treatise on poetical criticism, being an English translation of 'The Sahitya Darpana of Viswanath Kaviraja' by Pramada Dasa Mitra. 15–00

3407 Miscellaneous Inscriptions from The Tamil, Malayalam, Telugu and Kannada Countries. Edited by K. V. Subrahmanya Aiyer. (South–Indian Inscriptions. (Text) Volume. VIII) 21–00

3408 Mission of Philosophy by M. Hiriyanna. 6-00

*3409 **Mithila in the Age of Vidyapati** (A Study in Cultural History) by Prof. Radha Krishna Chaudhary. **Shortly**

3410 Mkhas - Pahi - Dgah - Ston of Dpah - bo - gtsug - lag (also known as Lho - brag - chos - hbyun) by Dr. Lokesh Chandra. With a Foreword by Mr. H. E. Richardson. 4 Parts. 150-00

3411 MK^cyen Brtse's Guide to the Holy Places of Central Tibet by Alfonsa Ferrari. Completed and edited by Luciano Petech. With the collaboration of Hugh Richardson. 75-15

3412 Modern Approach to History by Buddha Prakash. 20-00

3413 Modern Approach to Islam by Assaf A. A. Fyzee 16-00

3414 Modern Art in India. 58 Colour and Monochrome Plates by Ajit Mookerjee. 34-00

3415 Modern Assamese Literature (1826-1947) by Dimbeswar Neog. Foreword by Dr. Jules Bloch. 7-50

3416 Modern Civilization. A History of the Last Five Centuries by Crane Brinton, John. B. Christopher and Robert Lee Wolff. 69-00

3417 Modern Economic Development of Great Powers (U. K., U. S. A., U. S. S. R., Germany, and Japan) by S. Nagesh Rao. 8-50

3418 Modern English Grammar on Historical Principles by Otto Jespersen. 7 Parts. 141-75

3419 Modern Europe up-to 1945 by Charles Downer Hazen, with additional chapters by S. P. Verma. 12-50

3420 Modern French Literature by Anne - Maric Matley. 1-00

3421 Modern French Literature and Language. A Bibliography of homage studies by Herbert H. Golden and Seymour O. Simches. 24-00

3422 Modern Governments by B. M. Sharma. 14-00

3423 Modern History of Georgia by David Marshall Lang. With 40 Illustrations. 37-80

3424 Modern History of Japan by W. G. Beasley. With 36 Illustrations. 37-80

3425 Modern History of Soviet Central Asia by Geoffrey Wheeler. With 21 Illustrations and 10 Maps. 37-80

3426 Modern History of the Sudan. From the Funj Sultanate to the Present Day by P. M. Holt. With Illustrations. 31-50

3427 Modern Iberian Language and Literature: A Bibliography of Homage Studies by Herbert H. Golden and Seymour O. Simches. 20-00

3428 Modern India by Swami Vivekananda. 0-75

3429 Modern Indian Culture by D. P. Mukerji. 6-50

3430 Modern Indian Painting by P. R. Ramachandra Rao. With Historical Background and Biographical Notes. 204 Monochrome Plates and 22 colour Plates. French Resume by Marcella Hardy. 75-00

3431 Modern Indian Thought. Philosophical Survey by V. S. Naravane. With a Foreword by Humayun Kabir. 12-00, 20-00

3432 Modern Italian Language and Literature. A Bibliography of Homage Studies by Herbert H. Golden and Seymour O. Simches. 22-50

3433 Modern Japan. A Short History (Perry to Sato) by B. R. Chatterji. 10-00

3434 Modern Linguistics by Simeon Potter. 15-75

3435 Modern Man in Search of A Soul by C. G. Jung. 9-98, 16-40

3436 Modern Man in Search of Religion by Swami Pavitrananda. 1-50

3437 Modern Movement in Art by R. H. Wilenski. 37-80

3438 Modern Movements in Islam by Dr. J. Germanus. 4-00

3439 Modern Nepal. Rise and Growth in the 18th Century by D. R. Regmi. 25-00

3440 Modern Norwegian Literature by Torbjorn Stoverud. 1-00

3441 Modern Philosophies of Education by John S. Brubacher. 16-50

3442 Modern Political Constitutions by Strong. 25-00

3443 Modern Predicament: A Study in the Philosophy of Religion. Based on Gifford Lectures delivered in the University of St. Andrews by H. J. Paton. 36-75

3444 Modern Religious Movements in India by J. N. Farquhar. With Plates. 25-00

3445 Modern Swedish Literature by S. A. Bergmann. 1-00

3446 Modern Theories of Hindu Jurisprudence by Karunamay Basu. Vol. II. 5-00

3447 Modern Trends in the Design & Construction of Dams and Power Houses by Kanwar Sain. 25-00

3448 Modern University Education in India by Major-General S. L. Bhatia. 1-00

3449 Modernisation of a Traditional Society by Wilfred Cantwell Smith. Foreword by S. L. Poplai. 4-00

3450 Moghal Bibliography. Select Persian Sources for the Study of Mughals in India by Vicaji D. B. Taraporewale and D. N. Marshall. 20-00

3451 Mohavicchedani Abhidhamma Matikatthavannana by Kassapatthera of Cola. Edited by Aggamahapandita A. P. Buddhadatta Mahathera and A. K. Warder. 88–20

3452 Mohen-Jo-Daro by Prof. C. L. Mariwalla. 3–00

3453 Monasteries and Culture Change in Inner Mongolia by Robert James Miller. 45–00

3454 Monetary and Fiscal Policy of India by K. C. Chacko. With a Foreword by Dr. C. R. Whittlesey. 15–00

3455 Monetary Policy and Economic Growth by H. V. R. Iengar. 17–50

3456 Mongol Chronicles of the Seventeenth Century by C. Z. Zamcarano. Translated by Rudolf Loewenthal. 45–00

3457 Mongolian-English Dictionary. Edited by Folke Boberg. Vol. I: A- Chachigho Tarani, Vol. II: Chachigho Sortal-Vivangkhirit, Vol. III : English-Mongolian A-Zodiac. 370–00

3458 Mongolian Monuments in Hpc Ags-Pa Script by Nicholas Poppe. Second edition translated and edited by John R. Krueger. 67–50

3459 Mongols of Afghanistan. An Ethnography of the Moghols and Related Peoples of Afghanistan by H. F. Schurmann 103–50

3460 Monks and Civilization. From the Barbarian Invasion to the Reign of Charlemagne by Jean Decarreaux. Translated by Charlotte Haldane. With Illustrations and Maps. 52–50

3461 Monograph of Moslem Calligraphy. With 163 Illustrations of its Various Styles and Ornamental Designs by M. Ziauddin. 4–00

3462 Monograph on Yeleswaram Excavations by Md. Abdul Waheed Khan. 20–00

3463 Monuments of Romanesque Art : The Art of Church Treasures in North-Western Europe by Hanns Swarzenski. A good collection of Art Treasures of 800–1200 A.D. Deposited in the churches of North-Western Europe produced very nearly on 565 Art Plates with detailted Notes and Explanations. (Second Edition 1967). 220–50

3464 Montagu-Chelmsford Reforms by V. P. Menon. 2–50

3465 Moon by H. P. Wilkins Patrick-Moore. 66–15

3466 Moral & Spiritual Foundation of Peace by B. L. Atreya. 2–00

3467 Moral Philosophy : Green and Gita by Dr. H. N. Misra. Foreword by Dr. B. L. Atreya. 20–00

3468 More Essays from the World of Music by Ernest Newman. Essays from the 'Sunday Times' Selected by Felix Aprahamian. 16–80
3469 More Poems by Aurobindo. 2–00
3470 Moses and Monotheism by Sigmund Freud. Translated from the German by Katherine Jones. 22–05
3471 Most Ancient Aryan Society by Ram Chandra Jain. 20–00
3472 Mother and Child Welfare (Based on Original Sanskrit texts) Edited by Dr. A. Lakshmi Pathi & Dr. V. Subba Rao. 10–00
3473 Mother as I Saw Him by Sister Nivedita. 5–00
3474 Mother of Love by M. P. Pandit. Vol. I. 7–00
3475 Mother of the Golden All by Chinmoy 1–25
3476 Mother–Right in India by B. O. R. Ehrenfels. 8–00
3477 Mothers of Six Cultures : Antecedents of Child Rearing by Leigh Minture and William W. Lambert. 59–63
3478 Motilal Nehru. A Short Political Biography by A. Pershad and Promilla Suri. Foreword by S. Radhakrishnan. 4–50
3479 Motilal Nehru : Essays and Reflections on his Life and Times (Birth Centenary Commemoration Volume) Edited by S. P. Chablani and Preet Chablani. 10–00
3480 Motilal Nehru Birth Centenary Souvenir. Edited by L. R. Nair. 10–00
3481 Mount Everest. Formation, Population and Exploration of the Everest Region. Toni Hagen Gunter-Oskar Dyhren Furth Christoph von Furer-Haimedorf Erwin Schneider. Translated by E. Noel Bowman. 40–00
3482 Mountains by Lorus J. Milne and Margery Milne and the Editors of Life. 26–00
3483 Mrgendragama (Kriyapada et Caryapada) avec la Commentaire de Bhatta–Narayana Kantha. Edition Critique Par N. R. Bhatta. 18–00
3484 Mricchakatika of Sudraka by M. R. Kale Edited with the Commentary of Prithvidhara (Enlarged Where Necessary), Various Readings, a Literal English Translation, Notes, and an Exhaustive Introduction. 12–50
3485 Mudra : A Study of Symbolic Gestures in Japanese Buddhist Sculpture by E. Dale Saunders. 42–00
3486 Mudraraksasa by Devadhar and Bedekar. 4–75
3487 Mudrarakshas of Visakhadatta. With English and Hindi Translations, Critical and Explanatory Notes, Introduction and various Readings by M. R. Kale. 10–00

3488 Mudra-Rakshasa or the Signet Ring by Visakha-Datta. A Play in Seven Acts. Translated into English from the Original Sanskrit by Ranjit Sitaram Pandit. 15-00

3489 Mudraraksasa with English translation. 4-25

3490 Mudraraksasa with English translation by J. M. Ashar. 5-50

3491 Mudraraksasa with English translation by Prof. R. R. Deshapande. 5-00

3492 Mudraraksasa with English translation and Notes by S. Roy. 12-50

3493 Mudraraksasa Natak Katha of Mahadeo with English translation by V. Raghavan. 2-50

3494 Mudrarakshasa or The Signet Ring. A Sanskrit Drama in Seven Acts by Visakhadatta. Critically edited with copious Notes, Translation; Introduction and Appendices etc., by Diwan Bahadur K. H. Dhruva. 8-00

3495 Mughal Administration by Jadunath Sarkar. 5-00

3496 Mughal Empire. (1526-1803 A. D.) By Ashirbadi Lal Srivastava. 10-00

3497 Mughal Government and Administration by Shri Ram Sharma. 16-00

3498 Mughal Painting with an Introduction and Notes by J. V. S. Wilkinson. 13-13

3499 Mughal Rule in India by V. D. Mahajan and Savitri Mahajan. 6-50

3500 Mughal Rule in India by S. M. Edwardes and H. L. O. Garrett. 8-50

3501 Mughals in India. A Bibliographical Survey by D. N. Marshall. Vol. I Manuscripts. 50-00

3502 Muhammad in Parsi, Hindoo and Buddhist Scriptures by A. H. Vidyarathi. 5-00

3503 Muhurtha or Eliotional Astrology by B. V. Raman. 8-25

3504 Mukhalingam Temples by Dougles Barrett. Sirpur and Rajim Temples by Moreshwar G. Dikshit. 12-50

3505 Mula-Madhyamaka-Karika of Nagarjuna. With Commentary of Candrakirti and with Manjuvyakhya by Pt. Sri Bidhu Bhusan Tark-Vedanta-Sankhya-Tirtha. Ed. with English & Bengali Translations by Dr. Heramba Chatterjee Sastry. Part II. 10-00

3506 Munda-Magyar-Maori : An Indian link between the Antipodes, new tracks of Hungarian Origins. Illustrated with 8 plates by F. A. Uxbond. 30-00

3507 Mundakopanishad with English translation by Swami Sharvananda. 1-50

3508 Mundari-English Dictionary by Manindrabhusan Bhaduri. 3-75

3509 Mundari Folk Tales (In original Language in Devanagri script) with English translation. Collected & translated by P. K. Mitra. 5-50

3510 Munshi : His Art and Work. Vols. II-III. 7-00

3511 Munshi Indological Felicitation Volume (Published in Bharatiya Vidya) 30-00

3512 Munshi Premchand : A Literary Biography by Madan Gopal. 26-00

3513 Munshi's World of Imagination. With 35 Art Plates in full Colours by Ravishankar M. Raval. 35-00

3514 Muntu. An Outline of Neo-African Culture by Janheinz John. Translated by Marjorie Grene. 31-50

3515 Murals of Ajanta, India. Edited by The China India Foreign Ship Association. 15-00

3516 Muro – Ji an Eighth Century Japanese temple. Its Art and History Photographs by Ken Domon. English text by Roy Andrew Miller after the Japanese original of Momoo Kitagawa. 60-00

3517 Museum : Its History and its Tasks in Education by Alma S. Wittlin. Illustrated. 22-40

3518 Museums and Art Galleries. 5-00

3519 Museums and Society by Dr. Satya Prakash. 1-75

3520 Music Dictionary by Marilyn Kornreich Davis. In collaboration with Arnold Broido. With musical examples, and drawings by Winifred Greene. 16-80

3521 Music in Medieval Britain by Frank Li Harrison. Illustrated. 48-00

3522 Music in Primitive Culture by Bruno Netti. 40-00

3523 Music of India by Herbert A. Popely. 5-00

3524 Music of India by S. Bandhopadhyaya. 5-50

3525 Music of India by William Jones and N. Augustus Willard. 12-00

3526 Musical Instruments. Their History in Western Karl Geiringer. Translated by Bernard Miall. Edited by W. F. H. Blandford. 44-10

3527 Muslim Architecture of Egypt by K. A. C. Creswell. Vol. II. Ayyubids and Early Bahrite Mamluks. A. D. 1171-1326. 400-00

3528 Muslim Communities in Gujarat by Satish C. Misra. With Foreword by J. M. Mehta. 18–00

3529 Muslim Community of the Indo-Pakistan Subcontinent (610-1947). A Brief Historical Analysis by Ishtiaq Husain Qureshi. 57–00

3530 Muslim Patronage to Sanskrit Learning by Dr. Jatindra Bimal Chaudhury. 8–00

3531 Muslim Rule in India by Vidyadhar Mahajan. 13–50

3532 Muslim World. A Historical Survey by Bertold Spuler. Translated from the German by F. R. C. Bagley.
Part. I. The Age of the Caliphs. 49–50
Part. II. The Momgol Period. 42–75

3533 Mutiny and British Land Policy in North India 1856-1868 by Jagdish Raj. 20–00

3534 My Life by Isadora Duncan. 3–00

3535 My Life and Mission by Swami Vivekananda. 0–87

3536 My Philosophical Development by Bertrand Russell. 18–90

3537 My Picture of Free India by M. K. Gandhi. Edited by Anand T. Hingorani. 4–00

3538 My Pilgrimages to Ajanta and Bagh by Mukul Dey. 12–50

3539 My Political Memoirs or Autobiography by Dr. N. B. Khare. 20–00

3540 My Religion by M. K. Gandhi. 2–00

3541 My Sculpture by Prodosh Das Gupta. 30–00

3542 Mysore State. Edited by A. T. A. Learmonth and L. S. Bhat. Vol. I An Atlas of Resources. Vol. II A Regional Synthesis. 2 Vols. 60–00

3543 Mysteries of Life and Death. Edited by Chaman Lal. 20–00

3544 Mysterious Kundalini (Hath Yoga in terms of Western Science) by Rele. 3–75

3545 Mysterious Trinites in Numbers by Bhalchandra Shinde. 2–00

3546 Mysterium Coniunctionis. An Inquiry into the Separation and Synthesis of Psychic Opposites in Alchemy (Collected Works of C. G. Jung Vol. XIV) Translated from the German by R. F. C. Hull. 55–13

3547 Mystery of the Mahabharata (Systems of Hindu Philosophy and Religion) by N. V. Thadani. Vols. II to V. 200–00

3548 Mystic Approach to the Veda and the Upanishad by M. P. Pandit. 3–00

3549 Mysticism. A Study in the Nature & Development of Man's Spiritual Consciousness by Evelyn Underhill. London. 13-13, 24-00

3550 Mysticism : Christian and Buddhist by D. T. Suzuki. 10-80

3551 Mysticism & Logic & other Essays by Bertrand Russell. 6-30, 13-13

3552 Mystics and Magicians of India. An Anthology by Louis Jacolliot, W. G. Osborne and P. C. Sarcar etc., 2-00

3553 Mystics Experiences by Dr. Bhagwan Das. 2-50

3554 Myth and Reality. Studies in the Formation of Indian Culture by D. D. Kosambi. With Illustrations. 12-50

*3555 **Mythology of the Aryan Nations.** By Sir George W. Cox. (Chow. Sans. Studies Vol. XXVII.) **30-00**

3556 Mythology of the Thompson Indians by James Teit. 40-00

3557 Myths and Legends of India : An Introduction to the Study of Hinduism by Rev. J. M. Macfie. 8-00

3558 Myths and Symbols in Indian Art and Civilization by Heinrich Zimmer. Edited by Joseph Campbell. 70 Plates. 33-75

3559 Myths of the Hindus and Buddhists by A. K. Coomaraswamy and The Sister Nivedita. With 32 Illustrations by Indian Artists under the Supervision of Abanindro Nath Tagore. Paper Edition. 18-75

N

3560 Na-Khi-English Encyclopedic Dictionary by J. F. Rock. Part-I. 400-80

3561 Na-Khi Naga Cult & related Ceremonies by J. F. Rock. 2 Vols. 250-50

3562 Nagananda. Edited with an exhaustive Introduction, Lucid English Translation, Critical and Explanatory Notes and useful Appendices by J. M. Ashar. 3-50

3563 Nagananda. Edited with Introduction, Translation, Notes and Appendix by P. V. Ramanuja Swami. 4-00

3564 Nagananda. Text with English translation by R. D. Karmarkar. 5-00

3565 Nagananda. Text with English translation. 2 Parts. 3-50

3566 Nagananda with English translation by Toraskar and Deshpande. 5-00

3567 Nagananda with English translation by Karandikar and Karandikar. 5-50

3568 Nagpur Affairs (Selection from the Menavali Dafter) by Shejwalkar. 15-00

3569 Naisadhacarita of Sri Harsha. Translated into English with critical Notes and Extracts from unpublished Commentaries, Appendices and a vocabulary by Krishna Kanta Handiqui. 21-00

3570 Naisadhacharita with English notes and translation by S. V. Dixit. (Cantos I-III). 4-00

3571 Nakshatra, Thithi and Gochara Phala or Effects of Constellations, Lunar Days and Planetary Transits. Translated by N. N. Krishna Rau. 7-50

3572 Nala by K. D. Vreese 45-00

3573 Nalanda Current Dictionary. Containing 200000 words with English-Hindi Meanings. Compiled by P. N. Agrawal, Dr. K. R. Jajoria, Gupta and Gupta. 16-50

*3574 **Nalopakhyanam.** Story of Nala. An Episode of the Maha-Bharata. The Sanskrit Text, with a Copious Vocabulary and an Improved Version of Dean Milonan's Translation by Monier Williams, M. A., D. C. L. (Chow. Sans. Studies Vol. LIII.) **25-00**

3575 Nalopakhyana with English Translation by Debi Prasad Malaviya. 1-50

3576 Namamala of Bhoja with Critical notes by Kulkarni and Gokhale. 6-00

3577 Namrupa Dharmarupa by Dr. Maryla Falk. 4-00

3578 Nanalal : Poet-Laureate of Modern Gujarat. A Study in Creative Interpretation by Balchandra Parikh. With Foreword by K. M. Munshi. 3-75

3579 Narada Bhakti Sutra (Aphorisms on the Gospel of Divine Love) with Sanskrit text, word by word meaning, English rendering of the text and Notes by Swami Tyagisananda. 4-00

3580 Narada's Aphorisms on Bhakti by Y. Subrahmanya Sharma. 50-0

3581 Narayan Vaman Tilak : The Christian Poet of Maharashtra. 2-00

3582 Narayanapariprccha. Sanskrit and Tibetan Texts. Edited by Anukulchandra Banerjee. 0-75

3583 Narayaneeyam (The Gospel of Guruvayur) of Sri Meppathur Narayana Bhattathiripad. A Masterly Classical Version of Srimad Bhagavatham with English Commentary by P. N. Menon. 15-00

3584 Narmadashankar : Poet, Patriot-Pioneer, Prose-Writer by Gulabdas Broker. 1-50

3585 Narrative of a Child Analysis. The Conduct of the Psycho-Analysis of Children as seen in the Treatment of a Ten-year old boy. By Melanie Klein. 78–75

3586 Narrative of Bhoja (Bhojaprabandha) by Ballala of Banaras. Translated by Louis H. Gray. 24–50

3587 Nation in Making. Being the Reminiscences of Fifty Years of Public Life—Sir Surendranath Banerjea. 20–00

3588 National Bibliography of Indian Literature 1901–1953. Vol. I. Comprising Assamese, Bengali, English, Gujarati. General Editors : B. S. Kesavan and V. Y. Kulkarni. 50–00

3589 National Movement in Modern China by Krishnalal Chatterji. 10–00

3590 National Unity and Progress by Candrakanta Cakravarti. 3–00

3591 National University Papers and Proceedings of the Seminar Convened on September 28–30, 1962. Edited by A. B. Shah. 40–50

3592 National Value of Art by Sri Aurobindo. 1–00

3593 Natural Law and The Theory of Society 1500 to 1800 by Otto Gierke. With a Lecture of the ideas of natural law and humanity by Ernest Troeltsch. Translated with an Introduction by Ernest Barker. 94–50

3594 Natural Theosophy by Ernest Wood. 4–00

3595 Naturalistic Tradition in Indian Thought by Dale Riepe. 8–00

3596 Nature, Mind and Modern Science by Errol E. Harris. 28–00

3597 Nature and Right of Religion by W. Morgan. 14–00

3598 Nature of Man according to the Vedanta by John Levy. 14–70

3599 Nature of Philosophy by Daya Krishna. 10–00

3600 Nature of Thought by Brand Blanshard. 2 Vols. 94–50

3601 Nature of Vedic Sakhas and Authorship of the Phonetic Sutras by Prof. S. K. Gupta. 1–50

3602 Natya, Nṛtta and Nṛtya : Their Meaning and Relation by K. M. Varma. 3–00

3603 Natyadarpana of Ramacahdra and Gunacandra. A Critical Study by Dr. K. H. Trivedi. Foreword by Dalsukh Malvania. 30–00

3604 Natyasastra. A Treatise on Hindu Dramaturgy and Histrionics. Ascribed to Bharata Muni. Edited and Translated by Manamohan Ghosh. Text, Critically Edited with an Introduction and Various readings and English Translation. Complete. 2 Vols. Bound in 4 Parts. 130–00

3605 Natya Sastra Sangraha. Edited with Translation by K. Vasudeva Sastry, Row Sahib and G. N. Rao. Vols. I–II. 19–00

3606 Nava-Nalanda-Mahavihara Research Publication. Edited by Satkari Mookerjee. Vols. I–II 30–00

3607 Navayats of Kanara : A Study in Culture contact by Victor S. D' Souza. 6–00

3608 Negation by Janaki Ballabha Bhattacharyya. 20–00

3609 Nehru : A Political Biography by Michael Brecher. 33–60
Abridged Edition. 6–00

3610 Nehru on Education by Rajendra Pal Singh. 10–00

3611 Nehru's Letters to his Sister. Edited with an Introduction by Krishna Nehru Hutheesing. 22–05

3612 Nepal and the East India Company by B. D. Sanwal. 22–00

3613 Nepalese Inscriptions in Gupta Characters. Edited by Raniero Gnoli. Part I Text and Plates. 183–70

3614 Nepali Language, its History and Development by Dayanand Srivastava. 10–00

3615 Netti-Prakarana with extracts from Dhammapala's Commentary. Edited by Prof. E. Hardy. 36–75

3616 Neurgaon Inscription of Ramachandra by Dr. P. Sreenivasachar. 1–50

3617 New Africa by Smith Hempstone. With 5 Maps. 47–25

3618 New Approach to Sanskrit by V. P. Bokil and N. R. Parasnis. 5–00

3619 New Approach to the Ramayana by N. R. Navlekar. 10–00

3620 New Basis of Indian Educational Thought by Dr. G. N. Kaul. Preface by Shrimati Hansaben Mehta and Introduction by Prof. T. K. N. Menon. 1–00

3621 New Catalogus Catalogorum (An Alphabetical Register of Sanskrit and Allied Works and Authors) Vol II–A–U (आ–उ) by Dr. V. Raghavan. With a Foreword by Dr. A. Lakshmana Swami Mudaliar. (Madras University Sanskrit Series 26). 28–00

3622 New Citizens of India by Horace Alexander. 5–00

3623 New Dimensions of Yoga by Yogi Raushan.Nath. 15–00

3624 New English Dictionary. (Cassell) Edited by E. A. Baker, Enlarged and reset. 31–50

3625 New French-English, English-French Dictionary (Cassell) completely revised by Denis Girard. With the assistance of Gaston Dulong, Oliver Van Oss and Charles Guinness. 37–80

3626 New German-English, English-German Dictionary. (Cassell) Based on the Editions by Karl Breul. Completely Revised and Re-Edited by Harold T. Betteridge. With a Foreword by Gerhard Cordes. 37-80

3627 New Gita. An interpretation of the Bhagavad Gita. 10th anniversary ed, 1955 by W. La. Violette. 33-75

3628 New History of Sanskrit Literature by Krishna Chaitanya. 18-75

3629 New History of the Marathas by G. S. Sardesai. Vols. II-III. 40-00

3630 New Introductory Lectures on Psycho-Analysis by Sigmund Freud. Authorized Translation by W. J. H. Sprott. 22-05

3631 New Kingdom Art in Ancient Egypt: During the Eighteenth Dynasty. 1570 to 1320 B. C. by Cyril Aldred. 14-40

3632 New Latin-English, English-Latin Dictionary. (Cassell) Revised by D. P. Simpson. 31-50

3633 New Light on the Indus Civilization by K. N. Sastri. Vol. I. Religion and Chronology. Vol. II. Dealing with Disposal of the dead, The Aryan Problem and the Atharvaveda. With a Foreword by Dr. Radha Kumud Mookerji. 20-00

3634 New Light on the most Ancient East by V. G. Childe. Illustrated. 42-00

3635 New Oxford History of Music. Edited by Egan Wellesz.

Vol. I Ancient and Oriental Music Edited by Egon Wellesy. 73-50

Vol. II Early Medievel Music upto 1300. Edited by Dom Anselm Hughes. 73-50

Vol. III Ars Nava and the Renaissance 1300-1540. Edited by Dom Anielm Hughes and Gerald Abraham. 73-50

3636 New Tibeto Mongol Pantheon. By Dr. Raghuvira and Dr. Lokesh Chandra. Parts I-XVII. 510-00

3637 Nichiren, The Buddhist Prophet by Masaharu Anesaki. 15-00

3638 Nicolai Hartmann and Alfred North Whitehead: A Study in Recent Platonism by Jitendra Nath Mahanty. Foreword by Prof. Hermann Wein. 10-00

3639 Nighantu and the Nirukta: The oldest Indian Treatise on Etymology, Philosophy and Sementics. Critically Edited from Original Manuscripts and translated for the first time into English, with Introduction, Exegetical and Critical Notes, Three Indexes and eight Appendices by Lakshman Sarup Text (Pages 1-298), Introduction, English Translation and Notes (Pages 1-260). 40-00

3640 Nilakanthavijaya. Chapter III with English translation. 2-25

3641 Nimbarka School of Vedanta by M. M. Umesha Misra. 15-00

3642 Nirayana Tables of Houses by B. V. Raman and R. V. Vaidya. 12-00

3643 Nirukta Notes. Series-I. By Madhukar Ananta Mehendale. Foreword by S. M. Katre. 10-00

3644 Niskincana-Yasodharam. Sanskrit drama on the life of Yasodhara Gopa, later Lord Buddha by Dr. J. B. Chaudhuri. 6-00

3645 Nitisastra of Masuraksa. Sanskrit Text with Tibetan Text and English Translation by Sunitikumar Pathak. 4-00

3646 Nitisatakam of Bhartrihari. With Intro. Literal English and Kannada trans., etc. by Pt. S. Rangachar. 2-50

3647 Niti Satakam of Bhartrihari. With Translation into Tamil verse by O. N. Appaswami Ayyar. Ed. with an English Translation by V. Gopal Ayengar. Foreward by H. Bhaktavatsalam. 1-00

3648 Nominal Composition in Middle Indo-Aryan by Gulab V. Davane. 16-00

3649 Non-Dualism in Saiva and Sakta Philosophy by Prof. Nundo Lall Kundu. 15-00

3650 Non-Rigvedic Mantras, rubricated in the Asvalayan-Grihya-Sutra : Sources and Interpretations. By Dr. V. M. Apte. 4-50

3651 Non-Violence in Peace & War by M. K. Gandhi. 2 vols. 12-00

3652 Normality and Pathology in Childhood. Assessments of Development by Anna Freud. 36-75

3653 Norris Embassy to Aurangzib (1699-1702) by Harihar Das. Condensed and rearranged by S. C. Sarkar. 25-00

3654 North African Campaign 1940-43 by P. C. Bharucha. 30-00

*3655 **North India during the Seventeenth Century A. D.** By Dr. B. N. Srivastava. **Shortly**

3656 Northern India according to the Shin-Ching-Chu by Luciano Petech. 13-36

3657 Notable Horoscopes by Bangalore Venkata Raman. 8-50

3658 Notebooks of Srinivasa Ramanujan. 2 Vols. 125-00

3659 Notes on History of Sanskrit Literature by S. Ray. 2-50

3660 Notes on the Saundarananda. Critical and Explanatory. Second Series (Saundarananda, Krytyka Teksta, Objasnienia) by Andrzej Gawronski. 13-50

3661 Notes of Some Wanderings with the Swami Vivekananda by Sister Nivedita of Ramakrishna-Vivekananda. 2-00

3662 Notes on the Technique of Painting by Hilaire Hiler. With a Preface by Sir William Rothenstein. 31-50

3663 Novel as the Modern Epic by Sisir Chattopadhyay. 5–00

3664 Nripati–niti–garbhita–vritta Or Farruk–Siyar–Carita of Laksmipati of Kumaon, Court–Poet of Jagaccandra. Critically edited for the first time, with an Introduction in English, Appendics, etc., by Dr. Jatindra Bimal Chaudhuri. 10–00

3665 Nuclear Explosions and Their Effects. Foreword by Jawahar Lal Nehru. 7–50

3666 Number: The Language of Scince : A critical survey written for the Cultured Non–Mathematician by Tobias Dautzig. 29–40

3667 Nurjahan and Jahangir by Robert Caunter, Mountstuart Elphinstone and Stanley Lane–Poole. 2–00

3668 Nursing and Management of Skin Diseases by D. S. Wilkinson. 34–13

3669 Nutrition in India by Dr. Patwardhan. 15–50

3670 Nuzi. Report on the Excavations at Yargan Tepa near Kirkur, Iraq, conducted by Harvard University in conjunction with the American Schools of Oriental Research and the University Museum of Philadelphia 1927–1931. By Richard F. S. Starr. With Appendices by Ruth Sears Chute, Robert W. Ehrich, H. W. Eliot, Rutherford J. Gettens, and Ernest R. Lacheman. Volume I Text. Volume II. Plates and Plans. 90–00

3671 Nyayasara of Acarya Bhasarvajna with the Nyayasara-padapanchika of Vasudeva of Kashmir. Critically edited with Notes including Translation by Pt. Vasudeva Sastri Abhyankar and C. R. Devadhar. 4–00

3672 Nyayasutras with Vatsyayana Bhashya and Vachaspati's Gloss. English translation by Nandlal Sinha. 15–00

O

3673 Obscure Religious Cults by Shashibhusan Das Gupta. 40–00

3674 Observations Sur La Vie Et L' Œuvre De Bhavabhuti R. G. Harshe. 12–50

3675 Occasional Speeches and Writings by S. Radhakrishnan.
First Series, October 1952–January 1956. 3–75
Second Series, February 1956–February 1957. 3–75

3676 Occasional Speeches and Writings. By S. Radhakrishnan. October 1952, February 1959. 7–50

3677 Occasional Speeches and Writings. By S. Radhakrishnan. Third Series. July 1959, May 1962. 8–00

3678 Occult History of Java by C. W. Leadbeater. 2-50

3679 Ode to India (भारतप्रशस्तिः). Composed by Dr. C. K. Raja on the occasion of the Proclamation of the Indian Republic on Thursday 26th January 1950. 0-75

3680 Odyssey of the Self Centred Self or Rake's Progress in Religion by Robert Elliot Fitch. 12-80

3681 Of Men, Matter and Me by R. V. M. G. Ramarau. 7-00

3682 Official History of the Indian Armed Forces in the Second World War 1939-45 Medical Services, Medicine, Surgery and Pathology. Edited by D. L. Raina. 40-00

3683 Official History of the Indian Armed Forces in the Second World War 1939-45. Edited by Bisheshwar Prasad.

(a) The Reconquest of Burma. Vol. I. June 1942-June-1944 by S. N. Prasad, K. D. Bhargava and P. N. Khera. 25-00

(b) Expansion of the Armed Forces and Defence Organisation 1939-45 by Sri Nandan Prasad. 25-00

(c) The North African Campaign 1940-1943 by P. C. Bharucha. 30-00

(d) Campaign in Western Asia by Dharm Pal. 30-00

3684 Old Iranian Calendars by S. H. Taqizadeh. 7-88

3685 Old-Javanese Ramayana. An Exemplary Kakawin as to form and content by C. Hooykaas. 20-00

3686 Old Kingdom Art in Ancient Egypt by Cyril Aldred 7-20

3687 Old Stone Age. A Study of Palaeolithic Times by Miles Burkitt. 26-25

3688 Oldest Rajasthani Paintings From Jain Bhandars by Sarabhai Manilal Nawab. With 318 Illustrations. In Colour 60 and 258 Monocrome. 105-00

3689 Omar Khayyam (A New Version based on recent discoveries) by A. J. Arberry. 26-25

3690 On an Indian Border by Pran Chopra. 16-00

3691 On Dreams. Sigmund Freud. An entirely New Translation by James Strachey. 11-03

3692 On Education. Especically in Early Childhood by Bertrand Russell. 7-88, 15-75

3693 On Historiography. A Study of Methods of Historical Research and Narration of J. N. Sarkar, G. S. Sardesai and P. K. Gode by S. R. Tikekar. Foreword by N. G. Chapekar. 6-00

3694 On the Date of the Buddhist Master of the Law Vasubandhu by E. Frawallner. 8-35

3695 On the Function and Use of the Preposition in Sanskrit by Prof. Charu Deva Shastri. 1-15

3696 On the Fundamentals of Analysis. Six Public Lectures delivered in February 1938 at the University of Calcutta. By the Hardinge Prof. F. W. Levi. 1-56

3697 On the Interpretation of some Doubtful Words in the Atharvaveda by Dr. T. P. Choudhury. 4·00

3698 On the Meaning of the Mahabharata by V. S. Sukthankar. 10-00

3699 On the Mother by K. R. Srinivasa Iyengar. 2-50

3700 On the Nightmare by Ernes Jones. 36-75

*3701 **On the Origin of the Indian Brahma Alphabet.** By Georg Buhler. With three Plates. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXIII.) **10-00**

3702 On The Veda by Sri Aurobindo. 18-00

3703 On Yoga (The Synthesis of Yoga) by Shri Aurobindo. Vol. I. 25·00

3704 On Yoga by Sri Aurobindo. Vol. II. Tome one and two. 24-00

3705 On Yuan Chwang's Travels in India (A. D. 629-645) by Thomas Watters. Edited by T. W. Rhys Davids and S. W. Bushell. With Two Maps and an itinerary by Vincent A. Smith. 40-00

3706 One Hundred and One Poems by Rabindranath Tagore. 24-00

3707 One Hundred Eight Kritis of Sri Tyagaraja. Text and Notation in Devanagari Script with Gamaka Signs by C. S. Ayyar. Foreword by Musiri Subrahmanya Iyer. 10-00

3708 One Thousand One ways of Kissing. Based on Indian, Oriental & Western Works on Love, Sex & Romance. 10-00

3709 One-World Philosophy of K'ang yu-Wei by Ta T'ung Shu. Translated from the Chinese, with Introduction and Notes by Laurence G. Thompson. 36-75

3710 Ontology of Advaita with Special Reference to Maya. By Dr. K. B. Ramkrishna Rao. 5-00

3711 Oracles and Demons of Tibet : The Cult and Iconography of the Tibetan Protective Deities by Rene De Nebesky Wojkowitz. 78-00

3712 Oral Method of Teaching Languages by Harold E. Palmer. 7-88

3713 Orchid House (The) Splendours and Miseries of The Kingdom of Oudh, 1827-57 by Michael Edwardes. 26-25

3714 Ordeal : A Trilogy by Alexei Tolstoy. 3 Parts. 15-00

3715 Organisation of Government in Maharastra. Indian Institute of Public Administration Maharashtra Regional Branch. Preface by N. S. Pardasani. With Charts. 20–00

3716 Organisation of the Government of India. Foreword by V. K. N. Menon. Introduction by S. B. Bapat. 20–00

3717 Oriental Aesthetics by Thomas Munro. With Illustrations. 48–75

3718 Oriental Architecture in Colour (Islamic, Indian, Far Eastern) by Werner Speiser. 112 Full Page Colour Plates. 32 Plans (Plates Accompanied by Detailed Commentaries giving the Building's Historical Background and Describing its Architectural Features). 110–25

3719 Oriental Blue and White by Sir Harry Garner. 66–15

3720 Oriental Essays. Portraits of Seven Scholars by A. J. Arberry. 29–40

3721 Oriental Influences in Western Art by R. A. Jairaybhoy. With 124 Plates and 59 Figures. 40–00

3722 Oriental Jones : A Biography of Sir William Jones (1746–1794) by Garland Cannon. 31–00

3723 Oriental Lacquer. Art and Technique by K. Herberts. With 324 Plates, 104 in Colour. 375–00

3724 Oriental Miniatures Persian, Indian, Turkish. Edited with Introductions and Notes by William Lillys, Robert Reiff and Emel Esin. With 33 Colour Plates. 73–50

3725 Oriental Proverbs in their relation to Folklore, History, Sociology with suggestion for their collections, interpretation & publication. Edited by Dr. Mahadev Prasad Saha. 1–00

3726 Orientalia Romana, Essays and Lectures I. by E. Benz, H. Corbin, A. Godard, L. Hambi, V. Minorsky, S. P. Tolstov. 33–40

3727 Orientation, Socialization and Individuation by Prynce Hopkins. 10–50

3728 Origin and Development of Bhojpuri by Udai Narain Tiwari. 30–00

3729 Origin and Development of Dattatreya Worship in India. By Hari Prasad Shiv Prasad Joshi. Part I Origin. Part II Development of Dattatreya Worship. Bound in one. 12–50

3730 Origin and Development of the Rituals of Ancestor Worship in India by Dr. Dakshina Ranjan Shastri. 35–00

3731 Origin and Development of the Samkhya System of Thought by P. Chakravarti. O. P.

3732 Origin and Evolution of Indian Clay Sculpture by Dr. Charu Chandra Das Gupta. 25–00

3733 Origin and Growth of Caste in India. Vol. II. Castes in Bengal by Nripendra Kumar Dutt. 15–00

3734 Origin and Spread of The Tamils by V. R. Ramchandra Dikshitar. 3–50

3735 Origin of Man and his Culture by Stephen Fuchs. 12–50

3736 Original Sanskrit Text On the Origin and History of People of India by Muir. 5 Vols. 125–00

3737 Orion or Researches into the Antiquity of the Vedas by B. G. Tilak. 4–00

3738 Orissa under Marathas (1751–1803) by Bhabani Charan Ray. 7–50

3739 Ornament in Medieval Manuscripts : A Glossary by Lucia N. Valentine. 31–50

3740 Our Education by Swami Nirvedananda. 3–50

3741 Our Educational Heritage (The Background of Hindu Education) by D. G. Apte. 6–00

3742 Our Experience of God by H. D. Lewis. 31–50

3743 Our Food by M. Swaminathan and R. K. Bhagavan. With a Foreword by Dr. V. Subrahmanyan. 6–00

3744 Our Greatest Need and Other Addresses by K. M. Munshi. 2–50

3745 Our Knowledge of Other Selves by Margaret Chatterjee. 16–00

3746 Our Language Problem by M. P. Desai. 2–50

3747 Our Sovereign Democratic Republic. Lectures I–II (V. S. Srinivasa Sastri Lectures) July 14–15, 1955 by Dr. K. M. Munshi. 2 Parts. 1–25

3748 Our Women by Swami Vivekananda. 0–75

3749 Outline History of the World by H. A. Davies. 11–00

3750 Outline of Abnormal Psychology by William McDougall. 26–25

3751 Outline of Colloquial Kannade by William Bright. 5–00

3752 Outline of Combodian Architecture by Ly Kim Long. 20–00

3753 Outline of Early Buddhism (A Historical Survey of Buddhology, Buddhist Schools and Sanghas mainly based on the Study of Pre-Gupta Inscriptions) by Dr. Ajay Mitra Shastri. 10–00

3754 Outline (An) of Indian Constitutional History by V. P. Menon. 3–50

3755 Outline of Indian History by Sri Ram Sharma. 12–00

3756 Outline of Khmu' Structure by William A. Smalley. 18–00

3757 Outline of Literature and Art. Edited by John Drinkwater and Sir William Orpen. Revised by Horace Shipp. 2 Vols. 132–30

3758 Outline of Madhva Philosophy by K. Narain. 30–00

3759 Outline of Philosophy by Bertrand Russell. 16–80

3760 Outline (An) of Psycho-Analysis by Sigmund Freud. Authorized Translation by James Strachey. 11–03

3761 Outline of Psychology (General & Social) by K.V. Belsare. 4–75

3762 Outline of the Religious Literature of India by J. N. Farquhar. 24–00

3763 Outline of World Civilization by Dev Raj Dutt. 10–00

3764 Outlines of Ancient History. From the earliest times to the fall of the Roman Empire in the West A. D. 476 by Harold Mattingly. 36-75

3765 Outlines of Comparative Anatomy of Vertebrates by J. S. Kingsley. With 435 Illustrations. 15–00

3766 Outlines of Hinduism by T. M. P. Mahadevan. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 7–50

3767 Outlines of Indian Philosophy by Jadunath Sinha. 15–00

3768 Outlines of Indian Philosophy by M. Hiriyanna. 26–25, 36–75

3769 Outlines of Social Philosophy by J. S. Mackenzie. 18–90

3770 Outlines of Social Philosophy. A prolegomena to the Philosophical Foundations of Society by Ajit Kumar Sinha. 10–00

3771 Outlines of the History of Classical Sanskrit Literature by Vidyaratna S. Rangachar. Revised and Enlarged Edition. 5–00

3772 Over Het Vaikhanasasutra door W. Caland. 2-00

3773 Oxford Dictionary of English Etymology. Edited by C. T. Onions. With the Assistance of G. W. S. Friedrichsen and R. W. Burchfield. 73–50

3774 Oxford Dictionary of Quotations. With an Introduction by Bernard Darwin. 36–00

3775 Oxford History of India by Vincent A Smith. Edited by Percival Spear. Part I. Revised by Sir Mortimer Wheeler and A. L. Basham. Part II. Revised by J. B. Harrison and Part III. Rewritten by Percival Spear. Bound in one Vol. 25-00

3776 Oxford Illustrated Dictionary. Text Edited by J. Coulson C. T. Carr, Lucy Hutchinson and Dorothy Eagle. Illustrations edited by Helen Mary Petter. 40–00

P

3777 P. K. Gode (Professor) Commemoration Volume. Edited by H. L. Hariyappa and M. M. Patkar. 65–00

3778 Pacifism and Jainism by Pt. Sukhlal Sanghavi. 0-50

3779 Pada-Index of Valmiki-Ramayana by G.H. Bhatta. 2 Vols. 38-00

3780 Padarthatattvanirupana of Raghunath Siromani (A Demonstration of the true nature of the things to which words refer) by Karl H. Potter. 52-50

*3781 **Padamanjari** : A Commentray of Vaman's Kashika. By Shri Haradatta Mishra. **Shortly**

3782 Padumavati. A Linguistic study of the 16th Century Hindi (Avadhi) by Laksmi Dhar, M. A. with Grammatical Study: Text (romanized) (26-31 Khandas) English translation and Comparative and Etymological Glossary of the text and Appendices. 26-25

3783 Padmavati of Malik Muhammad Jaisi. Translated into English by A. G. Shirriff. Foreword by Kalidas Nag. 8-50

3784 Pahari Miniature Painting by Karl Khandalavala. With Colour and Monochrome Plates. 200-00

3785 Paharpur and its Monuments by Charu Chandra Das Gupta. 5-00

3786 Pahlavi Texts. Translated by E. W. West. 5 Vols. (S. B. E.) 100-00

3787 Painting and the Painter's Brush-Work by Vojtech Volavka. 45-00

3788 Painting in Britain. The Middle Ages by Margaret Rickert. 73-75

3789 Painting in XVIII Century Venice by Michael Levey. 34-13

3790 Painting of India (Treasures of Asia) Text by Douglas Barrett and Basil Gray. 82 Reproductions in full Color. 120-00

3791 Painting of the Deccan XVI-XVII Century with an Introduction and Notes by Douglas Barrett. 15-75

3792 Paintings of the Sultans and Emperors of India in American Collections by Richard Ettinghausen. 22-00

3793 Pakistan (An Economic Proposition) by M. R. Ahmad. 6-50

3794 Pakistan : The Heart of Asia. By Liaquat Ali Khan. 16-25

3795 Pakistan Birth and Early Days by Sri Prakasa. With Illustrations. 15-00

3796 Pali-English Dictionary. Edited by T. W. Rhys Davids and W. Stede. 136-50

3797 Pali Tipitakam Concordance. Being a Concordance in Pali to the Three Baskets of Buddhist Scriptures in the Indian order of letters, listed by F. L. Woodward and others. Arranged and Edited by E. M. Hare. 13 Parts. 390-60

3798 Palmastra : Simplified System of Prediction and Divination based on Palmistry Combined with Astrology without Calculations by M. M. Gaofar. (With 246 Illustrations in Line Half-tone). 8–00

3799 Palmistry and Vocational Guidance by S. R. Vartak. Foreword by B. V. Raman. 6–00

3800 Palmistry for All. A Practical work on the study of the Lines of the Hand by Cheiro. With Over Sixty Illustrations. 2–95

3801 Palmistry for Every one by M. C. Laul. 2–50

3802 Palmistry for Pleasure and Profit by V. A. K. Ayer. 4–50

3803 Pancapadika of Padmapada. English translation by D. Venkataramiah. 22–00

3804 Pancaratra. With Introduction, Notes and Translation by C. R. Devadhar. 3–75

3805 Pancavimsa Brahman. English translation by W. Caland. 10–00

3806 Panchadasi of Sri Vidyaranya Swami. English Translation by Swami Swahananda. With an Introduction by T. M. P. Mahadevan. 11–00

3807 Pancharatra with English translation. 4–00

3808 Panchsheela and After. A Re-Appraisal of Sino Indian Relations in the Contex of the Tibetan Insurrection by Girilal Jain. 12–75

3809 Panchatantra. Translated from the Sanskrit into English by Franklin Edgerton. 29–40

3810 Panchatantra and Hitopadesa Stories. Translation and Introduction by A. S. P. Ayyar. 6–50

3811 Panchatantra-Text of Purnabhadra. Critical Introduction and List of Variants by J. Hertel. (H. O. S.) 30–00

3812 Panchatantra-Text of Purnabhadra and its Relation to Texts of Allied Recensions As Shown in Parallel Specimens by J. Hertel. (H. O. S.) 32–00

3813 Panchikaranam of Sri Sankaracharya with Sri Suresvaracharya's Vartik. 1–00

3814 Panchsheela and After. A Re-Appraisal of Sino-Indian Relations in the Context of the Tibetan Insurrection by Girilal Jain. 12–75

3815 Panini and his Astadhyayi by Chandrakant Pandey. 8–00

3816 Panini-A Study in Non-compounded Word-Structures. 1–30

*3817 **Panini :** His Place in Sanskrit Literature, An Investigation of Some Literary and Chronological Questions which may be settled by a study of his work. By Theodor Goldstucker. First Indian Edition edited by Dr. Surendra Nath Shastri M. A., D. Phil., L. L. B., F.R.A.S. (Chow. Sans. Studies Vol. XLVIII.) **16-00**

3818 Panipat 1761 by T. S. Shejwalkar. 12-00

3819 Panjab as a Sovereign State (1799-1839) by Gulshan Lall Chopra. 15-00

3820 Panjab on the Eve of First Sikh War. A Documentary Study of the Political, Social and Economic Conditions of the Panjab as depicted in the Daily Letters written chiefly from Lahore by British Intelligencers during the period 30 December 1843 to 31 October 1844. Edited with Notes and Introduction by Hari Ram Gupta. With a Foreword by Prof. Sita Ram Kohli. 15-00

3821 Panorama of Indian Philosophy by Ram Chandra Pandeya. 10-00

3822 Paradise Lost of John Milton by D. J. Lake. 6-00

3823 Paradox and Poetry in the Voice of Silence by Bhikshu Sangharakshita. 1-00

3824 Parallels and Opposites in Indian Iconography by C. Sivaramamurty. 28-00

3825 Paramartha-Dipani Theragatha-Atthakatha, the Commentary of Dhammapalacariya. Edited by F. L. Woodward. Vols. II and III. 113-40

3826 Paramartha Prasanga by Swami Virjananda. 4-00

3827 Paramsamhita of the Pancharatra. Edited and translated into English with an Introduction by Dr. S. K. Aiyangar. 15-00

3828 Paribhashendusekhara of Nagojibhatta. Sanskrit Text and various readings. Edited by Dr. F. Keilhorn. Critically re-edited with the Commentary Tattvadarsa of M. M. Vasudev Shastri Abhyankar and English Translation & Notes by M. M. K. V. Abhyankar. 2 Parts. 27-00

3829 Parijataharana Natak. Edited and translated by Sir George Grierson. 5-00

3830 Parji Language : A Dravidian Language of Bastar by T. Burrow and S. Bhattacharya. 40-00

3831 Parliament and Public Ownership by A. H. Hanson. 31-50

3832 Parliament of Religions (The volume contains almost all the Addresses and Speeches Delivered and Papers Read in the course of Fifteen Sessions of the Parliament of Religions held at Calcutta (1963-64) in connection with the Birth Centenary Celebrations of Swami Vivekananda) Foreword by R. C. Majumdar. 18-00

3833 Parliaments and Parties in Egypt by Jacob M. Landan. 30-00

3834 Parures Divines Du Sud De L'Inde Par J. Filliozat et P. Z. Pattabiramin. With many Plates. 60-00

3835 Patanjali on the Prepaninian Anubandhas N and C by M. D. Balasubrahmanyam. 1-00

3836 Path of Self Realization by Acarya Sri Rajaneesh. 2-25

3837 Path of the Buddha : Buddhism Interpreted by Buddhists. Edited by Kenneth W. Morgan. 30-00

3838 Path to God Realisation by H. H. B. S. Nishkinchana Maharaj. 2-50

3839 Paths to Inner Calm by Marie Benzeville Byles. 29-40

3840 Pathway to God in Hindi Literature by R. D. Ranade. 12-00

3841 Patna Museum Catalogue of Antiquities (Stone Sculptures, Metal Images, Terracottas and Minor Antiquities). Ed. by Parmeshwari Lal Gupta. 30-00

3842 Patna School of Painting (19th century) by P. C. Manuk. With 22 plates. 5-00

3843 Patterns of Migration and Occupation in a South Gujarat Village by Ishvarlal Pragji Desai. Foreword by S. M. Katre. 15-00

3844 Pauranic and Tantric Religion (Early Phase) by J. N. Banerjea. 12-50

3845 Peace or Atomic War ? By Albert Schweitzer. 3-00

3846 Peace, Philosophy and Progress by Ramnarayan Vyas. Foreword by Humayun Kabir. 10-00

3847 Peasant and Nomad Rugs of Asia. Catalogued, with an Introductory Text by Dr. Maurice S. Dimand. 37-50

3848 Peasant Society and Culture. An Anthropological Approach to Civilization by Robert Redfield. 28-13

3849 Pen as my Sword : Mimoirs of a Journalist by K. Rama Rao. With a Foreword by J. L. Nehru. 15-00

3850 Pentaglot Dictionary of Buddhist Terms in Sanskrit, Tibetan, Manchurian, Mangolian and Chinese. Edited by Dr. Raghuvira. 30-00

3851 Peoples of the Ancient World by Joseph Ward Swain and William H. Armstrong. 52–13

3852 Perception. A Seminar conducted by the Philosophy Department of Sri Venkateswara University, 1964. Edited by S. Chennakesavan and K. Pampapathi Rao. 7–50

3853 Perennial Fount. Lyrics of adoration and love by Nanalal. Translated from the original Gujarati by Balchandra Parikh. 3–50

3854 Perfection of Wisdom. The Career of the predestined Buddhas. A Selection of Mahayan Scriptures, translated from the Sanskrit by E. J. Thomas. 4–80

3855 Persia. 105 Pictures in photogravure, 5 Colour plates by A. Costa. Introductory essay and Notes by L. Lockhart. 40–00

3856 Persian Influence on Hindi by Ambika Prasad Vajpeyi. 3–12

3857 Persian Influence on Hindi by Dr. Hardev Bahri. 8–00

3858 Persian Painting of the Fifteenth Century. With an Introduction and Notes by R. H. Pinder-Wilson. 15–75

3859 Persian Painting of the Fourteenth Century with an Introduction and Notes by Douglas Barrett. 13–13

3860 Persian Records of Maratha History.

I. Delhi Affairs (1761–1788) (News-letters from Parasnis collection) translated into English with notes by Jadunath Sarkar. 3–75

II. Sindhia as Regent of Delhi (1787 & 1789–91). Translated from the Persian with Notes by Jadunath Sarkar. 3–00

3861 Personal Biography of Rajendra Prasad. First President of India. II Plates in black and white by Kewal L. Panjabi. 9–00

3862 Personality by Sita Ram Jayaswal. 3–00

3863 Personality : A Psychological Interpretation by G. W. Allport. 24–00

3864 Personality of India. (Pre and Proto-Historic Foundation of India and Pakistan by B. Subbarao. With a Foreword by Sir Mortimer Wheeler. 24–00

3865 Personnel and Industrial Psychology by Edwin E. Ghiselli and Clarence W. Brown. 19–50

3866 Personnel System for Development Administration by V. A. Pai Panandikar. 24–00

3867 Perspectives in Linguistics : An account of the Background of Modern Linguistics by John T. Waterman. 14-63

3868 Petakopadesa. Pali text Romanized. Edited by Arabinda Barua. 22-05

3869 Phaladipika with Eng. Tr. by V. S. Sastry. 8-00, 10-00

3870 Phantom Hour (A Story) by Sri Aurobindo. 1-00

3871 Pharmacognosy of Ayurvedic Drugs. Illustrated. Series I Nos. 1-9. 105-00

3872 Pharmacology Materia Medica and Therapeutics. Part I. by R. Ghosh. Edited by S. K. Biswas. 15-00

3873 Philosopher's Quest : Dialogues with Great Philosophers by Edman. 5-00

3874 Philosophical Currents of the Present Day by Dr. Ludwig Stein. Translated by Shishir Kumar Maitra. 2 Vols. 11-25

3875 Philosophical Essays by Prof. P. R. Damle. 9-75

3876 Philosophical Foundations of India by Theos Bernard. 17-06

3877 Philosophical Papers by George Edward Moore. 31-50

3878 Philosophical Potential of Indian Esotericism by Agehananda Bharati. 2-00

3879 Philosophical Scrutiny of Religion by C. J. Ducasse. 30-00

3880 Philosophical Studies by Prof. G. E. Moore. 24-00

3881 Philosophical Teachings in the Upanisadas by M.L. Sandal. 3-00

3882 Philosophies of Education. Sketches of some contemporary View-points on education based on a series of educational television programmes. Edited by Philip H. Phenix. 9-50

3883 Philosophies of India by H. Zimmer. 47-25

3884 Philosophy : An Introduction to the Major Problems of Philosophy and the main Types of Solutions by Archie J. Bahm. 8-00

3885 Philosophy and Culture. by N. A. Nikam. 0-75

3886 Philosophy and Psychology in the Abhidharma by H. V. Guenther. 10-00

3887 Philosophy and Religion by Axel Hagerstrom. Translated by Robert T. Sandin. 47-25

3888 Philosophy, Logic and Language by Kalidas Bhattacharyya. 25-00

3889 Philosophy of 'As If'—A System of the Theoretical, Practical and Religious fictions of Man Kind by H. Vaihinger. 21-00

3890 Philosophy of Ayurveda by Dr. K. Roy. 2-50

3891 Philosophy of Bertrand Russell. Edited by Paul Arthur Schilpp. 31-25

3892 Philosophy of Bhedabheda by P. N. Srinivasacharya. 9-00

3893 Philosophy of Culture. An Introduction to Creative Humanism by N. K. Devaraja. With a Foreword by F. S. C. Northrop. 10-00

3894 Philosophy of Grammar by Otto Jespersen. 28-35

3895 Philosophy of Jnanadeva by B. P. Bahirat. 6-00

3896 Philosophy of John Dewey. Edited by Paul Arthur Schilpp. 52-92

3897 Philosophy of Living. An Introduction to Ethics by Shriniwas G. Sathaye. 15-00

3898 Philosophy of Logical Construction by Hemanta Kumar Ganguli. With a Foreword by Satkari Mookerjee. 20-00

3899 Philosophy of Modern Art by Herbert Read. 13-13

3900 Philosophy of Mr. Nehru. As Revealed in a Series of Intimate Talks with R. K. Karanjia. Foreword by Dr. Zakir Husain. 18-90

3901 Philosophy of Nature by Moritz Schlick. 22-50

3902 Philosophy of Personality by Radhakamal Mukerjee. 16-50

3903 Philosophy of Rabindranath Tagore by B. G. Roy. 3-75

3904 Philosophy of Rabindranath Tagore by Dr. S. Radha Krishnan. 7-50

3905 Philosophy of Ramanuja by Dr. Krishna Datta Bharadwaj. Foreword by M. Ananthasayanam Ayyangar. 16-00

3906 Philosophy of Religion by George Galloway. 42-00

3907 Philosophy of Sarvapalli Radhakrishnan. Edited by Paul Arthur Schilpp. 31-25

3908 Philosophy of Science by Dr. Pravas Jivan Chaudhury. With a Foreword by Dr. Edwin Arthur Burtt. 7-00

3909 Philosophy of Shakespeare by K. J. Spalding. 2-63, 10-00

3910 Philosophy of Sri Madhvacarya by B. N. K. Sharma. 15-00

3911 Phiolosophy of the Srimad-Bhagavata. Vol. I-Metaphysics. Vol. II-Religion. By Siddhesvara Bhattacharya. 42-00

3912 Philosopby of the Upanishads by Paul Deussen. Authorized English Translation by Reo. A. S. Geden. 18-75

3913 Philosophy of the Upanishads by S. C. Chakrabarti. O. P.

3914 Philosophy of Vallabhacarya by Dr. Mrs. Mrudula I. Marfatia. 25-00

3915 Philosophy of the Vedanta by Paul Deussen and the Vedantasara of Sadananda Yogendra. Translated with annotations by G. A. Jacob. 6-00

3916 Philosophy of Word and Meaning. Some Indian Approaches with Special Reference to the Philosophy of Bhartrihari by Gaurinath Sastri. 20-00

3917 Phitsutras of Santanava. Edited with Introduction, Translation, and Critical and Exegetical Notes by G. V. Devasthali. Foreword by R. N. Dandekar. 15-00

3918 Phoneme and Morpheme in Kabardian (Eastern Adyghe) by Aert H. Kuipers. O. P.

3919 Phonemic and Morphemic Frequencies in Hindi. Edited by A. M. Ghatage. Foreword by S. M. Katre. 15-00

3920 Phonemic and Morphemic Frequencies of the Gujarati Language by Prabodh Bechardas Pandit. Foreword by S. M. Katre. 20-00

3921 Phonemic Frequencies in Marathi and their Relation to Devising a Speed - Script by S. V. Bhagwat. 15-00

3922 Phonemics of Old Tamil by C. R. Sankaran. 8-00

3923 Phonetics in Ancient India by W. S. Allen. 16-80

3924 Physiological Psychology by Clifford T. Morgan. 30-75

3925 Physiological Psychology by Clifford T. Morgan and Eliot Stellar (International student Edition). 25-50

3926 Physiological Variation and Evolution by Prof. J. B. S. Haldane. 0-60

3927 Pictorial History of Philosophy by Dagobert D. Runes. 112-50

3928 Picturesque India. Album of 12 Coloured Reproductions. 3-62

3929 Picturesque India and the East. 128 Pictures in Photogravure, 28 in Colour by Hans Keusen. With an Essay and Notes by Michall Edwardes. 40-00

3930 Picturesque Orientalia by Dr. R. N. Sardesai. Album of 103 Photos of Western Indologists. 11-25

3931 Pieter Bruegel by F. Grossmann. With 155 Plates, 11 in colour. 62-48

3932 Piklihal Excavations by Dr. F. R. Allchin. 15-00

3933 Pitaka Disclosure (Petakopadesa). According to Kaccana Thera. Translated from the Pali by Bhikkhu Nanamoli. 66-15

3934 Place of Love in Education by Shakti Datta. 7-50

3935 Place Name Index to George N. Roerich's Translation of the Blue Annals by Turrell V. Wylie. 13-36

3936 Planning and Freedom and Pattern of India's Economy by Shri G. L. Mehta. 0-75

3937 Plan Perspective and Problems by Asoka Mehta. 8-00

3938 Plant Diseases: Their Causes and Control by S. Chowdhury. 3-50

3939 Plant Physiology by Amar Singh. 35-00

3940 Plato's Phaedo : A translation of Plato's Phaedo with Introduction, Notes and Appendices by R. S. Bluck. 16-80

3941 Plays Ascribed to Bhasa their authenticity and merits. By C. R. Devadhar. 2-00

3942 Plea for Human Fellowship by B. L. Atreya. 3-00

3943 Pleistocene Deposits of the Lower Narmada River and An Early Stone Age Industry from the River Chambal by G. J. Wainwright. 20-00

3944 Plestocene Studies in the Malaprabha Basin by R.V.Joshi. 15-00

3945 Pocket French-English English-French Dictionary. (Cassell) by F. F. Bovet. 4-80

3946 Poems and Epigrams by Emily Polk. 12-00

3947 Poems from Bengali by Sri Aurobindo. 2-50

3948 Poems of Indian Women by Margaret. 1-25, 2-00

3949 Poems of Kalidas by M. C. Dutt. 5-25

3950 Poems on Sri Aurobindo and on the Mother. 5-00

3951 Poems Past and Present by Sri Aurobindo. 1-25

3952 Poet-Philosophers of the Ṛgveda : Vedic and Pre-Vedic. By Dr. C. Kunhan Raja. 20-00

3953 Poetic Genius of Sri Aurobindo by K. D. Sethna. 4-25

3954 Poetic Light : Kavyaprakasa of Mammata. Text with Translation and Sampradayaprakasini of Srividyacakravartin by R. C. Dwivedi. Vol. I (Ullasas I-VI). 12-00

3955 Poets and Mystics by Nolini Kanta Gupta. 3-00

3956 Points of Controversy or Subjects of Discourse being a Translation of the Katha-Vatthu from the Abhidhamma-Pitaka by Shwe Zan Aung and Mrs. Rhys Davids. 47-25

3957 Poles by Willy Ley and the Editors of Life. 26-00

3958 Polio Mylitis and Ayurveda by Kaviraj Om Prakash. 8-50

*3959 **(The) Political and Socio-Religious Condition of Bihar** (185 B. C. to 319 A. D.) by Sri Hari Kishore Prasad. **Shortly**

3960 Political Change in South Asia. An intense & up-to-date appraisal of the new patterns and forces with special reference to India. By Myron Weiner. 15-00

3961 Political Economy of Growth by Paul A. Baran. 15-00

3962 Political History of Chira 1840-1928 by Lichine-Nung. Translated and Edited by Ssu-yu-Teng and Jeremy Ingalls. 10-00

3963 Political History of India from the earliest times to the 7th centuary by Jean Filliozat. 14-00

3964 Political History of Northern India from Jain Sources (C. 650 A. D. to 1300 A. D.) by Dr. Gulab Chandra Choudhary. With a Foreword by Dr. Vasudeva Sarana Agrawala. 24–00

3965 Political Philosphies of Eminent Americans by Ram Chandra Gupta. Paper Edition 5–00 and Library Ed. 15–00

3966 Political Philosophy of Mahatma Gandhi by Dr. G. N. Dhawan. 5–00

3967 Political Philosophy of Mahatma Gandhi and Sarvodaya by Dr. Vishwanath Prasad Varma. 14–00

3968 Political Philosophy of Sri Aurobindo by Dr. Vishwanath Prasad Varma. 18–50

3969 Political Theory by E. Asirvatham. 12–50

3970 Political Theory of Ancient India. A Study of Kingship from the Earliest Times to Circa A. D. 300 by John W. Spellman. Foreword by A. L. Basham. 26–00

3971 Political Theory of the Delhi Sultanate. (Including a Translation of Ziauddin Barani's Fatawa–I–Jahandari Circa, 1358–9 A. D.) by Mohammad Habib and Dr. Mrs. Afsar Umar Salim Khan. 15–00

3972 Political Theory of the Government of India by M. Ruthnaswamy. 1–25

3973 Political Thought of China by Chou Hsiang–Kuang. Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 7–50

3974 Political Thought of Gokhale by Dr. O. P. Goyal. 10–00

3975 Political Thought of President Radhakrishnan by S.K. Ray. 12–00

3976 Politics and Philosophy of Lord Krishna by Dr. Chaturbhuj Sahai. 0-75

3977 Politics and Social Change. Orissa in 1959 by F. G. Bailey. 15–00

3978 Politics, International Relations and Law : Scope, Methodology, and Classification by Girja Kumar. Foreword by S. R. Ranganathan. 24–00

3979 Politische Polemiken Im Staatslehrbuch Des Kautalya von Friendrich Wilhelm. 45–00

3980 Polity in the Agni-Purana by Dr B. B. Misra. 36–00

3981 Poor Man's Son and other Stories by A. S. P. Ayyar. 4–25

3982 Popular Dictionary of Buddhism by Christmas Humphreys. 18–90

3983 Popular Essays in Indian Philosophy by Prof. M.Hiriyanna. 6–00

3984 Popular Hinduism at a Glance by Dr. Raj Bali Pandey. 1–00

3985 Popular Guide to Nature Cure by V. Stanley Davidson. 2-50
3966 Popular Lectures on Theosophy by Annie Besant. 2-25
3987 Popular Talks on Psychological Topics by Prem Nath. 2-50
3988 Population and Planned Parenthood in India by S. Chandrasekhar. Foreword by Jawaharlal Nehru. 13-13
3989 Portfolio of Contemporary Paintings. Number one. Introduction by N. D. Mehta. 8-75
3990 Portfolio of Drawings by Dr. Homi J. Bhabha. 15-00
3991 Portrait of An Indian Woman by Padmini Sengupta. 3-00
3992 Portrait of a President : John F. Kennedy in Profile by William Manchester. 3-00
3993 Portrait of Indian Sport by Anthony de Mello. 19-75
3994 Portuguese Rule in Goa (1510-1961) by R. P. Rao. 20-00
3995 Position of Women in Hindu Civilization from prehistoric times to the present day by Dr. A. S. Altekar. 15-00
3996 Position of Women in the Vedic Ritual by J. B. Chaudhuri. 12-00
3997 Positive Background of Hindu Sociology by B. K. Sarkar. 16-00
3998 Possibilism by Roly Guha Mazumdar. Vol. I. 15-00
3999 Post Control in Agriculture (Technical Fundamentals) by Dr. Wolfgang Rodewald and Heinzwitte. 12-00
4000 Post War Depression and the Way Out by F. R. Shonoy. 3-00
4001 Post War Gujrat by A. B. Trivedi. 19-50
4002 Postulates of Rural Development by S. K. Dey. 0-44
4003 Power Atlas of India. Published by Govt. of India. 15-00
4004 Power to Love by Edwin W. Hirsch. 12-50
4005 Prabandhacintamani or Wishingstone of Narratives. Composed by Merutunga Acarya. Translated from the Original Sanskrit by C. H. Tawney. 1-3 Fasciculi. 3-75
4006 Praci-Jyoti : Digest of Indological Studies. Edited by D. N. Shastri. Vol. I. Parts I-II, Vol. II Parts I-II. Vol. III Part I, Vol. IV Parts I-II. 210-00
4007 Practical Astrology. Being a Simple Method of Instruction in the Science of Astrology by Alan Leo. 5-00
4008 Practical Criticism : A Study of literary Judgment by I. A. Richards. 10-00, 22-40
4009 Practical Dictionary of the Persian Language by John Andrew Boyle. 26-25
*4010 **Practical Grammar of the Sanskrit Language.** By Monier Williams, M. A., D. C. L. (Chow. Sans. Studies Vol. XXI) **20-00**

4011 Practical Guide to Integral Yoga (Extracts compiled from the Writings of Sri Aurobindo and the Mother.) 5–00

4012 Practical Palmistry : A study of the Human Conduct and Living, with an Explanation of the Processes to be employed in its Interpretation by Noel Joquin. 7–00

4013 Practical Sanskrit–English Dictionary by A. A. Macdonell. 47–25

4014 Practical Sanskrit English Dictionary (Revised and Enlarged Edition) by Vaman Shivram Apte. 50–00

4015 Practical Vedanta by Swami Vivekananda. 1–25

4016 Practice of Psychotherapy : Essays on the Psychology of the Transference and other Subjects by C. G. Jung. Translated from the German by R.F.C. Hull. 14 Illustrations. 31–50

4017 Prajna Lexicon. Dictionary portions of the Sanskrit Tibetan Thesaurus-Cum-Grammar with a Foreword by Prof. Nalinaksha Dutt. 20–00

4018 Prajnaparamita Literature by Edward Conze. 48–00

4019 Prajna – Paramita – Ratna – Guna – Samcaya – Gatha. Sanskrit and Tibetan Text. Edited by E. Obermiller. With a Sanskrit-Tibetan-English Index by Edward Conze. 42–00

4020 Prakrit Language and Their Contribution to Indian Culture by S. M. Katre. 5–00

4021 Prakrita–Kalpataru. With Introduction, Translation and Notes by Manmohan Ghosh. 10–00

4022 Prakrita Prakasa or The Prakrit Grammar of Vararuchi, with the Commentary (Manorama) of Bhamaha. With the Text, Notes, English Translation, and Index of Prakrit Words by E. B. Cowell. 16–00

4023 Prakritarupavatara: A Prakrit Grammar based on the Valmikisutra by E. Hulzsch. 7–88

4024 Pramanavarttika. English Translation with Text and Commentary of Karikas 1–51 by Dr. S. Mookerjee and H. Nagasaki. 4–00

4025 Pramanavarttikam of Dharmakirti : The First Chapter with the Autocommentary. Text and Critical Notes by Raniero Gnoli. 83–50

4026 Pranayam by Svami Kuvalayananda. With 43 Plates. 12–50

4027 Prasnajnana with English translation by V. S. Sastri. 2–00

4028 Prasnopanishad with English translation by Swami Sharvananda. 1–00

4029 Pratijnayaugandharayana. Critically edited with Introduction, Notes and Translation by C. R. Devadhar. 4–50

4030 Pratijnayaugandharayana with English translation. 4-25

4031 Pratima Natak of Bhasa with Eng. Notes & Tr. by C. S. Ram Sastri. 6-00

4032 Pratima Natak with Eng. Tr. & Notes by S. Roy. 12-50

4033 Pratima Natak with English translation. 4-00

4034 Pratyabhijnahrdaya (The Secret of Recognition) by K. F. Lidecker. 10-00

4035 Pratyabhijnahṛdayam. Sanskrit Text with English Translation and Notes by Jaideva Singh. 10-00

4036 Prayers, Praises and Psalms : A Collection of Sanskrit Hymns from Vedas to Modern times. Sanskrit Text with English translation by V. Raghavan. 3-00

4037 Pre-Historic Background of Indian Culture by D. H. Gordon. 20-00

4038 Pre-Historic India to 1000 B. C. by Stuart Piggott. 16-80

4039 Pre-Historic Religion: A Study in Pre-Historic Archaeology by E. O. James. 24-00

4040 Pre-history and Protohistory in India and Pakistan by H. D. Sankalia. 39-50

4041 Pre-History and Proto-History of Eastern India. With a detailed account of the neolithic cultures in Mainland South East Asia by Ahmad Hasan Dani. 35-00

4042 Pre-History in India. Four Broad Cast Talks on Early Man by F. E. Zeuner. 2-50

4043 Precepts for Perfection. Teachings of The Disciples of Sri Rama Krishna. Compiled by Sabina Thorne. 10-00

4044 Precepts for Practice by Swami Sivanand. 3-00

4045 Preface to Mricchakatika (The Little Clay-Cart) by G. K. Bhatta. 15-00

4046 Preface to Philosophy by H. P. Rickman. 26-25

4047 Prefaces. Edited by K. B. Jindal. 12-50

4048 Prehistoric Life on Earth by Kai Petersen. Edited, adapted and supplemented by Georg Zappler. Illustrated by Verner Hancke. 16-80

4049 Preliminary List of the Sanskrit and Prakrit Manuscripts in the Adyar Library (Theosophical Society) by The Pandits of the Library. 3-50

4050 Preliminary Report on Two Scientific Expeditions in Nepal by G. Tucci. 90-00

4051 Premachand. De Zeven Lotusbloemen Uit Het Hindoestaans Vertaald door Dr. J. Ph. Vogel. 27-00

4052 Premchand—His Life & Work by Hans Raj Rahbar. 5-00

4053 Preservation of Biological Specimens by Dr. S. T. Satya-Murti. Foreword by C. S. Patel. 5-50

4054 Preservation of Fruits and Vegetables by Giradhari Lal, G. S. Siddappa and G. L. Tandon. 11-50

4055 Preservation of Learned Tradition in India by Miss. K. G. Ghurye. 1-50

4056 President of the United States by E. B. Fincher. 15-75

4057 President under the Indian Constitution by K. M. Munshi. 2-25

4058 Preventive Detention in India. A case study in democratic social control by David H. Bayley. 12-00

4059 Primer of Indian Logic by K. Sastri. 11-25

4060 Primitive India. Translated from the French of V. De Golish by Nadine Peppard. With 80 Photographs in Black and White and in Colour. Taken by the Members of the Expedition. 18-60

4061 Primitive Religion by Robert H. Lowie. 44-10

4062 Prince of Ayodhya by D. S. Sharma. 4-50

4063 Princess of Wales Sarswati Bhawan Studies. Ediied by Dr. Ganganath Jha, etc. Vols. I-XVII. 1922-1967. 111-00

4064 Principles and History of Criticism by P. K. Tewari. 15-00

4065 Principles and Practice of Diplomacy by K. M. Panikkar. 4-50

4066 Principles and Practice of Public Administration by M. Ruthnaswamy. 8-75

4067 Principles of Art History. The Problem of the Development of Style in Later Art by Heinrich Wolfflin. Translated by M. D. Hottinger. Illustrated. 9-75

4068 Principles of Chinese Painting by George Rowley. Revised Edition. 37-50

4069 Principles of Civil Government : An Introduction to the Science of Politics. Part I by Akshaya K. Ghose. 7-00

4070 Principles of Composition in Hindu Sculpture : Cave Temple Period by Alice Boner. 216-00

4071 Principles of Economics by Alfred Marshall. 22-75

4072 Principles of Hindu Law by Sir Dinshah Fardunji Mulla with a general Introduction on Hindu Law and with Commentaries by Mr. Justice Sunderlal T. Desai. 21-00

4073 Principles of International Law by A. P. Karmarkar. 7-00

4074 Principles of Literary Criticism by J. A. Richards. 9-88, 20-00

4075 Principles of Philosophy by H. M. Bhattacharya. 10-00

4076 Principles of Tantra. The Tantratattva of Sriyukta Siva Candra Vidyarnava Bhattacarya. Edited by Arthur Avalon. With Introductions by Arthur Avalon and Sriyukta Barada Kanta Majumdar. 30-00

4077 Printing and the Mind of Man. A Descriptive Catalogue Illustrating the Impact of Print on the Evolution of Western Civilization during five Centuries. Compiled and Edited by John Carter and Percy H. Muir. Assisted by Nicolas Barker, H. A. Feisenberger, Howard Nixon and S. H. Steinberg. With an Introductory Essay by Denys Hay. 154-35

4078 Private Record of an Indian Governor-Generalship : The Correspondence of Sir John Shore, Governor General, with Henry Dundas, President of the Board of Control 1793-1798. Edited with an Introduction and Notes by Holden Furber. 17-60

4079 Priyadarsika with Eng. translation by Suru. O. P.

4080 Priyadarsika with Sans. Com. & English translation by P. V. Ramanuj Swami. 4-00

4081 Priyapravasa of Harioudha (Translated from Hindi Verses into English Prose. Cantos I-V) by S.N. Sharma. 1-75

4082 Problem of Discipline in Indian Universities and Selection and Training of Personnel for Public Services by Prof. N. K. Sidhanta. 1-00

4083 Problem of Meaning in Indian Philosophy by R. C. Pandeya. 15-00

4084 Problem of Rebirth by Shri Aurobindo. 3-50, 5-00

4085 Problems and Policies of the British India. 1885-1898 by Hiralal Singh. 25-00

4086 Problems in Aesthetics. An Introductory Book of Readings by Morris Weitz. 34-50

4087 Problems of Administration in Two Indian Villages by K. S. Desai. Foreword by J. M. Mehta. 10-00

4088 Problems of Art. The Philosophical Lectures by Susanne K. Langer. 26-25

4089 Problems of Educational Reconstruction by K. G. Saiyidain. 10-50

4090 Problems of History and Historeography by V. Joshi. 3-75

4091 Problems of Human Pleasure and Behaviour by Michael Balint. 31-50

4092 Problems of Linguistic States in India by P. Chenchiah. With a Foreword by C. Rajagopalachari. 1-50

4093 Problems of World Economy by V. G. Kale. 2-25

4094 Proceedings of the All-India Oriental Conferences:-- Conferences 1st. Poona 1919. 2 Vols. 22-50. 2nd. Calcutta. 1922. 17-00. 3rd Madras 1924. 17-00. 4th Allahabad 1926. out of Print. 5th Lahore 1928. 2 Vols. 22-50. 6th Patna 1930. 17-00. 7th Baroda. 1933. 17-00. 8th Mysore 1935. Out of Print. 9th Trivandrum 1937. out of print. 10th Tirupati 1940. Out of Print. 11th Hyderabad 1942. 2 Vols. 11-25. 12th Banaras. 1944. I, III and IV Vols. 17-00. 13th Nagpur 1946. 2 Vols. 22-50. 14th Darbhanga 1948. 2 Vols. 22-50. 15th Bombay 1949. 17-00. 16th Lucknow 1951. 2 Vols. 22-50. 17th Ahmedabad 1953. 22-50. 18th Annamalainagar 1955. 22-50. 19th Delhi 1957, 2 Vols 28-00 and 20th Bhubaneshwar 1959, Vol. I and Vol. II in 2 Parts. 33-75. 21st Srinagar, Kashmir 1961. Vol. I and Vol. II in 2 Parts 39-50. 22nd Gauhati, Assam. 2 Vols. 22-50. **In All.** 394-50

4095 Index to Paper. All India Oriental Conference.
Sessions I-XII (1919-1944) 13-50
Sessions XIII-XVII (1945-1954) compiled by K. Venkateswar Sarma. 11-25

4096 Proceedings of the Summer School of Botany. Held June 2-15, 1960 at Darjeeling. Edited by P. Maheshwari, B. M. Johri and I. K. Vasil. 25-00

4097 Proceedings of the Symposium on Organic Evolution with illustrations. 12-50

4098 Proceedings of the Twenty-Second Congress of Orientalists. Held in Istanbul, September 15th to 22nd, 1951. Edited by Zeki Velidi Togan. 2 Vols. 234-00

4099 Proceedings of the Twenty-Sixth International Congress of Orientalists, New Delhi 4-10th January, 1964, Vol. I. 18-00

4100 Process of Speech by C. R. Sankaran. 15-00

4101 Profiles of Tribal Culture in Bihar By Sachchidanand. 15-00

4102 Progress of Education in Free India. Containing contributions from Various Experienced and out standing Educationists of India on Various Aspects of Education and Its Progress since Independence. Edited by N. B. Sen. 25-00

4103 Progress of Education in Free India (Current Problems of Indian Education) by J. C. Aggarwal. 12–50

4104 Progress of Indic Studies (1917–1942) Edited by Dr. R. N. Dandekar. 8–00

4105 Progress of Libraries in Free India. Edited by N. B. Sen. 25–00

4106 Progress Reports of the Kannada Research Institute for 1953–57. 2–25

4107 Prophecy in Islam. Philosophy and Orthodoxy by F. Rahman. 15–75

4108 Proposals of World Federalists for United Nations Charter Revision by Max Habicht. 1–00

4109 Proto-Indo-European Phonology by Winfred P. Lehmann. 30–00

4110 Provincial Autonomy in India by Dr. P. N. Masaldan. 7-50

4111 Provincial Finance in India by Dr. P. N. Banerjee. 8–00

4112 Psalms of Maratha Saints by Nicol Macnical. 1–25

4113 Psalms of the Brethren (Theragatha) Translated into English by Rhys Davids. With Psalms of the sisters. 66–15

4114 Psychogenesis of Mental Disease by C. G. Jung. Translated by R. F. C. Hull. 33–60

4115 Psalms of the Early Buddhists. I–Psalms of the Sisters by Mrs. Rhys Davids. 66–15

4116 Psycho-Analysis and Faith : The Letters of Sigmund Freud and Oskar Pfister. Edited by Heinrich Meng and Ernst L–Freud. Translated by Eric Mosbacher. 22–05

4117 Psycho–Dynamics of Tribal Behaviours by Sourindranath Sarkar. 10–00

4118 Psychiatric Studies by C. G. Jung. Translated by R. F. C. Hull. 26–25

4119 Psychological Reflections. An Anthology of the Writings of C. G. Jung. Selected and Edited by Jolande Jacobi. 31–50

4120 Psychological Studies in 'Rasa' by Dr. Rakesh Gupta. ...

4121 Psychological Study in Symbolism by Dr. Padma Agrawal. 12-00, 16-00

4122 Psychological Tests of Mental Abilities by Dr. A. S. Woodburne. 2-81

4123 Psychological Types or The Psychology of Individuation by C. G. Jung. Translated by H. Godwin Baynes. 47–50

4124 Psychology : A Study of Mental Life by Robert S. Woodworth and Donald G. Marquis. 16–80

4125 Psychology and Mental Health. A Contribution to development Psychology by J. A. Hedfield. 31–50

4126 Psychology and Religion : West and East by C. G. Jung. Translated by R. F. C. Hull. 52–50

4127 Psychology Applied to Human Affairs by J. Stanley Gray. 63–75

4128 Psychology in Education by Herbert Sorenson. 31–25

4129 Psychology of Learning by James Deese. 19–50

4130 Psychology of Personality by Ross Stagner (International Student Edition). 30–00

4131 Psychometric Methods by J. P. Guilford. 29–25

4132 Psychotic States : A Psycho-Analytical Approach by Herbert A. Rosenfeld. 44–[illegible]

4133 Public Administration in Bengal by N. C. Ray. 1–25

4134 Public Administration in India (Historical, Structural and Functional) by Akshaya K. Ghose. 12–50

4135 Punch Marked Coins in the Andhra Pradesh Government Museum by Parmeshwari Lal Gupta. 5–00

4136 Punjab Peasant in Prosperity and Debt by Malcolm Darling. With a Foreword by Edward Maclagan. 15–00

4137 Punjabi Century 1857–1947 by Prakash Tandon. With a Foreword by Maurice Zinkin. 26–25

4138 Purana Index by V. R. Dikshitar. Only Vol. III. 21–00

4139 Purana Pancalaksana by W. Kirfel. 180–00

*4140 **Purana Pancalaksana.** By W. Kirfel. Text edited in Devanagari and the Introduction rendered into English by Dr. Suryakant. **Shortly**

4141 **Purana Text of the Dynasties of the Kali Age (The).** With Introduction, Text, Notes and Elaborate Commentary by F. E. Pargiter, M. A. (Chow. Sans. Studies Vol. XIX) **20–00**

*4142 **Puranas or an Account of Their Contents and Nature.** By H. H. Wilson. **Shortly**

4143 Puranic Anthology. Edited by A. P. Karmarakar. 5–00

4144 Puranic Chronology by D. R. Mankad. 20–00

4145 Purna Kalasa or the Vase of Plenty by Prithvi Kumar Agrawala. With 35 Plates and many Figures. 10–00

4146 Purva-Mimamsa in its Sources by Dr. Ganga Natha Jha. 15–00

Q

4147 Quest After Perfection by Prof. M. Hiriyanna. 5–00

4148 Quest of Enlightenment–A selection of the Buddhist Scriptures. Translated from the Sanskrit by E. J. Thomas. 4–20

4149 Quest of the Infinite by Kaviraja A. P. Roy. 12-00

4150 Question of Progress by Arthur Osborne. 1-00

4151 Questions of King Milinda. Translated from the Pali by T. W. Rhys Davids. In two Parts. 33-75

4152 Questions of King Milinda. Translated from Pali by T. W. Rhys Davids. 2 Vols. (S. B. E.) 40-00

4153 Quiet Crisis in India : Economic Development and American Policy by John P. Lewis. Foreword by Robert D. Calkins. 8-50

4154 Quintessence of Islam. A summary of the commentary of Maulana Abul Kalam Azad or Al-Fateha, the first chapter of the Quran by Ashfaque Husain. 4-25

4155 Quintessence of Nehru. Selected and with Introduction By K. T. Narasimhachar. 22-05

4156 Quintessence of the Rigveda by C. Kunhan Raja. 4-30

4157 Quintessence of the Upanishads by G. Desai. 3-44

4158 Quintessence of Yoga Philosophy. Based on the teachings of Swami Vivekananda by D. V. Athaley. 3-50

4159 Quran. Translated by E. H. Palmer. 2 Parts. (S. B. E.). 40-00

4160 Quranic Sufism by Dr. Mir Valiuddin. 10-00

4161 Qutub-Shahi Coins in the Andhra Pradesh Government Museum by Md. Abdul Wali Khan. 5-00

4162 Qutui-tu Pancaraksa Kemeku Tabun Sakiyan Neretu Yeke Kolgen Sudur. Nach Dem Stockholmer Xylograph 15-1. 699. Leransgegeben von Pentti Aalto. 78-75

R

4163 Rabindranath Tagore by George E. G. Catlin. 5-50

4164 Rabindranath Tagore : A Centenary Volume 1861-1961. 30-00

4165 Rabindranath Tagore - A Philosophical Study by Vishwanath S. Naravane. 5-00

4166 Rabindranath Tagore His Life and Work by Dr. Edward J. Thompson. Revised by Kalidas Nag. 5-00

4167 Rabindranath Tagore Poet and Dramatist by Edward Thompson. 15-00

4168 Rabindranath Tagore : Poet and Thinker by Dr. M. M. Bhattacherje. 6-00

4169 Rabindranath Tagore : Poet, Patriot and Philosopher by K. S. Ramaswamy Sastry. 2-00

4170 Rabindranath through Western Eyes by A. Aronson. 4-50

4171 Races and Cultures of India by D. N. Majumdar. 18-50

4172 Radhakrishnan: An Anthology of his Writings by Marlow. 7-60

4173 Raga Nidhi (Encyclopaedia of Indian Ragas) A comparative study of Hindustani and Karnatak Ragas by B. Subba Rao. Vol. I–IV. A to C. With a Foreword by Dr. Sir M. Bhawanishankar Niyogi. 30–00

4174 Ragas and Raginis. A Pictorial and Iconographic Study of Indian Musical Modes based on Original Sources by O. C. Gangoly. Vol. I. Text : History of Ragas, Iconography, Ragmala Texts and Criticism. 35–00

4175 Raghuvamsa. With English translation and Notes by C. Sankara Ram Sastri. Cantos 1–II 1–50, Canto XII 1–75, Canto XIII. 2–00

4176 Raghuvamsa—Cantos IV–V. With English Notes and Translation by S. Viswanathan. 3–25

4177 Raghuvamsa. Cantos 10 & 11 with English Notes and Translation by S. Viswanathan (Son of Late Sri C. S. Rama Sastri). 2–50

4178 Raghuvamsa. Cantos VI–IX by Devadhar. 3–25

4179 Raghuvamsa. Cantos I to IV with English translation by Karnik and Deshapande. 5–00

4180 Raghuvamsa with English Notes and Translation. Canto. XI. 1–62

4181 Raghuvamsa with English Notes and Translation. Cantos. XII–XIII. 3–25

4182 Raghuvamsa Cantos XIV and XV Ed. With Sanskrit Commentary and Eng. Trans. Introduction, Notes etc. by V. Gopala Iyengar. 3–25

4183 Raghuvamsa with English notes and translation by C. S. Ram Shastri. Cantos 14 and 15. 2–50

4184 Raghuvamsa with English translation by S. Rangachar. Canto IV. 1–12, Canto V. 2–25, Conto VI. 3–00, Canto. XIII. 2–25, Canto. XIV. 0–80

4185 Raghuvamsa with Eng. trans. by S. V. Dixit. Cantos I to IV. 3–00

4186 Raghuvamsa with Eng. trans. by J. M. Ashar. Cantos I-IV. 3–50

4187 Raghuvamsa with English translation by V. M. Kulkarni Cantos VIII & IX. 3–00

4188 Raghuvamsa with Eng. translation Cantos. VIII-IX 3–00

4189 Raghuvamsa with Eng. Tr. & Notes by S. Ray. Cantos I, II, IV, V, VI, XI, XIV & XVI. **Each Canto.** 4–00
Canto XIII. 6–00

4190 Raghuvamsa (Cantos XI-XIV) Text with English translation by R. D. Karmarkar. 3-25

4191 Raghuvamsam. Text, English Translation with Introduction, Notes and Appendices. Translated by H. H. Wilson. Complete. 7-00

4192 Raghuvira-Sraddhanjali. Homage to Prof. Dr. Raghuvira. Edited by Kaka Saheb Kalelkar etc. 30-00

4193 Rahu Pimma and Yama Kalaya by Cyrus D. F. Abayakoon. 4-00

4194 Rajadharma. Einsetzung und Aufgabenkreis des Konigs in Lichte des Purana's von Hans Losch. 77-50

4195 Rajadharma by K. V. Rangswami Aiyangar. 5-00

4196 Rajagriha and Nalanda by Dr. A. C. Sen. 2-25

4197 Rajatarangini of Kalhana. Edited by M. A. Stein. 75-00

4198 Rajatarangini of Kalhana. Translated with an Introduction, Commentary, and Appendices by M. A. Stein. 2 Vols. 100-00

4199 Rajavahana-Charitam (The First Chapter of Uttar Pithika of Dashakumara Charitam). With English and Bengali Translations and Notes etc. by Saradaranjan Ray. 3-00

4200 Rajayoga by Swami Vivekananda. 2-75

4201 Rajendra Prasad First President of India by Kewal L. Panjabi. 15-75

4202 Rajput Painting with an Introduction and Notes by Basil Gray. 13-13

4203 Rajput Painting. With an Introductory Essay and Catalogue Notes by Sherman E. Lee. With 86 Coloured Plates. 60-00

4204 Rajput Politics by A. B. L. Awasthi. With a Foreword by R. K. Dikshit. 6-50

4205 Rajputs of Khalapur, India by Leigh Minturn and John T. Hitchcock. 14-63

4206 Ralph (Sir Turner) Jubilee Volume. 2 Parts. 50-00

4207 Ramakrishna : Prophet of New India. Abridged from the Gospel of Sri Ramakrishna. Translated into English with an Introduction by Swami Nikhilananda. Foreword by Aldous Huxley. 10-00

4208 Ram Krishna Upanishad by C. Rajagopalachari. 1-00

4209 Ramakrishna and His Disciples by Christopher Isherwood With 32 Illustrations. Foreign Edition. 37-80
Indian Edition. 12-50

4210 Ram Krishna. His Life & Sayings by Prof. F. Max Muller. 5-00

4211 Ram Krishna : The Great Master. Translated by Swami Jagadananda. 25–00

4212 Ram Krishna. The Man and Power by Swami Gnaneswaranand. 1–37

4213 Ram Krishna Paramhamsa by G. Tucci 2–50

4214 Raman Maharshi and the Path of Self Knowledge by Arthur Osborne. 12–00

4215 Ramanama. The Infallible Remedy by Mahatma Gandhi. Edited by Anand T. Hingorani. 2–50

4216 Ramanuja. Ein Philosoph indischer Gottesmystik. Seine Lebemsanschauung nach den Wichtigsten Quellen dargestellt von A. Hohenberger. 25–00

4217 Ramanuja As Panentheist by Mr. John C. Plott. 1–25

4218 Ramanuja on the Bhagavadgita. A Condensed Rendering of His Gitabhasya with copious notes and an Introduction by J. A. B. Van Buitenen. 35–00

4219 Ramanujan. The Man and the Mathematician by S. R. Ranganathan. 18–00

4220 Rama Prasada's Devotional Songs : The Cult of Shakti by Jadunath Sinha. 10–00

4221 Ramayan by R. C. Dutt. 3–00

4222 Ramayan. Das Ramayana of Dr. Hermann Jacobi. Translated from German by Dr. S. N. Ghosal. 6–00

4223 Ramayan As Told by Kamban. Ayodhya Canto. Translated by C. Rajagopalachari. O. P.

4224 Ramayan in China. I. Jataka of an unnamed King. Translated into Chinese from an Original Indian text by K. Ang–Seng–Hui in 251 A. D. 2. Nidana of King 'Ten–Luxuries' Translated into Chinese from an original Indian text by Kekaya in 472 A. D. Edited by Dr. Raghuvira and Dr. Chikyo Yamamoto. 10–00

4225 Ramayan of Tulsidas or The Bible of Northern India by Rev. J. M. Macfie. 12–00

4226 Ramayan of Tulsidas. By Rev. A. G. Atkin's Translation in English Verse. Two Vols. 40–00

4227 Ramayan of Tulsidas by F. S. Growse. 6–00

4228 Ramayan (An elegant translation into Idiomatic English from the original of Valmiki) by Makhan Lal Sen. Complete. 3 Vols. 30–00

4229 Ramayana by C. Rajagopalachari. Bombay Edition. 2–50

4230 Ramayana for Modern World by S. L. N. Simha. 2–50

4231 Ramdas and Ramdasis (A Study of Hinduism) by W. S. Deming. 3-00

4232 Ramdas Charitam. Sanskrit Text with English translation by K. Row. 5-00

4233 Rammohan to Ramkrishna by F. Max Muller. 3-00

4234 Rammohun Roy : A biographical inquiry into the making of modern India. Volume one the First Phase. 14-75

4235 Ranade the Prophet of Liberated India by D. G. Karve. 4-50

4236 Ranee of Jhansi by D. V. Tahmankar. 6-00

4237 Ranganathan Festschrift. Vol. I. Papers Contributed on the 71st Birth-day of Dr. S. R. Ranganathan (12 August 1962) (Library Science To-Day) Edited by P. N. Kaula. 65-00

4238 Ranjit Singh by Sir Lepel Griffin. 5-00

4239 Ranjit Singh : Maharajah of the Punjab 1780-1839 by Khushwant Singh. 31-50

4240 Ranjit Singh : The Lion of the Panjab by W. G. Osborne. 3-00

4241 Raphael and Michelangelo Drawings at Windsor Castle by A. E. Popham. 42 plates with introduction. 10-00

4242 Rasa-Jala-Nidhi by B. Mukerjee. 5 Vols. 42-50

4243 Rashtrakutas and their times by Dr. A. S. Altekar. 20-00

4244 Rasigolasphutaniti of Acyuta. Edited and Translated by K. V. Sarma. 2-50

4245 Rati Rahasya (The Hindu Secrets of Love) of Pandit Kokkoka. Translated from the Original Sanskrit by S. C. Upadhyaya. Foreword by V. Raghavan. With 4 Plates in Colour, 75 Half-tone Illstrations and 10 Line Drawings. 40-00

4246 Rationalism in Practice by R. P. Paranjpye. (The Kamala lectures) 1-87

4247 Ratnavali. Edited by Prof. V.K. Joshi & Prof. G.M. Watve. 4-50

4248 Ratnavali with English translation. 4-00

4259 Ratnavali with Eng. translation by Devadhar and Suru. 3-25

4240 Ratnavali with Eng. translation by J. M. Ashar. 4-00

4251 Ratnavali with English Translation by M. R. Kale. 6-60

4252 Ratnavali with Eng. translation & Notes by S. Ray. 8-00

4253 Ratnavali with Sans. Com. by S. Narayan Sastri and Eng. translation by P. V. Ramanuja Swami. 3-75

4254 Rauravagama. Edition Critique Par N. R. Bhatt. Introduction Par Jean Filliozat. 18-00

4255 Readings from Sankara. 2 Parts. Selected Passages from Sankara's Commentaries on Isa and Kena, Mandukya Upanisads and Karika. Text in Devanagari and Roman with an English Translation by T. M. P. Mahadevan. 3-50

4256 Readings in Anthropology by Jesse D. Jennings and E. Adamson Hoebel. 33-75

4257 Readings in Democracy. Foreward by B. H. Zaidi. 6-00

4258 Readings in Linguisties I. The Development of Descriptive Linguistics in America 1925-56. Ed. by Martin Joas. 63-75

4259 Readings in Linguistics II. Ed. by Eric P.,Hamp, Fred W. Houicholder and Roberl—Austerlity. 63-75

4260 Readings in Philosophy (Essence of the Philosophy of the Eminent Philosophers of the World Namely Plato, Aristotle, Buddha, Augustine, Shankara, Al-Ghazali, Ibntofail, Descartes, Spinoza, Berkeley, Hume, Kant, Hegel, Marx, Bergson, Dewey, Tagore, Gandhi, Aurobindo and Iqbal). 8-00

4261 Real and the Negative by B. K. Mallik. 22-05

4262 Real Tripitaka and other Stories by Arthur Waley. 18-90

4263 Reality of Religion by Jehangir M. Shapoorjee. 6-00

4264 Reason and Religion by Sohrab A. Kalyan. 2-00

4265 Rebellious Prophets : A Study of Messianic Movements in Indian Religions by Stephen Fuchs. 25-00

4266 Recent Developments in Maternity and Child Welfare Services in India by Dr. Surya Bhatia. 1-00

4267 Recent Indian Philosophy : Papers selected from the Proceedings of the Indian Philosophical Congress, 1925-1934. Ed. by Kalidas Bhattacharya. With a Foreword by Humayun Kabir. Volume I. 20-00

4268 Recent Trends in Indian Nationalism by A. R. Desai. Supplement to Social Background of Indian Nationalism. 8-75

4269 Record (A) of Buddhistic Kingdoms : Being an Account by the Chinese Monk Fa-Hien of His Travels in India and Ceylone (A. D. 399-414) in Search of the Buddhist Books of Discipline. Translated and Annotated with a Corean Recension of the Chinese Text by James Legge. With Illustrations. 48-75

4270 Records of Judge and Magistrate of Patna for the years 1820-1825 by Dr. J. S. Jha. 12-00

4271 Record of the Buddhist Religion. As practised in India and the Malay Archipelago (A. D. 671–695) by I-Tsing. Translated by J. Takakusu, B. A., Ph. D. With a letter from the Right-Hon. Prof. F. Max Muller. With a Map. 20–00

4272 Recovery of Faith by S. Radhakrishnan. 10–50, 15–75

4273 Red Chapels of Banteai Srei and Temples in Cambodia, India, Siam and Nepal by Sacheverell Sitwell. 44–10

4274 Reflections on Psychological Insecurity in Modern Man by Artur Isenberg. 1–50

4275 Reflections on Science, Philosophy and Art by Prabas Jivan Chaudhury. With a Foreword by Dr. Kalidas Bhattacharyya. 15–00

4276 Reflections on the Numerals 'One' and 'Two' in Ancient Indo-European languages by J. Gonda. 33–75

4277 Reflections on The Revolution of Our Time by Harold J. Laski. 10–50

4278 Regional Balance of Man. An Ecological Theory of Population. Sir William Meyer Foundation Lectures. 1935–36 by Radha Kamal Mukerjee. 5–75

4279 Regional Income Accounting in an Underdeveloped Economy : A Case Study of India by Mahinder D. Chaudhry. Foreword by Bert F. Hoselitz. 30–00

4280 Register Zur Altindischen Grammatik Von J. Wackernagel und A. Debrunner (Bd. I–III) by Richard Hauschild. 92–40

4281 Reign of Law in Buddhism by C. Jinarajadasa. 1–25

4282 Reign of Realism in Indian Philosophy by R. Naga Raja Sharma. 20–00

4283 Relations of Jaipur State with East India Company (1803–1858) by H. C. Batra. 15–00

4284 Religion and Dharma by Sister Nivedita. 2–00

4285 Religion and Modern Doubts by S. Nirvedananda. 3–00

4286 Religion and Philosophy of Atharvaveda by Dr. N. J. Sende. 10–00

4287 Religion and Political Awakening in India by K. P. Karunakaran. 18–50

4288 Religion and Politics in Burma by Donald Eugene Smith. 56–25

4289 Religion and Society by S. Radhakrishnan. 15–75

4290 Religion and Society among the Coorgs of South India by M. N. Srinivasa. 26–00

4291 Religion and the Scientific Outlook by T. R. Miles. 26–25

4292 Religion in a Changing World by S. Radhakrishnan. 26-25

4293 Religion in Philosophical and Cultural Perspective : A New approach to the Philosophy of Religion through Cross-Disciplinary Studies. Edited by J. Clayton Feaver and William Horosz. 63-13

4294 Religion in Primitive Society by Edward Norbeck. 48-75

4295 Religion in the Light of Sciences by Dr. Jaeques De Marquette. 5-00

4296 Religion in the Modern World. Foreword by Louis Arnand Reid. 6-00

4297 Religion of India: The Sociology of Hinduism and Buddhism by Max Weber. Translated and edited by Hans. H. Gerth and Don Martindale. 36-80

4298 Religion of Israel: From its Beginnings to the Babylonian Exile. Translated and Abridged by Moshe Greenberg. 44-10

4399 Religion of Love by Swami Vivekananda. 1-25

4300 Religion of Man by Rabindranath Tagore. 6-30, 15-75

4301 Religion of Rabindranath by Srimati M. Devi. 1-00

4302 Religion of the Hindus by Kenneth W. Morgan. 30-00

4303 Religion of the Jainas by Walther Schubring. Translated from the German by Dr. Amulyachandra Sen and T. C. Burke. Foreword by Gaurinath Sastri. 1966. 7-00

4304 Religion of the Sikhs by M. Macauliffe, H. H. Wilson, John Malcolm, Pincott and others. 15-00

4305 Religion, Philosophy and Psychical Research. Selected Essays by C. D. Broad. 20-00

4306 Religion, Society and the Individual by J. Milton Yinger. 33-75

4207 Religion We Need by S. Radhakrishnan. 1-00

4308 Religions of Ancient India (Jordan Lectures 1951) by L. Renou. 12-00

*4309 **Religions of India** : By A. Barth. Authorised English Translation by Rev. J. Wood. (Chow. Sans. Studies Vol. XXV) **15-00**

4310 Religions of India. Vol. I The Vratya or Dravidian Systems by A. P. Karmarkar. 16-00

4311 Religions of Tibet by Helmut Hoffmann. Translated by Edward Fitzgerald. 26-25

4312 Religious Consciousness by G. S. Ghurye. 45-00

4313 Religious Dances. Translated by E. Classen. 44-10

4314 Religious Duties of Islam as Taught and Explained by Abu Bakr Effendi. A translation from the original Arabic and Afrikaains, edited with an Introduction and Notes by Mia Brandel-Syrier. 54–00

4315 Religious Foundations of Internationalism. A study in International Relations through the Ages by Norman Bentwich. 22–05

4316 Religious Platonism. The Influence of Religion on Plato and the Influence of Plato on Religion by James K. Feibleman. 20–00

4317 Religious Poetry of Surdas by Dr. Janardan Misra. 5–00

4318 Religious Policy of the Mughal Emperors by Sri Ram Sharma. 14–00

4319 Religious Sects of The Hindus by H. H. Wilson. Edited by Ernst R. Rost. 15–00

4320 Religious Thought in the Eighteenth Century. Illustrated from writers of the period by J. M. Creed and J. S. Boys Smith. O. P.

4321 Remarks on Similes in Sanskrit Literature by J. Gonda. 27–20

4322 Remarks on the Sanskrit Passive by J. Gonda. 20–00

4323 Rembrandt Drawings by Otto Benesh. With 1400 drawings. Complete edition in Six Vols. O. P.

4324 Rembrandt Etchings by L. Munz. Vol. I. 400 Illustrations, 70 pagesIntroduction. Vol. II. Essay, Catalogue raisonne, 232 pages Text, 240 Illustrations. O. P.

4325 Reminiscences of Swami Vivekanada by His Eastern and Western Admirers. 7–50

4326 Renascent Hinduism by D. S. Sarma. 10–00

4327 Renaissance in India by Sri Aurobindo. 2–00

4328 Renaissance of Devnagari Akshras (Sanskrit-Sounds) A Complete Discovery of Spectrum of Sense in Speech Sounds by Prem Krishna Bhatnagar. 8–50

4329 Renew Your Life Through Yoga by Indra Devi. (The Indra Devi Method for Relaxation through Rhythmic Breathing) With Plates. 29–40

4330 Repertoire D' Art Et D' Archeologie Public Sous la direction de Marcel Aubert et Pierre Lelievre. Tome LX. 80–00

4331 Report of the Banaras Hindu University Enquiry Committee. 0–56

4332 Report of the Committee on Indigenous Systems of Medicine. Vol. I.–Report and Recommendations and Vol. II.–Appendices. 8–00

4333 Report of the Sanskrit Commission 1956-1957 (Govt. of India). 5-25

4334 Report on a Linguistic Mission to North-Western India by Georg Morgenstierne. 5-00

4335 Report on an inquiry into the occurrence of 'Wastage' and 'Stagnation' amongst University Students by Mrs. I. V. Bhanot. 2-25

4336 Report on Bootan by R. B. Pemberton. 12-50

4337 Report on Kumrahar Excavations 1951-1955 by Dr. A. S. Altekar and Mr. Vijaya Kanta Mishra. 40-00

4338 Report on the Buddhist Cave Temples snd their Inscriptions. Being Part of the Results of the Fourth, Fifth and Sixth Seasons Operations of the Archaeological Survey of Western India, 1876-77, 1877-78, 1879. Supplementary to the Volume on "The Cave Temples of India." by Jas. Burgess. (Archaeological Survey of Western India, Vol. IV). 75-00

4339 Report on the Excavations at Brahmapuri in Kolhapur by Sankalia & Dixit. 30-00

4340 Report on the Indian General Elections (1951-52). Edited by Richard L. Park. 12-50

4341 Report on the Modi Manuscripts in the Saraswati Mahal Library, Tanjore by R. S. Shelvankar. 1-25

4342 Reports of the Norwegian Archaeological Expedition to Eastern Island and the East Pacific. Edited by Thor Heyerdahl and Edwin N. Ferdon. Vol. II-Miscellaneous Papers. 176-40

4343 Republic of India. Constitution and Government by B. M. Sharma. With a Foreword by Dr. K. N. Katju. 36-00

4344 Research Abstracts (No. IV) 1964-65. Edited by Dr. A. S. Patel and Dr. B. P. Lulla. 1-50

4345 Research Bulletin (Arts) of the University of Panjab Nos. I, XVIII, XXI, XXIII, XXVI, XXXIV, XXXVI, XXXIX. 24-15

4346 Resurgent India by Sisir Kumar Mitra. 26-00

4347 Revenue System in Post-Maurya and Gupta Times by Dwijendra Narayan Jha. 25-00

4348 Reverence for Life by Albert Schweitzer. 1-00

4349 Revolution in Anthropology by I.C. Jarvie. With a Foreword by Ernest Gellner. 42-00

4350 Revolutionary and Napoleonic Era 1789-1815 by J. Holland Rose. 10-00

4351 Rg-Bhasya-Sangraha (A Hand book of Rgvedic Hymns) Edited by Dev Raj Channa. 10-00

*4352 **Ṛgveda.** Translated into English. With a Popular Commentary by R. T. H. Griffith. 2 vols. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXV) **40-00**

4353 Rgyan-Drug Mchog-Gnyis. With 5 Coloured and 2 Half-tone Plates. Text in English. Introduction by Palden Thondup Namgyal, Maharaj Kumar of Sikkim. 25-00

4354 Riddle in Indian Life Lore and Literature by Durga Bhagwat. 16-26

4355 Riddle of This World by Shri Aurobindo. 2-00

4356 Riggt Honourable V. S. Srinivasa Sastri : A Folitical Biography by P. Kodanda Raoi Foreword by C. Rajagopalachari. 28-00

4357 Rig-Veda. English translation by H. H. Wilson. Vols. I, III-IV. 12-00

4358 Rig-Veda (Der). Translated from Sanskrit into German with Accompanying commentary and Notes by K. F. Geldner. With Index. 4 Vols. 187-50

4359 Rigveda and the Indus Valley Civilization by Dr. Buddha Prakash. With 17 Plates. 30-00

4360 Rigveda Mandala VII. (Introduction, Devanagari Text, English Translation, Critical Notes, Select Glossary and Three Indices) by H. D. Velankar. Foreword by J. H. Dave. 20-00

4361 Rigvedamantras in their ritual setting in the Grihyasutras by Dr. V. M. Apte. 3-0

*4362 **Rig-Veda Samhita** : The Sacred Hymns of the Brahmans, together with the Commentary of Sayanacharya. Edited by Dr. F. Max Muller. 4 Vols. (Reprint) **140-00**

4363 Rigvedic Legends Through the Ages by H. L. Hariyappa. 15-00

4364 Rigvidhana. Translated into English by J. Gonda. 31-50

4365 Ring of the Dove (A Treatise on the Art and Practice of Arab Love) by Ibn Hazm (994-1064). Translated by A. J. Arberry. 26-25

4366 Rise and Fall of the Maratha Empire by Rajaram Vyankatesh Nadkarni. Foreword by M. M., D. V. Potdar. 30-00

4367 Rise and Fall of the Mugal Empire by R. P. Tripathi. 20-00

4368 Rise and Fulfilment of British Rule in India by Edward Thomson and G. T. Garratt. 15-00

4369 Rise and Growth of Congress in India (1832-1920) by C. F. Andrews and Girija K. Mookerjee. 20-00

4370 Rise of Modern Asia by Ian Thomson. 14-40

4371 Rise of Muslim Power in Gujarat : A History of Gujarat 1298-1442 by Satish C. Misra. Foreword by J. M. Mehta. 22-50

4372 Rise of the Maratha Power and other Essays by M. G. Ranade and Gleanings from Maratha Chronicles by K. T. Telang. 12-50

4373 Rise of the Muhammadan Power in India (History of the) by Muhammad Kasim Firishta. Translated from the Original Persian by John Briggs. 10-00

4374 Rishtasamuchhaya of Durgadeo, Jain Prakrit work on Omens. Ed. with Sanskrit Chaya. Eng. tr. by Dr. Gopani. 10-00

4375 Rising Sun (Bhaskarodayam). A Mahanatak on the Early Life of Ravindra Nath by Dr. J. B. Chaudhuri, only English Version by Dr. Roma Chaudhuri. 6-00

4376 Ritual Art of the Bratas of Bengal by Sudhansu Kumar Ray. With a Foreword by M. S. Randhawa. 16-00

4377 Ritusamhara of Kalidasa. With a new Commentary by Shastri Vyankatacharya Upadhya and Introduction, Notes and Translation by M. R. Kale. 3-50

4378 Ritusamhara of Kalidas with English translation and Sanskrit commentary by Abhinna Chandra Das and with Hindi translation by Umakanta Mishra. 1-52

4379 Ritusamhara or The Pageant of the Seasons. Translated from the Original Sanskrit Lyrics of Kalidasa by R. S. Pandit. Frontispiece by Nandalal Bose. 13-50

4380 Ritusamharam of Kalidasa. The Cycle of Seasons (English Verse Equivalents) by Shankar Mokashi Punekar. Foreword by Dr. K. M. Munshi. 5-00

4381 Ritusamharam. Text, English Translation with Introduction, Notes and Appendices. Translated by H. H. Wilson. 1-50

4382 Road to Nirvana. A Selection of Buddhist Scriptures translated from the Pali by E. J. Thomas. 4-20

4383 Rodi (Rotwelsch) in Norway by Ragnvald Iversen. 37-50

4384 Rodin Sculpture. A new popular edition with 92 Plates and an Introduction by Somer Ville Story. 20-20

4385 Role of Co-operation in Social and Economic Development Proceedings of Regional Conference Tokyo, Japan 19th–26th April, 1964. 10–00

4386 Role of Monetary Policy in Planned Economy. With Special Reference to India by K. K. Sharma. With 43 Tables. 25–00

4387 Role of Feudatories in Pallava History by M. S. Govindasamy. 3–50

4388 Role of the Bhagavadgita in Indian Politics by Dr. Shadi Lal Malhotra. 1–50

4389 Role of Wealth in Society by R. P. Masani. 6–75

4390 Roman Pottery by R. J. Charleston. 44–10

4391 Romance of the Rubaiyat. Edward Fitzgerald's First Edition reprinted with Introduction and Notes by A. J. Arberry. 26–25

4392 Romanesque Art in France by Joseph Gantner & Marcel Pobe. With a Preface by Marcel Aubert. 271 pictures in photogravure by Jean Roubier and 8 Maps. 67–20

4393 Romanesque Sculpture in Italy by G. H. Crichton. With 92 plates. 40–00

4394 Romany Language in Norway by Ragnvald Iversen. 37–50

4395 Roots of Bengali Culture by Samaren Roy. 4–00

4396 Roots of the Pali Dhatupathas by S. M. Katre. 5–00

4397 Roots, Verb–Forms and Primary Derivatives of the Sanskrit Language by W. D. Whitney. 11–25

4398 Roots, Verb – Forms and Primary Derivatives of the Sanskrit Language. A supplement to his Sanskrit Grammar by William Dwight Whitney. Indian edition. 6–00

4399 Rubaiyat of Omarkhayyam by E. Fitzgerald. 16 Coloured Plates by Pogany. 5–00

4400 Rubaiyat of Omarkhayyam Portfolio of 30 Plates by Sett. 12–00

4401 Rudin (A Novel) by I. S. Turgenev. 5–00

4402 Rupavatara of Dharmakirti with additions and amendations by Rao Bahadur M. Rangacharya. 2 parts. 11–25

4403 Russia Forty Years On : An Account of a visit to Russia and Germany in the Autumn of 1959. By M. Philips Price. 18–90

4404 Russian and the Slavonic Languages by W. J. Entwistle and W. A. Morison 66–15

4405 Ryotwari System in Madras 1792-1827 By Nilmani Mukherjee with a Foreword by Dr. N. K. Sinha. 20-00

S

4406 S. Radhakrishnan Souvenir Volume (Collection of 76 Articles by Scholars of International Fame). 30-00

4407 Sacred Books of China : The Texts of Confucianism. Translated by James Legge. 1-6 Vols. (S. B. E.). 120-00

4408 Sacred Books of the East. Edited by The Right Hon. F. Max Muller and Translated by Oriental Scholars of Repute. Complete Set in Fifty Volumes. 1000-00

4409 Sacred (The) Complex in Hindu Gaya by L. P. Vidyarthi. 12-00

4410 Sacred Kural or The Tamil Veda of Tiruvalluvar. Selected and Translated with Introduction and Notes by H. A. Popley. 3-50

4411 Sacred Laws of the Aryas : As taught in the Schools of Apastamba, Gautama, Vasishtha and Baudhayana. Translated by George Buhler. 2 Parts (S. B. E.). 40-00

4412 Sacred Scriptures of the Japanese by Post Wheeler. 52-00

4413 Saddhammappakasini. Pali text, Romanized. Edited by C. V. Joshi. Vols. 2-3. 36-75

4414 Saddharma-Pundarika or the Lotus of the True Law translated by H. Kern. 18-38

4415 Saddharma Pundarika or Lotus of the True Law. Translated by H. Kern. 20-00

4416 Saddharmapundarikasutra by W. Baruch. 27-00

4417 Saddharmapundarika-Sutram. Romanized and Revised Text of The Bibliotheca Buddhica Publication by Consulting a Skt. Ms. and Tibetan and Chinese translations by Prof. U. Wogihara and C. Tsuchida. 75-00

4418 Sadhana for Self-Realization (Mantras, Yantras and Tantras) by Swami Pratyagatmananda Saraswati and Sir John Woodroffe. 6-00

4419 Sadhana in Sri Aurobindo's Yoga by M. P. Pandit. 5-00

4420 Sadhana by Dr. Chaturbhuj Sahai. Translated into English by V. Sri Ramamurti. 0-15

4421 Sadhs by W. L. Allison. 2-25

4422 Sadvimsa-Brahman. Introduction, Translation, Extracts from the Commentary and Notes by W. B. Bollee. 20-00

4423 Saga of Indian Sculpture by K. M. Munshi. 10-00

4424 Sagar Through the Ages by Prof. K. D. Bajpai. With 23 Plates. 5-00

4425 Sahakari Samaj. The Co-operative Cammonwealth by S. K. Dey. 15-00

4426 Sahityadarpana with English translation by K. Ray.
Ch. I-V. 8-00, Ch. VI. 10-50, Ch. VII-IX. 5-00, Ch. X. 14-00
Chapters I-X in 4 Parts. 36-00

4427 Sahitya Darpana (Paricchedas I, II, X Arthalankaras) With exhaustive Notes by P. V. Kane. 10-00

4428 Saint of Gondavali or The Life and Sayings of Shri Brahma Chaitanya by K. V. Belsare. 5-00

4429 Saiva Siddhanta by S. Satchidanandan Pillai. 2-25

4430 Saiva Siddhanta by V. Paranjoti. 11-03

4431 Saiva Upanishads. Translated into English by T. R. S. Aiyangar. O. P.

4432 Sakta Pithas by D. C. Sircar. 10-00

4433 Sakti and Sakta. Essays and Addresses on the Sakta Tantrasastra by John Woodroff. 25-00

*4434 **Sakuntala.** Text with English translation of metrical passages and Notes by Monier Williams. (Chow. Sans. Studies Vol. XII) **15-00**

4435 Sakuntala. Edited by R. Pischel. 25-00

4436 Salihundam. A Buddhist site in Andhra Pradesh by Dr. S. Subrahmanyam. 24-00

4437 Samadhi : The Superconsciousness of the Future by Mouni Sadhu. 22-63

4438 Samantakutavannana of Veheda Thera. Edited by C. E. Godakumbura. 31-50

4439 Samanta-Pasadika (Vinaya-Atthakatha). Edited by B. Sharma. 2 Vols. 30-00

4440 Samantapasadika. Buddhaghosa's Commentary on the Vinaya Pitaka. Edited by J. Takakusu and Makoto-nagai. Vols. V-VII. 73-50

4441 Samaraichha Kaha (वी ओ-म ओ) With Eng. trans. by Prof. N. A. Gore. 3-75

*4442 **Samaveda.** Translated into English with a popular commentary by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXVIII) **20-00**

4443 Samaveda Samhita (English Translation) by Rev. J. Stevenson. 12-00

4444 Samayasara or the Nature of the Self by Sri Kunda Kunda. Ed. & translated by Prof. A. Chakravarti. 8-00

4445 Sambhala-Lam-Yig (grub-pa-ai-gnas-Chen-pa-Sam-bha-la-ai-rnam-bs'ad-Aphags-yul-gyi-rtogs-brjod-dan-bchas-pa-no-mts-har-bye-ba-ai-abyun-gnas-Zes-bye-ba-bzugs-so) Journey to Shambhala the Land of Saints and the History of Arya-desa of Blo-bzam-dpal-ldan-ye-s's. Edited by Prof. Aniruddha Jha. With Hindi Version. 10-00

4446 Samjnayam in Panini by G. B. Palsule. 3-00

4447 Samkara : A Psychological Study by S. K. Ramachandra Rao. 5-00

*4448 **Samkhya Aphroism of Kapil.** Eng. Tr. by J. R. Ballantyre. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXIV) **20-00**

4449 Samkhya or The Theory of Reality. A Critical and Constructive Study of Isvarakrisna's Samkhya-Karika by J. N. Mukerji. O. P.

4450 Samudra Gupta : Life and Times by B. G. Gokhale. 12-00

4451 Samye Monastery. Tibetan Text edited by Dr. Lokesh Chandra. With a Foreword by Prof. Guiseppe Tucci. 35-00

4452 Samyutta-Nikaya of the Sutta-Pitaka. Edited by M. Leon Feer. Pali Text Romanised. 6 Parts. 246-75

4453 Sanatana Dharma Sootras of Bhagavan Sri Narayana. Prefaced, Transliterated and Translated in English by Sri Janardana. 3-00

4454 Sanchi : A Cultural Study by M. K. Dhavalikar. Foreword by S. M. Katre. 15-00

4455 Sanchi. Govt. of India Publication. 0-75

4456 Sandhi. The Theoretical, Phonetic, and Historical Bases of Word-Junction in Sanskrit by W. Sidney Allen. 26-40

4457 Sankara Bhagavatpada by Prof. P. Sankaranaryanan. 0-31

4458 Sangam Polity : The Administration and Social Life of the Sangam Tamils by N. Subrahmanian. 35-00

4459 Sankaradeva and His Times. Early History of the Vaisnava Faith and Movement in Assam by Maheswar Neog. 25-00

4460 Sanketanidhi with Eng. translation by V. S. Sastri. 5-00

4461 Sankhayana Grhya Sutram. (Belonging to the Rgveda) The Oldest Treatise on Folklore in Ancient India. Critically edited by S. R. Sehgal. With a Foreword by Dr. Siddheshwar Varma. 30-00

4462 Samkhya-Karika of Isvarakrsna. With the Commentary of Gaudapada. Translated into English and with Notes by T. G. Mainkar. 12-50

4463 Sankhya Karika of Isvarakrsna : A Philosopher's Exposition by C. Kunhan Raja. 10–00

4464 Sankhya Karika of Iswarakrishna. An Exposition of the System of Kapil with original Sanskrit text, translated with Commentary by John Davies. 6–50

4465 Sankhya Karika of Isvarakrsna. Being a Treatise on Psycho-Physics for Self-Realization. Edited and Translated by Radhanath Phukan. 5–00

4466 Sankhya System by Keith. 3–00

4467 Sankhya System. Critical Study by Sovani. 2–50

4468 Sankhyapravachan Bhashya by R. Garbe. 45–00

4469 Sansis of Punjab (A Gypsy and De-notified Tribe of Rajput Origin) by Sher Singh "Sher." 25–00

4470 Sanskrit and Allied Indological Studies in Europe by Dr. V. Raghavan. 5–75

4471 Sanskrit and Culture by Theodore Goldstucker. 6–50

4472 Sanskrit and Prakrit Mahakavyas by Dr. Ramji Upadhyaya. 10–00

4473 Sanskrit Chinese Dictionary of Buddhist Technical Terms based on the Mahavyutpatti by Unrai Wogihara. 90–00

4474 Sanskrit Civilization by G. R. Josyer. 10–00

4475 Sanskrit Comic Characters by J. T. Parikh. 2–00

4476 Sanskrit Dhatupathas : A Critical Study by Gajanan Balkrishna Palsule. Foreword by S. M. Katre. 6–00

4477 Sanskrit Documents. Being Sanskrit Letters and other Documents. Preserved in the oriental collection at the National Archives of India. Edited by Surendranath Sen. 16–00

4478 Sanskrit Drama. In its Origin, Development Theory and Practice by A. B. Keith. 15–00

4479 Sanskrit Drama : Its Origin and Decline by I. Shekhar. 67–50

4480 Sanskrit–English Dictionary by Vaman Shivaram Apte. Edited by P. K. Gode and C. G. Karve. 3 Vols. 125–00

4481 Sanskrit English Dictionary. Etymologically and Philologically arranged with special reference to Cognate Indo-European Languages by Monier-Williams.

Foreign Edition. 154-35
Indian Edition. 100–00

4482 Sanskrit Et Culture by L. Renou. 15–00

4483 Sanskrit Grammar for Students by A. A. Macdonell. 26–25

4484 Sanskrit Grammar by William Dwight Whitney.

Foreign Edition. 48–75
Indian Edition. 10–00

4485 Sanskrit-Grammatik von Dr. Manfred Mayrhofer. 5-00

4486 Sanskrit Historical Phonology by Franklin Edgerton. 3-75

4487 Sanskrit Language by T. Burrow. 73-50

4488 Sanskrit Literature (Selection from Classical) with English translation and Notes by John Brough. (Sanskrit text Romanized with Eng. translation on opposite pages) 22-05

4489 Sanskrit Poetics. As a Study of Aesthetic by S. K. De. With Notes by Edwin Gerow. 15-00

4490 Sanskrit Primer by E. D. Perry. 27-00

4491 Sanskrit Reader by C. R. Lanman. 45-00

4492 Sanskrit Selection (Intermediate). Revised edition with additional text with dissolution of Sandhis. Edited by Devasthali. 4-25

4493 Sanskrit Self Teacher (Easy way to the Study of Sanskrit) by Pt. S. D. Satwalekar. 4 Parts. 2-40

4494 Sanskrit Studies by M. Hiriyanna. 4-00

4495 Sanskrit Syntax by Dr. Irach J. S. Taraporewala. With a Foreward by Dr. S. M. Katre. 15-00

4496 Sanskrit Wisdom by G. R. Josyer. 10-00

4497 Sanskrit-Worterbuch (Sanskrit-German Dictionary) Bearbeitet Von Otto Bohtlingk und Rudolph Roth. Neudruck der Ausgabe St. Petersburg 1855-1875. Reprint. 7 Vols. Complete 1966. 3600-00

4498 Sanskrit-Worterbuch. Nachden Petersburger Worterbuchernbearbeitet by C. Capeller. 96-00

4499 Santal : A Study in Culture-Change by N. Datta Majumdar. 6-25

4500 Santal Dictionary-P. O. Bodding. 5 Vols in 7 Parts. 656-25

4501 Santal Insurrection of 1855-57 by Kalikinkar Datta. 3-00

4502 Santayana's Aesthetics. A Critical Introduction by Irving Singer. 35-63

4503 Santi. A contribution to Ancient Indian religious terminology by D. J. Hoens. 33-75

4504 Sapindya or The Law of Sapinda Relationship being a Collection of two treatises on Sapindya, and relevant extracts from authoritative works, together with an Introduction by J. R. Gharpure. 25-00

4505 Saptapadarthi. Edited with Introduction, Translation and Notes by Gurumurty. 2-00

4506 Sarat Chandra Chatterji by Humayun Kabir. 3-00

4407 Saravali (Kalyana Varma's Immortal Astrological Classic) Translated by N. N. Krishna Rau. 26-25

4508 Sariraka Sastra. Indian Science of Palmistry (The Kartikeyan System) Sanskrit Text, with English translation and Notes by V. A. K. Ayer. 6-00

4509 Sarup-Bharati or The Homage of Indology being Dr. Lakshman Sarup Memorial Vol. Edited by Agrawal and Shastri. 40-00

*4510 **Sarva-Darsana-Samgraha** or Review of the different systems of Hindu Philosophy by Madhava Acharya. Translated by E. B. COWELL, M. A., and A. E. Gough, M. A. Sixth Edition. (Chow. Sans. Studies Vol. X) **15-00**

4511 Sarvastivada Literature by Anukul Chandra Banerjee. 25-00

4512 Sarvato Bhadra Chakra of Varaha Mihira. Translated by N. N. Krishna Rau. 9-00

4513 Satapancasatka of Matrceta Sanskrit text, Tibetan translation and Commentary and Chinese translation, with an Introduction, English translation and Notes. Edited by D. R. Shackleton Bailey. 57-75

4514 Satapatha-Brahmana. According to the text of the Madhyandina School. Translated by Julius Eggeling. 5 parts. (S. B. E.) 100-00

4515 Satavahana Coins in the Andhra Pradesh Govt. Museum by M. Rama Rao. 3-50

4516 Satish Gujral. Portfolio of Painting. Eight Plates in Colour. Autographed Edition. 40-00

4517 Satya-Shodhanam (सत्यशोधनम्). Sanskrit Translation of Mahatma Gandhi's Autobiography : "The Story of My Experiments with Truth" by Hosakere Nagappa Sastri. 25-00

4518 Saundaryalahari or Flood of Beauty. Traditionally Ascribed to Sankaracarya. Edited, translated, and presented in photographs by W. Norman Brown. 56-25

4519 Saundarya-Lahari (The Ocean of beauty) of Sri Samkara-Bhagavatpada. With Transliteration, English Translation, Commentary, Diagrams and an Appendix on Prayoga by S. Subrahmanya Sastri and T. R. Srinivasa Ayyangar. 7-30

4520 Savitri (Followed by the Author's Letters on the poems) by Shri Aurobindo. 13-00

4521 Saying of Sri Aurobindo and the Mother. 1-00

4522 Sayings of Sri Ramakrishna. The most exhaustive collection on them, their number being 1120. 5-00

4523 Sceptical Essays by Bertrand Russell. 15–75

4524 Scheduled Tribes by G. S. Ghurye. 18–75

4525 Scheme of Education by Pranab Kumar Bhattacharya. 3–00

4526 Schools and Sects in Jaina Literature by Amulya Chandra Sen. 2–50

4527 Science and Culture. Compiled by Dr. Indra Sen. 1–50

4528 Science and Indian Culture by J. B. S. Haldane. 15–00

4529 Science and Philosophy of Religion by Swami Vivekananda. 1–75

4530 Science and Religious Humanism by Dr. Amiya Chakravarty. 1–00

4531 Science and the Art of Indian Medicine by Srinivasa Murty. 3–00

4532 Science and the Humanities by S. L. Bhatia. With a Foreword by Prof. A. V. Hill. 7–50

4533 Science, Culture and Man : Impact of Scientific Progress on Culture and Human Evolution. Edited by Bepin Behari. Foreword by B. P. Sinha. 10–00

4534 Science in the Vedas by Hans Raj. 1–75

4535 Science of Cosmic Ray Therapy by Dr. Benoytosh Bhattacharya. 5–00

4536 Science of Palmistry by Edward Heron-Allen. With An Additional Chapter on Grammar of Palmistry by A. Cheiromant. 3–00

4537 Science of Peace. An Attempt at an Exposition of the First-Principles of the Science of the Self, I. E., Adhyatma Vidya by Bhagawan Das. 7–50

4538 Science of Religion or Sanatan Vaidika Dharma by Dr. Bhagwan Das. 2–75

4539 Science of Social Organisation by Dr. Bhagavan Das. 3 Vols. 12–00

4540 Science of the Sulbha by Bibhutibhushan Datta. 3–75

4541 Science of Yoga by Dr. I. K. Taimni. 17–50

4542 Science of Yoga (Commentary on Gherand Samhita) Parivrajika Ma Yogashakti. Edited by A. M. Patwardhan. 3–50

4543 Scotland by Edwin Smith and G. S. Fraser. 191 Photogravure plates, 6 Colour plates. 40–00

4544 Secularism and Materialism in Modern India by Brij Gopal Tiwari. 16–00

4545 Sculpture. Principles and Practice by Louis Slobodkin. 50–40

4546 Sculpture in Britain : The Middle Ages by Lawrence Stone. 88–20

4547 Sculpture of Donatello by H. W. Janson. Incorporating the Notes and Photographs of the Late Jeno Lanyi. One Volume Edition. 90–00

4548 Sculptures from Amaravati in the British Museum by Dr. Douglas Barrett. 35-00

4549 Sculptures in Allahabad Museum by S. C. Kala. 15-00

4550 Sea by Leonard Engel and the Editors of Life. 26-00

4551 Seal of Aetea and the Minoan Scripts by Michael Ridley. 3-00

4552 Search for Good Sense. Four Eighteenth-Century Characters : Johnson, Chesterfield, Boswell, Goldsmith by F. L. Lucas. 31-50

4553 Search Light by His Holiness Raj ji Maharaj. 3-00

4554 Second Book of Sanskrit Translation (For the Degree Classes) by V. Gopala Iyengar. 2-00

4555 Second World War by Winston S. Churchill. 6 Vols. Size Demy 8vo 220-40 and Size Royal 8vo 270-00

4556 Secret of the Sacred Books of the Hindus by N. V. Thadani. 20-00

4557 Secrets of Hand Reading by Noel Jaquin. 7-00

4558 Secrets of Kerala Astrology. Translated by Nemmara N. Krishna Rau. 4-50

4559 Secrets of Yoga by Yogi Suddhanand Bharati. 6-00

4560 Secretary of State for India and His Council (1858-1919) by S. N. Singh. 12-50

4561 Sectional Price Movements in India by Ayodhya Singh. Foreword by R. N. Bhargava. 20-00

4562 Seers of the Rgveda by V. G. Rahurkar. 25-00

4563 Sekasubhodaya of Halayudha Misra. Text Edited with Notes, Introduction and Translated into English by Sukumar Sen. 30-00

4564 Select Asokan Epigraphs with annotations by Sachchidananda Bhattacharya. 6-00

4565 Select Bibliography of Articles on India's Five Year Plans. Editor H. N. Pathak. 3-75

4566 Select Buddhist Sculptures in Patna Museum by S. A. Shere. 0-81

4567 Select Documents of the British Period of Indian History (in the collection of the Victoria Memorial, Calcutta) Edited by D. C. Ganguly. 15-00

4568 Select Gold and Silver Coins in the Andhra Pradesh Government Museum, Hydarabad by Dr. M. Rama Rao. 2-50

4569 Select Inscriptions Bearing on Indian History and Civilization. Edited by Dires Chandra Sircar. Vol. I From the Sixth Century B. C. to the Sixth Century A. D. 45-00

4570 Select Inscriptions of Bihar (Introduction and Appendix in English and Text in Sanskrit) by Prof. Radha Krishna Choudhary. With a Foreword by Dr. D.C. Sircar. 10–50

4571 Select Sanskrit Inscriptions. Introduction and Notes by Prof. Dr. V. W. Karambelkar. 2–50

4572 Select Stone Inscriptions of Andhra Pradesh by Dr. P. B. Desai. 5–00

4573 Selected Contributions to Psycho-Analysis by John Rickman. Compiled by W. Clifford M. Scott. With an Introductory Memoir by Sylvia M. Payne. 31–50

4574 Selected Speeches of Shri Morarji Desai. Edited by Dr. Chandrakanta Mehta. 5–00

4575 Selected Speeches of Subhas Chandra Bose. Foreword by B. Gopala Reddi. Biographical Introduction by S. A. Ayer. 5–50

4576 Selected Writings of Otto Jespersen. 73–50

4577 Selected Writings : Poetry and Criticism by Herbert Read. With a Foreword by Allen Tate. 44–10

4578 Selections from Brahmanas and Upanisads. Text with Translation and Bhasya. Edited with Introduction by Dr. R. C. Dwivedi. 8–00

4579 Selections from Classical Sanskrit Literature with English translation and Notes by John Brough. 22–05

4580 Selections from Educational Records (Bombay) Part III. 1826–1840. Edited by R. V. Parulekar. 15–00

4581 Selections from Hindi Literature. Compiled by Lala Sita Ram. Books 1–VI. 21–87

4582 Selections from the Historical Records of Hereditary Ministers of Baroda. Consisting of letters from Bombay, Baroda, Poona and Satara Governments. Collected by Rai Bahadur B. A. Gupte. 7–50

4583 Selections from the Indian Journals. Vols. I–II : Calcutta Journal. Compiled by Satyajit Das. 40–00

4584 Selections from the Literature of Theism. Some Principal types of religious thought by Prof. A. Caldecott. 15–50

4585 Selections from the Orme Manuscripts. Edited by C. S. Srinivasachariar. 16–00

4586 Self and Falsity in Advaita Vedanta with an appendix on theories of reality in Indian Philosophy by Anil Kumar Ray Chaudhuri. Foreword by S. K. Maitra. 7–50

4587 Self and the Object World by Edith Jacobson. 36–75

4588 Self-Realization or Deification of Man (A Lecture) by B. L. Atreya. 0–50

4589 Self Thought and Reality by A. C. Mukerji. 10–00

4590 Seligman Collection of Oriental Art by S. Howard Hansford. Vol. I, Chinese, Central Asian and Luristan Bronzes and Chinese Fades and Sculptures. 176–40

4591 Senior Selections in Sanskrit Prose and Verse. Edited by V. R. Nerurkar and Dr. G. V. Devasthali. 1–25

4592 Sense of Music by Victor Zuckerkandl. 30-00

4593 Sense, Understanding, and Reason. A Digest of Kant's First Critique by N. A. Nikam. 12–00

4594 Sentence Intonation of Contemporary Standard Russian as a Linguistic Structure by J. E. Jurgens Buning and C. H. Van Schooneveld. 48–00

4595 Sepoy Mutiny and the Revolt of 1857 by R. C. Majumdar. 20–00

4596 Septenate Mixtures in Homoeopathy by Benoytosh Bhattacharyya 5–00

4597 Series of Lessons in Raja Yoga by Yogi Ramacharka. 4–75

4598 Serpent and the Crescent. A History of the Negro Empires of Western Africa by K. Madhu Panikkar. 22–00

4599 Serpent Power by S. J. Woodroffe. 30–00

4600 Seven Words in Bharata, What Do They Signify ? by K. M. Varma. 5–00, 15–00

4601 Sex Life in Ancient India. An explanatory and comparative study based on an intense research of tribal migrations and customs, comparative Indo-European Etymology, Tantrika sex-worship, exemplary narratives of ancient India and other cognate topics by Candra Cakravarti. 15–00

4602 Sexual Harmony in Marriage by J. H. Wallis. Foreword by Alfred Torrie. 11–20

4603 Sexual Life in Ancient China. A Preliminary Survey of Chinese Sex and Society from C. 1500. B. C. till 1644 A. D. by R. H. Van Gulik. 115–50, 123–75

4604 Sexual Life of Savages in North-Western Melanesia by Bronislaw Malinowski. 33–60

4605 Shadow and Sunlight. An Anthology of Dogra-Pahari Songs. Collected, Introduced and Rendered into English by Sri Karan Singh. 14–00

4606 Shadows From India : An Architectural Album by Roderick Cameron. With a Preface by Peter Quenell. 49-00
4607 Shah Alam II and His Court : A Narrative of the transactions at the Court of Delhi from the Year 1771 to the present time by A. L. Henri Polier. Edited with an Introduction, Notes and Appendices by Pratul C. Gupta. 6-00
4608 Shah-Jahan. Ed. by Prof. John Dowson. 6-00
4609 Shakespeare. A critical Study of His Mind and Art by E. Dowden. 26-25
4610 Shakespeare and His Predecessors by Fredrick S. Boas. 16-50
4611 Shakespeare and Myself by George Mikes. 13-13
4612 Shakespeare and the Classics by J. A. K. Thomson. 14-40
4613 Shakespeare on Conscience and Justice by G. S. Ghurye. 25-00
4614 Shakespear's Tragedies by G. B. Harrison. 26-25
4615 Shakta Monism : The Cult of Shakti by Jadunath Sinha. 2-00
4616 Shakti and Shakta by S. J. Woodroffe. 25-00
4617 Shankara's Brahmavada by Dr. R. S. Naulakha. 25-00
4618 Shelley : Concept of Nature by R. de Loyola Furtad. 6-00
4619 Sher Shah by Abbas Khan Sarwani. Edited by John Dowson. 6-00
4620 Shi'a of India by John Narman Hollister. 66-15
4621 Shining Harvest. Studies in Yoga, Philosophy and Mysticism by M. P. Pandit. 10-00
4622 Shivaji : The Portrait of a Patriot by V. B. Kulkarni. With a Foreword by Shri Y. B. Chavan. 5-00
4623 Shivaji and His Times by J. N. Sarkar. 12-00
4624 Shivaji and the Rise of the Mahrattas by Richard Temple and others. With Maps and Illustrations. 4-50
4625 Shivaji's Letter to Jaysingh. 0-25
4626 Shodasa Varga (Parashari) and Dwadasa Varga (Tajaki) Tables by N. N. Krishna Rau. 7-50
4627 Short History of Akbar and the Mughal Administration by P. Kohli. 4-50
4628 Short History of Akbar the Great (1542-1605) by A. L. Srivastava. 3-50
4629 Short History of Aurangzib 1618-1707 by Jadunath Sarkar. (Abridged from the larger work in five volumes.) 12-00
4630 Short History of Civilization by Henry S. Lucas. 39-75
4631 Short History of Medicine by C. Singer. 50-40

4632 Short History of Sanskrit Literature by H. R. Aggarwal. With a Foreword by Dr. Lakshman Sarup. Second Revised and Enlarged Edition. 8-50

4633 Short History of the Chinese People by L. Carrington Goodrich. 26-25

4634 Short (A) History of the English Language by R. N. Roy. Foreword by V. K. Gokak. 12-00

4635 Short life of Sri Ramakrishna (A) by Swami Tejasananda. 1-25

4636 Short Life of the Holy Mother by Swami Pavitrananda. 1-00

4637 Short Oxford English Dictionary on Historical Principles prepared by William Little, H. W. Fowler, J. Coulson. Revised and edited by C. T. Onions. 2 Vols. 116-00

4638 Short Treatise on "The Life Divine" by Siddheswar Banerjee. Vol I. and Vol. II Part II. 9-00

4639 Shri Krishna—His Philosophy and His Spiritual Path by Bahadur Mal. 4-00

4640 Shuja-ud-Daulah. Vol. I (1754-1765) by Ashirbadi Lal Srivastava. 12-50

4641 Sickness of Civilization by Radha Kamal Mukerjee. 12-50

4642 Siddam. An Essay on the History of Sanskrit Studies in China and Japan by R. S. Van Gulik. 60-00

4643 Siddha-Bharati or the Rosary of Indology. Edited by Vishva Bandhu. 60-00

4644 Siddhanta Darpanam. The Mirror of the Laws (of Astronomy) by Gargya-Kerala Nilakantha Somayajin. Edited and Translated by K. V. Sarma. 2-50

4645 Siddhanta Darshan. Text with Eng. translation by M.Sandal. 3-75

4646 Siddhanta Kaumudi. Karaka Portion with English translation by S. Ray. 3-50

4647 Siddhanta Kaumudi with Eng. trans. by S. Ray. Complete. 80-00

4648 Siddhanta Kaumudi (**संज्ञाप्रकरण-परिभाषाप्रकरण एवं कारक-प्रकरण**) with Introduction, Translation and Exhaustive Notes by M. V. Mahashabde. 5-50

4649 Siege of Nanga Parbat 1856-1953 by Paul Baner. Translated from the German by R. W. Rickmers. 25-00

4650 Sienese Quattrocento. Painting by John Pope Hennessy. Anthology of Sienese Painting in the 15th Century. Introduction, Notes, Index, 114 Illustrations. 21-00

4651 Significance and Importance of Jatakas. With special Reference to Bharhut by Gokuladas De. 7-00

4652 Significance of Indian Art by Sri Aurobindo 1-50

4653 Significance of Prefixes in Sanskrit Philosophical terminology by Betty Heimann. 15-75

4654 Significance of the wheel of Asoka in tha Flag of Free India by G. P. Rajaratnam. 1-00

4655 Significance of the Word Prakara in the Sutras of the Astadhyayi by Kapil Deo Shastri. 0-85

4656 Significant Writings on Life and Man. Foreword by B. H. Zaidi. 5-00

4657 Sikh Religion : A Symposium by M. Macanliffe, H. H. Wilson, F. Pincott, John Malcolm and Sardar K. Singh. 10-00

4658 Sikh Religion. Its Gurus, Sacred Writings and Authors by Max Arthur Macauliffe. 6 Vols. (Bound in 3 Parts). 65-00

4659 Sikligars of Punjab (A Gypsy Tribe) by Sher Singh 'Sher.' 35-00

4660 Silpa Prakasa : Medieval Orissan Sanskrit Text on Temple Architecture by Ramachandra Kaulacar. Translated and Annotated by Alice Boner and Sadasiva Rath Sarma. Illustrations from the Original Palm-Leaf Manuscript Text-Drawings by Sadasiva Rath Sarma. 337-50

4661 Silver Jubilee Volume of the Bhandarkar Oriental Research Institute (1917-42) Edited by R. N. Dandekar. 21-25

4662 Silvi Culture. Her Highness the Maharani Setu Parvati Bayi Lectures on Forest Research 1942. By M. S. Raghavan. 2-25

4663 Similes in Manusmrti by Dr. M. D. Paradkar. 6-00

4664 Simplified Grammar of the Pali Language by E. Muller. 10-00

4665 Sino-Indian Studies. Edited by Dr. P. C. Bagchi.

- Vol. II. parts 1, 3-4. 9-00
- Vol. III. 4 parts in 2 vols. 12-00
- Vol. IV. 4 parts in 3 vols. 12-00
- Vol. V. 4 parts in 4 vols. 26-00

4666 Sino-Jurced Relations During the Yung-Lo Period (1403-1424) by Henry Serruys. 56-25

4667 Sirajuddaullah and the East India Company, 1756-1757, Background to the Foundation of British Power in India by Brijen. K. Gupta. 54-00

4668 Sisupalavadham of Magha. Edited with a Literal English Translation, an Exhaustive Introduction and Concise Critical Notes by Prof. S. V. Dixit. Cantos 1-3. 4-00

4669 Sishupalvadha with English-Bengali tr. & Notes by S. Ray. Canto I. 5-00 Canto II. 6-00

4670 Sister Nivedita of Ramakrishna Vivekananda by Pravrajika Atmaprana. 7–50

4671 Sisupalavadha with English notes and Translation. Cantos 1–2 by C. S. Ram Shastri. 4–25

4672 Siva and Buddha by Sister Nivedita. 0–75

4673 Siva Mahadeva: The Great God (An Exposition of the Symbolism of Siva) by Vasudeva S. Agrawala. With 32 Plates. 45–00

4674 Siva-Mahimna Stotram with Eng. trans. by S. Pavitrananda. 0–75

4675 Siva-Nana-Bodham. A Manual of Saiva religious doctrine. Translated from the Tamil with Synopsis, Exposition, etc., by Gordon Matthews. 13-13

4676 Siva Sahasranam Stotra. Text with English Translation of Sri Nilakantha's Commentary by R. Ananta Krishna Sastri 2–25

4677 Six Existentialist Thinkers by H. J. Blackham. 12–80

4678 Six Lesson on Raja Yoga by Swami Vivekananda. 0–75

4679 Six Sanskrit Plays (English Translation). Edited by Henry W. Wells. With Illustrations. 40–00

*4680 **Six Systems of Indian Philosophy (The).** By The Right Hon. Professor Max Muller. (Chow. Sans. Studies Vol. XVI) **15–00, Library Edition. 20–00**

4681 Six Ways of Knowing. A Critical Study of the Vedanta Theory of Knowledge by D. M. Datta. 12–00

4682 Sketches of Gandhi by Topolski. 16–00

4683 Skin of the Earth by Austin Miller. With 67 Illustrations. 26–25

4684 Slave of Ideas and other plays by A. S. P. Ayyar. 2–50

4685 Slavery in Ancient India: As Depicted in Pali and Sanskrit Texts. By Dev Raj Chanana. With a Foreword by J. Filliozat. 10–00

4686 Slavery in India by Amal Kumar Chattopadhyay. 10–00

4687 Slokantara an Old Javanese didactic text critically edited and annotated by Sharada Rani. 30–00

4688 Slums of Old Delhi (A Survey Report by Bharat Sevak Samaj, Delhi) With a Foreword by Pt. Jawaharlal Nehru (Profusely Illustrated) 5–00, 7–50

4689 Smritichandrika. English translation by J. R. Gharpure (Ahnika, Vyavahara, Sraddha & Asauch Kandas) 6 Parts. 148–50

4690 So I Became a Teacher by Syed Hafizuddin. 4–00

4691 Social and Political Life in the Vijayanagara Empire (A. D. 1316—A. D. 1646) by Dr. B.A. Saletore. Vol. II. 7–00

4692 Social and Religious Life in the Grihyasutras by V. M. Apte. 15–00

4693 Social and Rural Economy of Northern India by Atindranath Bose. Vol. II. 15–00

4694 Social Background of Indian Nationalism by Dr. A. R. Desai. 16–25

4695 Social Change and College Students of Gujrat by B.V. Shah. 7–00

4696 Social Change in Malabar by M. S. A. Rao. 15–00

4697 Social Differentiation and Differentiation in Emoluments by Y. B. Damle. 14–00

4698 Social Ethics in Modern Hinduism by Dr. R.W. Scott. 7–50, 5–00

4699 Social History of Islamic India 1605–1748 by Mohammad Yasin. 15–00

4700 Social Ideals and Social Change in Bengal 1818–1835 by A. F. Salahuddin Ahmed. 63–00

4701 Social Institutions in Ancient India. Being the Mahadeo Hari Wathodkar Memorial Lectures Delivered in the Year 1944. by Dr. K. L. Daftari. 3–50

4702 Social Life in Ancient India (In the Background of the Yajnawalkya Smriti) by Dr. Sudhakar Chattopadhyaya. 12–50

4703 Social Life in Northern India (A. D. 600–1000) by Brij Narain Sharma. With a Foreword by Dr. A. L. Basham. 25–00

4704 Social Organization, Migration and Change in a Village Community by T. N. Valunjkar. 25–00

4705 Social Philosophy by Ajit Kumar Sinha. 7–00

4706 Social Philosophy of Mahatma Gandhi by Mahadeva Prasad. 12–50

4707 Social Play in Sanskrit by Dr. V. Raghavan. 1–50

4708 Social Psychology by Paul F. Secord and Carl W. Backman. 29–25

4709 Social Psycholgy. A Study of Mind in Society by V. V. Akolkar. 9–50

4710 Social Revolution in a Kerala Village : A Study in Culture Change by A. Aiyappan. 16–00

4711 Social Service and Mental Health. An Essay on Psychiatric Social Workers by Margaret Ashdown and S. Clement Brown. 16–80

4712 Social Welfare in India. Foreword by Jawahar Lal Nehru. 6–50

4713 Social Welfare in India : Mahatma Gandhi's Contributions by Ammu Menon Muzumdar. With a Foreword by Dr. Haridas T. Muzumdar. 12–50

4714 Socialism and the National Revolution by Shri Narendra Deva. 5-50

4715 Socialism of My Conception by M. K. Gandhi. Edited by Anand T. Hingorain. 2-00

4716 Society. An Introductory Analysis by R. M. Maciver and Charles H. Page. 36-75

4717 Society. Its Organization and Operation by W. A. Anderson and F. B. Parker. 10-00

4718 Society and Civilization in Greece and Rome by Victor Ehrenberg. 32-00

4719 Society and Culture : An Introduction to Sociology by Francis E. Merrill, with the assistance of H. Wentworth Eldredge. 50-00

4720 Society of Man by Louis J. Halle. 37-13

4721 Socio-Economic History of Northern India (1030-1194 A. D.) by Bhakat Prasad Mazumdar. 20-00

4722 Socio-Economic Survey of Baroda City by H. C. Malkani. 5-00

4723 Socio-Economic Survey of Bhopal City and Bairagarh by P. C. Malhotra. 25-00

*4724 **Socio Religious Condition of North India.** By Dr. Vasudeva Upadhyaya. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXIX) **25-00**

4725 Socio-Religious, Economic and Literary Condition of Bihar (From C. 319 A. D. to 1000 A. D.) by Bhagwati Sharan Verma. 20-00

4726 Sociological Papers and Essays. An Asian Sociologist's Testament by Kewal Motwani. 5-00

4727 Sociology. An Analysis of Life in Modern Society by A. W. Green. 32-25

4728 Sociology : The Study of Social Systems by G. Luncan Mitchell. 14-18

4729 Socrates in an Indian Village by F. L. Brayne. 3-00

4730 Soma-Hymns of the Rigveda. A fresh interpretation by S. S. Bhawe. 3 Parts. 26-00

4731 Soma in The Legends by Dr. B. H. Kapadia. 2-50

4732 Somanatha—The Shrine Eternal by K. M. Munshi. 2-50

4733 Somasambhupaddhati aves Traduction Introduction et Notes Par Helene Brunner Lachause. 25-00

4734 Some Answers from the Mother by Mother of Aurobindo Ashram. 5-00

4735 Some Aspects of Administration in the Middle East Campaign 1939–1943 by B. N. Mazumdar. 5–00
4736 Some Aspects of Ancient Hindu Polity by D. R. Bhandarkar. (The Manindra Chandra Nandy Lectures, delivered in February, 1925.) 6–00
4737 Some Aspects of Education in Ancient India by C. K. Raja. 2–50
4738 Some Aspects of Family in Mahuva : A Sociological Study of Jointness in a small Town by I. P. Desai. 18–00
4739 Some Aspects of Gender in the Sematic Languages by A. J. Wemsinck. 10–00
4740 Some Aspects of Hindu Medical Treatment, Two Psychotherapic Tales by D. Chaplin. 3–68
4741 Some Aspects of Indian Culture on the Eve of Muslim Invasions by Dr. Buddha Prakash. 9–00
4742 Some Aspects of Muslim Administration by Dr. R. P. Tripathi. 12–00
4743 Some Aspects of Kerala and Tamil Literature. Lectures delivered under the Auspices of the University in 1945–46 by Rao Sahib M. Raghava Aiyangar. 2 Parts. 1–70
4744 Some Aspects of Religion and Politics in India during the 13th Century by Khaliq Ahmad Nizami. Foreword by C. C. Davies. 20–00
4745 Some Aspects of Sixteenth Century Hindu Society as reflected in the Literature of Surdas by Dr. S. P. Sangar. 2–25
4746 Some Aspects of Social Life during the Mughal Age (1526–1707) by Pran Nath Chopra. Foreword by Humayun Kabir. 10–00
4747 Some Aspects of Society and Culture during the Mughal Age (1526–1707) by Pran Nath Chopra. With a Foreword by A. L. Srivastava. 10–00
4748 Some Aspects of the Hindu View of Life according to Dharma Sastra by K. V. Rangaswami Aiyangar. 10–00
4749 Some Aspects of the Indian War Economy by Dr. M. S. Natarajan. 5–00
4750 Some Aspects of the Population Patterns in the Different Functional Groups of Towns in Gujarat by V. A. Janaki. 7–50
4751 Some Catalytic Gas Reactions of Industrial Importance by J. C. Ghosh, S. K. Bhattacharya and M. V. C. Sastri. 13–50
4752 Some Contributions to the Doctrine of Vrittis in Sanskrit Poetics by Kalika Charan Pandeya. 2–00

4753 Some Criticisms of the Traditional Concept of Ajnana by G. R. Malkani. 1-31

4754 Some Fundamental Problems in Indian Philosophy by C. Kunhan Raja. 20-00

4755 Some Important Inscriptions of Asoka, the Guptas, the Maukharis and others by Sadhu Ram. Part I. Texts. 12-50

4756 Some Indian Weaver Birds: A Contribution to their Breeding Biology by V. C. Ambedkar. Foreword by Dr. R. V. Sathe. 7-00

4757 Some Jain Canonical Sutras by B. C. Law. 16-00

4758 Some Observations on the Relations between 'Gods' and 'Powers' in the Veda. A Propos of the Phrase Sunuh Sahasah by J. Gonda. 13-50

4759 Some Old Lost Rama Plays (Lectures delivered in the Annamalai University) by Dr. V. Raghavan. 2-75

5760 Some Philosophical Concepts of Early Chinese Medicine by Dr. Ilza Beth. 1-00

4761 Some Phonetic Peculiarities of the Bengali Dialect of Manbhum. 1-00

4762 Some Positive Sciences in the Vedas by Dharma Deva Mehta. 20-00

4763 Some Problems in Kannada Linguistics by C. R. Sankaran. 2-00

4764 Some Problems of Administrative Law in India: With Special reference to Public Corporations by A. P. Hassumani. 12-00

4765 Some Problems of Historical Linguistics in Indo-Aryan by S. M. Katre. 10-00

4766 Some Problems of Sanskrit Poetics by S. K. De. 15-00

4767 Some Problems of Sound Change in Indo-Aryan by Sir Ralph Lilley Turner. 5-00

4768 Some Saka Dates in Inscriptions. A Contribution to Indian Chronology by A. Venkaṭa Subbiah. 3-50

4769 Some Sayings of the Buddha according to the Pali Canon. Translated by F. L. Woodward. 9-98

4770 Some Traces of Buddhism in Contemporary Literature by Kishan Chand Bhatnagar. 1-10

4771 Some Unique Gold and Brass Coins of the Imperial Guptas by C. D. Chatterjee. 2-50

4772 Somnath. The Shrine Eternal. Souvenir published on the occasion of the installation ceremoney of the Linga in the new Somnath Temple on May, 11, 1951 by K. M. Munshi. 7-50

4773 Song Celestial or Bhagavada Gita, from the Sanskrit by E. Arnold. 5-25

4774 Song of Lord : Bhagavadgita, translated with Introduction & Notes by E. J. Thomas. 5-25

4775 Song of Praise to the Dancing Shiva (Shiva Tandava Stotra). Text with Tr. by Ernest Wood. 2-25

4776 Songs of Love and Death by Manmohan Ghosh. 2-50

4777 Songs of Vidyapati by Sri Aurobindo. 2-50

4778 Songs of Vidyapati with Eng. trans. by Dr. Subhadra Jha. 10-00

4779 Soul of Indian History by S. R. Sharma. 2-50

4780 Source Book in Indian Philosophy. Edited by S. Radhakrishnan and Charles A. Moore. 37-50

4781 Source Material for a History of the Freedom Movement in India. (Collected from Bombay Government Records)
Volume I. (1818-1885) 5-00
Volume II. (1885-1920) 16-00

4782 Sources of Indian History. Translated with Notes from the original German of Lassen's Indische Alterthumskunde by Anantaprasad Banerji Sastri. 10-00

4783 Sources of Indian History with Special Reference to South India by K. A. Nilakanta Sastri. 12-00

4784 Sources of Indian Tradition. Muslim India and Pakistan included. Compiled by Wm. Theodore de Bary, Stephen Hay, Royal Weiler and Andrew Yarrow. With Contributions by A. L. Basham, R. N. Dandekar, P. Hardy, I. H. Qureshi, V. Raghavan and J. B. Harrison.
Foreign Edition. 40-40
Indian Edition. 18-00

4785 Sources of Indian Tradition. Compiled by Wm. Theodore

4786 Sources of Karnatak History by S. Srikanta Sastri. Vol. I. 3-75

4787 South America by Hans Mann. 241 pictures in photogravure, 5 in colour, Introductory essay, 21 maps, Notes on the plates. 40-00

4788 South-East Asia by E. H. G. Dobby. 16-80

4789 South-East Asia : A Study of Socio-Economic, Political and Cultural Problems and Prospects by Sudhansu Bimal Mookherji. With Maps and Illustrations. 20-00

4790 South East Asia in Transition by B. R. Chatterji. 25-00

4791 South Indian Bronzes by C. Sivaramamurti. With Many Colour Plates. 65-00

4792 Soviet Antarctic Expedition Information Bulletin Vols. I–II. 136–00

4793 Soviet Politics–The Dilemma of Power. The Role of Ideas in Social change by Barrington Moore. 42–00

4794 Space, Time and Architecture : the Growth of a New Tradition. By Sigfried Giedion. 93–75

4795 Spain by Martin Hurlimann. 237 photogravure plates, 8 colour plates. 40–00

4796 Spain : A Companion to Spanish Studies by E. Allison-Peers. With 3 Maps. 25–00

4797 Spanish-English, English-Spanish Dictionary. (Cassell) Incorporating Latin-American Usage. Edited by Edgar Allison Peers, Jose V. Barragan, Francesco A. Vinyals & Jorge Arturo Mora. 37–80

4798 Spanish Language by W. J. Entwistle. 47–25

4799 Sparks from a Divine Anvil. His Holiness Sri Jagadguru Sri Candrasekhara Bharati Svaminah of Sringeri. By R. Krishnaswami Aiyar. With a Foreword by G. Sreenivasa Iyer. 2–00

4800 Sparks from the Anvil by K. M. Munshi. 2–50

4801 Sparks from the Vedic Fire (A New Approach to the Vedic Symbolism) by Dr. V. S. Agrawala. 30–00

4802 Special Lectures on Saiva Siddhanta by K. M. Balasubramaniam. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 5–75

4803 Speculative Instruments by I. A. Richards. 16–80

4804 Speech for Every Occasion by A. C. Ederton. 4–50

4805 Speeches by Sri Aurobindo. 2–50

4806 Speeches and Writings of Gopal Krishna Gokhale. Edited by R. P. Patwardhan and D.V. Ambekar. Vol. I. Economic. 32–00

4807 Speeches of President Rajendra Prasad.
Jan. 1950–May 1952. 4–50
1952–1956. 4–50

4808 Speeches of T. T. Krishnamachari. First & Second Series. 2–50

4809 Sphinx Speaks or the Story of the Pre-historic Nations by Jwala Prasad Singhal. 4–50

4810 Sphotanirnaya (Chapter XIV of the Vaiyakaranabbusanasara) of Kunda Bhatta. Edited with Introduction, Translation, and Critical and Exegetical Notes by S. D. Joshi. 25–00

4811 Sphota Siddhi (La Demonstration Du Sphota) par Mandana Misra. Introduction, Traduction Et Commentaire par Madeleine. Biardean Texte Sanskrit Etabli par N. R. Bhatt Avec La Collaboration De T. Ramnujan. 119 8–00

4812 Spinoza in the Light of the Vedanta by R. K. Tripathi. 10-00

4813 Spirit and Form of Indian Polity by Sri Aurobindo. 1-25

4814 Spirit in Man, Art and Literature by C. G. Jung. Translated by R. F. G. Hull. 33-08

4815 Spirit of Buddhism. Being an Examination-Analytical-Explanatory and critical of the life of the founder of Buddhism : His religion and philosophy, its influence upon other religions, philosophies and on the ancient and modern social and ethical systems, social upheavals and revolutionary movements by Sir Hari Singh Gour. 30-00, 35-00

4816 Spirit of Indian Culture by Dr. B. L. Atreya. 2-00

4817 Spirit of Islam : A History of the evolution and ideals of Islam. With a life of the Prophet by Syed Ameer Ali. 22-05

4818 Spiritual Heritage of India by Swami Prabhavananda, with the assistance of Frederick Manchester. 15-75, 36-75

4819 Spiritual Heritage of Tyagaraja. Text in Devanagari and English Translation of the Songs of Tyagaraja by C. Ramanujachari and An Introductory Thesis by Dr. V. Raghavan. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 10-00

4820 Spiritual Practice. Its Conditions and Preliminaries by Ananda. 3-50

4821 Sprachgeschichte und Wortbedeutung. Festschrift Albert Debrunner. From the contents : F. Edgerton, Semantic notes on Buddhist Hybrid Sanskrit, F. B. J. Kuiper, Two Rigvedic Loanwords, L. Renou, Le passage du nom d'action a I' infinitif dans le Rigveda. 135-00

4822 Sprookjes Van EEn Spook (Somadeva) Uit Het Sanskrit Vertaald door J. A. B. Van Buitenen. 13-50

4823 Srauta-Kosa. Encyclopaedia of Vedic Sacrificial Ritual comprising the two complementary sections, namely, the Sanskrit section and the English section. Preface by C. G. Kashikar.

Volume I. Sanskrit section (Based on the Samhitas, the Brahmanas the Aranyakas and the Baudhayanasrautasutra) The Seven Havis-Sacrifices together with the relevant Optional and Expiatory Rites and the Pitrmedha. 40-00

Volume I. English Section (Based on the Srautasutras belonging to the various Vedic Schools) The Seven Havis-Sacrifices together with relevant optional and Expiatory Rites and the Pitrmedha. 2 Parts 75-00

4824 Srauta Ritual and the Vajapeya Sacrifice. Preface by C. G. Kashikar. 1–00

4825 Sri Asutosh Memorial Volume. 3–75

4826 Sri Aurobindo : Addresses on His Life and Teachings by A. B. Purani. 6–00

4827 Sri Aurobindo : Lights on the Teachings by T. V. Kapali Sastry. 2–50

4828 Sri Aurobindo : Studies in the Light of his Thought by M. P. Pandit. 3–50

4829 Sri Aurobindo : The Prophet of Life Divine by Haridas Chaudhuri. 6–00

4830 Sri Aurobindo and His Ashram. 1–50

4831 Sri Aurobindo and Indian Freedom by Sisir Kumar Mitra. 1–50

4832 Sri Aurobindo and the New Thought in Indian Politics. By Haridas Mukherjee and Uma Mukherjee. With a Foreword by Dr. Radha Kumud Mookerji. 12–00

4833 Sri Aurobindo in England by A. B. Purani. 2–00

4834 Sri Aurobindo and the Soul Quest of Man. Three steps to spiritual knowledge. A study of chapters I to XII of Shri Aurobindo's The Life Divine by Nathamiel Pearson. 11–03

*4735 **Sri Aurobindo and the Theories of Evolution.** By Dr. Ramasankar Srivastava. **Shortly**

4836 Sri Aurobindo or the Adventure of Consciousness by Satprem. (Translated from the French by Tehmi). 50–00

4837 Sri Aurobindo : Some Aspects of His Vision by A. B. Purani. 2–99

4838 Sri Aurobindo's Life Divine (Lectures Delivered in the U. S. A.) by A. B. Purani. 12–00

4839 Sri-Bhasya of Ramanuja. Edited with a Complete English Translation, Introduction, Notes and Appendices by R. D. Karmarkar. 3 Parts. 48–00

4840 Sri Harsa's Play. Translated into English with full Sanskrit text by Bak Kun Bae. 45–00

4841 Sri Kantha–Bhasya or Commentary of Sri Kantha on the Brahma–Sutras. English translation by Dr. Roma Chaudhuri. 2 Vols. 52–00

4842 Srikara Bhasya. Introduction by C. Hayavadana Rao. Vol. I. 12–00

4843 Srimad Bhagavad Gita. Text, Translation of the text and of the Gloss of Sridhara Swami by Swami Vireswarananda. 7–00

4844 Srimad Bhagwatam. Original Sanrkrit Text. Roman Transliteration, English Synonyms of Word to Word, English Translation and Elaborate Purports by A. C. Bhakti Vedanta Swami.
Part I with Short Life sketch of Lord Sri Chaitanya Mahaprabhu. 16-00
II (From Seventh Chapter 2nd half to Twelfth Chapter of the First Canto). 16-00
III (From Thirteenth to Nineteenth Chapter's End of the First Canto). 16-00

4845 Srimad Bhagavatam. The Wisdom of God. Translated by Swami Prabhavananda. 3-50

4846 Srimad Rahasyatrayasara of Sri Vedantadesika. Translated into English with Introduction and Notes by M. R. Rajagopal Ayyangar. 15-00

4847 Sringarmanjari. Courtesan who Inflamed Love by H. R. Aiyer. 2-00

4848 Sripatipaddhati with Eng. translation by V. S. Sastri. 4-50

4849 Sri Sankaracharya by P. Seshadri. 3-25

4850 Srngara Prakasa of Bhoja by Dr. V. Raghavan. 45-00, 50-00

4851 Srngarmanjari of Saint Akbar Shah Based on old Sanskrit manuscripts in Devanagari and Telugu Scripts. Edited with a critical Study by Dr. V. Raghavan. 20-00

4852 Ssu-Ma-Ch'ien's. Historiographical Attitude as reflected in four late Warring States Biographies by Frank Algerton Kierman Jr. 49-50

4853 Staat und Gesellschaft Im Alten Indien Nach Den Brahmana-Texten Dargestellt Von Wilhelm Rau. 40-50

4854 Standard English-Panjabi Dictionary Part I (A-E) by Teja Singh. 15-00

4855 Standard of Living in India and Pakistan 1931-32 to 1940-41 by R. C. Desai. 20-00

4856 Standard Treasury of the World's Great(Paintings. Commentaries by Frank Getelin. 216 Masterpieces from the World's Great Museums and Private Collections. Reproduced in full Color : For Framing : For Study : For Enjoyment. Including the Picture History of Painting from Cave Painting to Modern Times. An Illustrated History by H. W. Janson and Dora Jane Janson. 450-00

4857 Standardisation of Silent Reading Texts in Gujarati for Secondary Schools by J. A. Bhagatwala. Foreword by C. S. Patel. 6-50

4858 State and Economics in The Middle East. A Society in Transition by Alfred Bonne. 32-00

4859 State and Government in Ancient India by Dr. A. S. Altekar. 15-00

4860 State and Religion in Mughal India by Dr. M. L. Roy Choudhury. 15-00

4861 State and the Citizen by K. M. Panikkar. 7-25

4862 State and the Individual. A Cautionary Tale by Dr. L. Delgado. 1-00

4863 State Governors in India by Sri Prakasa. 6-00

4864 Statistical Terms by Dr. Raghuvira. 2-00

4865 Status of Women in Ancient India by Indra. 10-00

4866 Stock Exchange World: An Astrological Guide by Benoy Hazra. 20-00

4867 Stone Age and Pleistocene Chronology in Gujrat by F. E. Zeuner. 8-00

4868 Stone Age Cultures of Bellary (Being a report of the excavation at Sanganakalla) by Bendapudi Subharao. 8-00

4869 Stone Age Cultures of Orissa by Gopal Chandra Mahapatra. Foreword by H. Mahtab and H. D. Sankalia. 25-00

4870 Stone Age Hill Dwellers of Tekkalakota (Preliminary Report of the Excavations at Tekkalakota) by M. S. Nagaraja Rao and Kailash Chandra Malhotra. Foreword by S. M. Katre. With many Plates and Figures. 20-00

4871 Stone Age Industries in Bombay and Satara Dist. by S. C. Malik. 12-00

4872 Stone Age Tools. Their Techniques, Names and Probable Functions by H. D. Sankalia. Foreword by S. M. Katre. With 132 Illustrations. 15-00

4873 Storia Do Mogor or Mogul India: 1653-1708 by Niccolas Manucci. Translated with Introduction and Notes by William Irvine. With Plates. 3 Vols. 120-00

4874 Stories for Young Children from Hindu Sacred Books. 1-00

4875 Stories from the Indian Classics. Selected and retold by V. S. Naravane. 22-00

4876 Stories from the Kathasaritsagara. Translated by P. V. Ramanujaswamy and S. V. Sastri. 2 Parts. 7-00

4877 Stories from Katha-Saritsagara of Somadeva. Translated by C. H. Tawney. 2-00

4878 Stories from Panchatantra. Illustrated by Pulak Biswas. Foreword by Zakir Husain. 3-00

4879 Stories from the Indian Classics. Selected and Retold by V. S. Narvane. 22-00

4880 Stories of Nala and Damayanti and Savitri (Abridged from Mahabharata) by C. V. Srinivasa Rao. 1-00

4881 Story of Ancient India by Dr. B. G. Gokhale. 3-50

4882 Story of Archaeology by Agnes Allen. Illustrated by Jack Allen. 16-80

4883 Story of Art by E. H. Gombrich. 468 pages, with 370 Illustrations, 21 Colour plates. 37-80

4884 Story of English–The Past, Present and Future. By Mario Pei. 16-80

4885 Story of Gandhi by Taya Zinkin. Illustrated by Robert Hales. 13-13

4886 Story of India by F. R. Moraes. With Illustrations. 5-25

4887 Story of India by Mulk Raj Anand. Illustrated by George Keyt. 3-50

4888 Story of Indian Archaeology 1784–1947 by Sourindranath Roy. 4-00

4889 Story of Indian Art by S. K. Bhattachary. Foreword by B. C. Sanyal. With 128 Illustrations and 2 Plates in Colour. 25-00

4890 Story of Indian Culture by Bahadur Mal. 5-00

4891 Story of Indian Music : Its Growth and Synthesis by O. Gosvami. 12-00

4892 Story of Indian Philosophy by Chorlotte Manning. 3-00

4893 Story of Jawaharlal Nehru by Kanwar Lal. With Plates. 4-50

4894 Story of Language by Mario Pei. 44-10

4895 Story of Our Earth by Dr. S. Bhagvantam. 0-60

4896 Story of Painting by Agnes Allen. 26-25

4897 Story of Rama by Mathuram Bhoothalingam. With Many Plates. 12-00

4898 Story of Rama and Sita by Barbara Leonie Picard. Illustrated by Charles Stewart. 8-40

4899 Story of Sculpture by Agnes Allen. Illustrated by Jack Allen. 22-05

4900 Story of the Indian Coinage with special reference to The Coinage in Mysore by P. B. Ramchandra Rao. 1-50

4901 Story of the World's Literature : An Exciting Panorama of Literature by John Macy. With 124 Illustrations. Complete Index and detailed Bibliography. 33-60

4902 Stotraratna by Swami Adidevananda. 0–75

4903 Strijataka or Female Horoscopy by B. Suryanarain Rao. Revised by B. V. Raman. 5–25

4904 Strongholds of India by Sidney Toy. Illustrated. 24–00

4905 Structural Linguistics by Zellig S. Harris. 16–87

4906 Struggle for Empire. Edited by R. C. Majumdar. In the Press

4907 Student's English-Sanskrit Dictionary by V. S. Apte. 4–00

*4908 **Student's Guide to Sanskrit Composition (The)**: A Treatise on Sanskrit-Syntax for the use of Schools and Colleges. By Vaman Shivram Apte. **4–75**

4909 Students Hand-Book to the Ratnavali of Sri Harsha by V. Venkatachalam. 2–19

4910 Student's History of Education in India (1800-1947) by Nurullah & Naik. 8–00

4911 Student's Modern Dictionary. English–English–Marathi. 16–00

4912 Student's Pharmacology and Materia Medica by Rale. 9–50

4913 Student's Quran by Hashim Amir Ali. 5–00

4914 Student's Sanskrit-English Dictionary by V. S. Apte. 6–00

4915 Studia Altaica. Festschrift fur Nikolans Poppe zum 60. Geburtstag am 8. August 1957. 67–50

4916 Studia Indologica : Festschrift fur Willibald Kirfel zur vollendung Seines 70. Lebensjahres Herausgegeben von Otto Spies. 61–25

4917 Studien Zu Adhyaya III Der Astadhyayi Paninis Von Robert Birwe. 85–50

4918 Studien Zur Geschichte Des Sivaismus Die Saiva Systematik Des Vrhaspatitattva Von Dr. Alexander Zieseniss. 10–00

4919 Studies and Social Work for Student by Students. 1–75

4920 Studies in Ancient Indian Thought by Walter Ruben. 12–50

4921 Studies in Arabic and Persian Medical Literature by Dr. Muhammad Zubayr Siddiqi. With a Foreword by Dr. Bidhan Chandra Roy. 12–00

4922 Studies in Asokan Inscriptions by J. Filliozot. Translated by Mrs. R. K. Menon. 8–00

4923 Studies in Buddhism by F. Max Muller, Monier Williams, Reginald Stephen and Robert C. Childers. 6–00

4924 Studies in Culture. (Collection of New Research Papers) Volume First (With many illustrations) Edited by Shri Sudhakanta Misra. With a Foreword by Dr. P. K. Gode. 9–75

4925 Studies in Deductive Logic (With Indian Logic from Tarka–Sangraha and Indian Terms for Terms in Western Logic) by A. K. Trivedi. 2–75

*4926 **Studies in Development of Ornaments and Jewellery in Proto-historic India.** By Dr. Rai Govind Chandra. (Chow. Sans. Studies Vol. XLI) **75–00**

4927 Studies in Dharmasastra (Ancient Period) by Bhabatosh Bhattacharya. 8–00

4928 Studies in Dramatists by B. R. Mullik.
Vol. I. Marlowe 1–50
Vol. II. Ben Jonson 1–50
Vol. III. Shakespeare General 3–50
Vol. IV. Shakespeare Hamlet 1–50

4929 Studies in Early Buddhist Architecture of India by H. Sarkar. With 12 Plates and 27 Figures. 30–00

4930 Studies in Economic Development. With special reference to conditions in the underdeveloped Areas of Western Asia and India by Alfred Bonne. 25–60

4931 Studies in Economic Policy and Development of India (1848–1926) by Sunil Kumar Sen. 15–00

4932 Studies in Economic Problems. A Collection of Seminar Papers of the Development of Economics, Calcutta University. General Editor S. K. Basu. 28–00

4933 Studies in Epics and Puranas of India by A. D. Pusalkar. 2–50

4934 Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations by Dr. Vishwanath Prasad Varma. 15–00

4935 Studies in Honour of Sir Ralph Turner. (Published in Bulletin). 90–00

4936 Studies in Indian Anthropology by Sarat Chandra Roy. Edited with an Introduction by Nirmal Kumar Bose. 10–00

4937 Studies in Indian Antiquities by Hemchandra Ray Chaudhuri. 15–00

4938 Studies in Indian Art by Vasudeva S. Agrawal. 25–00

4939 Studies in Indian Cultural History by P. K. Gode. 2 Vols. 55–00

4940 Studies in Indian Economic Problems. Selected Essays by R. Balakrishna. 20–00

4941 Studies in Indian Folk Culture : Folk-Songs, Folk-Arts and Folk–Literature. Edited by Sankar Sen Gupta, K. D. Upadhyaya. 12–00

4942 Studies in Indian History by H. M. Elliot & John Dowson. 1–7 Parts. 42–00

4943 Studies in Indian History and Civilization by Dr. Buddha Prakash. 15–00

4944 Studies in Indian History and Culture by A. L. Basham. 35–00

4945 Studies in Indian History and Culture by U. N. Ghoshal. 25–00

4946 Studies in Indian Literary History by P. K. Gode. 2–3 Parts. 45–00

4947 Studies in Indian Music by T. V. Subba Rao. 15-00

4948 Studies in Indian Poetics by Sivaprasad Bhattacharyya. 12–50

4949 Studies in Indo-Muslim History by S. H. Hodiwala. Vol. II. 30–00

4950 Studies in Indology by M. M. Dr. Vasudev Vishnu Mirashi. 4 Vols. 75–00

4951 Studies in Indonesian Culture. Vol. II The Community of Erai (Wetar). Texts and Notes by J. P. B. De Josselin De Jong. 15–00

4952 Studies in Islamic Culture in the Indian Environment by Aziz Ahmad. 30–00

4953 Studies in Islamic History and Civilization by Uriel Heyd. (Scripta Hierosolymitana Vol. ix). 40–00

4954 Studies in Jaimini Astrology by B. V. Raman. 6–00

4955 Studies in Jain Art by Umakanta P. Shah. 10–00

4956 Studies in Jain Philosophy by Nathmal Tatia. 16–00

*4957 **Studies in Jainism and Buddhism in Mithila.** By Dr. Upendra Thakur. (Chow. Sans. Studies Vol. XLIII) **15–00**

4958 Studies in Kautilya by M. V. Krishna Rao. 12–50

4959 Studies in Law. An Anthology of Essays in Municipal and International Law. (Patna Law College Golden Jubilee Commemoration Volume) 30–00

4960 Studies in Literature by Sir A. Quiller-Couch. 1st, 2nd & 3rd Series. ......

4961 Studies in Modern Indian Political Thought (The Moderates and the Extremists) by O. P. Goyal. 10–00

4962 Studies in Nyaya-Vaisesika Theism by Gopikamohan Bhattacharya. Foreword by Gaurinath Sastri. 15–00

4963 Studies in Origins of Buddhism by Govind Chandra Pande. 25–00

4964 Studies in Philosophy by A. C. Das. 12–00

4965 Studies in Philosophy by Krishnachandra Bhattacharya. Edited by Gopinath Bhattacharya. 2 Vols. 35–00

4966 Studies in Philosophy by Reinhold Friedrich, Alfred Hoernle. Edited with a memoir by Daniel S. Robinson. 24–00

4967 Studies in Political Philosophy by Dr. P. N. Masaldan. 3-00

4968 Studies in Prehistory (Robert Bruce Foote Memorial Vol.) Ed. by D. Sen and A. K. Ghosh. With many Plates. 35-00

4969 Studies in Proto-Indo-Mediterranean Culture by The Rev. H. Heras. Vol. I 175-00

4970 Studies in Sanskrit Æsthetics by Prof. A. C. Sastri. 8-00

4971 Studies in Skanda Purana by A. B. L. Awasthi. Part I. (Thesis Accepted for the Ph. D. Degree of the Lucknow University) 30-00

4972 Studies in the Apabhramsa Texts of the Dakarnava. Edited by N. N. Chaudhuri. 6-25

4973 Studies in the Bhagawati Sutra by Jogendra Chandra Sikdar. 20-00

4974 Studies in the Brahmanas by A. C. Banerjea. 15-00

4975 Studies in the Economic and Social Development of Modern India. 1848-56 by M. N. Das. With a Foreword by Prof. C. H. Phillips. 25-00

4976 Studies in the Geography of Ancient and Medieval India by Dr. D. C. Sircar. 15-00

4977 Studies in the Historical and Cultural Geography and Ethnography of Gujrat by Hasmukh D. Sankalia. 15-00

4978 Studies in the History of Art. Dedicated to William E. Suida on His Eightieth Birthday. 110-25

4979 Studies in the History: the Bengal Subah 1740-70. Vol. I Social and Economic by Kalikinkar Datta. 6-87

4980 Studies in the Lankavatara Sutra by D. T. Suzuki. 33-60

4981 Studies in the Problems of Peace by K. Satchidananda Murty and A. C. Bouquet. 21-00

4982 Studies in the Middle Way. Being Thoughts on Buddhism Applied by Christmas Humphreys. 15-75

4983 Studies in the Tantras and the Veda by M. P. Pandit. 6-00

4984 Studies in the Philosophy of Madhusudana Saraswati by Dr. Sanjukta Gupta. With a Foreword by Prof. S. Bhattacharya. 22-50

4985 Studies in the Upanishads by Srisa Chandra. 5-00

4986 Studies in the Upanishads by Govindagopal Mukhopadhyaya. 15-00

4987 Studies in the Upanishads–Isavasyopanishad by A. V. Gopalachariar. 0-62

4988 Studies in the Upapuranas by R. C. Hazra. 2 Vols. 55-00

4989 Studies in the Vedanta Sutras of Badarayana by S. C. Basu. 3-00

4990 Studies in Urdu Literature by Dr. Fazl Mahmud Asiri. 5-00

4991 Studies in Vedanta by Vasudev J. Kirtikar. 15-00

*4992 **Studies in Vedic Interpretation.** (On the line of Sri Aurobindo) By A. B. Purani. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXII) **20-00**

4993 Studies in Zen by D. T. Suzuki. Foreword by Christomas Humphreys. American edition. 35-62
London edition. 12-00

4994 Studies on Indian Art by O. C. Ganguli. 5-75

4995 Studies on Panini's Grammar by Barend Faddegon. 18-00

4996 Studies on the Samaveda by Barend Faddegon. Part I. 20-00

4997 Studio Dictionary of Art Terms. Compiled by Mervyn Levy. 2-80

4998 Study and Practice of Yoga by H. Day. 10-00

4999 Study in Æsthetics by M. H. Bird. 5-00

5000 Study in Hindu and European Political Systems by Ramaprasad Das Gupta. 12-00

5001 Study in Consciousness (A). A Contribution to the Science ef Psychology by Annie Besant. 6-00

5002 Study in Karma (A). By Annie Besant. 1-25

5003 Study in Language and Meaning (A Critical Examination of Some Aspects of Indian Semantics) by Bishnupada Bhattacharya. 15-00

5004 Study in Maratha Diplomacy (Anglo-Maratha Relations, 1772-83 A. D.) by Shanti Prasad Varma. 15-00

5005 Study in the Economic Condition of Ancient India by Pran Nath. 15-75

5006 Study of Bhagavata Puran by P. N. Sinha. 12-00

5007 Study of Changes in Traditional Culture by K. P. Chattopadhyay (Proceedings of Conferences held by the University of Calcutta). 2-00

5008 Study of Comparative Literature by Rolf Henkl. 1-50

5009 Study of History by Arnold J. Toynbee. Abridgement by D. C. Somervell. 36-00

*5010 **The Study of Indan Art.** By K. de B. Codrington. **Shortly**

5011 Study of Indian Economics by Dr. P. Benerjee. 12-00

5912 Study of Lal Bahadur Shastri. Edited by B. S. Gujrati. Foreword by Ram Kishan. 10-00

5013 Study of Language. A Survey of Linguistics and related Disciplines in America by John B. Carroll. 28-50

5014 Study of Muslim Inscriptions by A. V. S. Bendre. 7-50

5015 Study of Opinion Regarding Marriage and Divorce by Dr. B. Kuppuswamy. 3-00

5016 Study of Orissan Folk-Lore by Kunjabehari Das. 6-00

5017 Study of Palmistry for Professional Purposes by Comte C. de Saint-Germain with an Introduction by the Late Adolphe Desbarrolles. Over 1250 Original Illustrations and a complete Palmistic Dictionary. Foreign Edition. 30-00 Indian Edition. 14-95

5018 Study of Plants by T. W. Woodhead. 12-50

5019 Study of Reality by G. R. Malkani. 2-00

5020 Study of Religion by Swami Vivekananda. 2-00

5021 Study of Rural Economy of Gujrat. Containing Possibilities of Reconstruction by J. M. Mehta. 3-00

5022 Study of Savitri by Prema Nandakumar. 20-00

5023 Study of the Gujrati Language in the 16th Century by T. N. Dave. 15-75

5024 Study of the Jatakas. Analytical and Critical by M. L. Feer. Translated by G. M. Foulkes from the French article in the Journal Asiatique. 10-00

5025 Study of the Mahavastu-Avadana by Radhagovinda Basak. 4-00

5026 Study of the New Indo Aryan Speech, treated in the 'Ukti Vyaktiprakaran' by Prof. S. K. Chatterjee. 8-00

5027 Study of Vaishnavism in Ancient and Medieval Bengal (A). Upto the Advent of Caitanya (Based on Archaeological and Literary Data) by S. C. Mukherji. Foreword by J. N. Banerjea. 20-00

5028 Stup of Bharhut : A Buddhist Monument Ornamented with Numerous Sculptures illustrative of Buddhist Legend and History in the Third Century B. C. with 57 plates by Alexander Cunningham. With Introduction by Vasudeva S. Agrawala. 100-00

5029 Stylistic Repetition in the Veda by J. Gonda. 72-00

5030 Subhas Chandra Bose : As I know Him. by Kitty Kurti. Foreword by Sisir K. Bose. 8-00

5031 Subhasitaratnakosa. Compiled by Vidyakara. Edited by D. D. Kosambi and V. V. Gokhale. 45-00

5032 Subhasita-Samgrahas : Treasuries of Canakya's Aphorism by Ludwik Sternbach. Part I. 1-25

5033 Subhasita-Samgrahas as Treasuries of Canakya's Sayings by Ludwik Sternback. 25-00

5034 Subodhini being a Commentary by Bhatt Visweswara on the Vyawaharadhyaya of the Mitakshara of Sri Vijnaneswara on the Yajnavalkya Smriti. An English translation by J. R. Gharpure. 28-00

5035 Subrahmanya Ayyar Lectures on the History of Shri Vaisnavas delivered by T. A. Gopinatha Rao. 0–75

5036 Substance of Hindu Polity by Chandra Prakash Bhandari. 5–00

5037 Subuktigin by Abul Fazl Al Baihaki. Edited by John Dowson. 6–00

5038 Successful Headmaster (A Practical Guide to Educational Administration) by Jaswant Singh. 12–50

5039 Sucindram Temple. A Monograph by K. K. Pillai. 40·00

5040 Sudras in Ancient India by Ram Sharan Sharma. 15–00

5041 Sudras in Manu by Chitra Tiwari. 10–00

5042 Sufism : An account of the mystics of Islam by A. J. Arberry. 12–00, 15-75

5043 Sufism and Vedanta by Rama Chaudhary. 2 Parts. 11–00

5044 Sugamanvaya Vritti. A Commentary on Kalidasa's Meghaduta by the Jaina Muni Sumativijaya. Critically Edited with an Introduction and Explanatory and Critical Notes by Walter Harding Maurer. Foreword by S. M. Katre. 2 Vols. 20–00

5045 Sultanate of Delhi by V. D. Mahajan and Savitri Mahajan. 8–00

5046 Sultanate of Delhi by Ashirbadi Lal Srivastava. With 12 specially drawn Maps and 12 Illustrations 10–00

5047 Sumangala-Vilasini (Commentary on the Digha Nikaya Suttas VIII-XV) by N. Dutt. Fasc. I. 6–00

5048 Summaries of Inscriptions (1943–44 to 1949–50). General Editor Dr. P. B. Desai. Prepared by Dr. B. R. Gopal and Dr. Shrinivas Ritti. 4–50

5049 Summer School in Public Health. Engineering Faculty of Technology and Engineering, Maharaja Sayajirao University of Baroda by Prof. C. H. Khadilkar. 6–00

5050 Sun by Giorgio Abetti. Translated by J. B. Sidgwick. 66–15

5051 Sundarkand of Valmiki with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 3–00

5052 Suniti Kumar Chatterji Jubilee Volume: Presented on the occasion of his Sixty-fifth Birthday (26th November, 1955) 30-00

5053 Supplemental Catalogue of Manuscripts Secured for the Oriental Research Institute, Mysore, during 1941–54. 1–50

5054 Supreme Court in the Indian Constitution by Sri Ram Sharma. 15–00

5055 Supreme Doctrine : Psychological studies in Zen Thought by Hubert Benoit. Foreword by Aldous Huxley. 20–00

5056 Supreme Power by M. K. Gandhi. 4–00

5057 Surgical Epitome by Nadkarni. 2 Vols. 24–00

*5058 **Surgical Ethics in Ayurveda.** By Dr. G. D. Singhal, M. S., F. R. C. S. (Ed.) and Pt. Damodar Sharma Gaur. A. M. S. (Chow. Sans. Studies Vol. XL) **5–00**

5059 Survey of Indian History by Panikkar. 12–00

5060 Survey of Indian Sculpture by S. K. Saraswati, with plates. 35–00

5061 Survey of India's Social Life and Economic Condition in the Eighteenth Century (1707–1813) by Dr. Kalikinkar Datta. 15–00

5062 Survey of Islamic Culture and Institutions by K. D. Bhargava. 10–00

5063 Survey of Recent Studies on Modern Indian History by Dr. K. K. Datta. 8–00

5064 Survey of Sanskrit Literature by C. Kunhan Raja. Foreword by K. M. Munshi. 15–00

5065 Survey of the Rise of the Dutch Power in Malabar (1603–78) by T. I. Poonen. With a Foreword by K. Zachariah. 9–50

5066 Surya Namaskar by Raja Saheb of Aundh. 1–00

5067 Sushil Kumar De Felicitation Volume. Edited by N. G. Kalelkar. (Published in Bulletin). 30–00

*5068 **Sushruta Samhita** : With a full and Comprehensive Introduction, English Translation Notes, and Different Readings etc., with Plates by Kaviraja Kunjalal Bhishagratna M. R. A. S. 3 Vols. Complete. (Chow. Sans. Studies Vol XXX) **60–00**

5069 Susruta Samhita : The Hindu System of Medicine according to Susruta. Translated from the original Sanskrit by Udoy Chand Dutt. 3 Fas. 3–00

5070 Susruta-Samhita or the Hindu System of Medicine according to Susruta. Translated from the original Sanskrit by Dr. A. F. R. Hoernle. Fasc. I. 1–00

5071 Sutras of Bharadvaja. With Srauta Paitramedhika and Parisesa. Critically Edited and Translated by C. G. Kashikar. 2 Parts. 60–00

5072 Sutta-Nipata. Pali text, Romanized. Edited by Dines Andersen and Helmer Smith. 31–50

5073 Suttasamgaha. English Translation. Edited by Ramaprasad Chaudhuri and Devaprasad Guha. 15–00

5074 Suvarnaprabhasottamasutra das Goldglanz-Sutra. Ein Sanskrit-Text des Mahayana-Budhismus. Die tibetischen ubersetzungen, mit einem worterbuch herausgegeben von Johannes Nobel.
I. Die tibetischen Ubersetzungen.
II. Worterbuch Tibetisch-Deutsch-Sanskrit. 2 Theile. 153-00

5075 Svapnavasavdatta (A Play in six Acts). With Introduction, Translation, Notes etc. by Vidyaratna S. Rangachar. 6-00

5076 Svara-Vyanjana a Kavi-Balinese and Devanagari Script-manual by Dr. Raghuvira. 10-00

5077 Svatvavada-Pravesaka by Harendra Chandra Smrititirtha (In Bengali Language). 5-00

5078 Svetasvataropanisad with English translation by Swami Tyagisananda. 1-50

5079 Swami Vivekananda Centenary Memorial Volume. Edited by R. C. Majumdar. With Plates. 30-00

5080 Swami Vivekananda in Amerika New Discoveries by Marie Louise Burke. 18-00

5081 Swami Vivekananda on India and her Problems. Compiled by Swami Nirvedananda. 1-50

4082 Swapnavasavadatta : A Sanskrit Play Ascribed to Bhasa. With English Notes and Translation by C. Sankara Rama Sastri. Edited by S. Viswanathan. 6-00

5083 Swapna Vasavadatta with Translation & Notes by S. Ray. 8-00

5084 Swapna Vasavadatta with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 2-50

5085 Swapna Vasavadatta with Eng. Tr. by Dr. G. K. Bhatta. 3-25

5086 Swapna Vasavadatta. A Sanskrit Drama in Six Acts attributed to Bhasa. Critically edited with Introduction, Notes, Translation and Appendices by C. R. Devadhar. 4-00

5087 Swapnavasavadatta of Bhasa. Edited with English translation by M. R. Kale. 5-00

5088 Swaralipi. Anthology of one hundred songs of Rabindranath Tagore in staff Notation. Foreword by Kamaladevi Chattopadhyay. (Vol. I. 50 Songs only) 25-00

5089 Sweetness and Light : An Exposition of Sati Godavari Mataji's Philosophy and way of life by Mani Sahukar. With a Foreword by Lal Bahadur Shastri. 10-00

5090 Switzerland by Martin Hurlimann. 226 Photogravure plates, 6 Colour plates. 40-00

5091 Syainika Sastra. (A book on hawking) Text and translation by Sastri. 1-00
5092 Symbolic Life of Man by Radhakamal Mukerjee 15-00
5093 Symbols of Transformation. An Analysis of the Prelude to a Case of Schizophrenia. (Collected Works of C. G. Jung Vol. V). 36-75
5094 Symposium on Post-War Education in India by T. K. N. Menon. 4-50
5095 Synthesis of Yoga by Sri Aurbindo. 15-00
5096 Synthetic View of Vedanta by P. N. Srinivasachari. 5-00
5097 Syrian Christians of Kerala by S. G. Puthan. With Plates. 15-00
5098 System and Experiences of Spiritual Practices. Part I. English edition of the Hindi Text 'Sadhana Ke Anubhava' by Dr. Chaturbhuj Sahai. 2-00
5099 System of Ayurveda by Siva Sarma. 16-80
5100 System of Grants-in-aid in India by P. P. Agarwal. 7-25
5101 System of National Education (Some Preliminary Ideas) by Sri Aurobindo. 1-00

T

5102 T. P. Chowdhury (Dr.) Memorial Volume. 20-00
5103 T. P. Meenakshi Sundaran-Sixty-First Birthday Commemoration Volume. Foreword by T. M. Narayana Swamy Pillai. 4-50
5104 T. S. Eliot : His Mind and Personality by S. S. Hoskot. 15-00
5105 T. S. Shejwalkar Silver Jubilee Volume (Bulletin of the D. C. R. Institute) 25-00
5106 Tableau Comparatif Des Intervalles Musicaux par Alain Danielou. 6-00
5107 Tagore. Portrait of a Poet by Buddhadeva Bose. 8-75
5108 Tagore : A Life by Krishna Kripalani. 12-50
5109 Tagore : A Philosophical Study by Narvane. 5-00
5110 Tagore : A Study by Dr. D. P. Mukerji. 3-50
5111 Tagore Centenary Volume. Part I. The Genius of Tagore. Part II. Aspects of Indian Culture. Edited by Mahendra Kulasrestha. Foreword by Prof. Humayun Kabir. 16-00
5112 Tagore, the Educator by Bhupendra Nath Sarkar. With a Preface by Prof. Amiya Chakravarty. 3-00
5113 Taitiriya Upanisat. Translated by Srisa Chandra and M. L. Sandal. 2-00

5114 Taittiriyopanishad with English translation by Swami Sharvananda. 2–00

5115 Tales and Teachings of Hinduism by D. S. Sharma. 3–00

5116 Tales from Indian Classics. Retold by Savitri. Illustrated by Pulak Biswas. Foreword by M. Chalapathi Rau. Book–I. 3–00

5117 Tales from Vetala Panch-Vimshatih. Retold by Dr. S. N. Shastri–Pt. H. V. Kocher. Translated into English by Srinarain Nigam. 1–00

5118 Tales of a Grand Father from Assam by Lakshminath Bezbaroa. Translated by Aruna Devi Mukerjee. 5–75

5119 Tales of Ancient India by Sharma. 1–25

5120 Tales of King Vikramaditya and The Thirty-two Wooden Men. Mongol Text and Translation by C. R. Bawden. 25–00

5121 Talks on Jnana Yoga by Swami Iswarananda. 1–75

5122 Talks on the Gita by Acharya Vinoba Bhave. 12–80

5123 Talks with Swami Vivekananda. 4–00

5124 Tamil Country under Vijayanagar by Dr. A. Krishna Swami. With a Foreword by Dr. C. P. Ramaswami Aiyar. 4–50

5125 Tamilaham in the 17th century by R. Sathianathaier. 5–62

5126 TANTRA ART—Its Philosophy and Physics, by Ajit Mukerejee. A Beautiful Reproduction in Ninetysix multicoloured Plates of Paintings, Stored in Various Collections, that reveal various mystic TATTVAS of Tantric Philosophy both Hindu and Buddhist, with authoritative annotations and original interpritations in English. A treasure for both the lovers of Art and Sadhakas in the Tantric way. Printed very nicely on Foreign Art Paper, Double Royal Quarto Pages 152. 300–00

5127 Tantraraja Tantra by Woodroffe. 6–00

5128 Tantras. Studies on their Religion and Literature by Chintaharan Chakravarti. 16–50

5129 Tantras : Their Philosophy and Occult Secrets by D. N. Bose and Hiralal Haldar. 10–00

5130 Tantric Tradition by Agehananda Bharati. 52–50

5131 Tapsvini or the Lure of Power by K. M. Munshi. 15–00

5132 Tarabai and her Times by Brijkishore. 16–50

5133 Tarikh-I-Mubarakshahi (Contemporary account of the Kings of the Saiyyid Dynasty of Delhi) Translated into English from original Persian by K. K. Basu. 12–00

5134 Tarjuman al-Qur'an. By Maulana Abdul Kalam Azad. Edited and Rendered into English by Dr. Syed Abdul Latif. Foreword by Syed Mahmud. 2 Vols. 45-00
5135 Ta'Rikh-I-Sind (Ta'Rikh-I-Ma Sumi) by Sayyid Muhammad Ma' Suno Bakkari. Edited with an Introduction, Historical notes and Indices by Dr. U. M. Dandpata. 5-00
5136 Tarkabhasa or Exposition of Reasoning. With English Translation by Dr. Ganganatha Jha. 2 Parts. 6-00
5137 Tarka-Samgraha of Annambhatta. With the Dipika and Bodhini Sanskrit Commentaries. English Translation by Mahadev Rajaram Bodas. Revised and enlarged by A. D. Pusalker. 15-00
5138 Tarka-Samgraha with Eng. Tran. and Notes by K.Roy. 2-50
5139 Tasty Dishes of India by R. A. P. Hare. Illustrations by Jeniffer Sumray. 4-00
5140 Tattva-Darsana (Philosophy of Truth) with English translation by Dr. Jwalaprasad. 6-00
5141 Tattwajnana and Mahajnana (Two Kawi Philosophical Texts) Edited, Translated and Annotated by Dr. Sudarshana Devi Singhal. 30-00
5142 Taxation and Foreign Investment : A Study of Taxation Laws in India in relation to foreign Investment. Preface by P. S. Lokanathan. 10-75
5143 Teaching of English as a Foreign Language (Structural Approach) by T. K. N. Menon and M. S. Patel. 5-75
5144 Teaching of Sanskrit by Prof. D. G. Apte. 1-00
5145 Teaching of Social Studies (For B. T., B. Ed. and M. Ed. Students) by S. K. Kochhar. 6-00
5146 Teaching of Sri Aurobindo. 1-50
5147 Teaching of Sri Aurobindo by M. P. Pandit. 4-00
5148 Teachings of Dharmasastra by J. R. Gharpure. 6-00
5149 Teachings of Jnanadeva by S. R. Sharma. 1-00
5150 Teachings of Sri Ramkrishna. 5-00
5151 Teachings of Swami Vivekananda. 4-00
5152 Teachings of the Upanishads by Sri B. K. Chattopadhyay. 10-00
5153 Technical Terms of Sri Aurobindo Philosophy. Compiled by Ambalal Purani. 1-00
5154 Technique of Mughal Painting by Moti Chandra. 11-00
5155 Technical Reports on Archaeological Remains by Juliet Clutton-Brock, Vishnu Mittre and A. N. Gulati. 15-00

5156 Techno-Economic Survey of Bihar. Vol. I. National Council of Applied Economic Research. 17-50

5157 Telugu Inscriptions from the Madras Presidency. Edited by J. Ramayya Pantulu with two appendices by N. Lakshminarayan Rao. (South Indian Inscriptions (Texts) Vol. X) 17-00

5158 Temple Gateways in South India : The Architecture and Iconography of the Cidambaram Gopuras by James C. Harle. With 181 Plates and 27 Figures. 99-75

5159 Temples and Legends of Assam by B. K. Barua and H. V. Sreenivasa Murthy. 2-50

5160 Temples and Legends of Bihar by P. C. Roy Choudhury. With 12 Plates. 2-50

5161 Temples and Sculpture of South east Asia by Louis Frederic. Foreword by Jeannine Auboyer. With 454 Black and White Plates, 44 Maps and Plans. 132-50

5162 Temples of Tamilnad by R. K. Das. With Illustrations and a Map. 15-00

5163 Ten Jataka Stories each illustrating one of the ten Paramita with Pali Text, Introduction and English translation by I. B. Horner. 26-25

5164 Terminology of Logic or a Glossary of Logic. Part Iby Dr. Raghuvira and Dr. D. G. Londhe. 1-00

5165 Terracotta Figurines from Kausambi by S. C. Kala. 16-00

5166 Terra-Cotta Figurines in Patna Museum by S. A. Shere. 4-00

5167 Text Book of Medical Jurisprudence and Toxicology. Edited by N. J. Modi. Revised Edition. 26-50

5168 Textiles and Embroideries of India. 30-00

5169 Textes Des Purana Sur La Theorie Musicale Vol. I edition Critique traduction francaise et introduction par Alain Danielau et N. R. Bhatt. 6-00

5170 Tharus : A Study in Culture Dynamics by S. K. Srivastava. With a Foreword by Dr. Sampurnanand and with an Introduction by Prof. C. Von Furer-Haimendorof. With Illustrations, Photographs and Maps. 16-50

5171 Thakurs of the Sahyadri by L. N. Chapeter. 22-50

5172 Theatre : Three thousand years of Drama, Acting and Stage-craft by Sheldon Cheney. Revised and enlarged edition with 278 illustrations. 66-15

5173 Theatre and State. An Encyclopaedic Guide to the Performance of all Amateur Dramatic, Operatic, and Theatrical work. Ed. by Harold Downs. Foreword by Sir Barry Jackson. 2 Vols. 88-20

5174 Theatre of the Hindus by H. H. Wilson. 8-00

5175 Theism of The Bhagavadgita by S. Radhakrishnan. 3-00

5176 Thematic Process in Music by Rudolph Reti. 31-50

5177 Theories of History. Edited with Introduction and commentary by Patrick Gardiner. 68-25

*5178 **Theories of Personality Types in Indian Thought.** By Dr. Ramkumar Rai. **Shortly**

5179 Theories of the Indian Munity (1857-59). A Study of the Views of an Eminent Historian on the Subject by Sashi Bhusan Chaudhuri. 15-00

5180 Theory and Art of Mysticism by Radhakamal Mukerjee. With a Foreword by William Ernest Hocking. 14-00

5181 Theory and Problems of Social Psychology by David Krech and Richards Crutchfield. 20-00, 33-75

5182 Theory of Cataloguing. An Examination Guide Book by P. J. Quigg Ala 16-00

5183 Theory of Classification. An Examination Guide Book by Keith Davison Fla. 15-00

5184 Theory of Drama in Ancient India by Dr. R. L. Ahuja. 4-00

5185 Theory of Drama in the Restoration Period by Sarup Singh. Foreword by James Sutharland. 18-00

5186 Theory of Indian Music by B. Swarup. 10-00

5187 Theory of Knowledge Classification in Libraries by Anand P. Srivastava. With a Foreword by P. N. Kaula. 15-00

5188 Theory of Public Finance. A Study in Public Economy by Richard A. Musgrave. 25-50

5189 Theory of Rasa in Sanskrit Drama with a Comparative Study of General Dramatic Literature by Hari Ram Mishra. 44-00

5190 Theory of Rebirth. Being a Treatise on Indian History. Edited and Translated by Radhanath Phukan. 2-50

5191 Theory of Socialism : Ancient and Medieval by R. M. Uppal. 1-25

5192 Theory of Truth of Gangesa : Containing the Text of Gangesa's Pramanya (Jnapti) vada, with an English Translation, Explanatory Notes and an Introductory Essay by Jitendranath Mohanty. 15-00

5193 Think and Grow Rich by Napolean Hill. 3-95

5194 Thinking with the Yajurveda by Gandabhai G. Desai 20-00

5195 Third (The) Eye : A Lecture on the Appreciation of Art by Mulk Raj Anand. 2-50

5196 Thirteen Principal Upanishads. Translated by R. E. Hume. 15-00

5197 Thirty-two Vidyas by K. Narayana Swami Aiyar. Introduction by Dr. V. Raghavan. 7-00

5198 This Hindi and Devnagari by Madan Gopal. 7-00

5199 This is Assam. Compiled by Biswanarayan Shastri and Prof. Pramod Chandra Bhattacharya. Foreword by Parag Chaliha. With Plates. 3-50

5200 This is India by Kanwar Lal. With 88 Plates. 25-00

5201 This is my Philosophy. S. Radhakrishnan, Bertrand Russell, Aldous Huxley, Jean-Paul Sartye, Albert Schweitzer, G. M. Trevelyan, Carl-Jung, Jacques Maritan and Others. Edited by Whit Burnett. 26-25

5202 Thoughts from the Gita by R. Krishna Swami Aiyar. 4-00

5203 Thoughts from the Vedanta by R. Krishna Swamy Aiyer. 1-69

5204 Thoughts on the Gita by Swami Vivekananda. 1-00

5205 Thoughts on Vedanta by Swami Vivekananda. 1-50

5206 Thousand-Syllabled Speech (सहस्राक्षरा वाक्) (Being a study in Cosmic Symbolism in its Vedic Version) I. Vision in Long Darkness : Introduction and Analysis. Text and Translation of the Asya-Vamiya Sukta of Rishi Dirghatamas. (Rigveda 1. 164. 1-52) by Vasudeva S. Agrawala. 50-00

5207 Threat to the Humanities by C. P. Ramaswamy Aiyar. 0-75

5208 Three Bags of Gold and Other Indian Folk Tales by Murkot Kunhappa. 12-50

5209 Three Basic Problems of Free India by Jayaprakash Narayan. 6-00

5210 Three Essays on the Theory of Sexuality by Sigmund Freud. Translated and Newly Edited by James Strachey. 15-75

5211 Three Hundred Important Combinations by B. V. Raman. 11-25

5212 Three Lectures on the Science of Language and its Place in General Education by F. Max Muller. 6-00

*5213 **Three Lectures on the Vedanta Philosophy.** By F. Max Muller. (Chow. Sans. Studies Vol. LVII) **7-50**

5214 Three Paninian Suffixes Na C, in UN and ktri by M. D. Balasubrahmanyam. 1-50

5215 Three Thousand Commonest Chinese Terms by Ronald Hall and Neville Whymant. 15-75

5216 Thrills and Regressions by Michael Balint. With a Chapter on Distance in Space and Time by Enid Balint. 22-05

5217 "Thus Have I Heard." Leading Articles from "Aryan Path" Signed "Shravaka" by B. P. Wadia. 10-00

5218 Tibet (Considerations on Inner Asian History) by Nirmal Chandra Sinha. With a Foreword by Frany Michael. 10-00

5219 Tibet and its History by H. E. Richardson. 33-60

5220 Tibetan Book of the Dead or The After death Experiences on the Bardo Plane, according to Lama Kazi Dawar Samdup's English Rendring. Edited by Evans-Wentz. 14-13

5221 Tibetan-English Dictionary. With special reference to the prevailing dialects. To which is added An English Tibetan Vocabulary. By H. A. Jaschke. 63-00

5222 Tibetan-English Dictionary with Sanskrit Synonyms by Sarat Chandra Das. Revised and edited under the Orders of the Government of Bengal by Graham Sandberg and A. William Heyde. O. P.

5223 Tibetan Literary Texts & Documents. Concerning Chinese Turkestan. Selected and translated by F. W. Thomas. 4 Parts. 120-75

5224 Tibetan-Sanskrit Dictionary based on a close comparative study of Sanskrit originals & Tibetan translations of several texts by Dr. Lokesh Chandra. 12 Vols. 340-00

5225 Tibetan Temple Paintings Tibetaansche Tempelschilderingen. English translation by May Hollander. Second Edition with an Introduction by Dr. P. H. Pott. 45-00

5226 Tibeto-Mongol Pantheon (A New) Part I by Dr. Raghuvira & Dr. Lokesh Chandra. 30-00

5227 Tibet's Terrifying Deities. Sex and Aggression in Religious Acculturation by F. Sierksma. 43 Plates. 99-00

5228 Tiepolo by Antonio Morassi. With 93 plates, 9 in colour, 64 text illustrations. 147-00

5229 Tilak and the Struggle for Indian Freedom. Edited by I. M. Reisner and N. M. Goldberg. 30-00

5230 Till We Meet and Twelve other Stories by Mikhail Naimy. 7-50

5231 Time-Saver Standards : A Handbook of Architectural Design. Edited by Gohn Hancok Callender. 206-00

5232 Times unto the Infinite by Yogeswar. Series I-II. 2-00

5233 To Lhasa & Beyond : Diary of The Expedition to Tibet in the year 1948 by G. Tucci, with an appendix on Tibetan Medicine and Hygiene by R. Maise. 25-00

5234 To the Perplexed by M. K. Gandhi. Ed. by Anand T. Hingorani. 5-00

5235 Todar Mull by R. C. Dutt. 4-50

5236 Tolkappiyam. The Earliest Extant Tamil Grammar with a short commentary in English by P. S. S. Shastri Vol. I. 1-25

5237 Tolkappiyam. The Earliest Extant Tamil Grammar. Text in Tamil and Roman Sripts with a critical commentary in English by P. S. S. Sastri. 3 Parts. 7-50

5238 Tolstoy : Social and Political Ideas by Sarla Mittal. 22-50

5239 Tolstoy and Gandhi by Kalidas Nag. 7-50

5240 Tomb Sculpture : Four Lectures on Its Changing Aspects from Ancient Egypt to Bernini by Erwin Panofsky. Ed. by H. W. Janson. 471 Illustrations in black and white. 150-00

5241 Tombs of the Tibetan Kings by G. Tucci. 20-04

5242 Totem and Taboo. Some Points of Agreement between the Mental Lives of Savages and Neurotics by Sigmund Freud. Authorized translation by James Strochy. 4-80, 14-40

5243 Totemism in India by John V. Ferreira. 17-50

5244 Towards A Happier Life (Home Doctor for India) by M. A. Kamath. 7-50

5245 Towns of Mysore State by V. L. S. Prakasa Rao. 18-00

*5246 **Trade and Commerce in Ancient India** (From earliest times upto Circa 3rd Century A. D.) By Dr. Balaram Srivastava. (Chow. Sans. Studies Vol. LIX) 30-00

5247 Trade and Economic Structure : Models and Methods by Richard E. Caves. 7-00

5248 Tradition and Economy in Village India by K. Ishwaran. Foreword by Conrad Arensberg. 25-00

5249 Traditional Cultures. Proceedings of the Seminar organized by the University of Madras. 6-75

5250 Tragedy in the Art of Music by Leo Schrade. 28-13

5251 Tragedy of Gandhi by Glorney Balton. 10-00

5252 Tragic Philosopher : A Study of Friedrich Nietzsche by F. A. Lea. 24-00

5253 Transformation of Nature in Art by Ananda K. Coomaraswamy. 13-88

5254 Transformation of Sikhism by Gokul Chand Narang. 15–00
5255 Transformations of Man by Lewis Mumford. 12–00
5256 Transport Geography of South Bihar by Jagdish Singh. With a Foreword by Prof. R. L. Singh. 20–00
5257 Travels of Fa-hsien (399–414 A. D.) or Record of the Buddhistic Kingdoms. Re-translated by H. A. Giles. 13–13
5258 Travels of Hiouen-Thsang (Chinese Accounts of India : Translated from the Chinese of Hiuen Tsiang) by Samuel Beal. 4 Vols. 30–00
5259 Travels of Ibn Battuta A. D. 1325–1354. Translated with revisions and Notes from the Arabic text edited by C. Defremery and B. R. Sanguinetti by H. A. R. Gibb. Vol. I. 24–00
5260 Treasures of Indian Miniatures. Introduction and Notes by Basil Gray. 13–13
5261 Treasury of Philosophy. Edited by Dagobert D. Runes. 112–50
5262 Treatise on Dispensing, Nursing and Hospital Emergencies by Dr. Mohd. Rahmat Elahi Siddiqui. With Seventynine illustrations. 10–00
5263 Treatment of Landscape in Eastern and Western Poetry by Dr. C. P. Ramaswami Aiyar. 2–25
5264 Treaty Between Indian and the United Kingdom by T. Dutt. 2–50
5265 Tree Symbol Worship in India. A New Survey of a Pattern of Folk-Religion. Edited with an Introduction by Sankar Sen Gupta. Foreword by Prafullachandra Sen. 20–00
5266 Trees of Santiniketan by Satyendra Kumar Basu. 1–00
5267 Tribal Arts of Middle India. A Personal Record by Verrier Elwin. 20–00
5268 Tribal Economy in Central India by Ranvir Prakash Saxena. 20–00
5269 Tribal Life in Gujarat : An Analytical Study of the Cultural Changes with Special Reference to the Dhanka Tribe by P. G. Shah. 20–00
5270 Tribe, Caste and Nation. A study of political activity and political change in highland Orissa by F. G. Bailey. 22–50
5271 Tribes of the Sahara by Lloyd Cabot Briggs. With Illustrations. 45–00

5272 Triennial Catalogue of Manuscripts Collected during The Triennium 1913 to 1943 for The Govt. Oriental Manuscripts Library, Madras. Edited by Renowned Scholars.

Vol. ii Part i Sanskrit A to C in 3 Parts. 12-00
Vol. iv Part i Sanskrit A 5-00
Vol. iv Part i Sanskrit B 4-50
Vol. iv Part i Sanskrit C 5-50
Vol. vi Part i Sanskrit 5-50
Vol. vii Part i Sanskrit 1-75
Vol. viii Sanskrit (R. No. 5533 to R. No. 5700) 0-75
Vol. ix Sanskrit (R. No. 5701 to R. No. 5996) 3-50
Vol. x Sanskrit A 8-00
Vol. x Sanskrit B 13-00
Vol. x Sanskrit C (7001 to 7496) 19-25
Vol. xi Sanskrit (R. No. 7497 to R. No. 7717) 7-00

5273 Tri-Lingual Dictionary (Sanskrit-Bengali-English). Compiled by Govindagopal Mukhopadhyaya and Gopikamohan Bhattacharya. Foreword by Gaurinath Sastri. 10-00

5274 Tripadi. Being an abridged English recast of Purvatrasiddham by H. E. Buiskool. 45-00

*5275 **Tripura Rahasya** (Jnanakhanda) English Translation and a Comparative Study of the Process of Individuation. By A. U. Vasavada M. A., D. Litt. (Chow. Sans. Studies Vol. L) **15-00**

5276 Trisasti Salakapurusacharita of Hemachandra. Translated into English with copious Notes by Dr. M. Johnson. II-VI Parts. 143-00

5277 Troy: The Coins by Alfred R. Bellinger. Supplementary Monograph 2. 87-50

5278 True Conception of Religion by N. Brahmachari. 3-00

5279 True Philosophy of Action by S. L. Bhatia. 1-00

5280 Truth and Beauty. A study in Correlation by S. L. Bhyrappa. Foreword by A. G. Javadekar. 7-00

5281 Tudor Revolution in Government. Administrative changes in the reign of Henry VIII by G. R. Elton. 57-75

5282 Tundi Copper Plate Grant of Vishnukundin King Vikramendra Varma by Dr. R. Subrahmanyam. 3-00

5283 Twelve Principal Upanishads. Text and English translation from Sankara's and Anandgiri's commentaries by E. Roer & others. Vols. II-III. 6-00

5284 Twentieth Century English-Hindi Dictionary. Greatest Work in Indian Literature by Sukhsampattirai Bhandari. 5 Vols. 56-00

5285 Twentieth-Century English Literature : 1901-1960 by A. C. Ward. 4-73, 22-05

5286 Twenty-Five Sanskrit Inscriptions by J. Gonda. 3-00

5287 Twenty Five Thousand Years of Buddhism. Edited by Prof. P. V. Bapat. Foreword by S. Radhakrishnan. 6-00

5288 Twenty Five Years a Civilian by A. S. Pancha Pakesa Ayyar. 8-50

5289 Twenty Thousand (20,000) Words. Spelled, Divided, Accented for the use of Secretaries, Typists, Authors, Compositors and Proof-Readers. Compiled by Louis A. Leslie and Roy P. Gasson. 13-20

5290 Twenty Two Srutis of Indian Music by Telang. 2-00

5291 Twilight in Delhi. A Novel by Ahmed Ali. 15-00

5292 Twilight of the Maharajas by Sir Kenneth Fitze. 12-00

5293 Twilight of the Sultanate : A Political, Social and Cultural History of the Sultanate of Delhi from the invasion of Timur to the Conquest of Babar 1398-1526. By Kishori Saran Lal. 25-00

5294 Two Essays on Analytical Psychology by C. G. Jung. Translated by R. F. C. Hull. 26-25

5295 Two first chapters of the Dasasahasrika Prajnaparamita. Restoration of the Sanskrit Text, Analysis and Index by Sten Konow. 10-00

5296 Two Great Indian Revolutionaries : Ras Behari Bose and Jyotindra Nath Mukherjee by Uma Mukherjee. 15-00

5297 Two Lamaistic Pantheons (From Materials Collected by the Late Baron A. Von Stael-Holstein). Ed. with Introduction and Indexes by Walter Eugene Clark. Text and Plates. Two Vols. bound in one. 187-50

5298 Two Lectures on Linguistics by Dr. S. M. Katre. 0-75

5299 Two Methods of Interpreting Panini by S. D. Joshi. 1-00

5300 Two Nations and Kashmir by Lord Birdwood. A full Study of the Kashmir problem and especially the point of view of the Kashmiris. 21-00

5301 Two Plays of Bhasa by A. S. P. Ayyar. 3-50

5302 Types of Sanskrit Drama by D. R. Mankad. With a Foreword by Dr. S. K. De. 20-00

U

5303 Udana: or Solemn Utterances of the Buddha. Pali text, Romanized. Edited by P. Steinthal. 9-45

5304 Udrayana, Konig von Roruka. Eine buddhistische Erzahlung. Die Tibetische Ubersetzung Des Sanskrittextes von Johannes Nobel. Theil I. Text, deutsche ubersetzung und Anmerkungen. Theil II. Worterbuch. 63-00

5305 Unarmed Victory by Bertrand Russell. 13-13

5306 Under Graduate Medical Education Lectures by Col. Amir Chand. 2-50

5307 Understanding Indian Music by Babu Rao Joshi. 10-50

5308 Understanding India's Economy: A Course of Analysis by Dhires Bhattacharyya. Part I. 10-00

5309 Unesco and World Unity and Peace by E. M. Hough. 1-00

5310 Unesco Study of Social Tensions in Aligarh 1950-51 by Paras Ram. Edited with an Introduction by Gardner Murphy. 8-00

5311 United States. A History by Ralph W. Steen. 31-25

5312 United States and India and Pakistan by W. Naorman Brown. 16-00

5313 United States of America: The Making of its Constitution. A Lecture Reviewing: "The Great Rehearsal" by Card Van Daren by M. Ramaswamy. 1-00

5314 Unity Through Culture. Founder's Day Address at the Indian Institute of World Culture on 20 August 1963 by D. V. Gundappa. 0-75

*5315 **Universal History of Music.** Compiled from Diverse Sources Together with Various Original Notes on Hindu Music. By Raja Sir Saurindro Mohun Tagore. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXI) **20-00**

5316 Universal Prayers by Swami Yatiswarananda. 2-25

5317 Universe by David Bergamini and the Editors of Life. 26-00

5318 Universe and the Heavens by M. V. Ramkrishnan. 5-25

5319 Universities and National Life by S. R. Dongerkery. 4-50

5320 Universities and their Problems by S. R. Dongerkery. 6-00

5321 Universities and the Life of the Mind. By K. G. Saiyidain. 20-00

5322 Universities in Ancient India by D. G. Apte. 1-00

5323 University Education in Western Germany: A brief Survey by Yamunabai Hirlekar. 5-62

5324 Unknown Renaissance Portraits by L. Goldscheider. With 66 plates. 26–25

5325 Unrest in South Africa by P. S. Joshi. 7–50

5326 Untersuchungen uber Texte des fruhen Advaitavada. I. Die Schuler Sankaras von Dr. Paul Hacker. 29–70

5327 Untold Story by Lt. General B. M. Kaul. With 17 Plates. 20–00

5328 Up from the Ape by Earnest Albert Hooton. 39 Plates. 15–00

5329 Upadesha Sahasri with English translation & Notes by Swami Jagadananda. 3–50

5330 Upakhyanamala Condensed in the Poet's own words by A. M. Srinivasachariar. Translated by V. Narayanan. 3–00

5331 Upanisads : Gateways of Knowledge by M. P. Pandit. 6–00

5332 Upanisat-Pancaka. Ed. by Chitrita Devi (in Bengali Language). 5–00

5333 Upanishad in Story and Dialogue by R. R. Diwakar. 2–50

5334 Upanishadas in Story and Dialouge by R. R. Diwakar. 4–75

5335 Upanishads. Katha, Isa, Kena, Mundaka, Svetasvatara, Prasna, Mandukya, Aitareya, Brihadaranyaka, Taittiriya and Chhandogya. By Swami Nikhilananda. Abridged Edition. 47–25

5336 Upanishads. Selections from the 108 Upanishads with English translation by T. M. P. Mahadevan. 3–00

5337 Upanishads. Translated by F. Max Muller. 2 Parts (S. B. E.) 40–00

5338 Upanishads and Modern Biology by K. A. Patwardhan. 4–50

5339 Upper Atmosphere by S. K. Mitra. 48–00

5340 Urban Geography : A Study of Site, Evolution, Pattern and Classification in Villages, Towns and Cities by Griffith Taylor. With a frontispiece and 300 plans and diagrams. 47–25

5341 Urdu Poets and Poetry by Dr. Amaranath Jha. 7–00

5342 Urubhangam. : An One Act Play. With Introduction, Translation, Notes etc. by Vidyaratna S. Rangachar. 3–00

5343 Urubhanga with English translation by C. R. Devadhar. 3–00

5344 Usaniruddha. Cantos I & II with English translation by N. V. Vaidya. 2–25

5345 Useful Plants of India and Pakistan by J. Dastur. 5–95

5346 Utnur Excavations by F. R. Allchin. 10–00

5347 Uttara Gita. With a translation into English and Appendices by Mrs. S. V. Oka. 1–00

5348 Uttarakalamrita. With an English Translation by the Late Panditabhushana V. Subrahmanya Sastri. 8–00

5349 Uttara-Ramcharita of Bhavabhuti. With the commentary of Ghansyama and with Notes and Introduction by P. V. Kane and Translation by C. V. Joshi. 10–00

5350 Uttararamacharita with Eng. translation & Notes by S. Ray. 12–50

5351 Uttara Satyagraha Gita. Text with English translation by Kshama Row. 6–75

5352 Uttarpara Speech by Sri Aurobindo. 0–50

5353 Uvasagadasao. The Seventh Anga of the Jain Canon with English translation by N. A. Gore. 7–50

V

5354 V. S. Sukhthankar Memorial Edition. Vol. II. 35–00

5355 V. S. Sukhthankar Memorial Volume. 20–00

5356 V. V. Mirashi Felicitation Volume (A Collection of Forty-two Indological Essays) Edited by G. T. Deshpande, Ajay Mitra Shastri and V. W. Karambelkar. 40–00

5357 Vacaspati Misra on Advaita Vedanta by Dr. S. S. Hasurkar. 15–00

5358 Vadavali with English translation and Notes by P.Nagaraja Row. 15–00

5359 Vaidika-Padanukrama Kosa Or A Vedic Word-Concordance in Devanagari Script. Being a universal register of Vedic Vocabulary, with Introduction Supplement, Reverse-Index and Appendices by Visva-Bandhu Shastri. up to Published XV Vols. Library edition. 600–00

5360 Vaidurya-Ser-Po Part I. (A History of the Dge-lugs-pa monasteries of Tibet) Edited by Dr. Lokesh Chandra with a Foreword by Prof. I. Petech. 25–00

5361 Vaidurya-Ser-Po Part II and The Annals of Kokonor written by Sum-pa-mkhan-po Ye-ses-dpal-hbyor. Edited by Dr. Lokesh Chandra. 30–00

5362 Vaikhanasasmartasutra. The Domestic rules and sacred Laws of the Vaikhanasa School belonging to the Black Yajurveda with English translation by Dr. W. Caland. 2 Parts. 5–25

5363 Vairagya-Sataka with English translation. 1–00

5364 Vairagyasatakam. With Introduction, English and Kannada Translations by Pt. S. Rangachar. 2–25

5365 Vaisali Excavations : 1950 by Krishna Deva and Vijayakanta Mishra. With 25 Plates. 15-00

*5366 **Vaiseshika Philosophy.** According To The DASAPADARTHA-SASTRA : Chinese Text with Introduction, Translation and Notes by H. UI. Professor in the Sotoshu College, Tokyo. Edited by F. W. Thomas. (Chow. Sans. Studies. Vol. XXII) **16-00**

5367 Vaisnavism, Saivism and Minor Religious Systems by Sir R. G. Bhandarkar. 10-00

*5368 **Vajasaneyi Pratisakhya** (Suklayajuh-Pratisakhya) of Katyayana. Critically Edited and Translated into English for the first time by Sm. Indu Rastogi. With a Foreword by Dr. Mangal Dev Sastri. 10-00

5369 Vajracchedika Prajnaparamita. Edited and translated with Introduction and Glossary by Edward Conze. 33-40

5370 Vajrasuci of Asvaghosa. A Study of the Sanskrit Text and Chinese Version. With Introduction, English Translation and Notes by Sujitkumar Mukhopadhyaya. 3-50

5371 Vak in 5 parts. 50-00

5372 Vakataka Gupta Age by R. C. Majumdar. 15-00

5373 Vakyapadiya of Bhartrihari with the Vritti. Chapter I. English Translation by K. A. Subramania Iyer. 10-00

5374 Vakyavritti and Atmajnanopadeshavidhi of Shri Sankaracharya. Translated into English with Explanatory Notes by Swami Jagadananda. 1-00

5375 Vallabhacharya and his Doctrines by Brijnath R. Shastri. 0-50

5376 Valley of Kashmir by Walter R. Lawrence. With Plates and Maps. 70-00

*5377 **Valmiki Ramayana.** English Translation. By Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXIX) **25-00**

5378 Valmiki Ramayana. Condensed in the Poet's own words. Text in Devanagri by M. A. Srinivasachariar and Translated by P. P. S. Sastri. 3-00

5379 Valmiki-Ramayana (National Epic of India). Critically Edited by An Editorial Board.

Vol. I Balkanda by G. H. Bhatta. 55-00

" II Ayodhyakanda by P. L. Vaidya. 110-00

" III Aranya Kanda by P. C. Divanji. 55-00

" IV Kiskindha Kanda by D. R. Mankad. 55-00

" V Sundara Kanda by G. C. Jhala. 55-00

5380 Valmiki's Sri Ramasamveda (Discourses of Sri Rama) Edited & Compiled by Devendra Kamal. 5–50

5381 Value of Words and Terms by Robert Rein' L. 1–00

5382 Vamana Purana–A Study (An Exposition of the Ancient Purana–Vidya) by V. S. Agrawala. 25–00

5383 Van Gogh. 50 plates in full colour—some of them well-known pictures, others never shown in full colour before, with an Introduction by W. Uhde. 28–88

5384 Vanaspati Industry by Gopal S. Hattiangdi. 8–00

5385 Varivasyarahasya of Bhasuranandanatha with his own commentary. Edited by Pt. S. S. Sastri. 10–00

5386 Varuna. Von Heinrich Luders. 2 parts. 174–60

5387 Varshaphal or the Hindu Progressed Horoscope by B. V. Raman. 3–00

5388 Vasanta Vilasa. A Poem of the Spring Festival in Old Gujarati accompanied by Sanskrit and Prakrit Stanzas and Illustrated with Miniature Paintings. Critically edited and translated with an Introduction and a Description of the Paintings. (With 48 Plates) By W. Norman Brown. 37–50

5389 Vasavadutta : A Dramatic Romance by Sri Aurobindo. 5–00

5390 Vasavadatta of Subandhu. Translated, with an Introduction and Notes by Louis H. Gray. 7–50

5391 Vatsyana and the Vaisesika System by Anantalal Thakur. 0–95

*5392 **Veda Bhasya Bhumika Samgraha.** A collection of all available Sayana's Introduction to his Vedic commentaries. Ed. with Introduction, Notes and Appendices by Pt. Baladeva Upadhyaya. M. A. **5–00**

5393 Vedangajyoutish. Edited with his own English translation and Sanskrit commentary by Dr. R. Shama Sastri. 1–25

5394 Vedanta : A Study of the Brahma – Sutras by V. S. Ghate. 5–50

5395 Vedanta. Its Doctrine of Divine Personality by K. Sundara Rama Aiyar. 2–00

5396 Vedanta. Its Ethical Aspects by K. Sundararama Aiyar. 2–00

5397 Vedanta. The basic culture of India by C. Raja Gopalachari. 1–00, 2–00

5398 Vedanta Explained : Samkara's Commentary on the Brahmasutras by V. H. Date. With a Foreword by Prof. R. D. Ranade. Vol. I. 17–50 Vol. II. With new light on the Philosophy of Sankara. 27–50

5399 Vedanta in Practice by Ramgopal Mohatta. Translated from the Hindi Original by B. Bhattacharya. 2-00

5400 Vedanta in Ten Verses (Dasasloki) of Sri Sankaracarya. Text in Devanagari and Roman with English Translation and Notes by T. M. P. Mahadevan and N. Veezhinathan. 1-00

5401 Vedanta Its Theory and Practice by Swami Saradananda. 0-62

5402 Vedanta for the Modern Man. Edited by C. Isherwood. 29-40

5403 Vedanta for the Western World. Edited by C. Isherwood. 9-98, 31-50

5404 Vedantadeepa by Shri Bhagavad Ramanuja. A Commentary on Brahmasutra with Sri Uttamur Viraraghavacharya's Tamil translation and English translation by Sri K. Bhashyam. 2 Vols. 15-00

*5405 **Vedanta Desika**: His Life, Works and Philosophy: A Study by Dr. Satyavrata Sinha, M. A., Ph. D., D. Litt. (Chow. Sans. Studies Vol. V) **20-00**

5406 Vedanta Kalpalatika. Edited with an Introduction, English Translation and Appendices by R. D. Karmarkar. 5-00

5407 Vedanta Karikavali with an English translation by V. Krishnamacharya. 8-00

5408 Vedanta-Paribhasa with English translation by Swami Madhavananda. 4-00

5409 Vedant – Parijata – Saurabha of Nimbarka and Vedanta-Kaustubha of Srinivasa (Commentaries on the Brahma Sutras) Translated and annotated by Roma Bose. 3 Vols. 17-50

5410 Vedanta Philosophy at the Harvard University by Swami Vivekananda. 1-00

5411 Vedanta Philosophy, (Shree Gopal Basu Mallik Lectures on) Delivered (December 1925) by S. K. Belvalkar. Part I-Lectures 1-6. 6-00

5412 Vedanta Philosophy by Max Muller. 4-00

5413 Vedanta Philosophy or Brahma Sutra. Original Sutras and explanatory quotations from Upanishads, Bhagavad Gita and their English translation by Sridhar Majumdar. 15-00

5414 Vedanta-Sara. A work on Vedanta Philosophy by Sadananda. Edited with Introduction, Translation and Explanatory notes by M. Hiriyanna. 5-00

5415 Vedantasara of Ramanuja with an English translation by M. B. Narasimha Iyengar. 20-00

5416 Vedantasara of Sadananda with English translation by Nikhilananda. 3-00

5417 Vedantasara or The Essence of Vedanta by Sadananda Yogendra with an Introductory Essay on the Philosophy of the Vedanta by Paul Deussen. Text translated into English with Copious annotations by G. A. Jacob. 6-00

5418 Vedanta Sutras of Badarayan with the Commentary of Baladeva on Govinda Bhasya. Translated into English with Text by Srischandra Basu. 20-00

5419 Vedanta-Sutras with the Commentary of Ramanuja. Translated by George Thibaut. Part III (S. B. E. Vol. XLVIII) 20-00

5420 Vedanta-Sutras. With the Commentary of Sankaracharya, Translated by George Thibaut. 2 Parts. (S. B. E.) 40-00

5421 Vedanta-Sutras with the Sri-Bhashya of Ramanujacharya. Translated into English by M. Rangacharya and M. B. Varadaraja Aiyangar. 3 Vols. 48-00

5422 Vedanta Through Stories by Swami Sambuddhananda. 3-00

5423 Vedarthasamgraha of Ramanuja with Introduction, critical edition and annotated translation by J. A. B. Van Buitenen. 20-00

5424 Vedas by Dr. C. Kunhan Raja. 7-00

5425 Vedas by Fredrich Max Muller. 7-50

5426 Vedas : An Introduction by Rattan Chandra Sharma. 1-60

5427 Vedas and Sastras. A General View by Visva Bandhu. 4-00

5428 Vedasthana or the Ancient Home of the Indo-Aryans by Dr. T. J. Kedar. 3-00

5429 Vedic Age (History and Culture of the Indian People) by Majumdar and Pusalker. 35-00

5430 Vedic Bibliography Vol. II by R. N. Dandekar. 30-00

5431 Vedic Chronology & the Vedanga Jyotisha by B. G. Tilak. 4-50

5432 Vedic Concordance by M. Bloomfield. 40-00

5433 Vedic Culture by Swami Mahadevanand Giri. 7-50

5434 Vedic Etymology by Dr. Fatehsingh. 24-00

5435 Vedic Grammar by A. A. Macdonell. (Big Edition) (Encyclopedia of Indo-Aryan Research Vol. I. Part IV.) 150-00

5436 Vedic Grammar for Students by A. A. Macdonell. 15-00

5437 Vedic Hymns. Translated by F. Max Muller and Hermann Oldenberg. 2 Parts. (S. B. E.) 40-00

5438 Vedic Index of Names and Subjects by A. A. Macdonell and A. B. Keith 2 Vols. 60-00

5439 Vedic India (As embodied principally in the Rig-Veda) by Lenaide A.Ragozin. 20-00

5440 Vedic Law of Marriage. 1-75

5441 Vedic Lectures (Proceedings of the Summer School of Vedic Studies) (May-June, 1960) by Dr. V. S. Agrawala. 10-00

5442 Vedic Mathematics or 'Sixteen Simple Mathematical Formulae from the Vedas. By Jagadguru Swami Sri Bharati Krishna Tirthaji Maharaja. 10-00

5443 Vedic Metre (In its Historical Development) by E. Vernon Arnold. 30-00

5444 Vedic Mythology by A. A. Macdonell (Encyclopædia of Indo-Aryan Research. Ed. by G. Buhler. Vol III Part I-A). 25-00

5445 Vedic Octave and Extracts from Sangita Sara in Abhinava Bharata Sara Sangraha. Ed. by R. Satyanarayana. 3-50

5446 Vedic Prayers by Swami Sambuddhananda. 1-25

5447 Vedic Reader for Students by Arthur A. Macdonell. 3-00, 4-00

5448 Vedic Religion and Philosophy by Swami Prabhavananda. 2-50

5449 Vedic Studies by A. Venkatasubbiah. Vol I. 10-50

5450 Vedic Svasara by Louis Renou. (Reprinted from Journal) 0-65

5451 Vedic Variants. A Study of the Variant Readings in the Repeated Mantras of the Veda by M. Bloomfield and F. Edgerton. Vol. I 25-00

5452 Velugotivarivamsavali. Edited with introduction by N. Venkata Ramanayya. 2-25

5453 Venisamhara. Edited with An Introduction, A literal English Translation, exhaustive grammatical, critical and exegetical Notes and useful Appendices by Dr. G. V. Devasthali. 6-88

5454 Venisamhara with Eng. Notes and Translation by C. Sankara Rama Sastri. Edited by S. Viswanathan. 6-50

5455 Venisamhara with Eng. translation by J. M. Ashar. 5-50

5456 Venisamhara with English translation by A. B. Gajendragadkar. 8-00

5457 Verbal Composition in Indo-Aryan by Ramchandra Narayan Vale. 18-00

5458 Vertical Man. A Study in Primitive Indian Sculpture by W. G. Archer. 12-00

5459 Verzeichnis Indien Kundljcher Hochschuls Chriften Deutschland Osterreich-Schweiz von Klaus Ludwig Janert. 49-50

5460 Vetalpancavinsati. A critical Sanskrit Text in Transliteration with an Introduction and English translation by M. B. Emeneau. 22-50

5461 Viceroys and Governors-General of India 1757-1947 by Viscount Mersey. With Illustrations. 24-00

5462 Vicitrakarnika Vadanoddhrta. A collection of Buddhistic Legends. Nevari text. Edited and translated by Hans Jorgensen. 15-75

5463 Victoria of England by Edith Sitwell. 12-00

5464 Victorian Temper : A Study in literary culture by Jerome Hamilton. 24-00

5465 Vidhi Shabda Sagar (The Law Lexicon in Hindi) by Jagdish Prasad Chaturvedi. With a Foreword by Dr. Rajendra Prasad. 22-50

5466 Vidusaka by G. K. Bhat. 40-00

5467 Views and Vistas by K. M. Munshi. Compiled by Pars-Ram Manwani. 7-50

5468 Vijaya Vallabhsuri Commemoration Volume. 17-50

5469 Vikrama Commemoration Volume. English Edition. 37-50

5470 Vikramaditya of Ujjayani (The Founder of the Vikrama Era) by Dr. R. B. Pandey. 15-00

5471 Vikramaditya Tales from Mongolia. Reproduced by Dr. Charless. R. Bawden. 30-00

5472 Vikramankadeva Caritam of Bilhana. Glimpses of the History of the Calukyas of Kalyana. Translated by Sures Chandra Banerji and Amal Kumar Gupta. 20-00

5473 Vikrama's Adventures or Thirty Two Tales of Throne. Translated into English with an Introduction by F. Edgerton. 2 Vols. 75-00

5474 Vikramorvasiya. Edited with English translation and Notes by H. R. Karnik and S. G. Desai. 6-00

5475 Vikramorvasiyam. Edited with a New Sanskrit Commentary & Arthaprakasika, Various Readings, Introduction, A Literal Translations, Exhaustive Notes in English, and Appendices by M. R. Kale. 8-00

5476 Vikramorvashiya. Text, English Translation with Introduction, Notes and Appendices. Translated by H. H. Wilson. 4-00

5477 Vikramorvasiyam of Kalidasa. With a Commentary in Sanskrit, Various Readings, Introduction, Translation into English and Critical and Explanatory Notes. Ed. by M. R. Kale Revised and Gujarati Translation by Prof. B. V. Vyas. Also with Marathi Translation by Dr. S. G. Pandit. 8-00

5478 Vikramorvasiya or the Hero and the Nymph by Sri Aurobindo. 3-00

5479 Vikramorvasiya with Eng. translation by J. M. Ashar. 5-00

5480 Vikramorvasiya with English translation by Pt. S. Rangachar. 4-50

5481 Vikramorvasiyam of Kalidasa. Critically edited with Introduction, Notes, Translation and Appendices. By C. R. Devadhar. 4-50

5482 Village by Mulkraj Anand. 7-50

5483 Village Gods of South India by R. R. Henry Whitehead. 1-50

5484 Villages, Towns and Secular Buildings in Ancient India. C. 150 B. C.-C 350 A. D. by Amita Ray. 25-00

5485 Vimukti marga Dhutaguna-Nirdesa : A Tibetan Text critically Edited and Translated into English by P. V. Bapat. 25-00

5486 Vimuttimagga and Visuddhimagga : A Comparative Study by P. V. Vapat. 16-00

5487 Vinaya Pitakam : One of the Principal Buddhist Holy Scriptures in the Pali Language. Ed. by Hermann Oldenberg. 5 Vols. 218-93

5488 Vinaya Texts, Translated from Pali by T. W. Rhys Davids and Hermann Oldenberg. 3 Parts. (S. B. E.) 60-00

5489 Vinoba Bhave (Symposium) edited Par P. D. Tondan. 2-50

5490 Visages de L' Inde Medieval Par Raymond Burnier. With 79 photographies originales. 100-00

5491 Vishnu Purana. A System of Hindu Mythology and Tradition. Translated from the original Sanskrit and illustrated by notes derived chiefly from other Puranas by H. H. Wilson. With an Introduction by Dr. R. C. Hazra. 60-00

5492 Vision of Education by Prem Nath. 7-00

5493 Vision of India by Shishir Kumar Mitra. 3-00

5494 Vision of the Vedic Poets by J. Gonda. 60-00

5495 Visions and Voices by Amrita. 1-00

5496 Vishnu Kundin Coins in the Andhra Pradesh Government Museum by Dr. M. Rama Rao. 5-00

5497 Visnudharmottara-Purana. Third Khanda. Vol. II (Introduction, Appendixes, Indexes etc.) (A study on a Sanskrit text of Ancient Indian Arts) by Dr. Priyabala Shah. 25-00

*5498 **Visnudhvaja or Qutb Manar** by Dr. D. S. Triveda M. A., Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. XXIV) **5-00**

5499 Visnuite Myths and Legends by B. Kakati. 5-00

5500 Vishnu Sahasranama. Text with an English Translation of Sri Nilakantha's Commentary by R. Anantakrishna Sastri. 3-25

5501 Visnu (Sri) Sahasranamam with the Commetaries of Sri Sankaracarya and Sri Parasara Bhattar by K. E. Parthasarathy. 12-00

5502 Visuddhajanavilasini nama Apadanatthakatha (Apadana commentary) Pali Text Romanised. Edited by C. E. Godakumbura. 66-15

5503 Visuddhimagga of Buddhaghosacariya. Edited by H. C. Warren. Revised by D. Kosambi. 75-00

5504 Visva-Bharati Annals. Vols. I—X. 106-00

5505 Vivadchintamani of Vacaspati. Translated into English by Dr. Ganganath Jha. 16-00

5506 Vivaranaprameya Sangraha of Bharatitirtha. Translated into English by S. S. Suryanarayan Sastri and Saileswar Sen. 8-00

5507 Vivekacandrodaya-Nataka of Siva-Kavi. Critically Edited with Introduction by K. V. Sarma. 5-00

5508 Vivekachudamani or the Crest Jewel of Wisdom of Sankaracharya with English translation by M. Chatterjee. 3-00

5509 Vivekachudamani. With Engs. Trans. by Swami Madhavananda. 4-00

5510 Vivekananda. A Biography by Swami Nikhilananda. 5-00

5511 Vivekananda. A Biography in Pictures. 30-00

5512 Vocabulaire du rituel Vedique by L. Renou. 36-00

5513 Vocabulary of the Kui Language (Kui-English) by W. W. Winfield. 2-50

5514 Voice of Freedom (Selected speeches of Pt. Motilal Nehru) Edited by K. M. Kanikkar and A. Pershad. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. 15-00

5515 Volume of Indian and Iranian Studies. Presented to Sri E. Denison Ross on his 68 Birth-Day 6 th June 1939. Edited by S. M. Katre and P. K. Gode. 18-75

5516 Volume of Eastern and Indian Studies presented to F. W. Thomas on his 72 nd birth-day, 21st March 1939 edited by S. M. Katre and P. K. Gode. 18-75

5517 Vowel System of Gujarati by M. S. Patel and J. J. Mody. 1-15

*5518 **Vratyas in Ancient India (The)** by Radhakrishna Choudhary. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXVIII) **15-00**

5519 Vrittaratnavali with Eng. translation by H. G. Narhari. 4-00

5520 Vyala Figures on the Mediaeval Temples of India by Madhusudan A. Dhaky. With 40 Figures. 6-00

5521 Vyas and Valmiki by Shri Aurobindo. 4-00

5522 Vyavahar Chintamani of Vacaspati Mishra. A Digest on Hindu Legal Procedure. Critically edited with Introduction, Annotated translation and appendices by Dr. Ludo Rocher. 30-00

5523 Vyavahara Mayukha. Eng. translation by J. R. Gharpure. 28-00

5524 Vyavahara Mayukha. Edited with Introduction and Notes by Dr. P. V. Kane. 10-00

5525 Vyavaharamayukha of Nilakantha. Translated into English with explanatory Notes and references to decided Cases by P. V. Kane and S. G. Patwardhan. 15-00

W

5526 Wahabi Movement in India by Qeyamuddin Ahmad. 25-00

5527 Wall Paintings From Ancient Shrines in Central Asia. Recovered by Sir Aurel Stein. Described by Fred H. Andrews. With 32 plates. (Text size 15″×11″ and Plates size 25″×20″) 70-00

5528 Walton's English Synthesis. A Practical Method of Prose-Writing & Paraphrase for the use of High School in India by Rev. J. H. Walton. 5-00

5529 Wantoat. Art and Religion of the North East New Guinea Papuans by Carl A. Schmitz. 49-00

5530 War and Self Determination by Sri Aurobindo. 2-00

5531 War in Malaya by Lieut-General A. E. Percival. 10-00

5532 Warnings of History Trends in Modern India by K. M. Munshi. 0-75

5533 War with Pakistan (A Pictorial Narration of the Fifty Days which Rocked the Sub-Continent) by Dewan Berindranath. With Plates. 4-00

5534 Wave of Bliss (Anandalahari) Text, translation and commentary by S. J. Woodroffe. 3-00

5535 Way of the Buddha. Govt. of India Publication. 30-00

5536 Wayfarers Words by Rhys Davids. A collection of the Author's Writings and Lectures. 2 Vols. 15-00

5537 Ways of Faith. An introduction to Religion by John A. Hutchison and James Alfred Martin. 30-00

5538 Wealth of India: A Dictionary of Indian Raw Materials and Industrial Products.
INDUSTRIAL PRODUCTS.
Part iii (D-E) 25-00
Part iv (F-H) 25-00
Part v (I-L) 30-00

5539 Wealth of India: A Dictionary of Indian Raw Materials and Industrial Products.
RAW MATERIALS—
Vol. III. (D-E) with index Vols. I-III. 22-00
Vol. IV. (F-G) with index. 25-00
Vol. V. (H-K) with Index. 30-00
Vol. VI. (L-M) 40-00

5540 Web of Indian Life by Sister Nivedita. 3-50

5541 Webster's New Collegiate Dictionary of the English Language. 46-87

5542 Webster's Third New International Dictionary of the English Language, Unabridged. By A. Merriam-Webster. Utilizing all the Experience and Resources of more than One Hundred Years of Merriam-Webster Dictionaries. Editor in Chief Philip Babcock Gove and The Merriam-Webster. 431-25

5543 Weird Dance and Other Stories by C. L. Nahal 12-00

5544 Welcome, The Moonrise. Forty Poems by Sri Karan Singh. 8-00

5545 Welfare Economics in India by Sunil Guha. 12-00

5546 Welfare of the Child in the Home by Lalita Subbaratnam. 0-75

5547 West Africa: The Former French States by John D. Hargreaves. 1-95

5548 West as Not Materialistic by Dr. Charles A. Moore. 1-00

5549 West Indian Comes to England. A Report prepared for the Trustees of the London Parochial Charities by the Family Welfare Association. Edited by S. K. Ruck. 20-00

5550 West-Indonesien. Sumatra, Java and Borneo by Prof. Dr. A. Kramer. 30-00

*5551 **Western Æsthetics** by Dr. K. C. Pandey. (Chow. Sans. Studies Vol. IV) **30-00**

5552 Western Civilizations. Their History and their Culture. Man's struggles and achievements from the earliest times to the present day by Edvard Mcnall Burns. With 212 illustrations. 50-40

5553 Western Impact on Indian Politics (1885-1919) by Sankar Ghose. 16-00

5554 Western Influence in Bengali Literature by P. R. Sen. 15-00
5555 Western Kshatrapa Coins in the Andhra Pradesh Govt. Museum by Dr. H. V. Trivedi. 3-50
5556 Western Psychotherapy and Hindu-Sadhana : A Contribution to Comparative Studies in Psychology and Metaphysics by Hans Jacobs. 36-75
5557 Westerners among the Figurines of the T'ang Dynasty of China by Jane Gaston Mahler. 91-85
5558 What Is Life ? The Physical aspect of the Living Cell by Erwin Schrodinger. 15-75
5559 What is Man ? by P. L. Pielou. 3-00
5560 What is Religion ? by Alban G. Widgery. 14-40
5561 What Religion is in the Words of Swami Vivekananda. With a Biographical Introduction by Christopher Isherwood. Edited by John Yale. 31-50
5562 What the Stars Foretell by Jupiter. 4-00
5563 What Vedanta Means to me. A Symposium. Edited by John Yele. With a Foreword by Vincent Sheean. 22-05
5564 Where Theosophy & Science Meet by a Body of Experts. Edited by D. D. Kanga. Vol. II. 15-00
5565 White Goddess (The) : A Historical Grammar of Poetic Myth. By Ribert Graves. **20-00**
5566 White Roses. (These are Extracts from Letters from the Mother. Huta). Enlarged Edition. 5-00
*5567 **White Yajurveda.** Translated with a Popular commentary by R. T. H. Griffith. 20-00
5568 Whither Rural India ? by Mrs. Laxmi Devi Molle Gowda. 15-00
5569 Whither Woman? (A Critical study of the social life and thought of the Western Woman) by Y. M. Rage. 6-00
5570 Why I Am A Buddhist by Anagarika B. Govinda. 0-25
5571 Why I am not a Christian and Other Essays on Religion and Related Subjects by Bertrand Russell. 18-90
5572 William Jones (Sir) Bicentenary of His Birth Commemoration Volume 1746-1946. 6-50
5573 Winds of Silence (Poems, Songs and Sonnets) by Prithwi Singh Nahar. 2-50
5574 Windsor Castle by Sir Owen Morshead. A History of Windsor Castle by The Royal Librarian, with 84 Illustrations. 15-75
5575 Wisdom of Balahver : A Life story of an outcast by David Marshall Lang. 15-75
5576 Wisdom of the Upanishads by Annie Besant. 2-00

5577 Wine of Thought by Serapia Devi. Foreword by S. Radhakrishnan. 6-00

5578 Wit and Wisdom of Ancient India by N. B. Sen. 30-00

5579 Wit and Wisdom of Bacon Ed. by N. B. Sen. 25-00

5580 Wit and Wisdom of Guru Nanak by N. B. Sen. 25-00

5581 Wit and Wisdom of India. Being a treasury of over ten thousand invaluable thoughts collected from the speeches and writings of some of the greatest leaders of modern India and classified under about eight hundred subjects by N. B. Sen. 30-00

5582 Wit and Wisdom of Jawaharlal Nehru by N. B. Sen. 30-00

5583 Wit and Wisdom of Kalidas by N. B. Sen. 25-00

5584 Wit and Wisdom of Lord Krishna by N. B. Sen. 25-00

5585 Wit and Wisdom of Mahatma Gandhi by N. B. Sen. With Thoughts on Mahatma Gandhi by Jawaharlal Nehru. 25-00

5586 Wit and Wisdom of Napoleon Ed. by N. B. Sen. 25-00

5587 Wit and Wisdom of Shakespeare. Ed. by N. B. Sen. 30-00

5588 Wit and Wisdom of Socrates, Plato, Aristotle by N. B. Sen. 25-00

5589 Wit and Wisdom of Swami Dayanand. Ed. by N.B. Sen. 25-00

5590 Wit and Wisdom of Tagore. Edited by N. B. Sen. 25-00

5591 Wit and Wisdom of Vedas. Ed. by N. B. Sen. 25-00

5592 Without The Pale : A Life Story of an outcaste by Mrs. Sinclair. 2-00

5593 Woman in Modern India by Neera Desai. Foreword by Gardner Murphy. Introduction by Kamala Devi Chattopadhyaya. 10-00

*5594 **Women in Ancient India** by M. E. R. Martin. (Chow. Sans. Studies Vol. XLIV) **20-00**

5595 Women and Society by N. A. Sharma. 4-00

5596 Women in Antiquity by Charles Seltman. With fifty five illustrations in photogravure and twelve line drawings. 18-00

5597 Women in Manu and his Seven Commentators by Dr. Ram Mohan Das. 20-00

5598 Women in Sanskrit Dramas by Ratnamayidevi Dikshit. With a Foreword by Dr. N. N. Chaudhuri. 40-00

5599 Women of India. Foreword by Jawaharlal Nehru. 6-50

5600 Women Saints of East and West, Sri Sarada Devi (The Holy Mother) Birth centenary Memorial. Foreword by Vijaya Lakshmi Pandit. Introduction by Kenneth Walker. Editorial Advisers—Swami Ghanananda and John Stewart Wallace. 10-00, 16-50

5601 Women Workers of India by Padmini Sengupta. 8-00

5602 Women's Representative. Three One-Act Plays. 5-00

5603 Wonder That Was India. A Survey of the Culture of the Indian Sub-Continent before the coming of the Muslims by A. L. Basham. 10-00

5604 Word Index to Panini-Sutra-Patha and Parisistas. Compiled by M. M. Sridhar Sastri Pathak. 12-00

5605 Words of Faith by Francois Mauriac. Translated by Edward H. Flannery. 22-50

5606 Words of Wisdom by Swami Rajeswaranand. 2-25

5607 Words We Use by Dr. J. A. Sheard. 26-25

5608 Work-Book in Modern Linguistics. Edited by A. M. Ghatage, N. G. Kalelkar, Bh. Krishnamurty and P. B. Pandit. 4-00

5609 Working of Public Corporations in India by D. K. Sinha. With a Foreword by Prof. P. L. Baldua. 16-00

5610 Works of Kalidasa (Edited with an Exhaustive Introduction, Translation and Critical and Explanatory Notes) by C. R. Devadhar. Vol. I. (Dramas) 16-00

5611 Works of Oscar Wilde. Edited with an Introduction by G. F. Maine. 22-05

5612 Works of Swamy Rama Tirtha. Complete in 3 Vols. 25-50

5613 World and the Individual by Josiah Royce. First and Second Series. 2 Parts. 22-50

5614 World As Power (Reality, Life, Mind, Matter, Causality and Continuity) by S. J. Woodroffe. 15-00

5615 World Copyright. An Encyclopaedia. Edited by Pinner. 4 Vols. 760-00

5616 World Drama From Aeschylus to Anouilh by Allardyce Nicoll. 26-25

5617 World-Famous Paintings. With Notes on the Paintings, Short Biographies of the Artists and Lists of Principal Works. Compiled by Adrian Bury and Charles Richard Cammel. Foreword by Pietro Annigoni. 94-50

5618 World History. Our Heritage by M. Mujeeb. 14-00

5619 World of Archaeology. The Pioneers tell their own story. Ed. and introduced by C. W. Ceram. 44-10

5620 World of Music by G. Wallace Woodworth. 33-75

5621 World of Music : A Treasury for Listener and Viewer. Compiled and Edited by K. B. Sandved. Associate Editors —R. H. Hill and K. Claussen. Alphabatically arranged with about two thousand Illustrations. 2 Vols. (A-Z.) 132-30

5622 World Peace and Rabindra Nath Tagore by K. Chandrasekharan. 1-00

5623 World Problems and Jianethics by Beni Prasad. 0-37

5624 World-View through a reunion of Philosophy and Science by Ajit Kumar Sinha. 15-00

5625 World's Chief Languages with Linguistic Maps, Alphabets, Phrases and Illustrations by Mario A. Pei. 37-80

5626 World's Debt to Buddha by the Ven'ble Anagarika (Sri Devamitta) Dharmapala. 0-50

5627 World's Deserts on the March by J. L. Forster. 1-00

5628 World's Great Religions. Edited by Henry R. Luce. Illustrated. 81-00

5629 Worship in the World's Religions by Geoffrey Parrinder. 22-05

5630 Worterbuch Zum Rig Veda von Hermann Grassmann. 126-00

5631 Woven Cadences of Early Buddhists. (Suttanipat) Translated into English by E. M. Hare. 15-75

5632 Wratisasana a Sanskrit text on ascetic discipline with kawi exegesis. Edited and annotated by Dr. Mrs. Sharada Rani. 30-00

5633 Wrhaspati-Tattwa an Old Javanese Philosophical Text. Critically edited and annotated by Sudarshana Devi. 30-00

Y

5634 Yadavabhyudaya. Cantos 1-4 with English translation. 2-65

5635 Yajnavalkya Smriti Prayaschittadhyaya with the Mitaksara, translated by Samarao Narasimha Naraharayya. Edited by Srisa Chandra Vasu. 15-00

5636 Yajnavalkya Smriti Vyavaharadhyaya with the commentary Mitaksara and the Gloss of Balambhatta. Dayabhaga the Law of inheritance. Translated by Mohan Lal Sandal. Fasc. I. 5-00

5637 Yajnavalkya Smriti with Mitakshara and Viramitrodaya & the Dipakalika of Sulapani. English translation with Notes by J. R. Gharpure. 8 Parts. 200-00

5638 Yajnavalkya Smriti with the commentary of Vijnanesvara called the Mitaksara and notes from the gloss of Balambhatta. Book I. The Acharadhyaya, translated by Srisa Chandra Basu. 20-00

5639 Yantras or Mechanical Contrivances in Ancient India by Dr. V. Raghavan. 2-00

5640 Yasastilaka & Indian Culture or Somadeva's Yasastilaka and Aspects of Jainism and Indian Thought and Culture in the 10th Century by K. K. Handiqui. 16-00

5641 Yaska's Nirukta and the Science of Etymology. An Historical & Critical Survey by Bishnupada Bhattacharya. 6-00

5642 Yasodhara Carita of Vadiraja. A Literary Epic with a Sanskrit Commentary by Laksmana. Critically Edited with Variant Readings, English Introduction and Translation by Dr. K. Krishnamoorthy. With a Foreword by Dr. A. N. Upadhye. 5-00

5643 Yatindramatadipika with Eng. trans. by Adidevananda. 5-00

5644 Yoga by Ernest Wood. 12-00

5645 Yoga. A Scientific Evolution by K. O. Voor T. Behanan. 8-25

5646 Yoga : The Method of Re-Integration by Alain Danielou. (Shiv Sharan). 8-95

5647 Yoga. Uniting East and West by Selvarajan Yesudian and Elisabeth Haich. Foreword by Prof. T. Huzella. 13-13

5648 Yoga and Health by Yesudian & Maich. 29-40

5649 Yoga and Its Objects by Sri Aurobindo. 1-00

5650 Yoga and Personality by K. S. Joshi. With 16 Plates. 20-00

5651 Yoga and Western Psychology by G. Coster. 10-00

5652 Yoga Aphroisms of Patanjali by Prabhavanand and Isherwood. 13-13

5653 Yoga for Perfect Health by Alain. 15-75

5654 Yoga For You by C. Bragdon. 4-81

5655 Yoga For You. A Complete 6 Week's Course for Home Practice by Indra Devi. 21-00

5656 Yoga of Health, Youth and Joy (The) A Treatise on Hatha Yoga adapted to the West by Sir Paul Dukes. With photographic illustrations by the Author and Diana Fitz Gerald. 26-25

5657 Yoga : Immortality and Freedom by Mircea Eliade. Translated from the French by Willard R. Trask. 47-25

5658 Yoga - Mimansa : A High - class richly illustrated quarterly journal of scientific research devoted to the theoretical and practical exposition of yoga by Swami Kuvalayananda.

Vol. II Nos. 1-4 Vol. III Nos. 1-4
Vol. IV Nos. 1-4 Vol. V No. 1
Vol. VI Nos. 1-4 Vol. VII Nos. 1-4
Vol. VIII Nos. 1-4 Sold in one Lot. 100-00

5659 Yoga Philosophy of Patanjali. Containing His Yoga Aphorisms with Commentary of Vyasa in Original Sanskrit and Annotations Thereon with Copious Hints on the Practice of Yoga by Swami Hariharananda Aranya. Rendered into English by P. N. Mukerji. 20-00

5660 Yoga Practice : For Developing and Increasing Physical, Mental and Spiritual Powers. With 50 Illustrations by Swami Sivananda. 3-95
5661 Yoga-Sutra of Patanjali by Bengali Baba. 5-00
5662 Yoga Sutras of Patanjali by Dr. J. R. Ballantyne and Govind Sastri Deva. 7-00
5663 Yoga System of Health by Yogi Vithal Das. 18-90
5664 Yoga Upanishads. Translated into English by T. R. S. Aiyangar. 16-00
5665 Yogacara Idealism by Ashok Kumar Chatterjee. 12-00
5666 Yogavasistha and Modern Thought by B. L. Atreya. 3-75
5667 Yoga-Vasistha Ramayana. Translated into English from the original Sanskrit Text by D. N. Bose. Vol. I-II. 20-00
5668 Yogic Asans for Health and Vigour by V. G. Rele. 3-75
5669 Yogic Home Exercises for Men and Women by Swami Sivananda. 3-75
5670 You and Your Star by Cheiro. 9-50
5671 Your Art Heritage by Olive L. Riley. 29-80
5672 Your Diet for Longer Life by James Tobey. 4-75
5673 Your Diet in Health and Disease by Harry Benjamin. 3-00
5674 Your God is my God by Gladys De Meuter. 2-50
5675 Your Holidays in India by R. T. Shahani. 12-50
5676 Your Next Five Years (1953-57) by Mihira. 3-00
*5677 **Yuganaddha.** (The Tantric View of Life) by Dr. H. V. Guenther. (Chow. Sans. Studies Vol. III) **Shortly**
5678 Yugapuran. Edited with the help of a New Mss. by D. R. Mankad. 5-00

Z

5679 Zen and Japanese Culture by Daisetz T. Suzuki. 63-00
5680 Zen and Reality. An Approach to Sanity and Happiness on a Non-Sectarian Basis by Robert Powell. 22-05
5681 Zen Buddhism and Psychoanalysis by D. T. Suzuki, Erich Fromm and Richard De Martino. 16-80
5682 Zen-Buddhismus by Christmas Humphreys. 16-80
5683 Zen in English Literature and Oriental Classics by R. H. Blyth. 25-00
5684 Zen in the Art of Archery by Eugen Herrigel. Translated from the German by R. F. C. Hull. Foreword by Dr. D. T. Suzuki. 11-03

5685 Zend-Avesta. Translated by James Darmesteter and L. H. Palmer. 3 Vols. (S. B. E.) 60-00

5686 Ziegenbalg's Malabarisches Heidenthum Herausgegeben und Mit Indices versehen von W. Caland. 20-00

5687 Zum Gebrauch Der W-Demonstrativa Im Altesten Indoiranischen Von Gosta Liebert. 20-00

5688 Zoroaster and His World by Ernst Herzfeld. 2 Vols. 175-00

5689 Zurbaran by Martin S. Soria. The first Complete edition. 280 illustrations. 9 Colour plates, Introduction and catalogue raisonne. 66-15

5690 Zwei Philosophische Ramayanas von Helmuth von Glasenapp. 18-90

THE RARE AND VALUABLE PUBLICATIONS

5691 THE MYSTERY OF THE MAHABHARATA : A set of Vols. II-V. by Dr. N. V. Thadanî. It is a rare work in which the learned author explains the secret of the Holy Epic of the Hindus in relation to the different systems of Hindu Philosophy and Religion based on the Vedic foundations. It reveals the force of the five great creative energies of Life, Soul, Intellect, Mind, the Sense of Knowledge and of Action.—A very valuable set for Libraries and Research Scholars. 250-00

5692 The Secret of the Sacred Books of the Hindus by N. V. Thadani. It explains the original and real meaning of the six systems of Hindu Philosophy and method of interpretation of the Sacred Books of Hindus. A useful book for general study. 20-00

5693 Mimansa : The Secret of the Sacred Books of The Hindus Translated by N. V. Thadani. 30-00

5694 Mimansa Darshan of Jaimini. The Mimansa Sutra text critically edited with variant readings by Dr. N. V. Thadani. 2-00

NEW ARRIVALS

5695 Alvars of South India by K. C. Varadachari. 2-00

5696 American Missionaries and Hinduism (A Study of their Contacts from 1813-1910) by Sushil Madhava Pathak. With a Foreword by Dr. Norman D. Palmer. 25-00

5697 Art and Industry : The Principles of Industrial Design by Herbert Read. 14-17, 37-80

5698 Aspects of Our Religion by Sri Chandrasekharendra Saraswati. 1-00

5699 Bhaja Govindam by C. Rajagopalachari. 1-00

5700 Bhumij Revolt (1832-33) Ganga Narain's Hangama or Turmoil by Jagadish Chandra Jha. With a Foreword by Dr. Ram Sharan Sharma. 20-00

5701 Bulletin of the American Academy of Benares. Vol. I Nov. 1967. ...

5702 Chinese Invasion : Background and Sequel. Edited by V. B. Karnik. 2-50

5703 Determining Period of Indian History by K. M. Panikkar. 1-00

5704 Domestic Hindustani : A Simplified and Abridged Grammar of Simple Colloquial Hindustani by D. C. Phillott. Revised by W. G. Grey. 2-70

5705 Foundations of Indian Culture by K. M. Munshi. 1-00

5706 Fundamental Concepts in Clinical Psychology by G. Wilson Shaffer and Richard S. Lazarus. 27-40

5707 Geeta As Jeevan-Yoga by Kakashaheb Kalelkar. 1-00

5708 Gita Sandesh (Message of the Gita) by Swami Ramdas. 2-50

5709 Heroes Who Made History by V. B. Kulkarni. 2-50

5710 India and the Cold War by K. P. S. Menon. 1-00

5711 Linguistic Vivisection of India. Why Not Stop Is Still ? by V. B. Kamath. 1-00

5712 Mathura Railing Pillars by Prithvi Kumar Agrawala. 15-00

5713 Mira Bai : Her Life and Times by Hermann Goetz. 1-00

5714 Popular Tales of Rajasthan by L. N. Birla. 2-50

5715 Prafullachandra Ray. A Biography by Monoranjan Gupta. 2-50

5716 Problem of Hindi : A Study by A. K. Majumdar. 2-50

5717 Rana Polity in Nepal : Origin and Growth by Satish Kumar. 16-00

5718 Sri Ramachandra by Sankarnarayan. 1-00

5719 Studies in the Buddhistic Culture of India (During the 7th and 8th Centuries A. D.) by Lalmani Joshi. Foreword by G. C. Pande. 30-00

भारतीय संस्कृति एवं साहित्य

व्याकरण-ग्रन्थाः

*१ **अनुवादचन्द्रिका** । लोकमणि जोशी (अष्टम संस्करण) १—२५
२ **अंग्रेजी हिन्दी शिक्षा** । हरिदास वैद्य । १-५ भाग ११—००
३ **अच्छी हिन्दी** । रामचन्द्र वर्मा ६—००, ८—००
४ **अनुवादकला** । चारुदेव शास्त्री २—५०
५ **अनुवादकौमुदी** । गुरुप्रसाद शास्त्री । प्रथम भाग मात्र ०—७५
६ **अनुवादचन्द्रिका** । गणपतिदेव शास्त्री । अभिनव संस्करण २—२५
*७ **अनुवादप्रभा** । गौरीशंकर शास्त्री (अष्टम संस्करण) रफ १—२५, ग्लेज्ड १—५०
८ **अपभ्रंशप्रकाश** । देवेन्द्रकुमार ३—००
९ **अपभ्रंश प्रवेश** । डा० बिपिनबिहारी त्रिवेदी ६—७५
१० **अपभ्रंश व्याकरण** । हेमचन्द्र । अनुवादक—शालिग्राम उपाध्याय ५—५०
*११ **अभिनव निबन्धावली** । ले० श्री श्यामलाकान्त वर्मा । इसमें लगभग १०० परीक्षोपयोगी हिन्दी निबन्धों का संग्रह है । छात्रों के लिये इसी प्रकार के वर्गीकरण की आवश्यकता थी । विभिन्न पाठ्यक्रमों में यह निर्धारित है ४—५०
१२ **अभिनव प्राकृत-व्याकरण** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री १५—००
१३ **अभिनव शब्दरूपावली** । एन० आर० रानाडे १—००
१४ **अर्थप्रकाशिका** । १—०२
१५ **अर्थप्रकाशिका (सिद्धान्तकौमुदीगत उदाहरणों के अर्थ एवं विशिष्ट शब्दों का परिचय)** राधारमण पाण्डेय १५—००
१६ **अष्टाध्यायीप्रकाशिका** । देवप्रकाश पातंजल शास्त्री ८—००
१७ **अष्टाध्यायी (भाष्य)** । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग २२—००
१८ **अष्टाध्यायीशब्दानुक्रमणिका** । श्रीधर शास्त्री पाठक १२—००
*१९ **अष्टाध्यायीसूत्रपाठः** । पाणिनिमुनि विरचित ०—७५
२० **अष्टाध्यायीसूत्रपाठः** । सवार्त्तिक-गणाष्टाध्यायीसूत्रपाठ १—५०
२१ **अष्टाध्यायीसूत्रपाठः** । गुरुप्रसाद शास्त्री कृत सरला टीका २—५०
२२ **अष्टाध्यायीसूत्रपाठः** । संस्कृत व्याख्या । गुरुकुल कांगड़ी १४—००
*२३ **आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री
इसमें शब्दानुशासन-सम्बन्धी हेमचन्द्र की विशेषताओं, उपलब्धियों और अभावों पर प्रकाश डाला गया है तथा पाणिनि एवं तदितर अनेक वैयाकरणों के साथ अनेक दृष्टियों से उनकी तुलना करते हुए विशद आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । अभिनव संस्करण १५—००

४९ **कृदन्तरूपमाला।** श्री श० राम सुब्रह्मण्य शास्त्री। प्रस्तुत ग्रन्थ में अकारादिक्रम से दशगणी-पठित धातुओं तथा उनके सन्नन्त-यङन्त रूपों से होने वाले सभी कृदन्त प्रत्ययों से निष्पन्न रूपों का स्वरूप प्रदर्शित हैं। टिप्पणी में सूत्र और सूत्र कार्य का भी उल्लेख है। संस्कृत व्याकरण का परमोपयोगी संग्रहणीय ग्रन्थ रत्न है। १-२ भाग २०—००

५० **कोविदानन्दः।** आशाधर भट्ट विरचित। स्वोपज्ञ कादम्बिनी व्याख्यायुत १—५०

*५१ **कौमुदी-कथाकल्लोलिनी। आचार्य रामशरणशास्त्री एम० ए०। गद्यकथानक के माध्यम से सिद्धान्तकौमुदी की तरह संस्कृत व्याकरण का सरल रूप से ज्ञान कराने वाला अभूत पूर्व मौलिक संस्कृत ग्रंथ** ८—७५

५२ **गणपाठः।** ०—६२

५३ **गणरत्न महोदधि।** वर्द्धमानकृत। सव्याख्या। एगेलिंग सम्पादित १५—००

५४ **गीर्वाणपदमञ्जरी।** वरदभट्ट कृत तथा **गीर्वाणवाङ्मञ्जरी।** ढुण्ढिकवीश्वर विरचित ८—००

५५ **गुजरातीस्वरव्यंजनमाला।** १—७५

५६ **गुरुप्रसादं तथा गुरुप्रसादशेषम्।** तातासुब्बाराय शास्त्रीकृत १-२ भाग १९—७५

*५७ **गूढाशुद्धिप्रदर्शनं-व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् (मध्यमा परीक्षोपयोगी)** ०—५०

५८ **गैरिकसूत्राणि।** जव्युपनामक गङ्गारामोन्नति वृत्ति, रघुनाथ शर्मा विरचित विवरण समेत १—००

५९ **गौरी व्याकरण।** मथुराप्रसाद दीक्षित १—२५

*६० GRAMMAR OF THE SANSKRIT LANGUAGE (INTRODUCTION TO THE) by H. H. Wilson (Chow. Sans. Studies Vol. XI) 20-00

६१ **चान्द्रव्याकरणम्।** चन्द्रगोमिन् कृत। १-२ भाग २७—००

६२ **चित्रप्रभा।** लघुशब्दरत्नव्याख्या। हरिशास्त्री कृत ४—००

६३ **जैनेन्द्रव्याकरणम्।** आचार्य अभयनन्द्याचार्य प्रणीत महावृत्ति सहित १५—००

६४ **जैनेन्द्रव्याकरणम्।** अभयनन्दिसूरिकृत वृत्ति सहित ५—००

६५ **तन्त्राधिकारनिर्णयः।** भट्टोजिदीक्षित कृत ०—५०

६६ **तिङन्तमञ्जरी।** धातुपाठ सहित ०—५६

६७ **तिङन्तार्णवतरणिकोशः।** (सिद्धान्तकौमुदी के धातुओं का अकारादि-क्रमेण ण्यन्तादि सहित धातुरूप संग्रहः) दुष्प्राप्य ५०—००

६८ **त्रिविधगोष्ठी** ०—५०

*६९ **देववाणी प्रवेशिका। कक्षा १-३ के बालक-बालिकाओं के लिए। रंग-बिरंगे चित्रों से सुसज्जित। सम्पादक—अनसूयाप्रसाद भट्ट। १-३ भाग** ३—२०
४-५ भाग **शीघ्र प्रकाशित होंगे**

७० **धर्मदीपिका।** व्याकरण-मङ्गलविजयकृत वृत्ति सहित ४—००

७१ **धातुपाठः।** पाणिनिमुनि विरचित। सटिप्पण ०—६२

*१०१ **परिभाषेन्दुप्रश्नपञ्जिका** (परिभाषेन्दुशेखर प्रश्नोत्तरी) ०—६५
१०२ **परिभाषेन्दुदीपिका** । हरिशंकर झा ०—७५
*१०३ **परिष्कारदर्पणः** । शास्त्रार्थकला सहित। वेणीमाधवशास्त्रीकृत सटिप्पण २—००
*१०४ PANINI : His Place in Sanskrit Literature. An Investigation of some Literary and Chronological Questions which may be settled by A Study of His Work by Theodor Goldstucker. (Chow. Sans. Studies Vol. XLVIII) 16—00
*१०५ **पाणिनिकालीन भारतवर्ष** । (पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन) डा० वासुदेवशरण अग्रवाल
अष्टाध्यायी के साथ ही महर्षि पाणिनिकालीन भारतीय जीवन तथा संस्कृति का भी विस्तृत प्रामाणिक अध्ययन। ग्रन्थान्त में ३००० शब्दों की अकारादि क्रमसूची। १५—००
१०६ **पाणिनि-परिचय** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ४—५०
१०७ **पाणिनिसूत्रव्याख्या** (सोदाहरणश्लोका) वीरराघवाचार्यकृत । १-२ भाग ३१—७५
१०८ **पाणिनीय धातुपाठ समीक्षा** । डा० भगीरथप्रसाद त्रिपाठी (वागीशशास्त्री) १८—५०
१०९ **पाणिनीयप्रदीपः** । १-२ भाग १—२४
११० **पाणिनीयप्रबोधः** । गोपाल शास्त्री दर्शनकेशरी कृत । १-२ भाग २—५०
१११ **पाणिनीय प्रवेशिका** । गिरिधरलाल व्यास १—५०
११२ **पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन** । डॉ० रामशंकर भट्टाचार्य १२—००
*११३ **पाणिनीयव्याकरणवादरत्नम्** । श्री सूर्यनारायणशुक्ल कृत । न्यास-परिष्कार प्रकरण १-२ भाग ५—०८
*११४ **पाणिनीयशिक्षा** । पञ्जिका भाष्य सहित समाप्त
*११५ **पाणिनीयशिक्षा** । सूर्यनारायणशुक्ल कृत प्रदीप व्याख्या तथा स्वरवैदिकप्रक्रियास्थ फक्किकाविवरण ०—४०
११६ **पाणिनीयसिद्धान्तकौमुदी** । मथुराप्रसादकृत हिन्दीटीकासहित। प्रथमभाग २—००
११७ **पालि-प्राकृत-व्याकरणम्** । मथुराप्रसाद विरचित १—५०
११८ **पालि-महाव्याकरण** । भिक्षु जगदीश काश्यप १०—००
११९ **पालिव्याकरण** । भिक्षु धर्मरक्षित २—५०
*१२० **पूर्वपक्षावली** । सुपरिष्कृता ०—२५
१२१ **पूर्वपाणिनीयम्** । ०—२५
१२२ **प्रक्रियाकौमुदी** । रामचन्द्र कृत प्रसाद टीका सहित। संपूर्ण। १-२ भाग २०—००
१२३ **प्रक्रियाकौमुदीविमर्शः** । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र विरचित ८—००
१२४ **प्रक्रियासर्वस्वम्** । नारायणभट्ट कृत । सटीक । ३-४ भाग ६—५०
१२५ **प्रक्रियासर्वस्वम्** । कुन्हनराजा सम्पादित ३—६२
*१२६ **प्रथमा-शब्द-धातुरूपसंग्रहः** । प्रथमा परीक्षा स्वीकृत शब्द-धातुरूपों का संग्रह ०—५०
*१२७ **प्रबन्धपारिजातः** । प्रो० रामचन्द्र मिश्र कृत (प्रबन्धोपयोगी) १—७५
१२८ **प्रबन्धप्रकाशः** । डा० मंगलदेव शास्त्री कृत । १-२ भाग ९—००

१२९ प्रबन्धप्रदीपः। हंसराज अग्रवाल। सुलभ संस्करण ५—०० राजसंस्करण ७—५०

*१३० प्रबन्धरत्नाकरः। [शास्त्री, आचार्य, बी० ए०, एम्० ए० आदि परीक्षोपयोगी शताधिक महत्त्वपूर्ण निबन्धों का संग्रह] डा० रमेशचन्द्र शुक्ल।
प्रस्तुत ग्रन्थ में उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों के लाभ की दृष्टि से दार्शनिक, साहित्यिक, भावात्मक, सामयिक आदि अनेक प्रकार के निबन्धों का गुम्फन किया गया है। प्रचलित निबन्ध-ग्रन्थों में माध्यमिक स्तर के निबन्ध ही प्रायः पाए जाते हैं अतः इसमें उच्च कक्षा के छात्रों के बौद्धिक स्तर के अनुरूप वर्ण्य विषय, भाषा, शैली, आकार आदि सभी में यत्किञ्चित् प्रौढ़ता रखी गई है। लेखन कला में छात्रों के लिये सहायक होने वाले प्रायः सभी तत्त्व इस निबन्ध-ग्रन्थ में प्राप्त हो जाते हैं। यह अपनी कोटि का प्रथम ग्रन्थ है। १६—५०

*१३१ प्रबन्धामृतम्। आचार्य रमाकान्त ठक्कुर। संस्कृत व्याकरण के महत्त्वपूर्ण एवं विवादग्रस्त विषयों पर विचारपूर्वक लिखे गये ये परमविद्वत्तापूर्ण उत्कृष्ट निबन्ध है। १—५०

१३२ प्रबोधचन्द्रिका। ३—००

*१३३ प्रयोगशास्त्रार्थकला। वेणीमाधवशास्त्रीकृत ०—२५

*१३४ प्रस्तावतरङ्गिणी (निबन्धोपयोगी ग्रन्थ) चारुदेव शास्त्री कृत ४—००

१३५ प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव। रामसिंह तोमर ८—००

१३६ प्राकृतकल्पतरुः। रामशर्माकृत। मनमोहन घोष संपादित १०—००

*१३७ प्राकृतप्रकाश। वररुचिकृत। भामहकृत 'मनोरमा' तथा म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित कृत 'चन्द्रिका' नामक संस्कृत-हिन्दी व्याख्या में ग्रंथ का आशय इतना सुस्पष्ट हो गया है कि उच्च कक्षा के छात्र स्वयं ग्रंथाशय का अनुशीलन कर सकते हैं ५—००

१३८ प्राकृतप्रकाशः। रामपाणिवादकृत वृत्ति सहित १०—००

*१३९ प्राकृतप्रबोध। डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री। हिन्दी माध्यम से प्राकृत व्याकरण के ज्ञान के लिए सर्वांगपूर्ण यह संस्करण प्रस्तुत किया गया है। अनुवाद और निबन्ध के लिए यह ग्रन्थ सर्वोत्तम है। ८—००

१४० प्राकृतप्रवेशिका। कोमलचन्द्र जैन ४—००

१४१ प्राकृत भाषाओं का व्याकरण। रिचर्ड पिशल। अनुवादक- डॉ० हेमचन्द्र जोशी २०—००

१४२ प्राकृतमणिदीपः। अप्पय दीक्षित प्रणीत व्याख्या सहित ७—५०

१४३ प्राकृत मार्गोपदेशिका। बेचरदास (हिन्दी) १०—००

*१४४ प्राकृतव्याकरण। आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र। प्राकृत के सभी अंगों पर प्रकाश डालने वाला राष्ट्रभाषा में प्रकाशित मौलिक ग्रन्थ ५—००

१४५ प्राकृतव्याकरणम्। हेमचन्द्राचार्य विरचित ६—००

*१४६ **प्राकृतव्याकरणवृत्तिः** । त्रिविक्रमदेव निर्मित सपरिशिष्ट ६—००
१४७ **प्राकृतशब्दानुशासनम्** । परशुरामशर्मा संपादित १०—००
१४८ **प्राकृतानन्द** । रघुनाथ कवि विरचित ४—२५
१४९ **प्रारंभिकपाणिनीयः** । विश्वनाथशास्त्री कृत १—००
१५० **प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी** । कपिलदेव द्विवेदी १—५०
१५१ **प्रारम्भिक संस्कृत व्याकरण** । बाबूराम सक्सेना विरचित १—००
*१५२ A PRACTICAL GRAMMER OF THE SANSKRIT LANGUAGE : By Monier Williams, M. A., D. C. L. (Chow. Sans. Studies Vol. XXI.) 20—00
*१५३ **प्रौढमनोरमा** । भट्टोजिदीक्षित कृत । शब्दरत्न–ज्योत्स्ना–कुचमर्दिनी व्याख्या–प्रभा–विभा टिप्पणी सहित । अव्ययीभावान्त १–३ भाग एक जिल्द ८—००
पञ्चसन्धिप्रकरणान्त प्रथम भाग ३—००
अजन्त पुँल्लिङ्गादि स्त्रीप्रत्ययान्त द्वितीय भाग ३—००
कारकादि अव्ययीभावान्त तृतीय भाग ३—००
*१५४ **प्रौढमनोरमा** । शब्दरत्न–भैरवी–भावप्रकाश–सरला टीका सहित अव्ययीभावान्त । पं० श्री गोपालशास्त्री नेने सम्पादित १४—००
*१५५ **प्रौढमनोरमा** । शब्दरत्न–भैरवी व्याख्या माधवशास्त्री भण्डारी कृत प्रभा टिप्पणी सहित । अव्ययीभावान्त समाप्त
*१५६ **प्रौढमनोरमा** । शब्दरत्न सहित । तत्पुरुषादि तिङन्तसन्नन्त-प्रक्रिया पर्यन्त १०—००
१५७ **प्रौढमनोरमा** । शब्दरत्नसहित । उत्तरार्ध । प्राचीन संस्करण-जीर्ण कागज–कुछ दीमक लगी २५—००
१५८ **प्रौढमनोरमा** । भट्टोजीदीक्षित विरचित । बृहच्छब्दरत्न-लघुशब्दरत्न व्याख्या सहित । संपादक–डा० सीताराम शास्त्री । प्रथम भाग ३०—००
१५९ **प्रौढमनोरमाखण्डनम्** । चक्रपाणिदत्तकृत २—००
१६० **प्रौढमनोरमा-शब्दरत्नम्** । हरिदीक्षित विरचित । सं० वेंकटेश लक्ष्मण जोशी । प्रथम भाग ३०—००
१६१ **प्रौढमनोरमा-शब्दरत्न-परिशिष्टम्** । सं०—श्री वेंकटेश लक्ष्मण जोशी ४—००
*१६२ **प्रौढमनोरमा–शब्दरत्न–प्रश्नोत्तरावली तथा व्याकरण–शास्त्री प्रश्नावली** । राजनारायण शास्त्रीकृत । अव्ययीभावान्त १—५०
१६३ **प्रौढ रचनानुवादकौमुदी** । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी १०—००
१६४ **फक्किकादर्शः** । विश्वनाथ झा १—२५
*१६५ **फक्किकाप्रकाशः** । (पङ्क्तिव्याख्यानम्) १—५०
*१६६ **फक्किकाप्रश्नोत्तरी** । परीक्षोपयुक्त पङ्क्तिव्याख्यानरूप ग्रन्थ १—५०
*१६७ **फक्किकारत्नमंजूषा** । ” ” कनकलालठाकुरकृत प्रथम भाग २—००
द्वितीय भाग समाप्त
*१६८ **फक्किकासरलार्थः** । सदाशिवशास्त्रीकृत प्रभा टिप्पणी सहित १—००

१६९ **बंगला पहिली पुस्तक।** गोपालचन्द्र चक्रवर्त्ती ०—६०
१७० **बंगला दूसरी पुस्तक।** गोपालचन्द्र चक्रवर्ती ०—८५
१७१ **बंगलापाठमाला।** गोपालचन्द्र चक्रवर्ती ०—६०
१७२ **बटुतोषिणी।** हरिशङ्कर झा १—००
*१७३ **बनारस प्रथमा सोत्तरा प्रश्नावली।** २—५०
१७४ **बालव्याकरणम्।** सी० ईश्वर शास्त्री १—५०
१७५ **बालसंस्कृतप्रभा** (बालोपयोगी) ०—५०
*१७६ **बिहार सोत्तरा प्रथमा प्रश्नावली।** २—००
१७७ **बी० ए० संस्कृतप्रश्नोत्तर (सन् १९५६ से १९६५) प्रथम वर्ष** ५—००
द्वितीय वर्ष ५—५०
१७८ **बृहच्छब्देन्दुशेखरः।** डॉ० सीताराम शास्त्री संपादित। १-३ भाग ४५—००
१७९ **बृहद् अनुवादचन्द्रिका।** चक्रधर हंस नौटियाल १५—००
*१८० **भट्टिकाव्यम्।** शेषराजशास्त्रीकृत विद्योतिनी संस्कृत-हिन्दीटीका सहित १-६ सर्ग ४—००, ७-११ सर्ग ४—००, १-११ सर्ग ८—००, १२-२२ सर्ग ५—५०, १-२२ सर्ग संपूर्ण १३—५०
१८१ **भागवृत्ति-संकलनम्।** भर्तृहरि (विमलमति) विरचित अष्टाध्यायी की प्राचीनवृत्ति। युधिष्ठिर मीमांसक संकलित ३—००
१८२ **भाषाशास्त्रप्रवेशिनी** २—५०
१८३ **भूषणसारचन्द्रिका।** हरिशंकरझा ०—७५
१८४ **भूषणसारप्रकाश।** शुकदेव झा ०—७५
१८५ **मंगोल भाषा का व्याकरण।** (डॉ० रघुवीर सम्पादित मङ्गोलपिटक **आराज्ञिबोजि** की भूमिकारूप मंगोल भाषा का व्याकरण—और उसका नवीन शैली से विवेचन) ३५—००
*१८६ **मध्यमा व्याकरण सोत्तरा प्रश्नावली।** संज्ञाप्रकरणादि-स्त्रीप्रत्ययान्त प्रथम खण्ड १—७५, कारकादि-चातुरर्थिकान्त द्वितीय खण्ड १—७५, शैषिकादि-जुहोत्यायन्त तृतीय खण्ड २—२५, दिवाद्यादि उत्तरकृदन्त पर्यन्त चतुर्थ खण्ड २—७५, संपूर्ण १-४ खण्ड ८—५०
*१८७ **मध्यसिद्धान्तकौमुदी।** सुधा-इन्दुमती संस्कृत हिन्दी टीका सहित ५—००
१८८ **मध्यसिद्धान्तकौमुदी।** मूलमात्र ३—००
*१८९ **मध्यकौमुदीरहस्यम्। (मध्यकौमुदी प्रश्नोत्तरी)** २—५०
१९० **मनोरमारत्नविवेक।** हरिशङ्कर झा १—५०
१९१ **मराठी सीखो।** श्री निवास बाला जी हर्डीकर १—४०
१९२ **महर्षि दयानन्द की पद-प्रयोग शैली।** (महर्षि दयानन्द द्वारा प्रयुक्त पदों का साधुत्व विवेचन) युधिष्ठिर मीमांसक १—५०
*१९३ **महाभाष्यम् (पातञ्जल)। म० म० श्री गिरिधरशर्मा सम्पादित व्याकरणशास्त्र इतिहासात्मक विस्तृत भूमिका सहित प्रदीप-उद्द्योत-तत्त्वालोक टीकात्रय विभूषित। नवाह्निकम्** १५—००
१९४ **महाभाष्य पस्पशाह्निक।** के० राय संपादित। आंग्लानुवाद सहित ५—००

१९५ **महाभाष्यम्** । प्रदीप-उद्योत व्याख्या सहित । संपूर्ण ।

१–५ भाग में सजिल्द ८०—००

१–१० भाग में अजिल्द ७५—००

नवाह्निक १५—००, प्रथमाध्याय (३ से ४ पाद) ८—००

द्वितीयाध्याय ७—००, तृतीयाध्याय ८—००, चतुर्थाध्याय ७—००

पञ्चमाध्याय ७—००, षष्ठाध्याय ९—००, सप्तमाध्याय ७—००

अष्टमाध्याय ७—००

१९६ **महाभाष्य-प्रदीपोद्योत** । प्रथमाह्निक से तृतीयाध्याय चतुर्थपाद प्रथमाह्निक तक ३१—५०

१९७ **महाभाष्यं नवाह्निकम्** । कीलहार्न संस्करण । के० वी० अभ्यंकर संपादित । मूलमात्र ४—००

१९८ **महाभाष्य** । एफ० किलहार्न सम्पादित । सटिप्पण । १–२ भाग ४०—००

१९९ **महाभाष्यम्** । कैयटकृत प्रदीप अन्नंभट्टकृत प्रदीपोद्द्योतन टीका सहित (नवाह्निक) १–२ भाग २०—७५

२०० **महाभाष्यम्** । मूल तथा वासुदेव शास्त्री अभ्यङ्कर प्रणीत मराठी टीका सहित । १ से ६ भाग १००—००

१०१ **महाभाष्य–अङ्गाधिकारः** । प्रदीप–उद्द्योत सहित । १–२ भाग ६—५०

२०२ **महाभाष्य** । हिन्दी टीका सहित । १–५ आह्निक १०—००

५–९ आह्निक १७—०० नवाह्निक १–२ भाग २७—००

*२०३ **महाभाष्यम्** । सप्रदीप 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम् । आचार्य युधिष्ठिरमीमांसक सम्पादित ऐतिहासिक बृहद् भूमिकादि सहित । महाभाष्य सरल संस्कृत भाषा का निदर्शन होते हुए भी आशय की दृष्टि से गंभीर ग्रन्थ है । प्रस्तुत संस्करण में भाषान्तर करते हुए भी भाष्याशय को सुस्पष्ट करने का सर्वत्र प्रयास किया गया है । पूर्वापर संगति तथा भाष्यकार के अभिप्राय के स्पष्टीकरण के लिए प्रदीप (कैयट) संस्कृत व्याख्या सहित महाभाष्य की विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या की गई है । क्लिष्ट पदों का सुविस्तृत अर्थनिर्देश तथा विग्रह भी दिया गया है । अतः यह संस्करण विशेष रूप से उपयोगी है । ग्रन्थगत कोई भी अभिप्राय अविदित नहीं रह जाता । संस्कृत व्याकरण के छात्रों तथा अध्यापकों के हित की दृष्टि से महाभाष्य १–९ आह्निक का यह संस्करण सर्वोत्तम है । प्रथम आह्निक (पस्पशाह्निक) मात्र २—००

१–४ आह्निक ८–००, १–५ आह्निक १०–००

६–९ आह्निक भी शीघ्र प्राप्त होंगे

प्रथमाध्याय द्वितीयपादादि से अष्टमाध्याय पर्यन्त यन्त्रस्थ

२०४ **महाभाष्य टीका** । भर्तृहरि विरचित । संपादक वी० स्वामिनाथन् । १–४ आह्निक - प्रथम भाग ७—००

*२०५ महाभाष्यप्रकाशः। (प्रश्नोत्तरी) ०—७५
२०६ **महाभाष्यकुञ्जिका**। हरिशंकर झा १—५०
२०७ **महाभाष्य-शब्दानुक्रमणिका**। श्रीधरशास्त्री पाठक कृत १५—००
२०८ **महाभाष्यादर्शः**। शुकदेव झा १—२५
*२०९ माधवीयधातुवृत्तिः। सायणाचार्य कृत १०—००
२१० **माध्यमिक संस्कृत रूपावलिः**। रमेशकुमार भट्ट १—००
*२११ मानक हिन्दी व्याकरण। आचार्य रामचन्द्र वर्मा। इस व्याकरण का उद्देश्य राष्ट्रभाषाप्रेमियों को बहुत सहज में और मनोरंजक ढंग से शुद्ध हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना है २—००
२१२ **मुग्धबोधव्याकरणम्**। वोपदेव कृत। रामतर्कवागीश कृत व्याख्या सहित। १-७ खंड ५—२५
२१३ **रचनानुवादकौमुदी**। कपिलदेव द्विवेदी ३—८०
२१४ **राजोपदेशः**। (सचित्र) हंसराज अग्रवाल २—००
*२१५ राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण। (प्रथम परीक्षोपयोगी) १—२५
*२१६ रूपचन्द्रिका। (लघुकौमुदी में आए हुए तथा उनके समान और भी शब्दों तथा धातुओं की रूपावली) २—४०
२१७ **रूपमाला**। शिवदत्त मिश्र विरचित। १-३ व ५ भाग ३—३०
२१८ **रूपावतारः**। धर्मकीर्ति प्रणीत। १—२ भाग ११—२५
*२१९ लघुजूटिका। (अभिनव परिभाषेन्दुशेखरपरिष्कृति) ०—५०
२२० **लघुधातुरूपसंग्रहः** ०—३७
२२१ **लघुनिबन्धमणिमाला**। श्रुतिकान्त विरचित १—५०
२२२ **लघुभाष्यम्**। सरस्वतीकृत ६—००
*२२३ लघुशब्देन्दुशेखरः। नागेशभट्टकृत। श्रीखुद्दीझाकृत नपदान्तपर्यंत नागेशोक्तिप्रकाश टीका सहित ३—००
*२२४ लघुशब्देन्दुशेखरः। म० म० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय कृत शेखरदीपक टीका सहित। अव्ययीभावान्त १२—००
*२२५ लघुशब्देन्दुशेखरः। भैरवी टीका। सम्पूर्ण समाप्त
*२२६ लघुशब्देन्दुकला (शब्देन्दुशेखर प्रश्नोत्तरी)। प्रबन्धलेख परिशिष्टसहित १—२५
२२७ **लघुशब्देन्दुशेखरः**। गुरुप्रसाद सम्पादित अव्ययीभावान्त षट्टीकोपेतः समाप्त
*२२८ लघुशब्देन्दुशेखरव्याख्या—सदाशिवभट्टी। समाप्त
*२२९ लघुसारस्वतव्याकरणम्। (बिहार, संस्कृत विश्वविद्यालय 'प्रवेशिका' परीक्षा पाठ्यपुस्तक) सं० गणेशदत्त मिश्र ०—५०
*२३० लघुसिद्धान्तकौमुदी। कनकलाल कृत बालबोधिनी टीका सहित ०—७५
*२३१ लघुसिद्धान्तकौमुदी। इन्दुमती संस्कृत-हिन्दीटीका नोट्स तथा १२ प्रकार के बालकोपयोगी परिशिष्टों से विभूषित। उत्तम संस्करण २—००

*२३२ **लघुसिद्धान्तकौमुदी**। सुधा संस्कृतटीका प्रत्येक प्रयोग शब्द-धातुरूप साधनिका, परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर लेखनप्रकार परिशिष्ट सहित
अजिल्द ३—०० सजिल्द ३—७५

*२३३ **लघुसिद्धान्तकौमुदी**। नवीन शिक्षण पद्धति पर आधारित वैज्ञानिक विवेचनात्मक एवं विशद 'माहेश्वरी' नामक हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार : महेशसिंह कुशवाहा। पुस्तक की व्याख्या बहुत ही सुबोध और आधुनिक शैली में प्रस्तुत की गई है। विशेषता यह है कि व्याख्या में वृत्ति का अर्थ न देकर सूत्र का अर्थ दिया गया है। प्रत्येक सूत्र का विभक्तिनिर्देश कर पहले शब्दार्थ और फिर अनुवृत्ति देकर उसका भावार्थ दिया गया है। अन्त में उपयुक्त उदाहरण देकर उस अर्थ को पुष्ट किया गया है। सूत्र में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों और प्रत्याहारों को प्रचलित शब्दों में प्रकट किया गया है। अनेकों आलोचनात्मक, विवेचनात्मक टिप्पणियां दी गई हैं। व्याख्या सरल होने के साथ ही प्रामाणिक भी है क्योंकि उसका आधार वृत्ति न होकर महाभाष्य, काशिका आदि आर्षग्रन्थ हैं। संपूर्ण ग्रंथ-आलोचनात्मक भूमिकादि सहित १२—५०

संज्ञाप्रकरणादि विसर्गसन्ध्यन्त (सन्धिप्रकरण) भूमिका सहित ३—००

२३४ **लघुसिद्धान्तकौमुदी**। वैलेण्टाइन कृत आंग्लानुवाद सहित १२—००

*२३५ **लघुकौमुदीप्रयोगसूची**। अमृता टिप्पणी सहित ०—३५

*२३६ **लघुकौमुदी सोत्तराप्रयोगसूची**। प्रयोगार्थसहित इन्दुमती टिप्पणी विभूषित ०—६५

*२३७ **लघुकौमुदी-सोत्तरा-प्रश्नावली** २—००

*२३८ **लघुसिद्धान्तचन्द्रिका**। (बिहार, संस्कृत विश्वविद्यालय 'प्रवेशिका' परीक्षा पाठ्यपुस्तक) सं० गणेशदत्त मिश्र ०—५०

२३९ **लिङ्गबोधव्याकरणम्** ०—२४

२४० **लिङ्गवचनविचारः**। दीनबन्धु कृत ४—००

२४१ **लिङ्गानुशासनम्**। दुर्गासिंह कृत ८—००

२४२ **लिङ्गानुशासनम्**। वामन कृत। स्वोपज्ञवृत्ति सहित २—००, ३—५०

२४३ **लिंगानुशासनवर्गः**। सुकुन्द शर्मा विरचित। 'विमला' संस्कृत व्याख्या-टिप्पणी सहित १२—००

*२४४ **लौकिकन्यायशास्त्रार्थकला** तथा **कूटशास्त्रार्थकला**। ०—७५

*२४५ **वाक्यपदीयम्**। ब्रह्मकाण्ड। सूर्यनारायणशुक्लकृत संस्कृत-हिन्दी टीका ५—००

२४६ **वाक्यपदीय** । वृत्ति वृषभदेव कृत पद्धति सहित । के० ए० सुब्रह्मण्य आय्यर संपादित । प्रथम काण्ड २५—००

२४७ **वाक्यपदीयम्** । प्रथमो भागः (ब्रह्मकाण्डम्) रघुनाथशर्मणा विरचित अम्बाकर्त्री व्याख्या सहित १०—००

*२४८ वाक्यपदीयम् । तृतीयकाण्ड । हेलराज टीका सहित । ४-८ खण्ड, कालसमुद्देश से वृत्तिसमुद्देश पर्यन्त १०—००

२४९ **वाक्यपदीयम्** । हेलराजकृत व्याख्या । तृतीय काण्ड । द्वितीय भाग मात्र ३—२५

२५० **वाक्यपदीयम्** । हेलराज कृत व्याख्या सहित । तृतीय काण्डस्य प्रथम-भागः । के० ए० सुब्रह्मण्य आयर सम्पादित २५—००

२५१ **वाक्यपदीयम्** । भर्तृहरि विरचितम् । काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर-विष्णु प्रभाकर लिमये सम्पादित । संपूर्ण २५—००

२५२ **वाक्यमुक्तावली** । चारुदेव शास्त्री । हिन्दी टीका सहित ३—००

२५३ **वादार्थसंग्रहः** । १-४ भाग ४—५०

*२५४ विभक्त्यर्थनिर्णयः । म. म. श्री गिरिधरोपाध्याय कृत ५०—००

२५५ **वृत्तिदीपिका** । मौनी श्रीकृष्ण भट्ट कृत । पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी २—००

२५६ **वेदाङ्गप्रकाशः** । सन्धिविषय १—०० नामिक ०—७५ कारकीय ०—६२ सामासिक ०—६२ आख्यातिक ५—०० सौवर ०—३७ पारिभाषिक ०—७५ अव्ययार्थ ०—२५ धातुपाठ ०—६२ वर्णोच्चारण शिक्षा ०—२० स्त्रैणतद्धित १—९० उणादिकोश १—८० गणपाठ ०—६२ निघण्टु १—२५

*२५७ हिन्दी वैदिक व्याकरण । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय । बी० ए० तथा एम० ए० पाठ्यक्रमानुसार इस ग्रंथ में वेद के सुबोध व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय में समाधान तथा क्रियारूपों का एक लघुकोश भी प्रकाशित किया गया है २—००

२५८ **वैदिक व्याकरण** । डॉ० रामगोपाल । प्रथम भाग १५—००

२५९ **वैदिक-व्याकरण-भास्कर** । गोविन्दलाल वंसीलाल-रुद्रमिश्र शास्त्री विरचित । हिन्दी टीका सहित अजिल्द ५—०० सजिल्द ६—००

*२६० वैयाकरणभूषणनिबन्धसंग्रह नामतिङर्थवादसार तथा भूषणव्याख्या । ०—२५

*२६१ वैयाकरणभूषणसारः । गोपालशास्त्री नेने कृत अभिनव सरला-सुबोधिनी टीकाद्वय सहित २—५०

*२६२ वैयाकरणभूषणसारः । दर्पण-भैरवी (परीक्षा टीका) द्वयसहित १५—००

*२६३ वैयाकरणभूषणसारः । प्रभा-दर्पणव्याख्याद्वयोपेत । श्री सभापति शर्मोपाध्याय सम्पादित यन्त्रस्थ

२६४ **वैयाकरणभूषणसारः** । शांकरी व्याख्या सहित ८—५०

२६५ **वैयाकरणसिद्धान्तकारिका** । भट्टोजिदीक्षित कृत १—००

*२६६ **वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा। 'रत्नप्रभा' व्याख्योपेता।**
व्याख्याकार–पं० श्री सभापति शर्मोपाध्याय
इस दुरूह ग्रन्थ की रत्नप्रभा व्याख्या में समस्त मतमतान्तरों का हृदय-स्पर्शी मार्मिक युक्ति-प्रमाणों द्वारा जो निराकरण तथा विवेचन किया गया है वह अभूतपूर्व है। तात्पर्यनिरूपणान्त भाग। नवीन संस्करण १२—००

*२६७ **वै० सि० लघुमञ्जूषारहस्यम्। (वै० सि० लघुमञ्जूषा प्रश्नोत्तरी)** १—००

*२६८ **व्यवहार्यशब्दसरोवरः। प्रथमा परीक्षोपयोगी** ०—६२

२६९ **व्याकरण-कारिकाप्रकाश।** सुदर्शनदेव शास्त्री विरचित १—२५

२७० **व्याकरणतत्त्वप्रकाश।** रामनारायण दास शास्त्री ४—५०

२७१ **व्याकरण दर्शन पीठिका।** रामाज्ञा पाण्डेय विरचित ४—००

२७२ **व्याकरणदर्शन भूमिका।** रामाज्ञा पाण्डेय ५—००

२७३ **व्याकरणप्रदीप** (Sanskrit Grammar and Composition Made Easy) एम. के. सरकार—सन्त गोकुल चन्द्र शास्त्री ६—००

*२७४ **व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास। श्री रमाकान्त मिश्र।**
वैदिक काल से लेकर व्याकरण शास्त्र का इतिहास क्रमशः पूर्वपाणिनि-काल, त्रिमुनि-काल, व्याख्या-काल और प्रक्रिया-काल के क्रम से सुव्यवस्थित रूप से वर्णित है। प्रायः सभी सम्प्रदायों का वर्णन इसके अन्तर्गत हो गया है। अत्युपयोगी संस्करण है। ४—००

२७५ **व्याकरण-साहित्य-प्रकाश** (व्याकरण अनुवाद-निबन्ध-पत्र और छन्द अलङ्कारों की पुस्तक) नारायण शास्त्री काङ्कर १५—००

*२७६ **व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधिः। (पाणिनीय अष्टाध्यायी भाष्य-व्याख्यानरूपा) श्री विश्वेश्वरसूरि विरचित** ३७—५०

*२७७ **व्युत्पत्तिप्रदर्शनं–गूढाशुद्धिप्रदर्शनम्। मध्यमापरीक्षोपयोगी** ०—५०

*२७८ **व्युत्पत्तिवादः। वेणीमाधवशास्त्री कृत (शास्त्रार्थ परीक्षोपयोगी) शास्त्रार्थकला टीका सहित** यन्त्रस्थ

२७९ **व्युत्पत्तिवादः।** जयदेवमिश्र कृत जया टीका ५—००

२८० **व्युत्पत्तिवादः लकारार्थविचारः।** विवरणयुक्त सुब्रह्मण्यशास्त्री कृत ७—५०

२८१ **व्युत्पत्तिवादतरणिः।** (व्युत्पत्तिवाद प्रश्नोत्तरी) ०—८७

*२८२ **शक्तिवादः। गदाधरभट्टाचार्यकृत। हरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्यकृत हरिनाथी टीका सहित** ५—००

*२८३ **शक्तिवादः। टीकात्रय सहित। कृष्णभट्टकृत मंजूषा, माधवभट्टकृत विवृति, गोस्वामी दामोदरशास्त्री कृत विनोदिनी व्याख्या** ५—००

२८४ **शक्तिवादः।** सुदर्शनाचार्यकृत आदर्शटीका ५—४०

*२८५ **शब्दकौस्तुभः। भट्टोजिदीक्षितकृतः। (पतञ्जलिप्रणीतमहाभाष्यस्थानामंशानां युक्तिप्रयुक्तिभिः साधनाय प्रणीतोऽतिविस्तृतग्रन्थः)** ३०—००

*२८६ **शब्दकौस्तुभः। " " नवाह्निक मात्र** १२—००

२८७ **शब्दतत्त्व प्रबोधिनी।** अजन्त शब्दमाला–समासमालात्मिका ०—४४

२८८ **शब्दमञ्जरी।** मूल ०—८५

२८९ **शब्दमञ्जरी** । शब्दार्थ कोश सहित १—१५
*२९० **शब्दरूपावली** । (१०० शब्दों की रूपावली) एकाक्षरीकोशसहित ०—३५
२९१ **शब्दानुशासनं** । आचार्य मलयगिरि विरचित । स्वोपज्ञ वृत्ति युत । सं० बेचरदास जीवराज दोशी ३०—००
२९२ **शब्दापशब्दविवेकः** । चारुदेव शास्त्री कृत ५—००
२९३ **शब्देन्दुसुधा** । हरिशंकर झा १—५०
२९४ **शाकटायनव्याकरणम्** । यक्षवर्मकृत टीका सहित समाप्त
२९५ **शास्त्रार्थ रत्नावली** । जयदेव मिश्र कृत ३—००
२९६ **शिक्षासूत्राणि** । आपिशलि-पाणिनि-चन्द्रगोमिकृत १—५०
२९७ **संक्षिप्त हिन्दी व्याकरण** । कामता प्रसाद २—५०
२९८ **संशोधन मुक्तावली** । वा० वी० मिराशी । १-५ भाग २१—००
२९९ **संशोधन लेख संग्रह** (पहिला भाग) ले० हरिनारायण नेने (मराठी) ४—००
३०० **संशोधनाञ्जलि** । (मराठी) देवीदास गोविंद लांडगे ५—००
३०१ **संस्कृत अनुवाद** । व्याकरण तथा रचना । यदुनन्दन मिश्र-आशुतोष पाण्डेय । भाग चतुर्थ मात्र २—७५
३०२ **संस्कृत अनुवाद-रचना-प्रबोध** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २—००
३०३ **संस्कृत एम० ए० प्रश्नपत्र** । ३—५०
३०४ **संस्कृतगद्यमञ्जरी** । चन्द्रशेखर पाण्डेय २—५०
३०५ **संस्कृतनिबन्धमाला** । सी० मिश्रा । १-२ भाग ४—००
३०६ **संस्कृत निबन्धावली** । डा० रामजी उपाध्याय ३—५०
३०७ **संस्कृत पठनपाठन की अनुभूत सरलतम विधि** । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु १—५०
३०८ **संस्कृतपत्रप्रबोधः** ०—२५
*३०९ **संस्कृत-पाठमाला** । महापण्डित राहुल सांकृत्यायन । १-५ भाग ४—१५
प्रथम भाग ०—६० द्वितीय भाग ०—८५ तृतीय भाग ०—८५ चतुर्थ भाग ०—८५ पञ्चम भाग १—००
३१० **संस्कृतपाठमाला** । १-२४ भाग । सातवलेकर कृत १४—४०
*३११ **संस्कृतप्रकाश** । श्री कुबेरनाथ द्विवेदी । इलाहाबाद बोर्ड द्वारा हाइस्कूल एवं इंटर परीक्षा में निर्धारित संस्कृत व्याकरण का अत्यन्त सरल, सुबोध एवं परीक्षोपयोगी पाठ्य ग्रंथ २—५०
*३१२ **संस्कृत-प्रथम पाठ—Sanskrit First Lessons : By Dr. J. R. Ballantyne.**
हिन्दी अनुवाद सहित । अनु०-श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय एम० ए०
मूल अंग्रेजी के साथ सरल हिन्दी अनुवाद युक्त यह संस्करण संस्कृत में प्रवेश चाहने वालों के लिए अतीव उपयोगी है । संस्कृत व्याकरण और रचना का प्रारम्भिक ज्ञान इसमें सुविचारित वैज्ञानिक विधि से गुम्फित है । ३—००
३१३ **संस्कृत प्रथम पुस्तक** । रामबिहारीलाल २—००
३१४ **संस्कृत द्वितीय पुस्तक** । रामबिहारीलाल ३—५०
३१५ **संस्कृतप्रथमा-सोपानम्** । चौधरी रामचन्द्र प्रसाद प्रणीत १—५०

३१६ **संस्कृतप्रबन्धप्रदीपः।** हंसराज अग्रवाल विरचित ५—००
३१७ **संस्कृतप्रवेशिनी।** मद्रास मुद्रित ०—५०
३१८ **संस्कृतप्रौढपाठावलिः।** महालिङ्ग शास्त्री ०—७५
३१९ **संस्कृतबालादर्शः।** ०—९० **संस्कृतप्रथमादर्शः।** १—१५ द्वितीयादर्श १—२५
तृतीयादर्श १—५०
३२० **संस्कृतबोध।** पलटू झा। प्रथम भाग समाप्त द्वितीय भाग १—५०
३२१ **संस्कृतमध्यमपाठावलिः।** महालिङ्ग शास्त्री ०—७५

*३२२ **संस्कृत रचना।** 'Students' Guide to Sanskrit Composition श्री आप्टे रचित का हिन्दी रूपान्तर। अनुवादक-श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय एम० ए०
शुद्ध एवं मुहावरेदार संस्कृत बोलने और लिखने की क्षमता अनायास प्राप्त कराने में यह पुस्तक बेजोड़ है। संस्कृत रचना के क्षेत्र में इस जैसी अन्य कोई पुस्तक नहीं है। ४—००

*३२३ **संस्कृतरचनानुवादशिक्षकः।** आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि (सन्धि, धातुरूप आदि से परिवर्द्धित नवीन तृतीय संस्करण) २—००

*३२४ **संस्कृतरचनाप्रकाशः।** प्रो० रमाकान्त द्विवेदी एम. ए. १—६५
३२५ **संस्कृत लेखमुक्तावली।** बलवन्त कृत। १-५ भाग १—५०
३२६ **संस्कृत व्याकरण।** डा० कपिलदेव द्विवेदी आचार्य १२—५०

*३२७ **संस्कृतव्याकरणम्।** (दरभंगा तथा वाराणसी उभय विश्वविद्यालय परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) पं० रामचन्द्र झा। सरल सुबोध संस्कृत-हिन्दी भाषा में संस्कृत व्याकरण की अद्वितीय सरलतम पुस्तक। रचनानुवाद खण्ड तथा संस्कृत-हिन्दी निबन्ध खण्ड सहित परिवर्द्धित बृहत् संस्करण ३-००

३२८ **संस्कृत व्याकरण कल्पलता।** पं० महेन्द्र झा १—५०

*३२९ **संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका।** ईश्वरचन्द्र विद्यासागर। सम्पादक : गोपालचन्द्र शास्त्री। घर बैठे सरल रूप में संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यह पुस्तक अद्वितीय है १—२५

*३३० **संस्कृत-व्याकरणकौमुदी।** (बिहार की मध्यमा परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) १-४ भाग। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर। सम्पादक : गोपालचन्द्र शास्त्री। सांगोपांग संस्कृत व्याकरण जानने वालों के लिये यह ग्रन्थ अद्वितीय है। ८—००

*३३१ **संस्कृतव्याकरणप्रबोध।** प्रथम भाग २—०० द्वितीय भाग ३—५०
१-२ भाग ५—५०

३३२ **संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका।** अनन्तरामशास्त्री कृत ०—७५
३३३ **संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका।** बाबूराम सक्सेना ५—५०
३३४ **संस्कृत व्याकरण में गणपाठ की परम्परा और आचार्य पाणिनि।** श्री कपिलदेव साहित्याचार्य ८—००

३३५ **संस्कृत व्याकरण रचना तथा अन्य निबंध।** डॉ० रामजी उपाध्याय ६—००, १०—००

३३६ **संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास।** युधिष्ठिर मीमांसक।
प्रथम भाग। परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण १५—००
द्वितीय भाग १५—०० १-२ भाग ३०—००

*३३७ **संस्कृत-व्याकरणोदयः।** श्री जयमन्त मिश्र। बिहार के विश्वविद्यालयों की विभिन्न परीक्षाओं में स्वीकृत। परिष्कृत परिवर्द्धित नवीन संस्करण ४—५०

३३८ **संस्कृतशब्दरूपकोशः।** कृष्णाजी भास्कर वीरकर १—००

३३९ **संस्कृत शिक्षण।** रामसकल पाण्डेय ४—५०

३४० **संस्कृतशिक्षा।** जीवारामकृत। १-६ भाग ३—६२

*३४१ **संस्कृतशिक्षावाटिका।** द्वितीय भाग ०—६५ तृतीय भाग ०—६५
चतुर्थभाग ०—७५ २-४ भाग २—००

३४२ **संस्कृतशिक्षाविधिः।** गौरीशंकर ३—२५

३४३ **संस्कृतसरलप्रबन्धप्रकाशः।** वी० अनन्ताचार्य १—००

*३४४ **संस्कृतस्वयंशिक्षकप्रभा।** गौरीशंकर शास्त्री कृत ०—७०

३४५ **संस्कृत-हिन्दी-व्याकरणसार।** (दस दिन में संस्कृत) रचना और शब्द कोश के साथ। श्री जगदीश झा १—७५

३४६ **संस्कृतानुवाद निबन्धादर्श।** पूर्णानन्द कृत १—५०

*३४७ **संस्कृतालोकः।** (सचित्र) पं० रामबालक शास्त्री। बालकों के मानसिक स्तर, पाठ्यक्रम आदि अनेक बातों का विमर्श करके अनोखी शैली में लिखित प्रस्तुत पुस्तक द्वारा बालकों को संस्कृत का सद्यः बोध हो जाता है। प्रथम किरण ०—६० द्वितीय किरण ०—६० तृतीय किरण ०—७५ १—३ किरण १—६५

३४८ **संस्कृतोपक्रमपाठावलिः।** महालिङ्ग शास्त्री ०—६२

*३४९ **सज्जनेन्द्रप्रयोगकल्पद्रुमः।** धर्माधिकारी कृष्णपण्डितकृत २—५०

*३५० **सन्धिचन्द्रिका।** कारक,समास,कृदन्त,तिङन्त, व्युत्पत्तिप्रदर्शन सहित १—००

३५१ **समास कुवलयाकर।** गोविन्द शास्त्री ०—५६

३५२ **समास कुसुमाञ्जलि।** ०—३७

३५३ **समास दर्पण।** ०—२५

३५४ **संभोट व्याकरण (तिब्बती भाषा का व्याकरण)।** के० अङ्गरूप लाहुली कृत। हिन्दी अनुवाद सहित १२—००

३५५ **सन्धि-समास-मञ्जूषा।** मथुराप्रसाद दीक्षित २—००

*३५६ **समासचक्रम्।** ब्रह्मदत्तमिश्रकृत टिप्पणी सहित ०—२०

३५७ **सरलप्रबन्धप्रकाशः।** डा० मंगलदेव शास्त्री कृत १—५०

३५८ **सरल बंगला शिक्षा।** गोपालचन्द्र चक्रवर्ती २—००

३५९ **सरल संस्कृतशिक्षा।** प्रथम भाग। रामदत्त त्रिपाठी ०—५०

३६० **सरल संस्कृत शिक्षा।** मोहनलाल जैन शास्त्री। १-४ भाग २—३३

३६१ **सरस्वतीकण्ठाभरण-व्याकरण**। भोजदेवकृत। नारायणदण्डनाथकृत टीका। चतुर्थ भाग मात्र ४—५०

*३६२ **सादृश्यशास्त्रार्थकला**। लः कर्मशास्त्रार्थकला ०—२०

३६३ **सारस्वतपूर्वपक्षावली**। ०—२५

३६४ **सारस्वतव्याकरणम्**। अनुभूति स्वरूपाचार्य कृत। वृत्तित्रयात्मक ३—२५

*३६५ **सारस्वतव्याकरणम्**। 'बालबोधिनी' 'इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पूर्वार्द्ध १—००

*३६६ **सारस्वतव्याकरणम्**। चन्द्रकीर्तिसूरिप्रणीत चन्द्रकीर्तिनाम्नी सुबोधिका, वासुदेवभट्टकृत प्रसाद टीका, नवकिशोरशास्त्रीकृत मनोरमा विवृति तथा सटीक लिङ्गानुशासन सहित पूर्वार्ध ८—०० उत्तरार्ध ५—०० १-२ भाग संपूर्ण १३—००

३६७ **सारस्वतव्याकरणम्**। माधवी टीका ५—१०

३६८ **सारस्वतव्याकरणम्**। सुबोधिनी भाषा टीका। पूर्वार्ध ६—००

*३६९ **सिद्धान्तकौमुदी**। भट्टोजिदीक्षितकृत। गोपालशास्त्री नेने संपादित सूत्राङ्क-धात्वङ्क-सूच्यादि सहित (मूल जेबी गुटका) ३—५०

*३७० **सिद्धान्तकौमुदी-बालमनोरमा** व्याख्या। गोपालशास्त्री नेने कृत परीक्षोपयोगी रूपलेखनप्रकार-पङ्क्तिलेखनप्रकार आदि विविध परिशिष्ट सहित। कारकान्त प्रथम भाग ३—५० समासादि द्विरुक्तान्त द्वितीय भाग ३—५० भ्वाद्यादि चुराद्यन्त तृतीय भाग ३—०० ण्यन्तादि समाप्त्यन्त चतुर्थ भाग ३—५०
पूर्वार्द्ध ७—०० उत्तरार्द्ध ६—५० संपूर्ण ग्रन्थ १३—००

३७१ **सिद्धान्तकौमुदी**। तत्त्वबोधिनी टीका सटिप्पण १२—००

३७२ **सिद्धान्तकौमुदी**। मीमांसक गिरधर कृत संस्कृत टीका सहित (इको गुण-वृद्धी सूत्र पर्यन्त) १—००

३७३ **(वैयाकरण) सिद्धान्तकौमुदी**। सभापति शर्मोपाध्याय कृत लक्ष्मी व्याख्या सहित। १-२ भाग ३५—००

३७४ **सिद्धान्तकौमुदी प्रतिसंस्कृता**। विशेषविवृत्तिसहिता। सोमनाथ शर्मा विरचिता १७—००

*३७५ **सिद्धान्तकौमुदीपङ्क्तिपदार्थविवरणरूपा भावबोधिनीनाम्नी विस्तृत टीका**। २—००

३७६ **सिद्धान्तकौमुदी-परिशिष्टसंग्रहः**। ०—५०

*३७७ **सिद्धान्तकौमुदीरूपलता** [सोत्तरा] (सिद्धान्तकौमुदी के ३६७ शब्दों की बृहत्तम शब्दरूपावली) १—५०

*३७८ **सिद्धान्तकौमुदी—शैषिकादिद्विरुक्तान्ततद्धितप्रयोगसूची**। अमृता टिप्पणी सहित ०—२०

*३७९ **सिद्धान्तकौमुदी—भ्वाद्यादिचुरादिगणान्तप्रयोगसूची**। अमृता टिप्पणी सहित ०—६५

*३८० सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरणम् । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय (छात्रोपयोगी संस्करण) इसमें काशिका के आधार पर सूत्रों की हिन्दी-व्याख्या, पदकृत्य, व्युत्पत्ति और प्रयोगों की साधनिका भी आधुनिक सरल सुबोध हिन्दी भाषा में दी गई है १—५०

*३८१ सिद्धान्तकौमुदी-वैदिकीप्रक्रिया। हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार श्री उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' एम. ए. । व्याख्या में समास-विग्रह, व्युत्पत्ति, प्रयोगों की साधनिका तथा परीक्षोपयोगी विवरण भी दिये गए हैं ४—००

*३८२ सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा प्रयोगसूची । परीक्षोपयोगी पङ्क्तिलेखन प्रकारात्मक इन्दुमती टिप्पणी सहित कारकान्त ०—६५ कारकादि शैषिकान्त १—०० विकारार्थकादि चुराद्यन्त १—१५ ण्यन्तादि उत्तरकृदन्तान्त उणादिकोश सहित १—२५ स्वरवैदिकी लिङ्गानुशासनप्रकरणान्त ०—९०, संपूर्ण ४—६०

*३८३ सिद्धान्तकौमुदी-प्रश्नोत्तरी । १-४ भाग ८—५०

*३८४ सिद्धान्तकौमुदी-स्वरवैदिकप्रक्रियाप्रश्नोत्तरी । १—२५

*३८५ सिद्धान्तचन्द्रिका । रामाश्रमप्रणीत । बालबोधिनी टीका सहित पूर्वार्द्ध १—५० उत्तरार्द्ध २—०० संपूर्ण ३—५०

*३८६ सिद्धान्तचन्द्रिका । सदानन्दकृत सुबोधिनी, लोकेशकरकृत तत्त्वदीपिका, नवकिशोरकरकृत चक्रधरा टिप्पणी अव्ययार्थमाला लिङ्गानुशासन उणादिकोष सहित पूर्वार्द्ध ७—०० उत्तरार्द्ध ७—०० संपूर्ण १४—००

३८७ **सुगलार्थमाला** । पेरुन्तानम् नारायण नम्बूतीरी प्रणीत । डॉ० दामोदर पिषारोडी कृत दीपिका व्याख्या सहित २—५०

३८८ **सुलभ धातुरूप कोष** । कृष्णाजी भास्कर वीरकर । तृतीय भाग मात्र १—५०

*३८९ STUDENT'S GUIDE TO SANSKRIT COMPOSITION (THE); A Treatise on Sanskrit Syntax for the use of Schools and Colleges. By Vaman Shivaram Apte. 4–75

३९० **सूत्र शैली और अपभ्रंश व्याकरण** । डा० परममित्र शास्त्री ८—००

३९१ स्फोटनिर्णयः । कोण्डभट्ट विरचित । आंग्लानुवाद सहित । एस. डी. जोशी संपादित २५—००

३९२ **स्फोटवादः** । नागेशकृत १०—००

३९३ **स्मालर संस्कृत ग्रामर** । (हिन्दी) एम० आर० काले ४—५०

३९४ **स्वर-व्यञ्जन** । डा० रघुवीर १०—००

३९५ **हम संस्कृत भाषा क्यों पढ़ें ?** स्वामी वेदानन्द ०—५०

३९६ **हाई स्कूल संस्कृत व्याकरण** । बाबूराम सक्सेना १—६५

३९७ **हायर संस्कृत ग्रामर** । एम० आर० काले (अंग्रेजी) १२—५०

३९८ **हायर संस्कृत ग्रामर** । (बृहत् संस्कृत-व्याकरण) धातुकोश सहित । परिमार्जित हिन्दी संस्करण । मूल लेखक-महेश्वर रामचन्द्र काले । अनुवादक-डॉ० कपिलदेव द्विवेदी आचार्य ७—५०

३९९ **हायर संस्कृत ग्रामर** । काले । हिन्दी संस्करण । धातुकोश रहित ६—५०
४०० **हिन्दी कन्नड तेलुगु शिक्षक** । वि० एम० पंचाक्षर शर्मा २—५०, ३—००
४०१ **हिन्दी कौमुदी** । अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी १—५०
४०२ **हिन्दी व्याकरण** । कामताप्रसाद गुरु ९—००
४०३ **हिन्दी शब्दानुशासन** । शिवप्रसाद शास्त्री २—००
४०४ **हिन्दी शब्दानुशासन** । किशोरी दास वाजपेयी १५—००

न्याय-ग्रन्थाः

४०५ **अनुमानदीधितिप्रसारिणी** । कृष्णदास सार्वभौम कृत । १-३ खण्ड २—२५
४०६ **अनुमितेर्मानसत्वविचाररहस्यम्** । हरिरामतर्कवागीश विरचितम् । सरलाख्यया टीकया समेतम् ८—००
*४०७ **आत्मतत्त्वविवेकः** । उदयनाचार्यविरचितः । श्री नारायणाचार्य निर्मितात्मतत्त्व व्याख्या (नारायणी) सहित १५—००
*४०८ **आत्मतत्त्वविवेकः** । (बौद्धन्यायखण्डनम्) श्रीमदुदयनाचार्यविरचितः । श्रीरामतर्कालङ्कारभट्टाचार्यकृतटिप्पण्या, तार्किकशिरोमणि-श्रीरघुनाथकृतदीधितिरिति प्रसिद्धया विवृत्या, श्रीशङ्करमिश्रविरचितात्मतत्त्वविवेककल्पलतया च विभूषितः । १-६ खण्डाः १८—००
४०९ **आरम्भवादः** । ले० आचार्य बदरीनाथ शुक्ल । सृष्टि के विषय में न्याय-वैशेषिक दर्शन के दृष्टिकोण की व्याख्या करने वाला सर्वाङ्गसम्पन्न अभिनव मौलिक संस्कृत ग्रन्थ २—००
*४१० **कारकचक्रम्** । माधवी टीका-प्रदीप टिप्पणी सहित १—२५
*४११ **कारिकावली-मुक्तावली** । न्यायचन्द्रिका टीका, परीक्षोपयोगी टिप्पणी सहित समाप्त
*४१२ **कारिकावली-मुक्तावली** । मयूखटीकासहिता । टीकाकार-न्यायव्याकरणाचार्य श्री सूर्यनारायण शुक्ल । संपूर्ण २—५०
*४१३ **कारिकावली-मुक्तावली** । मयूख संस्कृत टीका-प्रकाश हिन्दी व्याख्या सहित । प्रत्यक्षखण्डान्त १—२५
*४१४ **कारिकावली-मुक्तावली** । श्री सूर्यनारायण शुक्ल विरचित मयूख संस्कृत हिन्दी टीका सहित । शब्दखण्ड मात्र ०—५०
*४१५ **कारिकावली-मुक्तावली-दिनकरी-रामरुद्री** । पण्डितराज-श्रीराजेश्वरशास्त्रिप्रपूरित-रामरुद्री-दिनकरीभ्यां संवलिता । १०—००
४१६ **कारिकावली-मुक्तावली** । प्रभा-मञ्जूषा-दिनकरीय-रामरुद्रीय-गंगाराम-जटीय व्याख्या युक्त १२—००
*४१७ **का० मुक्तावली तत्त्वालोकः** । (मुक्तावली प्रश्नोत्तरी) गुणनिरूपणान्त-परिवर्धित संस्करण । श्री रुद्रधर झा शर्मा विरचित १—२५
४१८ **कुसुमाञ्जलिकारिका** । रामभद्रसार्वभौमकृत कुसुमाञ्जलि कारिका व्याख्या सहित ३—००

४१९ **केवलान्वयिप्रकरणम्** । दीधिति जागदीशी नारायणी टीका समन्वित ४—००

*४२० **क्रोडपत्रसंग्रहः** । श्री कालीशङ्करप्रणीतानि अनुमान-जागदीशी-अनुमान–गादाधरी–क्रोडपत्राणि। सम्पूर्णोऽयं ग्रन्थः १–८ खण्डाः समाप्त

(१) जागदीशी–क्रोडपत्रम् । १–४ खण्डाः समाप्त

(२) गादाधरी–क्रोडपत्रम् । ५–८ खण्डाः १२—००

४२१ **गणकारिका** । आचार्य भासर्वज्ञ विरचित ७—००

*४२२ **गादाधरी** । अनुमानचिन्तामणि तथा शिरोमणिकृत दीधिति मूलग्रन्थ सहित । सम्पादक तथा टिप्पणीकार श्रीकीर्त्यानन्द झा न्याय-वेदान्ताचार्य । पाण्डुलिपि की प्राचीनतावश जो त्रुटियाँ प्रथम संस्करण में रह गई थीं वे इसमें सर्वथा दूर कर दी गई हैं । विराम-उद्धरणादि के चिह्न, नये अनुच्छेद, प्रत्येक खण्डान्त में 'विवृत्तिप्रकाश' नामक टिप्पणी एवं विषयविभाजन के रूप में परिशिष्ट, तथा पाण्डित्यपूर्ण भूमिका आदि से सम्पादित यह सर्वथा नवीन संस्करण है । **सम्पूर्ण ग्रन्थ शीघ्र प्राप्त होगा** । भूमिका परिशिष्ट आदि से सुसज्जित आरम्भिक १–२ खण्ड सिंहव्याघ्रप्रकरणान्त १२—५०

४२३ **गादाधरी अवयव** । १—५०

४२४ **गादाधरी-अवयवप्रकरणम्** । ज्वालाप्रसाद गौड़ कृत विलासिनी संस्कृत टीका सहित ८—००

४२५ **गादाधरीसव्यभिचारप्रकरणम्** । वामाचरण भट्टाचार्यकृत व्याख्यासहित ५—४८

*४२६ **गादाधरी–सामान्यनिरुक्ति–गूढार्थतत्त्वालोकः** । श्री धर्मदत्त [बच्चाझा] शर्म विरचित ३—००

*४२७ **गादाधरी–सामान्यनिरुक्तिः** । न्यायाचार्य श्री शिवदत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित समाप्त

४२८ **गादाधरी–सामान्यनिरुक्तिः** । चन्द्रकला-विलासिनी टीकाद्वय सहित ६—००

४२९ **गादाधरी सिद्धान्तलक्षण** । १—५६

४३० **चतुर्दशलक्षणी** । गदाधरकृत। कृष्णभट्ट-रघुनाथ-पट्टाभिरामकृतव्याख्यासहित १०—००

*४३१ **जागदीशी** । अनुमानचिन्तामणिव्याख्या, शिरोमणिकृतदीधिति-विवृतिः । (सम्पूर्ण ग्रन्थ १–१२ खण्ड समाप्त) फुटकर प्रत्येक खण्ड ३—००

४३२ **जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः** । मूलमात्र ०—३१

*४३३ **जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः** । न्यायाचार्य पं० शिवदत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित ३—००

*४३४ **जा० पक्षता** । न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित समाप्त

*४३५ **जा० पञ्चलक्षणी–सिंहव्याघ्रलक्षण–क्रोडपत्रम्** । ०—२०

*४३६ **जागदीशी–पञ्चलक्षणी–सिंहव्याघ्रलक्षणम्** । गङ्गानिर्झरिणी व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ

*४३७ **जा० व्यधिकरणम्** । न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ

४३८ जा० व्यधिकरणम् । स्वामिरामप्रपन्नाचार्यकृतदीपिकाटीकोपेतम् ४—५०
*४३९ जा० व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावस्य कालीशङ्करी । ०—५०
४४० जा० सामान्यलक्षणाप्रकरणम् । काशिकानन्दी व्याख्या सहित ४—५०
४४१ जागदीशी सिंहव्याघ्रलक्षणम् । वामाचरण भट्टाचार्यकृत व्याख्यासहित २—४८
*४४२ जा० सिद्धान्तलक्षणम् । शिवदत्त मिश्र कृत गंगा व्याख्या सहित समाप्त
*४४३ जा० सिद्धान्तलक्षणस्य क्रोडपत्रम् । ०—६५
४४४ ज्ञानलक्षणाविचाररहस्यम् । हरिराम तर्कवागीश कृत । अनन्तकुमार भट्टाचार्य कृत विमर्शिनी सहित ९—००
*४४५ तत्त्वचिन्तामणि । गंगेशोपाध्याय विरचित । मथुरानाथतर्कवागीश-जयदेव मिश्र कृत व्याख्या सहित यन्त्रस्थ
४४६ तत्त्वचिन्तामणिः । गंगेशोपाध्याय कृत । प्रत्यक्षखण्ड प्रथमभाग सव्याख्या १—२५
४४७ तत्त्वचिन्तामणिः । गंगेशोपाध्यायविरचितः । आलोक-दर्पण-व्याख्याद्वय-सहितः । प्रत्यक्षखण्डे प्रामाण्यवादान्तः १२—००
४४८ तत्त्वचिन्तामणि-दीधितिप्रकाशः । भवानन्द सिद्धान्तवागीश कृत प्रथम भाग ४—५०
४४९ तत्त्वचिन्तामणि दीधिति प्रकाश । द्वितीय भाग । अनुमान-खण्डे तर्क-प्रकरणात् पक्षताप्रकरणम् यावत् । कालीपद तर्काचार्य सम्पादित २०—००
४५० तत्त्वसारः । राखालदास न्यायरत्न कृत १—००
४५१ तर्कताण्डवम् । व्यासतीर्थकृत । राघवेन्द्रतीर्थकृत न्यायदीप व्याख्यायुत १-४ भाग ११—५०
४५२ तर्कपद्यरत्नावली । वाजपेय सुन्दराचारियर प्रणीत १—५०
*४५३ तर्कभाषा । केशवमिश्र प्रणीत । मूलमात्र ०—६५
*४५४ तर्कभाषा । [उत्तरप्रदेशीय सरकारद्वारा पुरस्कृत] आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि कृत तर्करहस्यदीपिका हिन्दी व्याख्या सहित । संशोधित तृतीय संस्करण ७—००
*४५५ तर्कभाषा । 'तत्त्वालोक' संस्कृत हिन्दी टीका सहित १—५०
४५६ तर्कभाषा । चिन्नंभट्ट विरचित व्याख्या सहित २—२५
*४५७ तर्कभाषारहस्यम् । (तर्कभाषा–प्रश्नोत्तरी) ०—४०
*४५८ तर्कमकरन्दः । (दीपिका प्रश्नोत्तरी) समाप्त
४५९ तर्कशास्त्रप्रवेशिका । लेखक–एक अनुभवी प्रोफेसर २—५०
*४६० तर्कसंग्रहः । लक्षण टिप्पणी सहित ०—२५
*४६१ तर्कसंग्रहः । पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष अनिवार्य प्रथम पत्र निर्धारित–'पदकृत्य' (लक्षण-टिप्पणी इन्दुमती हिन्दी टीका) सहित । परीक्षोपयोगी संस्करण ०—५०
*४६२ तर्कसंग्रहः । न्यायबोधिनी–पदकृत्य–विरला संस्कृत टीका इन्दुमती हिन्दी टीका सहित १—००
*४६३ तर्कसंग्रहः । 'दीपिका' संस्कृत व्याख्या 'इन्दुमती' हिन्दी टीका सहित ०–५०
४६४ तर्कसंग्रहः । भास्करोदय–दीपिका प्रकाश व्याख्या सहित २—००
४६५ तर्कसंग्रहः । सुखप्रवेशिनी व्याख्या समेत १—००

४६६ **तर्कसंग्रहः** । सिद्धान्त चन्द्रोदय व्याख्या सहित १—००

४६७ **तर्कसंग्रहः** । कृष्णकल्याण गणि विरचित फक्किका व्याख्या दीपिका व्याख्या सहित ३—००

४६८ **तर्कसंग्रहः** । अन्नंभट्ट विरचित । स्वकृत दीपिका, गोवर्धन कृत न्याय-बोधिनी, अठवले कृत नोटस्-बोडस कृत आंग्लानुवाद सहित । पुसलकर कृत संशोधित-परिवर्धित १५—००

*४६९ **तर्कसंग्रह-रहस्यम्** । (तर्कसंग्रह-प्रश्नोत्तरी) श्रीकीर्त्यानन्द झा ०—७५

*४७० **तर्कामृत** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका 'परीक्षासेतु' परिशिष्ट सहित ०—७५

४७१ **त्रितलावच्छेदकतावाद** । शशिनाथ झा विरचित ४—५०

४७२ **ध्वंसजन्याभावयोः कार्यकारणभावरहस्यम्** । हरिरामतर्कवागीश ५—००

४७३ **'न च' रत्नमालिका** । शास्त्रृ शर्मा विरचित । स्वोपज्ञ नूतनालोक व्याख्या सहित । सटिप्पण ६—५०

*४७४ **न्यायकुसुमाञ्जलिः** । श्रीमदुदयनाचार्यप्रणीतः । मेघठक्करविरचित-'प्रकाशिका' (जलद), रुचिदत्तोपाध्यायकृत'मकरन्द',वर्द्धमानो-पाध्यायकृत'प्रकाश',वरदराजकृत'बोधिनी' टीकाचतुष्टयोपेतः, सर्व-तन्त्रस्वतन्त्र पं० बचाझानिर्मितटिप्पणीविभूषितश्च । पण्डितराज-श्रीराजेश्वरशास्त्रिप्रणीतभूमिकादिसहितः २०—००

*४७५ **हिन्दी न्यायकुसुमाञ्जलि** । हरिदासी टीका सहित । व्याख्याकार : आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि । इसकी विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या में शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर इतना गंभीर विवेचन किया गया है कि यह व्याख्या न्यायकुसुमाञ्जलि की हिन्दी में एक मौलिक रचना बन गई है । ६—००

४७६ **न्यायकौस्तुभः** । महादेव पुणतामकर विरचित । १-२ भाग १३—२५

४७७ **न्यायचन्द्रिका** । केशव भट्ट विरचित ०—६०

४७८ **न्यायदर्शनबिन्दुः** । म० म० कालीपद तर्काचार्य २—००

*४७९ **न्याय(सूत्रपाठः)दर्शनम्** । श्री गौतममहामुनि प्रणीत ०—२०

*४८० **न्यायदर्शन-वात्स्यायनभाष्यम्** । म० म० डा० गङ्गानाथ झा प्रणीतेन खद्योतेन, नैयायिकचूडामणिरघूत्तमविरचितेन भाष्य-चन्द्रेण च समन्वितम् । म० म० श्री अम्बादासशास्त्रिकृतया भाष्यचन्द्रानुगामिन्या टिप्पण्या च समेतम् २०—००

*४८१ **न्यायदर्शनम्** । वात्स्यायनभाष्य सहित समाप्त

४८२ **न्यायदर्शनम्** । वात्स्यायन भाष्य-विश्वनाथ वृत्ति समेत ६—७५

*४८३ **हिन्दी न्यायदर्शन** । (वात्स्यायनभाष्य सहित) व्याख्याकार— पं० ढुंढिराज शास्त्री । इस ग्रन्थ में सरल हिन्दी भाषा में मूल ग्रन्थ तथा भाष्य की जो व्याख्या की गई है उससे न्याय दर्शन में प्रथम बार ही इतनी सरलता आ सकी है । यन्त्रस्थ

४८४ **न्यायदर्शन** । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००

५४३ **शक्तिवादः**। सुदर्शनाचार्य प्रणीत आदर्श व्याख्या सहित ५—४०
५४४ **शतकोटिः**। ०—५०
५४५ **शतकोटिखण्डनम्**। अनन्ताचार्यकृत १—००
५४६ **शतकोटिमण्डनम्**। विजयराघवाचार्यकृत १—२५
*५४७ **शब्दशक्तिप्रकाशिका**। श्रीजगदीशतर्कालङ्कारविनिर्मिता। श्रीकृष्णकान्तविद्यावागीशकृतकृष्णकान्तिटीकया श्रीमद्रामभद्रसिद्धान्तवागीशविरचितया प्रबोधिनीटीकया च समलंकृता सटिप्पणा यन्त्रस्थ
५४८ **शब्दशक्तिप्रकाशिका**। प्रथम भाग १—७५
५४९ **सङ्गमेश्वरक्रोडम्**। (जागदीशीसिद्धान्तलक्षणक्रोडपत्रम्) सङ्गमेश्वरशास्त्री १—००
५५० **सत्प्रतिपक्षग्रन्थः**। गदाधरभट्टाचार्य कृत १—१२
५५१ **सत्प्रतिपक्षग्रन्थः**। गदाधर भट्टाचार्यकृत। गंगेशोपाध्याय विरचित तत्त्वचिन्तामणि–रघुनाथशिरोमणि कृत दीधिति–ज्वाला प्रसाद गौड़ कृत संस्कृत व्याख्या सहित ७—००
५५२ **सप्तपदार्थी**। शिवादित्य विरचित। जिनवर्धन सूरि कृत टीका सहित। सं० डा० जितेन्द्र सुं० जेतली ४—००
५५३ **सिद्धान्तलक्षण-गूढार्थ–तत्त्वालोकः**। वचा झा कृत ३—००

बौद्धन्याय–ग्रन्थाः

*५५४ **आत्मतत्त्वविवेकः**। (बौद्धन्यायखण्डनम्) श्रीमदुदयनाचार्यविरचितः। श्रीरामतर्कालङ्कारभट्टाचार्यकृतटिप्पण्या, तार्किकशिरोमणिश्रीरघुनाथकृतदीधितिरितिप्रसिद्धया विवृत्या, श्रीशङ्करमिश्रविरचितात्मतत्त्वविवेककल्पलतया च विभूषितः १–६ खण्डाः १८–००
*५५५ **आत्मतत्त्वविवेकः**। उदयनाचार्यविरचितः। श्री नारायणाचार्य निर्मितात्मतत्त्वव्याख्या (नारायणी) सहित १५—००
*५५६ **न्यायबिन्दुः**। बौद्धाचार्य श्रीधर्मकीर्ति प्रणीत। संस्कृत–टीका हिन्दी अनुवाद सहित ५—००
५५७ **न्यायबिन्दुटीका**। (धर्मोत्तर प्रदीप) २—००
५५८ **न्यायबिन्दुसूची**। संस्कृत–तिब्बती। सतीशचन्द्र विद्याभूषण संकलित २—००
५५९ **रत्नकीर्तिनिबन्धावली**। ४—००
५६० **हेतुतत्त्वोपदेशः**। जितारिविरचित १—८७
५६१ **हेतुबिन्दुटीका**। श्री मदर्चटविरचित। दुर्वेक मिश्र कृत आलोक टीका सहित २०—००

मीमांसा–ग्रन्थाः

*५६२ **अधिकरणकौमुदी**। श्री देवनाथठक्कुर कृत २—००
५६३ **अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः**। वासुदेव दीक्षित विरचित १०—००
५६४ **अर्थसंग्रहः**। मीमांसार्थकौमुदी व्याख्या सहित २—००
*५६५ **अर्थसंग्रहः**। दीपिका हिन्दी व्याख्या भूमिकादि सहित १—२५

*५६६ EPISTEMOLOGY OF THE BHATTA SCHOOL OF PURVA MIMANSA: By Dr. G. P. Bhatt. M. A., Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. XVII) 20—00

५६७ **कर्ममीमांसादर्शनम्** । संस्कृत भाष्य एवं सूत्रार्थ सहित २—२५

५६८ **कर्ममीमांसादर्शनम्** । भरद्वाज विरचित । हिन्दी टीका सहित १–३ भाग ९—२५

५६९ **कर्ममीमांसादर्शनम्** । (क्रियापादमोक्षपादौ) संस्कृत भाष्य सहित ३—००

५७० **कल्पकलिका** । (शाबरभाष्यव्याख्या तर्कपादान्त) म० म० हरिहरकृपालु द्विवेदी कृत ४—००

५७१ **गुरुसम्मतपदार्थाः** । कौमारिलमतोपन्यास । नारायण प्रणीत ०—८५

*५७२ **जैमिनीयन्यायमाला** । श्रीमन्माधवाचार्यविरचिता, तद्विरचितेन विस्तरेण विभूषिता । तृतीयाध्यायान्त ५—००

५७३ **जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः** । प्रथम-द्वितीयाध्यायात्मकः । सुखमय भट्टाचार्य कृत संस्कृत टिप्पणी बंगानुवाद सहित । बंगाक्षर ५—५०

५७४ **जमिनीयसूत्रार्थसंग्रहः** । ऋषिपुत्र परमेश्वर विरचित । प्रथम भाग ७—७५

५७५ **तन्त्ररत्नम्** । पार्थसारथिमिश्र कृत । तृतीय भाग मात्र ५—५०

५७६ **तन्त्ररहस्य** । रामानुजाचार्य विरचित १०—००

५७७ **तन्त्रसिद्धान्तरत्नावली** । म० म० चिन्नस्वामी शास्त्रिकृत ४—००

५७८ **तौतातितमततिलकम्** । भवदेव विरचित । १–३ भाग ६—१२

५७९ **नीतितत्त्वाविर्भावः** । चिदानन्द पण्डित प्रणीत ४—५०

५८० **न्यायबिन्दुः** । मीमांसा । भट्ट वैद्यनाथकृत । सटिप्पण २—२५

*५८१ **न्यायरत्नमाला** । श्रीमत्पार्थसारथिमिश्र विनिर्मित समाप्त

५८२ **न्यायरत्नाकरः** । सम्पादक—म० म० श्री उमेश मिश्रः । जैमिनीय मीमांसा सूत्र (अध्याय ११) पर म० म० चन्द्रविरचित संस्कृत व्याख्या ७—००

*५८३ **न्यायसुधा** । तन्त्रवार्तिक व्याख्या । श्रीमद्भट्टसोमेश्वर कृत ४०—००

*५८४ **पूर्वमीमांसाधिकरणकौमुदी** । रामकृष्णभट्टाचार्य विरचित ३—००

५८५ **पूर्वमीमांसाप्रवेशिका** । जयदत्त शास्त्री (गुजराती) ३—००

*५८६ **प्रकरणपञ्चिका** । महामहोपाध्याय श्री शालिकनाथ मिश्र विरचित तथा मीमांसासारसंग्रहः । श्री शङ्करभट्टकृत दुष्प्राप्य

५८७ **प्रकरणपञ्चिका** । शालिकनाथ मिश्र विरचित । जयपुरी नारायण भट्ट कृत न्यायसिद्धि व्याख्या सहित । ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री संपादित २५—००

५८८ **प्रभाकरविजयः** । (प्रभाकरमत) नन्दीश्वर कृत २—५०

*५८९ **बृहती** । प्रभाकरमिश्र विरचित (शाबरभाष्य व्याख्या), म० म० शालिकनाथ मिश्र कृत 'ऋजु विमला' व्याख्याद्वययुत ६—००

५९० **बृहती** । प्रभाकर मिश्र विरचित । ऋजु विमला व्याख्या सहित । २–३ भाग । मद्रास २४—००

*५९१ **भाट्टचिन्तामणिः** । म० म० श्री गागाभट्ट विरचित ६—००

५९२ **भाट्टदीपिका** । खण्डदेव कृत । प्रभावली सहिता । निवितान्त भाग ८—००

५९३ **भाट्टदीपिका** । खण्डदेव कृत । शम्भुभट्टकृत प्रभावली व्याख्या सहित । अध्याय ३ के चतुर्थपाद से १२ अध्याय समाप्ति पर्यंत । भाग १–४ ६४—००

*५९४ **भाट्टभाषाप्रकाशः** । श्रीनारायणतीर्थमुनि विरचित ०—६५
५९५ **मानमेयोदयः** । नारायण कृत । आंग्लानुवाद समेत ४—००
५९६ **मीमांसाकोषः** । केवलानन्द सरस्वती संपादित । १-७ भाग २५०—००
*५९७ **मीमांसाकौस्तुभः** । (मीमांसासूत्रोपरि काचन विस्तृतटीका) श्रीखण्डदेव विरचित ३६—००
५९८ **मीमांसादर्शन** । (मीमांसाशास्त्र का इतिहास-हिन्दी) मंडन मिश्र शास्त्री ५—००
५९९ **मीमांसादर्शन-सूत्रपाठः** । जैमिनिप्रणीतम् । थडनी संपादित २—५०
६०० **मीमांसादर्शनम्** । तन्त्रवार्त्तिक व्याख्या संवलित शाबरभाष्य समेतम् । (प्रथमाध्यायस्य प्रथमः तर्कपादः, चतुर्थाध्यायारभ्य समाप्तिपर्यन्तम्) २०—७५
६०१ **मीमांसादर्शनम्** । भाषा टीका सहित । १-३ अध्याय ५—००
६०२ **मीमांसादर्शनम्** । हिन्दी टीका सहित ६—००
६०३ **मीमांसादर्शन** । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ५—००
*६०४ **मीमांसानुक्रमणिका** । श्रीमण्डनमिश्रकृता । महामहोपाध्याय गङ्गानाथ झा रचित 'मीमांसामण्डनेन' मण्डिता १५—००
*६०५ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । मूलमात्र ०—५०
*६०६ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । म० म० पण्डित चिन्नस्वामिशास्त्रिविरचित सारविवेचिनीव्याख्या सहित सुपरिष्कृत परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण ६—००
*६०७ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । श्री अनन्तदेव विरचित भाट्टालङ्कार व्याख्या सहित ७—५०
*६०८ **मीमांसापरिभाषा** । म. म. पं. श्रीनित्यानन्द पन्त कृत टिप्पणी तथा हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
६०९ **मीमांसा परिभाषा** । हिन्दी टीका सहित १—००
६१० **मीमांसापादुका** । ०—६२
*६११ **मीमांसाबालप्रकाशः** । श्रीभट्टशङ्कर विरचित ६—००
६१२ **मीमांसाऽभ्युदयः** । श्री शैलताताचार्य शिरोमणि कृत १—२५
६१३ **मीमांसाशास्त्रसारम्** । १—५०
*६१४ **मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम्** । न्यायरत्नाकर व्याख्या सहित १-२ खण्ड ६—००
६१५ **मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम्** । सुचरितमिश्र कृत काशिकाव्याख्या सहित तृतीय भाग ३—२५
६१६ **यज्ञतत्त्वप्रकाशः** । म० म० पं० श्री चिन्नस्वामि शास्त्रि प्रणीत ४—००
६१७ **वाक्यार्थरत्नम्** । अहोबलसूरि विरचित । सुवर्णमुद्रिका व्याख्या सहित १—२५
*६१८ **विधिरसायनम्** । श्रीमदप्पयदीक्षित विरचित ६—००
६१९ **विधिरसायनदूषणम्** । श्रीशङ्करभट्ट प्रणीत १—५०
६२० **विभ्रमविवेकः** । मण्डनमिश्र विरचित १—००
*६२१ **वेदप्रकाशः** । श्री सत्यज्ञानानन्दतीर्थ विरचित ३—००
*६२२ **शास्त्रदीपिका** । श्री पार्थसारथिमिश्रप्रणीत । पण्डितप्रवर श्रीरामकृष्ण विरचित 'युक्तिस्नेहप्रपूरणी' व्याख्या सहित । तर्कपाद समाप्त
६२३ **सेश्वरमीमांसा** । २—५०

सांख्य-ग्रन्थाः

६२४ **तत्त्वसमाससूत्रम्** । भावागणेश कृत । तत्त्वयाथार्थ्यदीपन टीका सहित १—००

६२५ **युक्तिदीपिका (सांख्यकारिका विवृतिः)** अज्ञात कर्तृक । सं० रामचन्द्र पाण्डेय २५—००

*६२६ SANKHYA APHORISMS OF KAPILA. With Illustrative Extracts from the Commentaries. Translated by J. R. Ballantyne. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXIV) 20-00

*६२७ **सांख्यकारिका** । माठराचार्य विरचित वृत्ति सहित यन्त्रस्थ

*६२८ **सांख्यकारिका** । श्री नारायणतीर्थ कृत चन्द्रिका टीका, पं० ढुण्ढिराज शास्त्री कृत टिप्पणी, हिन्दी भाषानुवाद सहित । तृ० संस्करण १—००

*६२९ **सांख्यकारिका** । श्री गौडपाद कृत भाष्य, पं० ढुण्ढिराज शास्त्री विरचित टिप्पणी हिन्दी भाषानुवाद सहित । तृ० संस्करण १—२५

६३० **सांख्यकारिका-सांख्यतत्त्वकौमुदी** । ज्योतिष्मती व्याख्या-हिन्दी अनुवाद सहित ८—००

*६३१ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । न्यायाचार्य श्रीहरिरामशुक्ल विरचित सुषमाख्य कौमुदी व्याख्या समलंकृत समाप्त

*६३२ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । षड्दर्शनकृद्वाचस्पतिमिश्र विरचित । पण्डित-राजवंशीधरमिश्र विरचित 'तत्त्वविभाकर' टीकासहित समाप्त

६३३ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । स्वामीबालरामोदासीन व्याख्या सहित ४—००

६३४ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । सारबोधिनी व्याख्या युक्त ७—००

६३५ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । आद्याप्रसाद मिश्र कृत प्रभा हिन्दी व्याख्या सहित ७—५०

६३६ **सांख्यतत्त्वकौमुदी** । हिन्दी टीका सहित ३—००

६३७ **सांख्यतत्त्वचिन्ता** । व्यास लक्ष्मीनारायण रेवाशंकर कृत (गुजराती) ०—५०

६३८ **सांख्यदर्शन** । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००

६३९ **सांख्यदर्शन** । स्वामी ब्रह्ममुनि कृत भाषा भाष्य सहित ३—००

६४० **सांख्यदर्शन** । भूपेन्द्रनाथ भट्टाचार्य कृत (बंगाक्षर) १५—००

६४१ **सांख्यदर्शन का इतिहास** । लेखक-उदयवीर शास्त्री (हिन्दी) ३०—००

६४२ **सांख्यदर्शन की ऐतिहासिक परम्परा** । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र १५—००

६४३ **सांख्यदर्शनम्** । दर्शनानन्दकृत हिन्दी व्याख्या सहितम् २—००

६४४ **सांख्यदर्शनम्** । उदयवीर शास्त्री कृत विद्योदय भाष्य सहित ८—००

*६४५ **सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार** । (सांख्य योगदर्शन का पाण्डित्यपूर्ण सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) ले०-श्री हरिशङ्कर जोशी १५—००

*६४६ **सांख्यसंग्रहः** । (षिमानन्द [क्षेमेन्द्र] विरचित सांख्यतत्त्व-विवेचन, वैकुण्ठयतिशिष्य कविराजयति विरचित सांख्यतत्त्व-प्रदीप आदि ९ ग्रन्थों का संग्रह) यन्त्रस्थ

६४७ **सांख्यसार** । विज्ञानभिक्षु विरचित १—००

६४८ **सांख्यसिद्धान्त** । (हिन्दी) उदयवीर शास्त्री १६—००

६४९ **सांख्यसूत्रम्** । भिक्षुविज्ञान कृत सांख्यप्रवचन भाष्य–तत्त्वसमाससूत्र–सांख्यसार सहित १०—००
६५० **सांख्यसूत्रम्** । अनिरुद्ध वृत्ति सहित २—००

योग–ग्रन्थाः

६५१ **गोरक्षपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित १—२०
६५२ **घेरण्डसंहिता** । भाषानुवाद-सरल व्याख्या सहित २—००
६५३ **घेरण्डसंहिता** । हिन्दी टीका सहित १—२०
६५४ **ध्यानयोगप्रकाश** । लक्ष्मणानन्द स्वामी कृत । हिन्दी टीका सहित ३—२५
६५५ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । पदचन्द्रिका व्याख्या युक्त ०—५०
६५६ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । अनन्तपण्डित प्रणीत व्याख्या युक्त ०—५०
६५७ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । भोजवृत्ति सहित २—००
६५८ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । व्यासभाष्य तथा स्वामी ब्रह्मलीन मुनि विरचित हिन्दी विवृति १०—००
*६५९ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । **व्यासभाष्य-भोजवृत्तिसहितम् । श्री कीर्त्यानन्द झा न्यायवेदान्ताचार्यकृत व्यासभाष्य की 'सुबोधिनी' तथा भोजवृत्ति की सविमर्श शब्दार्थ-भावार्थ हिन्दी व्याख्या एवं सारगर्भित विस्तृत भूमिकादि सहित ।** यन्त्रस्थ
६६० **पातञ्जलयोगदर्शन** । व्यासभाष्य-भोजवृत्ति-हिन्दी टीका सहित ७—००
६६१ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । तत्त्ववैशारदी संवलित–व्यास भाष्य समेत १०—००
६६२ **पातञ्जलयोगदर्शनम्** । चन्द्रशेखर शुक्ल कृत बुद्धिबोधिनी हिन्दी टीका सहित ४—००
६६३ **पातञ्जल योगदर्शन** । स्वामी विष्णु तीर्थ कृत हिन्दी टीका सहित १—५०
६६४ **पातञ्जलयोगदर्शनविवेक** । स्वामी विवेकानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित १—३७
६६५ **पातञ्जलयोगसूत्रभाष्यविवरणम्** । शङ्करभगवत्पाद प्रणीत १२—७५
६६६ **पूर्णताप्रत्यभिज्ञा** । **सर्वतन्त्रस्वतन्त्र योगिराज श्री रामेश्वर झा । म० म० श्रीगोपीनाथ कविराज द्वारा प्रशंसित । अद्वितीय ग्रंथ** ५—००
६६७ **बिन्दुयोगः** । हिन्दी टीका सहित ०—७२
६६८ **ब्रह्मविद्या** । स्वामी कृष्णानन्द । भाषा ६—००
६६९ **भारतीय साधनार धारा** । म० म० डा० गोपीनाथ कविराज १०—००
६७० **मन्त्रयोग संहिता** । हिन्दी टीका सहित १—००
६७१ **योगतत्त्वम्** । हिन्दी टीका सहित २—००
*६७२ **योगदर्शनम्** । **नारायणतीर्थकृत 'योगचन्द्रिका' विस्तृत व्याख्या तथा तत्कृत संक्षिप्त–सूत्रार्थबोधिनी सहित** समाप्त
६७३ **योगदर्शन** । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
६७४ **योगदर्शन** । व्यासभाष्य-हिन्दीभाष्य-भावार्थ सहित ६—००
६७५ **योगदर्शन** । डॉ० सम्पूर्णानन्द । हिन्दी ६—००
६७६ **योगदर्शनम्** । हिन्दी टीका सहित ०—९०, १—२५, ३—००

६७७ **योगदर्शन-समीक्षा** । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका सहित ०—७५
६७८ **योगसन्ध्या** । हिन्दी टीका सहित २—४०
*६७९ **योगसारसंग्रहः** । श्री विज्ञानभिक्षु विरचित ०—५०
६८० **योगसारसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित २—००
*६८१ **योग(सूत्रपाठः)दर्शनम्** । श्री पतञ्जलि मुनि विरचित ०—१०
*६८२ **योगसूत्रम्** । योगसूत्रप्रदीपिका व्याख्या सहित सटिप्पण १—००
६८३ **वैज्ञानिकप्राणकल्पः** । हिन्दी टीका सहित १—००
*६८४ **वैदिक योगसूत्र** । श्री हरिशंकर जोशी ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त उस प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं । अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं । २०—००
६८५ **शिवसंहिता** । हिन्दी टीका सहित ३—००
६८६ **शिवस्वरोदयः** । हिन्दी टीका सहित १—२०
*६८७ **सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार** । (सांख्यदर्शन का पाण्डित्यपूर्ण सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) आचार्य हरिशङ्कर जोशी १५—००
*६८८ **साङ्ख्ययोगदर्शनम् अर्थात् पातञ्जलदर्शनम्** । व्यासभाष्य-वाचस्पति टीका (तत्त्ववैशारदीय) पातञ्जलरहस्य-योगवार्त्तिक-भास्वतीवृत्ति दुष्प्राप्य
६८९ **हठयोगप्रदीपिका** । स्वात्माराम योगीन्द्र विरचित । ब्रह्मानन्द प्रणीत ज्योत्स्ना व्याख्या समलंकृत ३—००
६९० **हठयोगप्रदीपिका** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३—६०

योग-ग्रन्थ भाषा

६९१ **अध्यात्मदर्पण** । सन्तचतुर्भुज सहाय १—५०
६९२ **अध्यात्मदर्शन** । स्वामी कृष्णानन्द ४—००
६९३ **अभ्यासयोग** । भूपेन्द्रनाथ सान्याल २—२५
६९४ **अभ्यासियों के कर्तव्य** । ०—२५
६९५ **आत्मपथ** । स्वामी कृष्णानन्द २—००
६९६ **आत्मानुसन्धान और आत्मानुभूति** । भूपेन्द्रनाथ सान्याल १—५०
६९७ **आश्रमचतुष्टय** । भूपेन्द्रनाथ सान्याल १—२५
६९८ **उमेशयोगदर्शन** । उमेशचन्द्र । प्रथम खण्ड १५—००
६९९ **कर्म और योग** । स्वामी कृष्णानन्द २—५०
७०० **कर्मयोग** । स्वामी विवेकानन्द १—७५
७०१ **कालपुरुषदर्शन** । ०—१३
७०२ **गुरुवाणी अथवा शतोपदेश** । पुरुषोत्तम तीर्थ स्वामी १—५०
७०३ **जपसाधना** । पुरुषोत्तमतीर्थ स्वामी १—५०
७०४ **ज्ञानयोग** । स्वामी विवेकानन्द ३—६०
७०५ **दर्शन और उसके दो उपाय** । सन्तचतुर्भुज सहाय ०—३१

७०६ **दिनचर्या** । भूपेन्द्रनाथ सान्याल	२—७५
७०७ **दीक्षा और गुरुतत्त्व** । भूपेन्द्रनाथ सान्याल	०—७५
७०८ **ध्यान अभ्यास और परिणाम** । क्वारार्कोड । अनु०-रामचन्द्र शुक्ल	०—५०
७०९ **ध्यानमाला** । एनीबेसेंट	१—५०
७१० **ध्यानयोग** । मिश्रीलाल	०—५०
७११ **पातञ्जलयोग मूलसूत्र भावानुवाद** । योगि शङ्करनाथ	०—५०
७१२ **पार होने की कुंजी** । १-२ भाग	०—६२
७१३ **प्रेमयोग** । स्वामी विवेकानन्द	२—००
७१४ **बहिरङ्गयोग** । यम-नियम-आसन-प्राणायाम-प्रत्याहार-सम्बन्धी पुरातन व पूर्ण विज्ञान । स्वामी व्यासदेव	१०—००
७१५ **बिल्वदल** । भूपेन्द्रनाथ सान्याल । १-२ भाग	६—००
७१६ **भक्तियोग** । स्वामी विवेकानन्द	२—००
७१७ **भक्तियोग** । अश्विनीकुमारदत्त	३-२५
७१८ **भक्तियोगरहस्य** । स्वामी रामतीर्थ	२—००
७१९ **भक्तिसागरादि सग्रह ग्रन्थ** । स्वामी चरणदास	७—२०
७२० **भावनायोग** । अनुवादक-पण्ड्या बैजनाथ	१—१२
७२१ **मन की शक्तियाँ तथा जीवन गठन की साधनाएँ** ।	०—५०
७२२ **मनोविज्ञान तथा शिवसंकल्प** । स्वामी आत्मानन्द	३—५०
७२३ **मुद्राएँ एवं उपचार** । भद्रशील शर्मा	२—००
७२४ **मेरे गुरुदेव** ।	०—२०
७२५ **मोक्ष साधन या योगाभ्यास** । भूपेन्द्रनाथ सान्याल	०—५०
७२६ **योग की सरलता**	०—२५
७२७ **योग के चमत्कार** । रामनाथ 'सुमन'	२—००
७२८ **योग फिलासफी और नवीन साधना** । सन्तचतुर्भुज सहाय	१—७५
७२९ **योगबीज** । गोरक्षनाथ	१—००
७३० **योगवाणी या सिद्धयोगोपदेश** । बंगला से अनूदित	४—००
७३१ **योगवासिष्ठ और उसके सिद्धान्त** । भीखनलाल आत्रेय	१०—००
७३२ **योगसिद्धि आणि ईश्वर साक्षात्कार** । डा० विष्णु महादेव भट	१०—००
७३३ **योगी गुरु या योग साधनपद्धति** । स्वामी निगमानन्द	३—७५
७३४ **राजयोग** । स्वामी विवेकानन्द	३—४०
७३५ **राजयोग** । राजाराम सखाराम भागवत	२—५०
७३६ **लारेंसगीता अर्थात् भगवत्सान्निध्यसाधन**	०—५०
७३७ **वेद का स्वाध्याय** । राजाराम । १-२ भाग	१—५०
७३८ **वैदिक योगपरिचय** । स्वामी विष्णुतीर्थ	३—५०
७३९ **व्यावहारिक धर्म** ।	०—३७
७४० **शक्तिपात** (कुण्डलिनी महायोग) स्वामी विष्णुतीर्थ	१—५०
७४१ **शिव और रुद्र** । सन्तचतुर्भुज सहाय	०—३७
७४२ **सन्त और सूफियों में गुरु प्रतिष्ठा** । सन्तचतुर्भुज सहाय	०—३१
७४३ **सरलराजयोग** । स्वामी विवेकानन्द	०—३०
७४४ **साधकों का मार्ग** ।	०—५०
७४५ **साधनचन्द्रिका** । स्वामी दयानन्द	१—७५

७४६ **साधनपथ** । शिवोम् प्रकाश — १—००
७४७ **साधनसंकेतः** । स्वामी विष्णुतीर्थ — ०—५०
७४८ **साधन सोपान** । — ०—२५
७४९ **साधना** । रवीन्द्रनाथठाकुर — २—००
७५० **साधना के अनुभव** । सन्तचतुर्भुज सहाय । १-७ भाग — १३—२५
७५१ **हमारा जीवन** । ब्रह्मदत्त त्रिपाठी — ०—७५
७५२ **हमारा सिद्धान्त** । — ०—३७
७५३ **हिमालय का योगी** । स्वामी योगेश्वरानंद — ८—००

वैशेषिक-ग्रन्थाः

७५४ **कणादगौतमीयम् 'पदार्थानुशासनम्'** । आचार्य विश्वनाथ शास्त्री । हिन्दी टीका सहित ५—०० **मूलमात्र** १—५०
७५५ **किरणावलीप्रकाश-गुण** । वर्द्धमान प्रणीत । १-२ भाग — ३—००
७५६ **किरणावलीप्रकाश-दीधितिः** । रघुनाथ शिरोमणि प्रणीत — १—८५
७५७ **न्यायसिद्धान्ततत्त्वामृतम्** । श्रीनिवास कृत — २—५०
७५८ **पदार्थरत्नमञ्जूषा** । कृष्णमिश्र विरचित । मुनि जिन विजय संपादित — ३—७५
७५९ **प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्म संग्रहरूपम्)** श्रीधर भट्ट प्रणीत व्याख्या समेत-दुर्गाधर झा अनुवादित हिन्दी टीका सहित — २५—००
*७६० **प्रशस्तपादभाष्यटीकासंग्रहः** । कणादरहस्यं शङ्करमिश्रकृतं-प्रशस्तपादभाष्यसमालोचनं, कैलाशचन्द्रशिरोमणिकृता तर्कालङ्कारभाष्यपरीक्षा च — ६—००
७६१ **लक्षणावली** । उदयनाचार्यकृत । भट्टकेशवकृत प्रकाश व्याख्या सहित — २—७५
*७६२ **वैशेषिकदर्शन** । सूत्रोपस्कार तथा हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकारः पण्डितराज श्रीढुण्ढिराजशास्त्री ।
परम प्रामाणिक एवं प्राचीन संस्कृत टीका के साथ वैशेषिक दर्शन के प्रतिपद के हिन्दी अनुवाद सहित यह सर्वप्रथम छात्रोपयोगी संस्करण है । — यन्त्रस्थ
*७६३ **हिन्दी वैशेषिकदर्शन** । (प्रशस्तपादभाष्य सहित) व्याख्याकार, पण्डितराज श्री ढुण्ढिराज शास्त्री
इस संस्करण में मूलग्रन्थ तथा भाष्य के प्रतिपद का विभागशः अतिसरल अनुवाद तथा विशद हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । हिन्दी जगत् में इस व्याख्या का यह सर्वथा प्रथम अवतार है । छात्रों तथा अध्यापकों को अवश्य ही इससे यथेष्ट लाभ होगा । — १५—००
७६४ **वैशेषिकदर्शनम्** । प्रशस्तपादभाष्यम् । सूक्ति व्याख्या-कालीपद तर्काचार्य कृत सूक्तिदीपिका व्याख्या-बंगला भाष्य सहित । द्रव्यप्रकरण — ४—२५
*७६५ **वैशेषिक दर्शन : एक अध्ययन** । प्रो० नारायण मिश्र ।
इस ग्रन्थ में वैशेषिक दर्शन के सभी पदार्थों का, प्राचीन आकर ग्रन्थों के आधार पर, सरल भाषामें स्पष्ट प्रति-पादन किया गया है । न्याय वैशेषिक दर्शन के मर्म को समझने के लिए यह ग्रन्थ अत्यन्त उपादेय है । — ३—००

*७६६ **वैशेषिकदर्शन—प्रशस्तपादभाष्यम्।** जगदीशतर्कालङ्कारविरचितया 'सूक्तिटीकया' पद्मनाभमिश्रकृतया 'सेतुव्याख्यया' विद्वच्चूडामणि-व्योमशिवाचार्यनिर्मितया 'व्योमवत्या' च समन्वितम् समाप्त

७६७ **वैशेषिकदर्शनम्।** अविज्ञात कर्तृकप्राचीन व्याख्या समलंकृतम्। ६—५०

७६८ **वैशेषिकदर्शनम्।** किरणावलीव्याख्या सहित। चतुर्थ खण्ड मात्र २०—००

७६९ **वशेषिकदर्शनम्।** उदयनाचार्यप्रणीत किरणावली टीका सहित २-५ खण्ड १२—००

७७० **वैशेषिकदर्शनम्।** वैशेषिक रसायन सहित ७—००

७७१ **वैशेषिकदर्शन।** श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००

७७२ **वैशेषिकदर्शनम्।** दर्शनानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित ४—००

७७३ VAISESHIKA PHILOSOPHY : According to the Dasapadārtha Sastra : Chinese Text with Introduction, Translation and Notes by H. UI. Professor in the Sotoshu College Tokyo. Edited by F. W. Thomas. (Chow. Sans. Studies Vol. XXII.) 16—00

७७४ **वैशेषिकसूत्र।** मुनि जम्बू विजयजी सम्पादित २५—००

दर्शन—संग्रहः

७७५ **अद्वैतदर्शन अर्थात् एकसत्तावाद। स्वामी गोविन्दानन्द सरस्वती** २-५०

*७७६ ABHINAVAGUPTA. An Historical and Philosophical Study by Dr. Kanti Chandra Pandeya (Chow. Sans. Studies. Vol. I) Revised Edition. 45—00

७७७ **अमरीकी दर्शन और दार्शनिक।** जोसेफ एलब्लौ। अनुवादक-राधेश्याम शर्मा १०—००

७७८ **आधुनिक दर्शन की भूमिका।** संगमलाल पाण्डेय ७—५०

*७७९ INDIAN ÆSTHETICS by Dr. Kanti Chandra Pandeya M. A., Ph. D., M. O. L. Shastry. (Chow. Sans. Studies. Vol. II.) Revised Edition. 30—00

*७८० A FUNCTIONAL ANALYSIS OF INDIAN THOUGHT AND ITS SOCIAL MARGINS by Swami A. Bharati. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXVII) 15-00

*७८१ **काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी। श्री भँवरलाल जोशी** यन्त्रस्थ

*७८२ **चार्वाकदर्शन की शास्त्रीय समीक्षा। डॉ० सर्वानन्द पाठक**
चार्वाकदर्शन पर यह सर्वप्रथम अनुसंधानात्मक ग्रन्थ है जो प्रत्येक विश्वविद्यालय के एम० ए० परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है। १२—५०

७८३ **दर्शन अनुचिन्तन।** गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ३—००

७८४ **दर्शन का प्रयोजन।** डा० भगवानदास ३—५०

७८५ **दर्शन की कहानी।** विलडूरेन्ट। अनुवादक कैलाशनारायण चौधरी १०—००

७८६ **दर्शन के उपयोग।** इरविन एडमन। संपादक चार्ल्स फ्रैंक्ल ४—५०

७८७ **दर्शन दिग्दर्शन।** राहुल सांकृत्यायन १५—००

७८८ **दर्शन संग्रह।** डा० दीवानचन्द ४—५०

७८९ **दर्शन सर्वस्व।**	२—५०
७९० **दर्शनोदयः।** (सकलदर्शनमूलसारसंग्रहरूपः)	१०—००
७९१ **धर्म और दर्शन।** बलदेव उपाध्याय	४—००
७९२ **पश्चिमी दर्शन।** डा० दीवानचन्द	४—००
७९३ **पश्चिमीदर्शन।** जे० एन० सिन्हा	५—५०
७९४ **पाश्चात्यदर्शन।** चन्द्रधर शर्मा	६—००
७९५ **पाश्चात्य दर्शनों का इतिहास।** गुलाब राय	४—००
७९६ **पूर्वी और पश्चिमी दर्शन।** डा० देवराज	३—५०
७९७ **भारतीयदर्शन।** डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्। पूर्वार्द्ध	२५—००
७९८ **भारतीयदर्शन।** डा० उमेश मिश्र (हिन्दी)	८—००
७९९ **भारतीय दर्शन।** डॉ० यदुनाथ सिन्हा	८—५०
८०० **भारतीयदर्शन।** वाचस्पति गैरोला (हिन्दी)	११—००
८०१ **भारतीयदर्शन।** बलदेव उपाध्याय (हिन्दी)	१६—००
८०२ **भारतीय दर्शन।** दत्त-चटर्जी। हिन्दी संस्करण	१०—००
८०३ **भारतीयदर्शन** (प्रश्नोत्तर रूप में) बद्रीनाथ सिंह	३—५०
८०४ **भारतीय दर्शन का परिचय।** रामानन्द तिवारी	३—५०
८०५ **भारतीय दर्शन की कहानी।** संगमलाल पाण्डेय	५—००
८०६ **भारतीय दर्शन की भूमिका।** रामानन्द तिवारी	७—००
८०७ **भारतीय दर्शन की रूपरेखा।** डॉ० वात्स्यायन	६—५०
८०८ **भारतीय दर्शन की रूपरेखा।** हरेन्द्रप्रसाद सिन्हा	५—२५
८०९ **भारतीयदर्शन की रूपरेखा।** उमेश मिश्र	२—००
८१० **भारतीय दर्शन की रूपरेखा।** एम० हिरियन्ना। अनु०—डॉ० गोवर्धन भट्ट-श्रीमती मंजु गुप्त-सुखवीर चौधरी	१२—००
८११ **भारतीय दर्शन परिचय। १-२ खंड—न्याय-वैशेषिकदर्शन।** हरिमोहन झा	१५—००
८१२ **भारतीय दर्शनशास्त्र।** (न्याय-वैशेषिक) धर्मेन्द्र शास्त्री	३—००
८१३ **भारतीयदर्शनशास्त्र का इतिहास।** देवराज तथा रामानन्द तिवारी	६—५०
८१४ **भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास।** डॉ० हरिदत्त शास्त्री	१०—००
८१५ **भारतीय दर्शन : सरल परिचय।** डा० देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय	६—००
८१६ **भारतीय दर्शन-सार।** बलदेव उपाध्याय	५—५०
८१७ **भारतीय विचारधारा।** मधुकर	२—००
८१८ **भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका।** फतह सिंह	७—५०
८१९ **मनोविज्ञान मीमांसा।** विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि	८—००
८२० **मानमेयरहस्यश्लोकवार्त्तिकम्।** (सकलशास्त्रसारसंग्रहरूपम्)	१२—००
८२१ **यूरोपीयदर्शन।** रामावतार शर्मा	३—२५
८२२ **राजनीति और दर्शन।** विश्वनाथप्रसाद शर्मा	१४—००
८२३ **विश्वधर्मदर्शन।** साँवलिया बिहारी लाल वर्मा	१३—५०
*८२४ WESTERN ÆSTHETICS by Dr. Kanti Chandra Pandeya M. A., Ph. D., M. O. L. Shastry (Chow. Sanskrit Studies. Vol. IV.)	30—00
८२५ **वैदिकदर्शन।** डा० फतहसिंह। हिन्दी	७—००
८२६ **वैष्णवदर्शन।** स्वामी सीताराम शरण	०—५०

८२७ **वैष्णवदर्शन में जीववाद** । बंगाक्षर ३—००

८२८ **शाक्तदर्शनम्** । हयग्रीव विरचित । काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर कृत संस्कृत व्याख्या सहित १०—००

८२९ **षड्दर्शनरहस्य** । रङ्गनाथ पाठक ५—००

*८३० **षड्दर्शनसमुच्चयः** । जैन श्रीहरिभद्रसूरिरचित । मणिभद्रकृत लघुवृत्तिसमाख्य व्याख्या सहित ३—००

८३१ **समकालीन दार्शनिक चिन्तन** । डॉ० हृदयनारायण मिश्र १५—००

८३२ **समकालीन भारतीय दर्शन** । के० सच्चिदानन्द मूर्ति १२—००

८३३ **सर्वदर्शनसङ्ग्रहः** । सायणाचार्यप्रणीत । मूलमात्र ६—००

*८३४ **सर्वदर्शनसंग्रहः** । उमाशंकरशर्मा 'ऋषि' कृत हिन्दी व्याख्या सहित दर्शन ग्रन्थ पर इतनी सरल तथा विशुद्ध प्रामाणिक व्याख्या प्रथम बार ही छपी है । शास्त्रीय विषयों तथा पाण्डित्यपूर्ण विचारों से युक्त यह अपने विषय का विशिष्ट संस्करण है २५—००

*८३५ SARVA-DARSANA SAMGRAHA or Review of the Different Systems of Hindu Philosophy by Madhava Ācharya. Translated by E. B. Cowell, M. A., and A. E. Gough, M. A. (Chow. Sans. Studies Vol. X) 15—00

८३६ **सांख्ययोगदर्शन** । (दर्शन) म० म० उमेश मिश्र ४—००

*८३७ **सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार** । (सांख्य योगदर्शन का पाण्डित्यपूर्ण सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) ले०- श्री हरिशङ्कर जोशी । इस ग्रन्थ में दर्शनों के मूलस्रोत का विशद विवेचन, स्मृति, पुराण, धर्मशास्त्रादि साहित्य तथा वर्तमान दर्शनों में सांख्यदर्शन का प्रभाव, सृष्टिप्रवाह की पूर्ण झांकी तथा ज्ञानोत्पत्ति प्रकार आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रामाणिक, तर्कपूर्ण एवं अश्रुतपूर्व विचार देखने को मिलेंगे १५—००

८३८ **साधुदर्शन तथा सत्प्रसंग** । म० म० डा० गोपीनाथ कविराज । प्रथम भाग १०—००

*८३९ THE SIX SYSTEMS OF INDIAN PHILOSOPHY : By F. MAX MULLER (Chow. Sans. Studies Vol. XVI) 15-00

*८४० **स्याद्वादमञ्जरी** । **श्रीमल्लिषेणनिर्मिता** । **श्रीमदार्हतधुरन्धर श्री सिद्धहेमचन्द्रनिर्मितवीतरागस्तुति व्याख्या** समाप्त

८४१ **स्याद्वादमञ्जरी** । **श्रीमल्लिषेण निर्मिता** । हेमचन्द्रसूरि निर्मित अन्ययोग' व्यवच्छेद-द्वात्रिंशिकास्तवन टीका सहित । ए० बा० ध्रुव सम्पादित ११—००

वेदान्त-ग्रन्थाः

८४२ **अद्वैतचन्द्रिका** । सुदर्शनाचार्य प्रणीत १—००

८४३ **अद्वैततत्त्वसुधा** । अनन्तकृष्ण शास्त्री कृत । दूसरा भाग, २ जिल्द में इस नवीन ग्रन्थ में प्राचीन विचार शैली के अनुसार अद्वैतसिद्धान्त का स्थापन तथा अन्यान्य विरुद्ध सिद्धान्तों का निरसन ऐसा सरल अथ च मार्मिक ढंग से किया गया है जो कि नव्य न्याय में प्रविष्ट नहीं होने से भी वेदान्त दर्शन की विचार-शैली तथा अभ्रान्त शास्त्र सिद्धान्त का ज्ञान प्राप्त हो जायगा । ३५—००

८७६ **कायपरिशुद्धिः** । अभ्यङ्कर वासुदेवशास्त्री प्रणीत २—०६
८७७ **क्रियासारः** (वीरशैव मतानुयायी) नीलकंठ शिवाचार्य विरचित १-३ भाग २०—७५
*८७८ **खण्डनखण्डखाद्यम्** । आनन्दपूर्णरचितया खण्डन-फक्किका विभजनाख्यया विद्यासागरीटीकासमेतम् । यन्त्रस्थ
*८७९ **खण्डनखण्डखाद्यम्** । चित्सुखाचार्यकृत खण्डनभावप्रकाशिका, शङ्करमिश्रकृत शाङ्करी, रघुनाथभट्टाचार्यप्रणीत खण्डनभूषामणि, प्रगल्भमिश्रविरचित खण्डनदर्पण, सूर्यनारायणशुक्लप्रणीत खण्डनरत्नमालिका व्याख्या पंचकोपेत । १-२ खण्ड ६—००
*८८० **हिन्दी खण्डनखण्डखाद्य** । शङ्कर मिश्र की 'शांकरी' व्याख्या तथा तत्त्वबोधिनी हिन्दी व्याख्या सहित।
हिन्दी व्याख्याकार-स्वामी हनुमान दास षट्शास्त्री ।
दार्शनिक जटिलता होते हुए भी व्याख्या स्पष्ट एवं सरल है। कोई पद अव्याख्यात नहीं रह पाया है। ग्रन्थ लगाने तथा आशय समझने के लिये भी इस व्याख्या का क्रम एवं प्रवाह प्रशंसनीय है। पाण्डित्यपूर्ण विचारों से ओतप्रोत समालोचनात्मक-भूमिकादिसहित सर्वोत्तम संस्करण । शीघ्र प्राप्त होगा
८८१ **खण्डनखण्डखाद्य** । हिन्दी टीका सहित ८—००
*८८२ **खण्डनपरिशिष्टम्** । पण्डित श्री ताराचरणशर्म विरचित ०—५०
८८३ **चतुर्मतसामरहस्यम्** । पोलहम् सु० श्रीराम शास्त्रि प्रणीत १—२५
८८४ **चित्सुखी** । श्री चित्सुखाचार्यकृत नयनप्रसादिनी व्याख्या, सटिप्पण, भाषानुवाद सहिता १२—००
८८५ **जीवनज्योतिः** । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री २—५०
*८८६ **जीवनदर्शन** । डॉ० मुंशीराम शर्मा । जीवन क्या है? वह कैसे विकसित होता है? जीवनपथ में कैसे-कैसे मोड़ आते हैं? आदि प्रश्नों का प्रामाणिक समाधान। ३—००
*८८७ **जीवन्मुक्तिविवेकः** । श्रीमद्विद्यारण्यकृत समाप्त
८८८ **जीवन्मुक्तिविवेक** । मराठी टीका सहित ५—००
८८९ **ज्ञानरत्नमाला** । हिन्दी टीका सहित १—७५
८९० **ज्ञानाङ्कुशम्** । सविवरणम् । **मनीषापञ्चकम्** । तात्पर्यदीपिकासहितम् १—२५
८९१ **तत्त्वकौस्तुभः** । भट्टोजिदीक्षित विरचित । प्रथम भाग १—५०
८९२ **तत्त्वदर्शनम्** । ज्वालाप्रसाद प्रणीत मनोरमा व्याख्या सहित । प्रमाण प्रमेय स्वरूप प्रथम भाग ६—००
*८९३ **तत्त्वदीपनम्** । श्रीअखण्डानन्दमुनिकृतम् (पञ्चपादिका विवरणस्य व्याख्यानम्) २४—००
८९४ **तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या भावबोधः** । रघूत्तमयति कृत १५—००
८९५ **तत्त्वबोधः** । हिन्दी टीका सहित ०—३२
८९६ **त्रिदण्डिमतविभेदिनी** । श्रीशङ्कराश्रमस्वामिप्रणीत ३—००

८९७ **त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम्** । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार-स्वामी सनातनदेवजी महाराज
महर्षि हारितायनप्रणीत प्रस्तुत ग्रन्थ भारतीय आगम-समुद्र का अनोखा रत्न है । जीव-जगत्-शुद्धचिति, ध्यान-धारणासमाधि, अष्ट-पाश आदि के विवरणपूर्वक जीवन्मुक्ति प्राप्त करने के साधन आदि काव्यापक, प्रामाणिक एवं युक्तियुक्त विवेचन इस ग्रन्थ का विषय है । मूल के भावों का अविकल बोध होना इस व्याख्या की सही विशेषता है । १३—००

८९८ **त्रिपुरारहस्यम्** । (ज्ञानखण्डम्) श्री निवासबुध विरचित तात्पर्य दीपिका व्याख्या सहित ९—००

*८९९ TRIPURA-RAHASYA (Jnanakhanda) English Translation and a Comparative study of the Process of Individuation by A. U. Vasavada (Chow. Sans. Studies Vol. L) 15-00

*९०० **त्रिपुरारहस्यम् (माहात्म्यखण्डम्) भूमिकाध्यायानुक्रमणिकाभ्यां च सहितम्** १२—००

*९०१ THREE LECTURES ON THE VEDANTA PHILOSOPHY by F. Max Muller. (Chow. Sans. Studies Vol. LVII) 7—50

९०२ **दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, दक्षिणामूर्ति-उपनिषदादयः** । ४—००

९०३ **दहरविद्याप्रकाशिका** । परमशिवेन्द्रसरस्वती विरचित ०—५०

९०४ **दैवीमीमांसादर्शनम्** । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ८—५०

९०५ **नयमञ्जरी** । (ब्रह्मसूत्रस्य व्याख्या) अप्पयदीक्षित कृत २—००

९०६ **नैष्कर्म्यसिद्धिः** । श्रीज्ञानोत्तममिश्रकृत चन्द्रिकाव्याख्या सहित, काशी संस्करण । जीर्ण कागज १-४ खण्ड समाप्त

९०७ **न्यायचन्द्रिका** । आनन्दपूर्णमुनीन्द्र प्रणीत । स्वरूपानन्दमुनीन्द्र कृत न्याय-प्रकाशिका व्याख्या सहित १८—७५

*९०८ **न्यायभास्करखण्डनम्-मध्वचन्द्रिकाखण्डनम्** । म० म० श्री रामसुब्रह्मण्यशास्त्रि विरचित ३—००

*९०९ **न्यायमकरन्दः** । आनन्दबोधभट्टारकाचार्य संगृहीतः । आचार्य चित्सुख-मुनिकृतव्याख्योपेतः तथा प्रमाणमाला न्यायदीपावली च यन्त्रस्थ

९१० **न्यायरत्नदीपावलिः** । आनन्दानुभव पूज्यपाद विरचित । सटिप्पण २—५०

९११ **न्यायरत्नदीपावलिः** । आनन्दानुभव विरचिता । आनन्दज्ञान विरचित वेदान्त विवेक व्याख्या समेता ११—२५

९१२ **न्यायेन्दुशेखरः** । हरिहर शास्त्री विरचित २—५०

९१३ **पञ्चदशी** । रामकृष्णव्याख्या सहित ६—५०

९१४ **पञ्चदशी** । पीताम्बरजी कृत हिन्दी टीका सहित ८—००

९१५ **पञ्चदशी** । मिहिरचन्द्र प्रणीत हिन्दी टीका सहित ७—२०

९१६ **पञ्चपादिका** । संस्कृतव्याख्याद्वयोपेत तथा **पञ्चपादिकाविवरण** । संस्कृतव्याख्या द्वयोपेत २८—७५

९१७ **पञ्चप्रक्रिया**। सर्वज्ञात्ममुनि विरचित। सव्याख्या ३—००
९१८ **पञ्चरत्नकारिका**। (उपदेशपंचक-शंकरभगवत्पादाचार्यस्य व्याख्या) सदाशिव कृत ०—७५
९१९ **पञ्चीकरणम्**। षट्टीकोपेत ३—००
९२० **पदार्थतत्त्वनिर्णयः**। आनन्दानुभव पूज्यपाद विरचित। सटिप्पण २—००
*९२१ **परमतत्त्वमीमांसा** (मतिप्रशिक्षशास्त्रम्)। ले०—विद्याभूषण श्रीकृष्ण जोशी। पाश्चात्त्य तत्त्वज्ञानियों के मत में परमतत्त्व का स्वरूप क्या है यह बतलाने के लिये विद्वान् लेखक ने आरंभक्रम से पाश्चात्त्य दार्शनिकों का इतिहास प्रस्तुत करते हुए उनकी प्रमुख विचार धाराएँ भी उपन्यस्त की हैं। पाश्चात्त्य आध्यात्मिक दर्शन तथा दार्शनिकों का एकत्र क्रमबद्ध वर्णन प्राप्त करने के लिये संस्कृत में लिखा यह अकेला ही सर्वप्रथम तथा सर्वथा नवीन ग्रंथ है ४–५०
९२२ **परमार्थप्रकाशिका**। (अद्वैतामोदविमर्श) २—००
९२३ **परमार्थसारः**। शेषविरचित। विवरणसमेत ०—५०
९२४ **परलोकविज्ञान**। परलोक-पुनर्जन्म-श्राद्धकर्म का महत्त्व १—५०
९२५ **पुरुषार्थसुधानिधिः**। सायणाचार्य विरचित। टी० चन्द्रशेखरन् सम्पादित १४—००
९२६ **पूर्वोत्तरमीमांसावादनक्षत्रमाला**। अप्पयदीक्षित विरचित ३—००
९२७ **प्रकटार्थविवरणम्**। ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य व्याख्यान। द्वितीय भाग मात्र ८—००
९२८ **प्रकरणपञ्चकम्**। हिन्दी टीका सहित ०—७५
९२९ **प्रकीर्णप्रकरणद्वादशग्रन्थाः**। ०—५०
*९३० **प्रज्ञानानन्दप्रकाशः**। भावार्थकौमुदीटीका–हिन्दी अनुवाद सहित ३—००
*९३१ **प्रणवकल्पः**। (स्कन्दपुराणान्तर्गत) श्री गङ्गाधरेन्द्र सरस्वती प्रणीत प्रणवकल्पप्रकाशाख्यभाष्य समलंकृत ३—००
९३२ **प्रत्यक्तत्त्वचिन्तामणिः**। सदानन्दकृत। सोपज्ञव्याख्या सहित १–२ भाग ५—००
९३३ **प्रबोध सुधाकर**। शङ्कराचार्य रचित। गुजराती अनुवाद सहित १—००
९३४ **प्रमाणमाला**। आनन्दबोधाचार्य विरचित २—५०
९३५ **प्रमेयरत्नावली**। बलदेवविद्याभूषण विरचित २—५०
९३६ **प्रस्थानभेदः**। मधुसूदनसरस्वती विरचित ०—३१, ०—३७
९३७ **प्रेमपत्तनम्**। सव्याख्या १—२५
*९३८ **बृहदारण्यकवार्तिकसारः**। विद्यारण्यस्वामिविरचित। महेश्वरतीर्थ कृत लघुसंग्रह व्याख्या सहित। श्रीमच्छुद्धानन्दमुनिवर शिष्य श्रीउत्तमश्लोकयति विरचित–वेदान्तसूत्रलघुवार्तिक श्लोकबद्ध २०—००
९३९ **बोधपञ्चदशिका–परमार्थचर्चा**। अभिनवगुप्त विरचित ०—५०
*९४० **बोधसारः**। श्रीनरहरिकृतः। तच्छिष्य पण्डित श्रीदिवाकर कृत टीका सहित ३०—००
९४१ **बोधैक्यसिद्धिः**। अच्युतरायप्रणीत। अद्वैतात्मप्रबोधव्याख्यासहित प्रथम भाग ६—००
९४२ **ब्रह्मतर्कस्तवः**। पञ्चरत्नस्तुति। अप्पयदीक्षित विरचित। स्वकृत टीका सहित १—२५

९४३ **ब्रह्ममीमांसात्रिंशतिः** (ब्रह्मसूत्रार्थसङ्ग्रहात्मिका) १—२५

९४४ **ब्रह्मसिद्धान्तः** । मधुसूदन ओझा विरचित । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी रचित सिद्धान्तप्रकाशिनी व्याख्या सहित १२—००

९४५ **ब्रह्मसिद्धिः** । मण्डनमिश्र कृत । शङ्खपाणिकृत व्याख्या सहित ७—७५

९४६ **ब्रह्मसिद्धि व्याख्या** । आनन्दपूर्णमुनि विरचित भावशुद्धिः-चित्सुख मुनि विरचित अभिप्राय प्रकाशिका व्याख्या द्वय सहित २४—००

*९४७ **ब्रह्मसूत्रम्** । सुषमा हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार : स्वामी श्री हनुमानदास जी षट्शास्त्री । सम्पूर्ण शांकरभाष्य का गूढ़ तत्त्व इस हिन्दी व्याख्यान में प्रतिफलित हो उठा है । संस्कृत की ससन्दर्भ वेदान्त-सूक्तियां पदे-पदे अनुस्यूत हैं । भाषा बड़ी सरल और प्रवाहपूर्ण है । इसे ब्रह्मसूत्र पर अन्य सब भाष्यों का सार ही समझना चाहिए ।

५३० पृष्ठों के पुस्तक का मूल्य नाम मात्र ४—००

९४८ **ब्रह्मसूत्रम्** । स्वामी हरिप्रसाद वैदिकमुनि कृत संस्कृत व्याख्या सहित ७—५०

*९४९ **ब्रह्मसूत्रदीपिका** । श्रीमच्छङ्करानन्दभगवद्भिरचिता तथा तत्त्वानुसन्धानं-श्रीमहादेवानन्दसरस्वतीप्रणीतम् ६—००

९५० **ब्रह्मसूत्रपाठः** । बादरायण प्रणीत । शाङ्करभाष्यानुसारी वर्णानुक्रम सूची सहित १—२५

*९५१ **ब्रह्मसूत्रप्रमुखभाष्यपञ्चकसमीक्षणम्** । शांकर-रामानुज-निम्बार्क-मध्व-वल्लभभाष्याणां तुलनात्मकं समालोचनात्मकं चाध्ययनम् । श्रीरामशरणशास्त्री यन्त्रस्थ

*९५२ **ब्रह्मसूत्रभास्करभाष्यम्** । श्रीभास्कराचार्य कृत समाप्त

९५३ **ब्रह्मसूत्रभाष्यम्** । शिवार्कमणि दीपिका व्याख्या सहित ३०—००

९५४ **ब्रह्मसूत्रभाष्यनिर्णयः** । आचार्य शंकर-भास्कर-रामानुज-निम्बार्क-मध्व-श्रीकर-वल्लभ-विज्ञानभिक्षु-बलदेव प्रणीत भाष्यानुसारी । चिद्घनानन्दपुरी विरचित ६—५०

९५५ **ब्रह्मसूत्रभाष्यसार** । विष्णुदेव सांकलेश्वर कृत । गुजराती टीका सहित २—५०

९५६ **ब्रह्मसूत्रभाष्यसिद्धान्तसङ्ग्रहः** । ब्रह्मयोगी २—५०

९५७ **ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थरत्नमाला** । सुब्रह्मण्य प्रणीत ६—२५

*९५८ **ब्रह्मसूत्रविज्ञानभिक्षुभाष्यम्** । (बादरायणप्रणीतवेदान्तसूत्राणां यतीन्द्रश्रीमद्विज्ञानभिक्षुविरचितं विज्ञानामृतव्याख्यानम्) समाप्त

९५९ **ब्रह्मसूत्र-विद्योदय भाष्यम्** । उदयवीर शास्त्री विरचित २०—००

९६० **ब्रह्मसूत्र-वैदिकभाष्यम्** । स्वामी श्री भगवदाचार्य कृतम् । १-२ भाग १०—००

९६१ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । अद्वैतमञ्जरी व्याख्या सहित १—००

९६२ **ब्रह्मसूत्रवृत्ति-मिताक्षरा** । अन्नंभट्ट कृत ७—००

९६३ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । सदाशिवेन्द्रसरस्वती प्रणीत ३—००

९६४ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । हरिदीक्षित विरचित ३—७५

९६५ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । पदसूची सहित । बालगंगाधर तिलक ३—५०

९६६ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । मूलमात्र ८—००

*९६७ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । 'ब्रह्मतत्त्वविमर्शिनी' हिन्दी व्याख्या तथा डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय विरचित प्राच्य-पाश्चात्त्य-उभय-मत-समन्वयात्मक सुविशद भूमिकादि सहित । व्याख्याकार—स्वामी हनुमानप्रसाद षट्शास्त्री ।

प्राचीन विद्वत्ता तथा कठोर तपस्या के साधिकार योग से प्रसूत प्रस्तुत व्याख्या बड़ी सहज तथा सरल है । ऐसा कोई पद नहीं छूटा है जिसकी स्पष्ट व्याख्या न हुई हो । ग्रन्थ लगाने के लिये यह सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है । छात्र, अध्यापक, जिज्ञासु, मुमुक्षु सभी वर्ग के व्यक्तियों के लिये अत्यन्त उपयोगी है । विश्वविद्यालयीय परीक्षार्थियों के लिए इसकी भूमिका मात्र ही पर्याप्त है । प्रथम भाग १-२ अध्याय १५—००

द्वितीय भाग ३-४ अध्याय १५—०० संपूर्ण १-२ भाग ३०-००

*९६८ **ब्रह्मसूत्र-शांकरभाष्यम्** । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि कृत सविमर्श 'ब्रह्मतत्त्व प्रकाशिका' हिन्दी व्याख्या सहित । चतुःसूत्र्यन्त भाग ५-००

*९६९ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । चतुःसूत्र्यन्त-पूर्णानन्दीयव्याख्यासहितया श्रीगोविन्दानन्दप्रणीतया रत्नप्रभया च समन्वितम् । प्रथमाध्यायादारभ्य द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादपर्यंतम् ८—००

*९७० **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । चतुःसूत्र्यन्त-पूर्णानन्दीयव्याख्यया श्रीगोविन्दानन्दप्रणीतरत्नप्रभाव्याख्यया च समेतम् तथा श्रीमद्वाचस्पतिमिश्रकृतभामतीव्याख्यया च सहितम् । प्रथमाध्यायदारभ्य द्वितीयाध्यायद्वितीयपादपर्यंतम् । सटिप्पण ११—००

९७१ **ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम्** । भामती टीका तथा हिन्दी भाषानुवाद सहित । चतुःसूत्री ९—००

९७२ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । रत्नप्रभा-भामती-न्यायनिर्णय व्याख्या सहित २४—००

९७३ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । भामती-कल्पतरु-परिमल व्याख्या सहित । १-२ भाग ६—५०

९७४ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । भामती-कल्पतरु-परिमलव्याख्यासहितम् ३५—००

९७५ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । पञ्चव्याख्या सहित । अनन्तकृष्ण शास्त्री संपादित । तृतीय भाग मात्र २५—००

९७६ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । नारायणतीर्थ विरचित सुबोधिनी, बोधेन्द्र सरस्वती विरचित अद्वैतभूषण व्याख्या सहित । चतुस्सूत्रपर्यंत ३—००

९७७ **ब्रह्मसूत्रसिद्धान्तमुक्तावली** । वनमालिमिश्र रचित ३—७५

९७८ **ब्रह्मसूत्राणि** । आनन्दगिरि व्याख्या-शाङ्करभाष्य समेत । द्वितीय भाग मात्र ९—००

९७९ **ब्रह्मसूत्राणि** । ब्रह्मामृतवर्षिणी-शंकरानन्द कृत दीपिका सहित ६—७५

९८० **ब्रह्मसूत्रानुगण्यसिद्धिः** । कृष्ण शास्त्री विरचित ४—००

*९८१ **ब्रह्मामृतम्** । श्रीमज्जयकृष्ण ब्रह्मतीर्थ विरचित समाप्त

९८२ **ब्रह्माद्वैतप्रकाशिका** । भाववागीश्वर विरचित १—७०

*९८३ **भक्ति का विकास** । डॉ० मुंशीराम शर्मा । परम पुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में यथावत् ज्ञेय सामग्री का एकत्र संकलन २०—००

९८४ **भक्तिचन्द्रिका ।** नारायणतीर्थ विरचित । दूसरा भाग मात्र १—५०

*९८५ **भक्ति-तरङ्गिणी । डा० मुंशीराम शर्मा । भक्ति-भाव से ओत-प्रोत वेदमन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद । भक्ति-तरङ्गिणी अध्यात्म-पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल सिद्ध होगी** ३—००

९८६ **भक्तिदर्शन ।** शाण्डिल्य । भाषा भाष्यसहित १—५०

९८७ **भक्तिरसामृतसिन्धु ।** श्यामनारायण पाण्डेय ९—५०

९८८ **भक्तिरसामृतसिन्धु ।** रूपगोस्वामी कृत । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी टीका सहित २५—००

*९८९ **भक्तिरसायनम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित** यन्त्रस्थ

९९० **भक्तिरसायनम् ।** हिन्दी टीका सहित ३—००

९९१ **भक्तिशास्त्र ।** स्वामी भगवदाचार्य (गुजराती) ४—००

९९२ **भक्त्यधिकरणमाला ।** नारायणतीर्थ प्रणीत १—२५

९९३ **भगवच्चरणोत्प्रेक्षा ।** मथुराप्रसाद दीक्षित । सव्याख्या २—००

९९४ **भगवन्नामकौमुदी ।** लक्ष्मीधर विरचित । अनन्तदेवकृत व्याख्या सहित ०—७५

९९५ **भागवतवेदस्तुतिः ।** श्रीधरीव्याख्यादि सहित २—४०

*९९६ **भामती । ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य व्याख्या । वाचस्पतिमिश्र विरचित । श्रीढुण्ढिराजशास्त्रिसङ्कलित विषमस्थल टिप्पणी समलङ्कृत प्रथम भाग** ३—००

९९७ **भाष्यभानुप्रभा ।** ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य व्याख्या १-१९ सूत्रस्य २—५०

९९८ **भास्करी ।** (ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी की व्याख्या) प्रथम—द्वितीय भाग समाप्त तृतीय भाग अंग्रेजी अनुवाद ७—९४

*९९९ **भेदधिक्कारः । नृसिंहाश्रममुनिकृत । श्रीनारायणशर्म कृत व्याख्या सहित । तथा उपक्रमपराक्रमः । अप्पयदीक्षित कृत** ६—००

१००० **भेदरत्नम् ।** शङ्करमिश्र विरचित १—५०

१००१ **मध्वतन्त्रमुखमर्दनम् ।** व्याख्या सहित । श्रीमदप्पयदीक्षितेन्द्र कृत २—००

१००२ **महाभारततात्पर्यप्रकाशः ।** श्रीसदानन्द व्यास प्रणीत ६—००

१००३ **महावाक्यरत्नावली ।** मूलमात्र ०—३७, ०—३०

१००४ **महावाक्यविवरणम् ।** हिन्दी टीका सहित १—३२

१००५ **माध्वमुखभङ्गः ।** सूर्यनारायण शुक्ल विरचित १—००

१००६ **मानमाला ।** अच्युत कृष्णानन्दतीर्थकृत । रामानन्दकृत व्याख्या सहित ३—००

*१००७ **मिताक्षरा । श्रीगौडपादाचार्य कृत माण्डूक्यकारिकाव्याख्या- श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य स्वयम्प्रकाशानन्द सरस्वती स्वामि कृता । शङ्करानन्द कृत माण्डूक्योपनिषद्दीपिका च** २—००

१००८ **मूलविद्यानिरासः** (श्री शंकरहृदय) सुब्रह्मण्यशर्मा विरचित २—८१

१००९ **युगाचार्य विवेकानन्द ।** स्वामी अपूर्वानन्द (संस्कृत) ३—००

१०१० **योगवाशिष्ठः ।** वाशिष्ठमहारामायणतात्पर्यप्रकाशव्याख्यासहित । पत्रात्मक ३०—००

१०११ **योगवाशिष्ठः ।** हिन्दी टीका सहित । ४-५ भाग १८—००

१०१२ **योगवाशिष्ठ ।** भाषा मात्र । १-२ भाग ३०—००

१०१३ **योगवासिष्ठसार ।** बी० एल० आत्रेय (अंग्रेजी-हिन्दी-संस्कृत) १—००

१०१४ **रामायणरहस्य ।** विद्यारण्य विरचित ०—२०

१०१५ **रामायणसारसङ्ग्रहः।** भारतसारसंग्रह। अप्पयदीक्षित विरचित। सव्याख्या १—००
१०१६ **लघुप्रकरणानि।** ०—३१
१०१७ **लघुयोगवाशिष्ठः।** आत्मसुख विरचित। वशिष्ठचन्द्रिका व्याख्या सहित ८—००
१०१८ **लघुवाक्यवृत्तिः।** शंकराचार्य प्रणीत। पुष्पांजलि संस्कृत टीका सहित ०—७५
१०१९ **लघुवासुदेवमनन।** १—५०
*१०२० LIGHTS ON VEDANTA. A Comparative Study of the Various Views of Post Sankarities, with special Emphasis on Sureswara's Doctrines by Dr. Veeramani Prasad Upadhyaya. (Chow. Sans. Studies Vol. VI) 15—00
१०२१ **वाक्यवृत्तिः।** शङ्कराचार्यप्रणीत। सव्याख्या ०—७५
१०२२ **वाक्यवृत्तिः।** हिन्दी टीका सहित १—१२
१०२३ **वाक्यसुधा।** स्वामी योगानन्द कृत हिन्दी टीका विवेचन सहित १—५०
१०२४ **विचारसागर।** वासुदेव ब्रह्मेन्द्र सरस्वती स्वामी विरचित। पि० पञ्चापगेश शास्त्री-कल्याणसुन्दर शास्त्री संशोधित १५—००
१०२५ **विज्ञानदीपिका।** पद्मपादाचार्य कृत। विवृति सहित ५—००
१०२६ **विवरणप्रमेयसङ्ग्रहः।** मूलमात्र। शास्त्री-सेन सम्पादित ८—५०
१०२७ **विवरणप्रमेयसङ्ग्रहः।** हिन्दी टीका सहित ६—५०
*१०२८ **विवरणादिप्रस्थानविमर्शः।** पं० वीरमणि उपाध्याय एम० ए० रचित। शंकराचार्य के अद्वैतवाद के ऊपर अवान्तर मतभेद-रूपप्रतिबिम्बवाद, आभासवाद तथा अवच्छेदवाद का एकत्र संकलित अनुपम ग्रन्थ १—००
*१०२९ **विवरणोपन्यासः।** श्रीरामानन्द सरस्वती विरचितः विवरणतात्पर्यस्य व्याख्यानम् तथा-वाक्यसुधा, श्रीशङ्कराचार्य विरचिता, ब्रह्मानन्द भारती कृत व्याख्या सहित ६—००
१०३० **विवेकचूडामणिः।** शंकर भगवत्पाद प्रणीत। चन्द्रशेखर भारती स्वामी कृत व्याख्या सहित ७—५०
१०३१ **विवेकचूडामणिः।** हिन्दी टीका सहित ०—४०
१०३२ **विवेकानन्द संस्कृत विद्वद्गोष्ठी स्मरणाञ्जलिः।** स्वामी अपूर्वानन्द (संस्कृत) २—००
१०३३ **वेदमूर्ति श्रीरामकृष्णः।** स्वामी अपूर्वानन्द (संस्कृत) ३—००
१०३४ **वेदान्तकल्पलतिका।** मधुसूदन सरस्वती विरचित। आर० डी० करमरकर कृत आंग्लानुवाद सहित ५—००
१०३५ **वेदान्तकौमुदी।** रामाद्वयाचार्य प्रणीत १३—५०
१०३६ **वेदान्तडिण्डिमः।** ०—२०
१०३७ **वेदान्तडिण्डिमः।** नृसिंह सरस्वती तीर्थ विरचित। भावबोधिनी व्याख्या सहित ०—७८
१०३८ **वेदान्ततत्त्वविवेकः।** नृसिंहाश्रमविरचितः। तत्त्वविवेकदीपनव्याख्या सहित १८—७५
१०३९ **वेदान्तदर्शन।** व्यास प्रणीत। स्वामी भगवदाचार्य कृत रामानन्द नामक संस्कृत हिन्दी भाष्य सहित (श्रीरामानन्द सिद्धान्तानुसारि ब्रह्मसूत्र भाष्य) ६—००

१०४० **वेदान्तदर्शन पर पर्याय ब्रह्मदर्शन।** भगवत्पाद वेदव्यास प्रणीत। स्वामी भगवदाचार्य कृत वैदिक भाष्य सहित। १-२ अध्याय। १-२ भाग १०—००

*१०४१ **वेदान्तदर्शनम्।** श्रीरामानन्द सरस्वती कृत ब्रह्मामृतवर्षिणी नामक विस्तृत सूत्रार्थनिर्णायिका टीका सहित १२—००

*१०४२ **वेदान्त(सूत्रपाठः)दर्शनम्।** भगवद्व्यासमहामुनि कृत ०—१०

१०४३ **वेदान्तदर्शन।** श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००

१०४४ **वेदान्तदर्शनम्।** स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित ४—५०

१०४५ **वेदान्तदर्शनम्।** हिन्दी व्याख्या सहित २—५०

*१०४६ **वेदान्तपरिभाषा।** शिवदत्तकृत अर्थदीपिका टीका, वेदान्ताचार्य त्र्यम्बकराम शास्त्रिकृत परीक्षोपयोगि बृहद् टिप्पणी सहित ३—००

१०४७ **वेदान्तपरिभाषा।** पञ्चानन भट्टाचार्य शास्त्री कृत परिभाषा संग्रह व्याख्या सहित ६—००

१०४८ **वेदान्तपरिभाषा।** आनन्द झा कृत भगवती संस्कृत व्याख्या सहित १४—५०

*१०४९ **हिन्दी वेदान्त-परिभाषा।** व्याख्याकार-श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर वेदान्त शास्त्र के अध्ययन में प्रधान साधनभूत इस ग्रन्थ की प्रस्तुत व्याख्या पाण्डित्य को केवल परिपुष्ट ही नहीं करती अपितु उसे जन्म भी देती है। व्याख्या इतनी उत्तम है कि सम्प्रदाय-पुरस्सर अध्ययन करने का ही लाभ प्राप्त होता है। अभिनव संस्करण १०—००

१०५० **वेदान्तप्रक्रियाप्रत्यभिज्ञा।** श्री सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती संयमी विरचित १६—००

१०५१ **वेदान्तप्रबोध।** हिन्दी टीका सहित २—००

१०५२ **वेदान्त बालबोधिनी।** 'प्रातः स्मरण स्तोत्र' व्याख्या ०—९४

१०५३ **वेदान्तरहस्यम्।** ०—२५

१०५४ **वेदान्तविद्वद्गोष्ठी।** ३—२५

१०५५ **वेदान्तसंज्ञा।** हिन्दी टीका सहित १—०२

१०५६ **वेदान्तसंज्ञावली।** सव्याख्या १—००

*१०५७ **वेदान्तसारः।** प्रो० रामशरणशास्त्री एम. ए. कृत 'भावबोधिनी' संस्कृत हिन्दी व्याख्या, 'समालोचनादि' सहित सुसंस्कृत परिवर्द्धित चतुर्थ संस्करण २—५०

१०५८ **वेदान्तसारः।** आपदेव कृत व्याख्या सहित १—७५

१०५९ **वेदान्तसारः।** सुबोधिनी-विद्वन्मनोरञ्जनी व्याख्याद्वय सहित ४—००

१०६० **वेदान्तसार-वार्त्तिकराजसंग्रह-पंचीकरणवार्त्तिक।** ०—२५

१०६१ **वेदान्तसिद्धान्तकल्पवल्ली।** हिन्दी टीका सहित ०—७५

१०६२ **वेदान्तसिद्धान्तादर्शः।** २—५०

१०६३ **वेदान्त-सुधा।** ब्रह्मलीन मुनि कृत संस्कृत व्याख्या सहित ५—००

१०६४ **वेदान्तसूत्रमुक्तावली।** ब्रह्मानन्दसरस्वती विरचित ३—५०

१०६५ **वेदान्तस्तोत्रसंग्रहः।** १—००

१०६६ **वयासकन्यायमाला।** भारती तीर्थ मुनि प्रणीत ४—००

*१०६७ **वैराग्यशतकम्।** श्रीभर्तृहरिविरचित। सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा हिन्दी पद्यानुवाद सहित १—२५

१०६८ **वैराग्यशतकम्** । हरिदास वैद्य कृत हिन्दी टीका सहित ७—००
१०६९ **शङ्कर दिग्विजय** । विद्यारण्य विरचित । एन० एस० अनन्तकृष्ण शास्त्री सम्पादित । मूलमात्र ३—५०
१०७० **शङ्कर-दिग्विजय-सारः** । श्रीनिवास केदलाय रचित ०—२५
१०७१ **शंकराचार्यग्रन्थावली** (ईशादिदशोपनिषद्-भगवद्गीता-ब्रह्मसूत्र) शाङ्कर भाष्य सहित । १-३ भाग ११—७५
१०७२ **शङ्कराचार्यविरचितप्रकरणग्रन्थाः** । १२—५०
१०७३ **शतश्लोकी** । वोपदेव कृत । सव्याख्या २—००
१०७४ **शाङ्करग्रन्थावली** । शङ्कराचार्य विरचित उपनिषद् भाष्य १-४ भाग २४—००
गीता भाष्य ६—०० लघु भाष्य ६—००
प्रकरणानि ६—०० स्तोत्राणि ६—००
१०७५ **शाङ्करपादभूषणम्** । रघुनाथसूरि विरचित । १-२ भाग १२—५०
१०७६ **शाण्डिल्यभक्तिसूत्रम्** । नारायण तीर्थ विरचित भक्तिचन्द्रिका व्याख्या-स्वप्नेश्वर भाष्य-नारद भक्तिसूत्र-भक्तिमीमांसा सहित १०—००
१०७७ **शारीरकमीमांसा** । आनन्दभाष्य अर्थात् संग्रहभाष्यम् (ब्रह्मसूत्र पर स्वामी भगवताचार्य कृत भाष्य) ४—००
१०७८ **शारीरकमीमांसा** । भाष्य-वार्तिक-विवरण सहित ६—२५
१०७९ **शास्त्रदर्पणम्** । अमलानन्द प्रणीत ३—००
१०८० **शास्त्रसिद्धान्तलेशसंग्रह** । अप्पयदीक्षित कृत । कृष्णालंकार व्याख्या सहित । प्रथम भाग ३—५०
१०८१ **शिवस्तुतिः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—६२
१०८२ **शिवानन्दलहरी** । ०—२५
१०८३ **शुद्धशाङ्करप्रक्रियाभास्करः** । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत । १-३ भाग २—००
१०८४ **शेषसमुच्चयः** । शंकर प्रणीत विमर्शिनी व्याख्या युक्त ४—५०
१०८५ **शैवपरिभाषा** । शिवाग्रयोगीन्द्र प्रणीता ३—७५
१०८६ **श्रीचैतन्यचरितामृत** । कृष्णदास कविराज गोस्वामी विरचित । हिन्दी टीका सहित । १-४ भाग ३३—५०
१०८७ **श्री जानकीकृपाभाष्यस्य संक्षिप्तसारः** (ब्रह्मसूत्र के १-४ अध्याय पर श्री रामप्रसादाचार्य कृत भाष्य का सार) स्वामी भगवदाचार्य विरचित ५—००
१०८८ **श्री पद्यावली** । श्रीरूपगोस्वामी । वनमालिदास शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित २—२५
१०८९ **श्रीप्रभुदेववचनामृत** । (वीरशैवसिद्धान्त) अनुवादक-शिवकुमारदेव ९—५०
१०९० **श्रुतिमतोद्योतः** । त्र्यम्बकशास्त्री प्रणीत ०—८७
१०९१ **श्रुतिसारसमुद्धरणम्** । सच्चिदानन्द योगी प्रणीत व्याख्या सहित १—००
१०९२ **श्रुतिसारसमुद्धरणम्** । तोटकाचार्य प्रणीतम् । तत्त्वदीपिकाव्याख्या सहित १—२५
१०९३ **षट्संदर्भे तत्त्वसंदर्भः** । व्याख्या द्वय सहित १—५०
*१०९४ संक्षेपशारीरकम् । रामतीर्थस्वामीकृत अन्वयार्थप्रकाशिका टीका (रामतीर्थी) सहित १३—००
*१०९५ **संक्षेपशारीरकम्** । **मधुसूदनसरस्वतीकृत मधुसूदनी टीका सहित समाप्त**
१०९६ **संक्षेपशारीरकम्** । सुबोधिनी-अन्वयार्थप्रकाशिकाव्याख्यायुक्त १-२ भाग १२—५०

वेदान्त–विशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

११२६ **अष्टादशरहस्यम्** । सुदर्शनाचार्य प्रणीत हिन्दी टीका सहित १—०२
११२७ **आगमप्रामाण्यम्** । यामुनाचार्य स्वामी प्रणीत २—००
*११२८ A CRITICAL STUDY OF THE PHILOSOPHY OF RAMANUJA by Dr. Anima Sen Gupta. (Chow. Sans. Studies. Vol. LV.) 20—00
११२९ **कार्याधिकरणतत्त्वम्** । १—२५
*११३० **तत्त्वत्रयम्** । श्रीमल्लोकाचार्यप्रणीतम् । सभाष्यम् समाप्त
११३१ **तत्त्वमुक्ताकलापः** । वेदान्ताचार्य विरचित । सर्वार्थसिद्धि–आनन्ददायिनी व्याख्या द्वय सहित । २–४ भाग १९—७५
*११३२ **तत्त्वशेखरः** । श्रीलोकाचार्य विरचित । तथा–तत्त्वत्रयचुलुक–संग्रहः । श्री कुमारवेदान्ताचार्य श्रीवरदगुरु विरचित दुष्प्राप्य
११३३ **तत्त्वशेखरः** । लोकाचार्य विरचित १—००
११३४ **तत्त्वसारः** । रत्नसारिणी व्याख्या सहित ६—००
११३५ **नयद्युमणिः** । मेघनादारि सूरि विरचितः ९—७५
*११३६ **न्यायपरिशुद्धिः** । सटीक । श्रीवेदान्ताचार्य प्रणीत १५—००
११३७ **न्यायभास्करः** । अनन्तार्य विरचित १—८७
११३८ **न्यायसिद्धाञ्जनम्** । वेदान्तदेशिक विरचित । नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित २५—००
११३९ **परमार्थभूषणम्** । २५—००
११४० **पाराशर्यविजयः** । (प्रथमाध्याय प्रथमपाद) ५—००
११४१ **प्रपन्नपारिजातः** । वरदगुरु विरचित ०—३१
११४२ **ब्रह्मसूत्र** । रामानुजाचार्य प्रणीत श्रीभाष्य व्याख्या–हिन्दी टीका सहित । प्रथम अधिकरणान्त भाग ४—००
११४३ **भेदवादः–तत्क्रतुनयविचारः** । अनन्तार्यवर्य विरचित ०—३१
११४४ **मोक्षकारणतावादः–दृश्यत्वानुमाननिरासवादः** । अनन्ताचार्य विरचित ०—३१
११४५ **यतिलिङ्गसमर्थनम्** । वरदगुरु विरचित । **यतिलिङ्गभेदभङ्गवादः** । वेदान्ताचार्य विरचित ०—३१
११४६ **यतीन्द्रमतदीपिका** । श्रीनिवासदास प्रणीत । प्रकाश व्याख्या समेत २—००
*११४७ **रामानुज–वेदान्तसारः** । सटिप्पण 'अधिकरणसारावली' सहित २—५०
११४८ **रामानुजसिद्धान्तसारः** १—२५
११४९ **विशिष्टाद्वैतदर्शनम्** । स्वामी भगवदाचार्य प्रणीत २—००
११५० **विशिष्टाद्वैतमतविजयवादः** । नरहरि पण्डित विरचित ०—२५
११५१ **विशिष्टाद्वैताधिकरणमाला** । सुदर्शनाचार्य विरचित १—००
११५२ **विषयवाक्यदीपिका** । रङ्गरामानुजप्रणीत टिप्पणीयुत ६—००
११५३ **विष्णुतत्त्वदीपिका** । तिमण्णाचार्य विरचित २—००
११५४ **वेदान्तकारिकावली** । बुची वेंकटाचार्य विरचित, कृष्णमाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित ८—००
*११५५ **वेदान्तदीपः** । श्रीभगवद्रामानुजाचार्य विरचित । ब्रह्मसूत्रव्याख्या ६—००

११५६ **वेदान्तदीप** । रामानुज प्रणीत । ब्रह्मसूत्र व्याख्या आंग्लानुवाद सहित । १-२ भाग १५—००

११५७ **वेदान्तदीपः** । रामानुज विरचित । स्वामी नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ६—५०

*११५८ VEDANTADESIKA. A Study of His Life, Works and Philosophy by Dr. Satya Vrata Singh. M. A., Ph. D. (Chow. Sans. Studies. Vol. V) 20-00

११५९ **वेदान्तरक्षामणिः** । श्रीभाष्यसमालोचनम् । अनन्त कृष्ण शास्त्री संपादित । प्रथम भाग ६—००

११६० **वेदार्थसंग्रहः** । श्रीरामानुजाचार्यकृत । सटीक ६—००

११६१ **वेदार्थसंग्रहः** । सुदर्शन कृत तात्पर्यदीपिका टीका सहित १०—००

११६२ **वेदार्थसंग्रहः** । रामानुज कृत । आंग्लभूमिका आंग्लानुवाद सहित २०—००

११६३ **वैष्णवमतदूषणोद्धारः** । अनन्ताचार्य विरचित १—२५

११६४ **शतदूषणी** । वेंकटनाथ वेदान्ताचार्य प्रणीत । १-२ खण्ड १—५०

११६५ **श्रीभाष्यम्** । वेदान्तदीप-वेदान्तसार । रामानुज मुनि विरचित । सुदर्शन सूरि कृत श्रुतप्रकाशिका, वेदान्त देशिक कृत अधिकरण सारावली, महादेशिक कृत गूढार्थ संग्रह व्याख्या सहित । जिज्ञासाधिकरण १-१-१ तक ३०—००

११६६ **श्रीभाष्यम्** । भाष्यार्थ दर्पण टीका सहित । १-२ भाग । सम्पूर्ण ३०—००

११६७ **श्रीभाष्यम्** । रामानुज विरचित । आंग्लभाषानुवाद टिप्पण्यादि समेत आर० डी० करमरकर सम्पादित । १-३ भाग ४८—००

११६८ **श्रीभाष्यप्रकाशिका** । श्रीनिवासाचार्य विरचित ६—५०

***११६९ श्रीभाष्यवार्तिकं यतीन्द्रमतदीपिका च । श्रीनिवासाचार्य कृता तथा सकलाचार्यमतसंग्रहश्च ६—००**

११७० **श्रौतसिद्धान्तचालीसा** । हिन्दी टीका सहित ०—३१

११७१ **सद्विद्याविजयः** । वेदान्तविजय भट्टाचार्य विरचित २—२५

११७२ **सिद्धान्तचिन्तामणिः** । १—००

११७३ **सिद्धान्तसिद्धाञ्जनम्** । कृष्णानन्द सरस्वती विरचित । भास्कर दीक्षित प्रणीत रत्नतूलिका व्याख्या सहित । प्रथम भाग १८—७५

११७४ **सिद्धित्रयम्** । यामुनाचार्य कृत । सिद्धाञ्जन व्याख्या सहित ३—५०

११७५ **सुदर्शनमीमांसा** । लक्ष्मणाचार्य विरचित ०—७८

श्री राघवाचार्य जी के ग्रन्थ

११७६ **अर्थपञ्चक** । अनुवादक-राघवाचार्य ०—१५

११७७ **ईशोपनिषद् काव्य** । ०—३७

११७८ **ऊर्ध्वपुण्ड्र मीमांसा** । राघवाचार्य कृत ०—३०

११७९ **ऊर्ध्वपुण्ड्र विवेचन** । रतनलाल जोशी (संकर्षणाचार्य) ०—२५

११८० **कार्तिक माहात्म्य** । राघवाचार्य ०—०६

११८१ **गद्यत्रय** (शरणागतिगद्य-श्रीरङ्गगद्य-श्रीवैकुण्ठगद्य) रामानुज मुनीन्द्र विरचित । हिन्दी टीका-अनुशीलन सहित । अनुवादक-राघवाचार्य ०—५०

११८२ **गीतालोक : एक झलक** । 'चन्द्रमणि' ०—१०

११८३ **चतुःश्लोकी व्याख्या** । अखिल वें० गोपालाचार्य विरचित ०—७५

११८४ **तप्त-शंख-चक्र-धारण** । रतनलाल जोशी (संकर्षणाचार्य) ०—१५
११८५ **तिरुप्पावै** । गोदा विरचित । वी० एस० रंगनाथाचार्य कृत हिन्दी टीका १—००
११८६ **नारायणकवच** । ०—२०
११८७ **नित्यानुष्ठान-विधिः** । सं० नि० खगेन्द्राचार्य २—००
११८८ **न्यासतिलक** । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित १—५०
११८९ **न्यासदशक** । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक रचित । नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ०—८०
११९० **न्यासविंशति** । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित १—००
११९१ **परतत्त्वसूत्रम्** । हिन्दी टीका सहित । डॉ० कृष्णदत्त भारद्वाज ०—३७
११९२ **परमपदसोपान** । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित ४—००
११९३ **प्रधानशतक** । वेदान्तदेशिक विरचित । अनु०-श्री श्रीनिवास राघवाचार्य ०—१९
११९४ **भगवत्पूजाविधिः** । दीक्षित वेङ्कटाचार्य स्वामी संगृहीत ०—५०
११९५ **मुकुन्दमाला** । कुलशेखर विरचित । भोलानाथ शर्मा 'हरिचक्र शरण' कृत हिन्दी टीका सहित ०—२५
११९६ **यतिराजसप्ततिः** । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित ४—००
११९७ **रहस्यशिखामणिः** । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी अनुवाद । सं० राघवाचार्य ०—१९
११९८ **विवाहमीमांसा** । राघवाचार्य ०—२५
११९९ **विष्णुसहस्रनाम स्तोत्र** । राघवाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित २—००
१२०० **विष्वक्सेन पूजाविधि** । दीक्षित वेङ्कटाचार्य स्वामी संगृहीत ०—१२
१२०१ **वेदार्थ-संग्रह** । रामानुज विरचित । स्वामी नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ६—००
१२०२ **श्रीअहोबिलमठ—एक परिचय** । ०—१२
१२०३ **श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः** । वर्गीकरण—अध्ययन समेत ०—१२
१२०४ **श्रीनिवास** । राघवाचार्य ०—१२
१२०५ **श्रीपञ्चमुखी हनुमत्कवचम्** । ०—१०
१२०६ **श्रीबालमुकुन्दसन्देश** । स्वामी बालमुकुन्दाचार्य । हिन्दी टीका सहित ०—०५
१२०७ **श्री ब्रह्मतन्त्र परकालमठ-एक परिचय** । राघवाचार्य कृत ०—१५
१२०८ **श्रीवेदान्तदेशिक** । राघवाचार्य ०—५०
१२०९ **श्रीसूक्तम्** । राघवाचार्य कृत हिन्दी टीका तथा अनुशीलन सहित ०—१५
१२१० **श्रीस्तुतिः** । वेदान्तदेशिक विरचित । अन्वयार्थ-भावार्थ-अध्ययन सहित । अनुवादक—राघवाचार्य ०—३७
१२११ **सनातन-धर्मसार-संग्रह** । (मतसार संग्रह) डि० टी० ताताचार्य कृत । अनुवादक—के० वि० नीलमेघाचार्य ०—५०
१२१२ **सांख्य-दर्शन** । विद्यासागर शास्त्री १—००
१२१३ **होली** । राघवाचार्य ०—१९

स्वामिभगवदाचार्य-श्रीरामानन्दसम्प्रदायविशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

१२१४ **ईशादयो दशोपनिषदः** । स्वामी भगवदाचार्य कृत संस्कार भाष्य सहित ८—००

१२१५ **क्रान्ति के इतिहास की एक झलक** (श्रीरामानन्द सम्प्रदाय में संवत् १९७८ की) प्रथम भाग । स्वामी भगवदाचार्य ०—७५

१२१६ **तत्त्वार्थ-पञ्चक** । स्वामी भगवदाचार्य ०—५०

१२१७ **दशरथमोक्षः** । ०—१६

१२१८ **दिव्यस्तोत्रकलापः** । १—५०

१२१९ **भक्तकल्पद्रुमः** । ०—२५

१२२० **भगवत्पूजनपद्धतिः** । ०—५६

१२२१ **भारत–परिजातम्** (श्रीमहात्मा-गान्धि-चरितम्) स्वामी भगवदाचार्य । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग १८—००

*१२२२ **ब्रह्मसूत्रीयवेदान्तवृत्तिः** । श्री भगवद्रामानन्दमुनीन्द्रप्रसादिता श्रीमदानन्दभाष्यानुसारिणी, स्वामीरघुवराचार्यवेदान्तकेसरिणा कृता १—२५

१२२३ **यतिधर्मसमुच्चयः** । ०—५०

१२२४ **यतीन्द्रविंशतिः** । ०—१२

१२२५ **रामपटल** । भगवदाचार्य कृत रहस्यप्रकाशिका व्याख्या सहित १—५०

१२२६ **विशिष्टाद्वैतदर्शनम्** । २—००

१२२७ **वेदान्तदर्शन** । व्यास प्रणीत । रामानन्द नामक संस्कृत-हिन्दी भाष्य सहित (श्रीरामानन्द सिद्धान्तानुसारी ब्रह्मसूत्र भाष्य) ६—००

१२२८ **वेदान्तदर्शनापरपर्याय ब्रह्मदर्शन** । भगवत्पाद वेदव्यास प्रणीत । वैदिकभाष्य सहित । १-२ अध्याय ।१-२ भाग १०—००

१२२९ **वैष्णवमताब्जभास्करः** । ०—७५

१२३० **शारीरकमीमांसा** । आनन्दभाष्य अर्थात् संग्रह भाष्य सहित (ब्रह्मसूत्र पर स्वामी भगवादाचार्य का भाष्य) ४—००

१२३१ **श्रीजानकीकृपाभाष्यस्य संक्षिप्तसारः** । ब्रह्मसूत्र पर श्रीरामप्रसादाचार्य कृत भाष्य का सार) ५—००

१२३२ **श्रीभगवद्गीता-तत्त्व-विमर्श** । १—००

१२३३ **श्रीमद्भगवद्गीता** । भगवद्भाष्य सहित । १-६ अध्याय २—५०

१२३४ **सामवेद और यजुर्वेद भाष्य की प्रस्तावना** । ३—००

१२३५ **सामवेद संहिता** । सामसंस्कार नामक संस्कृत-हिन्दी भाष्य सहित १-३ भाग १७—००

१२३६ **स्वामी भगवदाचार्य** । प्रथम भाग । बालकाण्ड-अयोध्याकाण्ड-गुर्जरकाण्ड ७—००

१२३७ **स्वामी भगवदाचार्य** । द्वितीय खण्ड । वेद विषयक प्रश्नोत्तर १—२५

१२३८ **स्वामी भगवदाचार्य**। तृतीय भाग। रहस्योद्घाटन-श्रीराममन्त्रराज परम्परा-तत्त्वोद्बोधनमीमांसा–श्रीपरम्परापरित्राण–प्रस्तुतप्रसङ्गभङ्ग-तत्त्वप्रकाश-श्री सम्प्रदाय और अस्पृश्यस्पर्श-त्रिरत्नी–श्रीसम्प्रदायरक्षा-श्रीविभूतिधारण-विचार-आर्यावर्त का गुरुत्व ग्रन्थों का संग्रह) ७—००

१२३९ **स्वामी भगवदाचार्य** । चतुर्थ भाग । भगवद्गीता के २, १२, १३, १५ अध्याय-गुजराती टीका सहित ५—२५

१२४० **स्वामी भगवदाचार्य ।** पञ्चम भाग (स्वामी भगवदाचार्य के जीवन चरित से सम्बन्धित पूर्व अफ्रिका के प्रवचन) ४—००

१२४१ **स्वामी भगवदाचार्य ।** षष्ठ भाग (प्रश्नोत्तर रत्नमाला) ५—५०

१२४२ **स्वामी भगवदाचार्य ।** सप्तम भाग (लेखरत्नमञ्जूषा) १०—००

वेदान्त-द्वैताद्वैतग्रन्थाः

*१२४३ क्रमदीपिका । जगद्विजयिश्रीकेशवभट्टाचार्यप्रणीता । विद्याविनोद-श्रीगोविन्दभट्टकृतविवरणोपेता । पुरुषोत्तमप्रसाद कृतगुरुभक्तिमन्दाकिनीव्याख्यायुत-श्रीनिवासाचार्य कृत लघुस्तवराजस्तोत्र सहित ६—००

१२४४ **निम्बार्क सम्प्रदाय और उसके कृष्ण-भक्त हिन्दी कवि ।** डॉ० नारायण दत्त शर्मा । प्रथम भाग-सिद्धान्त खंड ७—८५

*१२४५ ब्रह्ममीमांसाभाष्यम् । (वेदान्तपारिजातसौरभनामकं व्याख्यानम्) ३—००

*१२४६ ब्रह्मसूत्रम् । (श्रीनिम्बार्कभाष्यम्) दुष्प्राप्य

*१२४७ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । श्रीदेवाचार्यप्रणीत सिद्धान्तजाह्नवी, श्रीसुन्दरभट्ट विरचित सिद्धान्तसेतु व्याख्या तथा श्रीगिरिधरप्रपन्न रचित लघुमञ्जूषा युक्त दशश्लोकी सहित ६—००

*१२४८ वेदान्तरत्नमञ्जूषा । श्रीपुरुषोत्तमाचार्यविनिर्मिता तथा—वेदान्ततत्त्वबोधः ६—००

*१२४९ वेदान्तसिद्धान्तसंग्रहः । श्रुतिसिद्धान्तापरनामकः श्रीवनमालिमिश्र-ब्रह्मचारिकृतः, स्वकृतस्यैव कारिकारूपमूलग्रन्थस्य व्याख्यात्मकः तथा वेदान्तकारिकावली पण्डितश्रीपुरुषोत्तमप्रसादकृता । मूलकृतैव कृतया अध्यात्मसुधातरङ्गिणीटीकया सहिता ६—००

*१२५० श्रुत्यन्तकल्पवल्ली । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसाद विरचित ६—००

*१२५१ श्रुत्यन्तसुरद्रुमः । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसादविरचितः । तथा श्रीव्रजेश्वरप्रसादकृता श्रुतिसिद्धान्तमञ्जरी च ६—००

वेदान्त-शुद्धाद्वैतग्रन्थाः

*१२५२ गूढार्थदीपिका । धनपतिसूरिकृता । श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धस्य-रासपञ्चाध्यायीव्याख्या, भ्रमरगीतव्याख्या तथा जगन्नाथ-सुधिविनिर्मिता रसव्याख्या च १२—००

*१२५३ प्रस्थानरत्नाकरः । गोस्वामि श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित ६—००

*१२५४ ब्रह्मवादसंग्रहः । [गोस्वामिश्रीहरिरायजीविरचितब्रह्मवादः—गोपालकृष्णभट्टविरचितविवरणसहितः । गोस्वामिश्रीव्रजनाथ—विरचित-ब्रह्मवादः । श्रीरामकृष्णभट्टविरचितशुद्धाद्वैत—परिष्कारः—श्रीरघुनाथशास्त्रिविरचितशुद्धाद्वैतपरिष्कारतात्पर्य-व्याख्यानसहितः । हिन्दीभाषानुवादसमेतश्च] २—००

१२५५ **ब्रह्मसूत्र और वैष्णव भाष्य** । सं०-डॉ० रामकृष्ण आचार्य १—२५

*१२५६ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः-मरीचिका** । (अणुभाष्यानुसारि) श्रीव्रजनाथभट्ट कृत ६—००

१२५७ **ब्रह्मसूत्रों के वैष्णव भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन** । डॉ० रामकृष्ण आचार्य १०—००

*१२५८ **शुद्धाद्वैतमार्तण्डः** । गोस्वामिश्रीगिरिधरजीमहाराजविरचितः । श्रीरामकृष्णभट्टविरचितप्रकाशव्याख्यासंवलितः । तथा— **प्रमेयरत्नार्णवः** । श्रीबालकृष्णभट्टविरचितः समाप्त

१२५९ **शुद्धाद्वैतमार्तण्डः** । गोस्वामी गिरिधर जी महाराज विरचित । श्रीरामकृष्ण भट्ट विरचित प्रकाश व्याख्या सहित । **प्रमेयरत्नार्णवः** लाल भट्ट उपनाम श्रीबालकृष्ण भट्ट विरचित तथा श्रीहरिराय विरचित **ब्रह्मवाद** सहित ५—००

१२६० **शुद्धाद्वैतमार्त्तण्डः** । भावार्थ-हिन्दी विवेचन सहित २—५०

*१२६१ **श्रीमदणुभाष्यम्** । गोस्वामि श्री पुरुषोत्तमजी महाराज विरचित प्रकाश व्याख्या समेत ४५—००

*१२६२ **श्रीविद्वन्मण्डनम्** । श्रीविठ्ठलनाथदीक्षितकृतम् । गोस्वामिश्री पुरुषोत्तमजी महाराज कृत सुवर्णसूत्र व्याख्या सहित ७—५०

*१२६३ **श्रीसुबोधिनी** । श्रीवल्लभाचार्यविनिर्मिता । श्रीमद्भागवतस्य दशमस्कन्धजन्मप्रकरणे प्रथमाध्यायान्तं व्याख्या । गोस्वामिश्रीविठ्ठलनाथ दीक्षित विरचित टिप्पणी तथा गोस्वामिश्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित प्रकाश व्याख्या समेत ६—००

१२६४ **अनुग्रह मार्ग** । हिन्दी ०—३७

१२६५ **अन्याश्रय असमर्पित त्याग** । गुजराती ०—५०

१२६६ **अष्टछाप काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन** । डॉ० मायारानी टण्डन २५—००

१२६७ **अष्टछाप-परिचय** । सं० प्रभुदयाल मीतल ५—००

१२६८ **अष्टछाप वार्तारहस्य** । हिन्दी ३—००

१२६९ **अष्टसखान की वार्ता** । हिन्दी ३—००

*१२७० **अष्टाक्षरटीका** । व्रजभाषा ०—२५

१२७१ **अष्टाक्षरमन्त्रमाला** । ०—४०

१२७२ **अष्टाक्षरमहामन्त्र** । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी १—००

१२७३ **उपदेशविषयशङ्कानिरासवाद** । अनुवादक-माधव शर्मा ०—५०

१२७४ **कविताकुसुमाकर** । ०—५०

१२७५ **कविवर परमानन्द दास और वल्लभ सम्प्रदाय** । डॉ० गोवर्धननाथ शुक्ल १२—००

१२७६ **कांकरोली का इतिहास** । कण्ठमणि शास्त्रि प्रणीत ६—००

१२७७ **कांकरोली दिग्दर्शन** । भाषा ०—२५

१२७८ **कीर्तन प्रणाली** । हिन्दी १—००

१२७९ **कीर्तन प्रणाली के पद संग्रह** । श्री व्रजभूषणलाल संपादित ९—००

१२८० **कुम्भनदास पदसंग्रह** । व्रजभूषण शर्मा संपादित ३—००

१२८१ **कृष्णदास पद-संग्रह** । गोस्वामी श्री व्रजभूषण शर्मा संपादित । प्रस्तावना-जीवनी-भावविश्लेषण सहित १०—००

१२८२ **गोपीगीत** । श्रीमद्वल्लभाचार्य विरचित श्रीसुबोधिनी जी का हिन्दी भाषान्तर । सं० माधव शर्मा १—२५
१२८३ **गोपी प्रेम पीयूष प्रवाह** । नवनीत रचित १—००
१२८४ **गोपूजाविधि** तथा **गोव्रतविधान** । ०—१२
१२८५ **गोवर्द्धनलीला** । सं० व्रजभूषण शर्मा ०—२५
१२८६ **गोविन्दस्वामी पदसंग्रह** । व्रजभूषण शर्मा सम्पादित ३—००
१२८७ **गो० हरिराय जी का पद-साहित्य** । सं० प्रभुदयाल मीतल ५—००
१२८८ **घनाक्षरी नियम रत्नाकर** । जगन्नाथप्रसाद रत्नाकर रचित ०—२५
१२८९ **चतुर्भुजदासपदसंग्रह** । ३—००
१२९० **चौरासी वैष्णवन की वार्ता** । सरल व्रज भाषा में ५—४०
१२९१ **चौरासी वैष्णवन वार्ता** । गोस्वामी श्री हरिदास प्रणीत । द्वारकादास पारीख सम्पादित ८—००
१२९२ **छीतस्वामी** । जीवनी-पद संग्रह २—००
१२९३ **जगतानन्द** । कवि जगतानन्द कृत १—७५
१२९४ **जगद्गुरु श्री वल्लभाचार्य** । संक्षिप्त जीवन चरित्र। श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी ०—४०
१२९५ **दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता** । १-३ भाग २८—००
१२९६ **ध्यान मंजूषा** । ०—२५
१२९७ **नवधाभक्तिविवेचन** । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी ०—५०
१२९८ **पदसंग्रह** । १-३ भाग ०—४४
१२९९ **परमानन्द सागर** । सं०-डॉ० गोवर्धन नाथ शुक्ल १२—००
१३०० **पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्रम्** । हिन्दी टीका सहित २—००
१३०१ **पुष्टिमार्ग** । (गुजराती) १—२५
१३०२ **पुष्टिमार्गीयस्तोत्ररत्नमाला** । १-२ भाग २—५०
१३०३ **प्राचीनवार्तारहस्य** । तीसरा भाग मात्र १—५०
१३०४ **बालक बालिकाओं को पुष्टिमार्गीय शिक्षार्थ पाठ्यपुस्तक** प्रथम वर्ष के हेतु ०—२५ द्वितीय वर्ष के हेतु ०—२५
१३०५ **व्रज और व्रजयात्रा** । सं० सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल ५—५०
१३०६ **व्रज का सांस्कृतिक इतिहास** । प्रभुदयाल मीतल ३२—००
१३०७ **व्रजपरिक्रमा** । (हिन्दी) १—५० (गुजराती) १—२५
१३०८ **व्रजभाषा साहित्य का ऋतु-सौन्दर्य** । संस्कृत प्रभुदयाल मीतल ४—००
१३०९ **व्रजसाहित्य का इतिहास** । डा० सत्येन्द्र २५—००
१३१० **व्रजसुधा** । श्रीव्रजप्रिया बहू जी अहमदाबाद । हिन्दी ०—४०
१३११ **भक्त-कवि व्यासजी** । वासुदेव गोस्वामी ६—००
१३१२ **भक्तिरसायन** (रासपंचाध्यायी) संस्कृत हिन्दी हरिप्रिया टीका सहित । हरिवक्ष जोशी कृत ९—००
१३१३ **भजन** । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी ०—४०
१३१४ **भट्टपदावली** । हिन्दी ०—२५
१३१५ **भागवत सूरसागर** । हिन्दी ०—२५
१३१६ **भावभावना** । हिन्दी १—२५
१३१७ **भ्रमरगीत** । हिन्दी १—२५

१३१८ **मञ्जरी पञ्चक पर एक दृष्टि निक्षेप ।** सम्पादक-कण्ठमणि शास्त्री ०—५०
१३१९ **महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग ।** सीताराम चतुर्वेदी ५—००
१३२० **मोहनमाधुरी ।** श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी ०—४०
१३२१ **रसिक रसाल ।** कुमारमणि शास्त्री प्रणीत २—००
१३२२ **राधाकृष्णतत्त्व ।** सत्यनारायण शास्त्री २—००
१३२३ **रासलीला : एक परिचय ।** सं० सेठ गोविन्ददास–रामनारायण अग्रवाल २—५०
१३२४ **रासलीला विरोध-परिहार ।** रमानाथ शास्त्री ०—२५
१३२५ **वल्लभवंशवृक्ष ।** तथा आन्ध्रजातीय (तैलङ्ग) भट्ट वंशवृक्ष १२—००
१३२६ **वार्ता साहित्य : एक बृहत् अध्ययन ।** डॉ० हरिहर नाथ टंडन १५—००
१३२७ **वार्तासाहित्य मीमांसा ।** (गुजराती) ०—५०
१३२८ **विरहनिवेदन ।** श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी ०—४०
१३२९ **विविध स्तोत्राणि ।** ०—४०
१३३० **वेणुगीत ।** श्रीमद्वल्लभाचार्य विरचित श्रीसुबोधिनी जी का हिन्दी भाषान्तर । सं० माधव शर्मा १—२५
१३३१ **वैष्णवाह्निक ।** (गुजराती) ०—२५
१३३२ **शुद्धाद्वैत पुष्टिमार्गीय संस्कृत वाङ्मय ।** १-२ खण्ड । हिन्दी १०—००
१३३३ **श्रीकृष्णचरित । सुदर्शन । प्रथम भाग** १०—००
१३३४ **श्री गोवर्धनवासी ।** मूलपुरुष सर्वोत्तम जी का धोल इत्यादि । श्रीकृष्णप्रिया बेटी जी ०—४०
१३३५ **श्रीतृतीयगृहकीर्तनप्रणालिका ।** गोस्वामी श्री व्रजभूषण लालजी महाराज १—००
१३३६ **श्रीद्वारकाधीश की प्राकट्यवार्ता ।** गोस्वामी व्रजभूषणजी महाराज प्रणीत २—००
१३३७ **श्रीनारायणकवच ।** ०—१९
१३३८ **श्रीपुरुषोत्तमसहस्रनाम ।** श्रीवल्लभाचार्य ०—१९
१३३९ **श्रीमद्वल्लभगीता अर्थात् षोडश ग्रन्थ ।** मूल, पदच्छेद, हिन्दी अन्वयार्थ तथा सरल भावार्थ सहित । माधव शर्मा १—५०
१३४० **श्रीमद्वल्लभगीता एवं विविध स्तोत्राणि ।** परमानन्द शर्मा ०—६२
१३४१ **श्रीमद्वैष्णव-सिद्धान्त रत्नसंग्रह ।** हिन्दी टीका सहित २—५०
*१३४२ **श्रीमदाचार्यचरितम् ।** ०—१५
१३४३ **श्री महाप्रभु जी की व्रजयात्रा ।** ०—५०
१३४४ **श्रीमोहनभजनमाला ।** १-३ भाग । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी १—२०
१३४५ **श्रीयमुनाजी के ४० पद-वल्लभाख्यान व नित्यलीला ।** श्रीकृष्णप्रिया बेटी जी ०—२५
१३४६ **श्रीयमुनाष्टकम् ।** श्रीमद्वल्लभाचार्य विरचित । पदच्छेद–हिन्दी अन्वयार्थ–भावार्थ–एवं हिन्दी विवेचन सहित ०—७५
१३४७ **श्रीयमुनाष्टक एवं श्रीयमुनाजी के ४० पद ।** परमानन्द शर्मा ०—३७
१३४८ **श्रीयुगलगीत-सुबोधिनीजी ।** सं० माधव शर्मा १—२५
१३४९ **श्रीरासपञ्चाध्यायी : सांस्कृतिक अध्ययन ।** रसिक बिहारी जोशी १०—००
१३५० **श्रीवल्लभदिग्विजय ।** व्रजभाषा १—००
१३५१ **श्रीविट्ठलेश लग्नगीत ।** (गुजराती) ०—२५
१३५२ **श्रीवृन्दावनचन्द्र-शिख-नख-ध्यान-मञ्जूषा ।** दामोदरदेव भट्टाचार्य ०—२५

१३५३ **श्रीवृन्दावन-महिमामृतम्।** प्रबोधानन्द सरस्वती विरचित। हिन्दी टीका सहित।१—१७शतक। १-४ भाग ५—२५

१३५४ **श्रीस्तवकल्पद्रुमः।** पुरुषोत्तमदास कृत (संस्कृत) ७—००

१३५५ **षट् ऋतुवार्ता।** हिन्दी १—००

१३५६ **षोडश ग्रन्थ।** महाप्रभु श्रीवल्लभाचार्य विरचित ०—४०

१३५७ **समस्या कुसुमाकर।** १-२ भाग १—००

१३५८ **समस्या पूर्ति संग्रह।** दूसरा भाग मात्र १—००

१३५९ **सिद्धान्तरहस्य।** ब्रह्मसम्बन्ध अर्थात् आत्मनिवेदन विचार अष्टाक्षर मन्त्र महिमा सहित ०—४०

१३६० **स्वामी हरिदास जी की जीवनी और वाणी तथा अष्टाचार्यों एवं भक्त-कवियों की जीवनी रचनाएँ।** प्रभुदयाल मीतल ३—००

१३६१ **स्वामी हरिदास जी की वाणी।** प्रभुदयाल मीतल १—००

१३६२ **हिन्दी साहित्य और पुष्टि मार्ग।** ०—२५

माध्ववेदान्त-ग्रन्थाः

१३६३ **उपाधिखण्डनम्।** श्रीनिवासतीर्थीयसहितम्। व्याख्या सहित २—०६

१३६४ **द्वैताध्वकण्टकोद्धारः।** नागराजशर्मणा विरचितः २—५०

१३६५ **न्यायामृतलहरी।** नागराजशर्मा प्रणीत १—२५

१३६६ **ब्रह्मसूत्रभाष्यम्।** मध्वाचार्य कृत। जयतीर्थ-व्यासतीर्थ-राघवेन्द्रतीर्थ टीका सहित। चतुर्थ भाग मात्र ४—३७

१३६७ **मध्वमन्त्ररत्नाकरः।** सव्याख्यानः। त्रयस्तरङ्गाः ६—८८

१३६८ **मध्वमुखालङ्कारः।** वनमालि मिश्र कृत १—५०

१३६९ **मायावादखण्डनम्।** श्रीनिवासतीर्थीयसहितम्। सटिप्पण १—०६

१३७० **वादावली।** जयतीर्थ विरचित। आंग्लानुवाद सहित १५—००

१३७१ **सूत्रार्थामृतलहरी।** कृष्णावधूत पण्डित विरचित ३—२५

वेदान्त-ग्रन्थ-भाषा

१३७२ **अदृश्यसहायक।** अनुवादक—पंड्या बैजनाथ २—५०

१३७३ **अद्वय प्रबोधानन्द मार्तण्डविहार।** मग्नानन्द प्रणीत। रामानन्द कृत हिन्दी टीका सहित १—५०

१३७४ **अद्वैतदर्शन अर्थात् एकसत्तावाद।** स्वामी गोविन्दानन्द सरस्वती २—५०

१३७५ **अध्यात्मदर्शन।** कृष्णानन्द सरस्वती कृत ४—००

१३७६ **अध्यात्म प्रकाश।** शुकदेव प्रणीत ०—४२

१३७७ **अध्यात्म योग और चित्त विकलन।** व्यंकटेश्वर शर्मा ७—५०

१३७८ **अध्यात्मविकास।** स्वामी विष्णु तीर्थ १—५०

१३७९ **अनुभवप्रकाश।** बनानाथ कृत। (मारवाड़ी भाषा) २—१०

१३८० **अन्तरात्मा।** स्वामीरामतीर्थ २—००

१३८१ **अन्तःकरणविज्ञान।** ०—७५

१३८२ **अमरविद्या।** स्वामी पारसनाथ ३—००

*१३८३ **अमृतमन्थन।** (जीवन का दिव्य पक्ष) डॉ० मंगलदेव शास्त्री ४—५०

१३८४ **अरण्यसंवाद।** स्वामी रामतीर्थ २—००

१३८५ **आत्मचिन्तन** । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । श्रीमती लक्ष्मी देवदास गांधी अनुवादित २—४०
१३८६ **आत्मतत्त्वप्रकाश** । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती १—५०
१३८७ **आत्मपथ** । कृष्णानन्द सरस्वती २—००
१३८८ **आत्मप्रबोध** । १—००
१३८९ **आत्मबोध** । जगद्रामराय कृत । बंगला का हिन्दी पद्यानुवाद तथा **उत्तरगीता** । हिन्दी रूपान्तर । भूपेन्द्रनाथ सान्याल संकलित २—५०
१३९० **आत्मविकास** । आनन्दकुमार ६—००
१३९१ **आत्मविद्या** । स्वामी सत्यानन्द प्रणीत १—५०
१३९२ **आत्मविद्या** । माधवराव सप्रू ४—००
१३९३ **आत्मविज्ञान** । स्वामि व्यासदेव । सचित्र १५—००
१३९४ **आत्मविलास** । स्वामी आत्मानन्द २—५०
१३९५ **आत्मसाक्षात्कार की कसौटी** । बाबा नगीनासिंह वेदी ३—००
१३९६ **आत्मानुभव** । स्वामीरामतीर्थ ३—००
१३९७ **आत्मानुभूति** । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती २—००
१३९८ **आत्मानुभूति तथा उसके मार्ग** । स्वामी विवेकानन्द १—७५
१३९९ **आत्मोद्धार** । रामचन्द्र वर्मा १—५०
१४०० **आदर्श जीवन** । रामचन्द्र शुक्ल १—५०
१४०१ **आध्यात्मिक जीवन** । अनुवादिका-कौशल्यादेवी मोहता ४—५०
१४०२ **आध्यात्मिक-विषय-मीमांसा** । चतुर्भुज सहाय । १-२ भाग ४—७५
१४०३ **आनन्दमार्ग** । स्वामी कृष्णानन्द २—००
१४०४ **आभास और सत्** । एफ० एच० ब्रेडले । अनुवादक डॉ० फतह सिंह ११—००
१४०५ **इन्द्रशक्ति का विकास** ०—७५
१४०६ **ईश्वर का साक्षात्कार** । सातवलेकर ३—००
१४०७ **ईश्वरस्वरूपदर्शन हीराप्रकाश** । स्वामी हीरानंद ७—२५
१४०८ **उपदेशमञ्जरी** । दयानन्द सरस्वती ३—००
१४०९ **एकत्वदर्शन** । निर्मलचन्द्र १—५०
१४१० **ओङ्कारनिर्णय** । शिवशङ्कर १—५०
१४११ **कर्त्तव्य** । रामचन्द्र वर्मा ३—००
१४१२ **कर्तव्य दर्पण** । महात्मा नारायण स्वामी १—२५
१४१३ **कर्म और योग** । स्वामी कृष्णानन्द २—५०
१४१४ **कर्मयोग** । स्वामी विवेकानन्द २—००
१४१५ **कर्मवाद और जन्मान्तर** । ललिताप्रसाद पाण्डेय ३—७५
१४१६ **कल्याण का मार्ग** । स्वामी योगानन्द २—२५
१४१७ **कल्याण किरणावली** । स्वामी शिवगिरि (गुजराती) ०—७५
१४१८ **ज्ञानी गुरु अर्थात् ज्ञान और साधन पद्धति** । स्वामी निगमानन्द सरस्वती प्रणीत ५—००
१४१९ **चन्द्रकान्त (वेदान्त)** । सर इच्छाराम देसाई । १-३ भाग ३०—००
१४२० **चरित्रनिर्माण** । सत्यकाम विद्यालङ्कार २—५०
१४२१ **चिद्विलास** (हिन्दी) श्रीसम्पूर्णानन्द ५—००
१४२२ **चैतन्यचरितावली** । १-५ भाग ५—६५

१४२३ **जगजीतप्रज्ञा** । बाबा नगीनासिंह वेदी १—००
१४२४ **जीवन का सदुव्यय** । हरिभाऊ उपाध्याय ३—००
१४२५ **जीवन की पहेली** । एनी बेसेंट । अनुवादक–जलेश्वरप्रसाद ०—७५
१४२६ **जीवन की भूलें** । स्वामी वेदानन्द तीर्थ ०—५०
*१४२७ जीवन-दर्शन । डॉ० मुंशीराम शर्मा
जीवन क्या है ? वह कैसे विकसित तथा उन्नत होता है ? जीवनपथ पर कैसे मोड़ आते हैं ?' आदि पर विस्तृत विवेचन २—००
१४२८ **जीवनधर्म** । निर्मलचन्द्र १—५०
१४२९ **ज्ञान-माला** (भाषा वार्तिक) ०—४२
१४३० **ज्ञानवैराग्य छन्दावली** । १–२ भाग १—२५
१४३१ **तत्त्वचिन्तामणि** । जयदयाल गोयनका । १–७ भाग । स्थूलाक्षर । ९—५०
१४३२ **तत्त्वज्ञान** । डा० दीवानचन्द ४—००
१४३३ **तत्त्वज्ञान** । महात्मा आनन्दस्वामी ३—००
१४३४ **तत्त्वज्ञान-महाज्ञान** । हिन्दी अनुवाद सहित ३०—००
१४३५ **तत्त्वसार** (मराठी) चांगदेव वटेश्वर कृत १—००
१४३६ **तत्त्वानुसन्धान** । स्वामी चिद्घनानन्द ८—४०
१४३७ **दर्शनानन्द ग्रन्थ संग्रह** । १–२ भाग ५—००
*१४३८ दिव्य जीवन दर्शन । ले०–पथिक । ज्ञान, भक्ति और कर्मयोग का समन्वय जिसके जीवन में हुआ हो ऐसे ज्ञानी भक्तयोगी द्वारा सरल, मौलिक शब्दों में कपिल के सांख्य, भगवान श्रीकृष्ण की गीता तथा विविध शास्त्रों के सिद्धान्तों का सारभूत सदुपदेश इस पुस्तिका में निहित है । ०—५०
१४३९ **पक्षपात रहित अनुभव प्रकाश** । विशुद्धानन्द कालीकमलीवाले ९—६०
१४४० **पञ्चकोश और सूक्ष्म जगत्** । गङ्गाप्रसाद ०—८८
१४४१ **पञ्चीकरण** । श्रीराम विरचित । जयकृष्ण कृत हिन्दी व्याख्या ३—००
१४४२ **परमात्मा अनुभव** । शिवनारायण पनपालिया ०—७५
१४४३ **परलोकतत्त्व** । ०—८७
१४४४ **पारसमणि** (पारस भाग का हिन्दी अनुवाद) स्वामी आत्मानन्द । स्वामी सनातनदेव संशोधित ६—००
१४४५ **पूजातत्त्व** । म० म० गोपीनाथ कविराज ४—००
*१४४६ प्रज्ञानानन्द प्रकाश । भावार्थकौमुदी हिन्दी अनुवाद सहित ३—००
१४४७ **प्रपञ्चपरिचय** । विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि २—००
१४४८ **प्रभुदर्शन** । महात्मा आनन्दस्वामी २—५०
१४४९ **प्राणतत्त्व** । स्वामी विष्णु तीर्थ १—५०
१४५० **प्रेमयोग** । २—००
१४५१ **ब्रह्मज्ञान अपूर्व भण्डार** । स्वामी आत्मदेव ६—००
१४५२ **ब्रह्मविज्ञान** । योगेश्वरानन्द सरस्वती १४—००
१४५३ **ब्रह्म विद्या** । कृष्णानन्द सरस्वती ६—००

*१४५४ **भक्ति का विकास** । डॉ० मुंशीराम शर्मा
परम पुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और भक्ति' तत्त्व के विषय में यथावत् ज्ञेय सामग्री का एकत्र संकलन २०—००

*१४५५ **भक्तितरंगिणी** । डॉ० मुंशीराम शर्मा
भक्ति-भाव से ओत-प्रोत वेदमन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद भक्ति-तरङ्गिणी अध्यात्म-पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल सिद्ध होगी ३—००

१४५६ **भगवद्ज्ञान के विचित्र रहस्य** । बाबा नगीनासिंह वेदी २—००

१४५७ **भारतीय तत्त्वचिन्तन** । श्री व्रजभूषण पाण्डेय । इस पुस्तक में विद्वान् लेखक ने शास्त्रीय जटिलताओं से दूर रह कर अत्यन्त बोधगम्य भाषा एवं शैली में भारतीय मनीषियों के चिन्तनों को पल्लवित किया है। दर्शन के गूढ़ सिद्धान्तों की सुन्दर एवं मार्मिक व्याख्या ही इस ग्रन्थ की अपनी विशेषता है ३—५०

१४५८ **महावाक्य** । परमहंस स्वामी योगानन्द १—५०

१४५९ **मार्ग की खोज** । रोहित महेता । अनुवादिका—देवी महेता १—५०

१४६० **मोक्ष प्राप्ति के दो विभिन्न मार्गों की अमरूपता** । स्वामी आत्मानन्द ०—५०

१४६१ **युगप्रवर्तक विवेकानन्द** । स्वामी अपूर्वानन्द २—५०

१४६२ **युगाचार्य विवेकानन्द** । स्वामी अपूर्वानन्द ०—९२

१४६३ **योग रसायन** । १—२५

१४६४ **योगवासिष्ठ-भाषा** । सम्पूर्ण १-२ भाग ३०—००

१४६५ **योगवासिष्ठ** (दो प्रकरण भाषा) ०—७५

१४६६ **योगवासिष्ठ आणि संत वाङ्मय** । डॉ० यशवन्त विट्ठल परांजपे (मराठी) १०—००

१४६७ **योगवासिष्ठकथा** । रघुनाथ सिंह १५—००

१४६८ **रुहानी सात मञ्जिलें** (प्रवचन पूज्य गुरुदेव) हरीशचन्द्र प्रसाद ०—२०

१४६९ **विचारचन्द्रोदय** । पीताम्बर कृत । निगमानन्द अनुवादित २—००

१४७० **विचार चन्द्रोदय—पीताम्बरी** ३—००

१४७१ **विचारप्रदीपिका** । शिवगिरि २—००

१४७२ **विचार माला** । स्वामी गोविन्ददास २—४०

१४७३ **विचार सागर** । स्वामी निश्चल दास कृत । मूल १—७५

१४७४ **विचार सागर** । निश्चलदास तथा पीताम्बर कृत १२—००

*१४७५ **विचारसागर** । व्याख्याकार—स्वामी श्री हनुमानदास जी षट्शास्त्री।
ब्रह्मनिष्ठ श्री स्वामी निश्चलदास विरचित हिन्दी का यह प्रसिद्ध गूढ़ ग्रन्थ सुविशद हिन्दी भाष्य के साथ प्रकाशित किया गया है। हिन्दी-संस्कृत की विचार-पोषक सूक्तियाँ भी व्याख्यान में यत्र-तत्र पिरोई हुई हैं ३—००

१४७६ **विचारसागरदर्पण और दृष्टि-सृष्टि** । स्वामी मनोहरदास ४—००

१४७७ **वृत्तिप्रभाकर** । निश्चलदास ८—४०

१४७८ **वृत्तिप्रभाकर** । स्वामी निश्चलदास । अनुवादक—स्वामी आत्मानन्द ६—००

१४७९ **वेदान्त** । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित १—००
१४८० **वेदान्त और अद्वैतवाद** । स्वामी गणेशदास २—००
१४८१ **वेदान्त छन्दावली** । १–५ भाग २—५०
१४८२ **वेदान्तदीपिका** । स्वामी योगानन्द (आलू वाले बाबा) २—५०
१४८३ **वेदान्तरहस्य** । स्वामी योगानन्द १—००
१४८४ **वेदान्त सिद्धान्त और व्यवहार** । स्वामी शारदानन्द ०—५०
१४८५ **व्यावहारिक आत्मविद्या** । एच. पी. ब्लवेडस्की । अनुवादक–रविशरणवर्मा १—२५
१४८६ **व्यावहारिक जीवन में वेदान्त** । स्वामी विवेकानन्द १—१५
१४८७ **शङ्कराचार्य** । श्री बलदेव उपाध्याय १०—००
१४८८ **शङ्कराचार्य का आचार दर्शन** । डा० रामानन्द तिवारी ५—००
१४८९ **शान्ति की ओर** । जगदीशप्रसाद गोयल १—२५
१४९० **श्रीनारायण-उपदेशामृत** । शिवोम्प्रकाश ब्रह्मचारी १—७५
१४९१ **श्रीब्रह्मसंकीर्तन** । (डोगरी वेदान्त) स्वामी ब्रह्मानंद तीर्थ ८—२५
१४९२ **श्रीशङ्कराचार्य का मायावाद** । डॉ० बी० एल० आत्रेय १—००
१४९३ **श्रुति की टेर** । 'भोला' ०—७५
१४९४ **सत्य की खोज में** । पारसनाथ सहाय २—००
१४९५ **सत्यदर्शन** । कालिकानन्द स्वामी । गोपालचन्द्र वेदान्त शास्त्री अनुवादित ५—००
१४९६ **समता क्या है** । स्वामी आत्मानन्द ०—७५
१४९७ **स्वतन्त्र चिन्तन** । कर्नल इंगरसोल । भदन्त आनन्द कौसल्यायन १—५०
१४९८ **स्वरूपानुमत** । क्षितीशचन्द्र चक्रवर्ती २—५०
१४९९ **स्वर्ग का विमान** ६—००
१५०० **हृदय के सिद्धान्त** । एनी बेसेंट । अनुवादक–रविशरण वर्मा १—२५



स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती जी के ग्रन्थ

१५०१ **आनन्दवाणी** । १–९ भाग ८—००
१५०२ **ईशावास्य-प्रवचन** १—२५
१५०३ **चरित्रनिर्माण आणि ब्रह्मज्ञान** । अनु०–शरद द्वारकानाथ हजारे (मराठी) १—००
१५०४ **नारदभक्तिदर्शन** । ७—००
१५०५ **भक्तियोग** । श्रीमद्भगवद्गीता का बारहवाँ अध्याय पर प्रवचन ४—५०
१५०६ **भगवान के पाँच अवतार** २—००
१५०७ **महाराजश्री का एक परिचय** ०—२५
१५०८ **माण्डूक्य प्रवचन** । ६—००
१५०९ **मोहन नी मोहिनी** । (गुजराती) ०—५०
१५१० **श्रीपुरुषोत्तम योग** २—५०
१५११ **श्री मद्भागवत महापुराण में गोपीगीत** । ३—५०
१५१२ **श्रीमद्भागवत रहस्य** २—५०
१५१३ **सत्संग, साधन और फल** २—००
१५१४ **सांख्ययोग (गीता का द्वितीय अध्याय)** ५—००
१५१५ **सुगम भक्ति मार्ग** २—००

श्री पं० मधुसूदन-विद्यावाचस्पति-कृत-ग्रन्थाः

१५१६ अग्निख्यातिः। २—००
१५१७ अहोरात्रवादः। १—५०
१५१८ आधिदैविकाध्यायः। ३—५०
१५१९ आशौचपञ्जिका। ३—५०
१५२० इन्द्रविजयः। ६—२५
१५२१ ऐतरेयोपनिषद्। ०—७५
१५२२ कादम्बिनी। हिन्दी टीका सहित ६—००
१५२३ कौषीतकोपनिषद्। ०—७५
१५२४ छन्दोभ्यस्ता। ३—१२
१५२५ जगद्गुरुवैभवम्। २—२५
१५२६ दशवादरहस्यम्। १—२५
१५२७ देवतानिवित्। २—५०
१५२८ धर्मपरीक्षापञ्जिका ०—५०
१५२९ निघण्टु मणिमाला अर्थात् वैदिककोषः। १—५०
१५३० निरूढपशुबन्ध १—००
१५३१ पञ्चभूतसमीक्षा। ०—६२
१५३२ पदनिरुक्तम्। १—५६
१५३३ पितृसमीक्षा। १—५०
१५३४ पुराणनिर्माणाधिकरणम्। १—५०
१५३५ पुराणोत्पत्तिप्रसङ्गः। १—८७
१५३६ प्रत्यन्तप्रस्थानमीमांसा। १—००
१५३७ ब्रह्मचतुष्पदी ४—००
१५३८ ब्रह्मविज्ञान। ५—००
१५३९ ब्रह्मविज्ञानप्रवेशिका। २—००
१५४० ब्रह्मविनय। सं० वासुदेवशरण अग्रवाल ५—००
१५४१ ब्रह्मसमन्वयः। ३—००
१५४२ ब्रह्मसिद्धान्तः। १२—००
१५४३ भगवद्गीता-विज्ञानभाष्यम्। प्रथमं रहस्यकाण्डम् ४—००
१५४४ भगवद्गीता-विज्ञानभाष्यम्। द्वितीयं मूलकाण्डम् ४—२५
१५४५ „ तृतीयं आचार्यकाण्डम् ६—८७
१५४६ „ चतुर्थं हृदयकाण्डम् ६—२५
१५४७ मन्वन्तर-निर्धारः। २—५०
१५४८ महर्षिकुल वैभव। हिन्दी भाषानुवाद सहित ४—००
१५४९ महर्षिकुलवैभवम्। प्र.भा. १०—७५
१५५० माधवख्यातिः। २—००
१५५१ यज्ञसरस्वती। (सोमकाण्ड-अग्निचयनकाण्ड) ७—५०
१५५२ यज्ञोपकरणाध्याय-यज्ञविटपाध्याय-कर्मानुक्रमणिकाध्याय २—८७
१५५३ रजोवाद। ६—००
१५५४ वस्तुसमीक्षा। ०—६२
१५५५ विज्ञानविद्युत्। १—५०
१५५६ वेदधर्मव्याख्यान। ४—२५
१५५७ वैज्ञानिकोपाख्यानम्-वैदिकोपाख्यानम्। १—५६
१५५८ व्योमवाद-अपरवाद-आवरणवाद-अम्भोवाद। २—५०
१५५९ शारीरकविज्ञानभाष्यम्। १-२ भाग ६—००
१५६० शारीरकविमर्शः। ७—००
१५६१ संध्योपासनरहस्यम्। हिन्दी टीका सहित २—७५
१५६२ संशयतदुच्छेदवादः। २—७५
१५६३ संस्कृतरत्नाकरः(वेदाङ्कः)। ६—००
१५६४ सदसद्वादः। १—००
१५६५ स्मार्तकुण्डसमीक्षाध्याय। २—००
१५६६ स्वर्गसन्देशः। १—००

राजस्थान-वैदिकतत्त्वशोध-संस्थान-ग्रन्थाः

पं० मोतीलाल शर्मा शास्त्री कृत

१५६७ ईशोपनिषत्। विज्ञान भाष्य। १—२ खण्ड ३०—००
१५६८ उपनिषद्विज्ञानभाष्य भूमिका। प्रथम खंड २०—००
१५६९ उपनिषद्विज्ञानभाष्यभूमिका। द्वितीय खंड १५—००

१५७० **उपनिषद्विज्ञानभाष्यभूमिका ।** तृतीय खंड १५—००
१५७१ **गीताविज्ञानभाष्यभूमिका ।** प्रथम खण्ड । बहिरङ्ग परीक्षा १५—००
१५७२ **गीताविज्ञानभाष्यभूमिका ।** पञ्चम खण्ड । बुद्धियोग परीक्षा । पूर्वखंड २०—००
१५७३ **गीताविज्ञानभाष्य भूमिका ।** भक्तियोग परीक्षा । १-२ खंड ४०—००
१५७४ **गीताविज्ञानभाष्य भूमिका ।** ज्ञानयोग परीक्षा ३—००
१५७५ **भारतीय दृष्टि से विज्ञान शब्द का समन्वय के ज्ञानसत्र से सम्बद्ध प्रश्नोत्तरी विमर्शात्मक वक्तव्य ।** १—५०
१५७६ **भारतीय हिन्दू मानव और उसकी भावुकता ।** प्रथम खंड १५—००
१५७७ **'मानवाश्रम' पाक्षिक सप्ताङ्क समष्टि** ३—००
१५७८ **वेद का स्वरूप विचार ।** २—००
१५७९ **वेदस्य सर्वविद्याविधानत्वम् ।** १—५०
१५८० **शतपथब्राह्मण विज्ञान भाष्य ।** प्रथमकाण्डान्तर्गत प्रथम अध्यायात्मक प्रथम खण्ड २५—००
१५८१ **शतपथब्राह्मण विज्ञान भाष्य ।** प्रथमकाण्डान्तर्गत द्वितीय, चतुर्थ-पंचम-षष्ठ अध्यायात्मक द्वितीय खण्ड ३०—००
१५८२ **शतपथब्राह्मण विज्ञानभाष्य ।** चतुर्थ वर्ष अंक १, ३-४ ७—५०
१५८३ **शतपथब्राह्मण विज्ञानभाष्य ।** पञ्चम वर्ष अंक १ से ३ ७—५०
१५८४ **श्राद्धविज्ञानोपनिषत् ।** (साधिण्ड्य) तृतीय खंड १५—००
१५८५ **श्वेत क्रान्ति का महान् सन्देश ।** ३—००
१५८६ **सत्ता निरपेक्ष**–'संस्कृति' शब्द, एवं सत्तासापेक्ष–'सभ्यता' शब्द का चिरन्तन इतिवृत्त तथा भारतीय–'सांस्कृतिक' आयोजनों की रूपरेखा २५—००
१५८७ **सांस्कृतिक व्याख्यानपञ्चक ।** ६—००



गोरक्षसम्प्रदाय-ग्रन्थाः

१५८८ **अमृतमंजरी-अजीर्णमंजरी ।** ०–२५
१५८९ **अवधू जोगी ।** चन्द्रनाथ कृत ०–३७
१५९० **आदेशार्थप्रकाशः ।** योधपुराधिराज मानसिंह संगृहीत ०–३७
१५९१ **इतिहासप्रकाशः ।** संग्राहक-योगी नरहरिनाथ। १-३ भाग १७–००
१५९२ **कदलीमञुनाथमाहात्म्यम् ।** भारद्वाज संहितायाम् ५–२५
१५९३ **कल्याणवंशावली ।** ०–३१
१५९४ **कवितानिकषोपलः ।** लक्ष्मण कृत ०-५०
१५९५ **कुलचन्द्रिका ।** केशरी कृत ०–२५
१५९६ **गकारादि गोरक्षसहस्रनाम।** योधपुराधिराज मानसिंह संगृहीत १–००
१५९७ **गोरक्षशतकम् ।** आंग्लानुवाद-सहितम् ३–७५
१५९८ **गोरक्षशब्द की निरुक्ति ।** ०–५०
१५९९ **गोरक्षसिद्धान्त संग्रहः ।** हिन्दी टीका सहित २–५०
१६०० **गोरक्षस्तुतिमञ्जरी ।** (मूल संस्कृत, हिन्दी अनुवाद) संग्रहकर्ता–नरहरिनाथ १–५०
१६०१ **गोरखनाथ अवतार कथा ।** गोरक्षनाथाष्टक-पात्रदेवताष्टक ०–५०
१६०२ **गोरखनाथ और उनका युग ।** डा० रांगेय राघव ८—००
१६०३ **गोरखालीहरुको सैनिक इतिहास** ०–३०
१६०४ **गोरखा सैनिक इतिहास ।** ०–७५
१६०५ **गोर्खा वंशावली ।** (नेपाली भाषा) २–००

१६०६ **जगदम्बा श्री पाटेश्वरी स्तोत्र** ०-१२
१६०७ **ज्वालापुराण भाषाश्लोक ।** ०-३७
१६०८ **ज्ञानदीप-बोध** (गुरु दत्तात्रेय-गोरक्षनाथ संवाद) व्याख्याकार-योगनाथ स्वामी ३-००
१६०९ **दक्षिणाविभूतिस्तवराजः ।** ०-५०
१६१० **दिव्य उपदेश ।** (राष्ट्रपिता श्री पृथ्वीनारायण साहदेव को दिव्य उपदेश) ०-५०
१६११ **द्युल्लज्वालापुराण।** विशाखरकृत १-००
१६१२ **देवमालावंशावली ।** २-००
१६१३ **धनुर्वेदः ।** १-००
१६१४ **नवनाथकथा।** (गुजराती) ०-७५
१६१५ **प्रशस्तिरत्नम् ।** रामभद्र कृत ०-४४
१६१६ **भक्तविजयकाव्यम् ।** कवि ललिता वल्लभ विरचित सं० टीका सहित ०-६२
१६१७ **भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम् ।** हरिहरोपाध्यायकृत। हिन्दीटीका सहित १-००
१६१८ **भविष्यवाणीसञ्चय ।** चन्द्रनाथ सैन्धव १-००
१६१९ **महार्थमञ्जरी।** भगवद्गोरक्षनाथ ०-५०
१६२० **मेरा उपक्रम ।** शङ्करनाथ ०-३१
१६२१ **योगबीजम्।** गोरक्षनाथ भाषित १-००
१६२२ **योगसारावली-नाथ सिद्धान्त डिंडिम-गोरचरचास्तोत्र** ०-७५
१६२३ **योगसाहस्री ।** योगिपद्मानन्द नाथ संगृहीत ०-५०
१६२४ **योगिप्रेमनाथचरित्रम् ।** ०-३१
१६२५ **योगी गोरखनाथ सत्यधर्म ।** १-००
१६२६ **रतन बोध ।** ०-०६
१६२७ **रुद्राक्षारण्यमाहात्म्यम् ।** २-७५
१६२८ **विवेकमार्त्तण्डः ।** योगतोषिणी व्याख्या सहित १-५०
१६२९ **वृत्तमालास्तुतिः।** श्रीमित्र कृत ०-७५
१६३० **वैश्वानरपुराणम् ।** हिन्दी टीका सहित १-००
१६३१ **शाबरचिन्तामणिः ।** मत्स्येन्द्रनाथ कृत । हिन्दी अनुवाद सहित १-२५
१६३२ **श्रीचर्पटशतकम् ।** सिद्ध-चर्पटनाथ निर्मित ०-३७
१६३३ **श्रीत्रिभुवनवंशमाला ।** ०-२५
१६३४ **श्रीनाथकथासारः ।** सिद्धद्वारकानाथ योगी विरचित १-००
१६३५ **श्रीनाथग्रन्थसूची ।** ०-५०
१६३६ **श्रीनाथशतकम् ।** श्रीनाथ पृथ्वीस्तव ०-२५
१६३७ **श्रीनाथस्तोत्रभूतिः ।** ०-२२
१६३८ **श्री पाटेश्वरीशतकम् ।** म० शङ्करनाथ ०-३१
१६३९ **श्रीपात्रदेवकदलीयात्रा ।** २-००
१६४० **श्रीशान्तिचरित्रम् ।** नरहरिनाथ रचित ०-७५
१६४१ **श्रीसिद्धधीरजनाथचरित्रम् ।** नरहरिनाथ विरचित हिन्दी टीका सहित १-००
१६४२ **संस्कृतपारसीकपदप्रकाशः ।** १-००
१६४३ **सत्यनाथतीर्थ ।** ०-५०
१६४४ **सांख्यवसन्तः ।** नरहरिनाथ ०-५०
१६४५ **सिद्धभगवन्तनाथाष्टकम् ।** ०-१२
१६४६ **सिद्धरत्ननाथः ।** ०-२५
१६४७ **सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः ।** नाथ-निर्वाण व्याख्या सहित । योगी नरहरिनाथ शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित । संपादक-कडवः शम्भुशर्मा १०-००
१६४८ **सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः ।** श्रीमती कल्याणी मल्लिक संपादित १०-००
१६४९ **सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः ।** हिन्दी टीका सहित ३-२५
१६५० **स्वात्मयोगप्रदीपः ।** १-००
१६५१ **हिमवत्खण्ड ।** हिमालय को पौराणिक इतिहास १५-००

शैव-ग्रन्थाः तथा काश्मीर-शैव-ग्रन्थावली

*१६५२ ABHINAVAGUPTA—An Historical and Philosophical Study by Dr. K. C. Pandeya. (Chow. Sans. Studies Vol. I) 45—00

१६५३ **अजितागमः** । सं० एन० आर० भट्ट । प्रथम भाग । शोधपूर्ण संस्करण २५—००

१६५४ **ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी** । उत्पलदेवाचार्यकृत । अभिनवगुप्त कृत व्याख्या सहित । १–२ भाग ७—००

१६५५ **ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविवृतिविमर्शिनी** । अभिनवगुप्त कृत । १–३ भाग ८—००

१६५६ **उड्डामरेश्वरतन्त्र** । मूल १—७५

*१६५७ COMPARATIVE ÆSTHETICS:—

Vol I. Indian Æsthetics by Dr. K. C. Pandeya. (Chow. Sans. Studies Vol. II) 30—00

Vol II. Western Æsthetics by Dr. K. C. Pandeya. (Chow. Sans. Studies Vol. IV) 30—00

१६५८ **कर्मकाण्डक्रमावलि** । सोमशंभु विरचित १—५०

१६५९ **कामकलाविलासः** । पुण्यानन्द विरचित । सटीक १—२५

१६६० **गणपतितत्त्व** । मूलसंस्कृत श्लोकों की इन्डोनेशीय कविभाषा में व्याख्यान । मूल, देवनागरी तथा रोमन लिपिओं में पृथक्-पृथक् पाठ तथा हिन्दी अनुवाद । टिप्पणी सहित । श्रीमती डॉ० सुदर्शना (डॉ० रघुवीर) सम्पादित ३०—००

१६६१ **गिलगित बौद्धग्रन्थावलिः** । डॉ० रघुवीर-लोकेशचन्द्राभ्यां संपादिता। (भुर्जपत्राणां भाचित्राणि) पार्ट १–४ १२०—००

१६६२ **घटकर्परकाव्य** । अभिनवगुप्त कृत विवृति सहित ०—५०

१६६३ **जन्ममरणविचार-अमरौघानुशासन-तन्त्रवटधानिका** । १—२५

१६६४ **तंत्रसारः** । अभिनवगुप्त कृत २—५०

१६६५ **तन्त्रालोकः** । अभिनवगुप्तकृत । जयरथकृतव्याख्या सहित । १ तथा ३ से १२ भाग ३६—००

१६६६ **देवीनामविलास** । साहिब कौलकृत २—७०

१६६७ **देशोपदेशनर्ममाला** । क्षेमेन्द्रकृत १—५०

१६६८ **नरेश्वरपरीक्षा** । षड्ज्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २—००

१६६९ **नेत्रतन्त्रम्** । क्षेमराजकृत व्याख्या सहित । १–२ भाग ६—००

१६७० **परमार्थसारः** । अभिनवगुप्तकृत । योगराज व्याख्या सहित २—५०

१६७१ **परात्रिंशिका** (आगमशास्त्र) अभिनव गुप्त कृत व्याख्या सहित ३—३८

१६७२ **परात्रिंशिका लघुवृत्तिः** । परात्रिंशिका विवृति सहित १—००

१६७३ **परात्रिंशिकातात्पर्यदीपिका शाक्तविज्ञानम्** । १—००

१६७४ **प्रत्यभिज्ञाहृदयम् (शाक्तदर्शन)** : हिन्दी टीका सहित । **षट्त्रिंश-तत्त्वसन्दोहः—पराप्रवेशिका । क्षेमराजाचार्य विरचित** । १—२५

*१६७५ **प्रत्यभिज्ञाहृदयम्। राजानक क्षेमराजाचार्य विरचितम्। सविमर्शहिन्दीव्याख्याविभूषितम्। व्याख्याकार-प्रो० शिवशंकर अवस्थी**
प्रत्यभिज्ञादर्शन का प्रवेशद्वार यह संक्षिप्त किन्तु जटिल अबतक अव्याख्यात ही रहा। अतः विद्वानों के आग्रह पर सुयोग्य तन्त्र-व्याख्याता विद्वान् द्वारा सुविचारित एवं निर्णीत पाठान्तर एवं उन्हीं द्वारा विरचित शुद्ध प्रामाणिक तथा सुबोध हिन्दी व्याख्या आवश्यक स्थलों पर विशद विमर्श तथा गम्भीर शास्त्रीय विचारों से पूर्ण भूमिकादि के साथ यह संस्करण किया गया है। अपनी कोटि का सर्वप्रथम श्रेष्ठ संस्करण है। यन्त्रस्थ

१६७६ Pratyabhijñahṛdayam. Text and English Translation by K. F. Leidecker. 10—00

१६७७ **प्रासादमण्डन।** (शिल्पशास्त्र) १—००

१६७८ **बोधपञ्चदशिका। परमार्थचर्चा।** अभिनव गुप्त विरचित। सविवरण ०—५०

१६७९ **भगवद्गीता।** रामकण्ठ कृत व्याख्या सहित २—००

१६८० Bhaskari. Vol. III. An English translation of the Iśvara Pratyabhijñavimarśini in the light of the Bhāśkari. 7—94

१६८१ **महानयप्रकाशः।** राजानकशितिकण्ठकृत १—७५

१६८२ **महार्थमञ्जरी।** महेश्वरानन्दकृत स्वोपज्ञ व्याख्या सहित १—७५

१६८३ **मालिनीविजयतन्त्र।** (आगम शास्त्र) ३—५०

१६८४ **मालिनीविजयवार्तिक।** अभिनवगुप्त कृत ३—००

१६८५ **मृगेन्द्रतन्त्र** (विद्यापाद-योगपाद)। नारायण कण्ठ कृत व्याख्या सहित ३—००

१६८६ **रौरवागमः।** ० एन० आर० भट्ट। प्रथम भाग (शोधपूर्ण संस्करण) १८—००

१६८७ **लोकप्रकाशः।** क्षेमेन्द्रकृत १—००

१६८८ **लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि।** देवपालकृत भाष्य सहित। १-२ भाग ५—५०

१६८९ **वातूलनाथसूत्राणि।** अनन्तशक्तिकृत वृत्ति सहित १—००

१६९० **वामकेश्वरीमतविवरण।** जयरथ कृत १—००

१६९१ **विज्ञानभैरव।** क्षेमराज-शिवोपाध्याय-आनन्दभट्टकृत व्याख्या सहित २—५०

१६९२ **शिवदृष्टि।** सोमानन्दविरचित। उत्पलदेवकृत वृत्ति सहित २—५०

१६९३ **शिवसूत्रवार्त्तिकम्।** वरदराजकृत १—००

१६९४ **शिवसूत्रवार्तिकम्।** राजानकभास्करवृत्तिः तथा स्पन्दवृत्तिः कल्लटविरचिता २—५०

१६९५ **शैवदर्शनबिन्दुः।** डॉ० कान्तिचन्द्र पाण्डेय २—००

१६९६ **शैवपरिभाषा।** शिवाग्रयोगीन्द्रकृता ३—७५

१६९७ **श्री प्रभुदेव वचनामृत।** (वीरशैवसिद्धान्त) अनुवादक-शिवकुमार देव ९—५०

१६९८ **षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोह-भावोपहार-बोधपञ्चदशिका-अनुत्तरप्रकाशपञ्चाशिका-पराप्रवेशिका** १—४४

१६९९ **सोमशम्भुपद्धति।** संस्कृत मूल तथा फ्रांसीसी अनुवाद। सं० हेलेन ब्रूनार लाचाव २५—००

१७०० **स्तवचिन्तामणिः।** भट्टनारायण कृत क्षेमराज व्याख्या सहित २—२५

१७०१ **स्पन्दकारिका।** रामकण्ठाचार्यकृत वृत्ति सहित २—७५

१७०२ **स्पन्दनिर्णयः** । क्षेमराज कृत ३—५०
१७०३ **स्पन्दसंदोहः** । क्षेमराजकृत ०—५०
१७०४ **स्वच्छन्दतन्त्रम्** (आगम शास्त्र) क्षेमराज कृत व्याख्या सहित १–७ भाग १६—५०
१७०५ **सिद्धित्रयम्** । प्रत्यभिज्ञाकारिकावृत्ति सहित ३—००

श्रीमद्भगवद्गीता

१७०६ **गीता के प्रधान विषय का अङ्गभूत** । स्वामी आत्मानन्द मुनि ०—१९
१७०७ **गीता के प्रधान विषय तथा गीताप्रेस गोरखपुर के प्रति विनयपत्रिका** । (भक्तशिरोमणि श्री जयदयालु जी गोयन्दका के साथ लेखक का खुला पत्र व्यवहार) स्वामी आत्मानन्द मुनि १—२५
१७०८ **गीतातत्त्व** । स्वामी शारदानन्द कृत २—८०
१७०९ **गीतातत्त्वप्रदीप** । (विभूतियोग) सिद्धिनाथ मेहरोत्रा ८—००
१७१० **गीतातत्त्ववादः** । श्री राम कृत हिन्दी-आंग्लानुवाद सहित ०—७५
१७११ **गीता-दर्पण अर्थात् श्रीमद्भगवद्गीता पर श्री रामेश्वरानन्दी अनुभवार्थ-दीपक भाषा-भाष्य** । ले०—श्री स्वामी आत्मानन्द मुनि ५—००
१७१२ **गीतादर्शनम्** । सभाष्यं-सगुर्जरानुवादम् । भाष्यकार-प्रा० नलिन म० भट्ट । अनुवादिका–मालती श्राफ ६—००
१७१३ **गीता नवनीत** । (श्रीमद्भगवद्गीता की नवीन व्याख्या) मूल और भाषानुवाद–वासुदेवशरण अग्रवाल ५—००
१७१४ **गीताप्रवचन गीताव्याख्यानमाला** । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी १–३ भाग ३४—५०
१७१५ **गीता-मर्म** । कृष्णस्वरूप विद्यालंकार कृत हिन्दी टीका सहित ७—५०
१७१६ **गीताऽमृत** । शिवकुमार मिश्र 'मयूर' ३—०
१७१७ **गीतामृत** । कृष्णदत्त पालीवाल ३—५०
१७१८ **गीतामृत तरंगिणी** । मूल श्लोक हिन्दी पद्यानुवाद सहित । राजेन्द्रप्रसाद कृत १—५०
१७१९ **गीतामृतम्** । सं० डॉ० सत्यनारायण पाण्डेय १—५०
१७२० **गीता में कहा है** । बाबूलाल ओसवाल ०—३७
१७२१ **गीता रहस्य** । लोकमान्य तिलकप्रणीत (हिन्दी) १२—००
१७२२ **गीतारहस्य** । लोकमान्य तिलक प्रणीत (अंग्रेजी) २०—००
१७२३ **गीतार्थसंग्रहः** । रक्षया सहितः ०—५०
१७२४ **गीतार्थ संग्रहः** । भगवत् यामुन कृत । श्रीवेदान्तदेशिक कृत गीतासार सहित । संस्कृत-तामिल आंग्लानुवाद सहित ३—५०
१७२५ **गीतोपदेश** । (गीतावाणी का हिन्दी) अनिलवरण राय कृत ३—००
१७२६ **गीर्वाण ज्ञानेश्वरी** । १–२ भाग ५—००
१७२७ **ज्ञानेश्वरी** । (पहिला अध्याय) केतकी-शब्दार्थ जाह्नवी सहित ३—२५
१७२८ **पञ्चरत्नगीता** । मध्यमाक्षर । सजिल्द १—५०
१७२९ **पञ्चरत्नगीता** । हिन्दी टीका सहित । गुटका १—००
१७३० **पञ्चरत्नगीता-कोमल गीता** । नेपाली टीका सहित ४—५०
१७३१ **भगवद्गीता** । श्लोकार्ध सूची । सातवलेकर कृत ०—५०

१७३२ **भगवद्गीता** । स्थूलाक्षर । मूलमात्र अजिल्द ०—३१ सजिल्द ०—५६
१७३३ **भगवद्गीता** । हिन्दी टीका । गुटका ०—२० सजिल्द ०—३५
१७३४ **भगवद्गीता** । साधारण हिन्दी टीका ०—६० सजिल्द १—००
१७३५ **भगवद्गीता** । अन्वय-पदच्छेद, स्वामी आत्मानन्द मुनि कृत सारबोधिनी टीका सहित १—५०
१७३६ **भगवद्गीता** । मूल-पदच्छेद-अन्वय-हिन्दीटीका छोटा टाईप सजिल्द १—००
१७३७ **भगवद्गीता** । मूल-पदच्छेद-अन्वय साधारण हिन्दी टीका बड़ा टाईप १—२५
१७३८ **भगवद्गीता** । प्रत्येक अध्याय माहात्म्य युक्त । हिन्दी ०—८७ सजिल्द १—२५
१७३९ **भगवद्गीता** । सातवलेकर कृत हिन्दी अर्थ सहित ०—५०
१७४० **भगवद्गीता** । ज्ञानेश्वरी-हिन्दी ५—५०
१७४१ **भगवद्गीता** । डा० वेलवेलकर संशोधित । डा० वासुदेवशरणअग्रवाल कृत हिन्दी अनुवाद सहित ६—००
१७४२ **भगवद्गीता** । अर्थप्रकाशिका हिन्दी टीका सहित २—००
१७४३ **भगवद्गीता** । सुबोधकौमुदी हिन्दीटीका १—००
१७४४ **भगवद्गीता** । अमृततरङ्गिणी हिन्दी टीका २—४०
१७४५ **भगवद्गीता** । तत्त्वविवेचनी हिन्दी टीका सहित ४—००
१७४६ **भगवद्गीता** । कविराज हरिवख्श जोशी कृत हिन्दी हरि भाष्य सहित ६—००
१७४७ **भगवद्गीता** । सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार कृत धारावाही हिन्दी टीका सहित १२—००
१७४८ **भगवद्गीता** । सातवलेकर कृत पुरुषार्थबोधिनी हिन्दी टीका सहित ३०—००
१७४९ **भगवद्गीता** । बाल गंगाधर तिलक कृत हिन्दी टीका सहित १—५०
१७५० **भगवद्गीता** । गणेशानन्द कृत । प्रथम भाग १—००
१७५१ **भगवद्गीता** । डा० एस. के. वेलवलकर संपादित ७—५०
१७५२ **भगवद्गीता** । बालबोधिनी संस्कृत-गीतार्थचन्द्रिका हिन्दी टीका सहित १—५०
१७५३ **भगवद्गीता** । शाङ्करभाष्य सहित । गोखले सम्पादित ७—५०
१७५४ **भगवद्गीता** । शाङ्करभाष्य सहित ४—५०
१७५५ **भगवद्गीता** । शांकरभाष्य-आंग्ल भूमिका नोट्स सहित । मोदी संपादित ४०—००
१७५६ **भगवद्गीता** । आनन्दगिरि-शाङ्करभाष्य व्याख्याद्वयोपेत ९—२५
१७५७ **भगवद्गीता** । आनन्दगिरि । हिन्दी टीका सहित ८—४०
१७५८ **भगवद्गीता** । आनन्दवर्धन विरचित टीका सहित । शांकर-काश्मीरपाठ तुलनापत्र सहित । एस० के० वेलवलकर संपादित ८—५०
१७५९ **भगवद्गीता** । तात्पर्यचन्द्रिका टीका समेत रामानुज भाष्य सहित ११—२५
१७६० **भगवद्गीता** । रामानुजाचार्य प्रणीत भाष्य सहित ३—००
१७६१ **भगवद्गीता** । शांकर-रामानुज-मध्व भाष्य सहित १६—२५
१७६२ **भगवद्गीता** । श्रीधरी संस्कृत व्याख्या सहित २—००
१७६३ **भगवद्गीता** । श्रीधरस्वामिकृत व्याख्या तथा हिन्दी टीका सहित ३—००

***१७६४ भगवद्गीता । मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित अनु०—स्वामी श्री सनातनदेव जी महाराज । सर्वाधिक प्रामाणिक मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या के प्रतिपद के अत्युत्तम अनुवाद के द्वारा हिन्दी-ज्ञाताओं को भी गीतामृत सुलभ कराया गया है तथा वयोवृद्ध मुमुक्षुओं के लिये बड़े टाइप में सुस्पष्ट मुद्रण किया गया है । १५—००**

१७६५ **भगवद्गीता ।** पैशाचभाष्योपेत २—२५

१७६६ **भगवद्गीता ।** राजानक अभिनवगुप्तटीका । लक्ष्मणरैनाब्रह्मचारी संपादित २—००

१७६७ **भगवद्गीता ।** रामकण्ठकृत व्याख्या सहित । कश्मीर २—५०

१७६८ **भगवद्गीता ।** रामकण्ठाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित । मद्रास ६—५०

१७६९ **भगवद्गीता ।** राजानकरामकवि प्रणीत सर्वतोभद्र व्याख्यायुत । पूना ४—५०

१७७० **भगवद्गीता ।** प्रतिपदार्थ विवरण सहित २—६२

१७७१ **भगवद्गीतार्थप्रकाशिका ।** ब्रह्मयोगी कृत १५—००

१७७२ **भगवद्गीता ।** सदानन्द स्वामि प्रणीत भावप्रकाश श्लोकबद्ध व्याख्या ६—००

१७७३ **भगवद्गीता ।** विशिष्टाद्वैतमतानुयायी सुदर्शनाचार्य प्रणीत तत्त्वार्थसुदर्शनी व्याख्या-हिन्दी टीका सहित ८—४०

१७७४ **भगवद्गीता ।** रामानन्दाचार्य प्रणीत आनन्दभाष्य-अनुभवानन्दाचार्य कृत गीतार्थ सुधा-रघुवराचार्य कृत अर्थचन्द्रिका-वैष्णवाचार्य कृत गुह्यार्थ-दीपिका व्याख्या सहित ७—००

१७७५ **भगवद्गीता ।** रामानुजभाष्य तथा व्याख्या-महागुरुप्रणीत तात्पर्यचन्द्रिका-शाङ्करभाष्य-आनन्दतीर्थभाष्य-जयमुनि कृत तद्व्याख्या । २-३ भाग १२—००

१७७६ **भगवद्गीता** (निम्बार्कभाष्याद्यन्याष्टटीकोपेता) १ केशवकाश्मीरि भट्टाचार्य २ मधुसूदन सरस्वती, ३ शङ्करानन्द ४ श्रीधरस्वामि ५ सदानन्द ६ धनपतिसूरि ७ दैवज्ञपण्डितसूर्य तथा ८ राघवेन्द्रकृत टीका सहित २५—००

१७७७ **भगवद्गीता** (एकादशटीकोपेता) १ शाङ्करभाष्य २ आनन्दगिरि ३ रामानुज, ४ वेङ्कटनाथ ५ आनन्दतीर्थ ६ जयतीर्थ ७ हनूमत, ८ ब्रह्मानन्दगिरि ९ वल्लभाचार्य १० पुरुषोत्तमजी ११ नीलकंठ टीका सहित २५—००

१७७८ **भगवद्गीता ।** वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर प्रणीत अद्वैताङ्कुरा व्याख्या सहित । प्रथम द्वितीयाध्याय मात्र ३—२५

१७७९ **भगवद्गीता ।** अध्याय २, १२, १३ व १५ । स्वामी भगवदाचार्य कृत गुजराती टीका ५—२५

१७८० **भगवद्गीता ।** अन्वय-श्रीधरी संस्कृत टीका, उसकी हिन्दी तथा श्यामा-चरण लाहिड़ीकृत आध्यात्मिकदीपिका हिन्दी टीका एवं भूपेन्द्रनाथ सान्यालकृत आध्यात्मिकदीपिका की विशद हिन्दी व्याख्या । १-२ भाग १८—००
तृतीय भाग यन्त्रस्थ

१७८१ **भगवद्गीता ।** स्वामी हरिप्रसाद वैदिक मुनि कृत व्याख्या सहित २—५०

१७८२ **भगवद्गीता ।** डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । अनुवादक विराज १२—००

१७८३ **भगवद्गीता ।** भगवदाचार्य कृत भगवद्भाष्य सहित । १-६ अध्याय २—५०

१७८४ **भगवद्गीता ।** संक्षिप्त तथा सटीक । राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित १—५०

१७८५ **भगवद्गीता ।** बंगाली बाबा द्वारा अंग्रेजी व्याख्यान का हिन्दी अनुवाद । कु० बृजरानी देवी अनुवादित ५—००

१७८६ **भगवद्गीता ।** डॉ० एस० के० बेलवलकरकृत आंग्लानुवाद सहित १२—००

१७८७ **भगवद्गीता ।** भगवदाशयानुसरणाभिधान भाष्य सहित । भास्कराचार्य विरचित । डा० सुभद्रोपाध्याय सम्पादित ५—५०

१७८८ **भगवद्गीता ।** श्रीनारायणस्वामी कृत बृहद् हिन्दी व्याख्या १-३ भाग २१—००

१७८९ **भगवद्गीता और आधुनिक जीवन।** २—५०
१७९० **भगवद्गीता का आशय और उद्देश्य।** डा० भगवानदास ०—५०
१७९१ **भगवद्गीता का सार।** चन्द्रभाल ०—७५
१७९२ **भगवद्गीता–गीतार्थचन्द्रिका।** स्वा० दयानन्द कृत ३—००
१७९३ **भगवद्गीता–चित्रमय।** संस्कृत आंग्लानुवाद सहित। पी० एस० मेहरा २५—००
१७९४ **भगवद्गीता–चित्रमय।** (हिन्दी) पी० एस० मेहरा ६०—००
१७९५ **भगवद्गीता-तत्त्वविमर्श।** स्वामी भगवदाचार्य १—००
१७९६ **भगवद्गीता–ज्ञानेश्वरी।** हिन्दी पद्यानुवाद। अनु०–गणेशप्रसाद अग्रवाल १५—००
१७९७ **भगवद्गीता-ध्यानयोग।** (गीता का छठवा अध्याय) मूल श्लोक-पदच्छेद पदान्वय-भाषानुवाद सहित। मिश्रीलाल ०—५०
१७९८ **भगवद्गीता-ज्ञानयोग।** (गीता के अध्याय १३–१४–१५ के) मूल श्लोक-पदच्छेद-पदान्वय और भाषानुवाद सहित। मिश्रीलाल १—००
१७९९ **भगवद्गीता भारतीयदर्शनानि।** अनन्तकृष्णशास्त्रि प्रणीत ४—००
१८०० **भगवद्गीता में शरणागति।** शिवनारायण पनपालिया ०—६०
१८०१ **भगवद्गीता–विवेचनात्मक शब्दकोष।** रायबहादुर पी. सी. दीवान १२—००
१८०२ **भगवद्गीता सप्तश्लोकी।** ०—०६
१८०३ **भगवद्गीतानुक्रमणिका।** ०—१२

विविध गीता

१८०४ **अवधूत गीता।** ०–३७
१८०५ **अष्टावक्रगीता।** हिन्दी टीका १–५०
१८०६ **अष्टावक्रगीता।** हिन्दी टीका ४–००
१८०७ **ईश्वरगीता।** हिन्दी टीका १–५०
१८०८ **उत्तरगीता।** गौडपादाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित ०–२५, ०–६२
१८०९ **उत्तरगीता।** गौड़पादाचार्य विरचित व्याख्या–आंग्लानुवाद सहित १—५०
१८१० **उत्तरसत्याग्रहगीता।** क्षमाराव ६–७५
१८११ **गणेशगीता।** मूल मात्र ०–५०
१८१२ **गणेशगीता।** नीलकण्ठीव्याख्या ३–००
१८१३ **गान्धी गीता।** श्रीनिवासविरचित ३–७५
१८१४ **गोपी गीता।** सव्याख्या १–००
१८१५ **गोपी गीता।** हिन्दी टीका ०–२४
१८१६ **घनश्यामगीता (तत्त्वखनिः)** घनश्यामशर्मा शास्त्री रचित हिन्दी टीका सहित ८–५०
१८१७ **धीश गीता।** हिन्दी टीका सहित १–५०
१८१८ **पाण्डवगीता।** मूलमात्र ०–१२
१८१९ **पाण्डवगीता।** हिन्दीटीका ०–२५
१८२० **ब्रह्मगीता।** हिन्दी टीका सहित २–००
१८२१ **रामगीता।** माहात्म्य सहित ०–१२
१८२२ **रामगीता।** हिन्दी अनुवाद ३–००
१८२३ **रामगीता-पितृसंहिता-पितृकल्पः।** ०–७५
१८२४ **विष्णुगीता।** भाषानुवाद २–००
१८२५ **शक्तिगीता।** हिन्दी अनुवाद २–००
१८२६ **शम्भुगीता।** भाषानुवाद २–००
१८२७ **शिवगीता।** मूलमात्र ०–७५
१८२८ **शिवगीता।** लक्ष्मी नरहरि सूनु प्रणीत बालानन्दिनी व्याख्या १–२५
१८२९ **सत्याग्रहगीता।** क्षमाराव २–५०
१८३० **संन्यासगीता।** भाषानुवाद २–००
१८३१ **सप्तशतीगीता।** ३–००
१८३२ **सूर्यगीता।** हिन्दी अनुवाद १–५०

उपनिषद्-ग्रन्थाः

१८३३ **अप्रकाशित सामान्य [७१] उपनिषदः ।** ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित २०—००
१८३४ **अष्टात्रिंशत्युपनिषत् ।** मूलमात्र २—४०
१८३५ **अष्टादश उपनिषदः ।** अर्थव्याकरणावबोधक टिप्पणी सहित । लिमये-वाडेकर संपादित । प्रथम खण्ड २०—००
१८३६ **अष्टाविंशत्युपनिषद् ।** मूलमात्र ३—००
१८३७ **अष्टोत्तरशतोपनिषत् ।** हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग २३—२५
१८३८ **ईश-ऐतरेय-कठ-केन-छान्दोग्य-तैत्तिरीय-प्रश्न-मांडूक्य-मुंडकोपनिषदः ।** शाङ्कर भाष्य सहित १०—००
१८३९ **ईशकेनकठोपनिषत् ।** दिगम्बरानुचर विरचितार्थप्रकाश व्याख्या समेत १—५०
१८४० **ईशकेनकठप्रश्नमुण्डकमाण्डूक्यानन्दवल्लीभृगूपनिषदः ।** रंगरामानुज-विरचित प्रकाशिकोपेताः ३—७५
१८४१ **ईशादयो दशोपनिषदः ।** स्वामी भगवदाचार्य कृत संस्कार भाष्य सहित ८—००
१८४२ **ईशादिनवोपनिषद् ।** हिन्दी व्याख्या सहित २—५०
१८४३ **ईशादिपञ्चोपनिषत् ।** शाङ्करभाष्य—आनन्दगिरि—शङ्करानन्दी व्याख्या सहित ६—००
१८४४ **ईशावास्य रहस्य ।** सत्यदेव शास्त्री २—५०
१८४५ **ईशावास्यवृत्ति ।** विनोबा भावे १—००
१८४६ **ईशावास्योपनिषत् ।** कूरनारायण प्रणीत प्रकाशिका—श्रीधरशास्त्रि कृत बालबोधिनी व्याख्या समेत २—५०
१८४७ **ईशावास्योपनिषत् ।** सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—२५
१८४८ **ईशावास्योपनिषद् ।** शांकरभाष्य—सुब्रह्मण्य शास्त्री कृत टिप्पणी सहित ०—६२
१८४९ **ईशावास्योपनिषत् ।** शाङ्करभाष्य—आनन्दगिरि टीका युक्त १—५०
१८५० **ईशावास्योपनिषद् ।** बालकृष्ण शास्त्री कृत मनस्विनी व्याख्या सहित १—५०
१८५१ **ईशावास्योपनिषद्-दर्पण ।** सत्यदेव १—००
१८५२ **ईशावास्योपनिषद्भाष्य ।** आचार्य भाष्य तात्पर्य सहित १—८७
१८५३ **ईशोपनिषद् ।** व्याख्याकार—मिश्रीलाल ०—५०
१८५४ **ईशोपनिषद् ।** सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित २—००
१८५५ **ईशोपनिषद् ।** आंग्लानुवाद—व्याख्या सहित ३—००
१८५६ **उपनिषद् ।** चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित १—२५
१८५७ **उपनिषद् आर्यभाष्य** (ईश—केन—कठ—प्रश्न—मुण्डक—माण्डूक्य—ऐतरेय—तैत्तिरीयोपनिषदः) आर्यमुनि कृत ६—००
१८५८ **उपनिषद्-दिग्दर्शन ।** डा० दीवानचंद । हिन्दी २—७५
१८५९ **उपनिषत्पीयूष ।** (ईश-केन-कठ-मुण्डकोपनिषद) राजेन्द्र प्रसाद कृत पद्यात्मक अनुवाद अन्वय सहित २—००
१८६० **उपनिषत् प्रकाश ।** (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्योपनिषद) दर्शनानन्द सरस्वती । अवधविहारीलाल अनुवादित ४—५०
१८६१ **उपनिषद् मन्त्रवाक्य महाकोश (२२३ उपनिषदों का कोश)** २५—००
१८६२ **उपनिषदसंग्रह ।** (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-तैत्तिरीय-छान्दोग्योपनिषद) जयदेव विद्यालङ्कार अनुवादित ६—००
१८६३ **उपनिषद्-वयाकरण-पदसूची ।** विश्वबन्धु सम्पादित ५५—००

१८६४ **उपनिषदां समुच्चयः।** शङ्करानन्द नारायण विरचित दीपिका संवलित १०—००
१८६५ **उपनिषदों की शिक्षा प्रणाली।** विद्यासागर शर्मा ३—००
१८६६ **एकादशोपनिषत्।** सत्यव्रत सिद्धान्तालंकारकृत धारावाही हिन्दी अनुवाद १२—००
१८६७ **एकादशोपनिषदः।** अमरदास विरचित उपनिषन्मणिप्रभा-मिताक्षरा-दीपिका सहित १५—००
१८६८ **ऐतरेयोपनिषत्।** शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युक्त २—००
१८६९ **ऐतरेयोपनिषत्।** सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—४५
१८७० **ऐतरेयोपनिषत्।** भाष्य-टिप्पण-खण्डार्थ सहित ११—२५
१८७१ **ऐतरेयोपनिषत्।** सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ०—७५
१८७२ **औपनिषदिक जीवन सौख्य।** ले० डॉ० केशव लक्ष्मण दफ्तरी (मराठी) ४—००

***१८७३ हिन्दी कठोपनिषद्। ('शाङ्करभाष्य' सहित)**

इसकी हिन्दी व्याख्या अपने बृहद् आकारवश महाभाष्य ही बन गई है। भाषा एवं शैली अत्यन्त सुबोध है। पाण्डित्यपूर्ण सुविस्तृत समालोचनात्मक भूमिका तथा 'नोट्स' आदि परीक्षोपयोगी सभी आवश्यक सामग्री से संवलित सर्वोत्तम संस्करण। यन्त्रस्थ

१८७४ **कठोपनिषद्।** सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित १—५०
१८७५ **कठोपनिषद्।** डॉ० नरेन्द्रदेवशास्त्री कृत संस्कृत-हिन्दी आंग्लानुवाद सहित २—२५
१८७६ **कठोपनिषद्।** मन्त्र-अन्वय-मन्त्रार्थ-शाङ्करभाष्य-भाष्यानुवाद-उपनिषत्सुबोधिनी टीका सहित ३—००
१८७७ **कठोपनिषद्। (चित्रमय)** श्लोक हिन्दी टीका-आंग्लानुवाद सहित १५—००
१८७८ **कठोपनिषद्।** (पद्य) श्रीमती विद्यावती। हिन्दी ०—८१
१८७९ **कठोपनिषद्-दर्पण।** सत्यदेव। हिन्दी १—३१
१८८० **काठकोपनिषत्।** शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत २—००
१८८१ **काठकोपनिषत्।** शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि-हिन्दी टीका सहित १—५०
१८८२ **काठकोपनिषत्।** सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—७०
१८८३ **केनोपनिषत्।** सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—६०
१८८४ **केनोपनिषत्।** शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत १—५०
१८८५ **केनोपनिषत्।** शाङ्कर-रामानुजभाष्य-श्रीधरशास्त्री प्रणीत बालबोधिनी व्याख्या सहित २—५०
१८८६ **केनोपनिषद्।** बालकृष्ण शास्त्री कृत मनस्विनी व्याख्या सहित २—००
१८८७ **केनोपनिषद्।** मंत्र-पदच्छेद-अन्वय-शब्द-शब्दार्थ-भावार्थ-व्याख्या और आंग्लानुवाद। अनुवादक आहिताग्नि यमुनाप्रसाद त्रिपाठी ४—००
१८८८ **केनोपनिषद्।** मन्त्र-अन्वय-मन्त्रार्थ-शाङ्करभाष्य-उपनिषत्सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—७५
१८८९ **केनोपनिषद्।** सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १—७५
१८९० **केनोपनिषद्-दर्पण।** सत्यदेव। हिन्दी ०—७५
१८९१ **केनोपनिषद्भाष्यम्।** शांकरभाष्य-सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत टिप्पणी सहित २—५०
१८९२ **छान्दोग्योपनिषद्।** शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित ८—००
१८९३ **छान्दोग्योपनिषद्।** रामस्वरूप शर्मा कृत अन्वय-पदार्थ-हिन्दी भाषार्थसहित ३—००

१८९४ **छान्दोग्योपनिषद्** । नित्यानन्द प्रणीत मिताक्षरा व्याख्या सहित ३—००
१८९५ **छान्दोग्योपनिषद्** । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित १०—००
१८९६ **छान्दोग्योपनिषद्** । रंग रामानुज प्रणीत प्रकाशिका सहित ५—५०
१८९७ **तलवकारोपनिषत्** । भाष्य टिप्पण-खंडार्थ सहित १—४०
१८९८ **तैत्तिरीय उपनिषद् भाष्य** । २—००
१८९९ **तैत्तिरीय भाष्यार्थ विमर्शिनी** । आनन्दवल्ली भृगुवल्ली सहित ९—७५
१९०० **तैत्तिरीयैतरेयोपनिषद्** । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित ७—५०
१९०१ **तैत्तिरीयोपनिषत्** । ब्रह्मभेद सहित । सस्वर १—३७
१९०२ **तैत्तिरीयोपनिषत्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित १—००
१९०३ **तैत्तिरीयोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत २—७५
१९०४ **तैत्तिरीयोपनिषत्** । भाष्य-टिप्पण-खण्डार्थ सहित ५—००
१९०५ **तैत्तिरीयोपनिषद्** । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १—५०
१९०६ **तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम्** । कृष्णानन्दतीर्थ प्रणीत वनमाला व्याख्या सहित ५—५०
१९०७ **तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम्** । कूरनारायण मुनि विरचित ३—७५
१९०८ **तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिक** । सुरेश्वराचार्यकृत । आनंदगिरिव्याख्यायुत ३—२५
१९०९ **दशोपनिषदः** । मूलमात्र ३—००
१९१० **दशोपनिषदः** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ३०—००
१९११ **दशोपनिषदः** । रंगरामानुज स्वामी भाष्य परिष्कार सहित । २-६ भाग ३८—७५
१९१२ **नवोपनिषदः** (ईश-ऐतरेय-कठ-केन-छान्दोग्य-तैत्तिरीय-प्रश्न-माण्डूक्य-मुण्डक उपनिषद्) शांकर भाष्य सहित १०—००
१९१३ **नारायणोपनिषद्** । हिन्दी टीका सहित २—४०
१९१४ **नृसिंह पूर्वोत्तरतापनीयोपनिषत्** । सव्याख्या २—५०
१९१५ **पञ्चत्रिंशदुपनिषत्** । गुटका २—४०
१९१६ **पञ्चोपनिषद** । वनखण्डि श्री पीताम्बरापीठस्थस्वामि विरचित प्रकाश भाष्य सहित २—२५
१९१७ **प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्यभाष्यम्** । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित ५—००
१९१८ **प्रश्नोपनिषत्** । शाङ्कर भाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत १—५०
१९१९ **प्रश्नोपनिषद्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—५५
१९२० **प्रश्नोपनिषद्** । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित १—५०
१९२१ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित १६—००
१९२२ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित ३—००
१९२३ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । रङ्गरामानुज प्रणीत प्रकाशिका व्याख्या सहित ४—७५
१९२४ **बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्** । सुरेश्वराचार्य विरचित । आनन्दगिरि व्याख्या युत । प्रथम भाग ४—७५
१९२५ **बृहदारण्यकोपनिषद मिताक्षरा** । नित्यानन्द मुनि प्रणीत ४—००
१९२६ **भवसन्तारणोपनिषत्** । हिन्दी टीका सहित १—२०
१९२७ **महानारायणोपनिषद्** । ०—७०
१९२८ **माण्डूक्यरहस्यविवृतिः** । गौडपादकारिका व्याख्या । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती संयमि विनिर्मित १३—५०
१९२९ **माण्डूक्योपनिषत्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्यायुत ३—५०

१९३० **माण्डूक्योपनिषत्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित १—२५
१९३१ **माण्डूक्योपनिषद्** । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ०—५०
१९३२ **माण्डूक्योपनिषद** । सान्वय हिन्दी व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित । सं० आहिताग्नि यमुनाप्रसाद त्रिपाठी ४—००
१९३३ **मुक्तिकोपनिषद्** । हिन्दी टीका सहित ०—३०
१९३४ **मुण्डकोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य-सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत सभाष्य २—८१
१९३५ **मुण्डकोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्यायुत १—००
१९३६ **मुण्डकोपनिषद्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—५५
१९३७ **मुण्डकोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य–श्रीधरशास्त्रीप्रणीत बालबोधिनी सहित २—५०
१९३८ **मुण्डकोपनिषद्** । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १—५०
१९३९ **याज्ञिक्युपनिषद्विवरणम्** । पुरुषोत्तमतीर्थकृत ४—००
१९४० **रामकृष्ण उपनिषद्** । राजगोपालाचार्य । लक्ष्मी देवदास गांधी अनुवादित ३—००
१९४१ **वैष्णवोपनिषद्** । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (१४ उपनिषत्) २०—००
१९४२ **शाक्तोपनिषद्** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (८ उपनिषत्) ८—००
१९४३ **शैवोपनिषद्** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (१५ उपनिषत्) १२—००
१९४४ **श्रुतिसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः** । अष्टोत्तरशतोपनिषत् सारसंग्रह ६—००
१९४५ **श्वेताश्वतरादि उपनिषद्** । विशिष्टाद्वैतभाष्य सहित ७—५०
१९४६ **श्वेताश्वतरोपनिषद्** । ५—००
१९४७ **श्वेताश्वतरोपनिषद्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित १—०५
१९४८ **श्वेताश्वतरोपनिषद्** । हिन्दी-अन्वय-पदार्थ-भावार्थ सहित १—२०
१९४९ **संन्यासोपनिषद्** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित(१७ उपनिषत्) १६—००
१९५० **सामान्यवेदान्तोपनिषदः** । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (२४ उपनिषत्) २०—००

वैदिक-ग्रन्थाः

१९५१ **अग्निदेवता** । हिन्दी ०—५०
१९५२ **अग्निदेवता मन्त्रसंग्रह** । सातवलेकर संपादित ६—००
१९५३ **अथर्व-प्रातिशाख्यम्** । विश्वबन्धु सम्पादित । प्रथम भाग २५—००
* १९५४ ATHARVA-VEDA PRĀTIS'ĀKHYA or S'AUNAKĪYA CATURĀDHYĀYIKĀ : Text, Translation and Notes : By W. D. Whitney. (Chow. Sans. Studies Vol. XX) 20—00
*१९५५ **अथर्ववेद संहिता (शोधपूर्ण संस्करण) विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार डॉ० रामकृष्ण शास्त्री । सम्पादक-आचार्य विश्वनाथ शास्त्री वेदाचार्य** यन्त्रस्थ
१९५६ **अथर्ववेदः** । (शौनकीयः) पदपाठ-सायणभाष्य-पाठभेद-टिप्पण सहित । १–४ भाग ५ जिल्द में । २२५—००
*१९५७ **अथर्ववेद एवं गोपथब्राह्मण** । (M. Bloomfield संपादित संस्करण का अविकल हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक । डा० सूर्यकान्त शास्त्री २५—००

१९५८ **अथर्ववेद की अनुक्रमणिका ।** ०—८५
१९५९ **अथर्ववेद-पदपाठानुक्रमणी** (अकारादि-वर्णक्रमानुसारिणी) २५—००
१९६० **अथर्ववेदपदानामकारादिवर्णक्रमानुक्रमणिका ।** स्वामी विश्वेश्वरानंद-स्वामी नित्यानंद ...
१९६१ **अथर्ववेद-वैयाकरण-पदसूची ।** (A Grammatical Word-Index to Atharvaveda) विश्वबन्धु संपादित ६०—००
१९६२ **अथर्ववेद व्रात्यकाण्ड ।** श्रीसंपूर्णानन्द संपादित ३—००
१९६३ **अथर्ववेद शतक ।** १—००
*१९६४ **अथर्ववेदसंहिता ।** मूलमात्र । सम्पादक-आचार्य ऋषिशंकर अग्निहोत्री यन्त्रस्थ
१९६५ **अथर्ववेदसंहिता ।** मूलमात्र । सजिल्द ६—००
*१९६६ **अथर्ववेदसंहिता ।** सायणभाष्य सहित । सम्पूर्ण यन्त्रस्थ
१९६७ **अथर्ववेदसंहिता ।** सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित । १-२ भाग । श्रीराम शर्मा आचार्य १३—५०
१९६८ **अथर्ववेदसंहिता ।** जयदेवविद्यालङ्कारकृत भाषाभाष्य सहित । १ से ४ भाग ३२—००
१९६९ **अथर्ववेदसंहिता ।** सातवलेकरप्रणीत सुबोधहिन्दीभाष्य सहित १-२,४-५ भाग ४८—००
१९७० **अथर्ववेदीयकौशिकगृह्यसूत्रम् ।** दारिलकेशवयोरसङ्क्षिप्तटीकया हिन्दीभाषानुवादेन च सहितम् समाप्त
१९७१ **अथर्ववेदीयज्यौतिषम्** (काश्यप-प्रजापति संवाद) हिन्दी टीका सहित १—००
१९७२ **अथर्ववेदीय बृहत् सर्वानुक्रमणिका ।** विश्वबन्धु सम्पादित १५—००
१९७३ **अथर्ववेदीया पैप्पलादसंहिता ।** प्रथम काण्ड । उपोद्घात, अपेक्षित टिप्पणी समेत । दुर्गामोहन भट्टाचार्य सम्पादित १०—००
१९७४ **अथर्ववेदे शान्तिपुष्टि कर्माणि ।** डा० माया मालवीया विरचित ८—००
१९७५ **अदितिः, आदित्याश्च ।** मंत्रसंग्रह सातवलेकर संपादित ३—००
१९७६ **अश्विनौदेवता का मंत्रसंग्रह ।** हिन्दी टीका सहित सातवलेकर संपादित ५—००
१९७७ **अश्विनौदेवतामंत्रसंग्रह ।** सातवलेकर संपादित । मूलमात्र ३—००
१९७८ **अस्य वामस्य सूक्तम् ।** सायण-आत्मानन्द भाष्य सहित १२—००
१९७९ **आनोभद्रीयं सूक्तम् ।** पदपाठ-वेंकटमाधव-स्कन्दस्वामि-महीधर-सायण-काश्यप भाष्य सहित ३—००
*१९८० **आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् ।** श्रीहरदत्तप्रणीत-अनाकुला, श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय तथा हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
१९८१ **आपस्तम्बशुल्बसूत्रम् ।** कपर्दिस्वामि-करविन्द-सुन्दरराजकृत व्याख्या सहित ३—४४
१९८२ **आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् ।** धूर्तस्वामिभाष्योपेतं रामाग्निचिद्वृत्तिसहितम् (१-३ सम्पुटानि १-१० प्रश्नाः) २८—००
१९८३ **आपस्तम्बश्रौतसूत्रं ।** धूर्तस्वामिभाष्य । १-२ भाग । चिन्नस्वामीशास्त्रीसंपादित ३२—००
१९८४ **आयुर्वेदप्रकरणम् मंत्रसंग्रहः ।** सातवलेकर संपादित ५—००
१९८५ **आश्वलायनगृह्यपरिशिष्टम् ।** सं० के० परमेश्वर ऐथल ३—२५
१९८६ **आश्वलायनगृह्यसूत्रम् ।** नारायण-प्रणीतवृत्तिः गृह्यपरिशिष्टम्, कुमारिलभट्ट विरचितगृह्यकारिका च ४—२५
*१९८७ **आश्वलायनसूत्रप्रयोगदीपिका ।** भट्टमञ्जनाचार्य विरचित ६—००

१९८८ **उग्ररथशांतिप्रयोगः।** ५—००
१९८९ **उदकशान्तिः।** आपस्तम्बीय। प्रयोग सहित ०—५०
१९९० **उदकशान्तिः।** शौनकीय। (ऋग्वेदीय) प्रयोग सहित ०—५०
१९९१ **उपनिदानसूत्रम्।** (सामगानां छन्दाः) १—००
१९९२ **उरुज्योति।** वैदिक अध्यात्मसुधा। डा० वासुदेवशरण अग्रवाल ३—००
१९९३ **उषादेवता।** हिन्दी टीका सहित। सातवलेकर संपादित ४—००
१९९४ **उषादेवता मंत्रसंग्रह।** सातवलेकर संपादित १—७५
१९९५ **ऋक्संहिता।** स्कन्दस्वामिभाष्य वेंकट माधवाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित तीसरा भाग मात्र १—६९
१९९६ **ऋक्-सूक्त-रत्नाकरः** (मुख्यतः सायण और पीटर्सन की व्याख्याओं पर आधारित) सं० रामकृष्ण आचार्य ६—००
१९९७ **ऋक्सूक्तवैजयन्ती।** १०८ सूक्तों का संहितापाठ-पदपाठ-सटिप्पण-अनुवाद सहित। सम्पादक—वेलणकर, पराड़कर, जोशी २५—००
१९९८ **ऋक्सूक्तसंग्रहः।** सायणभाष्यानुसारी-पीटर्सन की हिन्दी व संस्कृत व्याख्या सहित ७—००
१९९९ **ऋक्सूक्तसुधा।** मंत्र-पदपाठ-सायण-भाष्य-हिन्दी आंगलानुवाद सहित ५—००
२००० **ऋगर्थसारः।** दिनकरभट्ट कृत। आर्येन्द्रशर्मा—के० सीतारामैय्या संपादित। प्रथम भाग २—५०
२००१ **ऋग्भाष्यसङ्ग्रहः।** सायण-स्कन्दस्वामी-वेंकट माधव भाष्य-आंग्लानुवाद १०—००
२००२ **ऋग्वर्णक्रमलक्षणम्।** नरसिंहसूरि विरचित। सव्याख्या २—००
२००३ **ऋग्वेद।** रामगोविन्द कृत हिन्दी अनुवाद मात्र १२—००
२००४ **ऋग्वेदः।** पदपाठ। स्कन्द स्वामि कृत उद्गीथ-भाष्य, वेङ्कटमाधव कृत व्याख्या, सायणभाष्यानुसारिणीमुद्गलीयवृत्ति सहित। विश्वबन्धु सम्पादित। १-८ भाग, संपूर्ण ३६०—००
२००५ **ऋग्वेद-ऋषिदेवता छन्दोनुक्रमणिका।** विश्वबन्धु संपादित ७—००
२००६ **ऋग्वेद कथा।** रघुनाथ सिंह १३—००
२००७ **ऋग्वेदकाल में पारिवारिक सम्बन्ध।** डॉ० एस० आर० शास्त्री २७—५०
२००८ **ऋग्वेदकालीन सांस्कृतिक इतिहास।** चि. ग. काशीकर २—५०
२००९ **ऋग्वेद का धर्म तथा अन्य लेख।** सुधीर कुमार गुप्त ४—५०
२०१० **ऋग्वेद की अनुक्रमणिका।** १—००
२०११ **ऋग्वेद की ऋक्संख्या।** युधिष्ठिर मीमांसक ०—५०
२०१२ **ऋग्वेद के अग्नि सूक्त।** २—००
२०१३ **ऋग्वेद के ऋषि और उनका सन्देश और दर्शन।** डा० सुधीर कुमार गुप्त २—५०
२०१४ **ऋग्वेद-पदपाठानुक्रमणिका।** विश्वबन्धु संपादित ४५—००
२०१५ **ऋग्वेद पर एक ऐतिहासिक दृष्टि।** विश्वेश्वरनाथ रेउ १५—००
२०१६ **ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्।** डा० मङ्गलदेव शास्त्री सम्पादित। प्रथम भाग २०—००
२०१७ **ऋग्वेदभाषाभाष्य।** युधिष्ठिरमीमांसककृत (ऋषिदयानन्द भाष्य का) अनुवाद सहित। प्रथम भाग २—५०

*२०१८ **ऋग्वेद भाष्यभूमिका । सायणाचार्य विरचित ।**
छात्रोपयोगी संस्करण राष्ट्रभाषा में प्रथम बार प्रकाशित यह हुआ है। इसमें शब्दार्थ और भावार्थ देकर मूल ग्रंथ को अधिक से अधिक सुबोध बनाने का प्रयत्न किया गया है।
हिन्दी व्याख्याकार—आचार्य जगन्नाथ पाठक ३—००

२०१९ **ऋग्वेदभाष्यभूमिका ।** दयानन्द सरस्वती कृत संस्कृतटीका-भाषाटीका २—५०

२०२० **ऋग्वेदभाष्यम् ।** स्कन्दस्वामि प्रणीत । प्रथम अष्टक ६—७५

२०२१ **ऋग्वेदमन्त्रसंहिता ।** १—५०

२०२२ **ऋग्वेद-मन्त्रानुक्रमणिका ।** विश्वबन्धु संपादित १२—००

२०२३ **ऋग्वेदमन्त्राणां वर्णानुक्रमः ।** २—००

२०२४ **ऋग्वेद में रुद्र देवता ।** हिन्दी ०—६२

२०२५ **ऋग्वेद-वैयाकरण-पदसूची ।** (A Grammatical Word-Index to Ṛgveda) विश्वबन्धु संपादित ५०—००

२०२६ **ऋग्वेदव्याख्या ।** माधव कृत । द्वितीय भाग मात्र २०—००

२०२७ **ऋग्वेदशतकम् ।** जगदीशचन्द्र विद्यार्थी कृत १—००

२०२८ **ऋग्वेदसंहिता ।** मन्त्रकोशादि सहित । मूलमात्र पत्रात्मक ८—००

२०२९ **ऋग्वेदसंहिता ।** मूलमात्र । सजिल्द ७—००

२०३० **ऋग्वेदसंहिता ।** मूलमात्र । सातवलेकर संशोधित । सजिल्द १०—००

*२०३१ **ऋग्वेदसंहिता । (पदपाठ सहित) डॉ० मैक्समूलर-सम्पादित ।**
इसमें बाएँ पृष्ठ पर मूलपाठ तथा दाहिने पृष्ठ पर पदपाठ मुद्रित है। बड़े अक्षरों में सुस्पष्ट मुद्रण तथा परिशुद्धता इसी संस्करण की विशेषता है। प्राचीन परम्परा के अनुसार ऋषियों और देवताओं का यथास्थान उल्लेख किया गया है। १-२ भाग सम्पूर्ण । लाइब्रेरी संस्करण ५०—००
साधारण संस्करण ४०—००

*२०३२ Hymns of the Ṛgveda in Samhita and Pada Texts on facing pages. Risis, deities and metres of every hymn are given according to the tradition. Edited by F. Max-Muller. 2 Vols. Ordinary Edition 40—00
Library Edition 50—00

२०३३ **ऋग्वेदसंहिता ।** सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित ।
१-४ भाग । श्रीराम शर्मा आचार्य २७—००

२०३४ **ऋग्वेदसंहिता ।** जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषाभाष्य सहित १ से ७ भाग ५६—००

२०३५ **ऋग्वेदसंहिता ।** सातवलेकर प्रणीत सुबोध हिन्दी भाष्य सहित ।
भरद्वाज-वसिष्ठ ऋषि का दर्शन (षष्ठ-सप्तम मण्डल) १४—००

*२०३६ RIG-VEDA-SAMHITA. With the Commentary of Sayanacharya. Edited by Dr. Max Muller. With exhaustive Critical Apparatus and Intoductions of both the previous editions. Vols. I-IV. Dr. Max Müller dedicated the best part of his life to bring out this excellent edition of the Text and Commentary, which bears the impression of the experience of the culmination of a scholarly life. This new reprint on beautiful foreign paper in 20″ × 30″ 8 Vo. bears all the qualities of the original edition. 140-00

*२०३७ **ऋग्वेदसंहिता । (सायणभाष्य सहित) डॉ० मैक्समूलर सम्पादित ।**
बहुत दिन पहले आक्सफोर्ड में छपने के बाद समाप्त हो जाने के कारण यह अत्युत्तम संस्करण अलभ्य था । २० वर्षों के अनवरत प्रयत्न के अनन्तर इसका यह प्रथम भारतीय संस्करण प्रकाशित किया जा सका है। सम्पादक महोदय के जीवन-व्यापी श्रम एवं शोध का परिणाम इस परिशुद्ध संस्करण के रूप में आपके सम्मुख है। इसमें प्रति संस्करण तथा प्रति भाग के विचारपूर्ण आमुख, संकेतसूची, आदि उपयोगी विषय भी प्रारम्भ में उपन्यस्त हैं । सर्वोत्तम पाण्डुलिपि और प्रातिशाख्य के प्रमाणों के आधार पर शुद्धाशुद्धि की विस्तृत सूची बड़ी ही उपयोगी हैं । २०×३० अठपेजी आकार के पृष्ठ, बहुत उत्तम मोटा कागज, सुस्पष्ट मुद्रण तथा पक्की जिल्द । १-४ भाग १४०—००

२०३८ **ऋग्वेदसंहिता ।** सायणभाष्य सहित । सम्पूर्ण । पूना संस्करण २५०—००

*२०३९ **ऋग्वेदसंहिता । (प्रथम अध्याय, सूक्त १-१९)सम्पादक-प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' ।**
इस अभिनव संस्करण में सस्वर संहितापाठ, पदपाठ, सायणभाष्य तथा स्कन्दभाष्य के महत्वपूर्ण अंश, हिन्दी-व्याख्या, हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद तथा प्रत्येक पद का स्वर-विचार दिया गया है । यन्त्रस्थ

२०४० **ऋग्वेदसंहिता पदपाठ ।** १५—००

२०४१ **ऋग्वेदसंहिता ।** उद्गीथाचार्य प्रणीत भाष्य सहित ५—००

२०४२ **ऋग्वेदसप्तममण्डलम् ।** प्रो० एच्० डी० वेलंकर सम्पादित आंग्लभूमिका अनुवादादि सहित २०—००

२०४३ **ऋग्वेदसौरभ ।** संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—७५

*२०४४ **ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानां संग्रहः । सायणाचार्य विरचित । पण्डित बलदेव उपाध्याय कृत विस्तृत आंग्ल उपोद्घात, संस्कृत प्रस्तावनादि सहित । परिष्कृत द्वितीय संस्करण** ५—००

२०४५ **ऋग्वेदानुक्रमणी ।** माधवभट्ट विरचित । प्रथम भाग ४—००

२०४६ **ऋग्वेदिक आर्य ।** राहुल सांकृत्यायन ८—००

२०४७ **ऋग्वेदीय जटालक्षणम् ।** (श्री मधुसूदनीयशिक्षान्तर्गतम्) सत्यव्रत व्याख्या सहित १—००

२०४८ **ऋग्वेदे छन्दःपरामर्शः ।** सी० के० राजा विरचित १—६९

*२०४९ A History of Vedic Literaure by Sri Sambhu Nath Sharma. In the Press

२०५० **ऐतरेयब्राह्मण का एक अध्ययन ।** डा० नाथूलाल पाठक १०—००

२०५१ **ऐतरेयब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा ऐतरेयब्राह्मण आचारविचाराः ।** डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १—७५

२०५२ **ऐतरेयब्राह्मणम् ।** मूलमात्र । पत्रात्मक २—००

२०५३ **ऐतरेयब्राह्मणम् ।** सायण भाष्य सहित । दूसरा भाग ७—५०

२०५४ **ऐतरेयब्राह्मणम् ।** सद्गुरु शिष्य प्रणीत सुखप्रदावृत्ति सहित १-३२ अध्याय । १-३ भाग १६—००

२०५५ **ऐतरेयब्राह्मणम्** । गंगाप्रसाद उपाध्याय कृत हिन्दी अनुवाद मात्र ५—००

२०५६ **ऐतरेयारण्यक-पर्यालोचनम् अथवा ऐतरेयारण्यक-आचारविचाराः** ।
डा० मङ्गलदेव शास्त्री सम्पादित २—००

२०५७ **ऐतरेयारण्यकम्** । सायण भाष्य सहित ५—५०

२०५८ **ऐतरेयालोचन** । सत्यव्रत सामाश्रमी सम्पादित २—२५

*२०५९ **ओरिजनल संस्कृत टेक्स्ट (मूल संस्कृत उद्धरण)** प्रो० जे० मूइर कृत । सम्पादक और हिन्दी अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय ।
१–५ भाग में संपूर्ण

इस संस्करण की विशेषता—

भाग १ : हिन्दू जातियों की उत्पत्ति-सम्बन्धी पौराणिक विवरणों से सम्बद्ध मूल संस्कृत उद्धरणों का संकलन, उनका हिन्दी अनुवाद तथा यह विवेचन कि वैदिक काल में भी जातिवाद का अस्तित्व था अथवा नहीं । २०—००

भाग २ : इस तथ्य की विवेचना करते हुये कि हिन्दू जाति के लोग हिमालय के उस पार से आये तथा यूरोपीय जाति की पश्चिमी शाखा से सम्बद्ध थे, अथवा नहीं, इस विषय पर मूल संस्कृत उद्धरणों का संग्रह तथा उनका हिन्दी अनुवाद । २०—००

भाग ३ : ऋग्वेदिक सूक्तों के संग्रह के ठीक पूर्व अथवा उसके पाश्चात् के भारतीय कृतिकारों के वेदों की उत्पत्ति, विभाजन, प्रेरणा-स्रोत और आधिकारिकता को व्यक्त करने वाले मूल संस्कृत उद्धरणों का संग्रह तथा हिन्दी अनुवाद । २०—००

भाग ४ : वैदिक सूक्तों, ब्राह्मण-ग्रन्थों तथा इतिहास-पुराण में मिलने वाले ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और अम्बिका आदि देवी-देवताओं से सम्बद्ध मूल संस्कृत उद्धरणों का हिन्दी अनुवाद सहित संग्रह तथा यह विवेचन कि देवी-देवताओं सम्बन्धी आरम्भिक धारणायें बाद की कृतियों से किस प्रकार उत्तरोत्तर परिवर्तित होती गईं । २०—००

भाग ५ : वैदिक कालीन भारतीयों के सृष्टिरचना, पुराकथाशास्त्रीय और धार्मिक विचारों तथा जीवन और रीति-रिवाजों को व्यक्त करने वाले सानुवाद मूल संस्कृत उद्धरणों का संग्रह तथा उनकी विवेचना । शीघ्र प्राप्त होगा

मूल्य प्रत्येक भाग २०—००

२०६० **काठकगृह्यसूत्रम्** । (यजुर्वेदीय) डा० कैलेण्ड संपादित १५—००

२०६१ **कात्यायनमतसंग्रह** । २—८७

*२०६२ **कात्यायनश्रौतसूत्र** । कर्क-महीधर भाष्य सहित । डा० ए० बेबर संपादित यन्त्रस्थ

*२०६३ **कात्यायनश्रौतसूत्रम्** । श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहित ।
१२–२६ अध्याय दूसरा भाग मात्र १४—००

२०६४ **कौथुमगृह्यम्** । भूमिका नोट्स सहित ९—००
२०६५ **कौशितकी ब्राह्मण आरण्यक विषय कोश** । ६—००
*२०६६ **कौषितकिब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा कौषीतकिब्राह्मण आचारविचाराः** । डा० मंगलदेव शास्त्री सम्पादित २—५०
२०६७ **क्या वेद में इतिहास है ?** २—५०
२०६८ **खादिरगृह्यसूत्रम्** । रुद्रस्कन्दीयवृत्ति हिन्दीटीका सहित २—५०
२०६९ **गणपत्यथर्वशीर्षम्** । मूलमात्र ०—१५
२०७० **गणेशाथर्वशीर्षम्** । सभाष्य ०—५०
२०७१ **गलितप्रदीपः** । लक्ष्मीधर सूरि विरचित । संपादक श्रीकृष्णदेव २—००
२०७२ **गोज्ञानकोशः** (गौ के विषय में वेद मन्त्रों के वचनों का संग्रहः) सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग १२—००
*२०७३ **गोभिलगृह्यसूत्रम्** । श्रीमुकुन्दशर्म विरचित 'मृदुला' व्याख्या समलंकृत समाप्त
२०७४ **गोभिलगृह्यसूत्रम्** । हिन्दी टीका सहित ३—००
*२०७५ **चतुर्वेदभाष्यभूमिकानां संग्रहः** । (तैत्तिरीयसंहिता-ऋग्वेद संहिता-सामवेदसंहिता-काण्वसंहिता-अथर्ववेदसंहिता) सायणाचार्यविरचितानां सर्ववेदभाष्यभूमिकानां संग्रहः ५—००
२०७६ **चतुर्वेद-वैयाकरण-पदसूची** । (A Grammatical Word-Index to all the four Vedas) विश्वबन्धु संपादित । १-२ भाग ८०—००
*२०७७ **चरणव्यूहः** । महर्षि शौनक प्रणीतः । आचार्यमहिदास कृत-भाष्ययुक्तः १—५०
२०७८ **चारायणीयमन्त्रार्षाध्यायः** । यजुर्वेदीय । मूलमात्र ४—००
२०७९ **चारों वेदों की अनुक्रमणिका** । ३—१५
२०८० **छन्दस्वतीवाक्** । वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्लानुवाद सहित १—५०
२०८१ **छान्दोग्यब्राह्मण** । गुणविष्णु कृत छान्दोग्य मन्त्र-भाष्य-सायण कृत वेदार्थप्रकाश सहित । दुर्गामोहनभट्टाचार्य संपादित १५—००
२०८२ **जैमिनीयोपनिषद् ब्राह्मणम्** । सामवेदीय ६—००
*२०८३ **ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्** । सायणाचार्य विरचित भाष्य सहित ३०—००
२०८४ **तैत्तिरीयारण्यकम्** । कृष्णयजुर्वेदीय । सायणभाष्य सहित । प्रथम भाग १०—००
२०८५ **तैत्तिरीयब्राह्मणम्** । सायणभाष्य समेत । १-२ भाग १७—२५
२०८६ **तैत्तिरीयसंहिता** । मूल १०—००
२०८७ **तैत्तिरीयसंहिता** । कृष्णयजुर्वेदीय । सायणभाष्य पद पाठ सहित । भाग १-८ संपूर्ण ५६—००
२०८८ **तैत्तिरीयसंहिता-अनुक्रमणिका** । परशुराम शास्त्री सम्पादित । प्रथम भाग २—००
२०८९ **तैत्तिरीय-संहिता-वैयाकरण-पदसूची** । (A Grammatical Word-Index to Taittiriya Samhita) विश्वबंधु संपादित ४०—००
२०९० **त्रिकाण्डसारार्थबोधिनी** । श्री विद्यामन्त्रभाष्य युक्त ३—२५
२०९१ **थिरुकुरल** (तामिल भाषा का पञ्चमवेद) तामिल लिपि ५—००
२०९२ **दण्डक** । शुक्लयजुर्वेदीय ०—७५
२०९३ **दशरात्रपर्व** । ऊहगानम् । १-२ भाग १—५०

२०९४ **दस्युविवेचन तथा दासमीमांसा** । गिरीशचन्द्र अवस्थी १—२५
२०९५ **देवताध्याय-संहितोपनिषद् ब्राह्मणद्वयम्** । सायणद्विजराजभट्टकृत भाष्यद्वय सहितम् १—२५
२०९६ **देवताध्याय-संहितोपनिषद्-वंश-ब्राह्मणानि** । सव्याख्यानि । डा० बे० रामचन्द्रशर्मणा संपादितानि १२—००
२०९७ **देवेसंज्ञकमन्त्रम्** । आपस्तम्बशाखोक्त ०—१२
२०९८ **दैवत-संहिता** (चारो वेदों का देवतानुसार मंत्र संग्रह) संपादक दामोदर सातवलेकर ३०—००
२०९९ **दैवम्** । देव कृत । कृष्णलीला शुक-मुनि विरचित पुरुषकाराख्यवार्तिकोपेत । सटिप्पण ६—००
२१०० **द्राह्यायणगृह्यसूत्रम्** । रुद्रस्कन्दवृत्ति हिन्दी टीका सहित २—५०
२१०१ **नयगेयशाखानुक्रमणी** । सीताराम सहगल संपादित २०—००
२१०२ **नारदीयशिक्षा** । (सामवेदीय) भट्ट शोभाकर विरचित शिक्षाविवरण संस्कृत व्याख्या सहित १—५०
२१०३ **नासदीय सूक्त** । सव्याख्या । वासुदेवशरण अग्रवाल संपादित ३—००
२१०४ **निघण्टुःनिरुक्त** । लक्ष्मणस्वरूप कृत आंग्लानुवाद सहित ४०—००
२१०५ **निरुक्तम्** । श्रीमन्महर्षि यास्काचार्य प्रणीत। प्रस्तुत महाग्रंथ के प्रथम निघण्टु भाग पर श्री देवराज यज्वा की संस्कृत टीका है तथा शेष नैघण्टुक काण्ड, नैगम काण्ड और दैवत काण्ड पर श्री दुर्गाचार्य विरचित संस्कृत टीका । इसी दृष्टि से ग्रन्थ ४ भागों में मुद्रित किया गया है । मुद्रण सुस्पष्ट तथा विषयसूची आदि सभी सुविधाओं से संवलित है । १–४ भाग संपूर्ण १८—००
२१०६ **निरुक्तम्** । दुर्गाचार्य कृत वृत्ति सहित । द्वितीय भाग मात्र । भण्डारकर ७—५०
२१०७ **निरुक्तम्** । दुर्गाचार्य वृत्ति सहित । स्थूलाक्षर । पूना, १–२ भाग २४—२५
२१०८ **निरुक्तम्** । श्री छज्जुराम शास्त्री कृत संस्कृत टीका, श्री भगीरथ शास्त्री कृत हिन्दी अनुवाद सहित २५—००, ४०—००
२१०९ **निरुक्तम्** । (नैघण्टुक-नैगम काण्ड का हिन्दी व्याख्या) आचार्य विश्वेश्वर १६—००
*२११० **हिन्दी निरुक्त** । (१–४ तथा ७वाँ अध्याय) व्याख्याकार, प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । इसमें अनुवाद शब्दशः किया गया है तथा वैदिक मन्त्रों के सान्वय अर्थ भी दिये गये हैं । १२५ पृष्ठ की समालोचनात्मक भूमिका तो छात्रों के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है ७—५०
२१११ **निरुक्त-यास्क** । वंगानुवाद नोट्स सहित । अमरेश्वर ठाकुर सम्पादित । १–३ भाग २७—००
२११२ **निरुक्तशास्त्रम्** । यास्कविरचितम् । भगवद्दत्त कृत भाषार्थ–हिन्दी टीका सहित १५—००
२११३ **निरुक्त सम्मर्शः** । स्वामी ब्रह्ममुनि कृत शैल्यनुसारि विवेचनात्मक भाष्य सहित १५—००
२११४ **निरुक्त-समुच्चयः** । वररुचि प्रणीत । युधिष्ठिर मीमांसक सम्पादित ५—००
२११५ **नीतिमञ्जरी** । सभाष्या, श्रीद्याद्विवेदविरचिता । भूमिका–टिप्पणी परिशिष्टादि विभूषित ४—५०

२११६ **नैमित्तिक वैदिकपाठ** । स्वामी वेदानन्द ०—२५

२११७ **न्यू वेदिक सिलेक्शन** । अन्वय-सायणभाष्य-शब्दा० हिन्दी-आंगलानुवाद-नोट्स सहित १२—५०, १६—००

२११८ **पञ्चसूक्तानि** । ०—३१

२११९ पाणिन्यादि (द्वात्रिंशत्) शिक्षासंग्रहः । द्वितीय खंड से चतुर्थ खंड तक । जीर्ण कागज-कुछ दीमक लगी ६—००

२१२० **पादविधानम्** । शौनक कृत १—५०

*२१२१ पारस्करगृह्यसूत्रम् । कात्यायनसूत्रीयश्राद्ध-शौच-स्नान-भोजन-कल्पसूत्र सहित यन्त्रस्थ

२१२२ **पारस्कर-गृह्यसूत्रम्** । (एम० ए० पाठ्यक्रमानुसार संकलित) अनुवादक-शिवदर्शन तिवारी ३—००

२१२३ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । (कर्क-जयराम-हरिहर-गदाधर-विश्वनाथ) भाष्यपञ्चकोपेत १०—००

२१२४ **पितृसंहिता** । मूलमात्र ०—२४

२१२५ **पितृसंहिता-पितृकल्पः** । रामगीता सहित ०—७५

२१२६ **पुरुषसूक्तभाष्यम्** । रङ्गनाथमुनि कृत २—५०

*२१२७ पुरुषसूक्तम् । सायण-महीधर-मंगल-निम्बार्क-भाष्यचतुष्टय सहित समाप्त

*२१२८ पुरुषसूक्तम् । 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका तथा अनुष्ठान-विधान सहित ०—१५

*२१२९ पुष्पसूत्रम् (सामप्रातिशाख्यं) पुष्पर्षि प्रणीत । श्रीमदजातशत्रुकृत भाष्यसहित ६—००

२१३० **प्राथमिकवेदसंग्रहः** । सामान्यावतरणिका प्राचीन भाष्य विविध टिप्पण्यादि युक्त २—००

२१३१ **बड़ोदरा राजकीय ग्रन्थसूची** । वेद-वेदलक्षण-उपनिषद् १-२ भाग ४७—००

*२१३२ बृहद्देवता (शौनकीय) । मूल श्लोकबद्ध, हिन्दी व्याख्या तथा टिप्पणियों से विभूषित । व्याख्याकार डॉ० रामकुमार राय १५—००

२१३३ **भरद्वाज ऋषि का दर्शन** (ऋग्वेद का षष्ठ मंडल) सातवलेकर प्रणीत ७—००

२१३४ **भारद्वाजशिक्षा** । सव्याख्या १—५०

२१३५ **भारद्वाजश्रौतसूत्रम्** । पैतृमेधिक परिशेष सूत्र-आंग्लानुवाद सहित । सी० जी० काशीकर संपादित । १-२ भाग ६०—००

२१३६ **भूमिकाभासः** । (भूमिकाधिकारापरपर्याय) स्वामी दयानन्द कृत ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका खण्डन २—००

२१३७ **मन्त्रपुष्पाञ्जलिसूक्तम्** । सव्याख्या ०—२५

२१३८ **मन्त्ररामायण** । २—१०

२१३९ **मन्त्रसंहिता** । ऋग्वेदीय १—५०

२१४० **मन्त्रसंहिता** । शुक्लयजुर्वेदीय ५२३ मन्त्रों का संग्रह ३—००

२१४१ **मन्त्रसंहिता** । हिरण्यकेशीय १—२५

२१४२ **मन्त्रार्थचन्द्रोदय** । दामोदर शर्मा संगृहीत । सव्याख्या ७—००

*२१४३ मन्त्रार्थदीपिका । म० म० श्री शत्रुघ्नमिश्र विरचित । सटीक ६—०९

२१४४ **मन्युसूक्तम्** । ०—३०

२१४५ **मरुद्देवता का मन्त्रसंग्रह ।** हिन्दी टीका सहित । सातवलेकर सम्पादित ५—००
२१४६ **मरुद्देवता मन्त्रसंग्रह ।** सातवलेकर सम्पादित । मूलमात्र २—००
२१४७ **मरुद्देवता मन्त्रसंग्रह की समन्वय सूची ।** सातवलेकर सम्पादित २—००
२१४८ **माध्यन्दिनीयपितृसूक्तम् ।** (सस्वर) ०—५०
*२१४९ MANAVA KALPA SUTRA : Being a portion of this Ancient Work on Vaidik Rites, together with the Commentary of Kumarila Swamin. With a Preface by Theodor Goldstucker. In the Press
*२१५० **मूल संस्कृत उद्धरण । (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) लेखक-प्रो० जे० मूइर । सम्पादक और हिन्दी अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय ।** १ से ४ भाग ८०—०० पञ्चम भाग यन्त्रस्थ
२१५१ **मैत्रायणीयारण्यकम् (यजुर्वेद)** ०—७५
२१५२ **मैत्रायणीसंहिता ।** शुक्लयजुर्वेदीय । मूलमात्र समाप्त
२१५३ **यजुर्वेद भाष्य संग्रह ।** दयानन्द सरस्वती विरचित । युधिष्ठिर मीमांसक सम्पादित ४—००
२१५४ **यजुर्वेदभाष्यम् ।** दयानंद स्वामी कृत व्याख्या । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु कृत विवरण सहित । प्रथम भाग । १-१० अध्याय १६—००
२१५५ **यजुर्वेदरुद्राष्टाध्यायी ।** हिन्दी टीका सहित ३—००
२१५६ **यजुर्वेदशतकम् ।** ब्र० जगदीशचन्द्र सम्पादित १—००
२१५७ **यजुर्वेदसंहिता ।** सुबोधभाष्य । १ला अध्याय (श्रेष्ठतम कर्म का आदेश) १—५०
२१५८ **यजुर्वेदसंहिता ।** सुबोध भाष्य । ३० वां अध्याय (मनुष्यों की सच्ची उन्नति का सच्चा साधन) २—००
२१५९ **यजुर्वेदसंहिता ।** सुबोध-भाष्य । ३२ वां अध्याय । एक ईश्वर की उपासना १—५०
२१६० **यजुर्वेदसंहिता ।** सुबोध भाष्य । ३६वां अध्याय । शक्तिका सच्चा उपाय १—५०
२१६१ **यजुर्वेदसंहिता ।** सुबोध भाष्य । ४० वां अध्याय (आत्मज्ञान ईशोपनिषद्) २—००
२१६२ **यज्ञतत्त्वप्रकाशः ।** म० म० श्री चिन्नस्वामि शास्त्री कृत ४—००
२१६३ **याज्ञवल्क्यशिक्षा ।** अमरनाथ दीक्षित कृत शिक्षावल्ली विवृति सहित ३—००
२१६४ **रजोवाद ।** मधुसूदन ओझा विरचित ६—००
२१६५ **रुद्र ।** नमक चमकात्मक अध्याय ०—७५
२१६६ **रुद्रदेवता मन्त्रसंग्रह ।** सातवलेकर सम्पादित १—७५
२१६७ **रुद्रभाष्यम् ।** अभिनव शंकर प्रणीत १—२५, १—९२
२१६८ **रुद्रं चमकं ।** लघुन्याससहितम् । सस्वरम् ०—४०
२१६९ **रुद्रसंग्रहः ।** सं० श्रीकृष्णदेव (चतुर्वेदात्मकः पञ्चशाखीयः) २—००
*२१७० **रुद्रस्वाहाकारपद्धतिः ।** ०—२५
२१७१ **रुद्राध्यायः ।** सायण भट्टभास्कर भाष्य सहित २—००
२१७२ **रुद्राध्यायः ।** विष्णुसूरि विरचित भाष्य संवलित २—००
*२१७३ **लाट्यायनश्रौतसूत्रम् । अग्निष्टोमान्तम् । सटीक** ४—००
२१७४ **वसिष्ठ ऋषि का दर्शन** (ऋग्वेद का सप्तम मंडल) सातवलेकर प्रणीत ७—००
२१७५ **वायुदेवता ।** सातवलेकर कृत १—७५

२१७६ **वाराहगृह्यसूत्रम्** । हिन्दी टीका सहित १—२५
२१७७ **विश्वेदेवा मन्त्रसंग्रह** । सातवलेकर सम्पादित ५—००
२१७८ **वेद का स्वरूप और प्रामाण्य** । स्वामी करपात्री जी । १–२ भाग (हिन्दी) ७—५०
२१७९ **वेदचयनम्** । विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी ५—००
२१८० **वेदधरातल** । गिरीशचन्द्र अवस्थी समाप्त
२१८१ **वेददिग्दर्शन** । माधवाचार्य शास्त्री ६—००
२१८२ **वेदनवाह्निक** । विश्वबन्धुकृत । अर्थ सहित ०—५०
२१८३ **वेदनिरुक्तशास्त्रार्थलतिका** । हरिपुष्पाचार्य विरचित ०—७५
२१८४ **वेदपरिचय** । सातवलेकर प्रणीत । १–३ भाग ५—०८
२१८५ **वेदपादस्तवः** । ०—३७
२१८६ **वेदप्रवेशः** । अश्विनौ देवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकरकृत हिन्दीटीका सहित ५—००
२१८७ **वेदप्रवेशः** । ऋग्वेद के अग्निसूक्त । सातवलेवर कृत २—००
२१८८ **वेदप्रवेशः** । मरुद्देवता मन्त्र संग्रह । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ५—००
२१८९ **वेद प्रवेशः तत्र प्रथमा पद्धतिः** । वेदानन्द । १–२ भाग २—५०
२१९० **वेदप्रश्नोत्तरमाला** । जगद्राम शास्त्री १—००
२१९१ **वेदप्रामाण्य-मीमांसा** । स्वामी करपात्री जी (संस्कृत) १—००
२१९२ **वेदभाष्यपद्धति को दयानन्द सरस्वती की देन का सार** । १—५०
२१९३ **वेद में चर्खा** । ०—६२
२१९४ **वेदरश्मि** । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल ५—००
२१९५ **वेदलावण्यम्** । डॉ० सुधीरकुमार गुप्त । १–२ भाग १०—००
२१९६ **वेदविद्या** । वासुदेवशरण अग्रवाल ५—००
२१९७ **वेदविज्ञानमीमांसा** । वेणीराम शर्मा गौड़ ०—७५
२१९८ **वेदविज्ञानबिन्दुः** । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी १—००
२१९९ **वेदविद्यानिदर्शन** । भगवद्दत्त १२—५०
२२०० **वेदविमर्श** । वेदव्रत शास्त्री । प्रथम भाग २—००
२२०१ **वेदशास्त्रसंग्रह** : (साहित्यरत्न कोशे प्रथम खण्ड) विश्वबन्धु संपादित १५—००
२२०२ **वेदसार** । विश्वबन्धु । हिन्दी टीका सहित ३—००
२२०३ **वेदानुवचन** । (हिन्दी) बाबा नगीनासिंह वेदी ६—००
*२२०४ **वेदार्थचन्द्रिका । डॉ० मुंशीराम शर्मा ।**
प्रस्तुत ग्रन्थ के २५ भावपूर्ण निबन्धों में कुछ प्रमुख प्रकाशदाता वेदमन्त्रों की यथार्थ हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है। इसके भाव, भाषा, शैली आदि देखकर आप मुग्ध हो जायँगे । एक बार अवश्य पढ़ें । ६—००
२२०५ **वेदार्थप्रक्रिया के मूलभूत सिद्धान्त** । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु ०—१९
२२०६ **वेदार्थविचारः** । सीताराम शास्त्रि कृत । हरिनारायण भट्टाचार्येण संपादित १५—००
२२०७ **वेदार्थविमर्श** । विश्वबन्धु १—००
२२०८ **वेदों का वास्तविक स्वरूप अथवा वेदों के महान् आदर्श** । डा० मङ्गलदेव शास्त्री संपादित ०—३८
२२०९ **वेदों में दो बड़ी वैज्ञानिक शक्तियाँ** । प्रियरत्न आर्य १—००
२२१० **वैखानसश्रौतसूत्र** । मूलमात्र । डा० कैलण्ड सम्पादित ७—५०
२२११ **वैखानसस्मार्तसूत्र** । १—५०

२२१२ **वैतानश्रौतसूत्र।** सोमादित्य विरचित आक्षेपानुविधि व्याख्या सहित ३०—००

*२२१३ **वैदिक आख्यान। ले०-पं० गङ्गासागर राय एम. ए.**
इस पुस्तक में जीवन को सुगठित एवं समुन्नत बनानेवाले प्रेरणाप्रद वैदिक आख्यानों का गुम्फन इतनी सरल, रोचक तथा सरस भाषा एवं शैली में किया गया है कि एक ही बैठक में बिना पुस्तक समाप्त किए जी नहीं मानता। इन उपदेशात्मक आख्यानों में मनोरंजन के साथ ही चरित्र विकास की भी प्रेरणा निहित है। सबके लिये पठनीय २—००

*२२१४ **वैदिक इण्डेक्स। मैकडौनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर)**
अनुवादक-डॉ० रामकुमार राय। अनुवाद की सर्वाधिक विशेषता यह है कि इसमें सन्दर्भ, संकेत, संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्यवस्था का क्रम वही दिया गया है जैसा कि मूल ग्रन्थ में है। इस व्यवस्था के कारण जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है। १-२ भाग संपूर्ण ४०—००

२२१५ **वैदिक इतिहास विमर्श।** वैद्यनाथ शास्त्री। ८—००

२२१६ **वैदिक उपदेश।** १-२ भाग ३—२५

२२१७ **वैदिक कोश।** (वैदिक विषयों एवं नामों का) डॉ० सूर्यकान्त २२—५०

२२१८ **वैदिकछन्दोमीमांसा।** युधिष्ठिरमीमांसक ४—५०

२२१९ **वैदिकदर्शन।** डा० फतह सिंह ७—००

२२२० **वैदिक धर्म आणि षड्दर्शनें।** शंकर रामचन्द्र राजवाडे (मराठी) ०—५०

२२२१ **वैदिक धर्म एवं दर्शन।** डा० सूर्यकान्त। ए० बी० कीथ रचित दि रिलिजन एण्ड फिलोसफी आफ दि वेदस ऐण्ड उपनिषद्स का हिन्दी रूपान्तर) १-२ भाग ५०—००

*२२२२ **वैदिक निबन्धावली। डॉ० मुंशीराम शर्मा।**
इस निबन्ध संग्रह में वेदों की एक स्वल्प झाँकी प्रस्तुत करने वाले २५ निबन्ध हैं। ये निबन्ध उच्च कक्षा के विद्यार्थियों, शोध-छात्रों एवं जन साधारण वेद प्रेमियों के लिए अत्यन्त लाभप्रद हैं ४—००

२२२३ **वैदिकपदानुक्रमकोषः।** विश्वबन्धु कृत। १-१६ भाग। विशिष्ट संस्करण ६४०—००
१-१६ भाग साधारण संस्करण ३२०—००

२२२४ **वैदिकपदानुक्रमकोष प्रणीति।** १—००

२२२५ **वैदिक पाठमाला।** सातवलेकर प्रथम भाग ०—३१

२२२६ **वैदिकप्रवचन।** जगत्कुमार शास्त्री २—२५

२२२७ **वैदिक भारत में यज्ञ और उसका आध्यात्मिक स्वरूप।** मुनि देवराज २—००

२२२८ **वैदिक भाषानुशीलन।** गंगाधर मिश्र ४—००

*२२२९ **वैदिक माइथौलोजी। (वैदिक पुराकथाशास्त्र) प्रो. ए. ए. मैकडॉनल (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक-डॉ. रामकुमार राय।**
यह ग्रन्थ वेद की आत्मा का भासमान प्रदीप है। वैदिक देवताओं का रहस्य जानना यदि अभीष्ट हो तो इस ग्रंथरत्न को अवश्य पढ़कर लाभ उठाइये १५—००

२२३० **वैदिकयज्ञरहस्य।** महात्मा नारायणस्वामी ०—३७

*२२३१ **वैदिकयुग के भारतीय आभूषण।** डॉ० राय गोविन्दचन्द
वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे, आदि का प्रामाणिक तथा सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है १५-००

*२२३२ **वैदिक योगसूत्र।** श्री हरिशंकर जोशी।
प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद्-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है। सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं। अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं। २०—००

२२३३ **वैदिक-वाङ्मय में प्रयुक्त विविध स्वराङ्कन-प्रकार।** युधिष्ठिर मीमांसक १—५०

२२३४ **वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति।** गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ५—००

२२३५ **वैदिक विनय।** अभयदेव विद्यालङ्कार। १-२ खण्ड ४—००

२२३६ **वैदिक विवाह संस्कार मन्त्र।** आंग्लानुवाद सहित ०—३७

२२३७ **वैदिक विश्वदर्शन।** हरिशंकर जोशी ९—००

*२२३८ **हिन्दी वैदिक व्याकरण।** श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय। बी० ए० तथा एम० ए० परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार नवनिर्मित इस पुस्तक में वेद का सुबोध व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय में समाधान तथा क्रियारूपों का एक लघु कोश भी प्रकाशित किया गया है २—००

२२३९ **वैदिक व्याकरण।** डा० रामगोपाल। प्रथम भाग १५—००

२२४० **वदिकव्याख्यानमाला।** १-४० व्याख्यान। १-४ भाग २०—००

२२४१ **वैदिक संस्कृति का विकास।** लक्ष्मण शास्त्री जोशी। मोरेश्वर दिनकर पराड़कर अनुवादित ५—००

२२४२ **वैदिक संस्कृति के तत्त्व।** डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ३—००

२२४३ **वदिकसन्ध्यारहस्य।** महात्मा नारायण स्वामी ०—३७

२२४४ **वैदिक समाज शास्त्र में यज्ञ की कल्पना।** फतेह सिंह ०—७५

२२४५ **वैदिकसाहित्य और संस्कृति।** बलदेव उपाध्याय १५—००

२२४६ **वैदिक साहित्य और संस्कृति।** भास्करानन्द लोहनी ३—००

२२४७ **वैदिक साहित्य का इतिहास।** राजकिशोर सिंह ४—००

*२२४८ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा।** प्रो० हंसराज अग्रवाल।
कई विश्वविद्यालयों में वैदिक साहित्य की रूपरेखा पाठ्यक्रम में नियत है। इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक की प्रत्येक महत्त्वपूर्ण अङ्ग की जानकारी पाठक को संक्षेप से करा दी गई है। २—००

२२४९ **वैदिक साहित्य में नारी।** प्रशान्त कुमार ७—००

२२५० **वैदिक सेलेक्शंस।** (बम्बई युनिवर्सिटी पाठ्य ग्रन्थ) १-२ भाग ४—५०

*२२५१ वैदिक सूक्तपञ्चकम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेत । संपादक-
एवं अनुवादक—आचार्य श्री मधुसूदनप्रसाद मिश्र ०—५०

*२२५२ वैदिक सूक्तमञ्जरी । (Vedic Selections) विस्तृत हिन्दी
व्याख्यान, अंग्रेजी अनुवाद सहित । अनुवादकः-डॉ० राम-
कृष्ण शास्त्री ।
प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में निर्धारित वैदिक सूक्तों का यह
सर्वोत्तम संग्रह है १—७५

२२५३ **वैदिक सूक्तावलिः** । डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य–रामगोपाल मिश्र संपादित १—७५
२२५४ **वैदिक-स्वर-मीमांसा** । युधिष्ठिर मीमांसक ४—००
२२५५ **वदिकस्वराङ्कनरीतिप्रकाशः** । १—००
२२५६ **वैदिकस्वराज्य की महिमा** । हिन्दी ०—७५
२२५७ **व्रात्यकाण्ड (अथर्ववेदान्तर्गत)** भाष्य तथा भाषानुवाद । डा० संपूर्णानन्द ३—००
२२५८ **शतपथबोधामृत** । (हिन्दी) ०—५०

*२२५९ शतपथब्राह्मणम् । [सस्वर] सम्पादक—म०म० श्री चिन्नस्वामी
शास्त्री । १–२ भाग । १ से ७ काण्ड पर्यन्त ६—००

*२२६० SATAPATHA BRAHMAN. In the Madhyandina S'ākha
with extracts from the commentaries of Sayana, Hari
Swamin and Dvivedaganga. Ed. by A. Weber. 100–00

२२६१ **शतपथब्राह्मणम्** । (शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनीयां शाखामनुसृत्य) सायणा-
चार्यहरिस्वामिद्विवेदगङ्गकृतभाष्येभ्यः सारमुद्धृत्य डॉ० आल्वेर्तेन
वेबेरेण शोधितम् १००—००

२२६२ **शतपथब्राह्मणम्** । रत्नदीपिका हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग ६०—००
२२६३ **शतपथब्राह्मणम्** । सायणभाष्य सहित । प्रथम काण्ड १४—४०
२२६४ **शतपथब्राह्मणम्** । सायणभाष्य सहित । सम्पूर्ण १–५ भाग २४०—००
२२६५ **शांख्यायनारण्यकम्** । ऋग्वेदान्तर्गत १—००
२२६६ **शिक्षादिवेदषडङ्गानि** । ३—००
२२६७ **शिक्षादिवेदाङ्गचतुष्टय** । ०—५०
२२६८ **शिक्षासूत्राणि** । आपिशलि–पाणिनि–चन्द्रगोमि विरचित १—५०
२२६९ **शुक्लकाण्वशाखीयग्रहमखप्रयोगः** । ०—७५
२२७० **शुक्लकाण्वशाखीय जातकर्मादि समावर्तन संस्कारप्रयोगः** । ०—७५
२२७१ **शुक्लकाण्वशाखीय ब्रह्मनित्यकर्मानुष्ठानपद्धतिः** । २—००
२२७२ **शुक्लकाण्वशाखीय मन्त्रसंहिता** । ०—६३
२२७३ **शुक्लकाण्वशाखीयवैदिकविवाहप्रयोगः** । चतुर्थी कर्म सहित ०—३८
२२७४ **शुक्लकाण्वशाखीय श्रावणीप्रयोगः** । ०—५०
२२७५ **शुक्लकाण्वशाखीय संहिता मंत्राणां अनुक्रमणिका** । ०—३७

*२२७६ THE S'UKLAYAJUH-PRATIS'ĀKHYA OF KĀTYĀYANA.
edited on the basis of varions manuscripts with the
first English Translation by Shrimati Indu Rastogi,
M. A. 10—00

*२२७७ **शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम्** । अँगरेजी अनुवाद सहित ।
सम्पादिका तथा अनुवादिका– श्रीमती इन्दु रस्तोगी एम्० ए० ।
इस संस्करण में प्राचीन पाण्डुलिपियों के आधार पर शोधपूर्वक संशुद्ध पाठ दिया गया है । अँगरेजी अनुवाद भी भाषाशैली, मूलानुसारिता आदि गुणों की दृष्टि से प्रथम कोटि का है । १०—००

*२२७८ **शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम्** । कात्यायनप्रणीत । श्री याज्ञिकानन्तदेव विरचित भाष्य सहित १०—००

२२७९ **शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम्** । १—५०

*२२८० **शुक्लयजुर्वेदकाण्वसंहिता** । श्री सायणाचार्य विरचित भाष्य सहित १-२० अध्याय पर्यन्ता समाप्त

*२२८१ **शुक्लयजुर्वेद वाजसनेयी संहिता** (माध्यन्दिनकाण्वशाखा) महिधर भाष्य सहित । डा० ए० वेबेर संपादित यन्त्रस्थ

२२८२ **शुक्लयजुर्वेदवाजसनेयिसंहितापदसूची** । १—५०

*२२८३ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । सम्पादक—श्री दौलतराम गौड वेदाचार्य । प्रस्तुत संस्करण सम्पूर्ण शुक्लयजुर्वेद का ३२ पेजी छोटा गुटका संस्करण है । वेदमन्त्र सब सस्वर दिए गए हैं । प्रसिद्ध कर्मकाण्डी वैदिक विद्वान् ने आवश्यक स्थलों पर 'प्रकाश' नामक टिप्पणी भी दी है । एतद्विषयक पाण्डित्यपूर्ण विचारों तथा विविध उपयोगी विषयों से परिपूर्ण विशद भूमिका भी परमोपयोगी है । ३—००

२२८४ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । मूलमात्र । पत्रात्मक बम्बई १०—००, काशी ८—००

२२८५ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित । श्रीराम शर्मा आचार्य ६—७५

२२८६ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषा भाष्य सहित१-२ भाग १६—००

*२२८७ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । 'श्री' विद्या हिन्दी टीका विभूषित । यज्ञीय पात्रादि के लक्षण विधान आदि विविध विषयों से समलंकृत ०—५०

*२२८८ **शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी** । रुद्राभिषेक माहात्म्य, स्वस्तिप्रार्थना, मन्त्राध्याय, शान्त्यध्यायादि विविध परिशिष्ट सहित ०—४०

२२८९ **शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी** । हिन्दी-टीकासहित ३—६०

*२२९० **शुल्बसूत्रम्** । श्री कर्कभाष्य-महीधरवृत्ति सहित ९—००

*२२९१ **श्रीसूक्तम्** । विद्यारण्य-पृथ्वीधर-श्रीकण्ठाचार्य कृत भाष्यत्रयेण टिप्पण्या च समलङ्कृतम् समाप्त

२२९२ **श्रीसूक्त** । हिन्दी टीका सहित ०—५०

२२९३ **श्रुतिसिद्धान्तसारसंग्रहः** । हिन्दी ६—००

२२९४ **श्रौतकोशः** । वापट सी० दातार, डी० वी० नाने, सी० जी० काशीकर संपादित । १-३ भाग ११५—००

२२९५ **श्रौतपदार्थनिर्वचनम्** । ६—४८

२२९६ **श्रौतपाठ (संहिता)** । मूलमात्र ६—००
२२९७ **षट्पिंडप्रयोगः** । ०—१२
२२९८ **षट्सूक्तानि** । ०—३२
२२९९ **षडङ्गरुद्री** । पूर्वोत्तराङ्गपूजाविधि युक्त १—५०
२३०० **संकर्षकाण्डसूत्राणि** । जैमिनि कृत । के० वी० शर्मा संपादित ५—००
२३०१ **सन्ध्यादर्पण** । देवीदत्त जोशी कृत । हिन्दी टीका सहित ४—००
२३०२ **संध्याभाष्यम्** । चतुर्वेद-संध्या-तर्पण-ब्रह्मयज्ञ-श्रुतिसूत्र व्याख्यानोपबृंहित पद्धति समेतम् । म० म० श्यामनारायण चतुर्वेद कृत ४—००
२३०३ **संध्यावन्दनम्** । कृष्ण यजुर्वेदीय । सभाष्य ०—५०
२३०४ **सत्याषाढश्रौतसूत्रम्** । गोपीनाथभट्टविरचितवैजयन्त्या ज्योत्स्ना-व्याख्यया च समेतम् । १-१० भाग ४२—५०
*२४०५ **सांख्यायनगृह्यसंग्रहः** । पं० वासुदेवकृतः तथा कौषीतकि गृह्यसूत्राणि ३—००
२३०६ **सांख्यायनगृह्यसूत्र** । सीताराम सहगल संपादित ३०—००
२३०७ **सामतन्त्रम्** । (सामवेदीयं प्रातिशाख्यम्) ए० एम्० रामनाथ दीक्षित सम्पादित २०—००
२३०८ **सामविधानब्राह्मणम्** । सायण कृत वेदार्थप्रकाश, भरतस्वामिकृत पदार्थ-मात्र विवृति सहित । बे० रामचन्द्र शर्मा संपादित १५—००
२३०९ **सामवेदः** । कौथुमशाखीयः । ग्रामेगेय (वेय, प्रकृति) गानात्मकः ५—००
२३१० **सामवेद** । सातवलेकर कृत हिन्दी अर्थ व स्पष्टीकरण सहित १८—००
२३११ **सामवेदजैमिनीयसंहिता** । डा० रघुवीर सम्पादित २०—००
२३१२ **सामवेद भाष्य की भूमिका और कई वेदसम्बन्धी प्रश्नोत्तर** । १—२५
२३१३ **सामवेद शतकम्** । ब्र० जगदीशचन्द्र सम्पादित १—००
२३१४ **सामवेद संहिता** । मूल मात्र सजिल्द २—००, ३—००
*२३१५ **सामवेदसंहिता** । (विशुद्ध संस्करण) सायणभाष्य सहित
विद्वानों की अनवरत माँग देखकर बहुत खोजबीन करने पर प्राप्त शुद्ध प्रति के आधार पर इसका प्रस्तुत संस्करण प्रकाशित हो रहा है। प्रतियाँ कम ही छपेंगी अतः ग्राहकगण अपनी प्रति सुरक्षित करा लें। यन्त्रस्थ
२३१६ **सामवेदसंहिता** । सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित । श्रीराम शर्मा आचार्य ६—७५
२३१७ **सामवेदसंहिता** । जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषा भाष्य सहित ८—००
२३१८ **सामवेद-संहिता** । हरिश्चन्द्र विद्यालंकार कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
२३१९ **सामवेद संहिता** । वैद्यनाथ शास्त्री कृत भाषा भाष्य सहित २०—००
२३२० **सामवेदसंहिता अनुक्रमणिका** । ०—४०
२३२१ **सामवेद-साम-संस्कार भाष्यम्** । भगवदाचार्य कृत १-३ भाग १७—००
२३२२ **सामवेद-स्थलनिर्देश-संवादिका** । ०—५०
२३२३ **सामवेदार्षेयदीपः** । भट्ट भास्कराध्वरीन्द्र प्रणीत । डा० बे० रामचन्द्र शर्मा संशोधित १३—५०
*२३२४ **सामवेदीय आह्निक उपाकर्म पद्धति** । (श्रावणी) सहित । सामवेदाचार्य पं० दुर्गादत्त त्रिपाठी सम्पादित समाप्त

*२३२५ सामवेदीय-त्रिकाल-सन्ध्यातर्पणप्रयोगः । ०—१५

*२३२६ सामवेदीयरुद्रजपविधिः । पञ्चवक्त्रपूजन-लघुरुद्रविधानयुतः १—५०

*२७२७ सामवेद-रुद्रजपविधिः । सचित्र । संहिता-पदपाठ हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद सहित । संपादक—आचार्य ऋषिशंकर अग्निहोत्री ४—००

*२३२८ सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः । श्रीशुक्लविश्रामात्मज-श्री शिवराम विरचिता ६—००

२३२९ सायणीयर्ग्वेदभाष्यभूमिकायाः बदरीनाथीटीका । त्रिलोकनाथमिश्रकृत ०—६४

२३३० सेलेक्शन्स फ्राम ब्राह्मणस् ऐण्ड उपनिषद्स । १-२ भाग २—००

२३३१ सौरसूक्त । ०—१२

*२३३२ STUDIES IN VEDIC INTERPRETATION : Along Sri Aurobindo's Lines by Sri A. B. Purani (Chow. Sans. Studies. Vol. XXXII) 20-00

२३३३ स्त्रियों का वेदाध्ययन और वैदिक कर्मकाण्ड में अधिकार । धर्मदेव विद्यावाचस्पति १—२५

*२३३४ स्वस्तिवाचनप्रयोगः । चतुर्वेदोक्त तत्तन्मन्त्र सहित ०-२०

२३३५ स्वाध्याय । स्वामी वेदानन्द । प्रथम भाग २—२५

२३३६ स्वाध्याय सन्दोह । स्वामी वेदानन्द ६—००

*२३३७ A HISTORY OF VEDIC LITERATURE : By Sri Sambhu Nath Sharma In the Press.

*२३३८ HYMNS OF THE ATHARVA-VEDA : Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith.

* २३३९ HYMNS OF THE RG-VEDA: Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXV) 2 Vols. 40-00

*२३४० HYMNS OF THE SAMA-VEDA : Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXVIII) 20-00

२३४१ हिम्स फ्राम दी ऋग्वेद । पिटर्सन । फर्स्ट सीरीज ६—५०

कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः

*२३४२ अग्निष्टोमपद्धतिः । ग्रन्थरत्नेऽस्मिन् 'आध्वर्यवपद्धतिः' कर्कानुसारिणी, 'औद्गात्रपद्धतिः'–लाट्यायनद्राह्यायणसूत्रानुसारिणी, 'हौत्रपद्धतिः' शाङ्खायनश्रौतसूत्रानुसारिणी च सन्निविष्टास्ति । १-२ खण्ड ६—००

२३४३ अग्निवेश्यगृह्यसूत्रम् । २—२५

२३४४ अग्निहोत्रचन्द्रिका । वामनशास्त्री विरचित ४—२५

*२३४५ **अन्त्यकर्मदीपकः** । आशौचकालनिर्णयसहितः प्रेतकर्म-ब्रह्मीभूत-यतिकर्मनिरूपणात्मकः । म० म० नित्यानन्दपन्त पर्वतीयविरचितः ४—००
२३४६ **अन्त्येष्टिकर्मपद्धतिः** । आश्चर्यनाथ पाण्डेय संगृहीत ४—५०
२३४७ **अन्त्येष्टिप्रयोगः** । १—५०
२३४८ **अभिषेकचतुष्टयी** । मातृप्रसाद ०—२०
२३४९ **अर्कीविवाहः** वायुनन्दनमिश्र ०—२४
२३५० **अष्टलिंगतोभद्रचक्र** । ०—२४
२३५१ **आचारभूषणम्** । त्र्यम्बककृत ६—५०
२३५२ **आचारमार्तण्डः** । १—२५
२३५३ **आचारादर्शः** । १—५०
२३५४ **आचारेन्दुः** । त्र्यम्बककृत ६—००
२३५५ **आधानपद्धतिः** । वामनशास्त्री ३—००
२३५६ **आनुग्राहिकम्** । विद्याधर विद्यालंकार । १ से २० पृष्ठ ३—००
*२३५७ **आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्** । श्रीहरदत्त प्रणीत अनाकुला श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय तथा हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
*२३५८ **आपस्तम्बधर्मसूत्रम्** । श्रीहरदत्तमिश्र विरचित उज्ज्वला वृत्ति सहित यन्त्रस्थ
२३५९ **आपस्तम्ब स्मार्त प्रयोगः** । वेञ्जर्ल सिङ्गयभट्ट सूरि विरचित । वी० सुन्दर शर्मा, एस० सुन्दरेश सोमयाजी सम्पादित १—५०
२३६० **आरतिकल्पद्रुमः** । लघुरुद्रपद्धति सहित १—५०
२३६१ **आर्यपर्वपद्धति** । भवानीप्रसाद १—२५
२३६२ **आश्लेषाज्येष्ठाशान्तिः** । हिन्दी टीका सहित ०—३७
२३६३ **आह्निककर्मसूत्रावलिः** । शुक्लयजुर्वेदीय ४—८०
२३६४ **आह्निकपद्धतिः** । नव्यचण्डीदास कृत १—००
२३६५ **आह्निकसूत्रावली** । (शुक्लयजुर्वेदीय) ६—००
२३६६ **उत्सर्जनोपाकर्म** । (शुक्लयजुर्वेद काण्वशाखीय) ०—६२
*२३६७ **उपनयनपद्धतिः** । विस्तृत टिप्पणी-परिशिष्ट सहित । रचयिता—म० म० विद्याधरजी गौड़ १—५०
२३६८ **उपनयनपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित १—००
२३६९ **उपनयनपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित १—००
२३७० **ऋग्वेदोक्तनित्यविधिः** । १—५०
२३७१ **एकलिङ्गतोभद्रचक्र** । ०—२४
२३७२ **एकोद्दिष्टश्राद्धपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ०—५०
२३७३ **एकोद्दिष्टसारिणी** । मैथिल श्री बदरीनाथशर्म कृत टिप्पणी सहित ०—१६
२३७४ **और्ध्वदेहिककर्मपद्धतिः** । अमृतवर्षिणी टिप्पणी सहित ४—००
२३७५ **कर्मकलापः** । स्वामी सहजानन्द कृत १६—००
२३७६ **कर्मकाण्डक्रमावलिः** । सोमशम्भु विरचित १—५०
२३७७ **कर्मकाण्डप्रदीप** । प्रथम भाग ८—००
२३७८ **कर्मकाण्ड-प्रवेशिका** । हिन्दी टीका ०—७५
२३७९ **कर्मकाण्डभास्कर** । विशालमणि उपाध्याय विरचित ५—५०, ७—००

२३८० **कर्मठगुरुः** । मुकुन्दवल्लभ कृत ६—००
२३८१ **कर्मप्रदीपः** । छान्दोग्यपरिशिष्ट २—२५
२३८२ **कल्पपूजा** । १—२५
*२३८३ कातियेष्टिदीपकः । (दर्शपौर्णमासपद्धतिः) महामहोपाध्याय पं० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय विरचित २—००
*२३८४ कात्यायनश्रौतसूत्रम् । श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहित १२ से २६ अध्यायात्मक द्वितीय भाग १४—००
*२३८५ का० तर्पणपद्धतिः । अनन्तराम शास्त्रिकृत हिन्दी टीका सहित ०—१५
२३८६ **कुण्डमण्डपसिद्धिः** । हिन्दी टीका सहित ०—५२
२३८७ **कुम्भविवाहः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत ०—२४
*२३८८ कुलदेवतास्थापनविधिः, हनुमद्ध्वजदानविधिश्च । ०—०५
२३८९ **कूपाराममीमांसा (बृहत्कूपारामपद्धतिः)** । हिन्दी टीका सहित ०—६४
*२३९० कूपोत्सर्गपद्धतिः । ०—१५
*२३९१ **कृतितत्त्वसंग्रहः । रचयिता—दैवज्ञ पं० तूफानी शर्मा**
धर्मशास्त्र, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड, तीनों के सभी उपलब्ध निबन्धों तथा अन्यान्य ग्रन्थों से व्यवहारोपयोगी सार-संकलन ही ग्रन्थ का स्वरूप है। इसके अति प्राचीन दुर्लभ पाण्डुलिपि को काशी के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा शोधन-सम्पादन कराकर प्रस्तुत संस्करण प्रकाशित किया गया है। ८—००
२३९२ **कृत्यरत्नाकरः** । चण्डेश्वरठक्कुर विरचित ६—००
*२३९३ कृत्यसारसमुच्चयः । म० म० पं० अमृतनाथझा विरचित । पं० गङ्गाधरमिश्रकृत बृहत् टिप्पणी परिशिष्ट विभूषित ५—००
२३९४ **कृष्णयजुर्वेदीय संध्यावन्दनम्** । सभाष्यम् ०—५०
२३९५ **कौथुमगृह्यम्** । भूमिका नोट्स सहित ९—००
२३९६ **क्षत्रियसन्ध्याप्रयोगः** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
२३९७ **क्षेत्रपालचक्र** । ०—२०
२३९८ **खादिरगृह्यसूत्रम्** । रुद्रस्कन्दवृत्ति भाषाटीका सहित २—५०
२४९९ **खादिरगृह्यसूत्रम्** । सूत्रार्थबोधिनी वृत्ति सहित १—२५
२४०० **गदाधरपद्धतिः** । आचारसारः । गदाधरराजगुरु विरचित ४—५०
२४०१ **गयाश्राद्धपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित १—०२
२४०२ **गयाश्राद्धपद्धतिः** । वायुनन्दनमिश्रप्रणीत ०—५०
२४०३ **गायत्री का मन्त्रार्थ** १—५०
२४०४ **गायत्री चित्रावली** । १—५०
२४०५ **गायत्री पुरश्चरणपद्धतिः** । शंकराचार्य विरचित ४—००
२४०६ **गायत्रीपुरश्चरणविधि** । ०—२४
*२४०७ गायत्रीपूजापद्धतिः । श्रीविभाकराचार्य संगृहीत ०—२५
२४०८ **गायत्रीमहाविज्ञान** । १-३ भाग १०—५०
२४०९ **गायत्रीयज्ञविधान** । १-२ भाग ४—००
२४१० **गायत्री शिक्षा** (सचित्र) २—००

२४११ **गृहवास्तुचक्र ।** ०—१०
२४१२ **गृहस्थरत्नाकरः ।** चण्डेश्वरठक्कुरकृत ५—२५
२४१३ **गृहोत्सर्गपद्धतिः ।** ०—२०
*२४१४ गोदानपद्धतिः । अभिनव संस्करण । डोंगरे शास्त्रि संपादित ०—१५
२४१५ **गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका ।** भाषाटीका ३—००
*२४१६ गोभिलगृह्यसूत्रम् । म० म० श्रीमुकुन्दशर्मविरचित मृदुलाव्याख्या समलङ्कृत समाप्त
२४१७ **गोविन्दार्चनचन्द्रिका** १२—००
२४१८ **गौडीयश्राद्धप्रकाशः ।** चतुर्थीलाल विरचित-पत्रात्मक ९—६०
२४१९ **ग्रहशान्तिः ।** समन्त्रक स्थूलाक्षर ३—००
२४२० **चतुर्थवर्णसंस्कारपद्धतिः ।** हिन्दी टीका सहित ०—७२
२४२१ **चतुर्लिङ्गतोभद्रचक्रम् ।** ०—२४
२४२२ **चतुःषष्टिपद वास्तुमण्डलचक्रम् ।** ०—२०
२४२३ **चतुःषष्टियोगिनीचक्रम् ।** ०—२०
*२४२४ चूडाकरणपद्धतिः । विद्याधरकृतविस्तृतटिप्पणीपरिशिष्टसहिता ०—२५
२४२५ **जन्मदिनपूजापद्धतिः ।** ०—२०
२४२६ **तात्त्विकवैदिकविवाहविधिः** १—००
*२४२७ तुलसीपूजापद्धतिः । ०—१५
२४२८ **तुलसीविवाहपद्धतिः ।** हिन्दी टीका सहित १—५०
२४२९ **तुलसीविवाहविधिः ।** ०—३६
२४३० **त्रिकालसंध्या ।** ऋग्वेदीय ०—२५
२४३१ **त्रिकालसंध्या ।** हिरण्यकेशीय-आपस्तम्बीय ०—२०
२४३२ **त्रिपिण्डीश्राद्धपद्धतिः ।** वायुनन्दन प्रणीत । हिन्दी टीका सहित १—००
२४३३ **दण्डकः** (शुक्लयजुर्वेदीय) ०—७५
२४३४ **दन्त्योष्ठविधिः ।** अथर्ववेदीय ३—५०
२४३५ **दर्शपूर्णमासप्रकाशः ।** वामनशास्त्रिकृतः १०—००
२४३६ **दशकर्मपद्धतिः ।** मूल १—२०
२४३७ **दशकर्मपद्धतिः ।** हिन्दी टीका २—४०
२४३८ **दानक्रियाकौमुदी ।** गोविन्दानन्द कवि कङ्कणाचार्य कृत २—२५
२४३९ **दानचन्द्रिका ।** दिवाकर कृत १—३२
*२४४० दानदीपिका । हिन्दी टीका सहित ०—५०
२४४१ **दीक्षातत्त्वमीमांसा ।** हिन्दी टीका सहित १—५०
२३४२ **दीक्षाप्रकाशिका ।** विष्णुभट्ट प्रणीत १—००
२४४३ **दुर्गाकल्पद्रुमः ।** चण्डीपाठ सहित ३—००
२४४४ **दुर्गापूजा ।** दौलतराम गौड़ विरचित २—५०
*२४४५ दुर्गापूजा–श्यामापूजापद्धतिः । ०—७५
२४४६ **द्राह्यायणगृह्यसूत्रवृत्तिः ।** रुद्रस्कन्दप्रणीत । हिन्दी टीका सहित २—५०
२४४७ **द्वादशलिङ्गतोभद्र हरिहरमण्डलचक्रम् ।** रंगीन ०—२४
२४४८ **द्वारकापत्तलम् ।** बिनबायी कृत । **गंगावाक्यावली ।** विश्वासदेवी विरचित २०—००

२४४९ **धनिष्ठापञ्चकशान्तिः** । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२४५० **धन्वन्तरिमहामंत्रहवनपद्धतिः** । राघवेन्द्र शर्मा बुर्लों विरचित	१—००
२४५१ **धर्मकर्मदीपिका** ।	०—५०
२४५२ **धर्मशान्तिपद्धतिः** । दयालुचन्द्रशर्मा संपादित	०—७५
२४५३ **नवग्रहचक्रम्** । सादा	०—१५
२४५४ **नवग्रहजपविधिः** ।	०—५४
२४५५ **नवग्रहविधानपद्धतिः** ।	०—७२
*२४५६ **नारायणबलिप्रयोगः** । 'विष्णुप्रिया' हिन्दीव्याख्या सहित	०—६०
२४५७ **नारायणबलिप्रयोगः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	१—५६
२४५८ **नित्य-कर्मचन्द्रिका** ।	०—५०
२४५९ **नित्यकर्मप्रयोगमाला** । चतुर्थीलाल विरचित	२—४०
२४६० **नित्यकर्मविधिः** । पं० बालकृष्ण आचार्य संगृहीत हिन्दी टीका सहित	१—५०
२४६१ **नित्यनैमित्तिककर्मसमुच्चयः** । शुक्लयजुर्वेदीय	५—५०
२४६२ **नित्यहवनपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित	०—४२
२४६३ **नित्याचारपद्धतिः** । विद्याकर वाजपेयी कृत	५—२५
२४६४ **नित्याचारप्रदीपः** । नृसिंह वाजपेयी कृत	१२—७५
२४६५ **नूतनमूर्तिप्रतिष्ठापद्धतिः** । राघवेन्द्र शर्मा बुर्लों विरचित	१—५०
२४६६ **पञ्चदानपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—५२
२४६७ **पञ्चपञ्चात्मकरुद्रस्वाहाकारसमुच्चयः** । शास्त्री दुर्गाशंकर परिशोधित	०—४०
*२४६८ **पञ्चमङ्गलम्** । १. मण्डपस्थापनम् २. हरिद्रालेपनं कलशस्थापनम् ३. मातृकापूजा-सप्तघृतमाता ४. आयुष्यमन्त्रजपः ५. नान्दीमुखश्राद्धम् ।	०—४०
२४६९ **पञ्चमहायज्ञविधिः** । आर्यसमाजी ०—२५ सनातनी	०—३१
२४७० **पञ्चरत्नविवाहपद्धतिः** ।	२—००
*२४७१ **पञ्चाङ्गपद्धतिः** । अनन्तराम डोगरा शास्त्रिकृत टिप्पणी विभूषित	समाप्त
२४७२ **पञ्चायतनपूजा** ।	०—३१
२४७३ **पद्यपञ्चाशिका** । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२४७४ **परिणयमीमांसा** । श्रीनटेश शास्त्रि विरचित	१—५०
२४७५ **पश्वालम्भमीमांसा** । वामनशास्त्रिकृत	१—००
*२४७६ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । मूल मात्र	यन्त्रस्थ
२४७७ **पारस्कर-गृह्यसूत्रम्** । सं० व अनुवादक-शिवदर्शन तिवारी	३—००
२४७८ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । (कर्क-जयराम-हरिहर-गदाधर-विश्वनाथ) भाष्यपञ्चकोपेत	१०—००
२४७९ **पार्वणश्राद्धप्रयोगः** । हिन्दी टीका सहित	०—५०
*२४८० **पितृकर्मनिर्णयः** (संग्रहनिबन्ध) श्री त्रिलोकनाथ मिश्र कृत	३—००
२४८१ **पुत्तलविधानपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	०—४०
२४८२ **पुरश्चरणपद्धतिः** । योगीन्द्र कृष्ण दौर्गादत्ति शास्त्रि कृत	१—५०
२४८३ **पुराणोक्तविवाहपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—४०
२४८४ **पूजाभास्करः** ।	३—००
*२४८५ **पूतनाशान्तिः** । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित	०—२५

२४८६ **पौराणिक महालक्ष्मीपूजा पद्धतिः** । मदनलाल शर्मा गौड़ सम्पादित ०—६०
*२४८७ **पौरोहित्यकर्मसारः** । परिवर्द्धित संस्करण १—६५
२४८८ **प्रतिसांवत्सरिकश्राद्धप्रयोगः** । ०—५०
२४८९ **प्रदोषपूजनपद्धतिः** । मोहन शर्मा संकलित ०—६०
२४९० **प्रयोगरत्ननारायणभट्टी** । ऋग्वेदीय । समन्त्रक ३—५०
२४९१ **प्रायश्चित्तप्रकाशः** । चतुर्थीलाल कृत २—१०
*२४९२ **प्रायश्चित्तप्रदीप–कृत्यप्रदीप–शुद्धिप्रदीप** । आचार्यकृष्णमित्रप्रणीत ३—००
२४९३ **प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः** । नागोजीभट्टकृत तथा **कुण्डार्क** । केशवकृत सव्याख्या २—५०
२४९४ **प्रेतमञ्जरी** । हिन्दीटीका सहित २—४८
२४९५ **बृहत्कर्मकाण्डसमुच्चयः** । ०—९०
२४९६ **बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः-दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः** । ०—४०
२४९७ **बृहद्गायत्रीयमहामन्त्रीयसरयूपारीणशुक्लभाष्य** । ०—६२
२४९८ **बृहद् ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयः** । सग्रहमखषोडशसंस्काराद्यनेकविषय-सहितः । शास्त्री दुर्गाशङ्करकृत टिप्पणी सहित ६—००
*२४९९ **बौधायनधर्मसूत्रम्** । श्री गोविन्दस्वामि प्रणीत विवरण समेत २०—००
२५०० **ब्रह्मकर्मसमुच्चयः** । हिरण्यकेशीय । ३८८ विषय युक्त ८—००
२५०१ **ब्राह्मणसर्वस्वम्** । हलायुध विरचित २५—००
२५०२ **भागवतदशमस्कन्धहवनपद्धतिः** । राघवेन्द्र शर्मा बुर्ली विरचित १—००
२५०३ **भारतीयविवाहपद्धति** । काशीनाथ शास्त्री २—५०
२५०४ **मङ्गलत्रयशास्त्रार्थः** । गणेशदत्त मिश्र संपादित ०—३७
२५०५ **मण्डपकुण्डसिद्धिः** । विट्ठल दीक्षित विरचित । पदार्थमञ्जूषा गुर्जरभाषा-नुवाद संस्कृत व्याख्या सहित ५—५०
*२५०६ **महालक्ष्मीपूजापद्धतिः** । सर्वदेवपूजाविधान–पूजनमीमांसा सम्पुटित श्रीसूक्तादि विविध परिशिष्ट युक्त हिन्दी टीका सहित १—२५
२५०७ **मूर्तिपूजाविज्ञान** । माधवाचार्य शास्त्री ०—५०
२५०८ **मूलशान्तिचक्रम्** । ०—२८
२५०९ **मूलशान्तिपद्धतिः** । हिन्दी टीका ०—६०
२५१० **यज्ञतत्त्व हवनविधि सहित** । २—००
२५११ **यजुर्वेदाह्निकम्** । ०—८१
२५१२ **यजुर्वेदोपाकर्मप्रयोग** । १—२५
२५१३ **यजुस्सन्ध्यावन्दनम्–यज्ञोपवीतधारण-ब्रह्मयज्ञ-देवर्षितर्पण-दर्शतर्पण** ०—५०
२५१४ **यज्ञतत्त्वप्रकाशः** । म० म० पं० चिन्नस्वामिशास्त्री प्रणीत ४—००
२५१५ **योगिनीचक्र** । ०—२०
२५१६ **राज्याभिषेकपद्धतिः** । ३—००
*२५१७ **रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः** । जानकीनवमीव्रतपूजा सहित ०—४०
२५१८ **रामविवाहपद्धतिः** । वायुनन्दनमिश्र प्रणीत ०—२४
*२५१९ **रामार्चापद्धतिः (श्री शिवसंहितोक्त) पं० गुलाब झा संपादित** ०—४०
२५२० **रामार्चामाहात्म्यम्** । कथापूजा ०—७५
२५२१ **रुद्रयागप्रयोगः** । वायुनन्दनमिश्रप्रणीत ४—००

२५२२ **लक्ष्मीपूजनप्रयोगः** । यजुर्वेदीय १—००
२५२३ **लघुपूजाऽनुष्ठानपद्धतिः** । ०—५६
२५२४ **लघुस्तवः** । न्यासध्यानसहित । सव्याख्या ०—५०
*२५२५ **लाट्यायनश्रौतसूत्रम्** । अग्निष्टोमान्त । मुकुन्द झा बख्शी कृत व्याख्या सहित ४—००
२५२६ **लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि** । देवपालकृतभाष्य सहित । १-२ भाग ५—५०
*२५२७ **वर्षकृत्यदीपकः** । (कालनिर्णयव्रतोद्यापन सहित) महामहोपाध्याय श्रीनित्यानन्दपन्त पर्वतीयकृत द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण १०—००
२५२८ **वर्षक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्यकृत ५—२५
*२५२९ **वसन्तोत्सवनिर्णयः** । पं० सूर्यनारायणशुक्ल कृत ०—१५
२५३० **वाराहगृह्यसूत्रम्** । हिन्दीटीका सहित १—५०
२५३१ **वारुणमण्डलचक्रम्** । ०—२४
*२५३२ **वाशिष्ठीहवनपद्धतिः** । हिन्दीटीका सहित । रचयिता-वेदकर्मकाण्ड धर्मशास्त्राचार्य पण्डित श्री विश्वनाथ शास्त्री ०—६०
२५३३ **वास्तुपद्धतिः** । (ऋग्यजुर्वेदीया) राघवेन्द्र शर्मा बुर्ली विरचित १—००
*२५३४ **वास्तुपूजापद्धतिः** । गृहे गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिः गृहप्रवेशपद्धतिश्च ०—७५
२५३५ **वास्तुप्रतिष्ठासंग्रहः** । ३—००
२५३६ **वास्तुमण्डलचक्र** । ०—२०
२५३७ **वास्तुशान्तिप्रयोगः** । ०—९०
२५३८ **विधानमाला** । नृसिंहभट्ट कृत ६—२५
२५३९ **विवाहचन्द्रिका** । षोडशसंस्कार सहित १—५०
२५४० **विवाहपञ्चरत्नपद्धतिः** । फलाहारी शर्मा कृत २—००
*२५४१ **विवाहपद्धतिः** । सटिप्पण, हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पादक—म० म० विद्याधर शास्त्री गौड़ । अनुवादक—वेदाचार्य श्री दौलतराम शास्त्री गौड़ शीघ्र प्राप्त होगा
२५४२ **विवाहपद्धतिः** । चतुर्थीलाल कृत हिन्दी टीका सहित १—३२
२५४३ **विवाहपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित १—००
२५४४ **विवाहपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित १—२४
२५४५ **विवाह रहस्य एवं विवाह पद्धति** । हिन्दी टीका सहित १—५०
२५४६ **विवाहसोपाङ्गविधिः** । हिन्दी टीका सहित ३—६०
२५४७ **विश्वकर्मपूजापद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ०—४०
२५४८ **विष्णुपूजा** । हिन्दी टीका सहित ०—३०
२५४९ **विष्णुयागपद्धतिः** । नवग्रहमख सहित २—५०
२५५० **वेदोक्त पुराणोक्त सर्वदेवपूजाप्रयोग** । यजुर्वेद रुद्राष्टाध्यायी-शिवमहिम्नस्तोत्र-पुराणोक्त पुरुषसूक्त-वेदोक्त नवग्रहमन्त्र-पुराणोक्त-नवग्रहमन्त्र-मृत्युंजय यन्त्रजप विधि-सहित १—००
२५५१ **वैदिक कर्मकाण्ड पद्धति** । शिवदयालु कृत २—५०
२५५२ **वैदिक विवाह संस्कार पद्धति** । शिवदयालु १—००

२५५३ **वैवाह पद्यावली**। हिन्दी टीका सहित १—८०
२५५४ **वैष्णवसन्ध्यावन्दनम्**। ०—३१
२५५५ **वैष्णवाह्निकम्**। ०—५६
२५५६ **व्रतरत्नाकर**। प्रथम भाग २—२५
२५५७ **व्रतोद्यापनप्रकाश**। पत्रात्मक ४—५०
२५५८ **शान्तिकल्पद्रुमः**। वास्तुशान्ति सहित १—५०
२५५९ **शान्तिप्रकाशः**। चतुर्थीलाल विरचित ७—८०
२५६० **शान्तिमार्तण्डः**। शुक्लयजुर्वेदीय। १-२ भाग २—५०
*२५६१ शिलान्यासपद्धतिः। विद्याधरजी सम्पादित टिप्पणी परिशिष्टसहित समाप्त
२५६२ **शिलान्यासपद्धति। देहलीन्यासपद्धति**। वायुनन्दन मिश्रकृत ०—६०
२५६३ **शुक्लयजुःशाखीयकर्मकाण्डप्रदीपः**। ८—००
२५६४ **शुक्लयजुर्वेदीयवैदिकवास्तुशान्तिप्रयोगः**। दुर्गाशङ्कर परिशोधित १—५०
*२५६५ शुक्लयजुर्वेदीयसन्ध्योपासनपद्धतिः। वेदाचार्य पं० अनन्तराम डोगरा शास्त्रि कृत हिन्दी टीका सहित ०—१५
२५६६ **शूद्रदशगात्र-एकादशाह-वृषोत्सर्ग-सपिण्डनश्राद्धपद्धतिः**। ०—४०
२५६७ **शूद्रपार्वणैकोद्दिष्टश्राद्धपद्धतिः**। वायुनन्दन मिश्र प्रणीत ०—२०
*२५६८ श्राद्धकल्पलता। श्रीनन्दपण्डितकृत ६—००
२५६९ **श्राद्धकौमुदी**। सूतकनिर्णय सहित २—००
२५७० **श्राद्धक्रियाकौमुदी**। गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्यकृत ५—२५
*२५७१ श्राद्धगणपतिः। यन्त्रस्थ
*२५७२ श्राद्धचन्द्रिका। भारद्वाज दिवाकरभट्ट निर्मित ५—००
*२५७३ श्राद्धपद्धतिः। म० म० वाचस्पतिमिश्रकृत। परिष्कृत संस्करण यन्त्रस्थ
२५७४ **श्राद्धपारिजात**। रुद्रदत्त पाठक कृत। हिन्दी टीका सहित ३—७५
*२५७५ श्राद्धप्रयोगदीपिका। पं० नैने गोपालशास्त्री संशोधित एवं परिष्कृत १—२५
२५७६ **श्राद्धप्रश्नोत्तरावली**। १—५०
२५७७ **श्राद्धमञ्जरी**। वापुभट्ट रचित ३—००
२२७८ **श्राद्धमार्तण्डः** (शुक्लयजुर्वेद काण्वशाखीय) १—२५
२५७९ **श्राद्धविज्ञान**। माधवाचार्य शास्त्री ०—७५
*२५८० श्राद्धविवेकः। म० म० रुद्रधर विरचित। विषमस्थल टिप्पणी तथा पार्वणश्राद्धक्रियाबोधक चित्रपट सहित २—५०
२५८१ **श्राद्धविवेकः, श्राद्धपद्धतिः**। हिन्दी टीका सहित ६—००
२५८२ **श्राद्धविश्रामः**। सम्पादक-रुद्रप्रसाद अवस्थी २—५०
२५८३ **श्रावणी**। उपाकर्मपद्धतिः। (यजुर्वेदीय)। वायुनन्दनमिश्र प्रणीत २—००
२५८४ **श्रीग्रहमखप्रयोगः**। ०—७५
२५८५ **श्रीशारदीय दुर्गापूजा पद्धति**। गौरीनाथ पाठक ३—५०
*२५८६ श्रौतसूत्रम्। कात्यायनप्रणीत, देवयाज्ञिकपद्धतिसहित। १-८ खण्ड २४—००
२५८७ **श्रौतसूत्रम्**। सत्याषाढ विरचित १-१० भाग ४२—५०
२५८८ **षट्पञ्चात्मक रुद्रस्वाहाकार प्रयोग**। दुर्गाशंकर शास्त्री ०—४०
२५८९ **षोडशसंस्कारविधि** (सनातनी) गंगाप्रसाद शास्त्री कृत हिन्दीटीका सहित ४—००

२५९० **षोडश संस्कार विधि ।** भीमसेन शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
२५९१ **संकल्प रत्नावली ।** हरिनाथ शर्मा संगृहीत २—५०
*२५९२ संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः । तुलादानपद्धति सहित ०—२०
२५९३ **संध्या आत्मज्ञान ।** श्यामलाल सुहृद् ०—२५
२५९४ **संध्याभाष्यम् ।** चतुर्वेद-संध्या-तर्पण-ब्रह्मयज्ञ-श्रुतिसूत्र-व्याख्यानोपबृंहित पद्धति समेत । म० म० श्यामनारायण चतुर्वेदकृत ४—००
२५९५ **संध्याभाष्यसमुच्चयः ।** ३—००
२५९६ **संन्यासग्रहणपद्धतिः ।** ०—४०
२५९७ **संन्यासपद्धतिः ।** हिन्दी टीका सहित १—५६
*२५९८ संस्कारगणपतिः । श्रीमद्याज्ञिकप्रवरश्रीमद्रामकृष्णप्रणीतः । पारस्करगृह्यसूत्रस्यातिविस्तृतव्याख्यानस्वरूपः २५—००
*२५९९ संस्कारदीपकः । म० म० श्रीनित्यानन्दपन्त पर्वतीयकृत- प्रथम भाग ४—०० द्वितीय भाग ८—५०, तृतीय भाग ५—५०
१-३ भाग संपूर्ण १८—००
२६०० **संस्कारपद्धतिः ।** भास्करशास्त्रीविरचित । उपोद्घात सहित ३—७५
*२६०१ संस्काररत्नमाला (गोपीनाथभट्टीया) १-२ खण्ड ३—००
२६०२ **संस्काररत्नमाला ।** भट्टगोपीनाथ दीक्षित विरचित । १-२ भाग १८—५०
२६०३ **संस्कारविधिः ।** स्वामीदयानन्दप्रणीत १—४०
२६०४ **संस्कारविधिविमर्शः ।** अत्रिदेवगुप्त प्रणीत ३—००
२६०५ **संस्कार-विमर्शन तथा संस्कारों का महत्त्व ।** श्यामलाल सुहृद् ०—१९
२६०६ **सकाम शिवपूजन विधान ।** हिन्दी टीका सहित ०—७२
२६०७ **सचित्रसतर्पणसन्ध्यादर्पण ।** हिन्दी भाषानुवाद सहित २—००
*२६०८ सरस्वतीपूजापद्धतिः । मूर्तिपूजा विधान सहित ०—२५
२६०९ **सरस्वतीपूजापद्धतिः ।** हिन्दी टीका सहित ०—२८
२६१० **सर्वतोभद्रचक्रम् ।** ०—२५
२६११ **सर्वदेवप्रतिष्ठाप्रकाशः ।** चतुर्थीलाल विरचित ५—४०
२६१२ **सर्वदेवसामान्यपूजा ।** ०—५०
२६१३ **सर्वपूजा ।** ०—३१
२६१४ **साङ्गसप्ताहमण्डपपूजाविधिः ।** २—००
२६१५ **सामवेदश्राद्धप्रयोगः ।** दर्शतर्पण सहित १—२५
*२६१६ सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः । श्रीशुक्लविश्रामात्मज श्रीशिवराम विरचित ६—००
२६१७ **सामवेदसंध्यावन्दन ।** ०—४०
२६१८ **सामवेदोपाकर्मप्रयोग** १—२५
२६१९ **सौभाग्यपूजाविधिः ।** १—००
२६२० **स्मार्तप्रभुः** (प्रतिष्ठाप्रभु सहित) विद्याधरगौड़ । १-२ भाग ५—२४
२६२१ **स्मार्तानां संध्यावन्दनम् ।** ०—३१
२६२२ **स्मार्ताह्निकम् ।** ०—६२

२६२३ **स्मार्तोल्लासः** । शिवप्रसाद विरचित । १-३ भाग ५—१२

*२६२४ **स्वस्तिवाचनप्रयोगः** । चतुर्वेदोक्ततत्तन्मन्त्र सहित ०—२०

२६२५ **स्वस्त्ययनकलशप्रतिष्ठापूजनविधिः** । ०—१०

२६२६ **हवनात्मकमहारुद्रप्रयोगः** । **अष्टधारुद्र स्वाहाकार समुच्चय सहित** । शास्त्री दुर्गाशंकर कृत टिप्पणी सहित १०—००

*२६२७ **हिन्दू संस्कार** । (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डॉ० राजबली पाण्डेय विरचित ।
यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्त्वपूर्ण देन है । गर्भ में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है । द्वितीय संशोधित संस्करण १६—००

धर्मशास्त्र-ग्रन्थाः

२६२८ **आङ्गिरसस्मृतिः** । १२—००

२६२९ **अब्धिनौयानमीमांसा** । २—४०

२६३० **अवेस्ता** । एर्वद् मा० फ० कांगा-ना० श्री० सोनटक्के संपादित । १-२ भाग ४०—००

२६३१ **अवेस्ता** । राजाराम शास्त्री १—५०

२६३२ **अहर्तिथिभास्कर** । राजनारायण शास्त्री २—००

२६३३ **आचारचन्द्रिका** । स्वा० दयानन्द प्रणीत १—००

२६३४ **आचारादर्शः** । १—५०

२६३५ **आचारेन्दुः** । त्र्यम्बक विरचित ६—००

२६३६ **आपस्तम्बधर्मसूत्रमंजरी** । १—२५

*२६३७ **आपस्तम्बगृह्यसूत्र** । श्रीहरदत्त प्रणीत अनाकुला श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय समलङ्कृत यन्त्रस्थ

*२६३८ **आपस्तम्बधर्मसूत्रम्** । श्रीहरदत्तमिश्रविरचित-उज्ज्वलावृत्तिसहित यन्त्रस्थ

२६३९ **आपस्तम्ब धर्मसूत्रम्** । हिरण्यकेशी व्याख्या सहित ३—००

२६४० **आर्य्य जीवन अर्थात् गृहस्थधर्म** । रघुनाथप्रसाद पाठक ०—६२

२६४१ **आर्यविद्यासुधाकरः** । भट्टयज्ञेश्वरशर्म विरचित १०—००

२६४२ **आर्यविधानम्** । विश्वेश्वरनाथ रेउ विरचित । हिन्दी टीकोपेत । १-२ भाग २०—००

२६४३ **आर्य सामाजिक धर्म** । ०—७५

२६४४ **आर्यसिद्धान्तदीप** । मदनमोहन विद्यासागर लिखित १—२५

*२६४५ **आशौचनिर्णयः** । म० म० वाचस्पतिमिश्र, म० म० रुद्रधरोपाध्याय प्रणीत युग्म संस्करण । मनोरमा हिन्दीटीका विभूषित ०—५०

२६४६ **आहार और धर्म** । स्वामी कालिकानंद १—००

*२६४७ INDIAN WISDOM by Monier Williams (Chow. Sans. Studies Vol. XXXVI) 30-00

२६४८ **उद्वाहतत्त्वम्** । रघुनन्दन भट्टाचार्य कृत । काशीराम वाचस्पति कृत सम्बन्धतत्त्वविवृति, कृष्णतर्कालङ्कार कृत तत्त्वबोधिनी-भूपेन्द्रनाथ स्मृतितीर्थ कृत टिप्पणी सहित । हेरम्बनाथ चट्टोपाध्याय संपादित ५—००

२६४९ **उपासना रहस्य ।** माधवाचार्य शास्त्री ०—५०
२६५० **ओंकार और शिवलिङ्ग ।** माधवाचार्य शास्त्री लिखित ०—४०
२६५१ **ओङ्कार-निर्णय ।** शिवशङ्कर शर्मा १—५०
२६५२ **कात्यायनमतसंग्रहः ।** २—८७
२६५३ **कार्तिकशुक्लद्वितीयाकृत्यनिर्णयः ।** ०—२०
२६५४ **कालतत्त्वविवेचन ।** रघुनाथभट्ट विरचित । दूसरा भाग मात्र ३—५०
२६५५ **कालमाधवः ।** माधवाचार्य विरचित । सटिप्पण ३—६०
२६५६ **कालमाधवकारिका ।** माधवाचार्य विरचित । सविवरण ०—७५
२६५७ **कृत्यकल्पतरुः ।** लक्ष्मीधर विरचित । १-९ काण्ड (१० जिल्द में) १७०—००
ब्रह्मचारिकाण्ड १५-००, श्राद्धकाण्ड १८-००, दानकाण्ड १२-००, तीर्थविवेचनकाण्ड १२-००, नियतकालकाण्ड २२-००, शुद्धिकाण्ड १२-००, राजधर्मकाण्ड समाप्त, गृहस्थकाण्ड १५-००, व्यवहारकाण्ड ३०-००, व्यवहारकाण्ड-भूमिका भाग १४-००, व्रतकाण्ड २०-००, मोक्षकाण्ड समाप्त
२६५८ **कृत्यरत्नाकरः ।** चण्डेश्वरठक्कुरप्रणीत ६-००
२६५९ **कृत्यशिरोमणिः ।** ४—००
२६६० **कौथुमगृह्यम् ।** भूमिका नोट्स सहित ९—००
२६६१ **क्यों ?** (धर्मदिग्दर्शन) माधवाचार्य शास्त्री । प्रथम-द्वितीय भाग १६—००
२६६२ **क्षत्रियवंशभास्कर ।** इन्द्रदेवनारायण सिंह ४—००
२६६३ **खादिरगृह्यसूत्रम् ।** रुद्रस्कन्दवृत्ति भाषाटीका सहित २—५०
२६६४ **खादिरगृह्यसूत्रम् ।** सूत्रार्थबोधिनी वृत्ति सहित १—२५
२६६५ **गणेशमीमांसा ।** श्रीकृष्ण २—००
२६६६ **गदाधरपद्धतिः ।** आचारसारः । गदाधरविरचित ४—५०
२६६७ **गृहस्थ धर्म एवं नारी-पूजा ।** शिवदयालु ०—२५
२६६८ **गृहस्थरत्नाकरः ।** चण्डेश्वरठक्कुर विरचित ५—२५
२६६९ **गौतमधर्मसूत्रपरिशिष्टम्** (द्वितीयप्रश्न) १२—००
*२६७० **गोभिलगृह्यसूत्रम् । म० म० श्रीमुकुन्दशर्मविरचित मृदुलाव्याख्या समलङ्कृत** समाप्त
*२६७१ **गौतमधर्मसूत्राणि । सानुवाद श्रीहरदत्तकृतमिताक्षरावृत्तिसहितानि । अनु०-श्रीउमेशचन्द्रपाण्डेय ।**
प्रस्तुत ग्रन्थ में दी हुई आचार-शिक्षा दर्शनीय है । इसकी संस्कृत व्याख्या ही अबतक उपलब्ध थी । अब यह उत्तम हिन्दी अनुवाद संस्कृत व्याख्या के साथ प्रकाशित किया गया है । मूल में शताधिक स्थलों पर संशोधन भी किया गया है । विचारपूर्ण विस्तृत-भूमिकादि-संवलित अभिनव संस्करण । १०—००
२६७२ **चतुर्वर्गचिन्तामणिः ।** दानखण्ड । १-२ भाग १५—००
*२६७३ **चतुर्विंशतिमतसंग्रहः । श्रीभट्टोजिदीक्षितकृत** ६—००
२६७४ **जपजी ।** संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २—२५
२६७५ **जपसंहिता ।** अर्थात् जपजी का पंजाबी से संस्कृत व हिन्दी में अनुवाद तथा उस पर हिन्दी में भाष्य, विस्तृत भूमिका सहित । स्वामी हरिप्रसाद 'वैदिकमुनि' ५-७५

२७१३ **धर्मदर्शन की रूपरेखा** । हरेन्द्रप्रसाद सिन्हा ७—५०
२७१४ **धर्मद्वैतनिर्णयः** । शङ्करभट्ट विरचित ९—५०
२७१५ **धर्मप्रदीपः** । मूलमात्र २—४०
२७१६ **धर्मप्रदीपः** (प्रमाणजातितत्त्व-शुद्धितत्त्व-विवाहप्रकाशात्मकः) अनन्तकृष्ण शास्त्री संपादित ८—००
२७१७ **धर्मप्रवेशिका** । ०—३७
२७१८ **धर्मप्रश्नोत्तरी** । स्वामी दयानन्द ०—२५
२७१९ **धर्म मार्ग पर** । नेमधर शर्मा ४—००
२७२० **धर्मरहस्य** । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी १—७०
२७२१ **धर्मविज्ञान** । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी २—००
२७२२ **धर्मविज्ञान** । १-३ भाग । स्वामी दयानन्दकृत । हिन्दी १३—००
२७२३ **धर्मशास्त्र का इतिहास** । डॉ० पाण्डुरंग वामन काणे । अनुवादक— अर्जुन चौबे काश्यप । १-३ भाग ५४—००
२७२४ **धर्मशास्त्रीय व्यवस्थासंग्रह** । सुभद्रशर्मा संपादित १०—००
२७२५ **धर्मशिक्षा** । लक्ष्मीधर वाजपेयी । हिन्दी २—५०
२७२६ **धर्म-संस्कृति और राज्य** । गुरुदत्त ८—००
*२७२७ **धर्मसिन्धुः** । 'सुधाविवृति' सहित 'धर्मबोधिनी' हिन्दी व्याख्या विभूषित
प्रस्तुत संस्करण में सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा आवश्यक स्थलों पर टिप्पणियों में प्रस्तुत ग्रंथ के मूलाधार स्मृतिग्रन्थों के नाम, अन्यान्य स्मृतिवचनों से प्रस्तुत का समर्थन, कतिपय अनिर्णीत-व्रतादि विषयों का निर्णय, देशभेद से आचारादि-भेद का संकेत, प्रमाण-वचन, पारिभाषिक शब्दों का स्पष्टीकरण, विभिन्न लक्षण, पारिभाषाएँ, भावार्थ आदि विस्तृत व्यावहारिक जानकारी दी गई है । २०—००
२७२८ **धर्मसोपान** । ०—२५
२७२९ **धर्मादर्श** (नूतन मतमतान्तर पर्यालोचक निवन्ध) पंडितोपाह्व केशवसूनु देवकृष्णशर्मा विरचित । श्रीसंतोजी महाराज संपादित २०—००
२७३० **धर्मानुबन्धिश्लोकचतुर्दशी** । शेषकृष्ण कृत, रामपण्डित प्रणीत व्याख्या सहित १—००
२७३१ **धार्मिकविमर्शसमुच्चयः** । विद्याशंकर भारती प्रणीत ५१ ३—५०
२७३२ **नवरात्रप्रदीपः** । नन्दपण्डित कृत २—००
२७३३ **नारदस्मृतिः** । वंगाक्षर टीकानुगत भावानुवाद सम्मिलित । अनुवादक— नारायणचन्द्र स्मृतितीर्थ ३—५०
२७३४ **नित्याचारप्रदीपः** । नृसिंह वाजपेयी विरचित १२—७५
२७३५ **निर्णयसिन्धुः** । कमलाकरभट्ट विरचित । मूलमात्र ९—००
*२७३६ **निर्णयसिन्धुः** । **कमलाकरभट्ट** विरचित । **कृष्णभट्ट** कृत विस्तृत संस्कृत व्याख्या सहित ३३—००
२७३७ **नृसिंहप्रसादः** । दलपतिराज विरचित । १-३ भाग ९—२५
प्रायश्चित्तसारः ३-२५ श्राद्धसारः २-०० व्यवहारसारः ४-००
२७३८ **पशुवालम्भमीमांसा** । वामनशास्त्रि विरचित १—००
२७३९ **पारमहंस्यधर्ममीमांसा** । सच्चिदानन्दतीर्थप्रणीत ०—५०

*२७४० **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । मूल मात्र यन्त्रस्थ

२७४१ **पारस्कर-गृह्यसूत्रम्** । स० व अनुवादक-शिवदर्शन तिवारी ३—००

२७४२ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । (कर्क-जयराम-हरिहर-गदाधर-विश्वनाथ) भाष्यपञ्चकोपेत १०—००

*२७४३ **पाराशर धर्म संहिता (पाराशर स्मृति) सायण-माधव भाष्य सहित** यन्त्रस्थ

२७४४ **पाराशरधर्मसंहिता** । सायणमाधवभाष्यसहित । व्यवहारकाण्ड का द्वितीय भाग ५—५०

*२७४५ पाराशरस्मृतिः । 'प्रकाश' हिन्दीव्याख्या सहित ।
भाषा एवं शैली बहुत सरल तथा सुबोध है । दूसरी स्मृतियों के वचनों से समन्वय तथा सामान्य-विशेष वचनों का विचार करते हुए कर्तव्यता का स्पष्ट निर्देश इस व्याख्या की विशेषता है । यन्त्रस्थ

२७४६ **पुरुषार्थचिन्तामणिः** । विष्णुभट्ट प्रणीत । मूलमात्र ५—००

२७४७ **पुरुषार्थचिन्तामणिः** । पूना संस्करण ९—००

२७४८ **प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन** । डा० लक्ष्मीदत्त ठाकुर ६—५०

*२७४९ प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड । डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी ।
समाजशास्त्र, विधि, न्यायपालिका एवं प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के सम्बन्ध में वैदिक काल से लेकर निबन्ध ग्रन्थों तक की सामग्री को एक स्थान पर वैज्ञानिक विधि से प्रस्तुत करनेवाली हिन्दी में अनुपम पुस्तक । इसमें अपराध और दंड की सूची इतने व्यापक रूप में दी गई है कि उससे सभी लाभ उठा सकते हैं । ६—००

२७५० **प्राचीन भारतीय लोकधर्म** । वासुदेवशरण अग्रवाल ४—००

२७५१ **प्राच्य धर्म और पाश्चात्य विचार** । डॉ० सर्वेपल्लि राधाकृष्णन् । अनुवादक उमापति राय चन्देल १५—००

२७५२ **प्रायश्चित्तकदम्ब** । हिन्दी टीका सहित १—००

२७५३ **प्रायश्चित्तप्रकाशः** । २—१०

२७५४ **प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः** । नागोजीभट्टप्रणीत तथा **कुण्डार्क**, केशवविरचित सव्याख्या २—५०

२७५५ **बालम्भट्टी** । मिताक्षरा की व्याख्या । प्रायश्चित्ताध्याय ११—२५

*२७५६ बालम्भट्टी । मिताक्षरा की व्याख्या । व्यवहाराध्याय ३३—००

२७५७ **बीस स्मृतियाँ** । श्रीराम शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १४—००

२७५८ **बृहद्योगियाज्ञवल्क्यस्मृतिः** । स्वामी कुवलयानन्द-रघुनाथशास्त्री संपादित । सटिप्पण १५—००

*२७५९ **बौधायनधर्मसूत्रम्** । श्रीगोविन्दस्वामिप्रणीतविवरणसमेतम् २०—००

२७६० **ब्राह्मणोत्पत्तिमार्तण्डः** । हिन्दीटीका सहित १२—००

२७६१ **भारतीय धर्म व्यवस्था** । वाचस्पति गैरोला ४—००

२७६२ **भारतीयधर्मशास्त्रम्** । चूडामणिशास्त्रि कृत हिन्दी टीका सहित ३—५०

२७६३ **भारतीय ब्राह्मणजातिप्रदीपिका** । इन्द्रदेवनारायण सिंह १—२५

२७६४ **भीष्म का राजधर्म** । डा० श्यामलाल पाण्डेय ६—००

२७६५ **मदनमहार्णवः** । विश्वेश्वरभट्ट विरचित । एम्बर कृष्णमाचार्य-एम० आर० नम्बियर संपादित २६—००
२७६६ **मदनरत्नप्रदीपः** । मदनसिंह विरचित । व्यवहारकाण्ड १२—००
२७६७ **मदनरत्नप्रदीपः** । मदनसिंह विरचित । दानविवेकोद्योतः । डा० आर्येन्द्र शर्मा संपादित । १-२ भाग १५—००
२७६८ **मनु का राजधर्म** । डा० श्यामलाल पाण्डेय ५—००
२७६९ **मनुधर्म की समाज व्यवस्था** । सत्यमित्र दूबे ७—५०
२७७० **मनुपादानुक्रमणी** । श्री भगवानदास-राजारामशास्त्री सम्पादित ०—७५
२७७१ **मनुस्मृतिः** । कुल्लूकभट्टप्रणीत मन्वर्थमुक्तावली सहित समाप्त
२७७२ **मनुस्मृति** । १-२ अध्याय । कुल्लूकभट्ट कृत मन्वर्थमुक्तावली-डॉ० बुहलर कृत आंग्लानुवाद-सत्यभूषण योगी कृत विद्याधरी भाष्य सहित ६—००
२७७३ **मनुस्मृतिः** । मेधातिथि भाष्य । १-४ भाग (बंगाक्षर) २१—७५
*२७७४ **मनुस्मृतिः** । श्रीहरगोविन्दशास्त्रीकृत 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका, 'विमर्श' विस्तृतप्रस्तावना, विषयसूची, श्लोकानुक्रमणिका सहित ५—००
*२७७५ **मनुस्मृतिः** । 'मणिप्रभा' हिन्दीटीका 'विमर्श' सहित १-४ अध्यायमात्र २—५०
*२७७६ **मनुस्मृतिः** (द्वितीय अध्याय) परीक्षोपयोगी सान्वय प्रकाशिका सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—५५
२७७७ **मांसतत्त्वविवेकः** । विश्वनाथन्यायपञ्चाननविरचित ०—७५
२७७८ **मानवधर्मसार** । डॉ० भगवानदास २—००
२७७९ **मानवार्षभाष्य** । इन्दिरारमणशास्त्री सम्पादित ५—००
२७८० **मृतकश्राद्धसमीक्षा** । माधवाचार्यशास्त्री ०—२५
२७८१ **मोक्षधर्मसारोद्धारः** । सव्याख्या ३—००
२७८२ **यतिधर्मसंग्रहः** । विश्वेश्वरसरस्वतीप्रणीतः २—७५
२७८३ **यमपितृ परिचय** । प्रियरत्न आर्य २—००
*२७८४ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । श्रीमन्मित्रमिश्रविरचित 'वीरमित्रोदय' श्रीविज्ञानेश्वरकृत 'मिताक्षरा' टीकाद्वयसहित समाप्त
*२७८५ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । (विज्ञानेश्वरकृत 'मिताक्षरा' संस्कृत टीका सहित) डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेयकृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या विभूषित । हिन्दी व्याख्या से ग्रन्थ का आशय समझने तथा ग्रन्थ का मूल लगाने में समुचित सहायता प्राप्त होती है । इसकी विशद भूमिका में धर्मशास्त्र विषयक उत्तम पाण्डित्यपूर्ण विचारों की प्रामाणिक व्यवस्था देखने को मिलती है । परिशिष्ट में सब प्रकार के पारिभाषिक शब्दों की सरल व्याख्या तथा सन्दिग्ध एवं विवेच्य स्थलों पर उत्तम समाधान तथा विवेचन प्राप्त होता है । आचाराध्याय मात्र ४—००
सम्पूर्ण २०—००
*२७८६ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । 'बालम्भट्टी' व्याख्यासमलंकृत मिताक्षरा टीका सहित । व्यवहाराध्याय सम्पूर्ण ३३—००
२७८७ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । अपरार्क व्याख्या सहित । १-२ भाग १९—५०
२७८८ **राजनीतिरत्नाकरः** । चण्डेश्वर विरचित ५—००

धर्मशास्त्र-ग्रन्थाः

*२७८९ RELIGIONS OF INDIA: By A. Barth. Authorised English Translation by Rev. J. Wood. (Chow. Sans. Studies Vol. XXV) 15-00

२७९० **लेक्चर्स ऑन धर्मशास्त्र** (संस्कृत)। म० म० श्रीधर शास्त्री पाठक कृत १—५०

२७९१ **लेखबद्धशास्त्रार्थ**। माधवाचार्यशास्त्री ०—७५

२७९२ **लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि**। देवपालकृतभाष्य सहित। १-२ भाग ५—५०

२७९३ **वर्ण व्यवस्था का वैदिक रूप**। ज्ञानचन्द आर्य १—५०

२७९४ **वर्णव्यवस्था का संक्षिप्त इतिहास**। वासुदेव गुप्त १—५०

२७९५ **वर्षक्रियाकौमुदी**। गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य प्रणीत ५—२५

२७९६ **वशिष्ठधर्मशास्त्रम्**। १—१०

*२७९७ **वसन्तोत्सवनिर्णयः**। पण्डित सूर्यनारायणशुक्लकृत ०—१५

२७९८ **वाराहगृह्यसूत्रम्**। हिन्दीटीका सहित १—५०

२७९९ **विधानपारिजातः**। अनन्तभट्ट विरचित। १-४ वाल्युम में सम्पूर्ण ७०-००

२८०० **विधानमाला**। नृसिंहभट्ट विरचित ६—२५

२८०१ **विवादचिन्तामणिः**। वाचस्पतिमिश्र विरचित ३—००

२८०२ **विवादरत्नाकरः**। चण्डेश्वरठक्कुरप्रणीत ६-००

*२८०३ **विष्णुस्मृतिः**। जे० जॉली सम्पादित। नन्दपण्डितकृत वैजयन्ती टीका का सारांश तथा टिप्पणी सहित। इण्डिया आफिस लाइब्रेरी में सुरक्षित श्री कोलब्रुक आदि विद्वानों द्वारा अन्विष्ट पाण्डुलिपियों के आधार पर संशुद्ध, सम्पादित टिप्पणियों सहित यह दुर्लभ संस्करण प्रकाशित किया गया है। पूरे ग्रन्थ में आए वैदिक मन्त्रों के प्रतीकों तथा स्मार्त पारिभाषिक शब्दों की अनुक्रमणिकाएँ भी ग्रन्थान्त में संलग्न हैं। १०—००

२८०४ **विष्णुस्मृतिः**। केशव वैजयन्ती व्याख्या सहित। १-२ भाग ४०—००

*२८०५ **वीरमित्रोदयः**। महामहोपाध्याय-श्रीमित्रमिश्रविरचितः—

परिभाषाप्रकाशः संस्कारप्रकाशश्च ४४—००

आह्निकप्रकाशः	२४—००	व्यवहारप्रकाशः	२४—००
पूजाप्रकाशः	१६—००	श्राद्धप्रकाशः	१२—००
लक्षणप्रकाशः	२८—००	समयप्रकाशः	८—००
राजनीतिप्रकाशः	१५—००	भक्तिप्रकाशः	६—००
तीर्थप्रकाशः	१८—००	शुद्धिप्रकाशः	८—००

संपूर्ण १-१२ प्रकाश २००—००

२८०६ **वैदिकधर्म और विकास**। गंगाप्रसाद १—००

२८०७ **वैदिक धर्म परिचय**। जगदेव सिंह शास्त्री ०—६५

२८०८ **वैदिक राष्ट्रीयता (वैदिक राजप्रजा धर्म)**। स्वामी ब्रह्ममुनि ०—२५

२८०९ **व्यवहारनिर्णयः**। वरदराजकृत ३०—००

२८१० **व्यवहारप्रकाशः**। पृथ्वीचन्द्र नृपति विरचित। (धर्मतत्त्वकलानिधौ पृथ्वीचन्द्रोदये महानिबन्ध सप्तम प्रकाशः) प्रथम भाग १-१० उल्लास १२—००

२८११ **व्यवहारमाला ।** १—५०

*२८१२ **व्यवहारविज्ञानम् ।** सं० हरिहर झा । जीवन-निर्माण में बालकों को भारतीय संस्कृति से अनुप्राणित किस व्यवहार-विधि का पालन करना चाहिए इसका शास्त्रसम्मत रोचक उपदेश ही इस पुस्तक का विषय है । बड़ी उपयोगी रचना है । सान्वय सुधा हिन्दी व्याख्या सहित । प्रथम भाग ०—६०
द्वितीय भाग ०—७५

२८१३ **व्रतराजः ।** हिन्दी टीका सहित १९— ६१

*२८१४ **व्रात्यताप्रायश्चित्तनिर्णयः** (महान् लघुश्च) । नागेशभट्टविरचितः । अत्र कलौ उपनयनयोग्याः क्षत्रिया नैव सन्तीति विवेचितम् । तथा **व्रात्यताशुद्धिसंग्रहः ।** ३—००

२८१५ **शास्त्रचन्द्रिका ।** हिन्दी १—७५

२८१६ **शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः ।** नीलकण्ठ विरचित ५—००

२८१७ **शास्त्रार्थ महारथ अभिनन्दन अङ्क ।** सं० शिवकुमार गोयल ४—००

२८१८ **शास्त्रार्थ राजधनवाद ।** माधवाचार्य शास्त्री ०—२५

२८१९ **शुद्धिकौमुदी ।** गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य विरचित ३—७५

२८२० **शूद्राचार्यशिरोमणिः ।** शेषकृष्णविरचित । प्रथम भाग मात्र २—२५

*२८२१ **श्राद्धकल्पलता ।** श्री नन्दपण्डित कृत ६—००

२८२२ **श्राद्धक्रियाकौमुदी ।** गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य विरचित ५—२५

*२८२३ **श्राद्धचन्द्रिका ।** भारद्वाज दिवाकरभट्ट निर्मित ५—००

२८२४ **श्राद्धनिर्णय वेदतत्त्वप्रकाश ।** शिवशंकर ३—५०

२८२५ **श्राद्धविज्ञान ।** माधवाचार्य शास्त्री ०—७५

*२८२६ **श्राद्धविवेकः ।** म० म० रुद्रधर विरचित । विषमस्थल टिप्पणी तथा 'पार्वणश्राद्ध क्रियाबोधक चित्रपट' सहित २—५०

२८२७ **श्रीगणेश ।** माधवाचार्य शास्त्री ०—५०

२८२८ **श्रीशाण्डिल्यस्मृतिः ।** शास्त्रिगौतमशर्मा संकलित २—५०

*२८२९ **षडशीतिः ।** आदित्याचार्य प्रणीत । धर्माधिकारिनन्दपण्डित प्रणीत शुद्धिचन्द्रिका व्याख्या समलङ्कृत ६—००

२८३० **संक्षिप्त मनुस्मृति ।** देवदत्त शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ३—५०

८२३१ **संस्कारदीपक ।** हर्षनाथ झा विरचित । सटिप्पण ७—००

२८३२ **सत्यार्थप्रकाशः ।** स्वामी दयानन्द कृत । **सूक्ष्माक्षर** ४—५०
स्थूलाक्षर १२—००, **स्थूलाक्षर ।** सटिप्पण १५—००

२८३३ **सदाचार प्रश्नोत्तरी ।** ०—१२

२८३४ **सनातनधर्म ।** माधवाचार्य शास्त्री ०—७५

२८३५ **सनातनधर्मदीपिका ।** स्वामि दयानन्द विरचित १—००

२८३६ **सनातन धर्म पुष्पाञ्जलि ।** रामअवतार वीर २—५०

२८३७ **सनातनधर्मसूत्राज ।** भगवान श्रीनारायण कृत ३—२५

२८३८ **सनातनधर्मोद्धारः ।** उमापति द्विवेदी कृत । १-४ भाग २०—००

२८३९ **सनातन शुद्धिशास्त्र और आर्यों का चक्रवर्तीराज्य** । गोविन्दप्रसाद शर्मा शास्त्री २—००

*२८४० **सब धर्मों की बुनियादी एकता** । डॉ० भगवानदास । इस ग्रन्थ में संसार भर के धार्मिक मज़हबों और उनके श्रेष्ठ धर्मग्रंथों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों-मज़हबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है १२—००

२८४१ **सम्बन्धनिर्णयः** । गोपालन्यायपञ्चानन विरचित १—२५

२८४२ **सम्बन्धविवेकः** । शूलपाणि कृत ३—५०

२८४३ **सरस्वतीविलासः** । प्रतापरुद्र कृत । व्यवहारकाण्ड ३—५०

२८४४ **सापिण्ड्यकल्पलतिका** । सदाशिवदेव (आपदेव) प्रणीत । नारायणदेव विरचित व्याख्या सहित १—२५

२८४५ SOCIO-RELIGIOUS CONDITION OF NORTH INDIA: (700-1200 A. D.) Based on Archaeological Sources: By Dr. Vasudeva Upadhyaya (Chow. Sans. Studies Vol. XXXIX) 25-00

२८४६ **स्मृतिचन्द्रिका** । देवणभट्टकृत । १-६ भाग १७—००

२८४७ **स्मृतिप्रकाशः** । वासुदेवरथ विरचित । प्रथम खण्ड ०—७५

२८४८ **स्मृतिमुक्ताफल** । वैद्यनाथदीक्षित विरचित । १-६ खण्ड (१-३ भाग में) ५५-००

२८४९ **स्मृति-सन्दर्भः** । १-६ भाग । ५६ स्मृत्यात्मक इस विशाल एवं अलभ्य ग्रन्थरत्न का विषय-विभाग इस प्रकार है । भाग १—मनु आदि १० स्मृतियाँ, भाग २—पराशर आदि ४ स्मृतियाँ, भाग ३—याज्ञवल्क्यादि १७ स्मृतियाँ, भाग ४—गौतम आदि १३ स्मृतियाँ, भाग ५—कपिलादि १० स्मृतियाँ, भाग ६—मार्कण्डेय और लौगाक्षि स्मृतियाँ । मुद्रण बहुत सुस्पष्ट एवं विषयसूची आदि सभी सुविधाओं से युक्त है । १-६ भाग ३६—००

*२८५० **स्मृतिसारोद्धारः** । विद्वद्वर श्री विश्वम्भरत्रिपाठि सङ्कलित १२—००

२८५१ **स्मृतीनां समुच्चयः** । सप्तविंशतिस्मृतिसंग्रहः ७—५०

२८५२ **स्मृत्यर्थसारः** । श्रीधराचार्य विरचित २—५०

२८५३ **हमारा धर्म और उसकी वैज्ञानिक रूपरेखा** । नारायणसिंह ३—००

२८५४ **हमारे पर्व और त्योहार** । ०—७५

२८५५ **हिन्दुधर्माची समीक्षा** । लक्ष्मण शास्त्री जोशी (मराठी) १—००

२८५६ **हिन्दुस्थान का दंडसंग्रह** (हिन्दी) ६—६०

२८५७ **हिन्दुस्थानांतील धार्मिक इतिहासाचें सामान्य निरीक्षण** । डॉ० शंकर दामोदर पेंडसे (मराठी) १—००

२८५८ **हिन्दू और हिन्दूराष्ट्र** । १—५०

२८५९ **हिन्दूधर्म (सनातनधर्म की प्रारम्भिक पुस्तक)** डा० एनी बेसेंट । अनुवादक—अम्बिकादत्त उपाध्याय ३—००

२८६० **हिन्दूधर्म** । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी १—५०

२८६१ **हिन्दूधर्म** । एनी बेसेंट । अनुवादिका कौशल्या देवी मोहता ०—६२

२८६२ **हिन्दूधर्म और आचार**। अम्बिकादत्त उपाध्याय ३—७५
२८६३ **हिन्दूधर्म का स्वरूप**। ०—२५
२८६४ **हिन्दूधर्म की समीक्षा**। लक्ष्मणशास्त्री जोशी २—००
*२८६५ **हिन्दू संस्कार**। (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डॉ० राजबली पाण्डेय विरचित।
यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्त्वपूर्ण देन है। गर्भमें आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है। द्वितीय संशोधित संस्करण १६—००
२८६६ **हैदराबाद के चार शास्त्रार्थ**। माधवाचार्य शास्त्री १—००

मयूख-ग्रन्थाः

२८६७ **आचारमयूख**। नीलकण्ठभट्ट विरचित १—२५
२८६८ **उत्सर्गमयूख**। " ०—२५
*२८६९ **दानमयूख**। " ३—००
२८७० **नीतिमयूख**। " १—२५
२८७१ **प्रायश्चित्तमयूख**। " २—००
२८७२ **व्यवहारमयूख**। नीलकंठभट्ट १—५०
२८७३ **व्यवहारमयूख**। काणेसंपादित १०—००
२८७४ **शुद्धिमयूख**। नीलकंठभट्ट १—००
२८७५ **श्राद्धमयूख**। " १—५०
२८७६ **संस्कारमयूख**। " १—५०
२८७७ **समयमयूख**। " २—००

स्तोत्र-ग्रन्थाः

२८७८ **अन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्रम्**। नामावली सहित ०—५०
*२८७९ अन्नपूर्णास्तोत्रम्। ०—१५
*२८८० अपराजितास्तोत्रम्। ०—१५
२८८१ **अभीतिस्तवः-स्तोत्र**। ०—२०
२८८२ **अम्बाष्टकम्**। शंकराचार्य कृत। सव्याख्या ०—१९
२८८३ **अम्बास्तवनम्**। वेङ्कटराज प्रणीत ०—२५
२८८४ **अर्धनारीश्वरस्तोत्रम्**। ०—२५
२८८५ **अष्टोत्तरशतनाममालिका**। विद्यासागर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित। सं० युधिष्ठिर मीमांसक ६—००
२८८६ **अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्**। नामावली सहित ०—१९
२७८७ **आख्याषष्टिः**। ०—२५
२८८८ **आञ्जनेयसहस्रनामस्तोत्रम्**। नामावली सहित ०—६०
*२८८९ आदित्यहृदयस्तोत्रम्। नवग्रह सहित ०—१०

२९६६ **देवीपुष्पाञ्जलिः।** रामकृष्णविरचित । रामसहायकृतसंस्कृत व्याख्या सहित १—००
*२९६७ **देवीपुष्पाञ्जलिस्तोत्रम्** ०—१०
२९६८ **देवीमानसिकपूजादशश्लोकी** ०—१५
२९६९ **देवीवंदना-देवीस्तुति।** संपादक-रामकृष्णदास 'रसिक' २—५०
२९७० **देवीशतकम्** । गंगालहरी सहित । पद्मनारायणत्रिपाठी विरचित ०—७५
२९७१ **देवीसहस्रनाम।** ०—५०
२९७२ **देवीसहस्रनामावली।** ०—५०
२९७३ **देवीस्तोत्रकदम्बः।** ०—५६
२९७४ **देवीस्तोत्रपंचक (ललितात्रिशतीस्तोत्र-नामावलि-देवीस्तोत्र-महात्रिपुरसुन्दरीकवच-वेद-सारस्तवप्रातःस्मरण)।** ०—३७
*२९७५ **देव्यपराधक्षमापनस्तोत्र** ०—१५
२९७६ **द्वादशस्तोत्रम्।** भगवत्पादाचार्य प्रणीत ०—१९
*२९७७ **धन्वन्तरिस्तोत्रम्।** ०—१०
*२९७८ **नर्मदाष्टकम्।** ०—०५
२९७९ **नवग्रहस्तोत्र।** ०—६२
२९८० **नवग्रहस्तोत्रसंग्रहः।** १—००
२९८१ **नारायणकवचम्।** ०—२०
२९८२ **नारायणशतक।** ०—२०
२९८३ **नृसिंहसहस्रनाम।** ०—६०
२९८४ **नृसिंहस्तोत्राणि।** ०—३१
२९८५ **पञ्चमुख्येकमुखिहनुमत्कवच।** ०—२५
२९८६ **पञ्चमुखी हनुमत्कवच।** हिन्दी टीका सहित ०—४०
२९८७ **पञ्चायतन** देवताओं की पृथक्-पृथक् अष्टोत्तरशत नामावली ०—३७
२९८८ **परमेश्वरस्तोत्रकदम्बः।** ०—८५
२९८९ **परशंभुमहिम्नस्तवः।** ०—३७
२९९० **पराम्बास्तोत्र।** (शक्ति विलास) जयदत्त शास्त्री ०—५०
२९९१ **पादुकासहस्रम्।** वेदान्तदेशिक कृत ३—५०
२९९२ **पुरुषोत्तमसहस्रनाम।** यमुनाष्टक सहित ०—३७
२९९३ **पुरुषोत्तमसहस्रनामावलिः** ०—४०
२९९४ **पुष्पमाला।** सु० सुब्रह्मण्यम् ०—२५
२९९५ **प्रज्ञालहरीस्तोत्रम्।** भगवती सुब्रह्मण्य शास्त्रि ०—६०
२९९६ **प्रत्यङ्गिरास्तोत्रम्।** ०—२०
*२९९७ **प्रश्नोत्तरी।** (मणिरत्नमाला) 'इन्दुमती' हिन्दीटीका ०—१५
२९९८ **प्राचीन ब्रह्मज्ञान भजनमाला।** रामसनेही दीक्षित ४—५०
*२९९९ **बगलामुखीस्तोत्रम्।** ०—१५
३००० **बटुकभैरवसहस्रनाम।** नामावली सहित ०—५६
*३००१ **बटुकभैरवस्तोत्रम्।** अनुष्ठानविधि सहित ०—१५
३००२ **बालासहस्रनाम।** नामावली ०—५६

३००३ **बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः** । संपादक-पं० श्री शिवरामशर्मा । नाना-पुराणोक्त तथा विभिन्न सम्प्रदायाचार्यों द्वारा प्रणीत गणपत्यादि स्तोत्रों का यह गुटका साइज का अभूतपूर्व अनुपम संग्रह है ४—५०

३००४ **ब्रह्मज्ञानावली** । शङ्कराचार्य ०—०६

३००५ **ब्रह्मानन्दभजनमाला** । १—५०

३००६ **भजगोविन्दस्तोत्रम्** । ०—१२

३००७ **भजगोविन्दस्तोत्र** । हिन्दीपद्यानुवाद चक्रवर्तीराजगोपालाचार्यकृत हिन्दी समालोचना सहित १—००

३००८ **भवानीसहस्रनाम** । नामावली ०—५६

३००९ **भुजङ्गस्तोत्राणि** । ०—३०

३०१० **भुवनेश्वरीमहास्तोत्रम्** । पृथ्वीधराचार्य विरचित । पद्मनाभ कृत बालप्र-बोधिनी सद्युक्तिदीपिका वृत्ति सहित ३—७५

३०११ **मकरन्दस्तवराजस्तोत्रम्** । ०—१२

३०१२ **मङ्गलागौरीस्तोत्रम्** । हिन्दी टीका सहित ०—१२

३०१३ **मन्त्रमातृकापुष्पमालास्तव** ०—१९

*३०१४ **मयूरशतकम् अथवा सूर्यशतकम्** । 'कला' हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित । व्याख्या के साथ-साथ पौराणिक अन्तःकथाएं भी स्पष्ट किए गए हैं । विचारपूर्ण विशद भूमिका में भी कवि तथा काव्य से सम्बन्धित गवेषणापूर्ण अनल्प सामग्री प्रस्तुत की गई है । २—२५

*३०१५ **सूर्यशतकम्** । सव्याख्या ०—८७

३०१६ **महाकालशनि-मृत्युञ्जयस्तोत्र-शीतलाष्टकस्तोत्र** । ०—२५

३०१७ **महाकालसहस्रनामस्तोत्रं** । ०—२५

*३०१८ **महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गं** १—२५

३०१९ **महालक्ष्मीकवच** । ०—०६

*३०२० **महालक्ष्मीस्तोत्रं** । महालक्ष्म्यष्टक-अम्बाष्टका-द्वयोपेतम् ०—०५

*३०२१ **महाविद्यास्तोत्रम्** । ०—१०

३०२२ **महिम्नस्तव** । पुष्पदन्त कृत (Greatness of Shiva) आंग्लानुवाद सव्याख्या ३—००

*३०२३ **महिम्नस्तोत्रं-शिवताण्डवस्तोत्रञ्च** । मूल ०—१५

*३०२४ **महिम्नस्तोत्रं** । मधुसूदनी संस्कृत टीका सहित ०—६०

*३०२५ **महिम्नस्तोत्रम्** । इन्दु नामक हिन्दी टीका सहित ०—१५

३०२६ **महोग्रताराकवचम्** । ०—५०

३०२७ **मारवाड़ी गीत संग्रह** । ६—००

३०२८ **मुकुन्दमाला** । ०—२५

*३०२९ **मृतसञ्जीविनीजपविधिः** । मृत्युञ्जयजपस्तोत्रादियुत ०—२०

*३०३० **मृत्युञ्जयमानसिकपूजनं** ०—२०

३०३१ **यमुनाष्टक** ।	०—०६
३०३२ **रघुवीरस्तव–चण्डीरहस्य** ।	०—२५
३०३३ **रत्नपञ्चक** ।	०—३७
३०३४ **रत्नसमुच्चयः** ।	०—५०
३०३५ **राम-उपासना (रामस्तुति)** सम्पादक-रामकृष्ण दास 'रसिक'	'४—५०
*३०३६ रामनामसहस्रनामस्तोत्रं	०—१५
३०३७ **रामपञ्चशती** । रामपारशव प्रणीत । रामकृत व्याख्या नीलकंठशर्मा कृत टिप्पणी सहित	४—५०
३०३८ **रामपट्टाभिषेकः** ।	०—३१
३०३९ **रामपादयुगलीस्तव** । लक्ष्मणशास्त्री विरचित	१—००
*३०४० रामरक्षास्तोत्रम् ।	०—१५
३०४१ **रामसहस्रनाम** । नामावली	०—५६
३०४२ **रामसहस्रनामस्तोत्रम्** । दशभिरष्टोत्तरशतनामस्तोत्रैर्विभक्तम्	०—७५
३०४३ **रामस्तवराजस्तोत्रम्** ।	०—१२
३०४४ **रामस्तोत्राणि** ।	०—२०
३०४५ **रुद्रत्रिशती** ।	०—२०
३०४६ **रेणुकासहस्रनाम** कवचसहित	०—३५
३०४७ **लक्ष्मीनारायणहृदयम्** ।	०—७५
३०४८ **लक्ष्मीनृसिंहसहस्रनाम** । नामावली सहित	०—६०
३०४९ **लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्र** ।	०—१९
३०५० **लक्ष्मीसहस्रनाम** । नामावली	०—५६
३०५१ **लक्ष्मीसहस्रनामस्तोत्र** ।	०—२५
३०५२ **लघुस्तोत्राणि** । अप्पयदीक्षित विरचित	०—२५
३०५३ **ललितात्रिशतिस्तोत्रम्** । शाङ्करभाष्य सहित	२—००
३०५४ **ललितात्रिशतिस्तोत्रम्** । नामावली सहित	०—५०
३०५५ **ललिताष्टोत्तरस्तोत्रम्** ।	०—१९
३०५६ **ललितासहस्रनाम** ।	०—५०
३०५७ **ललितासहस्रनाम** ।नामावली	०—५६
३०५८ **ललितासहस्रनाम** । ललिताम्बात्रिशति–ललिताशतनाम खड्गमाला	०—६४
३०५९ **ललितास्तवमणिमाला** ।	०—५०
३०६० **ललितास्तवरत्नः** ।	०—२५
३०६१ **ललिताष्टोत्तरशतनामदिव्यस्तोत्रम्** ।	०—१५
३०६२ **लांगूलास्यशत्रुञ्जयहनुमत्स्तोत्र** ।	०—१६
३०६३ **वरदराजस्तवः** । अप्पयदीक्षित विरचित । सव्याख्या	१—५०
३०६४ **विपरीतप्रत्यङ्गिरास्तोत्रम्**	०—२४
३०६५ **विष्णुचतुर्विंशत्यवतारस्तोत्रम्** । लक्ष्मणशास्त्री विरचित	६—००
३०६६ **विष्णुसहस्रनाम** । हिन्दीटीका	१—००
३०६७ **विष्णुसहस्रनाम** । नामावली	०—५६
३०६८ **विष्णुसहस्रनामावली** ।	०—४०
*३०६९ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । सचित्र	०—१५

३१०३ **संकीर्तन सुधा।** प्रथम प्रवाह (मगही लोकगीत) हरगोविन्द मिश्र 'रंजन' १—००
३१०४ **सदाशिवेन्द्रस्तुति।** ०—२५
*३१०५ **सन्तानगोपालस्तोत्रं** ०—१०
३१०६ **सन्तानसुन्दरीस्तोत्र—जगच्चिन्तामणि कवच—नीलकंठस्तोत्र** ०—२५
३१०७ **सरस्वतीसहस्रनामस्तोत्रम्।** नामावलि सहित ०—५६
३१०८ **सविधि-आपदुद्धारकबटुकभैरवस्तोत्रम्।** ०—७५
*३१०९ **सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम्।** (गणेशस्तवराजस्तोत्रं, सरस्वतीस्तोत्रं, सरस्वत्यष्टकम्, सरस्वतीकवचम्, देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रं, कालभैरवाष्टकम्) प्रत्यक्षफलोपयोगी ०—१५
३११० **सीतासहस्रनाम।** नामावली ०—५६
३१११ **सुदर्शनसहस्रनामस्तोत्र।** नामावली सहित ०—५६
३११२ **सुन्दरलहरी।** शंकराचार्य कृत। सटिप्पण ०—५०
३११३ **सुब्रह्मण्यसहस्रनाम।** " ०—५६
३११४ **सुभगोदयस्तुति।** ०—२५
*३११५ **सूर्यशतकम् अथवा मयूरशतकम्।** 'कला' हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित। व्याख्या के साथ-साथ पौराणिक अन्तःकथाएँ भी स्पष्ट किए गए हैं। विचारपूर्ण विशद भूमिका में भी कवि तथा काव्य से संबंधित गवेषणापूर्ण अनल्प सामग्री प्रस्तुत की गई है। २—५०
३११६ **सूर्यसहस्रनामस्तोत्रम्।** नामावली संवलित ०—५६
३११७ **सूर्यसहस्रनामावली।** ०—५०
३११८ **सूर्यस्तवराजादिअष्टस्तोत्रं।** ०—१२
*३११९ **सूर्यादिद्वादशस्तवीस्तोत्रं अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहितं** ०—२०
३१२० **सौन्दर्यलहरी।** मूलमात्र ०—३१
३१२१ **सौन्दर्यलहरी।** लक्ष्मीधर व्याख्या भावनोपनिषद् भास्करराय भाष्य सहित ३—७५
३१२२ **सौन्दर्यलहरी।** स्वामिविष्णुतीर्थकृत हिन्दी अनुवाद श्री विद्यातत्त्व कुण्डलिनी रहस्य सहित ५—००
३१२३ **सौन्दर्यलहरी—परपर्यायम् आनन्दलहरीस्तोत्रम्।** शंकराचार्य विरचितम्। श्रीरामकविकृतडिण्डिमभाष्यम्-नरसिंहस्वामी कृत श्रीगोपालसुन्दरी टीका सहित २—२५
३१२४ **स्तुतिपुष्पोपहारः-मुक्तकस्तुतिमञ्जरी।** महालिंग शास्त्री ४—००
३१२५ **स्तुतिमणिमाला।** शंकरशास्त्रिविरचित २—२५
३१२६ **स्तोत्रत्रयी।** हिन्दी टीका ०—१२
३१२७ **स्तोत्ररत्नम्।** यामुनाचार्य ०—१२
३१२८ **स्तोत्ररत्नमाला।** प्रथम भाग १—५०
३१२९ **स्तोत्ररत्नावली।** हिन्दी टीका १—००
३१३० **स्तोत्रसमाहारः।** प्रथम भाग ३—२५
३१३१ **स्तोत्राणि।** जगद्गुरु श्रृंगेरी। द्वितीय भाग ०—२५

३१३२ **स्तोत्राणि** । वेदान्त देशिक कृत । १–३ भाग ०—७५
३१३३ **स्तोत्रार्णवः** । टी० चन्द्रशेखर संपादित २०—३०
३१३४ **हयग्रीवस्तोत्र** ०—२०
३१३५ **हरिद्वादशाक्षरीस्तोत्रम्** । लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत १—००
३१३६ **हरिमीडेस्तोत्रम्** । ०—१५
३१३७ **हरिहरस्तोत्रम्-स्वात्मदेवस्तोत्रम्** । काश्मीरिक वासुदेव विरचित । सटिप्पण २—००

व्रत–कथा–ग्रन्थाः

३१३८ **अक्षयनवमीव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—२५
*३१३९ **अनन्तचतुर्दशीव्रतपूजाकथा** । ०–२०
३१४० **अनन्तव्रतकथा** । हिन्दी टीका ०—५०
३१४१ **अन्नपूर्णाव्रतकथा** । हिन्दी टीका हहित ०—५०
३१४२ **ऋषिपञ्चमीव्रतकथा** । " ०—५०
३१४३ **कार्तिकशुक्लरविषष्ठीव्रतकथा** । ०—२५
३१४४ **करवाचतुर्थीव्रतकथा** । " ०—०९
३१४५ **कृष्णजन्माष्टमीकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—५०
*१३४६ **कृष्णजन्माष्टमीव्रतकथा** । कृष्णजन्मरहस्यसहित ०–३५
३१४७ **गणेशचतुर्थीव्रतकथा** । भाद्रमास । हिन्दी टीका सहित ०—२५
३१४८ **गणेशचतुर्थीव्रतकथा** । माघमास । हिन्दी टीका सहित ०—१९
३१४९ **चन्दनषष्ठी-सूर्यषष्ठीकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—५०
३१५० **चान्द्रायणव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—४०
३१५१ **चित्रगुप्तकथा** । हिन्दी टीका ०—१९
३१५२ **चित्रगुप्तयमद्वितीयाव्रतकथा** । पूजनविधिसहित हिन्दी टीका ०—४८
*३१५३ **जीमूतवाहनव्रतपूजाकथा** । व्रतनिर्णय सहित ०–२०
३१५४ **जीवितपुत्रिकाव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—२०
३१५५ **पञ्चभीष्मककथा** । हिन्दी टीका सहित १—२०
३१५६ **पूर्णिमाव्रतकथा** । गुजराती टीका सहित ५—००
*३१५७ **बहुलाचतुर्थीव्रतकथा** ०–२०
३१५८ **बुद्धाष्टमीव्रतकथा** । हिंदीटीका ०—३६
३१५९ **बृहस्पतिवार व्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—५०
*३१६० **भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा** । चतुर्थीचन्द्रव्रतकथासहित ०–१५
३१६१ **भारत तीर्थ-यात्रा** । स्वामी रामानन्द सरस्वती ६—५०
*३१६२ **भारतीय व्रतोत्सव** । (भारतीय व्रत-उत्सव की सर्वोत्तम पुस्तक) ३–००
३१६३ **भीष्मपञ्चकव्रतप्रयोगः** ०—२५
३१६४ **भुवनेश्वरी कथा** । मूलश्लोक-गुजराती भाषान्तर सहित २—५०
३१६५ **मङ्गलागौरीव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—२५
३१६६ **महालक्ष्मीव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०—५०
३१६७ **महाशिवरात्रिव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित १—००
३१६८ **मुक्ताभरण सप्तमी व्रत कथा** । हिन्दी टीका सहित ०—५०

माहात्म्य-ग्रन्थाः

३२०७ **गयामाहात्म्यम्** । मूल तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० क्लौद ज्याके २०—००
३२०८ **चंडिकामाहात्म्य** । १—००
३२०९ **जगन्नाथमाहात्म्य पुरुषोत्तम माहात्म्य** । बड़ा ३—००
३२१० **ज्येष्ठमाहात्म्यं** । हिन्दी टीका ३—००
३२११ **तुलसीमाहात्म्यम्** । ०—१२
३२१२ **देवीमाहात्म्यम्** । संस्कृत मूल । वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्लानुवाद सहित १०—००, १५—००
३२१३ **द्वादशज्योतिर्लिंग-यात्रा** । स्वामी रामानन्द सरस्वती १—५०
३२१४ **नेपालमाहात्म्यम्** । स्कन्द पुराणान्तर्गत १—४८
३२१५ **पञ्चक्रोशीयात्रा** । हिन्दी टीका सहित ०—६४
३२१६ **पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित ३—००
३२१७ **पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम्** । (अधिकमास) । पद्मपुराणान्तर्गत । हिन्दी टीकासहित ३—३०
३२१८ **प्रयागमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका ०—९०
३२१९ **फाल्गुनमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका १—५०
३२२० **बदरीनारायणमाहात्म्यम्** । सनत्कुमारसंहितान्तर्गतहिन्दी टीका सहित १-२५
३०२१ **भगवन्नाममाहात्म्यसंग्रहः** रघुनाथेन्द्रकृत । सव्याख्या २—७५
३२२२ **माघमासमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित २—००
३२२३ **मायापुरीमाहात्म्य** । १—५०
३२२४ **मार्गशीर्षमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित ३—००
३२२५ **मिथिलामाहात्म्यम्** । ०—४८
३२२६ **यज्ञमाहात्म्यं** । हिन्दी टीका ०—५०
३२२७ **वाराणसी(काशी)माहात्म्यं** । हिन्दी टीका सहित ०—६०
३२२८ **विनायकमाहात्म्यम्** । १—००
३२२९ **विन्ध्यमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित ३—००
३२३० **वेङ्कटाचलमाहात्म्य** । हिन्दी टीका सहित । भाग १-२ ३—५०
३२३१ **वैद्यनाथमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित २—६२
३२३२ **वैशाखमासमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित ३—००
३२३३ **शिवरात्रिमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित ०—७५
३२३४ **श्रावणमासमाहात्म्यम्** । हिन्दी टीका सहित ४—००
४३३५ **श्रीकृष्णार्चामाहात्म्यम्** । पं० किशोरीलाल शास्त्री । हिन्दी टीका सहित । १-००
३२३६ **सेतुमाहात्म्यम्** । ४—२०

तन्त्रादि-आगम-ग्रन्थाः

३२३७ **अजितागमः** । सं० एन० आर० भट्ट । प्रथम भाग (शोधपूर्ण संस्करण) २५—००
३२३८ **अनिरुद्धसंहिता** (पाञ्चरात्रागमे दिव्यसंहितान्तर्गता) आसूरि-श्रीनिवासाय्यंगार्यैः संस्कृता ६—२५
३२३९ **अनुष्ठानप्रकाशः** । चतुर्थीलाल विरचित १४—४०
*३२४० ABHINAVA GUPTA : An Historical & Philosophical Study by Dr. Kanti Chandra Pandeya (Chow. Sans. Studies, Vol. I.) Revised Edition. 45-00

३२७६ **कौलावलीनिर्णयः** । ज्ञानानन्द परमहंस कृत । मूल मात्र 5—00
३२७७ **कौलावलीनिर्णय** । रमादत्तशुक्ल । हिन्दी मात्र 5—00
३२७८ **कौलोपनिषद्–त्रिपुरोपनिषद्–भावोपनिषद्** । सटीक 4—00
३२७९ **कौवातन्त्र (बृहद्)** त्रिवेणीप्रसाद अवस्थी 5—00
*३२८० **क्रमदीपिका** । जगद्विजयिश्रीकेशवभट्टाचार्य-प्रणीता । विद्याविनोद-श्रीगोविन्दभट्टकृतविवरणोपेता । गुरुभक्तिमन्दाकिनीव्याख्या-सहिता लघुस्तवराजस्तोत्र–विभूषिता च ६—००
३२८१ **क्रियोड्डीशतंत्रम्** । हिन्दी टीका सहित 1—50
३२८२ **गणपतितत्त्व** । मूल-संस्कृत-रोमन लिपि में–हिन्दी टीका सहित । श्रीमती डा० सुदर्शना देवी संपादित 30—00
३२८३ **गायत्री का मन्त्रार्थ** । 1—50
३२८४ **गायत्री चित्रावली** । 1—50
३२८५ **गायत्रीतत्त्वविमर्शः** । 2—00
*३२८६ **गायत्रीतन्त्रम्** । श्रीमच्छङ्करमुखविनिःसृतम् । गायत्री-शापोद्धार-गायत्रीकवच-दशमहाविद्यास्तोत्रैः संभूषितम् समाप्त
३२८७ **गायत्रीतंत्र** । हिन्दी टीका सहित 1—02
३२८८ **गायत्रीपुरश्चरणम्** । मूलमात्र 0—50
*३२८९ **गायत्रीपूजापद्धतिः** । श्रीविभाकराचार्य संगृहीत ०—२५
३२९० **गायत्रीमहाविज्ञान** । श्रीरामशर्मा आचार्यकृत । १–३ भाग 10—50
३२९१ **गायत्री यज्ञ विधान** । १–२ भाग 4—00
३२९२ **गायत्रीयज्ञों की रूपरेखा** । 1—00
३२९३ **गायत्रीहवनविधिः** । 0—37
३२९४ **गिलगितबौद्धग्रन्थावलिः** । रघुवीरेण लोकेशचन्द्रेण संपादिता । भूर्जपत्राणां भाचित्राणि । पार्ट १–४ 120—00
३२९५ **गुह्यसमाजतन्त्रम्** । (तथागतगुह्यक) शीतांशुशेखर बागची सम्पादित 10—00, 12—50
३२९६ **गौरीशङ्करगुटिका** । 3—00
३२९७ **चक्रपूजा के स्तोत्र** । 1—50
३२९८ **चंडीचरितावली** । 0—75
३२९९ **चिद्गगनचन्द्रिका** । श्रीकालिदास कृत 3—00
३३०० **चौबीस गायत्री** । हिन्दी टीका सहित 0—50
३३०१ **जन्ममरण विचार, अमरौघानुशासन, तन्त्रवटधानिका** । 1—25
३३०२ **जपसूत्रम्** । प्रथम खण्ड । प्रणेता स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती । अनु०–कु० प्रेमलता शर्मा 15—00
३३०३ **ज्ञानसंकलनीतंत्र** । सं० भद्रशील शर्मा 1—50
३३०४ **ज्ञानार्णवतन्त्र** । ईश्वरप्रोक्त 2—00
३३०५ **तन्त्रराज** । दूसरा भाग मात्र 10—00
३३०६ **तन्त्रविज्ञान** । अरुणकुमार शर्मा । प्रथम भाग 2—00
३३०७ **तन्त्रसमुच्चयः** । शङ्करकृतविमर्शिनी-नारायणशिष्यप्रणीत विवरण सहित १–३ भाग 13—25

*३३०८ **तन्त्रसारः** । म० म० श्रीकृष्णानन्दवागीश भट्टाचार्य विरचित ३—००
३३०९ **तन्त्रसारः** । अभिनवगुप्त कृत २—५०
३३१० **तन्त्रसारसंग्रहः** । (विषनारायणीय) सव्याख्या । नारायणकृत १५—२५
३३११ **तन्त्राभिधानम्** । बीजनिघण्टु–मुद्रानिघण्टु ५—००
३३१२ **तन्त्रालोकः** । अभिनवगुप्तकृत । जयरथकृतव्याख्या सहित १, ३–१२ भाग ३६—००
३३१३ **तन्त्राह्निकम्** । रजेमिश्र विरचित ४—५०
३३१४ **तांत्रिकपञ्चाङ्ग** । स्वामीजी महाराज दतिया २—००
३३१५ **तान्त्रिक साधना** । माधव पुण्डलीक पण्डित । रूपान्तर-देवदत्त १—५०
*३३१६ **तारापारिजातः** । यन्त्रस्थ
३३१७ **तारातन्त्रम्** । गिरीशचन्द्र वेदान्ततीर्थ संकलित ५—००
३३१८ **ताराभक्तिसुधार्णव** । ठक्कुर श्री नृसिंह कृत १०—००
३३१९ **तारिणीपारिजातः** । विद्दुपाध्याय प्रणीत ४—००
३३२० **तोडल तंत्र** । सं० भद्रशील शर्मा १—५०
*३३२१ **त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम्** । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित व्या–स्वामी सनातनदेवजी महाराज
महर्षि हारितायनप्रणीत प्रस्तुत ग्रन्थ भारतीय आगम–समुद्र का अनोखा रत्न है। अध्यात्मतत्त्व का प्रतिपादन करनेवाले ग्रन्थों में इस ग्रन्थ का निजी महत्त्व है। जीव-जगत्-शुद्धचिति, ध्यान-धारणासमाधि, अष्टपाश आदि के विवरणपूर्वक जीवन्मुक्ति प्राप्त करने के साधन आदि का व्यापक, प्रामाणिक एवं युक्तियुक्त विवेचन इस ग्रन्थ का विषय है। हिन्दी ज्ञाता भी इसका लाभ उठा सकें एतदर्थ आध्यात्मिक अनुभवों से पूर्ण श्री स्वामी सनातनदेवजी ने इसकी 'ज्ञासप्रभा' नामक सरल हिन्दी व्याख्या की है। मात्र इस व्याख्या से मूल के भावों का अविकल बोध होना इसकी सही विशेषता है। उन्हीं के बहुमूल्य विचारों से युक्त विशद भूमिका भी पर्याप्त महत्व की है। उत्तम शैली और सुबोधता की दृष्टि से यह अवश्य पठनीय ग्रन्थ है। १३—००
३३२२ **त्रिपुरारहस्यम्** (ज्ञानखण्डम्) । श्रीनिवासबुध विरचित तात्पर्य दीपिका व्याख्या सहित । सं—म० म० गोपीनाथ कविराज ९—००
*३३२३ TRIPURA RAHASYA (Jnanakhanda). English Translation and a Comparative Study of the Process of Individuation. By A. U. Vasavada. (Chow. Sans. Studies Vol. L) 15–00
*३३२४ **त्रिपुरारहस्यम्** । माहात्म्यखण्ड १२—००
३३२५ **दत्तात्रयतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ०—७५
३३२६ **दुर्गाउपासना** । रामकृष्णदास 'रसिक' ८—२५
३३२७ **दुर्गा के कीलन का उद्घाटन तथा दुर्गायन्त्र के खोलने की कुञ्जिका** । काशीपति त्रिपाठी ०—७५
*३३२८ **दुर्गापञ्चाङ्गम्** । १—२५

३३२९ **दुर्गापुष्पाञ्जलिः** । दुर्गाप्रसाद द्विवेद प्रणीत । गंगाधर द्विवेदी कृत व्याख्या सहितसं० म० म० गोपीनाथ कविराज ४—२५
३३३० **दुर्गासप्तशती** । स्थूलाक्षर । पत्रात्मक । अनेक चित्रों के साथ ३—००
३३३१ **दुर्गासप्तशती** । स्थूलाक्षर । बंबई पत्रात्मक ३—५० सजिल्द ४—००
३३३२ **दुर्गासप्तशती** । वायुनन्दन मिश्र कृत । पत्राकार । मूलमात्र समाप्त
३३३३ **दुर्गासप्तशती** । मूलमात्र पत्रात्मक २—०० सजिल्द १—५०
*३३३४ **दुर्गासप्तशती** । **मूलमात्र (गुटका संस्करण)** १—००
३३३५ **दुर्गासप्तशती** । मूलमात्र । गुटका ३२ पेजी । सजिल्द १—००
३३३६ **दुर्गासप्तशती** । तावीजी ०—६२
३३३७ **दुर्गासप्तशती** । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार २—७५ सजिल्द ३—००
*३३३८ **दुर्गासप्तशती** । (**सर्वांग पूर्ण संस्करण**) श्रीहरेकान्त मिश्र कृत 'सर्वमङ्गला' हिन्दी व्याख्या सहित । दुर्गा के अनेकानेक हिन्दी अनुवाद छप चुके हैं, उनमें प्रायः अनेक परम्परा का अनुसरण करने के कारण व्यवस्थित नहीं है । अतः सुयोग्य विद्वानों द्वारा इस संस्करण का व्याख्यात्मक हिन्दी अनुवाद कराकर प्राचीनतम हस्तलिखित ग्रन्थों के आधार पर संशोधित रूप में यह संस्करण प्रकाशित किया गया है । पुस्तक के आरम्भ और अन्त में शतचण्डी, सहस्रचण्डी विधानादि सभी उपयोगी विषयों का समावेश दुर्गापटल के आधार पर कर दिया गया है । पूजा-पाठ करने वालों के लिए सर्वांगपूर्ण यह संस्करण बड़े महत्व का है । ४-००
३३३९ **दुर्गासप्तशती** । शब्दशः पद्यानुवाद १—५०
३३४० **दुर्गासप्तशती का आध्यात्मिक रहस्य** । काशीनाथ झा २—५०
३३४१ **दुर्गासप्तशतीयन्त्र** । ०—१९
३३४२ **दुर्गास्तवमञ्जरी** । हिन्दी टीका सहित २—५०
३३४३ **दुर्गोपासनाकल्पद्रुमः** । १३—२०
३३४४ **देवीनामविलासः** । साहिबकौलकृत २—५०
३३४५ **देवीमाहात्म्यम्** । नवाङ्गयुक्त १—५०
३३४६ **देवीमाहात्म्यम्** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्लानुवाद सहित १०—००
३३४७ **देशोपदेशनर्ममाला** । क्षेमेन्द्रकृत १—५०
३३४८ **धनप्राप्ति के प्रयोग** । भद्रशील शर्मा १—५०
३३४९ **धन्वन्तरितन्त्रशिक्षा** । हिन्दी टीका सहित ३—००
३३५० **नरेश्वरपरीक्षा** । षड्ज्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २—००
३३५१ **नवीन बृहत् दुर्गा पुष्पाञ्जलि** (तर्ज राधेश्याम) १—५०
३३५२ **निरुत्तरतन्त्र** । भद्रशील शर्मा सम्पादित ३—००
३३५३ **निर्वाणतंत्रम्** । सम्पादक—भद्रशील शर्मा २—००
३३५४ **नीलतंत्रम्** । सम्पादक—भद्रशील शर्मा २—००
३३५५ **नेत्रतन्त्रम्** । क्षेमराजकृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ६—००
३३५६ **पञ्चमकार तथा भावत्रय** । ४—००
३३५७ **परमार्थसारः** । अभिनवगुप्तकृत । योगिराजव्याख्या सहित २—५०

३३५८ **परशुरामतंत्रम्** । सम्पादक-भद्रशील शर्मा १—००
३३५९ **परातंत्रम्** । श्रीधन शमशेरजंगबहादुर राणा २—००
३३६० **परात्रिंशिका** । आगमशास्त्र । अभिनवगुप्तकृत व्याख्या सहित ३—३७
३३६१ **परात्रिंशिकातात्पर्यदीपिका** । १—००
३३६२ **परात्रिंशिकालघुवृत्तिः** । परात्रिंशिकाविवृति सहित १—००
३३६३ **पर्यन्तपञ्चाशिका** । अभिनवगुप्त विरचित १—२५
३३६४ **पारमेश्वरसंहिता** (पाञ्चरात्रान्तर्गत) १५—००
३३६५ **पाशुपतसूत्रम्** । कौण्डिन्य विरचित भाष्य सहित २—२५
*३३६६ **पुराणसंहिता** । श्रीमद्वेदव्यासविरचित । आलमन्दारसंहिता-बृहत्सदा-शिवसंहिता-सनत्कुमारसंहिता संवलित १२—००
३३६७ **पूर्णता-प्रत्यभिज्ञा** । रामेश्वरझाविरचिता ५—००
३३६८ **प्रत्यङ्गिरापञ्चाङ्गम्** । २—१०
*३३६९ **प्रत्यभिज्ञाहृदयम्** । राजानक क्षेमराजाचार्य विरचितम् । सविमर्श हिन्दी व्याख्याविभूषितम् । व्याख्याकार-प्रो० शिवशंकर अवस्थी यन्त्रस्थ
३३७० **प्रपञ्चसारसंग्रहः** । गीर्वाणेन्द्र सरस्वती पाद विरचित । के० एस० सुब्रह्मण्य शास्त्री संपादित । १-२ भाग ३९—५०
३३७१ **बगलातन्त्रम्** । ०—७५
३३७२ **बटुकभैरवोपासनाध्यायः** । ३—६०
३३७३ **बोधपञ्चदशिका-परमार्थचर्चा** । अभिनवगुप्त विरचित ०—५०
३३७४ **ब्रह्मसंहिता** । श्रीजीवगोस्वामिकृत व्याख्या सहित तथा विष्णुसहस्रनाम शाङ्करभाष्यसहित ४—००
३३७५ **भैरवीचक्र पूजन** । १—००
*३३७६ **मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य** । ले०—डॉ० शिवशङ्कर अवस्थी। इस ग्रंथ में तान्त्रिक शब्द-दर्शन की स्पष्ट एवं मार्मिक व्याख्या की गई है । शैव-शाक्त तन्त्रों, सम्बद्ध टीकाओं, रहस्यमयी स्तुतियों, व्याकरणागम तथा सूतसंहितादि ग्रन्थों के मूल उद्धरण द्रष्टव्य हैं । उपसंहार में वेद और तन्त्रगत वाक्संबंधी विचारों की तुलनात्मक समीक्षा तथा चार सुविशद परिशिष्टों में अतिरिक्त उपयोगी सामग्री दी गई है । हिन्दी भाषा का यह सर्वप्रथम ग्रन्थ है जिसमें तन्त्र जैसे दुरूह विषय का व्यवस्थित और बोधगम्य स्वरूप देखने को मिलेगा । १६—००
३३७७ **मन्त्रकोष** । २—००
३३७८ **मंत्रकौमुदी** । देवनाथ ठक्कुर कृत ६—००
३३७९ **मन्त्रदीपिका** । लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ०—६२
३३८० **मन्त्रपारायणविधिः** । २—००
३३८१ **मन्त्रमहोदधि** । सव्याख्या । पत्रात्मक १०—८०
३३८२ **मंत्रविद्या** । १—८०

३३८३ **मंत्रशास्त्रमातृकाग्रन्थानां विवरणात्मिका सूचिका** । क्षे० शं० सुब्रह्मण्य-शास्त्री संपादित १२—००
३३८४ **मन्त्रसिद्धि का उपाय** । मन्त्र-साधना के लिए सद्गुरु-समान २—००
३३८५ **महात्रिपुरसुन्दरीपूजाकल्पः** । १—१२
३३८६ **महानयप्रकाशः** । राजानकशितिकण्ठकृत १—७५
*३३८७ **महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गम्** । १—२५
३३८८ **महायक्षिणीसाधनम्** । हिन्दी टीका सहित २—१०
३३७९ **महारथमञ्जरी** । महेश्वरानन्दकृत स्वोपज्ञव्याख्या सहित १—७५
३३९० **महिम्नस्तोत्रम्** । (Greatness of Shiva) जगन्नाथचक्रवर्तिकृत संस्कृत टीका सहित । आर्थर एवलन संपादित ३—००
३३९१ **मातृ-उपासना** । सात्विक भावोंसे पूर्ण मातृ-उपासनाका रूप एवं माहात्म्य २—५०
३३९२ **मातृकाभेदतन्त्र** । मूलमात्र ३—००
३३९३ **मालिनीविजयतन्त्रम्** । आगमशास्त्र ३—५०
३३९४ **मालिनीविजयवार्त्तिक** । अभिनवगुप्त कृत ३—००
*३३९५ **माहेश्वरतन्त्रम्** । अस्य माहेश्वरतन्त्रस्य मुद्रणं न कुत्रापि सञ्जातमित्या-लोच्य एतत् तन्त्रशास्त्रं पाठभेदादियोजनपुरःसरं परमपुरुषोत्तम-पादसरोजानुरागिणां तन्त्रशास्त्रोपासकानामुपकाराय सम्मुद्रापितं ६—००
३३९६ **माहेश्वरीतन्त्रम्** । हिन्दीटीका सहित ०—३२
३३९७ **मुद्रायें एवं उपचार** । भद्रशील शर्मा २—००
३३९८ **मुद्राविचारप्रकरणम्-मुद्राविधि** । डॉ० प्रियबाला शाह संपादित २—५०
३३९९ **मुमुक्षुमार्गः** । १-३ भाग ६—००
३४०० **मृगेन्द्रतन्त्रम्** । (विद्यापाद-योगपाद) नारायणकण्ठकृत व्याख्या सहित ३—००
३४०१ **मृगेन्द्रागमः** । क्रियापाद तथा चर्यापाद मात्र । भट्ट नारायण कण्ठ कृत संस्कृत व्याख्या सहित १८—००
३४०२ **यन्त्रचिन्तामणि** । हिन्दी टीका सहित १—६२
*३४०३ YUGANADDHA (The Tantric View of Life) by Dr. H. V. Guenther. Secend Revised Edition.(Chow. Sans. Studies Vol. III) In the Press
३४०४ **योगरत्नमाला** । नागार्जुन मुनि कृत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३—००
३४०५ **योगिनीतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ८—४०
३४०६ **योगिनीहृदय** । अमृतानन्द योगी कृत दीपिका-भास्करराय कृत सेतुबंध व्याख्या युत १०—००
३४०७ **रत्नगोत्रविभागोमहायानोत्तरतन्त्रशास्त्रम्** । ८—००
३४०८ **रामार्चामाहात्म्यम्** । (कथा-पूजा) ०—७५
३४०९ **रौरवागमः** । सं० एन० आर० भट्ट । प्रथम भाग । शोधपूर्ण संस्करण १८—००
३४१० **लक्ष्मीतंत्रम्** । (पंचरात्र आगम) वी० कृष्णमाचार्य संपादित ३०—००
३४११ **लोकप्रकाशः** । क्षेमेन्द्र कृत १—००
३४१२ **लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि** । देवपालकृतभाष्य सहित । १-२ भाग ५—५०
३४१३ **वन्देमातरम्** । महामन्त्र 'वन्दे मातरम्' का रहस्य २—००
३४१४ **वशीकरण मन्त्र** । राजेश गुप्ता ३—००

३४१५ **वशीकरण विद्या और मन्त्र ।** २—५०
३४१६ **वातूलनाथसूत्राणि ।** अनन्तशक्तिकृत वृत्ति सहित १—००
३४१७ **वामकेश्वरीमतविवरणम् ।** जयरथकृत १—००
३४१८ **वाममार्ग ।** ४—००
३४१९ **विज्ञानभैरवः ।** क्षेमराज-शिवोपाध्याय-आनन्दभट्टकृत व्याख्या सहित २—५०
३४२० **विनयसुधा ।** १—२५
३४२१ **शक्तिसाधन ।** चौधरी संपादित १—००
३४२२ **शतचण्डीयज्ञविधानम् ।** देवीप्रसादप्रणीत ८—००
३४२३ **शतचण्डी-विधानम् ।** मण्डप, कुण्ड, होमद्रव्य आदि प्रयोगविधि सहित ३—७५
३४२४ **शतरत्नसंग्रहः ।** उमापति शिवाचार्य कृत ३—००
*३४२५ **शारदातिलकम् ।** लक्ष्मणदेशिकेन्द्र विरचित । राघवभट्ट कृत पदार्थादर्श व्याख्या सहित १५—००
३४२६ **शिवदृष्टिः ।** सोमानन्दविरचित । उत्पलदेवकृत वृत्तिसहित २—५०
३४२७ **शिवसूत्र-भक्तिसूत्रञ्च ।** ऋज्वर्थबोधिनी वृत्ति सहित ०—५०
३४२८ **शिवसूत्रवार्त्तिकम् ।** वरदराजकृत १—००
३४२९ **शिवसूत्रवार्त्तिकम् ।** राजानकभास्करवृत्ति तथा स्पन्दवृत्ति कल्लटविरचित २—५०
३४३० **शेषसमुच्चयः ।** शङ्करप्रणीत । विमर्शिनीयुत ४—५०
३४३१ **शैवपरिभाषा ।** शिवाग्रयोगीन्द्रकृत ३—७५
३४३२ **श्रीउच्छुवगीताञ्जलि ।** २—५०
३४३३ **श्रीकमलास्तवमंजरी ।** २—००
३४३४ **श्री कल्पद्रुम ।** 'गुप्तावतार' बाबा मोतीलाल जी । १-२ भाग ५—५०
३४३५ **श्रीकालीनित्यार्चनम् ।** अर्गला, कीलक, कवच आदि स्तोत्र सहित ४—००
३४३६ **श्रीकालीस्तवमञ्जरी ।** हिन्दी टीका सहित ३—५०
३४३७ **श्रीकालीस्वरूपतत्त्वम् ।** भगवती आद्या के ध्यान का आध्यात्मिक रहस्य २—००
३४३८ **श्रीछिन्नमस्तानित्यार्चन ।** २—००
३४३९ **श्रीतत्त्वनिधि ।** कृष्णराज संग्रहीत ८—४०
३४४० **श्रीतारा-नित्यार्चनम् ।** ३—००
३४४१ **श्रीतारास्तवमञ्जरी ।** २—५०
३४४२ **श्रीतारास्वरूप-तत्त्वम् ।** २—००
३४४३ **श्रीत्रिपुरामहोपनिषद् ।** १—५०
३४४४ **श्रीनाथादि गुरुत्रयम् ।** ३—५०
३४४५ **श्रीबगलानित्यार्चन ।** २—००
३४४६ **श्रीबगलापूजापद्धतिः ।** २—००
३४४७ **श्रीबगलामुखीरहस्यम् ।** ४—५०
३४४८ **श्रीबालानित्यार्चन ।** ४—००
३४४९ **श्रीबालास्तवमञ्जरी ।** २—५०
३४५० **श्रीभगवतीगीता ।** पद्यानुवाद व व्याख्या सहित ५—००
३४५१ **श्रीभुवनेश्वरी-नित्यार्चनम् ।** ४—००
३४५२ **श्रीभुवनेश्वरीरहस्य ।** ३—००
३४६३ **श्रीभुवनेश्वरीस्तवमंजरी ।** २—००
३४५४ **श्रीभैरवोपदेशः ।** गीता के समान महत्त्वपूर्ण ३—२५

*३४५५ **श्रीमहालक्ष्मीपूजापद्धतिः** । सर्वदेव पूजा विधान, पूजनमीमांसा, सम्पुटितश्रीसूक्त आदि विविध परिशिष्टसहित । हिन्दी टीका १—२५
३४५६ **श्रीवन दुर्गा** । दयाशंकर उपाध्याय कृत १—००
३४५७ **श्रीविद्याखड्गमाला** । १—००
३४५८ **श्रीविद्या-नित्यार्चनम्** । ५—५०
३४५९ **श्रीविद्यानित्याह्निकम्** । चिदानन्दनाथ ब्रह्मश्री सुब्रह्मण्यार्य संकलित ६—२५
३४६० **श्रीविद्यामन्त्रभाष्यम्** । त्रिकाण्डसारार्थबोधिनी व्याख्या ३—२५
३४६१ **श्रीश्रीविद्यार्णवतन्त्रम्** । विद्यारण्य यति विरचित । सं० भद्रशील शर्मा । प्रथम भाग १५—००
३४६२ **श्रीविद्यासपर्यापद्धतिः** । चिदानन्दनाथ ब्रह्मश्री सुब्रह्मण्यार्य संकलित ६—२५
३४६३ **श्रीविद्यास्तवमञ्जरी** । ४—५०
३४६४ **श्रीश्यामापूजापद्धति** । ३—००
३४६५ **श्रीश्यामासपर्यावासना** । ४—५०
३४६६ **षट्चक्रनिरूपणम्** । (Serpent Power) श्रीशङ्करकृत षट्चक्रभेद टिप्पणी सहित । **पादुकापञ्चकम्** । श्रीकालिचरणकृत अमलाख्य टीका युत । आर्थर एवेलन संपादित २५—००
३४६७ **षट्चक्रनिरूपणम्** । सचित्र । हिन्दी टीका १—५०
३४६८ **षट्चक्र-निरूपण** । स्वामी हंसस्वरूप महाराज ०—७५
३४६९ **षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोह–भावोपहार–बोधपञ्चदशिका–अनुत्तरप्रकाश-पञ्चाशिका–पराप्रवेशिका** । १—४४
३४७० **संक्षिप्त तान्त्रिकमाह्निकं** । ४—५०
३४७१ **सकल जननी स्तव** । हरभट्टी व्याख्या सहित । दीनानाथ यक्ष शास्त्री संपादित ४—५०
३४७२ **सन्तान-सुख प्राप्ति के प्रयोग** । भद्रशील शर्मा १—००
३४७३ **सप्तधातुनिरूपणम्** (रुद्रयामल-तन्त्रान्तर्गत) भैरवानन्द कृत ३—००
३४७४ **सप्तशतीगीता** (दुर्गा) । हिन्दी टीका सहित २—२५
३४७५ **सप्तशतीमीमांसा** । रमादत्त शुक्ल २—५०
३४७६ **सप्तशतीरहस्यम्** । ३—५०
३४७७ **सांख्यायनतन्त्र** । सम्पादक—भद्रशील शर्मा ३—००
३४७८ **साङ्गसप्तशतिः गुटिका** । १—५०
*३४७९ सात्वततन्त्रम् । (वैष्णवतन्त्रम्) एतत्तन्त्रं नारायणेन शिवायोपदिष्टं शिवेन नारदायेति ग्रन्थतो ज्ञायते ३—००
३४८० **साधक का संवाद** । शाक्तधर्म की जानकारी रोचक ढङ्ग से कराती है ४—५०
३४८१ **साधनसमर वा देवी-माहात्म्य** (श्री दुर्गासप्तशती की आध्यात्मिक व्याख्या) ब्रह्मर्षि सत्यदेव जी । १-३ भाग १५—००
३४८२ **साँवरी तन्त्र** । ३—२५
३४८३ **सावित्रीप्रकाश** । अथवा गायत्री (गुरु) मन्त्रव्याख्या । स्वामी वेदानन्दतीर्थ १—००
३४८४ **सिद्धशङ्करतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ०—७२
३४८५ **सिद्धित्रयम्** । प्रत्यभिज्ञाकारिकावृत्तिसहित ३—००
३४८६ **सोमशम्भुपद्धति** । संस्कृतमूल तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० हेलेन बूनार लाचाव २५—००

३४८७ **सौन्दर्यलहरी** । आंग्लानुवाद सहित । सचित्र । डब्ल्यू० नारमन ब्राउन संपादित । अमेरिकन् संस्करण ६०—००

३४८८ **सौन्दर्यलहरीपरपर्यायम् आनन्दलहरीस्तोत्रम्** । शंकराचार्यविरचितम् । श्रीरामकविकृतडिण्डिमभाष्यम्-नरसिंहस्वामिकृतश्रीगोपालसुन्दरीटीका-सहितम् २—२५

३४८९ **सौन्दर्यलहरी** । लक्ष्मीधर व्याख्या–भावनोपनिषद भास्करराय भाष्य सहित ३—७५

३४९० **सौन्दर्यलहरी** । प्रत्येक श्लोक की टीका और व्याख्या के साथ साथ उसके यन्त्र–मन्त्रात्मक प्रयोग का हिन्दी में पहला प्रकाशन ५—५०

३४९१ **सौन्दर्यलहरी** । हिन्दी अनुवाद तथा श्रीविद्यातत्त्वकुण्डलिनीरहस्य सहित ५—००

३४९२ **सौन्दर्यलहरी** । पद्यानुवाद सहित १—००

३४९३ **स्तवचिन्तामणिः** । भट्टनारायणकृत क्षेमराज व्याख्यासहित २—२५

३४९४ **स्पन्दकारिका** । रामकण्ठाचार्यकृत वृत्तिसहित २—७५

३४९५ **स्पन्दनिर्णयः** । क्षेमराजकृत ३—५०

३४९६ **स्पन्दसन्दोहः** । क्षेमराजकृत ०—५०

३४९७ **स्वच्छन्दतन्त्रम्** । (आगमशास्त्र) क्षेमराजकृतव्याख्यासहित । १–७ भाग १६—५०

३४९८ **हनुमदुपासना** । ४—२०

३४९९ **हनुमान उपासना** । रामकृष्णदास 'रसिक' ४—५०

३५०० **हिन्दी कुलार्णव** । २—५०

३५०१ **हिन्दीतन्त्रसार** । रमादत्त शुक्ल । १–४ भाग ८—००

३५०२ **हिन्दी शाक्तानन्दतरङ्गिणी** । शाक्तधर्म-मूलसिद्धान्त-परिचयोपयोगी ३—५०

३५०३ **हिन्दुओं की पोथी** । जेबी पुरोहित ३—००

अष्टादश–महापुराण–ग्रन्थाः

*३५०४ **अग्निपुराणम्** । (१) सम्पादकः–आचार्य बलदेवोपाध्यायः ।
यह पुराण विद्याओं का सार एवं भारतीय संस्कृति का विश्वकोष ही है । इसके प्रस्तुत संस्करण में शोधकार्य द्रष्टव्य है । गहन अनुसन्धान करके पाठभेदों का निर्णय किया गया है तथा टिप्पणी में सभी पाठभेदों को दिखाते हुए मूल में सर्वशुद्ध पाठ स्वीकृत किया गया है । 'पुराणविमर्श' नामक बृहत्तर ग्रन्थ के रचयिता सम्पादक महोदय के पाण्डित्यपूर्ण विचारों से युक्त विशद भूमिका का अलग महत्त्व है । इसमें अष्टादश पुराणों का वर्गीकरण, श्लोकसंख्या, अग्निपुराण की विषयसूची, विषयविमर्श, विषयविवेचन, रचनाकाल आदि पर गवेषणापूर्ण विचार प्रस्तुत किए गए हैं । इस ग्रन्थ का यह सर्वोत्तम संस्करण है । २०—००

*३५०५ AGNI PURANAM. A Prose English Translation with annotations by Manmatha Nath Dutt (Shastri) M. A., M. R. A. S. 2 Vols. (Chow. Sans. Studies Vol. LIV) 60—00

*३५०६ AGNI PURANA : A Study by Dr. S. D. Gyani. (Chow. Sans. Studies Vol. XLII) 25–00

३५०७ **अग्निपुराण-विषयानुक्रमणी** । पुराणसमीक्षात्मिकयाभूमिकया संवलिता । प्रणेता—रामशंकर भट्टाचार्यः ८—००

३५०८ **अष्टादशपुराणपरिचयः** । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी — २—००
३५०९ **अष्टादशपुराणव्यवस्था** । काशीनाथ भट्ट विरचित — १—००
३५१० **काशीखण्डम्** । संस्कृतव्याख्या सहित — १८—००
३५११ **काशीखण्डम्** । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक — २४—००
३५१२ **कूर्ममहापुराण (२)** मूलमात्र — समाप्त
*३५१३ CRITICAL STUDY (A) OF THE BHAGAVATA PURANA. With Special Reference to Bhakti by Dr. T. S. Rukmani. — In the Press
*३५१४ **गरुडपुराण (३)** सम्पादक-श्री रामशंकर भट्टाचार्य ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विवेचन और समानान्तर स्थलों के निर्देश से युक्त विस्तृत भूमिका, परिशिष्ट और विषयों तथा चरित्रों की अनुक्रमणिका, इत्यादि से अलंकृत — १०—००
३५१५ **गरुडपुराणम्** । १६ अध्याय हिन्दी टीका सहित — २—२५
३५१६ **गरुडपुराणम्** । सारोद्धार । संस्कृत टीका सहित — २—७५
३५१७ **गरुडपुराण की आलोचना** । गंगाप्रसाद — ०—५०
३५१८ **चतुःश्लोकी भागवत** । — ०—०६
३५१९ **नारदपुराणम् (४)** — समाप्त
३५२० **पद्मपुराणम् (५)** मूलमात्र । सजिल्द । १ से ४ भाग — ३०—००
३५२१ **पद्मपुराण** । मूलमात्र-सजिल्द १-५ भाग — ५३—००
३५२२ **पुराणकाव्यस्तोत्रसुधा** । — ६—००
*३५२३ PURANA PANCALAKSANA : By W. Kirfel. Text edited in Devanagari and Introduction rendered into English by Dr. Suryakant — Shortly
*३५२४ **पुराणपञ्चलक्षणम्** । डबल्यु किरफेल । डॉ० सूर्यकान्तकृत देवनागरी-रूपान्तर तथा भूमिका का आङ्गलानुवाद — यन्त्रस्थ
*३५२५ THE PURANA TEXT OF THE DYNASTIES OF THE KALI AGE. With Introduction, Text, Notes and Elaborate Commentary by F. E. Pargiter M. A. (Chow. Sans. Studies. Vol. XIX) — 20-00
*३५२६ PURANAS OR AN ACCOUNT OF THEIR CONTENTS AND NATURE by H. H. Wilson. — In the Press
३५२७ **पुराणपारिजातः** । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी — ३—००
*३५२८ **पुराण-विमर्श** । आचार्य बलदेव उपाध्याय । इसमें ऐतिहासिक पद्धति से पुराण की आलोचना विद्यमान है तथा साथ ही साथ परम्परा पद्धति से पुराणविषयक मननीय सामग्री भी संकलित है । पुराण के अनुशीलन में यह एक नवीन दृष्टिकोण को अग्रसर करता है, जो एकदम नवीन तथा पूर्णतया विश्लेषणात्मक है । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत । — २०—००
३५२९ **पुराणविषय समनुक्रमणिका** । यशपाल टण्डन सम्पादित — ६—००
३५३० **पुराणविषयानुक्रमणी** । (राजनीतिक) राजबलीपांडेय । प्रथम भाग — १५—००

३५३१ **पुराणशब्दानुक्रमणिका**। तृतीय भाग मात्र। डी. आर. दीक्षितर सम्पादित २१–००
३५३२ **पुराणशास्त्र एवम् जनकथाएँ**। मैक्समूलर कृत Mythology and Folk Lores का हिन्दी अनुवाद । अनुवादक–रमेश तिवारी-सुरेश तिवारी १२—००
*३५३३ पौराणिक कथाएँ। श्रीहृदयराम शर्मा। पुराणों में बिखरे हुए ७५ चरित्र नायकों का अपूर्व कथा-संग्रह २—५०
३५३४ **ब्रह्मपुराणम् (६)**। दुष्प्राप्य
३५३५ **ब्रह्मवैवर्तपुराणम् (७)** मूलमात्र । सजिल्द १–२ भाग । पूना १४—२५
३५३६ **ब्रह्मवैवर्तपुराणम्**। प्रकृति–गणेश–ब्रह्मखण्ड । पत्रात्मक १०—८०
३५३७ **ब्रह्मवैवर्तपुराणम्**। कृष्णजन्म खण्ड । पत्रात्मक समाप्त
३५३८ **ब्रह्माण्डपुराणम् (८)** मूलमात्र । पत्रात्मक समाप्त
३५३९ **ब्रह्मोत्तरखण्डम्**। हिन्दी टीका सहित ४—२०
३५४० **भविष्यपुराणम् (९)**। सजिल्द ३०—००
३५४१ **भागवत**। राधेश्याम रामायण की ध्वनि में । श्रीलाल खत्री १०—५०
३५४२ **भागवत-कथा**। संक्षेपकर्ता सूरजमल मेहता ४—००
३५४३ **भागवत की रूपरेखा**। स्वामी शिवगिरि जी ०—५०
३५४४ **भागवतखण्डनम्**। स्वामी दयानन्द सरस्वती ०—५०
३५४५ **भागवत-दर्शन**। डॉ० हरबंशलाल शर्मा १२—००
३५४६ **भारतीय पौराणिक कथाएँ**। डा० भोलानाथ तिवारी ३—५०
३५४७ **मत्स्यपुराणम् (१०)** मूलमात्र । समाप्त
३५४८ **मार्कण्डेयपुराणम् (११)**। हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक १८—००
*३५४९ मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन। आचार्य बदरीनाथ शुक्ल। इस ग्रंथ में अध्यायक्रम से मार्कण्डेय पुराण का सम्पूर्ण कथा-सूत्र पूर्ण सुरक्षित रखा गया है; कथा की परम्परा में कहीं भी त्रुटि नहीं आने पाई है। कथावाचक और अनुसंधानकर्ता दोनों के लिए यह ग्रंथ समान उपयोगी है ४—५०
३५५० **ललितोपाख्यानम्**। ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गत ४—२०
*३५५१ लिंगपुराणम् (१२)। मूलमात्र। सजिल्द यन्त्रस्थ
३५५२ **वामनपुराणम् (१३)** मूलमात्र । समाप्त
३५५३ **वामनपुराणानुशीलनम्**। वासुदेव शरण अग्रवाल २५—००
*३५५४ वाराहपुराण (१४)। मूलमात्र यन्त्रस्थ
३५५५ **विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्**। मूलमात्र । पत्रात्मक २१—६०
३५५६ **विष्णुधर्मोत्तरपुराण**। डा० प्रियबाला शाह संपादित। दूसरा भाग मात्र २५—००
३५५७ **विष्णुपुराणम्**। सव्याख्या । पत्रात्मक १०—००
३५५८ **विष्णुपुराण**। श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १–२ भाग १४–००
३५५९ **विष्णुपुराण-विषयसूची**। मध्वाचार्य निर्मित ५—००
३५६० **वैष्णवमहापुराणम् (१५)** दुष्प्राप्य
३५६१ **शिवपुराण**। हिन्दी टीका सहित । गुटका १२—७५
३५६२ **शिवमहापुराणम्**। हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक ४८—००
३५६३ **शिवमहापुराण (१६)** मूलमात्र । गुटका १०—००

३५६४ **श्रीभागवत चतुश्शती** (भागवतसंग्रह) शिवरामकृष्ण शास्त्री विरचित । सव्याख्या । तृतीयादि दशमस्कन्ध ३—५०
३५६५ **श्रीमद्भागवतम् (१७)** मूलमात्र । गुटका ८—००
३५६६ **श्रीमद्भागवतम्** । मूलमात्र । गुटका काशी ६—००, बम्बई ९—००
३५६७ **श्रीमद्भागवतम्** । मूलमात्र । स्थूलाक्षर । सजिल्द । बड़ा साईज ७—५०
३५६८ **श्रीमद्भागवतम्** । मूलमात्र १-२ भाग । स्थूलाक्षर दक्षिणपाठ सहित १५—००
३५७९ **श्रीमद्भागवतम्** । श्रीधरी व्याख्या सहित २४—००
३५७० **श्रीमद्भागवतम्** । चूर्णिका व्याख्या सहित २४—००, ३०—००
३५७१ **श्रीमद्भागवतम्** । अन्वितार्थ प्रकाशिका टीका सहित । पत्रात्मक ४८—००
३५७२ **श्रीमद्भागवतम्** । विजयध्वज तीर्थ व्याख्या सहित । पत्रात्मक । जीर्ण ३०—००
३५७३ **श्रीमद्भागवतम्** । सामयिकी हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक २४—००
३५७४ **श्रीमद्भागवतम्** । 'सरस्वती' भाषाटीका दृष्टान्त सहित ३२—००
३५७५ **श्रीमद्भागवतम्** । सामयिकी हिन्दी टीका सहित सजिल्द १५—००
३५७६ **श्रीमद्भागवतम्** । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग । गीताप्रेस २०—००
३५७७ **श्रीमद्भागवतम्** । दशमस्कन्ध । भागवतचन्द्रचन्द्रिकामुनिभावप्रकाशिका व्याख्या सहित १५—००
३५७८ **श्रीमद्भागवतम्** । दशमस्कन्ध भाषाटीका सहित पत्रात्मक ८—००
३५७९ **श्रीमद्भागवतम्** । एकादशस्कन्ध । हिन्दी टीका सहित १-२ भाग ६—५०
३५८० **श्रीमद्भागवतम्** । एकादशस्कन्ध । चतुरदास विरचित । भाषा १—००
३५८१ **श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका** । ३—००
३५८२ **श्रीभागवतामृत** । भागवत के चुने हुए प्रसङ्ग हिन्दी अनुवाद सहित २—००
३५८३ **सप्ताहचन्द्रिका** । (भागवत) भोजराज उपाध्याय भट्टराई (नैपाली) ३—००
३५८४ **स्कन्दमहापुराणम् (१८)** श्रीमन्महर्षिकृष्णद्वैपायनव्यासविरचितम् । वैष्णवादि ४ खंड ५ जिल्दों में । प्रत्येक खंड के साथ उस खंड की विषयवस्तु पर विद्वत्तापूर्ण टिप्पणी, माहात्म्य-कथन, विषयसूची आदि उपयोगी सामग्री दी गई है । पाचवाँ अवन्ती खंड पूर्वार्ध तथा उत्तरार्ध दो भागों में है । (माहेश्वर, प्रभास और नागर खंड को छोड़कर शेष संपूर्ण ग्रंथ) ८५—००
३५८५ **स्कन्दमहापुराणे शंकरसंहितायां शिवरहस्यखण्डः** । २०—००
*३५८६ हरिलीलामृतम् । **श्रीबोपदेवप्रणीतं, श्रीमधुसूदनसरस्वतीटीकासहितं तत्प्रणीतपरमहंसप्रियाव्याख्यायुतं श्रीमद्भागवतस्याऽद्यपद्यं च** यन्त्रस्थ

उपपुराणम्

३५८७ **आत्मपुराणम्** । शङ्करानन्दविरचित । व्याख्या सहित । पत्रात्मक ३०—००
३५८८ **आदिपुराणम्** । हिन्दी टीका सहित ५—४०
३५८९ **कल्किपुराणम्** । संस्कृत मूल भाषानुवाद सहित १—५०
३५९० **केदारकल्पः** । रुद्रयामलान्तर्गत ४—२०
३५९१ **देवीभागवतम्** । मूलमात्र । गुटका ८—००
३५९२ **देवीभागवतम्** । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक ३२—००, ४८—००
३५९३ **नृसिंहपुराणम्** । मूलमात्र । सजिल्द ४—००

३५९४ **पुराणदिग्दर्शनम्** । माधवाचार्य शास्त्री विरचित ९—००
३५९५ **मल्लपुराणम्** । अज्ञातकर्तृकं । भोगीलाल ज० संदेशरा-रमणलाल नागर जी महेता संपादित १२—००
३५९६ **महाभागवतम्** । देवीपुराण-देवीमाहात्म्य सहित ३—००
३५९७ **युगपुराणम्** । मनकड सम्पादित । मूलमात्र ५—००
३५९८ **वायुपुराणम्** । मूलमात्र । पत्रात्मक १४—४०
३५९९ **वायुपुराण** । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १४—००
३६०० **सौरपुराणम्** । व्यास विरचित । मूलमात्र-सजिल्द ४—५०

भाषा-पुराण

३६०१ **काशीखण्ड** । भाषा १२—००
३६०२ **केदारखण्ड** । भाषा १०—८०
३६०३ **देवीभागवत** । भाषा २४—००
३६०४ **प्रेमसुधासागर** । भागवत के दशमस्कन्ध का भाषानुवाद ४—५०
३६०५ **भागवतकथा** । (साप्ताहिक) राममूर्ति शास्त्री १०—००
३६०६ **भागवत संग्रह** । चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा संगृहीत । भाषा ०—९४
३६०७ **भागवतसुधासागर** । सम्पूर्ण भागवत का भाषानुवाद १ —००
३६०८ **मत्स्यपुराण** । अनुवादक-रामप्रतापत्रिपाठी २०—००
३६०९ **मार्कण्डेयपुराण** । भाषा । रहस्योद्घाटिनी टीका सहित । १-३ भाग ४—५०
३६१० **वायुपुराण** । अनुवादक-रामप्रताप त्रिपाठी १२—००
३६११ **विष्णुपुराण** । भाषा ७—००
३६१२ **शिवपुराण** । भाषा १५—००
३६१३ **शिवमहापुराण** । भाषावार्तिक २४—००
३६१४ **शुकसागर** । शालिग्राम कृत । बड़ा साइज ३०—००
३६१५ **श्रीमद्भागवत हिन्दी पद्यात्मक** । श्री रघुनन्दन प्रसाद शुक्ल 'अटल' । श्रीमद्भागवत ऐसे पाण्डित्यपूर्ण संस्कृत ग्रंथ के अत्यन्त सजीव, रोचक तथा भावपूर्ण प्रस्तुत पद्यानुवाद में भावार्थ तथा शब्दार्थ दोनों ही मूल के तत्सम हैं । शब्दों का प्रयोग, एवं शैली इतनी ओजपूर्ण है कि कहीं से भी भावों की मौलिकता तिरोहित नहीं होती । विद्वानों, भक्तों, कथावाचकों आदि सभी वर्ग के लिए पुस्तक संग्रहणीय है । १५—००
३६१६ **श्रीशुकसुधासागर** । (भागवत की सरल हिन्दी व्याख्या श्लोकाङ्क सहित) सचित्र-स्थूलाक्षर २५—००
३६१७ **सुखसागर** (भागवत) सरलभाषा । स्थूलाक्षर । सचित्र २५—००
३६१८ **सुखसागर** । मध्यमाक्षर १४—००
३६१९ **सुखसागर** । भाषा । गुटका ६—००

भारतादि-इतिहास-ग्रन्थाः

३६२० **अद्भुतरामायणम्** । हिन्दी टीका सहित २—४०
३६२१ **अध्यात्मरामायणम्** । रामेश्वरभट्टकृत हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक १२—००
३६२२ **आनन्दरामायणम्** । मूलमात्र १०—००
३६२३ **आनन्दरामायणम्** । हिन्दी टीका सहित । सजिल्द १६—००

३६२४ **आर्षम् भारतम् वैयासिकम्**। (दश-साहस्री संहिता) मूलमात्र श्री गोविन्दनाथ गुह एम. ए. प्रोक्त (पूर्व-उत्तर भाग) ८—००

३६२५ **इतिहास-पुराण का अनुशीलन**। इतिहास-पुराणोक्त विशिष्ट तथ्य और समस्याओं का विवेचन। प्रणेता रामशङ्कर भट्टाचार्य १०—००

३६२६ **काशीतिहासः**। पं. भाऊशास्त्री वझे कृत १—५०

३६२७ **गर्गसंहिता**। मूलमात्र। खुला पत्रा १३—२०

३६२८ **गर्गसंहिता**। श्रीविभूतिभूषण भट्टाचार्येण संशोधिता। प्रथमो भागः १०—००

३६२९ **जैमिनीयाश्वमेधः**। मूलमात्र ५—१०

३६३० **जैमिनीयाश्वमेधः**। हिन्दी टीका सहित। पत्रात्मक १३—२०

३६३१ **जैमिनीयाश्वमेधः**। हिन्दी टीका सहित। सजिल्द ६—००

३६३२ **त्रैलोक्यप्रकाश**। रामस्वरूप शर्मा १५—००

३६३३ **धर्माकूतम्**। त्र्यम्बकराय मखिन कृत वाल्मीकीय रामायण की व्याख्या। बालकाण्ड **२—५०,** अयोध्याकाण्ड ५—००, अरण्यकाण्ड **४—००,** किष्किन्धाकाण्ड **१६—००,** सुन्दरकाण्ड **४—५०,** युद्धकाण्ड ३०—००

३६३४ **नासिकेतोपाख्यानम्**। मूलमात्र ०—६६

३६३५ **नासिकेतोपाख्यानम्**। हिन्दी टीका सहित १—२०

***३६३६ पुराणसंहिता—श्रीमद्वेदव्यास विरचित। आळमन्दारसंहिता-बृहत्सदाशिवसंहिता—सनत्कुमारसंहिता संवलित १२—००**

३६३७ **पुराणेतिहाससंग्रह** (साहित्यरत्नकोशका द्वितीय खण्ड) एस० के० दे-आर० सी० हाजरा संपादित ७—५०

३६३८ **भक्तमाल**। संस्कृत ६—००

३६३९ **भारतसार**। भाषा ८—४०

३६४० **भारतस्य संविधानम्**। संस्कृत भाषायां भाषान्तरम् १—३७

३६४१ **महाभारत**। मूलमात्र। १-१८ भाग गुटका। संपूर्ण सजिल्द ७५—००

३६४२ **महाभारत**। मूलमात्र। १-४ भाग। संपूर्ण २६—५०

***३६४३ महाभारत। श्री नीलकण्ठ कृत भावप्रदीप व्याख्या सहित यन्त्रस्थ**

३६४४ **महाभारतम्**। नीलकण्ठी संस्कृत टीका सहित। संपूर्ण ...

३६४५ **महाभारतम्**। सभापर्व की टीका ज्ञानदीपिका। देवबोध कृत २—००

३६४६ **महाभारतम्**। उद्योगपर्व की टीका ज्ञानदीपिका। देवबोध कृत ४—००

३६४७ **महाभारतम्**। उद्योगपर्व। संस्कृत टीका पञ्चकोपेत १०—००

३६४८ **महाभारतम्**। भीष्मपर्व की टीका ज्ञानदीपिका। देवबोध कृत २—००

३६४९ **महाभारतम्**। विराटपर्व। अष्टटीकोपेत १०—००

३६५० **महाभारतम्**। मूल तथा हिन्दी अनुवाद। संपूर्ण ९०—००

३६५१ **महाभारतम्**। उद्योगपर्व। हिन्दी टीका सहित १६—००

३६५२ **महाभारतम्**। सभापर्व। सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ५—००

३६५३ **महाभारतम्**। शान्तिपर्व पूर्वार्द्ध। सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित १०—००

३६५४ **महाभारत कथा**। चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य। सोमसुन्दरम् अनुवादित ६—००

३६५५ **महाभारत कालीन समाज**। सुखमय भट्टाचार्य २५—००

३६५६ **महाभारत की नामानुक्रमणिका**। २—५०

*३६५७ **महाभारतकोश** । महाभारत के नामों और विषयों की व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका । रचनाकार–डॉ० रामकुमार राय, प्रोफेसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय :—
प्रस्तुत ग्रन्थ में अकारादि क्रम से महाभारत के नामों तथा विषयों की सर्वाधिक विस्तृत, वैज्ञानिक तथा व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत की गई है। व्याख्यायें इतनी विस्तृत हैं कि उनके बाद मूल ग्रन्थ पढ़ने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। सन्दर्भ संकेत पर्व, अध्याय और श्लोक संख्याओं में दिये गये हैं। प्रथम भाग (अश्व-औषणीक) २०—००
शेष भाग शीघ्र ही प्राप्त होगा

३६५८ **महाभारत परिचय** । १—७५

३६५९ **महाभारत में नारी** । डॉ० वनमाला भवालकर २०—००

३६६० **रसिक प्रकाश भक्तमाल** । युगल प्रिया शरण रचित ३—००

३६६१ **रामाश्वमेधः** । मूलमात्र ५—१०

३६६२ **रामाश्वमेधः** । हिन्दी टीका सहित १३—२०

३६६३ **लघुरामायणम्** । वाल्मीकीयम् । श्रीगोविन्दनाथगुरु प्रोक्त ।
रेशमी जिल्द राज संस्करण ६—५० सुलभ संस्करण ३—२५

* ३६६४ VALMIKIYA RAMAYAN: English Translation by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXIX) 25-00

३६६५ **वाल्मीकिरामायणपदसूची** । १-२ भाग । गोविन्दलाल हरगोविन्द संपादित ३८—००

*३६६६ **वाल्मीकिरामायणम्** । **मूलमात्र गुटका । रामायण पूजाक्रम, स्मार्त, वैष्णव तथा माध्व संप्रदाय रामायण पठनोपक्रम, नवाह्नपारायणक्रम, कुशलवगीतक्रम, गायत्रीरामायण, वेदोक्तराममन्त्र, रामतारकषडक्षरमन्त्र, श्रीसीता-लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न-आञ्जनेय मन्त्र, रामसाक्षात्कारप्रद मन्त्र, रामहृदय, रामायण माहात्म्य, रामदर्शनादि विविध परिशिष्ट विभूषित** ६—००

३६६७ **वाल्मीकिरामायणम्** । मूलमात्र स्थूलाक्षर । १-३ भाग संपूर्ण । सजिल्द १५—००

३६६८ **वाल्मीकिरामायणम्** । मूलमात्र । पत्रात्मक २०—४०

३६६९ **वाल्मीकिरामायणम्** । तिलक-रामायणशिरोमणि-भूषण व्याख्यात्रयोपेत १-७ भाग संपूर्ण सजिल्द । प्राचीन संस्करण जीर्ण कागज ५०—००

३६७० **वाल्मीकिरामायणम्** । गोविन्दराजीय (भूषण)-रामानुजी-तनिश्लोकी माहेश्वरतीर्थीय व्याख्याचतुष्टय सहित पत्रात्मक ७२—००
सजिल्द ग्लेज उत्तम कागज १-३ जिल्द में ७२—००

३६७१ **वाल्मीकिरामायणम्** । प्राचीनतम पाठ युक्त । विश्वबन्धु संपादित । १-७ कांड । १-७ भाग १०५—००

३६७२ **वाल्मीकिरामायणम्** । १-५ भाग । बाल-अयोध्या-अरण्य-किष्किन्धा-सुन्दरकाण्ड । डॉ० पी० एल० वैद्य आदि विद्वानों के द्वारा सम्पादित ३३०—००

३६७३ **वाल्मीकिरामायणम्** । अयोध्याकाण्डम् । अखिलानंद कृत हिन्दी अनुवाद सहित ३—५०

३६७४ **वाल्मीकिरामायणम्** । द्वारकाप्रसादचतुर्वेदीकृत हिन्दी टीका सहित १-१० भाग सम्पूर्ण २४—००

३६७५ **वाल्मीकिरामायणम्** । रामाभिनन्दिनी हिन्दी टीका सहित सजिल्द २४—००

३६७६ **वाल्मीकिरामायणम्** । ज्वालाप्रसादमिश्रकृत पीयूषधारा हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक ४८—००

३६७७ **वाल्मीकिरामायणम्** । श्रीमाधवयोगी कृत अमृतकतक व्याख्यायुत । बालकांड ६—७५ अयोध्याकाण्ड १-२ भाग २१—५० अरण्यकाण्ड १२—१०

३६७८ **वाल्मीकिरामायणम्** । सातवलेकरकृत हिन्दीटीका सहित— बालकाण्ड ८—०० बालकाण्ड की समालोचना २—०० अयोध्याकाण्ड समाप्त अरण्य काण्ड ८—०० किष्किन्धाकाण्ड ८—०० सुन्दरकाण्ड ८—०० युद्धकाण्ड १-२ भाग १६—०० उत्तरकाण्ड ८—०० युद्धकाण्ड-उत्तरकाण्ड की समालोचना २—००

३६७९ **वाल्मीकिरामायण** । हिन्दी भाषा मात्र । १-२ भाग लखनऊ २२—००, बंबई ३०—००

३६८० **वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम्** । मूलमात्र २—००, २—५०

३६८१ **वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम्** । मूलमात्र । पत्रात्मक ४—२०

३६८२ **वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम्** । हिन्दी टीका सहित ३—००

३६८३ **वा० रामायण-सुन्दरकाण्डम्** । प्रकाशिका सं० टीका सहित १-५ सर्ग २—००

*३६८४ वाल्मीकीय रामायण कोश । डा० रामकुमार राय
वाल्मीकीय रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम और विस्तृत व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका जिसमें इस रामायण में आने वाले सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित स-सन्दर्भ उल्लेख है । २०—००

*३६८५ VRATYAS IN ANCIENT INDIA : By Prof. Radha Krishna Choudhary (Chow. Sans. Studies. Vol. XXXVIII) 15-00

३६८६ **शिवभारतम्** । श्रीनिवासकरकवीन्द्रपरमानन्दविरचित २—००

३६८७ **संक्षेपरामायणम्** । ०—५०

३६८८ **सर्वदेशवृत्तान्तसंग्रह : अथवा अकबरनामा** । म० म० महेश ठक्कुर कृत । सुभद्र झा सम्पादित २५—००

३६८९ **हरिवंशपुराण का सांस्कृतिक विवेचन** । श्रीमती वीणापाणि पांडे ४—५०

३६९० **हरिवंशम्** । नीलकंठी संस्कृत टीका सहित । सजिल्द ४०—००

३६९१ **हरिवंशम्** । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक संपूर्ण । २८—००

भाषा-इतिहास-ग्रन्थ

३६९२ **अकबरी दरबार के हिन्दी कवि** । डा० सरयूप्रसाद अग्रवाल १२—००

३६९३ **अक्षयवट** । शीतलाप्रसाद मिश्र ०—५०

३६९४ **अव्वल मराठशाही चे अंतःस्वरूप** । (१६४४-१७०७) जी० एस० सरदेशाई ०—३७

३६९५ **आचार्य केशवदास** । डा० हीरालाल दीक्षित १२—००

३६९६ **आचार्य भिखारीदास ।** डॉ० नारायणदास खन्ना १२—००

३६९७ **आधुनिक गुजरातना संतो ।** ७—००

३६९८ **कनउजी लोकगीत ।** संतराम 'अनिल' ४—००

*३६९९ **कलाविलासिनी वासवदत्ता । देवदत्त शास्त्री । इतिहास, पुराण, काव्य, नाटक और भारत की विविध लोकभाषाओं में बिखरा हुआ महाराज उदयन और महारानी वासवदत्ता का कथानक और उस समय के नागरिक की दिनचर्या तथा कलाप्रियता का मनोरम विवेचन इस पुस्तक की कलामयी रोचक कहानियों में है** २—५०

३७०० **कान्यकुब्जवंशावली ।** २—४०

३७०१ **गुजरातस्थल नाम संसद व्याख्यान माला ।** प्रथम भाग ७—००

३७०२ **गुप्तकालीन मुद्राएँ ।** डा० अलतेकर ९—५०

३७०३ **जाडेजानो इतिहास ।** पूर्वखण्ड ४—००

३७०४ **जातककालीन भारतीय संस्कृति ।** मोहनलाल महतो 'वियोगी' ६—५०

३७०५ **डाक्टर बर्नियर की भारत यात्रा ।** ४—५०

३७०६ **द्विवेदीयुगीन निबन्धसाहित्य ।** गङ्गाबख्श सिंह ३—००

३५०७ **नागपूर चा सांस्कृतिक इतिहास ।** ले० देवीदास गोविंद लाडगे (मराठी) २—००

३७०८ **निबन्धकार बालकृष्णभट्ट ।** गोपाल पुरोहित २—५०

३७०९ **पश्चिमी भारत की यात्रा ।** कर्नल जेम्स टॉड कृत । अनुवादक गोपालनारायण बहुरा २१—००

३७१० **प्राङ्मौर्यबिहार ।** डा० देवसहाय त्रिवेद ७—२५

३७११ **प्राचीन भारत की सांग्रामिकता ।** रामदीन पांडेय ६—५०

३७१२ **प्रेमसागर ।** लल्लूलाल कृत ६—००

३७१३ **ब्रजविलास ।** ५—००, १०—००

३७१४ **ब्रजविलास ।** ग्लेज बम्बई ८—४०

३७१५ **भक्तमाल ।** (भक्तकल्पद्रुम) लेखक प्रतापसिंह ७—००, १०—००

३७१६ **भक्तमाल ।** राघवदास कृत । चतुरदास कृत टीका सहित ६—७५

३७१७ **भक्तमाल ।** रीवाँनरेशकृत पद्य १४—४०

३७१८ **भक्तमाल ।** नाभाजी कृत । प्रियादास कृत भक्तिरस बोधिनी टीका-प्रपन्नाचार्य कृत भावार्थ सहित १२—००

३७१९ **भक्तमाल ।** नाभाजी कृत । प्रियादास कृत टीका-सीतारामशरण कृत कवित्त, भगवानप्रसाद रूपकला विरचित भक्तिसुधास्वाद-तिलक सहित १६—००

३७२० **भारत का सांस्कृतिक विकास ।** शिवशेखर मिश्र ३—००

३७२१ **भारतीय संस्कृति में आर्येतरांश ।** शिवशेखर मिश्र २—५०

३७२२ **भोजपुरी के कवि और काव्य ।** दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह ५—७५

३७२३ **भोजपुरी भाषा और साहित्य ।** डा० उदयनारायण तिवारी १३—५०

३७२४ **महाभारत ।** १-१० भाग । हिन्दी २०—००

३७२५ **महाभारत ।** हिन्दी । स्थूलाक्षर । १-१० भाग सचित्र ८०—००

३७२६ **महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग ।** डा० उदयभानु सिंह १२—००

३७२७ **रामावतारशर्मा निबन्धावली।** (म० म० रामावतार शर्मा) ८—७५

३७२८ **रावसाहेब केशव शिवराम भवालकर यांचें आत्मवृत्त।** सं० भवानी शंकर श्रीधर पण्डित। (मराठी) २—००

३७२९ **रेवातटसमय** (पृथ्वीराजरासो) चन्दबरदाई कृत। डा० विपिनविहारी ७—५०

३७३० **वाल्मीकिरामायण।** भाषा १-२ खण्ड लखनऊ **२२—००,** बंबई ३०—००

३७३१ **विदर्भांतील ऐतिहासिक लेख संग्रह।** सं० यशवंत खुशाल देशपांडे-देवीदास गोविन्द लांडगे (मराठी) ४—००

३७३२ **विशालभारत का इतिहास।** वेदव्यासकृत। हिन्दी। प्रथम भाग ५—००

३७३३ **विश्रामसागर।** मध्यमाक्षर ८—००, ११—००

३७३४ **विश्रामसागर।** गुटका ४—५०

३७३५ **वैज्ञानिक विकास की भारतीय परम्परा।** डा० सत्यप्रकाश ८—००

३७३६ **सन्त कवि दरिया : एक अनुशीलन।** डा० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री १४—००

३७३७ **सार्थवाह** (प्राचीन भारत की पथ पद्धति)। डा० मोतीचन्द ११—००

*३७३८ **साहित्य और सिद्धान्त।** प्रो० श्यामलाकान्त वर्मा
हिन्दी साहित्य एवं काव्यशास्त्र के सम्पूर्ण ज्ञातव्य विषयों का सार-सङ्कलन स्वरूप यह ग्रन्थ छात्रों, अध्यापकों तथा अनुसन्धित्सुओं के लिए परम उपयोगी है। ३—००

३७३९ **साहित्य का मर्म।** हजारीप्रसाद द्विवेदी १—००

३७४० **सिक्खों का इतिहास।** कनिंघम कृत। अनुवादक रमेश तिवारी-सुरेश तिवारी १८—००

३७४१ **हरिवंश।** अनुवादक-ज्वालाप्रसाद मिश्र। भाषा १४—४०

३७४२ **हरिवंश।** भाषा। सजिल्द १६—००

३७४३ **हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास।** डा० भगीरथ मिश्र १२—००

३७४४ **हिन्दी साहित्य का आदिकाल।** डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी ३—२५

३७४५ **हिन्दीसाहित्य में भ्रमरगीतपरम्परा।** सरला शुक्ल ४—००

३७४६ **हिन्दी-सूफ़ी कवि और काव्य** (जायसी के परवर्ती) डा० सरला शुक्ल १६—००

३७४७ **हैदराबाद सत्याग्रह का रक्तरंजित इतिहास।** २—५०

समालोचनात्मक-इतिहास-ग्रन्थाः

*३७४८ **अक्षर अमर रहें।** श्री वाचस्पति गैरोला। हस्तलिखित ग्रंथों का इतिहास, पाणिनि, कालिदास आदि प्राच्य तथा संस्कृत पर अपूर्व कार्य करने वाले पाश्चात्य विद्वानों की जीवनियाँ तथा कला के क्षेत्र में भारतीय देन की रूपरेखा आदि निबंधों का नवीनतम संग्रह। ५—००

३७४९ **अपभ्रंश भाषा का अध्ययन।** डॉ० वीरेन्द्र श्रीवास्तव १२—००

३७५० **अपभ्रंश साहित्य।** डॉ० हरिवंश कोछड़ १०—००

३७५१ **अभिनव मनोविज्ञान।** प्रभुदयाल ९—००

३७५२ **अर्थविज्ञान और व्याकरणदर्शन।** डा० कपिलदेव द्विवेदी १२—००

३७५३ **अर्वाचीनं मनोविज्ञानम्।** मामराजदत्तकपिलविरचितम् १२—००
३७५४ **अर्वाचीन संस्कृत साहित्य।** (मराठी) श्रीधर भास्कर वर्णेकर २०—००
*३५५५ **अलंकार-मीमांसा।** ले० राजवंश सहाय 'हीरा'
'अलंकार-मीमांसा' में अलंकारों का विश्लेषण है। इसमें लगभग १०० अलंकारों का विवेचन किया गया है। यन्त्रस्थ
*३७५६ **अलंकारानुशीलन।** श्री राजवंश सहाय 'हीरा' एम. ए. (संस्कृत-हिन्दी)
अलंकारों का ऐतिहासिक अनुशीलन तथा इनसे सम्बन्धित सभी शास्त्रीय विवादों का एकत्र समावेश प्रस्तुत करनेवाला हिन्दी में यह प्रथम ग्रन्थ है। इसमें लगभग ११० अलंकारों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक अलंकार का स्वरूप-निरूपण, ऐतिहासिक दृष्टि से विश्लेषण, प्रत्येक का संस्कृत तथा हिन्दी उदाहरण, विभिन्न अलंकारों का परस्पर अन्तर तथा सूक्ष्म भेद आदि देते हुए यह अध्ययन पूर्ण किया गया है। विद्वत्तापूर्ण शास्त्रीय विचारों से युक्त भूमिका में—काव्य में अलंकारों का स्थान, अन्य भारतीय काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों से उनका सम्बन्ध तथा संस्कृत के सभी प्रसिद्ध अलंकारिकों के एतद्विषयक मतों का सार आदि महत्त्वपूर्ण विषय संगृहीत हैं। सरल एवं सरस भाषा-शैली में लिखा यह अलंकारों के विषय में अभिनव प्रामाणिक ग्रन्थ है। यन्त्रस्थ
*३७५७ **अवन्तिकुमारियाँ।** श्री देवदत्त शास्त्री। तीन ऐतिहासिक कुमारियों की मर्मस्पर्शी कहानियों के माध्यम से उस युग की सांस्कृतिक, धार्मिक, नैतिक स्थितियों का गवेषणात्मक विवेचन २—००
३७५८ **अशोक।** भण्डारकर ७—५०
३७५९ **आचार्य क्षेमेन्द्र।** डॉ० मनोहरलाल गौड़ ४—००
३७६० **आचार्य पाणिनि के समय विद्यमान संस्कृत वाङ्मय।** युधिष्ठिर मीमांसक ०—३७
३७६१ **आचार्य रघुवीर-श्रद्धाञ्जलि (सचित्र)।** सम्पादक मण्डल : काका कालेलकर, डॉ० वासुदेवशरण आदि ३०—००
३७६२ **आचार्य सायण और माधव।** पं० बलदेव उपाध्याय ६—००
३७६३ **आनन्दमीमांसा।** रसिकलाल छो. परीख (गुजराती) ४—००
३७६४ **आदि वचनो अने बीजा व्याख्यानो।** कन्हैयालाल मुंशी। (गुजराती) ३—५०
*३७६५ THE ARCHAEOLOGY OF KUMAON REGION (INCLUDING DEHRADUN) by Dr. K. P. Nautiyal. In the Press
३७६६ **आर्यसंस्कृति।** पं० बलदेव उपाध्याय ८—००
३७६७ **आर्य संस्कृति के मूलतत्त्व।** सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार ४—००
३७६८ **इतिहास प्रकाश।** योगी नरहरिनाथ संगृहीत। १ से ३ भाग १७—००
३७६९ ETHNOLOGY OF ANCIENT BHARATA By R. C. Jain. In the Press
*३७७० INDO-ARYAN LETERATURE AND CULTURE (ORIGINS): By Nagendranath Ghose (Chow. Sans. Studies Vol. LI.). 20—00

*३७७१ INSCRIPTIONS OF ASOKA : By Sri Naresh Prasad Rastogi. In the Press

३७७२ **उत्तरवैदिक समाज एवं संस्कृति : एक अध्ययन।** डॉ० विजयबहादुर राव १२—००

३७७३ **उपमा कालिदासस्य।** डा० शशिभूषणदास गुप्त ३—००

*३७७४ **ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य।** बी० एस० चिन्तामणि। इस ग्रन्थ में हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यासों की नयी सूझ-बूझ और गंभीर मंथनपूर्वक बहुत सुन्दर समीक्षा की गई है ३—००

३७७५ **ऐतिहासिक लेख संग्रह।** ४—००

*३७७६ **औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्यशास्त्र पर प्रभाव (प्रत्यक्ष तथा परोक्ष)** डॉ० चन्द्रहंस पाठक। छह अध्यायों में विभक्त यह शोध-प्रबन्ध-ग्रन्थ सर्वथा मौलिक विषय पर मौलिक रचना है। यह सुगठित वैज्ञानिक शैली में लिखा गया है। प्राचीन और नवीन उभयविध विचारकों में औचित्य-मत के प्रभाव की चर्चा करने के हेतु इसमें व्यापक भूमिका और सन्दर्भों का उपयोग किया गया है। प्राचीनता के प्रति उपेक्षा के इस युग में इस ग्रंथ का अवतरण निश्चय ही शुभ-सम्पादक है। इससे हिन्दी के शास्त्रीय अनुसन्धान क्षेत्र को अवश्य ही नई दिशा प्राप्त होगी। इसके लेखन में अथक श्रम, अध्यवसाय और असामान्य प्रतिभा का प्रयोग पद-पद पर देखने को मिलता है। अधिकारी विद्वानों के निर्णायक विचारों से समन्वित, उत्तम साज-सज्जा-मुद्रण-आवरण आदि से युक्त यह ग्रन्थ सर्वथा संग्रहणीय है। २५—००

*३७७७ A COMPARATIVE STUDY OF THE CONCEPTS OF SPACE AND TIME IN INDIAN THOUGHT: By Dr. Kumar Kishore Mandal. 15—00

३७७८ **कलकत्ता संस्कृत कालेज का इतिहास।** १-२ खण्ड ४—००

३७७९ **कवि कालिदास के ग्रन्थों पर आधारित तत्कालीन भारतीय संस्कृति।** डॉ० गायत्री वर्मा १०—००

*३७८० **कवियों की लोकदृष्टि।** श्री शिवशंकर त्रिपाठी यन्त्रस्थ

*३७८१ **कविवर डा० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य।** प्रो० दशरथ राज। कविवर डॉ० रामकुमार वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को प्रस्तुत करने का यह सर्वोत्तम प्रयास है। ३—००

३७८२ **कवि-समय-समीक्षा।** डा० विष्णुस्वरूप ८—००, ९—००

३७८३ **कामपुरुषार्थ अथवा यशस्वी विवाहाची भारतीय मीमांसा।** डॉ० ग० सी० पेंडसे (मराठी) १०—००

३७८४ **कविराज-अभिनन्दन ग्रन्थ** (म० म० गोपीनाथ कविराज)। सं० डॉ० बाबूराम सक्सेना, डॉ० गौरीनाथ शास्त्री, डॉ० वी० राघवन आदि। १००—००

३७८५ **कालांतिल निबडक निबंध।** १-१० भाग ४२—५०

*३७८६ **कालिदास (महाकवि कालिदास)** । (देव पुरस्कार से पुरस्कृत) डा० रमाशंकर तिवारी । अब तक उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री का विवेकपूर्ण उपयोग कर कालिदास का देश-काल तथा उनकी सौन्दर्यभावना, प्रेम भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों का १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचना की गई है ८—०० (sic)

३७८७ **कालिदास** । वासुदेव विष्णु मिराशी १२—००

*३७८८ **कालिदास : एक अनुशीलन** । पं० देवदत्त शास्त्री । बहुत से ग्रन्थों के होते हुए भी यह ग्रन्थ अपनी कुछ नई विशेषताएँ लेकर प्रकट हुआ है । कालिदास के जीवन, जन्मभूमि और स्थिति पर ठोस प्रमाणों सहित ऐसी नई स्थापनाएँ आपको इस ग्रन्थ में मिलेंगी जिन पर मत प्रकट करने या विचार करने की उत्सुकता अवश्य आप में उत्पन्न होगी २—५०

३७८९ **कालिदास और उनका युग** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ३—००

३७९० **कालिदास और उसकी काव्य-कला** । वागीश्वर विद्यालङ्कार १०—००

३७९१ **कालिदास और भवभूति** । द्विजेन्द्रलाल राय । रूपनारायण पाण्डे अनुवादित ४—००

३७९२ **कालिदास का भारत** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय । १–२ भाग ९—००

३७९३ **कालिदास की लालित्य योजना** । डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी ६—००

३७९४ **कालिदास के सुभाषित** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ५—००

३७९५ **कालिदास : जीवन कला और कृतित्व** । जयकृष्ण चौधरी ३—००

३७९६ KALIDASA KOSA. By Prof. S. C Banerji. A Cyclopaedic Index of All Botanical, Zoological, Geographical and other terms used by Kalidasa, with their modern technical names and reference to the places of occurrences in the original work of the poet. In the press

३७९७ **कालिदास निबन्धाङ्क** । (कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय पत्रिका) ३—००

३७९८ **कालिदाससाहित्यम्** । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र २—००

३७९९ **कालिदासाचीं नाटकें** । र० पं० कंगले (मराठी) ५—००

*३८०० **काव्य-चिन्ता** । डा० रमाशंकर तिवारी

पुस्तक दो खण्डों में विभाजित है । प्रथम खण्ड में काव्यविषयक समस्त प्रश्नों का नितान्त मौलिक एवं तर्कसम्मत समाधान प्रस्तुत किया गया है तथा दूसरे खण्ड में पाश्चात्य सौन्दर्य-चिन्तन-धारा का प्राञ्जल एवं विस्तृत निरूपण हुआ है । अवश्य संग्राह्य ग्रंथ है । ६—००

३८०१ **काव्यतत्त्वसमीक्षा** । डॉ० एन० एन० चौधरी २०—००

*३८०२ **काव्यवल्लरी** । श्रीव्यथितहृदय । समाप्त

३८०३ **काव्यशास्त्र की रूपरेखा** । डॉ० रामदत्त भारद्वाज १०—००

*३८०४ **काव्यात्म-मीमांसा** । डॉ० जयमन्त मिश्र

हिन्दी में लिखे गए इस अभिनव ग्रन्थ में संस्कृत काव्यशास्त्र में यत्र-तत्र प्रतिपादित काव्यात्म-सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक ढङ्ग से शोधपूर्ण एवं प्रामाणिक विवेचन किया गया है । अन्त के परिशिष्टों में काव्य-सम्बन्धी कतिपय अन्य विषयों का भी विचार किया गया है । १६—००

३८०५ **काव्यानुशीलन** । बलदेव उपाध्याय ४—५०

३८०६ **काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी** । श्री भँवरलाल जोशी यन्त्रस्थ

३८०७ Catalogue of Palm Leaaf Manuscripts in The Santinath Jain Bhandara, Cambay. Parts. I.—II. By Muni Punya Vijaya. 42—00

३८०८ Catalogue of Sanskrit and Prakrit Manuscripts in the Rajasthan Oriental Research Institute (Jodhpur Collection) Parts. and I-II (A, B, C.) Edited by Padmashri Muni Jina Vijaya 129-50

*३८०९ COMIC ELEMENTS IN SANSKRIT DRAMA By LAL RAMA YADUPAL SINGH. In the Press

३८१०.**कृत्तिवासी-बंगला-रामायण और रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन** । डॉ० रमानाथ त्रिपाठी १०—००

*३८११ **कृष्णभक्ति काव्य में सखीभाव** । (सचित्र) डॉ० शरण बिहारी गोस्वामी ।

सखीसम्प्रदाय का सारगर्भित ग्रन्थ । गोपीतत्त्व और सखीतत्त्व पर गम्भीर विचार, उपास्य तत्त्व का विस्तृत विवेचन तथा सखी-सम्प्रदाय की उपासना-पद्धति का संयोजन आदि इस ग्रन्थ के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय हैं। सखीभाव-विषयक हिन्दी साहित्य की सामग्री का परिचय एवं समीक्षा, रस-परिपाटी का विवेचन, लगभग ५० वैष्णवसम्प्रदायाचार्यों के सदुपदेशों का सचित्र वर्णन तथा कवियों और काव्यों का परिचय, समीक्षण आदि अत्यन्त सरल भाषा और शैली में विवेचित हैं। यह ग्रन्थ अत्यन्त रसपूर्ण और उपादेय है। २५—००

३८१२ **गद्यकार बाण (बाण विषयक लेखों का संकलन)** । रणदेव-महेन्द्र थापर ६—००

*३८१३ CHRONOLOGY OF INDIA : From the earliest Times to the beginning of the Sixteenth Century by C. Mabel Duff. In the Press

*३८१४ A CRITICAL STUDY OF THE BHAGAVATA PURANA with Special Reference to Bhakti by Dr. T. S. Rukmani. In the Press

३८१५ **गुजराती साहित्यनी रूपरेखा** । विनयराय कल्याणराय वैद्य (गुजराती) ३—७५

३८१६ **गोरखवानी** । डा० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल ६—००

*३८१७ **गोस्वामी तुलसीदास** । आचार्य श्री सीताराम चतुर्वेदी ।

तुलसीदास के जन्म, जीवन तथा रचनाओं के विषय में भ्रामक मतों का प्रामाणिक निराकरण तथा उनके काव्यों का सम्यक् परिशीलन ३—००

३८१८ **चतुर्दश भाषा निबंधावली** । ४—२५

*३८१९ **चतुर्वेदिसंस्कृतरचनावलिः** । महामहोपाध्याय विद्यावाचस्पति पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी विरचित प्रकाशित अप्रकाशित यावत् निबन्धों का संग्रह । २०—००

३८२० **चन्द्रशेखरशास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ** । सम्पादक मण्डल-गोविन्दनारायण शर्मा, दीनानाथ त्रिवेदी 'मधुप', डा० मथुरालाल शर्मा १०—००, ११—००

*३८२१ **चम्पू काव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन** । डॉ० छविनाथ त्रिपाठी
इसमें चम्पू-काव्य का स्थान निर्धारण, उसकी सर्वथोपयुक्त परिभाषा, गद्य-पद्य-मिश्रित काव्यों के विकास का ऐतिहासिक एवं खोजपूर्ण विवरण, २४५ चम्पू काव्यों का सविवरण आलोचनात्मक परिचय, वर्ण्य वस्तु और चम्पू-काव्यों के मूल स्रोतों का अन्वेषण करके उनका वर्गीकरण आदि उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की गई है । १२—००

३८२२ **चार्वाक इतिहास आणि तत्त्वज्ञान** । प्रो० सदाशिव आठले (मराठी) ३—००

*३८२३ **चित्र और चिन्तन** । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी । इस पुस्तक में चित्र : जीवन के दैनिक अनुभवों के हैं, चिंतन : सामयिक परिस्थितियों, समस्याओं और नवनिर्माण के हैं । २–५०

३८२४ **चित्रनिबन्धावलिः** (विविध-शास्त्रीय-निबन्धानां संग्रहः) निबन्धक-रघुनाथशर्मा १०—००

*३८२५ **चिन्तन के नये चरण** । श्री देवदत्त शास्त्री । भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, इतिहास, पुराण, उपनिषद्, नृत्य-नाटक और अभिनय इन पाँच विषय-स्तम्भों में साहित्यकारों तथा अनुसन्धायकों के नित्य उपयोग की यथेष्ट सामग्री ६—००

३८२६ **चौलुक्य कुमारपाल** । लक्ष्मीशंकर व्यास ४—५०

३८२७ **जगतना इतिहास नु रेखादर्शन** । जवाहरलाल नेहरू १९—७५

३८२८ **जवाहरचिन्तन** । श्रीराम भिकाजी वेलणकर कृत ७—००

*३८२९ **जीवनदर्शन** । डॉ० मुंशीराम शर्मा । 'जीवन क्या है ? वह कैसे विकसित तथा उन्नत होता है ? जीवनपथ पर कैसे मोड़ आते हैं ?' आदि पर विस्तृत विवेचन ३—००

*३८३० **जैनआगम साहित्य में भारतीय समाज** । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन । हर्ष, शोक, विस्मयादि नाना भावधाराओं में अवगाहन करते हुए भारतीय समाज की जैनागमसाहित्य में प्राप्त ऐतिहासिक स्थिति का, शैली और कौशल की दृष्टि से उनका वर्णन प्राप्त करने के लिये यह एक ही ग्रन्थ है । २५—००

३८३१ **ज्ञान की गरिमा** । बलदेव उपाध्याय २—२५

*३८३२ TRADE AND COMMERCE IN ANCIENT INDIA (From earliest times up to crica 3rd. Century A. D.) : By Dr. Balaram Srivastava. 20–00

३८३३ **तंत्र ओ आगम शास्त्रेर दिग्दर्शन** । म० म० गोपीनाथ कविराज । भाग प्रथम (बंगला) ५—००

३८३४ **तान्त्रिक वाङ्मय में शाक्त दृष्टि ।** म० म० गोपीनाथ कविराज ७—५०

३८३५ **तुलनात्मक भाषाविज्ञान ।** एफ० एफ० फॉर्तुनातोव । अनुवादक डा० केशरीनारायण शुक्ल ५—००

३८३६ **तुलनात्मक भाषा-विज्ञान ।** डॉ० पाण्डुरंग दामोदर गुणे । सम्पादक-एन० पी० गुणे । अनुवादक—डॉ० भोलानाथ तिवारी १०—००

३८३७ **त्रिपाठी अभिनन्दन ग्रन्थ ।** (पं० सुरतिनारायण मणि त्रिपाठी) २५—००

*३८३८ THEORIES OF PERSONALITY TYPES IN INDIAN THOUGHT by Dr. Ram Kumar Rai. In the Press

*३८३९ **दिनकर की उर्वशी ।** डा० रमाशंकर तिवारी
इस पुस्तक में दिनकर की नवीन काव्यकृति 'उर्वशी' का ललित तथा अधिकार-पूर्ण शैली में समीक्षात्मक अनुशीलन प्रस्तुत किया गया है। प्राकरणिक परिशीलन, सामान्य समीक्षा, काव्यशिल्प, संग्राहक प्रतिभा, तथा मूल्यांकन—इन पञ्चविध शीर्षकों के अन्तर्गत 'उर्वशी' के सम्पूर्ण सौन्दर्य का कलापूर्ण उद्‌घाटन निश्चित ही काव्य-रसिकों को आकर्षित करेगा। ३—००

*३८४० THE DHVANI THEORY IN SANSKRIT POETICS : By Dr. Mukunda Madhava Sharma. M. A., D. Phil, Kavyatirtha. 20—00

*३८४१ **नगरीय समाज शास्त्र ।** श्री कौशलकुमार राय । प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में नगरीय समाजशास्त्र का पठन-पाठन आरंभ हो गया है। लेकिन इस विषय पर हिन्दी में कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं थी। इसी अभाव की पूर्ति के हेतु प्रस्तुत पुस्तक की रचना की गई है ८—००

३८४२ **नवीन दृष्टि में प्रवीण भारत ।** स्वामी दयानन्द १—२५

३८४३ **नाटककार भवभूति और उनका उत्तररामचरित ।** डॉ० कृष्णकान्त त्रिपाठी २—७५

३८४४ **नाट्यशास्त्र अने आचार्य अभिनवगुप्ताचार्य** (गुजराती) २—७५

३८४५ **नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक ।** धनिक वृत्ति सहित । डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी-पृथ्वीनाथ द्विवेदी १०—००

३८४६ **नाथ सम्प्रदाय ।** डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी ११—००

*३८४७ NORTH INDIA. During the Seventeenth Century A. D. by Dr. B. N. Srivastava In the Press

३८४८ **निबन्ध-शेखर ।** महेशचन्द्र गर्ग ५—००

३८४९ **पतञ्जलिकालीन भारत ।** डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री ११—५०

*३८५० **परिक्रमा ।** श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के शब्दों में—भारतीय साहित्य और जीवन की इस परिक्रमा में कालिदास, रवीन्द्र, पन्त, महादेवी आदि की समालोचना एवं संस्मरणों का मणिकांचन योग है। शैली प्रांजल, प्रवाहपूर्ण एवं सरस है। वाराणसी परीक्षापाठ्य स्वीकृत अंश २—०० अभिनव प्रकाशन सम्पूर्ण ४—००

*३८५१ **पाणिनिकालीन भारतवर्ष ।** (पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १५—००

३८५२ **पुराणगत वेद विषयक सामग्री का समीक्षात्मक अध्ययन ।** रामशंकर भट्टाचार्य १२—५०

३८५३ **पुराणों में गङ्गा ।** सङ्कलनकर्ता–रामप्रताप त्रिपाठी ३—५०

*३८५४ THE POLITICAL AND SOCIO-RELIGIOUS CONDITION OF BIHAR (185 B. C. to 319 A. D.) By Dr. Hari Kishore Prasad. In the Press

३८५५ **पुरातत्त्व की दृष्टि में वैशाली ।** विजयकान्त मिश्र ७—५०

*३८५६ **पुरुषार्थ ।** भारतरत्न डॉ० भगवानदास । (शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण) मनीषी लेखक के आध्यात्मिक एवं चिंतन का सार इस ग्रन्थ में आज के मानव के लिये सर्वथोपयुक्त शैली में उपनिबद्ध है । इससे मानव-मात्र को श्रेयः सम्पादन के लिए यथार्थ दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त होती है । सम्पूर्ण वाङ्मय का सार ही इसे समझना चाहिए । १२—५०

३८५७ **प्रताप-रासो ।** जाचीक जीवण कृत । सम्पादक–मोतीलाल गुप्त ६—७५

*३८५८ **प्रतिभा-दर्शन (भाषा-तत्त्वशास्त्र) ।** आचार्य हरिशंकर जोशी । भू० ले०—म० म० डॉ० गोपीनाथ कविराज । इस ग्रन्थ में भारतीय भाषाओं के क्रमिक युगों के प्रामाणिक विकासों के साथ-साथ अर्वाचीन भाषाओं तक के भाषातत्त्वों का विशद् विवेचन तीन बड़े भागों में किया गया है । २५—००

*३८५९ **प्रयोगवादी काव्यधारा ।** (तथोक्त नई कविता) डा० रमाशंकर तिवारी (उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत) इसमें 'नई कविता' कही जाने वाली प्रयोगवादी काव्यधारा का तटस्थ एवं पूर्वाग्रह-विमुक्त, विस्तृत एवं प्रामाणिक विवेचन पहली बार प्रस्तुत किया गया है । पुस्तक चार खण्डों में विभक्त है । इस पुस्तक से प्रयोगवादी काव्यधारा को समझने तथा उसके प्रति समुचित एवं सन्तुलित न्याय बरतने की सम्भावनायें निश्चय ही परिष्कृत एवं परिपुष्ट होंगी । १२—५०

३८६० **प्रवीण दृष्टि में नवीन भारत ।** स्वामी दयानन्द कृत । १–२ खण्ड ४—००

३८६१ **प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास ।** डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २०—००

*३८६२ **प्राकृत साहित्य का इतिहास ।** डॉ० जगदीशचंद्र जैन । वेद से लेकर प्राचीनतम शिलालेख, नाटक, कथाग्रन्थ आदि के व्यापक समीक्षण एवं समालोचना के साथ हिन्दी में अपने विषय का प्रथम ग्रन्थ २०—००

३८६३ **प्रागतिहासिक भारतीय चित्रकला ।** डा० जगदीश गुप्त ७५—००

३८६४ **प्राचीन भारत ।** रमेशचन्द्र मजुमदार । अनुवादक–डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त । सम्पादक–डॉ० विशुद्धानन्द पाठक १२—००

३८६५ **प्राचीन भारत का इतिहास ।** डा० रमाशंकर त्रिपाठी १५—००

३८६६ **प्राचीन भारत की सामाजिक संस्कृति**। डॉ० रामजी उपाध्याय १२—००

*३८६७ **प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड**। डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी। वैदिक काल से लेकर आजतक के एतद्विषयक सम्पूर्ण भारतीय साहित्य के पर्यालोचन के साथ ही विदेशी व्यवस्थाओं और मान्यताओं का भी परिचय इससे प्राप्त होता है ६—००

३८६८ **प्राचीन भारत में रसायन का विकास**। डॉ० सत्यप्रकाश १४—००

३८६९ **प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन**। डा० वासुदेव उपाध्याय २०—००

*३८७० **प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन**। डा० राय गोविन्दचन्द। खोदाई में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों के आधार पर भारतीय सभ्यता के विकास का आरम्भ से गुप्तकाल तक का इतिहास १२—००

३८७१ **प्राचीन भारतीय लिपिमाला**। डॉ० गौरीशंकर हीराचंद ओझा ७५—००

३८७२ **प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति**। डॉ० राजबली पाण्डेय इसके विविध खण्ड हैं—(१) भौगोलिक और जातीय आधार (२) राजनीतिक इतिहास (३) राजनीतिक विचार और संस्थायें (४) आर्थिक जीवन (५) सामाजिक चिंतन और संस्थायें (६) धार्मिक जीवन (७) दार्शनिक सिद्धान्त (८) भाषा और साहित्य (९) कला तथा (१०) उपसंहार। भारतीय जीवन और मान्यताओं का एक संतुलित चित्र इस ग्रन्थ में प्रस्तुत किया गया है। यंत्रस्थ

३८७३ **प्राचीन भारतीय साहित्य**। (M. Winternitz's Indischen Literatur) १–२ भाग अनुवादक : लाजपतराय–डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय २०—००

३८७४ **प्राचीन भारतीय साहित्य एवं संस्कृति की एक झलक**। नारायण प्रसाद बलुनी ३—५०

३८७५ **प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका**। डॉ० रामजी उपाध्याय ३२—५०

३८७६ **प्राचीन हस्तलिखित पोथियों का विवरण**। डॉ० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री संपादित। १–३–६ खंड ८—००

*३८७७ FINE ARTS AND TECHNICAL SCIENCES IN ANCIENT INDIA. With Special Reference to Somesvara's Manasollasa by Dr. Shiba Shekhar Misra, M. A., Ph. D. In the Press

*३८७८ FALL OF THE MOGUL EMPIRE: By Sidney J. Owen, M. A., Second Edition. (Chow. Sans. Studies. Vol. VII) 8—00

३८७९ **बंगीयदूतकाव्येतिहासः**। डॉ. जे. बी. चौधरी संपादित ५—००

३८८० **बाणभट्ट का आदान प्रदान**। अमरनाथ पांडेय ५—००

३८८१ **बुन्देल खंड की प्राचीनता**। श्री वागीश शास्त्री ५—५०

*३८८२ THE BHAKTI CULT IN ANCIENT INDIA : By M. M. Dr. Bhagabat Kumar Goswami Shastri, M. A., Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. LII.). 25—00

*३८८३ **भक्ति का विकास** । डॉ० मुंशीराम शर्मा । परम पुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में यथावत् ज्ञेय सामग्री का एकत्र संकलन २०—००

३८८४ **भगवान शङ्कराचार्य** । विष्णुदेव सांकलेश्वर पंडित (गुजराती) ५—००

३८८५ **भारत का भाषा सर्वेक्षण** । सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन : अनुवादक–डॉ० उदयनारायण तिवारी ७—००

३८८६ **भारत का सांस्कृतिक इतिहास** । हरिदत्त वेदालंकार ८—००

३८८७ **भारत का सांस्कृतिक इतिहास** (प्रश्नोत्तर रूप में) हरिदत्त वेदालंकार २—००

३८८८ **भारत की संस्कृति और कला** । राधाकमल मुकर्जी १२—००

३८८९ **भारत की संस्कृति का विकास** । डा० मथुरालाल शर्मा ६—२५

३८९० **भारत की संस्कृति साधना** । डॉ० रामजी उपाध्याय १०—००

३८९१ **भारत की सामाजिक क्रान्ति** । डॉ० रामजी उपाध्याय ३—००

३८९२ **भारत की सामाजिक संस्कृति** । १२—००

३८९३ **भारत के स्वातन्त्र्य संग्राम का इतिहास** । सुखसम्पत्तिरायभण्डारी ८—५०

३८९४ **भारतवर्ष का इतिहास** । लेखक—एच० एम० इलियट, जान डाउसन

१ **औरंगजेब** । मूल लेखक-खाफी खाँ ४—००

२ **उत्तरकालीन मुगल** । मूल लेखक-खाफी खाँ ४—००

३ **बाबर तथा हुमायूँ** । मूल लेखक-बाबर ३—००

४ **शेरशाह** । मूल लेखक-अब्बास सरवानी ४—००

५ **अकबरनामा** । मूल लेखक-अबुल फज़ल ५—००

३८९५ **भारतवर्ष का बृहद् इतिहास** । भगवद्दत्त । १–२ भाग ३८—००

३८९६ **भारतस्य भूगोलशास्त्रम्** । १—००

*३८९७ **भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः** । डॉ० रामजी उपाध्याय (संस्कृत) **यन्त्रस्थ**

३८९८ **भारतीय इतिहास और संस्कृति** । डॉ० विशुद्धानन्द पाठक–डॉ० जयशंकर मिश्र ६—००, ८—००

*३८९९ **भारतीय इतिहास के स्रोत, सिक्के । (ई० जे० रैपसन के 'इण्डियन कॉएन्स' का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय ।**
अंग्रेजी में यह ग्रन्थ सर्वथा दुर्लभ है। इसके हिन्दी अनुवाद से इसकी दुर्लभता तो दूर ही होगी साथ ही पाठकों के क्षेत्र में भी वृद्धि होगी। अनुवाद में मूल ग्रन्थ के फलक ज्यों-के-त्यों छापे गये हैं जिससे इसमें कोई भी कमी नहीं रह गई है। १२—००

*३९०० **भारतीय इतिहास परिचय । डॉ० राजबली पाण्डेय**
संक्षेप में सरल एवं सुबोध इतिहास प्रस्तुत करने वाले इस ग्रन्थ में उन्हीं घटनाओं, व्यक्तियों और विचारधाराओं का समावेश किया गया है जिन्होंने भारतीय जीवन की परम्परा को किसी न किसी प्रकार प्रभावित किया है। भारत के प्रामाणिक, सजीव और क्रमबद्ध इतिहास के परिचय के लिए यह पुस्तक अत्यन्त उपयोगी है। १०—००

३९०१ **भारतीय कला** । (प्रारम्भिक युग से तीसरी शती तक) । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल २४—००

३९०२ **भारतीय कला को बिहार की देन।** डॉ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद सिंह ७—५०

३९०३ **भारतीयकांग्रेसस्येतिहासः** (१८५७ से १९४७ ई० तक)। दिनेश प्रसाद पाण्डेयः। (संस्कृत) २—००

*३९०४ **भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि-सिद्धान्त।** श्री राजवंश सहाय 'हीरा'।

प्रस्तुत ग्रंथ में रस, ध्वनि एवं अलंकार को प्रतिनिधि सिद्धान्त मान कर उन्हीं का विवेचन किया गया है। काव्य के स्वरूप, कारण, हेतु एवं भेद, शब्दशक्ति, ध्वनि, रस, गुण एवं दोषों का वर्णन प्रमुख है। दूसरे खण्ड में अलंकारों का विश्लेषण, विशेषतः ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक दृष्टि से किया गया है। शब्दशक्तियों के वर्णन में शास्त्रार्थ वाले स्थानों पर तथा अभिधा, लक्षणा, व्यंजना के विषय में विस्तृत एवं निर्भ्रान्त विवेचन है। प्रमाण स्वरूप संस्कृत के मूल ग्रन्थों के उद्धरण उपन्यस्त हैं। ग्रन्थ अपने में पूर्ण है। १५—००

३९०५ **भारतीय दर्शन।** चटर्जी-दत्त। हिन्दी रूपकार-झा०-मिश्र १०—००

३९०६ **भारतीय दर्शन।** वाचस्पति गैरोला ११—००

३९०७ **भारतीय दर्शन।** बलदेव उपाध्याय १६—००

३९०८ **भारतीय दर्शन।** डा० उमेश मिश्र ८—००

३९०९ **भारतीय दर्शन की रूपरेखा।** डा० उमेश मिश्र १—५०

३९१० **भारतीय दर्शन परिचय।** रामानन्द तिवारी ४—००

३९११ **भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास।** डॉ० न० कि० देवराज डॉ० रामानन्द तिवारी ६—५०

३९१२ **भारतीय पुरालिपिशास्त्र।** मंगलनाथ सिंह २५—००

*३९१३ **भारतीय प्रज्ञा।** (मॉनियर विलियम्स कृत इण्डियन विज़डम का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक: डॉ० रामकुमार राय।

इस पुस्तक में हिन्दुओं के धार्मिक, दार्शनिक और नैतिक विचारों तथा सिद्धान्तों के उदाहरणों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। साथ ही संस्कृत साहित्य के प्रमुख विभागों का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए भारत की अतीत तथा वर्तमान नैतिक और बौद्धिक स्थिति का भी विवरण दिया गया है। हिन्दी अनुवाद में मूल ग्रन्थ के समस्त गुणों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया गया है। २५—००

*३९१४ **भारतीय भाषा विज्ञान।** भारतीय भाषाओं का मौलिक पद्धति पर विवेचन-विश्लेषण और वर्गीकरण। अपने विषय का अभिनव ग्रन्थ। पं० किशोरी दास वाजपेयी ६—२५

३९१५ **भारतीय रत्नचरित।** रुद्रदत्त पाठक ८—००

३९१६ **भारतीय विचारधारा।** मधुकर २—००

३९१७ **भारतीय वैश्यों का संक्षिप्त इतिहास।** डॉ० इन्द्रदेवनारायण सिंह २—००

३९१८ **भारतीय संस्कृति।** डॉ० बी० एल० आत्रेय १—००

३९१९ **भारतीय संस्कृति।** कृष्णचन्द्र विद्यालंकार १—५०

३९२० **भारतीय संस्कृति।** गोपालशास्त्री दर्शनकेशरी १—५०

३९२१ **भारतीय संस्कृति।** बलदेवप्रसाद मिश्र २—५०

३९२२ **भारतीय संस्कृति** । साने गुरु जी ४—००
३९२३ **भारतीय संस्कृति** । वात्स्यायन ४—००
३९२४ **भारतीय संस्कृति** । डॉ० लल्लन जी गोपाल–डॉ० व्रजनाथ सिंह ५—००
३९२५ **भारतीय संस्कृति** । बलदेव कृष्ण ४—५०
३९२६ **भारतीय संस्कृति** । शिवदत्त ज्ञानी ५—५०
३९२७ **भारतीय संस्कृति : एक समाज शास्त्रीय समीक्षा** । गौरीशंकर भट्ट १७—५०
३९२८ **भारतीय संस्कृति : गौतम से गांधी तक** । भास्करानन्द लोहनी ६—००
३९२९ **भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता** । डा० प्रसन्नकुमार आचार्य ५—००
३९३० **भारतीय संस्कृति और अहिंसा** । (वेदपूर्वकाल से लेकर महात्मागाँधी तक) धर्मानन्द कोसम्बी ३—५०
३९३१ **भारतीय संस्कृति और इतिहास** । डा० बैजनाथ पुरी ५—००
३९३२ **भारतीय संस्कृति और साधना** । म० म० डॉ० गोपीनाथ कविराज । १–२ भाग १८—५०
३९३३ **भारतीय संस्कृति का इतिहास** । दिनेशचन्द्र भारद्वाज ६—७५
३९३४ **भारतीय संस्कृति का इतिहास** । डॉ० नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री ४—२५
३९३५ **भारतीय संस्कृति का इतिहास** । स्कन्दकुमार ३—००
३९३६ **भारतीय संस्कृति का इतिहास** । चतुरसेन शास्त्री १५—००
३९३७ **भारतीय संस्कृति का उत्थान** । डा० रामजी उपाध्याय ५—००
३९३८ **भारतीय संस्कृति का प्रवाह** । इन्द्र विद्यावाचस्पति ५—००
३९३९ **भारतीय संस्कृति का विकास** । डा० मंगलदेव शास्त्री ।
प्रथम खण्ड–वैदिक धारा ७—००
द्वितीय खण्ड–औपनिषद धारा १२—००
३९४० **भारतीय संस्कृति की कहानी** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय १—२५
३९४१ **भारतीय संस्कृति की झलक** । वी० एन० लूनिया ३—००
३९४२ **भारतीय संस्कृति के आधार** । एस० पी० कनल ३—००
३९४३ **भारतीय संस्कृति के पाँच अध्याय** । सुधीशधर द्विवेदी ३—७५
३९४४ **भारतीय संस्कृति के मूल तत्व** । सत्यनारायण पाण्डेय । डॉ० आर. वी. जोशी ४—५०
३९४५ **भारतीय संस्कृति के विस्तार की कहानी** । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ०—७५
३९४६ **भारतीय संस्कृति को गोस्वामी तुलसीदास का योगदान** । डॉ० बलदेवप्रसाद मिश्र २—५०
३९४७ **भारतीय संस्कृति दिग्दर्शन** । लक्ष्मीराव २—००
३९४८ **भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का योगदान** । डा० हीरालाल जैन १०—००
३९४९ **भारतीय सभ्यता** (बंगला) श्रीव्रजसुन्दर राय १—००
३९५० **भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति का विकास** । वी० एन० लूनिया ८—५०
३९५१ **भारतीय सांस्कृतिक इतिहास की समीक्षा** । डॉ० बैजनाथ पुरी ४—००
३९५२ **भारतीय समाज शास्त्र : मूलाधार** । फतहसिंह ४—५०
३९५३ **भारतीय साहित्य और संस्कृति** । डॉ० हरिदत्त शास्त्री ६—००

*३९५४ **भारतीय साहित्य की रूपरेखा** । डॉ० भोलाशंकर व्यास । वेदों से लेकर अब तक के समस्त भारतीय साहित्य—वैदिक, संस्कृत, पालि-प्राकृत तथा अपभ्रंश साहित्य—की रूपरेखा के अलावा भारत की सभी आधुनिक भाषाओं—हिन्दी, उर्दू, बँगला, मराठी, गुजराती, तामिल, तेलगु, आदि—के प्राचीन तथा अद्यतन साहित्य की गतिविधि का सुन्दर परिचय इसी एक ग्रन्थ से प्राप्त हो जाता है ७—५०

३९५५ **भारतीय साहित्य दर्शन** । राममूर्ति त्रिपाठी ६—५०

३९५६ **भारतीय साहित्यशास्त्र** । बलदेव उपाध्याय । प्रथम भाग १५—००

३९५७ **भारतीय साहित्यशास्त्र** । गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे १२—५०

*३९५८ **भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालंकार** । डॉ० भोलाशंकर व्यास । नवीन दृष्टि से पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के गम्भीर अध्ययन के साथ ही भारतीय साहित्यशास्त्र की प्राचीन स्थापनाओं की प्रामाणिक तथा आधिकारिक विवेचना प्रथम बार प्रस्तुत ग्रन्थ रूप में उपनिबद्ध है । प्रथम भाग ८—००

*३९५९ **भारवि काव्य में अर्थान्तरन्यास** । डॉ० उमेशप्रसाद रस्तोगी । प्रस्तुत ग्रन्थ में भारवि के जन्मकाल, स्थान तथा काव्य का परिचय देते हुए प्रवाहपूर्ण भाषा तथा मार्मिक शैली में उनके अर्थान्तरन्यास-सम्बन्धी काव्य, कवित्व तथा प्रतिभा का समुचित विवेचन तथा यथार्थ विश्लेषण किया गया है । ६—००

३९६० **भालण-एक अध्ययन** (गुजराती) ४—७५

३९६१ **भाषातत्व और वाक्यपदीय** । डॉ० सत्यकाम वर्मा १५—००

३९६२ **भाषा विज्ञान** अथवा **तुलनात्मक भाषा शास्त्र** । डा० मङ्गलदेव शास्त्री ६—००

३९६३ **भाषा विज्ञान** । भोलानाथ तिवारी ९—००

३९६४ **भाषाविज्ञान** । भारतभूषण 'सरोज' २—५०

३९६५ **भाषाविज्ञान की भूमिका** । देवेन्द्रनाथ शर्मा ८—००, १०—००

३९६६ **भाषा-विज्ञान-तत्त्व** । प्रभुनारायण शर्मा 'सहृदय' १—५०

३९६७ **भाषा-विज्ञान-परिचय** । सं० महेन्द्र २—५०

*३९६८ **भाषा वैज्ञानिक संस्कृत व्याकरण** । डॉ० लालरमायदुपाल सिंह यन्त्रस्थ

३९६९ **भोज अने कालिदास** । (गुजराती) लक्ष्मीनारायण मोजीलाल पंड्या ६—००

*३९७० **मधुपर्क** । श्री देवीरत्न अवस्थी 'करील' । ब्रजभाषा के ललित पद्यों में कृष्णचरित वर्णन के माध्यम से यह काव्य जनतन्त्र की सभी व्याख्या प्रस्तुत करता है तथा भारतीयों के मत में देशप्रेम एवं वीर-भावों को उद्बुद्ध करने में पूर्ण समर्थ है । यह अभिनव ललित काव्य बड़े कौशल से रचा गया है । यन्त्रस्थ

३९७१ **मध्यकालीन भारतीय संस्कृति** । डा० गौरीशंकर हीराचन्द ओझा ३—००

*३९७२ **मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद** । डॉ० कपिलदेव पाण्डेय वैदिक साहित्य से लेकर उत्तर-मध्यकालीन साहित्य तक के अवतार-वादी रूपों और प्रवृत्तियों का विशद विवेचन ३०—००

३९७३ **मध्यकालीन हिन्दी साहित्य पर बौद्धधर्म का प्रभाव।** डॉ० सरला त्रिगुणायत १३—५०
३९७४ **मध्यदेश।** डा० धीरेन्द्र वर्मा ७—००
३९७५ **मध्यप्रदेश की हिन्दी साहित्य को देन।** डॉ० मोतीलाल गुप्त ७—००
३९७६ **मध्यप्रदेश के पुरातत्त्व की रूपरेखा।** एम० जी० दीक्षित ६—००
३९७७ **मध्ययुगीन भारतीय संस्कृति (एक झलक)** डा० युसुफ हुसैन ५—००
*३९७८ मराठी का भक्ति-साहित्य। प्रो० भी० गो० देशपाण्डे। मराठी भक्ति-साहित्य के काव्य रूपों के मूल स्रोत और विकास का हिन्दी में अत्यन्त प्रामाणिक एवं सटीक विवेचन ८—००, १०—००
३९७९ **मराठी ग्रन्थ सूची** (१८००-१९३७) ६०—००
३९८० **मराठों का उत्कर्ष।** महादेव गोविन्द रानाडे। अनु०-रमेश तिवारी १२—००
३९८१ **महर्षि दयानन्द की पद-प्रयोग शैली।** १—५०
३९८२ **महाकवि अश्वघोष और उनका काव्य।** डॉ० हरिदत्त शास्त्री ४—७५
*३९८३ महाकवि कालिदास। आचार्य रमाशंकर तिवारी। कालिदास के देश-काल तथा उनकी सौन्दर्य-भावना, प्रेम-भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों का १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचन ८—००
३९८४ **महाकवि कालिदास और उनका अभिज्ञानशाकुन्तल।** कृष्णकान्त त्रिपाठी २—७५
३९८५ **महाकवि कालिदास-काल।** दत्तात्रेय वेंकटेश केतकर। मराठी ५—००
३९८६ **महाकवि बाण।** केदारनाथ शर्मा ०—२४
*३९८७ महाकविभवभूति। डॉ० गङ्गासागर राय।
इस ग्रंथ में महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व तथा कृतियों का अनूठा, साङ्गोपाङ्ग विवेचन तथा उनकी रससिद्ध वाणी का यथार्थ मूल्याङ्कन प्रस्तुत किया गया है। अनुसन्धान पूर्ण परिशिष्ट बड़े श्रम से संकलित किए गए हैं। अनुसन्धानकर्त्ताओं तथा उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये अत्युपयोगी ग्रंथ है। ५—००
३९८८ **महाकवि भवभूति और उनका उत्तररामचरित।** कृष्णकान्त त्रिपाठी २—७५
*३९८९ महाकवि भास : एक अध्ययन। आचार्य बलदेव उपाध्याय। इसमें भास के नाटकों का परिचय, समीक्षण, तत्कालीन देश-काल की स्थिति, भास के समय आदि का प्रामाणिक तथा सांगोपांग विवेचन किया गया है। ४—००
३९९० **महाकवि माघ उनका जीवन तथा कृतियाँ।** डॉ० मनमोहनलाल जगन्नाथ शर्मा २०—००
*३९९१ महाकवि शूद्रक। आचार्य रमाशंकर तिवारी।
प्रस्तुत पुस्तक में समाविष्ट ऐतिहासिक पर्यालोचन का अपना विशिष्ट महत्व है इसमें संस्कृत साहित्य की इस विशिष्ट यथार्थवादी नाट्यकृति का प्रौढ़ एवं प्राञ्जल विवेचन प्रस्तुत किया गया है। उपपादन की शैली नितांत तर्कपूर्ण एवं व्यवस्थित है तथा शूद्रक सम्बन्धी अनेक कल्पनाओं एवं मान्यताओं का अत्यन्त सुंदर तथा संतुलित विवेचन यहाँ उपलब्ध है। 'महाकवि कालिदास' का ही रूपान्तरित आस्वाद आप 'महाकवि शूद्रक' में प्राप्त करेंगे। अवश्य संग्रहणीय ग्रन्थ है। १२—५०

*३९९२ **महाकवियों की अमर रचनायें।** श्रीचक्रधर शर्मा। हिन्दी में संस्कृत के विख्यात महाकवियों के जीवनवृत्त तथा उनकी उत्कृष्ट रचनाओं का संक्षिप्त कथानक २—००

३९९३ **महामना श्री पण्डित मदनमोहनजी मालवीय के लेख और भाषण।** भाग प्रथम—धार्मिक। संकलनकर्त्ता वासुदेवशरण अग्रवाल। अजिल्द ४—०० सजिल्द ५—००

३९९४ **महावस्तुपालनुं साहित्यमंडल तथा संस्कृत साहित्य मां तेनो कालो।** डा० भोगीलाल जे० सांदेसरा (गुजराती इतिहास) ७—००

*३९९५ MYTHOLOGY OF THE ARYAN NATIONS : By Sir George W. Cox. (Chow. Sans. Studies. Vol XXVII) 30–00

*३९९६ **मानसोल्लास (सोमेश्वरकृत) : एक सांस्कृतिक अध्ययन।** डॉ० शिवशेखर मिश्र २५—००

*३९९७ MITHILA IN THE AGE OF VIDYAPATI (C. 1330–1525 A. D. A Study in Cultural History) : By Prof. Radha Krishna Choudhary. In the Press

३९९८ **मेघदूत में रामगिरि अर्थात् रामटेक।** वा० वि० मिराशी (हिन्दी) ३—००

३९९९ **यूरोप और वहाँ के संग्रहालय।** डॉ० सतीशचन्द्र काला
यूरोप के संग्रहालयों का विविध दृष्टिकोणों से प्रामाणिक एवं हृदयग्राही वर्णन तथा भारत से यूरोप ले जाई गई दुष्प्राप्य वस्तुओं का विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है। आर्ट पेपर पर छपे लगभग ५० दुष्प्राप्य चित्र भी दिए गये हैं। ५—००

४००० **राजस्थान में संस्कृत साहित्य की खोज के विषय में एक विशिष्ट विवरणी।** श्रीधर रामकृष्ण भाण्डारकर ३—००

४००१ **रामभक्ति में रसिक संप्रदाय।** डा० भगवतीप्रसाद सिंह १५—००

४००२ **रामभक्ति साहित्य में मधुर उपासना।** भुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव' १०—२५

४००३ **रामायणकालीन संस्कृति।** शान्तिकुमार नानूराम व्यास ६—००

४००४ **रामायणकालीन समाज।** शान्तिकुमार नानूराम व्यास ६—००

४००५ **राष्ट्रकवि कालिदास।** सीताराम सहगल ७—५० १०—००

४००६ **राष्ट्रीय ग्रन्थ सूची।** संस्कृत विभाग १९५८–१९६२ २५—००

*४००७ **लौकिक संस्कृत साहित्य। (Classical Sanskrit Literature by A. B. Keith का हिन्दी अनुवाद)**
अनुवादक–श्री चारुचन्द्र शास्त्री एम. ए.
संस्कृत बी० ए० परीक्षा में कीथ की यह कृति अनेकत्र निर्धारित है। अनुवाद में पदे-पदे मूल के उद्धरण देकर इसे सर्वथा छात्रोपयोगी बनाया गया है। ७—५०

*४००८ **लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।** मूल लेखक; डा० गौरीनाथ शास्त्री, उपकुलपति : वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय।
अंग्रेजी संस्करण अपनी संक्षिप्त सीमा में लौकिक संस्कृत साहित्य के एक अत्यन्त व्यापक तथा यथातथ्य विवेचन के कारण विद्यार्थियों में अत्यन्त लोकप्रिय रहा है। हिन्दीभाषी विद्यार्थियों को सुलभ बनाने के उद्देश्य से ही इसका हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत किया जा रहा है। ९—००

४००९ **वर्णव्यवस्था का संक्षिप्त इतिहास।** वासुदेव गुप्त १—५०

४०१० **वाकाटक नृपति आणि त्यांचा काल।** वासुदेव विष्णु मिराशी (मराठी) ५—००

४०११ **वाकाटक राजवंश का इतिहास तथा अभिलेख।** डा० वासुदेव विष्णु मिराशा। अनुवादक-डा० अजयमित्र शास्त्री १०—००

४०१२ **वाग्व्यापार** (गुजराती) ८—५०

४०१३ **वाङ्मय त्रिवेणी।** डॉ० रामचन्द्र चिन्तामणि श्रीखंडे (मराठी) ३—००

४०१४ **वाचस्पति विशेषांक।** सं० रुद्रधर झा ७—५०

४०१५ **वाल्मीकि रामायण एवं रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन।** डॉ० विद्या मिश्र १६—००

*४०१६ **विक्रमादित्य।** [संवत्-प्रवर्तक] **डॉ० राजबली पाण्डेय।** सम्राट् विक्रमादित्य को ऐतिहासिक सिद्ध करनेवाला शोधपूर्ण ग्रन्थ १०—००

४०१७ **विद्यापति-गीत-संग्रह।** डा० सुभद्रझा सम्पादित १०—००

४०१८ **विद्याभूषण-ग्रन्थ-संग्रह-सूची।** सं० गोपालनारायण बहुरा-लक्ष्मीनारायण गोस्वामी दीक्षित ६—२५

*४०१९ **विद्वद्विभूति।** संस्कृत के चुने हुए उच्चकोटि के भारतीय तथा विदेशी विद्वानों का जीवनचरित १—२५

*४०२० **विविधार्थ।** भारतरत्न, डॉ० भगवानदास (द्वितीय संस्करण)
डॉ० साहब ने अपने जीवन काल में ही १२ लेखों का संग्रह 'विविधार्थ' नाम से प्रकाशित कर दिया था। इन लेखों में 'बुद्धि प्रबल वा शास्त्र' लेख लगभग १०० पृष्ठों में, 'भगवद्गीता का आशय और उद्देश्य' १२५ पृष्ठों में, एवं संस्कृति सम्मेलन का अभिभाषण भी १०० पृष्ठों में समाप्त हुआ है। इनमें स्वतन्त्र ग्रन्थों जैसी प्रामाणिकता और गम्भीर विवेचनात्मक शैली है। ६—००

४०२१ **विबुध रत्नावली।** छज्जूराम शास्त्री ३—५०

४०२२ **विश्वम्भरा** (हिन्दी विश्वभारती त्रैमासिक पत्रिका) सम्पादक-विद्याधर शास्त्री। प्रथम वर्ष अंक १-४ ८—००

*४०२३ VISNU DHVAJA or QUTB MANAR by Dr. D. S. Triveda (Chow. Sans. Studies Vol. XXIV) 5—00

*४०२४ **विष्णुपुराण का भारत।** डॉ० सर्वानन्द पाठक
प्रस्तुत ग्रन्थ में विष्णुपुराण के आधार पर भौगोलिक आधार, समाजव्यवस्था, राजनैतिक संस्थान, शिक्षा-साहित्य, संग्रामनीति, आर्थिकदशा, धर्म आदि विषयों पर प्रामाणिक रूप से तत्कालीन भारत की जीवन्त झाँकी प्रस्तुत की गई है। ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से इसका प्रमुख महत्त्व है। २०—००

*४०२५ WOMEN IN ANCIENT INDIA by M. E. R. Martin (Chow. Sans. Studies Vol. XLIV) 20-00

*४०२६ **वेदकालीन समाज** । डॉ० शिवदत्त ज्ञानी ।
भारत में वैदिक संस्कृति का भी एक समय था । प्रस्तुत ग्रन्थ में उस काल की भौगोलिक स्थिति, समाज में पारिवारिक जीवन, स्त्रीशिक्षा, वर्णव्यवस्था, राजनैतिक तथा आर्थिक विकास, धर्म, दर्शन, साहित्य, कला, विज्ञान, मनोरंजन आदि से संबन्धित विस्तृत विवेचन प्रवाहपूर्ण प्राञ्जल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। प्रमाणार्थ वैदिक मंत्र तथा प्रसंग टिप्पणी में संकेतित हैं । २५—००

४०२७ **वैदिक इतिहासविमर्श** । वैद्यनाथ शास्त्री ८—००

४०२८ **वैदिक-भाषानुशीलन** । गङ्गाधर मिश्र ४—००

*४०२९ **वैदिक युग के भारतीय आभूषण** । डॉ० राय गोविन्दचन्द ।
वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे, आदि का प्रामाणिक तथा सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत १५—००

*४०३० **वैदिक योगसूत्र** । श्री हरिशंकर जोशी ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद्-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त उस प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है जिसे जाने बिना हम अपनी संस्कृति, दर्शन और ज्ञान-सम्पत्ति का न तो उचित मूल्यांकन कर सकते, न उनके रहस्यों की अनुभूति ही पा सकते हैं । उपनिषद् युग के साथ लुप्त हुए उस योगदर्शन का इस ग्रन्थरूप में पुनरभ्युदय आपको चकित कर देगा । सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं। अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं । वेदों का मुख्य प्रतिपाद्य योगदर्शन ही है यह प्रमाणित करने के लिए वेदों के अतिप्रसिद्ध पुरुषसूक्त और अस्यवामीय सूक्त सुविशद व्याख्यासहित दिए गए हैं । प्रवाहपूर्ण प्राञ्जल भाषा-शैली में लिखे इस शोधपूर्ण ग्रन्थ का पारायण वेदों, प्राचीन ऋषियों तथा स्वात्मस्थ ज्ञानभण्डार के निकट पहूँचाकर आपको अवश्य चमत्कृत कर देगा । अविलम्ब क्रय करने योग्य उत्तम ग्रन्थ है । २०—००

४०३१ **वैदिक संस्कृति का विकास** । लक्ष्मणशास्त्री जोशी । डॉ० मोरेश्वर दिनकर पराड़कर अनुवादित ५—००

४०३२ **वैदिक संस्कृति के तत्त्व** । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ३—००

४०३३ **वैदिक साहित्य और संस्कृति** । पं० बलदेव उपाध्याय १५—००

४०३४ **वैदिक साहित्य और संस्कृति** । आचार्य भास्करानंद लोहनी ३—००

*४०३५ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा** । प्रो० हंसराज अग्रवाल ।
कई विश्वविद्यालयों में वैदिक साहित्य की रूपरेखा पाठ्यक्रम में नियत है । इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक की प्रत्येक महत्त्वपूर्ण अङ्ग की जानकारी पाठक को संक्षेप से करा दी गई है । २—००

४०३६ **वैदिकसाहित्यचरित्रम्** (संस्कृत) के० एल० व्यास रामशास्त्री

*४०३७ VRATYAS IN ANCIENT INDIA : By Prof. Ra[m] Krishna Choudhary (Chow. Sans. Studies, V[ol.] XXXVIII) 1[5]—00

४०३८ **शंकराचार्य, उनके मायावाद तथा अन्य सिद्धान्तों का आलोचनात्मक अध्ययन** । डा० राममूर्ति शर्मा १२—५०

४०३९ **शङ्कराचार्य का आचार-दर्शन** । डॉ० रामानन्द तिवारी शास्त्री ५—००

४०४० **शैवमत** । डॉ यदुवंशी ८—००

*४०४१ SRI AUROBINDO AND THE THEORIES OF EVOLUTION (A Critical and Comparative Study) by Dr. Rama Shankar Srivastava. In the Press

*४०४२ **शृङ्गार रस का शास्त्रीय विवेचन** । डा० इन्द्रपाल सिंह
आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र से आरम्भ कर भानुदत्त की रसमञ्जरी अर्थात् ई० पू० ४०० से लेकर १४ वीं सदी तक के संस्कृत के प्रसिद्ध एवं सुलभ काव्य-शास्त्रीय ग्रन्थों से शृङ्गार रस से सम्बद्ध अंशों का आकलन करते हुए काम और शृङ्गार के व्युत्पत्तिपरक अर्थ के अनन्तर उनकी सर्वव्यापकता और अन्योन्याश्रयता का अनूठा विवेचन इस ग्रन्थ की प्रमुख विशेषता है । १०—००

४०४३ **श्री शङ्कराचार्य** । पं० बलदेव उपाध्याय १०—००

४०४४ **संस्कृत आलोचना** । पं० बलदेव उपाध्याय ५—५०

४०४५ SANSKRIT AND PRAKRIT MAHAKAVYAS by Dr. Ram Ji Upadhyay 10—00

४०४६ **संस्कृत और संस्कृति** । डॉ० राजेन्द्रप्रसाद ४—००

४०४७ **संस्कृतकविजीवितम्** । (Lives of Sanskrit Poets) सह्याद्रि-सूर्यनारायण शास्त्री विरचित । प्रथम भाग ३—५०

*४०४८ **संस्कृत-कवि दर्शन** । डा० भोलाशङ्कर व्यास । संस्कृत के महान् चुने हुए २० कवियों पर गवेषणापूर्ण आलोचनात्मक निबन्ध ग्रन्थ ६—००

४०४९ **संस्कृत कविता में रोमाण्टिक प्रवृत्ति** । डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा १०—००

४०५० **संस्कृत कवियों की अनोखी सूझ** । जनार्दन भट्ट ४—००

४०५१ **संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन** । डॉ० भोलाशंकर व्यास ५—००

४०५२ **संस्कृत काव्यकार** । डॉ० हरिदत्त शास्त्री १०—००

४०५३ **संस्कृत काव्यधारा** । राहुल सांकृत्यायन १५—००

४०५४ **संस्कृत काव्य में शकुन** । डॉ० दीपचन्द्र शर्मा १२—५०

४०५५ **संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास** । पी० वी० काणे । अनुवादक—डॉ० इन्द्रचन्द्र शास्त्री १५—००

४०५६ **संस्कृत के महाकवि और काव्य** । डा० रामजी उपाध्याय, डा० रामगोपाल मिश्र ८—००

*४०५७ **संस्कृत के विद्वान् और पंडित** । रामचन्द्र मालवीय
संस्कृत वाङ्मय की उपासना में जीवन व्यतीत करनेवाले, भारतीय गौरव के आधार-स्तम्भ २४ महामनीषियों का प्रेरणाप्रद चरित इस पुस्तक में वर्णित है। इनमें पश्चिम के उन महनीय पुरुषों का भी चरित है जिनकी साधना भारतीय वैदिक ज्ञान की समृद्धि में सहायक रही है। कल के भारत के लिये आज के विद्यार्थी को वस्तुतः ऐसी ही पुस्तकों की नितान्त आवश्यकता है। १—७५

४०५८ **संस्कृत के सन्देश काव्य** । मेघदूत और उसकी परम्परा का एक अध्ययन । डॉ० रामकुमार आचार्य २०—००

४०५९ **संस्कृत गीतिकाव्य का विकास** । डॉ० परमानन्द शास्त्री १८—००

४०६० **संस्कृत ग्रन्थ सूची** । (त्रिवेन्द्रम् संस्कृत सीरिज) । १-२ भाग २८—००

४०६१ **संस्कृत नाटक** । ए० बी० कीथ । अनुवादक--डॉ० उदयभानु सिंह १४—००

४०६२ **संस्कृत नाटककार** । कान्तिकिशोर भरतिया ४—००

४०६३ **संस्कृत नाटक समीक्षा** । इन्द्रपाल सिंह 'इन्द्र' ४—००

४०६४ **संस्कृत नाटकों में प्राकृतभाषिणी स्त्रियाँ** । प्र० गा० जोध १—००

४०६५ **संस्कृत पठनपाठन की अनुभूत सरलतम विधि** । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु १—५०

*४०६६ **संस्कृत भाषा** । मूल लेखक—टी० बरो । रूपान्तरकार—डॉ० भोलाशंकर व्यास । इस ग्रन्थ में अद्यतन गवेषणाओं को आत्मसात् करते हुए प्राचीनभारत-योरोपीय भाषा, संस्कृत तथा तत्संबद्ध भाषाओं का आधिकारिक तुलनात्मक अनुशीलन प्रस्तुत किया गया है। ३०—००

*४०६७ **संस्कृत-भाषा-विज्ञानम्** । आचार्य रामाधीन चतुर्वेदी
संस्कृत भाषा में लिखा यह अपने विषय का सर्वप्रथम सफल ग्रन्थ है। इसमें वेदों से लेकर आज तक के इस सम्बन्ध के जितने भी विषय हैं, सब पर सुचिन्तित प्रौढ़ सामग्री प्रस्तुत की गई है। ६—००

४०६८ **संस्कृत महाकवियों के सम्बन्ध में प्रचलित लोकोक्तियाँ: एक विश्लेषण** । आचार्य रामचन्द्र झा १—५०

४०६९ **संस्कृत वाङ्मय** । पं० बलदेव उपाध्याय १—७५

४०७० **संस्कृत वाङ्मय का संक्षिप्त परिचय** । जगदेव सिंह शास्त्री ०—५०

*४०७१ **संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः** । वेद से लेकर २० वीं सदी तक के संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का उद्गम, काल, इतिहास, रचयिताओं के संक्षिप्त इतिवृत्त इस ग्रन्थ में दिये गये हैं। संस्कृत साहित्य में इस ढंग का यह श्रेष्ठ ग्रन्थ है १—५०

४०७२ **संस्कृत शब्दशास्त्र का मूल्य वाक्य** । शैलेन्द्रनाथ (बंगाक्षर) ५—००

४०७३ **संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास** । डा० सत्यनारायण पांडेय ८—००

४०७४ **संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास** । डॉ. रामजी उपाध्याय ८—००

*४०७५ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । आर्थर मैक्डॉनल । अनुवादक—श्रीचारुचन्द्र शास्त्री । मैक्डॉनल कृत 'हिस्ट्री आफ संस्कृत लिटरेचर' का सरस प्रामाणिक हिन्दी अनुवाद। प्रथम भाग ७—५०
द्वितीय भाग यन्त्रस्थ

*४०७६ **संस्कृत साहित्य का इतिहास। (बृहद् संस्करण)** श्रीवाचस्पति शास्त्री गैरोला। आर्यों के आदिदेश एवं आर्य-भाषाओं के उद्भव से लेकर उन्नीसवीं सदी तक की सहस्राब्दियों में संस्कृत-साहित्य की जिन विभिन्न विचार-वीथियों का निर्माण हुआ और भारत के प्राचीन राजवंशों के प्रश्रय से संस्कृत भाषा को जो गति मिली उसका भी समावेश इस विशाल ग्रंथ में देखने को मिलेगा २०—००

*४०७७ **संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।** श्रीवाचस्पति शास्त्री गैरोला। सभी विश्वविद्यालयों के शास्त्री, बी० ए० तथा एम० ए० परीक्षाओं में स्वीकृत संस्कृत साहित्य के इतिहास का सार गर्भित परीक्षोपयोगी संक्षिप्त संस्करण १३—००

*४०७८ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** (वैदिक साहित्य की रूपरेखा सहित)। श्री हंसराज अग्रवाल। बी० ए० के छात्रों की आवश्यकता पूर्ण करने वाला और संस्कृत साहित्य के अध्ययन में उनकी सहायता करनेवाला अनुपम ग्रंथ। संशोधित परिवर्द्धित संस्करण ७—५०

४०७९ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** पं० बलदेव उपाध्याय १५—००

४०८० **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** सेठ कन्हैयालाल पोद्दार ५—००

४०८१ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** वी० वरदाचार्य। अनुवादक—डा० कपिलदेव द्विवेदी। सजिल्द संस्करण ५—००

४०८२ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** ए० बी० कीथ। अनुवादक: डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री २५—००

४०८३ **संस्कृत साहित्य का इतिहास।** (प्रश्नोत्तरमें) डॉ० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना ४—००

*४०८४ **संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास।** कृष्ण चैतन्य। अनुवादक, डॉ० विनयकुमार राय। प्रस्तुत ग्रन्थ कृष्ण चैतन्य के मूलग्रन्थ 'A New History of Sanskrit Literature' का हिन्दी अनुवाद है, लेखक ने इसमें आरम्भिकतम सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आरम्भ करते हुए वैदिक साहित्य से लेकर अब तक के संस्कृत साहित्य की समीक्षा की है। २०—००

४०८५ **संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास।** प्रो० रामबिहारी लाल २—५०

*४०८६ **संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्गम एवं विकास।** डॉ० प्रभाकर नारायण कवठेकर। पञ्चतन्त्र के पूर्व भारतीय नीतिकथा का उद्गम किन परिस्थितियों में हुआ, उसका वेदकालीन रूप क्या रहा होगा, जातक में लोककथा का आदान, उसके प्रसार के कारण विदेशों में उसका निर्गमन तथा महाभारत में नीतिकथा का राजनीतिक प्रज्ञा के निदर्शन के लिए प्रयोग आदि तथ्यों की गवेषणा इस प्रबन्ध की मुख्य विशेषता है। परिशिष्टों में सम्पूर्ण विश्व के नीति-कथा-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। यन्त्रस्थ

४०८७ **संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास** । एस० के० गुप्त ४—५०

४०८८ **संस्कृत साहित्य की रूपरेखा** । चन्द्रशेखर पाण्डेय ६—२५

४०८९ **संस्कृत साहित्य प्रवेश** । गौरी शंकर ०—५०

*४०९० **संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुहरण** ।
डॉ० उमेशप्रसाद रस्तोगी । प्रस्तुत प्रबन्ध में 'मौलिकता और अनुहरण' की दृष्टि से संस्कृत साहित्य के विशिष्ट स्थलों का अध्ययन करते हुए संस्कृत काव्य-पाठकों के सम्मुख मौलिकता और अनुहरण विषयक नई वस्तु प्रस्तुत की गई है । भाषा-शैली आदि सभी विषयानुरूप हैं । ८—००

४०९१ **संस्कृत साहित्य में सादृश्यमूलक अलंकारों का विकास** ।
डा० ब्रह्मानन्द शर्मा १२—००

४०९२ **संस्कृतसाहित्यविमर्शः** । द्विजेन्द्रनाथ शास्त्री १६—००

*४०९३ **संस्कृतसाहित्येतिहासः** (संस्कृत) आचार्य रामचन्द्र मिश्र
इसमें वेद-वेदांग आदि से लेकर यथाक्रम काव्यकला तथा वैशिष्ट्य विवेचना आदि विषय हैं । अतिविस्तृत विषय को संक्षिप्त करना साधारण छात्रों के लिये कष्टकर होता है अतः संक्षेप में ही विषय का यथार्थ ज्ञान कराया गया है ४—००

४०९४ **संस्कृतसाहित्येतिहासः** (संस्कृत) हंसराज अग्रवाल । १-२ भाग १५—००

४०९५ **संस्कृत साहित्ये हास्य रस** । डॉ० के० कांजीलाल १५—००

*४०९६ **संस्कृत सुकवि समीक्षा** । आचार्य बलदेव उपाध्याय
इसमें वाल्मीकि एवं व्यासादि से आरम्भ कर आज तक के संस्कृत के प्रायः सभी महाकवियों एवं कवयित्रियों के जीवनवृत्त एवं उनकी रचनाओं का व्यापक दृष्टिकोण से समीक्षण प्रस्तुत किया गया है। विस्तृत परिशिष्ट में संस्कृत की चमत्कारपूर्ण मार्मिक सदुक्तियों का संकलन भी संलग्न है । शैली एवं कौशल भी उत्तम हैं । छात्रों के लिये अतिशय उपकारक है । अभिनव ग्रन्थ २०—००

४०९७ DR. SATIKARI MUKHERJI FELICITAION VOLUME. In the Press

४०९८ **सत्यशोधनम्** । (गांधी जी की आत्मकथा का सुललित एवं सरल संस्कृत में अनुवाद) अनुवादक—पं० होसकेरे नागप्प शास्त्री २५—००

*४०९९ **सब धर्मों की बुनियादी एकता** । डॉ० भगवानदास । इस ग्रन्थ में संसार भर के धार्मिक मज़हबों और उनके श्रेष्ठ धर्मग्रंथों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों-मज़हबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है १२—००

४१०० **समदर्शी आचार्य हरिभद्र** । व्याख्याता सुखलाल संघवी । अनुवादक—शान्तिलाल म० जैन ३—००

४१०१ **समन्वय** । डॉ० भगवानदास । परिवर्धित संस्कारण ५—००

४१०२ **सामान्य भाषाविज्ञान** । डॉ० बाबूराम सक्सेना। ७—००

४१०३ **सारस्वतालोक** : (महाकवि भारवि परिचयात्मकः) १—२५

*४१०४ **सावित्री-सत्यवान्** । पं० राजनारायण शुक्ल । भावुकतापूर्ण औपन्यासिक कथा-सृष्टिपूर्वक सावित्र्युपाख्यान का परमोपादेय ग्रन्थ २—००

*४१०५ **साहित्य और सिद्धान्त** । प्रो० श्यामलाकान्त वर्मा। हिन्दी साहित्य एवं काव्यशास्त्र के सम्पूर्ण ज्ञातव्य विषयों का सारसङ्कलन स्वरूप यह ग्रन्थ छात्रों, अध्यापकों तथा अनुसन्धित्सुओं के लिए परम उपयोगी है। ३—००

४१०६ **म० म० पं० सुधाकर द्विवेदी का जीवन एवं कृतियाँ** । केदारदत्त जोशी ३—००

*४१०७ **साहित्य-शास्त्र-सार** । श्री हंसराज अग्रवाल तथा श्री श्रुतिकान्त जी । संस्कृत के लक्षण-ग्रन्थों की तरह अत्यन्त व्यवस्थित तथा संक्षेप में साहित्य के सभी अंगों की हिन्दी में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह प्रथम ग्रन्थ है। इसकी शैली बड़ी सुबोध है और विषय के वर्गीकरण में बड़े कौशल से काम लिया गया है। पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी एतद्विषयक उत्तम विचारों से पूर्ण है। ४—५०

*४१०८ **सोमेश्वरकृत-मानसोल्लास : एक सांस्कृतिक-अध्ययन** । डा० शिवशेखर मिश्र । चालुक्य कुलोत्पन्न महाराजसोमेश्वर विरचित धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ मानसोल्लास केपरिशीलन माध्यम से तत्कालीन संस्कृति एवं रीतिनीति का सुस्पष्टपरिचायक ग्रन्थ । २५—००

*४१०९ THE STUDY OF INDIAN ART by K. De B Codnington. In the Press

*४११० A STUDY OF HINDU ART AND ARCHITECTURE WITH ESPECIAL REFERENCE TO TERMINOLOGY : By Dr. Lalit Kumar Shukla. In the Press

*४१११ STUDIES IN JAINISM AND BUDDHISM IN MITHILA By Dr. Upendra Thakur (Chow. Sans. Studies Vol. XLIII) 15–00

*४११२ STUDIES IN THE DEVELOPMENT OF ORNAMENTS AND JEWELLERY IN PROTOHISTORIC INDIA : By Dr. Rai Govind Chand. (Chow. Sans. Studies Vol. XLI) 75–00

*४११३ **स्मृति के हस्ताक्षर** । देवदत्त शास्त्री
यह पुस्तक अतिशय रोचक एवं प्रेरक संस्मरणों का संकलन है। रोमांचकारी यात्राएँ तथा व्यक्तिगत जीवन में घटी मधुराम्ल-लवण-कटु-कषाय-तिक्त घटनाएँ नये शिल्प एवं निखरे सौष्ठव के साथ पाठक को प्रेरणा तथा स्फूर्ति देने के लिये सभी इसमें संगृहीत हैं। ५—००

*४११४ **स्मृतियाँ और कृतियाँ।** श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी।
हिन्दी साहित्य के सुपरिचित सिद्ध लेखक श्री द्विवेदी की प्रस्तुत पुस्तक में १० निबन्ध संस्मरणात्मक हैं तथा १५ समीक्षात्मक। लेखक की सरलता तथा सूक्ष्म दृष्टि पुस्तक के पृष्ठों में सुस्पष्ट झलकती है। प्रत्येक हिन्दी पढ़ने-जानने वाले व्यक्ति के लिये इस पुस्तक का अवलोकन निश्चित ही उपयोगी होगा। ४—००

*४११५ **स्वतन्त्र-कलाशास्त्र।** डॉ० श्री कान्तिचन्द्र पाण्डेय।
प्रथम भाग—भारतीय। व्यापक दृष्टि रखकर कला शब्द पर कितना विशद अध्ययन प्रस्तुत किया जा सकता है यह इस एक ही ग्रन्थ को देखकर समझा जा सकता है। भारतीय मनीषी का प्रौढ़ पाण्डित्य और बहुज्ञत्व इस ग्रन्थ के एक-एक शब्द से परिलक्षित होता है। कला को विचारों की कसौटी में कस देने पर जो ज्ञान की चिनगारियाँ प्रस्फुटित हुई हैं उन्हीं का संकलन ग्रन्थ के रूप में आपके हाथों में है। यह सचमुच अपने विषय का पूरा शास्त्र ही है। ३५—००

*४११६ **हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ।** श्री व्यथित हृदय।
सर्वत्र उच्च कक्षाओं में पाठ्यस्वीकृत हिन्दी के कवियों एवं कविताओं का प्रामाणिक आलोचनात्मक ग्रन्थ ३—५०

४११७ **हरिभद्र के प्राकृत कथा-साहित्य का आलोचनात्मक परिशीलन।**
डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री १०—३०

४११८ **हर्षवर्द्धन।** गौरीशंकर चटर्जी ७—५०

४११९ **हस्तलिखित ग्रन्थसूची।** (राजस्थान) सं० गोपालनारायण बहुरा।
१-२ भाग १९—५०

४१२० **हस्तलेखसंग्रह-परितालिका।** (Catalogue of VVRI. Manuscripts Collection) विश्वबन्धु सम्पादित। १-२ भाग ८०—००

४१२१ **हस्तलेखसंस्कृतग्रन्थविवरणे न्यायशास्त्र विषयक प्रथम खण्डस्य**
प्रथमो भागः। विराजमोहन तर्कतीर्थ-जगदीशचन्द्र तर्कतीर्थ संपादित ७—५०

*४१२२ **हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्तकाव्य।** डॉ० प्रभाकर माचवे। दक्षिण और उत्तर के आरम्भिक भक्तिसाहित्य के साम्य और विभेद पर सामाजिक, ऐतिहासिक तथा साहित्य-शास्त्रविषयक मान्यताओं के परिपार्श्व में प्रामाणिक अध्ययन तथा १२वीं से १५वीं सदी के भारतीय वाङ्मय का एक रेखाचित्र १२—००

४१२३ **हिन्दी का भाषा-वैज्ञानिक अध्ययन।** ऋषि गोपाल ६—५०

*४१२४ **हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका**। डॉ० शम्भुनाथ सिंह।
आदि काल से लेकर अब तक के हिन्दी काव्य के इतिहास के समाजशास्त्रीय विवेचन, के साथ हिन्दी काव्य की युग-सापेक्षता का ज्ञान जितना इस पुस्तक से हो सकता है, उतना अब तक प्रकाशित अन्य किसी इतिहास-ग्रन्थ से नहीं हो सकता। इसमें हिन्दी साहित्य का प्रारम्भ आठवीं शताब्दी से माना गया है जो लेखक के गम्भीर शोधकार्य का परिणाम है। यह ग्रन्थ हिन्दी साहित्य के अन्वेषकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी है। ७—५०

*४१२५ **हिन्दी के पौराणिक नाटक**। डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री। भारतीय पुराणों का प्रभाव, भारतीय भाषाओं में पौराणिक नाटकों की परम्परा का इतिवृत्त और पौराणिक नाटकों का आलोचनात्मक इतिहास १०—००

४१२६ **हिन्दी के रीतिकालीन अलंकार ग्रन्थों पर संस्कृत का प्रभाव**। कुन्दनलाल जैन १६—००

४१२७ **हिन्दी में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों में अर्थ-परिवर्तन**। डॉ० केशवराम पाल २०—००

४१२८ **हिन्दी साहित्य का इतिहास**। रामचन्द्र शुक्ल १०—००

४१२९ **हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास**। रामकुमारवर्मा ४—००

*४१३० **हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ**। थि० गोल्डस्टूकर। अनुवादक : श्रीचारुचन्द्र शास्त्री। वैदिककाल में आर्यों की संस्कृति और सभ्यता तथा आचार-विचारों की समुन्नति और एतद्विषयक ग्रन्थों का हिन्दी में प्रामाणिक विवरण ४—००

४१३१ **हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता**। डा० बेनीप्रसाद १०—००

*४१३२ **हिन्दू संस्कार**। (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन)। डॉ० राजबली पाण्डेय (परिवर्द्धित परिष्कृत द्वितीय संस्करण)।
यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्त्वपूर्ण देन है। गर्भ में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है। हिन्दुओं की सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं के विविध अंगों के रहस्य इससे स्पष्ट हो जाते हैं। १६—००

४१३३ **हिन्दू संस्कृति में राष्ट्रवाद**। राधाकुमुद मुकर्जी ३—००

४१३४ **हिन्दू सभ्यता**। डा० राधाकुमुद मुकर्जी। अनु० वासुदेवशरण अग्रवाल ९—००

*४१३५ HISTORICAL AND LITERARY INSCRIPTIONS: By Dr. Rajbali Pandeya, M. A., D. Litt. (Chow. Sans. Studies. Vol. XXIII) 15—00

*४१३६ HISTORY OF ANCIENT SANSKRIT LITERATURE: By F. Max Muller. Third Edition (Chow. Sans. Studies Vol. XV) 25—00

*४१३७ HISTORY OF INDIAN LITERATURE by Albercht Weber. Translated from the Second German Edition by John Mann. M. A., and Theodor Zachariae Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. VIII) 25—00

*४१३८ HISTORY OF MUSLIM RULE IN TIRHUT (1200-1765) by Prof. Radhakrishna Chowdhary. In the Press.

४१३९ A HISTORY OF VEDIC LITERATURE by Sri Sambhu Nath Sharma. In the Press

*४१४० THE HUNAS IN INDIA: By Dr. Upendra Thakur. (Chow. Sans. Studies Vol LVIII) 25–00

*४१४१ **हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । (सचित्र)** अनु०—कस्तूरमल बाँठिया
युगपुरुष कहलाने के अधिकारी आचार्य हेमचन्द्र के जीवन के विषय में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह एक मात्र ग्रन्थ हिन्दी में सर्व प्रथम प्रकाशित हुआ है। इसके अतिरिक्त इस विषय में जर्मन और अँगरेजी प्रतियाँ ही कठिनता से देखने को मिल सकेंगी। मानव समाज, विशेषतः जैन समाज की आत्मा के कितने निकट रहकर, कितने प्रकार से उसकी सेवा करते हुए उसके हित में उन्होंने अपना जीवन अर्पित कर दिया यह ग्रन्थ पढ़कर ही अंशतः जाना जा सकता है। ऐसे सिद्ध महापुरुष के प्रति समुचित सम्मान प्रकट न करने का ऋण इसे पढ़कर भी दूर किया जाय तो उचित होगा। आज ही खरीदकर पढ़ने योग्य ग्रन्थ है। विविध परिशिष्टों तथा विचारपूर्ण भूमिका, शब्दानुक्रमणिका आदि से अलंकृत। [वि. रा. १११] ७—००

दृष्टान्त-ग्रन्थाः

४१४२ **दृष्टान्तदर्पण अर्थात् दृष्टान्त का सागर ।** रामलग्न पाण्डेय २—५०

४१४३ **दृष्टान्तदीपक ।** २—००

४१४४ **दृष्टान्तप्रकाश ।** १-२ भाग ५—००

४१४५ **दृष्टान्तमञ्जरी ।** २—००

४१४६ **दृष्टान्तमहासागर ।** २—५०

ज्योतिष-ग्रन्थाः

४१४७ **अंकविद्या ।** गोपेशकुमार ओझा ४—००

४१४८ **अंगविज्जा ।** पुव्वायरियविरइया [मणुस्सविविहचेट्ठाइणिरिक्खणदारेण । भविस्साइफलणाणविण्णाणरूवा] मुनिपुण्यविजय सम्पादित २१—००

४१४९ **अखण्ड त्रिकालज्ञ ज्योतिष** (सहायक भृगुसंहितापद्धति) अर्थात् ज्योतिषशास्त्र । भगवानदास मीतल ४—५०

४१५० **अखण्ड भाग्योदयदर्पण** (धनोपार्जन चमत्कार) भगवानदास मीतल ३—००

४१५१ **अध्यात्मज्योतिषविचार** (वेदान्त और योगशास्त्र का ज्योतिषशास्त्र में समन्वय) । ह. ने. काटवे. १०—००

४१५२ **अयनांशनिर्णयः ।** केतकर रचित २—००

४१५३ **अर्घमार्त्तण्ड ।** मुकुन्दवल्लभ मिश्र १२—००

४१५४ **अर्वाचीनज्योतिर्विज्ञानम्** । रमानाथ सहाय विरचित १३—००
*४१५५ **अहिबलचक्रम्** । सान्वय शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित ०—२५
४१५६ **आपका हाथ** । रेखाओं के फल, हाथों के विभिन्न प्रकार, विभिन्न घटनाओं के लिए आयु-गणना की विधियाँ तथा ५२ चित्रों से सुसज्जित ४—५०
४१५७ **आर्यभटीयम्** । व्याख्योपपत्ति-बलदेव मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित ८—००
४१५८ **आर्यभट्टीयम्** । नीलकण्ठ सोम सुत्वन प्रणीत भाष्य सहित । तृतीय भाग मात्र ३—२५
४१५९ **आर्यासप्ततिः** । भट्टोत्पलाचार्य विरचित । आशुबोधिनी व्याख्या सहित ०—५०
४१६० **आर्यासप्ततिः** । भट्टोत्पल प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ०—३१
४१६१ **आशुबोधज्यौतिष** । ०—३७
४१६२ **आश्चर्यसंहिता** । (भृगुसंहिता की कुञ्जी) मैकूलाल शुक्ल ४—००
४१६३ **उपपत्तीन्दुशेखरः** । (शिरोमणिपरिष्कार) १०—००
४१६४ **एक दिन में ज्योतिषी** । १-२ भाग २—००
४१६५ **करणकौस्तुभः** । कृष्णदैवज्ञ विरचित ०—७५
*४१६६ **करणप्रकाशः** । श्रीब्रह्मदेव विरचित ३—००
४१६७ **करणोत्तम्** । २—२५
४१६८ **करलक्खण** (सामुद्रिक शास्त्र) हिन्दी अनुवाद सहित ०—७५
४१६९ **कर्मविपाकः** । हिन्दी टीका सहित ४—००
४१७० **कादम्बिनी** । मधुसूदनशर्मा ओझा विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित ६—००
४१७१ **कुट्टाकारशिरोमणिः** । देवराजविरचित । महालक्ष्मीमुक्तावली व्याख्या सहित १—००
४१७२ **कुण्डलीदर्पण** । हिन्दी । अनूपमिश्र विरचित १—५०
४१७३ **केतकी-ग्रहगणितम्** । केतकर विरचित १५—००
४१७४ **केरलप्रश्नसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ०—५२
४१७५ **केरलीयप्रश्नरत्नम्** । हिन्दी टीका सहित १—२०
४१७६ **केवलज्ञानप्रश्नचूड़ामणिः** । हिन्दी टीका सहित ४—००
४१७७ **केशवीयजातकपद्धतिः** । सोदाहरण सोपपत्तिक हिन्दी टीका सहित २—८०
४१७८ **खण्डखाद्यक** । ब्रह्मगुप्ताचार्य प्रणीत । सटीक ३—१२
*४१७९ **खेटकौतुकम्** । भावबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—२५
४१८० **गणकतरंगिणी** । श्रीसुधाकर द्विवेदी कृत २—००
४१८१ **गणित का इतिहास** । डा० व्रजमोहन ९—५०
४१८२ **गणित का इतिहास** । सुधाकर द्विवेदी कृत ३—००
*४१८३ **गणितकौमुदी—संपूर्ण** (वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय तथा बिहार की नवीन प्रथमा परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत) यन्त्रस्थ
*४१८४ **गणितकौमुदी** । प्रथम भाग । समाप्त द्वितीय भाग १—५०
४१८५ **गणितकौमुदी** । नारायण पण्डित विरचित । १-२ भाग (संस्कृत) ४—१२
४१८६ **गणित चमत्कार** । रा० र० खाडिलकर ४—००
*४१८७ **गणितीयकोष** (गणितीय परिभाषा तथा गणितीय शब्दावली) [The Technical Language of Mathematics & Mathematical Terminology] डॉ० ब्रजमोहन एम० ए०, एल० एल० बी०, पी-एच० डी० ६—००

४१८८ **गणितसार-संग्रह** । महावीराचार्य विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित १२—००
४१८९ **गर्गमनोरमा** । सोदाहरण हिन्दी टीका सहित ०—२०
४१९० **गुरुविचार** । ह० ने० काटवे । अनुवादक विद्याधर जोहरापुरकर २—५०
४१९१ **गृहनिर्माणव्यवस्था** । हिन्दी टीका सहित ०—६४
४१९२ **गृहरत्नभूषण-नूतनवास्तु प्रबंध** । ०—८०
४१९३ **गोलदीपिका** । परमेश्वर रचित । आंग्लानुवाद सहित ५—००
*४१९४ गोलपरिभाषा । शङ्कुज्याक्षेत्रविचारसहिता । तत्त्वप्रकाशिका-विवृतिविभूषिता ०—५०
४१९५ **गोलप्रकाशः** । चन्द्रशेखरझा विरचित १—५२
४१९६ **गोलीय रेखागणित** । सटीक १—२५
४१९७ **गौरी जातक** । हिन्दी टीका सहित ०—३०
४१९८ **ग्रह और रत्न, ग्रह और रोग** । आर० एस० एस० । भाषा २—००
४१९९ **ग्रहगणित** । केतकर (मराठी) ८—००
४२०० **ग्रहगणित मीमांसा** । मुरारिलाल शर्मा विरचित ५—५०
*४२०१ ग्रहगोचरः । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित ०—२५
४२०२ **ग्रहचारनिबन्धः** । अंग्रेजी भूमिका युक्त १—२५
४२०३ **ग्रहणन्यायदीपिका** । परमेश्वरविरचिता । आंग्लानुवाद सहित ६—००
४२०४ **ग्रहणमण्डनम्** । परमेश्वरविरचितम् । आंग्लानुवाद सहित ५—००
४२०५ **ग्रहनक्षत्र** । त्रिवेणीप्रसाद सिंह विरचित ४—२५
४२०६ **ग्रहनक्षत्र** । डॉ० सम्पूर्णानन्द १५—२५
४२०७ **ग्रहफलदर्पण** । सीताराम झा । हिन्दी टीका सहित १—५०
*४२०८ ग्रहलाघवम् । विश्वनाथकृत प्राचीन सोदाहरण व्याख्या तथा नूतन उदाहरण उपपत्ति सहित 'माधुरी' नामक संस्कृत हिन्दी टीका विभूषित ३—५०
४२०९ **ग्रहलाघवकरणम्** । मल्लारि-विश्वनाथी-सुधाकरी व्याख्या सहित ६—००
४२१० **ग्रहलाघवसारणी** २—१०
४२११ **ग्रहसारणी-बुधसारणी** । हरिहर प्रा० भट्ट २—२५
४२१२ **ग्रहसारणी-शुक्रसारणी** । हरिहर प्रा० भट्ट २—२५
४२१३ **चन्द्रविचार** । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर २—००
४२१४ **चन्द्रसारणी** । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी २—५०
४२१५ **चन्द्रहस्तविज्ञान** । चन्द्रदत्त पंत २०—००
*४२१६ चमत्कारचिन्तामणिः । सान्वय-भावबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—७५
४२१७ **चमत्कार ज्यौतिष मूकगुप्त प्रश्नावली** । रतीराम शर्मा शास्त्री २—००
४२१८ **चमत्कार निर्णय** । (मराठी) ४—००
४२१९ **चलनकलन** । सुधाकर द्विवेदी कृत । १-६ अध्याय २—४८
*४२२० चलन कलन-प्रश्नोत्तर-विवरणम् । ज्योतिषाचार्य-श्री अच्युतानंद झा विरचित ०—७५
४२२१ **चलराशिकलन** । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित । द्वितीय भाग मात्र १—७५
*४२२२ चापीयत्रिकोणगणितम् । अच्युतानन्दझा कृत परीक्षोपयुक्त-विविध-वासना-समलंकृत समाप्त

४२२३ **जन्मकुण्डली के बेल बूटेदार पत्र ।** प्रतिपत्र ०—०६
*४२२४ **जन्मपत्रदीपकः ।** सोदाहरण सटिप्पण हिन्दी टीका सहित १—५०
४२२५ **जन्मपत्रव्यवस्था ।** हिन्दी टीका सहित १—२४
४२२६ **जन्मांग-नक्षत्र-दीपिका ।** प्र० भाग । श्री लक्ष्मीनारायणत्रिपाठी कृत १—५०
४२२७ **जयपायड निमित्तशास्त्र ।** पूर्वाचार्य विरचित । संस्कृत व्याख्या सहित ६—६०
४२२८ **जातककल्पतरु-ज्योतिषमार्गोपदेशिका ।** (गुजराती) ५—५०
४२२९ **जातकक्रोड ।** १—५०
४२३० **जातकचन्द्रिका ।** हिन्दी टीका सहित १—५०
४२३१ **जातकदीपक ।** प्रथम भाग । बालमुकुन्द त्रिपाठी १२—५०
४२३२ **जातकपद्धत्युदाहरणम् ।** कृष्णदैवज्ञ विरचित १०—००
*४२३३ जातकपारिजातः (सचित्रः) सोपपत्तिक-'सुधाशालिनी' 'विमला'संस्कृत-हिन्दीटीकाद्वयोपेतः । अभिनव द्वितीय सुलभ संस्करण १०—०० उत्तम संस्करण १२—००
४२३४ **जातकशिरोमणिः ।** हिन्दीटीका सहित ४—२०
४२३५ **जातकसारदीपः ।** नृसिंहदैवज्ञ विरचित । दुर्घटार्थ विवृति व्याख्यायुत १४—००
*४२३६ जातकाभरणम् । पं० श्री अच्युतानन्द झा ज्यौतिषाचार्य कृत सपरिशिष्ट विमला हिन्दी टीका सहित ४—००
*४२३७ जातकालंकार । दैवज्ञ श्री हरभानु कृत संस्कृत टीकायुत सान्वय 'भावबोधिनी' हिन्दी टीका सहित । परिष्कृत संस्करण १—००
४२३८ **जैमिनीयपद्यामृतम् ।** मूल कन्दली वृत्ति सहित १—५०
*४२३९ जैमिनीयसूत्रम् । पं० अच्युतानन्द झा ज्योतिषाचार्य कृत सोदाहरण-विमला-संस्कृतहिन्दीटीकाद्वयोपेत २—००
४२४० **ज्ञानचतुर्विंशी ।** नरचन्द्रोपाध्याय विरचिता १—५०
४२४१ **ज्योतिर्गणितम् ।** केतकर विरचित ३०—००
४२४२ **ज्योतिर्विज्ञानम् ।** धूलिपाल अर्क सोमयाजी विरचित ९—००
४२४३ **ज्योतिर्विज्ञान (ब्रह्माण्डपरिचय)** भास्करानन्द लोहनी १—५०
४२४४ **ज्योतिष और आधुनिक विचारधारा ।** ३—००
४२४५ **ज्योतिषकल्पद्रुम ।** हिन्दी ३—१२
४२४६ **ज्योतिषकल्पसार ।** सं० उपाध्याय । प्रथम भाग १—५०
४२४७ **ज्योतिष की पहुँच ।** फ्रेड हॉयल । अनुवादक-डॉ० गोरखप्रसाद १०—००
४२४८ **ज्योतिष गणित फलित ज्ञान ।** अजीतमल मेहता । हिन्दी ३—५०
४२४९ **ज्योतिषचन्द्रार्कः ।** संस्कृत टीका सहित ३—७४
४२५० **ज्यौतिषचन्द्रिका ।** पं० रेवतीरमण झा कृत हिन्दी टीका सहित २—७५
४२५१ **ज्योतिश्चन्द्रिका ।** गंगाप्रसाद कृत हिन्दी टीका सहित १—००
४२५२ **ज्योतिष जगत् ।** २—५०
४२५३ **ज्योतिषतत्त्वविवेकनिबन्धः ।** हिन्दी टीका सहित ३—००
४२५४ **ज्यौतिषदर्पणः ।** अबकहडाचक्र सहित सोदाहरण हिन्दी टीका सहित २—००
४२५५ **ज्योतिषदर्शन** (गुजराती) डा० चन्द्रशेखर गोपालजी ठक्कर ५—५०
४२५६ **ज्योतिष परिचय ।** चन्द्रशेखर गोपाल जी ठक्कर (गुजराती) ३—००

*४२५७ **ज्योतिषप्रबोध** । यात्राप्रकरणान्त भाग । पं० गणेशदत्त पाठक कृत ०—४०
*४२५८ **ज्योतिष-प्रश्नफल-गणना** । (ज्योतिश्चक्रम्-राशिचक्रम्) 'विमला' हिन्दी व्याख्योपेत । श्री दयाशंकर उपाध्याय १—००
४२५९ **ज्योतिष फल ज्ञानप्रवेश** । अजीतमल मेहता ३—२५
४२६० **ज्योतिषरत्नमाला** । श्रीपति भट्ट कृत । मराठी टीका सहित १२—००
४२६१ **ज्योतिषरत्नाकर** । देवकीनन्दन सिंह कृत । प्रथम भाग १२—००
४२६२ **ज्योतिषविज्ञान** । विशुद्धानन्द गौड़ ६—००
४२६३ **ज्योतिषविज्ञान** । (गुजराती) डा० चन्द्रशेखर गोपालजी ठक्कर २—००
४२६४ **ज्योतिषवेदाङ्गम्** । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित २—५०
४२६५ **ज्योतिष शब्दकोश** । मुकुन्द ग्रन्थनामाद्यावली सहित । मुकुन्द दैवज्ञ बड़थ्वाल विरचित १०—२५
४२६६ **ज्योतिषशास्त्र सोपान** । २—००
४२६७ **ज्योतिषश्यामसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ७—२०
४२६८ **ज्योतिषसंग्रह** । परशादेलाल (हिन्दी) २—००
४२६९ **ज्योतिषसर्वसङ्ग्रहः** । हिन्दी टीका सहित २—५०
*४२७० **ज्योतिषसिद्धान्तसंग्रहः** । तत्र सोमसिद्धान्तः ब्रह्मसिद्धान्तः पितामहसिद्धान्तः वृद्धवशिष्ठसिद्धान्तश्च ६—००
४२७१ **ज्योतिस्तत्त्वः** । मुकुन्द दैवज्ञ बड़थ्वाल विरचित । चक्रधरजोशी कृत हिन्दीटीका-उदाहरण सहित । १-२ भाग ५०—००
४२७२ **ठोसज्यामिति** । डा० व्रजमोहन १—५०
४२७३ **ठोस ज्यामिति की कुंजी** । डॉ० ब्रजमोहन १—५०
४२७४ **ठोस रेखागणित** । कमलमोहन २—००
४२७५ **तन्त्रसङ्ग्रहः** । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ सोमसुत्व विरचित । सव्याख्या ३—२५
*४२७६ **ताजिकनीलकण्ठी** । 'जलदगर्जना' संस्कृतटीकया 'गूढग्रन्थिमोचनी' वासनया 'उदाहरणचन्द्रिका' हिन्दी टीकया च सहिता । सम्पादक-ज्यो० आ० पं० गंगाधरमिश्र । परिष्कृत संस्करण ४—५०
*४२७७ **तिथिचिन्तामणिः** । श्रीमद्गणेशदैवज्ञप्रणीतः । विजयलक्ष्मी नाम्नी हिन्दी टीका उदाहरण सहित ०—५०
४२७८ **तेजी मन्दी विचार** । हिन्दी १—५०
४२७९ **तेजीमन्दीसार** । (**व्यापार रुख**) रतीराम शर्मा शास्त्री २—००
४२८० **त्रिकालज्ञ ज्योतिष** अर्थात् **ज्योतिष का गुरु** । रामानन्द सरस्वती ६—००
४२८१ **त्रिकोणमिति** । राजेन्द्र स्वरूप गुप्त ६—००
४२८२ **त्रिकोणमिति** । शुकदेव पाण्डेय । हिन्दी ६—००
४२८३ **त्रैलोक्य प्रकाशः** । हेमप्रभसूरि विरचित । हिन्दी टीका सहित १५—००
४२८४ **दशाफल दर्पण** । मूल संस्कृत ४—००
४२८५ **दशाफलदर्पण** । चन्द्रशेखर गोपाल जी ठक्कर (गुजराती) ३—००
४२८६ **दशाफलविचार** । संक्षिप्त गोचर फल विचार सहित । सीताराम मिश्र १—८७
४२८७ **दशामञ्जरी** । हिन्दी टीका सहित १—००
४२८८ **दीपिका-शुद्धि दीपिका** । हिन्दी टीका सहित ४—२०

४२८९	**दृक्सिद्धपञ्चाङ्गनिर्माणपद्धतिः**। गणपतिदेव विरचित	६—००
४२९०	**दृग्गणितम्**। परमेश्वर कृत। के० वी० शर्मा संपादित	५—००
४२९१	**दैवकेरलम्**। (चन्द्रकलानाडी) अच्युत प्रणीत। १–३ जिल्द	२३—७५
४२९२	**दैवज्ञकल्पद्रुमः**। पं० गङ्गाराम राजज्योतिषी कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
*४२९३	**दैवज्ञकामधेनुः**। म० म० अनवमर्शी संघराजवरेण सङ्कलिता	समाप्त
४२९४	**दैवज्ञवल्लभः**। हिन्दी टीका सहित	१—०२
४२९५	**दैवज्ञाभरणम्**।	६—२५
४२९६	**द्वात्रिंशद्योगावलीताजिक**। हिन्दी टीका सहित	०—१२
४२९७	**द्विरागमन इष्टशोधन**।	०—२५
*४२९८	**धराचक्रः**। सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित	०—३५
४२९९	**धराभ्रमम्**। पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित। सव्याख्या	०—५२
४३००	**नक्षत्रविज्ञान** (मराठी) केतकर रचित	४—००
*४३०१	**नरपतिजयचर्या**। श्री गणेशदत्त पाठक कृत 'सुबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित इस शोधपूर्ण संस्करण की व्याख्या में समस्त मतमतान्तरों का युक्ति प्रमाणों द्वारा जो निराकरण किया गया है वह अभूतपूर्व है	यन्त्रस्थ
४४०२	**नरपतिजयचर्या**। स्वरोदय जयलक्ष्मी व्याख्या सहित	५—१०
४३०३	**नवतारिका**। प्रोफेसर ईश (हिन्दी)	३—५०
४३०४	**नष्टजन्माङ्गदीपिका पञ्चाङ्गदीपिका**।	०—३६
*४३०५	**नारदीयसंहिता**। नारदमुनिप्रोक्त	समाप्त
*४३०६	**नाडिदत्तपञ्चविंशतिका**।	०—०५
४३०७	**नियामक ज्यामिति**। १–२ भाग। डा० ब्रजमोहन। हिन्दी	५—००
४३०८	**नेपच्युन**। वरुण। हिन्दी	०—५०
४३०९	**पञ्चस्वराः**। सुबोधिनी टीका सहित	१—७५
४३१०	**पञ्चाङ्ग परिचय**। श्रीनाथ शाह। भाषा	२—००
४३११	**पञ्चाङ्गमञ्जूषा**। हिन्दी टीका सहित	०—७५
*४३१२	**पञ्चाङ्गविज्ञानम्**। सरल हिन्दी टीका सहित	०—५०
४३१३	**पत्रीमार्गप्रदीपिका**। वर्षदीपक। हिन्दी टीका सहित	३—६०
*४३१४	**पद्मकोषः**। भावबोधिनी सरल हिन्दी टीका विभूषित	०—४०
*४३१५	**परबलयन्त्रेत्रम्**। श्रीमुरलीधरठक्कुरकृतम्। प्रश्नपत्रसहितम्	०—५०
४३१६	**पलभागखण्डनम्**। रंगनाथ भट्ट विरचित। सं० मीठालाल ओझा	४—००
४३१७	**पौर्वात्यपाश्चात्यसामुद्रिकज्ञान**। लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी	०—६२
४३१८	**प्रतिभाबोधकम्**। श्रीगङ्गाधरमिश्रकृत टीका सहित	०—७२
४३१९	**प्रश्नकौमुदी**।	०—२५
४३२०	**प्रश्नचण्डेश्वरः**। हिन्दी टीका सहित	१—५०
४३२१	**प्रश्नज्ञानप्रदीपः**। हिन्दी टीका सहित	१—८०
*४३२२	**प्रश्नभूषणम्**। 'विमला' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेत	०—७५
४३२३	**प्रश्नमार्ग**। पूर्वार्ध	४—५०

*४३२४ **प्रश्नवैष्णवः** । श्रीमन्नारायणदाससिद्ध विरचित ०—५०
*४३२५ **प्रश्नाङ्कचूडामणिः–ध्वजादिप्रश्नगणनाश्च** ०—२५
*४३२६ **प्रस्तारचक्रम्** । श्रीशिवप्रणीत । कमला हिन्दी टीका सहित ०—१५
४३२७ **प्रारम्भिक कलन** । डा० व्रजमोहन । हिन्दी ३—५०
४३२८ **फलदीपिका** । मन्त्रेश्वर कृत ८—००
४३२९ **फलित और आप** । आनन्द स्वरूप अग्रवाल । भाषा १—००
४३३० **फलित के अन्ध विश्वास** । शान्तप्रकाश सत्यदास २—५०
४३३१ **फलितप्रकाश** । ३—००
४३३२ **फलितसङ्ग्रहः** । रामयत्नओझा विरचित । हिन्दी टीका सहित १—००
४३३३ **बालबोधज्योतिषम्** । हिन्दी टीका सहित २—००
४३३४ **बालबोधज्योतिषसार** । हिन्दी टीका सहित १—५०
*४३३५ **बीजगणितम्** । श्रीजीवनाथदैवज्ञविरचित 'सुबोधिनी' संस्कृतटीका तथा नूतन उपपत्ति–उदाहरण परिशिष्ट 'विमला' नामक अभिनव हिन्दी टीका युक्त । संपादक–श्रीअच्युतानन्द झा ज्योतिषाचार्य ८—००
४३३६ **बीजगणितम्** । बीजनवाङ्कुरा व्याख्या सहित ३—००
४३३७ **बीजपल्लवम्** । (बीजगणित व्याख्या) कृष्णगणक विरचित ३—५०
*४३३८ **बीजवासना (सोपपत्तिक बीजगणित)** । ज्यौतिषाचार्य-पण्डित श्री गङ्गाधरमिश्रेण सङ्गृहीता ०—७५
४३३९ **बुधविचार** । ह० नें० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर २—००
*४३४० **बृहज्जातकम्** । पं० अच्युतानन्द झा ज्यौतिषाचार्य कृत उदाहरण–उपपत्ति 'विमला' हिन्दी टीका विभूषित ३—५०
*४३४१ **बृहज्ज्योतिषसारः** । हिन्दी टीका, विशेष विवरण, विविध प्रकार के चक्र, सारणी आदि से सुसज्जित फलित का अभिनव ग्रन्थ । सम्पादक–दैवज्ञवाचस्पति श्री वासुदेव गुप्त ४—५०
४३४२ **बृहत्पाराशरहोरा** । पूर्वार्द्ध मूलमात्र । उत्तरार्द्ध संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । बम्बई १४—४०
*४३४३ **बृहत्संहिता** । पं० श्री अच्युतानन्द झा कृत नवीनोदाहरणोपपत्तियुक्त–'विमला' हिन्दी टीका सहित ६—००
*४३४४ **बृहत्–होडाचक्रविवरणम्** । हिन्दी टीका सहित । सम्पादक–ज्यौतिषाचार्य–पण्डित श्री मुरलीधर ठक्कुर ०—५०
४३४५ **बृहद्यवनजातकः** । हिन्दी टीका सहित ३—००
४३४६ **बृहद्वास्तुमाला** । रामनिहोर द्विवेदी कृत । हिन्दी टीका सहित ३—००
४३४७ **बृहद् विमान शास्त्र** । भरद्वाज प्रणीत । स्वामी ब्रह्ममुनि परिव्राजक कृत हिन्दी टीका सहित १५—००
४३४८ **ब्रह्मसिद्धान्त** । मधुसूदन ओझा विरचित । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी कृत व्याख्या सहित १२—००
४३४९ **ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः** । ब्रह्मगुप्ताचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका-वासना-विज्ञान भाष्य सोपपत्ति सहित । १-४ भाग २६०—००

४३५० **भङ्गीविभङ्गीकरणम्** । रङ्गनाथ भट्ट विरचित २—००
४३५१ **भद्रबाहुसंहिता** । ५—७५
४३५२ **भद्रबाहुसंहिता** । हिन्दी टीका सहित ८—००
४३५३ **भविष्यफलभास्करः** । हिन्दी टीका सहित ४—२०
४३५४ **भविष्यवाणीसञ्चय** । चन्द्रनाथ सैन्धव १—००
४३५५ **भाग्यरहस्य** । १—५०
४३५६ **भाग्यबोधः** । ०—७२
४३५७ **भाग्य-रेखानिरूपणम्** । फूलकुमार शर्मा प्रणीत ०—५०
४३५८ **भारतीय कुण्डली विज्ञान** । हिन्दी । ४—५०
४३५९ **भारतीयज्योतिष** । नेमिचन्द्र शास्त्री कृत । हिन्दी ८—००
४३६० **भारतीय ज्योतिष** । शंकर बालकृष्ण दीक्षित । शिवनाथ झारखण्डी अनुवादित ८—००
४३६१ **भारतीय ज्योतिष का इतिहास** । डा० गोरखप्रसाद ४—००
४३६२ **भार्गवनाडिका** । ६—००
४३६३ **भावकुतूहलम्** । सान्वय हिन्दी टीका सहित ३—००
*४३६४ **भावप्रकाशः** । जीवनाथ दैवज्ञ प्रणीत । पं० पुष्पलाल झा ज्योतिषाचार्य कृत भावबोधिनी हिन्दी व्याख्या, विशेष विवरणादि सहित । शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण १—२५
*४३६५ **भावफलाध्यायः** (लोमशोक्त-भृगुसंहितोक्त-युग्मसंस्करण) सुबोधिनी-विमला हिन्दी टीका विभूषित ०—५०
४३६६ **भुवनदीपकः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—९०
४३६७ **भूमण्डलीयसूर्यग्रहगणितम्** । केतकर रचित ८—००
४३६८ **भृगुसंहिता** । कुण्डलीखण्ड ९—५० फलितखण्ड ११—०० जातकप्रकरण १—५० तात्कालिक भृगुप्रश्न १—५० प्रत्यक्षमूकप्रश्न १—०० नष्टजन्मांगदीपिका १—०० सर्वारिष्टनिवारणखण्ड ५—०० राजखण्ड ८—०० सन्तानउपायखण्ड ५—०० नरपतिजयचर्याखण्ड १—५० स्त्रीफलितखण्ड ५—००, १-११ खण्ड ५०—००
४३६९ **भृगुसंहिता पद्धति** । भगवानदास मीतल १०—००
४३७० **भृगुसूत्र** । हिन्दी टीका सहित ०—९०
४३७१ **मङ्गलविचार** । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर २—५०
४३७२ **मणित्थताजिकम्** । रामप्रसाद भट्ट शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । १-२० पृष्ठ ३—००
४३७३ **मनुष्य का हाथ** । सचित्र । बलदेव प्रसाद शुक्ल ३—५०
४३७४ **महाभास्करीयम्** । भास्कराचार्य प्रणीत । परमेश्वर प्रणीत कर्मदीपिका व्याख्या सहित २—००
४३७५ **महाभास्करीयम्** । गोविन्दभाष्य तथा परमेश्वर कृत व्याख्या सहित ११—००
*४३७६ **महासिद्धान्तः** । आर्यभट्टकृत । सुधाकरद्विवेदीटीकासहित ६—००
*४३७७ **मानसागरी** । 'सुबोधिनी' हिन्दी व्याख्या, उपपत्ति, विशेष विवरणादि सहित । संपादक—मधुकान्त झा ८—००
४३७८ **मायावर्ग** । डा० व्रजमोहन । हिन्दी २—००
४३७९ **मीमांसुकण्ठाभरणम्** । हिन्दी टीका सहित ०—३७
४३८० **मुकुन्दपद्धतिः** । ०—७५

४४१० **रमलमार्तण्ड** । हिन्दी ०—७२
४४११ **रमलरहस्य** । १०—८०
४४१२ **रमलशास्त्र** (रमल प्रदीपिका) २—५०
४४१३ **रविविचार** । ह० ने० काटवे । विद्याधर जोहरापुरकर अनुवादित २—००
४४१४ **रविसिद्धान्तमञ्जरी** । मथुरानाथ शर्मा विरचित ०—७५
४४१५ **राशिगोलस्फुटानीतिः** । अच्युत विरचित २—५०
४४१६ **राहु-केतु-ग्रहण विचार** । ह०ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर ३—५०
*४४१७ **रेखागणितम्** । एकादश-द्वादशाध्यायौ ०—७५
*४४१८ **रेखागणित-षष्ठाध्याय-परिभाषारूप-पञ्चमाध्याय-सहितः** । सम्पादक-ज्यौ० आ० पं० श्री मुरलीधरठक्कुर ०—४०
४४१९ **लग्नचन्द्रिका** । हिन्दी टीका सहित २—५०
४४२० **लग्नप्रदीपः** । हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग ०—३२
*४४२१ **लग्नरत्नाकरः** (बृहल्लग्नजातकम्) शिशुबोधिनी हिन्दीटीका सहित ०—४०
*४४२२ **लग्नवाराही** । वराहमिहिराचार्यकृता । तत्त्वप्रकाशिका हिन्दीटीकासहित ०-२०
४४२३ **लग्नविवेक** । वासुदेव गुप्त ०—२५
४४२४ **लग्नसारणीसमुच्चयः** । चिमनलाल शर्मा ज्योतिषी कृत २—००
४४२५ **लघुजातक** । गुजराती अनुवाद सहित १—५०
४४२६ **लघुपाराशरी भाष्य** । कालचक्र दशा सहित । सान्वय हिन्दी टीका सहित । भाषाकार दीवान रामचन्द्र कपूर ८—००
*४४२७ **लघुपाराशरी-मध्यपाराशरी** । सोदाहरण-सुबोधिनी-संस्कृत हिन्दी टीकाद्वय सहित १—२५
४४२८ **लघुभास्करीयः** । भास्कराचार्य विरचित । परमेश्वर प्रणीत व्याख्या सहित २—००
४४२९ **लघुभास्करीयम्** । भास्कराचार्य विरचित । शङ्करनारायण कृत विवरण सहित १—७०
४४३० **लघुमानसम्** । मुञ्जालाचार्य विरचित । परमेश्वर व्याख्या सहित ०—७५
४४३१ **लघुसङ्ग्रह** । हिन्दी टीका सहित २—५०
*४४३२ **लीलावती** । नवीन वैज्ञानिक 'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, उपपत्ति, उदाहरण, परिशिष्ट सहित । व्याख्याकार श्री लषणलाल झा ४—००
४४३३ **लीलावती** । बुद्धिविलासिनी लीलावती विवरण व्याख्या सहित १-२ भाग ४—७५
४४३४ **लीलावती** । दामोदर मिश्र कृत वासना सहित १४—००
४४३५ **लीलावती विवरण** । (व्यक्तवासना) २—१०
४४३६ **लोहगोलखण्डनं** । रङ्गनाथदैवज्ञ विरचित तथा **लोहगोलसमर्थनं** । गदाधर दैवज्ञ विरचित । मीठालाल-हिम्मतराम ओझा संपादित २—००
४४३७ **वक्रातीचारनिर्णयः** । सीतारामझा ०—२४
४४३८ **वटेश्वरसिद्धान्तः** । वटेश्वराचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी-विज्ञान-भाष्योपपत्ति सहित ३०—००, ४०—००
*४४३९ **वनमाला** । दैवज्ञ श्री जीवनाथझा विरचित । सान्वय 'अमृतधारा' हिन्दी टीका सहित ०—७५

४४४० **वरवधूनक्षत्रमेलापक** । पण्डित श्रीनिवास शास्त्री ४—००
४४४१ **वर्ष-चन्द्र-प्रकाश** । चन्द्रदत्त पन्त १—००
४४४२ **वर्षदीपकपत्रीमार्गप्रदीपिका** । हिन्दी टीका सहित ३—००
४४४३ **वर्षपद्धतिः** । मूलमात्र २—००
४४४४ **वर्षप्रबोध** अर्थात् **मेघ महोदय** । हिन्दी टीका सहित ३—००
४४४५ **वर्षभास्करः** । जन्मपत्र-वर्षपत्र बनाने का ग्रन्थ । हिन्दी टीका सहित २—००
*४४४६ **वसिष्ठसिद्धान्तः** । ब्रह्मपुत्रमहर्षिवसिष्ठ विरचित ०—१५
४४४७ **वाक्यकरणम्** । सुन्दरराज कृत लघुप्रकाशिका संस्कृत व्याख्या सहित १३—५०
४४४८ **वाशिष्ठसंहिता** । वृद्धवशिष्ठ विरचित ४—२०
*४४४९ **वास्तवचन्द्रशृङ्गोन्नतिसाधनम्** । संस्कृतटीका सहित १—२५
*४४५० **वास्तवविचित्रप्रश्नास्सभङ्गाः** । श्री सुधाकर द्विवेदी विरचित ०—१५
४३५१ **वास्तुप्रतिष्ठासंग्रहः** । ३—००
४४५२ **वास्तुप्रबन्ध-पिंडदर्पण** (गृहरत्न भूषण) हिन्दी टीका सहित ०—८०
४४५३ **वास्तुमाणिक्यरत्नाकरः** । रामतेज पाण्डेय ४—००
*४४५४ **वास्तुरत्नाकरः** (ग्रहिबलचक्र सहित) । ज्यौतिषाचार्य पण्डित श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
*४४५५ **वास्तुरत्नावली** । सोदाहरण-सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका सहित २—५०
*४४५६ **वित्रिभलग्नभ्रमणम्** । श्रीजगदीश शर्म विरचित ०—१५
*४४५७ **वित्रिभाङ्गायनविवेकः** । श्री बुद्धिनाथ झा विरचित ०—३५
४४५८ **विमण्डलवक्रविचारः** । दयानाथ झा विरचित २—००
४४५९ **विमर्शामृतम्** (ज्योतिस्सिद्धान्त-मन्त्रशास्त्र-वेदान्तशास्त्रीय-विषय-विमर्श-रूपम्) परिपूर्ण प्रकाशानन्द भारती विरचित ५—००
४४६० **विवाहपटल** । ०—५०
४४६१ **विवाहवृन्दावनम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २—४८
४४६२ **विश्वकर्मप्रकाशः** । हिन्दी टीका सहित ३—००, ४—००
४४६३ **विश्वकर्माप्रकाश** । रामअवतार वीर ७—५०
४४६४ **विश्व के भाग्यवानों की कुण्डलियाँ** । भगवानदास मीतल ४—००
४४६५ **विश्वहितम्** । मथुरानाथ शर्मा विरचित १—५०
*४४६६ **वीरसिंहावलोकः** (Astro-Medical Science) । राजा वीरसिंह तोमर । अनुवादक-डॉ० राधाकृष्ण पाराशर । प्रत्येक रोग का ज्योतिष, कर्मकाण्ड और आयुर्वेद के अनुसार एवं कारण चिकित्सा विषयक अनुपम और अनूठा बेजोड़ प्रामाणिक ग्रन्थ शीघ्र प्राप्त होगा
४४६७ **वेदाङ्गज्यौतिषम्** । आर० शामशास्त्रि विरचित दीपिका व्याख्या आंग्लभाषानुवाद सहित १—५०
४४६८ **वेदों में ज्यौतिष का समन्वयात्मक अध्ययन** । केदारदत्त जोशी १—२५
४४६९ **वैजयन्तिपंचांगगणितम्** । केतकर रचित ५—००
४४७० **वैदिक ज्योतिष शास्त्र** । प्रियरत्न आर्य १—७५
४४७१ **व्यवहाररत्नम्** । हिन्दी टीका सहित ०—८०
४४७२ **व्यापार अर्घमार्तण्ड** । रतीराम शास्त्री १०—००
४४७३ **व्यापार चमत्कार (तेजी मन्दी सट्टा)** रतीराम शास्त्री ५—००

४४७४	**व्यापाररत्न** (तेजीमंदी का अनुपम ग्रन्थ) हरदेवशर्मा त्रिवेदी	८—००
*४४७५	**व्यावहारिक ज्योतिष तत्त्व** । पं० लषणलाल झा सरल सुबोध 'तत्त्वप्रभा' हिन्दी व्याख्या, विशेष विवरण, विविध प्रकार के विषय-बोधक चक्र, सारिणी आदि से सुसज्जित फलित ज्योतिष का अभिनव व्यावहारिक मौलिक ग्रन्थ	यन्त्रस्थ
४४७६	**शनिविचार** । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर	२—५०
४४७७	**शम्भुहोराप्रकाशः** । हिन्दी टीका सहित	५—४०
४४७८	**शरीरसर्वाङ्गलक्षण** (मनुष्य के अङ्ग-प्रत्यङ्ग व गुप्तांगों का फलादेश हस्तरेखा सहित) भगवानदास मीतल	१—५०
*४४७९	**शिवजातकः** । अखिल ब्रह्माण्डनायक श्री शिवनिर्मित । शिशु-तोषिणी नाम्नी हिन्दी टीका सहित	०—२०
*४४८०	**शिशुबोधः** । सान्वय–विमला हिन्दी टीका बृहत् परिशिष्ट सहित	०—६५
*४४८१	**शीघ्रबोधः** । पं० अनूपमिश्र कृत 'सरला' हिन्दी टीका सहित	१—००
४४८२	**शुक्रविचार** । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर	२—५०
४४८३	**श्रीपति पद्धति** । आंग्लानुवाद सहित	४—५०
*४४८४	**षट्पञ्चाशिका** । श्रीमद्भट्टोत्पलकृत संस्कृत टीका युक्त 'विभा' नामक हिन्दी टीका सहित	०—४५
४४८५	**समरसारः** । संस्कृत–हिन्दी टीका सहित	२—१०
४४८६	**समरसारः** । वासुदेवगुप्त कृत सोदाहरण हिन्दी टीका सहित	१—२५
४४८७	**सम्राट् सिद्धान्त : सिद्धान्तसारकौस्तुभ** । जगन्नाथ विरचित । १–२ भाग	१६०—००
४४८८	**सरल ज्योतिर्विज्ञान** । विशालमणि उपाध्याय संग्रहीत	१—५०
*४४८९	**सरलत्रिकोणमितिः** । म० म० पं० श्री बापूदेव शास्त्री सङ्कलित म० म० पं० मुरलीधरशर्मकृत टिप्पणी सहित	समाप्त
*४४९०	**सरलरेखागणितम्** । ज्योतिषाचार्य पं० श्रीविन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत । १–२ अध्याय	१—००
४४९१	**सर्वसंग्रह** । दीननाथ विरचित । हिन्दी टीका सहित	५—४०
४४९२	**सर्वार्थचिन्तामणिः** । हिन्दी टीका सहित	७—२०
४४९३	**सामुद्रिककुञ्जिका** । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी टीका सहित	२—००
४४९४	**सामुद्रिकज्योतिष** ।	३—५०
४४९५	**सामुद्रिकदर्पण** । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी	१—००
४४९६	**सामुद्रिक–दीपिका** (हिन्दी) पौर्वात्य पाश्चात्य पद्धतियों का तुलनात्मक विवेचन । लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी । १–३ भाग	११—६२
४४९७	**सामुद्रिकरहस्यम्** । हिन्दी टीका सहित	४—००
४४९८	**सामुद्रिकशास्त्रम्** । राधाकृष्णमिश्र कृत सान्वय हिन्दी टीका सहित	३—६०
४४९९	**सामुद्रिकशास्त्रम्** (ज्योतिषविज्ञान)	४—००
४५००	**सामुद्रिकसोपान** । कालिकाप्रसाद विरचित	०—२४
४५०१	**सारावली** । हिन्दी टीका सहित । कागजी जिल्द ८—०० कपड़े की जिल्द	९—००

*४५०२ **सिद्धान्ततत्त्वविवेकः** । कमलाकरभट्टविरचितः । श्री सुधाकर द्विवेदी तथा म० म० श्री मुरलीधरझाकृत टिप्पणी सहित १२—५०
४५०३ **सिद्धान्ततत्त्वालोक** । ०—६२
४५०४ **सिद्धान्तदर्पणम्** । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ विरचित २—५०
*४५०५ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । भास्कराचार्य विरचित वासनाभाष्यसहित । म० म० श्री बापूदेवशास्त्रिकृत टिप्पणी विभूषित । सम्पूर्ण यन्त्रस्थ
*४५०६ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । नवीन-वैज्ञानिक उपपत्ति सहित 'प्रभा' नामक वासना समलङ्कृत । टीकाकार-पं० श्री मुरलीधर ठक्कुर ज्यौतिषाचार्य । स्पष्टाधिकारान्त प्रथम भाग ५—००
४५०७ **सिद्धान्त शिरोमणिः** । मध्यमाधिकारान्त । वासना भाष्य सहित । केदारनाथ जोशी कृत दीपिका-शिखा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ५—००
४५०८ **सिद्धान्त शिरोमणिः** । वासना भाष्यमरीचि भाष्य-दीपिका-शिखा संस्कृत हिन्दी टीका सहित स्पष्टाधिकार-त्रिप्रश्नाधिकारात्मक । २०—००
ग्रहगणिताध्याय । २०—००
४५०९ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । ग्रहगणिताध्याय । वासनाभाष्यशिरोमणि प्रकाश व्याख्या सहित । १-२ भाग ६—५०
४५१० **सिद्धान्तशिरोमणिः** । गोलाध्याय । वासना भाष्य मरीचि व्याख्या सहित । द्वितीय भाग मात्र ५—००
४५११ **सिद्धान्तशेखरः** । श्रीपति विरचित । सव्याख्या । द्वितीय भाग मात्र १५—००
४५१२ **सिद्धान्तसार्वभौमः** । मुनीश्वर विरचित । द्वितीय भाग मात्र २—००
४५१३ **सिंहलताजिकोक्ताः षोडशयोगाः प्रश्नसारः** । नृसिंह दैवज्ञ विरचित २—००
४५१४ **सुगमज्योतिष प्रवेशिका** । गोपेशकुमार ओझा ६—००
४५१५ **सूर्यग्रहणम्** । डॉ० कृष्णचन्द्र द्विवेदी विरचित १२—००
४५१६ **सूर्यसारिणी** । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी २—५०
*४५१७ **सूर्यसिद्धान्तः** । ज्योतिषाचार्य श्रीकपिलेश्वरशास्त्रिकृत तत्त्वामृत भाष्य उपपत्ति-टिप्पणी सहित ४—००
४५१८ **सौरार्यब्राह्मतिथिगणितम्** । केतकर रचित ४—००
४५१९ **स्त्रीजातकः** । हिन्दी टीका सहित १—८०, ३—००
४५२० **स्त्रीप्रशंसा** । भट्टोत्पल प्रणीत टीका सहित १—००
४५२१ **हस्तपरीक्षा** । (हिन्दी पामिस्ट्री) ६—५०
४५२२ **हस्तरेखा विज्ञान** । हरगोविन्द द्विवेदी ३—५०
४५२३ **हस्तरेखाविज्ञान** । राजेन्द्र शर्मा १—५०
४५२४ **हस्तरेखाविज्ञान** । शरीर-लक्षण सहित । गोपेशकुमार ओझा १२—००
४५२५ **हस्तसंजीवन** । ३—००
४५२६ **हस्तसामुद्रिक** । सचित्र । हिन्दी ६—००, ८—२५
४५२७ **हस्त सामुद्रिक ज्ञान** । अजीतमल मेहता । भाषा २—००
४५२८ **हस्त सामुद्रिक शास्त्र** । बालभट्ट मालवीय २—५०
४५२९ **हायनबोधः** । हिन्दी टीका सहित ०—७२
४५३० **हायनरत्नम्** । मूलमात्र ४—२०

४५३१ **हिन्दूगणित शास्त्र का इतिहास।** अङ्क-सङ्केत और अङ्कगणित। विभूति-भूषणदत्त-अवधेशनारायण सिंह। अनुवादक—कृपाशंकर शुक्ल ३—००
४५३२ **होराभिप्रायनिर्णयः।** २—२५
४५३३ **होराशास्त्रम्।** वराहमिहिरकृत। अपूर्वार्थ प्रदर्शिका संस्कृतव्याख्यासहित २५—००
४५३४ **होराशास्त्रम्।** वराहमिहिर कृत। रुद्र विरचित विवरण सहित ५—५०

छन्दःशास्त्र-ग्रन्थाः

४५३५ **कवि-दर्पण।** अज्ञातकर्तृक वृत्तिसहित ६—००
४५३६ **गुजरातीपिङ्गलनवीदृष्टि।** रामनारायण विश्वनाथपाठक विरचित (गुजराती) १—३८
*४५३७ **छन्दःकौमुदी।** (चतुर्थ संस्करण) नवीन प्रथमपरीक्षापाठ्य निर्धारित ०—४०
४५३८ **छन्दःचन्द्रिका।** प्रथमा के विद्यार्थियों के लिए छन्द की उत्तम पुस्तक ०—१२
४५३९ **छन्दःशास्त्रम्।** पिङ्गलाचार्य विरचित। हलायुध प्रणीत व्याख्या युत ३—५०
*४५४० **छन्दस्सारः।** हिन्दी टीका प्रश्नपत्र उदाहरण सहित (प्रथम परीक्षा पाठ्यनिर्धारित छन्दःसंग्रह पुस्तक) ०—१५
४५४१ **छन्दोनुशासन।** १४—४०
*४५४२ **छन्दोमञ्जरी।** 'प्रभा'–'रुचिरा' संस्कृत हिन्दी टीका सहित २—००
*४५४३ **छन्दोविंशतिका।** विमला हिन्दी टीका सहित ०—२५
३५४४ **जगद्विजयछन्दः।** ३—२५
४५४५ **जनाश्रयी।** जनाश्रयप्रणीत १—१२
४५४६ **जयदामन्।** जयदेव छन्द–जयकीर्तिछन्दोनुशासन–केदारवृत्तरत्नाकर हेमचन्द्र छन्दोनुशासन। वेलङ्कर सम्पादित १०—००
४५४७ **जानाश्रयीछन्दोविचितिः।** २—७५
४५४८ **नेमिरंगरत्नाकर छन्द।** कवि लावण्यसमय कृत ६—००
*४५४९ **पिङ्गलच्छन्दःसूत्रं** (वैदिकच्छन्दः प्रकरणान्त) हलायुधवृत्तियुत–सटिप्पण–कादम्बिनी हिन्दी टीका सहित समाप्त
४५५० **प्राकृतपैंगलम्।** संस्कृत व्याख्यात्रयोपेत। हिन्दी टीका सहित। सं०-डॉ० भोलाशङ्कर व्यास। १-२ भाग ३१—००
*४५५१ **वाग्वल्लभः।** पं० दुःखभञ्जनकविकृतः। महामहोपाध्याय कविचक्रवर्त्ति पं० देवीप्रसादकृत वरवर्णिनी नामक टीकासहित ५—००
४५५२ **वाणीभूषणम्।** दामोदरमिश्र विरचित ०—७५
४५५३ **वृत्तजातिसमुच्चय।** विरहाङ्क कृत। सव्याख्या ५—२५
४५५४ **वृत्तमुक्तावली।** श्रीकृष्ण भट्ट कृत ३—७५
४५५५ **वृत्तमौक्तिकम्।** भट्ट चन्द्रशेखर विरचित। भट्ट लक्ष्मीनाथ कृत वार्त्तिक दुष्करोद्धार-मेघविजयगणि कृत दुर्गमबोध व्याख्या सहित १८—२५
*४५५६ **वृत्तरत्नाकरः।** भट्टनारायणभट्टी (नारायणी) व्याख्या विस्तृत उदाहरण टिप्पणी 'मणिमयी' हिन्दी टीका विभूषित ३—००
*४५५७ **वृत्तरत्नाकरः।** मूल श्लोक तथा मणिमयी हिन्दी टीका सहित ०—५०
४५५८ **वृत्तरत्नाकरः।** पञ्चिका व्याख्या सहित २—००

४५५९ **वृत्तरत्नावली** । वेङ्कटेशकृत । संस्कृत व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ४—००
४५६० **वृत्तिवार्तिकम्** । रामपाणिवाद कृत १—८७
*४५६१ **श्रुतबोधः** । प्रथमपरीक्षोपयोगी विमला नामक सान्वय-संस्कृत हिन्दी व्याख्या समास-व्याकरण-उदाहरणादि सहित समाप्त
*४५६२ **श्रुतबोधः** । श्रीसीतारामझा कृत आशुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या तथा संक्षिप्त छन्दोगणितादि सहित समाप्त
*४५६३ **श्रुतबोधः** । (अश्लीलांश वर्जित) प्रथम परीक्षोपयोगी विमला नामक संस्कृत व्याख्या, सोदाहरण हिन्दी टीका सहित (छात्रोपयोगी संस्करण) ०—२५
४५६४ **सभाष्यरत्नमञ्जूषा** २—००
४५६५ **स्वयम्भू छन्द** । स्वयम्भू कृत । सम्पादक एच० डी० वेलणकर ७—७५

काव्य-ग्रन्थाः

४५६६ **अच्युतरायाभ्युदयः** । राजनाथडिण्डिम विरचित । आर० वी० कृष्णमाचारियरप्रणीत व्याख्यासहित । ७-१२ सर्ग ५—००
४५६७ **अच्युतशतकम्** । सव्याख्या ०—३१
४५६८ **अधरशतकम्** । नीलकण्ठ विरचित १—५०
४५६९ **अन्योक्तिसाहस्री** । बदरीनाथ झा ०—८०
४५७० **अन्योक्त्यष्टकसंग्रहः** । सन्दब्ध विरचित २—००
४५७१ **अब्दुल्लाचरित** । लक्ष्मीपति विरचित ९—००
*४५७२ **अभिनन्दनग्रन्थ : सत्यनारायण शास्त्री** । (सचित्र) प्रत्येक विषय पर महामनीषियों के मर्मस्पर्शी विचारों से परिपूर्ण ग्रन्थरत्न १५—००
४५७३ **अभिलेखसंग्रहः** । बहादुरचन्द छावड़ा सम्पादित ७—५०, ८—५०
४५७४ **अमरमण्डनम्** । कृष्णसूरिविरचित ३—००
*४५७५ **अमरुशतकम्** । **अमरुक कवि विरचित** । अर्जुनवर्म देव प्रणीत रसिक सञ्जीविनी संस्कृत टीका—श्री प्रद्युम्न पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित ३—५०
४५७६ **अमरुशतकम्** । वेमभूपालकृत शृङ्गारदीपिका व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ६—२५
४५७७ **अमरुशतकम्** । कमलेशदत्त त्रिपाठी कृत पद्यानुवाद सहित (सचित्र) १०—००
४५७८ **अमरुशतकलीला** । बाक्कन्बे प्रणीत ७—००
४५७९ **अम्बिकालापः** । १—१५
४५८० **अर्पण** । डा० सर्वानन्द पाठक । इस पुस्तक में काव्य सम्बन्धी हास्य, शृङ्गार, करुण आदि विविध रसभक्तियोग, विवेकानन्द, शंकराचार्य, बालयोगिनी, कुण्डलिनीयोग, अन्तर्लोक आदि रोचक विषयों का सम्मिश्रण हुआ है १—५०
४५८१ **अवन्तिसुन्दरीकथासार** । जी० हरिहर शास्त्री सम्पादित ३—७५
४५८२ **आधुनिक संस्कृत काव्य** । १—५०
*४५८३ **आर्याशतकम्** । अप्पयदीक्षित विरचित । सव्याख्या १—२५

*४५८४ **आर्यासप्तशती** । पर्वतीय श्रीविश्वेश्वर पण्डित विरचित । ग्रन्थकर्तृकृत व्याख्या संवलित ६—००
*४५८५ **हिन्दी आर्यासप्तशती** । गोवर्धनाचार्य विरचित । व्याख्याकार—पं० रमाकान्त त्रिपाठी । प्रस्तुत ग्रन्थ संस्कृत में अकारादि क्रम से रचा गया अनेकविध शृङ्गार तथा नीति सूक्तियों का भण्डार है जिसे अन्वय मुख सरलसंस्कृत-हिन्दी व्याख्याओं और विमर्श के साथ प्रकाशित किया गया है। १०—००
४५८६ **आर्य्योदयकाव्य** । १-२ भाग । हिन्दी टीका सहित ३—००
४५८७ **आशीर्वादशतक** । वञ्चेश्वर कवि विरचित ०—२५
४५८८ **आश्लेषाशतकम्** । नारायण पण्डित प्रणीत ०—३०
४५८९ **इन्द्रजित्काव्यम्** । रघुनाथदेव विरचित १—००
४५९० **इन्द्रप्रस्थप्रबन्ध** । अज्ञातकर्तृक २—२५
४५९१ **ईशोपनिषत्काव्यम्** । मेधाव्रत प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ०—३७
४५९२ **ईश्वरविलासमहाकाव्यम्** । कृष्णभट्ट विरचित ११—५०
४५९३ **उषानिरुद्धम्** । रामपाणिवादकृत । सम्पूर्ण ९—३०
४५९४ **उषानिरुद्धम्** । रामपाणिवादकृत । १-२ सर्ग मात्र २—५०
*४५९५ **ऋतम्भरा** । सं०-डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय । विश्व के प्रमुख मनीषियों के उपदेशों का सारभूत संग्रह । (यह पुस्तक गोरखपुर युनिवर्सिटी के अनिवार्य पाठ्यक्रम में है) ०—२५
*४५९६ **ऋतुसंहारः** । प्रभा हिन्दी टीका सहित ०—४०
४५९७ **ऐहोलशिलालेख** । कविकीर्ति जैन । व्याख्याकार : प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । भूमिका-हिन्दी अनुवाद सहित ०—६०
*४५९८ **औचित्यविचारचर्चा** । महाकवि क्षेमेन्द्र कृत । 'प्रभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पादक-आचार्य व्रजमोहन शर्मा ४—००
*४५९९ **औचित्यविचारचर्चा-कविकण्ठाभरण-सुवृत्ततिलकम्** । क्षेमेन्द्रकृत सटिप्पण यन्त्रस्थ
४६०० **कंसवहो** । रामपाणिवाद कृत । आंग्लानुवाद सहित ५—००
४६०१ **कटाक्षशतकम्** । मूककवि विरचित ०—२५
४६०२ **कथाकोषप्रकरण** । जिनेश्वरसूरिकृत । प्राकृत १२—५०
४६०३ **कथासरित्सागरः** । सोमदेव भट्ट विरचित । केदारनाथ शर्मा सारस्वत कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग २२—५०
४६०४ **कप्फिणाभ्युदयं महाकाव्यम्** । काश्मीर भट्ट श्री शिवस्वामिकृत । गौरीशङ्कर सम्पादित ७५—००
४६०५ **कल्पलता** । श्री पं० रामप्रसाद शास्त्री । श्रीरसिक बिहारी जोशीकृत 'रसिकबोधिनी' संस्कृत व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित । १०—००
४६०६ **कल्याणमञ्जरी** । (पुराणेभ्यः सङ्कलितः अनेकदिव्यकल्याणप्रतिपादकः ग्रन्थः) ६—००
४६०७ **कविकण्ठाभरण** । क्षेमेन्द्र कृत । हिन्दी टीका सहित २—००

४६०८ **कविकर्पटिका** । वादीन्द्रकवि विरचित ०—३१

४६०९ **कविकल्पद्रुमः** । बोपदेव विरचित ६—००

४६१० **कविरहस्यम्** । डा० गङ्गानाथझा कृत । हिन्दी २—००

४६११ **कामायनी** । (संस्कृत) मूल हिन्दी लेखक महाकवि जयशङ्कर प्रसाद । संस्कृत अनुवादक-पं० भगवानदत्त शास्त्री । प्रथमखण्ड : सर्ग १-३ १—५०
संपूर्ण ५—००

४६१२ **कार्तवीर्यविजयप्रबन्धः** । रामवर्मप्रणीत ०—३०

४६१३ **कालवधकाव्यम्** । कृष्णलीलाशुक मुनि प्रणीत १—१५

४६१४ **कालिदास के काव्य** । अनुवादक रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री १२—००

*४६१५ **कालिदास ग्रन्थावली** । आचार्य रामचन्द्र मिश्र आचार्य शेषराज शास्त्री आदि काव्य साहित्य मर्मज्ञ विद्वानों के सम्पादकत्व में महाकवि कालिदास के सम्पूर्ण काव्य तथा नाटकों का एक साथ मूल और विषयानुसार ललित भाषानुवाद एवं पाण्डित्य-पूर्ण विशद भूमिका, समीक्षा, शोधलेख आदि बहुमूल्य साहित्यिक सामग्री से सम्पूरित सर्वोत्तम संस्करण । शीघ्र प्राप्त होगा

*४६१६ **काव्य-कदम्ब** । सम्पादक-श्रीभुवनेश्वर प्रसाद पाण्डेय । इस पुस्तक में वीरकाव्य, निर्गुणकाव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य, रीतिकाव्य नीतिकाव्य, छायावाद और नवचेतना के अग्रदूत : इन आठ स्तम्भों में रोचक हिन्दी कविताओं का संकलन किया गया है २-५०

४६१७ **काव्य-कलिका** । सम्पादक-प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'। १. बुद्धदेव की निर्वाण-प्राप्ति का वर्णन करने वाला 'निरंजना' नामक हिन्दी खण्ड काव्य, २. भारविकृत किरातार्जुनीय प्रथम सर्ग मूल के साथ हिन्दी-पद्यानुवाद तथा ३. नेहरू की रूस-यात्रा पर लिखे गये संस्कृत काव्य 'शान्तिविजयम्' का प्रथम सर्ग १—००

४६१८ **काव्यडाकिनी** । गङ्गानन्द कवीन्द्र विरचित ०—६६

*४६१९ **काव्यप्रबन्धः** । (काव्यपदार्थविवृति-कविसमयादिनिरूपणात्मक) शास्त्री, आचार्य तथा संस्कृत लेकर बी० ए०, एम० ए० परीक्षा देनेवाले छात्रोंके लिए अत्युत्तम निबन्ध ग्रन्थ १—५०

*४६२० **काव्यमञ्जूषा** । रत्नावलीगद्यकाव्य-कामकन्दलनाटक-श्रीकालिकामन्दाक्रान्ताशतक-धर्माधिकारिवंशवर्णन-श्रीरेणुकास्तोत्र आदि ग्रन्थरत्नों का संग्रह ३—००

४६२१ **काव्यमनोरमा** । (शतकम्) **अम्बास्तवन** समेत १—५०

४६२२ **काव्यमालागुच्छक** । चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ, द्वादश तथा चतुर्दश गुच्छक प्रत्येक गुच्छक २—००

४६२३ **काव्यविवेचन** । (गुजरातीभाषा) डोलरराय रंगीलदास मांकड संपादित ३—५०

४६२४ **किङ्किणीमाला** । महालिङ्गशास्त्री कृत २—००

*४६२५ **किरातार्जुनीयम्** । सान्वय-घण्टापथ-परीक्षोपयोगि-सुधा संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेत १-२ सर्ग १—२५
१-३ सर्ग २—००

*४६२६ **किरातार्जुनीयम्** । आगरा विश्वविद्यालय पाठ्य स्वीकृत। (तृतीय सर्ग) सान्वय—घण्टापथ परीक्षोपयोगि सुधा संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, अन्वय-समास-विग्रह-व्याकरण-वाच्यपरिवर्तन-भावार्थ-सुविशद भूमिकादि सहित १—००

*४६२७ **किरातार्जुनीयम्** । विश्वविद्यालय पाठ्य स्वीकृत १२ वाँ सर्ग । सान्वय संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समास, व्याकरण, कोश, हिन्दी पद्य, भावार्थ आदि सहित। व्याख्याकार–श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय १–२५

*४६२८ **किरातार्जुनीयम्** । 'घण्टापथ' 'प्रकाश' संस्कृत–हिन्दी टीका सहित । केवल १–५ सर्ग १—५०, संपूर्ण ४—००

४६२९ **कीर्तिकौमुदी** । सोमेश्वर देव कृत । **सुकृत संकीर्तन** । अरिसिंह ठक्कुर कृत ६—६०

४६३० **कुट्टनीमतकाव्य** । दामोदरगुप्त विरचित । मूलमात्र ३—००

४६३१ **कुट्टनीमतकाव्यम्** । जगन्नाथ पाठक कृत हिन्दी टीका सहित ७—५०

४६३२ **कुट्टनीमतम्** । (शम्भलीमतकाव्यं) दामोदर गुप्त विरचित । हिन्दी टीका सहित ६—००

*४६३३ **कुमारसम्भवः** । सान्वय–पुंसवनी व्याख्या–व्युत्पत्ति–भावार्थ-हिन्दी भाषार्थ-भाषापद्य-प्रस्तावनादि सहित । १–७ सर्ग ५—००

*४६३४ **कुमारसम्भवः** । पुंसवनी व्याख्या उपर्युक्त सर्वविषयों से युक्त १-४ सर्ग २–५० प्रथम सर्ग १—००, षष्ठ सर्ग १—०० १–५ सर्ग ३—५०

*४६३५ **कुमारसम्भवः** । प्रथम और पञ्चम सर्ग पुंसवनी नामक संस्कृत–हिन्दी व्याख्या नोट्स विस्तृत समालोचनात्मक प्रस्तावनादि सहित । सम्पादक–पं० कान्तानाथ शास्त्री तैलङ्ग एम० ए० २—००

*४६३६ **कुमारसम्भवः** । केवल पंचम सर्ग । उपर्युक्त सर्वविषयों से युक्त १—००

*४६३७ **कुमारसंभवः** । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पूर्ण व्याख्याकार–श्री प्रद्युम्न पाण्डेय
कालिदास की इस कृति में मूल के साथ सुन्दर चलती भाषा में व्यवस्थित अनुवाद दिया गया है तथा आरम्भ में कवि एवं काव्य की विस्तृत समीक्षा भी दी गई है । ३—००

४६३८ **कुमारसंभवः** । डॉ० सूर्यकान्त सम्पादित १०—००

४६३९ **कुमारसंभवः** । अन्विल् वेंकट गोपालदास कृत व्याख्या सहित । १–३ सर्ग १—२५

४६४० **कुरलकाव्य** । एलाचार्यकृत तामिल भाषा का संस्कृत श्लोक–हिन्दी गद्य-पद्य सहित १०—००

४७४१ **कृष्णकर्णामृतम्** । मूलमात्र ०—७२, १—१२

४६४२ **कृष्णगीतिः** । सोमनाथ विरचित १—७५

४६४३ **कृष्णलीलातरङ्गिणी** । १—६२

*४६४४ **कृष्णस्य शान्तिप्रयासः** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्याद्वयोपेतः । महाभारत युद्ध के पूर्व शान्तिस्थापन के लिये भगवान् श्रीकृष्ण ने क्या क्या प्रयास किए, यही कथानक इस पुस्तक में वर्णित है १—५०

४६४५ **कोशावतंसः** । राघवकवि विरचित २—२५

*४६४६ **क्षेमेन्द्र कृत औचित्यविचारचर्चा** । संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या सहित । सम्पादक—आचार्य ब्रजमोहन शर्मा ४—००

४६४७ **क्षेमेन्द्र लघुकाव्यसंग्रहः** । डॉ० आर्येन्द्रशर्मा सम्पादित १५—००

४६३८ **गउडवहो** । वाक्पति विरचित । प्राकृत काव्य ५—५०

४६४९ **गङ्गातरङ्गिणी** । मान्तिट्ट शास्तृशर्म कुञ्जुनम्पूतिरि विरचित सव्याख्या ४—००

४६५० **गंगासागरीयम्** । विष्णुदत्त शुक्ल विरचित ५—००

*४६५१ **हिन्दी गाथासप्तशती** । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—श्रीनर्मदेश्वर चतुर्वेदी । पारिवारिक जीवन की तीव्र अनुभूतियों की झाँकी के साथ नायक-नायिकादि की चेष्टाओं एवं मनोभावों का विशद विवरण ५—००

४६५२ **गाथासप्तशती** । डा० परमानन्द शास्त्री कृत टीका सहित २०—००

*४६५३ **हिन्दी गाथासप्तशती** । (बृहत् संस्करण) व्याख्याकार-साहित्याचार्य जगन्नाथ पाठक । प्राकृत भाषा की इस श्रेष्ठतम काव्यकृति में प्राचीन भारतीय संस्कृति तथा ग्राम्य जीवन की अनूठी झाँकियाँ हैं । अलंकार-शास्त्र का तो यह बीज ही है। संस्कृतव्याख्या, विषयानुकूल भाषा में हिन्दी अनुवाद, व्याख्यात्मक विवेचन, विस्तृत भूमिका, सुविशद परिशिष्ट आदि प्रमुख विशेषताओं के कारण अपने विषय का यह संस्करण सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित हो रहा है । शीघ्र प्रकाशित होगा

४६५४ **गाथासप्तशती** । सातवाहन विरचित । मराठी टीका सहित २५—००

*४६५५ **गीतगोविन्दकाव्यम्** । महाकवि-श्रीजयदेव विरचितम् । 'इन्दु' नामक हिन्दी भाषा टीका विस्तृत भूमिका सहित १—००

४६५६ **गीतगोविन्दकाव्यम्** । जयदेव विरचित । मानाङ्क व्याख्या सहित ८—००

४६५७ **गीतगोविन्द**—अभिनय सहित २—००

४६५८ **गीतसुन्दरम्** । सदाशिव दीक्षित विरचित । १-२ भाग ०—३२

४६५९ **गीताञ्जलिः** । पुल्लेल श्रीरामचन्द्रुडु विरचित ४—००

४६६० **गुरुकुलशतकम्** । मेधाव्रत कृत । हिन्दी टीका सहित ०—५०

४६६१ **गुरुनाथपरामर्शः** । मधुराज योगि विरचित ०—५०

४६६२ **गुरुवंशकाव्यम्** । लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत । भावबोधिनी व्याख्या सहित १-७ सर्ग १—७५

४६६३ **गुरुवंशकाव्यम्** । मूलमात्र । १-१९ सर्ग । सम्पूर्ण ३—००

४६६४ **गुरुस्तवमाला** । लक्ष्मणसूरि विरचित ०—३७

४६६५ **गुर्जररासावली** । ठाकोर-देसाई-मोदी सम्पादित २२—००

४६६६ **गोदवर्मयशोभूषण** । अरुणगिरि विरचित ०—७०

४६६७ **गोपिकोन्मादः** । ०—१०

४६६८ **गोपीचन्द्रेर गान** । डॉ० दिनेशचन्द्रसेन-विश्वेश्वर भट्टाचार्य-वसन्तरञ्जनराय सम्पादित (बंगाक्षर) १०—००
४६६९ **गौराङ्गविजय** । (बंगाक्षर) सुकुमार सेन सम्पादित ६—००
४६७० **ग्रामज्योतिः** । क्षमाराव १—५०
४६७१ **घटकर्परकाव्यम्** । जे० बी० चौधरी प्रणीत संस्कृत व्याख्या आंग्ल भाषानुवाद नोट्स आदि सहित ३—००
४६७२ **चक्रपाणिविजयमहाकाव्यम्** । भट्ट लक्ष्मीधर विरचित ३—५०
४६७३ **चतुरंग चातुरी** । अम्बिकादत्त व्यास प्रणीत दुष्प्राप्य १०—००
*४६७४ **चन्द्रप्रभचरितम्** । (तृतीय सर्ग) श्रीवीरनन्दिविरचित । परीक्षोपयोगी 'सुधा' सुविस्तृत हिन्दी टीका भूमिकादि सहित ०—४५
४६७५ **चन्द्रप्रभचरित** । वीरनन्दि विरचित २—५०
*४६७६ **चारुचर्या** । महाकवि श्री क्षेमेन्द्र विरचित मूल श्लोक तथा 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकार—श्री देवदत्त शास्त्री १—०२
४६७७ **चीमनीचरितम्** । नीलकण्ठ विरचित ५—००
४६७८ **चौरपञ्चाशिका** । बिल्हण कवि कृत । आंग्लानुवाद सहित ५—००
४६७९ **जंबूदीव-पण्णत्ति संगहो** । पउमणंदिकओ । हिन्दी टीका सहित १६—००
४६८० **जवाहरजीवनम्** । रामशरण शास्त्री विरचित । हिन्दी टीका सहित ७—००
४६८१ **जागरणम्** । शिवशरण शर्मा कृत १—२५
४४८२ **जातिमाला** । सोमनाथकृत २—००
४६८३ **जानकीहरम्** । कुमारदास विरचित। गोपाल रघुनाथ नंदरगीकर सम्पादित १०—००
४६८४ **जानकीहरणम्** । कुमारदास विरचित । हिन्दी टीका सहित २५—००
४६८५ **जामविजयकाव्यम्** । वाणिनाथ विरचित ५—००
४६८६ **जारजातशतकम्** । नीलकण्ठ कवि कल्पित । एन० ए० गोरे सम्पादित १—००
४६८७ **ढोलामारू की दोहाएँ** । मूल तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० शार्लोट वोदेविल १०—०२
४६८८ **ताम्बूलमञ्जरी** । जे० एस० पांडे संपादित ८—००
४६८९ **त्रिपुरदहनम्** । (यमककाव्यम्) वासुदेव प्रणीत । सव्याख्या १—७०
४६९० **दयानन्द दिग्विजय महाकाव्य** । मेधाव्रत प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ९—००
४६९१ **दयाशतक** । महादेशिक विरचित ०—२५
४६९२ **दशकण्ठवधम्** (रामचरितम्) दुर्गाप्रसाद द्विवेदी विरचितम् । स्वोपज्ञसाधुशुद्धिटीका समन्वित ४—००
४६९३ **दशग्रीववध महाकाव्यम्** । मार्कण्डेयमिश्र विरचित ३—००
४६९४ **दिग्विजयमहाकाव्यम्** । मेघविजय उपाध्याय विरचित ८—००
४६९५ **दुर्योधनवधम्** । बंशीधरशर्म कृत १—००
४६९६ **देलरामकथासारः** । राजानकभट्टाह्लाद विरचित ०—७५
*४६९७ **देववाणी-परिचायिका** । (सचित्र) श्री चक्रधरशर्मा सम्पादित १—६५
४६९८ **देवीशतकम्** । कृष्णनाथसार्वभौम विरचित ०—७५
४६९९ **देशिकेन्द्रस्तवाञ्जलिः** । महालिङ्ग शास्त्री कृत ०—५०
४७०० **देशोपदेशनर्ममाला** । क्षेमेन्द्र विरचित १—५०
*४७०१ **धर्माधिकारिवंशवर्णनम्** । श्रीवेणीरामपण्डितधर्माधिकारिविरचित समाप्त.

४७०२ **धर्माभ्युदयमहाकाव्यम्** । वस्तुपालचरित । उदयप्रभसूरि विरचित ८—५०
४७०३ **धार्मिकवर्णनलक्षणकाव्यम्** । ०—४०
४७०४ **नञ्जराजयशोभूषणम्** । नृसिंह कवि विरचित १२—००
४७०५ **नटेशविजयः** । वेंकट कृष्ण दीक्षित विरचित ०—७५
४७०६ **नरनारायणीयः** । सव्याख्या १—६२
४७०७ **नरेश्वरपरीक्षा** । पादज्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २—००
४७०८ **नलाख्यान** । भालण कृत (गुजराती) ६—००
*४७०९ NALOPAKHYANAM : Story of Nala. An Episode of the Maha-Bharata. The Sanskrit Text, with a Copious Vocabulary and An Improved Version of Dean Milonan's Translation by Monier Williams, M. A., D. C. L. (Chow. Sans. Studies Vol. LIII) 25—00
*४७१० **नलोपाख्यानम्** । (महाभारत-वनपर्व) श्री काशीनाथ द्विवेदी विरचित सान्वय 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या समालोचनात्मक भूमिकादि सहित २-५०
४७११ **नलोपाख्यानम्** । भूमिका, हिन्दी अनुवाद—शब्दसूची सहित । डॉ० जगदम्बाप्रसाद सिनहा १३—५०
४७१२ **नवोपहारः काव्यम्** । केशवदेव शुक्ल 'केशव' विरचित । 'सर' हरिगोविन्द मिश्र कृत भावभूषिणी हिन्दी टीका सहित ३—५०
४७१३ **नारायणशतकम्** । विद्याकरविरचित । पीताम्बर प्रणीत व्याख्या सहित ४—००
४७१४ **नारायणीयम्** । नारायण भट्टपाद विरचित । मूलमात्र ३—००
४७१५ **नारायणीयम्** । कोणत्त् शङ्करवारियर प्रणीत बालबोधिनी व्याख्या सहित १२-५०
४७१६ **नारायणीयम्** । आंग्ल व्याख्या सहित १५—००
४७१७ **नृपतिनीतिगर्भितवृत्तम्** । लक्ष्मीपति विरचित १०—००
४७१८ **नीलकंठसंदेश** । श्रीधरन नम्बी विरचित १—१५
४७१९ **नेमिदूतम्** । विक्रम प्रणीत । संस्कृत व्याख्या सहित । डा० फतेहसिंह १—५०
४७२० **नेमिनिर्वाणकाव्यम्** । वाग्भट विरचित १—५०
४७२१ **नेहरू-श्रद्धाञ्जलिः** । सं० रतनलाल दाधीच ४—००
४७२२ **नैषधपरिशीलन** । डॉ० चण्डिकाप्रसाद शुक्ल १०—००
४७२३ **नैषधीयचरितम्** । श्री हर्षविरचित । नारायणी व्याख्या सहित १२-००, १६-००
*४७२४ **नैषधीयचरितम्** । म० म० मल्लिनाथ कृत 'जीवातु' साहित्याचार्य श्रीहरगोविन्दशास्त्रीकृत 'मणिप्रभा' संस्कृत-हिन्दीटीकाद्वय सहित
मूल्य १म सर्ग १-००, १-३ सर्ग १-७५, १-५ सर्ग ३—५०
१-९ सर्ग ६—००, उत्तरार्ध ८—०० पूर्वार्ध ८—००
१-२२ सर्ग सम्पूर्ण ग्रन्थ १४—००
४७२५ **पउमचरियं** । विमलसूरि विरइयं । हिन्दी अनुवाद सहित । प्रथम भाग १८—००
४७२६ **पंचामृतम्** । (संस्कृत) डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित ३—००
*४७२७ **पञ्चामृत** । सम्पादक : प्रो० गौतम हंसवंशी
बी० ए० कक्षा में निर्धारित सूर-तुलसी-केशव-बिहारी-भूषण—के काव्यों के सभी अंश इसमें क्रमशः उपनिबद्ध हैं। कवि का प्रामाणिक जीवन-वृत्त, शब्दार्थ-भावार्थ, टिप्पणी आदि देने से इसकी सुबोधता और भी बढ़ गई है। ३—००

४७२८ **पण्डितराज-काव्य-संग्रहः ।** जगन्नाथ विरचित । डॉ० आर्येन्द्र शर्मा संपादित अजिल्द ६—००, सजिल्द ८—००

४७२९ **पतञ्जलिचरितम् ।** रामभद्र दीक्षित विरचित ०—८७

४७३० **पथिककाव्यम्** (रामनरेश त्रिपाठी रचित हिन्दी का संस्कृत रूपान्तर) । मधुकर शास्त्री ३—००

४७३१ **पदाङ्कदूत ।** श्रीकृष्ण सार्वभौम कृत । सव्याख्या ४—००

४७३२ **पदावलि ।** मेघसन्देशकुन्तलेश्वरदौत्ययोः। यतिराजसम्पत्कुमार रामानुजकृत ३—००

४७३३ **पद्मनाभशतकम् ।** रामवर्मप्रणीत ०—३०

४७३४ **पद्यचूडामणिः ।** बुद्धघोष प्रणीत । यशोधरा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रथम सर्ग २—००

४७३५ **पद्यपञ्चाशिका ।** हिन्दी टीका सहित ०—५०

४७३६ **पद्यपुष्पाञ्जलिः ।** संस्कृत मूल वी० एस० अय्यर कृत आंग्लानुवाद सहित २—००

४७३७ **पद्यमाला ।** सम्पादक हरिशंकर मिश्र १—००

४७३८ **पद्यमुक्तावली ।** श्रीकृष्णभट्ट कृत । मथुरानाथ शास्त्री सम्पादित ४—००

४७३९ **पद्यवेणी ।** वेणीदत्त विरचित । चौधरी संपादित १०—००

४७४० **पद्यहर्षचरित ।** वत्स्यराजगोपाल चक्रवर्ती विरचित १—२५

४७४१ **पद्यामृततरंगिणी ।** हरिभास्कर विरचित १५—००

४७४२ **पन्थदूत ।** भोलानाथकवि विरचित। चौधरी संपादित १—००

४७४३ **परमानन्दकाव्यम् ।** सरदेशाई संपादित १५—००

४७४४ **पवनदूतम् ।** धोयी विरचित १—५०

४७४५ **पादारविन्दशतकम् ।** मूककवि विरचित ०—२५

४७४६ **पारिजातहरण महाकाव्य ।** कवि कर्णपूर विरचित ८—००

४७४७ **पुरंजनचरितम् ।** कृष्णदत्त मैथिल प्रणीत । नीलमसोलङ्की सम्पादित ५—००

४७४८ **पुष्पबाणविलासः ।** कालिदास विरचित । सव्याख्या ०—५०

४७४९ **पुष्पमाला ।** सु० सुब्रह्मण्यम् २—००

४७५० **पूर्णपात्रम् ।** सूर्यनारायण शास्त्री १—००

४७५१ **प्रकृतिविलासः ।** के० एस० कृष्णमूर्ति शास्त्री कृत २—००

४७५२ **प्रतापकण्ठाभरण ।** कविराज प्रतापसिंह सङ्कलित । हिन्दी टीका सहित । १—५०

४७५३ **प्रभावकचरितम् ।** डा० हीरानन्द सम्पादित ३—००

४७५४ **प्रशस्तिमाला ।** ०—३२

४७५५ **प्राचीनफागुसंग्रह ।** भोगीलाल जे० सांदेसरा संपादित ८—००

*४७५६ **प्रेमरसायनम् । श्रीविश्वनाथपण्डितरचितम् । सटीक** १—२५

४७५७ **बनारसीविलास ।** सं० भवरलाल जैन १—५०

४७५८ **बल्लालचरितम् ।** आनन्दभट्ट विरचित १—५०

४७५९ **बारहमासा ।** प्राचीन अपभ्रंश, हिन्दी आदि बारहमासा पदों का सङ्कलन तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० शार्लोट वोदेविल १०—००

४७६० **बालभारत ।** अगस्त्य कृत । सव्याख्या । १-३ सर्ग २—००

४७६१ **बालरामायणम् ।** १—००

४७६२ **बुद्धभूषणम् ।** वेलंकर सम्पादित १—५०

*४७६३ **बुद्धचरितम्** । अश्वघोष कृतम् । हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक-महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री । हिन्दी ज्ञाताओं को काव्यानन्द के साथ भगवान् बुद्ध के मार्मिक एवं करुण जीवनचरित द्वारा शान्तरस का आनन्द सुलभ कराने की दृष्टि से यह संस्करण प्रस्तुत है । इसमें हिन्दी टीका विषयानुकूल प्रवाह-युक्त तथा सरल एवं सरस है।
१-२ भाग संपूर्ण ५—५०
प्रथम भाग (सर्ग १ से १४)—महाकवि अश्वघोष रचित संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित २—५०
द्वितीय भाग (सर्ग १५ से २८)—शास्त्री जी द्वारा स्व-परिश्रम-पूर्वक रचित संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित ३—००

४७६४ **बृहत्कथाकोश** । हरिषेणाचार्य विरचित १६—००
४७६५ **बोधिसत्त्वचरितम्** । सत्यव्रत शास्त्री ६—५०
४७६६ **ब्रह्मचर्यशतकम्** । मेधाव्रत विरचित सान्वय हिन्दी टीका सहित ०—६५
४७६७ **ब्रह्मर्षि विरजानन्दचरितम्** । मेधाव्रत प्रणीत हिन्दी टीका सहित १—००
४७६८ **भगवत्पादाभ्युदयः** । लक्ष्मणसूरि विरचित १—२५
४७६९ **भट्टारक सम्प्रदाय** । ८—००

*४७७० **भट्टिकाव्यम्** । 'चन्द्रकला' 'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दीटीकोपेत—
१-६ सर्ग ४—००, ७-११ सर्ग ४-००, पूर्वार्ध, १-११ सर्ग ८—००, उत्तरार्ध १२-२२ सर्ग ५—५०, १ से २२ सर्ग संपूर्ण १३—५०

*४७७१ **भर्तृहरिशतकत्रयम्** । (नीतिशतक, शृंगारशतक, वैराग्यशतक) सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित ३—००

४७७२ **भर्तृहरिशतकम्** । हरिदासवैद्य कृत विस्तृतहिन्दीटीका सहित १-३ भाग १७—००
(नीतिशतक ५—००, श्रृङ्गारशतक ५—००, वैराग्यशतक ७—००)

४७७३ **भगवत्पादसप्ततिः** । जगन्नाथ कवि विरचित । एन० वी० वेंकट सुब्रह्मन्य शास्त्री सम्पादित ०—३१

*४७७४ **भामिनी विलासः** । पण्डितराज जगन्नाथ विरचित । सान्वय 'प्रकाश' हिन्दी-व्याख्योपेतः-व्याख्याकारः श्रीराधेश्यामभिश्रः । प्रस्तुत ग्रंथ में कवि की अनूठी प्रतिभा का विलास दर्शनीय है । प्रायः सभी विषयों पर एक से एक बढ़कर उपदेशप्रद मार्मिक उक्तियाँ इसमें आद्यन्त हैं । व्याख्या में पहले दण्डान्वय फिर हिन्दी रूपान्तर तथा 'व्याख्या' के अन्तर्गत जितना कुछ उस पद्य के सम्बन्ध में विशेष ज्ञेय है, सब विस्तार से दिया गया है । इससे अधिक भावावबोधक विशद व्याख्या इसकी अबतक प्रकाशित नहीं हुई । विस्तृत भूमिका में पुस्तक से संबंधित काल-विशेष की संपूर्ण सांस्कृतिक झाँकी प्राप्त हो जाती है । पद्यानुक्रमणिका भी संलग्न है उच्चकक्षा के छात्रों तथा काव्यरसिकों के लिये अवश्य द्रष्टव्य संस्करण है । **अन्योक्तिविलास मात्र** ४—००, सम्पूर्ण १०—००

*४७७५ **भारत-कथा** । रचयिता—म० म० गङ्गाधर शास्त्री। सान्वय 'बोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित । मूलरामामण की तरह इस लघु पुस्तिका में संपूर्ण महाभारत की मूल कथा पूर्ण रूप से सुरक्षित है — १—००

४७७६ **भारतपारिजातम्** । (गांधी चरित) स्वामी भगवदाचार्य विरचित । संस्कृतश्लोक, हिन्दी अनुवाद सहित — १८—००

४७७७ **भारतप्रशस्ति** । चि० कुञ्जन् राजा — ०—७५

४७७८ **भारत-सन्देशः** । शिवप्रसाद भारद्वाज रचित — २—००

४७७९ **भारतीविषादः** । महालिंग शास्त्री — २—००

४७८० **भूदान-यज्ञ-गाथा** । गणपतिशंकर शुक्ल कृत — ०—५०

४७८१ **भूपशतक** । राघववाचस्पति विरचित । चौधरी संपादित — १—००

४७८२ **भृङ्गदूत** । — १—७५

४७८३ **भोज और कालिदास** । हिन्दी टीका सहित — ३—६०

४७८४ **भ्रमरदूतकाव्य** । — ३—००

४७८५ **भ्रमरसन्देशः** । महालिङ्ग शास्त्री कृत — १—५०

४७८६ **मत्स्यावतारप्रबन्धः** । नारायणभट्ट प्रणीत — ०—२८

४७८७ **मधुराविजयम्** (वीरकम्पराय चरितम्) श्री गंगादेवी । आंग्लानुवाद तथा आंग्ल आलोचना सहित । सं०–यस० तिरुवेंकटाचारी — ९—००

४७८८ **मनोदूतम्** । विष्णुदास विरचित — १—२५

४७८९ **मन्दस्मितशतकम्** । मूककवि विरचित — ०—२५

४७९० **मयूरसन्देशः** । उदयविरचित । राजा सम्पादित — ५—००

४७९१ **मलयमारुत** । डॉ० वी० राघवन संपादित — ५—००

४७९२ **महात्ममहिममणिमंजूषा** । (नारायणस्वामि चरित काव्य) मेधाव्रत कृत । हिन्दीटीका सहित — ०—७५

४७९३ **महात्मविजय** । (महात्मा गांधी) — १—००

*४७९४ **महाभारतीय शीलनिरूपणाध्याय** । 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या अन्वय-समास-वाच्यपरिवर्तन सहित — ०—४०

४७९५ **महिषाशतक** । वाञ्छेश्वर कवि विरचित सव्याख्या — १—७५

४७९६ **मार्तण्डोदयः** । शेषशास्त्री विरचित — १—१२

४७९७ **मीरालहरी** । क्षमाराव प्रणीत — १—२५

४७९८ **मुद्गरदूतम्** । रामावतारशर्मा विरचित — १०—००

४७९९ **मूकपंचशती** । मूककवि कृत — १—००

*४८०० **मूलरामायणम्** । प्रथम परीक्षोपयोगी अन्वय–सुधाव्याख्या–समास–वाच्यान्तर–हिन्दी भाषानुवादसहित — ०—४०

*४८०१ **मूलरामायणम् महाभारतीयशीलनिरूपणाध्यायसहितम्** । सान्वय सुधा व्याख्या । उपर्युक्त सम्पूर्ण विषयों से युक्त — ०—७५

*४८०२ MEGHA DUTA Or CLOUD MESSENGER : A Poem in the Sanskrit Language by Kalidasa. Translated into English Verse, with Notes and Illustrations, by H. H. Wilson, M. A., F. R. S., etc., Boden Professor of Sanskrit in the University of Oxford. Third Edition. (Chow. Sans. Studies Vol. IX) — 7—50

*४८०३ **मेघदूतम्** । सञ्जीवनी-चारित्रवर्द्धिनी-भावबोधिनी-'सौदामिनी' संस्कृत हिन्दीटीका चतुष्टयोपेत १—२५

*४८०४ **मेघदूतम्** । व्याख्याकार-श्री शेषराज शर्मा । अत्युत्कृष्ट एवं गंभीर परिशीलन से युक्त हिन्दी और संस्कृत दोनों व्याख्याओं से युक्त यह संस्करण अब तक के प्रकाशित संस्करणों में सर्वोत्तम है । ४—५०

४८०५ **मेघदूतम्** । भरतमल्लिक प्रणीत व्याख्या तथा प्राचीन अष्टटीकाओं से टिप्पण किया हुआ चौधरी संपादित ८—००

४८०६ **मेघदूतम्** । एस० के० दे संपादित ५—००

४८०७ **मेघदूत : एक अध्ययन** । वासुदेवशरण अग्रवाल ४—५०

४८०८ **मेघदूत की वैदिक पृष्ठभूमि और उसका सांस्कृतिक संदेश** । सुधीरकुमार गुप्त ०—४०

४८०९ **मेघदूतत्रिविक्रमा** । द० वें० केतकर (मराठी) ५—००

४८१० **मेघदूत में रामगिरि अर्थात् रामटेक** । वा० वि० मिराशी (हिन्दी) ३—००

४८११ **मेघदूतविलासः** । बाक् कन्बे विरचित ५—००

*४८१२ **मोहन की वंशी : भजनसंग्रह** । डॉ० व्रजमोहन । इसे बार-बार पढ़ते रहने पर भी कोई नवीनता पुनः पढ़ने को बाध्य कर देती है । एक बार अवश्य देख कर जीवन सफल बनाइए ०—७५

४८१३ **यशोधरचरितमहाकाव्यम्** । वादिराजकृत । लक्ष्मण कृत व्याख्या तथा आंग्लानुवाद सहित ५—००

४८१४ **यादवाभ्युदयः** । वेदान्तदेशिक विरचित । अप्पयदीक्षित प्रणीत व्याख्या सहित १-४ सर्ग **२-६२**, ५-१२ सर्ग **३-५०**, १३-२४ सर्ग १०—५०

४८१५ **युधिष्ठिरविजयमहाकाव्यम्** । वासुदेव विरचित ३—००

*४८१६ **रघुवंशमहाकाव्यम्** (संपूर्ण) 'सञ्जीविनी' 'मणिप्रभा' संस्कृत-हिन्दी टीका 'विमर्श' सहित । ५—००

*४८१७ **रघुवंशमहाकाव्यम्** । 'सञ्जीविनी' 'मणिप्रभा' संस्कृत हिन्दी टीका 'विमर्श' सहित १-५ सर्ग १-५०, ६-१४ सर्ग २-२५, ५-१४ सर्ग २—५०

*४८१८ **रघुवंशमहाकाव्यम्** । मल्लिनाथी टीका तथा परीक्षोपयोगी अन्वय-सुधाव्याख्या-समास-कोष-भावार्थ-इन्दु नामक हिन्दी व्याख्या सहित प्रथम सर्ग ०—७५, १-४ सर्ग २—५०, द्वितीय सर्ग ०—७५, २-३ सर्ग १-५०, प्रथम व पंचम सर्ग १—५०, १-५ सर्ग ३-००, १-२ सर्ग १—५०, पृथक् पृथक् सर्ग ०—७५

*४८१९ **रघुवंशमहाकाव्यम्** । १३-१४ सर्ग । 'चन्द्रकला' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-पं० श्री शेषराज शर्मा रेग्मी १-५०

४८२० **रम्भाशुकसंवादः** । हिन्दी टीका सहित ०—२५

*४८२१ **रसचन्द्रिका** । विश्वेश्वर पाण्डेय विनिर्मित १—००

*४८२२ **रसराज** । कविवर मतिराम विरचित । आचार्य रामजी मिश्र रचित सरस, सरल प्रामाणिक हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित ७—५०

४८२३ **रसिकरमणकाव्यम्** । रघुनाथ विरचित ०—७५

*४८२४ **रसिकाष्टककाव्यम्** । ०—८५

४८२५ **रसोत्सवम्-रसक्रीडा** । २—२५

*४८२६ **राक्षसकाव्यम्** । नूतन किशोरकेलि व्याख्या सहित ०—२५

४८२७ **राघवनैषधीयकाव्यम्** । हरदत्तसूरि विरचित । सव्याख्या १—००

*४८२८ **राघवपाण्डवीयम्** । कविराज पंडित विरचित । सरस, सरल-विवेचनात्मक 'सुबोधिनी' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित । व्याख्याकार पं० दामोदर झा १२—५०

४८२९ **राघवीयम्** । रामपाणिवाद विरचित १—७०

४८३० **राजतरङ्गिणी** । जैन श्रीधर तथा शुक विरचित । मूलमात्र । श्रीकंठ कौल संपादित ३०—००

४८३१ **राजतरङ्गिणी** । कल्हण कृत । विश्वबन्धु संपादित । १–२ भाग ६०—००

४८३२ **राजतरङ्गिणी** । कल्हण विरचित । M. A. Stein संपादित ७५—००

४८३३ **राजतरङ्गिणी** । हिन्दी टीका सहित २०—००

४८३४ **राजतरङ्गिणी** । आंग्लानुवाद मात्र । १–२ भाग १००—००

*४८३५ **राजतरङ्गिणी-कोश** । डा० रामकुमार राय ।
कल्हण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया गया है । इसमें राजतरङ्गिणी में आये सभी नामों और विषयों की ससन्दर्भ व्याख्या प्रस्तुत की गई है । साथ ही लेखक ने एक विस्तृत भूमिका में कल्हण व्यक्तित्व और कृतित्व का विवेचन करते हुये विभिन्न विषयों, जैसे राजनीति, समाजशास्त्र, धर्म, और नीति आदि से सम्बद्ध उनके विचारों को प्रस्तुत किया है । राजतरङ्गिणी में आये विभिन्न राजाओं की वंशावलियों तथा कलिक्रमागत तालिकाओं का भी भूमिका के अन्तर्गत समावेश किया गया है । १५—००

४८३६ **राजविनोद महाकाव्य** । उदयराज विरचित २—२५

४८३७ **रामकर्णरसायनम्** । रामभद्रदीक्षित रचित ०—७५

४८३८ **रामकर्णामृतम्** । १—१२

४८३९ **रामचरितम्** । श्रीसन्ध्याकरनन्दि विरचित ...

४८४० **रामप्रसादी श्यामासंगीत** (Chants A Kāli de Rāmprasad) मूल बँगला तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० माईकेल लुप्सा १२—००

*४८४१ **रामवनगमनम्** । सुधा–इन्दुमती विस्तृत संस्कृत–हिन्दी टीका सहित । परिष्कृत अभिनव तृतीय संस्करण १—२५

४८४२ **रामशतकम्** । श्रीसोमेश्वर देव विरचित । हृदयमंजरी तथा बालबोधिनी टीकाद्वय सहित । मुनि पुण्यविजय तथा भोगीलाल जे० सन्देशरा संपादित १०-००

*४८४३ **रामाभ्युदय-यात्रा** । संपादक—आचार्य रुद्रप्रसाद अवस्थी । अध्योध्या से भगवान् राम की प्रथम यात्रा विश्वामित्र के यज्ञार्थ हुई थी । इसी यात्रा में उन्हें अनेक विद्याओं की प्राप्ति हुई । ताडका मरण, अहल्या-तरण आदि यशस्कर कार्य उनसे सम्पन्न हुए । अतः यह यात्रा उनकी अभ्युदय-यात्रा है । इसी का रोचक वर्णन इस पुस्तक का विषय है २—२५

*४८४४ **रामायणमञ्जरी** । महाकवि क्षेमेन्द्र विरचित । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । वाल्मिकिरामायण के आधर पर रचित महाकवि क्षेमेन्द्र की यह विशिष्ट रचना है । व्याख्या सरल एवं सरस होने से केवल हिन्दी के ज्ञाता भी इसका आनन्द ले सक्ते हैं । संपूर्ण ग्रन्थ यन्त्रस्थ
सुन्दरकाण्ड मात्र यन्त्रस्थ

४८४५ **रामायणमञ्जरी** । क्षेमेन्द्र कृत । सुन्दरकाण्ड के ३८१ श्लोक तक १—७५

४८४६ **रामायण संग्रह** । वे० वरदाचार्य कृत १—५०

४८४७ **रामोदन्तम्** । ०—६५

४८४८ **रावणवह महाकाव्य** । प्रवरसेन विरचित । सेतुतत्त्व-चन्द्रिका टीका द्वय सहित ३०—००

४८४९ **रिष्टसमुच्चयः** । दुर्गदेव विरचित १०—००

४८५० **रुक्मिणीकल्याणकाव्यम्** । १—२५

४८५१ **रुक्मिणीकल्याणकाव्यम्** । राजचूडामणिदीक्षित कृत ५—००

४८५२ **रुक्मिणीहरणं महाकाव्यम्** । काशीनाथ शर्मा द्विवेदी विरचित २५—००

४८५३ **रुद्रकवि तथा उनके ग्रन्थ** । यतीन्द्र विमल चौधरी २—५०

४८५४ **लघुकाव्यानि** । नीलकण्ठ दीक्षित विरचित १—००

४८५५ **लघुकाव्यानि** । कृष्णानन्द सरस्वती १—००

४८५६ **ललितविस्तरः** । वैद्योपाह्व श्री परशुराम शर्मा सम्पादित १२—५०

४८५७ **लीलावई** । कोऊहल विरइया । संस्कृत वृत्ति सहित २५—००

४८५८ **लोकप्रकाशः** । क्षेमेन्द्र विरचित १—००

४८५९ **लौकिक न्यायश्लोकाः** । आंग्लानुवाद सहित २—००

४८६० **वज्जालग्गम्** । संस्कृतच्छाया संवलित । जूलियस लेवर संपादित । २-३ खण्ड २—२५

४८६१ **वज्जालग्गम्** । (१-२००) गोरे संपादित ३—००

४८६२ **वनलता** । महालिङ्गशास्त्री प्रणीत १—००

४८६३ **वरदराजस्तवः** । अप्पयदीक्षित रचित ०—२५

४८६४ **वरदराजस्तवः** । अप्पयदीक्षित रचित । सव्याख्या १—२५

४८६५ **वसन्तविलासफागु** । सम्पादनकर्ता—मधुसूदन चिमनलाल मोदी ५—५०

४८६६ **वाग्मण्डनगुणदूतकाव्यम्**—वीरेश्वरकृत । **चन्द्रदूतकाव्यं**—जम्बूकृत ३—००

४८६७ **विक्रमचरितरास** । उदयभानुकृत । (गुजराती) २—००

*४८६८ **विक्रमाङ्कदेवचरितम्** । (प्रथम सर्ग) श्री विल्हण विरचित । पं० रामचन्द्र शर्म पाण्डेय एम. ए. सम्पादित प्रबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—६५

४८६९ **विक्रमाङ्कदेवचरितम्** । विल्हण विरचित । रमा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । १- १८ सर्ग १-३ भाग सम्पूर्ण २२—००
४८७० **विजयसेनप्रशस्ति** । उमापतिधर कृत । हिन्दी टीका सहित ०—७५
४८७१ **विद्वन्मोदतरङ्गिणी** । हिन्दी टीका सहित ०—५४
४८७२ **विष्णुचरितामृतम्** । स्वामी लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत २—५०
४८७३ **विष्णुभक्तिकल्पलताकाव्यम्** । पुरुषोत्तम विरचित । महीधर प्रणीत व्याख्या सहित १—००
४८७४ **विष्णुविलासः** । रामपाणिवाद विरचित । विष्णुप्रिया व्याख्या सहित ३—२५
*४८७५ वीरोत्साह-वर्धनम् । श्री पं० सुरेशचन्द्र त्रिपाठी
भारत-सीमा पर चीन-कृत उपद्रवों के प्रसंग पर छात्रों-सैनिकों में उत्साह एवं वीर-भावों के उद्बोधन तथा जागृति के लिये संस्कृत पद्यों में लिखी यह पुस्तिका अनुपम है। इसमें छन्दों का चयन भावानुकूल तथा भाषा अत्यन्त सरल है। ०—५०
४८७६ **वेंकटेशकाव्यकलापः** । ४—५०
*४८७७ वैराग्यशतकम् । भर्तृहरिविरचित । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा हिन्दी पद्यानुवाद सहित १—२५
४८७८ **वैराग्यशतकम्** । वैद्य हरिदासकृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ७—००
*४८७९ व्यवहारविज्ञानम् । सम्पादक, हरिहर झा । जीवन-निर्माण में किस व्यवहार-विधि का पालन करना चाहिए । इसका उपदेश ही इस पुस्तक का विषय है।
प्रथमा परीक्षा पाठ्य स्वीकृत प्रथम भाग ०—६०
द्वितीय भाग ०—७५
४८८० **शंकरजयन्त्युपहारः** । १—००
४८८१ **शकुन्तलामहाकाव्य** । (हिन्दी) भगवानदत्त शास्त्री 'राकेश' ३—००
४८८२ **शतकत्रयादिसुभाषितसङ्ग्रहः** । कोशाम्बी सम्पादित १२—५०
४८८३ **शतरञ्जकुतूहलम्** । ०—६२
४८८४ **शान्तिनाथचरितम्** । मुनिभद्रसूरि विरचित ५—००
४८८५ **शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः** । नीलकण्ठ विरचित ५—००
४८८६ **शाहेन्द्रविलासः** । श्रीधरवेङ्कटेश विरचित ३—००
४८८७ **शिञ्जारवः** । डॉ० कृष्णलाल विरचित ४—५०
४८८८ **शिवकेशादिपादान्तस्तुति** । शंकराचार्य कृत । सव्याख्या ०—७५
४८८९ **शिवतत्त्वरत्नाकर** । केलदि बसवभूपाल विरचित । प्रथम भाग १२—००
४८९० **शिवपरिणयः** । कृष्णराजानककृत । मुकुन्दरामशास्त्री कृत संस्कृत छायायुत ५—२५
४८९१ **शिवलीलामृत** । हिन्दी १—५०
४८९२ **शिवलीलार्णवः** । नीलकण्ठ दीक्षित विरचित ५—००
४८९३ **शिवविलासकाव्यम्** । दामोदर प्रणीत १—१५
*४८९४ शिशुपालवधम् । (माघकाव्यम्) मल्लिनाथकृत 'सर्वङ्कषा' व्याख्या साहित्याचार्य श्री हरगोविन्दशास्त्री कृत 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । १-६ सर्ग ३—०० संपूर्ण ८—००
*४८९५ शिशुपालवधम् । (तृतीयसर्ग) मल्लिनाथी—वल्लभदेवीटीकाद्वय सहित ०—५०

*४८९६ शिशुपालवधम् । सान्वय-मल्लिनाथीव्याख्या सहित १–३ सर्ग समाप्त
१–२ सर्ग समाप्त

*४८९७ शिशुपालवधम् । सान्वय-परीक्षोपयोगी सुधा व्याख्या-कोष-समासादि-व्याकरण-वाच्यपरिवर्तन-तात्पर्यार्थ-हिन्दी भाषार्थ सहित । १–२ सर्ग २—००

४८९८ **शीलदूतम्** । चारित्रसुन्दरगणि विरचित ०—२५

*४८९९ शृङ्गारतिलकम् । मूल ०—०५

*४९०० शृङ्गारतिलकम् । संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ

४९०१ **शृङ्गारतिलकम्** । मधुसूदनशास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ०—६०

४९०२ **श्रद्धाञ्जलिः** । डॉ० हरिदत्त पालीवाल निर्भय संपादित ०—१२

४९०३ **श्रद्धाभरणकाव्यम्** । चन्द्रधरशर्मं कृत । सटिप्पण ०—५०

४९०४ **श्रीकृष्णचरितम्** । समुद्रगुप्तरचित १—००

४९०५ **श्रीकृष्णावतार प्रशंसा** । सव्याख्या ०—५०

४९०६ **श्री गान्धिचरितम्** । श्री ब्रह्मानन्द शुक्ल विरचित 'प्रियंवदा' संस्कृत हिन्दी टीका सहित १—७५

४९०७ **श्रीतुकारामचरितम्** । क्षमाराव ५—००

४९०८ **श्रीरामगीतगोविन्दम्** । सव्याख्या १—३२

४९०९ **श्रीरामदासचरितम्** । क्षमाराव ५—००

४९१० **श्रीरामदेव-लीलामृत-कथा** । कृष्णशर्मा शास्त्री संस्कर्त्ता १—१०

४९११ **श्री रामामृत तरंग** । रामा पण्डित कृत (मराठी) ३—५०

*४९१२ श्रीलक्ष्मीसहस्रम् । वेङ्कटाध्वरिविरचितम् । श्रीनिवासपण्डितविरचित-सुबोधिनीव्याख्यया अवतरणेन निःश्रेणिकया च सम्भूषितम् २४—००

४९१३ **श्रीवेंकटेशकल्याणचरितम्** । वीरराघवाचार्य विरचित ०—९४

४९१४ **श्यङ्ककाव्यम्** । कृष्णकौर विरचित ५—००

४९१५ **षष्ठिशतकप्रकरणम्** । (गुजराती) नेमिचन्द्रभण्डारीकृत । संदेसरासम्पादित ५—००

४९१६ **सन्देशचतुष्टयम्** (१ कामसंदेशः, २ हंससंदेशः, ३ चकोरसंदेशः, ४ मारुतसंदेशः) ३—२५

४९१७ **सन्देशरासक** । (अपभ्रंशकाव्य) कवि अब्दुल रहमान विरचित । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी संपादित १०—००

४९१८ **संक्षिप्त रामायण मंजरी** । डा० हरिद्वारीलाल शर्मा–डा० श्रीनिवास शास्त्री २—५०

*४९१९ संस्कृत-काव्यकलिका । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र संपादित ०—६५

४९२० **संस्कृत काव्य भारती** । डा० रामजी उपाध्याय ०—७५

४९२१ **संस्कृतकाव्यमञ्जरी** । गौरीशंकर संपादित ४—२५

४९२२ **संस्कृत-काव्य-संग्रहः** । डा० विश्वनाथ भट्टाचार्य-रामगोपाल मिश्र संपादित १—७५

४९२३ **संस्कृतरवीन्द्रम्** । सं० डा० वे० राघव १२—५०

*४९२४ संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः । वेद से लेकर २० वीं सदी तक के संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का उद्गम, काल, इतिहास, रचयिताओं के संक्षिप्त इतिवृत्त इस ग्रन्थ में दिये गये हैं । संस्कृत साहित्य में श्रेष्ठ ग्रन्थ । १—५०

४९२५ **संस्कृतसाहित्यवार्ता** । देवदत्त त्रिपाठी संपादित ०—७५

*४९२६ **संस्कृत सौरभम्** । (सचित्र : कक्षा ८ के लिये प्रस्तुत) पं० करुणापति त्रिपाठी—डा० सुभाषचन्द्र तनेजा ।
कक्षा ८ के अल्पवयस्क बालकों को अत्यन्त सरल रूप में संस्कृत का ज्ञान कराने के लिये यह पुस्तक लिखी गयी है । पाठों के अन्त में जो अभ्यास दिये गये हैं उनमें नवीन शैली अपनायी गई है । किं बहुना, पदे पदे आकर्षक चित्रों द्वारा बालकों के लिये उपयोगी बनाने का भगीरथ प्रयत्न किया गया है । १—२५

४९२७ **सतीचरित्रमहाकाव्यम्** । के० एस० कृष्णमूर्ति शास्त्रि विरचित २—५०

*४९२८ **समयमातृका** । वेश्याओं, कुट्टिनियों तथा विटों से सम्पत्ति-रक्षा के हेतु लिखी गई क्षेमेन्द्र की यह कृति उपदेशात्मक हास्य-व्यंग्य काव्यों में उत्तम है । मूल के साथ सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा अपेक्षित स्थलों पर टिप्पणी सहित यह उत्तम संस्करण है । ४—००

४९२९ **समुद्रसङ्गमः** । दाराशिकोह प्रणीत १२—००

*४९३० **सहृदयानन्दकाव्यम्** । कृष्णानन्द विरचित । श्री वाचस्पति द्विवेदी कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका युक्त यन्त्रस्थ

४९३१ **साम्बपञ्चाशिका** । क्षेमराज प्रणीत ०—५०

४९३२ **साम्बपञ्चाशिका** । हिन्दी टीका सहित ०—५०

४९३३ **साम्राज्यलक्ष्मीपीठिका** । सुब्रह्मण्यशास्त्री सम्पादित ८—००

४९३४ **सावित्रीचरितम्-कूपमण्डूकवृत्तिः** । आत्माराम शास्त्री प्रणीत ०—७५

४९३५ **सिनेमाशतकम्** । पद्मदत्त ओझा कृत । हिन्दी टीका सहित ०—५०

४९३६ **सीतारामविहारकाव्यम्** । ओगंष्टि वंशवर्धन लक्ष्मणाध्वरि कृत ४—००

४९३७ **सुकृत कीर्तिकल्लोलिन्यादि वस्तुपाल प्रशस्ति संग्रह** । ६—६०

४९३८ **सुरजनचरितम्** । (महाकाव्य) चन्द्रशेखर विरचित । चौधरी सम्पादित ८—००

४९३९ **सुरजनचरितम्** । डा० चन्द्रधर शर्मा संपादित हिन्दी अनुवाद एवं टिप्पणी और विस्तृत भूमिका सहित ८—००

४९४० **सुरथोत्सवः** । सोमेश्वरदेव विरचित १—२५

*४४९४१ **सुवृत्ततिलकम्** । क्षेमेन्द्र विरचित । 'प्रभा विभा'-संस्कृत हिन्दी व्याख्यायुत यन्त्रस्थ

४९४२ **सुश्लोककुमार** । मराठी श्लोकबद्धानुवाद ४—००

४९४३ **सुश्लोक गोविंद** । काव्यार्चा मराठी श्लोकबद्धानुवाद ४—००

४९४४ **सुश्लोक मेघ** । मराठीकाव्यानुवाद ४—००

*४९४५ **सूर्यशतकम्** । 'कला' हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित । व्याख्या के साथ साथ पौराणिक अन्तःकथायें भी स्पष्ट की गई हैं । विचार पूर्ण विशद भूमिका में भी कवि तथा काव्य से संबन्धित गवेषणापूर्ण अनल्प सामग्री प्रस्तुत की गई है । २—५०

४९४६ **सौन्दरानन्दः** । अश्वघोषकृत । मूल संस्कृत और हिन्दी अनुवाद ३—००

४९४७ **सौन्दरानन्दकाव्यम्** । अश्वघोष विरचित । डा० हरप्रसाद संपादित ३—००

४९४८ **स्तवरत्नत्रयम्** । के० एस० कृष्णमूर्ति शास्त्री कृत २—००

४९४९ **स्तुतिकुसुमाञ्जलिः** । काश्मीरक जगद्धर भट्ट विरचित । लघुपञ्चिका संस्कृत तथा प्रेम मकरन्द-हिन्दी टीका सहित ६५—००
४९५० **स्तुतिशतकम्** । मूककवि विरचित ०—२५
४९५१ **हंसदूतकाव्यम्** । वामनभट्टबाण विरचित ३—००
४९५२ **हंससन्देशः** । सव्याख्या । १-२ आश्वास ०—५६
४९५३ **हरनामामृतम्** । षोडशसर्गात्मक काव्य । विद्याधर शास्त्री १—००
४९५४ **हरिचरितम्** । परमेश्वरकृत । सटीक ७—५०
४९५५ **हरिशतक** (भर्तृहरिशतक का काव्यात्मक हिन्दी रूपान्तर मूल सहित) । गोपालदास गुप्त ५—००
४९५६ **हरिहरचतुरङ्गम्** । गोदावरमिश्र प्रणीत ६—५०
*४९५७ हिन्दी काव्य मञ्जूषा । **रमाशंकर पाण्डेय** (वाराणसी की उत्तरमध्यमा प्रथमखण्ड परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) । इसमें चन्दबरदायी से दिनकर तक २६ कवियों की रचनाओं के 'राष्ट्र शक्ति के विकास में योगप्रद' अंशों का संकलन किया गया है । प्रति पृष्ठ पर पर्यायबोधक विस्तृन टिप्पणी दी गई है तथा अन्त में प्रत्येक कवि का वृत्तबोधक संक्षिप्त विवरण भी दिया गया है । ३—००

गद्यकाव्य-ग्रन्थाः

४९५८ **अभिज्ञानशाकुन्तलचर्चा** । २—२५
४९५९ **अभिनवकथा निकुञ्जः** । सं० शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदः ६—००
*४९६० **अभिलेखमाला** । व्याख्याकार झा-बन्धु । विभिन्न विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं में निर्धारित अभिलेखों का संग्रह । शिलालेखों के हिन्दी अनुवाद के साथ उनके ऐतिहासिक महत्त्व और साहित्यिक वैशिष्ट्य का विशद विवेचन प्रस्तुत किया गया है । साथ ही ऐतिहासिक नामों और स्थानों पर विस्तृत टिप्पणी तथा ग्रन्थारम्भ में समालोचनात्मक परीक्षोपयोगी विशद ऐतिहासिक भूमिका भी दी गई है ४—००
४९६१ **अमरभारती** । सं० रामचन्द्र द्विवेदी-रविशंकर नागर ८—००
४९६२ **अर्जुनोपाख्यान** । २—००
*४९६३ **अवदानकल्पलता** । तृतीयपल्लव । क्षेमेन्द्र विरचित ०—२५
४९६४ **अवदान-शतकम्** । (बौद्ध) परशुरामशर्म संस्कृत १२—५०
*४९६५ **अवन्तिकुमारियाँ** । श्री देवदत्त शास्त्री । इस पुस्तक में तीन अवन्तिकुमारियों (अवन्तिसुन्दरी, मालविका, सरस्वती) के जीवन की मर्मस्पर्शी कहानियों के बीच लेखक ने उस युग की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं नैतिक स्थितियों का बड़ा ही सुन्दर गवेषणात्मक चित्र प्रस्तुत किया है २—००
४९६६ **अशोक के अभिलेख** । डॉ० राजबली पांडेय ७५—००
४९६७ **अशोक के स्तम्भलेख** । अनुवादक : उमाशंकरशर्मा 'ऋषि' ०—७५

४९६८ **आधुनिक गुजरातना संतो ।** डॉ० केशवलाल अंबालाल ठक्कर (गुजराती) ७—००

४९६९ **आराजि बोजि ।** (राजा विक्रमादित्य का चरित जो राजा भोज को काष्ठ पुरुषों अर्थात् पुतलियों ने सुनाया) मोंगोल मूल, नागरी लिप्यन्तर-हिन्दी अनुवाद तथा मोंगोल भाषा का व्याकरण । आचार्य रघुवीर ३५—००

*४९७० **उत्कीर्णलेखपञ्चकम्** । व्याख्याकार झा-बन्धु । वाराणसी तथा दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालयों की शास्त्रिपरीक्षा में निर्धारित शिलालेखों का संग्रह । परीक्षा की दृष्टि से पदार्थबोधक हिन्दी अनुवाद, टिप्पणी और ऐतिहासिक महत्त्व तथा ग्रन्थारम्भ में विस्तृत ऐतिहासिक भूमिका दे देने से यह पूर्ण रूप से छात्रोपयोगी संस्करण हो गया है २—५०

*४९७१ **उपाख्यानमंजरी** । ('वेतालपंचविंशति' की कथाओं का संग्रह) बालकों को कथानक के माध्यम से संस्कृत भाषा एवं गद्यरचना से परिचित कराने के लिए यह ग्रन्थ प्रस्तुत किया गया है १—२५

४९७२ **ऋजुलघ्वी ।** मालतीमाधव कथा २—५०

४९७३ **कथापञ्चकम् ।** क्षमाराव २—००

४९७४ **कथामञ्जरी** (Belles Histoires) । फ्रेंच भाषा पुस्तक का संस्कृत रूपान्तर । श्रीमाता ३—००

४९७५ **कथामुक्तावली ।** क्षमाराव विरचित ४—५०

४९७६ **कथापञ्चदशी** (कथामुक्तावली कथासार) कथामुक्तावली–क्षमाराव कृत का अनुवाद १—२५

*४९७७ KATHA SARIT SAGAR or OCEAN OF THE STREAMS OF STORY-Translated from the Original Sanskrit by C. H. Tawney. 2 Vols. In the Press

*४९७८ **कलाविलासिनी वासवदत्ता** । देवदत्त शास्त्री । महाराज उदयन और महारानी वासवदत्ता का विशद इतिवृत्त रोचक कलामयी कहानियों में वर्णन किया गया है २—५०

*४९७९ **कादम्बरी** । 'चन्द्रकला' 'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका, विस्तृत प्रस्तावना, महाकवि की जीवनी, कादम्बरी समीक्षा, कथासार आदि आधुनिक विविध विषयों से सुसज्जित । पं० कृष्णमोहन शास्त्री एम० ए० सम्पादित । **कथामुखपर्यन्त** ३–७५, पूर्वार्द्ध १३–५०, उत्तरार्ध १०–५०, १-२ भाग संपूर्ण २४-००

*४९८० **हिन्दी कादम्बरी : महाश्वेतावृत्तान्त** । व्याख्याकार : प्रद्युम्न पाण्डेय । विभिन्न विश्वविद्यालयों की बी. ए. परीक्षा में निर्धारित । परीक्षोपयोगी हिन्दी व्याख्या, परिशिष्ट, भूमिकादि सहित ४—००

*४९८१ **हिन्दी कादम्बरी : शुकनासोपदेश** । व्याख्याकार : झाबन्धु । सान्वय संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक परीक्षोपयोगी भूमिकादि सहित ३—००

*४९८२ **कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन**। डा० वासुदेवशरण अग्रवाल
यह ग्रन्थ सम्पूर्ण कादम्बरी का व्यवस्थित आलोचनात्मक हिन्दी रूपान्तर है। कादम्बरी के विषय में इस एक ग्रन्थ को लेकर आप अन्य किसी ग्रन्थ की अपेक्षा नहीं रखेंगे। साहित्यप्रेमियों को इस ग्रन्थ का अवश्य संग्रह करना चाहिए १५—००

*४९८३ **कादम्बरीकथासारः** । हिन्दी-अङ्गरेजी व्याख्या विस्तृत भूमिकादि सहित। सम्पादक तथा व्याख्याकार- डॉ बलराम सदाशिव अग्निहोत्री
यह सार संकलन महाकवि बाण के कादम्बरी का संक्षेपीकरण है। विभिन्न विश्वविद्यालयों में पाठ्य स्वीकृत इस संकलन में कादम्बरी का सम्पूर्ण कथा-सूत्र पूर्ण सुरक्षित रखा गया है। व्याख्या करने में यह ध्यान रखा गया है कि विद्यार्थी उससे मूल के भावों तक पहुँच सकें साथ ही कथा की धारा भी टूटने न पाए। १०—००

४९८४ **कादम्बरी-संग्रह**। आर० वी० कृष्णाचारियर। १-२ भाग ५—२५

४९८५ **कान्हडदेप्रबन्ध**। पद्मनाभ विरचित १२—२५

४९८६ **कार्तवीर्यविजयप्रबन्धः**। आश्विनश्रीरामवर्म प्रणीत ०—३०

*४९८७ **काव्यप्रबन्धः**। (काव्यपदार्थविवृति-कविसमयादिनिरूपणात्मक) शास्त्री, आचार्य तथा संस्कृत लेकर बी० ए०, एम० ए० परीक्षा देनेवाले छात्रों के लिए सर्वोत्तम निबन्ध ग्रन्थ १—५०

४९८८ **काव्यानुशीलन**। पं० बलदेव उपाध्याय ४—५०

४९८९ **कुमारपाल चरित्रसंग्रह**। जिनविजय मुनि संपादित १०—००

४९९० **कुमुदिनीचन्द**। मेधाव्रत विरचित ४—००

४९९१ **कुसुमलक्ष्मीः** (संस्कृतभाषयोपनिबद्धमभिनवं प्रणयोपाख्यानम्) आनन्दवर्धन रामचन्द्र रत्न पारखी विरचित ४—५०

*४९९२ **कौमुदी-कथाकल्लोलिनी**। प्रो. रामशरण शास्त्री। इसकी कथा का आधार कथासरित्सागर में आए हुए नरवाहनदत्त की कथा है। संस्कृत के इस मौलिक गद्यकाव्य को पढ़ लेने पर संस्कृत साहित्य की विभिन्न कथा-शैलियों का एक चित्रण उपस्थित हो जाता है ८—७५

४९९३ **खरतरगच्छ बृहद्गुर्वावली**। जिनविजय मुनि संपादित ७—००

४९९४ **खर्जूरवाहक अर्थात् वर्तमान खजुराहा**। दामोदर जयकृष्ण काले। हिन्दी टीका सहित २—५०

४९९५ **गणिकावृत्तसङ्ग्रहः**। डा० स्टर्नबाक संगृहीत २०—००

३९९६ **गद्यपद्यमुक्ताहारस्य प्रथमसरः**। १—००

४९९७ **गुरुगुणरत्नाकरः**। सोमचारित्र विरचित ०—५६

४९९८ **गुर्वावलि**। मुनिसुन्दरसूरि विरचित ०—३१

४८९९ **चउप्पन्न महापुरिसचरियं**। सिरि सीलंकायरिय विरइयं। अमृतलाल मोहनलाल भोजक संपादित २१—००

*५००० **चतुर्वेदिसंस्कृतरचनावलिः**। (महामहोपाध्याय विद्यावाचस्पति पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी विरचित प्रकाशित अप्रकाशित यावत् निबन्धों का संग्रह) २०—००

*५००१ **चन्द्रप्रभाचरितम्** । म० म० श्री शङ्करलाल विरचित । यह अत्यन्त सरस हृदयग्राहिणी गद्यकथा है । इसका कथानक सविशेष रोचक है । इसकी शैली दण्डी एवं बाणभट्ट की कोटि की तरह उत्कृष्ट है । अनेक परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत हो जाने के कारण विज्ञ लेखक ने इसका सर्वबोध्य सुगम छात्रोपयोगी नोट्स भी प्रस्तुत कर दिया है । ५—००

५००२ **चन्द्रमहीपतिः** । श्रीनिवासशास्त्रि विरचित । पार्वती विवृति सहित ६—००
५००३ **चन्द्रापीडकथा** । सं० वी० अनन्ताचार्य १—१०
५००४ **चन्द्रापीडचरितम्** । अनन्ताचार्य ०—७५

*५००५ **चारुचर्या** । (भारतीय सदाचार) : हिन्दी रूपान्तर । रूपान्तरकार : श्री देवदत्त शास्त्री
महाकवि क्षेमेन्द्र विरचित शतश्लोकात्मक ग्रन्थ का यह हिन्दी रूपान्तर उसी नाम से प्रकाशित किया गया है । इसमें श्लोकार्थ अंकित कर 'तात्पर्य' द्वारा तन्निहित उदाहरण-कथा व्यक्त कर देने से बालकों का बड़ा हित हुआ है । २—००

*५००६ **चिन्तन के नये चरण** । श्री देवदत्त शास्त्री । भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, इतिहास, पुराण-उपनिषद्, नृत्य-नाटक-अभिनय-ये पाँच इस पुस्तक के विषय-स्तम्भ हैं । इस पुस्तक के निबन्धों के सभी विषय सामान्य और व्यापक होने के साथ ही साहित्यकारों एवं अनुसन्धायकों के नित्य उपयोग के हैं । विद्यार्थियों को तो इन निबन्धों में नई दृष्टि, नई चेतना और अनुसन्धान के नये आयाम मिलेंगे ६—००

५००७ **तिलकमञ्जरी** । धनपाल विरचित ४—५०
५००८ **तिलकमञ्जरी** । " शान्त्याचार्य प्रणीत टिप्पणी सहित । १-३ भाग १८-००
५००९ **दरिद्राणां हृदयम्** । श्री नारायणशास्त्रि कृत ०—४८

*५०१० **दशकुमारचरितम्** । दण्डि प्रणीत । पं० ताराचरण भट्टाचार्य कृत बालविबोधिनी-बालक्रीडा संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेत । सम्पूर्ण ५—५०
पूर्वपीठिका १-२५,* पूर्वपीठिका तथा प्रथम और अष्टम उच्छ्वास २—००
अपहारवर्मचरितपर्यन्त ३—००

५०११ **दशकुमारचरितं** । पदचन्द्रिका-भूषण-लघुदीपिका-पददीपिका व्याख्यासहित ३—५०
*५०१२ **दशकुमारचरितसारः** । डॉ० सत्यव्रतसिंह एम० ए० संपादित ०—६५
५०१३ **दिव्यदृष्टिः** । श्री नारायणशास्त्री कृत ०—४०
५०१४ **द्वासुपर्णा** । रामजी उपाध्याय विरचित ३—००
५०१५ **धर्मोपदेशमालाविवरण** । लालचन्द वी० गांधी सम्पादित ९—७५
५०१६ **नलोपाख्यानसंग्रहः** । लक्ष्मणसरि विरचित ०—५०

*५०१७ **नवसाहसांकचरितम्** । आचार्य परिमल पद्मगुप्त कृत । शास्त्री जितेन्द्रचन्द्र भारतीय कृत हिन्दी व्याख्या तथा विस्तृत अध्ययन समालोचनादि सहित । इसकी सारगर्भित हिन्दी व्याख्या में ग्रन्थ के भाव, भाषा, छन्द, शैली रस, अलंकार आदि का विशद विवेचन किया गया है । आगरा विश्वविद्यालय की परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत प्रथम सर्ग ०—७५

सम्पूर्ण ग्रन्थ १०—००

५०१८ **नाटककथासंग्रह** । वे० अनन्ताचार्य ग्रथित १—२५

५०१९ **नासिकेतोपाख्यानम्** । हिन्दी टीका सहित १—५०

५०२० **निबन्ध-संग्रह (हिन्दी-गुजराती विविध निबन्ध संग्रह)** संपादक—जिन विजय मुनि ५—००

*५०२१ **पञ्चतन्त्रम्** । काशीस्थ राजकीय सर्वविध प्रथमा तथा मध्यमापरीक्षा निर्धारित अश्लील अंशवर्जित विषमस्थलबोधिनी विवृति सहित पञ्चम तंत्र ०—१५ सम्पूर्ण २—००

*५०२२ **पञ्चतन्त्रं मित्रभेदः** । (प्रथम तन्त्र) पूर्वमध्यमा परीक्षानिर्धारित अश्लीलांशवर्जित बोधनी विवृति सहित ०—७५

*५०२३ **पञ्चतन्त्रम्** । श्री विष्णुशर्म प्रणीत । श्री गोकुल दास गुप्त कृत 'सरला' हिन्दी टीका सहित । संपूर्ण अजिल्द ४—०० सजिल्द ५—००

*५०२४ **पञ्चतन्त्रं मित्रभेदः** (प्रथम तन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत २—५०

*५०२५ **पञ्चतन्त्रं मित्रसंप्राप्तिः** (द्वितीय तन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत १—००

*५०२६ **पञ्चतन्त्रं काकोलूकीयम्**-(तृतीय तन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत १—२५

*५०२७ **पञ्चतन्त्रं लब्धप्रणाशम्** । (चतुर्थतन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत ०—५५

*५०२८ **पञ्चतन्त्रम्** (अपरीक्षितकारक त्रिस्तनी कथादि वर्जित) सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका टिप्पणी संक्षिप्तकथा, शिक्षासंग्रह, विस्तृत भूमिका आदि विषयों से विभूषित ०—७५

५०२९ **पञ्चतन्त्रसङ्ग्रहः** । २—००

५०३० **पंचाख्यान बालावबोध** । प्रथम भाग-प्रथम तन्त्र १८—६०

५०३१ **पालिजातकावलिः** । पं० बटुकनाथशर्मा संपादित ३—००

*५०३२ **पालिजातकरत्नावलिः** । पालि भाषा शिक्षार्थियों के लिए जातककी कहानियाँ ही सर्वोत्तम सहायक है । इसीलिए प्रायः सभी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में जातक निर्धारित किया जाता है । विद्यार्थियों के हित का सविशेष ध्यान रखकर संस्कृत छाया, प्राञ्जल हिन्दी अनुवाद विस्तृत-भूमिका आदि के साथ ३० जातकों का यह संकलन प्रकाशित किया जा रहा है । सम्पादक—श्रीकान्छेदीलाल गुप्त—श्रीसत्कारिशर्मावङ्गीय यन्त्रस्थ

५०३३ **पालिकथाप्रकाश** । पं० बटुकनाथ शर्मा संपादित पालिजातकावली का हिन्दी-संस्कृत तथा अंग्रेजी अनुवाद ३—००

५०३४ **पुरातनप्रबन्धसङ्ग्रहः** । ऐतिहासिक प्रबन्ध ८—५०

५०३५ **पुलकेशिका ऐहोल शिलालेख** । ०—६०

*५०३६ **पौराणिक कथाएँ।** श्री हृदयराम शर्मा
पुराणों में बिखरे हुए ७५ चरितनायकों का अपूर्व कथासंग्रह
उदात्त चरित्रों से परिपूर्ण इन ७५ पौराणिक आख्यानों से सब को रुचिपूर्ण उपदेशप्रद सामग्री मिलेगी, सबको सब प्रकार का अलौकिक ज्ञान प्राप्त होगा, पुराणों का मर्म समझ में आवेगा तथा कहानी कहने-सुनने की प्रवृत्ति तुष्ट होकर उत्कृष्ट मनोरंजन भी होगा। छात्र-छात्राओं के लिये अतिशय उपयोगी है। २—५०

५०३७ **प्रबन्धकोषः।** राजशेखरसूरिकृत। आचार्य जिनविजय संपादित ६—५०

५०३८ **प्रबन्धचिन्तामणिः।** मेरुतुङ्गाचार्य कृत। आचार्य जिनविजय संपादित ६—५०

५०३९ **प्रबन्धचिन्तामणि।** मेरुतुङ्गाचार्य विरचित। अंग्रेजी अनुवाद मात्र ३—७५

*५०४० **प्राकृतपुष्करिणी।** हिन्दी अनुवाद सहित। डा० जगदीशचन्द्र जैन। अलंकार ग्रन्थों में उद्धृत प्राकृत की चुनी हुई पाँच सौ गाथाओं का अभूतपूर्व संकलन। ये गाथाएँ शृङ्गारपरक मुक्तक काव्य की सर्वोत्कृष्ट रचनाएँ हैं २—००

५०४१ **बाणचरितसार** (बाणभट्ट की आत्मकथा) संक्षेप २—००

५०४२ **बृहत्कथा।** गुणाढ्य विरचित का हिन्दी। नीलम अग्रवाल १२—५०

५०४३ **भारतविभूतयः।** हंसराज अग्रवाल कृत १—१२

५०४४ **भारतसंग्रहः।** (गद्यकाव्य) लक्ष्मणसूरि विरचित २—५०

५०४५ **भारतीयरत्नचरितम्।** रुद्रदत्त पाठक। सम्पादक-विष्णुवल्लभ शास्त्री-गोविन्द नरहरि वैजापुरकर ८—००

५०४६ **भासकथासारः।** महालिङ्ग शास्त्री प्रणीत। १ व ३ भाग २—००

५०४७ **भोजचरित्रम्।** १—६०

*५०४८ **भोजप्रबन्धः।** महाकवि बल्लालसेन विरचित ०—७५

*५०४९ **भोजप्रबन्धः।** 'राज्यश्री' हिन्दी टीका डॉ० भोलाशंकर व्यास संपादित समालोचनात्मक भूमिका सहित १—५०

५०५० **मत्स्यावतारप्रबन्धः।** नारायणभट्ट प्रणीत ०—३०

*५०५१ **मन्दाकिनी।** डॉ० देवर्षि सनाढ्य। वाल्मीकि, कालिदास, भर्तृहरि, भारवि, श्रीहर्ष, मयूर, जयदेव आदि महाकवि और उनकी कविताओं पर विशेष प्रकाश डाला गया है १—२५

५०५२ **मन्दारमञ्जरी।** श्री विश्वेश्वर पाण्डेय विरचित। सव्याख्या ४—५०

५०५३ **मन्दारवती।** (बृहत्कथामञ्जर्युद्धृताभिनवकथा) १—१२

५०५४ **महिलामणि कीर्तनम्।** धर्मदेव कृत। हिन्दी टीका सहित २—५०

५०५५ **माधवानलकामकन्दला।** (प्रबन्ध) गङ्गापति विरचित। मजूमदार संपादित १५—००

५०५६ **मुद्राराक्षसनाटककथा।** महादेव विरचित। राघवन् संपादित २—५०

५०५७ **मुद्राराक्षसपूर्वसङ्कथानक।** अनन्तराम विरचित १—७५

५०५८ **यमकिंकर संवाद व्याख्या** (विष्णुपुराणस्थ) बालधन्वि जग्गु वेंकटाचार्य स्वामी ०—७५

५०५९ **रसिकजीवन** । गदाधरभट्टाचार्य विरचित । चौधरी संपादित ७—५०

५०६० **रामकथा** । वासुदेव विरचित ०—५०

५०६१ **रामविवाह** । (चित्रकाव्य) । लक्ष्मणशास्त्री १—००

५०६२ **लोकमान्यतिलकचरितम्** । (सचित्र) के० डब्ल्यू० चितले कृत ५—००

५०६३ **वर्णकसमुच्चय** । बी. जे. सांदेसरा संपादित । १-२ भाग १५—७५

५०६४ **वाल्मीकिविजयः** । वैद्योपाह्न परशुराम शर्मा विरचित २—५०

*५०६५ **वासवदत्ता** । सुबन्धु विरचित । चपला प्रबोधिनी संस्कृत-हिन्दी-टीका समालोचना, कवि की जीवनी आदि आधुनिक विषयों से सुसज्जित ५—००

५०६६ **वासवदत्ता कथा** । सुबन्धु विरचित । डॉ० जयदेव मोहनलाल शुक्ल संपादित ४—५०

५०६७ **विज्ञप्ति लेख संग्रह** (विज्ञप्ति त्रिवेणी-विज्ञप्ति महालेख-आनन्द प्रबन्ध लेखादि समुच्चयात्मक) प्रथम भाग १०—५०

*५०६८ **विदुलोपाख्यानम्** । लीला-विलास संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—६५

*५०६९ **विद्वद्विभूति** । लेखक-साहित्यरत्न प्रो० श्री रामचन्द्र झा (बिहार-संस्कृत समिति द्वारा नवीन मध्यमा परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) १—२५

*५०७० **विश्रुतचरितम्** । (दशकुमारचरित अष्टम उच्छ्वास) दण्डिप्रणीत । आचार्य कृष्णमोहन शास्त्री एम. ए. सम्पादित समालोचनात्मक भूमिका सहित 'बालविबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीकाविभूषित १—००

५०७१ **विश्वदर्शनम्** । हंसराज अग्रवाल कृत १—१२

*५०७२ **वेतालपञ्चविंशतिः** । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्या में कथाप्रसंग देते हुए ग्रन्थ के भावों को विशदरूप से स्पष्ट कर दिया गया है । संस्कृत का थोड़ा भी ज्ञान रखने वाले इस संस्करण से विशेष उपकृत होंगे । यन्त्रस्थ

५०७३ **वेतालपञ्चविंशतिः** । जम्भलकथा । दत्त विरचित । गोरे सम्पादित ३—५०

५०७४ **वेतालपंचविंशतिकथा** । १—५०

५०७५ **शङ्करजीवनाख्यानम्** । क्षमाराव २—००

५०७६ **शंकरविजय** । व्यासाचल विरचित ९—१२

५०७७ **शम्भूचर्योपदेशः** । महालिङ्गशास्त्री कृत ०—२५

५०७८ **शान्तिनाथचरितम्** । अजितप्रभाचार्य विरचित ३—००

५०७९ **शिलालेखललन्तिका** । ०—७५

५०८० **शिवराजविजयः** । अम्बिकादत्त व्यास कृत । वैजयन्ती व्याख्या सहित १-४ निश्वास ३—००, ५—८ निश्वास २—२५ १-८ निश्वास ५-२५, सम्पूर्ण ८—००

*५०८१ **शुकनासोपदेशः** । व्याख्याकार—झा-बन्धु । सरल संस्कृत व्याख्या-समास-विग्रहादि, हिन्दी अनुवाद, अलंकार-निर्देश, टिप्पणी, विशद आलोचनात्मक भूमिका आदि सहित ३—००

*५०८२ **शुकसप्ततिः** । विनोदिनी संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेता । व्याख्याकारः श्री रमाकान्तत्रिपाठी ।
प्रस्तुत कथा ग्रन्थ में उत्तम उपदेशप्रद ७० कहानियाँ हैं। क्लिष्ट संस्कृत में होने से इसकी व्याख्याओं की नितान्त आवश्यकता थी। बहुत ही सरल तथा प्रवाहमयी प्रस्तुत व्याख्याओं से मूल के प्रतिपद का अर्थ समझा जा सकता है। संस्कृत कथा-साहित्य का वैभव इस ग्रन्थ में स्पष्ट देखने को मिलता है। एक से एक अनूठी कथाएँ हैं। व्याख्याओं सहित यह सर्वप्रथम संस्करण अवश्य पठनीय है। विशद भूमिकादि सहित। १०—००

५०८३ **शेक्सपियरनाटककथावली** । २—७५

५०८४ **शृङ्गारमञ्जरीकथा** । भोजदेव विरचित । आंग्लानुवाद सहित । कुमारी कल्पलता–क० मा० मुन्शी संपादित १२—५०

५०८५ **श्रीरामावतार प्रकीर्ण प्रबन्धावली** । प्रथम खण्ड ११—००

५०८६ **श्रीसुभाषचरितम्** । वी० के० क्षत्रे कृत २—५०

५०८७ **संसार-सागर मन्थन** । १–२ भाग ४—००

५०८८ **संस्कृत-गद्य-कलिका** । डा० हरीन्द्रभूषण जैन सम्पादित १—००

*५०८९ **संस्कृत-गद्यकाव्य-कैरवी** । श्री चारुचन्द्र शास्त्री समाप्त

*५०९० **संस्कृत–गद्य–पद्यसंग्रहः** (हिन्दी टीका सहित) दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय परीक्षा पाठ्य स्वीकृत । २—५०

५०९१ **संस्कृत गद्य भारती** । डा० हरिदत्त शास्त्री–डा० राजकुमार जैन २—५०

५०९२ **संस्कृतगद्यमञ्जरी** । चन्द्रशेखर पाण्डेय कृत २—५०

*५०९३ **संस्कृत गद्यलहरी** । श्री हरिहर झा। संस्कृत के २० निबन्धों की इस पुस्तक में विभिन्न आधुनिक वैज्ञानिक विषयों एवं नवीन प्रगति का पर्याप्त ज्ञान सुरक्षित है। प्रतिपाठ के अन्त में अभ्यास के लिये कुछ प्रश्न तथा आवश्यक स्थलों पर चित्र भी हैं। प्रथम भाग १—५० द्वितीय भाग १—५०
१–२ भाग ३—००

*५०९४ **संस्कृत-सौरभम्** (सचित्र : कक्षा ८ के लिये प्रस्तुत) कक्षा ८ के अल्पवयस्क बालकों को अत्यन्त सरल रूप में संस्कृत का ज्ञान कराने के लिये यह पुस्तक लिखी गयी है। पाठों के अन्त में जो अभ्यास दिये गये हैं, उनमें नवीन शैली अपनायी गई है। किं बहुना, पदे-पदे आकर्षक चित्रों द्वारा बालकों के लिये उपयोगी बनाने का भगीरथ प्रयत्न किया गया है १–२५

५०९५ **सत्कथा मंजरी** । वरदाचार्य १—२५

५०९६ **समस्या समज्या** । भागवताचार्य स्वामिकृत २—००

५०९७ **समीक्षाशास्त्र** । श्री सीताराम चतुर्वेदी। विश्वसाहित्य में साहित्य समीक्षा का सब से विशाल ग्रन्थ २१—००

५०९८ **सावित्र्युपाख्यानम्** । संस्कृत–हिन्दी टीका सहित १—२५

५०९९ **साहित्य सुधा।** चारुदेव शास्त्री २—३७

५१०० **सिंहासन बत्तिशी।** स. आ. जोगलेकर (मराठी) ३—००

५१०१ **सीता रावण संवाद झरी।** चामराज नागराम रामशास्त्री विरचित। सव्याख्या। १-२ भाग ३—७५

५१०२ **सुन्दर विरुदावली।** १—२५

५१०३ **सेक शुभोदया।** हलायुध मिश्र प्रणीत। सुकुमार सेन कृत आंग्लानुवाद सहित ३०—००

५१०४ **सेठकन्हैयालाल पोद्दार अभिनन्दन-ग्रन्थ।** डॉ० वासुदेव शरण अग्रवाल ३०—०

५१०५ **स्थविरावलीचरितम्।** परिशिष्टपर्वण। हेमचन्द्र विरचित ५—००

*५१०६ THE STORY OF KING UDAYANA AS GLEANED FROM SANSKRIT, PALI AND PRAKRIT SOURCES by Dr. Srimati Niti Adaual. In the Press

*५१०७ **स्मृति के हस्ताक्षर।** (अतिशय रोचक और प्रेरक संस्मरण) देवदत्त शास्त्री
प्रस्तुत पुस्तक हिन्दी के संस्मरण-साहित्य का अङ्ग है। इसमें आए हुए रोमांचकारी यात्राओं तथा मधुराम्ल-लवण-कटु-कषाय-तिक्त वैयक्तिक घटनाओं के चुटीले प्रसंग जीवन को गति देने में अपूर्व क्षमता रखते हैं। ५—००

*५१०८ **हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्।** सायण भाष्य सहित 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या विमर्श सहित। व्याख्याकार : उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
उच्च कक्षाओं में निर्धारित इस मनोरम उपाख्यान ग्रन्थ का प्राच्य-पाश्चात्त्य उभयविध अध्ययन इसमें प्रस्तुत किया गया है। मूलपाठ के साथ सायणभाष्य, हिन्दी अनुवाद, भाषाशास्त्रीय टिप्पणियाँ तथा विशद भूमिका आदि से पुस्तक अधिक उपादेय हो गई है। २—५०

*५१०९ **हर्षचरितम्।** बाणभट्ट कृत। संकेत संस्कृत तथा आचार्य जगन्नाथ पाठक कृत हिन्दी व्याख्या द्वय विस्तृत प्रस्तावनादि सहित ७—००

५११० **हर्षचरितम्।** रङ्गनाथ कृत व्याख्या सहित ७—७५

*५१११ **हर्षचरितम्।** (प्रथम उच्छ्वास) कथाभट्टी संस्कृत हिन्दीटीकासहित समाप्त

*५११२ **हर्षचरितम्।** (पञ्चम उच्छ्वासः)। सुधा-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार श्री शिवनाथ शर्मा पाण्डेय ३—००

५११३ **हर्षचरित : एक सांस्कृतिक अध्ययन।** वासुदेव शरण अग्रवाल ९—५०

५११४ **हर्षचरित संग्रह।** आर० वी० कृष्णामाचारियर २—५०

५११५ **हर्षचरितसार।** मिराशी ४—५०

५११६ **हर्षचरितसार।** (मिराशी) हिन्दी अनुवाद। १-३ उच्छ्वास २—००

*५११७ **हर्षचरितसारः।** सं० हरिहर झा। इसमें उपशीर्षकों के प्रयोग-पूर्वक कथांश का सार भाग लिया गया है। क्लिष्ट गद्य भाग छोड़ दिया गया है। गद्य-साहित्य से सम्बन्धित सब आवश्यक जानकारी विचारपूर्ण भूमिका मात्र से हो जाती है १—५०

*५११८ **हितोपदेशः** । मूलमात्र । सटिप्पण । १—००

५११९ **हितोपदेशः** । नारायण विरचित । पी० पिटर्सन संपादित १—६९

*५१२० **हितोपदेशः** । किरणावली संस्कृत-हिन्दी व्याख्या द्वय सहित । इस विश्व प्रसिद्ध नीतिग्रन्थ की अत्यन्त सरल-सहज प्रतिपद बोधिनी विषयानुकूल ये दोनों व्याख्याएँ संस्कृत एवं हिन्दी मात्र जानने वालों के लिये भी अत्यधिक उपयोगी हैं । ३-५०

*५१२१ **हितोपदेश-मित्रलाभः** (अश्लीलांश वर्जित) सान्वय-किरणावली टीका, कथासार सहित (प्रथमा परीक्षा पाठ्य-स्वीकृत) १—००

*५१२२ **हितोपदेश-सुहृद्भेदः** । 'किरणावली' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतः १-२५

*५१२३ HISTORICAL AND LITERARY INSCRIPTIONS : By Dr. Rajbali Pandeya. M. A., D. Litt. (Chow. Sans. Studies Vol. XXIII) 15—00

अलङ्कारशास्त्र-ग्रन्थाः

५१२४ **अकबरसाहिश्शृङ्गारदर्पण** । पद्मसुन्दरविरचित २—००

५१२५ **अभिनवकाव्यप्रकाशः** । सटिप्पण । १-६ उल्लास १—५०

५१२६ **अभिनवकाव्यप्रकाशः** । गिरिधरलाल व्यास संकलित । १-८ उल्लास-प्रथम खण्ड । परिवर्द्धित संस्करण ५—००

५१२७ **अरस्तू का काव्यशास्त्र** । डॉ० नगेन्द्र-महेन्द्र चतुर्वेदी ७—००

५१२८ **अर्थव्यञ्जकताचित्रम्** । ०—३०

५१२९ **अलंकृतमणिमाला** । जी० वी० देवरथ कृत १—२५

*५१३० **अलङ्कारपीयूष** । डॉ० गङ्गासागर राय । परीक्षा में प्रष्टव्य चुने हुए ५२ अलंकारों के लक्षणों तथा उदाहरणों की मार्मिक हिन्दी व्याख्या सहित । बी. ए. तथा एम. ए. छात्रों के लिये परमोपयोगी १—५०

*५१३१ **अलङ्कारप्रदीपः** । श्रीविश्वेश्वर पाण्डेय निर्मित १—५०

५१३२ **अलङ्कारमञ्जरी** । वेणीदत्त कृत । बदरीनाथ झा संपादित २—००

५१३३ **अलङ्कारमञ्जूषा** । देवशङ्करपुरोहित विरचित ४—००

५१३४ **अलङ्कारमणिहारः** । परकालस्वामी प्रणीत । चतुर्थ भाग मात्र २—८१

५१३५ **अलङ्कार-मीमांसा (अलंकार सर्वस्व के सन्दर्भ में अलङ्कार-सिद्धान्त का अनुसन्धान)** डॉ० रामचन्द्र द्विवेदी १६—००

*५१३६ **अलङ्कारमुक्तावली** । श्रीविश्वेश्वर पाण्डेय निर्मिता १—५०

५१३७ **अलङ्काररत्नाकरः** । शोभाकर मित्र विरचित । देवधर सम्पादित ४—००

*५१३८ **अलङ्कारशेखरः** । केशवमिश्र कृत । साहित्याचार्य श्रीअनन्तराम शास्त्रिकृत भूमिकादि विभूषित १—२५

५१३९ **अलङ्कारसंग्रहः** । अमृतानन्दयोगिकृत १६—५०

*५१४० **हिन्दी अलङ्कारसर्वस्व** । रुय्यक विरचित । व्याख्याकार-आ० रेवाप्रसाद द्विवेदी

इस ग्रन्थ की प्राञ्जल हिन्दी व्याख्या में लेखक की अलंकार-शास्त्र-विषयक विद्वत्ता प्रति पृष्ठ में भरी हुई है। पाण्डित्यपूर्ण भूमिका से भी एतद्विषयक शास्त्रीय ज्ञान का क्रमबद्ध वर्णन प्राप्त हो जाता है। यन्त्रस्थ

५१४१ **अलंकारसर्वस्वम्** । राजानक रुय्यक-कृत । विद्याचक्रवर्ति-कृत 'संजीवनी' संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पादिका—कुमारी स० सु० जानकी । संशोधक—डॉ० वी० राघवन । २५—००, ३५—००

५१४२ **अलङ्कारसर्वस्वम्** । संजीविनी संस्कृत तथा हिन्दी व्याख्या सहित १५—००

*५१४३ **अलङ्कारसारमञ्जरी** । वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय सर्वविध मध्यमा परीक्षा पाठ्यरूपा । हिन्दी टीका सहित ०—५०

५१४४ **आचार्य मम्मट और उनका काव्यप्रकाश** । आचार्य रामचन्द्र झा २—००

५१४५ **कर्णभूषणम्** । गङ्गानन्द कविराज विरचित १—००

५१४६ **कविकल्पलता** । देवेश्वर विरचित । १-२ खंड १—५०

*५१४७ **काव्यकल्पलतावृत्तिः** । अमरचन्द्रयतिनिर्मिता दुष्प्राप्य

५१४८ **काव्यचन्द्रकला** । रामनारायणदास शास्त्री विरचिता १—००

५१४९ **काव्यदर्पणः** । राजचूडामणि दीक्षित विरचित ३—००

*५१५० **काव्यदीपिका** । 'मयूख'-'किरण' संस्कृत हिन्दीव्याख्या सहित २—००

*५१५१ **काव्यदीपिका-अष्टमशिखा** । डॉ० भोलाशंकरव्यास सम्पादित समालोचनात्मक भूमिकादि, 'मयूख' संस्कृत-हिन्दीटीका विभूषित १—२५

५१५२ **काव्यपरीक्षा** । श्रीवत्सलाञ्छन विरचित । स्वोपज्ञवृत्ति सहित ८—००

*५१५३ **काव्यप्रकाशः** । 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या टिप्पणी (नोट्स) समालोचनात्मक विस्तृत प्रस्तावनादि सहित । व्याख्याकार— डॉ० सत्यव्रतसिंह एम० ए०, पी-एच० डी० ।

१-३ उल्लास मात्र ३—०० दशम उल्लास मात्र ५—००

तृतीय परिवर्द्धित संस्करण । सम्पूर्ण १०—००

*५१५४ **काव्यप्रकाशः** । म० म० श्री गोकुलनाथ उपाध्याय कृत व्याख्या विभूषित । प्रथमोल्लास १—००

५१५५ **काव्यप्रकाशविवरणम्** । गोकुलनाथोपाध्याय विरचित । अपूर्ण पञ्चम उल्लास पर्यंत ८—००

*५१५६ **काव्यप्रकाशः** । 'नागेश्वरी'व्याख्यासहितः । तृतीय संस्करण ८—००

५१५७ **काव्यप्रकाशः** । माणिक्यचन्द्र विरचित संकेत व्याख्या सहित ४—७५

५१५८ **काव्यप्रकाशः** । वामनाचार्य झलकीकर प्रणीत व्याख्या सहित १८—००

५१५९ **काव्यप्रकाशः** । श्रीधरकृत काव्यप्रकाशविवेक व्याख्या सहित । २य भाग मात्र २०—००

५१६० **काव्यप्रकाशः** । भट्टसोमेश्वर विरचित काव्यादर्श संकेत सहित । १-२ भा. २०—२५

५१६१ **काव्यप्रकाशः** । विद्याचक्रवर्ति कृत सम्प्रदाय प्रकाशिनी व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित । १-६ उल्लास-प्रथम भाग १२—००

५१६२ **काव्यप्रकाशखण्डन**। खुश्‌फह्म् सिद्धिचन्द्रगणि विरचित ४—५०

*५१६३ **काव्यप्रकाशरहस्यम्** (काव्यप्रकाश–प्रश्नोत्तरी) नवीन संस्करण २—००

५१६४ **काव्यप्रदीपः**। गोविन्दविरचित। वैद्यनाथ प्रणीत व्याख्या सहित ३—००

५१६५ **काव्यमञ्जरी**। पदुमनदास कृत ३—००

*५१६६ **हिन्दी काव्य-मीमांसा**। व्याख्याकार डॉ० गंगासागर राय। प्रस्तावना–लेखक, आचार्य बलदेव उपाध्याय। इस संस्करण में सटिप्पण मार्मिक हिन्दी व्याख्या को तुलनात्मक तथा आलोचनात्मक रूप दिया गया है। प्रस्तावना में 'राजशेखर और शास्त्रीय सम्प्रदाय' के तुलनात्मक विवेचन के उपरान्त राजशेखर का समय, पूर्ववर्ती आचार्यों की परम्परा तथा उस में राजशेखर का स्थान, देश-काल, विषय-वस्तु आदि का मार्मिक परिचय दिया गया है। अन्त में ऐतिहासिक टिप्पणियाँ (नोट्स) भौगोलिक स्थानों का परिचय, काव्यमीमांसा के उपजीव्य ग्रंथ आदि कई परिशिष्ट भी हैं ८—५०

*५१६७ **काव्यमीमांसा**। राजशेखर विरचित। श्रीमधुसूदनमिश्रकृत संस्कृत व्याख्या सहित। सम्पूर्ण ४–००

*५१६८ **काव्यमीमांसा**। मधुसूदनी-बालक्रीडा संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। १–५ अध्याय १—००

*५१६९ **काव्यमीमांसा**। म० म० श्रीनारायण शास्त्री खिस्ते कृत 'काव्यमीमांसा चन्द्रिका' व्याख्या सहित। १–५ अध्याय १–५०

५१७० **काव्यलक्षणम्**। रत्नश्री ज्ञानकृतया रत्नश्रिया टीकया समलंकृतम् १५—००

५१७१ **काव्य-शास्त्र-दीपिका**। डा० विश्वनाथ भट्टाचार्य-रामगोपाल मिश्र संपादित १—५०

*५१७२ **काव्याङ्गनिर्णयः**। प्रो० जंगबहादुर मिश्र। समाप्त

*५१७३ **काव्यादर्शः**। दण्डिविरचित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र प्रणीत संस्कृत-व्याख्या, विमर्शाख्य हिन्दी भाष्य, समालोचनात्मक विस्तृत भूमिकादि विभूषित ६—५०

५१७४ **काव्यादर्श**। प्रेमचंद्र तर्कवागीश-जीवानंद विद्यासागर कृत व्याख्याद्वय-आंग्लानुवाद-बंगलानुवाद सहित। प्रथम परिच्छेद ६—५०

*५१७५ **काव्यालङ्कारः**। श्रीभामहाचार्यनिर्मित। आंग्ल भूमिकादि सहित यन्त्रस्थ

५१७६ **काव्यालङ्कार**। भामह विरचित। देवेन्द्रनाथ शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित ५—००

*५१७७ **हिन्दी काव्यालंकार**। महाकवि रुद्रट विरचित। व्याख्याकार–श्रीरामदेव शुक्ल।
नमिसाधुकृत संस्कृतटिप्पण, सविमर्श 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या, पाण्डित्यपूर्ण ग्रन्थालोचन, अलंकार-समीक्षण तथा शास्त्रीय विचारों से परिपूर्ण प्रस्तावना-वक्तव्य-परिशिष्ट आदि से सुसज्जित। १०—००

५१७८ **काव्यालंकार**। रुद्रट कृत। हिन्दी टीका सहित २१—००

५१७९ **काव्यालङ्कारसारसङ्ग्रहः** । उद्भट विरचित । इन्दुराजकृत लघुवृत्ति, एन० डी० बनहट्टी प्रणीत अंग्रेजी नोट्स सहित २—५०
५१८० **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । वामन विरचित वृत्ति समेत १—५०
५१८१ **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । वामन विरचित । पंचम अधिकरण ३—००
५१८२ **काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः** । वामन विरचित । कामधेनु टिप्पणी सहित ४—००
५१८३ **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १२—००
५१८४ **काव्यालङ्कारसूत्राणि** । यास्कविरचित व्रतिमङ्गलावृत्ति सहित १—२५
*५१८५ **काव्येन्दुप्रकाशः** । कामराजदीक्षित प्रणीत । श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री संपादित । शोधपूर्ण संस्करण ३—००
*५१८६ **कुवलयानन्दः** । डॉ० भोलाशंकर व्यास कृत 'अलंकारसुरभि' नामक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी तथा अलंकारशास्त्रीय इतिहासात्मक बृहत् भूमिकादि सहित ६—००
५१८७ **कुवलयानन्दचन्द्रिकाचकोरः** । जग्गू वेंकटाचार्य विरचित १५—००
५१८८ **गोदवर्मयशोभूषणम्** । अरुणगिरि कृत ०—७५
*५१८९ **चन्द्रालोकः** । गागाभट्टकृत 'राकागम' टीका सहित ४—००
*५१९० **चन्द्रालोकः** । पौर्णमासी, कथाभट्टी संस्कृत-हिन्दी व्याख्याद्वयोपेत ३—००
*५१९१ **चन्द्रालोक-पंचममयूखः** । डॉ० सुरेन्द्रदेव शास्त्री कृत सविमर्श 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित १—५०
*५१९२ **चन्द्रालोकरहस्यम्** (चन्द्रालोकप्रश्नोत्तरी) अभिनव संस्करण १—२५
५१९३ **चित्रमीमांसा** । अप्पय दीक्षित कृत । धरानन्द कृत सुधा संस्कृत व्याख्या सहित १६—००
*५१९४ **दशरूपकम्** । धनञ्जय विरचित । सावलोक । 'चन्द्रकला' हिन्दी व्याख्योपेत । समालोचनात्मक विस्तृत प्रस्तावनादि विभूषित, व्याख्याकार-डॉ० भोलाशंकर व्यास ८—००
*५१९५ **ध्वन्यालोकः** । लोचन-बालप्रिया टीका दिव्याञ्जनादि सहित समाप्त
*५१९६ **हिन्दी ध्वन्यालोक लोचन** । लोचन संस्कृत व्याख्या-प्रकाश विस्तृत हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार-आचार्य जगन्नाथ पाठक ।
इस संस्करण में ध्वन्यालोक और लोचन के साथ दोनों का व्यवस्थित हिन्दी अनुवाद, व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ तथा ग्रन्थ-गौरव के अनुकूल विचारपूर्ण विशद भूमिका आदि उपयोगी सामग्री उपनिबद्ध है ।
प्रथम उद्योत ४—००
संपूर्ण ग्रन्थ १६—००
*५१९७ **ध्वन्यालोकः** । कविशेखर पं० बदरीनाथ शर्म कृत दीधिति संस्कृत-व्याख्या पं० श्री शोभित मिश्र कृत हिन्दी व्याख्या, विस्तृत प्रस्तावनादि सहित ६—००
*५१९८ **ध्वन्यालोकः** । कविशेखर पं० बदरीनाथ शर्मा कृत 'दीधिति' संस्कृत व्याख्या, तथा श्री शोभित मिश्र कृत हिन्दी व्याख्या, विस्तृत प्रस्तावना सहित । प्रथम-द्वितीय उद्योत ३—००

५२१७ **रसतरंगिणी** । जयदत्त शास्त्री कृत । प्रथम खण्ड (गुजराती) ५—३७
५२१८ **रसदीर्घिका** । विद्याराम विरचित २—००
*५२१९ **रसमञ्जरी** । कविशेखर पं० बदरीनाथझाकृत 'सुरभि' संस्कृत व्याख्या आचार्य जगन्नाथपाठक कृत सुषमा हिन्दीव्याख्याद्वय सहिता ५—८०
५२२० **रसमञ्जरी** । भानुदत्त विरचित । व्यङ्ग्यार्थ कौमुदी व्याख्या सहित २—००
*५२२१ **रसमीमांसाविवेक** । गङ्गारामजडि विरचित । संस्कृत मूल, विवेक संस्कृत व्याख्या-आंग्ल-हिन्दी भूमिकादि युक्त । व्याख्याकार-डॉ० लाल रमायदुपाल सिंह
म० म० श्रीगङ्गाराम जडि विरचित रसमीमांसा मौलिक रसविवेचन है । पाँच पाण्डुलिपियों के आधार पर संशोधित एवं सम्पादित इस संस्करण में सम्पादक की 'विवेक' व्याख्या, पाण्डित्यपूर्ण अंगरेजी-हिन्दी भूमिका आदि प्रमुख विशेषतायें हैं । यन्त्रस्थ
५२२२ **रसरत्नप्रदीपिका** । अल्लराज विरचित ३—००
५२२३ **रसविलासः** । भूदेवशुक्ल कृत । श्रीमती प्रेमलता शर्मा संपादित ५—००
५२२४ **रूपकपरिशुद्धिः** । २—००
*५२२५ **हिन्दी वक्रोक्तिजीवित** । व्याख्याकार—राधेश्याम मिश्र । विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक प्रस्तावना तथा विविध-परिशिष्ट-विभूषित संग्राह्य संस्करण १५—००
५२२६ **वक्रोक्तिजीवितम्** । राजानक कुन्तकविरचितम् । सव्याख्या एस० के० दे सम्पादित १५—००
*५२२७ **वाग्भटालङ्कारः** । सिंहदेवगणि विरचित संस्कृत टीका, डा० सत्यव्रतसिंह कृत अभिनव शशिकला हिन्दी व्याख्या विस्तृत समालोचनादि सहित २—००
५२२८ **वीरतरंगिणी** । म० म० चित्रधर मिश्र विरचित । सं० डॉ० त्रिलोकनाथझा ३—००
५२२९ **वृत्तिवार्तिकम्** । अप्पयदीक्षित विरचित ०—३७
*५२३० **व्यक्तिविवेकः** । राजानक महिमभट्ट प्रणीत । श्री राजानक रुय्यक विरचित व्याख्या तथा मधुसूदनी विवृति सहित दुष्प्राप्य
*५१३१ **हिन्दी व्यक्तिविवेक** । राजानक महिमभट्ट प्रणीत राजानक रुय्यक विरचित संस्कृतटीका सहित । हिन्दी व्याख्याकार-श्रीरेवाप्रसाद द्विवेदी
इस संस्करण में मूलग्रन्थ तथा संस्कृत टीका के साथ विषयानुकूल सरल एवं सरस हिन्दी में उसका प्राञ्जल अनुवाद देकर 'विमर्श' में विषय का विशिष्ट विवेचन प्रस्तुत किया गया है । प्रयत्न करके शोधपूर्वक यथाप्राप्त पाठान्तर भी दिए गए हैं । अपनी कोटि का सर्वप्रथम संस्करण है । १६—००
५२३२ **शिशुप्रबोधकाव्यालंकारः** । पुञ्जराज विरचित । बी०एल० शंभोग संपादित ८—००
५२३३ **शृङ्गारप्रकाशः** । भोजदेव विरचित । १-२ प्रकाश १—७५
५२३४ **शृङ्गारप्रकाशः** । भोजदेव विरचितः । प्रथमादि चतुर्दश प्रकाशात्मकः । जी० आर० जोशयेर सम्पादित । १-२ भाग ५०—००

५२३५ **शृङ्गारमञ्जरी** । अकबरसाह कृत । ब्रजभाषा । रूपान्तरकार कवि चिन्तामणि । डा० भगीरथ मिश्र सम्पादित २—५०

५२३६ **शृङ्गारवैराग्यतरंगिणी** । शिवदत्तकवि कृत ०—२५

*५२३७ **शृङ्गारशतकम्** । भर्तृहरिकृत । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित १—००

५२३८ **शृङ्गारशतकम्** । वैद्य हरिदास कविराज कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ५—००

५२३९ **शृङ्गारसारिणी** । म० म० चित्रधर विरचित । सं० डा० त्रिलोकनाथझा ४—००

५२४० **शृङ्गारहारावली** । हर्ष विरचित २—७५

५२४१ **सभ्यालङ्करणम्** । गोविन्दजीत विरचित । चौधरी सम्पादित ३—००

५२४२ **सरलसाहित्यसङ्कलनम्** । प्रो० धर्मचन्द ४—००

५२४३ **सरस्वतीकण्ठाभरणम्** । भोजदेव विरचित । चित्रप्रकरण ०—८०

५२४४ **साहित्य और सौन्दर्य** । लेखक–डॉ० फतह सिंह । हिन्दी १—९०

*५२४५ **साहित्यदर्पणः** । 'लक्ष्मी' संस्कृत-व्याख्या-टिप्पणी विभूषित व्याख्याकार–कृष्णमोहन शास्त्री एम. ए. (परिष्कृत संस्करण) १५—००

*५२४६ **साहित्यदर्पणः** । विमर्शाख्य 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या, वक्तव्य, टिप्पणी (नोट्स) सुविस्तृत प्रस्तावना, दर्पण–समीक्षादि सहित । व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रत सिंह १२—५०
१–६ परिच्छेद ७–५०, ७–१० परिच्छेद ७—५०

*५२४७ **हिन्दी साहित्यदर्पण** । (षष्ठ परिच्छेद) विमर्शाख्य शशिकला हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार डा० सत्यव्रत सिंह । छात्रोपयोगी सर्वाङ्गपूर्ण व्याख्या ४—५०

*५२४८ **हिन्दी साहित्यदर्पण** । दशम परिच्छेद । विमर्शाख्य शशिकला हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार—डा० सत्यव्रत सिंह ५—००

५२४९ **साहित्यदर्पणः** । रामचरण तर्कवागीश भट्टाचार्य कृत व्याख्या सहित १२—५०

५२५० **साहित्यदर्पणः** । रामचरण तर्कवागीश भट्टाचार्य कृत व्याख्या—बंगलानुवाद सहित २०—००

*५२५१ **साहित्यदर्पणादर्शः** । (साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी) २—००

*५२५२ **साहित्य–निबन्धः** । वाराणसी, बिहार एवं पंजाब की साहित्यशास्त्री तथा आचार्य परीक्षा में निर्धारित निबन्ध ग्रन्थ १—२५

५२५३ **साहित्यविमर्शः** । सोमेश्वरशर्मा २—५०

*५२५४ **साहित्य-शास्त्र-सार** । हंसराज अग्रवाल तथा श्रुतिकान्त जी । संस्कृत के लक्षण-ग्रन्थों की तरह अत्यन्त व्यवस्थित तथा संक्षेप में साहित्य के सभी अंगों की हिन्दी में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह प्रथम ग्रन्थ है । इसकी शैली बड़ी सुबोध है और विषय के वर्गीकरण में बड़े कौशल से काम लिया गया है । पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी एतद्विषयक उत्तम विचारों से पूर्ण है । ४—५०

५२५५ **साहित्यसारः** । सर्वेश्वराचार्य विरचित २—५०

५२५६ **साहित्यसुधाकरः** । के० एस्० परमेश्वर शास्त्री संगृहीत १—००

सुभाषित-ग्रन्थाः

५२५७ **अन्योक्तितरङ्गिणी ।** मथुराप्रसाद दीक्षित । स्वोपज्ञ व्याख्या सहित २—५०
५२५८ **अन्योक्तिमुक्तावली ।** रामशास्त्री भागवताचार्य विरचित १—२५
५२५९ **अन्योक्त्यष्टकसङ्ग्रहः ।** प्रतिभात्रिवेदी सम्पादित २—००
५२६० **कर्णामृत प्रपा ।** भट्ट सोमेश्वर कृत २—२५
५२६१ **द्रविडार्यासुभाषितसप्ततिः ।** महालिङ्गशास्त्री कृत १—००
५२६२ **भर्तृहरिसुभाषित ।** १—१२
५२६३ **रामायणसूक्तिसुधाकर ।** ०—७५
५२६४ **व्याजोक्तिरत्नावली ।** महालिङ्गशास्त्री कृत २—००
५२६५ **संस्कृतलोकोक्तिप्रयोगः ।** ०—७५
५२६६ **संस्कृतसूक्तिरत्नाकर ।** डॉ० रामजी उपाध्याय । हिन्दी अनुवाद सहित २—५०
५२६७ **संस्कृतसूक्तिसागरः ।** नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित । सीताराम चतुर्वेदी सम्पादित २१—००
५२६८ **सदुक्तिकर्णामृतम् ।** श्रीधरदास प्रणीत । रामावतार शर्मा सम्पादित । १-२ खंड १—५०
५२६९ **सदुक्तिकर्णामृतम् ।** श्रीधरदास प्रणीत । सुरेशचन्द्र बनर्जी संपादित ४०—००
*५२७० **समयोचितपद्यरत्नमालिका ।** अकारादिक्रम से सुभाषित पद्यों का अनुपम संग्रह ०—७५
५२७१ **सारुक्तावली ।** सूक्तावली सहित ०—३७
५२७२ **सुभाषितत्रिंशतिः ।** भर्तृहरि प्रणीत । रामचन्द्र कृत व्याख्या सहित २—५०
५२७३ **सुभाषितरत्नकोषः ।** विद्याकर ग्रथित । कोशाम्बी संपादित नेट ४५—००
५२७४ **सुभाषितरत्नभाण्डागारः ।** सटिप्पण १५—००
५२७५ **सुभाषित सप्तशती ।** डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री २—५०
५२७६ **सुभाषितसुधारत्नभाण्डागारः ।** १२—००
५२७७ **सुभाषितावलिः ।** वल्लभदेव संगृहीत २०—००
५२७८ **सूक्तावली ।** गुरुप्रसाद संगृहीत । **सारुक्तावली ।** हरदयाल कृत ०—३७
*५२७९ **सूक्तिमञ्जरी ।** आचार्य बलदेव उपाध्याय । इस ग्रन्थ में विशाल संस्कृत-साहित्य से सूक्तियाँ चुनकर उनकी इतनी रोचक भाषा में ललित हिन्दी व्याख्या की गयी है कि संस्कृत से अनभिज्ञ भी इस ग्रन्थ के अनुशीलन से अपनी रसपिपासा शान्त कर सकता है । ८—००
५२८० **सूक्तिमाला ।** Gems from Sanskrit Literature. १—५०
५२८१ **सूक्तिमुक्तावली ।** गोकुलनाथोपाध्यायविरचित । भूपनारायण झा संपादित ७—५०
५२८२ **सूक्तिमुक्तावली ।** हरिहर प्रणीत । रमानाथ झा सम्पादित ८—००
*५२८३ **सूक्तिशतकम् ।** सम्पादक-श्रीहरिहर झा
दैनिक जीवन में व्यवहार्य रीति-नीति से सम्बन्धित सौ-सौ सूक्तियाँ चुनकर उन्हें मनोवैज्ञानिक दृष्टि से एक विशेष क्रम में रखकर इस पुस्तक को दो भागों में सजाया गया है । १-२ भाग १—५०
*५२८४ **सूक्तिसंग्रहः ।** श्रीराक्षसकविकृत । प्राज्ञविनोदिनीव्याख्यासंवलित ०—२०

५२८५ **सूक्तिसागर** । रमाशंकर गुप्त । हिन्दी १०—००
५२८६ **सूक्तिसुधाकरः** । सानुवाद अजिल्द ०—७५ सजिल्द १—२०
५२८७ **सूक्तिसुधातरङ्गिणी** । १-२ भाग १—७५
५२८८ **सूक्तिसुन्दरः** । सुन्दरदेव विरचित । चौधरी सम्पादित २—५०

चम्पू-ग्रन्थाः

५२८९ **आनन्दकन्दचम्पूः** । मित्रमिश्र विरचित ३—५०
५२९० **आनन्दरङ्गचम्पूः** । श्रीनिवास विरचित । राघवन् सम्पादित । सव्याख्या ४—५०
५२९१ **आनन्द-वृन्दावन-चम्पू** । कवि कर्णपूर कृत का हिन्दी-भावानुवाद । डॉ० बाँकेबिहारी ४—००
५२९२ **उषापरिणयप्रबन्धः** । ०—६०
५२९३ **कविमनोरञ्जकचम्पूः** । सीतारामसूरि विरचित १—७०
५२९४ **कुमारसम्भवचम्पूः** । साराभोजी महाराज कृत १—००
५२९५ **कुवलयमाला** । उद्योतन सूरि विरचित । प्रथम भाग १५—५०
५२९६ **कुवलयमाला कथा संक्षेप** । प्रथम भाग-परिशिष्टात्मकग्रन्थ ५—५०
५२९७ **कृष्णोल्लासः** । पा० रा० सुब्रह्मण्य शास्त्री विरचित ५—००
५२९८ **गुणेश्वरचरितचम्पूः** । बदरीनाथ झा कृत ४—५०
*५२९९ **चम्पूभारतम्** । (भारतचम्पू) अनन्तभट्टविरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावनादि सहित । व्याख्याकार—आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र ८—००
*५३०० **चम्पूरामायणम्** । भोजराज विरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेत । व्याख्याकार–आचार्यश्री रामचन्द्र मिश्र ६—००
*५३०१ **चम्पूरामायणम्** । (बालकाण्डम्) 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३—००
५३०२ **चोलचम्पूः** । विरूपाक्षकवि विरचित १—००
५३०३ **जीवन्धरचम्पूः** । हरिचन्द्र विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८—००
५३०४ **द्रौपदीपरिणयः** । चक्रकवि विरचित ०—७५
*५३०५ **नलचम्पूः** । चण्डपाल कृत विषमपद 'प्रकाश' संस्कृत व्याख्या तथा श्री कैलाशपति त्रिपाठी कृत विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक बृहत् भूमिका सहित । प्रथम उल्लास २—०० १-२ उल्लास ३—०० संपूर्ण ११—००
५३०६ **निम्बादित्यदशश्लोकी** । कुसुमाञ्जलि भाष्य संवलित ०—५०
*५३०७ **नीलकण्ठविजयचम्पू** । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार–आचार्य रामचन्द्र मिश्र । संस्कृत काव्यानन्द हिन्दी जानने वालों को भी प्राप्त हो एतदुद्देश्यक हिन्दी व्याख्या सहित यह संस्करण प्रस्तुत किया गया है । व्याख्या की भाषा का गुम्फन इस कौशल के साथ किया गया है कि मूल न पढ़ने पर भी वैरस्य न उत्पन्न हो । ५—००

५३०८ **नृगमोक्षप्रबन्धः** । नारायणभट्ट प्रणीत ०—८५

*५३०९ **नृसिंहचम्पूः** । डा० सूर्यकान्तशास्त्री सम्पादित समालोचनात्मक भूमिका विभूषित संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २—५०

*५३१० **पारिजातहरणचम्पूः** । शेषकृष्णविरचिता । सान्वय-श्रद्धा व्याख्योपेता । हिन्दी व्याख्याकारः—आचार्य त्रिनाथ शर्मा एम० ए० ३—५०

५३११ **पुरुदेवचम्पूः** । अर्हद्दास विरचित ०—७५

५३१२ **पूर्वभारतचम्पूः** । मानवेदप्रणीत । सटिप्पण ११—२५

५३१३ **भागवतचम्पूः** । अभिनव कालिदास विरचित २—००

५३१४ **भागवतचम्पूः** । रामपाणिवादकृत ४—५०

५३१५ **भागीरथीचम्पूः** । अच्युत शर्मा विरचित ३—००

५३१६ **भारतीयसिद्धान्तादेशः** । ०—३७

५३१७ **मन्दारमरन्दचम्पूः** । कृष्णकवि विरचित । सव्याख्या २—००

५३१८ **यशस्तिलकचम्पूमहाकाव्यम्** । सोमदेव सूरि विरचित । पूर्वार्द्ध—हिन्दी टीका सहित १६—००

५३१९ **यात्राप्रबन्धः** । समरपुङ्गव दीक्षित विरचित २—००

५३२० **रामानुजचम्पूः** । रामानुजाचार्य कृत । सव्याख्यानम् ३—००

*५३२१ **वरदाम्बिकापरिणयचम्पूः** । आंग्लानुवाद सहित । डा० सूर्यकान्त सम्पादित यन्त्रस्थ

५३२२ **विक्रमाङ्काभ्युदयम्** । सोमेश्वरदेव विरचित । मुरारीलाल नागर सम्पादित ६—५०

५३२३ **विरूपाक्षवसन्तोत्सवचम्पूः** । ३—५०

*५३२४ **विश्वगुणादर्शचम्पूः** । श्री वेङ्कटाध्वरिप्रणीत । श्री बालकृष्ण शास्त्री विरचित 'पदार्थ-चन्द्रिका' संस्कृत—व्याख्या, जटाशंकर पाठक कृत सान्वय—'प्रभा' हिन्दी व्याख्या भूमिकादि सहित
इस ग्रन्थ में नाटकीय शैली में भूलोक-वर्णन-पूर्वक भारतान्तर्गत समस्त प्रमुख नगर-नगरियों, नदियों, आश्रमों, अरण्यों तथा विविध विषयों के अध्येताओं का अति ललित तथा सरस वर्णन सरल भाषा में उपनिबद्ध है । १०—००

५३२५ **वीरभद्रचम्पूकाव्यम्** । पद्मनाभ मिश्र विरचित । चौधरी सम्पादित ६—००

५३२६ **शाकिनीसहकारचम्पूः** । गोपालकवि विरचित २—२५

५३२७ **श्रीनिवासविलासचम्पूः** । धरणीधर प्रणीत व्याख्या सहित १—२५

५३२८ **श्रीप्रतापचम्पूकाव्यम्** । दिलीपदत्त शर्मोपाध्याय विरचित १—५०

५३२९ **श्रीबालरामविजयचम्पूः** । सीताराम कवि विरचित ०—८५

५३३० **सर्वदेवविलासचम्पूकाव्यम्** । वी० राघवन् सम्पादित ४—००

५३३१ **सावित्रीपरिणयचम्पूः** । मण्डिकल् वरदाचार्य विरचित १—८७

भाण-प्रहसन-ग्रन्थाः

५३३२ **अनङ्गजीवनभाणः** । कोच्चुण्णिभूपालक प्रणीत ०—६०

५३३३ **उभयरूपकम् प्रहसनम्** । महालिंग शास्त्री ३—००

५३३४ **भगवदज्जुकम्** । बोधायन विरचित ०—६०

*५३३५ **मत्तविलासप्रहसनम्** । श्री महेन्द्र विक्रमँवर्म विरचित । श्री कपिलदेव गिरि कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित १-२५

५३३६ **मदनकेतुचरितम्** । रामपाणिवाद विरचित ०—८५

५३३७ **रससदनभाण** । युवराजकवि विरचित १—००

*५३३८ **लटकमेलकम्** । (प्रहसन) श्री कपिलदेवगिरि कृत प्रकाश हिन्दी टीका सहित १—२५

५३३९ **लीलाविलासप्रहसनम्** । ०—५०

५३४० **श्रृङ्गारतिलकभाण** । रामभद्रदीक्षित विरचित ०—५०

५३४१ **श्रृङ्गारभूषणभाण** । वामनभट्टवाण विरचित ०—३७

५३४२ **श्रृङ्गारसर्वस्वभाण** । बल्लालकवि विरचित ०—६२

५३४३ **श्रृङ्गारसुधाकरभाण** । आश्विनरामवर्म प्रणीत ०—४५

५३४४ **श्रृङ्गारसुन्दरभाणः** । ईश्वरशर्म विरचित २—२५

*५३४५ **हास्यार्णवप्रहसनम्** । श्री जगदीश्वर भट्टाचार्य विरचितम् । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-श्री ईश्वर प्रसाद चतुर्वेदी प्रस्तुत संस्करण में मूल के साथ विषयानुकूल मुहावरेदार सरल हिन्दी भाषा के माध्यम से संस्कृत साहित्य का हास्यरस प्रस्तुत किया गया है । २-५०

नाट्य-नाटक-ग्रन्थाः

५३४६ **अञ्जनापवनंजयनाटक-सुभद्रानाटिका** । हस्तिमल्ल विरचित ३—००

५३४७ **अद्भुतदर्पणनाटकम्** । महादेव विरचित १—००

५३४८ **अद्भुतपञ्जरम्** । नारायण दीक्षित प्रणीत ४—५०

*५३४९ **अनर्घराघवम्** । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी व्याख्या, समालोचना, पात्रालोचन, कथासार, ग्रन्थकार का जीवनवृत्त, नोट्स आदि से विभूषित ८—००

५३५० **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** । एस० के० वेलवलकर सम्पादित ५—००

*५३५१ ABHIJNANA SAKUNTALA : Text with Literal English Translation of All Metrical Passages and Notes By Monier Williams. (Chow. Sans. Studies Vol. XII) 15—00

*५३५२ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** । किशोरकेलि संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावना, नोट्स सहित । परिष्कर्ता-प्रोफेसर कान्तानाथ शास्त्री तेलङ्ग एम० ए० । अभिनव संस्करण ७—८०

*५३५३ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** । (चतुर्थ अंक) श्री देवदत्त शास्त्री । छात्रों के लिये परीक्षोपयोगी 'अनुशीलनान्वयार्थ' संस्कृत हिन्दी व्याख्या, विशद भूमिकादि सहित १—००

५३५४ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** । शंकर-नरहरिकृतटीकाद्वयसनाथीकृतं मिथिलापाठानुगम् १५—००

*५३५५ **अभिनयदर्पण** । आचार्य नंदिकेश्वर रचित । आलोचनात्मक परिचय तथा स्वतन्त्र हिन्दी व्याख्या सहित यन्त्रस्थ

५३५६ **अभिनव नाट्यशास्त्र** । सीताराम चतुर्वेदी । प्रथम भाग २५—००

*५३५७ **अभिषेकनाटकम्** । महाकवि भास विरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या समालोचनादि सहित । व्याख्याकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र २—५०

*५३५८ **अमृतोदयनाटकम्** । म. म. गोकुलनाथ उपाध्याय विरचित । आचार्य रामचन्द्रमिश्र कृत संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । ५—५०

*५३५९ **अविमारकम्** । महाकवि भास विरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या, समालोचनात्मक भूमिका सहित । व्याख्याकार-आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३—००

५३६० **आणंद-सुन्दरी** । घणस्साम-विरइआ (प्राकृत नाटक) भट्टनाथ विरचित संस्कृत व्याख्या सहित ५—००

५३६१ **आदिकाव्योदयम्** । महालिंग शास्त्री ६—००

५३६२ **आनन्दराधम्** । डॉ० यतीन्द्र विमल चौधरी ४—००

५३६३ **आनन्दविजयनाटिका** । १—२५

*५३६४ **आश्चर्यचूडामणिः** । शक्तिभद्र विरचित । आचार्य रमाकान्त झा कृत 'रमा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या समालोचनादि सहित ४—५०

५३६५ **आषाढस्य प्रथम दिवसे—महाश्वेता** । डॉ० वे० राघवन ०—६५

५३६६ **उत्तररामचरितम्** । घनश्याम कृत व्याख्या-पी० वी० काणे कृत नोट्स-भूमिका-सी० वी० जोशी कृत आंग्लानुवाद सहित १०—००

*५३६७ **उत्तररामचरितम्** । चन्द्रकला-विद्योतिनी-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, प्रो० कान्तानाथ शास्त्री तैलंग एम. ए. सम्पादित विशेष विवरण (नोट्स) सहित । अभिनव सुसंस्कृत संस्करण ४—५०

५३६८ **उत्तररामचरितम्** । मूलमात्र । डा० वेलवलकर सम्पादित २—५०

५३६९ **उद्गात्रीदशाननम्** । महालिङ्ग शास्त्री ४—००

५३७० **उन्मत्तराघवनामप्रेक्षाणकम्** । भास्करकवि विरचित ०—५०

५३७१ **उल्लाघराघवनाटकम्** । सोमेश्वर कृत । मुनि पुण्यविजय-सांदेसरा संपादित १२—००

५३७२ **उषारागोदया** । रुद्रचन्द्रदेव प्रणीत । सं० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री ३—००

*५३७३ **ऊरुभङ्गम्** । महाकवि भास विरचित । 'प्रकाश' नामक संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, आलोचना, कथासार सहित । व्याख्या० श्री कपिलदेवगिरि १—५०

५३७४ **कंसवधनाटकम्** । शेषकृष्ण विरचित ०—७५

५३७५ **कपालकुण्डला-रूपकम्** । विष्णुपद भट्टाचार्येण विरचितम् १—७५

५३७६ **कमलिनीकलहंसम्** । नीलकण्ठ प्रणीत २—२५

५३७७ **कर्णकुतूहलं-श्रीकृष्णलीलामृतकाव्यम्** । भोलानाथ विरचित १—५०

*५३७८ **कर्णभारम्** । प्रकाश संस्कृत हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का इतिवृत्त, ग्रन्थालोचन आदि विषयों से विभूषित । व्याख्याकार-रामजी मिश्र एम. ए. १—२५

५३७९ **कर्णभूषण** । १—००

५३८० **कर्णसुन्दरीनाटिका** । बिल्हण कृत १—२५

*५३८१ **कर्पूरमञ्जरी** । आचार्य रामकुमार एम. ए.-कृत 'मकरन्द' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स, समालोचनात्मक प्रस्तावनादि सहित ३—००

५३८२ **कलिप्रादुर्भावम्** । महालिङ्गशास्त्री विरचित १—००

५३८३ **कामशुद्धिर्नाम एकाङ्करूपकम्** । डॉ० वी० राघवन ०—६५

५३८४ **कालिदास के नाटक** । अनुवादक रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री ८—००

५३८५ **कालिदासीयोपरूपकाणां समुच्चयः** । ५—००

५३८६ **काश्मीरसन्धानसमुद्यमः** । (रूपकम्) निपजेर्भीमभट्ट कृत १—००

*५३८७ **कुन्दमाला** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या समालोचनादि सहित यन्त्रस्थ

५३८८ **कुन्दमाला** । दिङ्नाग विरचित । काली कुमारदत्त संपादित २२—५०

५३८९ **कुवलयावली** । (रत्नपांचालिका) शिंगभूपाल विरचित १—७०

*५३९० **कृषकाणां नागपाशः** । पं० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी (वागीशशास्त्री) विरचित । रेडियो द्वारा प्रसारित आधुनिक शिक्षाप्रद, बालकोपयोगी सरल सुबोध एकांकी नाटक ०—५०

ꕥ५३९१ COMIC ELEMENTS IN SANSKRIT DRAMA (Theory and Practice) By Dr. Lal Rama Yadupal Singh In the Press

*५३९२ **कौमुदीमहोत्सवनाटकम्** । विज्जिका विरचित । हिन्दी व्याख्या विस्तृत भूमिकादि सहित यन्त्रस्थ

५३९३ **घोषयात्रा** । युधिष्ठिर नृशंसयं ०—५०

*५३९४ **चण्डकौशिक** । आर्यक्षेमीश्वरविरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या समालोचनादि सहित। व्याख्याकार-पं० जगदीशमिश्र। जनसाधारण केअनुकूल भाषा-प्रयोग आदि में सरलता का ध्यान रखा गया है । विस्तृत भूमिका तथा परिशिष्टादि में इतिहास, समीक्षा, लक्षण, आलोचन आदि विविध उपयोगी विषय दिए गये हैं । ४—००

४३९५ **चण्डकौशिकम्** । आर्य क्षेमीश्वर विरचित । आङ्ग्लानुवाद सहित शिवानी दाशगुप्त सम्पादित १५—००

५३९६ **चतुर्भाणी** । अनु० व संपादक-डा० मोतीचन्द-वासुदेव शरण अग्रवाल २५—००

*५३९७ **चन्द्रकला नाटिका** । 'प्रभावली' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-श्रीबाबूलाल शुक्ल शास्त्री ।

नाट्यशास्त्र के अधिकारी विद्वान् श्री शुक्ल जी द्वारा रचित हिन्दी व्याख्या के साथ यह इसका सर्वप्रथम संस्करण है । व्याख्या विषयानुकूल मुहावरेदार भाषा में है, पढने पर अपूर्व आनन्द प्राप्त होता है, फिर भी मूल से कहीं भी संग-विच्युति नहीं है । विस्तृत भूमिका पद्यानुक्रमणिकादि सहित ६—५०

५३९८ **चन्द्रशेखरविलासनाटकम्** । तञ्जपुराधीश श्रीमच्छाह जी भूपाल विरचित १—००

५३९९ **चाणक्य-विजयम् नाम नाटकम्** । विश्वेश्वर विद्याभूषण विरचित ३—००

*५४०० **चारुदत्तम्** । प्रकाश-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत भूमिकादि सहित । व्याख्याकार-श्री कपिलदेवगिरि २—५०

*५४०१ **चैतन्यचन्द्रोदयम्** । कविकर्णपूरविरचितम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—आचार्य पं० रामचन्द्रमिश्र
संस्कृत साहित्य के इस अलौकिक नाटक में वेदान्तादि गम्य ब्रह्मतत्त्व और उसकी प्राप्ति के विषय में अति सरस विवेचन और मार्गदर्शन प्राप्त होता है । 'बहुजनहिताय' हिन्दी व्याख्या के साथ प्रकाशित होने से हिन्दी मात्र पठित व्यक्ति भी इसमें लाभ उठा सकते हैं । भूमिकानुक्रमणिकादि सहित ७—००

५४०२ **छायाशाकुन्तलम्** । जीवनलाल पारिख २—२५

५४०३ **जीवन्मुक्तिकल्याणनाटक** । नल्लदीक्षितर विरचित १—५०

५४०४ **जीवानन्दम्** । आनन्दरायमखि प्रणीत १—५०

५४०५ **जीवानन्दम्** । आनन्दरायमखिप्रणीत । संस्कृत व्याख्या सहित ३०—००

५४०६ **जीवानन्दम्** । हिन्दी टीका सहित ४—००

५४०७ **डमरुकम्** । घनश्याम विरचित ०—५०

*५४०८ DRAMAS Or A COMPLETE ACCOUNT OF THE DRAMATIC LITERATURE OF THE HINDUS: By H. H. Wilson. (Chow. Sans. Studies Vol. XVIII) 4—00

५४०९ **तापसवत्सराजनाटकम्** । अनङ्गहर्ष मटरुराज विरचित ५—००

५४१० **दीनदासरघुनाथम्** । यतीन्द्रविमलचतुर्धुरीणविरचितम् ४—००

८४११ **दुर्गाभ्युदयनाटकम्** । छज्जूराम शास्त्री कृत । हिन्दी टीका सहित २—००

५४१२ **दुर्योधनवधकाव्यम्** । वंशीधरशर्मप्रणीत हिन्दी टीका सहित १—००

*५४१३ **दूतघटोत्कचम्** । रामजी मिश्र एम. ए. विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का जीवनवृत्त, ग्रन्थपर्यालोचन आदि आधुनिक विषयों से विभूषित १—२५

*५४१४ **दूतवाक्यम्** । रामजी मिश्र एम. ए. विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का इतिवृत्त, समालोचना आदि सहित १—५०

*५४१५ **दूताङ्गद-नाटकम्** । 'दूताङ्गदचन्द्रिका' नामक संस्कृत हिन्दी टीका कथासार सहित १—००

५४१६ **धनञ्जयविजयः** । काञ्चनाचार्य विरचित ०—३७

५४१७ **धर्मविजयनाटकम्** । भूदेवशुक्ल विरचित १—२५

५४१८ **धीरनैषधम्** । रामावतारशर्मा संपादित ३०—००

५४१९ **नरकासुरविजयव्यायोगः** । धर्मसूरि विरचित ३—००

५४२० **नलचरित्रनाटकम्** । नीलकण्ठदीक्षित प्रणीत १—००

५४२१ **नवग्रहचरितम्** । घनश्याम प्रणीतम् । सं० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री १—८७

*५४२२ **नागानन्दनाटकम्** । पं. बलदेव उपाध्याय एम. ए. कृत भावार्थदीपिका संस्कृत-हिन्दी-टीका, नवीन प्रस्तावनादि सहित ४—००

५४२३ **नागानन्द** । तिब्बती अनुवाद तथा विधुशेखर भट्टाचार्य कृत भूमिका नोट्स सहित १५—००

५४२४ **नागानन्द : एक अध्ययन** । सुधीरकुमार गुप्त ३—००

५४२५ **नागेशः** (एकाङ्की रूपक) ०—४०

*५४२६ **नाटक-चन्द्रिका** । श्री रूपगोस्वामी प्रणीत। हिन्दी व्याख्या टिप्पणी आदि सहित । अनुवादक-श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
वैष्णव आचार्य रूपगोस्वामी की यह नाट्यकृति सर्वप्रथम मूल, सुबोध हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी, विचारपूर्ण आमुख तथा परिशिष्ट आदि के साथ प्रकाशित की गई है। इसमें उदाहरण भी वैष्णव रचनाओं से संगृहीत हैं। मध्यप्रदेशशासन द्वारा पुरस्कृत। ७—५०

*५४२७ **नाटकलक्षणरत्नकोशः** । श्रीसागरनन्दी-प्रणीत । हिन्दी व्याख्या सहित । अनुवादक—श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
यह इसका परिशुद्ध एवं व्याख्यासहित सर्वप्रथम संस्करण है जिसमें टिप्पणी-भूमिका आदि संलग्न कर सर्वजनोपयोगी बनाने का पूर्ण प्रयत्न किया गया है। यन्त्रस्थ

५४२८ **नाट्यदर्पणम्** । रामचन्द्र गुणचन्द्र कृत । सव्याख्या १५—००

५४२९ **नाट्यदर्पण** । रामचन्द्र गुणचन्द्रप्रे विरचित । हिन्दी व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वर २२—००

५४३० **नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक** । धनिक की वृत्ति सहित । हजारीप्रसाद द्विवेदी-पृथ्वीनाथ द्विवेदी १०—००

*५४३१ **नाट्यशास्त्रम्** । (शोधपूर्ण संस्करण) 'प्रदीप' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
इसकी सारगर्भित सरल सुबोध व्याख्या में भ्रामक मत-मतान्तरों के निरासपूर्वक इस कौशल से विषय का यथार्थ स्वरूप प्रतिपादित किया गया है कि एक बार पढ़ लेने मात्र से हृदय पटल पर विषय अंकित-सा हो जाता है। यथास्थान सभी नाट्यमुद्राओं के शताधिक चित्रों से सुसज्जित, सुविस्तृत भूमिका, पाठान्तर आदि से विभूषित शोधपूर्ण संस्करण। १-७ अध्याय प्रथम भाग शीघ्र प्राप्त होगा
द्वितीय भाग यन्त्रस्थ

५४३२ **नाट्यशास्त्रम्** । भरतमुनि प्रणीत। मूलमात्र। मनमोहन घोष संपादित। १-२७ अध्याय प्रथम भाग ४०—००

५४३३ **नाट्यशास्त्रम्** । भरतमुनिप्रणीत । अष्टाविंशाध्यायादारभ्य षट्त्रिंशाध्यायान्तो भागः। मनमोहनघोषेण संपादितः १५—००

५४३४ **नाट्यशास्त्रम्** । भरतमुनि प्रणीत। अभिनव गुप्ताचार्य प्रणीत व्याख्या सहित। चतुर्थ भाग मात्र २५—००

*५४३५ **नाट्यशास्त्रम्** । (प्रथम-द्वितीय अध्याय) 'मयूख' हिन्दी टीका ०—६५

५४३६ **नाट्यशास्त्रसंग्रहः** । १-२ भाग १९—००

*५४३७ **नारीजागरण-नाटकम्** । लेखक—पं० गोपाल शास्त्री दर्शनकेसरी
भारतीय महिलाओं को उनके गरिमामय स्वरूप का बोध कराने के लिये लिखा गया यह सरल, सरस एवं मनोरंजक संस्कृत नाटक स्त्री-पुरुष सभी के पढ़ने योग्य है। ४—००

५४३८ **निष्किञ्चनयशोधरम्** । डॉ० यतीन्द्रविमल चौधरी विरचित ५—५०

*५४३९ **पञ्चरात्रम्** । आचार्य श्री रामचन्द्रमिश्र कृत प्रकाश संस्कृत हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—५०

*५४४० **पाणिनीयनाटकम्** । पं० गोपालशास्त्री दर्शनकेसरी
'त्रिमुनि व्याकरणम्' इस नाटक की भित्ति है। महर्षि पाणिनि के इतिवृत्त के माध्यम से व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास ही इस नाटक का प्रतिपाद्य विषय है। अपनी मौलिक विशेषताओं के आधार पर ही यह डा० सम्पूर्णानन्द, आचार्य ब्रह्मदत्त जिज्ञासु आदि विद्वानों द्वारा बहुशः प्रशंसित हुआ है। २—००

५४४१ **पार्वतीपरिणयनाटकम्** । महाकविबाण विरचित ०—७५
५४४२ **पृथ्वीराजरासो** । मथुराप्रसाद दीक्षित १—००
५४४३ **पुनरुन्मेषः** । डॉ० वे० राघवन ०—६५
५४४४ **पुरञ्जनचरित** । श्रीकृष्णदत्त मैथिल प्रणीत ५—००
५४४५ **पुरञ्जनचरितनाटकम्** । सदाशिव लक्ष्मीधर कात्रे संपादित ३—००
५४४६ **प्रकृतिसौन्दर्यम्** । मेधाव्रत विरचित । हिन्दी टीका सहित १—२५

*५४४७ **प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, आलोचनात्मक टिप्पणी तथा भूमिकादि सहित २—००

*५४४८ **प्रतिमानाटकम्** । डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए० संपादित समालोचनात्मक प्रस्तावनादि विभूषित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स, नाटकीय विषय आदि सहित २—५०

५४४९ **प्रतिराजसूयं नाटकम्** । महालिंग शास्त्री प्रणीत ६—००

*५४५० **प्रबोधचन्द्रोदयम्** । आचार्य श्री रामचन्द्रमिश्र कृत 'प्रकाश'-संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—५०

५४५१ **प्रबोधचन्द्रोदय और उसकी हिन्दी परम्परा** । डॉ० श्रीमती सरोज अग्रवाल १०—००

५४५२ **प्रभावतीहरणम्** । ०—६२

*५४५३ **प्रसन्नराघवम्** । जयदेव विरचित । 'चन्द्रकला' संस्कृत हिन्दी व्याख्या समालोचना, नोट्स सहित । व्याख्याकार-आचार्य श्री शेषराज शर्मा शास्त्री ४—५०

*५४५४ **प्रियदर्शिका** । आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—००

५४५५ **प्रेक्षणकत्रयी** (विजयाङ्का-विकटनितम्बा-अवन्तिसुन्दरी) डॉ० वे० राघवन २—२५
५४५६ **बाणचरितसार** । श्रीलड्डूकृत २—५०

*५४५७ **बालचरितम्** । श्री रामजी मिश्र एम. ए. विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । पर्याय, समास, कोश, अलङ्कार, हिन्दी नोट्स, हिन्दी समालोचना, महाकवि भास की जीवनी, कथासार और गवेषणापूर्ण पात्रालोचन से सुसज्जित २—५०

५४५८ **बालचरितम्** । भास विरचित । हिन्दी टीका सहित । डॉ० एस० आर० सहगल संपादित १२—५०
५४५९ **भक्तसुदर्शननाटक** । मथुराप्रसाद दीक्षित २—००
५४६० **भक्तिविष्णुप्रियम्** । यतीन्द्रविमलचौधुरी १—५०

५४६१ **भरतनाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप** । डॉ० रायगोविन्दचन्द ५—००
५४६२ **भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम्** । हरिहरोपाध्याय विरचित ०—३१
५४६३ **भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम्** । महाकवि हरिहरविरचित । हिन्दीटीका सहित १—००
५४६४ **भारतविजयनाटकम्** । म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित २—५०
५४६५ **भारतहृदयारविन्दम्** । यतीन्द्र विमल चौधरी विरचित ५—००
५४६६ **भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण** । वाचस्पति गैरोला ११—५०
५४६७ **भास की भाषा सम्बन्धी तथा नाटकीय विशेषताएँ** । डॉ० जगदीशदत्त दीक्षित १५—००
*५४६८ **भासनाटकचक्रम्** । आचार्य बलदेव उपाध्याय सम्पादित 'महाकवि भास' नामक सुविस्तृत भूमिकादि विभूषित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । १-२ भाग २२—००
५४६९ **भास्करोदयम्** । यतीन्द्रविमल चौधरी विरचित । आंग्लानुवाद सहित १२—००
५४७० **भीमपराक्रमः** । शतानन्द कवीन्द्रसूनु विरचित १—१५
५४७१ **भीमविक्रमव्यायोगः** । व्यासमोक्षादित्य विरचित । **धर्मोद्धरणम् नाम नाटकम्** । दुर्गेश्वर पण्डित विरचित । उमाकान्त प्रेमचंद शाह सम्पादित ७—००
५४७२ **भूभारोद्धरणम्** । मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित ०—५०
५४७३ **भूमिकन्या** (भार्गवराम विट्ठल वरेरकर कृत 'भूमिकन्या सीता' का संस्कृत)। डा० रत्नमयी देवी दीक्षित २—५०
५४७४ **भैरवविलासः** । (प्रेक्षाणकम्) ब्रह्मत्र-वैद्यनाथ-प्रणीत । सम्पादक— श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री ३—००
५४७५ **भ्रमर काहली** । प्रभाकराचार्य प्रणीत ०—६०
५४७६ **मणिमञ्जरी** । बोम्मकण्टि रामलिंग शास्त्री कृत २—००
*५४७७ **मध्यमव्यायोगः** । श्री रामजी मिश्र एम. ए. विरचित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या-भास की जीवनी, पात्रालोचन आदि सहित १—२५
५४७८ **मनोनुरञ्जननाटकम्** । अनन्तदेव विरचित १—००
५४७९ **मलयजाकल्याणम्** । (नाटिका) वीरराघव प्रणीत । सम्पादक-श्रीबाबूलाल शुक्ल शास्त्री ३—२५
५४८० **महाप्रभुहरिदासम्** । डॉ० यतीन्द्रविमल चौधरी विरचित ३—००
*५४८१ **महावीरचरितम्** । भवभूतिप्रणीत । आचार्य रामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या-समालोचना-कथासार-नोट्स नाटकीय विविध विषय विभूषित ५—००
५४८२ **महावीरचरितम्** । आंग्ल-भूमिका-नोट्स-सहित । टोडरमल—ए. ए. मैकडानेल सम्पादित ७५—००
५४८३ **महिममयभारतम्** । डॉ० यतीन्द्रविमल चौधुरी विरचित ३—००
५४८४ **माणवक-गौरवम्** । कालीपद तर्काचार्य प्रणीतम् २—५०
*५४८५ **मालतीमाधवनाटकम्** । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका, समालोचना, पात्रालोचन, कथासार आदि विषयों से सुसज्जित । टीकाकार-साहित्यसुधाकर श्री शेषराज शास्त्री ५—००

५४८६ **मालतीमाधवम्** । पूर्णसरस्वती विरचित रसमंजरी व्याख्या सहित ५—५०

*५४८७ **मालविकाग्निमित्रम्** । कालिदास कृत । 'प्रकाश' नामक संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेत । टीकाकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३—५०

५४८८ **मुदितकुमुदचन्द्रप्रकरणम्** । यशश्चन्द्र विरचित ०—५०

*५४८९ **मुद्राराक्षस-नाटकम्** । 'शशिकला' संस्कृत-हिन्दी टीका, सविशेष टिप्पणी, नोट्स, समालोचना आदि से विभूषित । सम्पादक—डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए०, पी-एच० डी० ३—२५

५४९० **मृगाङ्कलेखानाटिका** । विश्वनाथदेवकवि विरचित १—००

*५४९१ **मृच्छकटिकम्** । प्रो० कान्तानाथशास्त्री तेलंग एम० ए० सम्पादित नोट्स, समालोचनादि सहित 'प्रबोधिनी'-'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका विभूषित ६—००

५४९२ **रघुनाथविलासनाटकम्** । यज्ञनारायण दीक्षित विरचित २—२५

५४९३ **रतिविजय** । के० एस० रामस्वामी शास्त्रिगल विरचित ०—२५

*५४९४ **रत्नावली-नाटिका** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स प्रस्तावनादि सहित । टीकाकार—आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र ३—००

५४९५ **रत्नेश्वरप्रसादननाटकम्** । गुरुरामकवि प्रणीत १—१२

५४९६ **राजविजयनाटकम्** । डा० रमेशचन्द्र मजूमदार सम्पादित २—००

५४९७ **रामलीलानाटकम्** । कुन्दनलाल साह विरचित ५—४०

५४९८ **रामलीलारामायणम्** । हिन्दी टीका सहित ७—२०

५४९९ **रासलीला नाम प्रेक्षाणकम्** । डॉ० वे० राघवन ०—६५

५५०० **लक्ष्मीस्वयंवरो नाम प्रेक्षाणकम्** । डॉ० वे० राघवन ०—६५

*५५०१ **ललितमाधवम्** । श्रीरूपगोस्वामिप्रणीतम् । नारायणप्रणीत-संस्कृतटीका-सहितम् । सम्पादकः—श्रीबाबूलालशुक्ल शास्त्री ।

नारायण प्रणीत संस्कृत टीका के साथ श्री शुक्ल जी द्वारा संपादित समीक्षणात्मक टिप्पणियों, विस्तृत पाण्डित्यपूर्ण प्रस्तावना तथा परिशिष्ट आदि के सहित इस उत्कृष्ट अति प्राचीन ग्रन्थ का प्रकाशन शीघ्र होने जा रहा है । यन्त्रस्थ

*५५०२ **LAWS AND PRACTICE OF SANSKRIT DRAMA :** By Dr. S. N. Shastri, M. A., D. Phil., LL. B. Vol. I. (Chow. Sans. Studies Vol. XIV) 25—00

५५०३ **लीलावतीवीथी** । रामपाणिवाद कृत ०—६०

५५०४ **वसुमतिचित्रसेनियम्** । अप्पयदीक्षित विरचित ३—२५

५५०५ **वाल्मीकिसंवर्द्धनम्** । विश्वेश्वरविद्याभूषण विरचित ३—००

*५५०६ **विक्रमोर्वशीयम्** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स, परिशिष्ट, समालोचना, कथासार आदि अनेक विषयों से विभूषित । व्याख्याकार—आचार्य श्री रामचन्द्रमिश्र ३—५०

५५०७ **विक्रमोर्वशीयम्** । एच० डी० वेलङ्कर संपादित ६—००

५५०८ **विक्रमोर्वशीयम्** । रंगनाथ कृत प्रकाशिका-कोणेश्वर कृत तोटकविवेक काटयवेम भूपकृत कुमारगिरिराजीय व्याख्या त्रय सहित ८—००

५५०९ **विक्रान्तभारतम्** । डॉ० वी० आर० शास्त्री संपादित ४—८०

५५१० **विदग्धमाधवः** । रूपगोस्वामि विरचित । सव्याख्या २—००

*५५११ **विद्धशालभञ्जिका** । राजशेखर विरचित । सटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक विस्तृत भूमिकादि सहित ३—००

*५५१२ **विद्यापरिणयनम्** । आनन्दराममखि विरचित । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-आचार्य रामचन्द्र मिश्र ।
इस नाटक में मानव आत्मा के शाश्वत संघर्ष का नाटकीय चित्र अद्वैत वेदान्त एवं विष्णु-भक्ति की समन्वयात्मक पृष्ठभूमि में मनोहर ढंग से चित्रित की गई है । सरल हिन्दी व्याख्या, विचारपूर्ण भूमिका तथा परिशिष्टादि समन्वित उत्तम संस्करण है । ४—५०

५५१३ **विवेकचन्द्रोदयनाटकम्** । शिवकवि विरचित ५—००

५५१४ **विश्वमोहननाटकम्** । ताडपत्रीकर कृत ३—७५

५५१५ **वीणावासवदत्तम्** । के० वी० शर्मा विरचित । परिवर्द्धित संस्करण ९—००

५५१६ **वीरप्रतापनाटकम्** । मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित । सव्याख्या ३—००

५५१७ **वीरपृथ्वीराजविजयनाटकम्** । मथुराप्रसाद दीक्षित १—२५

*५५१८ **वेणीसंहारनाटकम्** । 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका विस्तृत प्रस्तावना, कथासारादि सहित । परिष्कृत संस्करण ३—५०

५५१९ **शंकरविजयनाटकम्** । मथुराप्रसाद दीक्षित कृत १—००

५५२० **शक्तिसारदम्** । यतीन्द्र विमल चौधरी विरचित ५—००

५५२१ **शङ्खपराभवव्यायोगः** । हरिहर विरचित । भोगीलाल जयचन्द भाई सांडेशरा सम्पादित ४—००

५५२२ **शिवमङ्गलम् नाम गेयनाटकम्** । कुमारसंभवप्रसाधित ०—५०

५५२३ **श्रीहर्षज प्लेज** (नागानंद-रत्नावली-प्रियदर्शिका) आंग्लानुवाद सहित ४५—००

५५२४ **संस्कृत नाटकों के हिन्दी अनुवाद** । डा० देवेन्द्र कुमार १३—००

५५२५ **संकल्पसूर्योदयनाटकम्** । वेङ्कटनाथकृतम् । प्रभाविलास-प्रभावली व्याख्याद्वय सहित । १-२ भाग ४५—००

५५२६ **संवादमाला (संस्कृत भाषयोपनिबद्धास्त्रयोदशदैनन्दिनसंवादाः)** आनंदवर्धन रामचन्द्र रत्न पारखी कृत ३—००

*५५२७ **सत्यहरिश्चन्द्रनाटक** । (छात्र-संस्करण) समालोचना, टिप्पणी सहित । शुभाशंसक-पं० बाबूराव विष्णुपराड़कर । (हिन्दी) ०—६५

५५२८ **सरस्वतीनाटिका** । सदाशिव दीक्षित प्रणीत १—००

५५२९ **सावित्रीनाटकम्** । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत ०—३१

५५३० **सीताराघवम्** । रामपाणिवाद प्रणीत २—२५

*५५३१ **सुभद्राहरणम्** । माधवभट्ट प्रणीत । सान्वय प्रकाश हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार—आचार्य त्रिनाथ शर्मा एम० ए० १—२५

५५३२ **सेवन्तिकापरिणयनाटकम्** । चोक्कनाथ विरचितम् २—८१

*५५३३ **सौगन्धिकाहरणम्** । विश्वनाथकृत । प्रकाश-हिन्दी टीका-भूमिकादि सहित । व्याख्याकार-श्री कपिलदेव गिरि २—००

*५५३४ **स्वप्नवासवदत्तम्** । प्रो० कान्तानाथ शास्त्री तेलंग एम० ए० संपादित आधुनिक विस्तृत समालोचनात्मक प्रस्तावनादि विभूषित प्रबोधिनी-प्रकाश संस्कृत हिन्दी टीका सहित । अभिनव संस्करण २—५०

५५३५ **हनुमन्नाटकम्** । 'विभा' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित ।
इसकी संस्कृत व्याख्या में अनावश्यक विस्तार न कर सुबोध व्याख्या प्रस्तुत की गई है तथा हिन्दी व्याख्या में सरलता लाने का प्रयास किया गया है । पाण्डित्यपूर्ण विचारों से पूर्ण लेखक की विशद भूमिका में ग्रन्थ के गंभीर अध्ययन एवं शोध के परिणाम उपन्यस्त हैं । ६—५०

५५३६ **हिन्दी अभिनवभारती** (अभिनवगुप्त विरचित नाट्यशास्त्र विवृति १, २, ६ अध्याय) हिन्दी अनुवाद एवं विशद व्याख्या सहित । आचार्य विश्वेश्वर २५—००

*५५३७ **हिन्दी के पौराणिक नाटक** । डॉ० देवर्षि सनाढ्य—संस्कृत, हिन्दी, बंगला, मराठी, गुजराती आदि भारतीय भाषाओं में पौराणिक नाटकों की परंपरा का इतिवृत्त १०—००

कोश-ग्रन्थाः

५५३८ **अद्वैतग्रन्थकोशसंग्रहः** । सं० इष्ट सिद्धीन्द्र सरस्वती स्वामी के शिष्य १०—००

५५३९ **अनेकार्थतिलकम्** । महीप विरचित ६—००

*५५४० **अनेकार्थध्वनिमञ्जरी** । द्विरूपकोश-एकाक्षरकोश सहित ०—२०

५५४१ **अनेकार्थमञ्जरी** । नाममाला ०—५४

*५५४२ **अनेकार्थसंग्रहकोशः** । हेमचन्द्र विरचित यन्त्रस्थ

५५४३ **अभिधर्मकोष** । वसुबन्धु कृत । अनुवादक-आचार्य नरेन्द्रदेव १२—००

*५५४४ **अभिधानचिन्तामणिः** । हेमचन्द्र कृत । 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या विमर्श सहित । व्याख्याकार-पं० हरगोविन्द मिश्र
प्रस्तुत कोशग्रन्थ सारपूर्ण विस्तृत हिन्दी टीका एवं अपूर्व कोशकला से परिपूर्ण है । इसकी विस्तृत भूमिका, विषयसारिणी, नव-शब्द-योजना तथा अन्तिम शब्दानुक्रमणिका अत्यन्त ही उपादेय और प्रशस्त है । २०—००

५५४५ **अभिधानराजेन्द्रकोशः** । विजयराजेन्द्र सूरीश्वर विरचित । (अर्ध मागधी प्राकृत संस्कृत कोश) १-७ भाग ३००—००

*५५४६ **अमरकोशः** । मूल । केवल प्रथम काण्ड मात्र ०—२५

*५५४७ **अमरकोशः** । मूल । केवल द्वितीय काण्ड मात्र ०—४०

*५५४८ **अमरकोशः** । तृतीय काण्ड मात्र । प्रभा टीका सहित ०—५०

*५५४९ **अमरकोशः** । [गुटका सम्पूर्ण] परीक्षोपयोगी प्रभा टीका सहित १—५०

५५५० **अमरकोशः** । शब्दकोष सहित । मूलमात्र १—५०

५५५१ **अमरकोशः** । संक्षिप्त माहेश्वरी व्याख्या सहित ३—००

*५५५२ **अमरकोशः** । 'मणिप्रभा' नामक हिन्दी टीका सहित । प्रथमकाण्ड ०—७५

*५५५३ **अमरकोशः** । 'मणिप्रभा' हिन्दीटीका 'अमरकौमुदी' टिप्पणी सहित द्वितीय काण्ड मात्र २—००, शब्दसूची सहित संपूर्ण ६—००

५५५४ **अमरकोष** । कुलचन्द्र गौतम कृत संक्षिप्त टिप्पण-परिशेष सहित (नैपाली) ६—००

५५५५ **अमरकोशः** । (तिब्बती भाषा रूपान्तर) । अनु०—महावैयाकरण सी-तू० । सम्पादक—डॉ० लोकेशचन्द्र । सुविस्तृत अँगरेजी भूमिका सहित ३०—००

*५५५६ **अमरकोश-रामाश्रमी** । 'प्रकाश' नामक हिन्दी व्याख्या विभूषित (क्षेपक श्लोकों सहित शोधपूर्ण संस्करण)
पूर्व प्रकाशित संस्करणों में प्रमापक वचन या ग्रन्थ नाम आदि की अशुद्धियाँ दूर कर प्रस्तुत संस्करण तैयार किया गया है। इसके मूल में सब क्षेपक श्लोक भी दे दिए गए हैं तथा उनकी भी हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है। प्रमाण तथा उदाहरण के लिये उद्धृत वचनों में मूल ग्रन्थ के अध्याय-श्लोकांक आदि भी जोड़े गए हैं। साथ ही यथास्थान उपयुक्त टिप्पणियाँ, पाठ-भेद, अकारादिक्रम से शब्दानुक्रमणिका आदि देकर इस संस्करण को पूर्णतया शुद्ध एवं परमोपयोगी बनाया गया है। शीघ्र प्राप्त होगा

५५५७ **अर्द्धमागधी-इंग्लिश, इंग्लिश-अर्द्धमागधी डिक्शनरी** । पी० बी० पाठक सम्पादित ३—००

*५५५८ **आख्यातचन्द्रिका नाम क्रियाकोशः** । श्रीभट्टमल्ल विरचित यन्त्रस्थ

*५५५९ **आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोशः** । (संस्कृत स्नेही संसार के लिए अपूर्व उपहार) इसमें लगभग ४० सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के लिंगादि निर्देश पूर्वक संस्कृत पर्याय दिये गये हैं। संपादक—प्रो० रामसरूप शास्त्री १२—५०

*५५६० ENGLISH-SANSKRIT DICTIONARY by Sir M. Monier Williams. (Chow. Sans. Studies Vol. XIII) 32—00
Library Edition 75—00

५५६१ **उणादिकोष** । महादेव वेदान्ती विरचित ११—२५

५५६२ **उपनिषद् वाक्यकोष** । कर्नल जी० ए० जेकब सम्पादित १९—४०

५५६३ **उपनिषद्वाक्यमहाकोशः** । २५—००

५५६४ A Trilingual Dictionary **(संस्कृत-बंगला-अंग्रेजी)** सं० गोविन्द गोपाल मुखोपाध्याय-गोपिका मोहन भट्टाचार्य १०—००

५५६५ **एकाक्षरनाम-कोषसंग्रह** । सं० मुनि रमणीक विजय ९—००

५५६६ **एकार्थनाममाला-द्व्यक्षरनाममाला** । सौभरी विरचित ४—००

५५६७ **ऐतरेयब्राह्मण-आरण्यक कोषः** । केवलानन्द सरस्वती सम्पादित ८—००

५५६८ **कविकर्पटिका** । वादीन्द्रकवि विरचित ०—२५

५५६९ **काश्मीर शब्दामृत** । ईश्वरकौल कृत । १-२ भाग ५—००

५५७० **कोशकल्पतरुः** । विश्वनाथ कृत । मधुकर मंगेश पाटकर-के० वी० कृष्णमूर्ति शर्मा सम्पादित । १-२ भाग ५०—००

५५७१ **कोशकौमुदी** । रामदत्तत्रिपाठी शास्त्री ०—५०

५५७२ **कोषसङ्ग्रहः** । १—५०

५५७३ **कोषावतंसः** । राघवकवि विरचित २—५०

५५७४ **कौषीतकि-ब्राह्मण-आरण्यक-विषयकोष** । ६—००

*५५७५ **गणितीयकोश (गणितीय परिभाषा तथा गणितीय शब्दावली)**
[The Technical Language of Mathematics & Mathematical Terminology]
डॉ० ब्रजमोहन एम. ए., एल. एल. बी., पी-एच. डी. ६—००

५५७६ **गोज्ञान कोश** । १-२ भाग १२—००

५५७७ **जिनरत्नकोश** । १२—५०

५५७८ Dictionary of Sanskrit Grammar by K. V. Abhyankar २५-००

५५७९ **तिङन्तार्णवतरणिकोशः** । (सि० कौमुदी के धातुओं का अकारादि-क्रम से ण्यन्तादि सहित धातुरूप संग्रह) दुष्प्राप्य ५०—००

५५८० **त्रिकाण्डशेषकोशः** । ६—००

५५८१ **देशीनाममाला** । हेमचन्द्र विरचित ४—५०

५५८२ **दोहाकोश** । सिद्ध सरहपाद कृत । राहुल सांकृत्यायन विरचित हिन्दी छायानुवाद सहित १३—२५

५५८३ **धर्मकोशः** । (व्यवहारकाण्ड) श्रीलक्ष्मण शास्त्री संपादित १-३ भाग ८०—००

५५८४ **धर्मकोशः** । (उपनिषद्काण्ड) " " " १-४ भाग १५०—००

५५८५ **धर्मकोशः** (संस्कारकाण्डम्) । प्रथम भाग ४५—००

५५८६ **नानार्थमञ्जरी** । राघवविरचित १५—००

५५८७ **नानार्थरत्नमाला** । इरुगपदण्डधिनाथ विरचित १५—००

५५८८ **नाममाला** । धनञ्जय विरचित । अमरकीर्ति भाष्य सहित ३—५०

५५८९ **नाममालिका** । भोज संगृहीत ६—००

५५९० **नृत्यरत्नकोश** । कुंभकर्ण प्रणीत । प्रथम भाग ३—७५

५५९१ **पाइअ-लच्छीनाममाला** अर्थात् हिन्दी में तथा अंग्रेजी में अर्थ सहित प्राकृत भाषा का शब्द कोश । धनपाल प्रणीत १०—००

५५९२ **पाइअ-सद्द-महण्णवो** । हरगोविन्ददास विरचित । प्राकृत-हिन्दीकोश ३०—००

५५९३ Practical Sanskrit-English Dictionary by Vaman Shivaram Apte. Vols. I-III. Edited by Gode & Karve. 120-00

५५९४ **बकारविवेकः** । दीनबन्धु शर्मा ०—१९

५५९५ **ब्राह्मणोद्धार कोषः** । विश्वबन्धु संपादित ६०—००

५५९६ **भारतवर्षीयप्राचीनचरित्रकोशः** । म० म० सिद्धेश्वर शास्त्री चित्राव ६०—००

५५९७ **भारतीयराजनीतिकोषः** । (कालिदासखण्ड) वेंकटशास्त्रीजोशी सम्पादित १०—००

५५९८ **भारतीय व्यवहार कोश** । (सोलह भाषाओं का शब्दकोष) सं० विश्वनाथ दिनकर नरवणे ४०—००

५५९९ **भोटसंस्कृताभिधानम्** । १-१२ भाग (Tibetan—Sanskrit Dictionary) डॉ० लोकेशचन्द्र सम्पादित ३४०—००

*५६०० **महाभारतकोश** । महाभारत के नामों और विषयों की व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका । रचनाकार-डा० रामकुमार राय, प्रोफेसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय :-

प्रस्तुत ग्रन्थ में अकारादि क्रमसे महाभारत के नामों तथा विषयों की सर्वाधिक विस्तृत, वैज्ञानिक तथा व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत की गई है । व्याख्यायें इतनी विस्तृत हैं कि उनके बाद मूल ग्रन्थ पढ़ने की कोई आवश्यकता नहीं होगी । सन्दर्भ संकेत पर्व, अध्याय और श्लोक संख्याओं में दिये गये हैं । १-२ भाग ४०—००

शेष भाग शीघ्र ही प्राप्त होगा

५६०१ **महाराष्ट्रवाक्यसम्प्रदायकोश** । १-२ भाग ३५—००

५६०२ **मीमांसाकोषः** । केवलानन्द सरस्वती संपादित । १-७ भाग २५०—००

*५६०३ **मेदिनीकोशः** । मेदनिकर विरचित यन्त्रस्थ

५६०४ **रघुकोष** । रघुनाथदत्त बन्धु ३—००

*५६०५ **राजतरङ्गिणी-कोश** । डा० रामकुमार राय ।

कह्लण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया गया है। इसमें राजतरङ्गिणी में आये सभी नामों और विषयों की ससन्दर्भ व्याख्या प्रस्तुत की गई हैं। साथ ही लेखक ने एक विस्तृत भूमिका में कह्लण के व्यक्तित्व और कृतित्व का विवेचन करते हुये विभिन्न विषयों, जैसे राजनीति, समाजशास्त्र, धर्म, और नीति आदि से सम्बद्ध उनके विचारों को प्रस्तुत किया है। राजतरङ्गिणी में आये विभिन्न राजाओं की वंशावलियों तथा कलिक्रमागत तालिकाओं का भी भूमिका के अन्तर्गत समावेश किया गया है। १५—००

५६०६ **वस्तुरत्नकोश** । अज्ञात विद्वत्कृत । सम्पादिका-डॉ० प्रियबाला शाह ४—००

५६०७ **वाङ्मयार्णवः** (संस्कृत पद्य बद्ध विश्वकोश) म० म० पांडेय रामावतार शर्मा विरचित १००—००

*५६०८ **वाचस्पत्यम्** । बृहत्संस्कृताभिधानम् । तर्कवाचस्पति-श्रीतारानाथ-भट्टाचार्येण सङ्कलितम् । वृत्ति-उदाहरण-सहित पाणिनीय लिंगानुशासन, पाणिनीयप्रत्यय-उणादि-प्रत्यय-परिनिष्ठ रूप, पूर्वोत्तरपदों में परिवृत्तिसहत्वासहत्व आदि यथेष्ट सामग्री भूमिका रूप में देकर चार्वाक आदि समस्त दर्शन, समस्त श्रौतसूत्र-गृह्यसूत्र-स्मृति-पुराण आदि, रामायण-महाभारत, ज्योतिष, आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, राजशास्त्र, शकुनशास्त्र, तन्त्रशास्त्र, नीतिशास्त्र, पाकशास्त्र, धनुर्वेद, गान्धर्ववेद, छन्दोलंकारादि शास्त्रों में प्रयुक्त शब्दों के लिंग, विग्रह, व्युत्पत्ति, विभिन्न अर्थों में पर्याय, उदाहरण तथा तत्तत् शब्द के सम्बन्ध में यथाशक्य अधिकतम ज्ञातव्य सामग्री प्रस्तुत की गई है। विश्व में इससे बड़ा कोई दूसरा संस्कृत कोश नहीं है। संपूर्ण ग्रन्थ बड़े साईज के १-६ भाग में छपा है। २७५—००

*५६०९ **वाल्मीकीय रामायण कोश** । डा० रामकुमार राय । वाल्मीकीय रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम और विस्तृत व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका जिसमें इस रामायण में आने वाले सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित स-सन्दर्भ उल्लेख है। २०—००

५६१० **विनीत कोश** । (गुजराती-गुजराती) ८—५०

*५६११ **विश्वप्रकाशकोशः** । नानार्थशब्दानां प्रसिद्धमिदमभिधानं नवचतुष्ककशब्दसंग्रहान्तम् यन्त्रस्थ

*५६१२ **वैदिक इण्डेक्स** । मैक्डौनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक-डॉ० रामकुमार राय ।
अनुवाद की सर्वाधिक विशेषता यह है कि इसमें सन्दर्भ, संकेत, संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्यवस्था का क्रम वही दिया गया है जैसा कि मूल ग्रन्थ में है। इस व्यवस्था के कारण जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव-सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है। १-२ भाग सम्पूर्ण ४०-००

५६१३ **वैदिककोश** (वैदिक विषयों एवं नामों का) डा० सूर्यकान्त २२—५०

५६१४ **वैदिकपदानुक्रमकोषः** । विश्वबन्धु शास्त्री ।
१-१६ भाग । साधारण संस्करण ३२०—००
१-१६ भाग । विशिष्ट संस्करण सजिल्द ६४०—००

*५६१५ **शब्दकल्पद्रुमः** । राजा राधाकान्तदेव बहादुर विरचितः । संस्कृताभिधान ग्रन्थः ।
इस देश के समस्त कोशों और सम्पूर्ण शास्त्रों में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों की व्युत्पत्ति, विग्रह वाक्य, पर्याय, कौन शब्द कहाँ किस अर्थ में प्रयुक्त है इसका सोदाहरण विवेचन आदि सर्वविध शब्दज्ञान से परिपूर्ण। यह सूचित करते हुए हर्ष होता है कि हमने कतिपय विशिष्ट विद्वानों के आग्रह पर इस भीषण महर्घता के समय में भी इस ग्रन्थ का द्वितीय संस्करण पूर्ववत् ही प्रकाशित किया है। प्रत्येक वर्ग का ग्राहक लाभान्वित हो सके इस दृष्टि से मूल्य वही रखा है जो पहले था। प्रतियाँ अवश्य कम छपी हैं जो क्रमशः बिकती जा रही हैं अतः ग्राहकों से निवेदन है कि अपनी प्रति शीघ्र मगा लें। १-५ भाग संपूर्ण १५०—००

५६१६ **शब्दभेदप्रकाशः** । (शब्दद्वैधकोश) एकाक्षरकोश युक्त ०—२५

५६१७ **शब्दरत्नप्रदीप** । सं० डॉ० हरिप्रसाद शास्त्री २—००

५६१८ **शब्दरत्नाकरः** । बाणभट्ट विरचित । डॉ० बेल्लि कोठ रामचन्द्र शर्मा सम्पादित २७—००

*५६१९ **शब्दस्तोममहानिधिः** । श्री तारानाथ तर्कवाचस्पति भट्टाचार्य विरचित ।
प्रायः एक शताब्दी से दुर्लभ यह ग्रन्थरत्न संस्कृत का उत्तम कोशग्रन्थ है। इसमें संस्कृत के प्रायः सभी शब्दों के पर्यायों के साथ आवश्यक व्युत्पत्ति-विवरण—धातु-प्रत्यय, विग्रहवाक्यादि, उद्धरण आदि—भी दिए गए हैं। विवरण संक्षिप्त होने से बहुसंख्यक शब्दों का समावेश हो गया है। संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार कार्य में इस कोश का प्रथम स्थान है। ४५—००

५६२० **शब्दार्थकल्पतरुः** । आद्यन्तयोरक्षरानुक्रमसमेतः । संस्कृत-संस्कृतान्ध्र-निघण्टुः । श्री मामिडि वेंकटार्य रचित २०—००

५६२१ **शारदीयाख्या नाममाला** । हर्षकीर्ति विरचित । पाटकर संपादित ५—००

५६२२ **शाश्वतकोशः** । ५—००

५६२३ **शिवकोशः** । शिवदत्त विरचित । हर्ष संपादित १२—००

*५६२४ **श्रीकोशः** । (हिन्दी से संस्कृत) तृतीय संस्करण १—२५

५६२५ **श्रौतकोशः** । बापट सी० दातार, डॉ० वी० नाने, सी० जी० काशीकर संपादित । १-३ भाग ११५—००

५६२६ Sanskrit-English Dictionary by Monier Williams. Foreign edition 147-00 Indian edition 100-00

५६२७ **संस्कृत गुजराती शब्दकोष** । (नर्मद) नर्मदाशंकर ज० शास्त्री १—००

५६२८ **संस्कृत धातुकोष** । गुजराती अर्थ सहित ५—००

५६२९ **संस्कृत पारसीक पदप्रकाशः** । महाकवि कर्णपूर विरचित १—००

५६३० **संस्कृतशब्दार्थकौस्तुभः** । द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी १५—००

*५६३१ **संस्कृतसाहित्यकोश** । प्रो० राजवंशसहाय 'हीरा'
हिन्दी में संस्कृत वाङ्मय की सभी प्रमुख शाखाओं, ग्रन्थों, ग्रन्थकारों, विधाओं, प्रवृत्तियों एवं चिन्तन-धाराओं तथा तत्सम्बन्धी अद्यतन अनुसन्धानों एवं गवेषणाओं का एक साथ प्रामाणिक विवरण प्राप्त करने के लिये यह अभिनव कोश एकमात्र साधन है। तीन विशाल खण्डों में पूर्ण हुआ यह कोशग्रन्थ अध्यापक, छात्र तथा शोधकार्यार्थी सभी के लिये अनुपम सहायक है। यन्त्रस्थ

५६३२ **सार्थ लघुअमरकोष** । गणेश पांडुरंग शास्त्री लोंढे ०—२५

५६३३ **सिद्धशब्दार्णवः** । सहजकीर्ति विरचित । एम० जी० पंसे संपादित २०—००

५६३४ **सुलभविश्वकोश** । १-६ भाग १५०—००

हिन्दी-कोश-ग्रन्थाः

५६३५ **अंग्रेजी-हिन्दी पर्यायवाची कोश** । सम्पादक—बदरीनाथ कपूर ९—००

५६३६ **अभिनव अंग्रेजी हिन्दी कोश** । केदारनाथ भट्ट ७—५०

५६३७ **अभिनव हिन्दी कोश** । हरिशंकर शर्मा ८—००

५६३८ **अवधीकोश** । रामाज्ञा द्विवेदी ७—५०

५६३९ **आंग्ल-भारतीय पक्षि-नामावली** । डा० रघुवीर १५—००

५६४० **ऑथेंटिक जूनियर डिक्शनरी** । ऐंग्लो-हिन्दी । बी० सी० पाठक ४—००

५६४१ **ऑथेंटिक सीनियर डिक्शनरी** । ऐंग्लो-हिन्दी । बी० सी० पाठक-सी० एस० पाठक १४—००

५६४२ **आदर्श हिन्दी शब्दकोश** । (संक्षिप्त) रामचन्द्र पाठक ६—०० बड़ा १२—००

*५६४३ **आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोश** । (संस्कृत स्नेही संसार के लिए अपूर्व उपहार) इसमें लगभग ४० सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के लिंगादि निर्देश पूर्वक संस्कृत पर्याय दिये गये हैं। संपादक-प्रो० रामसरूप शास्त्री १२—५०

५६४४ **उर्दू-हिन्दी कोश** । सं० मुहम्मद मुस्तफ़ा खाँ 'मद्दाह' १६—००

५६४५ **उर्दू-हिन्दी कोश** । केदारनाथ भट्ट संपादित ८—००

५६४६ **उर्दू-हिन्दी कोश (देवनागरी)**। रामचन्द्र वर्मा ६—००

५६४७ **कहावत कोष**। भुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव'-विक्रमादित्य मिश्र १५—००

५६४८ **कृषक जीवन सम्बन्धी ब्रजभाषा शब्दावली** । डॉ० अम्बाप्रसाद 'सुमन' । १-२ भाग ३२—५०

५६४९ **कृषिकोश** । डॉ० विश्वनाथप्रसाद । प्रथम खण्ड 'अ' से 'घ' तक ३—००
५६५० **कृषिज्ञान कोश** । नारायण दुलीचन्द व्यास ७—००
५६५१ **खनिज अभिज्ञान** । डा० रघुवीर १०—००
५६५२ **ग्रामोद्योग और उनकी शब्दावली** । ६—००
५३५३ **चिकित्सा विज्ञान कोश** । एस० पी० सेन गुप्त ७—५०
५६५४ **जीवरसायनकोश** । ब्रजकिशोर मालवीय ६—००
५६५५ **जेम करेन्ट डिक्शनरी** । ३—००
५६५६ **ज्ञान शब्दकोश** । मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव १५—००
५६५७ **तुलसीशब्दसागर** । भोलानाथ तिवारी १२—००
५६५८ **नालंदा अद्यतनकोश** । ९—००
५६५९ **नालन्दा करेंट डिक्शनरी** । अंग्रेजी-हिन्दी १६—५०
५६६० **नालन्दा कान्साइज डिक्शनरी** । १०—५०
५६६१ **नालन्दा विशाल शब्दसागर** । २५—००
५६६२ **नालंदा स्टूडेण्ट्स डिक्शनरी** । ९—७५
५६६३ **पारिभाषिकशब्दसंग्रह** । अंग्रेजी-हिन्दी १२—००
५६६४ **पुस्तकालय-विज्ञानकोश** । प्रभुनारायण गौड़ ४—५०
५६६५ **प्रचारक हिन्दी शब्दकोश** । लालधर त्रिपाठी प्रवासी गुटका ३—००
५६६६ **प्रत्यक्ष शारीर कोश** । एस० सी० सेन गुप्त ८—००
५६६७ **प्रसादकाव्यकोश** । सुधाकर पाण्डेय १६—००
५६६८ **प्रसादसाहित्यकोश** । डॉ० हरदेव बाहरी १०—००
५६६९ **प्रारंभिक आंग्ल-भारतीय वैज्ञानिक शब्दकोश** । डा० रघुवीर ४—७५
५६७० **बाल हिन्दी शब्दकोश** । रामचन्द्र पाठक ३—००
५६७१ **ब्रजभाषा रीतिशास्त्र ग्रन्थ कोश** । जवाहरलाल चतुर्वेदी ६—५०
५६७२ **बृहत् पर्यायवाची कोश** । डॉ० भोलानाथ तिवारी १५—००
५६७३ **बृहत्हिन्दी कोश** । कालिकाप्रसाद ३०—००
५६७४ **बृहद् मुहाविरा कोश** । रामदहिन मिश्र । प्रथम भाग १२—५०
५६७५ **बृहद् हिन्दी ग्रन्थ सूची** । यशपाल महाजन-कृष्णा महाजन । १-२ भाग ४८—००
५६७६ **भारत ज्ञान कोष** । ३—००
५६७७ **भारतीय भाषाएँ और वैज्ञानिक शब्दावली** । अनुवादक ओमप्रकाश शर्मा १२—८५
५६७८ **भारतीय भूमिति-चित्रों के लिये हिन्दी शब्द** । डा० रघुवीर १—००
५६७९ **भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश** । (बड़ा) १२—००
५६८० **भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश** । गुटका ४—५०
५६८१ **भार्गव हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश** । (बड़ा) १२—००
५६८२ **भार्गव हिन्दी अंग्रेजी शब्दकोश** । गुटका ४—५०
५६८३ **भाषा शब्दकोश** । रमाशंकर शुक्ल 'रसाल' १२—००
५६८४ **भाषा विज्ञान कोश** । भोलानाथ तिवारी २५—००
५६८५ **भाषाशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश** । राजेन्द्र द्विवेदी १०—००
५६८६ **भूतत्त्व विज्ञानकोश** । एस० सी० गुप्त २—५०
५६८७ **भौगोलिक शब्दकोश और परिभाषायें** । डॉ० कपूर १०—००
५६८८ **मगही व्याकरण कोश** । डॉ० सम्पत्ति अर्याणी ७—५०

५६८९ **मानक हिन्दी कोश** । सं० रामचन्द्र वर्मा । १-५ भाग १२५—००
५६९० **मानविकी पारिभाषिक कोष** । (साहित्यदर्शन खण्ड) २५—००
५६९१ **मानसशब्दसागर** । बद्रीदास अग्रवाल संकलित २०—००
५६९२ **राजस्थानी सबदकोस** । सीताराम । प्रथम खंड ५०—००
५६९३ **राष्ट्रभाषा हिन्दी-मराठी कोश** । सं० कृष्णलाल वर्मा-रहमण बाई पेणकर ८—००
५६९४ **रूप निघण्टु** । सं० रूपलाल वैश्य ३—००
५६९५ **रूसी-हिन्दी शब्दकोश** । सं० वीर राजेन्द्र ऋषि ३५—००
५६९६ **लघु हिंदी शब्दसागर** । करुणापति त्रिपाठी संपादित ११—००
५६९७ **लघुत्तर हिंदी शब्दसागर** । करुणापति त्रिपाठी संपादित ६—००
५६९८ **वाणिज्य शब्द-कोष** । डा० रघुवीर २—००
५६९९ **वाणिज्य शब्दकोष** । कान्तानाथ गर्ग १—५०
५७०० **विद्यार्थिकोश** । दामोदर स्वरूप गुप्त ३—००
५७०१ **विधिशब्दसागर** । जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी २२—५०
५७०२ **विश्व-इतिहास-कोश** । चन्द्रराज भण्डारी । १-४ भाग ५०—००
५७०३ **वैज्ञानिक पारिभाषिक कोष** । बदरीनाथ कपूर १२—००
५७०४ **ब्रजभाषा सूरकोश** । १ से १० भाग दो जिल्द में । डा० दीनदयालु ४०—००
५७०५ **शब्दार्थक ज्ञानकोश** । रामचन्द्र वर्मा १२—५०
५७०६ **शिक्षा विज्ञान कोश** । सीताराम जायसवाल १६—००
५७०७ **श्याम गुटका हिन्दी कोश** । २—५०
*५७०८ **श्रीकोशः । (हिन्दी से संस्कृत) तृतीय संस्करण** १—२५
५७०९ **संक्षिप्त ऑक्सफोर्ड हिन्दी साहित्य परिचायक** । गंगाराम गर्ग १२—५०
५७१० **संक्षिप्त हिन्दी कोश** । भोलानाथ तिवारी ३—००
५७११ **संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर** (ना० प्र० सभा) १८—००
५७१२ **समाचारपत्र शब्दकोष** । सत्यप्रकाश १—७५
५७१३ **सांख्यिकी शब्दकोष** । डा० रघुवीर २—००
५७१४ **सामान्य अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोष** । राममूर्ति सिंह १२—००
५७१५ **साहित्य शास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोष** । राजेन्द्र द्विवेदी ८—००
५७१६ **साहित्यिक पारिभाषिक शब्दावली** । सं० डॉ० प्रेमनारायण टंडन ३—५०
५७१७ **साहित्यिक शब्दावली** । प्रेमनारायण टंडन १०—००
५७१८ **सुलभ हिन्दी मराठीकोश** । यशवंत रामकृष्ण दाते ७—५०
५७१९ **सूरसागर शब्दावली** । १२—००
५७२० **स्टूडेण्ट्स प्रैक्टिकल डिक्शनरी** । अंग्रेजी-हिन्दी ८—००
५७२१ **स्टूडेण्ट्स प्रैक्टिकल डिक्शनरी** । उर्दू-इंग्लिश ८—००
५७२२ **हिन्दी कथाकोश** । ३—००
५७२३ **हिन्दी मुहावरा कोश** । भोलानाथ तिवारी १२—५०
५७२४ **हिन्दी रूसी शब्दकोष** । २५—००
५७२५ **हिन्दी विश्वकोश** (खंड २-८) संपादक—धीरेन्द्र वर्मा, भगवतशरण उपाध्याय, गोरखप्रसाद आदि १७५—००, २१०—००
५७२६ **हिन्दी शब्दार्थ पारिजात** । द्वारकाप्रसाद शर्मा ६—००
५७२७ **हिन्दी शब्द सागर** । सं० श्यामसुन्दरदास । १-२ भाग । नवीन संस्करण ३६—००
५७२८ **हिन्दी साहित्य कोश** । १-२ भाग । डा० धीरेन्द्र वर्मा ४५—००
५७२९ **हिन्दुस्तानी कोश** । हरिशंकर शर्मा ६—००

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

५७३० **अक्षयनीतिसुधाकरः**। ६—००

*५७३१ **अपराध और दण्डशास्त्र** । श्री कौशलकुमार राय। यह विषय प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में स्वीकृत है। इस पर हिन्दी में कुछ पुस्तकें निकली भी हैं परन्तु उनमें किसी में भी दण्डशास्त्र पर सामग्री उपलब्ध नहीं है। इसी कमी की पूर्ति के लिए इस पुस्तक की रचना हुई है। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत ८—००

५७३२ **अभिलषितार्थचिन्तामणिः**। सोमेश्वरदेवकृत २—५०

५७३३ **अर्थशास्त्र-राजसिद्धान्त**। योग्घमनामाचार्य विरचित । नीतिनिर्णीति-कौटलीय-राजसिद्धान्त व्याख्या सहित ४—४०

५७३४ **अर्थशास्त्रव्याख्या जयमङ्गला**। सम्पादक—जी० हरिहर शास्त्री । कौटिल्य के अर्थशास्त्र पर यह व्याख्या अत्यन्त सरल, सुबोध तथा प्रामाणिक है। ३—००

५७३५ **ईसबनीतिकथा**। १-२ भाग १—७५

५७३६ **उद्योगप्रारब्धविचार**। हिन्दी ३—००

*५७३७ **कथा-संवर्तिका**। बालकोपयोगी शिक्षाप्रद लोक-कथाओं का सरल सुबोध संस्कृत में अनूदित संग्रह ०—७५

५७३८ **कहावतकल्पद्रुम**। हिन्दी १—५०

५७३९ **कहावतरत्नाकर**। हिन्दी-अँग्रेजी-संस्कृत १०—००

५७४० **कामन्दकीयनीतिसारः**। हिन्दी टीका सहित २—४०

५७४१ **कामन्दकीयनीतिसारः**। सव्याख्या । १-३ भाग १६—००

५७४२ **कौटलीयार्थशास्त्रम्**। विष्णुगुप्त विरचित । सटिप्पण । एन्० एस्० वेंकटनाथाचार्य सम्पादित १७—५०

*५७४३ **कौटिलीयम्-अर्थशास्त्रम्**। सुसंस्कृत हिन्दी व्याख्या समालोचना, पारिभाषिक संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश सहित। व्याख्याकार—श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला २०—००

*५७४४ **कौटिल्य का अर्थशास्त्र**। (शोधपूर्ण हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार—श्रीवाचस्पति शास्त्रीगैरोला। आलोचनात्मक मनोवैज्ञानिक विमर्श, पारिभाषिक संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश ऐतिहासिक प्रस्तावनादि सभी विषयों से विभूषित १०—००

५७४५ **कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्**। आर० पी० कांगले सम्पादित । प्रथम भाग १०—००

५७४६ **कौटिल्य की राज्य व्यवस्था**। श्यामलाल पाण्डेय ८—००

*५७४७ KAUTILYA'S POLITICAL IDEAS AND INSTITUTIONS : By Prof. Radha Krishna Choudhary. In the Press

५७४८ **चाणक्यकथा**। रविनर्तक विरचित ५—००

५७४९ **चाणक्यनीतिः**। व्यवहारसारसंग्रह ०—५०

५७५० **चाणक्यनीतिदर्पणः**। हिन्दी टीका सहित ०—७५

५७५१ **चाणक्यनीति-शाखा-सम्प्रदाय**। एल० स्टर्नबक संपादित । १-२ भाग ६०—००

५७५२ **चाणक्यराजनीति** । एल० स्टर्नबक संपादित १६—००
५७५३ **चाणक्यराजनीतिशास्त्रम्** । ईश्वरचन्द्रशास्त्री संपादित ५—००
५७५४ **चाणक्यराजनीतिशास्त्रम्** । संस्कृत टिबटेन टेक्स्ट सहित । सुनीति कुमार पाठक संपादित ५—००
५७५५ **चाणक्यसप्ततिः** । के० वी० शर्मा सम्पादित ४—००
*५७५६ **चाणक्यसूत्र** । अनुवादक-वाचस्पति गैरोला । अर्थशास्त्र पर चाणक्य के लगभग ५०० परमोपयोगी सूत्रों का व्यवस्थित भाषानुवाद ०—७५
*५७५७ **चाणक्यसूत्रम्** । (प्रथमोऽध्यायः) 'बालबोधिनी' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—४५
५७५८ **चाणक्यसूत्राणि** । श्रीरामावतार कृत हिन्दी टीका सहित १२—००
*५७५९ **चारुचर्या** । महाकवि श्री क्षेमेन्द्र विरचित मूल श्लोक तथा 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकार-श्री देवदत्त शास्त्री १—००
*५७६० **चारुचर्या** । (भारतीय सदाचार, शिष्टाचार) । क्षेमेन्द्रकृत । हिन्दी रूपान्तरकार—पं० देवदत्तशास्त्री । यह ग्रन्थ भारतीय सदाचार एवं शिष्टाचार का कोष है । समाज में रहते हुए व्यक्ति जिन आचरणों और व्यवहारों से सामाजिक अभ्युदय प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है—उनका एकत्र समुच्चय इस पुस्तक में है । २—००
५७६१ **दण्डनीतिः** । केशव पण्डित कृत ४—५०
५७६२ **धर्मचौर्यरसायन** । गोपालयोगीन्द्रकृत २—२५
५७६३ **नीतिकल्पतरुः** । व्यासदेव क्षेमेन्द्र । वी० पी० महाजन संपादित ५—००
५७६४ **नीतिचन्द्रिका** । स्वामी दयानन्द ०—७५
५७६५ **नीति प्रवेशिका** । जे० एस० मैकेंजी । अनु०-डॉ० गोवर्द्धन भट्ट-आदि १०—००
५७६६ **नीतिमञ्जरी** । सभाष्या द्याद्विवेदविरचिता । भूमिका-टिप्पणी-परिशिष्टादिभिः संयोज्य संपादिता ४—५०
५७६७ **नीतिवाक्यामृतम्** । सोमदेवसूरि विरचित । सव्याख्य ३—००
*५७६८ **नीतिशतकम्** । 'ललिता' 'बाला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—२५
५७६९ **नीतिशतकम्** । हरिदास कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ५—००
५७७० **नीतिशास्त्रम्** । मसूराक्ष प्रणीत । संस्कृत-टिबेटन-आंग्लानुवाद सहित । सुनीतिकुमार पाठक संपादित ४—००
५७७१ **नीतिशास्त्र** । लालजीराम शुक्ल ५—००
५७७२ **नीतिशास्त्र** । सुश्री शान्ति जोशी ८—००
*५७७३ **नीति-शृंगार-वैराग्यशतकत्रयम्** । भर्तृहरिविरचितम् । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित ३—००
*५७७४ **पञ्चतन्त्रम्** । वाराणसीस्थ राजकीय सर्वविध 'प्रथमा' तथा 'मध्यमा' परीक्षा निर्धारित अश्लील-अंश-वर्जित विषमस्थल बोधिनी विवृति सहित । पञ्चम तन्त्र ०—१५ सम्पूर्ण २—००

*५७७५ **पञ्चतन्त्रम्-मित्रभेदः** (प्रथमतन्त्र) पूर्वमध्यमापरीक्षा निर्धारित अश्लील अंश वर्जित 'बोधिनी' नामक विवृति सहित ०—७५

*५७७६ **पञ्चतन्त्रम्-मित्रभेदः** । (प्रथमतन्त्र) श्री गोकुलदास गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित २—५०

*५७७७ **पञ्चतन्त्रम्-मित्रसम्प्राप्तिः** । (द्वितीयतन्त्र) श्री गोकुलदास गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित १—००

*५७७८ **पञ्चतन्त्रम्-काकोलूकीयम्** । (तृतीयतन्त्र) श्री गोकुलदास गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित १—२५

*५७७९ **पञ्चतन्त्रम्-लब्धप्रणाशम्** । (चतुर्थतन्त्र) श्री गोकुलदास गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित ०—७५

*५७८० **पञ्चतन्त्रम्-अपरीक्षितकारकम्** । (पञ्चमतन्त्र) त्रिस्तनी कथादि वर्जित । सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका, टिप्पणी, संक्षिप्त-कथा, शिक्षासंग्रह, विस्तृत भूमिकादि विभूषित ०—७५

*५७८१ **पञ्चतन्त्रम्** । (संपूर्णम्) श्री गोकुलदास गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित अजिल्द ४—०० सजिल्द ५—००

५७८२ **पञ्चतन्त्रम्** । (हिन्दी) अनुवादक—मोतीचन्द ५—२५

५७८३ **पाश्चात्त्यं नीतिशास्त्रम्** । विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि विरचित ४—००

५७८४ **पुरुषपरीक्षा** । विद्यापति कृत ०—७५

५७८५ **पुरुषपरीक्षा** । हिन्दी टीका सहित ३—१२

५७८६ **पुरुषपरीक्षा** । (हिन्दी) मैथिलकोकिल विद्यापति कृत १—५०

५७८७ **प्रतापकण्ठाभरण** । कविराज प्रताप सिंह १—५०

५७८८ **प्राचीन भारत की दण्डनीति** । डॉ० योगेन्द्रनाथ बाग्ची । अनुवादक—दुर्गादत्त त्रिपाठी शास्त्री १०—००

५७८९ **प्रियदर्शिप्रशस्तयः** । (Edicts of Asoka) १२—००

*५७९० **बार्हस्पत्य राज्य-व्यवस्था** । डॉ० राघवेन्द्र वाजपेयी । राजनीति के प्रमुख आचार्य बृहस्पति ने राज्य-शासन तथा राज्य-प्रबन्ध के लिये जिन विधि-विधानों का आदेश दिया है, उन पर पाण्डित्यपूर्ण आलोचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत पुस्तक में दर्शनीय है । इससे वर्तमान भारतीय राज्य-व्यवस्था के गुण-दोषों पर अनजाने ही पर्याप्त प्रकाश पड़ जाता है । राजनीति के क्षेत्र में यह अभिनव ग्रन्थ है । १०—००

५७९१ **बुद्धभूषण** । शंभु विरचित १—५०

*५७९२ **भर्तृहरिशतकत्रयम्** । नीति-शृङ्गार-वैराग्य शतक । हिन्दी टीका सहित ३—००

५७९३ **भर्तृहरिशतकत्रयम्** । गोपीनाथ कृत हिन्दी टीका तथा अंग्रेजी अनुवाद ८—४०

५७९४ **भारतराष्ट्रसंघटना** । सी० कन्हन राजा २—००

५७९५ **भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास** । डॉ० भीखनलाल आत्रेय २०—००

*५७९६ **राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार**। श्रीमती कृष्णाराय।
इस पुस्तक में प्रायः भारतीय विश्वविद्यालयों के एम० ए० के इतिहास और राजनीति शास्त्र के पाठ्यक्रम में सम्मिलित सभी विषयों का समावेश है। ५—००
*५७९७ **राजनीतिरत्नाकरः**। चण्डेश्वरकृत। हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
५७९८ **राजनीतिरत्नाकरः**। चण्डेश्वर विरचित। जायसवाल सम्पादित ५—००
*५७९९ **विदुरनीतिः**। 'तत्त्वार्थदर्शिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २—००
५८०० **विदुरनीति**। आंग्लानुवाद सहित ४—५०
५८०१ **वैशम्पायननीतिप्रकाशिका**। सीताराम कृत तत्त्वविवृति सहित ४—१२
*५८०२ **शुक्रनीति**। 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्या सहित यन्त्रस्थ
५८०३ **शुक्रनीतिः**। हिन्दी टीका सहित ५—४०
५८०४ **सदाचार और नीति**। लक्ष्मीधर वाजपेयी २—००
५८०५ **सदाचारशास्त्र** (विदुर-शुक्र-चाणक्य एवं भर्तृहरि प्रणीत नीतिओं का सटीक संग्रह) देवदत्त शास्त्री। प्रथम भाग ५—७५
५८०६ **हरिहरचतुरङ्गम्**। गोदावरी मिश्र प्रणीत ६—५०
*५८०७ **हितोपदेशः**। सटिप्पण। सम्पूर्ण १—००
*५८०८ **हितोपदेशः**। 'किरणावली' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या द्वय सहित।
इस विश्व प्रसिद्ध नीतिग्रन्थ की अत्यन्त सरल-सरस प्रतिपद बोधिनी विषयानुकूल ये दोनों व्याख्याएँ संस्कृत एवं हिन्दी मात्र जानने वालों के लिये भी अत्यधिक उपयोगी हैं। ३—५०
*५८०९ **हितोपदेश-मित्रलाभः**। सान्वय किरणावली हिन्दी व्याख्या सहित १—००
*५८१० **हितोपदेश-सुहृद्भेदः**। किरणावली संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १-२५
५८११ **हीरों का खजाना**। प्रथम भाग। दामोदरलाल ज्ञानचन्द्र जैन (पद्यात्मक) १—२५

संगीत-ग्रन्थाः

५८१२ **अप्रकाशित राग** १-३ भाग ६—००
५८१३ **अभिनव गीतमंजरी**। ना० रातञ्जनकर १-३ भाग १८—५०
५८१४ **अभिनव प्रकाशिका**। आंग्लानुवाद सहित १५—००
५८१५ **अभिनव भरतसारसंग्रह**। मुम्मडिचिक्क भूपाल कृत १७—००
५८१६ **अभिनव संगीत शिक्षा**। प्रथम भाग। श्री कृष्णनारायण रातंजनकर। १-२ भाग ९—००
५८१७ **अर्जुनसंगीतिका**। अर्जुनलाल। प्रथम भाग ४—००
५८१८ **आवाज सुरीली कैसे करें** ३—५०
५८१९ **आसावरी थाट अंक** ३—००
५८२० Evolution of Songs and Lives of Great Musicians by S. Bandyopadhyaya. 3—37
५८२१ **उत्तर-भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास**। २—५०
५८२२ **उत्तरीयसंगीतशास्त्र**। पतञ्जलदेव शर्मा [illegible]—५०

५८२३ **औमापतम्** । २—१२
५८२४ **कत्थक नटवरीनृत्य** । ३—५०
५२२५ **कथक नृत्य** । प्रकाशनारायण २—५०
५८२६ **कथिकनृत्य** । लक्ष्मी नारायण ८—००
५८२७ **कथकलि नृत्यकला** । ३—००
५८२८ **कर्नाटक संगीत अंक** । ४—००
५८२९ **कलावन्तों की गायकी** । ३—५०
५८३० **कल्याण थाट अंक** । ३—००
५८३१ **काकदूत खण्ड काव्य** २—५०
५८३२ **काका की कचहरी** (हास्यरस) २—५०
५८३३ **काका की फुलझड़िया** । २—००
५८३४ **काका के कारतूस** । २—५०
५८३५ **काका के प्रहसन** । २—५०
५८३६ **काफी थाट अंक** । ३—००
५८३७ **कायदा और पेशकार** । २—००
५८३८ **किताब ई नौरस** । इब्राहीम आदित्यशाह द्वितीय । हिन्दी उर्दू में अंग्रेजी अनुवाद सहित १५—००
५८३९ **क्रमिकपुस्तकमालिका** । १-६ भाग ६९—२५
५८४० **खमाज थाट अङ्क** । ३—००
५८४१ **ख्यालगायकी** । यशवन्त सदाशिव पंडित । १-३ भाग १२—००
५८४२ **गान्धर्व संगीत प्रवेशिका** । ३—५०
५८४३ **गिटार मास्टर** । २—००
५८४४ **गीतमञ्जरी** । १—००
५८४५ **गीतागायन** । १—००
५८४६ **गीतालंकार** । ०—७५
५८४७ **गीतालङ्कार** । भरत कृत । मूल तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० आले दानियेलु-एन० आर० भट्ट १४—२५
८५४८ **चतुर्थ वर्ष प्रश्नोत्तर** । २—००
५८४९ **चित्रकाव्यकौतुकम्** । रामरूप पाठक प्रणीत । स्वोपज्ञ व्याख्या सहित । संपादिका-प्रेमलता शर्मा १२—००
५८५० **ठुमरी अङ्क** । ३—००
५८५१ **ठुमरी गायकी** । ३—५०
५८५२ **तबलामृदङ्गवादन पद्धति** । १-२ भाग ४—५०
५८५३ **तबलावादन** । गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव २—५०
५८५४ **तानसंग्रह** । ना० रातंजनकर तृतीय भाग मात्र ६—००
५८५५ **ताल अङ्क** । ५—००
५८५६ **तालप्रकाश** । ६—००
५८५७ **तालमञ्जरी** । तीसरा भाग ०—४८
५८५८ **तालमार्तण्ड** । ६—००
५८५९ **तालमालिका** । राजाभैया पूँछवाले २—६२
५८६० **तोड़ी थाट अङ्क** । ३—००

५८६१	**दत्तिलम्** । हिन्दी टीका सहित	२—५०
*५८६२	**दत्तिलम्** । हिन्दीव्याख्या सहित । व्याख्याकार-देवदत्त शास्त्री	यन्त्रस्थ
५८६३	**दुलत्ती** । 'काका हाथरसी'	२—५०
५८६४	**ध्रुपद धमार अंक** ।	४—००
५८६५	**ध्वनि और संगीत** । ललितकिशोर सिंह	४—५०
५८६६	**नलदवदन्तीरास** । महीराजकृत । भोगीलाल जे. सांदेसरा संपादित	४—२५
५८६७	**नाट्यप्रयोगशिल्प** । जशवंत ठाकर (गुजराती)	५—००
५८६८	**नादरूप** । कु० प्रेमलता शर्मा	७—००
५८६९	**नायक नायिका भेद और राग-रागिणी वर्गीकरण-तुलनात्मक अध्ययन** । डा० प्रदीपकुमार दीक्षित	१२—००
५८७०	**नृत्य अङ्क** ।	३—५०
५८७१	**नृत्य प्रश्नपत्र (प्रयाग संगीत समिति)** । २रा, ४था वर्ष	०—५०
५८७२	**नृत्यप्रश्नोत्तरी (१९५६–६०)** । प्रकाशनारायण	१—००
५८७३	**नृत्यभारती** । प्रथम भाग । आचार्य सुधाकर	४—००
५८७४	**नृत्यरत्नकोश** । कुंभकर्णप्रणीत । प्रथम भाग	३—७५
५८७५	**नृत्यशाला** ।	२—००
५८७६	**नृत्य शिक्षा** । मिथिलेश कुमारी गुप्त	२—५०
५८७७	**नृत्य शिक्षा** । विमला देवी	०—५०
५८७८	**नृत्यसंग्रहः** । अज्ञातकर्तृक	१—७५
५८७९	**पाश्चात्य संगीत शिक्षा** । भगवतशरण शर्मा । सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग	७—००
५८८०	**पिल्ला** (हास्यरस)	२—५०
५८८१	**प्रणवभारती** । ओंकारनाथ ठाकुर	९—००
५८८२	**प्रभाकर प्रश्नोत्तर** । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	४—००
५८८३	**प्राचीन भारत में संगीत** । धर्मावती श्रीवास्तव	१५—००
५८८४	**पूर्वी थाट अंक** ।	३—००
५८८५	**फिल्मसेमिनार रिपोर्ट** ।	१०—००
५८८६	**बालसंगीत शिक्षा** १–३भाग	३—००
५८८७	**बिलावल थाट अंक** ।	२—५०
५८८८	**बेलाविज्ञान** ।	५—००
५८८९	**बैंजोमास्टर** ।	२—००
५८९०	**भजनसंगीत** । प्रथम भाग	१—२५
५८९१	**भरत का संगीत-सिद्धान्त** । कैलाशचन्द्र देव बृहस्पति	६—५०
५८९२	**भरतभाष्यम्** । नान्यभूपाल रचित । चैतन्य देसाई कृत हिन्दी टीका सहित । प्रथमखण्ड अध्याय १-५	८—००
५८९३	**भरतार्णवः** । नन्दिकेश्वर विरचित । के० वासुदेव शास्त्रि सम्पादित । आंग्लानुवाद सहित	१५—००
५८९४	**भातखण्डे संगीत पाठमाला** । प्रथम भाग	१—५०
५८९५	**भातखण्डे संगीतशास्त्र** । १–४ भाग	३६—००
५८९६	**भातखण्डे स्मृति अंक** ।	१—२५
५८९७	**भारत के लोकनृत्य** ।	५—००
५८९८	**भारतीय नृत्यकला** । केशवचन्द्र वर्मा	५—००
५८९९	**भारतीय संगीत** । उत्तमराम शुक्ल	१२—००

*५९०० **भारतीय संगीत का इतिहास** । श्री शरदचन्द्रश्रीधर परांजपे ।
ऐतिहासिक दृष्टि से संगीत में शोधकार्य का फल प्रस्तुत ग्रन्थ है । यह हिन्दी साहित्य में अपने विषय का पहला ही ग्रन्थ है । वैदिक काल से आरम्भ कर गुप्तकाल तक में का इतिहास बड़ी सूक्ष्म दृष्टि से चिन्तित तथा विद्वत्ता पूर्ण ढंग से सप्रमाण वर्णित है । यन्त्रस्थ

५९०१	**भारतीय संगीत का इतिहास** । उमेश जोशी	१२—५०
५९०२	**भारतीय संगीत विज्ञान**	३—५०
५९०३	**भैरव अंक** ।	३—००
५९०४	**भैरव थाट अंक** ।	३—००
५९०५	**मणिपुरीनर्तन** । गोवर्धनपञ्चाल (गुजराती भाषा)	७—००
५९०६	**मणिपुरी नृत्य** ।	१—००
५९०७	**महिला हारमोनियम गाइड**	१—५०
५९०८	**मारवा थाट अंक** ।	३—००
५९०९	**मारिफुन्नगमात** । १-३ भाग	१५—५०
५९१०	**मीरा संगीत** । स० आ० मह्लाडकर	१—६२
५९११	**मृदंग अंक** ।	४—००
५९१२	**मृदंग तबला प्रभाकर** । १-२ भाग	५—५०
५९१३	**मृदंगवादन** । माधवराम अलकुटकर । प्रथम भाग	२—५०
५९१४	**मृदङ्गसागर** ।	५—००
५९१५	**मेलरागमालिका** । महावैद्यनाथशिव कृत	५—००
५९१६	**म्याऊँ** (हास्यरस)	२—५०
५९१७	**म्यूजिक मास्टर** ।	२—५०
५९१८	Music Mirror 1-6 Parts	7—50
*५९१९	UNIVERSAL HISTORY OF MUSIC by Raja S. M. Tagore (Chow. Sans. Studies Vol. XXXI)	20—00
५९२०	**रविशंकर के आरकेस्ट्रा** ।	६—००
५९२१	**रवीन्द्र संगीत** ।	३—५०
५९२२	**रसकौमुदी** । श्रीकण्ठ विरचित । ए० एन० जानी संपादित	१३—००
५९२३	**राग अङ्क** ।	४—००
५९२४	**राग अने रास** । ओंकारनाथ ठाकुर (गुजराती)	१—३५
५९२५	**राग आलापन तथा थायमस**	६—००
५९२६	**राग कोष** ।	१—२५
५९२७	**रागतत्त्वविबोध** । श्रीनिवास विरचित	४—००
५९२८	**रागतरङ्गनी** ।	६—७५
५९२९	**रागनिर्णय** ।	२—५०
५९३०	**रागपरिचय** । १-४ भाग	१२—७५
५९३१	**रागप्रवीण** । गणेशप्रसाद शर्मा	५—००
५९३२	**रागरत्नाकर** । (हिन्दी)	८—४०
५९३३	**रागविज्ञान** । १ से ७ भाग	२८—००
५९३४	**रागविबोधः** । सोमनाथ कृत स्वकृत विवेक व्याख्या सहित	१५—००
५९३५	**राजस्थान का लोक संगीत** । देवीलाल सामर	३—००
५९३६	**राष्ट्रिय संगीत अंक** ।	३—५०

५९३७	**रुक्मिणी मङ्गल।**	१—००
५९३८	**वंशीमञ्जरी।** ३-४ भाग	२—००
५९३९	**वाद्यशास्त्र।**	२—५०
५९४०	**वाद्य संगीत अङ्क।**	३—५०
५९४१	**वायलिन वादन।** प्रकाश नरायण	२—२५
५९४२	**वितत वाद्य शिक्षा।** प्रथम सोपान	१—२५
५९४३	**विलावल थाट अंक।**	३—००
५९४४	**वीणालक्षण-वीणाप्रपथक।** जे० एस० पादे संपादित	३—५०
५९४५	**शास्त्र परिचय।** १-२ भाग	१—२५
५९४६	**श्री रामकथामंदाकिनी।** स्वरकार-श्रीगोदावरी बाई साठे	३—६०
५९४७	**संकीर्तन सुधा।** प्रथम खड	९—००
५९४८	**संगीत अंक।**	१—२५
५९४९	**संगीत अर्चना**(तान आलाप)	६—००
५९५०	**संगीत अलि।** ओंकारनाथ ठाकुर	८—००
५९५१	**संगीत अष्टछाप।**	६—००
५९५२	**संगीत कादम्बिनी।**	६—००
५९५३	**संगीतकिशोर।**	१—७५
५९५४	**संगीत की कहानी।**	१—२५
५९५५	**संगीत चिन्तामणि।** आचार्य डॉ० बृहस्पति-श्रीमती सुमित्रा कुमारी	२०—००
५९५६	**संगीतचूड़ामणि।** जगदेकमल्ल प्रणीत	६—५०
५९५७	**संगीतदर्पणः।** चतुरदामोदर प्रणीत। संस्कृत	३—००
५९५८	**संगीतदर्पणः।** हिन्दी टीका	२—५०
५९५९	**सङ्गीत दामोदर।** शुभङ्कर विरचित	१५—००
५९६०	**संगीत निबन्धमाला।**	३—००
५९६१	**संगीत निबन्ध संग्रह।** हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	३—००
५९६२	**संगीत निबन्धावली।** प्रथम भाग	२—५०
५९६३	**संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।**	३—००
५९६४	**संगीतपारिजातः।** हिन्दी टीका सहित	५—००
५९६५	**संगीत प्रभाकर प्रश्नपत्र।**	०—५०
५९६६	**संगीत प्रवेशिका।** १-२ भाग	३—००
५९६७	**संगीत प्रश्न पत्रिका।**	४—००
५९६८	**संगीत प्रश्नोत्तर (हाई स्कूल)।** हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	१—५०
५९६९	**संगीतमालिका।** महम्मदशाहकृत। जे० वी० चौधरी सम्पादित	५—००
५९७०	**संगीत रजत जयन्ती अंक।**	५—००
५९७१	**संगीत रत्नाकर।** प्रथम भाग	७—००
५९७२	**संगीतरत्नाकरः।** शार्ङ्गदेव कृत। चतुरकल्लिनाथ-सिंहभूपालकृत व्याख्याद्वयसहित १-४ भाग	९५—००
५९७३	**संगीतरहस्य।** श्रीपदवन्द्योपाध्याय	२—२५
५९७४	**संगीतराजः।** (पाठ्यरत्नप्रवेशः) कालसेन महारानाकुम्भ कृत। कुन्हनराजा संपादित। प्रथम भाग	३—००
५९७५	**संगीतराजः।** नृपति कुम्भकर्ण प्रणीत। डा० प्रेमलता शर्मा संपादित। प्रथम खण्ड	४०—००

५९७६	**संगीतलहरी** । संग्रहकर्त्री—देवी मेहता	१—००
५९७७	**संगीत विशारद** ।	६—००
५९७८	**संगीतव्यायाम** । नारायणराय	३—००
५९७९	**संगीतशास्त्र** । प्रथम भाग	१—२५
५९८०	**संगीतशास्त्र** । के० वासुदेव शास्त्री	६—५०
५९८१	**संगीतशास्त्रदर्पण** । १-२ भाग	५—२५
५९८२	**संगीतशास्त्रपरिचय** । १-२ भाग	१—२५
५९८३	**संगीतशास्त्र मीमांसा** ।	४—००
५९८४	**संगीत शिक्षक** । वसन्तकुमार	२—००
५९८५	**संगीत शिक्षा** । मिथिलेशकुमारी गुप्त	२—५०
५९८६	**संगीतसागर** ।	७—००
५९८७	**संगीतसीकर** ।	६—००
५९८८	**संगीत सुधासागर** । प्रथम खंड	२—००
५९८९	**संगीतसोपान** ।	३—००
५९९०	**संगीताञ्जलि** । ओंकारनाथ ठाकुर	३—००
५९९१	**संगीतोपनिषत्सारोद्धारः** । वाचनाचार्य सुधाकलश विरचित	१२—००
५९९२	**संग्रहचूडामणि** । गोविन्दाचार्यकृत	१५—००
५९९३	**सन्तसंगीत अङ्क** ।	३—५०
५९९४	**सप्तरंजनी** । (सितारसाधना) १-४ भाग (गला)	१४—५०
५९९५	**सहगल संगीत** ।	३—००
५९९६	**सारेगम** ।	२—५०
५९९७	**सितार अङ्क** ।	२—५०
५९९८	**सितार मार्ग** । १-३ भाग	१५—००
५९९९	**सितारमालिका** ।	६—००
६०००	**सितार वादन** । **सतीशचन्द्र** । प्रथम भाग	२—००
६००१	**सितार शिक्षा** । बलदाऊजी श्रीवास्तव	२—००
६००२	**सितार शिक्षा**	४—००
६००३	**सितार शिक्षा** । प्रथम भाग	२—००
६००४	**सितार सुधा** । विक्रमादित्य सिंह निगम । प्रथम भाग	५—२५
६००५	**सितार सुबोधिनी** । पाँचवाँ भाग	४—००
६००६	**सिने संगीत** । प्रथम भाग	४—००
६००७	**सूर संगीत** । १-२ भाग	४—००
६००८	**स्वर मालिका**	२—५०
६००९	**स्वरमेलकलानिधिः** । हिन्दी टीका सहित	१—२५
६०१०	**स्वरलिपि** । रवीन्द्रनाथ ठाकुर के सौ गीतों का स्वरलिपि-बद्धसंकलन । प्रथम खण्ड	२०—००
६०११	**हमारे संगीत रत्न**	१५—००
६०१२	**हमारे संगीतज्ञ** । प्रकाश नारायण	३—००
६०१३	**हरिदास अंक** ।	१—२५
६०१४	**हाई स्कूल संगीत शास्त्र** ।	२—००
६०१५	**हारमोनियम ज्ञानसागर** । नन्दलाल शर्मा	२—५०
६०१६	**हारमोनियम-तबला एण्ड बाँसुरी मास्टर** ।	२—५०

*६०१७ HINDU MUSIC FROM VARIOUS AUTHORS. Compiled by Raja Sir Sourindro Mohun Tagore (Chow. Sans. Studies Vol. XLIX). 25—00

पाकशास्त्र-ग्रन्थाः

*६०१८ **नलपाकः** । (पाकदर्पण) नलविरचितः । समाप्त
६०१९ **पाकचन्द्रिका** । ६—००
६०२० **पाकप्रदीप और पुष्टिप्रकाश** । हिन्दी टीका सहित १—३२
६०२१ **पाक विज्ञान** । ४—००
६०२२ **पाक विद्या** । मणिराम शर्मा १—००
६०२३ **पाकविलास** । विधि सहित १—२०
६०२४ **पाकावली** । मूल ०—६२
६०२५ **बृहत्पाकसंग्रह** । कृष्णप्रसाद ४—००
६०२६ **बृहत्पाकावली** । हिन्दी टीका १—२५
६०२७ **स्वादिष्ट अचार** । २—५०

शिल्पशास्त्र-ग्रन्थाः

६०२८ **अपराजितपृच्छा** । भुवनदेवाचार्य विरचित । मनकड सम्पादित २५—००
६०२९ **काश्यपशिल्पम्** । महेश्वरोपदिष्टम् ४—७५
६०३० **प्रासाद-मंजरी** (सूत्रधारनाथ विरचित वास्तुमञ्जर्यान्तर्गत) हिन्दी टीका सहित ६—५०
६०३१ **प्रासादमण्डनम्** । १—००
६०३२ **प्रासाद मंडन (देवालय निर्माण शास्त्र)** सूत्रधार 'मंडन' विरचित । भगवानदास जैन कृत हिन्दी टीका सहित १६—००
६०३३ **भारतीय वास्तुशास्त्र** । (प्रतिमा विज्ञान) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल १५—००
६०३४ **भारतीयवास्तुशास्त्र** (प्रतिमाविज्ञान-प्रतिमालक्षण) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल १२—००
७०३५ **भारतीय वास्तुशास्त्र** । (वास्तु विद्या तथा पुरनिवेश) द्विजेन्द्रनाथ-शुक्ल ८—५०
६०३६ **भारतीय वास्तुशास्त्र हिन्दूप्रासाद** (चतुर्मुखी पृष्ठभूमि) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल ३—००
६०३७ **रूपमण्डन** । सूत्रधारमण्डन विरचित । हिन्दी टीका सहित । सं० डॉ० बलराम श्रीवास्तव ७—००
३०३८ **विश्वकर्मप्रकाशः** । मिहिरचन्द्र कृत हिन्दी टीका सहित ३—००
६०३९ **विश्वकर्मवास्तुशास्त्रम्** । सव्याख्या १५—००
६०४० **शिल्पप्रकाश** । रामचन्द्र कौलाचार प्रणीत । एलिस बोनर-सदाशिवरथ शर्मा कृत आंग्लानुवाद सहित । सचित्र ३३७—५०
६०४१ **समराङ्गण-सूत्रधारः** । भोजदेवविरचित । वासुदेवशरण अग्रवाल संपादित ३०—००
६०४२ **समराङ्गण-सूत्रधार-वास्तुशास्त्र** । (भवननिवेश-प्रथम भाग । हिन्दी टीका वास्तु पदावली सहित) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल ३६—००
६०४३ **सम्यक्सम्बुद्धभाषितं प्रतिमालक्षणम्** । सव्याख्या ३—२५

कामशास्त्र-ग्रन्थाः

६०४४ **अनङ्गरङ्ग** । कल्याणमल्लविरचित १—२५

*६०४५ **अनङ्गरङ्गः** । कल्याणमल्लविरचितः । हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ

६०४६ **अनङ्गरङ्गः** । हिन्दी टीका सहित ३—००

६०४७ **कामकला** । विजय बहादुर सिंह ४—५०

६०४८ **कामकुञ्ज** । सन्तराम बी. ए. २—५०

६०४९ **कामकुञ्ज** । विजय बहादुर सिंह ८—००

*६०५० **कामकुञ्जलता** । सं० आचार्य ढुण्ढिराज शास्त्री ।

श्रीमीननाथ, भरत, पुरूरवा, दैवज्ञ सूर्य आदि द्वादश राजर्षियों द्वारा विरचित इस ग्रन्थ की द्वादश मंजरियों में कामशास्त्र के पोषक विभिन्न प्रकार के प्राचीन रसपूर्ण उपाख्यान, इस शास्त्र से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के मोहन-वशीकरणादि सिद्ध तन्त्र तथा अनुभवसिद्ध लेप, तैल, पोटली, काष्ठौषधि, रसौषधि आदि का विषयानुसार सरस संस्कृत में विशद वर्णन है । अपने विषय का सर्वश्रेष्ठ आनन्ददायी तथा उपयोगी ग्रन्थ है । २०—००

६०५१ **कामविज्ञान** । दीनानाथ व्यास ४—००

*६०५२ **हिन्दी कामसूत्र** । (जयमङ्गला टीका सहित) व्याख्याकार : श्री देवदत्त शास्त्री

शास्त्रार्थ के दुरुह स्थलों पर इतना सुविस्तृत और गंभीर विवेचन किया गया है कि यह हिन्दी व्याख्या कामसूत्र की एक स्वतंत्र मौलिक रचना ही बन गई है । १६—००

६०५३ **कामसूत्र** । हिन्दी भाषा मात्र ५—५०

६०५४ **कामसूत्र परिशीलन** । वाचस्पति गैरोला १६—००

६०५५ **कुचिमारतन्त्रम्** । हिन्दीटीका ०—५०

६०५६ **केलिकुतूहलम्** । म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित । मूलमात्र २—००

६०५७ **केलिकुतूहलम्** । हिन्दी टीका सहित ४—००

६०५८ **कोकशास्त्र** । (हिन्दी) ४—००

६०५९ **कोकशास्त्र** । जैनाचार्य नर्बुदाचार्य विरचित ११—००

६०६० **कोकसार** । (हिन्दी) विद्याधर विद्यालङ्कार २—२५

६०६१ **नागरसर्वस्वम्** । हिन्दी टीका सहित ५—१०

*६०६२ **पञ्चसायकः नर्मकेलिकौतुकसंवादश्च** । कविशेखरश्रीज्योतीश्वराचार्येण तथा कविराजमुकुटेन दण्डिना विरचितः १—००

६०६३ **पञ्चसायकः** । हिन्दी टीका सहित ४—२०

६०६४ **मदनसन्देशः** । आचार्य श्री आनंद । हिन्दी टीका सहित ०—६२

*६०६५ **रतिमंजरी** । हिन्दीगद्य-पद्यानुवाद सहित ०—४०

*६०६६ **रतिरत्नप्रदीपिका** । श्रीप्रौढदेवराज विरचित १—००

६०६७ **रतिरत्नप्रदीपिका** । हिन्दी टीका सहित ३—००

६०६८ **रतिरहस्यम्** । काञ्चीनाथ कृत दीपिका टीका टिप्पणी सहित ४—००

६०६९ **रतिरहस्यम्** । हिन्दी टीका सहित ५—००

*६०७० **वात्स्यायन के योग** । श्री केदारनाथ पाठक रासायनिक ।
स्त्री-पुरुषों के स्वास्थ्य-सौन्दर्यादि की वृद्धि के लिये इस पुस्तिका में कामसूत्रकार महर्षि वात्स्यायन के अनुभवसिद्ध क्वाथ-चूर्ण-घृत-तैल-लेप-पोटली-उबपन-मञ्जन आदि के अनेक गोपनीय नुस्खे दिये गये हैं । ०—७५

बौद्ध-ग्रन्थाः

*६०७१ A MANUAL OF BUDDHISM, In its Modern Development. Translated from Singhalese Mss. by R. Spence Hardy. (Chow. Sans. Studies Vol. LVI.) 30—00

६०७२ **अङ्गुत्तरनिकाय** । १-२ भाग । अनुवादक-भदन्त आनन्द कौसल्यायन १७—००

६०७३ **अङ्गुत्तरनिकाय पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित १-४ भाग ३०—००

६०७४ **अट्ठसालिनी** । धम्मसंगणि की टीका ८—००

६०७५ **अभिधम्मत्थ संगहो** । अनुरुद्धाचरिय विरचित । भदन्त आनन्द कौसल्यायन कृत हिन्दी टीका सहित ३—००

६०७६ **अभिधम्मत्थसङ्गहो** । अनुरुद्धाचरिय विरचित । धम्मानन्द कृत नवनीत टीका सहित ४—००

६०७७ **अभिधम्मत्थसङ्गहो** । अनुरुद्धाचरिय विरचित । भदन्त सुमङ्गल सामित्थेर कृत अभिधम्मत्थ विभावनी टीका सहित । भदन्त रेवत धम्मत्थेर सम्पादित ८—००, १०—००

६०७८ **अभिधर्मदीपः** । विभाषाप्रभावृत्ति सहित १२—००

६०७९ **अभिधर्मसमुच्चयः** । असंगकृत । प्रह्लादप्रधान सम्पादित ६—००

६०८० **अम्बट्ठसुत्त** । राहुल सांकृत्यायन-भिक्षु जगदीश काश्यप ०—५०

६०८१ **अर्थपादसूत्र** । अंग्रेजी अनुवाद सहित । बापट संपादित ७—००

*६०८२ **अवदानकल्पलता** । (तृतीयपल्लवः) श्री क्षेमेन्द्र विरचित ०—२५

६०८३ **अवदानकल्पलता** । क्षेमेन्द्र विरचित । १-२ भाग २५—००

६०८४ **अवदानशतकम्** । परशुरामशर्मणा संस्कृतम् १२—५०

६०८५ **अवदानशतकम्** । J. S. Speyer संपादित १०८—००

६०८६ **अशोकावदानम्** । सुजीतकुमार मुखोपाध्याय संपादित १८—००

६०८७ **अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता** । हरिभद्र विरचित आलोक व्याख्या सहित २०—००, २५—००

६०८८ **आगमशास्त्रम्** । गौडपादाचार्य कृत । भदन्त आनन्द कौशल्यायन १—५०

६०८९ **आचार्य बुद्धघोष** । भिक्षु धर्मरक्षित १—००

६०९० **आदर्श बौद्ध महिलायें** । विद्यावती मालविका १—५०

६०९१ **आर्य अंगुलिमाल सूत्र** । रिगजिन लुनडुब लामा ०—५०

६०९२ **आर्यशालिस्तम्बसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादविभङ्गनिर्देशसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादगाथासूत्रम्** । ९—००

६०९३ **इतिवुत्तक** । भिक्षुधर्म रक्षित ०—७५

६०९४ **इति-वुत्तकं** (सुत्तपिटकस्स खुद्दकनिकाये) मूलमात्र पालीपाठ २—५०

६०९५ **उत्तर-प्रदेश में बौद्धधर्म का विकास** । डॉ. नलिनाक्षदत्त-कृष्णदत्त वाजपेयी ६—००

६०९६ **उदान** । भिक्षु जगदीश काश्यप अनुवादित १—२५

६०९७ **उपसंपदाज्ञप्ति** । डॉ० बी० जिनानंद संपादित ३—००
६०९८ **ऊहापोह** । शान्तिभिक्षु शास्त्री १—००
*६०९९ AN INTRODUCTION TO BUDDHIST ESOTERISM by Dr. Benoytosh Bhattacharya (Chow. Sans. Studies Vol. XLVI.) 30—00
६१०० **कथावत्थु पालि (अभिधम्म पिटके)** । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित ७—५०
६१०१ **कालामसूत्र** । जी० प्रज्ञानन्द ०—२५
६१०२ **कुशीनगर का इतिहास** । भिक्षु धर्मरक्षित २—५०
६१०३ **कुशीनगर दिग्दर्शन** । भिक्षु धर्मरक्षित ०—२५
६१०४ **खुद्दकनिकाय** । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित । १-७ भा. ९ जिल्दों में ६७—५०
६१०५ **खुद्दकपाठ** । भिक्षु धर्मरत्न ०—३७
६१०६ **गण्डव्यूहसूत्रम्** । परशुराम शर्मा वैद्य संपादित २०—००
६१०७ **गांधारी धम्मपद** । सव्याख्या-रोमन आंग्लानुवाद सहित । जोन ब्राउन सम्पादित ८४—००
६१०८ **गांधीजी और धर्म** । सुखलाल संघवी-दलसुखमालवणिया लिखित । हिन्दी ०—६२
६१०९ **गुह्यसमाजतन्त्रम्** । (तथागतगुह्यक) शीतांशुशेखर बागची सम्पादित १०—००, १२—५०
६११० **गृहीविनय** । १—२५
६१११ **गौतमबुद्ध** । बंगला १—५०
६११२ **चरियापिटक** । भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवादसहित १—८०
६११३ **चरियापिटक** । डा० विमलाचरण सम्पादित ५—००
६११४ **चर्यागीतिकोषः बौद्धसिद्धानाम्** । प्रबोधचन्द्र बागची-शान्तिभिक्षु शास्त्री कृत टिप्पणी सहित १५—००
६११५ **चित्तविशुद्धिप्रकरणम्** । आर्यदेव कृत । पटेल सम्पादित ५—००
६११६ **चीनवर्षीया अहिंसा पञ्चाशिका** । रघुवीरेण आंग्ले संस्कृते चानूदिता २०—००
६११७ **चीनी बौद्धधर्म का इतिहास** । डॉ० चाउसिआंग कुआंग । आत्मन् अनुवादित १०—००
६११८ **चुल्लनिद्देस पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित ७—५०
६११९ **चुल्लवग्ग** । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित ७—५०
६१२० **जातक** । १-६ भाग । भदन्त आनन्द कौसल्यायन अनुवादित ५८—००
६१२१ **जातक पालि** । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-२ भाग १५—००
६१२२ **जातकट्ठकथा** । पठमो भाग । भिक्षुधर्मरक्षित सम्पादित । एकनिपातवण्णना ९—००
६१२३ **जातकमाला** तथा **सुभाषित रत्नकरण्डक कथा** । आर्यशूर विरचित १२—५०
६१२४ **जातकमाला** । आर्यशूरकृत । डा० कर्न सम्पादित । अमेरिका ४८—००
६१२५ **जातकमाला** । मध्यमा परीक्षा निर्धारित । सटीक २—२५
६१२६ **जातकमाला** । हिन्दी टीका सहित । १-२० जातक ३—००
६१२७ **जातकमाला** । आंग्लानुवाद-हिन्दी अनुवाद सहित ८—००
६१२८ **जातकसङ्ग्रहः** । तुङ्गर सम्पादित १—५०
६१२९ **जातिभेद और बुद्ध** । भिक्षु धर्मरक्षित १—००
६१३० **ज्ञानप्रस्थानशास्त्र** । कात्यायनी पुत्र विरचित १२—००
६१३१ **ज्ञानश्रीमित्रनिबन्धावलि** । अनन्तलाल ठक्कुर संपादित २५—००

६१३२ **तथागत का प्रथम उपदेश ।** भिक्षु धर्मरक्षित ०—३७
६१३३ **तथागत गर्भसूत्र ।** भदन्त मंगल हृदय ०—३७
६१३४ **तान्त्रिक बौद्ध साधना और साहित्य ।** नगेन्द्रनाथ उपाध्याय ५—००
६१३५ **तिब्बत में बौद्धधर्म ।** राहुल सांकृत्यायन १—२५
६१३६ **तेलकटाहगाथा ।** भिक्षुधर्मरक्षित ०—३७
६१३७ **थेरगाथा ।** मूलमात्र पालीपाठ १—५०
६१३८ **थेरगाथा ।** अनुवादक-भिक्षु धर्मरत्न ३—००
६१३९ **थेरीगाथा ।** मूलमात्र पालीपाठ १—२५
६१४० **दिव्यावदान ।** पी० एल० वैद्य सम्पादित १६—००, २०—००
६१४१ **दीघनिकायः ।** मूलमात्र-पालीपाठ । १-२ भाग ५—००
६१४२ **दीघनिकायः ।** भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-३ भाग २२—५०

६१४३ **धम्मपदं । (शोधपूर्ण संस्करण) सटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । अनुवादक—श्री कनछेदिलाल गुप्ता । टिप्पणीकार-श्री सत्कारिशर्मा वङ्गीय**
सिंहली, बर्मी आदि पाठों तथा टीकाओं के आधार पर प्रस्तुत विशुद्ध पाठ, भाषाविज्ञानसम्मत संस्कृत छाया, प्राञ्जल हिन्दी व्याख्या सभी महत्त्वपूर्ण शब्दों पर पूर्णतया विवेचन, गाथासूची, शब्दकोश आदि अनेकविध शोधपूर्ण नवीनताओं से मण्डित यह संस्करण सर्वोत्तम है । यन्त्रस्थ

६१४४ **धम्मपद ।** वंशनारायण लाल सम्पादित (कविता) ०—५०
६१४५ **धम्मपद ।** मूलपाली, संस्कृत-छाया, हिन्दी टीका सहित । राहुल सांकृत्यायन अनुवादित २—००

६१४६ **धम्मपद ।** हिन्दी अनुवाद-संस्कृतच्छाया-व्याकरणात्मक टिप्पणी आदि से समन्वित । सं० डा० रामजी उपाध्याय ३—००

६१४७ **धम्मपद ।** भिक्षुधर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद २—००
६१४८ **धम्मपद ।** त्रिपिटकाचार्य भिक्षुधर्मरक्षित विरचित टीका सहित ३—००
६१४९ **धम्मसंगणि ।** बापट कृत ५—००
६१५० **धम्मसंगणिपालि ।** भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित ७—५०
६१५१ **धम्मचक्कप्पवत्तनसुत्त ।** ०—५०
६१५२ **धातुकथा पुग्गलपञ्ञत्ति पालि ।** भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित ७—५०
६१५३ **ध्यान-सम्प्रदाय ।** डा० भरतसिंह उपाध्याय १०—००
६१५४ **नवनालन्दा महाविहार शोध ग्रन्थ ।** डॉ० एस० मुकर्जी संपादित १-२ भाग ३०—००

६१५५ **नारायण परिपृच्छा ।** संस्कृत-तिब्बती ०—७५
६१५६ **नालन्दा-देवनागरी-पालि-ग्रन्थमाला ।** देवनागरी लिपि में सम्पूर्ण पालित्रिपिटक । ४१ जिल्दों में सम्पूर्ण । साधारण संस्करण २०५—००
लाइब्रेरीसंस्करण ३०७—५०

६१५७ **निदानकथा ।** भिक्षु धर्मरक्षित अनुवादित १—२४
६१५८ **निदानकथा** (जातकट्ठकथा) एन० के० भागवत संपादित १—६२

६१८३ **पाली साहित्य का इतिहास ।** राजकिशोर २—५०
६१८४ **पूर्णिमा ।** (कविता) कुमारी विद्यावती 'मालविका' ०—६२
६१८५ **प्रज्ञाप्रदीप ।** १—००
६१८६ **प्रतीत्यसमुत्पादीय विभङ्ग नाम निर्देश सूत्रम् ।** रिगजिन लुनडुब लामा ०—३७
६१८७ **प्रमाणवार्तिकान्तर्गत स्वार्थानुमान परिच्छेद ।** आचार्य धर्मकीर्ति विरचित । दलसुख भाई मालवणिया सम्पादित १५—००
६१८८ **प्रमाणवार्त्तिकम्-स्वार्थानुमान परिच्छेदः ।** धर्मकीर्ति कृत । स्वोपज्ञवृत्ति आंग्लानुवाद सहित । १-५१ कारिका सं० एस० मुकर्जी-हजुननागासाकि ४—००
६१८९ **प्रातिमोक्षसूत्रम् ।** (मूल सर्वास्तिवाद) ४—००
६१९० **प्रातिमोक्षसूत्रम् ।** महासांघिकानां । डब्ल्यू० पचाऊ-रमाकान्तमिश्र संपादित ५—००
६१९१ **बुद्ध और उनके अनुचर ।** आनन्द कौसल्यायन १—२५
६१९२ **बुद्ध और क्राइस्ट ।** जिनराजदास ०—७५
६१९३ **बुद्ध और बौद्धसाधक ।** भरतसिंह उपाध्याय १—५०
६१९४ **बुद्धकालीन भारत का भौगोलिक परिचय ।** १—००
६१९५ **बुद्धकालीन भारतीय भूगोल ।** ११—००
६१९६ **बुद्ध की देन ।** भदन्त डॉ० शासन श्री महास्थविर २—००
६१९७ **बुद्धकीर्तन ।** प्रेमसिंह चौहान 'दिव्यार्थ' १—५०

*६१९८ **बुद्धचरितम् ।** अश्वघोषकृतम् । हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक-महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री । हिन्दी ज्ञाताओं को काव्यानन्द के साथ भगवान् बुद्ध के मार्मिक एवं करुण जीवनचरित द्वारा शान्तरस का आनन्द सुलभ कराने की दृष्टि से यह संस्करण प्रस्तुत है । इसमें हिन्दी टीका विषयानुकूल प्रवाह-युक्त तथा सरल एवं सरस है ।
संपूर्ण ग्रन्थ १-२ भाग में ५—५०
प्रथम भाग (सर्ग १ से १४)—महाकवि अश्वघोष रचित संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित २—५०
द्वितीय भाग (सर्ग १५ से २८)—शास्त्री जी द्वारा स्व-परिश्रम-पूर्वक रचित संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित ३—००

६१९९ **बुद्धचरितावली ।** रामचन्द्रलाल १—५०
६२०० **बुद्धचर्या ।** राहुल सांकृत्यायन १०—००
६२०१ **बुद्धचित्रावली ।** आनन्द कौसल्यायन २—५०
६२०२ **बुद्धजीवनी ।** १—२५
६२०३ **बुद्धदेव ।** शरत्कुमारराय १—७५
६२०४ **बुद्धधर्म के उपदेश ।** भिक्षु धर्मरक्षित २—००
६२०५ **बुद्धमीमांसा ।** योगिराज शिष्य मैत्रेय रचित । अनु०—विश्वनाथप्रसाद मिश्र ३—००
६२०६ **बुद्धवचन ।** भदन्त आनन्द कौसल्यायन ०—७५
६२०७ **बुद्धवचनामृत ।** भदन्त डॉ० शासन श्री महास्थविर १—५०
*६२०८ BUDDHISM by Monier Williams (Chow. Sans. Studies Vol. XLV) 35—00

*६२०९ BUDDHIST PHILOSOPHY IN INDIA AND CEYLON : By A. B. Keith (Chow. Sans. Studies Vol. XXVI) 15—00

६२१० **बृहस्पतितत्त्व** । श्रीमती डॉ० सुदर्शन देवी ३०—००

६२११ **बोधिचर्यावतार** । विधुशेखर भट्टाचार्य संपादित २५—००

६२१२ **बोधिचर्यावतार** । शान्तिदेव विरचित । प्रज्ञाकरमति कृत पञ्जिका व्याख्या सहित १२—५०

६२१३ **बोधिचर्यावतार** । आचार्य शान्तिदेव कृत । अनु०—शान्तिभिक्षु शास्त्री १०—००

६२१४ **बोधिद्रुम** । सुमन वात्स्यायन ०—३७

६२१५ **बोधिपथ-प्रदीपम्** । रिगजिन लुनड्रुब लामा ०—५०

६२१६ **बोधिसत्त्वचरितम्** । प्रणेता सत्यव्रत शास्त्री ६—५०

६२१७ **बोधिसत्त्वभूमिः** । डॉ० नलिनाक्ष दत्त संपादित १५—००

६२१८ **बौद्ध कला कृतियाँ** । ३—००

६२१९ **बौद्धकहानियाँ** । व्यथितहृदय १—५०

६२२० **बौद्धचर्याविधि** । भिक्षु धर्मरक्षित ०—५६

६२२१ **बौद्धदर्शन** । राहुल सांकृत्यायन ५—००

६२२२ **बौद्धदर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन** । भरतसिंह । १-२ भाग २०—००

***६२२३ बौद्धदर्शन-मीमांसा । पं० बलदेव उपाध्याय साहित्याचार्य, एम० ए० (उत्तरप्रदेश की सरकार तथा डालमिया पुरस्कार से पुरस्कृत) द्वितीय संस्करण** ६—००

६२२४ **बौद्धदर्शनबिन्दुः** । डॉ० सातकड़ि मुखोपाध्याय १—००

६२२५ **बौद्धधर्म** । मूल लेखक-एनीबेसेंट । अनुवादिका-कौशल्यादेवी मोहता । ०—७५

६२२६ **बौद्धधर्म के विकास का इतिहास** । गोविन्दचन्द्र १२—००

६२२७ **बौद्धधर्म के २५०० वर्ष** । ३—००

६२२८ **बौद्ध धर्म दर्शन** । आचार्य नरेन्द्रदेव १७—००

***६२२९ बौद्ध न्याय । मूल लेखक : एफ० टी० शर्बाट्स्की । हिन्दी अनुवाद : डॉ० रामकुमार राय**

यद्यपि इधर कुछ वर्षों में बौद्धदर्शन के अध्ययन की दिशामें पाठकों की रुचि में पर्याप्त वृद्धि हुई है, तथापि आज भी बौद्धदर्शन, तथा विशेषरूप से बौद्ध न्याय के प्रायः सभी ग्रन्थों के केवल मूल पाठ में ही उपलब्ध होने से पाठकों को बहुधा कठिनाई का अनुभव करना पड़ता था। बौद्धन्याय पर कोई विवेचनात्मक पुस्तक का अभाव तो न केवल हिन्दी तक ही सीमित था, वरन अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं तक में ऐसी एकमात्र कृति शर्बाट्स्की के प्रस्तुत ग्रन्थ के अतिरिक्त अन्य कोई नहीं है। यह वस्तुतः बौद्धन्याय के क्षेत्र में आज तक प्रकाशित सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तथा प्राच्य अनुसन्धान का एक युगान्तकारी ग्रन्थ है। लेखक ने दिङ्नाग तथा उनके अनुयायियों, विशेषतः धर्मकीर्त्तिद्वारा प्रवर्तित महायान सम्प्रदाय के बौद्ध न्याय का एक सर्वाङ्गपूर्ण इतिहास तथा विवेचन प्रस्तुत किया है।

ग्रन्थ यन्त्रस्थ है और प्रथम भाग अत्यन्त शीघ्र प्रकाशित होगा।

६२६३ **मिलिन्दपञ्हो** (मिलिन्दप्रश्नः) मूलपालि-संस्कृत छाया संवलित । विमतिच्छेदपर्यन्त ४—००
६२६४ **मूलमाध्यमिककारिका ।** नागार्जुन कृत । षष्ठ-सप्तम प्रकरण । चन्द्रकीर्ति तथा विधुभूषण कृत व्याख्या द्वय, आंग्ला-बंगलानुवाद सहित १०—००
६२६५ **यमक पालि ।** भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित । १-३ भाग २२—५०
६२६६ **यशोधरा ।** मैथिलीशरण गुप्त ३—००
६२६७ **योगाचारभूमिः ।** आचार्य असङ्ग । विधुशेखर भट्टाचार्य संपादित प्रथम भाग १०—००
६२६८ **रत्नगोत्रविभागोमहायानोत्तर तन्त्रशास्त्रम् ।** जान्स्टन-चौधरी सम्पादित ८—००
६२६९ **राष्ट्रपाल परिपृच्छानाम महायानसूत्र ।** एल० फीनाट सम्पादित १२—००
६२७० **ललितविस्तरः ।** पी. यल. वैद्य संपादित १२—५०
६२७१ **लोकनीति ।** १—००
६२७२ **वज्रसूची उपनिषद ।** प्रज्ञानंद ०—५०
६२७३ **वज्रसूची ।** अश्वघोष विरचित । सुजीतकुमार मुकर्जी संपादित ३—५०
६२७४ **वज्जालग्गम् ।** जुलियस लेवर सम्पादित । २-३ खण्ड २—२५
६२७५ **वज्जालग्गम् ।** (१-२००) गोरे सम्पादित ३—००
६२७६ **विग्रहव्यावर्त्तनी ।** नागार्जुन विरचित । स्वोपज्ञवृत्ति समेत ५—००

*६२७७ **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः । विंशति-त्रिंशिकाभिधानप्रकरणद्वयात्मिका भाषानुवादसमुल्लसिता । अनु०-डॉ० महेश तिवारी ।**
विज्ञानवाद के इस आधार ग्रन्थ का मूल पाठ देशी-विदेशी दुर्लभ पाण्डुलिपियों के आधार पर निश्चित किया गया है, तदनुसार सरल-सुबोध हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है जो जटिलता से रहित स्पष्टीकरण के लिये यत्र-तत्र कोष्ठक में कुछ शब्द या वाक्यांश जोड़ भी दिये गए है । सरल दार्शनिक विचारों से युक्त भूमिका तथा अन्त में शब्दानुक्रमणिका आदि उपयोगी सामग्री भी दी गई है । ६—००

६२७८ **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः ।** वसुबन्धु प्रणीत । पञ्चाशतिका-**सवृत्तिका त्रिंशतिका कारिका ।** स्थिरमति प्रणीत । त्रिंशिका भाष्य सहित २—००
६२७९ **विभङ्गपालि ।** भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित ७—५०
६२८० **विशुद्धिमग्गदीपिका ।** धर्मानन्दकोशाम्बी ३—५०
६२८१ **विशुद्धिमार्ग ।** अनुवादक—भिक्षु धर्मरक्षित । १-२ भाग २२—००
६२८२ **विश्व में बौद्धधर्म ।** गौरीशंकर द्विवेदी १—२५
६२८३ **शाक्यमुनि ।** गंगाप्रसाद ०-५०
६२८४ **शार्दूलकर्णावदानम् ।** सुजीतकुमार मुखोपाध्याय सम्पादित १०—००
६२८५ **शिक्षासमुच्चयः ।** शान्तिदेव विरचित १२—५०
६२८६ **शिक्षासमुच्चयः ।** शान्तिदेव संगृहीत । सेसिल बेंडाल सम्पादित ३५—००
६२८७ **श्लोकान्तारा ।** श्रीमती डॉ० शारदारानी ३०—००
६२८८ **संयुक्तनिकाय ।** भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-४ भाग ३०—००
६२८९ **संयुक्तनिकाय ।** भिक्षु जगदीश काश्यप, त्रिपिटकाचार्य भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग १८—००
६२९० **संयोजन ।** भदन्त आनन्द कौसल्यायन ०—३७

६२९१ **सद्धम्मसङ्गहो** । धम्मकित्ति महासामीकृत । डॉ० महेश तिवारी संपादित ३—००
६२९२ **सद्धर्मपुण्डरीकसूत्रम्** । परशुराम शर्मा वैद्य संशोधित १२—५०
६२९३ **सद्धर्मलङ्कावतारसूत्रम्** । डॉ० पी० एल० वैद्य परिष्कृत १०—००, १२—५०
६२९४ **समन्तपासादिका नाम विनयट्ठकथा** । बीरबल शर्मा संशोधित । १–२ भाग ३०—००
६२९५ **समन्तभद्रचर्याप्रणिधानराजम्** । सुषमादेवी संपादित २५—००
६२९६ **समाधिराजसूत्रम्** । १६—००
६२९७ **सम्मोहविनोदिनी नाम विभङ्गट्ठकथा** । डॉ० यू० धर्मरत्न संपादित १५—००
६२९८ **साम्यसूत्र** । विनोबा ०—३७
६२९९ **सारनाथदिग्दर्शन** । भिक्षु धर्मरक्षित ०—३७
६३०० **सारनाथ वाराणसी** । भिक्षु धर्म रक्षित १—५०
६३०१ **सारसमुच्चयः** । रघुवीरेण संपरिष्कृत्य पाठान्तरानुवादटिप्पणीसहितः ४०—००
६३०२ **सारिपुत्त तथा मोग्गल्लान** । विश्वनाथ शास्त्री ०—७५
६३०३ **सासनवंसो** । डॉ० च० सिं० उपासको ६—००
६३०४ **सिगालोवादसुत्त** । राहुल सांकृत्यायन ०—५०
६३०५ **सिङ्गालसुत्तम्** । भिक्षुकित्तिमा ०—५०
६३०६ **सिद्धार्थ** (गौतमबुद्ध की जीवनी) ३—००
६३०७ **सुत्तनिपात** । भिक्षु धर्मरत्न कृत । हिन्दी ६—००
६३०८ **सूत्रद्वयं दीर्घागमस्य** । (महावदान-महापरिनिर्वाणसूत्रे) राहुल सांकृत्यायन अनूदित ६—००
*६३०९ **सौगतसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः (बौद्धदर्शन) हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पादक-डॉ० चन्द्रधर शर्मा** ५—००
६३१० **सौगतसूत्रव्याख्यानकारिका** । कुमारिल कारिकावली । कुमारिल स्वामिपाद विरचित २—००
६३११ **सौन्दरानन्दकाव्य** । अश्वघोषकृत । डा० हरप्रसाद सम्पादित ३—००
६३१२ **सौन्दरानन्दकाव्य** । हिन्दी टीका सहित ३—००
६३१३ **हिन्दी सन्त साहित्य पर बौद्ध धर्म का प्रभाव** । २०—००
६३१४ HISTORY AND PALAEOGRAPHY OF MAURYAN BRAHMI SCRIPT by Dr. C. S. Upasak, M. A., Ph. D. 12-00
६३१५ **हेतुतत्त्वोपदेश** । जितारि विरचित १—८७
६३१६ **हेतुबिन्दुटीका** । भट्टार्चट विरचित । सुखलाल संघवी सम्पादित २०—००

जैन-ग्रन्थाः

६३१७ **अंगविज्जा** । पुव्वायरियविरइया [मणुस्सविविहचेट्ठाइणिरिक्खणदारेण भविस्साइफलणाणाविण्णाणरूवा] मुनि पुण्यविजय सम्पादित २१—००
६३१८ **अकलङ्कग्रन्थत्रयी** । भट्टाकलङ्कदेव कृत (लघीयस्त्रयम्-न्यायविनिश्चयः-प्रमाणसङ्ग्रहश्च) महेन्द्रकुमारकृत हिन्दी प्रस्तावना-संस्कृत टिप्पणी सहित ८—५०
६३१९ **अध्यात्मकमलमार्तण्ड** । मल्लविरचित । हिन्दी टीका सहित १—७५
६३२० **अध्यात्मकल्पद्रुम** । मुनि सुन्दरसूरि कृत । गुजराती भावार्थ सहित ७—७५

६३५५ **उत्तराध्ययनसूत्र ।** वंगाक्षर मूल-शब्दार्थ-बंगानुवाद-पाठान्तर पाद टीका-शब्दसूची पाद-टीका-सूची व भूमिका सहित १२—००
६३५६ **उपासकाध्ययन ।** सोमदेव सूरि कृत । हिन्दी टीका सहित १२—००
६३५७ **कथाकोषप्रकरणम् ।** जिनेश्वर सूरि विरचित । जिनविजय संपादित १२—५०
६३५८ **कन्नडप्रान्तीय ताड़पत्रीय ग्रन्थसूची ।** १३—००
६३५९ **करकंडचरिउ ।** मुनिकनकामर विरइउ । हिन्दी-आंग्लानुवाद सहित १०—००
६३६० **करलक्खण ।** (सामुद्रिकशास्त्र) हिन्दी अनुवाद सहित ०—७५
६३६१ **कर्मप्रकृति ।** हीरालाल ६—००
६३६२ **कलकत्ते की जैन कार्तिक रथयात्रा का महोत्सव ।** ०—२५
६३६३ **कल्पसूत्र** (हिन्दी काव्य) रामचन्द कृत १—५०
६३६४ **कल्याणमंदिरस्तोत्र ।** कुमुदचन्द्राचार्य विरचित । कमलकुमार जैन कृत हिन्दी टीका सहित ३—००
६३६५ **कविकल्पद्रुमः ।** (व्याकरण) । हर्षकुल विरचित ०—५०
६३६६ **कसायपाहुडसुत्त ।** गुणधर विरचित । यतिवृषभ कृत संस्कृत तथा हीरालाल सिद्धान्तशास्त्री रचित हिन्दी टीका सहित २०—००
६३६७ **कातन्त्ररूपमाला ।** श्रीमच्छर्ववर्म प्रणीत २—५०
६३६८ **कान्हडदेप्रबन्ध ।** ९—५०
६३६९ **काव्यशिक्षा ।** विनयचन्द्र सूरि कृत १०—००
६३७० **कुन्द-कुन्द प्राभृत संग्रह ।** हिन्दी अनुवाद सहित । सं०-कैलाशचन्द्र शास्त्री ६—००
६३७१ **कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न ।** गोपालदास जीवाभाई पटेल । हिन्दी २—००
६३७२ **केवलज्ञानप्रश्नचूड़ामणिः ।** हिन्दी टीका सहित ४—००
६३७३ **क्या धर्म बुद्धिगम्य है ।** आचार्य तुलसी २—००
६३७४ **क्षत्रचूड़ामणि ।** २—५०
६३७५ **खवग-सेढ़ी** (क्षपक-श्रेणिः) । स्वोपज्ञ वृत्ति संवलित २१—००
६३७६ **गणधरवाद ।** (गुजराती) दलसुख मालवणिया १०—००
६३७७ **गुजरात का जैनधर्म ।** मुनि जिनविजय । हिन्दी ०—७५
६३७८ **गुरुगुणरत्नाकर ।** (काव्य) । सोमचारित्र विरचित ०—५०
६३७९ **गुर्वावलिः ।** (काव्य) । मुनि सुन्दरसूरि विरचित ०—२५
६३८० **गोम्मटसारः (जीवकाण्ड)** नेमिचन्द्राचार्य कृत । संस्कृत छाया हिन्दी टीका सहित ६—००
६३८१ **चन्द्रप्रभचरित ।** वीरनन्दि विरचित । संपूर्ण २—५०
*६३८२ चन्द्रप्रभचरित । परीक्षोपयोगी 'सुधा' हिन्दी टीका सहित । तृतीय सर्ग ०—४५
६३८३ **चौबीसठाणा (चर्चा) ।** गुटका ०—७५
६३८४ **चौलुक्य कुमारपाल ।** लक्ष्मीशङ्कर व्यास ४—५०
६३८५ **छहढाला ।** मोहनलाल शास्त्री कृत मनोरमा टीका सहित ०—६०
६३८६ **छहढाला ।** दौलतराम कृत । विजया टीका सहित ०—५०
६३८७ **छहढाला ।** दौलतराम कृत । सरला टीका सहित ०—४०
६३८८ **जंबुचरियं ।** गुणपाल विरइयं (प्राकृत भाषा निबद्ध) ८—५०
६३८९ **जंबूदीव-पण्णत्ति संगहो ।** पउमणंदिकओ । हिन्दी टीका सहित १६—००

६३९० **जम्बूस्वामिचरितम्** । राजमल्ल विरचितम् । **अध्यात्मकमल मार्त्तण्डश्च** १—५०
६३९१ **जयन्तप्रबन्ध** । हिमांशु विजय विरचित । गुजराती टीका सहित ०—१९
६३९२ **जयन्तविजय** । अभयदेव विरचित १—५०
६३९३ **जयपायड-निमित्त शास्त्र** । पूर्वाचार्य विरचित । सव्याख्या ६—६०
६३९४ **जिनदत्ताख्यानद्वयम्** । (प्राकृत) अमृतलाल मोहनलाल भोजक संपादित ३—५०
६३९५ **जिनसहस्रनाम** । आशाधर विरचित । श्रुतसागरसूरि प्रणीत व्याख्या हिन्दी टीका सहित ४—००
६३९६ **जिनसहस्रनामस्तोत्र** । गुजराती टीका सहित ०—३१
६३९७ **जीवन दर्शन** । गोपीचन्द धाड़ीवाल ३—००
६३९८ **जीवन में स्याद्वाद** । चन्द्रशङ्कर प्राणशङ्कर शुक्ल । हिन्दी ०—७५
६३९९ **जीवन्धरचम्पूः** । हरिचन्द विरचित । संस्कृत हिन्दी टीका सहित ८—००
६४०० **जैन अध्ययन की प्रगति** । दलसुख मालवणिया ०—२५
*६४०१ **जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज** । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन । भारतीय समाज की जैनागम साहित्य में प्राप्त ऐतिहासिक स्थिति का—शैली और कौशल की दृष्टि से उनका-वर्णन प्राप्त करने के लिए यह एक ही ग्रन्थ है । २५—००
६४०२ **जैन आचार** । डा० मोहनलाल मेहता ५—००
६४०३ **जैन आरती भजन संग्रह** ०—३७
६४०४ **जैन गारी संग्रह** । १-२ भाग ०—४४
६४०५ **जैन ग्रन्थ और ग्रन्थकार** । फतेहचन्द बेलानी सम्पादित १—५०
६४०६ **जैन ग्रन्थप्रशस्तिसंग्रह** । परमानन्द जैन शास्त्री । १-२ भाग १६—५०
६४०७ **जैन जागरण के अग्रदूत** । अयोध्याप्रसाद गोयलीय ५—००
६४०८ **जैन तर्कभाषा** । यशोविजयोपाध्यायकृत । सुखलालप्रणीत व्याख्या ३—५०
६४०९ **जैनदर्शन** । महेन्द्रकुमार जैन ७—००
६४१० **जैनदर्शन और आधुनिक विज्ञान** । ४—००
६४११ **जैन दर्शनसार** । चैनसुखदास २—२५
६४१२ **जैनदार्शनिक संस्कृति पर एक विहंगम दृष्टि** । शुभकरण सिंह बोथरा ०—७५
६४१३ **जैन दार्शनिक साहित्य का सिंहावलोकन** । दलसुखभाई । हिन्दी ०—६२
६४१४ **जैन दार्शनिक साहित्य के विकास की रूपरेखा** । दलसुखभाई । हिन्दी ०—२५
६४१५ **जैन दृष्टि में योग** । मोतीचन्द गिरधरलाल कापडिया २—५०
६४१६ **जैन धर्म** । कैलाशचन्द्र शास्त्री ४—५०
६४१७ **जैन धर्म आणि वाङ्मय** । डॉ० परशुराम लक्ष्मण वैद्य (मराठी) १—५०
६४१८ **जैनधर्म का अद्वितीय कर्मविज्ञान** । भानुविजय जी गणिवर विरचित ०—२५
६४१९ **जैन धर्म का प्राण** । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—३७
६४२० **जैनधर्म का सरल परिचय** । भानुविजय गणिवर कृत २—००
६४२१ **जैन धर्म प्रवेशिका** । (सरल) १-४ भाग १—१२
६४२२ **जैन धर्मसिन्धुः** । ६—००
६४२३ **जैन धर्मामृत** । सं० हीरालाल जैन ३—००
६४२४ **जैनन्याय** । कैलासचन्द्र शास्त्री हिन्दी ९—००

*६४२५ **जैनन्यायखण्डखाद्यम्** । आचार्ययशोविजयसूरिकृत । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल कृत विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित । यह जैन दर्शन का अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रामाणिक ग्रन्थ है । इसमें विभिन्न दर्शनों के अनेक सिद्धान्तों की गम्भीर आलोचना के साथ जैनदर्शन के सभी प्रमुख सिद्धान्तों का बड़ा विशद विवेचन किया गया है । ८—००

६४२६ **जैन पुस्तकप्रशस्तिसङ्ग्रहः** । आचार्य जिनविजय सम्पादित । प्र० भाग १०—००

६४२७ **जैन पूजापाठ (सरल)** । २—००

६४२८ **जैन फिल्मी गायन** । (वर्णी जी की अमर कहानी) ०—३७

६४२९ **जैन-भक्तिकाव्य की पृष्ठभूमि** । डॉ० प्रेमसागर जैन ६—००

६४३० **जैन भजन आरती संग्रह** । ०—३७

६४३१ **जैन भजन संग्रह (सरल)** । ०—३७

६४३२ **जैन विधान संग्रह** । १—५०

६४३३ **जैन विवाह विधि** । मोहनलाल शास्त्री ०—५०

६४३४ **जैन शिलालेखसंग्रह** । विजयमूर्ति संगृहीत । १-३ भाग २०—००

६४३५ **जैन संस्कृति का हृदय** । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—२५

६४३६ **जैन सम्प्रदायशिक्षा** । पालचन्द्र विरचित । हिन्दी ६—००

६४३७ **जैन साहित्य और इतिहास** । जुगलकिशोर कृत लेखों का संग्रह ६—००

६४३८ **जैन साहित्य और इतिहास** । नाथूराम प्रेमी ८—००

६४३९ **जैन साहित्य का इतिहास-पूर्वपीठिका** । कैलाशचन्द्र शास्त्री १०—००

६४४० **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास** । १-२ भाग ३०—००

६४४१ **जैन साहित्य की प्रगति १९४९-५१** । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—५०

६४४२ **जैनस्तोत्रसंग्रहः** । ०—५०

६४४३ **जैनस्तोत्रसंग्रहः** । द्वितीय भाग ०—७५

६४४४ **जैनस्तोत्रसंदोह** । प्रथम भाग १५—००
द्वितीय भाग-मंत्राधिराज चिन्तामणि १०—००

६४४५ **जनस्तोत्रसमुच्चयः** । १२२ स्तोत्र २—००

६४४६ **जैनेन्द्रमहावृत्तिः** । आचार्य देवनन्दि प्रणीत १५—००

६४४७ **ज्ञानपञ्चमीकथा** । महेश्वर विरचित ७—२५

६४४८ **ज्ञानपीठ-पूजाञ्जलि** । डॉ० ए० एन० उपाध्याय-फूलचन्द्र सिद्धान्त शास्त्री ४—००

६४४९ **ज्ञानार्णवः** । (योगप्रदीप) शुभचन्द्राचार्य विरचित । पन्नालाल बाकलीवाल कृत हिन्दी टीका सहित ८—००

६४५० **ठिइ-बंधो (बंधविहाणं तत्थ मूलपयडि) मूलप्रकृति स्थितिबन्धः** । प्रेमप्रभा संस्कृत व्याख्या सहित २१—००

६४५१ **तत्कालगणित गुरुपद्यावली** । प्रथम भाग ०—३७

६४५२ **तत्त्वसमुच्चय** । हीरालाल जैन संपादित ४—००

६४५३ **तत्त्वार्थत्रिसूत्रीप्रकाशिका** । विजय लावण्य सूरि विरचित ५—००

६४५४ **तत्त्वार्थवार्तिक** (राजवार्तिक) अकलङ्कदेवकृत । हिन्दीसार सहित १-२ भाग २४—००

६४५५ **तत्त्वार्थवृत्तिः** । उमास्वामीकृत । श्रुतसागरसूरि टीका । महेन्द्रकुमार सम्पादित १६—००

६४५६ **तत्त्वार्थसूत्र** । फूलचन्द्र कृत हिन्दी ५—००

६४५७ **तत्त्वार्थसूत्रम्** । भास्करानन्द विरचित सुखबोध व्याख्या सहित २—७५
६४५८ **तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम्** । उमास्वामिकृत मूलसूत्र संस्कृतटीका-खूबचन्द्रकृत हिन्दी टीका सहित ३—००
६४५९ **तिलकमञ्जरी** । धनपाल विरचित ४—५०
६४६० **तिलकमञ्जरी** । शान्त्याचार्य कृत टिप्पणी सहित । १-३ भाग १८—००
६४६१ **तिलोयपण्णत्ति** । (त्रिलोकप्रज्ञप्ति) यतिवृषभाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ३२—००
६४६२ **तीर्थकल्प** । जिनप्रभसूरि विरचित ३—७५
६४६३ **त्रिषष्टिस्मृतिसार** । आशाधर विरचित ०—५०
६४६४ **त्रैविद्यगोष्ठी** । ०—५०
६४६५ **दयोदयचम्पू** । मुनि ज्ञानसागर । हिन्दी टीका सहित १—५०
६४६६ **दर्शनकथा** । भारामल्ल कृत ०—५०
६४६७ **दानकथा** । बख्तावरमल रतनलाल कृत ०—२५
६४६८ **दिग्विजयमहाकाव्यम्** । मेघविजयोपाध्याय विरचित ८—००
६४६९ **दीक्षाविधान** । ०—३१
६४७० **द्रव्यसंग्रह** । नेमिचन्द्रसैद्धान्तिकदेव विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—५०
६४७१ **द्रव्यसंग्रह भाषा वचनिका** । जयचन्द छावड़ा । नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव प्रणीत । हिन्दी टीका सहित २—५०
६४७२ **द्वादशव्रतकथा** । पत्रात्मक ०—५८
६४७३ **द्वादशारनयचक्रम्** । श्रीमल्लवादिसूरिकृत । सिंहसूरिप्रणीत व्याख्या सहित १२—७५
६४७४ **धर्म और संस्कृति** । जमनालाल जैन संपादित १—२५
६४७५ **धर्म और समाज** । सुखलाल संघवी १—५०
६४७६ **धर्ममहोदयः** । रत्नविजय प्रणीत ०—२५
६४७७ **धर्मबिन्दुः** । हरिभद्रसूरि विरचित । मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित ४—००
६४७८ **धर्मशर्माभ्युदयः** । हरिचन्द्रकवि विरचित २—००
६४७९ **धर्मशर्माभ्युदयः** । (धर्मनाथचरित) पन्नालालजैन लिखित हिन्दी अनुवाद मात्र ३—००
६४८० **धर्मोपदेशमालाविवरणम्** । जयसिंहसूरि विरचित ९—७५
६४८१ **धातुरत्नाकरः** । १-२ तथा ४-५ व ७-८ भाग ३६—००
६४८२ **नम्मयासुन्दरी कहा** । ४—४०
६४८३ **नन्दीश्वर विधान** । ५२ पूजा ३—००
६४८४ **नन्दिसूत्रचूर्णि** । नन्दीसुत्तं सिरि देववायग विरइयं । सिरि जिणदासगणि महत्तर विरइयास चुण्णी सहित । मुनि पुण्य विजय संपादित १०—००
६४८५ **नन्दिसूत्रटीकावृत्ति** । नन्दिसूत्रम्-देववाचक विरचित । चन्द्राचार्य कृत दुर्गपद व्याख्या-अज्ञात कर्तृक विषमपद-पर्याय-हरिभद्र सूरि कृत वृत्ति सहित १५—००
६४८६ **नलकहा** । (कुमारपालप्रतिबोधात्) सोमप्रभाचार्य कृत ३—००
६४८७ **नलकहा-वरुणकहा** । (कुमारपालप्रतिबोधात् उद्धृता) गोरे संपादित ४—००
६४८८ **नलचरिउ-वरुणकहा** । १-२ सर्ग ३—००
६४८९ **नलायन-कुवेरपुराण** । माणिक्यदेवसूरि विरचित । पत्रात्मक ९—००
६४९० **नाममाला** । धनञ्जय विरचित । अमरकीर्ति भाष्य सहित ३—५०
६४९१ **नाममाला** । धनञ्जय विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—७५

६४९२ **नामाङ्कित नागरिक** । गुजराती अर्थ सहित २—५०
६४९३ **नायाधम्मकहा** । एन० वी० वैद्य सम्पादित ७—५०
६४९४ **(जैन) नित्यपूजासंग्रह** । ०—३२
६४९५ **निरयावलियाओ** । वी० जे० चोकशी कृत टीका सहित ४—२५
६४९६ **निशि भोजन कथा** । भारामल्ल कृत ०—२५
६४९७ **नीतिरत्नाकर** । १—००
६४९८ **नूतन जिनस्तवनावली** । कीर्ति विजय गणिवर विरचित ०—२५
६४९९ **नेमिनिर्वाणकाव्य** । वाग्भट प्रणीत १—५०
६५०० **न्यायकुमुदचन्द्रः** । प्रभाचन्द्रकृत (भट्टाकलङ्कदेव कृत लघीयस्त्रयस्य व्याख्या) महेन्द्रकुमार संपादित । द्वितीय भाग मात्र ८—५०
६५०१ **न्यायविनिश्चयः** । अकलङ्कदेवकृत । वादिराजकृतविवरणसहित १-२ भाग ३०—००
६५०२ **न्यायसंग्रहः** । ४—००
६५०३ **न्यायावतारः** । सिद्धसेन विरचित । शान्त्याचार्य प्रणीत वार्त्तिक वृत्ति । दलसुख मालवणिया कृत हिन्दी टीका सहित १६—५०
६५०४ **न्यायावतारः** । सिद्धर्षिगणि की संस्कृतटीका का हिन्दीभाषानुवाद ५—००
६५०५ **पउमचरिउ** । कविराज स्वयंभूदेव विरचित । (विद्याधर-अयोध्या-सुन्दर-युद्ध-उत्तरकाण्ड)। १-३ भाग ३३—५०
६५०६ **पउमचरिउ (पद्मचरित)** स्वयंभूदेव विरचित । विद्याधर-अयोध्या-कांड । हिन्दी अनुवाद सहित । १-३ भाग ९—००
६५०७ **पउमचरियं** । विमलसूरि विरइयं । हिन्दी अनुवाद सहित । प्रथम भाग १८—००
६५०८ **पउमचरियं** । विमलासूरि विरचित । १ से ४ अध्याय ४—००
६५०९ **पञ्चपरमेष्ठी** । १—५०
६५१० **पञ्चप्रतिक्रमणसूत्रम्** । सार्थ (गुजराती) विवेचन सहित २—००
६५११ **पंचविंशति** । पद्मानन्दि कृत । संस्कृत टीका-हिन्दी अनुवाद सहित १०—००
६५१२ **पञ्चसंग्रहः** । संस्कृत व्याख्या, प्राकृतवृत्ति, हिन्दी टीका सहित । सं० हीरालाल जैन १५—००
६५१३ **पञ्चसंग्रहः** । अमितगति सूरि विरचित ०—८१
६५१४ **पञ्चसुत्त** । संस्कृत छाया सहित १—५०
६५१५ **पञ्चस्तोत्रसंग्रह** । संस्कृत व्याख्या-हिन्दी पद्यानुवाद-अन्वयार्थ-भावार्थ सहित ३—००
६५१६ **पञ्चाध्यायी** । राजमल्ल विरचित । देवकीनन्दन अनुवादित ९—००
६५१७ **पद्मचरितम्** । रविषेण विरचित । १-३ भाग ५—५०
६५१८ **पद्मपुराण** (जैन) रविषेण कृत । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग ३०—००
६५१९ **परमात्मप्रकाश-योगसार** । योगेन्दुदेव कृत । संस्कृत हिन्दी टीका सहित ९—००
६५२० **परीक्षामुख** । माणिक्यनन्दिस्वामि विरचित । हिन्दी टीका सहित १—२५
६५२१ **परीक्षामुखसूत्रम्** । माणिक्यनन्दि विरचित । प्रथम खण्ड २—००
६५२२ **पर्वकथासंग्रहः** । पत्रात्मक ०—३७
६५२३ **पाइअसद्दमहण्णवो** । हरगोविन्ददास कृत २०—००, ३०—००
६५२४ **पाक्षिक श्रावण-प्रतिक्रमण** । चुन्नीलाल देसाई लिखित । भाषा ०—७५
६५२५ **पाण्डवपुराणम्** । शुभचन्द्राचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १२—००

६५२६ **पासनाहचरीऊ**। पासणाह चरिउ-आयरिय सिरि पउम कित्ति विरइउ। प्रफुल्ल कुमार मोदी संपादित। हिन्दी अनुवाद-कोष टिप्पणी सहित २५—००

६५२७ **पुण्यास्रवकथाकोशम्**। रामचन्द्र मुमुक्षु विरचित। हिन्दी टीका सहित १०—००

६५२८ **पुराणसार संग्रह**। दामनन्दि विरचित। हिन्दी टीका सहित १-२ भाग ४—००

६५२९ **पुरातन जैनवाक्यसूची**। विस्तृत प्रस्तावना सहित १७—००

६५३० **पुरातनप्रबन्धसंग्रहः**। ऐतिहासिक प्रबन्ध ८—५०

६५३१ **पुरुदेवचम्पू**। अर्हद्दास विरचित ०—७५

६५३२ **पुरुषार्थसिद्ध्युपाय**। अमृतचन्द्रसूरिकृत। नाथूरामप्रेमी कृत हिन्दी टीका ३—२५

६५३३ **प्रद्युम्नचरित**। महासेनाचार्य विरचित ०—५०

६५३४ **प्रबन्धकोषः**। राजशेखरसूरि विरचित ६—५०

६५३५ **प्रबन्धचिन्तामणिः**। मेरुतुङ्ग विरचित ६—५०

६५३६ **प्रभावकचरितम्**। डा० हीरानन्द सम्पादित ३—००

६५३७ **प्रमाणप्रमेयकलिका**। नरेन्द्र सेन कृत १—५०

६५३८ **प्रमेयकमलमार्तण्डः**। प्रभाचन्द्राचार्य विरचित ८—००

*६५३९ **प्रमेयरत्नमाला। अनंतवीर्याचार्यप्रणीत। अनु०-पं० हीरालाल जैन।**
जैन-दर्शन के प्रवेशार्थियों तथा शास्त्री-परीक्षार्थियों के लिये यह ग्रन्थ उपयोगी है। प्राचीन संस्कृत टिप्पण और अत्यन्त सरल हिन्दी अनुवाद के साथ प्रथम बार प्रकाशित किया गया है। १५—००

६५४० **प्रमेयरत्नालङ्कारः**। अभिनवचारुकीर्ति पण्डिताचार्य विरचितः ३—५०

६५४१ **प्रवचनसार**। कुन्दकुन्दाचार्य कृत। अमृत चन्द्राचार्य-जयसेनाचार्य विरचित संस्कृत व्याख्याद्वय-बालावबोध हिन्दी टीका, आंग्लानुवाद सहित १५—००

६५४२ **प्रशमरतिप्रकरणम्**। उमास्वातिविरचित। हरिभद्रसूरि कृत संस्कृतव्याख्या राजकुमारशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ६—००

६५४३ **प्राकृतमार्गोपदेशिका**। वेचरदास ४—५०

६५४४ **प्राकृतशब्दानुशासनम्**। त्रिविक्रमदेव विरचित। परशुरामशर्मा संपादित १०—००

*६५४५ **प्राकृत साहित्य का इतिहास। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन।**
वेद से लेकर प्राचीनतम शिलालेख, नाटक, कथाग्रन्थ आदि के व्यापक समीक्षण एवं समालोचना के साथ हिन्दी में अपने विषय का प्रथम ग्रन्थ २०—००

६५४६ **बंभदत्तचरिय**। नेमिचंद्रसूरि कृत। १—५०

६५४७ **बंभदत्तो**। एन० वी० वैद्य कृत आंग्लानुवाद सहित ३—००

६५४८ **बारहमासा**। श्रीनेमिनाथ राजुल। नयनसुखदास 'यति' (हिन्दी पद्य) ०—३०

६५४९ **बीकानेर के दर्शनीय जैन मन्दिर**। अगरचन्द नाहटा ०—२५

६५५० **बृहद् द्रव्यसंग्रहः**। नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव विरचित। ब्रह्मदेव कृत वृत्ति-जवाहर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ५—५०

६५५१ **बृहत् कल्पसूत्रम्**। निर्युक्ति-लघुभाष्य वृत्ति सहित। षष्ठ भाग मात्र २५—००

६५५२ **बुद्ध और महावीर तथा दो भाषण**। कि० घ० मशरूवाला १—२५

६५५३ **बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन**। डॉ० कोमलचन्द्र जैन १५—००

६५५४ **भक्तामर महाकाव्य**। मण्डल-पूजा-पद्यानुवाद-हिन्दी टीका सहित १—००

६५५५ **भक्तामरसार्थ**। ०—३१

६५५६ **भक्तामर स्तोत्र** । मान तुङ्गाचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—३२
६५५७ **भगवतीसूत्रम्** । (पञ्चदशशतकम्) वृत्ति सहित २—५०
६५५८ **भगवान् महावीर** । दलसुखभाई मालवणिया ०—१२
६५५९ **भगवान महावीर और उनका साधना मार्ग** । ऋषभदास राँका ०—२५
६५६० **भट्टारक सम्प्रदाय** । वी० पी० जोहरापुरकर सम्पादित ८—००
६५६१ **भद्रबाहुसंहिता** । ज्योतिष ५—७५
६५६२ **भद्रबाहुसंहिता** । हिन्दी टीका सहित ८—००
६५६३ **भव्यजनकण्ठाभरणम्** । अर्हद्दास विरचित । कैलाशचन्द्र अनुवादित १—२५
६५६४ **भारत के प्राचीन जैनतीर्थ** । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन २—००
६५६५ **भाषा अभिषेक पाठ** । जन्मकल्याणक पूजा, फूलमाल-आरती सहित ०—२५
६५६६ **भोजचरित्र** । राजवल्लभ कृत । अंग्रेजी प्रस्तावना, नोट्स परिशिष्ट सहित । सं० डॉ० वी० सी० एच० छाबड़ा-एस० शंकरनारायणन् ८—००
६५६७ **मंगलमन्त्र णमोकार : एक अनुचिन्तन** । नेमिचन्द्र शास्त्री ३—००
६५६८ **मगध** । (इतिहास और संस्कृति) बैजनाथ सिंह 'विनोद' १—००
६५६९ **मणिभद्र** । सुशील लिखित । उदयलाल काशलीवाल अनुवादित १—२५
६५७० **मदनपराजयः** । नागदेव विरचित ६—००
६५७१ **मन्दिर-वेदोप्रतिष्ठा-कलशारोहणविधि** । सं० पन्नालाल वसंत १—२५
६५७२ **मयणपराजयचरिउ** । हरिदेव कृत । हिन्दी टीका सहित ८—००
६५७३ **महापुराण** । (आदिपुराण) १-२ भाग २०—००
६५७४ **महापुराण** । (उत्तरपुराण) पन्नालाल जैन संपादित १०—००
६५७५ **महापुराणम्** । पुष्पदन्त विरचित । डा० वैद्य सम्पादित । २-३ भाग १६—००
६५७६ **महाबन्धः** । भूतबलिभट्टारकविरचित । हिन्दीटीका सहित । १-७ भाग ७८—०८
६५७७ **महामात्य वस्तुपाल का साहित्य मण्डल और संस्कृत साहित्य में उसकी देन** । डा० भोगीलाल जी सांदेसरा ४—००
६५७८ **महावीर का जीवन दर्शन** । ऋषभदास राँका ०—३७
६५७९ **महावीर गुटका** । सम्पादक मोहनलाल शास्त्री २—००
६५८० **महावीर वर्द्धमान** । जगदीशचन्द्र जैन १—२५
६५८१ **महावीर वाणी** । बेचरदास दोशी संपादित २—००
६५८२ **मुक्तिदूत** । वीरेन्द्रकुमार जैन ५—००
६५८३ **मुदितकुमुदचन्द्रप्रकरण** । यशचन्द्र विरचित ०—५०
६५८४ **मेरी जीवन गाथा** । गणेशप्रसादवर्णी । १-२ भाग १०—२५
६५८५ **मेरी भावना** । जुगलकिशोर मुख्तार ०—०६
६५८६ **मेरे साथी** । महात्मा भगवानदीन १—२५
६५८७ **मोक्षमार्ग की सच्ची कहानियाँ** । बुद्धिलाल जैन ०—७५
६५८८ **मोक्ष मार्ग प्रकाश** । १०—००
६५८९ **मोक्षमार्ग प्रकाश** । टोडरमल विरचित । भाषा ३—००
६५९० **मोक्षशास्त्र** । २—००
६५९१ **मोक्षशास्त्र (तत्त्वार्थसूत्र)** । भक्तामर स्तोत्र ०—३२
६५९२ **मोहनशास्त्र, भक्तामर** । सहस्रनाम सहित ०—४०
६५९३ **यशस्तिलकचम्पू महाकाव्यम्** । सोमदेवसूरि विरचित । विस्तृत हिन्दी टीका सहित । पूर्वार्द्ध १६—००

६५९४ **युक्त्यनुशासन** । समन्त भद्राचार्य विरचित । जुगलकिशोर मुख्तार कृत हिन्दी टीका सहित १—५०
६५९५ **योगशतक** । आचार्य हरिभद्र कृत । स्वोपज्ञ वृत्ति सहित । **ब्रह्मसिद्धान्त समुच्चय** । ५—००
६५९६ **योगशास्त्र** । हेमचन्द्रसूरि कृत । गुजराती अनुवाद सहित १—५०
६५९७ **योगसार** । अपभ्रंश मूल-संस्कृत छाया-हिन्दी टीका सहित ०—७५
६५९८ **रत्नकरण्डक श्रावकाचारः** । समन्तभद्रस्वामि विरचितः । प्रभाचन्द्राचार्य निर्मित व्याख्या २—००
६५९९ **रत्नकरण्ड श्रावकाचार** । समन्तभद्रस्वामि रचित ५—००
६६०० **रत्नकरण्ड श्रावकाचार** । हिन्दीटीका सहित ०—६९
६६०१ **रत्नकरण्ड श्रावकाचार पद्यानुवाद** । गिरिधर शर्मा अनुवादित ०—२५
६६०२ **रत्नत्रय विधान** । टेकचन्द कृत १—००
६६०३ **रत्नाकरावतारिका** । रत्नप्रभ सूरि कृत । प्रथम भाग ८—००
६६०४ **रत्नाकरावतारिकाद्यश्लोक शतार्थी** । जिनमाणिक्य गणिविरचित ८—००
६६०५ **रविव्रतकथा** । पूजा । भाऊकवि कृत ०—२०
६६०६ **राजर्षिकुमारपाल** । मुनि जिनविजय ०—५०
६६०७ **राजलनेत्र का बारहमासी** । ०—१२
६६०८ **रामायणम्** । पुष्पदन्त विरचितम् (अपभ्रंशभाषानिबद्धं) पी० एल० वैद्य संपादित २—५०
६६०९ **रिष्टसमुच्चयः** । दुर्गदेव विरचित । संस्कृतछाया सहित १०—००
६६१० **लाटीसंहिता** । राजमल्ल विरचित ०—५०
६६११ **लोक-विभाग** । सिंह सूरर्षि विरचित । हिन्दी टीका सहित १०—००
६६१२ **वरुणकहा** । (कुमारपालप्रतिबोधे परधनहरणे वरुणकथा) १—२५
६६१३ **वर्ण जाति और धर्म** । ३—००
६६१४ **वर्णीवाणी** । १-२ व ४ । भाग ११—००
६६१५ **वर्द्धमान** । अनूपशर्मा लिखित ६—००
६६१६ **वसुनन्दिश्रावकाचारः** । आचार्यवसुनन्दि कृत । भाषानुवाद सहित ५—००
६६१७ **वारस-अणुवेक्खा (द्वादशानुप्रेक्षा)** । कुन्दकुन्दाचार्य विरचित । हिन्दी टीका-हिन्दी पद्यानुवाद-गुर्जरानुवाद सहित ०—७५
६६१८ **विवागसुयम्** । सटीक ३—२५
६६१९ **विविधतीर्थकल्प** । जिनभद्रसूरि विरचित ६—५०
६६२० **विश्वतत्त्वप्रकाश** । भावसेन-त्रैविद्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १२—००
६६२१ **विशेषावश्यक भाष्य** । स्वोपज्ञवृत्ति सहित । प्रथम भाग १५—००
६६२२ **विश्वशान्ति और अपरिग्रहवाद** । ०—२५
६६२३ **वीर स्वयं ही है भगवान** । १—००
६६२४ **वीरादेवकाव्य** । ५—००
६६२५ **वैराग्यशतक** । ०—२५
६६२६ **व्रततिथिनिर्णय** । नेमिचन्द्र शास्त्री संपादित ३—००
६६२७ **शब्दानुशासनं** । आचार्य मलयगिरि विरचित । स्वोपज्ञ वृत्ति युत ३०—०७
६६२८ **शान्तिनाथचरितम्** । अजितप्रभाचार्य कृत ३—००
६६२९ **शान्तिप्रकाश** । ०—२५

६६३० **शास्त्रवार्तासमुच्चय** । हरिभद्र सूरि विरचित । विजय लावण्यसूरि कृत संस्कृत टीका सहित । १-३ भाग १२—००
६६३१ **शास्त्रवार्तासमुच्चय** । सवृत्ति । पत्रात्मक ३—००
६६३२ **शीलकथा** । भारामल्ल कृत ०—५०
६६३३ **शीलदूत** । ०—२५
६६३४ **श्रृङ्गारवैराग्यतरङ्गिणी** । शिवदत्तकवि कृत ०—२५
६६३५ **श्रावक धर्मप्रदीप । कुन्थुसागर** । हिन्दी संस्कृत टीका सहित । जगन्मोहनलाल शास्त्री ४—००
६६३६ **श्रावक धर्मसंग्रह** । १—५०
६६३७ **श्रावक प्रतिक्रमण** । मोहनलाल जैन संपादित ०—१९
६६३८ **श्रीजैनाचार्य** । ०—५०
६६३९ **श्रीपञ्चप्रतिक्रमणसूत्र** । प्रबोध टीकानुसारी-शब्दार्थ अर्थसङ्कलना तथा सूत्रपरिचय सहित २—००
६६४० **श्रीमन्त्रराजगुणकल्पमहोदधि** । (श्रीपञ्चपरमेष्ठिस्तोत्र नमस्कार व्याख्या) ३—५०
६६४१ **सन्तवर्णी जी** । ४—५०
६६४२ **संस्कृत प्राचीन स्तवन संदोह** । विशाल विजय प्रणीत ०—१९
६६४३ **सत्यशासन परीक्षा** । गोकुलचन्द्र जैन ५—००
६६४४ **सन्मति-प्रकरण** । सिद्धसेन दिवाकर कृत । अनुवादक शान्तिलाल म० जैन ६—००
६६४५ **सभाष्यरत्नमञ्जूषा** । छन्दःशास्त्र २—००
६६४६ **समराइच्चकहा** । अध्याय २ । गोरेसम्पादित अंग्रेजी अनुवाद सहित ३—७५
६६४७ **समाज और जीवन** । जमनालाल जैन संपादित १—२५
६६४८ **समाधितन्त्र-इष्टोपदेश** । हिन्दी टीका सहित ३—५०
६६४९ **समीचीन धर्मशास्त्र** । समन्तभद्राचार्य विरचित रत्नकरण्ड उपासकाध्ययन । जुगलकिशोर मुख्तार कृत हिन्दी टीका सहित ३—५०
६६५० **सम्मतितर्क** । १—००
६६५१ **सम्मत्याख्यप्रकरण** । सिद्धसेन दिवाकर विरचित सव्याख्या २—००
६६५२ **सर्वार्थसिद्धिः** । हिन्दी अनुवाद सहित १२—००
६६५३ **सर्वार्थसिद्धि** । पुण्यपाद कृत । आंग्लभूमिका-नोटस् सहित ५—००
६६५४ **सलोना सच** । प्रथम भाग । महात्मा भगवानदीन ०—६२
६६५५ **सागारधर्मामृत** । आशाधर विरचित । उत्तरार्ध । मोहनलाल जैन कृत हिन्दी टीका सहित २—५०
६६५६ **सिद्धहेमशब्दानुशासनम्** ०—३१
६६५७ **सिद्धहेमसूत्र अकारादिक्रमः** । ०—२५
६६५८ **सिद्धान्तसारसंग्रह** । नरेन्द्रसेनाचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १०—००
६६५९ **सिद्धान्तसारादिसंग्रहः** (पञ्चविंशतिसंस्कृतप्राकृतग्रन्थानां गुच्छः) १—५०
६६६० **सिद्धिविनिश्चयटीका** । अकलंक देवकृत । अनन्तवीर्य टीका । १-२ भाग ३०—००
६६६१ **सुगन्ध-दशमी कथा** । पाँच भाषाओं में । सं० डॉ० हीरालाल जैन ११—००
६६६२ **सुगन्ध दशमी व्रत कथा** । खुशालचंद्र विरचित ०—१२
६६६३ **सुत्तागमे** । सं० पुप्फभिक्खू । १-२ भाग ६४—००
६६६४ **सुदर्शनोदय काव्य** । मुनि ज्ञानसागर । हिन्दी टीका सहित २—५०
६६६५ **सुवर्णभूमि में कालकाचार्य** । डा० उमाकान्त शाह १—००

६६६६ **सूत्रकृताङ्गसूत्रम्** । १-२ भाग सटीक ७—००
६६६७ **सूत्र भक्तामर** । ०—२५
६६६८ **सोलहकारण भावना** । महात्मा भगवानदीन । हिन्दी २—००
६६६९ **स्तुति विद्या** । भद्राचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १—७५
६६७० **स्थविरावलीचरितम्** । (परिशिष्टपर्वण) हेमचन्द्रकृत ५—००
६६७१ **स्थानांग-समवायांग** । दलसुख मालवणिया । गुजराती १०—००
*६६७२ **स्याद्वादमञ्जरी । श्रीमल्लिषेणनिर्मिता । श्रीमदार्हतधुरन्धर श्रीसिद्ध-हेमचन्द्रनिर्मित वीतरागस्तुतिव्याख्या । सम्पूर्ण** समाप्त
६६७३ **स्याद्वादमंजरी** । मल्लिषेण विरचित । हेमचन्द्रसूरि निर्मित अन्ययोग-व्यवच्छेद-द्वात्रिंशिकास्तवन टीका सहित । ए० बी० ध्रुव सम्पादित ११—००
६६७४ **स्याद्वादसिद्धिः** । वादीभसिंहसूरि विरचिता १—५०
६६७५ **स्वप्नसारसमुच्चय** । हिन्दी-अंग्रेजी २—५०
६६७६ **स्वयम्भूस्तोत्र** । समन्त भद्राचार्य विरचित । जुगलकिशोर मुख्तार कृत हिन्दी टीका सहित २—२५
६६७७ **स्वाध्याय** । महात्मा भगवान दीन २—००
६६७८ **स्वामिकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा** । स्वामि कार्त्तिकेय । संस्कृत हिन्दी टीका सहित १४—००
६६७९ **हरिवंशपुराणम्** । जिनसेनसूरि कृत । १-२ भाग ३—५०
६६८० **हरिवंशपुराणम्** । पुष्पदन्तविरचितम् । (अपभ्रंशभाषानिबद्धं) पी० एल० वैद्य संपादित २—५०
६६८१ **हरिवंशपुराणम्** । आचार्य जिनसेन कृत । हिन्दी टीका सहित १६—००
६६८२ **हिन्दी जैन भक्ति काव्य और कवि** । १२—००
६६८३ **हिन्दीजैनसाहित्य का संक्षिप्त इतिहास** । कामताप्रसाद जैन २—८८
६६८४ **हिन्दी जैनसाहित्य परिशीलन** । नेमिचन्द्र शास्त्री । १-२ भाग ५—००
६६८५ **हिन्दू जैन और हरिजनमन्दिरप्रवेश** । पृथ्वीराज जैन ०—४४
६६८६ **हीरों का खजाना** । (पद्यमय-नीतिग्रंथ) प्रथम भाग १—२५
*६६८७ **हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । (सचित्र) अनु०-कस्तूरमल बाँठिया** । आचार्य हेमचन्द्र के जीवन के विषय में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह एक मात्र ग्रन्थ हिन्दी में सर्व प्रथम प्रकाशित हुआ है। मानव की आत्मा के निकट रहकर उसके हित में अपना जीवन अर्पित कर देनेवाले सिद्ध महापुरुष के प्रति समुचित सम्मान प्रकट न करने का ऋण इसे पढ़कर भी दूर किया जाय तो उचित होगा। विविध परिशिष्टों तथा विचारपूर्ण भूमिका, शब्दानुक्रमणिका आदि से अलंकृत । ८—००

साराभाई नवाब के जैनादि प्रकाशन

६६८८ **अनेकार्थ साहित्य संग्रह** । ३—००
६६८९ **अष्टाह्निका कल्प-सुबोधिका** । २२५ चित्रों । पत्राकार ३०—००
६६९० **अष्टाह्निका कल्प-सुबोधिका** । (व्याख्यान पुस्तक) गुजराती । सजिल्द ३१—००
६६९१ **आनन्दघन पद्य रत्नावली** । ०—६३
६६९२ **कथामंजरी** । गुजराती । भाग १-३ ९—००
६६९३ **कल्पसूत्र** । मुनि पुण्यविजय संपादित १६—००

६६९४ **कल्पसूत्र के १५ स्वर्णाक्षरी पृष्ठ और ८ चित्रों ।** गुजराती २०
६६९५ **कालककथासंग्रह ।** चित्र संख्या ८८ ६५—००
६६९६ **कुमारपालभूपालचरित्र ।** ५—००
६६९७ **कोशशास्त्र (सचित्र) ।** जैनाचार्य नर्बुदाचार्य विरचित ११—००
६६९८ **चित्रमय श्रीपालरास ।** चित्र २१७ । गुजराती २५ ०
६६९९ **जैन चित्रकल्पद्रुम ।** चित्र संख्या २८३ । गुजराती ५०—००
६७०० **जैन चित्रकल्पलता ।** चित्र संख्या ६५ । गुजराती २५—००
६७०१ **जैन चित्र-पटावलि ।** ९ चित्रो ५—००
६७०२ **जैन चित्रावली ।** ३० चित्रो ५—००
६७०३ **जैन सामुद्रिक ना पाँच ग्रन्थ ।** १६—००
६७०४ **जैनस्तोत्र संदोह ।** प्रथम भाग १५—००
६७०५ **जैसलमेर नी चित्र समृद्धि ।** ३५ चित्रो २५—००
६७०६ **नमस्कारचित्रावली ।** १० चित्रों ९—००
६७०७ **पवित्र कल्पसूत्र ।** चित्र संख्या ३७३ २००—००
६७०८ **पुरिसादाणी पार्श्वनाथ ।** ४—००
६७०९ **भारतीय जैन श्रमण संस्कृति अने लेखनकला ।** गुजराती २५—००
६७१० **महाचमत्कारी वीशायंत्र कल्प ।** ५—००
६७११ **महाप्राभाविक नवस्मरण ।** संस्कृत-गुजराती ५२—००
६७१२ **लाकेट साईज का नवस्मरण ।** २—००
६७१३ **वैद्य मनोत्सव और कोकसार ।** ५—००
६७१४ **श्री घंटाकर्ण मणिभद्र मंत्रतंत्र कल्पादि संग्रह ।** गुजराती ७—५०
६७१५ **श्री चित्रकल्पसूत्र (वारसासूत्र) ।** चित्र संख्या ६५ । प्राकृत २५—००
६७१६ **श्री जिन देवदर्शन चौबीसी ।** चित्र संख्या ३८ १—००
६७१७ **श्रीजिन-देव-देव्याधिष्ठित श्रीनमस्कार महामन्त्र चित्रावलि ।** ९—००
६७१८ **श्री जैन यंत्रावली ।** विधि सहित ५—००
६७१९ **श्रीपाल कथा ।** चित्रों के साथ ३—००
६७२० **संगीत नाट्य रूपावलि ।** ४१८ चित्र ४२—००
६७२१ **सज्झायसंग्रह ।** १—५०
६७२२ **सूरीमंत्र कल्प संदोह ।** ३०—००
६७२३ **हीरकलश जैन ज्योतिष ।** २०—००

काशी आदि के प्रसिद्ध पण्डितों के पञ्चाङ्ग-जन्त्री

(नवीन संवत् के पञ्चाङ्ग कार्तिक मास से प्राप्त होते हैं । मूल्य घटते-बढ़ते रहते हैं)

६७२४ **चिन्ताहरण जन्त्री ।** १—५०
६७२५ **पञ्चवर्षीयमानव पञ्चाङ्ग ।** सं० २०२६ से २०३० २—५०
६७२६ **पञ्चाङ्ग दशवर्षीय ।** संवत् २०२१ से २०३० ५—००
६७२७ **पञ्चाङ्ग ।** (बड़ा) पं०गणेशआपाजी १—२५ छोटा ०—५०
६७२८ **पञ्चाङ्ग ।** पं० गणेशदत्त ज्योतिषी बड़ा १—२५ छोटा ०—६२
६७२९ **पञ्चाङ्ग ।** पं० बापूदेवशास्त्री १—१२
६७३० **पञ्चाङ्ग ।** पं०हृषीकेशोपाध्याय १—२५
६७३१ **पञ्चाङ्ग ।** नैपाली बड़ा १—०० छोटा ०—५०

६७३२ **विश्वपञ्चांग** (विश्वविद्यालय का) १—१२
६७३३ **शतवार्षिक श्रीसरस्वती-पञ्चाङ्गम्।** संवत् २००१ से २१०० तक ३०—००
६७३४ **शुद्ध मकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्ग।** संवत् २०२३ से २०२२ ८—००
६७३५ **श्री वेंकटेश्वर शताब्दि पंचांग।** (संवत् २००१ से २१०० तक) नेट ३५—००

तुलसीकृत रामायण आदि ग्रन्थ

६७३६ **कंब रामायण।** १–२ भाग। अनुवादक–न० वी० राजगोपालन २०—५०
६७३७ **कृत्तिवासी-बंगला-रामायण और रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन।** डॉ० रमानाथ त्रिपाठी १०—००
६७३८ **कवितावली।** गीता प्रेस ०—६५
६७३९ **कवितावली।** लाला भगवानदीन कृत बालबोधिनी टीका सहित २—७५
६७४० **गीतावली।** गीता प्रेस १—२५, १—६५
६७४१ **जानकीमंगल।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ०—८८
*६७४२ **तुलसीकृत रामायण सुन्दरकाण्ड। विजयश्री भाषाटीका 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित। बिहार मध्यमा परीक्षोपयोगी** १—२५
६७४३ **तुलसी कृत रामायण एवं संस्कृत साहित्य में समन्वय।** सं० ध्रुवदास १—००
६७४४ **तुलसीदासकृत रामायण।** लवकुशकाण्ड सहित। ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित स्थूलाक्षर ३०—००
६७४५ **दोहावली।** गीता प्रेस ०—६०, १—००
६७४६ **दोहावली।** श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्ततिलक हिन्दी टीका सहित ५—००
६७४७ **पंजाबी रामायण।** देवनागरी लिपि में। लेखक रामल भाया आनन्द 'दिलशाद' १०—००
६७४८ **पार्वतीमंगल।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ०—५०
६७४९ **प्रपत्ति रहस्य।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ३—५०
६७५० **बरवैरामायण।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ०—७५
६७५१ **भरतचरितम्।** रामकिंकर उपाध्याय ३—००
६७५२ **मानस अनुशीलन।** शंभुनारायण चौबे। सं० सुधाकर पांडेय १६—७५
६७५३ **मानस और वर्तमान युद्ध।** संत छोटे जी ०—५०
६७५४ **मानस का कथा शिल्प।** श्रीधर सिंह ४—५०
६७५५ **मानस का जप योगामृत।** संत छोटे जी ०—५०
६७५६ **मानस की रामकथा।** परशुराम चतुर्वेदी ३—५०
६७५७ **मानस की रूसी भूमिका।** ३—५०
६७५८ **मानसपञ्चरत्न।** विजयानन्द त्रिपाठी कृत १—००
६७५९ **मानसपीयूष।** अंजनीनन्दन शरण कृत। सम्पूर्ण यन्त्रस्थ

बालकाड १–३ भाग	३४—००	अयोध्याकांड	१४—००
अरण्य-किष्किन्धाकांड	८—५०	सुन्दर-लंकाकांड	१४—००
		उत्तरकांड	१०—५०

६७६० **मानस मंथन।** डॉ० स्वामीनाथ शर्मा १२—६०
६७६१ **मानसमाधुरी।** डॉ० बलदेव प्रसाद मिश्र ८—००
६७६२ **मानस में राम और सीता।** द्वारकाप्रसाद मिश्र २—५०

६७६३ **मानसरहस्य ।** १—५०, १—९०
६७६४ **मानस विजय ।** १२—००
६७६५ **मानसशङ्कासमाधान ।** ०—६०
६७६६ **मानसशब्दसागर ।** बद्रीदास अग्रवाल संकलित २०—००
६७६७ **राम-चरित-नवनीत ।** दण्डी स्वामी दत्तपादाचार्याश्रम ४—५०
६७६८ **रामचरितमानस ।** मूलमात्र । गीताप्रेस । गुटका ०—९०, मझला साईज २—००
६७६९ **रामचरितमानस ।** आठकाण्ड मूल काशी ३—०० गुटका ग्लेज २—००
६७७० **रामचरितमानस ।** मूलमात्र । पाठभेद सहित सचित्र । गीता प्रेस ३—७५
६७७१ **रामचरितमानस ।** मूलमात्र । सचित्र । मोटा टाइप । गीता प्रेस ५—००
६७७२ **रामचरितमानस ।** (रामायण) मूलमात्र । मध्यमाक्षर । काशी ८—००
६७७३ **रामचरितमानस ।** माताप्रसाद गुप्त ५—००
६७७४ **रामचरितमानस ।** शम्भूनारायण चौबे ८—७५
६७७५ **रामचरितमानस ।** संपादक—विश्वनाथ प्रसाद मिश्र । काशिराज संस्करण
कागज की जिल्द ६—५० राज संस्करण १५—००
६७७६ **रामचरितमानस ।** हिन्दी टीका सहित । मझली साइज । गीता प्रेस ४—००
६७७७ **रामचरितमानस ।** रामेश्वर भट्ट कृत अमृतलहरी हिन्दी टीका सहित ६—००
६७७८ **रामचरितमानस ।** हिन्दी टीका सहित । मोटाटाइप । गीता प्रेस ८—५०
६७७९ **रामचरितमानस ।** हिन्दी टीका सहित । स्थूलाक्षर । गीता प्रेस १८—००
६७८० **रामचरितमानस ।** देवनारायण द्विवेदी कृत देवदीपिका टीका सहित
स्थूलाक्षर ३०—००
६७८१ **रामचरितमानस ।** देवनारायण द्विवेदी कृत देवदीपिका
टीका सहित १२—००, १६—००
६७८२ **रामचरितमानस ।** डा० श्यामसुन्दरदास कृत टीका सहित १२—००
६७८३ **रामचरित-मानस ।** विजयानन्द त्रिपाठी कृत 'विजया' हिन्दी टीका
सहित । १-३ भाग ३०—००
६७८४ **रामचरितमानस ।** श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्तभाष्य हिन्दी टीका
सहित । १-४ भाग ५०—००
६७८५ **रामचरितमानस ।** अयोध्याकाण्ड । सटिप्पण ३—५०
६७८६ **रामचरितमानस और साकेत ।** परमलाल गुप्त ५—५०
६७८७ **रामचरितमानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन ।** डॉ० राजकुमार पाण्डेय १६—००
६७८८ **रामचरित मानस का तत्त्वदर्शन ।** डॉ० श्रीशकुमार १०—००
६७८९ **रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन ।** डा० शिवकुमार शुक्ल १५—००
६७९० **रामचरितमानस का मनोवैज्ञानिक अध्ययन ।** डॉ० जगदीश प्रसाद शर्मा १०—००
६७९१ **रामचरितमानस की भूमिका ।** रामदास गौड ५—५०
६७९२ **रामचरितमानस में लोकवार्त्ता ।** चन्द्रभान रावत ३—५०
६७९३ **रामचरित मानस में शिवतत्त्व ।** रामकिंकर उपाध्याय १—७५
६७९४ **रामाज्ञाप्रश्न ।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित १—२५
६७९५ **रामलला नहछू ।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ०—२५
६७९६ **रामायण ।** गोस्वामी तुलसीदासकृत । आठो काण्ड क्षेपक सहित । लखनऊ ८—००
६७९७ **रामायण ।** गोस्वामी तुलसीदास कृत । आठकाण्ड सूर्यदीनसुकुल कृत
'बालबोधिनी' टीका सहित । मध्यमाक्षर १४—००, २५—००

६७९८ **रामायण आठों काण्ड ।** मूल-गुटका लखनऊ १—५० बड़ा ७—००
६७९९ **रुहानी तशरीह-बालकाण्ड के मुतअल्लिक ।** महात्मा रामचन्द्र जी ०—२०
६८०० **रुहानी तशरीह-अयोध्याकाण्ड व अरण्यकाण्ड कुल व निस्फ ।** महात्मा रामचन्द्र जी ०—२०
६८०१ **वाल्मीकिरामायण एवं रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन ।** डा० विद्या मिश्र १६—००
६८०२ **विनयपत्रिका ।** गीताप्रेस १—२५, १—६५
६८०३ **विनयपत्रिका ।** लालाभगवानदीन कृत टीका सहित ३—५०
६८०४ **विनयपत्रिका ।** श्री वियोगी हरि कृत 'हरि-तोषिणी' व्याख्या सहित । ५—५०, ६—५०
६८०५ **विनयपत्रिका ।** देवनारायण द्विवेदी कृत सरल व्याख्या, भावों का स्पष्टीकरण और विश्लेषण-अन्तर्कथाओं और उदाहरणों से अलंकृत ६—००
६८०६ **विनयपत्रिका ।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ११—००
६८०७ **विनय पत्रिका की समुचित समालोचना ।** सन्त छोटे जी २—००
६८०८ **वैराग्य संदीपिनी ।** श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ०—५०
६८०९ **सुश्लोक दोहावली ।** मूल-मराठी श्लोकानुवाद सहित ३—००
६८१० **सुश्लोक मानस ।** (रामचरितमानस का मराठी श्लोकानुवाद) १५—००
६८११ **हनुमान बाहुक ।** श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्ततिलक हिन्दी टीका सहित १—७५

मानस-संघ के ग्रन्थ

६८१२ **अनसुइयाचरित ।** बिहारीदास ०—३०
६८१३ **अनुरागी केवट ।** रामरक्षित रामायणी ०—४४
६८१४ **जरठ जटायु ।** सुदर्शन सिंह ०—३१
६८१५ **तुलसीमुक्तावली ।** शम्भूप्रसाद बहुगुना । १-२ किरण १—५६
६८१६ **दिव्य दशमी ।** चक्र ०—३७
६८१७ **देवर्षि नारद ।** सुदर्शन सिंह ०—३१
६८१८ **धर्मरथ ।** रामकुमारदास रामायणी ०—७५
६८१९ **प्रभु आवत ।** सुदर्शन सिंह 'चक्र' ०—४०
६८२० **भगवत्कीर्तन ।** बिहारीदास ०—१२
६८२१ **भगवन्नाम संकीर्तन ।** सुदर्शन सिंह ०—१०
६८२२ **महात्मा बाली ।** सुदर्शन सिंह ०—३१
६८२३ **महाभागवतचरित ।** बालकराम बिनायक । १-२ भाग २—००
६८२४ **मानवता के चरण ।** डॉ० भगवानदास सफड़िया ०—५०
६८२५ **मानसपारायणपूजनपद्धति ।** रामकुमारदास रामायणी ०—४४
६८२६ **मानसप्रणेता शंकर ।** राघवाचार्य स्वामी ०—१९
६८२७ **मानस प्रसंग ।** विजयानन्द त्रिपाठी ३—५०
६८२८ **मानस महत्त्व ।** भैरवानन्द १—००
६८२९ **मानसमूल ।** विजयानन्द त्रिपाठी ०—५०
६८३० **मानस व्याकरण ।** विजयानन्द त्रिपाठी २—००
६८३१ **मानस सिद्धान्त ।** रामकुमारदास रामायणी २—५०

६८३२ **मानस हिलोर।** ०—३७
६८३३ **रामचरितमानस में मिथिलाधाम।** अवधकिशोरदास वैष्णव ०—२५
६८३४ **रामचरितमानस में विवेकी विभीषण।** सुदर्शनसिंह ०—५०
६८३५ **रामचरितमानस में वेदान्तदर्शन।** हीरालाल वर्मा १—२५
६८३६ **रामचरितमानस में स्वस्वरूपदर्शन।** हीरालाल वर्मा १—००
६८३७ **वाल्मीकि तुलसी भये।** डा० भगवानदास सफड़िया ०—७५
६८३८ **विधाता विश्वामित्र।** सुदर्शन सिंह ०—५०
६८३९ **विश्वसाहित्य में रामचरितमानस।** काव्यसमीक्षा। राजबहादुर लमगोड़ा १—१२
६८४० **वीरवधू उर्मिला।** बिहारीदास ०—१५
६८४१ **वेदों में रामकथा।** ४—००
६८४२ **व्यंगोपदेश।** बिहारीदास ०—३७
६८४३ **शतपंच चौपाई।** विजयानन्द त्रिपाठी २—७५
६८४४ **शबरी मङ्गल।** शम्भूप्रसाद बहुगुना ०—७५
६८४५ **सखी गीता।** रामकुमारदास रामायणी ०—३७
६८४६ **सचिव सुमन्त।** सुदर्शन सिंह ०—३१
६८४७ **सन्त वाणी।** रामदास नागा ०—२०
६८४८ **सब ग्रंथन को रस।** हीरालाल वर्मा १—२५
६८४९ **सुखशान्ति के दो मन्त्र।** बिहारीदास ०—३०
६८५० **हनुमान चरित।** सुदर्शन सिंह ३—२५
६८५१ **हनुमान साठिका।** बलदेवदास ०—१५

कबीरपन्थी ग्रन्थ

६८५२ **कबीर उपदेश।** ठाकुरदास कृत ०—६०
६८५३ **कबीर और कबीर पन्थ।** १२—००
६८५४ **कबीरकसौटी** ०—६०
६८५५ **कबीरकृष्णगीता।** २—४०
६८५६ **कबीरबीजक।** महात्मा पूरनसाहब की टीका सहित १३—२०
६८५७ **कबीर भजनमाला।** शम्भुदास कृत ०—६०
६८५८ **कबीरमहिमा।** शिवनारायण तोसनीवाल संगृहीत ०—२४
६८५९ **कबीरसागर।** प्रथम खण्ड (ज्ञानसागर) २—४०
६८६० **कबीरसागर।** द्वितीय खण्ड (अनुरागसागर) ४—२०
६८६१ **कबीरसागर।** तृतीय खण्ड। अम्बुसागर, विवेकसागर-सर्वज्ञसागर ३—००
६८६२ **कबीरसागर।** चतुर्थ खण्ड (बोधसागर प्रथम भाग) ज्ञानप्रकाश, अमरसिंह बोध, वीरसिंह बोध २—४०
६८६३ **कबीरसागर।** पञ्चम खण्ड (बोधसागर द्वितीय भाग) भोपाल, जगजीवन, गरुड, हनुमान-लक्ष्मणबोध ३—००
६८६४ **कबीरसागर।** षष्ठ खण्ड (बोधसागर) महम्मद, काफिर, सुलतानबोध २—७०
६८६५ **कबीरसागर।** सातवाँ खण्ड (बोधसागर) निरञ्जन, ज्ञान, भवतारण, मुक्तिबोध, चौका, स्वरोदय, आलिफनामा, कबीरवानी। [illegible]—४०

६८६६ **कबीरसागर।** अष्टम खण्ड (बोधसागर) उग्रगीता, ज्ञानस्थिति, सन्तोष-बोध, कायापांजी, पञ्चमुद्रा ४—८०
६८६७ **कबीरसागर।** नवम खण्ड (बोधसागर) आत्म, जैनधर्म, स्वसंवेद, धर्मबोध ४—२०
६८६८ **कबीरसागर।** दशम खण्ड (बोधसागर) कमाल, श्वासगुञ्जार, आगमनिगम, सुमिरनबोध ५—४०
६८६९ **कबीरसागर।** ग्यारहवाँ खण्ड (बोधसागर) कबीरचरित्रबोध, गुरुमाहात्म्य, जीवधर्मबोध ५—४०
६८७० **कबीरोपासनापद्धति।** २—४०
६८७१ **निर्णयसार।** पूरनसाहब कृत ०—४८
६८७२ **पञ्चग्रन्थी।** ५—४०
६८७३ **राजनीतिधर्मग्रन्थ।** १—८०
६८७४ **विवेकसार।** नारायणदास कृत १—२०
६८७५ **वैराग्यरत्नाकर।** साहबदास कृत १—८०
६८७६ **सत्यनाम कबीरपन्थी बालोपदेश।** ०—३६
६८७७ **सद्गुरु श्री कबीर चरितम्।** हिन्दी टीका सहित १२—००

स्वसंवेद कार्यालय के कबीरपन्थी ग्रन्थ

६८७८ **गुरुमहिमा।** ०—१०
६८७९ **गुरुमहिमा पूर्नो माहात्म्य।** १—५०
६८८० **चौकाचन्द्रिका अर्थात् कँडिहारी भेद।** १—५०
६८८१ **चौकाविधान।** बंसूदास ०—२५
६८८२ **ज्ञान स्वरोदय।** ०—५०
६८८३ **तत्त्वार्थ दोहावली।** हनुमानदास २—५०
६८८४ **तीसा यंत्र।** ०—१०
६८८५ **बीजक सुरहस्य।** २—५०
६८८६ **मिथ्याप्रलापमर्दन अर्थात् रैदास रामायण का मुँहतोड़ उत्तर।** बंसूदास ०—२५
६८८७ **मूल संध्यापाठ।** ०—२५
६८८८ **वंशपांजी का वास्तविक तत्त्व अथवा मोक्ष सोपान।** सूरतदास १—५०
६८८९ **संकीर्तन सरोज।** खूबचंद ०—१५
६८९० **संध्यापाठ।** टीका सहित ०—७५
६८९१ **संस्कृत बीजक।** श्लोकबद्ध पद्यानुवाद-श्लोकार्थ। हनुमानदास शास्त्री। प्रथम भाग ७—००
६८९२ **सत्कबीरपदामृतम्** (चेतन शब्दावली) २—००
६८९३ **सच्चे उपदेश।** प्रथम भाग १—५०
६८९४ **सद्गुरु कबीर भजनमाला** १—२५
६८९५ **सद्गुरु कबीर साहेब और उनका सिद्धान्त।** हजूर प्रकाशमणि नाम साहेब १—००
६८९६ **सदुपदेश मणिमाला** शंभुदास ०—१५
६८९७ **साखी ग्रन्थ।** कबीर साहब के साखियों का संग्रह। विचार दास (हजूर प्रकाश मणि नाम) कृत टीका टिप्पणी सहित ४—५०

मैथिल-साम्प्रदायिक-ग्रन्थाः

६८९८ **अतिचारनिर्णय ।** सीताराम झा ०—२४
*६८९९ **अनन्तचतुर्दशीव्रतपूजाकथा** ०—२०
६९०० **अम्बचरित महाकाव्य ।** सीताराम झा । प्रथम भाग २—००
६९०१ **अलंकारदर्पण ।** सीताराम झा । १-२ भाग ०—८०
*६९०२ **अशौचनिर्णयः ।** म० म० वाचस्पति-रुद्रधर उभय विरचित ०—५०
६९०३ **आत्ममर्यादा (एकांकी) ।** कृष्णकान्त मिश्र ०—५०
६९०४ **आनन्द विजय नाटिका ।** रामदास (सरसराम) १—२५
६९०५ **आमक जलखरी ।** योगानन्द झा २—००
*६९०६ **आह्निक पञ्चदेवपूजापद्धतिः ।** ०—०५
६९०७ **उगना ।** १—२५
६९०८ **उनटावसात ।** सीताराम झा ०—२०
*६९०९ **उपनयनपद्धतिः ।** (छन्दोगानां) मैथिली टीका १—७५
*६९१० **उपनयनपद्धतिः ।** (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका १—७५
*६९११ **एकादशीव्रतोद्यापनपद्धतिः ।** सपरिष्कृत ०—३५
६९१२ **एकावली परिणय महाकाव्य ।** बदरीनाथ झा ३—००
*६९१३ **एकोद्दिष्टपद्धतिः ।** (छन्दोगानां) मैथिली टीका ०—२५
*६९१४ **एकोद्दिष्टपद्धतिः ।** (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका ०—५०
६९१५ **कन्दर्पीघाट की लड़ाई ।** ०—२५
६९१६ **कन्यादान ।** प्रो० हरिमोहन झा १—७५
६९१७ **कला ।** चतुरानन १—०० | ६२९६ **कविताकुसुम ।** रमानाथ झा १—८७
६९१८ **कविवर पं० चन्दा झा ।** बलदेव मिश्र १—००
*६९१९ **कार्तिक-तुलसी-आकाशदीप-व्रतोद्यापनविधिः ।** ०—३५
६९२० **कालविचार ।** उमेश मिश्र १—५०
६९२१ **काव्यमीमांसा ।** जयधारी सिंह । प्रथम भाग ३—००
६९२२ **कीर्तिपताका ।** विद्यापति । सं० डॉ० उमेश मिश्र ७—००
६९२३ **कीर्तिलता ।** विद्यापति । सं० डॉ० उमेश मिश्र ३—००
*६९२४ **कूपोत्सर्गपद्धतिः ।** ०—१५
*६९२५ **कृततत्त्वसंग्रहः—दैवज्ञ श्रीतुफानी झा विरचितः**

एहि निबन्ध में कालनिरूपण-प्रकरण, त्याज्यप्रकरण, षोडशसंस्कार-प्रकरण, शान्तिप्रकरण, बधूप्रवेशादिप्रकरण, द्विरागमनप्रकरण, वास्तु-प्रकरण, गृहप्रवेशप्रकरण, यात्राप्रकरण तथा मिश्रप्रकरण में व्यवहारोपयोगी समस्त विषयक धर्मशास्त्रीय समीक्षा ज्योतिष ग्रन्थ क आधार पर कयल गेल अछि । ८—००

६९२६ **कृत्यमंजरी ।** हिन्दी टीका ०—६२
६९२७ **कृत्यशिरोमणि ।** सटिप्पण ४—००
*६९२८ **कृत्यसारसमुच्चयः ।** पं० गंगाधर मिश्र कृत परिशिष्ट सहित ५—००
६९२९ **कृष्णजन्म ।** मनबोध रचित । डा० उमेशमिश्र संपादित २—५०

६९३०	**क्रान्तिगीत** । राघवाचार्य	०—५०
६९३१	**खट्टरकाक अखाढ़ा** । प्रो० हरिमोहन झा	०—२५
६९३२	**खट्टरकाक तरंग** । प्रो० हरिमोहन झा	४—००
६९३३	**गद्यचन्द्रिका** । ईशनाथ झा	२—२५
६९३४	**गपशप विवेक** । बलदेव मिश्र	१—५०
६९३५	**गप्पक फोड़न (गल्प संग्रह)** । हरिमोहन झा	०—२५
६९३६	**गरीबक बखारी** । केदारनाथ मिश्र	०—६२
६९३७	**गान्धर्वविवाह नाटक** । पं० दामोदर झा साहित्याचार्य विरचित	१—००
६९३८	**गीता** । सीताराम झा । १–६ अध्याय	०—४०
६९३९	**गीतिसुधा** ।	०—२२
*६९४०	**गृहोत्सर्गपद्धतिः** ।	०—२०
६९४१	**गोपीश्वरविनोद** ।	२—२५
६९४२	**गौरीस्वयंवर नाटिका** ।	०—६२
६९४३	**चण्डीचरित** । लालदास	१—२५
६९४४	**चन्द्रपद्यावली** । कवीश्वर	२—७५
६९४५	**चयनिका** । कृष्णकान्त मिश्र	१—२५
६९४६	**चानो-दाइ (उपन्यास)** । सोमदेव	१—००
६९४७	**चित्रा** । श्री यात्री	२—५०
६९४८	**छात्रजीवन** । बलदेव मिश्र	१—२५
६९४९	**जनकपुर परिचय** ।	१—२५
६९५०	**जानकीपूजापद्धतिः**	०—१६
*६९५१	**जीमूतवाहनव्रतपूजाकथा** । व्रतनिर्णय सहित	०—२०
*६९५२	**जूटिकाबन्धन–मातृकापूजापूर्वक आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः** । (वाजसनेयिनां-छन्दोगानां च) मैथिली टीका	०—४०
६९५३	**ठंडी छाया** ।	३—००
६९५४	**तन्त्राह्निकम्** । श्री रजे मिश्र संकलित	२—२५
*६९५५	**दशगात्रपिण्डदानपद्धति** । मैथिली टीका सहित । पं० रामचन्द्र झा सम्पादित	यन्त्रस्थ
*६९५६	**दुर्गापूजा–श्यामापूजा–पद्धतिः** । (परिष्कृत द्वितीय संस्करण)	०—७५
*६९५७	**दुर्गासप्तशती** । पं० कनकलाल ठक्कुर संपादित (स्थूलाक्षर)	२—००
६९५८	**दृष्टिकोण** । नगेन्द्र कुमार	१—००
६९५९	**देवीचरित**	१—८७
६९६०	**दोहावली** ।	०—५०
६९६१	**द्विरागमन** । प्रो० हरिमोहन झा	२—५०
६९६२	**नरेन्द्रविजय**	०—५०
६९६३	**नवतुरिया** । वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'	१—००
६९६४	**नाट्यकथासार** । तंत्रनाथ झा-दुर्गानाथ झा	१—१०
६९६५	**निर्मला (उपन्यास)** । विद्याधर मिश्र	०—३७
६९६६	**पद्यामृत** । जयधारी सिंह	१—२५

६९६७ **पढुआ चरित्र तथा पूर्वापर व्यवहार** । सीताराम झा ०—२०
६९६८ **पर्व्वमाला** । ०—१२
६९६९ **पारिजातहरण नाटक** । मैथिली १—००
*६९७० **पार्वणपद्धतिः** । (छन्दोगानां) मैथिली टीका ०—४०
*६९७१ **पार्वणपद्धतिः** । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका ०—४०
*६९७२ **पितृकर्मनिर्णयः** । पं० त्रिलोकनाथ मिश्र विरचित ३—००
*६९७३ **पौरोहित्यकर्मसारः** । १-२ भाग । परिष्कृत तृतीय संस्करण १—६५
६९७४ **प्रणम्यदेवता** । प्रो० हरिमोहन झा ५—००
६९७५ **प्रतिबिम्ब** । कीर्त्यानन्द कुमार १—००
*६९७६ **प्रतिहारषष्ठी (विवस्वतषष्ठी) व्रत कथा** । ०—१५
६९७७ **प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन** । दरभंगा-परिचय पात १—५०
६९७८ **प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन** । दरभंगा-विभागीय सभापति सभक भाषण २—००
६९७९ **प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन** । दरभंगा-रचना संग्रह ५—००
६९८० **प्रबोधचन्द्रोदय नाटक** । **(मैथिली)** आनन्द झा ०—५०
६९८१ **प्रभावतीहरणम्** । ०—५०
६९८२ **फलेना जालुन** । नगेन्द्र कुमार ०—७५
६९८३ **फेरार** । शारदानन्द झा १—५०
६९८४ **बसात नाटक** । गोविन्द झा १—५०
*६९८५ **बहुलाचतुर्थीव्रतकथा** । ०—२०
*६९८६ **बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः—दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः** । ०—४०
*६९८७ **भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा** । चतुर्थी चन्द्रव्रतकथासहित ०—१५
६९८८ **भारतशिक्षा** । बलदेव मिश्र । १—००
६९८९ **भुवन भारती** । २—७५
६९९० **मनमोहनलड्डू** । रूपनारायण झा ०—२०
६९९१ **मिथिलाक इतिहास** । डा० उपेन्द्रठाकुर । अंग्रेजी १७—५०
६९९२ **मिथिला क संक्षिप्त राजनैतिक इतिहास (प्राचीन कालसँ अद्य पर्यन्त)** । राधाकृष्ण चौधरी १—५०
६९९३ **मिथिला का इतिहास** । कृष्णकान्त मिश्र १—७५
६९९४ **मिथिलागीतसंग्रहः** । १-४ भाग १—२५
६९९५ **मिथिलातत्त्वविमर्श** । म० म० परमेश्वर झा ३—७५
६९९६ **मिथिलाभाषाप्रकाश** । रमानाथ झा २—००
*६९९७ **मिथिलाभाषामयइतिहास** । म० म० मुकुन्दझा बख्शी ४—००
६९९८ **मिथिलाभाषारामायण** । कर्णाश्वर कृत १—५०
६९९९ **मिथिला में उद्योग और व्यापार** । विद्यापति सिंह १—५०
७००० **मिथिला राज्यप्राप्ति कवितावली** । ०—५०
७००१ **मिथिलारामायण** । गुटका २—७५ बड़ा ६—७५

७००२ **मिथिलारामायण** । लाल दास ५—२५
७००३ **मैथिलपरिचयदर्पण** । सीताराम झा ०—२०
७००४ **मैथिलसंस्कृति और सभ्यता** । डा० उमेश मिश्र २—००
७००५ **मैथिलीकुसुमाञ्जलि** । लक्ष्मीपति सिंह १—५०
७००६ **मैथिली गद्यसंग्रह** । सं० रमानाथ झा-सुभद्र झा । तृतीय भाग मात्र ६—००
७००७ **मैथिली-गीता** । मैथिली पद्यानुवाद । अनुवादक—सुरेश झा । गीतासार तथा गीता-समीक्षादि सहित १—२५
७००८ **मैथिली गीति रत्नावली** । बदरीनाथ झा १—७५
७००९ **मैथिली रामायण** । उत्तर काण्ड । चन्दा झा ०—६९
७०१० **मैथिली (विवाह) मङ्गल-संक्षिप्त** । लाड़िलीशरण १—२५
७०११ **मैथिली विवेक विभाकर** । ०—५०
७०१२ **मैथिली साहित्य सुमन** । ०—९४
७०१३ **मैथिली साहित्यिक इतिहास** । कृष्णकान्त मिश्र ५—००
७०१४ **मैथिली साहित्यिक निबन्धावली** । राधाकृष्ण चौधरी १—००
७०१५ **मृच्छकटिक नाटक** । ईशनाथ झा ३—७५
७०१६ **रङ्गशाला** । प्रो० हरिमोहन झा २—००
७०१७ **रमेश्वरचन्द्रिका** । ४—००
७०१८ **रागतरङ्गिणी** । लोचन कृत ६—७५
७०१९ **राघव विजयावली** । ०—३१
*७०२० रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः—जानकीनवमीव्रतपूजा सहित ०—४०
७०२१ **रामायणशिक्षा** । बलदेव मिश्र २—००
*७०२२ रामार्चापद्धतिः । (शिवपुराणोक्त) ०—४०
७०२३ **राली (उपन्यास)** । प्रेमशंकर खरे १—५०
७०२४ **रेखाचित्र** । उमानाथ झा २—००
७०२५ **लक्ष्मीश्वर विलास** । १—५०
७०२६ **वर्णरत्नाकरः** । ज्योतिरीश्वरकवि-शेखराचार्य विरचित ५—००
*७०२७ वर्षकृत्य—प्रथमभागः । म० म० रुद्रधर कृत । पर्वनिर्णयात्मक 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । अनेकानेक व्रतपूजाकथा और व्रतनिर्णयादि से परिवर्द्धित अभिनव सुसंस्कृत द्वितीय संस्करण ५—००
*७०२८ वर्षकृत्य—द्वितीयभागः । परिशिष्टरूपकः । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित ६—००
७०२९ **वसन्त** । १—५०
*७०३० वास्तुपूजापद्धतिः—गृहे गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिः, गृहप्रवेशपद्धतिश्च । ०—७५
७०३१ **विचारमाला** । रमादत्त झा १—५०
७०३२ **विद्यापति** । खगेन्द्रनाथ मजुमदार १५—००
७०३३ **विरुदावली** । १—२५
७०३४ **विलक्षणप्रभावतीहरणनाटक** । दैवज्ञ भानुनाथ (माना झा) कृत ०—६२
७०३५ **विवस्वत् षष्ठी व्रतकथा पद्धति** । ०—१५
*७०३६ **विवाहपद्धतिः । (छन्दोगानां) मैथिली टीका** १—७५

*७०३७ **विवाहपद्धतिः** । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका १—२५
७०३८ **विवेक प्रभाकर** । (सुभाषित कुण्डलियाँ) रामकिशोर झा 'विमल' ०—५०
७०३९ **विवेचना** । 'शेखर' सम्पादित १—००
७०४० **व्यवहारदीपिका** । ०—५०
७०४१ **व्यवहारमञ्जूषा** । ०—१९
७०४२ **व्यवहारविज्ञान** । ३—००
७०४३ **शिकार** । नगेन्द्रकुमार १—००
७०४४ **श्रृङ्गारतिलक** । सुन्दर झा शास्त्री ०—२५
*७०४५ **श्राद्धपद्धतिः** । म० म० वाचस्पति मिश्र विरचित । सटिप्पण यन्त्रस्थ
*७०४६ **श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतपूजाकथा** । ०—३५
७०४७ **श्रीमत्करमहासुकुलकीर्तिकौमुदी** । खण्डकाव्यम् ०—७५
*७०४८ **श्रीमत्खण्डबलाकुलप्रशस्तिः** । मैथिलश्रोत्रियाणां खण्डकाव्यम् १—५०
७०४९ **श्रीमत्खण्डवलाकुलविनोद** । ३—५०
*७०५० **षडङ्गशतरुद्रियपद्धतिः** । स्नपनादि विधान सहित यन्त्रस्थ
*७०५१ **संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः** । तुलादानपद्धति सहित ०—४०
७०५२ **संक्षिप्त मैथिली व छन्दशास्त्र** । गोविन्द झा १—६५
*७०५३ **संक्षिप्ताह्निकपद्धतिः** । (छन्दोगानां) मैथिली टीका ०—४०
*७०५४ **संक्षिप्ताह्निकपद्धतिः** । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका ०—४०
७०५५ **संस्कृत व्याकरण कला** । ०—३८
७०५६ **संस्कृति** । बलदेव मिश्र २—००
*७०५७ **सत्यनारायणपूजापद्धतिः** । 'इन्दुमती' नामक मैथिली टीका ०—७५
*७०५८ **सत्यनारायणपूजापद्धतिः** । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित मूल समाप्त
*७०५९ **सन्ध्यातर्पणपद्धतिः** (छन्दोगानां) मैथिली टीका ०—१५
*७०६० **सन्ध्यातर्पणपद्धतिः** (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका ०—१५
*७०६१ **सरस्वतीपूजापद्धतिः** । (अभिनव संस्करण) ०—२५
७०६२ **सामवती पुनर्जन्म** । पं० जीवनाथ झा विरचित धार्मिक नाटक ०—५०
*७०६३ **सिद्धिविनायकचतुर्थीव्रतपूजाकथा** । ०—२०
७०६४ **सीतापरिणय** । (नाटक) ठाकुरप्रसाद झा १—००
७०६५ **सीताराम फुलवाड़ी लीला-संक्षिप्त** । लाड़िलीशरण ०—२५
७०६६ **सुन्दर विरुदावली** । १—२५
७०६७ **सुन्दरसंयोग नाटक** । पं० जीवनाथ झा विरचित शिक्षाप्रद नाटक ०—६२
७०६८ **सूक्तिसुधा** । प्रथम विन्दु समाप्त, द्वि० बिन्दु ०—२०, तृ० बिन्दु ०—२०, च० बिन्दु (भूकम्पवर्णन) ०—२०, पंचम बिन्दु ०—२०, २–५ बिन्दु ०—८०
*७०६९ **सूर्यादिद्वादशस्तवी–अन्नपूर्णादिस्तोत्र सहित** । ०—२०
*७०७० **हरितालिकाव्रतपूजाकथा** । ०—१५
७०७१ **हर्षनाथ-काव्य ग्रन्थावली** । ऋद्धिनाथ झा–अमरनाथ झा १—३७

कतिपय श्रेष्ठ हिन्दी ग्रन्थ

['हिन्दी साहित्य और वाङ्मय' नामक पृथक् छपा विस्तृत सूचीपत्र मंगवा कर अवलोकन करें]

७०७२ **अकबर महान्।** आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव। अनुवादक-डॉ० भगवानदास गुप्त। प्रथम भाग २०—००

*७०७३ **अक्षर अमर रहें।** (निबन्ध संग्रह) श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला
यह निबन्ध-संग्रह संस्कृत-हिन्दी के सामान्य विद्यार्थियों तथा शोधकार्य में लगे हुए स्नातकों के लिए पुरातत्त्व, इतिहास, साहित्य, शोध और कला की दृष्टि से विशेष उपयोगी है। ५—००

७०७४ **अच्छी हिन्दी।** विश्वनाथ टण्डन। १-२ भाग ३०—००

७०७५ **अत्यधिक हिन्दी साहित्य।** डॉ० कुमार विमल ९—००

*७०७६ **अथर्ववेद एवं गोपथ-ब्राह्मण।** अनु०-डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री।
वैदिक विद्वान् एम० ब्लूमफील्ड-विरचित बहुमूल्य अँगरेजी ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत संस्करण है जिसमें मूल ग्रन्थ के क्रमांक और सन्दर्भ सर्वथा सुरक्षित रखे गए हैं। टिप्पणी मे वैदिक मन्त्रों की व्यवस्था मूल के अनुसार ही है। मुद्रण, कागज, आवरण आदि सब मनोरम हैं। २५—००

७०७७ **अद्भुत भारत।** ए० एल० बाशम। अनुवादक वेंकटेशचन्द्र पाण्डेय- ३०—००

७०७८ **अधूरा स्वप्न।** संजय ४—५०

७०७९ **अधूरा स्वर्ग।** भगवतीप्रसाद वाजपेयी ६—००

७०८० **अधूरे साक्षात्कार।** नेमिचन्द्र जैन ८—००

७०८१ **अध्ययन और अन्वेषण।** सं० डॉ० देवराज उपाध्याय ७—५०

७०८२ **अनबूझे सपने।** उमाशंकर ५—५०

७०८३ **अनाम यात्री।** स्टेनबेक। अनुवादक रमानाथ शास्त्री ५—००

७०८४ **अपराजिता।** कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह ६—००

*७०८५ **अपराध और दण्डशास्त्र।** ले०-श्री कौशल कुमार राय। यह विषय प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में स्वीकृत है। इस पर हिन्दी में कुछ पुस्तकें निकली भी हैं परन्तु उनमें किसी में भी दण्डशास्त्र पर सामग्री उपलब्ध नहीं है। इसी कमी की पूर्ति के लिए इस पुस्तक की रचना हुई है। ८—००

७०८६ **अपराधिनी।** यज्ञदत्त शर्मा ७—००

७०८७ **अपभ्रंश प्रवेश।** डॉ० विपिनबिहारी त्रिवेदी ६—७५

*७०८८ **अभिनव निबन्धावली।** श्री श्यामलाकान्त वर्मा। इसमें प्रायः सभी प्रकार के लगभग १०० हिन्दी निबन्धों का संग्रह किया गया है। भाषा, शैली, कौशल आदि सभी दृष्टियों से इसकी उत्तमता स्वीकृत की गई है तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में यह निर्धारित भी है ४—५०

७०८९ **अभिनव पर्यायवाची कोश** । सत्यपाल गुप्त ६—५०

७०९० **अमरीका की श्रेष्ठ कहानियाँ** । सं० बालकृष्ण ६—००

७०९१ **अमरीकी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास** । मर्किस कान्लिफ ।
अनुवादक-ओमप्रकाश दीपक ८—००

७०९२ **अमावस और पूनम** । भगीरथ शुक्ल 'योगी' ५—००

*७०९३ **अमृतमन्थन** (जीवन का दिव्य पक्ष)। डा० मंगलदेव शास्त्री । हिन्दी अनुवाद के साथ रोचक छंदों में निर्मित । छात्र, अध्यापक, गृहस्थ, साधु, सबके लिए उपयोगी । ४—५०

७०९४ **अर्थशास्त्र का स्वरूप और महत्व—एक निबन्ध** । लिओनेल रॉबिन्स ।
अनुवादक-जगदीशचन्द्र वर्मा ८—००

७०९५ **अर्पण** । डॉ० सर्वानन्द पाठक ।
इस पुस्तक में काव्य सम्बन्धी हास्य, शृङ्गार, करुण आदि विविध रसभक्ति-योग, विवेकानन्द, शंकराचार्य, बालयोगिनी, कुण्डलिनीयोग, अन्तर्लोक आदि रोचक विषयों का सम्मिश्रण हुआ है । १—५०

*७०९६ **हिन्दी अलङ्कारसर्वस्व** । राजानक रुय्यकविरचित । (विद्याचक्रवर्तिकृत संजीविनी संस्कृत टीका सहित) व्याख्याकार-आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी ।
इस ग्रन्थ की सुविशद किन्तु सरल और सरस प्रवाहयुक्त प्राञ्जल हिन्दी व्याख्या में लेखक की अलङ्कार-शास्त्र-विषयक विद्वत्ता प्रति पृष्ठ में भरी हुई है । शास्त्रीय विचारों से युक्त पाण्डित्यपूर्ण भूमिका से ही एतद्विषयक शास्त्रीय ज्ञान का क्रमबद्ध वर्णन प्राप्त हो जाता है । यन्त्रस्थ

*७०९७ **अलङ्कारानुशीलन** । श्री राजवंश सहाय 'हीरा' एम्० ए० ।
इसमें लगभग ११० अलङ्कारों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । प्रत्येक अलङ्कार का स्वरूप-निरूपण, ऐतिहासिक दृष्टि से विश्लेषण, प्रत्येक उदाहरण, विभिन्न अलङ्कारों का परस्पर अन्तर तथा सूक्ष्म भेद आदि देते हुए यह अध्ययन पूर्ण किया गया है । सरल एवं सरस भाषा शैली में लिखा यह अलङ्कारों के विषय में अभिनव प्रामाणिक हिन्दी ग्रन्थ है । यन्त्रस्थ

७०९८ **अलबेरूनी का भारत** । अलबेरूनी । अनुवादक-रजनीकान्त शर्मा २५—००

७०९९ **अवधी कृष्ण काव्य और उसके कवि** । मुरारीलाल शर्मा 'सुरस' १५—००

७१०० **अवधी व्रत कथायें** । इन्दुप्रकाश पाण्डेय ६—००

*७१०१ **अवन्तिकुमारियाँ** । श्री देवदत्त शास्त्री । इस पुस्तक में तीन अवन्तिकुमारियों (अवन्तिसुन्दरी, मालविका, सरस्वती) के जीवन की मर्मस्पर्शी कहानियों के बीच लेखक ने उस युग की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं नैतिक स्थितियों का बड़ा ही सुन्दर गवेषणात्मक चित्र प्रस्तुत किया है । २—००

७१०२ **आकाश पञ्छी** । अमरकान्त ७—००

७१०३ **आज का हिन्दी उपन्यास** । इन्द्रनाथ मदान ४—५०

७१०४ **आज के साथे** । मोहन राकेश ५—००

*७१०५ **असामान्य मनोविज्ञान** । डॉ० रामकुमार राय । इस अद्वितीय पुस्तक में सभी विश्वविद्यालयों के बी० ए० तथा एम० ए० के असामान्य मनोविज्ञान के पाठ्यक्रमों में सम्मिलित विषयों का समावेश है । सम्पूर्ण पुस्तक उपयुक्त रेखा-चित्रों से सुसज्जित है; जिससे इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ गयी है ।

तृतीय परिवर्धित संस्करण १०—००

*७१०६ **आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री । प्रस्तुत ग्रन्थ एक प्रकार से संस्कृत व्याकरण शास्त्र का तुलनात्मक इतिहास है । हैम के साथ-साथ अन्य शब्दानुशासनों का भी विवेचन यथास्थान होता चला है । व्याकरण के विद्यार्थी, अध्यापक एवं शोध-कर्त्ताओं के लिये यह ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी है । १५—००

७१०७ **आजकल की हिन्दी** । बदरीनाथ कपूर ३—००

७१०८ **आत्महत्या के विरुद्ध** । रघुवीर सहाय (काव्य) ५—००

*७१०९ **आदर्श हिन्दी-संस्कृतकोशः** । प्रो० रामसरूप शास्त्री । इस कोश में लगभग चालीस सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के संस्कृत पर्याय दिये गये हैं । प्रत्येक शब्द का लिंगनिर्देश भी किया गया है । हिन्दी क्रियापदों के संस्कृत धातुओं के गण, पद, सेट्, अनिट्, वेट्, णिजन्त आदि के रूप भी दिये गये हैं । कोश की उपयोगिता पर डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री, श्रीविश्वबन्धु शास्त्री, महामहोपाध्याय श्री परमेश्वरानन्द शास्त्री, आदि-आदि विद्वानों ने अपनी-अपनी अमूल्य सम्मतियाँ प्रदान की हैं । १२—५०

७११० **आदिम रात्रि की महक** । फणीश्वरनाथ रेणु ५—००

७१११ **आधा गाँव** । राही मासूम रजा १०—५०

७११२ **आधुनिक कवि** । गुरुभक्त सिंह 'भक्त' ५—००

७११३ **आधुनिक कवि** । रामेश्वर सिंह 'अंचल' ४—००

७११४ **आधुनिक कविता और युग दृष्टि** । डॉ० शिवकुमार मिश्र १०—००

७११५ **आधुनिक ब्रजभाषा काव्य** । डॉ० जगदीश वाजपेयी १२—५०

७११६ **आधुनिक राजनीतिक चिन्तन** । हरिदत्त वेदालंकार १६—५०

७११७ **आधुनिक राजनीतिक चिन्तन** । फ्रान्सिस डब्ल्यू कोकर १५—००

७११८ **आधुनिक राजनीतिक विचारधाराएँ** । डॉ० आर० सी० गुप्त ८—००

७११९ **आधुनिक हिन्दी आलोचना** । डॉ० हरिमोहन मिश्र २०—००

७१२० **आधुनिक हिन्दी काव्य-प्रवृत्तियाँ** । करुणापति त्रिपाठी ६—००

७१२१ **आधुनिक हिन्दी काव्य में प्रतीक विधान** । डॉ० नित्यानन्द शर्मा १५—००

७१२२ **आधुनिक हिन्दी काव्य में यथार्थवाद** । डॉ० परशुराम शुक्ल 'विरही' १५—००

७१२३ **आधुनिक हिन्दी काव्य शिल्प** (१९००-१९४०) डॉ० मोहन अवस्थी ८—००

७१२४ **आपेक्षिकता की मूल संकल्पनाएँ** । बर्ट्रेण्ड रसेल ६—००

७१२५ **आर्थिक भूगोल के मूलतत्त्व** । काशीनाथ सिंह-जगदीश सिंह २५—००

*७१२६ **हिन्दी आर्यासप्तशती।** गोवर्धनाचार्य विरचित। व्याख्याकार— पं० रमाकान्त त्रिपाठी एम० ए०। अकारादि क्रम से रचा गया प्रस्तुत ग्रन्थ अनेकविध शृङ्गार तथा नीति सूक्तियों का भण्डार है जिसे सरल सुबोध-हिन्दी व्याख्या और विमर्श के साथ प्रकाशित किया गया है। १०—००

७१२७ **आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य।** डॉ० शिवकरण सिंह १५—००

७१२८ **आलोचना प्रकृति और परिवेश।** डॉ० तारकनाथ बाली १२—००

७१२९ **इतिहास एक अध्ययन।** आरनाल्ड जे० ट्वायनबी। अनुवादक—कृष्णदेव प्रसाद गौड़ १२—००

७१३० **इन्सानियत जिन्दाबाद।** रामचरणमहेन्द्र ५—००

७१३१ **उड़ते पत्ते।** प्रकाश शंकर ६—००

७१३२ **उत्तरी अमेरिका।** डॉ० महेशनारायण निगम-रमेशचन्द्र दीक्षित २०—००

७१३३ **उत्तरी अमेरिका की भौगोलिक समीक्षा।** कृपाशंकर गौड़ १५—००

७१३४ **उधार के पंख।** आरिगपूडि ५—००

७१३५ **उपन्यासकार गुरुदत्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।** डॉ० मनमोहन सहगल १२—००

७१३६ **उपन्यासकार भगवतीप्रसाद वाजपेयी : शिल्प और चिन्तन।** डॉ० ललिता शुक्ल ६—००

७१३७ **ऊँचा पर्वत गहरा सागर।** विष्णुप्रभाकर ५—५०

*७१३८ **हिन्दी ऋग्वेदभाष्य-भूमिका।** व्याख्याकार—श्री जगन्नाथ पाठक। सायणाचार्य के 'ऋग्वेदभाष्य-भूमिका' की यह हिन्दी व्याख्या बहुत ही उपयोगी और ग्राह्य शैली में प्रस्तुत की गई है, जिससे विद्यार्थी और इस विषय के जिज्ञासु लाभान्वित होंगे। एम० ए० के विद्यार्थियों के लिये तो यह संस्करण विशेष उपयोगी बन गया है। इसकी विस्तृत भूमिका में सायणाचार्य के जीवन तथा साहित्य पर भी विचार किया गया है। ३—००

७१३९ **एक औरत का चेहरा।** हेनरी जेम्स। अनुवादक—मोहन राकेश ६—००

७१४० **एक टूटा हुआ आदमी।** जवाहर सिंह ५—००

७१४१ **एक दुनिया : समानान्तर।** सं० राजेन्द्र यादव १२—५०

७१४२ **एक व्यक्ति एक संस्था** (क्षेमचन्द सुमन अभिनन्दनग्रन्थ) ४०—००

७१४३ **एक सूनी नाव।** सर्वेश्वरदयाल सक्सेना ५—००

७१४४ **एक स्वर आँसू का।** भगवतीप्रसाद वाजपेयी ५—००

*७१४५ **ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य।** बी० एम० चिन्तामणि। लेखक ने इस नवीन कृति में हिन्दी के उपन्यासों, विशेषकर ऐतिहासिक उपन्यासों की बहुत सुन्दर समीक्षा प्रस्तुत की है। नयी सूझ-बूझ और गम्भीर मन्थन की परिचायक यह रचना हिन्दी के आलोचना-क्षेत्र में महत्वपूर्ण देन है। ३—००

७१४६ **ओ अजन्मा सुनो**। डॉ० बचनदेवकुमार ५—५०

७१४७ **ओटक्कुषल (बांसुरी)**। जी० शंकर कुरूप। रूपान्तरकार- डॉ० नारायण पिल्लै ८—००

*७१४८ **औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्यशास्त्र पर प्रभाव (प्रत्यक्ष तथा परोक्ष)**। डॉ० चन्द्रहंस पाठक।

छह अध्यायों में विभक्त यह शोध-प्रबन्ध सर्वथा मौलिक विषय पर मौलिक रचना है। यह सुगठित वैज्ञानिक शैली में लिखा गया है। प्राचीन और नवीन उभयविध विचारकों में औचित्य-मत के प्रभाव की चर्चा करने के हेतु इसमें व्यापक भूमिका और सन्दर्भों का उपयोग किया गया है। २५—००

*७१४९ **कलाविलासिनी वासवदत्ता**। श्रीदेवदत्त शास्त्री।

महाराज उदयन और महारानी वासवदत्ता की कला-विलासिताओं तथा भारतीय नागरिक की दिन-रात्रिचर्याओं के माध्यम से उस काल की संस्कृति का अनूठा दर्शन। २—५०

७१५० **कविता और कविता**। (भारतेन्दु से लेकर आजतक) सं० डॉ० इन्द्रनाथ मदान २०—००

७१५१ **कविता और हिन्दी कविता**। श्री नरेश ५—००

*७१५२ **कविवर डॉ० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य**। प्रो० दशरथराज।

बहुमुखी प्रतिभासम्पन्न डॉ० वर्मा जी का आलोचक रूप जितना अधिक विकसित रहा है; उतना कवि रूप नहीं। किन्तु प्रस्तुत पुस्तक में अधिकारपूर्वक कविरूप में उनके व्यक्तित्व का विवेचन और उनके काव्यों का दिग्दर्शन कराया गया है। ३—००

७१५३ **कविवर बनारसीदास**। डॉ० रवीन्द्रकुमार जैन १०—००

७१५४ **कहानी : अनुभव और शिल्प**। जैनेन्द्रकुमार ७—००

*७१५५ **कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन**। डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल।

यह ग्रंथ सम्पूर्ण कादम्बरी का व्यवस्थित आलोचनात्मक हिन्दी रूपान्तर है। कादम्बरी के विषय में इस एक ग्रंथ को लेकर आप अन्य किसी ग्रंथ की अपेक्षा नहीं रखेंगे। साहित्यप्रेमियों को इस ग्रंथ का अवश्य संग्रह करना चाहिए। १५—००

*७१५६ **हिन्दी कादम्बरी : महाश्वेतावृत्तान्त**। व्या०-प्रद्युम्न पाण्डेय।

स्पष्ट, सरस एवं सुबोध हिन्दी व्याख्या। आरम्भ में महाकवि बाण तथा महाश्वेता की आलोचनात्मक विशेषताएं। अन्त में क्लिष्ट शब्दों तथा वाक्यों की हिन्दी व्याख्या तथा दो विशद बहुमूल्य परिशिष्ट। ४—००

*७१५७ **हिन्दी कादम्बरी : शुकनासोपदेश**। व्या०—झा-बन्धु।

अत्यन्त सरल भाषा में व्यवस्थित अनुवाद, टिप्पणी में क्लिष्ट शब्दों की व्याख्या। अलंकार-निर्देश तथा सुविशद भूमिका में बाणसंबन्धी सभी आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर। ३—००

७१५८ **काम-धंधा—ब्याज और मुद्रा के सामान्य सिद्धान्त।** केन्स। अनु०—डॉ० दयाशङ्कर नाग ७—००

*७१५९ **हिन्दी कामसूत्र। (जयमंगला टीका सहित)। व्याख्याकार: देवदत्तशास्त्री।** वात्स्यायन का कामसूत्र और उसकी 'जयमंगला' टीका जैसे महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ पर यह हिन्दी व्याख्या अपनी निजी विशेषताएँ रखती है। व्याख्याकार ने शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर विमर्श लिखकर इतना गंभीर विवेचन किया है कि यह व्याख्या कामसूत्र की एक स्वतन्त्र मौलिक रचना ही बन गई है। १६—००

७१६० **कामायनी—इतिहास और रूपक।** सुशीला भारती ८—००

७१६१ **कामायनी में नाटकीय पात्र।** कु० इन्दुप्रभा पाराशर ७—००

*७१६२ **कालिदास (महाकवि कालिदास)। डा० रमाशंकर तिवारी।** अब तक उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री का विवेकपूर्ण उपयोग कर कालिदास का देश-काल तथा उनकी सौन्दर्य भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों की १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचना की गई है। ८—००

७१६३ **कालिदास।** डॉ० वासुदेव विष्णु मिराशी १२—००

*७१६४ **कालिदास : एक अनुशीलन। पं० देवदत्त शास्त्री।** कालिदास के जीवन, जन्मभूमि और स्थिति पर ठोस प्रमाणों सहित ऐसी नई स्थापनाएँ आपको इस ग्रन्थ में मिलेंगी जिनपर मत प्रकट करने या विचार करने की उत्सुकता आप में अवश्य उत्पन्न होगी। २—५०

*७१६५ **काव्य-कदम्ब। सम्पादक-श्रीभुवनेश्वर प्रसाद पाण्डेय।** इस पुस्तक में वीरकाव्य, निर्गुणकाव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य, रीतिकाव्य, नीतिकाव्य, छायावाद और नवचेतना के अग्रदूत : इन आठ स्तम्भों में रोचक हिन्दी कविताओं का संकलन किया गया है। २—५०

*७१६६ **काव्य-चिन्ता। डा० रमाशंकर तिवारी।** प्रस्तुत ग्रन्थ के दो खण्डों में काव्य के मूल स्वरूप तथा जीवन के साथ उसके सम्बन्ध एवं काव्य के प्रयोजन का जो मार्मिक विश्लेषण सम्पन्न हुआ है, वह सर्वथा मौलिक एवं विचारोत्तेजक है। काव्य-चिन्तन की आधुनिक परम्परा में इससे निश्चित ही परिष्कार का प्रवेश होगा। ६—००

*७१६७ **हिन्दी काव्यप्रकाश (उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत)। व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रत सिंह।** संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी में समानरूप से इस ग्रन्थ की व्यापकता को देखकर तदनुकूल ही इसकी व्याख्या की गयी है। व्याख्या के साथ-साथ टिप्पणी (नोट्स) में वे सभी विषय दिये गये हैं जो वामनी, काव्यादर्श, ध्वन्यालोक-लोचन आदि में बिखरे पड़े हैं। परिष्कृत तृतीय शोधपूर्ण संस्करण। १-३ उल्लास ३—०० दशम उल्लास ५—००
संपूर्ण १०—००

७१६८ **काव्यबिम्ब।** डॉ० नगेन्द्र ४—००

*७१६९ **हिन्दी काव्य-मीमांसा** । डॉ० गंगासागर राय । इस संस्करण में सटिप्पण मार्मिक हिन्दी व्याख्या की गई है। व्याख्या को अन्य सिद्धान्तों के परिवेश में उपस्थित कर तुलनात्मक तथा आलोचनात्मक रूप दिया गया है। आचार्य बलदेव उपाध्याय विरचित प्रस्तावना में राजशेखर का मार्मिक परिचय आदि तथा अन्त में कई परिशिष्ट भी दिए गए हैं ८—५०

७१७० **काव्यशास्त्र** । डॉ० भगीरथ मिश्र १०—००

७१७१ **काव्य समीक्षा** । डॉ० विक्रमादित्य राय १२—००

*७१७२ **काव्यात्ममीमांसा** । डॉ० श्रीजयमन्त मिश्र

इस ग्रन्थ में काव्यात्म-सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक शोधपूर्ण विश्लेषण, रस-अलंकार-रीति-ध्वनि-वक्रोक्ति-औचित्य आदि तत्वों का स्वरूप-निर्देश, ऐतिहासिक क्रम से सांगोपांग विवेचन तथा उनके तात्त्विक रहस्यों का समुद्घाटन किया गया है। १६—००

*७१७३ **हिन्दी काव्यादर्श** । व्याख्याकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र

सरल सुबोध हिन्दी भाष्य के साथ इस संस्करण की प्रस्तावना में लगभग ७० अलंकारशास्त्रियों का समय, रचनाएँ तथा उनकी विशेषताओं का वर्णन है। साथ ही अलंकारशब्दार्थ एवं अलंकारशास्त्र का क्रमविकास नामक प्रसंग भी प्रस्तावना में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं। ६—५०

*७१७४ **हिन्दी काव्यालंकार** । महाकवि रुद्रट विरचित ।

व्याख्याकार—श्रीरामदेव शुक्ल ।

नमिसाधुकृत संस्कृत टिप्पण, सविमर्श हिन्दी व्याख्या, पाण्डित्यपूर्ण ग्रन्थालोचन, अलंकार-समीक्षण तथा शास्त्रीय विचारों से परिपूर्ण प्रस्तावना, वक्तव्य, परिशिष्ट आदि से सुसज्जित । १०—००

७१७५ **काव्यालोचन** । डॉ० ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री ६—००

*७१७६ **काशीदर्शन** । पं० केदारनाथ शर्मा । इसके पढ़ने से समस्त काशी के नवीन एवं प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों एवं घाट, मन्दिर, भवन, कला तथा शिक्षालयों आदि का सम्पूर्ण परिचय सहज में हो जाता है। ०—३५

७१७७ **किरण वीणा** । सुमित्रानन्दन पंत ८—००

७१७८ **किशोरीलाल गोस्वामी के उपन्यासों का वस्तुगत और रूपगत विवेचन** । कृष्णनाग १६—००

७१७९ **कृषि अर्थशास्त्र** । धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा ५—५०

७१८० **कृषि कोश** । १-२ भाग । स० डॉ० विश्वनाथप्रसाद-वैद्यनाथ पाण्डेय-श्रुतिदेवशास्त्री ९—५०

७१८१ **कृषिदीपिका** । डॉ० नारायण दुलीचंद व्यास १०—००

७१८२ **कुणाल की आँखें** । आनन्दप्रकाश जैन ७—००

७१८३ **कुमाऊँनी (हिन्दी की उपभाषा) के कवियों का विवेचनात्मक अध्ययन** । डॉ० नारायणदत्त पालीवाल २०—००

७१८४ **कुरआन मजीद** । हिन्दी अनुवाद 'अरबी मूल ग्रन्थ के साथ' १०—८०

*७१८५ हिन्दी कुवलयानन्द । (उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत) व्याख्याकार-डॉ० भोलाशंकर व्यास । अनेक आलंकारिकों के मतों के तुलनात्मक संकेत, रसगंगाधर में पंडितराजकृत आक्षेपों के उपन्यास, बृहत्तर भूमिका तथा अलंकारसंबन्धी अन्य आवश्यक सूक्ष्म विवेचन सहित । ६—००

७१८६ **कृष्णभक्ति साहित्य में रीतिकाव्य परम्परा** । डॉ० राजकुमारी मित्तल १२—००

*७१८७ **कृष्णभक्ति काव्य में सखीभाव । (सचित्र) श्रीशरण बिहारी गोस्वामी** गोपीतत्त्व और सखीतत्त्व पर गम्भीर विचार, उपास्य तत्त्व का विस्तृत विवेचन तथा सखी-सम्प्रदाय की उपासना पद्धति का संयोजन आदि इस ग्रन्थ के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय हैं। सखीभाव-विषयक हिन्दी-साहित्य की सामग्री का परिचय एवं समीक्षा, रस-परिपाटी का विवेचन, लगभग ५० वैष्णवसम्प्रदायाचार्यों के सदुपदेशों का सचित्र वर्णन तथा कवियों और काव्यों का परिचय, समीक्षण आदि अत्यन्त सरल भाषा और शैली में विवेचित हैं। यह ग्रन्थ अत्यन्त रसपूर्ण और उपादेय है। २५—००

७१८८ **केशव और रामचन्द्रिका-पुनर्मूल्याङ्कन** । डॉ० रामगोपाल सिंह चौहान ६—००

७१८९ **कोयले का टुकड़ा** । वरदराजन । अनुवादक-एन० सुन्दरम् ५—५०

*७१९० **कौटिल्य का अर्थशास्त्र** । शोधपूर्ण हिन्दी रूपान्तर । रूपान्तरकार-श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला । आलोचनात्मक मनोवैज्ञानिक विमर्श, पारिभाषिक हिन्दी शब्दकोष, ऐतिहासिक प्रस्तावनादि विविध विषयों से विभूषित । १०—००

७१९१ **खण्डहर बोल रहे हैं** । गुरुदत्त ८—५०

७१९२ **खुर्जा तथा बुलन्दशहर तहसीलों की बोलियों का सांकलिक अध्ययन** । डॉ० महावीर शरण जैन ९—००

७१९३ **खेल और खिलौने** । गुरुदत्त ५—००

*७१९४ **गणितीय कोश । (गणितीय परिभाषा और शब्दावली) डॉ० ब्रजमोहन** वर्तमान हिन्दीकरण के युग में उच्चस्तरीय गणित-विज्ञान के हिन्दी ग्रन्थ-लेखकों के सामने अब पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी अनुवाद में कोई कठिनाई नहीं रह गई। इसमें बी० एस० सी० तक के गणित विज्ञान की प्रत्येक शाखा के आंग्ल पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी पर्याय तथा सांकेतिक विवरण हिन्दी में दिए गए हैं। इस सन्दर्भ में गवेषणापूर्ण तथा कालोचित बहुमूल्य गम्भीर विचार भी आरम्भ में प्रस्तुत किए गए हैं। इस क्षेत्र के नवीन हिन्दी लेखकों तथा छात्रों एवं अध्यापकों को इस ग्रन्थ से लेखन तथा पठन-पाठन में अनुपम साहाय्य प्राप्त होगा। ९—००

७१९५ **गङ्गा की गोद में** । बृजपाल खत्री ७—००
७१९६ **गंगा से पवित्र** । अभयकुमार यौधेय ६—००
७१९७ **गद** । ओमीलाल इलाहाबादी १८—१०

*७१९८ हिन्दी गाथासप्तशती । व्याख्याकार— श्रीनर्मदेश्वर चतुर्वेदी
पारिवारिक जीवन की तीव्र अनुभूतियों की झाँकी के साथ नायक-नायिकादि की चेष्टाओं एवं मनोभावों का विशद सरस विवरण । ५—००

७१९९ **गुजरात के कवियों की हिन्दी काव्य-साहित्य को देन** । डॉ० नटवरलाल अम्बालाल व्यास १२—००

७२०० **गुजरात के हिन्दी गौरव ग्रंथ** । अम्बाशङ्कर नागर ८—००
७२०१ **गुप्त जी की काव्यसाधना** । डॉ० उमाकान्त १०—००
७२०२ **गुप्त साम्राज्य** । डॉ० राधाकुमुद मुखर्जी ७—५०
७२०३ **गुरु गोपालदास वैश्य स्मृति-ग्रन्थ** । कैलाशचन्द्र शास्त्री २०—००
७२०४ **गुर्जरेश्वर कुमारपाल** । धूमकेतु ६—५०
७२०५ **गोदान सौन्दर्य और समीक्षा** । रामकृष्ण मिश्र ७—५०
*७२०६ गोस्वामी तुलसीदास । आचार्य श्री सीताराम चतुर्वेदी ।
तुलसीदासजी के जन्मकाल, जन्मस्थान, जीवन की अनेक घटनाओं और उनकी रचना के विषय में पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिये यह एक ही ग्रन्थ है । इसमें कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं जिनकी ओर सामान्य समीक्षकों का ध्यान अब तक नहीं पहुँच पाया था । ३—००

७२०७ **गोस्वामी तुलसीदास** । विश्वनाथप्रसाद मिश्र १२—५०
७२०८ **ग्रामीण हिन्दी बोलियाँ** । डॉ० हरदेव बाहरी ७—५०
७२०९ **घन आनन्द** । डॉ० कृष्णचन्द्र वर्मा १०—००
७२१० **चन्द्रभानुगुप्त अभिनन्दन ग्रंथ** । सं० दीनदयालु गुप्त ६०—००
७२११ **चम्पारन में महात्मा गान्धी** । डॉ० राजेन्द्रप्रसाद ७—७५
*७२१२ चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन ।
डॉ० छविनाथ त्रिपाठी । इसमें वर्ण्य वस्तु और चम्पू-काव्यों के मूल स्रोतों का अन्वेषण करके २४५ चम्पू-काव्यों का सविवरण आलोचनात्मक परिचय, उनका वर्गीकरण आदि उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की गई है । १२—००

७२१३ **चरित्र निर्माण की पगडंडियां** । श्रीनारायण अग्निहोत्री ६—०
७२१४ **चाँदायन और मृगावती** । डॉ० माताप्रसाद गुप्त २०—००
*७२१५ चारुचर्य्या । (भारतीय सदाचार, शिष्टाचार) पं० देवदत्त शास्त्री ।
यह ग्रन्थ भारतीय सदाचार एवं शिष्टाचार का कोष है । समाज में रहते हुए व्यक्ति जिन आचरणों और व्यवहारों से सामाजिक अभ्युदय प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है उनका एकत्र समुच्चय इस पुस्तक में है । २—००

*७२१६ **चार्वाक दर्शन की शास्त्रीय समीक्षा** । डॉ० सर्वानन्द पाठक । चार्वाक दर्शन के इस सर्वांगपूर्ण ग्रन्थ में १. चार्वाकों के विविध सम्प्रदाय, २. चार्वाक दर्शन की उत्पत्ति, ३. दार्शनिक मान्यताओं में प्रत्यक्षेतर प्रमाणों का खण्डन, ४. परलोक आदि अतीन्द्रिय तत्वों का खण्डन, ५. वेद का खण्डन, ६. अनात्मवाद, ७. निरीश्वरवाद, ८. जैन तथा बौद्ध सम्प्रदायों में नास्तिकवाद और ९. उपलभ्यमान सम्पूर्ण चार्वाक साहित्यों का विवेचन किया गया है। १२–५०

*७२१७ **चित्र और चिन्तन** । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी । इस पुस्तक में चित्र : जीवन के दैनिक अनुभवों के हैं तथा चिंतन : सामयिक परिस्थितियों, समस्याओं और नवनिर्माण के हैं। इसमें का प्रत्येक वाक्य अपने अनूठेपन से हृदय को स्पर्श कर लेता है। २–५०

७२१८ **चिद्‌बिन्दु विद्या तथा अन्य दार्शनिक कृतियाँ** । लाइबनित्स । अनुवादक शिवानन्द शर्मा ५—५०

*७२१९ **चिन्तन के नये चरण** । श्री देवदत्त शास्त्री । भाषा-विज्ञान, मनोविज्ञान, इतिहास, पुराण-उपनिषद् , नृत्य-नाटक-अभिनय ये पाँच इस पुस्तक के विषय-स्तम्भ हैं। पाठकों को इन निबन्धों में नई दृष्टि, नई चेतना और अनुसन्धान के नये आयाम मिलेंगे। ६—००

७२२० **चेतना के बिम्ब** । डॉ० नगेन्द्र ५—००
७२२१ **छायावाद** । सं० उदयभानु सिंह ९—००
७२२२ **छायावादी काव्य और निराला** । डॉ० कुमारी शान्ति श्रीवास्तव १५—००
७२२३ **छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य** । डॉ० विश्वनाथ तिवारी १५—००
७२२४ **जगन्नाथ प्रसाद तिवारी अभिनन्दन ग्रन्थ (पं०)** । सं० हजारीप्रसाद द्विवेदी २०—००
७२२५ **जमनालाल बजाज** । टी. वी. परवटे ५—००
७२२६ **जवाहर भाई : उनकी आत्मीयता और सहृदयता** । राय कृष्णदास ११—००
७२२७ **जवाहर से लाल तक** । (सचित्र) 'नजीर' बनारसी ५—००
७२२८ **जाग्रत-ग्राम** । सावित्री देवी ७—५०
७२२९ **जीवन के चार अध्याय** । डॉ० भुवनेश्वर नाथ 'माधव' ७—००
७२३० **जीवन के स्वर** । वीरेन्द्र 'मृदु' ५—००

*७२३१ **जीवनदर्शन** । डॉ० मुंशीराम शर्मा । इस ग्रन्थ में जीवन के भौतिक तथा आध्यात्मिक परिशीलन के साथ साथ जीवन में त्याग, बलिदान, ज्ञान, कर्म, आनन्द और प्रकाश किन स्तरों को आलोकित करते हैं, इनका मनोवैज्ञानिक विवेचन किया गया है। नवीन परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण। ३—००

*७२३२ **जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज** । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन । हर्ष, शोक, विस्मयादि नाना भाव-धाराओं में अवगाहन करते हुए शैली और कौशल की दृष्टि से भारतीय समाज की जैनागम साहित्य में प्राप्त ऐतिहासिक स्थिति का, वर्णन प्राप्त करने के लिए यह एक ही ग्रन्थ है। २५—००

७२३३ **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास** । १-२ भाग ३०—००

७२३४ **जोहर के अक्षर** । सन्तोष 'शैलजा' ५—००

७२३५ **ज्ञान और सत्** । यशदेव शल्य ६—००

७२३६ **ज्योति पुरुष** । सं० रमेशचन्द्र गुप्त १५—००

७२३७ **ढंगवै कथा तथा चक्रव्यूह कथा** । डॉ० शिवगोपाल गुप्त ६—२५

७२३८ **डॉ० नगेन्द्र के श्रेष्ठ निबन्ध** । सं० भारत भूषण अग्रवाल ५—००

७२३९ **डोलता हिमालय** । रामजन्म चतुर्वेदी ४—००

७२४० **ढोला मारूरा दूहा: एक विवेचन** । कृष्ण बिहारी सहल ५—००

*७२४१ **हिन्दी तर्कभाषा** । व्याख्याकार : आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि । पं० केशव मिश्र प्रणीत इस ग्रन्थ की हिन्दी व्याख्या २६४ पृष्ठों में पूर्ण हुई है । ४६ पृष्ठ की भूमिका में लिखित न्यायशास्त्र का इतिहास छात्रों के लिए अधिक उपयोगी है ७—००

७२४२ **तुलनात्मक साहित्य शास्त्र—इतिहास और समीक्षा** । विष्णुदत्त 'राकेश' १२—५०

७२४३ **तुलसी काव्य मीमांसा** । उदय भानु सिंह १८—००

७२४४ **तुला और तारे** । सावित्री सिन्हा ८—००

७२४५ **तूफान के बाद** । यज्ञदत्त शर्मा ५—००

७२४६ **त्याग का भोग** ।(जिप्सी) इलाचन्द्र जोशी १२—५०

७२४७ **दरबारी कवि और मुक्तक** । डॉ० त्रिभुवन सिंह ६—५०

*७२४८ **हिन्दी दशरूपक** । व्याख्याकार : डा० भोलाशंकर व्यास । संस्कृत तथा हिन्दी के अधिकारी विद्वानों और सम्मेलन-पत्रिका (प्रयाग), 'आज' (वाराणसी) तथा 'हिन्दी-वाङ्मय' पत्र-पत्रिकाओं द्वारा भूरिशः प्रशंसित । परिष्कृत संस्करण ७—००

७२४९ **दिनकर** । सं० सावित्री सिन्हा ६—५० ८—५०

*७२५० **दिनकर की उर्वशी** । डॉ० रमाशंकर तिवारी

'दिनकर' की नवीन काव्य कृति 'उर्वशी' के अत्यन्त सूक्ष्म परिशीलन, मार्मिक समीक्षात्मक अध्ययन, प्रौढ़ चिन्तन एवं आधिकारिक मीमांसा से संयुक्त संग्रहणीय ग्रन्थ हैं । ३—००

७२५१ **दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना** । सुनीति १०—००

*७२५२ **दिव्य जीवन दर्शन** । ले०-पथिक । ज्ञान, भक्ति और कर्मयोग का समन्वय जिसके जीवन में हुआ हो ऐसे ज्ञानी भक्तयोगी द्वारा सरल एवं मौलिक शब्दों में कपिल के सांख्य, भगवान श्रीकृष्ण की गीता तथा विविध शास्त्रों के सिद्धान्तों का सारभूत सदुपदेश इस पुस्तिका में निहित है । ०—५०

७२५३ **दीनबन्धु एण्ड्रूज** । मार्जरी साइक्स-बनारसीदास चतुर्वेदी १०—००
७२५४ **दीवार ढह गई** । शत्रुघ्नलाल शुक्ल ८—००
७२५५ **देव ग्रन्थावली (लक्षण ग्रन्थ)** । लक्ष्मीधर मालवीय । प्रथम खण्ड २०—००
७२५६ **देहरी के आर-पार** । केशव प्रसाद मिश्र १५—००
७२५७ **देहान्त से हट कर** । कैलाश वाजपेयी ६—००
७२५८ **द्विवेदी युग का हिन्दी काव्य** । डॉ० रामसकल राम शर्मा १८—००
७२५९ **धर्म और समाजवाद** । गुरुदत्त ६—००

*७२६० **हिन्दी ध्वन्यालोक-लोचन** । व्याख्याकार-आचार्य जगन्नाथ पाठक । इस संस्करण में व्याख्यात्मक विशद विवेचन के साथ लोचन को भी सुस्पष्ट कर दिया गया है। सम्बद्ध विषयों के विचार से परिपूर्ण विशद भूमिका भी ग्रन्थ-गौरव के अनुकूल प्रस्तुत की गई है । प्रथम उद्द्योत ४—००, सम्पूर्ण ग्रन्थ १६—००

७२६१ **नई कहानी-दशा दिशा सम्भावना** । श्रीसुरेश १५—००
७२६२ **नई किरण** । जगन्नाथ प्रसाद मिलिन्द ५—००

*७२६३ **नगरीय समाजशास्त्र** । श्री कौशलकुमार राय । प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में नगरीय समाजशास्त्र का पठन-पाठन आरंभ हो गया है । लेकिन इस विषय पर हिन्दी में कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं थी । इसी अभाव की पूर्ति के हेतु प्रस्तुत पुस्तक की रचना की गई है । ८—००

७२६४ **नदी यशस्वी है** । नरेश मेहता ९—००
७२६५ **नन्ददास** । रमेश कुमार खद्दर १५—००
७२६६ **नन्ददास** । जीवनी और काव्य । डॉ० भवानीदत्त उप्रेती १२—००
७२६७ **नयी कहानी की भूमिका** । कमलेश्वर ८—००
७२६८ **नरेन्द्र शर्मा और उनका काव्य** । लक्ष्मी नारायण शर्मा ६—००

*७२६९ **हिन्दी नलचम्पू** । व्याख्याकार—श्री कैलाशपति त्रिपाठी । इसकी विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या में श्लोकों की व्याख्या के साथ चण्डपाल की संस्कृत व्याख्या की भी सविमर्श व्याख्या की गई है । अनेकार्थ श्लोकों की व्याख्या भी विविध रूप से प्रस्तुत है । इसकी समालोचनात्मक लगभग १०० पृष्ठ की बृहत् भूमिका छात्रों के लिए अधिक उपयोगी है । प्रथम उच्छ्वास **२—००,** १-२ उच्छ्वास ३—००
सम्पूर्ण ११—००

७२७० **नव्य हिन्दी नाटक** । डा० सावित्री स्वरूप १५—००

*७२७१ **नागरिकशास्त्र** । (सचित्र) हनुमानप्रसाद शर्मा । नागरिक शास्त्र की सर्वाङ्गपूर्ण जानकारी उत्तम क्रम से दी गई है । भाषा एवं विषय-प्रतिपादन-शैली अत्यन्त सरल हैं । ०—७५

७२७२ **नायक-नायिका भेद और राग-रागिणी वर्गीकरण—तुलनात्मक अध्ययन** । डॉ० प्रदीप कुमार दीक्षित १२—००
७२७३ **नारी का मन** । विश्वम्भर 'मानव' ५—५०
७२७४ **निबन्ध और निबन्ध** । डॉ० इन्द्रनाथ मदान १५—००

७२७५ **निबन्ध-शेखर** । श्री महेशचन्द्र गर्ग
परीक्षार्थी छात्रों की निबन्ध-कला-विषयक कठिनाई इस पुस्तक से दूर हो गई है। इसमें दिए गए निबन्ध आधुनिकतम विचारों तथा साहित्यिक मनोरंजन से परिपूर्ण हैं और निबन्ध-लेखन-कला के लिये अभिनव दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। ५—००

*७२७६ **निबन्ध-सौरभ** । ले० श्री बाबूलाल मिश्र । इसमें लघुकाय निबन्ध अत्यन्त सरल भाषा और ऋजु शैली में लिखे गए हैं। इनसे निबन्ध के विषय में छात्रों का मार्ग अधिक प्रशस्त होगा। १—२५

७२७७ **निमाड़ के सन्त कवि सिंगाजी** । डॉ० रमेशचन्द्र गङ्गराडे ८—००

७२७८ **निराला काव्य का अध्ययन** । भगीरथ मिश्र ४—००

*७२७९ **हिन्दी निरुक्त** । व्याख्या०—प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' ।
सुविशद व्याख्या अनुसन्धानात्मक टिप्पणियाँ, अन्त में वैदिक मन्त्रों का हिन्दी अनुवाद तथा आदि में सर्वाङ्गपूर्ण सुविशद समालोचनात्मक भूमिका। १ से ४ तथा ७वाँ अध्याय ७—५०

*७२८० **हिन्दी न्यायकुसुमाञ्जलि** । हरिदासी टीका सहित । व्याख्याकार : आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि । इसकी विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या में शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर इतना गंभीर विवेचन किया गया है कि यह व्याख्या न्यायकुसुमाञ्जलि पर हिन्दी में एक मौलिक रचना बन गई है। ६—००

*७२८१ **हिन्दी न्यायदर्शन** । (वात्स्यायनभाष्य सहित) व्याख्याकार— पं० ढुंढिराज शास्त्री । इस ग्रन्थ में सरल हिन्दी भाषा में मूल ग्रन्थ तथा भाष्य की जो व्याख्या की गई है उससे न्यायदर्शन में प्रथम बार ही इतनी सरलता आ सकी है। यन्त्रस्थ

७२८२ **पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास** । चन्द्रकान्त बाली १५—००

*७२८३ **पञ्चामृत** । सम्पादक : प्रो० गौतम हंसवंशी । सूर-तुलसी-केशव-बिहारी-भूषण—के काव्यों के अंश इसमें वृत्त, शब्दार्थ, भावार्थ, टिप्पणी आदि सहित उपनिबद्ध हैं ३—००

७२८४ **पथ के पुनीत पाँव** । मुकुल ५—५०

*७२८५ **पथचिह्न** । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ।
इस ग्रन्थमें भाषा और शैली के साथ भावुकताके अनुपम दर्शन होते हैं १—५०

*७२८६ **परिक्रमा** । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ।
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के शब्दों में—भारतीय साहित्य और जीवन की इस परिक्रमा में कालिदास, रवीन्द्र, पन्त, महादेवी आदि की समालोचना एवं संस्मरणों का मणिकांचन योग है। शैली प्रांजल, प्रवाहपूर्ण एवं सरस है। अभिनव प्रकाशन ४—००

७२८७ **पलकों की ढाल** । आनन्दप्रकाश जैन ५—००

७२८८ **पशु अभिजनन एवं सुधार** । राणा-वर्मा १०—००

७२८९ **पशु पालन ।** एस० एस० चौधरी ८—००

७२९० **पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया ।** डॉ० मिथिलेश कान्ति-डॉ० विमलेश कान्ति १०—००

*७२९१ **पाणिनिकालीन भारतवर्ष । (पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन) डा० वासुदेवशरण अग्रवाल ।**
अष्टाध्यायी के साथ ही महर्षि पाणिनिकालीन भारतीय जीवन तथा संस्कृति का भी विस्तृत प्रामाणिक अध्ययन । ग्रन्थान्त में ३००० शब्दों की अकारादि क्रमसूची । १५—००

७२९२ **पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा ।** डॉ० सावित्री सिन्हा। १०—००

७२९३ **पाश्चात्य काव्य शास्त्र—सिद्धान्त और वाद ।** सं० राजकुमार कोहली २५—००

*७२९४ **पुराण विमर्श ।** ले० आचार्य बलदेव उपाध्याय । इसमें ऐतिहासिक पद्धति से पुराण की आलोचना विद्यमान है तथा साथ ही साथ परम्परा पद्धति से पुराण विषयक मननीय सामग्री भी संकलित है । पुराण के अनुशीलन में यह एक नवीन दृष्टिकोण को अग्रसर करता है जो एकदम नवीन तथा पूर्णतया विश्लेषणात्मक है । २०—००

७२९५ **पुरातत्व का रोमांस ।** भगवतशरण उपाध्याय ६—००

*७२९६ **पुरुषार्थ । भारतरत्न डॉ० भगवानदास (शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण) ।**
मनीषी लेखक के आध्यात्मिक एवं भौतिक चिंतन का सार इस ग्रन्थ में आज के मानव के लिये सर्वथोपयुक्त शैली में उपनिबद्ध है । इससे मानव-मात्र को श्रेय : सम्पादन के लिए यथार्थ दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त होती है । सम्पूर्ण वाङ्मय का सार ही इसे समझना चाहिए । १२—५०

७२९७ **पोरस ।** दीनबन्धु पाण्डेय ५—००

७२९८ **पौ फटने से पहले ।** सुमित्रानन्दन पन्त ८—००

*७२९९ **पौराणिक कथायें ।** सम्पादक—श्री हृदयराम शर्मा । पुराणों में बिखरे हुए ७५ चरितनायकों का अपूर्व कथा-संग्रह । ७—५०

७३०० **प्रगतिशील हिन्दी कविता ।** डॉ० दुर्गाप्रसाद झाला १२—५०

*७३०१ **प्रतिभा-दर्शन (भाषा-तत्वशास्त्र) । आचार्य हरिशंकर जोशी ।**
भूमिका लेखक—म. म. डॉ. गोपीनाथ कविराज । इस ग्रन्थ में भारतीय भाषाओं के क्रमिक विकास के साथ-साथ अर्वाचीन भाषाओं तक के भाषातत्त्वों का विशद विवेचन तीन बड़े भागों में किया गया है । प्रत्येक विषय को सुगम बनाने के लिये स्थान-स्थान पर चित्र और मानचित्र भी दिये गये हैं । २५—००

७३०२ **प्रभातकुमार मुकर्जी की कहानियाँ ।** अनुवादक—मदनलाल जैन ६—५०

७३०३ **प्रमंडल अधिनियम एवं सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस ।** जे० पी० रस्तोगी १०—००

७३०४ **प्रमुख शासन प्रणालियाँ ।** डॉ० वी० एम० शर्मा डॉ० एल० पी० चौधरी १२—५०

७३०५ **प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन** । लक्ष्मीदत्त ठाकुर ६—५०

७३०६ **प्रयोगवाद और नयी कविता** । डॉ० शम्भुनाथ सिंह ९—००

*७३०७ **प्रयोगवादी काव्य-धारा (तथोक्त नई कविता)** । डा० रमाशंकर तिवारी
प्रस्तुत ग्रन्थ में 'नई कविता' कही जानेवाली प्रयोगवादी काव्य-धारा का तटस्थ एवं पूर्वाग्रह-विमुक्त, विस्तृत एवं प्रामाणिक विवेचन प्रथम बार प्रस्तुत किया गया है। इससे प्रयोगवादी धारा को समझने तथा उसके प्रति समुचित एवं सन्तुलित न्याय बरतने की सम्भावनाएँ निश्चित ही परिष्कृत एवं परिपुष्ट होंगी। १२—५०

*७३०८ **हिन्दी प्राकृतप्रकाश** । भामहकृत ।
म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित कृत 'चन्द्रिका' नामक हिन्दी व्याख्या में ग्रन्थ का आशय इतना सुस्पष्ट हो गया है कि उच्च कक्षा के छात्र स्वयं ग्रन्थाशय का अनुशीलन कर सकते हैं। ५—००

*७३०९ **प्राकृत प्रबोध** । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री । हिन्दी माध्यम से प्राकृत व्याकरण के ज्ञान के लिए सर्वांगपूर्ण यह संस्करण प्रस्तुत किया गया है। अनुवाद और निबन्ध के लिए यह ग्रन्थ सर्वोत्तम है। ८—००

*७३१० **प्राकृत व्याकरण** । श्रीमधुसूदनप्रसाद मिश्र ।
प्राकृत के सभी अङ्गों पर प्रकाश डालने वाला सर्व प्रथम प्रकाशन ५—००

*७३११ **प्राकृत साहित्य का इतिहास** । प्रो० जगदीशचन्द्र जैन । वेद से लेकर प्राचीनतम शिलालेख, प्राचीन नाटक, कथाग्रन्थ आदि के व्यापक समीक्षण और समालोचनापूर्वक अपने विषय का यह ग्रन्थ हिन्दी साहित्य में प्रथम बार अवतरित हुआ है। २०—००

७३१२ **प्राचीन कवि केशवदास** । सं० ए० चन्द्रहासन ९—००

७३१३ **प्राचीन भारत का भौगोलिक स्वरूप** । डॉ० अवध बिहारीलाल अवस्थी १०—००

*७३१४ **प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड** । डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी । वैदिक काल से लेकर आजतक के एतद्विषयक सम्पूर्ण भारतीय साहित्य के पर्यालोचन के साथ ही विदेशी व्यवस्थाओं और मान्यताओं का भी परिचय इस पुस्तक में प्राप्त होता है। ६—००

७३१५ **प्राचीन भारत में जनतंत्र** । डॉ० देवीदत्त शुक्ल ५—५०

७३१६ **प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एवं संस्थायें** । परमात्माशरण १८—००

७३१७ **प्राचीन भारत में संगीत** । धर्मावती श्रीवास्तव १५—००

*७३१८ **प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन** । डॉ० रायगोविन्दचन्द । भारत के विभिन्न स्थलों पर खोदाई में जो मिट्टी के बर्तन प्राप्त हुए हैं उनके कलात्मक आकारों के आधार पर भारतीय सभ्यता के विकास का आरम्भ से लेकर गुप्तकाल तक का इतिहास इस पुस्तक में वर्णित है। १२—००

*७३१९ **प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति**। डॉ० राजबली पाण्डेय। प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति का सर्वाङ्गीण विवेचन तथा भारतीय जीवन एवं मान्यताओं का एक सन्तुलित चित्र अधिकारी विद्वान् द्वारा इस ग्रन्थ के सीमित आकार में प्रस्तुत किया गया है। तथ्य और विचार की प्रधानता होते हुए भी शैली अति सरस है। यन्त्रस्थ

७३२० **प्राचीन यूनान का इतिहास**। शैलेन्द्रप्रसाद। प्रथम भाग १०—००

७३२१ **प्राच्य धर्म और पाश्चात्य विचार**। डॉ० राधाकृष्णन। अनुवादक—उमापतिराय चन्देल १५—००

७३२२ **प्रायोगिक भौतिकी**। डॉ० निहालकरण सेठी-डॉ० बनारसीलाल कुलश्रेष्ठ १२—००

*७३२३ **प्रारम्भिक भूगोल**। (सचित्र) भूगोल का प्रारम्भिक ज्ञान कराने में इसके समान दूसरी कोई सरल पुस्तक नहीं है। २—५०

७३२४ **प्रारम्भिक मनोविज्ञान**। एस० एन० मोहसिन ५—५०

७३२५ **प्रेमचन्द : एक कृति—व्यक्तित्व**। जैनेन्द्रकुमार १२—००

७३२६ **प्रेमचन्द और उनका युग**। रामविलास शर्मा ७—५०

७३२७ **प्रेमचन्द प्रतिभा**। सं० डॉ० इन्द्रनाथ मदान १०—००

७३२८ **प्रेमदान**। करणीदान ७—००

७३२९ **बच्चन का परवर्ती काव्य**। डॉ० श्यामसुन्दर घोष ६—००

७३३० **बदलती करवटें**। मनमोहन सहगल १२—००

७३३१ **बनते बिगड़ते संदर्भ**। निहालचन्द वर्मा ६—००

७३३२ **बबूल**। विवेकीराय ५—००

७३३३ **बाँदी**। गुलाम कुद्दूस ६—००

*७३३४ **बार्हस्पत्य राज्य व्यवस्था**। डॉ० राघवेन्द्र वाजपेयी। राजनीति के प्रमुख आचार्य बृहस्पति ने राज्य-शासन तथा राज्य-प्रबन्ध के लिये जिन विधि-विधानों का आदेश दिया है उन पर पाण्डित्यपूर्ण आलोचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत पुस्तक में दर्शनीय है। इससे वर्तमान भारतीय राज्य-व्यवस्थाके गुण-दोषों पर अनजाने ही पर्याप्त प्रकाश पड़ जाता है। राजनीति के क्षेत्र में यह अभिनव ग्रन्थ है। १०—००

७३३५ **बाल्मीकि और तुलसी—साहित्यिक मूल्यांकन**। डॉ० रामप्रकाश अग्रवाल २५—००

७३३६ **बिहारी**। सं० ओमप्रकाश ६—५०, ८—००

७३३७ **बीभत्स रस और हिन्दी साहित्य**। डॉ० कृष्णमोहन झारी २०—००

७३३८ **बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य : नए संदर्भ**। लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय १२—००

७३३९ **बुन्देलखण्ड की प्राचीनता—भाषावैज्ञानिक, ऐतिहासिक एवं भौगोलिक अनुशीलन**। भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री' ७—५०

७३४० **बूँद नेह की-दीप हृदय का**। महेन्द्र भटनागर ५—००

७३४१ **बे बात की बात**। डॉ० आत्मानन्द मिश्र ८—००

७३४२ **बैसाखियों वाली इमारत** । रमेश बक्षी ५—००

७३४३ **बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन** । डॉ० कोमल चन्द्र जैन १५—००

*७३४४ **बौद्ध-दर्शन-मीमांसा** । बलदेव उपाध्याय । सरल भाषा में बौद्ध-दर्शन का आद्योपान्त परिचय । द्वितीय परिष्कृत संस्करण ६—००

*७३४५ **बौद्ध न्याय** । (हिन्दी रूपान्तर) मूल लेखक : एफ० टी० शर्बाट्स्की । रूपान्तरकार- डॉ० रामकुमार राय ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में दिङ्नाग तथा उनके अनुयायियों, विशेषतः धर्मकीर्त्ति द्वारा प्रवर्तित महायान सम्प्रदाय के बौद्ध न्याय का एक सर्वाङ्गपूर्ण इतिहास तथा विवेचन प्रस्तुत है । प्रथम भाग में भारतीय न्यायशास्त्र, मध्य एशिया में उसके प्रचार-प्रसार का विवेचन तथा दिङ्नाग के प्रामाण्यवाद आदि का अध्ययन है । द्वितीय भाग प्रमुखतः धर्मकीर्त्ति के न्याय बिन्दु तथा उस पर धर्मोत्तर की टीका का अनुवाद है । इस भाग में कुछ परिशिष्टों में तिब्बती भाषा के न्यायशास्त्रीय ग्रन्थों तथा हिन्दू नैयायिकों के बौद्धन्याय पर किये गये आक्षेपों से सम्बद्ध संस्कृत न्यायग्रन्थों के उद्धरणों का भी अनुवाद है ।
प्रथम भाग शीघ्र प्राप्त होगा

७३४६ **ब्रज और ब्रजयात्रा** । सम्पादक—सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल । वैदिक युग से लेकर वर्तमान समय तक के ब्रज का परिचय इस ग्रन्थ में उपलब्ध है । ब्रजयात्रा की परम्परा का इतिहास इसी ग्रन्थ द्वारा पहली बार प्रकाश में आया है । ५–५०

७३४७ **ब्रज साहित्य का इतिहास** । डॉ० सत्येन्द्र २५—००

*७३४८ **हिन्दी ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य (चतुःसूत्री)** । व्याख्याकार- आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि ।
हिन्दी-अंग्रेजी के छात्रों तथा पारमार्थिक ज्ञान के इच्छुक जनों के लिये यह उपयोगी संस्करण है । ५—००

*७३४९ **हिन्दी ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय विरचित प्राच्य-पाश्चात्य-उभय-मत-समन्वयात्मक सुविशद भूमिकादि सहित । व्याख्याकार—स्वामी हनुमानप्रसाद षट्शास्त्री ।
प्राचीन विद्वत्ता तथा कठोर तपस्या के साधिकार योग से प्रसूत प्रस्तुत व्याख्या बड़ी सहज तथा सरल है । ऐसा कोई पद नहीं छूटा है जिसकी स्पष्ट व्याख्या न हुई हो । ग्रन्थ लगाने के लिये यह सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है । छात्र, अध्यापक, जिज्ञासु, मुमुक्षु सभी वर्ग के व्यक्तियों के लिये अत्यन्त उपयोगी है । विश्वविद्यालयीय परीक्षार्थियों के लिए इसकी भूमिका मात्र ही पर्याप्त है । प्रथम भाग १-२ अध्याय १५—००
द्वितीय भाग ३-४ अध्याय १५—०० संपूर्ण १-२भाग ३०—००

७३५० **ब्रिटिश संविधान की रूपरेखा** । शुभदा तैलंग ६—००

*७३५१ **भक्ति का विकास** । डा० मुंशीराम शर्मा

परमपुरुषार्थरूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में जितना कुछ जानना आवश्यक है वह सब मनोवैज्ञानिक ढङ्ग से इस ग्रंथ में वर्णित है। इसके अध्ययन से आत्मकल्याण का सर्वसम्मत मार्ग अनायास सुलभ होगा। २०—००

७३५२ **भक्तिकाव्य में माधुर्य भाव का स्वरूप** । डॉ० जयनाथ नलिन २५—००

*७३५३ **भक्तितरंगिणी** । डॉ० मुंशीराम शर्मा ।

भक्ति-भाव से ओतप्रोत वेदमन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद। भक्ति-तरंगिणी अध्यात्म पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल सिद्ध होगी। ३—००

७३५४ **भातखण्डे स्मृति खण्ड** । सं० प्रभाकर नारायण चिचोरे २५—००

*७३५५ **हिन्दी भामिनी-विलास** । पण्डितराज जगन्नाथ विरचित । व्याख्याकार–श्री राधेश्याम मिश्र ।

प्रस्तुत ग्रन्थ में कवि की अनूठी प्रतिभा का विलास दर्शनीय है। प्रायः सभी विषयों पर एक-से एक बढ़कर उपदेशप्रद मार्मिक उक्तियाँ इसमें आद्यन्त हैं। 'व्याख्या' के अन्तर्गत जितना कुछ उस पद्य के सम्बन्ध में विशेष ज्ञेय है, सब विस्तार से दिया गया है। विस्तृत भूमिका में पुस्तक से सम्बन्धित काल-विशेष की सम्पूर्ण सांस्कृतिक झाँकी प्राप्त हो जाती है। पद्यानुक्रमणिका भी संलग्न है। **अन्योक्तिविलास मात्र** ४—००
सम्पूर्ण १०—००

*७३५६ **भारत का भूगोल (सचित्र)** । प्रो० रामस्वरूप ।

प्रस्तुत संस्करण में भारत के भूगोल के साथ विश्व भूगोल भी सम्मिलित है। सभी विषय छात्रों की ग्रहण-योग्यतानुसार ही संग्रथित किए गए हैं तथा भूगोलसम्बन्धी नवीनतम सूचनाओं को भी स्थान दिया गया है। १—००

७३५७ **भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास** । देवनारायण अंसोपा १०—००

७३५८ **भारत की आधुनिक आर्थिक प्रगति** । डॉ० पा० सी० जैन ५—५०

*७३५९ **भारतीय इतिहास (सचित्र)** । प्रो० रामस्वरूप ।

३९ अध्यायों में विभक्त इस पुस्तक में वैदिक सभ्यता से लेकर अब तक का विशद इतिहास इस कौशल से उपनिबद्ध है कि कोई विषय छूटने नहीं पाया है। १—५०

*७३६० **भारतीय इतिहास की रूपरेखा** । डॉ० बलराम श्रीवास्तव ।

इसमें भारतीय इतिहास के प्रमुख तथ्य ही सूक्ष्म रूप में व्यवस्थित किए गये हैं। यथावसर चित्र और नक्शे भी दिये गए हैं। २–५०

*७३६१ **भारतीय इतिहास के स्रोत : सिक्के** । (ई० जे० रैप्सन के 'इंडियन कॉयन्स' का हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार— डॉ० रामकुमार राय ।

भारतीय सिक्कों के आधार पर विदेशी लेखक ने अनुसन्धान को क्या वैज्ञानिक रूप दिया है और कैसे चमत्कारपूर्ण निष्कर्ष निकाल कर हमें दिए हैं, यह इस ग्रन्थ को देखने से ही स्पष्ट होगा। ग्रन्थ को सर्वाङ्गपूर्ण बनाने के लिये मूल ग्रन्थ के फलक ज्यों के त्यों छापे गए हैं। १२—००

*७३६२ **भारतीय इतिहास-परिचय** । डॉ० राजबली पाण्डेय ।
इसमें भारतीय ऐतिहासिक परम्परा का समुचित आदर के साथ उपयोग किया गया है। साथ ही इस देश के उत्थान और पतन तथा जय और पराजय को भारतीय दृष्टि से देखने का प्रयास किया गया है। भारत के प्रामाणिक, सजीव और क्रमबद्ध इतिहास के परिचय के लिये यह पुस्तक अत्यन्त उपयोगी है। १०—००

७३६३ **भारतीय और विदेशियों की दृष्टि में जवाहरलाल नेहरू** । १०—००

७३६४ **भारतीय कटाई सिलाई विज्ञान** । शकुन्तला वर्मा ६—५०

*७३६५ **भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि-सिद्धान्त** । ले०-श्री राजवंश सहाय 'हीरा' ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में रस, ध्वनि एवं अलंकार को प्रतिनिधि-सिद्धान्त मान कर उन्हीं का विवेचन किया गया है। काव्य के स्वरूप, कारण, हेतु एवं भेद, शब्दशक्ति, ध्वनि, रस, गुण एवं दोषों का वर्णन प्रमुख है। दूसरे खण्ड में अलंकारों का विश्लेषण, विशेषतः ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक दृष्टि से किया गया है। शब्दशक्तियों के वर्णन में शास्त्रार्थ वाले स्थानों पर तथा अभिधा, लक्षणा, व्यंजना के विषय में विस्तृत एवं निर्भ्रान्त विवेचन है। ग्रन्थ अपने में पूर्ण है। १५—००

७३६६ **भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त** । डॉ० कृष्णदेव झारी ८—००

७३६७ **भारतीय कृषि का विकास** । डॉ० मामोरिया-डॉ० उपाध्याय १०—००

७३६८ **भारतीय खेती—नया युग** । शक्ति त्रिवेदी ८—००

७३६९ **भारतीय ग्राम सांस्थानिक परिवर्तन और आर्थिक विकास** । डॉ० पूरनचन्द्र जोशी ९—५०

७३७० **भारतीय तत्त्वचिन्तन** । श्री ब्रजभूषण पाण्डेय ।
अत्यन्त बोधगम्य भाषा एवं शैली में भारतीय मनीषियों के चिन्तनों को पल्लवित किया गया है। दर्शन के गूढ़ सिद्धान्तों की सुन्दर एवं मार्मिक व्याख्या इस ग्रन्थ की अपनी विशेषता है। ३—५०

७३७१ **भारतीय दर्शन** । डॉ० वी० पी० वर्मा १०—००

७३७२ **भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण** । वाचस्पति गैरोला ११—५०

*७३७३ **भारतीय प्रज्ञा** । (मोनियर विलियम्स कृत इण्डियन विज़डम का हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार-डॉ० रामकुमार राय ।
पुस्तक में हिन्दुओं के धार्मिक, दार्शनिक और नैतिक विचारों तथा सिद्धान्तों के उदाहरणों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। साथ ही संस्कृत साहित्य के प्रमुख विभागों का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए भारत की अतीत तथा वर्तमान नैतिक और बौद्धिक स्थिति का भी विवरण दिया गया है। २५—००

७३७४ **भारतीय भाषाएँ और वैज्ञानिक शब्दावली** । सं० ओमप्रकाश शर्मा १२—८५

*७३७५ **भारतीय भाषाविज्ञान** । किशोरीदास वाजपेयी । भारतीय भाषाओं का मौलिक पद्धति पर विवेचन-विश्लेषण और वर्गीकरण इस ग्रन्थ का मुख्य विषय है। ६—२५

७३७६ **भारतीय विज्ञान के कर्णधार** । सत्यप्रकाश ३०—००

*७३७७ **भारतीय व्रतोत्सव** । आचार्य पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी ।
परम्पराबद्ध भारतीय व्रतों के काल, विधि और फल का धर्मशास्त्र, विज्ञान एवं युक्तिसंगत निर्देश और विवेचन । ३—००

७३७८ **भारतीय शिक्षा और उसकी समस्यायें** । जौहरी-पाठक ९—००

७३७९ **भारतीय शिक्षा के आयोग** । पाठक-त्यागी ६—००

७३८० **भारतीय शिक्षा सिद्धान्त** । सुबोध अदावल ८—००

*७३८१ **भारतीय संगीत का इतिहास** । श्री शरदचन्द्र श्रीधर परांजपे ।
ऐतिहासिक दृष्टि से संगीत में शोधकार्य का फल प्रस्तुत ग्रन्थ है । यह हिन्दी साहित्य में अपने विषय का पहला ही ग्रन्थ है । वैदिक काल से आरम्भ कर गुप्तकाल तक का इतिहास बड़ी सूक्ष्म दृष्टि से चिन्तित तथा विद्वत्तापूर्ण ढंग से सप्रमाण वर्णित है । यन्त्रस्थ

*७३८२ **भारतीय साहित्य की रूपरेखा** । डॉ० भोलाशंकर व्यास ।
वेदों से लेकर अब तक के समस्त भारतीय साहित्य —वैदिक, संस्कृत, पालि-प्राकृत तथा अपभ्रंश साहित्य—की रूपरेखा के अलावा भारत की सभी आधुनिक भाषाओं—हिन्दी, उर्दू, बँगला, मराठी, गुजराती, तामिल, तेलगु, आदि—के प्राचीन तथा अद्यतन साहित्य की गतिविधि का सुन्दर परिचय इसी एक ग्रन्थ से प्राप्त हो जाता है । ७—५०

*७३८३ **भारतीय साहित्य शास्त्र और काव्यालंकार** । डॉ० भोलाशंकर व्यास । नवीन दृष्टि से पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के गम्भीर अध्ययन के साथ ही भारतीय साहित्यशास्त्र की प्राचीन स्थापनाओं का प्रामाणिक तथा आधिकारिक विवेचन प्रथम बार प्रस्तुत ग्रन्थ में उपनिबद्ध है । प्रथम भाग ८—००

७३८४ **भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका** । फतह सिंह ७—५०

७३८५ **भारतीय स्वातन्त्र्य आन्दोलन और हिन्दी साहित्य** । डॉ० कीर्तिलता १५—००

*७३८६ **भारवि काव्य में अर्थान्तरन्यास** । ले० उमेश प्रसाद रस्तोगी । प्रस्तुत ग्रन्थ में भारवि के जन्मकाल, स्थान तथा काव्य का परिचय देते हुए प्रवाहपूर्ण भाषा तथा मार्मिक शैली में उनके अर्थान्तरन्यास सम्बन्धी काव्य, कवित्व तथा प्रतिभा का समुचित विवेचन तथा यथार्थ विश्लेषण किया गया है । ६—००

७३८७ **भावी भारत की रूपरेखा** । बी० जी० वर्गीज १२—५०

*७३८८ **भाषाविज्ञान (भारतीय)** पं० किशोरीदास वाजपेयी ।
भारतीय भाषाओं का मौलिक पद्धति पर विवेचन-विश्लेषण और वर्गीकरण । ६—७५

*७३८९ **भाषावैज्ञानिक संस्कृत व्याकरण** । डॉ० लालरमायदुपाल सिंह यन्त्रस्थ

७३९० **भास की भाषा सम्बन्धी तथा नाटकीय विशेषताएँ** ।
डॉ० जगदीशदत्त दीक्षित १५—००

७३९१ **भू-रूप विज्ञान एवं भू स्वरूप विधान** । प्रताप सिंह १०—००

७३९२ **भ्रमरगीत का काव्य वैभव** । डॉ० मनमोहन गौतम ५—००

७३९३ **भ्रमरगीत सार** । विशदभाष्य । राजनाथ शर्मा १०—००

७३९४ **मंत्र-बिद्ध** । राजेन्द्र यादव ३—५०

*७३९५ **मधुपर्क** । श्री देवीरत्न अवस्थी 'करील' ।

ब्रजभाषा के ललित पद्यों में कृष्णचरित वर्णन के माध्यम से यह काव्य जनतन्त्र की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है तथा भारतीयों के मन में देशप्रेम एवं वीर-भावों को उदबुद्ध कर सकने में पूर्ण समर्थ है। यह अभिनव ललित काव्य बड़े कौशल से रचा गया है। यन्त्रस्थ

७३९६ **मधुर स्वप्न** । राहुल सांकृत्यायन ६—००

७३९७ **मध्यकालीन भारतीय संस्कृति** । आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव ७—५०

*७३९८ **मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद** । डॉ० कपिलदेव पाण्डेय

भू० ले०-डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

इस ग्रन्थ में वैदिक साहित्य से लेकर उत्तर-मध्यकालीन साहित्य तक के अवतारवादी रूपों और प्रवृत्तियों का विशद विवेचन किया गया है। एकत्र ही वेद, ब्राह्मण, उपनिषद्, महाकाव्य, पुराण, गीता, आगम तथा बौद्ध, जैन, नाथ, शैव, शाक्त, सन्त, सूफी, भागवत, पांचरात्र आदि साम्प्रदायिक साहित्यों के विभिन्न अवतारवादी तत्त्वों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है। साथ ही दशावतार, चौबीस अवतार, राम, कृष्ण, अर्चा, आचार्य, भक्त आदि विविध अवतारों का भी मौलिक विवेचन हुआ है। अन्त में अवतारवाद के मानवशास्त्रीय (एन्थ्रोपोलौजिकल), ऐतिहासिक, दार्शनिक, साहित्यिक तथा मनोवैज्ञानिक अध्ययन की विभिन्न विचारधाराओं पर भी यथेष्ट विचार किया गया है। समस्त ग्रन्थ में अवतारवाद और भक्ति से सम्बद्ध सैकड़ों पारिभाषिक शब्दों पर स्वतन्त्र शोधपूर्ण विस्तृत निबन्ध लिखे गये हैं, प्राचीन एवं मध्यकालीन शोधकों के लिए यह सन्दर्भ ग्रन्थ अत्यन्त महत्त्वपूर्ण और उपादेय है। ३०—००

७३९९ **मध्य पहाड़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन** । गोविन्दचातक १०—००

७४०० **मध्ययुगीन कृष्ण काव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति** । हरगुलाल १८—००

७४०१ **मनुष्य की उत्पत्ति और मानव जातियाँ** । भूपेन्द्रनाथ सन्याल ५—००

७४०२ **मनोमती** । रजनीकान्त बर्दलै । अनुवादक—लोकनाथ भराली ५—००

*७४०३ **मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य** । डॉ० शिवशङ्कर अवस्थी ।

इस ग्रंथ में तान्त्रिक शब्द-दर्शन की स्पष्ट एवं मार्मिक व्याख्या की गई है। शैव-शाक्त तन्त्रों, सम्बद्ध टीकाओं, रहस्यमयी स्तुतियों, व्याकरणागम तथा सूतसंहितादि ग्रन्थों के मूल उद्धरण द्रष्टव्य हैं। चार सुविशद परिशिष्टों में अतिरिक्त उपयोगी सामग्री दी गई है। हिन्दी भाषा का यह सर्वप्रथम ग्रन्थ है जिसमें तन्त्र जैसे दुरूह विषय का व्यवस्थित और बोधगम्य स्वरूप देखने को मिलेगा। १६—००

*७४०४ **मन्दाकिनी** । डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री
संस्कृत-साहित्य से सम्बन्ध रखने वाली वार्ताओं और प्राचीन महाकवियों की रचनाओं का पठनीय और मननीय संग्रह । १—२५

७४०५ **मराठी का आधुनिक साहित्य** (१८०५-१९६०) भी० गो० देशपाण्डे १२—५०

*७४०६ **मराठी का भक्ति साहित्य** । प्रो० भी० गो० देशपाण्डे ।
मराठी के भक्तिसाहित्य के विभिन्न काव्यरूपों के मूलस्रोत और विकास का मनोवैज्ञानिक ढङ्ग से पल्लवित हिन्दी संस्करण ।
साधारण संस्करण ८—०० राजसंस्करण १०—००

*७४०७ **महाकवि कालिदास** । (देव-पुरस्कार से पुरस्कृत) डॉ० रमाशंकर तिवारी । अब तक उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री का विवेकपूर्ण उपयोग कर कालिदास का देश-काल तथा उनकी सौन्दर्य भावना, प्रेम भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों की १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचना की गई है । ८—००

*७४०८ **महाकवि भवभूति** । डॉ० गङ्गासागर राय । इस ग्रन्थ में महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व तथा कृतियों का साङ्गोपाङ्ग विवेचन तथा उनकी रससिद्ध वाणी का यथार्थ मूल्याङ्कन प्रस्तुत किया गया है । अनुसन्धानपूर्ण परिशिष्ट बड़े श्रम से संकलित किए गए हैं । ५—००

*७४०९ **महाकवि भास : एक अध्ययन** । आचार्य बलदेव उपाध्याय
इसमें भास के नाटकों का परिचय, समीक्षण, तत्कालीन देश-काल की स्थिति, भास के समय आदि का प्रामाणिक तथा सांगोपांग विवेचन किया गया है । ४—००

*७४१० **महाकवियों की अमर रचनाएँ** (सचित्र) श्री चक्रधर शर्मा ।
हिन्दी में संस्कृत के विशिष्ट महाकवियों का परिचय और उनकी प्रमुख रचनाओं का आस्वाद कराने के उद्देश्य से विद्वान् लेखक ने जो अपनी रसमयी प्रतिभा का कौशल दिखाया है वह वस्तुतः देखने योग्य है २—००

*७४११ **महाकवि शूद्रक** । आचार्य रमाशंकर तिवारी ।
प्रस्तुत पुस्तक में शूद्रक सम्बन्धी अद्यावधिक सम्पूर्ण अध्ययन का विवेचनात्मक आलोडन कर, मृच्छकटिक के रचयिता के ऊपर पहली बार विशद एवं प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है । उपपादन की शैली नितांत तर्कपूर्ण एवं व्यवस्थित है तथा शूद्रक सम्बन्धी अनेक कल्पनाओं एवं मान्यताओं का अत्यन्त सुन्दर तथा सन्तुलित विवेचन इसमें उपलब्ध है । १२—५०

७४१२ **महाकवि सुब्रह्मण्य 'भारती' एवं महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के वाक्यों का तुलनात्मक अध्ययन** । डॉ० पी० जयरामन २०—००

७४१३ **महाकवि सूरदास और भ्रमरगीत** । डॉ० शंकरदेव अवतरे १०—००

७४१४ **महादेवी संस्मरण ग्रन्थ** । सं० सुमित्रानन्दन पन्त-शान्ति जोशी १८—००

*७४१५ **महाभारतकोष** (महाभारत के नामों और विषयों की व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका ।) रचनाकार : डॉ० रामकुमार राय । प्रस्तुत ग्रंथ में महाभारत के नामों तथा विषयों की सर्वाधिक विस्तृत, वैज्ञानिक तथा व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत की गई है । सन्दर्भ संकेत पर्व, अध्याय, और श्लोक-संख्याओं में दिए गए हैं ।
प्रथम भाग (अ-क) २०—००
द्वितीय भाग (ख-द) २०—०० १-२ भाग ४०—००
शेषभाग शीघ्र प्राप्त होंगे

७४१६ **महारास** (महाकाव्य) नरेशचन्द्र मिश्र 'भञ्जन'
यह काव्य हिन्दी काव्य साहित्य में एक अनूठी कृति है । प्रत्यक्ष रूप से गोपियों और श्रीकृष्णचन्द्र के रास का कवित्वपूर्ण हृदयग्राही वर्णन किया गया है, जिसमें दार्शनिक विचार अन्तर्निहित हैं । काव्य प्रेमियों और भक्तों को इससे अवश्य ही आनन्द प्राप्त होगा । ५—००

७४१७ **माटी के लोग सोने की नैया** । मायानन्द मिश्र ६—००

*७४१८ **मानक हिन्दी व्याकरण** । आचार्य रामचन्द्र वर्मा । इस व्याकरण का उद्देश्य राष्ट्रभाषाप्रेमियों को बहुत सहज में और मनोरंजक ढंग से शुद्ध हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना है । २—००

७४१९ **मानचित्रकलाप्रकाश** । विश्वनाथ तिवारी १०—००

७४२० **मानव और संस्कृति** । डॉ० श्यामाचरण दुबे ७—५०

७४२१ **मानवभूगोल** । डॉ० रामस्वरूप वशिष्ठ १०—००

७४२२ **मानवीय ज्ञान के सिद्धान्त** । जार्ज बर्कले । अनुवादक-भगवान बख्शसिंह । प्रथम भाग तीन संवाद ८—५०

७४२३ **मानस अनुशीलन** । शंभुनारायण चौबे १६—७५

७४२४ **मानस मंथन** । डॉ० स्वामीनाथ शर्मा १२—६०

*७४२५ **मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन** । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल । प्राध्यापक : वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय ।
इस ग्रन्थ में अध्यायक्रम से मार्कण्डेय पुराण का सम्पूर्ण कथा-सूत्र पूर्ण से सुरक्षित रखा गया है; कथा की परम्परा में कहीं भी त्रुटि नहीं आने पाई है । कथावाचक और अनुसंधानकर्त्ता दोनों के लिए यह ग्रन्थ समान रूप से उपयोगी है । ४—५०

७४२६ **मुकद्दमा-ए-शेर ओ-शायरी** । मौलाना अलताफ हुसैन 'हाली' । अनुवादक-हंसराज रहबर ७—५०

७४२७ **मुख्यमंत्री** । चाणक्य सेन ८—००

*७४२८ **मूल संस्कृत उद्धरण (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स)** ।
मूल लेखक-प्रो० जे० मूइर । सम्पादक और अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय । १-५ भागों में संपूर्ण । प्रथम से चतुर्थ भाग प्रस्तुत है । मूल्य प्रत्येक भाग २०—००
पञ्चम भाग शीघ्र प्राप्त होगा

७४२९ **मेरी जीवन यात्रा**। राहुल सांकृत्यायन। २-५ भाग ३८—००

*७४३० **मोहन की वंशी (भजन संग्रह)**। डॉ० ब्रजमोहन। कृष्ण-भक्ति की तन्मयता में साधक के हृदय की सहज गति से विगलित भाव-धारा इस पुस्तक में अत्यन्त सरल एवं स्वाभाविक पदों के रूप में आबद्ध की गई है। ०—७५

७४३१ **रंग-जंग और व्यंग**। गोपाल प्रसाद व्यास ५—००

७४३२ **रमण महर्षि**। आर्थर आस बोर्न ५—००

*७४३३ **हिन्दी रसगंगाधर**। व्याख्याकार—आचार्य मदनमोहन शास्त्री। इसकी आधुनिक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या होने से सोने में सुगन्धि पैदा हो गयी है। यह हिन्दी व्याख्या केवल संस्कृत छात्रों के लिए ही नहीं प्रत्युत हिन्दी अंग्रेजी छात्रों की विशेष कठिनाइयों को ध्यान में रख कर प्रस्तुत की गयी है। इसकी समालोचनात्मक विशाल हिन्दी प्रस्तावना भी छात्रों के लिए अधिक उपादेय है। प्रथमानन पर्यन्त प्रथम भाग ९—००
द्वितीयानन का उत्प्रेक्षा निरूपणान्त द्वितीय भाग १६—००
अतिशयोक्त्यलङ्कारादि समाप्ति पर्यन्त तृतीय भाग २०—००
सम्पूर्ण १-३ भाग ४५—००

*७४३४ **हिन्दी रसमञ्जरी**। 'सुरभि' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। आचार्य बदरीनाथ झा विरचित संस्कृत व्याख्या के साथ पं० जगन्नाथ पाठक कृत सुविस्तृत सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या छात्रों के लिये अत्यन्त उपयोगी है। ५—००

*७४३५ **रसराज**। कविवर मतिराम। आचार्य रामजी मिश्र रचित हिन्दी व्याख्या सहित। ७—५०

७४३६ **रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र**। निर्मला जैन ३०—००

*७४३७ **राजतरंगिणी-कोश**। डॉ० रामकुमार राय। कल्हण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें राजतरङ्गिणी में आये प्रायः सभी नामों और विषयों की ससन्दर्भ व्याख्या प्रस्तुत की गई है। साथ ही लेखक ने एक विस्तृत भूमिका में कल्हण के व्यक्तित्व और कृतित्व का विवेचन करते हुये विभिन्न विषयों, जैसे राजनीति, समाजशास्त्र, धर्म, और नीति आदि से सम्बद्ध उनके विचारों को प्रस्तुत किया है। राजतरङ्गिणी में आये विभिन्न राजाओं की वंशावलियों तथा कालक्रमागत तालिकाओं का भी भूमिका के अन्तर्गत समावेश किया गया है। १५—००

*७४३८ **राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार**। श्रीमती कृष्णा राय। आज अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में फैली विषमताओं और शान्ति समस्याओं को देखते हुए इस विषय की जानकारी और भी आवश्यक हो गयी है। अतः सरल एवं सुस्पष्ट उदाहरणों द्वारा इसे अधिकाधिक बोधगम्य बनाने की चेष्टा की गयी है। ५—००

७४३९ **राजनीति और इतिहास के निबन्ध** । डॉ० पी० आर० साहनी ७—००

७४४० **राजनीति विज्ञान एवं संगठन के मूल सिद्धान्त** । गुरुमुख निहाल सिंह १२—५०

७४४१ **राजनीति शास्त्र के प्रमुख निर्माता** । डॉ० वी० एम० शास्त्री—डॉ० एल० पी० चौधरी ६—००

७४४२ **राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन (भारतरत्न) व्यक्तित्व एवं संस्मरण** । ९—००

७४४३ **राजस्थान : स्वतंत्रता के पहले और बाद** । सं० चन्द्रगुप्त वार्ष्णेय २५—००

७४४४ **राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा** । अगरचन्द नाहटा ७—५०

७४४५ **राज्य की दार्शनिक विचारधारा** । डॉ० बर्नार्ड बोसांके । अनुवादक-कृष्णचन्द्र जोशी ६—००

७४४६ **रामजन्म** । सन्त सुरजदास कृत । सं० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी ४—५०

*७४४७ राष्ट्रभारती । श्री करुणापति त्रिपाठी । वाराणसी की प्रथमा परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत उत्तम संकलन । १—५०

७४४८ **राष्ट्रभारती—हिन्दी का मिशन** । काका साहेब कालेलकर २०—००

७४४९ **राष्ट्रभाषा का शुद्ध रूप** । निगमानंद परमहंस ६—००

*७४५० राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण । पं० केदारनाथ शर्मा । राष्ट्रभाषा के व्यापक प्रचार और प्रसार की दृष्टि से हिन्दी का यह व्याकरण गण्यमान्य विद्वानों की नवीनतम शैली से लिखा गया है १—२५

७४५१ रासलीला : एक परिचय । सम्पा०-सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल । रासलीलाओं के प्राचीन रंगमंच पर यह एक महत्वपूर्ण परिचय ग्रन्थ है जिसमें साहित्य, संगीत और कलाक्षेत्र के अधिकारी विद्वानों ने शोधपूर्ण मौलिक निबन्ध लिखे हैं । २—५०

७४५२ **राहुल सांकृत्यायन का कथा साहित्य** । डॉ० प्रभाशंकर मिश्र १५—००

७४५३ **रीछ** । विश्वम्भर नाथ उपाध्याय १६—००

७४५४ **रीतिकाल और आधुनिक हिन्दी कविता** । डॉ० रमेशकुमार शर्मा ८—००

७४५५ **रीतिकालीन काव्य में लक्षणा का प्रयोग : एक आलोचनात्मक अध्ययन** । डॉ० अरविन्द पाण्डेय १७—५०

७४५६ **रुकोगी नहीं, राधिका !** उषा प्रियम्वदा ५—००

७४५७ **रेयन तथा सिन्थेटिक फाइबर्स** । डॉ० अभय सिन्हा ११—००

७४५८ **रेवती** । भिक्खु ६—००

७४५९ **लक्षणा और उसका हिन्दी काव्य में प्रचार** । डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी १६—००

७४६० **लहर और किनारा** । श्यामलाल 'मधुप' ६—००

७४६१ **लाख और चपड़ा** । फूलदेव सहाय वर्मा १०—००

७४६२ **लाल गुलाब** । श्यामलाल 'मधुप' १०—००

७४६३ **लोक प्रशासन** । अवस्थी माहेश्वरी १५—००

*७४६४ **लौकिक संस्कृत साहित्य** । (Classical Sanskrit Literature by A. B. Keith) अनुवादक: चारुचन्द्र शास्त्री । अनुवाद में स्थान-स्थान पर मूल ग्रंथों के उद्धरण देकर बड़े श्रम के साथ ग्रन्थ का सम्पादन हुआ है । ७—५०

*७४६५ **लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास** । मूल लेखक : डॉ० गौरीनाथ शास्त्री, उपकुलपति, वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय । प्रस्तुत संस्करण लेखक के मूल अंग्रेजी 'A Concise History of Classical Sanskrit Literature' ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद है। अंग्रेजी संस्करण अपनी संक्षिप्त सीमा में लौकिक संस्कृत साहित्य के एक अत्यन्त व्यापक तथा यथातथ्य विवेचन के कारण विद्यार्थियों में अत्यन्त लोकप्रिय रहा है। इसे हिन्दीभाषी विद्यार्थियों को सुलभ बनाने के उद्देश्य से ही हम हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत कर रहे हैं। एक बार ग्रन्थ के अवलोकन से इसकी उपयोगिता का लाभ स्वयं स्पष्ट हो जायगा। ९—००

*७४६६ **हिन्दी वक्रोक्तिजीवित** । व्याख्याकार–श्री राधेश्याम मिश्र । विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक प्रस्तावना विविध-परिशिष्ट-विभूषित संग्राह्य संस्करण । १५—००

७४६७ **वनस्पति कोश** । डॉ० सुधांशुकुमार जैन १०—००

*७४६८ **वन्दनीय भारतीय** । ले०—श्री व्यथितहृदय। छात्रों में चरित्र के भाव दृढ़ करने के उद्देश्य से लिखी गई इस पुस्तक में अतीत के १२ वन्दनीय भारतीयों के चरित्रों का मनन, चिन्तन तथा उनकी जीवन-कथाओं का अनुशीलन घटनाओं के माध्यम से किया गया है। छात्रों के लिये यह सर्वाधिक आवश्यक पुस्तक है। २—८५

७४६९ **वन्देमातरम्** । रवीन्द्रनाथ बहोरे 'अज्ञात' १२—००

*७४७० **वरद पुत्र** । ले०—श्री व्यथितहृदय। भारत माता के जिन स्व-नामधन्य पुत्रों ने नवीन भारत के निर्माण के लिये शूलियों पर शैया, कारागारों में देवमंदिरों और विदेशों की गलियों में स्वदेश के सुखों की अनुभूतियाँ सँजोई हैं उन्हीं का त्याग, उनका स्वदेशप्रेम और उनका साहस ही प्रस्तुत पुस्तक में विचित्र कलमों द्वारा अंकित है। छात्रों के लिये यह निश्चित रूप से बहुमूल्य कृति है। २—१५

७४७१ **वाग्धारा** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ४—००

७४७२ **वापसी** । मुल्कराज आनन्द ८—००

*७४७३ **वाल्मीकि रामायण कोश** । डॉ० रामकुमार राय । वाल्मीकीय रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम और विस्तृत व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका, इसमें रामायण में आने वाले प्रायः सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित स-सन्दर्भ उल्लेख है। २०—००

७४७४ **विकासात्मक मनोविज्ञान** । भाई योगेन्द्र जीत ६—००

*७४७५ **विक्रमादित्य । (संवत्-प्रवर्तक) डॉ० राजबली पाण्डेय ।**
सम्राट् विक्रमादित्य को ऐतिहासिक सिद्ध करनेवाला यह बहुत ही शोधपूर्ण प्रामाणिक ग्रंथ है। इसमें वह सभी सङ्गत सामग्री एकत्र की गई है, जिससे पूर्वाग्रहरहित कोई भी पाठक अपना निष्कर्ष निकाल सकता है। १०—००

विजय । गंगाप्रसाद विमल ५—००

७४७६ **विज्ञान और विश्वविद्यालय** । डॉ० एम० कोठारी ५—००

७४७७ **विद्यापति** । खगेन्द्रनाथ-विमान विहारी २५—००

*७४७८ **विद्वद्विभूति । पं० रामचन्द्र झा ।**
इस ग्रन्थ में संस्कृत भाषा के उत्कृष्टतम प्राचीन तथा नवीन, भारतीय एवं विदेशी विद्वानों के जीवन-वृत्त सुललित हिन्दी भाषा में दिये गये हैं १—२५

*७४७९ **विविधार्थ** । ले०—डा० भगवानदास। विद्वान् लेखक ने अपने जीवन में भारतीय संस्कृति, धर्म और दर्शन का जो सार मथकर प्राप्त किया वही अति सरल और स्पष्ट शब्दों में इस ग्रन्थ के १२ लेखों में भरा हुआ है। लेखक के जीवनकाल में ही प्रकाशित हुए इस ग्रंथ का यह दूसरा संस्करण है। ६—००

*७४८० **विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान** । अरविन्द वसावड़ा। डॉ० सी० जी० युंग के मनोविज्ञान पर लिखित इस प्रारंभिक पुस्तक में उनकी जीवनी की पृष्ठभूमि में विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। २—००

७४८१ **विश्व के महान् वैज्ञानिक** । अनुवादक—लाजपत राय १०—००

७४८२ **विश्व सभ्यताओं का इतिहास** । राय गोविन्दचन्द १५—००

*७४८३ **विष्णुपुराण का भारत । ले०-श्री सर्वानन्द पाठक ।**
प्रस्तुत ग्रन्थ में विष्णुपुराण के आधार पर भौगोलिक आधार, समाजव्यवस्था, राजनैतिक संस्थान, शिक्षा-साहित्य, संग्रामनीति, आर्थिकदशा, धर्म आदि विषयों पर प्रामाणिक रूप से तत्कालीन भारत की जीवन्त झाँकी प्रस्तुत की गई है। ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से इसका प्रमुख महत्त्व है। २०—००

*७४८४ **वेदकालीन समाज । डॉ० शिवदत्त ज्ञानी ।**
भारत में वैदिक संस्कृति का भी एक समय था। प्रस्तुत ग्रन्थ में उस काल की भौगोलिक स्थिति, समाज में पारिवारिक जीवन, स्त्रीशिक्षा, वर्णव्यवस्था, राजनैतिक तथा आर्थिक विकास, धर्म, दर्शन, साहित्य, कला, विज्ञान, मनोरंजन आदि से संबन्धित विस्तृत विवेचन प्रवाहपूर्ण प्राञ्जल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। प्रमाणार्थ वैदिक मंत्र तथा प्रसंग टिप्पणी में संकेतित हैं। २५—००

*७४८५ **हिन्दी वेदान्तपरिभाषा** । आचार्य गजानन शास्त्री। इस ग्रन्थ की अत्यन्त सरल तथा सरस हिन्दी व्याख्या इतनी उत्तम शैली में प्रस्तुत की गई है कि सम्प्रदाय-पुरस्सर अध्ययन करने का लाभ आप प्राप्त कर सकेंगे। इसकी पाण्डित्यपूर्ण विस्तृत भूमिका अधिक उपयोगी है १०—००

*७४८६ वेदार्थचन्द्रिका । डॉ० मुंशीराम शर्मा ।

प्रस्तुत ग्रन्थ के २५ भावपूर्ण निबन्धों में कुछ प्रमुख प्रकाशदाता वेद-मन्त्रों की यथार्थ हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है। लेखक वेद के मर्मज्ञ हैं। उनके हृदय की सम्पूर्ण श्रद्धा इस पुस्तक की प्रत्येक पंक्ति में व्याप्त मिलेगी। प्रकाश प्राप्ति के लिये स्वाध्याय के प्रति प्रेरणा, उत्साह एवं दिशा प्रदान करने में यथार्थता और श्रद्धापूर्ण भावुकता का यह दुर्लभ संयोग पूर्ण प्रभावकारी है। ६—००

७४८७ **वैज्ञानिक उद्भावों का इतिहास** । जगपति चतुर्वेदी ५—५०

७४८८ **वैज्ञानिक परिदृष्टि** । बर्ट्रेंड रसेल १०—००

*७४८९ वैदिक आख्यान । डॉ० गङ्गासागर राय । इस पुस्तक में वैदिक आख्यानों का गुम्फन बहुत ही सरल, रोचक तथा सरस भाषा एवं शैली में किया गया है २—००

*७४९० वैदिक इण्डेक्स । मैकडौनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार-डॉ० रामकुमार राय । अनुवाद की सर्वाधिक विशेषता यह है कि इसमें सन्दर्भ, संकेत, संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्यवस्था का क्रम वही दिया गया है जैसा कि मूल ग्रंथ में है। इस व्यवस्था के कारण, जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है। संपूर्ण ग्रंथ १—२ भाग ४०—००

*७४९१ वैदिक निबन्धावली । डॉ० मुंशीराम शर्मा । इस निबन्ध संग्रह में वेदों की एक स्वल्प झाँकी प्रस्तुत करने वाले २५ निबन्ध हैं। यह निबन्ध उच्च कक्षा के विद्यार्थियों, शोध-छात्रों एवं वैदिक-साहित्य-प्रेमियों के लिए अत्यन्त उपादेय हैं। ४—००

*७४९२ वैदिक माइथौलोजी (वैदिक पुराकथाशास्त्र) प्रो० ए० ए० मैकडॉनल । हिन्दी रूपान्तरकार-डॉ० रामकुमार राय। यह ग्रन्थ वेद की आत्मा का भासमान प्रदीप है। वैदिक देवताओं का रहस्य जानना यदि अभीष्ट हो तो इस ग्रन्थरत्न को अवश्य पढ़कर लाभ उठाइये। १५—००

*७४९३ वैदिक युग के भारतीय आभूषण । डॉ० राय गोविन्दचन्द । वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे, आदि का प्रामाणिक तथा सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है। १५—००

*७४९४ **वैदिक योगसूत्र** । श्री हरिशंकर जोशी ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है। इसे जाने बिना हम अपनी संस्कृति, दर्शन और ज्ञान-सम्पत्ति का न तो उचित मूल्यांकन कर सकते, न उनके रहस्यों की अनुभूति ही पा सकते हैं। सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं। २०—००

*७४९५ **हिन्दी वैदिक व्याकरण** । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय । बी० ए० तथा एम० ए० परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार नव निर्मित इस ग्रंथ में वेद के सुबोध व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय में समाधान तथा क्रिया रूपों का एक लघु कोश भी प्रकाशित किया गया है। २—००

*७४९६ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा** । प्रो० हंसराज अग्रवाल । इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक के प्रत्येक महत्त्वपूर्ण अङ्ग की जानकारी पाठक को संक्षेप से करा दी गई है। २—००

*७४९७ **हिन्दी वैशेषिक दर्शन** । (प्रशस्तपादभाष्य तथा उपस्कार सहित) व्याख्याकार, श्री ढुण्ढिराज शास्त्री । इस संस्करण में मूलग्रन्थ के साथ तथा भाष्य के प्रतिपद का विभागशः अति सरल अनुवाद एवं विशद हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है। १५—००

७४९८ **व्यक्ति और समाज** । पी० गोस्वामी । प्रथम भाग ६—७५

*७४९९ **हिन्दी व्यक्तिविवेक** । आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी ।
इस संस्करण की प्रमुख विशेषता यह है कि आधुनिक शोधशैली तथा प्राचीन विचारों के समन्वय से इसका महत्त्व और भी बढ़ गया है। विस्तृत भूमिका में विद्वान् लेखक ने काव्यशास्त्र के अनेक विषयों पर ऐसे विचार दिए हैं जो क्रान्तिकारी कहे जा सकते हैं जिससे विचारों को नवीन दिशा भी मिलती है। १६—००

*७५०० **व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास** । श्री रमाकान्त मिश्र ।
वैदिक काल से लेकर व्याकरण शास्त्र का इतिहास क्रमशः पूर्व पाणिनि-काल, त्रिमुनि-काल, व्याख्या-काल और प्रक्रिया-काल के क्रम से सुव्यवस्थित रूप में वर्णित है। प्रायः सभी सम्प्रदायों का वर्णन इसके अन्तर्गत हो गया है। अत्युपयोगी संस्करण है। ४—००

*७५०१ **व्यावहारिक मनोविज्ञान की रूपरेखा** । डॉ० रामकुमार राय ।
प्रस्तुत पुस्तक इण्टर श्रेणी के नवीन पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर लिखी गई है। इस पुस्तक में जिन मनोवैज्ञानिकों के सिद्धान्तों का उपयोग किया गया है उनके नाम, सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची, प्रत्येक अध्याय के अन्त में सारांश और प्रश्नावली, अनेक चित्र और रेखाचित्र, अंग्रेजी-हिन्दी तथा हिन्दी-अंग्रेजी शब्दसूची आदि विविध सामग्री उपन्यस्त है। ५—००

*७५०२ **व्यावहारिक मनोविज्ञान** । डॉ० रामकुमार राय
प्रस्तुत पुस्तक बी. ए. श्रेणी के नवीन पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर लिखी गई है। आरम्भिक छात्र सरलता से विषय समझ सकें, एतदर्थ लेखक का यह प्रयास सफल है। जिन मनोवैज्ञानिकों के सिद्धान्तों का उपयोग किया गया है उनके नाम, सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची, प्रत्येक अध्याय के अन्त में सारांश और प्रश्नावली, अनेक चित्र और रेखाचित्र, अंग्रेजी-हिन्दी तथा हिन्दी-अंग्रेजी शब्दसूची, पृथक्-पृथक् नामों और विषयों की अनुक्रमणिका आदि को देखते हुए छात्रों के लिए यह अत्यधिक उपयोगी संस्करण है। ८—००

७५०३ **व्यवसाय प्रशासन** । डॉ० बी० आर० सक्सेना १०—००

७५०४ **व्यास (श्रीगोपालप्रसाद) अभिनन्दनग्रन्थ** । सं० हजारीप्रसाद द्विवेदी-दिनकर-अक्षयकुमार जैन २०—००

७५०५ **शब्दार्थक ज्ञानकोश** । रामचन्द्र वर्मा १२—५०

७५०६ **शरतचन्द्र** । ले० श्रीमती लावण्यप्रभा राय। प्रस्तुत पुस्तक में शरच्चन्द्र के जीवन पर इस प्रकार प्रकाश डाला गया है कि छोटी से छोटी भी मार्मिक घटना छूटी नहीं है। २—००

७५०७ **शान्तिनिकेतन से शिवालिक** । शिवप्रसाद सिंह २०—००

७५०८ **शिक्षणकला** । डॉ० आत्मानन्द मिश्र ७—५०

७५०९ **शिक्षा के दार्शनिक सिद्धान्त** । पी० डी० पाठक-जी० एस० डी० त्यागी ७—००

७५१० **शिक्षा विज्ञान** । लक्ष्मीनारायण गुप्त ८—१०

७५११ **शिक्षा विज्ञान कोश** । सीताराम जायसवाल १६—००

७५१२ **शिलान्यास** । यज्ञदत्त शर्मा ११—००

*७५१३ **हिन्दी शिवमहिम्नस्तोत्र** । राधेलाल त्रिवेदी कृत पद्यानुवाद सहित ०—७५

७५१४ **शिवसिंह सरोज** । ठा० शिवसिंह सेंगर ९—००

७५१५ **शुद्ध कविता की खोज** । रामधारी सिंह 'दिनकर' १०—००

*७५१६ **शृङ्गार रस का शास्त्रीय विवेचन** । डा० इन्द्रपाल सिंह ।
इस ग्रन्थ में शृङ्गार रस से सम्बन्धित सम्पूर्ण शास्त्रीय विवेचन एवं तत्त्व-संचयन पाण्डित्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत कर दिया गया है। काम और शृङ्गार के व्युत्पत्तिपरक अर्थ के अनन्तर उनकी सर्वव्यापकता और अन्योन्याश्रयता का अनूठा विवेचन इस ग्रन्थ की प्रमुख विशेषता है। १०—००

७५१७ **शोध और समीक्षा** । डॉ० सुरेशचन्द्र गुप्त १५—००

७५१८ **श्यामाप्रसाद मुकर्जी : एक जीवनी** । बलराज मधोक ६—००

७५१९ **श्रद्धाराम ग्रन्थावली** । सं० डॉ० सरनदास भनोट ८—००

७५२० **श्रावणी** । नीहाररंजन गुप्त । अनुवादक-वीरेन्द्रनाथ मिश्र ६—००

*७५२१ **श्री सत्यनारायण शास्त्री (पद्मभूषण) अभिनन्दन ग्रन्थ** । सचित्र । १५—००

७५२२ **श्रेय और साधना** । श्री योगेश्वर ८—५०

*७५२३ **संक्षिप्त सामाजिक ज्ञान** । श्री जगदीशसहाय बिसारिया । सामाजिक विषयों को क्रम से सजाकर आवश्यक स्थलों पर चित्र देते हुए अत्यन्त सरल भाषा में यह पुस्तक लिखी गई है — १-२५

७५२४ **संगीत चिन्तामणि** । आचार्य बृहस्पति-श्रीमती सुमित्राकुमारी — २०—००

७५२५ **संत पलटूदास और पलटू पंथ** । डॉ० राधाकृष्ण सिंह — १५—००

७५२६ **संसार का इतिहास** । एलिस मैजेनिस-जौन कौन हेड ऐप्रल । अनुवादक-वी० आर० जोवार — १२—५०

७५२७ **संस्कृत कविता में रोमाण्टिक प्रवृत्ति** । डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा — २०—००

*७५२८ **संस्कृत-कवि-दर्शन** । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास । प्रस्तुत ग्रन्थ संस्कृत के चुने हुए बीस कवियों पर प्रामाणिक, गवेषणापूर्ण, आलोचनात्मक निबन्धों का संग्रह है । — ६—००

*७५२९ **संस्कृत भाषा** । मूल लेखक—टी० बरो । रूपान्तरकार—डॉ० भोलाशंकर व्यास । इस ग्रंथ में अद्यतन गवेषणाओं को आत्मसात् करते हुए प्राचीन भारत-योरोपीय भाषा-संस्कृत तथा तत्संबन्ध भाषाओं का आधिकारिक तुलनात्मक अनुशीलन प्रस्तुत किया गया है । — ३०—००

*७५३० **संस्कृत रचना** । श्री आप्टे रचित Students' Guide to Sanskrit Composition का हिन्दी रूपान्तर । रूपान्तरकार—श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय — ४—००

*७५३१ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला । इस इतिहास में महाकवि भवभूति आदि आचार्यों के इतिवृत्त के साथ साथ आर्यों के आदि देश एवं आर्य भाषाओं के उद्भव से लेकर उन्नीसवीं सदी तक की सहस्राब्दियों में संस्कृत-साहित्य की जिन विभिन्न विचार-वीथियों का निर्माण हुआ और भारत के प्राचीन राजवंशों के प्रश्रय से संस्कृत भाषा को जो गति मिली उसका भी इतिवृत्त देखने को मिलेगा । आधुनिक शोधपूर्ण यह इतिहास अब तक के प्रकाशित इतिहासों में बेजोड़ है — २०—००

*७५३२ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** (वैदिक साहित्य की रूपरेखा सहित)। ले० प्रो० हंसराज अग्रवाल। इस पुस्तक का विषय प्रमुखतया संस्कृत साहित्य के गौरवपूर्ण इतिहास का संक्षिप्त वर्णन है। बी० ए० के छात्रों की आवश्यकता पूर्ण करने वाला और संस्कृत-साहित्य के अध्ययन में उनकी सहायता करने वाला ऐसा दूसरा अन्य कोई ग्रंथ नहीं है । संशोधित परिवर्द्धित संस्करण — ७—५०

*७५३३ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । मेकडानल । अनुवादक-श्री चारुचन्द्र शास्त्री । वैदिक काल तक । प्रथम भाग — ७—५०

द्वितीय भाग — यन्त्रस्थ

*७५३४ **संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास।** मूल लेखक, कृष्ण चैतन्य। अनुवादक, डॉ॰ विनयकुमार राय। प्रस्तुत ग्रन्थ कृष्णचैतन्य के मूलग्रन्थ 'A New History of Sanskrit Literature' का हिन्दी अनुवाद है, लेखक ने इसमें आरम्भिकतम सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आरम्भ करते हुए वैदिक साहित्य से लेकर अब तक के संस्कृत साहित्य की समीक्षा की है। २०—००

*७५३५ **संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।** श्रीवाचस्पति गैरोला। इस छात्रोपयोगी द्वितीय संस्करण में विभिन्न संस्कृत-हिन्दी विश्वविद्यालयों की उच्च कक्षा के पाठ्यक्रम में निर्धारित इतिहास विषयक ज्ञान के लिए वैज्ञानिक दृष्टि से संक्षिप्त रूप में इतिहास का संशोधन-परिवर्धन किया गया है और साथ ही संस्कृत के बृहद् वाङ्मय का ऐतिहासिक संक्षिप्त अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया है। १३—००

७५३६ **संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्गम एवं विकास।** ले॰—डा॰ प्रभाकर नारायण कवठेकर। पंचतन्त्र के पूर्व भारतीय नीतिकथा का उद्गम किन परिस्थितियों में हुआ, उसका वेदकालीन रूप क्या रहा होगा, जातक में लोककथा का आदान, उसके प्रसार के कारण विदेशों में उसका निर्गमन तथा महाभारत में नीतिकथा का राजनीतिक प्रज्ञा के निदर्शन के लिए प्रयोग आदि तथ्यों की गवेषणा इस प्रबन्ध की मुख्य विशेषता है। परिशिष्टों में सम्पूर्ण विश्व के नीति-कथा-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। यन्त्रस्थ

*७५३७ **संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुहरण।** ले॰— डा॰ उमेशप्रसाद रस्तोगी। प्रस्तुत प्रबन्ध में 'मौलिकता और अनुहरण' की दृष्टि से संस्कृत साहित्य के विशिष्ट स्थलों का अध्ययन करते हुए संस्कृत काव्य-पाठकों के सम्मुख मौलिकता और अनुहरण विषयक नई वस्तु प्रस्तुत की गई है। भाषा-शैली आदि सभी विषयानुरूप हैं। ८—००

*७५३८ **संस्कृत सुकविसमीक्षा।** आचार्य बलदेव उपाध्याय। विक्रमपूर्व पंचम शती से लेकर बारहवीं शती तक के मान्य संस्कृत के कवियों की यह अनमोल समीक्षा छात्रों, अध्यापकों तथा सामान्यजनों के लिए भी समभावेन उपयोगी है। २०—००

*७५३९ **सतरंगी कहानियाँ**। ले० उदयन। बालकों के लिए मनोरञ्जक सात शिक्षाप्रद कहानियाँ। सचित्र १—४०

*७५४० **सत्यहरिश्चन्द्र नाटक**। समालोचना, टिप्पणी सहित। शुभाशंसक—पं० बाबूराव विष्णुपराड़कर ०—६५

*७५४१ **सदाचार-सोपान**। रामबालक शास्त्री। इस पुस्तक में सदाचारसम्बन्धी वे अनुभूत नियम बताए गए हैं जो शरीर और मन को सदा स्वस्थ और पवित्र बनाए रख सकते हैं। ०—५०

*७५४२ **सब धर्मों की बुनियादी एकता**। डॉ० भगवानदास। इस ग्रन्थ में संसार भर के धार्मिक मज़हबों और उनके श्रेष्ठ धर्मग्रन्थों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों-मज़हबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है १२—००

७५४३ **समकालीन दार्शनिक समस्याएँ**। यशदेव शल्य १३—००

७५४४ **समकालीन भारतीय दर्शन**। सं०—सच्चिदानन्द मूर्ति १२—००

७५४५ **समन्वय**। डॉ० भगवानदास। परिवर्धित संस्करण ५—००

७५४६ **समय का शिला पर**। डॉ० शम्भुनाथ सिंह ६—००

७५४७ **समसामयिक हिन्दी साहित्य : उपलब्धियाँ**। सं० सुषमा प्रियदर्शिनी-रमेशचन्द्र गुप्त १३—५०

७५४८ **समसामयिक हिन्दी साहित्य : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक सर्वेक्षण**। सं० हरिवंश राय 'बच्चन' १०—००

७५४९ **समाज और राज्य—भारतीय विचार**। डॉ० सुरेन्द्रनाथ मित्तल १५—००

७५५० **समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों की विवेचना**। बुद्धसेन चतुर्वेदी ७—५०

७५५१ **समीक्षात्मक निबन्ध**। डॉ० सुरेशचन्द्र गुप्त १२—५०

७५५२ **समीक्षा-शास्त्र**। सीताराम चतुर्वेदी २१—००

७५५३ **समृद्ध समाज**। जान कैनेथ गैलब्रथ ६—००

७५५४ **सरोज सर्वेक्षण**। डॉ० किशोरीलाल गुप्त २५—००

*७५५५ **हिन्दी सर्वदर्शनसंग्रह**। प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि। इस दर्शन ग्रन्थ पर इतनी सरल तथा सुविस्तृत विशुद्ध प्रामाणिक व्याख्या प्रथम बार ही छपी है। शास्त्रीय विषयों तथा पाण्डित्यपूर्ण विचारों से युक्त यह अपने विषय का विशिष्ट संस्करण है। इसकी दार्शनिक विशद भूमिका मनन करने योग्य है २५—००

*७५५६ **सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार**। आचार्य हरिशङ्कर जोशी। (सांख्ययोगदर्शन का सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन)। इस ग्रन्थ में दर्शनों के मूलस्रोत का विशद विवेचन, स्मृति, पुराण, धर्मशास्त्रादि साहित्य तथा वर्तमान दर्शनों में सांख्यदर्शन का प्रभाव, सृष्टिप्रवाह की पूर्ण झाँकी तथा ज्ञानोत्पत्ति प्रकार आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रामाणिक, तर्कपूर्ण एवं अश्रुतपूर्व विचार देखने को मिलेंगे। १५—००

७५५७ **साठ के बाद की कहानियाँ** । सं० विजयमोहन सिंह-मधुकर सिंह ७—००
७५५८ **साधुदर्शन तथा सत्प्रसंग** । म० म० गोपीनाथ कविराज १०—००
७५५९ **सामाजिक अनुसन्धान** । ओमप्रकाश शर्मा १२—५०
७५६० **सामाजिक विधान और सुधार** । सरला दुबे १५—००

*७५६१ **सावित्री-सत्यवान्** । श्री राजनारायण शुक्ल
इस संस्करण में औपन्यासिकरूप से भावुकतापूर्ण कथा का सृजन करके विद्वान् लेखक ने सावित्री-रहस्य का नवीन उद्घाटन किया है। २—००

*७५६२ **साहित्य और सिद्धान्त** । प्रो० श्यामलाकान्त वर्मा
हिन्दी-साहित्य एवं काव्य-शास्त्र के ज्ञातव्य विषयों का सार-सङ्कलन रूप यह ग्रन्थ छात्रों, अध्यापकों और अनुसन्धायकों के लिए उपयोगी है ३—००

*७५६३ **हिन्दी साहित्यदर्पण** । व्याख्याकार–डॉ० सत्यव्रत सिंह ।
व्यवस्थित अनुवाद, सविमर्श हिन्दी व्याख्या, विस्तृत समालोचनात्मक भूमिका सहित । अनेक साहित्यमर्मज्ञों के मतों की सहायता से भ्रामक मत मतान्तरों के निरासपूर्वक विषय का यथार्थ स्वरूप प्रतिपादित किया गया है। १२—५०

*७५६४ **साहित्य-शास्त्र-सार** । प्रो० हंसराज अग्रवाल तथा श्रुतिकान्त जी ।
संस्कृत के लक्षण-ग्रन्थों की तरह अत्यन्त व्यवस्थित तथा संक्षेप में साहित्य के सभी अंगों की हिन्दी में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह प्रथम ग्रन्थ है । इसकी शैली बड़ी सुबोध है और विषय के वर्गीकरण में बड़े कौशल से काम लिया गया है। पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी एतद्विषयक उत्तम विचारों से पूर्ण है। ४—५०

७५६५ **साहित्य सौरभ** । सं० बनारसीदास चतुर्वेदी १२—५०
७५६६ **साहित्यालोचन के प्राचीन-नवीन सिद्धान्त** ।
डॉ० रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' ६—५०
७५६७ **साहित्यिक शोध के सिद्धान्त और समस्यायें** ।
सं० रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' ५—५०
७५६८ **सिन्दूर की लाज** । शंकर सुल्तानपुरी ६—००
७५६९ **सिन्धु सीमान्त** । कन्हैयालाल ओझा १०—००
*७५७० **सुनो कहानी** । ले० उदयन। शिक्षाप्रद कहानियों का संग्रह। सचित्र १—४०
७५७१ **सुनो कान में** । सावित्री देवी वर्मा ८—५०
७५७२ **सुनो बेटी** । सावित्री देवी वर्मा ८—००
७५७३ **सुबह अँधेरे पथ पर** । सुरेश सिन्हा ८—००
७५७४ **सूना आसमान** । बलवन्त सिंह १४—००
७५७५ **सूरदास** । सं० हरिवंशलाल शर्मा ६—५०, ८—५०
७५७६ **सूर संचयन** । डॉ० मुंशीराम शर्मा ५—००
७५७७ **सूरसागर में लोक जीवन** । डॉ० हरगुलाल ८—५०

*७५७८ **सौगतसिद्धान्तसारसंग्रह** । डॉ० चन्द्रधर शर्मा ।
यह ग्रन्थ संक्षेप में बौद्ध-दर्शन के सारभूत तत्त्वों का संग्रह है। हिन्दी अनुवाद द्वारा पारिभाषिक शब्दों का अर्थ एवं भावार्थ स्पष्ट किये जाने से ग्रन्थ की उपयोगिता बढ़ गई है। ५—००

*७५७९ **सोमेश्वर कृत मानसोल्लास : एक सांस्कृतिक अध्ययन।** डॉ० शिवशेखर मिश्र। चालुक्य कुलोत्पन्न महाराज सोमेश्वर विरचित धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ मानसोल्लास के परिशीलन के माध्यम से तत्कालीन संस्कृति एवं रीति-नीति का सुस्पष्ट परिचायक ग्रन्थ। २५—००

७५८० **सूर साहित्य : नव मूल्याङ्कन।** चन्द्रभान रावत २०—००

७५८१ **सेठ गोविन्ददास अभिनन्दन ग्रन्थ।** सं० डॉ० नगेन्द्र २५—००

७५८२ **सेतुबंध।** केदारनाथ मिश्र ६—५०

७५८३ **सौन्दर्य शास्त्र के तत्त्व।** डॉ० कुमार विमल १२—५०

*७५८४ **स्मृति के हस्ताक्षर।** श्री देवदत्त शास्त्री। लेखक के व्यक्तिगत जीवन में घटी मधुर-अम्ल-लवण-कटु-कषाय-तिक्त घटनायें पाठक में प्रेरणा, स्फूर्ति एवं संघर्षों से जूझने की अदम्य भावना उत्पन्न करती हैं। इस संस्करण के माध्यम से अज्ञात भारतीय भूगोल का रोचक अध्ययन भी हो जाता है। ५—००

*७५८५ **स्मृतियाँ और कृतियाँ।** श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी। पुस्तक में १० निबन्ध संस्मरणात्मक हैं तथा १५ समक्षात्मक। लेखक की सरलता तथा सूक्ष्म दृष्टि पुस्तक के पृष्ठों में सुस्पष्ट झलकती है। प्रत्येक हिन्दी पढ़ने-जानने वाले व्यक्ति के लिये इस पुस्तक का अवलोकन निश्चित ही उपयोगी होगा। ४—००

*७५८६ **स्वतन्त्र कलाशास्त्र।** ले०—श्री कान्तिचन्द्र पाण्डेय। प्रथम भाग भारतीय व्यापकदृष्टि रखकर कला शब्द पर कितना विशद अध्ययन प्रस्तुत किया जा सकता है यह इस एक ही ग्रन्थ को देखकर समझा जा सकता है। भारतीय मनीषी का प्रौढ़पाण्डित्य और बहुज्ञत्व इस ग्रन्थ के एक-एक शब्द से परिलक्षित होता है। कला को विचारों की कसौटी में कस देने पर जो ज्ञान की चिनगारियाँ प्रस्फुटित हुई हैं उन्हीं ने ग्रन्थ का रूप धारण कर लिया है। यह सचमुच अपने विषय का पूरा शास्त्र ही है। ३५—००

७५८७ **स्वर लिपि।** रवीन्द्रनाथ ठाकुर के सौ गीतों का स्वर लिपि-बद्ध संकलन। प्रथम खण्ड २०—००

७५८८ **हमारी परम्परा।** सं० वियोगी हरि २०—००

*७५८९ **हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ।** श्री व्यथितहृदय। इसमें सरल और सुबोध ढङ्ग से हिन्दी के उन सर्वमान्य कवियों और उनकी कविताओं की आलोचना की गई है, जो उच्च कक्षाओं में अध्ययन के लिए सर्वत्र स्वीकृत हैं। ३—५०

७५९० **हरिऔध शती स्मारक ग्रन्थ।** सं० विश्वनाथलाल शैदा-डॉ० किशोरीलाल गुप्त १६—००

*७५९१ हिन्दी हरिश्चन्द्रोपाख्यान। (सायणभाष्यसहित) प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'। ग्रन्थ का कोई भी अंश ऐसा नहीं छूटा है जिस पर विवेचनात्मक प्रकाश न डाला गया हो। विशद भूमिका में शास्त्रीय विषयों तथा ग्रन्थ से सम्बन्धित पाण्डित्यपूर्ण विचार प्रदर्शित किए गए हैं। २-५०

*७५९२ हिन्दी हर्षचरित। (मूलपाठ सहित हिन्दी रूपान्तर) इसमें पाठकों को प्रत्येक संस्कृत पद का मूल के क्रम से व्यवस्थित अनुवाद प्राप्त होगा तथा कथावस्तु, काव्यसौष्ठव, पदलालित्य आदि के साथ औपन्यासिक धारा का भी आनन्द प्राप्त होगा ७—००

७५९३ **हास्य बत्तीसी।** कन्हैयालाल कपूर ४—५०

७५९४ **हिन्दी उपन्यास का परिचयात्मक इतिहास।** डॉ० प्रतापनारायण टण्डन २६—५०

७५९५ **हिन्दी उपन्यास : पृष्ठभूमि और परम्परा।** डॉ० बदरीदास २०—००

७५९६ **हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप।** डॉ० अम्बाप्रसाद 'सुमन' १०—००

७५९७ **हिन्दी और गुजराती नाट्य साहित्य।** डॉ० रणधीर उपाध्याय २०—००

७५९८ **हिन्दी और तेलुगु के मध्यकालीन राम साहित्यों का तुलनात्मक अध्ययन।** डॉ० चावलि सूर्यनारायण मूर्ति १५—००

*७५९९ हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्तकाव्य। डा० प्रभाकर माचवे। दक्षिण और उत्तर के आरम्भिक भक्तिसाहित्य के साम्य और विभेद पर सामाजिक, ऐतिहासिक तथा साहित्य-शास्त्रविषयक मान्यताओं के परिपार्श्व में प्रामाणिक अध्ययन तथा १२वीं से १५वीं सदी के भारतीय वाङ्मय का एक रेखाचित्र। १२—००

७६०० **हिन्दी कथा साहित्य के विकास में महिलाओं का योग।** उर्मिला गुप्ता १६—००

७६०१ **हिन्दी कवि कौमुदी।** गौरीशंकर चतुर्वेदी ८—५०

७६०२ **हिन्दी कहानी उद्भव और विकास।** डॉ० सुरेश सिनहा २०—००

७६०३ **हिन्दी का गद्य साहित्य।** डॉ रामचन्द्र तिवारी १२—५०

*७६०४ हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका। डॉ० शम्भुनाथ सिंह। हिन्दी साहित्य के अनेक इतिहास प्रकाशित हो चुके हैं। पर केवल हिन्दी काव्य का कोई इतिहास प्रकाशित नहीं है। इसमें आदि काल से लेकर अब तक के हिन्दी काव्य के इतिहास का समाजशास्त्रीय विवेचन किया गया है। हिन्दी काव्य की युग-सापेक्षता का ज्ञान जितना इस पुस्तक से हो सकता है, उतना अब तक प्रकाशित अन्य किसी इतिहास-ग्रन्थ से नहीं हो सकता। ७—५०

७६०५ **हिन्दी काव्य में अन्योक्ति।** डॉ० संसारचन्द्र १४—००

७६०६ **हिन्दी काव्य में प्रतीकवाद का विकास (१६००–१६४०)।** डॉ० वीरेन्द्र सिंह १६—००

*७६०७ **हिन्दी काव्य मञ्जूषा।** आचार्य रमाशंकर पाण्डेय।
इसमें चन्दबरदायी से दिनकर तक के २६ कवियों की रचनाओं के राष्ट्र शक्ति के विकास में योगप्रद अंशों का संकलन किया गया है। ३—००

७६०८ **हिन्दी काव्य शास्त्र में शृंगार रस विवेचन।** डॉ० रामलाल शर्मा २०—००

*७६०९ **हिन्दी के पौराणिक नाटक।** डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री।
भारत की विविध भाषाओं में पौराणिक नाटकों की परम्परा का इतिवृत्त तथा हिन्दी के पौराणिक नाटकों का आलोचनात्मक इतिहास। १०—००

*७६१० **हिन्दी निबन्धादर्श।** आचार्य रमाशंकर शास्त्री। इसमें परीक्षा में प्रष्टव्य लगभग ४० आधुनिक सरल संक्षिप्त हिन्दी निबन्धों का संग्रह किया गया है। प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में भाषा, शैली, कौशल आदि की दृष्टि से इस संस्करण की उत्तमता स्वीकृत की गई है। २—२५

७६११ **हिन्दी शब्द रचना।** माई दयाल जैन ६—००

७६१२ **हिन्दी साहित्य-एक आधुनिक परिदृश्य।** सच्चिदानन्द वात्स्यायन ९—००

७६१३ **हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ।** डॉ० जयकिशन प्रसाद ८—००

७६१४ **हिन्दी साहित्य : प्रकीर्ण विचार।** डॉ० शान्ति स्वरूप गुप्त ८—००

*७६१५ **हिन्दी साहित्य सरोवर।** चक्रधर शर्मा।
इस पुस्तक में हिन्दी के नवीन एवं प्राचीन विद्वानों के संक्षिप्त जीवन वृत्त एवं उनकी उपयोगी गद्य-पद्यात्मक रचनाएँ हैं। शब्दार्थ और भावार्थ देकर विषय को अधिक से अधिक सुबोध बनाने का प्रयत्न किया गया है २—५०

*७६१६ **हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ।** लेखक-थि० गोल्डस्टुकर।
अनुवादिका-सुश्री डॉ० रमा शर्मा। वैदिक कालीन आर्यों की संस्कृति, सभ्यता और उनके आचार-विचार का विशद वर्णन इस पुस्तक में किया गया है ४—००

*७६१७ **हिन्दू-संस्कार।** डॉ० राजबली पाण्डेय।
गर्भवास से लेकर मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से हिन्दू जीवन की सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं के विविध अङ्गों को समझने के लिए यह एक ही ग्रन्थ है। द्वितीय संशोधित संस्करण १६—००

*७६१८ **हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र।** (सचित्र०) अनुवादक—कस्तूरमल बाँठिया।
युगपुरुष कहलाने के अधिकारी आचार्य हेमचन्द्र के जीवन के विषय में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह एक मात्र ग्रन्थ हिन्दी में सर्व प्रथम प्रकाशित हुआ है। इसके अतिरिक्त इस विषय में जर्मन और अंगरेजी प्रतियाँ ही कठिनता से देखने को मिल सकेंगी। विविध परिशिष्टों तथा विचारपूर्ण भूमिका आदि से अलंकृत। ७—००

चिकित्सा-ग्रन्थाः

[चिकित्सा-संबन्धी सभी स्थान की छपी पुस्तकों के लिए **'चिकित्सा साहित्य'** (प्राच्य–पाश्चात्य) नामक विशाल सूचीपत्र पृथक् छपा मंगवा कर अवलोकन करें ।]

*७६१९ **अंग्रेजी-हिन्दी मेडिकल डिक्शनरी** । (चौखम्बा चिकित्सा विज्ञान-कोश) सं० डॉ० गंगा सहाय पाण्डेय — २०–००

*७६२० **अगदतंत्र**—डॉ० रमानाथ द्विवेदी एम. ए., ए. एम. एस. — ०–७५

*७६२१ **अञ्जननिदानम्**—सान्वय विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित — १–००

७६२२ **अनुभूतयोग चर्चा** । १–२ भाग । बंसरीलाल साहनी — ६–००

*७६२३ **अभिनन्दन-ग्रन्थ : सत्यनारायण शास्त्री जी** । — १५–००

*७६२४ **अभिनव बूटी दर्पण** (सचित्र)— श्री रूपलाल वैश्य — यन्त्रस्थ

*७६२५ **अभिनव विकृति विज्ञान** (सचित्र)—आचार्य श्रीरघुवीर प्रसाद त्रिवेदी ए० एम० एस० — २२–००

*७६२६ **अभिनव शरीर क्रिया विज्ञान (सचित्र)** आ० प्रियव्रत शर्मा — १०–००

७६२७ **अशोक** । श्रीरमेश वेदी — १–००

*७६२८ **अष्टाङ्गसंग्रह**—आयुर्वेद बृहस्पति श्रीगोवर्द्धनशर्मा छांगाणी कृत 'अर्थप्रकाशिका' हिन्दी टीका वक्तव्य सहित । सूत्रस्थान — ८–००
शेष स्थान शीघ्र प्रकाशित होंगे

*७६२९ **अष्टांगहृदय (गुटका)** भागीरथी बृहद् टिप्पणी सहित — ४–००

*७६३० **अष्टाङ्गहृदय**—विद्योतिनी हिन्दी टीका विमर्श सहित। टीकाकार–श्री अत्रिदेव गुप्त विद्यालङ्कार । सम्पादक–वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय बी. ए., ए. एम. एस. संशोधित, परिवर्द्धित, सपरिशिष्ट अभिनव द्वितीय संस्करण — १५–००

*७६३१ **आयुर्वेद की कुछ प्राचीन पुस्तकें** (आयुर्वेद वाङ्मय-शोध का एक विवरण) आचार्य प्रियव्रत शर्मा एम० ए०, ए० एम० एस० — १–००

*७६३२ **आयुर्वेदप्रकाश** । आयुर्वेदाचार्य श्री गुलराज शर्मा कृत अर्थ-विद्योतिनी संस्कृत अर्थप्रकाशिनी हिन्दी व्याख्याद्वय सहित । परिष्कृत द्वितीय संस्करण संपूर्ण — १२–५०

*७६३३ **आयुर्वेद प्रदीप (आयुर्वेदिक–एलोपैथिक गाइड)** ले० श्री राजकुमार द्विवेदी । सम्पादक—आयुर्वेदाचार्य श्री गङ्गासहाय पाण्डेय । द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण — १२–००

*७६३४ **आयुर्वेद विज्ञान**—विद्योतिनी हिन्दी टीका परि[illegible] सहित — २–००

७६३५ **आयुर्वेद शिक्षा पर विचार** । डॉ० घाणेकर । भाषा ०-४०

*७६३६ **आयुर्वेदीय परिभाषा**—अभिनव प्रकाशिका हिन्दी टीका विस्तृत परिशिष्ट सहित । टीकाकार—आयुर्वेदाचार्य श्रीगिरिजादयालु शुक्ल ए. एम. एस. १-२५

*७६३७ **आयुर्वेदीय यन्त्रशस्त्र परिचय**—सुरेन्द्र मोहन बी० ए० १-७५

*७६३८ **आसवारिष्ट-विज्ञान** । श्री पक्षधर झा । ग्रन्थगत दो खण्डों में विद्वान् लेखक के अध्यापन तथा प्रत्यक्ष कर्माभ्यास के अनुभवों से संपुटित इतनी विशद, प्रामाणिक तथा उपयोगी सामग्री हिन्दी में आप प्रथम बार ही देखेंगे । छात्र-चिकित्सक तथा पठित व्यक्तिमात्र के लिये यह अमूल्य निधि है । ३-००

*७६३९ **इंजेक्शन (सचित्र)** डा० शिवनाथ खन्ना ११-००

*७६४० **एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान** । श्री अवधबिहारी अग्निहोत्री । सचित्र । प्रथम खण्ड यन्त्रस्थ

*७६४१ **एलोपैथिक पाकेट प्रेस्क्राइबर (एलोपैथिक गाइड)** डा० शिवनाथ खन्ना ५-००

*७६४२ **एलोपैथिक मिक्श्चर्स**—डा० राजकुमार द्विवेदी नवीन संस्करण २-५०

७६४३ **औपसर्गिक रोग**—डा० घाणेकर । १-२ भाग २२-००

७६४४ **औषध गुण धर्म विवेचन** । अजिल्द ३-०० सजिल्द ४-५०

*७६४५ **काकचण्डीश्वरकल्पतंत्रम्**—हिन्दी टीका सहित २-००

*७६४६ **कामकुञ्जलता**—मूलमात्र २०-००

*७६४७ **कामसूत्रम्** । 'जयमंगला' टीका सहित विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित । व्याख्याकार, देवदत्त शास्त्री १६-००

*७६४८ **कायचिकित्सा** । प्रथम भाग आयुर्वेदीय चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त तथा उनका क्रियात्मक स्वरूप । कविराज रामरक्ष पाठक १२-५०
द्वितीय भाग ज्वर चिकित्सा । १२-५०
तृतीय भाग यन्त्रस्थ

*७६४९ **काय-चिकित्सा**—आयुर्वेदाचार्य गङ्गासहाय पाण्डेय २५-००

*७६५० **काश्यपसंहिता**—श्री सत्यपाल आयुर्वेदालंकार कृत विद्योतनी हिन्दी टीका एवं राजगुरु हेमराजजी कृत संस्कृत-हिन्दी विस्तृत उपोद्घात सहित । १६-००

*७६५१ **कौमारभृत्य (नव्यबालरोग सहित)**—लेखक-श्री रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी ए. एम. एस । नवीन संशोधित परिवर्द्धित संस्करण ८-००

*७६५२ **क्वाथमणिमाला**—हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ

*७६५३ **क्रियात्मक औषधि परिचय विज्ञान** । श्रीविश्वनाथ द्विवेदी सचित्र १२-००

*७६५४ **क्लिनिकल पैथोलॉजी** (बृहत् मल-मूत्र-कफ-रक्तादि परीक्षा)
[Clinical Pathology (including Laboratory Technique, Parasitology & Bacteriology.)]
डॉ० शिवनाथ खन्ना । सचित्र १०-०

*७६५५ **गदनिग्रहः** । शोढल विरचित। विद्योतिनी हिन्दी व्याख्या सहित
प्रथम भाग १५-००
उत्तरार्द्ध यन्त्रस्थ

*७६५६ **गर्भरक्षा तथा शिशु-परिपालन**—डा० मुकुन्दस्वरूप वर्मा ४-५०

*७६५७ **गूलर गुण विकाशः**—वैद्यभूषण श्री चन्द्रशेखरधर मिश्र १-००

७६५८ **गृहविज्ञान** । कालेड़ा ०-५०

*७६५९ **चक्रदत्त**—नवीन वैज्ञानिक भावार्थसन्दीपनी हिन्दीटीका एवं विविध परिशिष्ट सहित। टीकाकार-श्री जगदीश्वरप्रसाद त्रिपाठी ए. एम. एस.
अजिल्द १०-००, कपड़े की पक्की जिल्द १२-००

*७६६० **चरकसंहिता—मूल** । भागीरथी टिप्पणीसहित समाप्त

*७६६१ **चरकसंहिता** । सविमर्श 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्योपेता । व्याख्याकार :-पं० काशीनाथ शास्त्री, डॉ० गोरखनाथ चतुर्वेदी । सम्पादक :-पं० राजेश्वरदत्त शास्त्री, पं० यदुनन्दन उपाध्याय, डा० गंगासहाय पाण्डेय, पं० ब्रह्मशंकर मिश्र । संपूर्ण १-२ भाग ३६-००
(सूत्रस्थानादि इन्द्रियस्थानपर्यन्तः) प्रथम भाग १६-००
(चिकित्सादिग्रन्थसमाप्तिपर्यन्तः) डा० बनारसीदास गुप्ता कृत बृहत् परिशिष्ट युक्त । द्वितीय भाग २०-००

*७६६२ **चरकसंहिता का निर्माण-काल (काश्यपसंहिता निर्माण काल** सहित) वैद्य रघुवीरशरण शर्मा २-००

७६६३ **चिकित्सा तत्त्वप्रदीप** । प्रथम भाग अजिल्द ९-०० सजिल्द ११-००
द्वितीय भाग अजिल्द १०-०० सजिल्द १२-००

७६६४ **चिकित्सादर्श**—वैद्य राजेश्वरदत्त शास्त्री । १-२ भाग १८-००

*७६६५ **चौखम्बा-चिकित्सा-विज्ञान-कोश** । डा० गंगासहाय पांडेय २०-००

७६६६ **जीवाणु विज्ञान**—ले० डा० घाणेकर १३-००

७६६७ **ज्वर विज्ञान** । अजिल्द ३-०० सजिल्द ४-५०

७६६८ **ज्वरविवेचन** (ज्वर निदान चिकित्सा) लीलाधर शास्त्री १०-००

*७६६९ **तापमापन (थर्मामीटर)**—ले० डा० राजकुमार द्विवेदी ०-२५

७६७० **तुलसी** । श्री रमेश वेदी । २-००

*७६७१ **तुलसीविज्ञान**—विविध रोगों पर तुलसी के ३४३ सफल सुलभ प्रयोगों का संग्रह ०-७५

७७०१ **पेनिसिलिन व स्ट्रेप्टोमाइसीन विज्ञान** तथा **मूत्रपरीक्षा** १-२५

७७०२ **प्रत्यक्षशारीरम् (संस्कृत)** गणनाथसेन कृत। प्रथम भाग यन्त्रस्थ, तृतीय भाग यन्त्रस्थ, द्वितीय भाग ९-७५

*७७०३ **प्रत्यक्षशारीरम्**। गणनाथसेन कृत। हिन्दी। प्रथम भाग १०-०० द्वितीय भाग १५-०० १-२ भाग २५-००

*७७०४ **प्रसूति विज्ञान**—ले०—डा० रमानाथ द्विवेदी एम. ए., ए. एम. एस. १०-००

*७७०५ **प्रारम्भिक उद्भिद् शास्त्र**—प्रो० बलवंत सिंह एम. एस-सी. ४-५०

*७७०६ **प्रारम्भिक भौतिकी**—लेखक-श्री निहालकरण सेठी ५-५०

*७७०७ **प्रारम्भिक रसायन**—प्रो० श्री फूलदेवसहाय वर्मा ४-५०

*७७०८ **प्लीहा के रोग और उनकी चिकित्सा**—लेखक-कविराज ब्रह्मानन्द चन्द्रवंशी ०-३५

*७७०९ **फलसंरक्षण विज्ञान (Fruit Preservation)**— डा० युगलकिशोर गुप्त आयुर्वेदाचार्य १-००

७७१० **बरगद**। श्री रमेश वेदी। १-००

*७७११ **बस्तिशलाकाप्रवेश (एनीमा और कैथेटर)** ०-४०

*७७१२ **बीसवीं शताब्दी की औषधियाँ**—डा० मुकुन्दस्वरूप वर्मा ८-००

७७१३ **भारतीय जनता का स्वास्थ्य तथा आयुर्वेद**। ०-७५

*७७१४ **भारतीय रसपद्धति**—कविराज अत्रिदेव गुप्त १-५०

*७७१५ **भावप्रकाश**। मूल। पूर्वार्द्ध ३-००

*७७१६ **भावप्रकाश**—नवीन वैज्ञानिक विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित पूर्वार्द्ध भाग १२-०० मध्यमोत्तर खण्ड १५-०० संपूर्ण २६-००

*७७१७ **भावप्रकाश-ज्वराधिकार**—नवीन वैज्ञानिक विद्योतिनी हिन्दी टीका परिशिष्ट सहित ५-००

*७७१८ **भावप्रकाशनिघण्टु**—संपादक-आयुर्वेदाचार्य गंगासहाय पाण्डेय ए. एम. एस.। डा० श्रीकृष्णचन्द्र चुनेकर विरचित विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, वनौषधियों के सुविस्तृत परिचय, गुण-धर्म आदि से विभूषित आयुर्वेदिक कालेज के छात्रों व आधुनिक चिकित्सकों के लिए नवीन मौलिक संस्करण। परिशिष्ट सहित। ९-००

*७७१९ **भिषक्कर्मसिद्धि**। डा० रमानाथ द्विवेदी २०-००

७७२० **भूलोक में अमृत-गाय का दूध**। ०-७५

*७७२१ **भेलसंहिता**। सटिप्पण शोधपूर्ण सम्पादित नवीन संस्करण १०-००

*७७२२ **भैषज्य कल्पना विज्ञान**। डॉ० अवधविहारी अग्निहोत्री ५-००

*७७२३ **भैषज्यरत्नावली**—विद्योतिनी हिन्दी टीका विमर्श टिप्पणी परिशिष्ट सहित। टीकाकार—कविराज अम्बिकादत्त शास्त्री ए. एम. एस. १६-००

७७२४ **मदनपाल निघण्टु**—मूल टिप्पणी सहित १-००

*७७२५ **मर्म-विज्ञान-सचित्र**—ले० श्री रामरक्ष पाठक आयुर्वेदाचार्य ३-५०

*७७२६ **माधवनिदानम्**—सुधालहरी संस्कृत टीका सहित यन्त्रस्थ

*७७२७ **माधवनिदानम्**—संपादक-वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय, बी० ए०, ए० एम० एस०। मधुकोष संस्कृत तथा विद्योतिनी हिन्दी टीका, वैज्ञानिक विमर्श परिशिष्ट सहित। टीकाकार-आयुर्वेदाचार्य श्रीसुदर्शन शास्त्री ए. एम. एस.। १-२ भाग १४-००

*७७२८ **माधवनिदानम्**—मधुकोष संस्कृत व्याख्या मनोरमा हिन्दी टीका सहित ६-००

*७७२९ **माधव-निदानम्**—सर्वांगसुन्दरी हिन्दी टीका सहित ४-५०

७७३० **मिर्च**। श्री रमेश वेदी १-००

७७३१ **मूत्र के रोग**—ले० डा० घाणेकर। ६-००

*७७३२ **यकृत् के रोग और उनकी चिकित्सा**—लेखक—वैद्य श्री सभाकान्त झा २-००

*७७३३ **योग-चिकित्सा**—लेखक—अत्रिदेव गुप्त विद्यालंकार ३-५०

*७७३४ **योगरत्नाकर**—मूल गुटका संस्करण ६-००

*७७३५ **योगरत्नाकर**—विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित १८-००

७७३६ **रक्त के रोग**—ले० डा० घाणेकर। नवीन आवृत्ति १०-००

*७७३७ **रतिमञ्जरी**। गद्य-पद्यात्मक हिन्दी अनुवाद सहित ०-४०

*७७३८ **रसकौमुदी**—ज्ञानचन्द्र शर्मा विरचित। हिन्दी टीका सहित १-५०

*७७३९ **रसचिकित्सा**—लेखक-कविराज प्रभाकर चट्टोपाध्याय ६-००

७७४० **रसतत्त्वविवेचन**। हिन्दी टीका सहित ३-५०

७७४१ **रसतन्त्रसार व सिद्धप्रयोग संग्रह**। प्रथम भाग अजिल्द १०-००
सजिल्द १२-००
द्वितीय भाग अजिल्द ६-०० सजिल्द ८-००

*७७४२ **रसरत्नसमुच्चय**—मूल टिप्पणी सहित। सुलभ संस्करण ३-००
उत्तम संस्करण ३-७५

*७७४३ **रसरत्नसमुच्चय**—नवीन सुरत्नोज्ज्वला-विस्तृत हिन्दीटीका परिशिष्ट सहित। टीकाकार—आचार्य श्री अम्बिकादत्त शास्त्री ए. एम. एस १०-००

७७४४ **रसशास्त्र प्रवेशिका**। बद्रीनारायण शर्मा अनुवादित २-००

७७४५ **रसहृदयतंत्र**। संस्कृत-हिन्दी टीका। प्रथम भाग अजिल्द ५-००
सजिल्द ६-५०

*७७४६ **रसादि परिज्ञान**—ले०-आ० बृहस्पति पं० जगन्नाथप्रसाद शुक्ल २-५०
*७७४७ **रसाध्याय**—संस्कृत टीका सहित १-००
*७७४८ **रसायनखण्ड (रसरत्नाकर का चतुर्थ खण्ड)** ०-७५
*७७४९ **रसार्णवं नाम रसतंत्रम्**—सविवरण भागीरथी टिप्पणी से युक्त ८-००
*७७५० **रसेन्द्रसारसंग्रह**—बालबोधिनी-भागीरथी टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ
*७७५१ **रसेन्द्रसारसंग्रह**—(सचित्र) गूढार्थसंदीपिका संस्कृत टीका सहित । टीकाकार-आयुर्वेदाचार्य अम्बिकादत्त शास्त्री ए. एम. एस. ५-००
*७७५२ **रसेन्द्रसारसंग्रह**—(सचित्र) नवीन वैज्ञानिक रसचन्द्रिका हिन्दी टीका विमर्श परिशिष्ट सहित । टीकाकार—श्री गिरिजादयालु शुक्ल ए. एम. एस. ७-००
७७५३ **रसेन्द्रसारसंग्रह**—वैद्य घनानन्द कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ११-००
७७५४ **रसोपनिषद्** । हिन्दी टीका सहित । प्र. भाग अजिल्द ५-०० सजिल्द ६-५०
*७७५५ **राजकीय ओषधियोग संग्रह**—श्री रघुवीर प्रसाद त्रिवेदी समाप्त
*७७५६ **राजमार्तण्डः**—भोजराज विरचित । विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित २-५०
*७७५७ **राष्ट्रिय चिकित्सा सिद्ध योग संग्रह**—लेखक-आयुर्वेदाचार्य श्री रघुवीर प्रसाद त्रिवेदी ए. एम. एस. १-५०
*७७५८ **रोगनामावली कोष**—लेखक डा० दलजीतसिंह आयुर्वेदबृहस्पति ३-५०
७७५९ **रोग निवारण** । डा० शिवनाथ खन्ना १४-००
*७७६० **रोग परिचय** (Clinical Medicine) ले० डा० शिवनाथ खन्ना एम. बी. बी. एस. १५-००
*७७६१ **रोगिपरीक्षाविधि**—(सचित्र) ले० आचार्य प्रियव्रत शर्मा एम. ए., ए. एम. एस. ६-००
*७७६२ **रोगिरोग-विमर्श** । डा० रमानाथ द्विवेदी ए. एम. एस. २-००
*७७६३ **रोगीपरीक्षा** । डा० शिवनाथ खन्ना ६-००
७७६४ **लहसुन प्याज** । श्री रमेश वेदी । २-५०
*७७६५ **लोहसर्वस्वम्**—सुरेश्वर विरचित । हिन्दी टीका सहित २-००
*७७६६ **वनौषधिचन्द्रोदय**—विशाल निघण्टु ग्रन्थ । पृथक्-पृथक् प्रत्येक भाग का मूल्य ५-०० तथा सम्पूर्ण ग्रन्थ १-१० भाग का ४०-००
७७६७ **वनौषधिदर्शिका**—वनस्पतिविशेषज्ञ प्रोफेसर बलवन्त सिंह ४-००
*७७६८ **वाग्भट्ट विवेचन** । (शास्त्रीय विवेचन) श्री प्रियव्रत शर्मा कृत । प्रथम खण्ड यन्त्रस्थ
*७७६९ **विषविज्ञान और अगदतंत्र**—लेखक—डा० युगलकिशोर गुप्त एवं डा० रमानाथ द्विवेदी २-००

*७७७० **वैद्यजीवन**—अभिनव सुधा हिन्दी टीका टिप्पणी सहित। टीकाकार—श्री कालिकाचरणशास्त्री ए. एम. एस. १-२५

*७७७१ **वैद्यक परिभाषा प्रदीप**—प्रदीपिका हिन्दी टीका सहित। टीकाकार—श्री प्रयागदत्त जोशी आयुर्वेदाचार्य। द्वितीय संस्करण १-५०

*७७७२ **वैद्यकीय सुभाषित साहित्य**। डॉ० भास्कर गोविन्द घाणेकर २०-००

*७७७३ **वैद्यकीय सुभाषितावली**—लेखक-डा० प्राणजीवन माणेकचन्द मेहता। मूल संस्कृत, अंग्रेजी अनुवाद सहित २-००

७७७४ **वैद्य सहचर**—श्री विश्वनाथ द्विवेदी ३-००

७७७५ **वैद्योद्बोधन**। गिरजादत्त पाठक वैद्य ०-९५

*७७७६ **व्यवहारायुर्वेद-विषविज्ञान-अगदतंत्र**—लेखक—डा० युगल किशोर गुप्त एवं डा० रमानाथ द्विवेदी ५-००

७७७७ **शल्यतन्त्र में रोगी परीक्षा**—ले० डा० पी० जे० देशपांडे ७-००

*७७७८ **शल्यप्रदीपिका** (सचित्र) डॉ० मुकुन्दस्वरूप वर्मा। परिवर्द्धित संस्करण १५-००

७७७९ **शहतूत**। श्री रमेश वेदी ०-४०

७७८० **शहद**। श्री रमेश वेदी। ३-००

७७८१ **शारीरतत्त्वदर्शनम्**। हिर्लेकर शर्मा। संस्कृत टीका हिन्दी अनुवाद सहित ६-००

*७७८२ **शार्ङ्गधरसंहिता**—सुबोधिनी हिन्दी टीका, वैज्ञानिक विमर्श, लक्ष्मी नामक टिप्पणी तथा पथ्यापथ्यादि विविध परिशिष्ट सहित ५-००

*७७८३ **शालाक्यतंत्र (निमितंत्र)**। डा० रमानाथ द्विवेदी एम. ए., ए. एम. एस.। द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण ९-००

*७७८४ **शिलाजीत विज्ञान**—डा० जाह्नवी प्रसाद जोशी ०-७५

७७८५ **संक्षिप्त औषध-परिचय**। कालेड़ा ०-६२

७७८६ **सन्दिग्ध द्रव्यविज्ञान**। पं० राजितराम पाण्डेय १-५०

७७८७ **सन्निपातज्वरचिकित्सा**। कविराज चक्रपाणि शर्मा ६-००

*7788 SURGICAL ETHICS IN AYURVEDA : By Dr. G. D. Singhal and Pt. Damodar Sharma Gaur. (Chow. Sans. Studies Vol. XL) 5-00

*७७८९ **सामान्य रोगों की रोकथाम**। डा० प्रियकुमार चौबे ३-५०

७७९० **सिद्ध परीक्षा पद्धति**। प्रथम भाग ८-००

*७७९१ **सिद्धभैषज संग्रह**—लेखक-आयुर्वेदाचार्य श्री युगलकिशोर गुप्त। मूल्य सुलभ संस्करण ७-०० उत्तम संस्करण ८-०० राज संस्करण ९-००

*७७९२ **सिद्धान्तनिदानम्** । गणनाथसेन कृत । संस्कृत । १-२ भाग १४-००

*७७९३ **सुश्रुत संहिता** । सुदामा मिश्र शास्त्री कृत सुधा संस्कृत टीका सहित यन्त्रस्थ

*७७९४ **सुश्रुतसंहिता**—'आयुर्वेद तत्त्वसंदीपिका' हिन्दी व्याख्या वैज्ञानिक विमर्श सहित । व्याख्याकार-डा० कविराज अम्बिकादत्त शास्त्री एम. ए., ए. एम. एस. । १-२ भाग । संपूर्ण २४-००

१ **सूत्र-निदानस्थान** ७-०० २ **शारीरस्थान** ३-५०

३ **चिकित्सा-कल्पस्थान** ६-०० ४ **उत्तरतन्त्र** १२-५०

*7795 SUSRUTA SAMHITA : With a full and Comprehensive Introduction, English Translation and Different Readings etc., with Plates by Kaviraja Kunjalal Bhishagratna, M. R. A. S. 3 Vols. (Chow. Sans. Studies Vol. XXX) 60-00

*७७९६ **सुश्रुतसंहिता-शारीरस्थान**—नवीन वैज्ञानिक 'प्रभा'-'दर्पण' विस्तृत हिन्दी टीका सहित ३-५०

*७७९७ **सूचीवेध-विज्ञान (Injection Therapy)**—लेखक-डा० राजकुमार द्विवेदी-नवीन परिवर्द्धित संस्करण २-५०

*७७९८ **सौश्रुती**—लेखक-आयुर्वेद बृहस्पति डा० रमानाथ द्विवेदी १०-००

*७७९९ **स्टेथिस्कोप तथा नाड़ी परीक्षा**—डा० जाह्नवीप्रसाद जोशी ०-७५

*७८०० **स्त्रीरोग विज्ञान** (सचित्र) डा० रमानाथ द्विवेदी ३-५०

७८०१ **स्वस्थवृत्त समुच्चय**—श्री राजेश्वरदत्तशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ७-००

*७८०२ **स्वास्थ्यविज्ञान** (सचित्र) डा० भास्कर गोविन्द घाणेकर ७-५०

*७८०३ **स्वास्थ्यशिक्षापाठावलि** । डा० भास्कर गोविन्द घाणेकर ३-५०

*७८०४ **स्वास्थ्य संहिता**—हिन्दी टीका सहित । रचयिता-आयुर्वेदाचार्य कविराज नानकचन्द्र वैद्य शास्त्री २-५०

७८०५ **हमारी आँखें** । सचित्र । डॉ० एम० एस० अग्रवाल ५-००

*७८०६ **हैजा (विसूचिका) चिकित्सा**—डा० जाह्नवी प्रसाद ०-७५